| صحيفة | |
|---|---|
| ٣ | مسند ابي سعيد الخدري رضي الله تعالى عنه |
| ٩٨ | مسند أنس بن مالك رضي الله تعالى عنه |
| ٩٩ | مسند جابر بن عبد الله رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٠ | (مسند المكيين) |
| ٤٠٠ | مسند صفوان بن أمية الجمحي عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٠٣ | مسند حكيم بن حزام عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٠٣ | ومن حديث هشام بن حكيم بن حزام رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٥ | حديث سبرة بن معبد رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٦ | حديث عبد الرحمن بن أبزى الخزاعي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٧ | حديث نافع بن عبد الحارث رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٨ | احاديث ابي محذورة المؤذن رضي الله تعالى عنه |
| ٤٠٩ | احاديث ثوبة بن عثمان الحجر رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٠ | احاديث أبي الحكم أو الحكم بن سفيان رضي الله تعالى عنه |
| | احاديث عثمان بن ملحة رضي الله تعالى عنه |
| | احاديث عبد الله بن السائب رضي الله تعالى عنه |
| ٤١١ | احاديث عبد الله بن حبشي رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٢ | حديث جد أسعد بن أسيد رضي الله تعالى عنه |
| | احاديث الحرث بن رصاء رضي الله تعالى عنه |
| | احاديث مطيع بن الاسود رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٢ | احاديث قدامة بن عبد الله بن عمار رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٣ | احاديث سفيان بن عبد الله الثقفي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل عن أبيه رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٤١٤ | حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل أدرك النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث كلدة بن الحنبل رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٤ | احاديث مصعب النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤١٥ | حديث بشير بن سحيم رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الاسود بن خلف رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ابي كليب رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٥ | حديث من سمع منادي النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤١٦ | حديث عريف من عرفاء قريش رضي الله تعالى عنه |
| | حديث جد عكرمة بن خالد المخزومي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي طريف رضي الله تعالى عنه |
| | من حديث صخر الغامدي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي بكر بن أبي زهير عن أبيه رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الحارث بن عبد الله بن أوس رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٧ | ومن حديث صخر الغامدي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث اياس بن عبد من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث كيسان عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث الارقم بن أبي الارقم رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ابن عباس عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤١٧ | حديث أبي عمرة الانصاري رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٨ | حديث عمير بن سلمة الضمري رضي الله تعالى عنه |
| | حديث محمد بن حاطب الجمحي رضي الله تعالى عنه |
| ٤١٨ | حديث ابن أبي زيد رضي الله تعالى عنه |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٤١٩ | حديث كردم بن سفيان رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الله المزني رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي سلمة الخدري رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الرحمن بن خنبش رضي الله عنه |
| ٤١٩ | حديث ابن عباس عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٢٠ | حديث عياش بن ربيعة رضي الله تعالى عنه |
| | احاديث المطلب بن أبي وداعة رضي الله عنه |
| | احاديث جمع بن جارية رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢١ | حديث جبار بن صخر عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث ابن أبي حرام رضي الله تعالى عنه |
| | حديث قيس بن سعد بن عبادة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٢٢ | حديث وهب بن خديفة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث عمير بن ساعدة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ثهيد بن معاوية العماري رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٣ | حديث عمرو بن يثربي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي حدرد الاسلمي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عمرو بن أم مكتوم رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٣ | حديث عبد الله الزرقي يقال عبد بن رفاعة الزرقي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٤ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث جد أبي الأشد السلمي رضي الله عنه |
| | حديث عبد بن عاصم السلمي رضي الله عنه |
| | حديث أبي الجعد الضمري رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٥ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث السائب بن عبد الله رضي الله عنه |
| ٤٢٦ | حديث السائب بن خباب رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٦ | حديث عمرو بن الاحوص رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رافع بن عمرو المزني رضي الله تعالى عنه |
| | حديث معقيب عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث محرش الكعبي الجزائي رضي الله تعالى عنه |

| صحيفة | |
|---|---|
| | حديث أبي حازم عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٢٧ | بقية حديث محرش الكعبي رضي الله عنه |
| ٤٢٧ | حديث أبي اليسر الانصاري كعب بن عمرو رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٨ | حديث أبي فاطمة عن النبي صلى الله عليه وسلم زياده في حديث عبد الرحمن بن شبل رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٨ | حديث عامر بن شهر رضي الله تعالى عنه |
| ٤٢٩ | حديث معاوية الليثي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث معاوية بن جاهمة السلمي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي عزة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الحوت بن زياد رضي الله تعالى عنه |
| | حديث مسكل بن يزيد وغيره رضي الله تعالى عنه |
| | حديث طلحة بن قيس بن عفارة رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٠ | زيادة في حديث ابن أبي اباية بن عبد المنذر رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عمرو بن الجموح رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٠ | حديث عبد الرحمن بن سمرة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٣١ | حديث وفد عبد القيس عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث نعيم بن دجاجة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | تتمة حديث صخر العامدي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٢ | بقية حديث وفد عبد القيس رضي الله عنه |
| ٤٣٣ | حديث سهل بن سعد الساعدي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٤ | حديث حكيم بن حزام عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث معاوية بن قرة عن أبيه رضي الله عنه |
| ٤٣٥ | حديث أبي اياس رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الاسود بن سريع رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٦ | بقية حديث معاوية بن قرة رضي الله تعالى عنه |

| صحيفة | | صحيفة | |
|---|---|---|---|
| ٤٣٦ | حديث مالك بن الحويرث رضي الله تعالى عنه | ٤٦٠ | حديث حجاج الاسلمي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٣٧ | حديث هبيب بن مغفل رضي الله تعالى عنه | | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث أبي بردة بن قيس أخو أبي موسى | | حديث عبد الله بن حذافة رضي الله تعالى عنه |
| | الاشعري رضي الله تعالى عنه | ٤٥١ | حديث عبد الله بن رواحة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث معاذ بن أنس الجهني رضي الله عنه | | حديث سهيل بن البيضاء عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٤٠ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم | | حديث عقيل بن أبي طالب رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل من النبي صلى الله عليه وسلم | | حديث فروة بن مسيك رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبادة بن الوليد بن عبادة عن أبيه | | حديث رجل من الانصار رضي الله تعالى عنه |
| | رضي الله تعالى عنه | ٤٥٢ | حديث رجل من جهز رضي الله تعالى عنه |
| | حديث النخعي عن النبي صلى الله عليه وسلم | | حديث الضحاك بن سفيان رضي الله تعالى عنه |
| ٤٤٢ | حديث قثم بن عباس أو تمام بن قثم عن أبيه | | حديث أبي لبابة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | رضي الله تعالى عنه | ٤٥٣ | حديث الضحاك بن قيس رضي الله تعالى عنه |
| | حديث حسان بن ثابت رضي الله تعالى عنه | | حديث أبي صرمة رضي الله تعالى عنه |
| ٤٤٣ | حديث بشر أو بسر عن النبي صلى الله عليه | | حديث عبد الرحمن بن عثمان رضي الله عنه |
| | وسلم | | حديث معمر بن عبد الله رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سويد الانصاري رضي الله تعالى عنه | ٤٥٤ | حديث عمرو بن أشقر رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الرحمن بن أبي قراد رضي الله عنه | | حديث جدة حبيب رضي الله تعالى عنه |
| | حديث مولى لرسول الله صلى الله عليه وسلم | | حديث كعب بن مالك رضي الله تعالى عنه |
| | حديث معاوية بن الحكم رضي الله تعالى عنه | ٤٦٢ | حديث سويد بن النعمان رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الهلالي بن عتبة رضي الله تعالى عنه | | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٤٤ | حديث عبد الرحمن بن شبل رضي الله عنه | ٤٦٣ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث عامر بن ربيعة رضي الله تعالى عنه | | حديث راهب بن خدج رضي الله تعالى عنه |
| ٤٤٧ | حديث عبد الله بن عامر رضي الله تعالى عنه | ٤٦٦ | حديث أبي بردة بن نيار رضي الله تعالى عنه |
| ٤٤٧ | حديث سويد بن مقرن رضي الله تعالى عنه | | حديث أبي سعيد بن أبي فضالة رضي الله |
| ٤٤٨ | حديث أبي حدرد الاسلمي رضي الله تعالى عنه | | تعالى عنه |
| | حديث مهران مولى لرسول الله صلى الله عليه | | حديث سهيل بن بيضاء عن النبي صلى الله |
| | وسلم | | عليه وسلم |
| | حديث رجل من أسلم رضي الله تعالى عنه | ٤٦٧ | حديث سلمى بن سلامة بن وقش عن النبي صلى |
| | حديث سهل بن أبي حثمة رضي الله تعالى عنه | | الله عليه وسلم |
| | حديث عصام المزني رضي الله تعالى عنه | | حديث سعيد بن حريث أخي عمرو بن حريث |
| ٤٤٩ | حديث السائب بن يزيد رضي الله تعالى عنه | | رضي الله تعالى عنه |
| ٤٥٠ | حديث أبي سعيد بن المعلى عن النبي صلى الله | | حديث حوشب صاحب النبي صلى الله عليه |
| | عليه وسلم | | وسلم |
| | حديث الحجاج بن عمرو الانصاري رضي الله | | حديث جندب بن مكيث عن النبي صلى الله |
| | تعالى عنه | | عليه وسلم |
| | حديث أبي سعيد الفرقي رضي الله تعالى عنه | | |

| صحيفه | |
|---|---|
| ٤٦٨ | حديث سويد بن هبيرة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث هشام بن حكيم بن حزام رضي الله عنه |
| | حديث حاشع بن مسعود رضي الله تعالى عنه |
| ٤٦٩ | حديث بلال بن الحارث المزني رضي الله عنه |
| | حديث حبة وسواء ابني خالد رضي الله عنه |
| | حديث عبد الله بن أبي الجدعاء رضي الله عنه |
| ٤٧٠ | حديث عبادة بن قرط رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سعد بن يزيد السلمي رضي الله عنه |
| | حديث عبد الله بن ثابت رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧١ | حديث رجل من جهينة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عمير الخزاعي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث جعدة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث خالد بن صفوان رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ابي روح الكلاعي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٢ | حديث طارق بن أشيم الأشجعي ابن أبي مالك رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الله البكري عن رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٧٣ | حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث مالك بن نضلة أبي الاحوص رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٤ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل عن اعمى صلى الله عليه وسلم |
| | حديث بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل من أصحاب بدر عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث معقل بن سنان عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٧٤ | حديث عمرو بن سلمة عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٧٥ | حديث بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل لم يسم عن النبي صلى الله عليه وسلم |

| صحيفه | |
|---|---|
| | حديث ابي عمرو بن حفص رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٦ | حديث أبي النعمان الانصاري رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سلمة بن الحبق رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٦ | حديث قبيصة بن مخارق رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٧ | حديث كرز بن علقمة الخزاعي رضي الله عنه |
| | حديث عامر المزني الخزاعي عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٧٧ | حديث أبي المعلى رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٨ | حديث سلمان بن يزيد الجعفي رضي الله عنه |
| | حديث عاصم بن عمر رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٧٨ | حديث وهب الاسلمي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٩ | حديث الحجاج رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ابن عباس رضي الله تعالى عنه |
| | حديث اعرابي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل عن أبي موسى رضي الله تعالى عنه |
| ٤٧٩ | حديث شجع بن يزيد رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٠ | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث معقل بن سنان الاشجعي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٠ | حديث يسيرة عن أبيها رضي الله تعالى عنهما |
| ٤٨١ | حديث ابن الرسيم عن أبيه رضي الله عنهما |
| | حديث عبيدة بن عمرو رضي الله تعالى عنه |
| | حديث جد طلحة الايامي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨١ | حديث الحارث بن حسان البكري رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٢ | حديث أبي تميمة الهجيمي عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٤٨٣ | حديث صخار العبدي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سبرة بن أبي فاكه رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الله بن أرقم عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث عمرو بن شاس الاسلمي رضي الله عنه |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٤٨٣ | حديث سوادة بن الربيع رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٤ | حديث هند بن أسماء رضي الله تعالى عنه |
| | حديث جارية من قرامة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث ذي الحوشن رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي عسيب رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٥ | حديث الهرماس بن زياد رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الحارث بن عمرو رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سهل بن حنيف رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٧ | حديث رجل يسمى طلحة وليس هو طلحة بن عبيد الله رضي الله تعالى عنه |
| | حديث نعيم بن مسعود رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٨ | حديث سويد بن النعمان رضي الله تعالى عنه |
| | حديث الأقرع بن حابس رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رافع بن الربيع رضي الله تعالى عنه |
| ٤٨٨ | حديث أبي موهبة مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم |
| ٤٨٩ | حديث زاذان بن حبيش رضي الله تعالى عنه |
| | حديث أبي جحيفة الدوسي عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث أبي بكرة رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٠ | حديث واثلة بن الاسقع بن الشاخين رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩١ | حديث ربيعة بن يزيد الدمشقي رضي الله عنه |
| ٤٩٣ | باقي حديث خديج بن سالم رضي الله تعالى عنه |
| | وبقية حديثه في مسند الشاميين |
| | حديث كعب بن زيد أو زيد بن كعب رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٣ | حديث شداد بن الهاد رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٤ | حديث حمزة بن عمرو الاسلمي رضي الله عنه |
| | حديث علقمة عن عباس رضي الله عنه |
| ٤٩٥ | حديث نفقران مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم |

| صحيفة | |
|---|---|
| | حديث عبد الله بن أنيس رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٦ | حديث ابي اسيد الساعدي رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٨ | بقية حديث عبد الله بن أنيس رضي الله تعالى عنه |
| | حديث سليمان بن عمرو بن الاحوص عن أبيه رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٩ | بقية حديث خريم بن فاتك رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد الرحمن بن عثمان عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث عياض رضي الله تعالى عنه |
| ٤٩٩ | حديث هوذة الانصاري ثم جدر رضي الله تعالى عنه |
| ٥٠٠ | حديث بشير بن عقربة رضي الله تعالى عنه |
| | حديث عبد بن حاله السلمي رضي الله تعالى عنه |
| | حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| | حديث خادم النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٥٠١ | حديث وحشي الحبشي عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٥٠١ | حديث رافع بن مكيث عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٥٠٢ | حديث أبي لبابة عبد المنذر بن عبد المنذر رضي الله تعالى عنهما |
| | حديث نجيح بن يعقوب عن غلام من أهل قباء أدرك النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٥٠٢ | حديث زينب امرأة عبد الله رضي الله تعالى عنهما |
| ٥٠٣ | حديث رائطة امرأة عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم |
| ٥٠٣ | حديث أم سليمان بن عمرو بن الاحوص رضي الله تعالى عنها |

*(فهرست منتخب كنز العمال الموضوع بهامش الجزء الثالث من مسند الامام أبي عبد الله أحمد بن محمد بن حنبل رضي الله عنه)*


| صحيفه | | صحيفة | |
|---|---|---|---|
| ٢ | الفصل الرابع في الصرف جوازا ومنعا | ٣٥ | الفصل الاول في الترغيب في السفر |
| ٧ | الباب الثالث في الفقر والفقراء والغربا وما يتعلق به وفيه أربعة فصول | ٣٦ | الفصل الثاني في آداب السفر وفيه فرعان |
| ٧ | الفصل الاول في فضل الفقر والفقراء | ٣٦ | الفرع الاول في الوداع |
| ١٧ | فقره صلى الله عليه وسلم | ٣٦ | الفرع الثاني في الآداب المتفرقة ومحظوراته وأدعية السفر |
| ١٧ | فرع في فضل الغربا | ٤٤ | الفصل الثالث في سفر المرأة |
| ١٧ | الفقر الاضطراري | ٤٤ | (الكتاب) الثاني من حرف السين كتاب السحر والكهانة وفيه ثلاثة فصول |
| ١٨ | الفصل الثاني في ذم السؤال | ٤٤ | الفصل الاول في السحر |
| ٢١ | الفصل الثالث في آداب طلب الحاجة | ٤٥ | الفصل الثاني في العين |
| ٢٣ | الفصل الرابع في آداب أخذ العطاء | ٤٧ | الفصل الثالث في الكهانة والعرافة |
| ٢٥ | (الكتاب) الثاني من حرف الزاء كتاب الزينة والتجمل وفيه ثلاثة أبواب | ٤٨ | (حرف الشين) وفيه أربعة كتب الشفعة والشهادة والشركة والشمائل |
| ٢٥ | الباب الاول في الترغيب فيه | ٤٨ | كتاب الشفعة |
| ٢٦ | الباب الثاني في أنواع الزينة وفيه فصلان | ٤٩ | كتاب الشهادات وفيه ثلاثة فصول |
| ٢٦ | الفصل الاول في أنواع الزينة على حروف المعجم | ٤٩ | الفصل الاول في الترغيب فيه |
| ٢٦ | الادهان | ٤٩ | الفصل الثاني في الترهيب عن شهادة الزور |
| ٢٦ | الاكتحال | ٥٠ | الفصل الثالث في أحكام الشهادة وآدابها وفيمن تجوز شهادته ومن لا تجوز |
| ٢٧ | التختم | ٥٤ | تزكية الشهود |
| ٢٨ | ترجل الشعر واكرامه | ٥٤ | كتاب الشركة |
| ٢٩ | تقليم الاظفار | ٥٤ | (الكتاب) الرابع من حرف الشين كتاب الشمائل وفيه أربعة أبواب |
| ٢٩ | الحلق والقص | ٥٤ | الباب الاول في خلقه صلى الله عليه وسلم |
| ٣١ | الخضاب ومحظوراته | ٥٦ | الباب الثاني في شمائل تتعلق بالعبادات وفيه ستة فصول |
| ٣٢ | الطيب ومحظوراته | ٥٦ | الفصل الاول في الطهارة |
| ٣٣ | النظر في مرآة الحجام | ٥٧ | ازالة النجاسة |
| ٣٣ | مباح زينة الرجال | ٥٧ | الغسل |
| ٣٣ | الفصل الثاني في أنواع الزينة مجموعة | ٥٧ | التخلي وآدابه |
| ٣٤ | الباب الثالث فيما يتعلق بزينة النساء من الحلي والحرير وغير ذلك | ٥٨ | التيمم |
| ٣٤ | الحلي والحرير | ٥٨ | الفصل الثاني في الصلاة |
| ٣٥ | متفرقات زينة النساء | ٥٩ | القراءة |
| ٣٥ | المحظورات | | |
| ٣٥ | (حرف السين) وفيه كتابان الكتاب الاول كتاب السفر وفيه ثلاثة فصول | | |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٥٩ | تتمة الصلاة |
| ٦٠ | السنن |
| ٦١ | الاذان |
| ٦٢ | دخول المسجد |
| ٦٢ | صلاة الجمعة |
| ٦٣ | الذكر |
| ٦٣ | الاستقامة |
| ٦٣ | صلاة نوافل قيام الليل |
| ٦٣ | صلاة الكسوف |
| ٦٤ | الفصل الثالث في الدعاء |
| ٦٣ | الهم والحزن |
| ٦٤ | الصباح والمساء |
| ٦٥ | الاستسقاء |
| ٦٥ | الريح |
| ٦٦ | الرعد |
| ٦٦ | التعوذ |
| ٦٦ | رؤية الهلال |
| ٦٧ | متفرقات الدعاء |
| ٦٧ | الفصل الرابع في الذكر وما تعلق به |
| ٦٨ | الاعتكاف |
| ٦٩ | العيد |
| ٦٩ | الفصل الخامس في الحج |
| ٧٠ | الفصل السادس في الجهاد وما تعلق به |
| ٧١ | آداب السفر |
| ٧٢ | الباب الثالث في خصال تتعلق بالعادات والمعيشة |
| ٧٢ | الطعام |
| ٧٥ | الشراب |
| ٧٥ | النوم |
| ٧٧ | اللباس |
| ٧٨ | الطيب |
| ٧٨ | الزينة والتجمل |
| ٧٩ | الاكتحال |
| | الختم |
| | الفلاء |
| | الحلق والقص |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٧٩ | النكاح |
| ٨٠ | القسم |
| ٨٠ | المباشرة وما يتعلق بها |
| ٨١ | الطب والرقى |
| ٨١ | الرقى |
| ٨٢ | التفاؤل |
| ٨٢ | الباب الرابع في شمائل تتعلق بالاخلاق والافعال والاحوال |
| ٨٣ | الشكر |
| | الصبر |
| | الحياء |
| | السخاء والشجاعة |
| | الغضب |
| | الفقر والجوع |
| ٨٣ | الضحك والمزاح |
| ٨٤ | الخروج من البيت |
| ٨٥ | كلامه صلى الله عليه وسلم |
| ٨٦ | المتفرقات |
| ٨٦ | نزول الوحي |
| ٨٦ | الجلوس والمجالس |
| ٨٧ | أخلاق تتعلق بقوى الصحبة |
| ٨٧ | السلام والاستئذان والمصافحة |
| ٨٨ | العطاس |
| ٨٨ | التسمية والكنى |
| ٨٨ | الجنائز |
| ٨٨ | الصلاة على الميت |
| ٨٩ | زيارة القبور |
| | المتفرقات |
| ٨٩ | كتاب الشمائل من قسم الافعال وفيه أربعة أبواب |
| ٨٩ | الباب الاول في حليته صلى الله عليه وسلم وفيه بعض اخلاقه أيضا |
| ٩٦ | الباب الثاني في شمائله صلى الله عليه وسلم في الاخلاق |
| ٩٦ | زهده صلى الله عليه وسلم |

صحيفه

١٠٠ فقره صلى الله عليه وسلم ورجوعه
١٠٣ مفاكهته صلى الله عليه وسلم
١٠٤ خجله صلى الله عليه وسلم
١٠٤ خوفه صلى الله عليه وسلم
١٠٤ اخلاقه صلى الله عليه وسلم في الحجب والمزاح
١٠٤ حيائه صلى الله عليه وسلم
١٠٦ الضحك
١٠٦ الباب الثالث في شمائله صلى الله عليه وسلم في العبادات
قيام الليل
١٠٨ ذكره صلى الله عليه وسلم
صومه صلى الله عليه وسلم
الباب الرابع في شمائله صلى الله عليه وسلم في العادات
اللباس
١٠٩ النكاح
الطيب
مثل منفره
١١١ سرور الدارين بمتابعته وبزراية صلى الله عليه وسلم
اعلام نبوته صلى الله عليه وسلم
فرض نبوته صلى الله عليه وسلم
١١٦ ما يتعلق بنبوته صلى الله عليه وسلم
١٢١ تأثير الناس في توابع جهازه صلى الله عليه وسلم
عباده صلى الله عليه وسلم
١٢٣ بكاؤه صلى الله عليه وسلم
صلاة الناس عليه صلى الله عليه وسلم
١٢٤ وفاته صلى الله عليه وسلم
١٢٦ جماعة من صلى الله عليه وسلم
١٢٧ ما يتعلق بقبره صلى الله عليه وسلم
١٢٨ حرف الصاد وفيه خمسة كتب الكتاب الاول
الصلح الحديبية الخ
١٢٩ كتاب الصلاة وفيه تسعة ابواب
الباب الاول في فضل الصلاة وعقوبة تاركها وفيه فصلان
الفصل الاول في الوعيد

صحيفه

١٣١ الفصل الثاني في فضائل الصلاة فرضا ونفلا
١٣٩ الباب الثاني في أحكام الصلاة وأركانها ومقدماتها وتكملاتها وفيه ثلاثة فصول
الفصل الاول في أحكام الصلاة الخارجة وفيه أربعة فروع
الفرع الاول في ستر العورة وما يتعلق به من الآداب والمنكرات
١٣٩ مقدار الفرض من الستر
١٤٣ الفرع الثاني في استقبال القبلة وتحريم المارين بدي المصلي
القبلة
١٤٤ سترة المصلي وتحريم المارين بين يديه
١٤٧ الفرع الثالث في المكان ومحظوراته وما يصلى عليه
١٤٨ الفرع الرابع في اوقات الصلوات المجتمعة والمتفرقة وما يسن تأخيرها وما يكره
١٤٨ المجتمعة
١٥١ فضيلة اول الوقت وحكم آخر الوقت
١٥٠ أدلة هذه المسألة على الترتيب
١٥١ وقت صلاة الظهر وفضيلة ابرادها في شدة الحر والتعجيل
١٥٢ وقت العصر
١٥٥ وقت صلاة المغرب وفضيلة
١٥٥ الاوقات المكروهة
١٥٦ الحرام والمكروه
١٥٧ وقت العشاء وفضيلة وتأخيرها أولا وآخرا
١٦٠ وقت الفجر وما يتعلق به
١٦٢ وقت العشاء وما يتعلق به
١٦٥ الاذان والاقامة وما يتعلق به
١٦٨ القنوت
١٧١ الاوقات المكروهة
١٧٢ الفصل الثاني في أركان الصلاة وواجباتها وفيه فرعان
١٧٢ الفرع الاول في صفة الصلاة وأركانها المجتمعة
١٧٤ الفرع الثاني في أركان الصلاة المتفرقة
١٧٤ التكبيرة الاولى وما يتعلق بها وفيه تكبيرات الانتقالات أيضا

*(بقية فهرست الجزء الثالث من منتخب كنز العمال الذى هو على هامش الجزء الثالث من مسند الامام أحمد بن حنبل رضى الله تعالى عنه)*


| صحيفه | | صحيفة | |
|---|---|---|---|
| ١٧٨ | القيام وما يتعلق به | ٢٤٤ | الفرع الاول فى الترغيب فيها والترهيب عنها وما يفعل فيها وآدابها |
| ١٨٠ | القراءة وما يتعلق بها | ٢٤٩ | الفرع الثانى فى آداب المأموم وما يتعلق بها |
| ١٨٦ | قراءة المأموم والتأمين | ٢٥٢ | الفرع الثالث فى تسوية الصفوف وفضلها وآدابها والتحذير من تركها |
| ١٨٨ | الركوع والسجود وأذكارهما وما يتعلق بهما | ٢٥٥ | الفرع الرابع فى ادراك الصلاة واعادتها وما يتعلق به |
| ١٩٦ | سجود السهو وحكمه | ٢٥٧ | الفصل الثالث فى فضائل المسجد وآدابه وحقوقه ومحظوراته ومباحاته وفيه ثلاثة فروع |
| ٢٠١ | سجود التلاوة ٢٠٣ سجدة الشكر | ٢٥٧ | الفرع الاول فى فضائل المسجد وآدابه وحقوقه من أدعية الدخول والخروج منه وركعتى التحية وما يتعلق به |
| ٢٠٣ | القعدة وما يتعلق بها والتشهد فيها | ٢٦٣ | الفرع الثانى فى محظورات المسجد ومباحاته |
| ٢٠٧ | الاشارة فى القعدة بالاصبع وقت التشهد ودعاؤه | ٢٦٧ | الفرع الثالث فى خروج النساء الى المساجد واذنهن عند رجحان الشروط ومنعهن عند عدمها |
| ٢٠٨ | الصلاة على النبى صلى الله عليه وسلم فى التشهد مع الاشارة باليد وقت السلام | ٢٦٩ | الفصل الرابع فى الاذان والترغيب فيه وآدابه واجابة المؤذن وفيه فرعان |
| ٢٠٩ | الخروج من الصلاة بالسلام أو بالكلام | ٢٦٩ | الفرع الاول فى فضل الاذان وآدابه وحقيقته وكيفيته وأحكامه وسببه |
| ٢١٠ | الفصل الثالث فى مفسدات الصلاة ومحظوراتها وآدابها وفيه أربعة فروع | ٢٧٨ | الفرع الثانى فى اجابة المؤذن |
| | الفرع الاول فى المفسدات | ٢٨٢ | الباب الثامن فى صلاة الجمعة وما يتعلق به وفيه خمسة فصول |
| ٢١٣ | الفرع الثانى فى محظورات الصلاة ومكروهاتها | ٢٨٢ | الفصل الاول فى فضائلها والترغيب فيها |
| ٢١٩ | الفرع الثالث فى آداب الصلاة ومندوباتها | ٢٨٧ | الفصل الثانى فى الساعة المرجوة فى يوم الجمعة |
| ٢٢٢ | الفرع الرابع فيما يباح فعله فى الصلاة | ٢٨٨ | الفصل الثالث فى وجوب الجمعة والترهيب على تركها ومن لا تجب عليه |
| ٢٢٤ | الباب الثالث فى قضاء الفوائت | ٢٨٩ | الفصل الرابع فى أحكام الجمعة والذى على تاركها الخ |
| ٢٢٦ | الباب الرابع فى صلاة المسافر والجمع بين الصلاتين | ٢٩٥ | الفصل الخامس فى غسل يوم الجمعة |
| ٢٢٨ | الباب الخامس فى صلاة الخوف | ٢٩٧ | الباب التاسع فى صلاة النوافل وفيه ثلاثة فصول |
| ٢٣٤ | الباب السادس فى صلاة المعذور وصلاة المرأة وحدها ومع الامام وما يتعلق بها | ٢٩٧ | الفصل الاول فى الترغيب فيها وفضل آدابها الخ |
| ٢٣٥ | الباب السابع فى صلاة الجماعة وما يتعلق بها وفيه أربعة فصول | ٣٠٠ | الفصل الثانى فى السنن والنوافل الراتبة وفيه ثلاثة فروع |
| | الفصل الاول فى الترغيب فيها وانتظار الصلاة والترهيب عن ترك الجماعة واعذار تركها وفيه فرعان | | |
| | الفرع الاول فى الترغيب فيها وفضل انتظار الصلاة وبعض أحاديث فضائل المسجد | | |
| ٢٤٢ | الفرع الثانى فى الترهيب عن ترك الجماعة واعذار تركها | | |
| ٢٤٤ | الفصل الثانى فى الامامة وما يتعلق بها وفيه أربعة فروع | | |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٣٠٠ | الفرع الاول في السنن مجملة |
| ٣٠١ | الفرع الثاني في قيام الليل ومايتعلق به |
| ٣٠٩ | الاسباب المبيحة على قيام الليل |
| ٣٠٩ | الفرع الثالث في صلاة الضحى والاشراق |
| ٣١٣ | الفرع الرابع في صلاة في وقت الزوال |
| ٣١٣ | احياء مابين العشاءين |
| ٣١٣ | الفصل الثالث في النوافل ذوات الاسباب والاوقات |
| ٣١٣ | صلاة الاستخارة |
| ٣١٤ | صلاة الحاجة |
| ٣١٤ | صلاة التراويح |
| ٣١٦ | صلاة التسبيح |
| ٣١٦ | صلاة الكسوف والخسوف وغيرها |
| ٣٢٠ | مايقال عند هبوب الريح |
| ٣٢١ | صلاة الاستسقاء وأسباب القحط ومايتعلق بها |
| ٣٢٦ | امطار الدم والرمل |
| | الكتاب الثاني من حرف الصاد كتاب الصوم وفيه بابان |
| ٣٢٦ | الباب الاول في صوم الفرض وفيه ثمانية فصول |
| ٣٢٧ | الفصل الاول في فضل الصوم مطلقا |
| ٣٣٠ | الفصل الثاني في فضل صوم شهر رمضان |
| ٣٣٩ | الفصل الثالث في أحكام تتعلق بالصوم |
| ٣٣٩ | الوقت |
| ٣٤٠ | وقت النية |
| ٣٤٠ | القضاء والكفارة |
| ٣٤١ | الصحيح والمفسد |
| ٣٤٣ | الرخصة |
| ٣٤٥ | الفصل الرابع في آداب الصوم والافطار |
| ٣٤٥ | آداب الصوم |
| ٣٤٥ | الافطار |
| ٣٤٦ | الفصل الخامس في محظورات الصوم |
| ٣٤٦ | النهي عن الوصال |
| ٣٤٧ | صيام الدهر |
| ٣٤٧ | المحظورات باعتبار الايام |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٣٤٨ | الفصل السادس في المحجور ووقته |
| ٣٤٩ | الفصل السابع في الاعتكاف وليلة القدر |
| ٣٤٩ | الاعتكاف |
| ٣٥٠ | ليلة القدر |
| ٣٥٢ | الفصل الثامن في صلاة عيد الفطر وصدقة الفطر |
| ٣٥٢ | صلاة عيد الفطر |
| ٣٥٥ | صدقة الفطر |
| | الباب الثاني في صيام النفل وفصله |
| ٣٥٦ | صيام داود عليه السلام |
| ٣٥٦ | صوم الدهر |
| | صيام أيام البيض |
| ٣٥٩ | صيام يوم الاثنين |
| | ستة شوال |
| ٣٦٠ | صيام محرم وعاشوراء |
| ٣٦١ | صيام رجب |
| ٣٦٢ | صيام شعبان |
| | صيام شهر ذي الحجة |
| ٣٦٣ | صوم يوم الجمعة والاربعاء والخميس |
| ٣٦٣ | الكتاب الثالث من حرف الصاد كتاب الصلح |
| ٣٦٣ | الكتاب الرابع من حرف الصاد كتاب الصحبة وفيه أربعة أبواب |
| ٣٦٣ | الباب الاول في الترغيب فيها |
| ٣٧١ | الباب الثاني في آداب الصحبة والمصاحب |
| ٣٧٦ | الباب الثالث في محظورات الصحبة والترهيب عن صحبة السوء |
| ٣٧٩ | الباب الرابع في حقوق تترتب على الصحبة |
| ٣٧٩ | حق الجار |
| ٣٨٣ | حق المركوب والركوب |
| ٣٨٧ | الصحبة مع المملوك وحقه |
| ٣٩٢ | حق حرية المملوك مع السيد |
| ٣٩٢ | حق عيادة المريض وفضلها |
| ٣٩٦ | الاستئناس والاستئذان وحقهما |
| ٣٩٧ | السلام وأحكامه وفضائله |
| ٣٩٧ | الفضائل والترغيب |
| ٣٩٩ | الاحكام والآداب |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٤٠٢ | محظورات الاحرام |
| ٤٠٣ | المصافحة والمعانقة وتقبيل اليد |
| ٤٠٥ | حق المجالس والجليس وما يتعلق بهما من الآداب والمحظورات الخ |
| ٤١٢ | العطاس والتشميت والجثاء والتثاؤب |
| ٤١٥ | الكتاب الخامس من حرف الصاد كتاب الصيد |
| ٤١٧ | (حرف الضاد) كتاب الضيافة وفيه ثلاثة فصول |
| ٤١٧ | الفصل الاول في الترغيب في الضيافة |
| ٤١٩ | الفصل الثاني في آداب الضيافة |
| ٤٢١ | الفصل الثالث في آداب الضيف وفيه فرعان |
| | الفرع الاول في اجابة الطعام وموانعها |
| ٤٢٢ | الفرع الثاني في آداب متفرقة |
| ٤٢٤ | حرف الطاء وفيه أربعة كتب الطهارة الطلاق الطب والرقى الطيرة والفأل |
| | كتاب الطهارة وفيه خمسة أبواب |
| | الباب الاول في فضل الطهارة مطلقا |
| ٤٢٥ | الباب الثاني في الوضوء وفيه أربعة فصول |
| | الفصل الاول في فضل الوضوء ووجوبه وفيه فرعان |
| | الفرع الاول في فضائل الوضوء |
| ٤٢٨ | الفرع الثاني في وجوب الوضوء وفرائضه |
| ٤٢٩ | الفصل الثاني في سنن الوضوء |
| | غسل اليدين بعد الاستيقاظ من النوم |
| | التسمية والاذكار |
| ٤٣٢ | المضمضة والاستنشاق والاستنثار |
| ٤٣٣ | التخليل |
| ٤٣٤ | الانتضاح |
| | السواك |
| ٤٣٦ | الاسباغ في الوضوء |
| ٤٣٧ | آداب متفرقة |
| ٤٤٠ | الفصل الثاني في محظورات الوضوء |
| ٤٤٢ | الفصل الرابع فيما ينقض الوضوء وفيما لا ينقض |
| ٤٤٥ | الباب الثالث في التخلي والاستنجاء وازالة النجاسة وفيه ثلاثة فصول |

| صحيفة | |
|---|---|
| ٤٤٥ | الفصل الاول في آداب التخلي وفيه فرعان |
| | الفرع الاول في التحرز عن اصابة البول |
| ٤٤٦ | الفرع الثاني في آداب متفرقة |
| ٤٤٩ | الاصل الثاني في محظورات التخلي |
| ٤٥١ | الفصل الثالث في ازالة النجاسة |
| ٤٥٣ | تطهير الاواني |
| ٤٥٤ | الباب الرابع في موجبات الغسل وآدابه وآداب دخول الحمام وفيه فصلان |
| ٤٥٤ | الفصل الاول في موجبات الغسل وآدابه ومحظوراته وفيه فرعان |
| ٤٥٤ | الفرع الاول في موجباته |
| ٤٥٦ | الفرع الثاني في آداب الغسل ومحظوراته |
| ٤٦٠ | أنواع الغسل المستحب والمسنون |
| ٤٦١ | أحكام الجنب وآدابه ومباحه |
| ٤٦٢ | الفصل الثاني في دخول الحمام والنهي عن كشف العورة |
| ٤٦٣ | الباب الخامس في المياه والتيمم والمسح على الخفين والعمامة وعلى الجبائر الخ وفيه خمسة فصول |
| ٤٦٣ | الفصل الاول في المياه |
| ٤٦٥ | فرع في حكم سؤر الحيوان |
| ٤٦٦ | الفصل الثاني في التيمم |
| ٤٦٩ | الفصل الثالث في المسح على الخفين وعلى العمامة والخمار وصلاة المعذور |
| ٤٦٩ | المسح على الخفين والخمار |
| ٤٧١ | طهارة المعذور وما يتعلق به |
| ٤٧٢ | الفصل الرابع في الحيض والاستحاضة والنفاس |
| ٤٧٢ | الحيض وما يتعلق به من الاحكام والآداب |
| ٤٧٤ | الاستحاضة |
| ٤٧٦ | النفاس |
| | فرع فيما يتعلق باغتسال المرأة بعد الحيض |
| ٤٧٧ | الفصل الخامس في الدباغ |
| ٤٧٨ | الكتاب الثاني من حرف الطاء كتاب الطلاق وفيه فصلان |
| | الفصل الاول في الترهيب عن الطلاق |

| صحيفة | | صحيفة | |
|---|---|---|---|
| ٤٧٨ | الفصل الثانى فى أحكام الطلاق وما يتعلق به من الآداب والمحظورات وفيه فروع | ٤٩٥ | الفرع الاول فى الترغيب فى الطب |
| ٤٧٨ | الفرع الاول فى الاحكام والآداب والمحظورات | ٤٩٦ | الفرع الثانى فى أصول الطب وأحكامه |
| ٤٨٤ | فرع فى نفقة المطلقة وسكناها | ٤٩٧ | الفصل الثانى فى الامراض والادوية النباتية والحيوانية وفيه فرعان |
| ٤٨٦ | فرع فيما يتعلق بالعدة والاحداد | ٤٩٧ | الفرع الاول فى الامراض |
| ٤٩٢ | فرع فى الاستبراء وما يتعلق به | ٤٩٧ | الحمى |
| ٤٩٣ | فرع فى التحليل والرجعة | ٤٩٨ | الجذام وما يتعلق به |
| ٤٩٥ | الكتاب الثالث من حرف الطاء الطب والرقى والطاعون وفيه بابان | ٤٩٦ | البرص |
| ٤٩٥ | الباب الاول فى الطب وفيه فصلان | ٥٠٠ | النقرس |
| ٤٩٥ | الفصل الاول فى الترغيب فى الطب وأصوله وأحكامه وفيه فرعان | | الخامرة |
| | | | عرق النسا |
| | | | الفالج |
| | | ٥٠٠ | الطاعون وما يتعلق به |


*(تمت)*

﴿الجزء الثالث﴾

من مسند امام المحدثين والقدوة فى الزهد والورع

لائمة الدين امام السنة وعلم الامة الامام أبى

عبدالله أحمد بن محمد بن حنبل

الشيبانى المروزى رحمه الله

وأنابه رضاه آمين

*(وبهامشه كتاب منتخب كنز العمال فى سنن الاقوال والافعال للشيخ الامام العارف بالله تعالى علاء الدين على بن حسام الدين الشهير بالمتقى الهندى رحمه الله تعالى آمين)*

*(ترجمة مؤلف منتخب كنز العمال على مافى الطبقات الكبرى للشعرانى)*

هو الشيخ على الهندى نزيل مكة المشرفة اجتمعت به فيها سنة سبع وأربعين وتسعمائة وترددت اليه وترددالى وكان عالما وورعا زاهدا نحيف البدن لاتكاد تحد عليه أوقية لحم من كثرة الجوع وكان كثير الصمت كثير العزلة لايخرج من بيته الا لصلاة الجمعة فى الحرم فيصلى فى أطراف الصفوف ثم يرجع بسرعة وادخلنى داره فرأيت عنده جماعة من الفقراء الصادقين فى جوانب حوش داره كل فقير له خص متوجه فيه الى الله تعالى منهم التالى ومنهم الذاكر ومنهم المراقب ومنهم المطالع فى العلم ما أعجبنى فى مكة مثله وله عدة مؤلفات منها ترتيب الجامع الصغير للحافظ السيوطى ومختصر النهاية وغير ذلك وأطلعنى على مصحف بخطه كل سطر بسع حزب فى ورقة واحدة وأعطانى نصفى فضة وقال لى المعذرة فى هذا البلد فوسع الله على فى الحج ببركته حتى أنفقت مالا عظيما من حيث لا أحتسب اه من الطبقات ومن مؤلفاته أيضا كما ذكره المؤلف بخطبة المنتخب منهج العمال فى سنن الاقوال والاكمال لمنهج العمال وغاية العمال فى سنن الاقوال ومستدرك الاقوال على سنن الافعال وكنز العمال فى سنن الاقوال والافعال ومنتخب كنز العمال فى سنن الاقوال والافعال وهو الموضوع بهامش هذا الكتاب

﴿تنبيه﴾ كنز العمال وان اشتهر بين الانام لكن منتخب كنز العمال الموضوع بالهامش مع احتوائه على المقصود من كنز العمال قد فاق عليه بشيئين كما قال المؤلف فى خطبته (ففاق هذا التأليف على كنز العمال بشيئين أحدهما بحذف التكرار والثانى امتزاج أحاديث الافعال باحاديث الاقوال ترجمة بعد ترجمة) الى آخر ماذكره وقد اشتمل على نحو اثنين وثلاثين ألف حديث خالية عن التكرار كما نقل عن الشوبرى

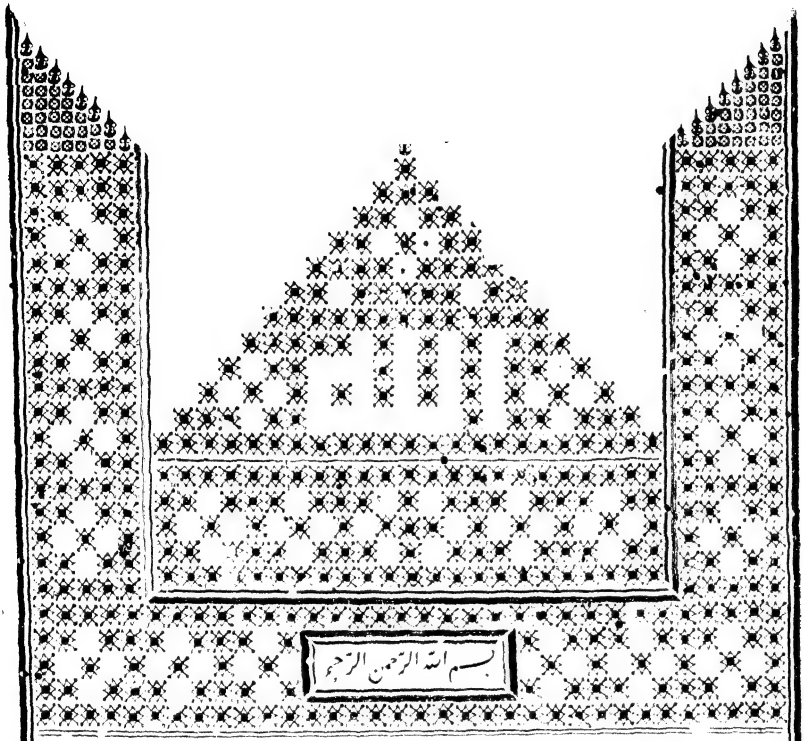


وصلى الله على سيدنا محمد النبي الامي وعلى آله وصحبه وسلم

*( مسند أبي سعيد الخدري رضي الله تعالى عنه )*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هشيم حدثنا أبو بشر عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري أن ناسا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم كانوا في سفر فمروا بحي من أحياء العرب فاستضافوهم فأبوا أن يضيفوهم فعرض لسان منهم في عقله أو لدغ قال فقالوا لاصحابه رسول الله صلى الله عليه وسلم هل فيكم من يرقي فقال رجل منهم نعم فأتى صاحبهم فرقاه بفاتحة الكتاب فبرأ فأعطى قطيعا من غنم فأبى أن يقبل حتى أتى النبي صلى الله عليه وسلم فذكر ذلك له فقال يا رسول الله والذي بعثك بالحق ما رقيته الا بفاتحة الكتاب قال فتبسم وقال ما يدريك أنها رقية قال ثم قال خذوا واضربوا لي بسهم معكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم ثنا منصور يعني ابن زاذان عن الوليد بن مسلم عن أبي المتوكل أو عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري قال كنا نعزر فيمر رسول الله صلى الله عليه وسلم في الظهر والعصر قال فعزرنا فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم في الظهر الركعتين الاوليين قدر قراءة ثلاثين آية قدر قراءة سورة تنزيل السجدة قال وعزرنا فقام في الاخريين على النصف من ذلك قال وعزرنا فقام في العصر في الركعتين الاوليين على النصف من ذلك قال وعزرنا فقام في الاخريين على النصف من الاوليين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم ثنا علي بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا سيد ولد آدم يوم القيامة ولا فخر وأنا أول من تنشق عنه الارض يوم القيامة ولا فخر وأنا أول شافع يوم القيامة ولا فخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن داود بن أبي هند عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال جاء ماعز بن مالك الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبره انه أتى فاحشة فرده مرارا قال ثم أمر به فرجم قال فانطلقنا فرجمناه قال فانطلقنا الى الحرة فرجمناه ثم وليتنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبرناه فلما كان من العشي قال لخمد

*( الفصل الرابع في الصرف جوازا ومنعا )* ان الله تبارك وتعالى لم يرض بحكم نبي ولا غيره في الصدقات حتى حكم فيها هو فجزأها ثمانية أجزاء (د ه) عن زياد بن الحارث الصدائي * ليس المسكين الذي يطوف على الناس فترده اللقمة واللقمتان والتمرة والتمرتان ولكن المسكين الذي لا يجد غنى يغنيه ولا يفطن له فيتصدق عليه ولا يقوم فيسأل الناس بالله (حم ق د ن) عن أبي هريرة * ان مما أدرك الناس من كلام النبوة الاولى اذا لم تستح فاصنع ما شئت (خ) عن عقبة بن عامر * القوي مكتسب (حم د ن) عن رجلين * قال رجل لاتصدقن الليلة بصدقة فخرج بصدقته فوضعها في يد سارق فأصبحوا يتحدثون تصدق الليلة على سارق فقال اللهم لك الحمد على سارق لاتصدقن بصدقة فخرج بصدقته فوضعها في يد زانية فأصبحوا يتحدثون تصدق الليلة على زانية فقال اللهم لك الحمد على زانية

الله وأثنى عليه ثم قال مابال أقوام سقطت على أبي كلمة **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا هشيم ثنا أبو بشر عن أبي نضرة عن أبي سعيد ان رجلا من الانصار كانت بحاجة فتال له أهلك ائت النبي صلى الله عليه وسلم فاسأله فأتاه وهو يخطب وهو يقول من استعف أعفه الله ومن استغنى أغناه الله ومن سألنا فوجدنا له أعطيناه قال فذهب ولم يسأل **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا هشيم أنا يزيد بن أبي زياد حدثنا عبد الرحمن بن أبي نعم البجلي عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم سئل ما يقتل المحرم قال الحية والعقرب والفويسقة ويرمي الغراب ولا يقتله والكلب العقور والحدأة والسبع العادي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا معتمر قال ثنا أبي أنا أبو نضرة عن أبي سعيد قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الجرأن ينبذ فيه وعن التمر والبسر وعن التمر والزبيب ان يخلط بينهما **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا معتمر عن أبيه قال أنبأني أبو نضرة عن أبي سعيد ان صاحب التمر أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بتمره فأنكرها قال أبي ثلث هذا فقال اشترينا بصاعين من تمرنا صاعا فقال لرسول الله صلى الله عليه وسلم أربيتم **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا بشر بن المفضل ثنا عمارة بن غزية عن يحيى بن عمارة قال سمعت أبا سعيد يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقنوا موتاكم قول لا اله الا الله **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا أبو عامر عبد الملك بن عمرو حدثنا زهير يعني ابن محمد عن عبدالله بن محمد بن عقيل عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ألا أدلكم على ما يكفر الله به الخطايا ويزيد به في الحسنات قالوا بلى يا رسول الله قال اسباغ الوضوء على المكاره وكثرة الخطا الى هذه المساجد وانتظار الصلاة بعد الصلاة فذلكم من رجل يخرج من بيته متطهرا فيصلي مع المسلمين الصلاة ثم يجلس في المجلس ينتظر الصلاة الاخرى ان الملائكة تقول اللهم اغفر له اللهم ارحمه فاذا اقتم الى الصلاة فاعدلوا صفوفكم وأقيموها وسدوا الفرج فاني أراكم من وراء ظهري فاذا قال امامكم الله أكبر فقولوا الله أكبر واذا ركع فاركعوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا اللهم ربنا لك الحمد وان خير الصفوف صفوف الرجال المقدم وشرها المؤخر وخير صفوف النساء المؤخر وشرها المقدم يا معشر النساء اذا سجد الرجال فاغضضن أبصاركن لا ترين عورات الرجال من ضيق الازر **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا عبدالملك بن عمرو ثنا عمار يعني ابن راشد عن داود بن أبي هند عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال انكم لتعملون أعمالا هي أدق في أعينكم من الشعر كنا نعدها على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من الموبقات **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا الزبير بن عبدالله حدثني ربيح بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال قلنا يوم الخندق يا رسول الله هل من شيء نقوله فقد بلغت القلوب الحناجر قال نعم اللهم استر عوراتنا وآمن روعاتنا قال فضرب الله عز وجل وجوه أعدائه بالريح فهزمهم الله عز وجل بالريح **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا عبدالملك بن حسن الحارثي ثنا سعيد بن عمرو بن سليم قال سمعت رجلا هنا قال عبدالملك نسيت اسمه ولكن اسمه معاوية أو ابن معاوية يحدث عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الميت يعرف من يحمله ومن يغسله ومن يدليه في قبره فقال ابن عمر وهو في المجلس ممن سمعت هذا قال من أبي سعيد فانطلق ابن عمر الى أبي سعيد فقال يا أبا سعيد ممن سمعت هذا قال من النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد أمرنا نبينا صلى الله عليه وسلم ان نقرأ بفاتحة الكتاب وما تيسر **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا محمد بن عبدالله الزبيري ثنا يزيد بن مروان بنة قال حدثنا ابن أبي نعم عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحسن والحسين سيدا شباب أهل الجنة **حدثنا** عبدالله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا عباد يعني ابن راشد عن داود بن أبي هند عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال شهدت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم جنازة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أيها الناس ان هذه الامة تبتلى في قبورها فاذا الانسان دفن فتفرق عنه أصحابه جاءه ملك في يده مطراق فاقعده فقال ما تقول في هذا الرجل فان كان مؤمنا قال أشهد ان لا اله الا الله وأن محمدا عبده ورسوله فيقول

لا تصدقن بصدقة فخرج بصدقة فوضعها في يد غني فاصبحوا يتحدثون تصدق الليلة على غني فقال اللهم لك الحمد على سارق وعلى زانية وعلى غني فأتي فقيل له اما صدقتك على سارق فلعله ان يستعف عن سرقته وأما الزانية فلعلها ان تستعف عن زناها وأما الغني فلعله ان يعتبر فينفق مما أعطاه الله (حم ق ن) عن أبي هريرة * لا تحل الصدقة لغني الا لخمسة لغاز في سبيل الله تعالى أو العامل عليها أو الغارم أو رجل اشتراها بماله أو لرجل كان له جار مسكين فتصدق على المسكين فأهداها المسكين للغني (حم د ه ك) عن أبي سعيد * (الاكمال) * ان الصدقة لا تحل لغني ولا لذي مرة سوي الا لذي فقر مدقع أو غرم مفظع ومن سأل الناس ليثري به ماله كان خموشا في وجهه يوم القيامة ورضفا يأكله من جهنم فمن شاء فليقل ومن شاء فليستكثر البغوي والباوردي وابن قانع (طب) عن حبشي بن جنادة * ان الصدقة صداع في الرأس وحريق في البطن (حم ش) والباوردي (طب) عن حبان بن بح الصدائي * الغنى ستون ألفا فمن لم يملك ستين ألفا فهو فقير جعفر بن محمد بن جعفر في كتاب العروس والديلمي عن

صدقت ثم يفتح له باب الى النار فيقول هذا كان منزلك لو كفرت بربك فاما اذ آمنت فهذا منزلك فيفتح له باب الى الجنة فيريد ان ينهض اليه فيقول له اسكن حتى يفسح له فى قبره وان كان كافرا أو منافقا يقول له ما تقول فى هذا الرجل فيقول لا أدرى سمعت الناس يقولون شيأ فيقول لا دريت ولا تليت ولا اهتديت ثم يفتح له باب الى الجنة فيقول هذا منزلك لو آمنت بربك فاما اذ كفرت به فان الله عز وجل أبدلك به هذا ثم يفتح له باب الى النار ثم يقمعه قمعة بالمطارق بين مسامعه خلق الله كلهم غير الثقلين فقال بعض القوم يا رسول الله ما أحد يقوم عليه ملك فى يده مطراق الا هبل عند ذلك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يثبت الله الذين آمنوا بالقول الثابت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا يحيى عن أبى نضرة عن أبى سعيد ان النبى صلى الله عليه وسلم قال الوزن يليل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا حماد ثنا الجريرى عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى ان النبى صلى الله عليه وسلم سال ابن صائد عن تربة الجنة فقال درمكة بيضاء مسك خالص فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا مالك بن أنس عن خبيب بن عبد الرحمن ان حفص بن عاصم أخبره عن أبى هريرة وأبى سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما بين بيتى ومنبرى روضة من رياض الجنة ومنبرى على حوضى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر ثنا أبو بكر عن الاعمش عن أبى صالح عن أبى سعيد الخدرى قال قال عمر يا رسول الله لقد سمعت فلانا وفلانا يحسنان الثناء ويذكران انك أعطيتهما دينارين قال فقال النبى صلى الله عليه وسلم لكن والله فلانا ما هو كذلك لقد أعطيته من عشرة الى مائة فما يزول فى ذلك اما والله ان أحدكم ليخرج مسئلته من عندى يتأبطها يعنى تكون تحت ابطه يعنى نارا قال قال عمر يا رسول الله لم تعطيها اياهم قال فما أصنع يأبون الا ذاك ويأبى الله لى البخل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ربعى بن ابراهيم ثنا عبد الرحمن بن اسحق عن عبد الرحمن بن معاوية عن الحرث عوف ابن سماع عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من تغنى أغناه الله ومن تعفف أعفه الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا أيوب عن نافع قال قال ابن عمر لا تبيعوا الذهب بالذهب والورق بالورق الا مثلا بمثل ولا تشفوا بعضها على بعض ولا تبيعوا شيأ غائبا منها بناجز فانى أخاف عليكم الرماء والرماء قال فحدث رجل ابن عمر هذا الحديث عن أبى سعيد الخدرى يحدثه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فما تم مقالته حتى دخل به على أبى سعيد وانا معه فقال ان هذا حدثنى عنك حديثا ما زعم انك تحدثه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أفسمعته فقال بصر عينى وسمع أذنى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تبيعوا الذهب بالذهب ولا الورق بالورق الا مثلا بمثل ولا تشفوا بعضها على بعض ولا تبيعوا شيأ غائبا منها بناجز **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن ابراهيم أنا محمد بن اسحق عن محمد بن عمرو بن عطاء عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان المؤمن لا يصيبه وصب ولا نصب ولا حزن ولا سقم ولا أذى حتى الهم يهمه الا يكفر الله عنه من سيئاته **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن فضيل ثنا عمارة بن القعقاع عن ابن أبى نعم عن أبى سعيد الخدرى قال بعث على من اليمن الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بذهبة فى أديم معروط لم تحصل من ترابها فقسمها رسول الله صلى الله عليه وسلم بين أربعة بين زيد الخير والاقرع بن حابس وعيينة بن حصن وعلقمة بن علاثة أو عامر بن الطفيل شك عمارة فوجد من ذلك بعض أصحابه والانصار وغيرهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا تأمنونى وأنا أمين من فى السماء يأتينى خبر من السماء صباحا ومساء ثم أتاه رجل غائر العينين مشرف الوجنتين ناشز الجبهة كث اللحية مشمر الازار محلوق الرأس فقال اتق الله يا رسول الله قال فرفع رأسه اليه فقال ويحك ألست أحق أهل الارض ان يتقى الله أنا ثم أدبر فقال خالد يا رسول الله ألا أضرب عنقه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فلعله يكون يصلى فقال انه رب مصل يقول بلسانه ما ليس فى قلبه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انى لم أومر أن أنقب عن قلوب الناس ولا أشق بطونهم ثم نظر اليه النبى صلى الله عليه وسلم وهو مقف فقال هاه انه سيخرج

أنس * من أخرج صدقة فلم يجد الا بربرا فليرذها (حم ن) عن ابن عمرو وقال ابن الجوزى كان البر براذ ذاك كفارا * (الافعال) * عن عبد الرحمن بن السلمانى ان أبا بكر قال فيما أوصى به عمر من أدى الزكاة الى غير أهلها لم تقبل زكاته ولو تصدق بالدنيا جميعا ومن صام شهر رمضان فى غير ملم يقبل منه صومه ولو صام الدهر أجمع (عب ش) وابن السلمانى ضعيف ولم يدرك أبا بكر * عن الحسن انه سأله رجل أتشرب من ماء هذه السقاية التى فى المسجد فانها صدقة فقال الحسن قد شرب أبو بكر وعمر من سقاية أم سعد فيه ابن سعد * عن عطاء ان عمر كان يأخذ العرض من الصدقة من الورق وغيرها ويعطيها فى صنف واحد مما سمى الله (ش) * عن ميمون بن مهران ان امرأة جاءت الى عمر بن الخطاب تسأله من الصدقة فقال لها عمر ان كان لك أوقية فلا تحل لك الصدقة قالت والاوقية يومئذ فيما ذكر ميمون أربعون درهما فقالت بعيرى هذا خير من أوقية قبل لميمون أعطاها قال لا أدرى أبو عبد * عن طاوس ان رجلا نذر أن يتصدق على أول انسان يلقاه من أهل القرية فلقيه

من ضئضئ هذا قوم يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا ضرار يعني ابن مرة أبو سنان عن أبي صالح عن أبي هريرة وأبي
سعيد قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل يقول ان الصوم لي وأنا أجزي به ان للصائم فرحتين
اذا أفطر فرح واذا لقي الله فرأى فرح والذي نفس محمد بيده لخلوف فم الصائم أطيب عند الله من ريح المسك
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن شعبة عن العلاء بن عبد الرحمن عن أبيه انه سمع أبا
سعيد سئل عن الازار فقال على الخبير سقطت سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ازرة المؤمن الى انصاف
الساقين لا جناح أو لا حرج عليه فيما بينه وبين الكعبين ما كان أسفل من ذلك فهو في النار لا ينظر الله الى من
جر ازاره بطرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال أمرنا
رسول الله صلى الله عليه وسلم ببنا المسجد فجعلنا نقل لبنة لبنة وكان عمار ينقل لبنتين لبنتين فمر به رأسه قال
فحدثني أصحابي ولم أسمعه من رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه جعل ينفض رأسه ويقول ويحك يا ابن سمية
تقتلك الفئة الباغية حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا ابن أبي عدي عن داود عن أبي نضرة عن
أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون في آخر الزمان خليفة يعطي المال ولا يعده
عدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال
قال رجل يا رسول الله انا بارض مضبة فما تأمرنا أو ما تفتينا قال ذكر لي ان أمة من بني اسرائيل
مسخت فلم يأمر ولم ينه قال أبو سعيد فلما كان بعد ذلك قال عمران الله لينفع به غير واحد وانه لطعام عامة
الرعاء ولو كان عندي لطعمته وانما عافه رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن
أبي عدي عن داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم نصرخ بالحج
صرخا حتى اذا طفنا بالبيت قال اجعلوها عمرة الا من كان معه الهدى قال فجعلناها عمرة فلما كان يوم
التروية صرخنا بالحج وانطلقنا الى منى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن داود عن
أبي نضرة عن أبي سعيد قال انتظرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة صلاة العشاء حتى ذهب نحو من شطر
الليل قال فجاء فصلى بنا ثم قال خذوا مقاعدكم فان الناس قد أخذوا مضاجعهم وانكم لن تزالوا في صلاة منذ
انتظرتموها ولولا ضعف الضعيف وسقم السقيم وحاجة ذي الحاجة لاخرت هذه الصلاة الى شطر الليل حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن سليمان يعني التيمي عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال قال رسول الله
صلى الله عليه وسلم أما أهل النار الذين هم أهلها لا يموتون ولا يحيون وأما أناس يريد الله بهم الرحمة فيميتهم
في النار فيدخل عليهم الشفعاء فيأخذ الرجل انصاره فينبتون أو قال فينبتون على نهر الحياء أو قال الحيوان
أو قال الحياة أو قال نهر الجنة فينبتون نبات الحبة في حميل السيل قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أما
ترون الشجرة تكون خضراء ثم تكون صفراء أو قال تكون صفراء ثم تكون خضراء قال فقال بعضهم كان
النبي صلى الله عليه وسلم كان بالباديه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن سليمان عن أبي
نضرة عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنعن أحدكم هيبة الناس أن يقول في حق
اذا رآه أو شهده أو سمعه قال وقال أبو سعيد ودت اني لم أسمعه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي
عن سليمان عن أبي نضرة عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم ذكر قوما يكونون في أمته يخرجون في
فرقة من الناس سيماهم التحليق هم شر الخلق أو من شر الخلق يقتلهم أدنى الطائفتين من الحق قال فضرب
النبي صلى الله عليه وسلم لهم مثلا أو قال قولا الرجل يرمي الرمية أو قال الغرض فينظر في النصل فلا يرى بصيرة
وينظر في النضي فلا يرى بصيرة وينظر في القوق فلا يرى بصيرة قال قال أبو سعيد وأنتم قتلتموهم يا أهل
العراق حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن سعيد يعني ابن أبي عروبة قال حدثني
سليمان الناجي عن أبي المتوكل عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى بأصحابه ثم جاء رجل فقال
نبي الله صلى الله عليه وسلم من يتجر على هذا أو يتصدق على هذا فيصلي معه قال فصلى معه رجل حدثنا

امرأة فتصدق عليها فقيل له هذه أخبث امرأة في القرية ثم تصدق على أول انسان من أهل القرية بعد ذلك فقيل له هذا أخبث رجل في القرية ثم تصدق على انسان آخر فقيل له هو غني فشق ذلك عليه فاري في النوم ان الله قد قبل صدقتك ان فلانة كانت بغيا وكانت تحملها على ذلك الحاجة فتركت ذلك منذ أعطيتها صدقتك وان فلانا كان يسرق وكانت تحمله على ذلك الحاجة فترك ذلك منذ أعطيته ونزع عن السرق وان فلانا كان غنيا وكان لا يتصدق فلما تصدقت عليه قال فاما أحق بالصدقة من هذا وأكثر مالا ففتح الله له بالصدقة (عب) * عن طاوس قال أخبرني حجر المدري ان في صدقة النبي صلى الله عليه وسلم يا كل منها أهلها بالمعروف غير المنكر (ش) وسنده صحيح * عن علي قال ليس لولد ولا لوالد حق في صدقة مفروضة ومن كان له ولد أو والد فلم يصله فهو عاق (هق) * (بنو هاشم) * اصبروا على أمسكم يا بني هاشم فانما الصدقات غسالات الناس (طب) عن ابن عباس * ان هذه الصدقات انما هي أوساخ الناس وانها لا تحل لمحمد ولا لآل محمد

عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي قال ثنا مالك عن الزهري عن عطاء بن يزيد عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سمعتم النداء فقولوا كما يقول المؤذن قال عبد الله حدثناه عبد الله بن محمد بن الخراز ومصعب الزبيري قالا ثنا مالك بن أنس عن الزهري فذكر مثله سواء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن هو ابن مهدي ثنا مالك عن داود بن الحصين عن أبي سفيان عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن المزابنة والمحاقلة والمزابنة اشتراء الثمرة في رؤس النخل بالتمر كيلا والمحاقلة كري الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن الزهري عن عطاء ابن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن لبستين وعن بيعتين أما البيعتان الملامسة والمنابذة واللبستان احتمال الصماء والاحتباء في ثوب واحد ليس على فرجه منه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا ليث حدثني ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن أبي سعيد قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن اشتمال الصماء وان يحتبي الرجل في ثوب واحد ليس على فرجه منه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري قال قال عطاء بن يزيد وحدثناه حجاج عن ابن جريج قال أخبرني ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى فذكر مثله يعني مثل الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن حميد بن عبد الرحمن عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم رأى نخامة في قبلة المسجد فكها بحصاة ثم نهى أن يبصق الرجل بين يديه وعن يمينه وقال ليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن عبيد الله عن أبي سعيد ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن اختناث الاسقية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن صفوان بن سليم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد برواية وقال مرة يبلغ به النبي صلى الله عليه وسلم قال الغسل يوم الجمعة قال هو واجب على كل محتلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن العلاء بن عبد الرحمن بن يعقوب عن أبيه قال سألت أبا سعيد هل سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم في الازار شيأ قال نعم تعلم سمعته يقول أزرة المؤمن الى أنصاف ساقيه لا جناح عليه فيما بينه وبين الكعبين وما أسفل من الكعبين هو في النار يقولها ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ثنا يزيد بن خصيفة عن بسر بن سعيد عن أبي سعيد الخدري قال كنت في حلقة من حلق الانصار فجاءنا أبو موسى كأنه مذعور فقال ان عمر أرسل الي أن آتيه فأتيته فاستأذنت ثلاثا فلم يؤذن لي فرجعت وقد قال ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم من استأذن ثلاثا فلم يؤذن له فليرجع فقال لتجيئن بينة على الذي تقول والا أوجعتك قال أبو سعيد فأتانا أبو موسى مذعورا أو قال فزعا فقال استشهدكم فقال أبي بن كعب لا يقوم معك الا أصغر القوم قال أبو سعيد وكنت أصغرهم فقمت معه وشهدت أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من استأذن ثلاثا فلم يؤذن له فليرجع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو بن يحيى بن عمارة عن أبيه عن أبي سعيد رواية فذكر فيه النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال ليس فيما دون خمس أواق صدقة ولا فيما دون خمس ذود صدقة ولا فيما دون خمس أوسق صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان حدثني ابن أبي صعصعة عبد الله بن عبد الرحمن عن أبيه قال قال لي أبو سعيد وكان في حجر خفقال لي يابني اذا أذنت فارفع صوتك بالاذان فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ليس شئ يسمعه الا شهد له جن ولا انس ولا حجر وقال مرة يابني اذا كنت في البراري فارفع صوتك بالاذان فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يسمعه جن ولا انس ولا حجر ولا شئ يسمعه الا شهد له قال أبي وسفيان يخطئ في اسمه والصواب عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا سفيان عن ابن أبي صعصعة شيخ من الانصار عن أبيه عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم يوشك أن يكون خير مال الرجل المسلم غنم يتبع بها شعف الجبال ومواقع القطر يفر بدينه من الفتن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن ضمرة عن أبي سعيد قال

(م ن د) عن عبد المطلب ابن ربيعة * اني لانقلب الى أهلي فاجد التمرة ساقطة على فراشي فارفعها لآكلها ثم اخشى أن تكون صدقة فالقيها (حم ق) عن أبي هريرة * هو على ما صدقة فره ومنها لنا هدية (حم ٤ حب ك) عن أنس (ق) عن عائشة * مولى القوم من أنفسهم (خ) عن أنس * مولى الرجل أخوه وابن عمه (طب) عن سهل بن حنيف * (الاكمال) * كخ كخ ارم بها أما شعرت انا لا نأكل الصدقة (خ م) عن أبي هريرة قال أخذ الحسن بن ابن علي تمرة من تمر الصدقة فجعلها في فيه فقال النبي صلى الله عليه وسلم ذكره * انا لا نأكل الهدية ولا نأكل الصدقة (هق) عن سلمان * لولا أخشى انها من الصدقة لاكلتها (حم خ م د ن) وأبو عوانة (حب) عن أنس قال مر النبي صلى الله عليه وسلم بتمرة في الطريق قال فذكره * ذاك الذي يعلك فان تطوعت بخير قبلناه منك وأجرك على الله فيه (حم د) عن أبي بن كعب * قربه فقد بينت بحالها (م) عن جويرية ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال هل من طعام قالت ما عندنا الا عظم من شاة أعطيت مولاتي من الصدقة

أبي قلت لسفيان سمعه قال زعم نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صلاة بعد العصر حتى تغرب وبعد الصبح حتى تطلع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا سفيان ثنا محمد بن عمرو عن أبي سلمة وابن أبي لبيد عن أبي سلمة سمعت أبا سعيد وابن جريج عن سليمان الاحول عن أبي سلمة عن أبي سعيد اعتكف العشر الوسطى واعتكفنا معه يعني النبي صلى الله عليه وسلم فلما كان صبيحة عشرين من مرينا ونحن ننقل متاعنا فقال من كان معتكفا فليعتكف فانى رأيت هذه الليلة فنسيتها وأريتني أسجد في ماء وطين وعريش المسجد جريد فهاجت السماء فرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وان على أنفه وجبهته أثر الماء والطين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن ابن عجلان عن عياض بن عبد الله بن سعد بن أبي سرح سمع أبا سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو على المنبر ان أخوف ما أخاف عليكم ما يخرج الله من بركات الارض وزهرة الدنيا فقال رجل اى رسول الله أو يأتي الخير بالشر فسكت حتى رأينا أنه ينزل عليه قال وغشيه برحضاء فقال أين السائل فقال ها أنا ولم أرد الا الخير فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الخير لا يأتي الا بالخير ان الخير لا يأتي الا بالخير وان كل ما ينبت الربيع يقتل حبطا أو يلم الا آكلة الخضر فانها أكلت حتى امتدت خاصرتاها استقبلت الشمس فثلطت وبالت ثم عادت فاكلت فمن أخذ حقها بحقها بورك له فيه ومن أخذها بغير حقها لم يبارك له وكان كالذي يأكل ولا يشبع قال عبد الله قال أبي قال سفيان وكان الاعمش يسألني عن هذا الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن منصور عن أبي المتوكل عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يتوضأ اذا جامع واذا أراد أن يرجع قال سفيان أبو سعيد أدرك الحرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قال يزيد بن هرون عن هشام بن يحيى عن هلال عن أبي سعيد يقتل حبطا أو خبطا وانما هو حبطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال سمعت سفيان قال وان الله عز وجل مستخلفكم فيها فينظر كيف تعملون الا وان الكل غادر لواء يوم القيامة عند استه بقدر غدرته وقرئ على سفيان سمعت علي بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن مطرف عن عطية عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال كيف أنعم وقد التقم صاحب القرن القرن وحنى جبهته واصغى سمعه ينظر متى يؤمر قال المسلمون يا رسول الله فما نقول قال قولوا حسبنا الله ونعم الوكيل على الله توكلنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عبد الملك يعني ابن عمير وعن قزعة عن أبي سعيد رواية يبلغ به النبي صلى الله عليه وسلم لا تسافر المرأة ثلاثة أيام الا ومعها ذو محرم ونهى عن صيام الفطر ويوم النحر ونهى عن صلاتين صلاة بعد العصر حتى تغرب الشمس وبعد الصبح حتى تطلع الشمس ولا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد المسجد الحرام ومسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم والمسجد الاقصى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمع جابرا يحدث عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتي على الناس زمان يغزو فئام من الناس فيقال هل فيكم من صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم فيقولون نعم فيفتح لهم ثم يغزو فئام من الناس فيقال هل فيكم من صاحب من صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم فيقولون نعم فيفتح لهم ثم يغزو فئام من الناس فيقال هل فيكم من صاحب من صاحب أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فيقولون نعم فيفتح لهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان سمع عمرو بن عتاب بن حنين يحدث عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال سفيان لا أدري من عتاب أو أمسك الله القطر عن الناس سبع سنين ثم أرسله لاصبح طائفة به كافرين يقولون مطرنا بنوء المجدح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا سليمان بن بلال حدثني شريك بن أبي نمر عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاثنين الى قباء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا عبد الرحمن بن أبي الرجال ثنا عمارة بن غزية عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من سأل وله قيمة أوقية فقد ألحف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل بن اسمعيل

قال فذكره * (الافعال) عن أبي بكر الصديق ان بريرة أهمت لهم لحافا مرهم النبي صلى الله عليه وسلم أن يلحوا منه فقالوا يا نبي الله انما تصدق به عليها فقال الهدية لنا والصدقة عليها أبو بكر الشافعي وابن النجار * عن أبي ليلى قال كنت عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقام فدخل بيت الصدقة فدخل معه حسن أو حسين فأخذ تمرة فجعلها في فيه فانتزعها النبي صلى الله عليه وسلم وقال ان الصدقة لا تحل لنا (ش) * (الباب الثالث في الفقر والفقراء والغرباء وما يتعلق به وفيه أربعة فصول * الفصل الاول في فضل الفقر والفقراء) * ابشروا يا معشر صعاليك المهاجرين بالنور التام يوم القيامة تدخلون الجنة قبل أغنياء الناس بنصف يوم وذلك خمسمائة سنة رحم د) عن أبي سعيد * أبشروا يا أصحاب الصفة فمن بقي من أمتي على النعت الذي أنتم عليه راضيا بما هو فيه فانه من رفقائي يوم القيامة (خط) عن ابن عباس * ان أطول لكم حزنا في الدنيا أطول لكم فرحا في الآخرة وان أكثركم شبعا في الدنيا أكثركم جوعا في الآخرة ابن عساكر عن عامر بن عبد قيس عن الحسن

قال ثنا حماد يعني ابن سلمة ثنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا أتى أحدكم حائطا فاراد أن يأكل فلينادِ يا صاحب الحائط ثلاثا فان أجابه والا فليأكل واذا مر أحدكم بابل فاراد ان يشرب من ألبانها فلينادِ يا صاحب الابل أو يا راعي الابل فان أجابه والا فليشرب والضيافة ثلاثة أيام فما زاد فهو صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال حدثني ليث قال حدثني عمران ابن أبي قيس عن ابن أبي سعيد الخدري عن أبيه انه قال تماري رجلان في المسجد الذي أسس على التقوى من أول يوم فقال رجل هو مسجد قباء وقال رجل هو مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هو مسجدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد أن محمدا حدث ان ذكوان أبا صالح حدث عن أبي سعيد الخدري وجابر بن عبد الله وأبي هريرة انهم نهوا عن الصرف ورفعه رجلان منهم الى النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب الخفاف ثنا سعيد عن مطرف عن محمد بن سيرين ان ذكوان أبا صالح قال وأثنى عليه خيرا حدث عن جابر بن عبد الله وأبي سعيد الخدري وأبي هريرة انهم نهوا عن الصرف ورفعه رجلان منهم الحديث رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن أشعث عن محمد عن أبي صالح ذكوان عن أبي هريرة وأبي سعيد وجابر اثنين من هؤلاء الثلاثة ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين قال ثنا عمرو بن الحرث عن أبي السمح عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال المؤمنون في الدنيا على ثلاثة أجزاء الذين آمنوا بالله ورسوله ثم لم يرتابوا وجاهدوا بأموالهم وأنفسهم في سبيل الله والذي يأمنه الناس على أموالهم وأنفسهم ثم الذي اذا أشرف على طمع تركه لله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور ثنا عبد العزيز بن محمد قال أخبرني ربيع بن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ضحى بكبش أقرن وقال هذا عني وعمن لم يضح من أمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ادريس يعني الشافعي قال أنبأنا مالك عن داود بن الحصين عن أبي سفيان مولى أبي أحمد عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن المزابنة والمحاقلة والمزابنة اشتراء الثمر بالتمر في رؤوس النخل والمحاقلة استكراء الارض بالحنطة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد قال أبو عبد الرحمن وسمعته أنا من عبد الله بن محمد بن أبي شيبة ثنا أبو خالد الاحمر عن الاعمش عن الضحاك المشرقي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال أيعجز أحدكم ان يقرأ ثلث القرآن في ليلة قال فشق ذلك علينا أصحابه فقالوا ومن يطيق ذلك قال يقرأ قل هو الله أحد فهي ثلث القرآن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا بكر بن مضر عن ابن الهاد عن عبد الله بن خباب عن أبي سعيد الخدري انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا رأى أحدكم الرؤيا يحبها فانما هي من الله فليحمد الله عليها وليحدث بها فاذا رأى غير ذلك مما يكره فانما هي من الشيطان فليستعذ بالله من شرها ولا يذكرها لاحد فانها لا تضره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا قتيبة ثنا بكر بن مضر عن ابن الهاد عن عبد الله بن خباب عن أبي سعيد الخدري انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تواصلوا فايكم أراد ان يواصل فليواصل حتى السحر فقالوا انك تواصل قال اني لست كهيئتكم اني أبيت لي مطعم يطعمني وساق يسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا عبد الله بن وهب عن عمرو بن الحرث عن دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا حليم الا ذو عزة ولا بكيم الا ذو تجربة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد حدثنا الليث عن ابن الهاد عن يحنس مولى مصعب بن الزبير عن أبي سعيد الخدري قال بينما نحن نسير مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بالعرج اذ عرض شاعر ينشد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم خذوا الشيطان أو أمسكوا الشيطان لان يمتلئ جوف رجل قيحا خير له من أن يمتلئ شعرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا ليث يعني ابن سعد عن ابن الهاد عن عبد الله بن

* يا معشر الفقراء ألا أبشركم ان فقراء المؤمنين يدخلون الجنة قبل أغنيائهم بنصف يوم خمسمائة عام (م ه) * يدخل فقراء المسلمين قبل الاغنياء بأربعين خريفا (حم ت) عن جابر * اتخذوا عند الفقراء أيادي فان لهم دولة يوم القيامة (حل) عن الحسين بن علي * أحبوا الفقراء وجالسوهم وأحب العرب من قبلك ولا يردك عن الناس ما تعلم من نفسك (ك) عن أبي هريرة * اطلعت في الجنة فرأيت أكثر أهلها الفقراء واطلعت في النار فرأيت أكثر أهلها النساء (حم م ت) عن ابن عباس (خ ت) عن عمران بن حصين * الجلوس مع الفقراء من التواضع وهو من أفضل الجهاد (فر) عن أنس * لكل شئ مفتاح ومفتاح الجنة حب المساكين والفقراء ابن لال عن ابن عمر * ليبشر فقراء المؤمنين بالفوز يوم القيامة قبل الاغنياء بمقدار خمسمائة عام هؤلاء في الجنة ينعمون وهؤلاء يحاسبون (حل) عن أبي سعيد * ما الذي يعطى من سعة بأعظم أجرا من الذي يقبل اذا كان محتاجا (طس حل) عن أنس * رحم الله قوما يحبهم الناس بما رضي وما هم برضى

ابن المبارك عن الحسن مرسلا اللهم احيني مسكينا وتوفني مسكينا واحشرني في زمرة المساكين وان أشقى الاشقياء من اجتمع عليه فقر الدنيا وعذاب الآخرة (ك) عن أبي سعيد * الفقر وأزين على المؤمن من العذار الحسن على خد الفرس (طب) عن عمر * الفقر شين عند الناس وزين عند الله يوم القيامة (فر) عن أنس * الفقر أمانة فمن كتمه كان عبادة ومن باح به فقد قلد اخوانه المسلمين ابن عساكر عن عمر * اذا أحب الله عبدا حماه الدنيا كما يحمي أحدكم سقيمه الماء (ت ك هب) عن قتادة بن النعمان * ان كنت (٩) تحبني فاعد للفقر تجفافا فان الفقر أسرع الى من يحبني من السيل الى منتهاه (حم ت) عن عبد الله بن مغفل * ان البلايا لأسرع الى من يحبني من السيل الى منتهاه (حب) عن عبد الله بن معقل * ان من الذنوب ذنوبا لا يكفرها الصلاة ولا الصيام ولا الحج ولا العمرة يكفرها الهموم في طلب المعيشة (حل) وابن عساكر عن أبي هريرة * تحفة المؤمن في الدنيا الفقر (فر) عن معاذ * اذا رأيتم العبد ألم الله به الفقر والمرض فان الله تعالى يريد أن يصافيه (فر) عن علي * رحم الله رجلا غسل امرأته وكفن في أخلاقه (هق) عن عائشة * لو تعلمون مالكم عند الله لاحببتم ان تزدادوا فاقة وحاجة (ت) عن فضالة بن عبيد * ما صبر أهل بيت على جهد ثلاثا الا أتاهم الله برزق الحكيم عن عمر * ما من أهل بيت واصلوا الا أجرى الله تعالى عليهم الرزق وكانوا في كنف الله تعالى (طب) عن ابن عباس * من أصابته فاقة فأنزلها بالناس لم تسد فاقته ومن أنزلها بالله أوشك الله له بالغنى اما بموت آجل أو غنى عاجل (حم د ك) عن ابن مسعود * ان الرزق ليطلب العبد أكثر مما يطلبه أجله (حب عد) عن أبي الدرداء * ان الرزق لا تنقصه المعصية ولا تزيد ما الحسنة وترك الدعاء معصية (ط ص) عن أبي سعيد * ان الرجل ليحرم الرزق بالذنب يصيبه ولا يرد القدر الا الدعاء ولا يزيد في العمر الا البر (حم ن حب ك) عن ثوبان * الصحة تمنع الرزق (عم عد هب) عن عثمان (هب) عن أنس * (الاكمال) * ان فقراء المسلمين يزفون كما يزف الحمام فيقول لهم قفوا للحساب فيقولون والله ما تركنا



الحباب عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر عنده عمه أبو طالب فقال لعله تنفعه شفاعتي يوم القيامة فيجعل في ضحضاح من نار يبلغ كعبيه يغلي منه دماغه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا الليث عن خالد بن يزيد عن سعيد بن أبي هلال عن أبي يعقوب الخياط قال شهدت مع مصعب بن الزبير الفطر بالمدينة فأرسل الى أبي سعيد فسأله كيف كان يصنع رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبره أبو سعيد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي قبل أن يخطب فصلى يومئذ قبل الخطبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا عبد الرحمن بن أبي الرجال عن عمارة بن غزية عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال سرحتني امي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أسأله فأتيته فقعدت قال فاستقبلني فقال من يستغني أغناه الله ومن استعف أعفه الله ومن استكف كفاه الله ومن سأل وله قيمة أوقية فقد ألحف قال فقلت ناقتي البلوتة هي خير من أوقية فرجعت ولم أسأله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الحكم بن موسى ثنا ابن أبي الرجال نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا يعقوب يعني القاري ثنا سهيل عن أبيه عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تبيعوا الذهب بالذهب ولا الورق بالورق الا وزنا بوزن مثلا بمثل سواء بسواء وقال اذا اشتد الحر فأبردوا بالصلاة فان شدة الحر من فيح جهنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ بن هشام قال حدثني أبي عن عمر الاحول عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري أن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال اذا اشتهى المؤمن الولد في الجنة كان حمله ووضعه وسنه في ساعة واحدة كما يشتهي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا ابن عجلان حدثني عياض بن عبد الله عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحب العراجين يمسكها في يده فدخل المسجد فرأى نخامة في قبلة المسجد فحتها به حتى أنقاها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال ثنا سليمان التيمي ثنا أبو نضرة قال حدثني أبو سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه نهى عن الجر أن ينبذ فيه وعن التمر والزبيب أن يخلط بينهما وعن البسر والتمر أن يخلط بينهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ومحمد بن عبيد قالا ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل أهل الجنة الجنة وأهل النار النار جيء بالموت كأنه كبش أملح فيوقف بين الجنة والنار فيقال يا أهل الجنة هل تعرفون هذا فيشرئبون وينظرون ويقولون نعم هذا الموت قال فيؤمر به فيذبح ثم يقال يا أهل الجنة خلود لا موت ويا أهل النار خلود لا موت قال ثم قرأ رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنذرهم يوم الحسرة اذ قضي الامر وهم في غفلة قال وأشار بيده قال محمد بن عبيد في حديثه قد اذا دخل أهل الجنة الجنة وأهل النار النار جيء بالموت كأنه كبش أملح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مثلي ومثل النبيين من قبلي كمثل رجل بنى دارا فاتقنها الا لبنة واحدة فجئت أنا فاتممت تلك اللبنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية حدثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم في قوله عز وجل وكذلك جعلناكم أمة وسطا قال عدلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن سعد الطائي عن عطية العوفي عن أبي

شيأ فحاسب به فيقول الله عز وجل صدق عبادي فيدخلون الجنة قبل الناس بسبعمائة عام (طب) عن سعيد بن عامر بن جذيم * يجيء فقراء المسلمين يوم القيامة على كورهم فيقال لهم قفوا للحساب فيقولون ما أعطيتمونا شيأ فتحاسبونا عليه فيدخلون الجنة قبل الناس بأربعين سنة (ع طب ض) عن سعيد بن عامر بن جذيم * يجيء فقراء المسلمين يزحفون كما يزحف الحمام فيقال لهم قفوا للحساب فيقولون والله ما أعطيتمونا شيأ فتحاسبونا فيقول الله صدق عبادي (١٠) فيدخلون الجنة قبل الناس بسبعين عاما الحسن بن سفيان والبغوي عن سعيد بن عامر بن جذيم * ان فقراء المسلمين يدخلون الجنة قبل أغنيائهم بمقدار أربعين عاما حتى يمتى أغنياء المسلمين يوم القيامة انهم كانوا فقراء في الدنيا وان أغنياء الكفار يدخلون النار قبل فقرائهم بمقدار أربعين عاما حتى يمتى أغنياء الكفار انهم كانوا في الدنيا فقراء الديلمي عن أبي برزة ونيه نفيع بن الحرث متروك * الانبياء كلهم يدخلون الجنة قبل سليمان بن داود بأربعين عاما وان فقراء المسلمين يدخلون الجنة قبل أغنيائهم بأربعين عاما وان صالح العبيد يدخلون الجنة قبل الآخرين بأربعين عاما وان أهل المدن يدخلون الجنة قبل أهل الرستاق بأربعين عاما الفضل المدائني والجماعات والجمعات وحلق الذكر واذا كان بلاء خصوا به دونهم (طب) عن معاذ * يجتمعون يوم القيامة فيقال أين فقراء هذه الامة ومساكينها فيقومون فيقال لهم ماذا عملتم فيقولون ربنا ابتلينا فصبرنا وولي الامور والسلطان غيرنا فيقول الله عز وجل صدقتم فيدخلون الجنة قبل الناس بربعان ويبقى شدة الحساب على ذوي الامور والسلطان قالوا فأين المؤمنون يومئذ قال يوضع لهم كراسي من نور فيقال لهم الغمام يكون ذلك اليوم أقصر على المؤمنين من ساعة من نهار (طب) عن ابن عمرو * يجمع الله الناس للحساب فيجيء فقراء المؤمنين ترفرف كما يرفرف الحمام فيقال لهم قفوا للحساب فيقولون ما عندنا حساب ولا آتيتمونا شيأ نحاسب به فيقول الله صدق عبادي فيفتح لهم باب الجنة فيدخلونها قبل الناس بسبعين عاما (ع) والحسن بن سفيان وابن سعد (طس حل) وابن عساكر

---

سعيد الخدري قال ذكر رسول الله صلى الله عليه وسلم ما جب الطور فقال من يمينه جبريل وعن يساره ميكائيل عليهما السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن جعفر بن اياس عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قالي بعثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في سرية ثلاثين راكبا قال فنزلنا بقوم من العرب قال فسألناهم أن يضيفونا فأبوا قال فلدغ سيدهم قال فأتونا فقالوا فيكم أحد يرقي من العقرب قال فقلت نعم أنا ولكن لا أفعل حتى تعطونا شيأ فأبوا فما زالوا بنا حتى أعطيناهم ثلاثين شاة قال فقرأت عليها الحمد لله سبع مرات قال فبرأ قال فما قبضنا الغنم قال عرض في أنفسنا منها قال فكففنا حتى أتينا النبي صلى الله عليه وسلم قال فذكرنا ذلك له قال فقال أما علمت انها رقية اقسموها واضربوا لي معكم بسهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن ابي سعيد الخدري قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم على حصير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن أبي سعيد الخدري قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثوب واحد واضعا طرفيه على عاتقيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية حدثنا الاعمش عن اسمعيل بن رجاء عن أبيه وعن قيس بن مسلم عن طارق بن شهاب كلاهما عن أبي سعيد الخدري قال أخرج مروان المنبر فلم يبدأ بالخطبة قبل الصلاة ولم يكن يبدأ بها فقام رجل فقال يا مروان خالفت السنة أخرجت المنبر يوم عيد ولم يكن يخرج به في يوم عيد ولم تبدأ بالخطبة قبل الصلاة ولم يكن يبدأ بها فقال أبو سعيد الخدري من هذا قالوا فلان بن فلان قال فقال أبو سعيد أما هذا فقد قضى ما عليه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من رأى منكم منكرا فان استطاع أن يغيره بيده فليفعل وقال مرة فليغيره بيده فان لم يستطع بيده فبلسانه فان لم يستطع بلسانه فبقلبه وذلك أضعف الايمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا عبيد الله بن الوليد الوصافي عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من قال حين يأوي الى فراشه أستغفر الله الذي لا اله الا هو الحي القيوم وأتوب اليه ثلاث مرات غفر الله له ذنوبه وان كانت مثل زبد البحر وان كانت مثل رمل عالج وان كانت مثل عدد ورق الشجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا داود بن أبي هند عن أبي نضرة قال قلت لابي سعيد أسمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم في الذهب بالذهب والفضة بالفضة قال سأخبركم ما سمعت منه جاءه صاحب تمر بتمر طيب وكان تمر النبي صلى الله عليه وسلم يقال له اللون قال فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم من أين لك هذا التمر الطيب قال ذهبت بصاعين من تمرنا واشتريت به صاعا من هذا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أربيت قال ثم قال أبو سعيد فالتمر بالتمر أربى أم الفضة بالفضة والذهب بالذهب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم عن سعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال اعتكف رسول الله صلى الله عليه وسلم العشر الاوسط من رمضان وهو يلتمس ليلة القدر قبل أن تبان له فلما انقضين أمر ببنائه فنقض ثم أبينت له انها في العشر الاواخر فأمر بالبناء فأعيد ثم اعتكف العشر الاواخر ثم خرج على الناس فقال يا أيها الناس انها أبينت لي ليلة القدر فجرت لاخبركم بها فجاء رجلان يحيفان معهما الشيطان فنسيتها فالتمسوها في التاسعة والسابعة والخامسة فقلت يا أبا سعيد انكم أعلم بالعدد منا قال أنا أحق بذلك منكم فما التاسعة والسابعة والخامسة قال تدع التي تدعون احدى وعشرين والتي تليها التاسعة وتدع التي تدعون

عن سعيد عن عامر بن حذيم * يدخل فقراء المؤمنين الجنة قبل أغنيائهم بيوم مقداره ألف عام (حل) عن أبي هريرة * يدخل فقراء أمتي قبل الاغنياء بمائة عام (حل) عن أبي هريرة * يدخل فقراء المؤمنين الجنة قبل أغنيائهم بنصف يوم بمقدار خمسمائة عام حتى يقول المؤمن الغني يا ليتني كنت مع إلاهم الذين اذا كان مكروه بعثوا له واذا كان مغنما بعث اليه سواهم وهم الذين يحجبون عن الابواب (حم) عن رجال من الصحابة * يقول الله تعالى يوم القيامة أدنوا مني أحبائي فتقول الملائكة ومن أحباؤك فيقول فقراء المسلمين (ابن) فيدنون منه فيقول الله تعالى لم أزوالدنيا عنكم لهوان كان بكم علي ولكن أردت بذلك ان أضعف لكم كرامة اليوم فتمنوا علي ما شئتم اليوم فيؤمرهم الى الجنة قبل الاغنياء بأربعين خريفا أبو الشيخ عن أنس * يبعث الله يوم القيامة عبدين من عباده كانا على سيرة واحدة أحدهما مقتور عليه والآخر موسع عليه فيقبل المقتور عليه الى الجنة لا يثني عنها حتى ينتهي الى أبوابها فيقول له حجبتها الليلة البك فيقول اذا لا أرجع وسيفه في عنقه يقول أني أعطيت هذا السيف في الدنيا أجاهد به فلم أزل أجاهد حتى قبضت وأنا على ذلك فيرمي بسيفه الى الخزنة وينطلق لا يثنونه ولا يحبسونه عن الجنة فيدخلها فيمكث فيها دهرا ثم يمر به أخوه الموسع عليه فيقول له يا فلان ما حبسك فيقال ما خلى سبيلي الا الآن ولقد حبست مالوان ثلثمائة بعير أكلت حضالا وردن الماء الا خمسا وردن على عرق الصدر ثم رواه ابن المبارك عن ضمرة والهاجر ابني حبيب وحكيم بن عمير مرسلا * التقي مؤمنان على باب الجنة مؤمن غني ومؤمن فقير كانا في الدنيا فأدخل الفقير الجنة وحبس الغني ما شاء الله أن يحبس ثم أدخل الجنة فلقيه الفقير فقال أي أخي ما اذا حبسك والله لقد احتبعت حتى خفت عليك فقال أي أخي اني حبست بعدك محبسا فظيعا كربها ما وصلت اليك حتى بلغني من العرق ما الورده ألف بعير كلها آكلة الحمض اصدرت عنه رواه (حم) عن ابن عباس * أنا أول من يأخذ حلقة الجنة فيفتحها الله لي ومعي فقراء المؤمنين وأنا سيد الاولين والآخرين من النبيين ولا فخر الديلمي عن ابن عباس * أول من يدخل الجنة من خلق الله فقراء المهاجرين الذين

---

تدعون ثلاثة وعشرين والتي تليها السابعة وتدع التي تدعون خمسة وعشرين والتي تليها الخامسة. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا سعيد بن يزيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اما أهل النار الذين هم أهلها فانهم لا يموتون فيها ولا يحيون ولكن ناس أو كما قال تصيبهم النار بذنوبهم أو قال بخطاياهم فيميتهم اماتة حتى اذا صاروا فحما أذن في الشفاعة فجيء بهم ضبائر ضبائر فبثوا على أنهار الجنة فيقال يا أهل الجنة افيضوا عليهم فينبتون نبات الحبة تكون في حميل السيل قال فقال رجل من القوم حينئذ كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد كان بالبادية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا ابن عون عن محمد عن عبد الرحمن بن بشير بن مسعود قال فرد الحديث حتى رده الى أبي سعيد قال ذكر ذلك عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال وما ذاكم قالوا الرجل تكون له المرأة ترضع فيصيب منها ويكره ان تحمل منه والرجل تكون له الجارية فيصيب منها ويكره ان تحمل منه فقال فلا عليكم ان تفعلوا اذا كم فانما هو القدر قال ابن عون فحدثت به الحسن فقال ذلا عليكم لكان هذا زجر حدثنا عبد الله ثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تسبوا أصحابي فان أحدكم لو أنفق مثل أحد ذهبا ما بلغ مد احدهم ولا نصيفه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد أو عن أبي هريرة شك الاعمش قال لما كان غزوة تبوك أصاب الناس مجاعة فقالوا يا رسول الله لو أذنت لنا فنحرنا نواضحنا فاكلنا وادهنا فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم افعلوا فجاء عمر فقال يا رسول الله انهم ان فعلوا قل الظهر ولكن ادعهم بفضل أزوادهم فتدعو لهم عليه بالبركة لعل الله ان يجعل في ذلك فقد عا رسول الله صلى الله عليه وسلم بنطع فبسطه ثم دعاهم بفضل أزوادهم فجعل الرجل يجيء بكف الذرة والآخر بكف التمر والآخر بالكسرة حتى اجتمع على النطع من ذلك شيء يسير ثم دعا عليه بالبركة ثم قال لهم خذوا في أوعيتكم قال فاخذوا في أوعيتهم حتى ما تركوا من العسكر وعاء الا ملؤوه وأكلوا حتى شبعوا وفضلت منه فضلة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أشهد أن لا اله الا الله وأني رسول الله لا يلقى الله بهما عبد غير شاك فيحجب عنه الجنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا محمد بن اسحق قال حدثني عبد الله بن المغيرة بن معيقيب عن سليمان بن عمرو بن عبد العتواري حدثني ليث وكان يتيما في حجر أبي سعيد قال أبو عبد الرحمن قال أبي سليمان بن عمرو هو أبو الهيثم الذي روى عن أبي سعيد قال سمعت أبا سعيد يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يوضع الصراط بين ظهري جهنم عليه حسك كحسك السعدان ثم يستجيز الناس فناج مسلم ومجدوح به ثم ناج ومحتبس به منكوس فيها فاذا فرغ الله عز وجل من القضاء بين العباد يقعد المؤمنون رجالا كانوا معهم في الدنيا يصلون بصلاتهم ويزكون بزكاتهم ويصومون صيامهم ويحجون حجهم ويغزو ناغزوهم فيقولون أي ربنا عبادك من عبادك كانوا معنا في الدنيا يصلون صلاتنا ويزكون زكاتنا ويصومون صيامنا ويحجون حجنا ويغزون غزونا لا نراهم فيقول اذهبوا الى النار فمن وجدتم فيها منهم فاخرجوه قال فيجدونهم قد أخذتهم النار على قدر أعمالهم فمنهم من أخذت الى قدميه ومنهم من أخذت الى نصف ساقيه ومنهم من أخذت الى ركبتيه ومنهم من أزرته ومنهم من أخذته الى ثديه ومنهم من أخذته الى عنقه ولم تغش الوجوه فيستخرجونهم منها فيطرحون في ماء الحياة قيل يا رسول الله وما الحياة قال غسل أهل الجنة فينبتون نبات

يسدبهم الثغور ويقي بهم المكاره ويموت أحدهم وحاجته في صدره لا يستطيع لها قضاء فيقول الله عز وجل لمن يشاء من ملائكته اللهو إليهم فيوهم فيقول الملائكة نحن سكان سمائك وخيرتك من خلقك أفتأمرنا ان نأتي هؤلاء فنسلم عليهم قال انهم كانوا عبادا يعبدوني لا يشركون بي شيأ وتسد بهم الثغور ويتقي بهم المكاره ويموت أحدهم وحاجته في صدره لا يستطيع لها قضاء فتأتيهم الملائكة عند ذلك فيدخلون عليهم من كل باب سلام عليكم بما صبرتم فنعم (١٢) عقبى الدار (حم حل) عن ابن عمرو * يأتي الله بقوم يوم القيامة نورهم كنور الشمس فقال

الزرعة وقال مرة فيه كما تنبت الزرعة في غثاء السيل ثم يشفع الانبياء في كل من كان يشهد أن لا اله الا الله مخلصا فيخرجون منها قال ثم يقبض الله قبضة على من فيها فما يترك فيها عبدا في قلبه مثقال حبة من إيمان الا أخرجه منها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا الدستوائي ثني يحيى بن أبي كثير ثنا عياض قال قلت لابي سعيد الخدري أحدنا يصلي فلا يدري كم صلى فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا صلى أحدكم فلا يدري كم صلى فليسجد سجدتين وهو جالس وإذا جاءه أحدكم الشيطان فقال انك قد أحدثت فليقل كذبت الا ما وجد ريحه بانفه أو سمع صوته باذنه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أخبرنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال كنا نغزو مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فمنا الصائم ومنا المفطر فلا يجد الصائم على المفطر ولا المفطر على الصائم يرون انه يعني من وجد قوة فصام فان ذلك حسن ويرون انه من وجد ضعفا فافطر فان ذلك حسن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال لم نعد ان فتحت خيبر ونحن في تلك البقلة فأكلنا منها أكلا شديدا وناس جياع ثم رحنا الى المسجد فوجد رسول الله صلى الله عليه وسلم الريح فقال من أكل من هذه الشجرة الخبيثة شيأ فلا يقربنا في المسجد فقال الناس حرمت حرمت فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أيها الناس انه ليس لي تحريم ما أحل الله ولكنها شجرة أكره ريحها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا هشام بن يحيى عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تكتبوا عني شيأ سوى القرآن من كتب شيأ سوى القرآن فليمحه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن هشام الدستوائي قال ثنا يحيى بن أبي كثير عن أبي رفاعة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تكتبوا عني شيأ فمن كتب عني شيأ فليمحه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يشرب وهو قائم قال جابر كان يكره ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى قال ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه قال سمعت أبا سعيد الخدري يشهد أن النبي صلى الله عليه وسلم زجر عن ذلك وزجر أن تستقبل القبلة لبول حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير ثنا هشام يعني ابن سعد عن زيد بن أسلم عن عبد الله بن عمر فتح خوخته وعنده أبو سعيد الخدري فخرجت علينا فأمر عبد الله بن عمر بقتلها فقال أبو سعيد أما علمت أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر أن يؤذن من قبل أن يقتلن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا شعيب بن حرب ثنا هشام بن سعد ثنا زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من يتصبر يصبره الله ومن يستغن يغنه الله ومن يستعفف يعفه الله وما أعطي أحد عطاء أوسع من الصبر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثني اسحق بن عيسى ثنا عبد الرحمن بن زيد عن أبيه عن عطاء ابن يسار عن أبي هريرة قال كنا قعودا نكتب ما نسمع من النبي صلى الله عليه وسلم فخرج علينا فقال ما هذا تكتبون فقلنا ما نسمع منك فقال أكتاب مع كتاب الله فقلنا ما نسمع فقال اكتبوا كتاب الله امحضوا كتاب الله أكتاب غير كتاب الله امحضوا كتاب الله وأخلصوه قال فجمعنا ما كتبنا في صعيد واحد ثم أحرقناه بالنار فقلنا

أبو بكر نحن هم يا رسول الله قال لا ولكم خير كثير ولكنهم فقراء المهاجرين يحشرون من أقطار الارض طوبى للغرباء طوبى للغرباء قيل من الغرباء قال ناس صالحون قليل في ناس سوء كثير من يعصيهم أكثر ممن يطيعهم (طب) والخطيب في المتفق والمفترق عن ابن عمرو * ان في الجنة درجة لا ينالها الا أرباب الهموم أي في طلب المعيشة الدنيئة عن أبي هريرة * اذا أراد الله بأهل الارض عذابا فنظر الى مابهم من الجوع والعطش صرف عنهم العذاب الدنيئة عن أبي هريرة * أولياء الله من خلقه أهل الجوع والعطش فمن آذاهم انتقم الله منه وهتك ستره وحرم عليه عيشه من جنته ابن النجار عن ابن عباس * لا تبك يا أبا هريرة فان شدة الحساب يوم القيامة لا تصيب الجائع اذا احتسب في دار الدنيا (حل) والخطيب وابن عساكر عن أبي هريرة * ان كنت تحبني فاتخذ للبلاء تجفافا فوالذي نفسي بيده للبلاء أسرع الي ممن يجبني من الماء الجاري من قلة الجبل الى حضيض الارض اللهم فمن أحبني فارزقه العفاف والكفاف ومن أبغضني

فاكثر ماله وولده (هق هب) في الزهد وضعفه وابن عساكر عن أبي هريرة * ان الله تعالى يحب المؤمن اذا كان فقيرا متعففا (طب) عن عمران بن حصين * الفقر تحفة من عند الله لا يبتلي به الا من أحب من المؤمنين السلمي عن علي * أوحى الله الى موسى بن عمران يا موسى ارض بكسرة خبز من شعير تسد بها جوعتك وخرقة توارى بها عورتك واصبر على المصيبات واذا رأيت الدنيا مقبلة فقل انا لله وانا اليه راجعون عقوبة

أى رسول الله أحدث عبدك فقال لعلك تحدثت يا عبدى ولا خير ومن كذب على متعمدا فليتبوأ مقعده من النار قال فقلنا يا رسول الله اتحدث عن بنى اسرائيل قال نعم تحدثوا عن بنى اسرائيل ولا حرج فانكم لا تحدثون عنهم بشىء الا وقد كان فيهم أعجب منه حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا حماد عن بشر بن حرب عن أبى سعيد الخدرى قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم واقفا بعرفة يدعو هكذا ورفع يديه حيال ثندوته وجعل بطون كفيه مما يلى الارض. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله عن أبى سعيد الخدرى أن النبى صلى الله عليه وسلم نهى عن اشتمال الصماء وأن يحتبى الرجل فى ثوب واحد ليس على فرجه منه شىء. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة عن أبى الصديق الناجى عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون يوم القيامة من النار فيحبسون على قنطرة بين الجنة والنار فيقتص لبعضهم من بعض مظالم كانت بينهم فى الدنيا حتى اذا هذبوا ونقوا اذن لهم فى دخول الجنة فوالذى نفسى بيده لاحدهم اهدى لمنزله فى الجنة منه بمنزله كان فى الدنيا. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان أبو معاوية ثنا فراس بن يحيى الهمدانى عن عطية العوفى عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لتدخل رجل الجنة ما عمل خيرا قط قال لاهله حين حضره الموت اذا أنا مت فأحرقونى ثم اسحقونى ثم اذرونى فى البحر ونصفى فى البر فاصبح الله البر والبحر فجمعه ثم قال لم فعلت ذلك قال فعلته لك فغفر له بذلك. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم ثنا أبو معاوية يعنى شيبان عن يحيى عن أبى نضرة العوفى أن أبا سعيد الخدرى اخبره قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الوتر فقال أوتروا قبل الصبح. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين فى تفسير شيبان عن قتادة قال ثنا أبو المتوكل الناجى عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون من النار فذكر الحديث. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن وروح قالا ثنا حماد بن سلمة عن عطاء بن السائب عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن أبى سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال افتخرت الجنة والنار فقالت النار يارب يدخلنى الجبارة والمتكبرون والملوك والاشراف وقالت الجنة اى رب يدخلنى الضعفاء والفقراء والمساكين فيقول الله تبارك وتعالى للنار أنت عذابى اصيب بك من أشاء وقال للجنة أنت رحمتى وسعت كل شىء واكل واحدة منكما ملؤها فيلقى فى النار أهلها فتقول هل من مزيد قال ويأتى فيها وتقول هل من مزيد ويلقى فيها وتقول هل من مزيد حتى يأتيها تبارك وتعالى فيضع قدمه عليها فتزوى وتقول قدى قدى وأما الجنة فينشىء الله لها ما شاء الله أن ينشىء فينشىء الله لها خلقا ما يشاء. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة عن سعيد الجريرى عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أهون أهل النار عذابا رجل فى رجليه نعلان يغلى منهما دماغه ومنهم فى النار الى كعبيه مع اجراء العذاب ومنهم من فى النار الى ركبتيه مع اجراء العذاب ومنهم من اغتمر فى النار الى أونبته مع اجراء العذاب ومنهم من هوى فى النار الى صدره مع اجراء العذاب ومنهم من قد اغتمر فى النار قال عفان مع اجراء العذاب قد اغتمر. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا زهير عن سعد أبى المجاهد الطائى عن عطية بن سعد العوفى عن أبى سعيد الخدرى أراه قد رفعه الى النبى صلى الله عليه وسلم قال أيما مؤمن سقى مؤمنا شربة على ظمأ سقاه الله يوم القيامة من الرحيق المختوم

يا رسول الله أشياء نشتهيها لا نقدر عليها ألنافيها أجر قال فذكره * وهل الاجر الا فى ذلك (طب) عن عصمة بن مالك أن نفرا قالوا يا رسول الله نرى الفواكه فى السوق فنشتهيها وليس معنا ناض نشترى به فهل لنا فى ذلك أجر قال فذكره * يا أبا ذر انا نأتى الى أرض رجل فى المسجد فى عينك قال فنظرت فإذا رجل عليه حلة قلت هذا قال انا نأتى الى أوضع رجل فى المسجد قال فنظرت فاذا رجل عليه أخلاق قلت هو قال والذى نفسى بيده لهذا عند الله يوم القيامة خير من ملء الارض مثل هذا (حم) وهناد (ع حب) والروياني (ك ض) عن أبى ذر * ليودن قوم يوم القيامة أنهم كانوا فقراء ويودون أنهم كانوا سلسين الدبلى عن أبى سعيد * سلينى عن طول رقادى ان أهل الجنة واهل النار يعرضون على وانى استلبثت عبد الرحمن ابن عوف حتى خشيت أن لا يمر بى فيمن يمر بى قالت عائشة يا رسول الله أى أهل الجنة أكثر وأيهم أقل قال أكثرهم المساكين وأقلهم الاغنياء والنساء قلت ما النساء فى الجنة قال كغراب أبيض فى غربان سود أبو سعيد اسمعيل بن على الصمان فى مشيخته عن عائشة قالت اضطجع النبى صلى الله عليه وسلم مقيلا ثم استيقظ قال فذكره * أوحى الله تعالى الى موسى بن عمران يا موسى ان من عبادى من لو سألنى الجنة بجذافير هالاعطيته ولو سألنى علاقة سوط لم أعطه ليس ذلك من هوان له على ولكنى أريد أن أدخره فى الآخرة من كرامتى وأحميه من الدنيا كما يحمى الراعى غنمه من مراعى السوء يا موسى ما أجد أن الفقراء الى الاغنياء أن خزائنى ضاقت عنهم وان رحمتى لم تسعهم ولكنى

فرضت للفقراء فى أموال الاغنياء ما يسعهم أردت أن ابلو الاغنياء كيف مسارعتهم فيما فرضت للفقراء فى أموالهم يا موسى ان فعلوا ذلك أنعمت عليهم نعمتى واضعفت لهم فى الدنيا للواحدة عشر أمثالها يا موسى كن للفقير كنزا وللضعيف حصنا وللمستجير غياثا أكن لك فى الشدة صاحبا وفى الوحدة أنيسا وأكلؤك فى ليلك ونهارك ابن النجار عن أنس * ان موسى عليه السلام قال أى رب ان عبدك المؤمن تقتر عليه فى الدنيا ففتح له باب من الجنة فنظر اليها فقال (١٤) يا موسى هذا ما أعددت لك قال مؤمن أى رب وعزتك وجلالك لو كان أقطع اليدين والرجلين يسحب على وجهه منذ يوم خلقته الى يوم القيامة وكان هذا مصيره لم ير بؤسا قط ثم قال موسى أى رب عبدك الكافر توسع عليه فى الدنيا ففتح له باب الى النار فقال يا موسى هذا ما أعددت له فقال موسى أى رب وعزتك وجلالك لو كانت له الدنيا منذ يوم خلقته الى يوم القيامة وكان هذا مصيره لم ير خيرا قط (حم) عن أبى سعيد * تقول الملائكة يا رب عبدك المؤمن تزوى عنه الدنيا وتعرضه للبلاء وهو مؤمن بك فيقول اكشفوا عن ثوابه فاذا رأوا ثوابه تقول الملائكة يا رب ما يضره ما أصابه فى الدنيا وتقول الملائكة يا رب عبدك الكافر تبسط له فى الدنيا وتزوى عنه البلاء وقد كفر بك فيقول اكشفوا عن ثوابه فاذا رأوا ثوابه قالوا يا رب ما ينفعه معه ما أصابه فى الدنيا (حل) عن أبى * اللهم توفنى اليك فقيرا ولا توفنى غنيا واحشرنى فى زمرة المساكين يوم القيامة فان أشقى الاشقياء من اجتمع عليه فقر الدنيا وعذاب الآخرة (طس) وأبو الشيخ فى الثواب عن أبى سعيد * عليكم بالحزن فانه مفتاح القلب قالوا يا رسول الله وكيف الحزن قال أجيعوا أنفسكم بالجوع وأظمؤها (طب) عن ابن عباس * ابلوا أجسادكم بالجوع والعطش وافنوا لحومكم واذيبوا شحومكم تسبدلوا لحوما طيبة محشوة بالمسك والكافور وفى الحلية الديلمى عن أنس وفيه اسمعيل بن أبى زياد الشامى متروك بضع الحديث * ان موسى بن عمران مر برجل وهو يضطرب فقام يدعو الله أن يعافيه فقيل له يا موسى انه ليس الذى يصيبه لخبط من ابليس ولكنه جوع نفسه لى فهو الذى ترى انى أنظر اليه

وأيما مؤمن أطعم مؤمنا على جوع أطعمه الله من ثمار الجنة وأيما مؤمن كسا مؤمنا ثوبا على عرى كساه الله من خضر الجنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن اسحق قال أنا ابن لهيعة عن خالد بن أبى عمران عن أبى عبد الرحمن الحبلى عن أبى سعيد الخدرى قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم يهودى فقال يا أبا سعيد ثلاثة تؤمن قالهن دخل الجنة قلت ما هن يا رسول الله قال من رضى بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد رسولا ثم قالوا أبا سعيد والرابعة لها من الفضل كما بين السماء الى الارض وهى الجهاد فى سبيل الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن شهر بن حوب عن أبى سعيد الخدرى قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يعرفه يديه وهكذا وجعل باطن كفيه مما يلى الارض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنا اسود بن عامر أخبرنا أبو اسرائيل يعنى اسمعيل بن أبى اسحق الملائى عن عطية عن أبى سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انى تارك فيكم الثقلين أحدهما أكبر من الآخر كتاب الله حبل ممدود من السماء الى الارض وعترتى أهل بيتى وانهما لن يفترقا حتى يردا على الحوض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا معاوية بن عمرو ثنا أبو اسحق الفزارى عن الاوزاعى عن الزهرى عن عطاء بن يزيد عن أبى سعيد الخدرى قال جاء رجل الى النبى صلى الله عليه وسلم فسأله عن الهجرة فقال ويحك ان الهجرة شأنها شديد فهل لك من ابل قال نعم قال هل تؤدى صدقتها قال نعم قال هل تمنح منها قال نعم قال هل تحلبها يوم وردها قال نعم قال فاعمل من وراء البحار فان الله لن يترك من عملك شيأ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد ثنا سليمان بن قرم عن عبد الرحمن يعنى ابن الاصبهانى عن أبى صالح عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من قدم ثلاثة من ولده حجبوه من النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا معاوية ابن عمرو ثنا أبو اسحق عن الاعمش عن سعد الطائى عن عطية بن سعد عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يدخل الجنة صاحب خمس مدمن خمر ولا مؤمن بسحر ولا قاطع رحم ولا كاهن ولا منان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن الحرث حدثنى الاوزاعى عن ابن شهاب عن عطاء بن يزيد الليثى عن أبى سعيد الخدرى ان اعرابيا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الهجرة فقال ويحك ان الهجرة شأنها شديد فهل لك من ابل قال نعم قال ألست تؤدى صدقتها قال بلى قال ألست تمنح منها قال بلى قال ألست تحلبها يوم وردها قال بلى قال فاعمل من وراء البحار ما شئت فان الله لن يترك من عملك شيأ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب حدثنى عمرو بن الحرث عن بكر بن سوادة ان أبا الخير مولى عبد الله بن سعد حدثه ان أبا سعيد الخدرى حدثه ان رجلا قدم من نجران الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه خاتم ذهب فاعرض عنه رسول الله صلى الله عليه وسلم ولم يسأله عن شئ فرجع الرجل الى امرأته فخذمها فقالت ان لك لشأنا فارجع الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فرجع اليه فالقى خاتمه وجبة كانت عليه فلما استأذن أذن له وسلم على رسول الله صلى الله عليه وسلم فرد عليه السلام فقال يا رسول الله أعرضت عنى قبل حين جئتك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لم جئتنى وفى يدك جمرة من نار فقال يا رسول الله لقد جئت اذا بجمر كثير وكان قد قدم بحلى من البحرين فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انما جئت به غير مغن عنا شيأ الا ما أغنت حجارة الحرة ولكنه متاع الحياة الدنيا فقال الرجل فقلت يا رسول الله اعذرنى فى أصحابك لا يظنون أنك عاتبت على شئ فعاتب فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فعذره وأخبر ان الذى

كل يوم مرات أنت بحسبه من طاعة على فوره فليدع لك فان له عندي كل يوم دعوة (طب حل) عن ابن عباس * البطر في الدين قلة التفكر والعبادة قلة الطعم (ابن) في تاريخه عن ابن عباس * اللهم ارزق آل محمد كفافا (م) عن أبي هريرة * اللهم ارزق آل محمد قوتا (خ م) عن أبي هريرة * الفقر فقران فقر الدنيا وفقر الآخرة فقر الدنيا غنى الآخرة وغنى الدنيا فقر الآخرة ذلك الهلاك حب مالها وزينتها فذلك فقر الآخرة وعذاب الآخرة الديلمي عن ابن عباس * ان الشيطان يجري من ابن آدم مجرى الدم فضيقوا مجاريه بالجوع (10) اما ان أزينه في عينه فيمنعه من حقه واما أن أسهل عليه سبيله فينفقه في غير حقه واما ان أحببه اليه فيكسبه بغير حقه * ابن المبارك عن أبي سلمة بن عبد الرحمن بن عوف مرسلا * (الانفاق) * عن الحسن قال قال رجل لعثمان ذهبتم يا أصحاب الاموال بالخير تتصدقون وتعتقون وتحجون وتنفقون فقال عثمان وانكم لتغبطونا قال أنا لنغبطكم قال فوالله لدرهم ينفعه أحدهم من جهد خير من عشرة آلاف غبيض من فيض (هب) * عن أبي ذر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أبا ذر ان امامك عقبة كؤدا لا يقطعها الا كل مخف قال يا رسول الله أنا منهم أنا قال ان لم يكن عندك قوت ثلاثة فانت منهم ابن عساكر * عن ابن مسعود قال حبذا المكروهان الموت والفقر وأيم الله ما هو الا الغنى والفقر وما أبالي بايهما ابتدئت لان حق الله في كل واحد منهما واجب ان كان الغنى ان فيه للعطف وان كان الفقر ان فيه للصبر (كر) * عن عبد الله بن عمرو قال للان أكون عاشر عشرة مساكين يوم القيامة أحب الي من أن أكون عاشر عشرة أغنياء فان الاكثرين هم الاقلون يوم القيامة الا من قال هكذا وهكذا يقول بصرف يمينا وشمالا (كر) * عن عبد الله بن معاوية الزبيري ثنا معاذ بن محمد بن أبي بن كعب عن أبيه عن جده أبي بن كعب قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا أدلكم على هدايا الله تعالى الى خلقه قلنا بلى قال الفقير من خلقه هو هدية الله تعالى قبل ذلك أو ترك ابن النجار وعبد الله بن معاوية ضعف وذكره (حب) في الثقات * عن علي قال توفي غنيان وفقيران فقال تبارك وتعالى لاحد الغنيين ماقدمت لنفسك وما تركت لعيالك فيقول يارب خلقتني

---

كان منه انما كان خلقه الذهب حدثنا عبيد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب قال أخبرني عمرو عن يزيد بن أبي حبيب عن يزيد بن أبي سعيد مولى المهري عن أبيه عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث الى بني لحيان ليخرج من كل رجلين رجل ثم قال للقاعد أيكم خلف الخارج في أهله وماله بخير كان له مثل نصف أجر الخارج حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا ابن هبيرة عن حنش بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري قال أبى ليس مرفوعا قال لا يصلح السلف في القمح والشعير والسلت حتى يفرك ولا في العنب والزيتون واشباه ذلك حتى يجيء وذهبا عينا بورق دينارا وورقا دينارا ذهب عينا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر عن أبي سعيد الخدري سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قضى أحدكم صلاته في المسجد ثم رجع الى بيته حينئذ فليصل في بيته ركعتين وليجعل في بيته نصيبا من صلاته فان الله جاعل في بيته من صلاته خيرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن عبيد الله بن المغيرة سمعت أبا الهيثم يقول سمعت أبا سعيد الخدري يقول رأيت بياض كشح رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو ساجد حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى هو ابن داود ثنا ابن لهيعة عن عبد الله بن المغيرة عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري قال كأني أنظر الى بياض كشح رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو ساجد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن الحرث بن يزيد عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري قال بات قتادة بن النعمان يقرأ الليل كله فلما هو الله أحد فذكر ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فقال والذي نفسي بيده انها لتعدل نصف القرآن أو ثلثه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن حبان بن واسع عن أبيه قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم في ثوب فليجعل طرفه على عاتقيه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير أخبرني جابر انه سمع أبا سعيد الخدري يشهد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم زجره عن ذلك وزجره ان يستقبل القبلة ببول وهذا يتلو حديث ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يشرب وهو قائم فقال كانكره ذلك ثم ذكر حديث أبي سعيد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بكر بن عيسى ثنا جامع بن مطر الحبطي ثنا أبو رويه شداد بن عمران القيسي عن أبي سعيد الخدري ان أبا بكر جاء الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني مررت بوادي كذا وكذا فاذا رجل متخشع حسن الهيئة يصلي فقال له النبي صلى الله عليه وسلم اذهب فاقتله قال فذهب اليه أبو بكر فلما رآه على تلك الحال كره ان يقتله فرجع الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم لعمر اذهب فاقتله فذهب عمر فرآه على تلك الحال التي رآه أبو بكر قال فذكره أن يقتله فانى فرجع فقال يا رسول الله اني رأيته يصلي متخشعا فكرهت ان أقتله قال يا علي اذهب فاقتله قال فذهب علي فلم يره فرجع علي فقال يا رسول الله انه لم يره قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان هذا وأصحابه يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية ثم لا يعودون فيه حتى يعود السهم في فوقه فاقتلوهم هم شر البرية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا عبد العزيز بن مسلم قال ثنا معروف عن خالد بن أبي نوف عن ابن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال انتهيت الى النبي صلى الله عليه وسلم وهو يتوضأ من بئر بضاعة فقلت يا رسول الله

وأياهم سواء وتكفلت برزق كل دابة وقلت من ذا الذي يقرض الله قرضا حسنا فاضاعفه له فقدمت لهذا وعلمت انك ترزق عيالي من بعدي فيقول اذهب فلو تعلم مالك عندي لضحكت كثيرا ولبكيت قليلا ثم يقال للغني الآخر وما قدمت لنفسك وما تركت لعيالك فيقول يارب كان لي عيال تخوفت عليهم العيلة فيقول تبارك وتعالى ألم أخلقك وإياهم سواء وتكفلت برزق كل دابة فقال بلى ولكن تخوفت عليهم الغيلة قال فقد أصابهم ما حذرت عليهم فاذهب فلو تعلم (١٦) مالك عندي لضحكت قليلا ولبكيت كثيرا وقال للاحد الفقيرين ما قدمت لنفسك وما تركت لعيالك فيقول يارب خلقتني صحيحا فصححا وعلمتني أسماءك ودعاءك ولو كنت أكثرت لي لخشيت أن يشغلني عن لذاتي فقد رضيت عنك يارب فتقول وأنا راض عنك فاذهب فلو تعلم مالك عندي لضحكت كثيرا ولبكيت قليلا وقال للفقير الآخر ما قدمت لنفسك وما تركت لعيالك فيقول يارب أعطيتني شيأ أسألني عنه فيقول ألم أخلقك صحيحا فصحا رجعلتك سميعا بصيرا وقلت ادعوني أستجب لكم قال بلى يارب ولكني نسيت قال وأنا أنساك اليوم فاذهب فلو تعلم مالك عندي لضحكت قليلا ولبكيت كثيرا ابن جرير * عن علي قال خرجت في غداة شاتية من بيتي جائعا جرضا قد ألقاني البرد فأخذت إهابا مقطوعا كان عندنا فجئته ثم أدخلته في عنقي ثم حزمته على صدري استدفئ فوالله ما في بيتي شيء آكل منه ولو كان في بيت النبي صلى الله عليه وسلم لبلغني فخرجت في بعض نواحي المدينة فاطلعت الى يهودي في حائط من ثغرة جداره فقال مالك يا اعرابي هل لك في كل دلو بتمرة فقلت نعم فافتح الحائط ففتح لي فدخلت فجعلت أنزع دلوا ويعطيني تمرة حتى امتلأت كفي قلت حسبي مثلك الآن فاكاتهن ثم كرعت الماء ثم جئت الى النبي صلى الله عليه وسلم فجاست اليه في المسجد جرهو في عصابة من اصحابه فاطلع علينا مصعب بن عمير في بردة له مرقوعة فلما رآه رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر ما كان فيه من النعيم وزأى حاله التي هو عليها الذ وقت

٢ قوله جرضا الجرض هو الذي قد بدنه وأشفى على الهلاك اه نهاية

دون

نوضأ منها وهي باقي فيها ما يبقى من الدنن فقال ان الماء لا ينجسه شيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا أبو بكر بن عياش عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انكم سترون ربكم عز وجل قالوا يارسول الله نرى ربنا قال فهل تضارون في رؤية الشمس نصف النهار قالوا لا قال فتضارون في رؤية القمر ليلة البدر قالوا لا قال فانكم لا تضارون في رؤيته إلا كما تضارون وفي ذلك قال الاعمش لا تضارون يقول لا تغارون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير صفوف الرجال الصف المقدم وشرها الصف المؤخر وخير صفوف النساء المؤخر وشرها المقدم وقال يامعشر النساء لا يرفعن رؤسكن اذا سجد الرجال من ضيق الازر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مصعب بن المقدام ويحيى بن المثنى قالا ثنا اسرائيل ثنا عبد الله بن عصمة الجحدري قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذ الراية فهزها ثم قال من يأخذها بحقها فقام فلان فقال أنا قال ابسط ثم جاء رجل فقال ابسط ثم قال النبي صلى الله عليه وسلم والذي كرم وجه محمد لاعطينها رجلا لا يفر هاك يا علي فانطلق حتى فتح الله عليه خيبر وذلك وجاء بمجوونها وقديدها قال مصعب بمجوونها وقديدها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا أبو بكر عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال عمر يارسول الله سمعت فلانا يقول خيرا ذكر انك أعطيته دينارين قال لكن فلان لا يقول ذلك لا يثني به لقد أعطيته مابين العشرة الى المائة أو قال الى المائتين وان أحدهم ليسألني المسئلة فاعطيه اياها فيخرج بها متابعا واما هي لهم الا نار قال عمر يارسول الله فلم تعطيهم قال انهم يابون الا أن يسألوني ويابى الله لي البخل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن محمد وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن الاعمش عن عطية عن أبي سعيد فذكر نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا أبي قال سمعت النعمان يحدث عن الزهري عن عطاء بن يزيد عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وسئل أي الناس خير فقال مؤمن مجاهد بماله ونفسه في سبيل الله قال ثم من قال مؤمن في شعب من الشعاب يتقي الله ويدع الناس من شره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يحيى بن آدم ثنا فضيل عن عطاء ثنا أبو سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أول زمرة تدخل الجنة يوم القيامة صورة وجوههم على مثل صورة القمر ليلة البدر والزمرة الثانية على لون أحسن مع كوكب دري في السماء لكل رجل منهم زوجتان على كل زوجة سبعون حلة يرى مخ ساقها من وراء لحومها ومعها وحللها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ربعي بن ابراهيم ثنا عبد الرحمن بن اسحق ثنا زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال سألنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلنا يارسول الله هل نرى ربنا يوم القيامة قال هل تضارون في الشمس ليس دونها سحاب قال قلنا لا قال فهل تضارون في القمر ليلة البدر ليس دونه سحاب قال قلنا لا قال فانكم ترونه كذلك يوم القيامة يجمع الله الناس يوم القيامة فيقول من كان يعبد شيأ فليتبعه قال فيتبع الذين كانوا يعبدون الشمس الشمس فيتساقطون في النار ويتبع الذين كانوا يعبدون القمر القمر فيتساقطون في النار ويتبع الذين كانوا يعبدون الاوثان الاوثان والذين كانوا يعبدون الاصنام الاصنام فيتساقطون في النار قال وكل من كان يعبد من

عيناه فبكى ثم قال كيف أنتم اذا غدا أحدكم في حلة وراح في أخرى وسترت بيوتكم كما تستر الكعبة قلنا نحن يومئذ خير نكفى المؤنة ونتفرغ للعبادة قال بل أنتم اليوم خير منكم يومئذ ابن راهويه وهناد (د ت) وقال حسن غريب (ع) *(فقره صلى الله عليه وسلم) *لقد أوذيت في الله تعالى وما يؤذى أحد وأخفت في الله وما يخاف أحد ولقد أتت علي ثلاثون من بين يوم وليلة ومالي وبلال طعام يأكله ذو كبد الا شيء توارى ابط بلال (حم ت ه حب) عن أنس *والذي نفسي بيده ما أصبح عند آل (١٧) محمد صاع حب ولا صاع تمر (ه) عن أنس

*(الاكمال) * اما انه أول طعام دخل فم أبيك منذ ثلاثة أيام (طب) عن أنس ان فاطمة جاءت بكسرة الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما هذه قالت قرص خبزته فلم تطب نفسي حتى أتيتك بهذه الكسرة فقال فذكره * والذي بعثني بالحق ما اقتبس في آل محمد نار منذ ثلاثين يوما فان شئت أمرت لك بخمسة أعنزوان شئت عملت لك بكلمات علمنهن جبريل قولي يا أول الاولين ويا آخر الآخرين ويا ذا القوة المتين ويا راحم المساكين ويا أرحم الراحمين أبو الشيخ في ذخائل الاصبهانيين والديلمي عن فاطمة البتول وفيها اسمعيل ابن عمرو البجلي قال أبو حاتم والدارقطني ضعيف وذكره ابن حبان في الثقات *(فرع في فضل الغربة) * الاكمال) * الغريب في غربته كالمجاهد في سبيل الله يرفع الله له بكل قدم درجة ويكتب له حسين حسنة الغريب في غربته وجبت له الجنة أكرموا الغرباء فان لهم شفاعة يوم القيامة لعلكم تنجون بشفاعتهم أبو نعيم عن أبي

دون الله حتى يتخطفوا في النار فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فيبقى المؤمنون ومنافقوهم بين ظهريهم وبقايا أهل الكتاب وقلالهم بعده قال فيأتيهم الله عز وجل فيقول ألا تتبعون ما كنتم تعبدون قال فيقولون كنا نعبد الله ولم نر الله فيكشف عن ساق فلا يبقى أحد كان يسجد لله الا وقع ساجدا ولا يبقى أحد كان يسجد رياء وسمعة الا وقع على قفاه قالي ثم توضع الصراط بين ظهري جهنم والانبياء بناحيتيها يقولون اللهم سلم سلم اللهم سلم وانه لمحض مزلة وانه الكلاليب وخطاطيف قال عبد الرحمن ولا أدري لعله قد قال تخطف الناس وحسكة تنبت بنجد يقال لها السعدان قال ونعتها لهم قال فاكون أنا وأمتي لاول من مر أو أول من يجيز قال فيمرون عليه مثل البرق ومثل الريح ومثل أجاويد الخيل والركاب فناج مسلم ومخدوش مكدوس في النار فاقطعوه أو فاذا جاوزوه فما أحدكم في حق يعلم انه حق له باشد منا شدة منهم في اخوانهم الذين سقطوا في النار يقولون أي رب كانوا نصوم معنا ونحج معنا ونعتمر جميعا فما بهم نحن اليوم وهلكوا قال فيقول الله عز وجل أنظروا من كان في قلبه زنة دينار من ايمان فاخرجوه قال فيخرجون قال ثم يقول من كان في قلبه زنة نصف دينار من ايمان فاخرجوه قال فيخرجون قال ثم يقول من كان في قلبه زنة ذرة من ايمان فاخرجوه قال فيخرجون قال ثم يقول أبو سعيد بيني وبينكم كتاب الله قال عبد الرحمن وأظنه يعني قوله وان كان مثقال حبة من خردل أتينا بها وكفى بنا حاسبين قال فيخرجون من النار فيطرحون في نهر يقال له نهر الحيوان فينبتون كما تنبت الحب في حميل السيل ألا ترون ما يكون من الينبت الى الشمس يكون أخضر وما يكون الى الظل يكون أصفر قالوا يا رسول الله كأنك كنت قد رعيت الغنم قال أجل وقد رعيت الغنم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان أبو معاوية ثنا فراس بن يحيى الهمداني عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لقد دخل رجل الجنة ما عمل خيرا قط قال لاهله حين حضره الموت اذا أنا مت فاحرقوني ثم اسحقوني ثم أذروا نصفي في البر ونصفي في البحر فوالله لئن قدر الله علي ليعذبني عذابا ما عذبه أحدا قال ففعلوا به ذلك فقال الله كن فاذا هو رجل قائم قال فقال له ما حملك على ما فعلت قال مخافتك قال فغفر له ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو معاوية يعني شيبان عن ليث عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم القلوب أربعة قلب أجرد فيه مثل السراج يزهر وقلب أغلف مربوط على غلافه وقلب منكوس وقلب مصفح فأما القلب الاجرد فقلب المؤمن سراجه فيه نوره وأما القلب الاغلف فقلب الكافر وأما القلب المنكوس فقلب المنافق عرف ثم انكر وأما القلب المصفح فقلب فيه ايمان ونفاق فمثل الايمان فيه كمثل البقلة يمدها الماء الطيب ومثل النفاق فيه كمثل القرحة يمدها القيح والدم فأي المدتين غلبت على الاخرى غلبت عليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو معاوية شيبان عن مطر بن طهمان عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى يملأ رجل من أهل بيتي أجلي أقفي يملأ الارض عدلا كما ملئت قبله ظلما يكون سبع سنين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد يعني ابن طلحة عن الاعمش عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اني أوشك ان أدعى فاجيب واني تارك فيكم الثقلين كتاب الله عز وجل وعترتي كتاب الله حبل ممدود من السماء الى الارض وعترتي أهل بيتي وان اللطيف الخبير أخبرني انهما لن يفترقا حتى يردا علي الحوض فانظروني بهما تخلفوني فيهما حدثنا



سعيد *عليكم بمجالس الغرباء من كل قبيلة رجل أو رجلان أبو نعيم عن أنس *ما ليته مات في غير مولده ان الرجل اذا توفي في غير مولده قيس له من مولده الى منقطع أثره في الجنة (حم حب) عن ابن عمرو *(الفقر والاضطرار) * كاد الفقر أن يكون كفرا وكاد الحسد أن يكون سبق القدر (حل) عن أنس *أشقى الاشقياء من اجتمع عليه فقر الدنيا وعذاب الآخرة (ش) عن أبي سعيد *جهد البلاء أن تحتاجوا مما في أيدي الناس فتمنعون الديلمي عن ابن عباس *تعوذوا بالله من جهد البلاء ودرك الشقاء

وسوء القضاء وشماتة الاعداء (خ) عن أبي هريرة * استعيذوا بالله من الفقر والعيلة ومن ان تظلموا أو تظلموا (طب) عن عبادة بن الصامت * (الاكمال) * اللهم إني أعوذ بك من الكفر والفقر قال رجل أيعدلان قال نعم (ن ك) عن أبي سعيد * تعوذوا بالله من الفقر والقلة والذلة وان تظلم أو تظلم (ن ك حب) عن أبي هريرة * (الافعال) * عن عبد الله بن أبي أوفى قال الفقر الموت الاحمر ابن النجار * (الفصل الثاني في ذم السؤال) * ما زال الرجل (ق ٦٨) يسأل الناس حتى يأتي يوم القيامة ليس في وجهه مزعة لحم (ق ن) عن ابن عمر * من سأل الناس وله ما يغنيه جاء يوم القيامة وفي وجهه خموش أو خدوش أو كدوح قيل وما الغنى قال خمسون درهما أو قيمتها من الذهب (حم ٤ ك) عن ابن مسعود * ومن يتكفل لي أن لا يسأل الناس شيأ وأتكفل له بالجنة (د ك) عن ثوبان * المسائل كدوح يكدح الرجل بها وجهه فمن شاء أبقى على وجهه ومن شاء ترك الا أن يسأل الرجل ذا سلطان أو في أمر لا يجد منه بدا (حم د حب) عن سمرة * لان يأخذ أحدكم حبله ثم يغدو الى الجبل فيحتطب فيأكل ويتصدق خير له من أن يسأل الناس (ن د ه) عن أبي هريرة * بعضب علي أن لا أجد ما أعطيه من سأل منكم وله أوقية أو عدلها سأل الحافا (د) عن رجل * ان المسئلة لا تحل الا لاحد ثلاثة لذي دم موجع أو لذي غرم مفظع أو لذي فقر مدقع (حم ٤) عن أنس * ان المسئلة لا تحل لغني ولا لذي مرة سوي الا لذي فقر مدقع أو غرم مفظع ومن سأل الناس ليثري به ماله كان خموشا في وجهه يوم القيامة ورضفا يأكله في جهنم فمن شاء فليقل ومن شاء فليكثر (ت) عن حبشي بن جنادة * ان اليد العليا هي المنطية وان السائلة هي السفلى فما استغنيت فلا تسأل وان مال الله مسؤل أو منطي ابن عساكر عن عطية السعدي * انما أنا خازن وانما يعطي الله فمن أعطيته عطاء عن طيب نفس منه فبارك له فيه ومن أعطيته عطاء عن شدة نفس وشدة مسئلة فهو كالآكل ولا يشبع (حم م) عن ابن عباس رضي الله عنهما * ما أعطيكم ولا أمنعكم أنا قاسم أضع حيث أمرت (ت ك خ) عن أبي هريرة * انهم يخيرون في بين أن يسألوني

---

عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا علي بن صالح عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم غرز بين يديه غرزا ثم غرز الى جنبه آخر ثم غرز الثالث فأبعده ثم قال هل تدرون ما هذا قالوا الله ورسوله أعلم قال هذا الانسان وهذا أجله وهذا أمله يتعاطى الامل يختلجه دون ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا علي عن أبي المتوكل عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من مسلم يدعو بدعوة ليس فيها اثم ولا قطيعة رحم الا أعطاه الله بها احدى ثلاث اما أن تعجل له دعوته واما أن يدخرها له في الآخرة واما أن يصرف عنه من السوء مثلها قالوا اذا نكثر قال الله أكثر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح عن سالم أبي النضر عن بسر بن سعيد عن أبي سعيد قال خطب رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس فقال ان الله عز وجل خير عبدا بين الدنيا وبين ما عنده قال فاختار ذلك العبد ما عند الله قال فبكى أبو بكر رضي الله تعالى عنه فعجبنا لبكائه ان خبر رسول الله صلى الله عليه وسلم عن عبد خير وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم المخير وكان أبو بكر أعلمنا به فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أمن الناس علي في صحبته وماله أبو بكر ولو كنت متخذا من الناس خليلا غير ربي لاتخذت أبا بكر ولكن اخوة الاسلام أو مودته لا يبقى باب في المسجد الا سد الا باب أبي بكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا فليح عن سالم أبي النضر عن عبيد بن حنين وبسر بن سعيد عن أبي سعيد الخدري قال خطب رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا فليح عن أبي النضر عن عبيد بن حنين عن أبي سعيد الخدري انه حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم خطب الناس فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا عبد الرحمن بن أبي الموالي حدثني عبد الرحمن بن أبي عمرة الانصاري قال أخبرني أبو سعيد بجنازة فقعد تخلف حتى اذا انطلق الناس بحال السهم ثم جاء فلما رآه القوم تشذروا عنه فقام بعضهم ليجلس في مجلسه فقال لا اني سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول ان خير المجالس أوسعها ثم تنحى وجلس في مجلس واسع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا زهير عن عبد الله بن محمد عن حمزة بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول على هذا المنبر ما بال رجال يقولون ان رحم رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تنفع قومه بلى والله ان رحمي موصولة في الدنيا والآخرة واني أيها الناس فرط لكم على الحوض فاذا جئتم قال رجل يا رسول الله أنا فلان بن فلان وقال أخوه أنا فلان بن فلان قال أما الهم أما النسب فقد عرفته ولكنكم أحدثتم بعدي وارتددتم القهقرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زكريا ابن عدي ثنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن حمزة بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم على المنبر يقول فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح عن سعيد ابن الحرث قال اشتكى أبو هريرة أو غاب فصلى بنا أبو سعيد الخدري فجهر بالتكبير حين افتتح الصلاة وحين ركع وحين قال سمع الله لمن حمده وحين رفع رأسه من السجود وحين سجد وحين قام بين الركعتين حتى قضى صلاته على ذلك فلما سلم قيل له قد اختلف الناس علي صلاتك فخرج فقام عند المنبر فقال أيها الناس والله ما أبالي اختلفت صلاتكم أو لم تختلف هكذا رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو عامر ثنا زهير عن محمد بن عمرو بن حلحلة عن عطاء بن يسار عن أبي هريرة وأبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ما يصيب المرء المسلم من نصب ولا وصب ولا هم ولا حزن ولا غم ولا أذى حتى الشوكة

بالشمس أو يخلوني ولست ببالغها (حم م) عن عمر * باقبيصة ان المسئلة لا تحل الا لاحد ثلاثة رجل تحمل حمالة فتحل له المسئلة حتى يصيبها ثم يمسك ورجل أصابته جائحة اجتاحت ماله فحلت له المسئلة حتى يصيب قواما من عيش ورجل أصابته فاقة حتى يقول ثلاثة من ذوي الحجا من قومه لقد أصابت فلانا فاقة فحلت له المسئلة حتى يصيب قواما من عيش ثم يمسك فما سواهن من المسئلة فسحت يأكلها صاحبها سحتا (حم م د ن) عن قبيصة بن المخارق * ما يكون عندي من خير فلن أدخره عنكم وإنه من (١٩) . يستعف يعفه الله ومن يستغن يغنه الله ومن يتصبر يصبره الله وما أعطي أحد عطاء خيرا وأوسع من الصبر (حم ق ٣) عن أبي سعيد * من سأل شيأ وعنده ما يغنيه فإنما يستكثر من جر جهنم قالوا وما يغنيه قال قدر ما يغديه أو يعشيه (حم د حب ك) عن سهل ابن الحنظلية * من سأل وله أربعون درهما فهو من الملحف (ن) عن ابن عمر * ان الله تبارك وتعالى يبغض السائل الملحف (ن حل) عن أبي هريرة * ان هذا المال خضرة حلوة فمن أصابه بحقه بورك له فيه ورب متخوض فيما شاءت نفسه من مال الله ورسوله ليس له يوم القيامة الا النار (حم ت) عن خولة بنت قيس * ان هذا المال خضر حلو فمن أخذه بحقه بورك له فيه ومن أخذه بإشراف نفس لم يبارك له فيه وكان كالذي يأكل ولا يشبع واليد العليا خير من اليد السفلى (حم ق ت ن) عن حكيم بن حزام * لو تعلمون ما في المسئلة ما مشى أحد إلى أحد يسأله شيأ (ن) عن عائذ بن عمرو * ملعون من سأل بوجه الله وملعون من سئل بوجه الله تعالى ثم منع سائله ما لم يسأل هجرا (طب) عن أبي موسى * من استعف أعفه الله ومن استغنى أغناه الله ومن سأل الناس وله عدل خمس أواق فقد سأل الحافا (حم) عن رجل من مزينة * من سأل الناس أموالهم تكثرا فإنما يسأل جمر جهنم فليستقل منه أو ليستكثر (حم م) عن أبي هريرة * لا تسأل الناس شيأ ولا سوطك وان سقط منك حتى تنزل إليه فتأخذه (حم) عن أبي ذر * لا يسئل بوجه الله تعالى إلا الجنة (د) عن جابر * (الاكمال) * المسئلة كدوح في وجه صاحبها يوم القيامة فمن شاء فليستبق وجهه وأهون المسئلة مسئلة ذي الرحم يسأل في حاجة

بشاكها الا كفر الله عز وجل بما من خطاياه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا منصور بن سلمة حدثنا أبو الأشهب العطاردي عن أبي نضرة عمن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال اتتموا بي باثم بكم من بعدكم فانه لا يزال قوم يأتون حتى يؤخرهم الله عز وجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ابن هرون وعفان قالا ثنا جماد بن سلمة قال أنا علي بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم خطبة بعد العصر الى مغيب الشمس حفظها من حفظها ونسيها من نسي فحمد الله قال عفان وقال حماد وأكثر حفظي انه قال بما هو كائن الى يوم القيامة فحمد الله وأثنى عليه ثم قال اما بعد فان الدنيا خضرة حلوة وان الله مستخلفكم فيها فناظر كيف تعملون الا فاتقوا الدنيا واتقوا النساء ألا ان بني آدم خلقوا على طبقات شتى منهم من يولد مؤمنا ويحيا مؤمنا ويموت مؤمنا ومنهم من يولد كافرا ويحيا كافرا ويموت كافرا ومنهم من يولد مؤمنا ويحيا مؤمنا ويموت كافرا ومنهم من يولد كافرا ويحيا كافرا ويموت مؤمنا ألا ان الغضب جمرة توقد في جوف ابن آدم الا ترون الى حمرة عينيه وانتفاخ أوداجه فاذا وجد أحدكم شيأ من ذلك فالارض بالارض ألا ان خير الرجال من كان بطيء الغضب سريع الرضا وشر الرجال من كان سريع الغضب بطيء الرضا فاذا كان الرجل بطيء الغضب بطيء الفيء وسريع الغضب وسريع الفيء فانهما هي الا ان خير التجار من كان حسن القضاء حسن الطلب وشر التجار من كان سيئ القضاء سيئ الطلب فاذا كان الرجل حسن القضاء سيئ الطلب أو كان سيئ القضاء حسن الطلب فانهما هي الا ان لكل غادر لواء يوم القيامة بقدر غدره الا وأكبر الغدر غدر أمير عامة الا لا يمنعن رجلا مهابة الناس ان يتكلم بالحق اذا علمه الا ان أفضل الجهاد كلمة حق عند سلطان جائر فلما كان عند مغيب الشمس قال الا ان مثل ما بقي من الدنيا فيما مضى منها مثل ما بقي من يومكم هذا فيما مضى منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون ثنا داود بن أبي هند عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله انا بأرض مضبة فما تأمرنا قال فأعرض عنه فقال انا نعني ان أمة من بني اسرائيل مسخت دوابا فما أدري أني الدواب هي فلم يأمر ولم ينه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنبأنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال استأذن أبو موسى على عمر ثلاثا فلم يأذن له عمر فرجع فلقيه عمر فقال ما شأنك رجعت قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من استأذن ثلاثا فلم يؤذن له فليرجع قال لتأتين على هذا ببينة أو لأفعلن ولأفعلن فأتى مجلس قومه فقاموا معه فشهدوا له عند عمر وجل فقلت انا معك فشهدوا له بذلك فخلا سبيلهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أبي المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ان أخي استطلق بطنه قال اسقه عسلا قال فذهب ثم جاء فقال قد سقيته فلم يزده الا استطلاقا قال اسقه عسلا فذهب ثم جاء فقال قد سقيته فلم يزده الا استطلاقا قال اسقه عسلا قال فذهب ثم جاء فقال قد سقيته فلم يزده الا استطلاقا فقال له في الرابعة اسقه عسلا قال أظنه قال فسقاه فبرأ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم في الرابعة صدق الله وكذب بطن أخيك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين قال ثنا شيبان عن قتادة وحدث عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري أن رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان أخي قد عرب بطنه فقال اسق ابن أخيك عسلا قال فسقاه فلم يزده الا شدة فرجع الى النبي صلى الله عليه وسلم ثلاث مرات فقال له النبي صلى الله عليه وسلم في

وخير المسئلة عن ظهر غنى واليد العليا تعول (هب) عن ابن عمر * ما فتح رجل على نفسه باب مسئلة يسأل الناس الا فتح الله عليه باب فقر ولان العفة خير ابن حجر في تهذيبه عن عبد الرحمن بن عوف * من فتح باب مسئلة فتح الله له باب فقر في الدنيا والآخرة ومن فتح باب عطية ابتغاء لوجه الله أعطاه الله خير الدنيا والآخرة ابن حجر في تهذيبه عن ابي هريرة * من سأل مسئلة عن ظهر غنى استكثر بها من رضف جهنم قالوا ما ظهر غنى قال عشاء ليلة (عم) عن (ع) علي * اما والله ان أحدكم ليخرج مسألته من عندي يتأبطها وما هي له الا نار قال عمر لم تعطيها اياهم قال ما أصنع يأبون الا ذلك ويأبى الله لي البخل (حم ع ك ض) عن أبي سعيد * من أجاع أو احتاج فكتمه الناس وأفضى به الى الله تعالى كان حقا على الله أن يفتح له قوت سنة من حلال الخطيب في المتفق والمفترق عن أبي هريرة وقال غريب تفرد به موسى ابن أعين عن الاعمش ولم يكتبه الا من رواية اسمعيل ابن رجاء عن موسى * من سأل الناس عن ظهر غنى فصداع في الرأس وداء في البطن البغوي والباوردي (طب هق) عن زياد بن الحرث الصدائي (الافعال) عن أبي مليكة قال كان ربما سقط الخطام من يد أبي بكر فيضرب بذراع ناقته فينيخها فيأخذه فقالوا ألا أمرتنا نناولك قال ان حبي صلى الله عليه وسلم أمرني أن لا أسأل الناس شيأ (حم) قال الحافظ ابن حجر في الاطراف هذا منقطع * عن أبي هريرة ان رجلا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم أصابه جهد شديد فقالت امرأته لو أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فاتاه فسمعه وهو يقول من استغنى أغناه الله ومن استعف أعفه الله ومن سأل الناس وعندنا

الثالثة اسق ابن أخيك عسلا فان الله عز وجل قد صدق وكذب بطن ابن أخيك قال فسقاه فعافاه الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا زكريا عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال قد أعطى كل نبي عطية فكل قد تعجلها واني أخرت عطيتي شفاعة لامتي وان الرجل من امتي ليشفع لفئام من الناس فيدخلون الجنة وان الرجل ليشفع للقبيلة وان الرجل ليشفع للعصبة وان الرجل ليشفع للثلاثة وللرجلين وللرجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هشام عن يحيى عن أبي ابراهيم عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم احرم وأصحابه عام الحديبية غير عثمان وأبي قتادة فاستغفر للمحلقين ثلاثا وللمقصرين مرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أخبرني شعبة عن قيس بن مسلم عن طارق بن شهاب قال خطب مروان قبل الصلاة في يوم العيد فقام رجل فقال انما كانت الصلاة قبل الخطبة فقال ترك ذلك يا أبا فلان فقام أبو سعيد الخدري فقال أما هذا فقد قضى ما عليه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من رأى منكرا فليغيره بيده فان لم يستطع فبلسانه فان لم يستطع فبقلبه وذلك أضعف الايمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان أهل النار الذين أهل النار الذين لا يريد الله عز وجل اخراجهم لا يموتون فيها ولا يحيون وان أهل النار الذين يريد الله عز وجل اخراجهم يميتهم فيها اماتة حتى يصيروا فحما ثم يخرجون ضبائر فينتقون على أنهار الجنة أو يرش عليهم من أنهار الجنة فينبتون كما تنبت الحبة في حميل السيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا فضيل بن مرزوق عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من صلى على جنازة وشيعها كان له قيراطان ومن صلى عليها ولم يشيعها كان له قيراط والقيراط مثل أحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد بن سلمة عن أبي نعامة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى فخلع نعليه فخلع الناس نعالهم فلما انصرف قال لم خلعتم نعالكم فقالوا يا رسول الله رأيناك خلعت فخلعنا قال ان جبريل أتاني فأخبرني ان بهما خبثا فاذا جاء أحدكم المسجد فليقلب نعله فلينظر فيها فان رأى بها خبثا فليمسحه بالارض ثم ليصل فيهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا همام ابن يحيى ثنا قتادة عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال لا أحدثكم الا ما سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم سمعته أذناي ووعاه قلبي ان عبدا قتل تسعة وتسعين نفسا ثم عرضت له التوبة فسأل عن أعلم أهل الارض فدل على رجل فاتاه فقال اني قتلت تسعة وتسعين نفسا فهل لي من توبة قال لا فقتله به فكمل به مائة ثم عرضت له التوبة فسأل عن أعلم أهل الارض فدل على رجل فاتاه فقال اني قتلت مائة نفس فهل لي من توبة فقال ومن يحول بينك وبين التوبة انطلق الى القرية الخبيثة التي أنت فيها الى القرية الصالحة قريبة كذا وكذا فاعبد ربك فيها قال فخرج الى القرية الصالحة فعرض له أجله في الطريق قال فاختصمت فيه ملائكة الرحمة وملائكة العذاب قال فقال ابليس أنا أولى به انه لم يعص ساعة قط قال فقالت ملائكة الرحمة انه خرج تائبا قال فهمام لحدثني حميد الطويل عن بكر بن عبد الله المزني عن أبي رافع قال فبعث الله عز وجل له ملكا فاختصموا اليه ثم رجع الى حديث قتادة قال فقال انظروا أي القريتين كان أقرب اليها فالحقوه باهلها قال قتادة فحدثنا الحسن قال لما عرف الموت احتفز بنظره فقوب الله عز وجل منه القرية الصالحة و باعد منه القرية الخبيثة فالحقوه باهل القرية الصالحة

حدثنا

أعطيناه اياه فقال هذا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول وأنا أسمع وأنا أشهد ان قوله حق فرجع الى منزله فيرى انه أغنى أهل المدينة (كر) * عن أبي ذر قال انظر ما تسألني فانك لا تسألني عن شئ الا رددت الله به بلاء (كر) * عن حبشي بن جنادة سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو واقف بعرفة في حجة الوداع وأتى أعرابي فأخذ بطرف رداءه وسأله اياه فاعطاه فذهب به فعند ذلك حرمت المسئلة قال رسول الله

صلى الله عليه وسلم لا تحل الصدقة لغني ولا لذي مرة سوي الا لذي فقر مدقع أو غرم مفظع وقال من سال الناس ليثري ماله كان خموشا في وجهه ورضفا يأكله من جهنم فمن شاء فليقل ومن شاء فليكثر (طب) *(الفصل الثالث في آداب طلب الحاجة)* اطلبوا الخير عند حسان الوجوه وأسمحوا بخياركم واذا أتاكم كريم قوم فاكرموه ابن عساكر عن عائشة *اذا طلب أحدكم من أخيه حاجة فليبدأ بالمدحة فيقطع ظهره ابن لال في مكارم الاخلاق عن ابن مسعود *استعينوا على انجاح الحوائج (٢١) بالكتمان فان كل ذي نعمة محسود (هق عد

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا فضيل بن مرزوق عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى حتى نقول لا يدعها ويدعها حتى نقول لا يصليها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا فضيل بن مرزوق عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري فذكر الفضيل رفعه قلل لحسبه قد رفعه قال من قال حين يخرج الى الصلاة اللهم اني أسألك بحق السائلين عليك وبحق ممشاي فانى لم أخرج أشرا ولا بطرا ولا رياء ولا سمعة خرجت اتقاء سخطك وابتغاء مرضاتك اسألك ان تعتقني من النار وان تغفر لي ذنوبي انه لا يغفر الذنوب الا أنت وكل الله به سبعين ألف ملك يستغفرون له وأقبل الله عليه بوجهه حتى يفرغ من صلاته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هشام بن أبي عبد الله الدستوائي عن يحيى بن أبي كثير عن هلال بن أبي ميمونة عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم وصعد المنبر وجلسنا حوله فقال ان مما أخاف عليكم بعدي ما يفتح الله عليكم من زهرة الدنيا وزينتها فقال رجل يا رسول الله أو يأتي الخير بالشر فسكت عنه رسول الله صلى الله عليه وسلم ورأينا انه ينزل عليه جبريل فقيل له ما شأنك تكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا يكلمك فسري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فجعل يمسح عنه الرحضاء فقال أين السائل وكأنه حمده فقال ان الخير لا يأتي بالشر وان مما ينبت لربيع يقتل أو يلم حبطا أو تراني آكلة الخضرة أكلت حتى اذا امتدت خاصرتاها واستقبلت عين الشمس ثلطت وبالت ثم رتعت وان المال حلوة خضرة ونعم صاحب المرء المسلم هو ان أعطى منه المسكين واليتيم وابن السبيل أو كما قال صلى الله عليه وسلم وان الذي أخذه بغير حقه كمثل الذي يأكل ولا يشبع فيكون عليه شهيدا يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هام بن يحيى عن زيد ابن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تكتبوا عني شيأ الا القرآن فمن كتب عني شيأ غير القرآن فليمحه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا أتيت على واعي ابل فناد يا راعي الابل ثلاثا فان أجابك والا فاحلب واشرب من غير ان تفسد واذا أتيت على حائط بستان فناد يا صاحب الحائط ثلاثا فان أجابك والا فكل وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الضيافة ثلاثة أيام فما زاد فصدقة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا أبو مسعود الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فمر بنا بنهر فيه ماء من ماء السماء والقوم صيام فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اشربوا فلم يشرب أحد فشرب رسول الله صلى الله عليه وسلم وشرب القوم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر أنا شعبة عن أبي عاصم عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال اذا أتى الرجل أهله ثم أراد العود توضأ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الحكم عن ذكوان عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر على رجل من الانصار فرسل اليه فخرج ورأسه يقطر فقال له لعلنا أعجلناك قال نعم يا رسول الله فقال اذا أعجلت أو أقحطت فلا غسل عليك عليك الوضوء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت زيدا أبا الحواري قال سمعت أبا الصديق يحدث عن أبي سعيد الخدري قال خشينا ان يكون بعدنا حدث فسألنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يخرج الهدى في أمتي خمسا أو سبعا أو تسعا يذكر الشاك قال قلت أي شئ

---

طب حل هب) عن معاذ بن جبل الخراساني في اعتلال القلوب عن عمر (خط) عن ابن عباس (حل) في فوائده عن علي *لا تصلح الصنيعة الا عند ذي حسب أو دين * البزار عن عائشة * ان المعروف لا يصلح الا لذي دين أو لذي حسب أو لذي حلم (طب) وابن عساكر عن أبي أمامة *قال داود اذا لك يدك في فم التنين الى أن تبلغ المرفق فيقضمها خير لك من أن تسأل من لم يكن له شئ ثم كان ابن عساكر عن أبي هريرة * اطلبوا الحوائج بعزة الانفس فان الامور تجري بالمقادير تمام وابن عساكر عن عبد الله بن بسر *اطلبوا المعروف من رحماء أمتي تعيشوا في أكنافهم ولا تطلبوه من القاسية قلوبهم فان اللعنة تنزل عليهم يا علي ان الله تبارك وتعالى خلق المعروف وخلق له أهلا فحببه اليهم وحبب اليهم فعله ووجه اليهم طلابه كما وجه الماء في الارض الجدبة لتحييه وتحيا به أهلها ان لأهل المعروف في الدنيا هم أهل المعروف في الآخرة (ك) عن علي * ان الله تبارك وتعالى جعل للمعروف وجوها من خلقه حبب اليهم المعروف وحبب اليهم فعله ووجه طلاب المعروف اليهم ويسر عليهم اعطاءه كما يسر الغيث الى الارض الجدبة تحييها وتحيا به أهلها وان الله تعالى جعل للمعروف أبوابا من خلقه بغض اليهم المعروف وبغضهم اليهم فعاله وحظر عليهم اعطاءه كما يحظر الغيث عن الارض الجدبة ليهلكها ويهلك أهلها وما يعفو أكثر ابن أبي الدنيا في قضاء الحوائج عن أبي سعيد *(الاكمال)* اطلبوا حوائجكم عند حسان الوجوه فان قضى حاجتك قضاها بوجه طلق

وان ورد ردك بوجه طيب فرب حسن الوجه ذميم الوجه حسنه عند طلب الحاجة ورب ذميم الوجه حسنه عند طلب الحاجة ابن أبي الدنيا في قضاء الحوائج عن عمرو بن دينار مرسلا * من بكر يوم السبت في طلب حاجته فانا ضامن لقضائها أبو نعيم عن جابر * لا تصلح المسئلة لغني الا من ذي رحم أو سلطان (طس) عن سمرة * لو ان كثت لابد سائلا فاسأل الصالحين (حم د هق) عن ابن الفراسي ان الفراسي قال اسأل يا رسول الله قال فذكره * ألا أعلمك ما علمني (٢٢) جبريل اذا كانت لك حاجة الى بخيل تبخيل أو الى سلطان جائر أو غريم فاحش تخاف فحشه فقل

اللهم انك أنت العزيز الكبير وأنا عبدك الضعيف الذليل الذي لا حول ولا قوة الا بك اللهم سخر لي فلانا كما سخرت فرعون لموسى ولين لي قلبه كما ليت الحديد لداود فانه لا ينطلق الا باذنك وناصيته في قبضتك وقلبه في يدك جل ثناؤك وجهك يا أرحم الراحمين الديلمي عن أنس * قولي اللهم رب السموات السبع ورب العرش العظيم ربنا ورب كل شئ منزل التوراة والانجيل والقرآن فالق الحب والنوى أعوذ بك من شر كل شئ أنت آخذ بناصيته أنت الاول فليس قبلك شئ وأنت الآخر فليس بعدك شئ اقض عني الدين وأغنني من الفقر (ت) حسن غريب (ه حب) عن أبي هريرة قال جاءت فاطمة الى النبي صلى الله عليه وسلم تسأله خادما قال فذكره * (الافعال) * عن سعيد بن عبد الرحمن قال كنت مع موسى بن عبد الله بن حسن بن حسن بمكة وقد نفدت نفقتي فقال لي بعض ولد الحسن بن علي من تؤمل لما تزل لك فقلت مربي بن عبد الله فقال اذا لا تقضى حاجتك ولا تنجح طلبتك فقلت وما علمك قال لاني وجدت في كتب آبائي يقول الله جل جلاله ومجدي

قال ستين ثم قال يرسل السماء عليهم مدرارا ولا تدخر الارض من نباتها شيأ ويكون المال كدوسا قال يجيء الرجل اليه فيقول يا مهدي أعطني أعطني قال فيحثي له في ثوبه ما استطاع ان يحمله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن زيد أبي الحواري قال سمعت أبا الصديق يحدث عن أبي سعيد الخدري قال كانت تبع أمهات الاولاد على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر حدثنا شعبة عن زيد أبي الحواري قال سمعت أبا الصديق يحدث عن أبي سعيد الخدري قال كنا نبتاع على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم بالثوب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن خالد عن عكرمة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لعمار تقتله الفئة الباغية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن مرة عن أبي البختري الوالبي عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لما نزلت هذه السورة اذا جاء نصر الله والفتح ورأيت الناس قال فرأها رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى ختمها وقال الناس حيز وأنا رأى أصحابي حيز وقال لا هجرة بعد الفتح ولكن جهاد ونية قال له مروان كذبت وعنده رافع بن خديج وزيد بن ثابت وهما قاعدان معه على السرير فقال أبو سعيد لو شاء هذان لحدثاك ولكن هذا يخاف ان تنزعه عن عرافة قومه وهذا يخشى ان تنزعه عن الصدقة فسكتا فرفع مروان عليه الدرة ليضربه فما رأيا ذلك قالوا صدق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ثنا شعبة عن سعد بن ابراهيم عن أبي امامة بن سهل قال سمعت أبا سعيد الخدري قال نزل أهل قريظة على حكم سعد بن معاذ قال فأرسل رسول الله صلى الله عليه وسلم الى سعد فاتاه على حمار قال فلما دنا قريبا من المسجد قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قوموا الى سيدكم أو خيركم ثم قال ان هؤلاء نزلوا على حكمك قال تقتل مقاتلتهم وتسبي ذراريهم قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم لقد قضيت بحكم الله وربما قال قضيت بحكم الملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي مسلمة قال سمعت أبا نضرة يحدث عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الدنيا خضرة حلوة وان الله عز وجل مستخلفكم فيها لينظر كيف تعملون فاتقوا الدنيا واتقوا النساء فان أول فتنة بني اسرائيل كانت في النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا شعبة عن سعد بن ابراهيم قال سمعت أبا امامة ابن سهل يحدث عن أبي سعيد فذكر معنى حديث غندر عن شعبة في حكم سعد بن معاذ الا انه قال فاني أحكم ان تقتل مقاتلتهم وتسبي ذريتهم فقال لقد حكمت فيهم بحكم الله وقال مرة لقد حكمت فيهم بحكم الملك أو الملك **ثنا** عبد الرحمن وحدثناه عفان قال الملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا شعبة فذكر مثل حديث ابن جعفر تقتل مقاتلتهم وتسبي ذريتهم وقال قضيت بحكم الملك قال أبو امامة بن سهل ابن حنيف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أنس بن سيرين عن معبد عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه سئل عن العزل أو قال في العزل لا عليكم أن لا تفعلوا ذلكم فانما هو القدر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا شعبة أنبأنا أنس بن سيرين عن أخيه معبد فذكر نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا فضيل عن عطية عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أحب الناس الى الله عز وجل يوم القيامة وأقربهم منه مجلسا امام عادل وان أبغض الناس الى الله يوم القيامة وأشده عذابا امام جائر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد

عن

وارتفاعي في أعلى مكاني لا قطعن أمل كل مؤمل غيري بالياس ولا كسونه ثوب المذلة عند الناس ولا خيبنه من قربي ولا بعدنه من فضلي أيؤمل في الشدائد غيري وأنا الحي ويرجى غيري وبيدي مفاتيح الابواب وهي مغلقة وبابي مفتوح ان دعاني ألم يعلموا ان من قرعته نائبة من مخلوق لم يملك كشفها غيري فما لي أراه لاهيا عني ومالي أراه معرضا عني أعطيته بجودي وكرمي مالم يسألني ويسألني غيري ابدأ بالعطية قبل المسئلة

ثم أسئل أولا أجود فأبخل أنا يبخلني عبدي أوليس الجود والكرم لي أوليس الفضل والرحمة والخير في الدنيا والآخرة بيدي فمن يقطعها دوني أفلا يخشى المؤملون أن يؤملوا غيري فلو أن أهل سمواتي وأهل أرضي أملوا جميعا ثم أعطيت واحدا منهم مثل ما أمل الجميع ما انتقص من ملكي مثل عضو بعوضة وكيف ينتقص ملك أنا قيمه فيا بؤسا لمن عصاني ولم يراقبني فقلت يا ابن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمل على هذا الحديث فلا سألت أحدا بعد هذا حاجة ابن النجار * عن أنيس بن ثابتة قال جاء رجل الى (٢٣م) علي فقال يا أمير المؤمنين إن لي اليك حاجة

عن ابن أبي عروبة عن قتادة عن أبي الوفيد وذكر أبا نضرة عن أبي سعيد أن وفد عبد القيس لما قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا يا نبي الله إنا حي من ربيعة وبيننا وبينك كفار مضر ولسنا نستطيع أن نأتيك الا في أشهر الحرم فمرنا بأمر إذا نحن أخذنا به دخلنا الجنة وندعو به من وراءنا فقال آمركم بأربع وأنهاكم عن أربع اعبدوا الله ولا تشركوا به شيئا وأقيموا الصلاة وآتوا الزكاة وصوموا رمضان وأعطوا من الغنائم الخمس وأنهاكم عن أربع عن الدباء والحنتم والنقير والمزفت قالوا يا نبي الله ما علمك بالنقير قال جذع ينقر ثم يلقون فيه من القطيعاء أو التمر والماء حتى إذا سكن غليانه شربتموه حتى إن أحدكم ليضرب ابن عمه بالسيف وفي القوم رجل أصابته جراحة من ذلك فجعلت أخبؤها حياء من رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا فما تأمرنا أن نشرب قال في الأسقية التي يلاث على أفواهها قالوا ان أرضنا أرض كثيرة الجرذان لا تبقى فيها أسقية الأدم قال وان أكلته الجرذان مرتين أو ثلاثا ومحال لا نصبح عبد القيس ان فيك خلتين يحبهما الله عز وجل الحلم والأناة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سعيد بن سحق قال حدثتني زينب عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن لحوم الاضاحي فوق ثلاثة أيام فقال فقدم قتادة بن النعمان أخو أبي سعيد لأمه فقربوا اليه من قديد الاضحى فقال كان هذا من قديد الإضحى قالوا نعم فقال أليس قد نهى عنه رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقال له أبو سعيد أو قد حدث فيه أمر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان نهى أن نحبسه فوق ثلاثة أيام ثم رخص لنا أن نأكل ونتزود * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سعيد بن اسحق قال حدثتني زينب عن أبي سعيد قال حرم رسول الله صلى الله عليه وسلم ما بين لابتي المدينة أن يعضد شجرها أو يخبط * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن أنيس بن أبي يحيى قال حدثني أبي قال سمعت أبا سعيد يقول اختلف رجلان أو امتار رجل من بني خدرة ورجل من بني عمرو بن عوف في المسجد الذي اسس على التقوى قال الخدري هو مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال العمري هو مسجد قباء فأتيا رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألاه عن ذلك فقال هو هذا المسجد لمسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال في ذلك خير كثير يعني مسجد قباء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن هشام أبا قتادة عن داود السراج عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لبس الحرير في الدنيا لم يلبسه في الآخرة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن المثنى ثنا قتادة عن أبي عيسى الاسواري عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال عودوا المريض وامشوا مع الجنائز تذكركم الآخرة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن مالك ثنا عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة عن أبيه عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال قل هو الله أحد تعدل أو تعدل ثلث القرآن * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن داود يعني ابن قيس عن عياض عن أبي سعيد لم تزل تخرج زكاة الفطر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم صاع من تمر أو شعير أو اقط أو زبيب * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سعيد بن اسحق قال حدثتني زينب ابنة كعب بن عجرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رجل لرسول الله صلى الله عليه وسلم أرأيت هذه الامراض التي تصيبنا ما لنا بها قال كفارات قال أبي وان قلت قال وان شوكة فما فوقها قال فدعا أبي على نفسه ان لا يفارقه الوعك حتى يموت في ان لا يشغله عن حج ولا عمرة ولا جهاد في سبيل الله ولا صلاة مكتوبة في جماعة فما مسه انسان الا وجد حره حتى مات * حدثنا عبد الله حدثني

قد رفعتها الى الله قبل أن أرفعها اليك فان أنت قضيتها حمدت الله وشكرتك وان لم تقضها حمدت الله وعذرتك فقال علي أكتب على الارض فاني أكره أن أرى ذل السؤال في وجهك فكتب اني محتاج فقال علي علي بحلة فاني بها فأخذها الرجل فلبسها ثم أنشأ يقول

كسوتني حلة تبلى محاسنها
فسوف أكسوك من حسن الثناء حلا
ان نلت حسن الثنا قد نلت مكرمة
ولست تبغي بما قد قلته بدلا
ان الثناء ليحيي ذكر صاحبه
كما غيث يحيي نداه السهل والجبلا
لا تزهد الدهر في خير تواقعه
فكل عبد سيجزى بالذي عملا

فقال علي علي بالدنانير فاني بمائة دينار قد رفعها اليه فقال الاصبغ فقلت يا أمير المؤمنين حلة ومائة دينار قال نعم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انزلوا الناس منازلهم وهذه منزلة هذا الرجل عندي (كر) وأبو موسى المديني في كتاب استدعاء اللباس من كبار الناس * عن عبد الله بن جعفر قال قال علي الا أعلمك كلمات اذا طلبت حاجة وأردت أن تنجح فقل لا اله الا الله وحده لا شريك له العلي العظيم لا اله الا الله وحده لا شريك له الحليم الكريم ثم سل حاجتك (ش) وابن منيع وابن جرير * عن أبي بكر قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا أراد أمرا قال اللهم خرلي واخترلك (ت) وقال غريب لا نعرفه الا من حديث زنفل وهو ضعيف (عق) والعسكري في المواعظ والخرائطي في مكارم الاخلاق (قط) في الافراد وابن السني (هب)

* (الفصل الرابع في آداب أخذ العطاء) * اذا آتاك الله تبارك وتعالى مالا لم تسأله ولم تشرف له نفسك فاقبله فانه لهو رزق ساقه الله اليك

(هق) عن عمر * اذا جاءك من هذا المال شئ وأنت غير مشرف ولا سائل فخذه وما لا فلا تتبعه نفسك (غ) عن عمر * تحل الصدقة من ثلاث من الامام الجامع ومن ذي الرحم لرحمه ومن التاجر المكثر (هب) عن ثوبان * اذا أعطيت شيأ من غير أن تسأله فكل وتصدق (م د ن) عن بجير * من أعطى شيأ فوجد فليجز به ومن لم يجد فليثن به فان أثنى به فقد شكره وان كتمه فقد كفره ومن تحلى بما لم يعط فانه كلابس ثوبي زور (خد د ت حب) عن جابر * من صنع (٢٤) اليه معروف فقال لفاعله جزاك الله خيرا فقد أبلغ في الثناء (ت ن حب) عن أسامة * جزاء الغنى من الفقير النصيحة والدعاء ابن سعد (ع طب) عن أم حكيم * ما آتاك الله من أموال السلطان من غير مسئلة ولا اشراف فخذه وتموله (حم) عن أبي الدرداء * من عرض عليه ريحان فلا يرده فانه خفيف المحمل طيب الريح (م د) عن أبي هريرة * (الاكمال) * من جاءه من أخيه معروف من غير اشراف نفس ولا مسئلة فليقبله ولا يرده فانما هو رزق ساقه الله اليه (حم ش) وابن سعد (ع حب) والبغوي والباوردي وابن قانع (طب ك) وأبو نعيم (ص) عن خالد بن عدي الجهني قال البغوي لا أعلم له غيره * من عرض له شئ من هذا الرزق من غير مسئلة ولا اشراف نفس فليتوسع به في رزقه وان كان عنه غنيا فليوجهه الى من هو أحوج اليه منه (حم ع طب ض هب) عن عائذ بن عمرو المزني * من أولى معروفا فليذكره فمن ذكره فقد شكره ومن كتمه فقد كفره (طب ص) عن طلحة * (الانعال) * عن بهز بن حكيم عن أبيه عن جده قال قلت يا رسول الله انا نسأل في أموالنا قال ليسأل الرجل لحاجة أو لمتق ليصلح به بين قومه فاذا بلغ أو كرب استعفف ابن النجار - - طب

* عن نافع بن أبي عبد كان يرسل الى عبد الله بن عمر بالمال فيقبله ويقول لا أسأل أحدا شيأ ولا أرد ما رزقني الله (كر) * عن سعيد بن الحارث عن جابر قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم الى طعام ومعه نفر من أصحابه فلما فرغ قال أثيبوا أخاكم قلنا يا رسول الله قال بركوا فبركة ثم أقبل على الغني أولى خيرا فليجز به ومن لم يقدر على ذلك فليثن به ومن لم يفعل ذلك فقد كفر ومن أثنى بما لم ينل كان

---

أبي ثنا يحيى ثنا عوف ثنا أبو نضرة قال سمعت أبا سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم اهتز العرش لموت سعد ابن معاذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن ابن عجلان قال حدثني عياض بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يحب العزاجين ان يمسكها بيده فدخل المسجد ذات يوم وفي يده واحد منها فرأى نخامات في قبلة المسجد فحتهن به حتى أنقاهن ثم أقبل على الناس مغضبا فقال أيحب أحدكم ان يستقبله رجل فيبصق في وجهه ان أحدكم اذا قام الى الصلاة فانما يستقبل ربه عز وجل والملك عن يمينه فلا يبصق بين يديه ولا عن يمينه وليبصق تحت قدمه اليسرى أو عن يساره فان عجلت به بادرة فليقل هكذا وردد بعضه على بعض وتفل يحيى في ثوبه ودلكه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا محمد بن عمرو قال حدثني أبو سلمة بن عبد الرحمن قال تذاكرنا ليلة التدر فقال بعض القوم انها التدرومن السنة فشينا الى أبي سعيد الخدري فقلنا يا أبا سعيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر ليلة القدر قال نعم اعتكف رسول الله صلى الله عليه وسلم العشر الاوسط من رمضان واعتكفنا معه فلما أصبحنا صبيحة عشرين رجع ورجعنا معه وأرى ليلة القدر ثم أنسيها فقال اني رأيت ليلة القدر ثم أنسيتها فأزالني أسجد في ماء وطين فمن اعتكف معي فليرجع الى معتكفه فليثبتوها في العشر الأواخر في الوتر منها وهاجت علينا السماء آخر تلك العشية وكان سقف المسجد عريشا من جريد فوكف فوالذي هو أكرمه وأنزل عليه الكتاب لرأيته يصلي بنا صلاة المغرب ليلة احدى وعشرين وان جبهته وأرنبة أنفه في الماء والطين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد الخراط قال سمعت أبا سلمة بن عبد الرحمن قال مر بي عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري فقلت له كيف سمعت أباك يقول في المسجد الذي أسس على التقوى قال قال أبي دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم في بيت بعض نسائه فقلت يا رسول الله أي المسجد الذي أسس على التقوى فأخذ كفا من حصى فضرب به الارض قال هو هذا مسجد المدينة قال فقلت له أتشهد لسمعت أباك هكذا يذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن اسامة قال حدثني محمد بن عمرو بن عطاء عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما أصاب المسلم من مرض ولا وصب ولا حزن حتى الهم يهمه الا يكفر الله عز وجل عنه من خطاياه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا ابن أبي ذئب قال حدثني سعيد بن خالد عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا وقع الذباب في طعام أحدكم فأمقلوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا هشام وشعبة قالا ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم اذا كانوا ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة أقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال خرج جنائع النبي صلى الله عليه وسلم الى حنين لسبع عشرة أو ثمان عشرة مضت من رمضان فصام صائمون وأفطر آخرون ولم يعب هؤلاء على هؤلاء ولا هؤلاء على هؤلاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن سليمان بن أبي سليمان عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال تكون أمراء تغشاهم غواش أو حواش من الناس يظلمون ويكذبون فمن دخل عليهم فصدقهم بكذبهم وأعانهم على ظلمهم فليس مني ولست منه ومن لم يدخل عليهم ويصدقهم بكذبهم ويعنهم على ظلمهم فهو مني وأنا منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حماد عن الجريري عن أبي نضرة عن

أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل ابن صائد عن تربة الجنة فقال درمكة بيضاء مسك قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق **حدثنا** أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل حدثني أبي رحمه الله ثنا يونس بن محمد ثنا حماد بن سلمة عن سعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل ابن صائد عن تربة الجنة فقال درمكة بيضاء مسك قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن هشام ثنا يحيى عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجنازة فقوموا لها فمن اتبعها فلا يقعد حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا يحيى عن عوف ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يفترق أمتي فرقتين فيتمرق بينهما مارقة يقتلها أولى الطائفتين بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن عجلان ثنا عياض عن أبي سعيد قال دخل رجل المسجد يوم الجمعة والنبي صلى الله عليه وسلم على المنبر فدعاه فأمره ان يصلي ركعتين ثم دخل الجمعة الثانية ورسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر فدعاه فأمره ان يصلي ركعتين ثم دخل الجمعة الثالثة فأمره ان يصلي ركعتين ثم قال تصدقوا فتصدقوا فأعطاه ثوبين ثم قال تصدقوا ثم قال تصدقوا فالقى أحد ثوبيه فانتهره رسول الله صلى الله عليه وسلم وزجره ما صنع ثم قال انطلقوا الى هذا فانه دخل المسجد في هيئة بذة فدعوته فرجوت ان تعلموا له فتصدقوا عليه وتكسوه فلم تفعلوا فقلت تصدقوا فتصدقوا عليه ثوبين مما تصدقوا ثم قلت تصدقوا فالقى أحد ثوبيه فخذ ثوبك وانتهره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا ابن أبي ذئب ثنا سعيد بن أبي سعيد عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه قال حبسنا يوم الخندق عن الصلوات حتى كان بعد المغرب هويا وذلك قبل ان ينزل في القتال ما نزل فلما كفينا القتال وذلك قوله وكفى الله المؤمنين القتال وكان الله قويا عزيزا أمر النبي صلى الله عليه وسلم بلالا فاقام الظهر فصلاها كما يصليها في وقتها ثم أقام العصر فصلاها كما يصليها في وقتها ثم أقام المغرب فصلاها كما يصليها في وقتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو خالد الاحمر عن ابن أبي ذئب فذكره باسناده ومعناه وزاد فيه قال وذلك قبل ان ينزل صلاة الخوف فرجالا أو ركبانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ابن سعيد ثنا عثمان بن غياث قال حدثني أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري قال يعرض الناس على جسر جهنم عليه حسك وكلاليب وخطاطيف تخطف الناس قال فمير الناس مثل البرق وآخرون مثل الريح وآخرون مثل الفرس المجد وآخرون يسعون سعيا وآخرون يمشون مشيا وآخرون يحبون حبوا وآخرون يزحفون زحفا فأما أهل النار فلا يموتون ولا يحيون وأما ناس فيؤخذون بذنوبهم فيحرقون فيكونون فحما ثم يأذن الله في الشفاعة فيجيء ضبارات ضبارات فيقذفون على نهر فيفيقون كما تنبت الحبة في حميل السيل قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وتعرض هل وأنتم الصبغاء فقال وعلى النار ثلاث شجرات فتخرج أو يخرج رجل من النار فيكون على شفتها فيقول يارب اصرف وجهي عني فانه قد قشبني ريحها وأحرقني ذكاؤها فيقول وعهدك ذمتك لا تسألني غيرها قال فيرى شجرة فيقول يارب ادنني من هذه الشجرة استظل بظلها وآكل من ثمرتها قال فيقول وعهدك ذمتك لا تسألني غيرها قال فيرى شجرة أخرى أحسن منها فيقول يارب حولني الى هذه الشجرة فاستظل بظلها وآكل من ثمرتها فيقول وعهدك ذمتك لا تسألني غيرها قال فيرى الثالثة فيقول يارب حولني الى هذه الشجرة فاستظل بظلها وآكل من ثمرتها قال وعهدك ذمتك لا تسألني غيرها قال فيرى سواد الناس ويسمع



جابر * أحسن علاقة سوطك فان الله تبارك وتعالى جميل يحب الجمال (طب) وأبو نعيم في المعرفة عن مجمل بن قيس عن أبيه * اذا آتاك الله تعالى مالا فليبن أثر نعمة الله عليك وكرامته (ع ك) عن والد أبي الاحوص * ان الله يحب أن يرى أثر نعمته على عبده في مأكله ومشربه ابن أبي الدنيا في قرى الضيف عن علي بن زيد بن جدعان مرسلا * اغسلوا ثيابكم وخذوا من شعوركم واستاكوا وتزينوا وتنظفوا فان بني اسرائيل لم يكونوا يفعلون كذلك فزنت نساؤهم ابن عساكر عن علي * الشعر الحسن أحد الجمالين يكسوه الله المرء المسلم زاهر بن طاهر في مشيخاته عن أنس * اما كان يجد هذا ما يسكن به رأسه اما كان يجد هذا ما يغسل به ثيابه (حم د حب ك) عن جابر * ان الله تبارك وتعالى يبغض الوسخ والشعث (هب) عن عائشة * انعم على نفسك كما أنعم الله تعالى عليك ابن النجار عن والد أبي الاحوص * حق الله تعالى على كل مسلم أن يغتسل في سبعة أيام يوما فيغسل رأسه وجسده (ق) عن أبي هريرة * من كرامة المؤمن على الله تعالى نقاء ثوبه ووضاءه بالليل (طب) عن ابن عمر * (الكمال) * ان الله جميل يحب الجمال ويحب أن يرى أثر نعمته على عبده الكبر من سفه الحق وغمص الناس أعمالهم ابن عساكر عن ابن عمر ان أبا بكر قال يارسول الله اني لاحب الجمال حتى في نعلي وعلاقة سوطي أفمن الكبر ذلك فذكره * كلوا واشربوا وتصدقوا والبسوا من غير خيلة ولا سرف فان الله تعالى يحب

أن يرى أثر نعمته على عبده (حم ك هب) وتمام عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده *(الافعال)* عن عمر بن ابراهيم عن أيوب بن يسار عن محمد بن المنكدر عن جابر قال جاء العباس بن عبد المطلب الى النبي صلى الله عليه وسلم وعليه ثياب بيض فلما نظر اليه تبسم فقال العباس يارسول الله ما الجمال قال صواب القول بالحق قال فما الكمال قال حسن الفعال يا صدق (هق) وقال تفرد به عمر وليس بالقوى (كر) وابن النجار *عن أبي جعفر بن محمد بن علي (٢٦) بن الحسين قال أقبل العباس بن عبد المطلب وهو أبيض بض وعليه حلة وله ضفيرتان فلما رآه رسول الله صلى الله عليه وسلم تبسم فقال له العباس مم ضحكت يارسول الله أضحك الله سنك قال أعجبني جمالك ياعم فقال العباس يارسول الله ما الجمال في الرجل قال اللسان (كر) *(الباب الثاني في أنواع الزينة وفيه فصلان

* الفصل الاول في أنواع الزينة على حروف المعجم الادهان) * الدهن يذهب بالبؤس والكسوة تظهر الغنى والاحسان الى الخادم مما يكبت الله به العدو ابن السني وأبو نعيم في الطب عن طلحة * سيد الادهان البنفسج وان فضل البنفسج على سائر الادهان كفضلي على سائر الرجال الشيرازي في الالقاب عن أنس وهو أمثل طرقه * من ادهن ولم يبسم ادهن معه ستون شيطانا ابن السني في عمل يوم وليلة عن دويد بن نافع الغرشي مرسلا (الاكمال) ادهنوا بالبان فانه أحظى لكم عند نسائكم وادهنوا بالبنفسج فانه بارد في الصيف حار في الشتاء (عد) والديلمي عن علي * ان فضل البنفسج على سائر الادهان كفضل الاسلام على سائر الاديان (حب) عن محمد بن علي بن الحسين بن علي عن أبيه عن جده قال ابن كثير في جامع المسانيد منكر جدا وقال ابن دحية موضوع من جميع طرقه وأورده ابن الجوزي في الموضوعات * اذا ادهن أحدكم فليبدأ بحاجبيه فانه يذهب بالصداع وذلك أول ما ينبت على ابن آدم من الشعر الحكيم عن قتادة عن أنس *(الاكتحال) * اذا اكتحل أحدكم فليكتحل وترا واذا استجمر فليستجمر وترا (حم) عن أبي هريرة * عليكم بالكحل فانه ينبت الشعر ويشد العين البغوي

---

أصوانهم فيقول رب ادخلني الجنة قال فقال أبو سعيد ورجل آخر من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم اختلفا فقال أحدهما فيدخل الجنة فيعطى الدنيا وأمثالها معها وقال الآخر يدخل الجنة فيعطى الدنيا وعشرة أمثالها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا عثمان بن غياث ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال يمر الناس على جسر جهنم فذكره وفيه بخنبتيه ملائكة يقولون اللهم سلم سلم وقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اما رأيتم الصبعاء شجرة تنبت في الغثاء وقال وانما أهل النار الذين هم أهلها فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا عثمان بن غياث وأملاه علي قال سمعت أبا نضرة يحدث عن أبي سعيد الخدري قال ذكر رسول الله صلى الله عليه وسلم الشفاعة فقال ان الناس يعرضون على جسر جهنم وعليه حسك وكلاليب يخطاف الناس وبجنبتيه الملائكة يقولون اللهم سلم سلم فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن سعيد عن مالك حدثني أيوب بن حبيب عن أبي المثنى قال كنت عند مران فدخل أبو سعيد فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن النفخ في الشراب قال نعم فقال رجل اني لا أروى من نفس واحد قال أبنه عنك ثم تنفس قال أراك فيها القذاة قال فاهرقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن مجالد قال حدثني أبو الوداك عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم في العزل قال اصنعوا ما بدا لكم فان قدر الله شيأ كان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن مجالد ثني أبو الوداك عن أبي سعيد قال قلنا لرسول الله صلى الله عليه وسلم لما حرمت الخمر ان عندنا خمر اليتيم لنا فما ترى فقال أرقناها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن مجالد قال حدثني أبو الوداك عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان أهل الدرجات العلى ليرون من فوقهم كما ترون الكوكب الدري في أفق السماء وان أبا بكر وعمر منهم وأنعما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة عن الحكم عن أبي صالح ذكوان السمان عن أبي سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى منزل رجل من الانصار فخرج ورأسه يقطر قال لعلنا أعجلناك قال اذا أعجلت أو أقحطت فليس عليك غسل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن محمد بن أبي يحيى قال حدثني أبي ان أبا سعيد الخدري حدثه ان النبي صلى الله عليه وسلم لما كان يوم الحديبية قال لاتوقدوا نارا الليلة قال فلما كان بعد ذلك قال أوقدوا واصطنعوا فانه لا يدرك قوم بعدكم صانعكم لامدكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى حدثني التيمي عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال لقيني ابن صائد فقال عد الناس يقولون واحسب الناس يقولون وأنتم يا أصحاب محمد اليس سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أو قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هو يهودي وأنا مسلم وانه أعور وأنا صحيح ولا يأتي مكة ولا المدينة وقد حججت وأنا معك الآن بالمدينة ولا ولد له وقد ولد لي ثم قال مع ذلك اني لاعلم اين ولد ومتى يخرج واين هو قال فليس علي **حدثنا** عبد الله قال حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا سفيان عن سمي عن النعمان بن أبي عياش الزرقي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يصوم عبد يوما في سبيل الله الا باعد الله بذلك اليوم النار عن وجهه سبعين خريفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا عبد الملك يعني ابن أبي سليمان عن عطية عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني قد تركت فيكم الثقلين أحدهما أكبر من الآخر كتاب الله عز وجل حبل ممدود من السماء الى الارض وعترتي أهل بيتي الا انهما لن يفترقا حتى يردا علي الحوض **حدثنا** عبد الله حدثني

في مسند عثمان عن جابر * اكتحلوا بالاثمد فانه يجلو البصر وينبت الشعر (ت) عن ابن عباس * عليكم بالاثمد عند النوم فانه يجلو البصر وينبت الشعر (ه) عن جابر (ه ك) عن ابن عمر * عليكم بالاثمد فانه منبتة للشعر مذهبة للقذى مصفاة للبصر (طب حل) عن علي * (الاكمال) * الكحل في العينين يثبت الاضراس والسواك في الفم يجلو البصر الديلمي عن حذيفة * (الافعال) * عن علي قال انتثرت فالنبي صلى الله عليه وسلم أن يخرج البنا في رمضان فخرج من بيت أم سلمة وقد تكحلته وملأت عينيه كحلا



* (التختم) * انما الخاتم لهذه وهذه يعني البنصر والخنصر (طب) عن أبي موسى * تختموا بالعقيق فانه ينفي الفقر (عد) عن أنس * نهى عن خاتم الذهب وخاتم الحديد (هب) عن ابن عمر * اني قد اتخذت خاتما من فضة ونقشت عليه محمد رسول الله فلا ينقش أحد على نقشه (خم ق) عن أنس * لا ينقش أحد على نقش خاتمي هذا (م ه) عن ابن عمر * اتخذه من ورق ولا تتمه مثقالا يعني الخاتم (٣) عن بريدة * ما ظهر الله كفا فيها خاتم من حديد (تخ طب) عن مسلم بن عبد الرحمن * مالي أرى عليك حلية أهل النار يعني خاتم الحديد (٣) عن بريدة * (الاكمال) * من تختم باليقوت الاصفر منع من الطاعون ابن فنجويه في كتاب الخواتيم عن علي وسنده ضعيف * من أراد أن يصوغ عليه فليفعل ولا تنقشوا على نقشه (ت) عن أنس قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد اتخذ حلقة من فضة قال فذكره * (الافعال) * عن عبد الله ابن جعفر قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يتختم في يمينه مرة أو مرتين (كر) وابن النجار * عن أبي جعفر ان أبا بكر وعمر وعثمان تختموا في يسارهم ابن سعد (ش ق) * عن سعيد بن المسيب قال ما علمنا أحدا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم تختم الا أبو بكر وعمر (ش) * عن أنس بن مالك قال قال عمر لا تنقشوا ولا تكتبوا في خواتيمكم بالعربية (ش) والطحاوي * عن عامر الشعبي قال كتب عمر الى عماله لا تتحوا خاتما فيه نقش عربي الا كسيرتموه فوجدوا في خاتم عبسة بن فروة العامل فكسره ابن سعد * عن ابن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم اتخذ خاتما من ذهب فجعل فصه

---

أبي ثنا ابن نمير ثنا موسى يعني الجهني قال سمعت زيدا العمي قال ثنا أبو الصديق الناجي قال سمعت أبا سعيد الخدري قال قال النبي صلى الله عليه وسلم يكون من أمتي المهدي فان طال عمره أو قصر عمره عاش سبع سنين أو ثمان سنين أو تسع سنين فجاء الارض قسطا وعدلا وتخرج الارض نباتها وتمطر السماء قطرها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا الاعمش ثنا عطية بن سعد بباب هذا المسجد قال سمعت أبا سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الدرجات العلى ليراهم من تحتهم كما ترون الكوكب الطالع في الافق من آفاق السماء وأبو بكر وعمر منهم وأنعما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير انا عبيد الله عن عبد الله بن عبد الرحمن بن معمر الانصاري عن نعيم عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أحدكم ليسأل يوم القيامة حتى يكون فيما يسأل عنه ان يقال له ما منعك أن تنكر المنكر اذا رأيته فاذا لقنه الله حجته قال رب رجوتك وخفت الناس حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا ابن نمير انا عبيد الله عن صفي عن أبي سعيد الخدري قال رجل رجل في منزله حية فاخذ رجيعه فنشكها فيه فرمت الحية حتى مات الرجل فاخبر به رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان معكم عوامر فاذا رأيتم منهم شيأ فحرجوا عليه ثلاثا فان رأيتموه بعد ذلك فاقتلوه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن أبي بكير ثنا زهير بن محمد عن سهيل بن أبي صالح عن النعمان بن أبي العياش عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أدنى أهل الجنة منزلة رجل صرف الله وجهه عن النار قبل الجنة ومثل له شجرة ذات ظل فقال أي رب قدمني الى هذه الشجرة فاكون في ظلها فقال الله هل عسيت ان فعلت ان تسألني غيرها فقال لا وعزتك لا أسألك غيرها وقال لا وعزتك فقدمه الله اليها ومثل له شجرة ذات ظل وثمر فقال أي رب قدمني الى هذه الشجرة أكون في ظلها وآكل من ثمرها فقال الله له هل عسيت ان أعطيتك ذلك ان تسألني غيره فيقول لا وعزتك فقدمه الله اليها فمثل له شجرة أخرى ذات ظل وثمر وماء فيقول أي رب قدمني الى هذه الشجرة أكون في ظلها وآكل من ثمرها واشرب من مائها فيقول له هل عسيت ان فعلت ان تسألني غيره فيقول لا وعزتك لا أسألك غيره فقدمه الله اليها فيرى له باب الجنة فيقول أي رب قدمني الى باب الجنة فاكون تحت سماخ الجنة وانظر الى أهلها فيقدمه الله اليها فيرى أهل الجنة وما فيها فيقول أي رب ادخلني الجنة قال فيدخله الله الجنة قال فاذا دخل الجنة قال هذا لي قال فيقول الله عز وجل له تمن فيتمنى ويذكره الله من كذا وكذا حتى اذا انقطعت به الاماني قال الله عز وجل هو لك وعشرة أمثاله قال ثم يدخل الجنة يدخل عليه ز وجتاه من الحور العين فيقولان له الحمد لله الذي أحياك لنا وأحيانا لك فيقول ما أعطي أحد مثل ما أعطيت قال وأدنى أهل النار عذابا يا نعل من نار ينعلين يغلي دماغه من حرارة نعليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سويد بن عمرو الكلبي ثنا أبان ثنا قتادة عن عبد الله بن أبي عتبة عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليحجن البيت وليعتمرن بعد خروج يأجوج ومأجوج حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا وهيب عن عمرو ابن يحيى الانصاري وأبو سلمة ثنا سليمان بن بلال عن عمرو بن يحيى عن محمد بن يوسف بن عبد الله بن سلام عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من جاء الى جنازة فشيع معها من أهلها حتى يصلى عليها فله قيراط ومن انتظر حتى تدفن أو يفرغ منها فله قيراطان مثل أحد حدثنا عبد الله حدثني أبي

---

٣ قوله النجاف قيل هو أسكفة الباب اه من هامش

مما يلي كفه فاتخذ الناس خواتيم فطرحها النبي صلى الله عليه وسلم وقال لا ألبسه (كر) *عن ابن عباس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى خاتما من ذهب في يد رجل فنزعه فطرحه وقال يعمد أحدكم الى جرة من نار فيجعلها في يده (م) *عن ثوبان حرم النبي صلى الله عليه وسلم التختم بالذهب وتقسي وثياب المعصفر القدم والحرير (طب) *عن عبد خير قال كان لعلي بن أبي طالب أربعة خواتيم يختم بها ياقوت لنبله وزبرجد لنصره حديد صيني لقوته عقيق لحرزه (٢٨) وكان نقش الياقوت لا إله الا الله الملك الحق المبين ونقش الفيروزج الله الملك الحق ونقش الحديد الصيني العزة لله ونقش العقيق ثلاثة أسطر ماشاء الله لا قوة الا بالله أستغفر الله (ك) في تاريخه والصابوني في المائتين وأبو عبد الرحمن السلمي في أماليه وفيه أبو جعفر بن أحمد بن سعيد الرازي ضعفه (قط) *عن جعفر بن محمد عن أبيه ان خاتم علي بن أبي طالب كان من ورق نقشه نعم القادر الله وكان على خاتم الحسين عقلت فاعمل الديلمي *عن علي قال نهاني رسول الله صلى الله عليه وسلم أن أجعل الخاتم في هذه أو في هذه لاصبعه السبابة والابهام والوسطى (ط) والحميدي (حم) والدبري (خ م د ت ن ه ع) والكجي وأبو عوانة وابن منده في غرائب شعبه (حب هب) *عن علي قال نهاني رسول الله صلى الله عليه وسلم عن خاتم الذهب وعن لبس القسي وعن الميثرة الحمراء (د ت) وقال حسن صحيح (ن ه عم ع) والطحاوي (حب هق ض) *عن عمر بن الخطاب ان النبي صلى الله عليه وسلم أبصر على رجل خاتما من ذهب فقال ألقى هذا عنك فاتخذ خاتما من حديد يقال هذا شر منه فاتخذ خاتما من فضة فسكت عنه النبي صلى الله عليه وسلم الجنديسابوري *عن عمرو بن عثمان بن عفان قال كان نقش خاتم عثمان آمنت بالذي خلق فسوى (كر) *عن أبي جعفر قال كان نقش خاتم علي لله الملك (عب) وابن سعد (كر) *(ترجل الشعر واكرامه) * أكرم شعرك وأحسن اليه (ن) عن أبي قتادة *نهى عن الترجل الا غبا (حم ٣) عن عبد الله بن مغفل *(الاكمال) *من كان له منكم شعر فليكرمه قيل يا رسول الله وما اكرامه قال يدهنه ويغسله

---

ثنا سليمان بن داود أخبرنا عمران عن ثابت عن عبد الله بن أبي عتبة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ليحجن هذا البيت وليعتمرن بعد خروج يأجوج ومأجوج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا عبد الرحمن بن عبد الله بن دينار عن أبيه عن النعمان بن أبي عياش الزرقي عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم قال طوبى لأصحابي أصحابي فقيل انك لا تدري ما أحدثوا بعدك قال فاقول بعدا بعدا أو قال سحقا سحقا ان بدل بعدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا شعبة بن عمرو بن دينار عن هشام عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لعمار ٧ يأتيك الفئة الباغية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد العزيز يعني ابن مسلم ثنا يزيد عن مجاهد عن أبي سعيد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يدخل الجنة منان لا عاق ولا مدمن خمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد بن سلمة أنا مطرف المعلى عن أبي الصديق عن أبي سعيد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال تملأ الارض ظلما وجورا ثم يخرج رجل من عترتي يملأ سبعا أو تسعا فيملأ الارض قسطا وعدلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي وعفان ثنا عبد الوارث قال ثنا محمد بن جحادة حدثني الوليد عن عبد الله البهي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون عليكم أمراء تعلمون منهم وتنكرون فيكون عليكم أمراء تنكرونهم فيكون عليكم أمراء تعلمون منهم وتنكرون فمن كره برئ ومن أنكر سلم ولكن من رضي وتابع قالوا أفلا نقاتلهم يا رسول الله قال لا ما أقاموا الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبو ثنا عبد العزيز يعني ابن صهيب قال حدثني أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري أن جبريل عليه السلام أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال اشتكيت يا محمد قال نعم قال بسم الله أرقيك من كل شيء يؤذيك من شر كل نفس وعين يشفيك بسم الله أرقيك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زكريا بن عدي أنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يفطر يوم الفطر قبل أن يخرج وكان لا يصلي قبل الصلاة فاذا قضى صلاته صلى ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محاضر بن المورع ثنا عاصم بن سليمان عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا غشي أحدكم أهله ثم أراد أن يعود فليتوضأ وضوءه للصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ثور يعني عن قيس بن وهب وأبي اسحق عن أبي الوداك عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم قال في سبي أوطاس لا يقع على حامل حتى تضع ولا غير حامل حتى تحيض حيضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون وسمعته أنا من هرون ثنا ابن وهب قال أخبرني عمرو بن الحرث عن بكير بن الاشج عن عبيدة بن مسافع عن أبي سعيد الخدري قال بينا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقسم شيأ أقبل رجل فأكب عليه فطعنه رسول الله صلى الله عليه وسلم بعرجون كان معه فجرح بوجهه فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم تعال فاستقد قال قد عفوت يا رسول الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو أن أحدكم يعمل في صخرة صماء ليس لها باب ولا كوة لخرج عمله للناس كائنا ما كان وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم لو ان دلوا من غساق يهراق في الدنيا لانتن أهل الدنيا وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال يأكل التراب كل شيء من الانسان الا العجب ذنبه قيل وما هو يا رسول الله قال مثل حبة خردل منه تنبتون **حدثنا** عبد الله

كل يوم أبو نعيم في تاريخ أصبهان وابن عساكر عن ابن عمر وفيه اسحق بن اسمعيل الرملي قال أبو نعيم حدث باحاديث من حفظه فاخطأ فيها وقال النسائي * صالح عليكم بالمشط فانه يذهب بالغم والهم والفقر الديلمي عن علي * الترجل غبا فصاعدا * الديلمي عن عبد الله بن مغفل * (الاذان) * عن جابر قال كانت لابي قتادة جمة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أكرمها فكان يرجلها غبا (كر) * (تقليم الاظفار) * من قلم أظفاره يوم الجمعة وقي من البلوى الى مثلها (طس) عن عائشة * قصوا أظافيركم واوفروا (29) قلاما تكم ونقوا براجمكم وقناة وا الثائكم من الطعام واستاكوا ولا تدخلوا على تفر ايخرا الحكيم بن عبد الله بن بسر * قص الظفر ونتف الابط وحلق العانة يوم الخميس والغسل والطيب واللباس يوم الجمعة التيمي في مراسيله (فر) عن علي * (الاكمال) * التقليم يوم الجمعة يدخل الفقاء ويخرج الداء والوضوء قبل الطعام وبعده يجلب اليسر وينفي الفقر أبو الشيخ عن ابن عباس * تسألني عن خير السماء وتدع أظفارك كأظفار الطير يجتمع فيها الجنابة والخبث والتفث (خم طب) عن أبي أيوب * ولا يبطئ عني وأنتم - ولي لا تستحون ولا تقلمون أظفاركم ولا تقصون شواربكم ولا تنقون رواجبكم (حم هب) عن ابن عباس انه قيل يا رسول الله لقد أبطأ عنك جبريل قال فذكره * ومالي لا أوهم ورفع أحدكم بين ظفره (طب) عن ابن مسعود (هب) عن قيس بن أبي حازم مرسلا * (الافعال) * عن ابن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يتنور في كل شهر ويقلم أظفاره في كل خمسة عشر يوما (كر) * (الحلق والقص) * احلقوه كله أو اتركوه كله (د ن) عن ابن عمر * احفوا الشوارب واعفوا اللحى وانتفوا الشعر الذي في الانف (عد هب) عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده * انهكوا الشوارب واعفوا اللحى (خ) عن ابن عمر * اعفوا اللحى وحفوا الشوارب وغيروا شيبكم ولا تشبهوا باليهود والنصارى (حم) عن أبي هريرة * خالفوا المشركين احفوا الشوارب وأوفوا اللحى (ق) عن ابن عمر * خذوا من عرض لحاكم واعفوا طولها أبو عبد الله محمد بن مخلد الداودي في جزئه عن عائشة * قصوا الشوارب مع

حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي وعفان قالا ثنا عبد الوارث ثنا محمد بن جحادة حدثني الوليد عن عبد الله البهي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون أمراء تعرفون أمر اءهم الجلود وتنكرون قلوبهم القلوب ويكون عليكم أمراء تنكرون منهم المنا كير وتقشعرون منهم الجلود قالوا أفلا نقاتلهم قال لا ما أقاموا الصلاة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال مقعد الكافر في النار مسيرة ثلاثة أيام وكل ضرس مثل أحد وفخذه مثل ورقان وجلده سوى لحمه وعظامه آر بعون ذراعا وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو أن مقمعا من حديد وضع في الارض فاجتمع له الثقلان ما أقلوه من الارض وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لسرادق النار أربع جدر كثف كل جدار مثل مسيرة أربعين سنة وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الشباع حرام قال ابن لهيعة يعني به الذي يفخر بالجماع وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان للجنة مائة درجة ما بين الدرجتين كما بين العالمين اجتمعوا في احداهن لوسعتهم وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الشيطان قال وعزتك يا رب لا أبرح أغوي عبادك ما دامت أرواحهم في أجسادهم قال الرب وعزتي وجلالي لا أزال أغفر لهم ما استغفروني وان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال والذي نفسي بيده انه ليختصم حتى الشاتان فيما انتطحتا وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ما بين مصراعين في الجنة كمسيرة أربعين سنة قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أصدق الرؤيا بالاسحار وان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو يعلم الناس ما في التأذين لتضاربوا عليه بالسيوف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق قنا ابن مبارك عن سعيد بن عبد العزيز عن عبيد الله بن قيس عن قزعة عن أبي سعيد الخدري قال اما بلغ رسول الله صلى الله عليه وسلم علم الفتح من الظهران آذنا ببقاء العدو فأمرنا فأفطرنا أربعون حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين قال حدثني عمرو بن الحرث عن ابن شهاب عن أبي سلمة بن عبد الرحمن حدثه عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال الماء من الماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة ثنا الليث عن يزيد بن الهاد عن عمرو عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان ابليس قال لربه بعزتك وجلالك لا أبرح أغوي بني آدم ما دامت الارواح فيهم فقال الله فبعزتي وجلالي لا أبرح أغفر لهم ما استغفروني حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة ثنا سليمان بن بلال عن عبد الله بن عبد الرحمن عن نهار العبدي أنه سمعه يحدث عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الله تبارك وتعالى ليسأل العبد يوم القيامة حتى يقول ما منعك اذ رأيت المنكر تنكره فاذا لقن الله عبدا حجته قال يا رب وثقت بك وفرقت من الناس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد الزبيري ثنا أبو النعمان عبد الرحمن بن النعمان الانصاري عن أبي سعيد مولى المهري قال توفي أخي وأتيت أبا سعيد الخدري فقلت يا أبا سعيد ان أخي توفي وترك عيالا ولي عيال وليس لنا مال وقد أردت أن أخرج بعيالي وعيال أخي حتى ننزل بعض هذه الامصار فيكون أرفق علينا في معيشتنا فقال ويحك لا تخرج فاني سمعت نبيك يقول يعني النبي صلى الله عليه وسلم من صبر على لأوائها وشدتها كنت له شفيعا أو شهيدا يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى حدثني حماد بن سلمة عن بشر بن حرب أن ابن عمر أتى أبا سعيد الخدري فقال يا أبا سعيد ألم أخبر أنك بايعت أميرين من قبل أن يجتمع الناس على أمير واحد قال نعم بايعت ابن الزبير جاءه أهل الشام فسألوني

الشفاء (طب) عن الحكم بن عمير * وفروا عثانينكم وقصروا سبالكم (هب) عن أبي أمامة * ادفنوا دماءكم وأشعاركم وأبشاركم لا تلعب بها السحرة (فر) عن جابر * لحاق القفا من غير حجامة محسوبة ابن عساكر عن عمر * الشيب نور من خلع الشيب فقد خلع نور الاسلام فاذا بلغ الرجل أربعين سنة وقاه الله تعالى الادواء الثلاثة الجنون والجذام والبرص ابن عساكر عن أنس * لا تنتفوا الشيب ما من مسلم يشيب شيبة في الاسلام الا كانت له نورا يوم (٣٠) القيامة (د) عن ابن عمرو * من تمثل بالشعر فليس له عند الله خلاق (طب) عن ابن عباس

* من لم يحلق عانته ويقلم أظفاره ويجز شاربه فليس منا (حم) عن جابر * (الاكمال) * قصوا شواربكم فان بني اسرائيل لم يفعلوا ذلك فنزلت نساؤهم الديلمي عن ابن عمر * لكن ربي أمرني أن أحفي شاربي واعفي لحيتي ابن سعد عن عبد الله بن عبد الله مرسلا * أول من قص شاربه ابراهيم الديلمي عن ابن عمر * من أخذ شاربه يوم الجمعة كان له بكل شعرة تسقط منه عشر حسنات الديلمي عن ابن عمر * خذوا من هذا ودعوا هذا يعني بأخذ ما من عنفقته ويدع لحيته (طب) عن ابن عمر * لا تنتفوا الشيب فانه نور يوم القيامة ومن شاب شيبة في الاسلام كتب الله له بها حسنة وحط عنه بها خطيئة ورفع له بها درجة (حب) عن أبي هريرة * أيما رجل نتف شعرة بيضاء متعمدا صارت رمحا يوم القيامة يلعن به الديلمي عن أنس * من شاب شيبة في سبيل الله كانت له نورا يوم القيامة قيل فان رجالا ينتفون الشيب قال من شاء فلم ينتف نوره (طب) عن فضالة بن عبيد * لا يأخذ أحدكم من طول لحيته ولكن من الصدغين الخطيب عن أبي سعيد * ان الله تعالى جعل هذا الشعر نكالا وسيجعله الظالمون نكالا عبد الجبار بن عبد الله الخولاني في تاريخ داريا وابن عساكر عن عمر بن عبد العزيز انه كتب الى عبيدة بن عبد الرحمن السلمي بلغني انك تحلق الرأس واللحية وانه بلغني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فذكره * (الافعال) * عن العلاء بن أبي عائشة ان عمر بن الخطاب دعا بحلاق فحلقه بموسى يعني جسده فاستشرف الناس فقال

الى حبيش ابن دلجة فبايعته فقال ابن عمر اياها كنت أخاف اياها كنت أخاف ومنها أحاد صوته قال أبو سعيد يا أبا عبد الرحمن أولم تسمع أن النبي صلى الله عليه وسلم قال من استطاع أن لا ينام نوما ولا يصبح صباحا ولا يمسي مساء الا وعليه أمير قال نعم ولكني أكره أن أبايع أميرين من قبل أن يجتمع الناس على أمير واحد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد قال ثنا ابن المبارك عن أبي سعيد الجريري عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا استجد ثوبا سماه باسمه قميص أو عمامة ثم يقول اللهم لك الحمد أنت كسوتنيه أسألك من خيره وخير ما صنع له وأعوذ بك من شره وشر ما صنع له حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا عبد الله بن لهيعة بن عقبة ثنا بكر بن عبد الله بن الاشج عن عبد الملك بن سعيد بن سويد الساعدي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمني جبريل في الصلاة فصلى الظهر حين زالت الشمس وصلى العصر حين كان الفيء قامة وصلى المغرب حين غابت الشمس وصلى العشاء حين غاب الشفق وصلى الفجر حين طلع الفجر ثم جاءه الغد فصلى الظهر وفي كل شيء مثله وصلى العصر والظل قامتان وصلى المغرب حين غابت الشمس وصلى العشاء الى ثلث الليل الاول وصلى الصبح حين كادت الشمس تطلع ثم قال الصلاة فيما بين هذين الوقتين حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا اسحق قال أنا ابن لهيعة عن بكير عن أبي بكر بن المنكدر عن عمرو بن سليم الزرقي عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الغسل يوم الجمعة على كل محتلم والسواك وأن يمس من الطيب ما يقدر عليه ولا يمس من طيب أهله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا بشر بن حرب قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال قال فقيل يا رسول الله فانك ان تفعله قال اني لست كاحدكم اني أطعم وأسقى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن عبد الله بن الزبير ثنا كثير بن زيد عن ربيح بن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه عن جده قال كنا تناوب رسول الله صلى الله عليه وسلم فبيت عنده تكون له الحاجة وبيارقه أمر من الليل فبعثنا فيكثر المحتسبون وأهل النوب فكنا تحدث فخرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم من الليل فقال ما هذه النجوى ألم أنهكم عن النجوى قال فلذنا بالنوب الى الله يا نبي الله انما كنا في ذكر المسيح فرقا منه فقال ألا أخبركم بما هو أخوف عليكم من المسيح عندي قال فلما بلى قال الشرك الخفي أن يقوم الرجل يعمل لمكان رجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن خالد ثنا عبد الله يعني العمري عن العلاء بن عبد الرحمن عن أبيه عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس فيما دون خمس ذود صدقة وليس فيما دون خمس أواق صدقة ولا فيما دون خمسة أوسق صدقة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الله بن عبد الرحمن الانصاري عن أبيه انه سمع أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوشك أن يكون خير مال المسلم غنما يتبع بها شعف الجبال ومواقع القطر يفر بدينه من الفتن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير أنبأنا الاعمش عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحقرن أحدكم نفسه ان يرى أمرا لله عليه فيه مقال ثم لا يقوله فيقول الله ما منعك أن تقول فيه فيقول رب خشيت الناس فيقول وأنا أحق أن يخشى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى بن عبيد ثنا محمد يعني ابن اسحق عن العلاء بن عبد الرحمن عن أبيه عن أبي سعيد الخدري

قال

أيها الناس ان هذا ليس من السنة ولكن النورة من النعيم فكرهتها ابن سعد (ش) * عن محمد بن ربيعة بن الحرث ان عمر بن الخطاب رآه وهو طويل الشعر فذلك بذى الحليفة قال محمد وأنا على ناقتى وأنا فى ذى الحجة أريد الحج فامرنى أن أقصر من رأسى ففعلت ابن سعد * عن عكرمة أن النبى صلى الله عليه وسلم نهى أن تحلق المرأة رأسها وقال هى مثلة ابن جرير * عن محمد بن حاطب كان النبى صلى الله عليه وسلم ياخذ من شاربه ونظفره يوم الجمعة أبو نعيم * عن ابن عمر نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم (٣١) عن القزع (عد كر) * عن أنس قال سدل رسول الله صلى الله عليه وسلم ناصيته ماشاء الله أن يسدل ثم فرق بعد ذلك (كر) * عن عمرو بن قيس أن عليا قال مازاده الاطهارة يعنى الاخذ من الشعر والظفر مسدد * عن محمد ابن قيس الاسدى عن رجل قال كان عمر بن الخطاب يستطيب بالحديد فقيل له الاتتنور قال انهما من النعيم فانا أكرههما (ص) * (الخضاب وتحويلونها) * اختضبوا بالحناء فانه طيب الريح يسكن الروع (ع) والحاكم فى الكنى عن أنس * اختضبوا بالحناء فانه يزيد فى شبابكم وجمالكم ونكاحكم البزار وأبو نعيم فى الطب عن أنس أبو نعيم فى المعرفة عن درهم * اختضبوا وافرقوا وخالفوا اليهود (عد) عن ابن عمر * اختضبوا لحاكم فان الملائكة تستبشر بخضاب المؤمن (عد) عن ابن عباس * ان أحسن ما اختضبتم به لهذا السواد ارغب انسائكم فيكم وأهيب لكم فى صدور عدوكم (ه) عن صهيب * أول من خضب بالحناء والكتم ابراهيم

---

قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أزرة المؤمن الى نصف الساق فما كان الى الكعب فلا بأس وما كان تحت الكعب ففى النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو اسامة ثنا الوليد بن مكنف عن محمد بن كعب عن عبيد الله بن عبد الله وقال أبو اسامة مرة عن عبيد الله بن عبد الرحمن بن رافع بن خديج عن أبى سعيد الخدرى قال قيل يارسول الله أنتوضأ من بئر بضاعة وهى بئر يلقى فيها الحيض والنتن ولحوم الكلاب قال الماء طهور لا ينجسه شئ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو اسامة قال حدثنى قطن عن اسمعيل بن رجاء عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى قال كنا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال فيكم من يقاتل على تاويل القرآن كما قاتل على تنزيله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن عطية العوفى عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هلك المترفون قالوا الا من قال هلك المترفون قالوا الا من قال هلك المترفون قالوا الا من قال حتى خفنا أن يكون قد وجبت فقال الا من قال هكذا وهكذا وقليل ماهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن زكريا بن أبى زائدة ثنا مجالد عن أبى الوداك عن أبى سعيد الخدرى قال سأل نفر رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الجنين يكون فى بطن الناقة أو البقرة أو الشاة فقال كلوه ان شئتم فان ذكاته ذكاة امه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عمار بن محمد بن اخت سفيان الثورى عن الاعمش عن أبى صالح عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى تقاتلوا قوما صغار الاعين عراض الوجوه كأن أعينهم حدق الجراد كأن وجوههم المجان المبرقة ينتعلون الشعر ويتخذون الدرق حتى يربطوا خيولهم بالنخل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن سهيل بن أبى صالح عن ابن أبى سعيد الخدرى عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا تثاءب أحدكم فليكظم ما استطاع فان الشيطان يدخل فى فيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا داود بن قيس عن عياض بن عبد الله بن أبى سرح عن أبى سعيد الخدرى أن النبى صلى الله عليه وسلم خطب قائما على رجليه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا عبد الرحمن بن زيد بن أسلم عن أبيه عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من نام على الوتر أو نسيه فليوتر اذا ذكره أو استيقظ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تخيروا بين الانبياء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا ابن أبى ليلى عن عطية العوفى عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم يوم يأتى بعض آيات ربك لا ينفع نفسا ايمانها قال طلوع الشمس من مغربها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا أبى عن سعيد بن مسروق عن ابن أبى نعم عن أبى سعيد الخدرى قال كان المؤلفة قلوبهم على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم أربعة علقمة بن علاثة الجعفرى والاقرع بن حابس الحنظلى وزيد الخيل الطائى وعيينة بن بدر الفزارى قال فقدم على بذهبة من اليمن بتربتها فقسمها رسول الله صلى الله عليه وسلم بينهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا ابن أبى ليلى عن عطية عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تحل الصدقة لغنى الا لثلاثة فى سبيل الله وابن السبيل ورجل كان له جار فتصدق عليه فاهدى له **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا شعبة ثنا خالد بن جعفر عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال ذكر المسك عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال هو أطيب الطيب **حدثنا** عبد الله حدثنى

---

وأول من اختضب بالسواد فرعون (فر) وابن النجار عن أنس * شوبوا شيبكم بالحناء فانه أسرى لوجوهكم وأطيب لافواهكم وأكثر لجمالكم الحناء سيد ريحان أهل الجنة يفصل مابين الكفر والايمان ابن عساكر عن أنس * الصفرة خضاب المؤمن والحمرة خضاب المسلم والسواد خضاب الكافر (طب لك) عن ابن عمر * غيروا الشيب ولا تقربوا السواد (حم) عن أنس * ان الله تبارك وتعالى لا ينظر الى من يخضب بالسواد يوم القيامة ابن سعد عن عامر مرسلا * يكون فى آخر الزمان قوم يخضبون بالسواد كحواصل الحمام لا يجدون رائحة الجنة (دن)

عن ابن عباس * من خضب بالسواد سود الله وجهه يوم القيامة (طب) عن أبي الدرداء * من شاب شيبة في الاسلام كانت له نورا مالم يغيرها الحاكم في الكنى عن أم سلمة * ان الله تعالى يبغض الشيخ الغريب (عد) عن أبي هريرة * (الاكمال) * اذهبوا به الى بعض نسائه فليغير بشئ وجنبوه السواد (حم م) عن جابر قال جيء بأبي قحافة الى النبي صلى الله عليه وسلم وكان رأسه ثغامة فقال فذكره * مر حمارا بالصفرين والمحمرين الحسن بن سفيان وابن أبي (٣٤) عاصم في الآحاد والبغوي والبلوردي وابن قانع وابن السكن (طب) عن حسان بن أبي

جابر السلمي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجالا من أصحابه قد صفروا لحاهم وآخرين قد حمروها فقال وذكره قال ابن السكن في اسناده نظر * خضاب الاسلام الصفرة وخضاب الايمان الحمرة الديلمي عن عبد الله بن هدلج * من صبغ بالسواد لم ينظر الله اليه يوم القيامة ومن وقف شيبة تعد الله بقدامه من نار يوم القيامة (كر) عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده * (الافعال) * عن قيس ابن أبي حازم قال كان أبو بكر يخرج الينا وكان لحيته مضرم عرفج من شدة الحمرة من الحناء والكتم ابن سعد (ش) * عن ابن عمر ان عمر بن الخطاب كان لا يغير شيبته في الاسلام فقيل له يا أمير المؤمنين الا تغير فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من شاب شيبة في الاسلام كانت له نورا يوم القيامة وما أبالي بتغيير شيبتي أبو نعيم في المعرفة * عن عبد الرحمن بن عائذ الثمالي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغير لحيته بماء السدر وكان يأمر بالتغيير مخالفة الاعاجم (كر) عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صفر لحيته وما فيها نحو عشرون شعرة بيضاء (كر) * عن حميد قال سألت أنس بن مالك أخضب النبي صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ هذا من شيبه الشيب ولكن خضب أبو بكر بالحناء والكتم وخضب عمر بالحناء ابن سعد وأبو نعيم * (الطيب ومحظوراته) * ان خير طيب الرجال ما ظهر ريحه وخفي لونه وخير طيب النساء ما ظهر لونه وخفي ريحه (ت) عن عمران بن حصين * اذا أعطى أحدكم الريحان فلا يرده فانه خرج من الجنة (د) في مراسيله (ت) عن

أبي ثنا وكيع ثنا همام عن قتادة عن أبي عيسى الأسواري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عودوا المريض واتبعوا الجنازة تذكركم الآخرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم الوسط العدل جعلناكم أمة وسطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا فضيل بن مرزوق عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لعلي أنت مني بمنزلة هارون من موسى الا انه لا نبي بعدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شريك عن يزيد بن أبي زياد عن ابن أبي نعم عن أبي سعيد الخدري قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المحرم يقتل الحية فقال لا بأس به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن جابر عن محمد بن فرظة عن أبي سعيد الخدري قال اشتريت كبشا أضحي به فعدا الذئب فاخذ الاليه قال فسألت النبي صلى الله عليه وسلم فقال ضح به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا القاسم بن الفضل ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تمرق مارقة عند فرقة من المسلمين يقتلها أولى الطائفتين بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان ثنا أبو هاشم الرماني عن اسمعيل بن رباح بن عبيدة عن أبيه عن غير عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا فرغ من طعامه قال الحمد لله الذي اطعمنا وسقانا وجعلنا مسلمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مسعر عن زيد العمي عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم أتي برجل قال مسعر أظنه في شراب فضربه النبي صلى الله عليه وسلم بنعلين أربعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشيم عن قتادة عن أبي عيسى الاسواري عن أبي سعيد الخدري قال زجر رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يشرب الرجل قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن مالك بن أنس عن أيوب بن حبيب مولى بني زهرة عن أبي المثنى الجهني قال كنت جالسا عند مروان بن الحكم فدخل أبو سعيد الخدري فقال له مروان أسمعت النبي صلى الله عليه وسلم ينهى عن النفخ في الشراب فقال نعم قال فقال له رجل فاني لا أروى بنفس واحد قال أبعده عن فيك ثم تنفس قال فان رأيت قذاء قال فاهرقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الطالب بن زياد ثنا ابن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من لم يشكر الناس لم يشكر الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الطالب بن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال تسحروا فان في السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن اسمعيل بن رافع عن محمد بن يحيى عن عمه واسع بن حبان عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الرجل أحق بصدر دابته وأحق بمجلسه اذا رجع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا وكيع عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يدعى نوح عليه السلام يوم القيامة فيقال له هل بلغت فيقول نعم فيدعى قومه فيقال لهم هل بلغكم فيقولون ما أتانا من نذير وما أتانا من أحد قال فيقال لنوح من يشهد لك فيقول محمد وأمته قال فذلك قوله وكذلك جعلناكم أمة وسطا قال الوسط العدل قال فيدعون فيشهدون له بالبلاغ قال ثم أشهد عليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الله عز وجل يوم القيامة يا آدم قم فابعث بعث النار فيقول ابيك وسعديك والخير في يديك يا رب

أبي عثمان النهدي مرسلا * أطيب الطيب المسك (خم م د ن) عن أبي سعيد * اقبلوا الكرامة وأفضل الكرامة الطيب اخفه محملا وأطيبه رائحة (قط) في الافراد (طس) عن زينب بنت جحش * من عرض عليه طيب فلا يرده فانه خفيف المحمل طيب الرائحة (حم ن) عن أبي هريرة * سيد ريحان الجنة الحناء (طب خط) عن ابن عمر * ما أحببت من عيش الدنيا الا الطيب والنساء ابن سعد عن ميمون مرسلا * نهى أن ينتزع فر الرجل (ق ٣) عن أنس * عليكم بالورس فشموه فانه جيد للغشام (٣٣) ابن السني وأبو نعيم في الطب عن أنس

* (الاكمال) * اذا وضع الطيب بين يدي أحدكم فلا يصب منه ولا يرده واذا وضع الحلواء بين يدي أحدكم فليأكل منه ولا يرده (ك) في تاريخه (هب) عن أبي هريرة قال (هب) اسناده غير قوي * اذهب فاغسله ثم اغسله ثم لا تعد (ت) حسن عن يعلى بن مرة ان النبي صلى الله عليه وسلم أبصر رجلا متخلقا فقال فذكره * الفاغية تشبه ريحان الجنة (طب) عن ابن عباس قال أتي النبي صلى الله عليه وسلم بوردا الحناء قال فذكره * (الافعال) * عن علي قال لان أطلي بعواء قذر أحب الي من أن أطلي بزعفران أبو عبيد في الغريب * عن علي قال أطيب ريح الارض الهند هبط بها آدم وخلق شجرها من ريح الجنة ابن جرير (هق) في الشعب (كر) * (النظر في مرآة الحمام * الاكمال) * النظر في مرآة الحمام دناءة الديلمي * عن خالد بن عبد الله عن أبي طوالة عن أنس * (الافعال) * عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا أبصر وجهه في

---

وما بعث النار قال من كل ألف تسعمائة وتسعة وتسعين قال فحينئذ يشيب الوليد وتضع كل ذات حمل حملها وترى الناس سكارى وما هم بسكارى ولكن عذاب الله شديد قال فشق ذلك على الناس حتى تغيرت الوانهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسعمائة وتسعة وتسعين من يأجوج ومأجوج ومنكم واحد قال فقال الناس الله أكبر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أفلا ترضون أن تكونوا ربع أهل الجنة والله اني لارجو أن تكونوا نصف أهل الجنة قال فكبر الناس قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما أنتم يومئذ في الناس الا كالشعرة البيضاء في الثور الاسود أو كالشعرة السوداء في الثور الابيض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عكرمة ابن عمار عن عاصم بن شميخ عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا حلف واجتهد في اليمين قال لا والذي نفس أبي القاسم بيده ليخرجن قوم من أمتي تحقرون أعمالكم مع أعمالهم يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الاسلام كما يمرق السهم من الرمية قالوا فهل من علامة نعرفهم بها قال فيهم رجل ذو يدية أو ثدية تحلق رؤسهم قال أبو سعيد فحدثني عشرون أو بضع وعشرون من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم ان عليا رضي الله تعالى عنه ولي قتلهم قال فرأيت أبا سعيد بعد ما كبر وتداعت ترعش يقول قتالهم أحل عندي من قتال عدتهم من الترك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تخيروا بين الانبياء وأول من تنشق عنه الارض يوم القيامة فأفيق فأجد موسى متعلقا بقائمة من قوائم العرش فلا أدري أحزي بصعقة الطور أو أفاق قبلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن اسرائيل عن أبي اسحق عن الاغر ابي مسلم قال أشهد على أبي سعيد وأبي هريرة انهما شهدا على رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال وانا أشهد عليهما ما من قعد قوم يذكرون الله تعالى الا حفت بهم الملائكة وتنزلت عليهم السكينة وتغشتهم الرحمة وذكرهم الله فيمن عنده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال حدثني علي بن المبارك عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن بن ثوبان عن أبي مطيع بن رفاعة عن أبي سعيد الخدري قال قالت اليهود العزل الموؤدة الصغرى قال فأبى وكان في كتابنا أبو رفاعة بن مطيع فغيره وكيع وقال عن أبي مطيع بن رفاعة فقال النبي صلى الله عليه وسلم كذبت يهود ان الله لو أراد أن يخلق شيأ لم يستطع أحد ان يصرفه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا قطر عن اسمعيل بن رجاء عن أبيه عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان منكم من يقاتل على تأويله كما قاتلت على تنزيله قال فقام أبو بكر وعمر فقال لا ولكن خاصف النعل وعلي يخصف نعله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا محمد بن اسحق عن عبيد الله بن المغيرة بن معيقيب عن عمرو بن سليم قال أبو عبد الرحمن وقال غير يزيد بن هرون عن سليمان ابن عمرو بن عبد العتواري وهو ابو الهيثم وكان في حجر ابي سعيد عن أبي سعيد الخدري وعن أبي الزناد عن الاعرج عن أبي هريرة قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اني أتخذ عندك عهدا لا تخلفنيه فانما أنا بشر فأي المؤمنين آذيته أو شتمته أو قال لعنته أو جلدته فاجعلها له صلاة وزكاة وقربة تقربه بها اليك يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا محمد بن عمرو عن أبي سلمة قال جاء رجل الى أبي سعيد فقال هل سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر في الحرورية شيأ قال سمعته يذكر قوما يتعمقون

---

(٥ - (مسند احمد) - ثالث) المرآة قال الحمد لله الذي سوى خلقي فعدله وكرم صورة وجهي فحسنها وجعلني من المسلمين

من السنن والديلمي * (مباح زينة الرجال) * (الافعال) * عن واقد بن عبد الله التيمي عن رأي عثمان ضبب أسنانه بالذهب (ع م) * عن ابن عمر قال كان سيف عمر فيه فضة أو بعمائة درهم (خط) في رواة مالك * (الفصل الثاني في أنواع الزينة مجتمعة) * عشر من الفطرة قص الشارب واعفاء اللحية والسواك واستنشاق الماء وقص الاظفار وغسل البراجم ونتف الابط وحلق العانة وانتقاص الماء (خم م ٤) عن عائشة

*من سنن المرسلين الحلم والحياء والحجامة والسواك والتعطر وكثرة الازواج (هب) عن ابن عباس *(الاكمال) *يامعشر الانصار حمروا وصفروا وخالفوا أهل الكتاب تسربلوا واتزروا وخالفوا أهل الكتاب تخففوا واتعلوا وخالفوا أهل الكتاب قصوا سبالكم ووفروا عثانينكم وخالفوا أهل الكتاب (حم طب ض) عن أبي امامة *(الباب الثالث فيما يتعلق بزينة النساء من الحلي والحرير وغير ذلك الحلي والحرير) *الذهب حلية المشركين والفضة حلية (٣٤) المسلمين والحديد حلية أهل النار الزمخشري في جزئه عن أنس *أحل الذهب والحرير لاناث أمتي وحرم على ذكورها (حم ن) عن أبي موسى *عندي أخوف عليكم من الذهب ان الدنيا ستصب عليكم صبا فيالليت أمتي لاتلبس الذهب (حم) عن رجل *من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يلبس حريرا ولا ذهبا (حم ك) عن أبي امامة *من لبس الحرير في الدنيا لم يلبسه في الآخرة (حم ق ت ه) عن أنس *من لبس الحرير في الدنيا ألبسه الله تعالى يوم القيامة ثوبا من نار (حم) عن جرير به *نهى عن الديباج والحرير والاستبرق (ه) عن البراء *(الاكمال) *من أحب أن يحاق حبيبه بحلقة من نار فالحلقة حلقة من ذهب ومن أحب أن يطوق حبيبه طوقا من نار فليطوقه طوقا من ذهب ومن أحب أن يسور حبيبه بسوار من نار فليسوره بسوار من ذهب ولكن عليكم بالفضة فالعبوا بها العبا (حم د) عن أبي هريرة (طب) *عن سهل ابن سعد *شهابان من نار (حم) عن امرأة قالت رأى علي رسول الله صلى الله عليه وسلم قرطين من ذهب قال فذكره *انما يكفي احدكم أن تتخذ جمانا من فضة ثم تأخذ شيأ من زعفران فتطيبه به ثم تلطخه عليه فاذا هو كأنه ذهب (طب) عن أسماء بنت يزيد *ويل للنساء من الاحمر من الذهب والزعفران أو نعيم عن عنزة الاشجعية *قد أمرنا للنساء بورس وبرا ما الورس فاتاهن من اليمن وأما البز فاخذ من ناس من أهل الذمة مما عليهم من الجزية (طب) وأبو نعيم (ض) عن جرير الحارثي المحاربي *(الافعال) * عن مجاهد قال كن النساء الاولون يجعلن في أكمامهن مرارا تحته

في الدين يحقر أحدكم صلاته عند صلاتهم وصومه عند صومهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية أخذ سهمه فنظر في نصله فلم ير شيأ ثم نظر في رصافه فلم ير شيأ ثم نظر في قذذه فلم ير شيأ ثم نظر في القذذ فتمارى هل يرى شيأ أم لا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا أبو الاشهب عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم في أصحابه تأخرا فقال تقدموا فائتموا بي وليأتم بكم من بعدكم لا يزال قوم يتأخرون حتى يؤخرهم الله عز وجل يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا أبو الاشهب عن أبي نضرة عن أبي سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نظر الى رجل يصرف راحلته في نواحي القوم فقال النبي صلى الله عليه وسلم من كان عنده فضل من ظهر فليعد به على من لا ظهر له ومن كان له فضل من زاد فليعد به على من لا زاد له حتى رأينا ان لا حق لاحد منا في فضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا محمد بن جعفر وعفان قالا ثنا شعبة عن عبد الملك بن عمير عن قزعة قال سمعت أبا سعيد الخدري قال سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم أربعا فاعجبني وأينقني قال عفان وآنقني ثم سمى ان تسافر المرأة مسيرة يومين قال عفان أو ليلتين الا ومعها زوجها أو ذو محرم ونهى عن الصلاة في ساعتين بعد الغداة حتى تطلع الشمس وبعد العصر حتى تغيب ونهى عن صيام يومين يوم النحر ويوم الفطر وقال لا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجد الحرام ومسجد الاقصى ومسجدي هذا قال عفان في حديثه قال عبد الملك بن عمير أنبأني قال سمعت قزعة مولى زياد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي اسحق عن الاغر قال أشهد على أبي هريرة وأبي سعيد الخدري انهما شهدا على النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ان الله عز وجل يمهل حتى يذهب ثلث الليل ثم ينزل فيقول هل من سائل هل من تائب هل من مستغفر هل من مذنب قال فقال له رجل حتى يطلع الفجر قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد الرحمن بن الاصبهاني عن ذكوان عن أبي سعيد الخدري ان النساء قلن غلبنا عليك الرجال يا رسول الله فاجعل لنا يوما يا رسول الله نأتيك فيه فواعدهن ميعادا فامرهن ووعظهن وقال ما منكن امرأة يموت لها ثلاثة من الولد الا كانوا لها حجابا من النار فقالت امرأة أو اثنان فانه مات لي اثنان فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أو اثنان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت ابن أوداك وقال حجاج عن أبي الوداك يقول لا أشرب نبيذا بعد ما سمعت أبا سعيد يقول أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجل نشوان فقال اني لم أشرب خمرا انما شربت زبيبا وتمرا في دباءة قال فأمر به فنهز بالايدي وخفق بالنعال ونهى عن الدباء ونهى عن الزبيب والتمر يعني ان يخلطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وسئل عن الثلاثة يجتمعون فتحضرهم الصلاة قال ثنا سعيد بن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا اجتمع ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة أقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك عن زيد بن أسلم عن عبد الرحمن ابن أبي سعيد عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان أحدكم يصلي فلا يدع أحدا يمر بين يديه وليدرأه ما استطاع فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يبغض الانصار رجل يؤمن بالله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا علي يعني ابن المبارك عن

يحيى

احدهن فى أصبعها تحلى به الخاتم (ش) *عن عبد الله بن الحرث بن نوفل عن أبيه ان النبى صلى الله عليه وسلم أخذ لؤلؤة فجعلها فى خيط فأعطاها بعض أهله أبو نعيم *(قلت وباقى أحاديث الحرير سيجىء فى كتاب المعيشة فى ترجمة لبس الحرير) متفرقات زينة النساء *(الاذعال) * عن قيس بن أبى حازم قال دخلت مع أبى على أبى بكر وكان رجلا خفيف اللحم أبيض فرأيت يدى أسماء بنت عميس موشومة تذب عن أبى بكر ابن سعد وابن منيع وابن جرير *عن أبى سلمة بن عبد الرحمن قال كان أزواج النبى صلى الله (٣٥) عليه وسلم يأخذن من شعورهن حتى

يحيى قال حدثنى أبو سعيد مولى المهرى عن أبى سعيد الخدرى ان النبى صلى الله عليه وسلم بعث بعثا الى الحيات ابن هذيل قال لينبعث من كل رجلين أحدهما والاجر بينهما ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم بارك لنا فى مدنا وصاعنا واجعل فيه البركة بركتين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عامر ثنا على عن يحيى ثنا أبو نضرة ان أبا سعيد أخبرهم انهم سألوا النبى صلى الله عليه وسلم عن الوتر فقال أوتر قبل الصبح **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو الوليد ثنا شعبة ثنا خليد بن جعفر عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم انه كان يعادل لواء يوم القيامة يعرف به عبد أسته **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى ثنا اسرائيل عن أبى سنان عن أبى صالح الحنفى عن أبى سعيد الخدرى وأبى هريرة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الله اصطفى من الكلام أربعا سبحان الله والحمد لله ولا اله الا الله والله أكبر فمن قال سبحان الله كتب له عشرون حسنة وحط عنه عشرون سيئة ومن قال الله أكبر مثل ذلك ومن قال لا اله الا الله مثل ذلك ومن قال الحمد لله رب العالمين من قبل نفسه كتب له ثلاثون حسنة وحط عنه ثلاثون سيئة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال قرأت على عبد الرحمن مالك عن عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبى صعصعة المازنى عن أبيه انه أخبره أن أبا سعيد قال له انى أراك تحب الغنم والبادية فاذا كنت فى غنمك أو باديتك فأذنت بالصلاة فارفع صوتك بالنداء فانه لا يسمع مدى صوت المؤذن جن ولا انس ولا شئ الا شهد له يوم القيامة سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال قرأته على عبد الرحمن مالك عن عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبى صعصعة عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى ان رجلا سمع رجلا يقرأ قل هو الله أحد يرددها من السحر فلما أصبح جاء الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر ذلك له وكأن الرجل يتقالها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذى نفسى بيده انها لتعدل ثلث القرآن **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى قال حدثنى معاوية يعنى ابن صالح عن ربيعة بن يزيد قال حدثنى قزعة قال أتيت أبا سعيد وهو مكثور عليه فلما تطرق الناس عنه قلت انى لا أسألك عما يسألك هؤلاء عنه قال فسألنى عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما لك فى ذلك من خير فاعادها عليه فقال كانت صلاة الظهر تقام فينطلق أحدنا الى البقيع فيقضى حاجته ثم يأتى أهله فيتوضأ ثم يرجع الى المسجد ورسول الله صلى الله عليه وسلم فى الركعة الاولى قال وسألته عن الزكاة فقال لا أدرى ارفعه الى النبى صلى الله عليه وسلم أم لا فى مائتى درهم خمسة دراهم وفى أربعين شاة شاة الى عشرين ومائة فاذا زادت واحدة ففيها شاتان الى مائتين فاذا زادت ففيها ثلاث شياه الى ثلثمائة فاذا زادت ففى كل مائة شاة وفى الابل فى خمس شاة وفى عشر شاتان وفى خمس عشرة ثلاث شياه وفى عشرين أربع شياه وفى خمس وعشرين ابنة مخاض الى خمس وثلاثين فاذا زادت واحدة ففيها ابنة لبون الى خمس وأربعين فاذا زادت واحدة ففيها حقة الى ستين فاذا زادت واحدة ففيها جذعة الى خمس وسبعين فاذا زادت واحدة ففيها ابنتا لبون الى تسعين فاذا زادت واحدة ففيها حقتان الى عشرين ومائة فاذا زادت ففى كل خمسين حقة وفى كل أربعين بنت لبون وسألته عن الصوم فى السفر قال سافرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى مكة ونحن صيام قال فنزلنا منزلا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انكم قد دنوتم من عدوكم والفطر أقوى لكم فكانت رخصة فمنا من صام ومنا من أفطر ثم نزلنا منزلا آخر فقال انكم مصبحو عدوكم والفطر أقوى لكم فافطروا فكانت عزمة فافطرنا

يدعنه كهيئة الوفرة ابن جرير *أخبرنى اسمعيل ان عائشة كانت تنهى المرأة ذات الزوج ان تدع ساقيها لاتجعل فيهما شيأ وأنها كانت تقول لا تدع المرأة الخضاب فان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يكره الرجلة (عب) *عن الزهرى قال كانت عائشة تنهى أن تمشط المرأة بالمسك (عب) *عن حسين بن عبد الله قال دخلت على فاطمة بنت على وعليها مسكة من عاج وفى عنقها خيط من خرز فقالت ان أبى حدثنى لمن رسول الله صلى الله عليه وسلم كره التعطل للنساء سمويه *عن عائشة قالت ان كان عمر ليرسل الينا بما يحظانا من الورس والزعفران أبو عبيد فى الاموال *(المحظور والمباح من الافعال) *عن أبى هريرة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن حلية الذهب (خط) فى المتفق *عن عمر انه كره أن يصون الرجل نفسه كما تصون المرأة نفسها ولا يزال يرى كل يوم مكتحلا وان تحف لحيته كما تحف المرأة

أبو ذر الهروى فى الجامع *عن حميد بن عبد الرحمن الحميرى قال لقيت رجلا صحب رسول الله صلى الله عليه وسلم أربع سنين كما صحبه أبو هريرة قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يمتشط أحدنا كل يوم وان يبول فى مغتسله وان يغتسل الرجل بفضل المرأة والمرأة بفضل الرجل وقال ليغترفا جميعا (ص) *(حرف السين وفيه كتابان الكتاب الاول كتاب السفر وفيه ثلاثة فصول *الفصل الاول فى الترغيب فى السفر) * سافروا تصحوا وترزقوا (عب) عن محمد بن عبد الرحمن مرسلا *سافروا تصحوا وتغنموا (هق) عن ابن عباس الشيرازى فى الالقاب وأبو نعيم

في الطب والقضاعي عن ابن عمر * سافروا تصحوا وا غزوا تستغنوا (حم) عن أبي هريرة * (الفصل الثاني في آداب السفر وفيه فرعان * الفرع الاول في الوداع) * اذا خرج أحدكم الى سفر فليودع اخوانه فان الله تبارك وتعالى جاعل له في دعائهم البركة ابن عساكر (فر) عن زيد بن أرقم * اذا أردت سفرا أو تخرج مكانا فقل اللهم استودعكم الله الذي لا تخيب ودائعه الحكيم عن أبي هريرة * ان لقمان الحكيم قال ان الله تبارك وتعالى اذا استودع شيئا (٣٦) حفظه (حم) عن ابن عمر * استودع الله دينك وأمانتك وخواتيم عملك (د ت ه) عن ابن عمر * استودعك الله الذي لا تضيع ودائعه (ه) عن أبي هريرة * (الاكمال) * في حفظ الله وكنفه زودك الله التقوى وغفر ذنبك ووجهك للخير حيثما كنت ابن السني وابن النجار عن أنس ان رجلا أراد السفر فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * ياغلام زودك الله التقوى ووجهك في الخير وكفاك الهم ياغلام قبل الله عملك وغفر ذنبك وأخلف نفقتك ابن السني عن ابن عمر * اللهم اطوله البعد وهون عليه السفر (ق) حسن (ك) عن أبي هريرة * اذا خرجت الى سفر فقل لمن تخلفه استودعكم الله الذي لا يضيع ودائعه (حم) عن أبي هريرة وحسن * (الانعال) * عن ابن عمر عن أبيه عمر بن الخطاب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا ودعه الرجل قال له جعل الله زادك التقوى وغفر ذنبك وأخلف نفقتك ابن السني عن ابن عمر * اللهم اطوله البعد وهون عليه السفر (ق) حسن (ك) عن أبي هريرة * اذا خرجت الى سفر فقل لمن تخلفه استودعكم الله الذي لا يضيع ودائعه (حم) عن أبي هريرة وحسن * (الانعال) * عن ابن عمر عن أبيه عمر بن الخطاب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا ودعه الرجل قال له جعل الله زادك التقوى وغفر ذنبك ووجهك للخير حيثما كنت ورزقك حسن المآب أبو الحسن علي بن أحمد المديني في أماليه * (الفرع الثاني في الآداب المتفرقة ومخاوراته) * سافر وامع ذوي الجدود والميسرة (فر) عن معاذ * اذا أراد أحدكم سفرا فليسلم على اخوانه فانهم يريدونه بدعائهم الى دعائه بخير (حم ق) عن أبي هريرة * اذا أطال أحدكم الغيبة فلا يطرق أهله ليلا (حم ق) عن جابر * اذا دخلت ليلا فلا تدخل على أهلك حتى تستحد المغيبة وتمتشط الشعثة (خ) عن جابر * امهلوا حتى ندخل ليلا أي تمتشط الشعثة وتستحد المغيبة (ق د ن) عن جابر * ان أحسن ما دخل الرجل على أهله اذا قدم من سفر أول الليل (د) عن جابر * اذا انفلتت دابة أحدكم بارض فلاة فليناد يا عباد الله احبسوا

---

ثم قال لقد رأيتنا نصوم مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد ذلك في السفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال حدثنا عبد الرحمن قال حدثنا زهير عن شريك عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الماء من الماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا زهير بن محمد عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اياكم والجلوس في الطرقات قالوا يارسول الله ما لنا من مجالسنا بد نتحدث فيها قال فاما اذا أبيتم الا المجالس فاعطوا الطريق سقه قالوا يارسول الله فما حق الطريق قال غض البصر وكف الاذى ورد السلام والامر بالمعروف والنهي عن المنكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا عكرمة بن عمار عن يحيى بن أبي كثير عن هلال بن عياض قال حدثني أبو سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يخرج الرجلان يضربان الغائط كاشفان عورتهما يتحدثان فان الله يمقت على ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا المعتمر بن الربان عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أطيب الطيب المسك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا فضيل عن عطية عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى حتى نقول لا يتركها ويتركها حتى نقول لا يصليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا عوف عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى تملأ الارض ظلما وعدوانا قال ثم يخرج رجل من عترتي أو من أهل بيتي يملؤها قسطا وعدلا كما ملئت ظلما وعدوانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا هشام عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا اجتمع ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة اقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا داود بن قيس عن عياض بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يخرج يوم العيد في الفطر فيصلي بالناس ثم ينصرف فيقوم مقابل الناس والناس جلوس فيقول تصدقوا تصدقوا تصدقوا ثلاث مرات قال فكان أكثر ما يتصدق من الناس النساء بالقرط والخاتم والشيء فان كانت له حاجة في البعث ذكره وان لم يكن له انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثناه عبد الله بن الحرث قال حدثني داود فذكره قال وان كان يريد ان يضرب على الناس بعثا ذكره والا انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا ليث بن سعد عن بكير عن عبد الله بن الاشج عن عياض بن عبد الله بن سعد عن أبي سعيد الخدري قال أصيب رجل على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثمار ابتاعها فكثر دينه فقال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تصدقوا عليه قال فتصدق الناس عليه فلم يبلغ ذلك وفاء دينه فقال النبي صلى الله عليه وسلم خذوا ما وجدتم وليس لكم الا ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق انا معمر عن الزهري قال أخبرني عبيد الله بن عبد الله ان أبا سعيد الخدري قال حدثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم حديثا طويلا عن الدجال فقال فيما يحدثنا قال يأتي الدجال وهو محرم عليه أن يدخل نقاب المدينة فيخرج اليه رجل يومئذ وهو خير الناس أو من خيرهم فيقول اشهد أنك الدجال الذي حدثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم حديثه فيقول الدجال أرأيتم ان قتلت هذا ثم أحييته أتشكون في الامر فيقولون لا فيقتله ثم يحييه فيقولون حين يحيا والله ما كنت قط أشد بصيرة مني الآن قال فيريد قتله الثانية فلا يسلط عليه

على تبغان الله تعالى في الارض حاضر سيحبسه عليكم (ع) وابن السني (طب) عن ابن مسعود * اذا تغولت لكم الغيلان فنادوا بالاذان فان الشيطان اذا سمع النداء أدبر وله حصاص (طس) عن أبي هريرة * اذا أضل أحدكم شيأ أو أراد أحدكم غوثا وهو بارض ليس بها أنيس فليقل يا عباد الله أغيثوني يا عباد الله أغيثوني فان لله تعالى عبادا لا نراهم (طب) عن عقبة بن غزوان * اذا خرج ثلاثة في سفر فليؤمروا أحدهم (د) والضياء عن أبي هريرة وعن أبي سعيد * اذا سافرتم فليؤمكم أقرؤكم وان كان أصغركم واذا (٣٧) أمكم فهو أميركم البزار عن أبي هريرة

* اذا سافرتم في الخصب فاعطوا الابل حظها من الارض واذا سافرتم في السنة فاسرعوا عليها السير واذا عرستم بالليل فاجتنبوا الطريق فانها طرق الدواب ومأوى الهوام بالليل (م د ن) عن أبي هريرة * اذا سرتم في الخصب فامكنوا الركاب من أسنانها ولا تجاوزوا المنازل واذا سرتم في الجدب فاستحيدوا عليكم بالدلج فان الارض تطوى بالليل واذا تغولت بكم الغيلان فنادوا بالاذان وايا كم والصلاة على جواد الطريق والنزول عليها فانها مأوى الحيات والسباع وايا كم وقضاء الحاجة عليها فانها الملاعن (حم د ن) عن جابر رضي الله عنه * اذا قدم أحدكم من سفر فليقدم معه هدية ولو بلقى في مخلاته حجرا ابن عساكر عن أبي الدرداء

* اذا رجع أحدكم من سفره فليرجع الى أهله بهدية ولو لم يجد الا يلقى في مخلاته حجرا أو خزمة حطب فان ذلك خير بينهم ابن شاهين (قط) في الافراد

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا ليث قال حدثني يزيد بن أبي حبيب عن أبي الخير عن أبي الخطاب من أبي سعيد الخدري أنه قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم عام تبوك يخطب الناس وهو مسند ظهره الى نخلة فقال ألا أخبركم بخير الناس وشر الناس ان من خير الناس رجلا عمل في سبيل الله على ظهر فرسه أو على ظهر بعيره أو على قدميه حتى يأتيه الموت وان من شر الناس رجلا فاجرا جريئا يقرأ كتاب الله ولا يدعو الى شيء منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن يحيى عن أبي كثير قال أخبرني هلال بن عياض أنه سمع أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا شبه على أحدكم الشيطان وهو في صلاته فقال أحدثت فلا يقل في نفسه كذبت حتى يسمع صوتا بأذنيه أو يجد ريحا بأنفه واذا صلى أحدكم فلم ير أذام نقص فليسجد سجدتين وهو جالس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن هشام عن يحيى بن أبي كثير عن عياض أنه سأل أبا سعيد فذكره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر وعن الزهري عن عبيد الله بن عبد الله أو عطاء بن يزيد معمر شك عن أبي سعيد الخدري قال قال رجل يا رسول الله أي الناس أفضل قال مؤمن مجاهد بنفسه وماله في سبيل الله قال ثم من قال ثم رجل معتزل في شعب من الشعاب يعبد ربه عز وجل ويدع الناس من شره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن سهيل بن أبي صالح عن ابن أبي سعيد عن أبي سعيد الخدري قال قال النبي صلى الله عليه وسلم اذا تثاءب أحدكم في الصلاة فليضع يده على فيه فان الشيطان يدخل مع التثاؤب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أوتروا قبل أن تصبحوا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الضيافة ثلاث فما زاد على ذلك فهو صدقة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا جعفر عن المعلى بن زياد ثنا العلاء بن بشير عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابشركم بالمهدي يبعث في أمتي على اختلاف من الناس وزلازل فيملأ الارض قسطا وعدلا كما ملئت جورا وظلما يرضى عنه ساكن السماء وساكن الارض يقسم المال صحاحا فقال له رجل ما صحاحا قال بالسوية بين الناس قال ويملأ الله قلوب أمة محمد صلى الله عليه وسلم غنى ويسعهم عدله حتى يأمر منادا فينادي فيقول من له في مال حاجة فما يقوم من الناس الا الرجل فيقول ائت السدان يعني الخازن فقل له ان المهدي يأمرك أن تعطيني مالا فيقول له احث حتى اذا جعله في مجره وأبرز ندم فيقول كنت أجشع أمة محمد نفسا أو أعجزها وسعهم قال فيرده فلا يقبل منه فيقال له انا لا نأخذ شيأ أعطيناه فيكون كذلك سبع سنين أو ثمان سنين أو تسع سنين ثم لا خير في العيش بعده أو قال ثم لا خير في الحياة بعده حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا أسرائيل عن أبي سنان عن أبي صالح الحنفي عن أبي سعيد الخدري وأبي هريرة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الله اصطفى من الكلام أربعا سبحان الله والحمد لله ولا اله الا الله والله أكبر فمن قال سبحان الله كتب له عشرون حسنة وحط عنه عشرون سيئة ومن قال الله أكبر مثل ذلك ومن قال لا اله الا الله مثل ذلك ومن قال الحمد لله رب العالمين من قبل نفسه كتب له بها ثلاثون حسنة أو حط عنه ثلاثون سيئة حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا يحيى بن آدم ثنا زهير عن سهيل بن أبي صالح عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى

(ع) وابن السني عن الحسين * انكم قادمون على اخوانكم فاصلحوا رحالكم واصلحوا لباسكم حتى تكونوا كأنكم شامة في الناس فان الله

وابن النجار عن أبي درهم * اذا كنتم في سفر فاقلوا المكث في المنازل أبو نعيم عن ابن عباس * اذا نزل أحدكم منزلا فقال فيه فلا يرحل حتى يصلي ركعتين (عد) عن أبي هريرة * اذا نزل أحدكم منزلا فليقل أعوذ بكلمات الله التامات من شر ما خلق فانه لا يضره شيء حتى يرتحل منه (م) عن خولة بنت حكيم * أمان لامتي من الغرق اذا ركبوا البحر أن يقولوا بسم الله مجراها ومرساها الآية وما قدروا الله حق قدره الآية تم

(ع) وابن السني عن الحسين * انكم قادمون على اخوانكم فاصلحوا رحالكم واصلحوا لباسكم حتى تكونوا كأنكم شامة في الناس فان الله

تعالى لا يحب الفحش والتفحش (حم د ك هب) عن سهل بن الحنظلية * الراكب شيطان والراكبان شيطانان والثلاثة ركب (حم د ت ك) عن ابن عمر و * الشيطان يهم بالواحد والاثنين فاذا كانوا ثلاثة لم يهم بهم البزار عن أبي هريرة * سيد القوم خادمهم وساقيهم آخرهم شربا أبو نعيم في الأربعين الصوفية عن أنس * سيد القوم في السفر خادمهم فمن سبقهم بخدمة لم يسبقوه بعمل الا الشهادة (ك) في تاريخه (هب) عن سهل بن سعد * ذهب (٢٠٨) المفطرون اليوم بالاجر (حم ق ن) عن أنس * السفر قطعة من العذاب يمنع أحدكم طعامه وشرابه ونومه فاذا قضى أحدكم نهمته من وجهه فليعجل الرجوع الى أهله مالك (حم ق ه) عن أبي هريرة * اذا استجمع القوم في سفر فليجمعوا نفقاتهم عند أحدهم فانه أطيب لنفوسهم وأحسن لاخلاقهم الحكيم عن ابن عمر * من كان معه فضل ظهر فليعد به على من لا ظهر له ومن كان معه فضل من زاد فليعد به على من لا زاد له (حم م د) عن أبي سعيد * اذا مررتم بارض قد أهلك الله أهلها فاجدوا السير (طب) عن أبي امامة * يا معشر المهاجرين والانصار ان من اخوانكم قوما ليس لهم مال ولا عشيرة فليضم أحدكم اليه الرجلين أو الثلاثة (د ك) عن جابر * ما خلف عبد على أهله أفضل من ركعتين يركعهما عندهم يريد سفرا (ش) عن المطعم ابن المقدام مرسلا * مامن راكب يخلو في مسيره بالله وذكره الا ردفه ملك ولا يخلو بشعر ونحوه الا ردفه شيطان (طس) عن عقبة بن عامر * ان مع كل حرس شيطان (د) عن عمر * لا تصحب الملائكة رفقة فيها جلد نمر (د) عن أبي هريرة * الجرس مزامير الشيطان (حم م د) عن أبي هريرة * لو يعلم الناس من الوحدة ما أعلم ما سار راكب بليل وحده (حم خت ه) عن ابن عمر * لا تصحب الملائكة رفقة فيها كلب ولا جرس (حم م د ت) عن أبي هريرة * لا تصحب الملائكة رفقة فيها جلجل (ن) عن ابن عمر * (الاكمال) * اذا خرج الرجل من بيته وأراد سفرا فقال بسم الله حسبي الله توكلت على الله قال الملك كفيت وهديت ووقيت ابن صصري في أماليه وحسنه عن عون بن عبد الله بن عتبة مرسلا * مامن مسلم يخرج من بيته يريد سفرا أو غيره

---

الله عليه وسلم اذا تبعتم جنازة فلا تجلسوا حتى توضع * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم حدثنا ابن مبارك عن اسامة عن محمد بن يحيى بن حبان عن عمه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني نهيتكم عن زيارة القبور فزوروها فان فيها عبرة ونهيتكم عن النبيذ فاشربوا ولا تحل مسكرا ونهيتكم عن الاضاحي فكلوا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الاسود بن عامر قال أنا أبو اسرائيل عن عطية عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رمى أو ضرب أحدكم فليجتنب وجه أخيه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر قال أنا أبو اسرائيل عن عطية عن أبي سعيد الخدري رفعه قال ان الرجل ليتكلم بالكلمة لا يريد بها ما سا الا ليضحك بها القوم فانه ليقع منها أبعد من السماء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا حرة ثنا أبو اسحق عن الاغر ابي مسلم عن أبي هريرة وأبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال فينادي مع ذلك ان لكم ان تحيوا فلا تموتوا أبدا وان لكم أن تصحوا فلا تسقموا أبدا وان لكم أن تشبوا فلا تهرموا أبدا وان لكم أن تنعموا فلا تبأسوا أبدا قال ينادون بهؤلاء الاربع * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن يزيد المقرى ثنا حيوة وابن لهيعة قالا أنبأنا سالم بن غيلان التجيبي انه سمع أبا دراج أبا السمح يقول انه سمع أبا الهيثم يقول انه سمع أبا سعيد الخدري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أعوذ بالله من الكفر والدين فقال رجل يا رسول الله أيعدل الدين بالكفر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا سعيد بن أبي أيوب قال سمعت أبا السمح يقول سمعت أبا الهيثم يقول سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يسلط على الكافر في حفرته تسعة وتسعون تنينا تلدغه حتى تقوم الساعة فلو أن تنينا منها نفخ في الارض ما أنبتت خضراء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن قال ثنا سعيد بن أبي أيوب ثنا عبد الله بن الوليد عن أبي سليمان الليثي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال مثل المؤمن كمثل الفرس على أخيته يجول ثم يرجع الى أخيته وان المؤمن يسهو ثم يرجع الى الايمان * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن حدثنا اسمعيل حدثني سليمان بن أبي ذئب عن يزيد بن محمد القرشي عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لا يصيب المؤمن هم ولا حزن ولا نصب ولا وصب ولا أذى الا كفر عنه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا حيوة أخبرنا سالم بن غيلان ان الوليد بن قيس التجيبي أخبره انه سمع أبا سعيد الخدري أو عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تصحب الا مؤمنا ولا يأكل طعامك الا تقي * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا حيوة أخبرني سالم بن غيلان انه سمع دراجا أبا السمح يحدث عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري أنه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله اذا رضي عن العبد الثنى عليه سبعة أصناف من الخير لم يعمله واذا سخط على العبد اثنى عليه سبعة أصناف من الشر لم يعمله * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث حدثني أبي ثنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد وجابر قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون في آخر الزمان خليفة يقسم المال ولا يعده * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا حيوة أخبرني بشير بن أبي عمرو قال لولا اني أن الوليد بن قيس حدثنه انه سمع أبا سعيد الخدري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يكون خلف من بعد ستين سنة أضاعوا الصلاة واتبعوا الشهوات

فقال حسبي بخير بسم الله آمنت بالله اعتصمت بالله توكلت على الله لا حول ولا قوة الا بالله رزقني خير ذلك المخرج وصرف عنه شر ذلك المخرج (حم) وابن صصرى في أماليه عن عثمان * ما استخلف العبد في أهله من خليفة اذا هو شد عليه ثياب سفره خيرا من أربع ركعات يضعهن في بيته ويقرأ في كل واحدة منهن بفاتحة الكتاب وقل هو الله أحد ثم يقول اللهم اني أتقرب بهن اليك فاجعلهن خليفتي في أهلي ومالي فهن خليفته في أهله وماله وداره ودوره حوله حتى يرجع الى أهله (طس) في تاريخه * والخرائطي في مكارم الاخلاق (٣٩) عن أنس * اللهم أنت الصاحب في السفر والخليفة في الاهل اللهم اصحبنا بصحبة واقلبنا بذمة اللهم ارزقني قفل الارض وهون علينا السفر اللهم اني أعوذ بك من وعثاء السفر وكآبة المنقلب اللهم أنت أزلها الارض وسيرنا فيها (ك) عن أبي هريرة * ما من رجل يقول اذا ركب السفينة بسم الله الملك الرحمن مجراها ومرساها ان ربي لغفور رحيم وما قدروا الله حق قدره الآية الا أعطاه الله أمانا من الغرق حتى يخرج منها أبو الشيخ عن ابن عباس * يا خفاف ابتغ الرفيق قبل الطريق فان عرض لك أمر نصر لي وان احتجت اليه رفدك (خط) في الجامع عن خفاف بن ندبة * من سافر من دار اقامة يوم الجمعة دعت عليه الملائكة لا يصحب في سفره ولا يعان على حاجته ابن النجار عن ابن عمر * اذا أعيا أحدكم فليهرول فانه يذهب بالعيا الديلمي عن ابن عمر * عليكم بالسلان (ع) وابن خزيمة (حب لك هق) وأبو نعيم في الطب (ص) عن جابر شكى ناس الى رسول الله صلى الله عليه

---

فسوف يلقون غيا ثم يكون خلف يقرؤن القرآن لا يعدو تراقيهم ويقرأ القرآن ثلاثة مؤمن ومنافق وفاجر قال بشير فقلت لأوليدها هؤلاء الثلاثة فقال المنافق كافر به والفاجر يتأكل به والمؤمن يؤمن به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا أبو اسرائيل عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال وجد رسول الله صلى الله عليه وسلم فتيلا بين قريتين فابتدر رسول الله صلى الله عليه وسلم فذرع ما بينهما فقال وكاني أنظر الى شبر رسول الله صلى الله عليه وسلم قال القاه على أقربهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب ثنا أبي قال سمعت يونس عن الزهري عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما بعث من نبي ولا استخلف من خليفة الا كانت له بطانتان بطانة تأمره بالخير وتحضه عليه وبطانة تأمره بالشر وتحضه عليه والمعصوم من عصم الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبيدة حدثنا يونس بن أبي اسحق عن أبي الوداك جبر بن نوف عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ذكاة الجنين ذكاة أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبيدة ثنا همام بن يحيى عن زيد بن أسلم عن عطاء ابن يسار عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تكتبوا عني شيأ الا القرآن فمن كتب عني شيأ فليمحه وقال حدثوا عني ومن كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا مبارك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لتزعمون ان قرابتي لا تنفع قومي والله ان رحمي موصولة في الدنيا والآخرة اذا كان يوم القيامة يرفع لي قوم بأعمالهم ذات اليسار فيقول الرجل يا محمدا نا فلان من فلان ويقول الآخر أنا فلان بن فلان فاقول اما النسب فقد عرفت ولكنكم أحدثتم بعدي وارتددتم على أعقابكم القهقرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان عن خراش عن عطية عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الخيل معقود بنواصيها الخير الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال اذا تطاهر الرجلي فاحسن الطهور ثم أتى الجمعة فلم يلغ ولم يجهل حتى ينصرف الامام كانت كفارة لما بينها وبين الجمعة وفي الجمعة ساعة لا يوافقها رجل مؤمن يسأل الله شيأ الا أعطاه اياه والمكتوبات كفارات لما بينهن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا اسرائيل عن جابر عن عامر عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا صلاة بعد الفجر حتى تطلع الشمس ولا بعد العصر حتى تغرب الشمس ولا صيام يوم الفطر ولا يوم الاضحى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم قال ثنا شعبة عن عمرو بن دينار عن سليمان اليشكري عن أبي سعيد الخدري انه قال في الوهم يتوخى قال له رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم قال فيما علمت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال من كذب علي متعمدا فان له بيتا في النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام قال ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يرفع للغادر لواء بقدره يوم القيامة فيقال هذا لواء غدرة فلان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان عن خراش عن عطية ان أبا سعيد حدثه عن نبي الله صلى الله عليه وسلم انه قال من حرثوا به من الخلاء لم ينظر الله اليه يوم القيامة قال وحدثني بهذا ابن عمر

---

وسلم المشي قال فذكره * لا تصحب الملائكة رفقة فيها جرس ولا بيتا فيها خرس (كر) عن أنس * مروهم بهذه الاجراس فلتقطع الخطيب عن مايره * اذا كانوا ثلاثة فأمروا أحدهم وتوكلوا على الله وتألفوا (خط) في المتفق والمفترق عن أبي الكنود يزيد بن عامر التغلبي * لوان أحدكم أراد سفرا فأوزل منزلا فوضع متاعه خط حوله خطا ثم قال اللهم اني لا شريك له حفظا متاعه أبو الشيخ عن عثمان * من هبط منكم الى هذه القرية فلا يرحل عن الى أهله حتى يركع ركعتين في هذا المسجد ثم يرجع الى أهله (طب) عن مسلم بن أسلم بن بحينة * ما منع أحدكم اذا عرس

الاجابة من نفسه فشفي من مرض أو قدم من سفر أن يقول الحمد لله الذي بنعمته تتم الصالحات (ك) عن عائشة * آيبون عابدون لربنا حامدون (حم خ م ن) عن أنس (ط حم) عن أبي عاصم والمحاملي في الدعاء (ص) عن جابر (ت ن ع حب ص) عن الربيع بن البراء بن عازب عن أبيه * (الافعال) * عن مكحول ان رجلا أتى عمر بن الخطاب وقد ابيض نصف رأسه ونصف لحيته فقال له عمر ما بال شق مررت بقبيلة بني فلان ليلا فاذا رجل يطلب رجلا بسوط (٤٠) من نار كلما لحقه ضربه فاشتعل ما بين فرقه وقدميه نارا فلما دنا الرجل قال يا عبد الله أغثني فقال

أيضا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ينار رجل يمشي بين بردين يختال اخسف الله به الارض فهو يتجلجل فيها الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا معاوية بن هشام حدثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم انه قال يخرج عنق من النار يتكلم يقول وكلت اليوم بثلاثة بكل جبار وبمن جعل مع الله الها آخر وبمن قتل نفسا فتحتبر نفسه فيطوى عليهم فيقذفهم في غمرات جهنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا زكريا بن عدي قال أنبأ عبيد الله بن عمرو عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يفطر يوما نفطر قبل ان يخرج وكان لا يصلي قبل الصلاة فاذا قضى صلاته صلى ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا النضر بن اسمعيل أبو المغيرة القاص ثنا الاعمش عن عطية عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ينار رجل فيمن كان قبلكم خرج في بردين أخضرين يختال فيهما أمر الله الارض فاخذته وانه ليتجلجل فيها الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم انه قال من يرائي يرائي الله به ومن يسمع يسمع الله به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال لا تحل الصدقة لغني الا أن يكون له جار فقير فيدعوه فيأكل معه أو يكون ابن سبيل أو في سبيل الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن نبي الله صلى الله عليه وسلم انه قال لخلوف فم الصائم أطيب عند الله من فيح المسك قال صام هذا من أجلي وترك شهوته من الطعام والشراب من أجلي فالصوم لي وانا أجزي به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد قال قال نبي الله صلى الله عليه وسلم يقال لصاحب القرآن يوم القيامة اذا دخل الجنة اقرأ واصعد فيقرأ ويصعد بكل آية درجة حتى يقرأ آخر شيء معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من تقرب الى الله شبرا تقرب الله اليه ذراعا ومن تقرب اليه ذراعا تقرب اليه باعا ومن أتاه يمشي أتاه الله هرولة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا شيبان عن فراس عن عطية عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان من لا يرحم الناس لا يرحمه الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عاصم عن حيوة بن شريح ثنا سالم بن غيلان انه سمع أبا السمح دراجا يقول سمعت أبا الهيثم يقول سمعت أبا سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا رضي الله عن العبد أثنى عليه سبعة أصناف من الخير لم يعملها واذا سخط عليه أثنى عليه سبعة أصناف من الشر لم يعملها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمرو ثنا المستمر بن الريان ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان في بني اسرائيل امرأة قصيرة فصنعت رجلين من خشب فكانت تسير بين امرأتين قصيرتين واتخذت خاتما من ذهب وحشت تحت فصه أطيب الطيب المسك فكانت اذا مرت بالمجلس حركته فتفوح ريحه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا ورقاء قال سمعت عمرو بن يحيى المازني يحدث عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال جاء يهودي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قد ضرب في وجهه فقال له ضربني رجل من أصحابك فقال له النبي صلى الله عليه وسلم لم فعلت قال يا رسول الله

الطالب يا عبد الله لا تغثه فجلس عبد الله هو فقال عمر فلذلك كره لكم نبيكم صلى الله عليه وسلم أن يسافر أحدكم وحده هشام بن عمار في مبعث النبي صلى الله عليه وسلم * عن ابن عمر قال ان الجمعة لا تمنعه من السفر ما لم يحضر وقتها (عب ش) عن ابن عمر ان عمر غزوة فلما جاء الحرف قال يا أيها الناس لا تطرقوا النساء ولا تغتروهن ثم بعث راكبا الى المدينة يخبرهم ان الناس يدخلون بالغداة (عب ش) * عن عبد الله بن سرجس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا سافر قال اللهم بلغنا بلاغ خير ومغفرة (حل) * عن ابن المسيب قال لما نزل رسول الله صلى الله عليه وسلم بالمعرس أمر مناديا فنادى لا تطرقوا النساء فتجيء رجلان فكلاهما وجد مع امرأته رجلا فذكر ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال قد نهيتكم أن تطرقوا النساء (عب) * عن ابراهيم قال كان أحدهم اذا سافر قال اللهم أبلغ بلاغا يبلغ خيرا منك ورضوانا بيدك الخير انك على كل شيء قدير اللهم أنت الصاحب في السفر وأنت الخليفة في الاهل هون علينا * * فضل السفر واطو لنا الارض اللهم انا نعوذ بك من وعثاء السفر وكآبة المنقلب ابن جرير * عن ابراهيم قال كانوا اذا نزلوا في منزل لم يرتحلوا حتى يصلوا الظهر وان عجلوا (ص) * عن ابراهيم قال كان يقال اذا صليت في سفر فشككت ازالت الشمس أم لم تزل فصل قبل أن ترتحل (ص) عن مكحول ما أراد عبد سفرا فقال هؤلاء الكلمات الا كلأه الله وكفاه ووقاه اللهم لا شيء الا أنت ولا شيء الا ما شئت ولا حول ولا قوة الا بك

لن نعيدنا الا ما كتب الله لنا هو مولانا وعلى الله فليتوكل المؤمنون حسبي الله لا اله الا هو الله هم فاطر السموات والارض أنت ولي في الدنيا والآخرة توفني مسلما وألحقني بالصالحين وان حرر * عن عائشة قالت خمس لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يدعهن في سفر ولا حضر الوتر والمكحلة والمشط والمدري والسواك ابن النجار * عن عائشة قالت كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا أراد سفرا توضأ فأسبغ الوضوء ثم صلى ركعتين هـ يقول في مجلسه مستقبل القبلة الحمد لله الذي خلقني ولم أك شيأ رب أعني (٤٤١) على أهوال الدنيا وبوائق الدهر وكربات الآخرة ومصيبات الليالي والايام رب في سفري فاحفظني في أهلي فاخلفني وفيما رزقتني فبارك لي في ذلك الديلمي * عن أبي رابطة بن كرامة الخزاعي قال كنا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لقوم سفر لا يصحبكم جلال من هذه النعم في الشوال ولا يضمن أحدكم ضالة ولا يردن سائلا ان كنتم تريدون الربح والسلامة ولا يصحبكم من الناس ان كنتم تؤمنون بالله واليوم الآخر ساحر ولا ساحرة ولا كاهن ولا كاهنة ولا منجم ولا منجمة ولا شاعر ولا شاعرة وان كل عذاب يريد الله أن يعذب به أحدا من عباده فانما يبعث به الى السماء الدنيا فانهم اكم عن معصية الله عثيا الدولابي في الكنى وابن منده (طب كر) وهو ضعيف * عن أبي الدرداء قال اذكروا الله في أسفاركم عند كل حجرة وشجرة لعلها أن تأتي يوم القيامة فتشهد لكم ابن شاهين في الترغيب في

فضل موسى عليه السلام فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا تفضلوا بعض الانبياء على بعض فان الناس يصعقون يوم القيامة فأكون أول من يرفع رأسه من التراب فأجد موسى عليه السلام عند العرش لا أدري أكان فيمن صعق أم لا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا أبان عن يحيى عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجبان والبخيل فقوموا والقوا من اتبعهما فانه يجد حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن عمرو عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان ابليس قال لربه عز وجل وعزتك وجلالك لا أبرح أغوي بني آدم ما دامت الارواح فيهم فقال له ربه عز وجل فبعزتي وجلالي لا أبرح أغفر لهم ما استغفروني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن يحنس مولى مصعب بن الزبير عن أبي سعيد الخدري قال بينا نحن نسير مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ما مر ج اذ عرض شاعر ينشد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم خذوا الشيطان وأمسكوا الشيطان لأن يمتلئ جوف الرجل قيحا خير له من أن يمتلئ شعرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن ابن عجلان عن صيفي عن أبي سعيد مولى الانصار عن أبي السائب أنه قال أتيت أبا سعيد الخدري في بيتنا أنا جالس عنده اذ سمعت تحت سريره تحريك شيء فنظرت فاذا حية فقمت فقال أبو سعيد مالك قلت حية ههنا فقال فتريد ماذا قلت أريد قتلها فأشار لي الى بيت في داره تلقاء بيته فقال ان ابن عم لي كان في هذا البيت فلما كان يوم الاحزاب استأذن رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أهله وكان حديث عهد بعرس فأذن له وأمره أن يذهب بسلاحه معه فأتى داره فوجد امرأته قائمة على باب البيت فأشار اليها بالرمح فقالت لا تعجل حتى تنظر ما أخرجني فدخل البيت فاذا حية منكرة فطعنها بالرمح ثم خرج بها في الرمح تتكصكص قال لا أدري أيهما كان أسرع موتا الرجل أم الحية فأتى قومه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا ادع الله أن يرد صاحبنا قال استغفروا لصاحبكم مرتين ثم قال ان نفرا من الجن أسلموا فاذا رأيتم أحدا منهم فحذروه ثلاث مرات ثم ان بدا لكم بعد أن تقتلوه فاقتلوه بعد الثالثة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال حدثني كثير بن زيد الليثي قال حدثني ربيح بن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه عن جده مقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا وضوء لمن لم يذكر اسم الله عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا كثير بن زيد عن ربيح بن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه عن جده قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا وضوء لمن لم يذكر اسم الله عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يونس وحجاج قالا ثنا ليث قال حدثني سعيد بن أبي سعيد عن أبيه انه سمع أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا وضعت الجنازة واحتملها الرجال على أعناقهم فان كانت صالحة قالت قدموني وان كانت غير صالحة قالت يا ويلها أين تذهبون بها يسمع صوتها كل شيء الا الانسان ولو سمعها الانسان لصعق قال حجاج لصعق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن محمد ثنا عباد بن عباد ثنا بثمر بن حرب عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أتي بضب فقلبه بعود كان في يده فظهر ليطنه فقال تاه سبط من بني اسرائيل فان يكن فهو هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا ليث عن يزيد بن أبي حبيب عن أبي الخير عن أبي الخطاب عن أبي سعيد الخدري انه قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم عام تبوك خطب الناس وهو مسند ظهره الى نخلة فقال ألا أخبركم بخير الناس وشر الناس ان من خير الناس رجلا عمل في سبيل الله



الذكر * عن أبي ثعلبة الخشني قال كان الناس اذا نزلوا مع النبي صلى الله عليه وسلم تفرقوا في الشعاب والاودية فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان تفرقكم في هذه الاودية من الشيطان فلم ينزلوا بعد ذلك منزلا الا انضم بعضهم الى بعض حتى لو بسط عليهم ثوب لوسعهم (كر) * عن عبد الله بن أبي بكر بن محمد بن عمرو بن حزم عن محمد بن أسلم بن بجرة الحارثي الخزرجي وكان شيخا كبيرا قد حدث نفسه قال ان كان ليدخل المدينة فيقضي حاجته بالسوق ثم يرجع الى أهله فاذا وضع رداءه ذكر انه لم

اصل فى مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم فيقول والله ماصليت فى مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعتين فانه قد قال لنا من هبط منهم لهذه القرية فلا يرجعن الى أهله حتى يركع فى هذا المسجد ركعتين ثم ياخذ زاده فيرجع الى المدينة حتى يركع فى مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعتين الحسن بن سفيان وأبو نعيم فى المعرفة * عن كعب بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم كان لا يقدم من سفره الا نهارا فى الضحى فاذا قدم بدأ بالمسجد فصلى فيه ركعتين ثم (٤٢) يقعد فيه (ش) وابن جرير * عن ابن عمر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا استوى على بعيره خارجا الى سفره كبر ثلاثا ثم قال سبحان الذى سخر لنا هذا وما كنا له مقرنين وانا الى ربنا لمنقلبون اللهم انا نسألك فى سفرنا هذا البر والتقوى والعمل بما تحب وترضى وفى لفظ ومن العمل ما ترضى اللهم هون علينا السفر واطو عنا بعده اللهم أنت الصاحب فى السفر والخليفة فى الاهل اللهم انى أعوذ بك من وعثاء السفر وكآبة المنقلب وسوء المنظر فى الاهل والمال واذا رجع قالها وزاد آيبون تائبون لربنا حامدون ابن جرير * عن ابن عمر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا غزا أو سافر فادركه الليل قال يا أرض ربى وربك الله أعوذ بالله من شرك وشر ما فيك وشر ما خلق فيك وشر ما يدب عليك أعوذ بالله من كل أسد وأسود وحية وعقرب ومن ساكن البلد ومن شر والد وما ولد ابن النجار * عن ابن عباس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد أن يخرج الى سفر قال اللهم أنت الصاحب فى السفر والخليفة فى الاهل اللهم انى أعوذ بك من وعثاء السفر وكآبة المنقلب اللهم اقبض لنا الارض وهون علينا السفر فاذا أراد الرجوع قال آيبون تائبون لربنا حامدون واذا دخل بيته قال توبا لربنا أوبا لا يغادر حوبا وفى لفظ فاذا كان يدخل بيته قال توبا الى ربنا لا يغادر علينا حوبا ابن جرير * عن عبد الله بن سرجس قال كان النبى صلى الله عليه وسلم اذا أراد سفرا قال اللهم أنت الصاحب فى السفر والخليفة فى الاهل اللهم انى أعوذ بك من وعثاء السفر وكآبة المنقلب والحور بعد الكور ودعوة المظلوم وسوء المنظر فى

---

على ظهر فرسه أو على ظهر بعيره أو على قدميه حتى يأتيه الموت وانت من شر الناس رجلا فاجرا يقرأ كتاب الله لا يرعوى الى شئ منه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد بن أبى حبيب عن أبى النضر ان أبا سعيد الخدرى كان يشتكى رجله فدخل عليه أخوه وقد جعل احدى رجليه على الاخرى وهو متمطلع فضربه بيده على رجله الوجعة فاوجعه فقال أوجعتنى أولم تعلم ان رجلى وجعة قال بلى قال فما حملك على ذلك قال أولم تسمع ان النبى صلى الله عليه وسلم قد نهى عن هذا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس ثنا حماد يعنى ابن زيد قال حدثنا بسر قال سمعت أبا سعيد الخدرى يقول أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بضب فقال قلبوه لظاهره فقلب لظاهره ثم قال اقلبوه لبطنه فقلب لبطنه فقال تاه سبط من غضب الله عليهم من بنى اسرائيل فان يك ذا فهو هذا فان يك ذا فهو هذا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد ثنا حفص يعنى اليمامى ثنا محمد بن ابراهيم عن محمد بن زيد عن شهر بن حوشب عن أبى سعيد قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن شراء ما فى بطون الانعام حتى تضع وما فى ضروعها الا بكيل وعن شراء العبد وهو آبق وعن شراء المغنم حتى تقسم وعن شراء الصدقات حتى تقبض وعن ضربة الغائص **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الاسود عن عمرو عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى ان يمشى الرجل فى نعل واحدة أو فى خف واحد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب أخبرنى عمرو وعن سعيد بن أبى سعيد الخدرى عن أبيه انه شكا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم حاجته فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اصبر أبا سعيد فان الفقر الى من يحبنى منكم أسرع من السيل على أعلى الوادى ومن أعلى الجبل الى أسفله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا شريح بن النعمان ثنا حماد عن الحجاج عن عطية بن سعد عن أبى سعيد الخدرى قال افتخر أهل الابل عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم السكينة السكينة الوقار فى أهل الغنم والفخر والخيلاء فى أهل الابل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن عمر أبو المنذر ثنا داود بن قيس الفراء ثنا عياض ابن عبد الله بن سعد بن أبى سرح عن أبى سعيد الخدرى قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج يوم العيد يوم الفطر صلى بالناس ثينك الركعتين ثم سلم وقام فاستقبل الناس وهم جلوس فقال تصدقوا ثلاث مرات فكان أكثر من يتصدق النساء بالقرط والخاتم والشئ فان كان لرسول الله صلى الله عليه وسلم حاجة ان يضرب على الناس بعث ذكره لهم والا انصرف **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أبى نضرة عن أبى سعيد ان النبى صلى الله عليه وسلم رخص فى توبة ثم ذكره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عارم ثنا سعيد بن زيد قال ثنا على بن الحكم قال حدثنا أبو نضرة عن أبى سعيد ورفعه الى النبى صلى الله عليه وسلم انه قال اذا أوهم الرجل فى صلاته فلم يدر ازاد أم نقص فليسجد سجدتين وهو جالس **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن الصباح ثنا اسمعيل بن زكريا عن سهيل عن سعيد بن عبد الرحمن ابن مكمل عن أيوب بن بشير الانصارى عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يكون لاحد ثلاث بنات أو ثلاث أخوات أو بنتان أو أختان فيتقى الله فيهن ويحسن اليهن الا دخل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير قال ثنا عبد الله بن عبد الله بن موهب قال حدثنى عمى يعنى عبيد الله بن عبد الرحمن بن موهب عن مولى لابى سعيد الخدرى قال بينما أنا مع أبى سعيد الخدرى مع

---

الاهل والمال ابن جرير * عن جابر قال كنا اذا صعدنا كبرنا واذا نزلنا سبحنا (كر) * عن أنس قال لم يرد رسول الله صلى الله عليه وسلم سفر فاقبل الا قال حين ينهض من جلوسه اللهم اليك انتشرت واليك توجهت وبك اعتصمت اللهم أنت ثقتي وأنت رجائي اللهم اكفني ما أهمني وما لا أهتم له وما أنت أعلم به اللهم زودني التقوى واغفر لي ذنبي ووجهني للخير أينما توجهت ثم يخرج ابن جرير * عن أنس قال ما دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم قرأ بي بحدر المدينة فكان على دابة الا حركها ولا بعيرا الا (٤٣) أوضعه تباشيرا بالمدينة ابن النجار * عن أنس كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا نزل منزلا لم يرتحل حتى يصلي الظهر وان كان نصف النهار (عب ش) * عن أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نزل منزلا لم يزل يسبح حتى يحل الرحال (عب) * عن حفص بن عبد الله بن أنس قال كنا نسافر مع أنس الى مكة فكان اذا زالت الشمس وهو في منزل لم يركب حتى يصلي الظهر فاذا راح حضرت العصر فما سار من منزله قبل أن تزول الشمس فحضرت الصلاة قلنا الصلاة فيقول سير واحتى اذا كان بين الصلاتين جمع بين الظهر والعصر ثم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا وصل فحوه بروحته صنع هكذا (ش) * عن علي قال لا تسافروا في المحاق ولا بنزول القمر في العقرب أبو علي الحسين بن محمد بن حبيش الدينوري في حديثه * عن عبد الله بن محمد بن عمر بن علي بن أبي طالب عن أبيه عن جده ان عليا كان اذا سافر سار بعد ما تغرب الشمس حتى يكاد أن تظلم ثم ينزل فيصلي المغرب ثم يدعو بعشائه فيتعشى ثم يصلي العشاء ثم يرتحل ثم يقول هكذا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصنع ابن جرير * عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد سفرا قال اللهم بك أصول وبك أحول وبك أسير (حم) وابن جرير وصححه * عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن عبد الله بن رواحة قال كنت في غزاة فحملت فانتهيت الى البيت واذا المصباح يتأجج واذا أنا بشيء أبيض فاخترطت سيفي ثم حركتها فانتبهت المرأة فقالت البك البك فلانة كانت عندي تمشطني فأثبت النبي

رسول الله صلى الله عليه وسلم أذ دخل المسجد فاذا رجل جالس في وسط المسجد محتبيا مشبكا أصابعه بعضها في بعض فاشار اليه رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم يفطن الرجل لاشارة رسول الله فلما علم الله عليه وسلم فالتفت رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أبي سعيد بمثال اذا كان أحدكم في المسجد فلا يشبكن فان التشبيك من الشيطان وان أحدكم لا يزال في صلاة ما دام في المسجد حتى يخرج منه حدثنا عبد الله حدثني فهيم ثنا يحيى ثنا أبو عوانة عن أبي أسحق عن الاغر أبي مسلم قال أشهد على أبي سعيد وأبي هريرة انهما شهدا على النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ان الله يمهل حتى اذا كان ثلث الليل هبط فيقول هل من سائل فيعطى هل من مستغفر من ذنب هل من داع فيستجاب له حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا أيوب بن جابر عن عبد الله بن عصمة الجحدري عن أبي سعيد الخدري قال صلى رجل خلف النبي صلى الله عليه وسلم فجعل يركع قبل ان يركع ويرفع قبل ان يرفع فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة قال من فعل هذا قال أنا يا رسول الله أحببت ان أعلم تعلم ذلك أم لا فقال اتقوا خداع الصلاة اذا ركع الامام فاركعوا واذا رفع فارفعوا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى وعفان قالا ثنا حماد وقال عفان أنا الحجاج عن عطية بن سعد عن أبي سعيد الخدري أنه قال سألت النبي صلى الله عليه وسلم أو سأله رجل فقال يا رسول الله ان الذئب قطع ذئب شاتي فاضحي بها قال نعم وقال عفان عن ذئب شاته فقطعها الذئب فقال اضحي بها قال نعم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل ابن صائد عن تربة الجنة فقال درمكة بيضاء مسك خالص قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى حدثنا حماد عن الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال صحبنا فنزلنا تحت شجرة وجاءنا ابن صائد فنزل في ناحيتها فقلت انا لنه ما صاحب هذا على قال فقال يا أبا سعيد ما ألقى من الناس وما يقولون لي يقولون اني الدجال أما سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الدجال لا يولد له ولا يدخل المدينة ولا مكة قال قلت بلى وقال قد ولد لي وقد خرجت من المدينة وأنا اريد مكة قال أبو سعيد فكأني رققت له فقال والله ان أعلم الناس بمكانه لانا قال قلت تبا لك سائر اليوم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال أنا مالك عن عبد الرحمن بن عبد الله عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوشك أن يكون خير مال المرء المسلم غنم يتبع بها شعف الجبال ومواقع القطر يفر بدينه من الفتن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا مالك عن عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة الانصاري عن أبيه عن أبي سعيد الخدري ان رجلا قال يا رسول الله ان لي جارا يقوم الليل ولا يقرأ الا قل هو الله أحد كأنه يقللها فقال النبي صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده انها لتعدل ثلث القرآن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق والخزاعي ثنا مالك عن عبد الرحمن بن عبد الله عن أبيه وقال الخزاعي بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة عن أبيه انه اخبره أن أبا سعيد الخدري قال له اني أراك تحب الغنم والبادية فاذا كنت في غنمك أو باديتك فأذنت بالصلاة فارفع صوتك بالنداء فانه لا يسمع صوت المؤذن ولا جن ولا انس ولا شيء الا شهد له يوم القيامة قال أبو سعيد سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق قال أخبرني مالك عن زيد ابن اسلم عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كان احدكم

صلى الله عليه وسلم فاخبرته فنهى أن يطرق الرجل أهله ليلا (كر) *عن جبير بن مطعم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا جبير أتحب اذا خرجت سفرا أن تكون من أفضل أصحابك وأكثرهم زادا اقرأ هذه السور الخمس قل يا أيها الكافرون واذا جاء نصر الله وقل هو الله أحد وقل أعوذ برب الفلق وقل أعوذ برب الناس وافتتح كل سورة ببسم الله الرحمن الرحيم واختم ببسم الله الرحمن الرحيم قال جبير وكنت غير كثير المال فما زلت أقرؤهن في سفري (د ٤) واقامتي حتى ما كان أحد من أصحابي مثلي أبو الشيخ وابن حبان في الثواب وفيه الحاكم بن عبد الله

ابن سعيد الايلي متهم *(الفصل الثالث في سفر المرأة) * لا تسافر المرأة مسيرة يوم بين الا ومعها زوجها أو ذو محرم منها ولا صوم في يومين الفطر والاضحى (خ) عن أبي سعيد * لا يحل لامرأة تؤمن بالله واليوم الآخر أن تسافر سفرا يكون ثلاثة أيام فصاعدا الا ومعها أبوها أو ابنها أو زوجها أو أخوها أو ذو محرم منها (حم م د ه) عن أبي سعيد * لا يحل لامرأة تؤمن بالله واليوم الآخر أن تسافر مسيرة يوم وليلة الا مع ذي محرم (حم م د ه) عن أبي هريرة * لا يحل لامرأة تؤمن بالله واليوم الآخر أن تسافر مسيرة يوم الا مع ذي محرم (حم م د ه) عن أبي هريرة * لا تسافر المرأة بريدا الا ومعها محرم يحرم عليها (د ك) عن أبي هريرة * لا تسافر المرأة الا مع ذي محرم ولا يدخل عليها رجل الا ومعها محرم (حم ق) عن ابن عباس * سفر المرأة مع عبدها ضيعة البزار (طس) عن ابن عمر *(الاكمال) * لا تسافر المرأة ثلاثة أميال الا مع زوج أو مع ذي محرم (طب) عن ابن عباس *(الكتاب الثاني من حرف السين كتاب السحر والعين والكهانة وفيه ثلاثة فصول الفصل الاول في السحر وبعض ما يتعالى برقية السحر سحي في باب الرقية من كتاب الطب ان شاء الله تعالى) *من عقد عقدة ثم نفث فيها فقد سحر ومن سحر فقد أشرك ومن تعلق شيأ وكل اليه (ن) عن أبي هريرة * يا عائشة أشعرت ان الله تبارك وتعالى أفتاني فيما استفتيته فيه جاءني رجلان فقعد أحدهما عند رأسي والآخر عند رجلي فقال الذي عند رأسي للذي عند رجلي ما وجع الرجل قال مطبوب قال من طبه

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا عبد الرحمن يعني ابن زيد عن أبيه عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من نسي الوتر أو نام عنها فليصلها اذا ذكرها أو اذا أصبح. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا عبد الرحمن بن زيد عن أبيه عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سمع الصوت أحدكم فلا يدع فاه فانه ريح فليرده ما استطاع فان أبى فليقل له فاها فاها وهو شيطان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا عبد الرحمن يعني ابن زيد عن أبيه عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من نسي الوتر أو نام عنها فليصلها اذا ذكرها أو اذا أصبح. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا عبد الرحمن بن زيد عن أبيه عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سمع الصوت أحدكم فلا يدع فاه فان الله وملائكته يصلون على المتسحرين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت العلاء بن عبد الرحمن يحدث عن أبيه قال سألت أبا سعيد الخدري عن الازار فقال على الخبير سقطت قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ازرة المسلم الى نصف الساق ولا حرج أو لا جناح فيما بينه وبين الكعبين فما كان أسفل من ذلك ففي النار من جر ازاره بطرا لم ينظر الله اليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة ثنا يزيد بن أبي زياد عن مجاهد عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال مرة أخرى احسبه عن أبي سعيد انه قال لا يدخل الجنة منان ولا عاق ولا مدمن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن ابي بشر عن ابي المتوكل عن أبي سعيد الخدري ان ناسا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أتوا على حي من احياء العرب فلم يقروهم فبينما هم كذلك اذ لدغ سيد أولئك فقالوا هل فيكم دواء أو راق فقالوا انكم لم تقرونا ولا نفعل حتى تجعلوا لنا جعلا فجعلوا لهم قطيعا من شاء قال فجعل يقرأ أم القرآن ويجمع بزاقه ويتفل فبرأ الرجل فأتوهم بالشاء فقالوا لا نأخذها حتى نسأل عنها رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألوا النبي صلى الله عليه وسلم عن ذلك فضحك وقال ما أدراك انها رقية خذوها واضربوا لي معكم بسهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن ابي بشر عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من استعف أعفه الله ومن استغنى أغناه الله ومن سألنا شيأ وجدناه أعطيناه اياه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة قال سمعت أبا حمزة يحدث عن هلال بن حصن قال نزلت على أبي سعيد الخدري فحدثني واياه الجلاس قال فحدث انه أصبح ذات يوم وقد عصب على بطنه حجرا من الجوع فقالت له امرأته او امه ائت النبي صلى الله عليه وسلم فاسأله فقد أتاه فلان فسأله فاعطاه وأتاه فلان فسأله فاعطاه فقال قلت حتى التمس شيأ قال فالتمست فاتيته قال حجاج فلم أجد شيأ فاتيته وهو يخطب فادركت من قوله وهو يقول من يستعف يعفه الله ومن يستغن يغنه الله ومن سألنا اما ان نبذل له واما ان نواسيه أبو حمزة الشاك ومن يستعف عنا أو يستغني أحب الينا من يسألنا فقال فرجعت فما سألته شيأ فما زال الله عز وجل يرزقنا حتى ما أعلم في الانصار اهل بيت أكثر أموالا منا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا شعبة قال أنبأني ابو حمزة قال سمعت هلال بن حصن أعابني قيس بن تعلبة قال أتيت المدينة فنزلت دار أبي سعيد وذكر الحديث حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي سلمة انه سمع أبا نضرة يحدث عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يمنعن رجلا منكم مخافة الناس أن يتكلم بالحق اذا رآه أو علمه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر حدثنا شعبة عن أبي سلمة انه سمع أبا نضرة يحدث عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد

قال لبيد بن الاعصم قال في أي شئ قال في مشط ومشاطة وجف طلعة ذكر قال فاين هو قال في بئر ذي أروان يا عائشة والله لكان ماءها نقاعة الحناء ولكان نخلها رؤس الشياطين (حم ق د ه) عن عائشة * لعن الله الزهرة فانها هي التي فتنت الملكين هاروت وماروت ابن راهويه وابن مردويه عن علي * حد الساحر ضربة بالسيف (ك له) عن جندب * (الاكمال) * من تعلم شيأ من السحر قليلا أو كثيرا كان آخر عهده من الله (عب) عن صفوان بن سليم مرسلا (عد) عن علي * خرج نبي الله داود ذات ليلة فقال (٤٥) لا يسأل الله أحد الا استجيب له الا أن يكون ساحرا أو عشارا (كر) عن عثمان بن أبي العاصي * (الافعال) * عن عمر قال اقتلوا كل ساحر وساحرة الشافعي (عب) وابن سعد (ش هق) * عن نافع ان جارية لحفصة سحرتها واعترفت بذلك فامرت بها عبد الرحمن بن زيد فقتلها فلما ذكر ذلك لعثمان فقال ابن عمر وما تنكر على أم المؤمنين من امرأة سحرت واعترفت فسكت عثمان (عب) ورسته في الايمان (هق) * عن ابن المسيب ان عمر بن الخطاب أخذ ساحرا فدفقه الى صدره ثم تركه حتى مات (عب)

* (الفصل الثاني في العين وبعض ما يتعلق برقية العين سيجيء في باب الرقية في كتاب الطب ان شاء الله تعالى) * العين حق تستنزل الحالق (حم طب ك) عن ابن عباس * العين حق ولو كان شئ سابق القدر سبقته العين واذا استغسلتم فاغسلوا (حم م) عن ابن عباس * العين حق يحضرها الشيطان وحسد ابن آدم الكحيي في سننه عن أبي هريرة * العين تدخل الرجل القبر وتدخل الجمل القدر (عد حل) عن جابر (عد) عن أبي ذر * استعيذوا بالله من العين فان العين حق (ه ك) عن عائشة * أكثر من يموت من أمتي بعد قضاء الله وقدره بالعين (نج) والحكيم والبزار والضياء عن أبي هريرة العجزي في الابانة عن عبد الله بن أبي أوفى (حم) في الزهد عن سلمان موقوفا * ان العين لتولع بالرجل باذن الله تعالى حتى يصعد حالقا ثم يتردى منه (حم ع) عن أبي ذر * نصف ما يحفر لامتي من القبور من العين * (طب) عن أسماء بنت عميس * علام يقتل أحدكم أخاه اذا رأى أحدكم من أخيه ما يعجبه فليدع له بالبركة (ن)

---

ابن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ليس فيما دون خمس من الذود صدقة ولا في خمسة أواق صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سهيل بن أبي صالح عن صفوان عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من صام يوما في سبيل الله باعد الله وجهه من جهنم مسيرة سبعين عاما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وهاشم بن القاسم قالا ثنا شعبة عن سليمان عن ذكوان عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يبغض الانصار رجل يؤمن بالله واليوم الآخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن جعفر ثنا سعيد عن سليمان عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري ان رجلا دخل المسجد وقد صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم بأصحابه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من يتصدق على هذا فيصلي معه فقام رجل من القوم فصلى معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد وعبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن قزعة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انما تشد الرحال الى ثلاثة مساجد مسجد ابراهيم ومسجد محمد صلى الله عليه وسلم وبيت المقدس قال ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صلاة في ساعتين بعد الغداة وقال عبد الوهاب بعد الفجر حتى تطلع الشمس وبعد العصر حتى تغيب الشمس ونهى عن صيام يومين الفطر والنحر ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تسافر المرأة فوق ثلاثة أيام أو ثلاث ليال الا مع ذي محرم قال عبد العزيز في حديثه قزعة مولى زياد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر انا هشام بن أبي عبد الله عن قتادة عن قزعة انه قال من صلاة بعد صلاة الصبح حتى تشرق الشمس ولم يشك ثلاث ليال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وروح قالا ثنا سعيد وعبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أبي عيسى قال عبد الوهاب في حديثه عن أبي عيسى الحارثي عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يشرب الرجل قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتي بتمر ريان وكان تمر نبي الله صلى الله عليه وسلم تمرا بعلا فيه بيس فقال أنى لكم هذا التمر فقالوا هذا تمر اتبعناه صاعا بصاعين من تمرنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا يصلح ذلك ولكن بع تمرك ثم ابتع حاجتك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لثنتي عشرة ليلة بقيت من رمضان نخرجه الى حنين فصام طوائف من الناس وأفطر آخرون فلم يعب الصائم على المفطر ولا المفطر على الصائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر غندر قال ثنا ابن أبي ليلى عن عطية عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال في الجنين ذكاته ذكاة أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام عن قتادة قال عفان ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال أمرنا نبينا صلى الله عليه وسلم ان نقرأ بفاتحة الكتاب وما تيسر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال تكون أمتي فرقتين يخرج بينهما مارقة يلي قتلها أولاهما بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام أنا قتادة عن قزعة عن أبي سعيد أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجد الحرام ومسجدي ومسجد بيت المقدس ولا تسافر المرأة فوق ثلاث ليال الا مع زوج أو ذي محرم ولا

عن أبي امامة بن سهل بن حنيف * اذا رأى أحدكم من نفسه أو ماله أو من أخيه ما يعجبه فليدع له بالبركة فان العين حق (ع طب لك)
عن عامر بن ربيعة * في كتاب الله تعالى ثمان آيات للعين الفاتحة وآية الكرسي (فر) عن عمران بن حصين * من رأى شيأ يعجبه فقال ماشاء
الله لا قوة الا بالله لم تضره العين ابن السني عن أنس * (الا كمال) * ما أنعم الله على عبد نعمة في أهل ومال وولد فاعجبه فقال اذا رأى ذلك ماشاء
الله لا قوة الا بالله الا دفع الله عنه كل آفة (٤٦) حتى تأتيه منيته ابن صصري في أماليه وحسنه عن أنس * علام يقتل أحدكم أخاه الا

صلاة بعد صلاة الصبح حتى تغرب الشمس ولا صلاة بعد صلاة العصر حتى تظلم الشمس ونهى عن صوم يوم
الفطر ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا شعبة عن أبي التياح عن أبي الوداك قال
لا أشرب نبيذا بعد ما سمعت ثنا سعيد الخدري قال جيء برجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فالوا الله
نشد وان فقال انما شاعر يتثر بيده وتكسر افي دباءة قال فعلق بالنعال ونهز بالايدي ونهى عن الدباء والزبيب
والتمر ان يخلطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج وأبو النضر قالا ثنا شريك عن عبد الله بن
عاصم أبي علوان قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحل لاحد يؤمن بالله
واليوم الآخر ان يحتل صرارناقة بغير اذن أهلها فانه حاتهم عليها فاذا كنتم بقفر فرأيتم الوطب أو الراوية
أو السقاء من اللبن فنادوا أصحاب الابل ثلاثا فان سقاكم فاشربوا والا فلاوان كنتم مرملين قال أبو النضر ولم
يكن معكم طعام فليسكم رجلان منكم ثم اشربوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا شعبة ومحمد
ابن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار عن سليمان اليشكري عن أبي سعيد الخدري انه قال في الوهم
يتوضى فقال له رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم قال فيما أعلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج عن ابن
جريج قال أخبرني ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم
نهى عن اشتمال الصماء وان يحتبي الرجل في ثوب واحد ليس على فرجه منه شيء **حدثنا** عبد الله
حدثني أبي ثنا يونس وهاشم قالا ثنا ليث قال هاشم قال حدثني ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة
عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن اشتمال الصماء وأن يحتبي الرجل
في ثوب واحد ليس على فرجه منه شيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا الجريري
عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم على نهر من السماء والناس صيام في
يوم صائف مشاة ونبي الله على بغلة له فقال اشربوا أيها الناس قال فالوا قال انى لست مثلكم اني أبيت
اني راكب فالوا قال فأبى رسول الله صلى الله عليه وسلم فجذ فنزل فشرب وشرب الناس وما كان يريد
أن يشرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا يزيد عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد
الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال حدثوا عني ولا تكذبوا علي ومن كذب علي متعمدا فقد تبوأ
مقعده من النار وحدثوا عن بني اسرائيل ولا حرج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام
حدثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ضل سبطان من بني
اسرائيل فارهب أن تكون الضباب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا المستمر بن الريان الايادي
ثنا أبو نضرة العبدي عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر الدنيا فقال ان الدنيا خضرة
حلوة فاتقوها واتقوا النساء ثم ذكر نسوة ثلاثا من بني اسرائيل امرأتين طويلتين تعرفان وامرأة قصيرة
لا تعرف فاتخذت رجلين من خشب وصنعت خاتما فحشته من أطيب الطيب المسك وجعلت له غلقا فاذا مرت
بالملأ أو بالمجلس قالت به ففتحته فشاح ريحه قال المستمر بخنصره اليسرى فاشخصها دون أصابعه الثلاث شيأ
وقبض الثلاثة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا المستمر ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد قال قال
رسول الله صلى الله عليه وسلم لكل غادر لواء يوم القيامة يرفع له بقدر غدرته ألا ولا غادر أعظم من غدرة أمير
عامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا المستمر ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال

ير كت ان العين حق توضأ
له وفي لفظ اغتسل له اذا رأى
أحدكم شيأ يعجبه فليبرك
ماله (ط حم حب لك
طب ص) عن أبي امامة بن
سهل بن حنيف عن أبيه
* العين والنفس كلاهما
يسبقان لقدر فتعوذوا بالله
من النفس والعين الديلمي
عن عبد الله بن جراد * هاتوا
ابي حتى أعوذه مما بي
عوذه ابراهيم ابنيه اسمعيل
واسحق أعيذ كما بكلمات
الله التامة من كل شيطان
وهامة ومن عين لامة ابن
سعد عن ابن عباس ابن
سعد (طب) وابن عساكر
عن ابن مسعود * ألا
تسترقون له من العين
(طب) عن أم سلمة * بها
نقارة فاسترقوا لها رك) عن
عائشة * علام يقتل
أحدكم أخاه وهو عن قتله
غني ان العين حق من رأى
من أحدكم شيأ يعجبه أو من
ماله فليبرك عليه فان العين
حق ابن قانع عن سهل بن
حنيف عن أبيه (الافعال)
عن رافع بن خديج * قال
دخلت يوما على رسول الله
صلى الله عليه وسلم وعنده
قدر تفور فلما فاجبتني
شحمة فاخذتها فأردتها فاشتكيت سنة ثم أني ذكرتها لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال انه كان فيها نفس
سبعة أناسي ثم مسح بطني فالقيتها خضراء فوالذي بعثه بالحق ما اشتكيت بعدي حتى الساعة (طب) * عن أبي أمامة بن سهل بن حنيف قال مر
عامر بن ربيعة بسهل بن حنيف وهو يغتسل فقال لم أر كاليوم ولا جلد مخبأة فما لبث ان لبط به فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فقيل له أدرك سهلا
صريعا فقال من تتهمون فقالوا عامر بن ربيعة قال علام يقتل أحدكم أخاه اذا رأى أحدكم من أخيه أمرا يعجبه فليدع بالبركة ثم أمره فغسل

في جهة يديه ومن فقيه وركبتيه وداخل ازاره فرش عليه (ن) وأبو نعيم * (الفصل الثالث في الكهانة والعرافة) * ان بلج درجات العلى من تكهن أو استقسم أو رجع من سفر تطيرا (طب) عن أبي الدرداء * اذا قضى الله تبارك وتعالى الامر في السماء ضربت الملائكة باجنحتها خضعانا لقوله كأنه سلسلة على صفوان فاذا فزع عن قلوبهم قالوا ماذا قال ربكم قالوا الحق وهو العلي الكبير فسمعها مسترقو السمع ومسترقو السمع هكذا واحد فوق آخر فربما أدرك الشهاب المستمع قبل أن يرميها الى صاحبه فيحرقه (٤٧) وربما لم يدركه حتى يرميها الى الذي يليه الى الذي هو أسفل منه حتى يلقوها الى الارض فتلقى على فم الساحر فيكذب معها مائة كذبة فيصدق فيقولون ألم يخبرنا يوم كذا وكذا يكون كذا وكذا فوجدناه حقا للكلمة التي سمعت من السماء (خ ت) عن أبي هريرة * ان الملائكة تنزل في العنان فتذكر الامر قضي في السماء فتسترق الشياطين السمع فتسمع فتوحيه الى الكهان فيكذبون معها مائة كذبة من عند أنفسهم (خ) عن عائشة * انها لا ترحمهما الموت أحدا ولا لحياته ولكن ربنا تبارك وتعالى اذا قضى أمرا سبح حملة العرش ثم سبح أهل السماء الذين يلونهم حتى يبلغ التسبيح أهل هذه السماء الدنيا ثم قال الذين يلون حملة العرش لحملة العرش ماذا قال ربكم فيخبرونهم ماذا قال فيستخبر بعض أهل السموات بعضا حتى يبلغ الخبر أهل هذه السماء الدنيا فيخطف الجن السمع فيقذفونه الى أوليائهم ويرمون فما جاؤا به على وجهه فهو حق ولكنهم يقترفون فيه ويزيدون (حم ن) عن ابن عباس (م ت) عنه عن رجل من الانصار * من أتى كاهنا فصدقه بما يقول فقد برئ مما أنزل الله على محمد صلى الله عليه وسلم (حم ٤) عن أبي هريرة * من أتى كاهنا فسأله عن شئ حجبت عنه التوبة أربعين ليلة فان صدقه بما قال كفر (طب) عن وائلة * لا تأتوا الكهان (طب) عن معاوية * من أتى عرافا أو كاهنا فصدقه بما يقول فقد كفر بما أنزل على محمد صلى الله عليه وسلم (حم ك) عن أبي هريرة * من أتى عرافا فسأله عن شئ لم يقبل له صلاة أربعين ليلة (حم م) عن بعض أمهات المؤمنين * (الاكل) * من

رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنعن أحدا منكم مخافة الناس أو بشرا أن يتكلم بالحق اذا رآه أو علمه أو رآه أو سمعه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وحسين بن موسى قالا ثنا عبد العزيز بن مسلم ثنا سهيل عن أبيه عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الفضة بالفضة والذهب بالذهب مثلا بمثل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن النعمان ثنا فليح عن سهيل عن أبيه عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الذهب بالذهب والورق بالورق ولا تفضلوا بعضها على بعض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور مثله باسناده حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حرب ثنا يحيى يعني ابن أبي كثير قال حدثني أبو سعيد مولى المهري قال حدثني أبو سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اللهم بارك لنا في مدينا اللهم بارك لنا في صاعنا واجعل مع البركة بركتين حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الملك بن عمرو ثنا عبد الله بن جعفر الزاهري عن يزيد بن عبد الله بن الهاد عن عبد الله بن خباب عن أبي سعيد الخدري قال قلنا يا رسول الله هذا السلام عليك قد علمناه فكيف الصلاة عليك قال قولوا اللهم صل على محمد عبدك ورسولك كما صليت على ابراهيم وبارك على محمد وآل محمد كما باركت على ابراهيم وآل ابراهيم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا زهير عن شرحبيل بن عبد الله بن أبي نمر عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى قباء يوم الاثنين فررنا في بني سالم فوقف رسول الله صلى الله عليه وسلم على باب بني عتبان فصرخ وابن عتبان على بطن امرأته فخرج يجر ازاره فلما رآه رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أعجلنا الرجل قال ابن عتبان يا رسول الله أرأيت الرجل اذا أتى امرأته ولم يمن عليها ماذا عليه فقال النبي صلى الله عليه وسلم انما الماء من الماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن زيد عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال أرسلني أهلي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أسأله طعاما فأتيت النبي صلى الله عليه وسلم وهو يخطب فسمعته يقول من يصبر يصبره الله ومن يستغن يغنه الله ومن يستعفف يعفه الله ومارزق العبد رزقا أوسع له من الصبر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الملك ثنا هشام عن زيد عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اياكم والجلوس بالطرقات قالوا يا رسول الله مالنا من مجالسنا بد نتحدث فيها قال فاعطوا الطريق حقها قالوا وما حق الطريق يا رسول الله قال غض البصر وكف الاذى والامر بالمعروف والنهي عن المنكر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا شعبة عن عبد الله بن أبي السفر عن الشعبي عن أبي سعيد الخدري قال مر علي مروان بجنازة فلم يقم قال فقال أبو سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر عليه بجنازة فقام قال فقام مروان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن يونس بن عمرو عن أبي الوداك عن أبي سعيد قال أصبنا سبايا يوم حنين فكنا نلتمس فداءهن فسألنا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال اصنعوا ما بدا لكم فما قضى الله فهو كائن فليس من كل الماء يكون الولد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن خليد بن جعفر عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال ذكر المسك عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال هو أطيب الطيب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان وعبد الرزاق قال أنا سفيان عن زبيد عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحقرن أحدكم نفسه اذا رأى أمرا لله فيه مقال ان يقول فيه فيقال له يوم القيامة ما منعك أن تقول

تكهن أو تهسم أو تطير طيرة ترد عن سفر لم ينظر الى الدرجات من الجنة يوم القيامة (هب) عن أبي الدرداء * (الافعال) * عن الحسن عن علي بن أبي طالب قال من أتى كاهنا أو عرافا فصدقه بما يقول فقد كفر بما أنزل على محمد صلى الله عليه وسلم رسنة * (حرف الشين وفيه أربعة كتب الشفعة والشهادة والشركة والشمائل كتاب الشفعة) * الشفعة في كل شرك في أرض أو ربع أو حائط لا يصلح له أن يبيع حتى يعرض على شريكه فيأخذ أو يدع فان أبى (٤٨) فشريكه أحق به حتى يؤذنه (م د ن) عن جابر * الشفعة كحل العقال (ه) عن ابن عمر * اذا

قسمت الارض وحدت الارض فلا شفعة فهما رد) عن أبي هريرة * من كانت له نخل أو أرض فلا يبيعها حتى يعرضها على شريكه (ه) عن جابر * من كان له شريك في حائط فلا يبيع نصيبه من ذلك حتى يعرضه على شريكه (حم ت ن) عن جابر * من كان له شريك في ربعه أو نخل فليس له أن يبيع حتى يؤذن شريكه فان رضي أخذ وان كره ترك (م) عن جابر * لا شفعة لشريك على شريك اذا سقه بالشراء ولا لصغير ولا لغائب (ه) عن ابن عمر * الشفعة في العبيد وفي كل شئ أبو بكر في الغيلانيات عن ابن عباس * اذا أراد أحدكم أن يبيع عقاره فليعرضه على جاره (ع عد) عن ابن عباس * جار الدار أحق بدار الجار (ن ع حب) عن أنس (حم د ت) عن سمرة * الجار أحق بشفعة جاره ينتظر بها وان كان غائبا اذا كان طريقهما واحدا (حم ٤) عن جابر * الصبي على شفعته حتى يدرك فاذا أدرك ان شاء أخذ وان شاء ترك (طس) عن جابر * لا شفعة الا في دار أو عقار (هق) عن أبي هريرة * (الاكمال) * من باع أرضا أو دارا فان جار الارض وجار الدار هو أحق بها يبيعها اذا قام بثمنها (طب) عن سمرة * لا شفعة للنصراني (عد هق) عن أنس * (الافعال) * عن أبي مليكة قال قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم بالشفعة في كل شئ (ز عب) * عن أبي بكر بن محمد بن حزم ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا شفعة في ماء ولا طريق ولا فحل يعني النخل (عب) * عن أبي بكر بن عمرو بن حزم عن أبان بن عثمان قال لا شفعة في بئر ولا فحل ولا أرفة تقطع كل شفعة أبو عبيد (هق)

---

فيه فيقول رب خشيت الناس، قال فانا أحق ان تخشى وقال أبو نعيم يعني في الحديث وانى كنت أحق ان تخافني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثني اسمعيل بن مسلم ثنا أبو المتوكل عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يخرج الناس من النار بعد ما امتحشوا فيصارون الى نهر فيغتسلون فيه فينبتون فيها كما ينبت الغثاء في جميل السيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن علي بن صالح عن الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن أبي سعيد الخدري قال فينبتون كما تنبت السعدانة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شريك عن سهيل عن أبيه عن أبي سعيد قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا تسحر جلس حتى نؤضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن عكرمة بن عمار عن عاصم بن شميخ عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا اجتهد في اليمين قال لا والذي نفس أبي القاسم بيده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وهو نرفا الاحاديث ثنا مثنى بن سعيد عن قتادة ووكيع ثنا همام عن قتادة عن أبي عيسى عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عودوا المرضى واتبعوا الجنائز تذكركم الآخرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبي عيسى الاسواري فذكر مثله الا انه قال المريض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سليمان بن علي الربعي قال سمعت أبا الجوزاء قال سمعت ابن عباس يفتي في الصرف قال فاتيت به زمانا قال ثم لقيته فرجع عنه قال فقلت له ولم فقال انما هو رأي رأيته حدثني أبو سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن القاسم بن الفضل ثنا أبو نضرة العبدي عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يمرق مارقة عند فرقة من المسلمين يقتلها أولى الطائفتين بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا زهير عن شريك عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه وعمه قتادة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كلوا لحوم الاضاحي وادخروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا زهير عن محمد بن عمرو بن حلحلة عن عطاء بن يسار عن أبي هريرة وأبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما يصيب المؤمن من نصب ولا نصب ولا هم ولا حزن ولا أذى ولا غم حتى الشوكة يشاكها الا كفر الله من خطاياه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن يحيى عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجنازة فقوموا فمن تبعها فلا يقعد حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو وزيد ثنا هشام عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري قال كنا نرزق تمر الجمع على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسباط بن محمد ثنا الاعمش ثنا جعفر بن اياس عن شهر بن حوشب عن جابر بن عبد الله وأبي سعيد الخدري قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الكمأة من المن وماؤها شفاء للعين والعجوة من الجنة وهي شفاء من السم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا شجاع عن الوليد عن سعيد بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كانوا ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة أقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبان ثنا قتادة عن أبي عتبة عن أبي سعيد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليحجن البيت بعد خروج يأجوج ومأجوج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبان ثنا سعيد بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه

*(كتاب الشهادات وفيه ثلاثة فصول الفصل الاول فى الترغيب فيه) * ألا أخبركم بخير الشهداء الذى يأتى بشهادته قبل أن يسألها . مالك (حم م د ت) عن زيد بن خالد الجهنى * أكرموا الشهود فان الله تعالى يستخرج بهم الحقوق ويدفع بهم الظلم الهيثمى فى جزئه (خط) وابن عساكر عن ابن عباس * انى لأشهد على جور (قن عن) عن النعمان بن بشير * (الاكمال) * الشهداء أمناء الله فى الأرض فما بالهم يكتمون شهاداتهم أو يشهدون بما لا علم لهم به (ابن منده) عن ابن عباس * الشهداء أمناء الله فقتلوا أو ماتوا على فرشهم الحكيم عن راشد بن سعد * شهادة القوم والمؤمنون شهود الله فى الارض (ه ع) (٤٩) عن أنس * لا تشهد فى الاعلى عدل فانى لا أشهد على جور (حب) عن النعمان بن بشير رضى الله عنه .

*(الفصل الثانى فى الترهيب عن شهادة الزور)*

شاهد الزور لا تزول قدماه حتى يوجب الله تعالى له النار (حل لك) عن ابن عمر * شاهد الزور مع العشار فى النار (فر) عن المغيرة * يا أيها الناس عدلت شهادة الزور ثلاثا كنا نأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فنقول شهد فلان وفلان فيقول ألا أراكم شهدتم بشهادة الزور ثم قرأ فاجتنبوا الرجس من الاوثان واجتنبوا قول الزور (حم ت) عن أيمن بن خريم (حم د ه) عن خريم بن فاتك * من شهد شهادة يستباح بها مال امرئ مسلم أو يسفك بها دما فقد أوجب النار (طب) عن ابن عباس * من كتم شهادة اذا دعى بها كان كمن شهد بالزور (طب) عن أبى موسى رضى الله عنه * (الاكمال) * ألا من زين نفسه للقضاء بشهادة الزور زينه الله يوم القيامة بسربال من قطران وألجمه بلجام من نار (كر) عن ابراهيم بن هدبة عن أنس * من شهد على مسلم شهادة ليس لها باهل فليتبوأ مقعده من النار (حم) وابن أبى الدنيا عن ابن عباس * شاهد الزور لا تزول قدماه حتى يبشر بالنار (طب) والشيرازى فى الالقاب عن ابن عمرو * (الافعال) * عن مكحول والوليد بن

---

وسلم يكون بعدى خلوفة يحبون المال حتى لو لا يعده عدا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام وزيد انا هشام عن يحيى بن أبى كثير عن أبى سلمة عن أبى سعيد قال كنا نرزق تمر الجمع قال زيد تمرا من تمر الجمع على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فنبيع أصاعين بالصاع فبلغ ذلك النبى صلى الله عليه وسلم فقال لا اصاعى تمر بصاع ولا اصاعى حنطة بصاع ولا درهم بدرهم قال زيد لا اصاعا تمر بصاع ولا اصاعا حنطة بصاع حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا بهز ثنا شعبة قال حدثنى أنس بن سيرين عن أخيه معبد بن سيرين عن أبى سعيد الخدرى قال شعبة قلت له سمعته من أبى سعيد قال نعم عن النبى صلى الله عليه وسلم فى العزل قال لا عليكم أن لا تفعلوا ذاكم فانما هو القدر حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن حدثنى زهير عن زيد بن أبى أنيسة عن عبد الرحمن بن أبى سعيد الخدرى عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام أحدكم يصلى فلا يترك أحدا يمر بين يديه فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن قيس بن مسلم عن طارق بن شهاب قال أول من قدم الخطبة قبل الصلاة مروان فقام رجل فقال يا مروان خالفت السنة قال ترك ما هنالك يا أبا فلان فقال أبو سعيد أما هذا فقد قضى ما عليه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من رأى منكم منكرا فليغيره بيده فان لم يستطع فبلسانه فان لم يستطع فبقلبه وذلك أضعف الايمان حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن ثنا حرب ابن شداد عن يحيى بن أبى كثير أن أبا سعيد مولى المهدى حدثه عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث بعثا الى بنى لحيان من هذيل فقال لينبعث من كل رجلين أحدهما والاجر بينهما حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا عبد الرحمن عن سفيان عن أبى اسحق عن أبى الودك عن أبى سعيد الخدرى قال أصبنا سبايا يوم حنين فجعلنا نعزل عنهم ونحن نريد الفداء فقال بعضنا لبعض تفعلون ذلك وفيكم رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ليس من كل الماء يكون الولد اذا أراد الله ان يخلق شيأ لم يمنعه شئ حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن أبى اسحق عن الاغر أبى مسلم قال أشهد على أبى هريرة وأبى سعيد انهما شهدا على رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ما جلس قوم يذكرون الله الا حفت بهم الملائكة وغشيتهم الرحمة وذكرهم الله فيمن عنده حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن قتادة عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن خليط البسر والتمر والزبيب والتمر حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا ابن أبى ذئب وحجاج قالا أنبأنا ابن أبى ذئب عن سعيد المقبرى عن عبد الرحمن بن أبى سعيد الخدرى عن أبيه قال حبسنا يوم الخندق عن الصلاة حتى كان بعد المغرب بهوى من الليل حتى كفينا وذلك قول الله تعالى وكفى الله المؤمنين القتال وكان الله قويا عزيزا قال فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بلالا فأقام صلاة الظهر فصلاها وأحسن صلاتها كما كان يصليها فى وقتها ثم أمره فاقام العصر فصلاها وأحسن صلاتها كما كان يصليها فى وقتها ثم أمره فاقام المغرب فصلاها كذلك قال وذاكم قبل ان ينزل الله فى صلاة الخوف فرجالا أو ركبانا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا سليمان بن على ثنا أبو التوكل الناجى ثنا أبو سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم قال له رجل من القوم أما بينك وبين النبى صلى الله عليه وسلم غير أبى سعيد قال لا والله ما بينى وبين النبى صلى الله عليه وسلم غير أبى سعيد قال الذهب بالذهب والفضة

---



فى ذم الغيبة عن أبى هريرة * من شهد شهادة زور رفعها الله ومن حكم بين اثنين فلم يعدل بينهما فعليه لعنة الله أبو سعيد النقاش فى كتاب القضاة عن عبد الله بن جراد * من مشى مع قوم يرى انه شاهد وليس بشاهد فهو شاهد زور ومن أعان على خصومة بغير علم كان فى سخط الله حتى ينزع وقتال المؤمن كفر وسبابه فسوق (هق) عن أبى هريرة موزوى الديلمى صدره عن ابن عباس * شاهد الزور لا تزول قدماه حتى يبشر بالنار (طب) والشيرازى فى الالقاب عن ابن عمرو * (الافعال) * عن مكحول والوليد بن

أبي مالك قالا كتب عمر الى عماله في الشاهد الزور أن يضرب أربعين سوطا ويسخم وجهه ويحلق رأسه ويطاف به ويطال حبسه (عب ش ص هق) *عن عمر قال ألا لا يؤسرن أحد في الاسلام بشهود الزور ولا يقبل الا العدول مالك (ع ب) وأبو عبيد في الغريب (هق) *عن عبد الله بن عامر بن ربيعة قال أتى عمر بشاهد زور فوقفه للناس يوما الى الليل يقول هذا فلان فشهد بزور فاعرفوه فحلده ثم حبسه مسدد (هق) *عن ابن عمر قال لعن رسول الله صلى الله (٥٠) عليه وسلم شاهد الزور وهو يعلم النقاش *عن علي بن الحسين قال كان علي اذا أخذ شاهد زور بعثه الى عشيرته فقال ان هذا شاهد زور فاعرفوه ثم خلى سبيله (هق)

*(الفصل الثالث في أحكام الشهادة وآدابها وفيمن تجوز شهادته ومن لا تجوز) *لا تجوز شهادة بدوي على صاحب قرية (د ه ك) عن أبي هريرة *لا تجوز شهادة ذي الظنة ولا ذي الحنة (ك هق) عن أبي هريرة *شهادة المسلمين بعضهم على بعض جائزة ولا تجوز شهادة العلماء بعضهم على بعض لانهم حسد (ك) في تاريخه عن جبير بن مطعم *لا تجوز شهادة خائن ولا خائنة ولا زان ولا زانية ولا ذي غمر على أخيه في الاسلام (د ه) عن ابن عمر *لا تجوز شهادة خائن ولا خائنة ولا مجلود حدا ولا مجلودة ولا ذي غمر على أخيه ولا مجرب عليه شهادة زور ولا القانع مع آل البيت لهم ولا الظنين في ولاء ولا قرابة (ت) عن عائشة *أما أنت يا ابن عباس فلا تشهد الا على أمر يضيء لك كضياء هذه الشمس (هق) عن ابن عباس *(الاكمال) *من كان عنده شهادة فلا يقل لا أخبر بها الا عند الامام ولكن ليخبر بها أهله أو رجلا أو نحوه الديلمي عن ابن عباس *قضى الله في الحق بشاهدين فان جاء بشاهدين أخذ حقه وان جاء بشاهد واحد حلف مع شاهده قط في الافراد عن ابن عمر *لا تجوز شهادة ملة على ملة الا ملة المسلمين فانهم تجوز شهاداتهم على الملل كلها الشيرازي في الالقاب (هق) عن أبي هريرة *لا تجوز شهادة خائن ولا خائنة ولا ذي غمر على أخيه ولا تجوز شهادة القانع لاهل البيت وتجوز شهاداتهم لغيرهم (عب حم) عن ابن عمرو *لا تجوز شهادة خصم ولا ظنين واليمين على المدعى عليه (د) في مراسيله



بالفضة والبر بالبر والشعير بالشعير والتمر بالتمر والملح بالملح سواء بسواء من زاد فهو ربا فقد أربى الآخذ والمعطى فيه سواء **حدثنا** عبد الله بحدثني ابي ثنا محمد بن عبيد ثنا اسمعيل يعني ابن أبي خالد عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل عليين ليراهم من هو أسفل منهم كما ترى الكوكب في أفق السماء وان أبا بكر وعمر منهم وانعما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ابن محمد ثنا شيبان عن يحيى حدثني عياض بن هلال الانصاري قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فنسي كم صلى أو قال فلم يدر زاد أم نقص فليسجد سجدتين وهو جالس واذا جاء أحدكم الشيطان فقال انك قد أحدثت فليقل كذبت الا ما سمعه باذنه أو وجد ريحا فمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق أنا عبد الله بن المبارك أنا سعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر عنده عمه أبو طالب فقال لعله تنفعه شفاعتي يوم القيامة فيجعل في ضحضاح من النار يبلغ كعبيه يغلي منه دماغه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم أنا سعيد بن اياس عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال كنا سافرنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في رمضان فمنا الصائم ومنا المفطر فلا يعيب الصائم على المفطر ولا المفطر على الصائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير أبو أحمد ثنا عبد الرحمن بن النعمان أبو النعمان الانصاري بالكوفة عن سليمان بن قتيبة عن أبي سعيد الخدري قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثا فكنت فيهم فأتينا على قرية فاستطعمنا أهلها فأبوا ان يطعمونا شيأ فاذا رجل من أهل القرية فقال يا معشر العرب فيكم رجل يرقي فقال أبو سعيد قلت وماذاك قال مئة من القرية يموت قال فانطلقنا معه فرقيته بفاتحة الكتاب فردتها عليه مرارا فعوفي فبعث الينا بطعام وبغنم تساق فقال أصحابي لم يعهد الينا النبي صلى الله عليه وسلم في هذا بشيء لا نأخذ منه شيأ حتى نأتي النبي صلى الله عليه وسلم فسقنا الغنم حتى أتينا النبي صلى الله عليه وسلم فحدثناه فقال كل وأطعمنا معك ومايدريك انها رقية قال قلت ألقي في روعي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن الحسن ابن أنس ثنا جعفر يعني ابن سليمان عن علي بن علي الهذلي عن أبي المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام من الليل واستفتح صلاته وكبر قال سبحانك اللهم وبحمدك تبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك ثم يقول لا اله الا الله ثلاثا ثم يقول أعوذ بالله السميع العليم من الشيطان الرجيم من همزه ونفخه ونفثه ثم يقول الله أكبر ثلاثا ثم يقول أعوذ بالله السميع العليم من الشيطان الرجيم من همزه ونفخه ونفثه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن الحسن ثنا جعفر عن المعلى القردوسي عن الحسن عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا لا يمنعن أحدكم رهبة الناس ان يقول بحق اذا رآه أو شهده فانه لا يقرب من أجل ولا يباعد من رزق أن يقول بحق أو يذكر بعظيم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك ثنا هشام و يزيد بن هرون أنا هشام عن يحيى عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري قال كانا نرى تمر الجمع وقال يزيد تمر من تمر الجمع على عهد رسول الله صلى الله عليه

(هق) عن طلحة بن عبد الله بن عوف مرسلا *لا تجوز شهادة محدود في الاسلام ابن جرير عن ابن عمر و* لا تجوز شهادة الخائن ولا الخائنة ولا ذي ضغن على أخيه ولا الواقوف على حد (هق) عن ابن عمر * لا تجوز شهادة خائن ولا خائنة ولا ذي ضغن على أخيه ولا محدث في الاسلام ولا محدثة (عب) عن عمر بن عبد العزيز بلاغا *(الافعال) * عن عمر قال أجاز رسول الله صلى الله عليه وسلم شهادة رجل وامرأتين في النكاح (قط) عن عمر قال لا تجوز شهادة الكافر والصبي والعبد اذا لم يقوموا بها في حالهم تلك ويشهدوا بها بعد ما يسلم (٥١) والكافر ويكبر الصبي ويعتق العبد اذا

وسلم فتبيع الصاعين بالصاع فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال لا تصاعي تمر بصاع ولا صاعي حنطة بصاع ولا درهم بدرهمين بذرهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن يحيى عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجنازة فقوموا فمن تبعها فلا يقعد حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا هشام عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن قال حدثني أبو رافعة عن أبا سعيد الخدري قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ان لي وليدة وأنا أعزل عنها وأنا أريد ما يريد الرجل وأكره ان تحمل وان اليهود تزعم ان الموؤدة الصغرى العزل فقال كذبت يهود ان الله اذا أراد أن يخلقه لم يستطع أحد أن يصرفه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون انا هشام عن يحيى ثنا عياض انه سأل أبا سعيد الخدري فقال ان أحدنا يصلي فلا يدري كم صلى فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فلم يدر كم صلى فليسجد سجدتين وهو جالس فاذا جاء أحدكم الشيطان فقال انك قد أحدثت في صلاتك فليقل كذبت الا ما وجد ريحا بأنفه أو سمع صوتا باذنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون انا سليمان بن علي الربعي ثنا أبو الجوزاء غير مرة قال سألت ابن عباس عن الصرف يدا بيد فقال لا بأس بذلك اثنين بواحد أكثر من ذلك وأقل قال ثم جمعت مرة أخرى والشيخ حي فأتيته فسألته عن الصرف فقال وزنا بوزن قال فقلت انك قد أفتيتني اثنين بواحد فلم أزل أفتي به منذ أفتيتني فقال ان ذلك كان عن رأيي وهذا أبو سعيد الخدري يحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فتركت رأيي الى حديث رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون انا ابن عمر عن نافع قال كان رجل يحدث ابن عمر بحديث عن أبي سعيد الخدري في الصرف قال فقدم أبو سعيد فنزل هذه الدار فأخذ ابن عمر بيدي ويد الرجل حتى أتينا أبا سعيد فقام عليه فقال ما يحدثني هذا عنك فقال أبو سعيد نعم اصر عيني وسمع أذني وأشار باصبعه الى عينيه وأذنيه فما نسيت قوله باصبعيه من رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نهى عن الذهب بالذهب والورق بالورق الا سواء بسواء مثلا بمثل الا تبيعوا غائبا بناجز ولا تشفوا أحدهما على الآخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر انا سعيد عن قتادة قال أبي وثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا اجتمع ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة اقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا زهير عن الاسود بن قيس عن ربيع عن أبي سعيد الخدري انهم خرجوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فنزلوا فقام رفقة مع فلان ورفقة مع فلان فقال فنزلت في رفقة أبي بكر فكان معنا اعرابي من أهل البادية فنزلنا باهل بيت من الاعراب وفيهم امرأة حامل فقال لها الاعرابي أيسرك ان تلدي غلاما ان أعطيتني شاة ولدت غلاما فأعطته شاة وجمع لها أصحابه فلما جاء القوم بها أكلوا فقال رجل أتدرون ما هذه الشاة فأخبرهم قال فرأيت أبا بكر ٧ متبريا ما ستتبلا متقيئا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا زهير ثنا عبد الملك بن عمير حدثني قزعة انه سمع أبا سعيد الخدري يحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فالحقني فدنوت منه وكان في نفسي حتى آتيته فقلت أنت سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فغضب غضبا شديدا قال فاحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ما لم أسمعه ثم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجدي

كانوا حين يشهدون بها عدولا قال ابن شهاب ان ذلك سنة (عب) * عن الزهري قال زعم أهل العراق أن شهادة المحدود لا تجوز فاشهد أنه أخبرني فلان يعني سعيد بن المسيب أن عمر بن الخطاب قال لابي بكرة تب تقبل شهادتك. الشافعي (ص) وابن جرير (هق) * عن محمد بن عبيد الله الثقفي قال كتب عمر ابن الخطاب من كانت عنده شهادة فريشهد بها حيث رآها أوجبت عليه فاما يشهد على ضغن (عب ص هق) * عن ابن شهاب أن عمر بن الخطاب أجاز شهادة امرأة في الاستهلال (عب) * عن سعيد بن المسيب قال شهد أبو بكرة وشبل بن معبد ونافع بن الحرث وزياد على المغيرة بن شعبة بالحديث الذي كان منه بالبصرة عند عمر بن الخطاب فصرهم عمر الحد غير زياد لانه لم يتم الشهادة عليه ابن سعد * عن ابن ذؤيب انه سأل أبا جابر البياضي عن رجل يشهد شهادة ثم يشهد بغيرها فقال سمعت ابن المسيب يقول قال رسول

الله صلى الله عليه وسلم خذوا بأول قوله قال وقد اختلفوا على فيه فمنهم من يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأخذ بقوله الاول ومنهم من يقول كان يأخذ بقوله الآخر (عب) * عن أبي هريرة قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم منادا في السوق انه لا تجوز شهادة خصم ولا ظنين قيل يا رسول الله ما الخصم قال الجار لنفسه قيل وما الظنين قال المتهم في دينه (عب) * عن ابن أبي مليكة قال ان صهيبا مولى ابن جدعان ادعى بيتين وحجرة فقضى مروان بشهادته لهم (عب) * عن ابن عمر قال لا تجوز شهادة لنساء وحدهن الا على ما لا يطلع عليه الا هن من عورات النساء

ومايشبه ذلك من جاهن وحيضهن (عب) *عن ابن عباس أن النبي صلى الله عليه وسلم رد شهادة رجل في كذبة واحدة. النقاش وفيه نوح بن أبي مريم عن ابراهيم الصائغ وهما متروكان *عن علي قال اليمين مع الشاهد فان لم يكن له بينة فاليمين على المدعى عليه اذا كان قد حالطه فان نكل حلف المدعي عليه (هق) *عن حنش أن عليا كان يرى الحالف مع البينة الشافعي (هق) *عن جعفر بن محمد عن أبيه عن علي بن أبي طالب أن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر (٥٢) وعمر وعثمان كانوا يقضون بشهادة الواحد ويمين المدعي (هق) *عن محمد بن صالح ان

هذا والمسجد الحرام والمسجد الاقصى وسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تسافر المرأة الا مع زوجها أو ذي محرم منها وسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا صيام في يومين يوم الاضحى ويوم الفطر من رمضان وسمعته يقول لا صلاة بعد صلاتين صلاة الفجر حتى تطلع الشمس وصلاة العصر حتى تغرب الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زياد بن الخليل حدثني جماد بن زيد ثنا العلى بن زياد العوفي عن العلاء بن بشير المزني عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أبشركم بالمهدي يبعث في أمتي على اختلاف من الناس وزلازل فيملأ الارض قسطا وعدلا كما ملئت جورا وظلما ويرضى عنه ساكن السماء وساكن الارض وعملا الله فلو بأمة محمد غني فلا يحتاج أحد الى أحد فينادي منادمن له في المال حاجة قال فيقوم رجل فيقول أنا فيقال له ائت السادن يعني الخازن فقل له قال لك المهدي اعطني قال فيأتي السادن فيقول له فيقال له احثي فيحثي فاذا أخرزه قال كنت أجشع أمة محمد نفسا أو عجز عني ماوسعهم قال فيمكث سبع سنين أو ثمان سنين أو تسع سنين ثم لا خير في الحياة أو في العيش بعده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زياد بن الخليل حدثني جعفر بن سليمان ثنا العلى بن زياد عن العلاء بن بشير المزني وكان بكاء عند الذكر شجاعا عند اللقاء عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري مثله وزاد فيه فينادي فيقوم فيأتي به السادن فيقول له لا نقبل شيأ أعطيناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم حدثني فضيل بن مرزوق مولى بني عنزعن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لن يدخل الجنة أحد الا برحمة الله قلنا يارسول الله ولا أنت قال ولا أنا الا أن يتغمدني الله برحمته وقال بيده فوق رأسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا محمد يعني ابن اسحق عن العلاء بن عبد الرحمن عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ازرة المسلم الى نصف الساق فما كان الى الكعبين فلا بأس وما تحت الكعبين ففي النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا سويد بن نجيح عن يزيد الفقير قال قلت لابي سعيد الخدري ان منار جالا هم اقرؤنا للقرآن وأكثرنا صلاة وأوصلنا للرحم وأكثرنا صياما وخرجوا علينا بآراء هم فقال أبو سعيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يخرج قوم يقرؤن القرآن لا يجاوز حناجرهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن أبي سعيد قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي على حصير ويسجد عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد قال ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أبردوا بالظهر في الحر فان شدة الحر من فوح جهنم هكذا قال الاعمش من فوح جهنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هلك المترون قالوا الامن قال هلك المترون قالوا الامن قال هلك المترون قال حتى خفنا أن يكون قد وجبت قال الامن قال هكذا وهكذا وهكذا وقليل ماهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن المنهال بن رجاء عن أبيه قال أول من أخرج المنبر يوم العيد مروان وأول من بدأ بالخطبة قبل الصلاة فقام رجل فقال يامروان خالفت السنة أخرجت المنبر ولم يكن يخرج وبدأت بالخطبة قبل الصلاة قال أبو سعيد من هذا قالوا فلان بن فلان قال أما هذا فقد قضى ما عليه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من رأى منكرا فان

علينا فرق بين الشهود (هق) *عن الشعبي قال خرج علي بن أبي طالب الى السوق فاذا هو بنصراني يبيع درعا فعرف علي الدرع فقال هذه درعي بيني وبينك قاضي المسلمين وكان قاضي المسلمين شريحا كان على استقضاء فلما رأى شريح أمير المؤمنين قام من مجلس خصومته وأجلس عليا في مجلسه وجلس شريح قدامه الى جنب النصراني فقال علي أما ياشريح لو كان خصمي مسلما لقعدت معه ولكني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تصافحوهم ولا تبدؤهم بالسلام ولا تعودوا مرضاهم ولا تصلوا عليهم والجؤهم الى مضايق الطريق وصغروهم كما صغرهم الله اقض بيني وبينه ياشريح فقال شريح ماتقول يا أمير المؤمنين فقال علي هذه درعي وقعت مني منذ زمان فقال شريح ما تقول يا نصراني فقال النصراني ما أكذب أمير المؤمنين الدرع درعي فقال شريح ما أرى أن تخرج من يده فهل من بينة فقال علي صدق شريح فقال النصراني أما أنا فاشهد أن هذه أحكام الانبياء وأمير المؤمنين يجيء الى قاضيه ويقاضيه يقضي عليه هي والله ياأمير المؤمنين درعك اتبعتك وتدرأت عن جملك الاورق فأخذتها فاني أشهد أن لا اله الا الله وأن محمدا رسول الله فقال علي أما اذ أسلمت فهي لك وحمله على فرس (ت كر) *عن الشعبي قال ضاع درع لعلي بن أبي طالب يوم الجمل فأصابها رجل فباعها فعرفت عند رجل من اليهود فجاء به الى شريح فشهد لعلي الحسن ومولاه قنبر فقال شريح لعلي زدني شاهدا مكان الحسن فقال أترد شهادة الحسن قال لا ولكني حفظت

عنك انه لا تجوز شهادة الولد لوالده (كر) * عن علي قال شهادة الصبي على الصبي وشهادة العبد على العبد جائزة مسدد * عن الاسود بن قيس عن أشياخه أن عليا لم يجز شهادة أعمى في سرقة (عب) * عن عبد الله بن نجي أن عليا أجاز شهادة المرأة القابلة في الاستهلال (ع ص هق) وضعفه * عن علي قال لا تجوز شهادة النساء في الطلاق والنكاح والحدود والدماء ولا تجوز شهادة النساء حتى يكون معهن رجل (عب) * عن ابراهيم بن يزيد التيمي عن أبيه قال وجد علي بن أبي طالب درعا له (ص) عند يهودي التقطها فعرفها فقال درعي سقطت عن جمل لي أورق فقال اليهودي درعي وفي يدي ثم قال له اليهودي بيني وبينك قاضي المسلمين فأتوا شريحا فلما رأى عليا قد أقبل تحرف عن موضعه وجلس على فيه ثم قال على لو كان خصمي من المسلمين لساويته في المجلس ولكني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تساووهم في المجالس ولا تعودوا مرضاهم ولا تشيعوا جنائزهم وألجؤهم الى أضيق الطرق فان سبوكم فاضربوهم وان ضربوكم فاقتلوهم ثم قال شريح ما تطلب يا أمير المؤمنين قال درعي سقطت عن جمل لي أورق فالتقطها هذا اليهودي فقال شريح ما تقول يا يهودي قال درعي وفي يدي فقال شريح صدقت والله يا أمير المؤمنين انها لدرعك ولكن لابد من شاهد بن فدعا قنبرا مولاه والحسن بن علي فشهدا انها لدرعه فقال شريح أما شهادة مولاك فقد أجزناها وأما شهادة ابنك لك فلا نجيزها فقال علي ثكلتك أمك أما سمعت عمر يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحسن والحسين سيدا شباب أهل الجنة قال اللهم نعم قال أفلا تجيز شهادة سيدي شباب أهل الجنة ثم قال لليهودي خذ الدرع فقال اليهودي أمير المؤمنين جاءني الى قاضي المسلمين فقضى علي على ورضي صدقت والله يا أمير المؤمنين انها لدرعك سقطت عن جملك التقطتها أشهد أن لا اله الا الله وأن محمدا رسول الله فوهبها له علي وأجازه بسبعمائة ولم يزل معه حتى قتل يوم صفين الحاكم في الكنى (حل) وابن الجوزي في الواهيات * عن سعيد بن المسيب عن عثمان بن عفان في العبد تكون عنده الشهادة والنصراني فأعتق العبد وأسلم النصراني ان شهادتهما

استطاع أن يغيره بيده فان لم يستطع فبلسانه فان لم يستطع فبقلبه وذلك أضعف الايمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن أبي سعيد قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي معوشحا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عبيد الله أخبرني نافع قال بلغ ابن عمر أن أبا سعيد الخدري يأثر حديثا عن النبي صلى الله عليه وسلم في الصرف فأخذ بيدي فذهبت أناوهو والرجل فقال ما حديث بلغني عنك تأثره عن النبي صلى الله عليه وسلم في الصرف فقال سمعته أذناي ووعاه قلبي من رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تبيعوا الذهب بالذهب الا مثلا بمثل ولا الفضة بالفضة الا مثلا بمثل ولا تفضلوا بعضها على بعض ولا تبيعوا منها غائبا بناجز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن مجالد ثنا أبو الوداك عن أبي سعيد قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن جنين الناقة والبقرة فقال ان شئتم فكلوه فان ذكاته ذكاة أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن ذكوان عن أبي هريرة قال قال النبي صلى الله عليه وسلم اذا اشتد الحر فابردوا بالصلاة فان شدة الحر من فيح جهنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن الاعمش قال سمعت أبا صالح عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال شدة الحر من فيح جهنم فابردوا بالصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي جعفر ثنا يحيى عن التيمي ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يمنعن أحدكم هيبة الناس أن يتكلم بحق اذا رآه أو شهده أو سمعه فقال أبو سعيد وددت اني لم أكن سمعته وقال أبو نضرة وددت اني لم أكن سمعته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام عن يحيى عن عباس انه سأل أبا سعيد الخدري قال أحدنا يصلي لا يدري كم صلى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فلم يدر كم صلى فليسجد سجدتين فان أتاه الشيطان فقال انك قد أحدثت فليقل كذبت الا ما وجد ريحا بأنفه أو صوتا بأذنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سويد بن عمرو ثنا أبان ثنا يحيى عن هلال بن عياس عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا صلى أحدكم فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يونس قال ثنا أبان عن يحيى عن هلال بن عياض وثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن يحيى قال أخبرني هلال بن عياض بن هلال أنه سمع أبا سعيد فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا هشام ثنا يحيى عن محمد بن عبد الرحمن بن ثوبان قال حدثني أبو رفاعة أن أبا سعيد قال ان رجلا قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم ان لي أمة وأنا أعزل عنها وأنا أكره أن تحمل وان اليهود تزعم أن العزل الموؤدة الصغرى قال كذبت يهود اذا أراد الله أن يخلقه لم تستطع أن ترده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى قال ثنا ابن أبي عروبة عن قتادة عن الحسن عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم في العزل أنت تخلقه أنت ترزقه أقره قراره فانما ذلك القدر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن مالك وثنا عبد الرحمن ثنا مالك عن الزهري عن عطاء بن يزيد عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا سمعتم النداء فقولوا مثل ما يقول المؤذن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن مجالد حدثني أبو الوداك عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تصوموا يومين ولا تصلوا صلاتين ولا تصوموا يوم الفطر ولا يوم الاضحى ولا تصلوا بعد الفجر حتى تطلع الشمس ولا بعد العصر حتى تغرب الشمس ولا تسافر المرأة ثلاثا الا ومعها محرم ولا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجد الحرام ومسجدي ومسجد بيت المقدس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ووكيع عن زكريا

جائزة لم ترد قبل ذلك سمويه * مالك انه بلغه ان عمر بن الخطاب قال لا تجوز شهادة تخصي ولا طنين * (تزكية الشهود ومن الافعال) * عن
خرشة بن الحر قال شهد رجل عند عمر بن الخطاب شهادة فقال لست أعرفك ولا يضرك أن لا أعرفك ائت بمن يعرفك فقال رجل من القوم
أنا أعرفه قال بأي شئ تعرفه قال بالعدالة والفضل قال فهو جارك الادنى الذي تعرف ليله ونهاره ومدخله ومخرجه قال لا قال فعاملك بالدينار
والدرهم الذين بهما يستدل على الورع (٥٤) قال لا قال فرفيقك في السفر الذي يستدل به على مكارم الاخلاق قال لا قال لست تعرفه
ثم قال للرجل ائت من يعرفك الخاص في أمالية
(ع ق) * (كتاب الشركة
* الافعال) * عن الزهري
انه سئل عن الرجل يكون
شريكا لابنه في مال فيقول
أوهلك مائة دينار من المال
الذي بيني وبينك قال تقضي
أبو بكر وعمر الله لا يجوز
حتى يجوز من المال ويعزله
(عب ش) * (الكتاب
الرابع من حرف الشين
* كتاب الشمائل وفيه
أربعة أبواب * الباب
الاول في خلقته صلى الله
عليه وسلم * كان رسول
الله صلى الله عليه وسلم
أبيض مليحا مقصدا (م
ت) في الشمائل عن أبي
الطفيل * كان فخما مفخما
يتلألأ وجهه تلألؤ
القمر ليلة البدر أطول
من المربوع وأقصر من
المشذب عظيم الهامة رجل
الشعر ان افرقت عقيصته
فرق والا فلا يجاوز شعره
شحمة أذنيه اذا هو وفره
أزهر اللون واسع الجبين
أزج الحواجب سوابغ
في غير قرن بينهما عرق
يدره الغضب أقنى العرنين
له نور يعلوه يحسبه من لم
يتأمله اشم كث اللحية
سهل الخدين ضليع الفم أشنب مفلج الاسنان دقيق المسربة كان عنقه جيد دمية في صفاء الفضة معتدل الخلق بادنا
متماسكا سواء البطن والصدر عريض الصدر بعيد ما بين المنكبين ضخم الكراديس أنور المتجرد موصول ما بين اللبة والسرة بشعر يجري كالخط
عاري الثديين والبطن مما سوى ذلك أشعر الذراعين والمنكبين وأعالي الصدر طويل الزندين رحب الراحة سبط القصب شثن الكفين والقدمين
سائل الاطراف خصصان الاخمصين مسيح القدمين ينبو عنهما الماء اذا زال زال تقلعا يخطو تكفيا ويمشي هونا ذريع المشية اذا مشى كأنما

حدثني يحيى قال كان أبو سعيد ومروان جالسين فرعليهما بجنازة فقام أبو سعيد فقال مروان اجلس فقال
أبو سعيد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم قام فقام مروان وقال وكيع مرت به جنازة فقام **حدثنا** عبيد
الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا داود بن قيس أنه سمع عياض بن عبد الله يحدث أنه سمع أبا سعيد الخدري
يحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يخرج يوم الفطر يصلي تينك الركعتين **حدثنا** عبد الله
حدثني أبي ثنا يحيى عن داود بن قيس قال حدثني عياض حدثني أبو سعيد قال كان النبي صلى الله عليه وسلم
يخرج يوم العيد قال يحيى لا أعلمه الا قال الفطر والاضحى فيصلي بالناس ركعتين فيقوم فاقبل فيستقبل الناس
بوجهه وهو يقول تصدقوا فكان أكثر من يتصدق النساء قال عبد الرزاق بالخاتم والقرط والشئ فذكر
معناه فان كانت له حاجة وأراد أن يضع بعثا تكلم والا انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع
وعفان وعبد الصمد قالوا حدثنا همام ثنا قتادة عن أبي عيسى الاسواري عن أبي سعيد الخدري قال
زجر رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الشرب قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثني فضيل
ابن مرزوق عن عطية عن أبي سعيد الخدري قال سأله رجل عن الغسل من الجمعة فقال ثلاثا فقال اني كثير
الشعر قال أبو سعيد كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر شعرا منك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني
أبي ثنا وكيع ثنا أبو الاشهب ثنا أبو نضرة العبدي عن أبي سعيد الخدري قال رأى رسول الله صلى الله
عليه وسلم في أصحابه تأخرا فقال تقدموا فائتموا بي وليأتم بكم من بعدكم ولا يزال قوم يتأخرون حتى
يؤخرهم الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عبيد الله بن عبد الرحمن بن موهب عن عمه عن موسى
لابي سعيد الخدري انه كان مع أبي سعيد وهو مع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فدخل النبي صلى الله
عليه وسلم فرأى رجلا جالسا وسط المسجد محتبيا بكفيه من أصابعه بحديث نفسه فأومأ اليه النبي صلى الله عليه وسلم
فلم يفطن قال فالتفت الى أبي سعيد فقال اذا صلى أحدكم فلا يشبكن بين أصابعه فان التشبيك من الشيطان
فان أحدكم لا يزال في صلاة ما دام في المسجد حتى يخرج منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا
علي بن مبارك عن يحيى بن أبي كثير عن عياض بن هلال عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله
عليه وسلم اذا جاء أحدكم الشيطان في صلاته فقال انك قد أحدثت فليقل كذبت ما لم يجد بحا بأنفه أو
يسمع صوتا بأذنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن قيس بن مسلم عن طارق بن شهاب
قال أول من بدأ بالخطبة يوم عيد قبل الصلاة مروان بن الحكم فقام اليه رجل فقال الصلاة قبل الخطبة فقال
مروان ترك ما هنالك يا أبا فلان فقال أبو سعيد الخدري أما هذا فقد قضى ما عليه سمعت رسول الله صلى الله
عليه وسلم يقول من رأى منكم منكرا فليغيره بيده فان لم يستطع فبلسانه فان لم يستطع فبقلبه وذلك أضعف
الايمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وأبو معاوية قالا ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد
وثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن الاعمش عن ذكوان عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه
وسلم لا تسافر المرأة سفرا ثلاثة أيام فصاعدا الا مع أبيها أو أخيها أو ابنها أو زوجها أو مع ذي محرم **حدثنا**
عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى
الله عليه وسلم لا تسبوا أصحابي فوالذي نفسي بيده لو أن أحدكم أنفق مثل أحد ذهبا ما أدرك مد أحدهم
ولا نصيفه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سليمان عن ذكوان عن أبي سعيد
الخدري

يخطمن صيب واذا التفت التفت جميعا خافض الطرف نظره الى الارض أطول من نظره الى السماء جل نظره الملاحظة يسوق أصحابه
ويبدأ من لقيه بالسلام (ت) فى الشمائل (طب هب) عن هند بن أبى هالة * كان أبيض كأنما صيغ من فضة رجل الشعر (ت) فيها
عن أبى هريرة * كان أبيض مشرب بالبياض حمرة وكان أسود الحدقة أهدب الاشفار البيهقى فى الدلائل عن على * كان أبيض مشرب بالحمرة
ضخم الهامة أغر أبلج أهدب الاشفار البيهقى عن على م كان أحسن الناس وجها وأحسنه (٥٥) خلقا ليس بالطويل البائن ولا بالقصير

(ق) عن البراء * كان أحسن البشر وقدما ابن سعد عن عبد الله بن بريدة مرسلا * كان أحسن الناس صفة وأجلهم كان ربعة الى الطول ما هو بعد ما بين المنكبين أسيل الخدين شديد سواد الشعر أكحل العينين أهدب اذا وطئ بقدمه وطئ بكلها ليس له أخمص اذا وضع رداءه عن منكبيه فكأنه سبيكة فضة واذا ضحك يتلألأ البيهقى عن أبى هريرة * كان أزهر اللون كان عرقه اللؤلؤ اذا مشى تكفأ (م) عن أنس * كان أفلج الثنيتين اذا تكلم رؤى كالنور يخرج من بين ثناياه (ت) فى الشمائل (طب) والبيهقى عن ابن عباس * كان حسن الشكلة (طب) عن العداء بن خالد * كان خاتم النبوة فى ظهره بضعة ناشزة (ت) فى الشمائل عن أبى سعيد * كان خاتمه غدة حمراء مثل بيضة الحمامة (ت) عن جابر ابن سمرة * كان ربعة من القوم ليس بالطويل البائن ولا بالقصير أزهر اللون ليس بالأبيض الامهق ولا بالآدم وليس بالجعد القطط ولا بالسبط (ق ت) عن أنس * كان شبح الذراعين بعيد ما بين المنكبين أهدب أشفار العينين البيهقى عن أبى هريرة * كان فى ساقيه حموشة (ت ك) عن جابر بن سمرة * كان كثير شعر اللحية (م) عن جابر بن سمرة * كان وجهه مثل الشمس والقمر وكان مستديرا (م) عن جابر ابن سمرة * كان كثير العرق (م) عن أنس * كان شعره دون الجمة وفوق الوفرة (ت) فى الشمائل (ه) عن عائشة * كان شعره نحو عشرين شعرة (ت) فيها (ه) عن ابن عمر * كان ضخم الرأس واليدين والقدمين (خ) عن أنس * كان ضليع الفم أشكل العينين منهوس العقب

الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم بمثله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو النضر ثنا شعبة بمثله
**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن اسحق أنا عبد الله أنا ابن لهيعة عن محمد بن وسع عن أبيه عن
أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فى الثوب الواحد فليجعل
طرفيه على عاتقيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب قال حيوة حدثنى
ابن الهاد أن عبد الله بن خباب حدثهم عن أبى سعيد الخدرى انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر
عنده عمه أبو طالب فقال لعله ان تنفعه شفاعتى يوم القيامة فيجعل فى ضحضاح من النار يبلغ كعبيه يغلى منه
دماغه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب قال حيوة حدثنى ابن الهاد
عن عبد الله بن خباب عن ابى سعيد الخدرى انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول صلاة الجماعة تفضل
صلاة الفذ بخمس وعشرين درجة وبهذا الاسناد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من رآنى فقد رآنى
الحق فان الشيطان لا يتكونن بى وبهذا الاسناد عن عبد الله بن خباب ان أبا سعيد الخدرى ذكر لرسول
الله صلى الله عليه وسلم انه تصيبه الجنابة فيريد أن ينام فامره ان يتوضأ ثم ينام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى
ثنا على بن اسحق أنا عبد الله يعنى ابن مبارك أنا يحيى بن أيوب عن عبد الله بن قريط ان عطاء بن يسار حدثه
انه سمع أبا سعيد الخدرى يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من صام رمضان وعرف حدوده
وتحفظ مما كان ينبغى له ان يتحفظ فيه كفر ما قبله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن اسحق أنا عبد
الله أنا الفضيل بن مرزوق عن عطية العوفى عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم
ان أحب الناس الى الله يوم القيامة وأقربهم منه مجلسا امام عادل وان أبغض الناس الى الله يوم القيامة
وأشدهم عذابا امام جائر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يعمر بن بشر أنا عبد الله انا سعيد بن أبى أيوب
ثنا عبد الله بن الوليد عن أبى سليمان الليثى عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم قال مثل
المؤمن ومثل الايمان كمثل الفرس فى اخيته يجول ثم يرجع الى اخيته وان المؤمن يسهو ثم يرجع الى
الايمان فاطعموا طعامكم الاتقياء وأولوا معروفكم المؤمنين قال عبد الله قال ابى ثناه أبو عبد الرحمن المقرى
وهذا أتم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عتاب ثنا عبد الله أنا ابن لهيعة حدثنى يزيد بن أبى حبيب عن
يزيد بن أبى سعيد مولى المهرى عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى ان النبى صلى الله عليه وسلم بعث بعثا الى بنى
لحيان قال يعنى لينبعث من كل رجلين رجل وقال للقاعد أيكما خلف الخارج فى أهله وماله بخير كان له مثل
نصف اجر الخارج **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا خلف بن الوليد ثنا المبارك عن الحسن عن أبى سعيد
الخدرى حدثه عن النبى صلى الله عليه وسلم انه أتى بتمر فاعجبه جودته فقالوا يا رسول الله انا أخذنا صاعا بصاعين
لنطعمه فكره ذلك ونهى عنه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أحمد بن الحجاج أنا عبد العزيز بن أبى
حازم ثنا يزيد بن عبد الله بن الهاد عن عبد الله بن خباب عن ابى سعيد الخدرى انه سمع رسول الله صلى الله
عليه وسلم يقول صلاة الجماعة تفضل صلاة الفذ بخمس وعشرين درجة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى
ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا الاعمش عن أبى صالح عن أبى سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم
لله عز وجل مائة رحمة فقسم منها جزأ واحدا بين الخلق فبه يتراحم الناس والوحش والطير **حدثنا** عبد الله
حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد عن عاصم بن بهدلة عن أبى صالح عن أبى هريرة أن رسول الله صلى الله عليه

(م ت) عن جابر بن سمرة * كان ضخم الهامة عظيم اللحية البيهقي عن علي * (الباب الثاني في شمائل تتعلق بالعبادات وفيه ستة فصول * الفصل الاول في الطهارة) * كان اذا توضأ أخذ كفا من ماء فتمضمض به فرجه (حم د ن ه ك) عن الحكم بن سفيان * كان اذا توضأ فضل ماء حتى يسيله على موضع سجوده (طب) عن الحسن (ع) عن الحسين * كان اذا توضأ أحرك خاتمه (ه) عن أبي رافع * كان اذا توضأ أدار الماء على مرفقيه (قط) عن جابر * كان (ه ك) اذا توضأ خلل لحيته بالماء (حم ك) عن عائشة (ت ك) عن عثمان (ت ك) عن عمار بن ياسر (ك) عن بلال (ه ك) عن أنس (طب) عن أبي امامة وعن أبي الدرداء وعن أم سلمة (طس) عن ابن عمر * كان اذا توضأ أخذ كفا من ماء فادخل تحت حنكه فخلل به لحيته وقال هكذا أمرني ربي (د ك) عن أنس * كان اذا توضأ أعرك عارضيه بعض العرك ثم شبك لحيته باصابعه من تحتها (ه) عن ابن عمر * كان اذا توضأ صلى ركعتين ثم خرج الى الصلاة (ه) عن عائشة * كان اذا توضأ دلك أصابع رجليه بخنصره (د ت ه) عن المستورد * كان اذا توضأ مسح وجهه بأطراف ثوبه (ت) عن معاذ * كان له خرقة يتنشف بها بعد الوضوء رمز (ك) عن عائشة * كان لا يكل طهوره الى أحد ولا صدقته التي يتصدق بها يكون هو الذي يتولاها بنفسه (ه) عن ابن عباس * كان يأكل مما مست النار ثم يصلي ولا يتوضأ (طب) عن ابن عباس * كان يحب التيامن ما استطاع في طهوره وتنعله وترجله وفي شأنه كله (حم ق ٤) عن عائشة * كان يصغي للهرة الاناء فتشرب ثم يتوضأ بفضلها (طس حل) عن عائشة * كان يعجبه أن يتوضأ الامر من محاضب من صفر ابن سعد عن زينب بنت جحش * كان يقبل بعض أزواجه ثم يصلي ولا يتوضأ (حم دن) عن عائشة * كان يمسح على وجهه بأطراف ثوبه في الوضوء (طب) عن معاذ * كان ينام حتى ينفخ ثم يقوم فيصلي ولا يتوضأ (حم) عن عائشة * كان يتوضأ عند كل صلاة (حم خ ٤) عن أنس * كان يتوضأ لكل صلاة مكتوبة (طب) عن أم سلمة * كان يتوضأ ثم يقبل ويصلي ولا يتوضأ (حم ه) عن عائشة * كان

---

وسلم قال لله مائة رحمة عنده تسعة وتسعون وجعل عندكم واحدة تتراحمون بها بين الجن والانس وبين الخلق فاذا كان يوم القيامة ضمها اليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا علي بن زيد عن سعيد ابن المسيب عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أسوأ الناس سرقة الذي يسرق صلاته قالوا يا رسول الله وكيف يسرق صلاته قال لا يتم ركوعها ولا سجودها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان حدثنا وهيب ثنا عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا دخل أهل الجنة الجنة وأهل النار النار قال يقول الله تبارك وتعالى من كان في قلبه مثقال حبة خردل من ايمان فاخرجوه قال فيخرجون قد امتحشوا وعادوا حمما فيلقون في نهر يقال له نهر الحياة فينبتون فيه كما تنبت الحبة في حميل السيل أو قال في حميلة السيل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألم تروا أنها تنبت صفراء ملتوية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الوارث ثنا عبد العزيز بن صهيب ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد أن جبريل عليه السلام أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال اشتكيت يا محمد فقال نعم فقال بسم الله أرقيك من كل شئ يؤذيك من شر كل عين ونفس يشفيك بسم الله أرقيك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا اسماعيل بن كثير ثنا الزهري عن عطاء وقال عفان مرة عطاء بن يزيد عن أبي سعيد قال قيل يا رسول الله أي المؤمنين أفضل قال مؤمن يجاهد في سبيل الله بنفسه وماله قالوا ثم من قال مؤمن معتزل في شعب من الشعاب أو الشعبة كفى الناس شره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام أنا زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تكتبوا عني شيأ غير القرآن فمن كتب عني شيأ غير القرآن فليمحه وقال حدثوا عن بني اسرائيل ولا حرج حدثوا عني ولا تكذبوا قال ومن كذب علي قال همام أحسبه قال متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن أبي سعيد الخدري قال يا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقسم قسما اذ جاءه ابن ذي الخويصرة التميمي فقال اعدل يا رسول الله قال ويلك ومن يعدل اذا لم أعدل فقال عمر بن الخطاب يا رسول الله أئذن لي فيه فاضرب عنقه قال النبي صلى الله عليه وسلم دعه فان له أصحابا يحقر أحدكم صلاته مع صلاته وصيامه مع صيامه يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية فينظر في قذذه فلا يوجد فيه شئ ثم ينظر في نضيه فلا يوجد فيه شئ ثم ينظر في رصافه فلا يوجد فيه شئ ثم ينظر في نصله فلا يوجد فيه شئ قد سبق الفرث والدم منهم رجل اسود في احدى يديه أو قال احدى ثدييه مثل ثدي المرأة أو مثل البضعة تدردر يخرجون على حين فرقة من الناس فتزلت فيهم ومنهم من يلمزك في الصدقات الآية قال أبو سعيد أشهد اني سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم وأشهد ان عليا حين قتله وأنا معه جيء بالرجل على النعت الذي نعت رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق انا معمر عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تحل الصدقة لغني الا لخمسة لعامل عليها أو رجل اشتراها بماله أو غارم أو غاز في سبيل الله أو مسكين تصدق عليه منها فاهدى منها لغني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرزاق انا ابن جريج قال أخبرني الحارث بن عبد الرحمن عن عياض بن عبد الله بن سعد بن أبي سرح عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يبدأ يوم الفطر ويوم الاضحى بالصلاة قبل الخطبة ثم يخطب فبينا هو

لا يتوضأ من موطئ (طب) عن أبي أمامة * كان يتوضأ بواحدة واحدة واثنتين اثنتين وثلاثا ثلاثا كل ذلك يفعل (طب) عن معاذ * كان إذا استن أعطى السوالك الأكبر وإذا شرب أعطى الذي عن يمينه الحكيم عن عبد الله بن كعب * كان إذا دخل بيته بدأ بالسوالك (م د ن ه) عن عائشة * كان يستاك بفضل وضوئه (ع) عن أنس * كان يستاك عرضا ويشرب مصا ويتنفس ثلاثا ويقول هو أهنأ وأمرأ وأبرأ البغوي وابن قانع (طب) وابن السني وأبو نعيم في الطب عن جم ر (ق) عن ربيعة بن (٥٧) أكتم * (إزالة النجاسة) * كان يسلت المني من ثوبه بعرق الإذخر ثم يصلي فيه ويحتمن ثوبه يابساثم يصلي فيه (حم) عن عائشة * (الغسل) * كان يغتسل بالصاع ويتوضأ بالمد (ق د) عن أنس * كان لا يتوضأ بعد الغسل (حم ت ن ك) عن عائشة * كان إذا التقى الختانان اغتسل الطحاوي عن عائشة * (التخلي وآدابه) * كان إذا أراد الحاجة أبعد (ه) عن بلال ابن الحرث (حم ن ه) عن عبد الرحمن بن قراد * كان إذا أراد الحاجة لم يرفع ثوبه حتى يدنو من الأرض (د ت) عن أنس وعن ابن عمر (طس) عن جابر * كان إذا أراد أن يبول فأتى ٥ عزازا من الأرض أخذ عودا فنكت به في الأرض حتى يثير من التراب ثم يبول فيه (د) في مراسيله والحرث عن طلحة ابن فنان مرسلا * كان إذا خرج من الغائط قال غفرانك (حم ٤ حب ك) عن عائشة * كان إذا خرج من الخلاء قال الحمد لله الذي أذهب عني الأذى وعافاني (ه) عن أنس (ن) عن أبي ذر * كان إذا خرج من

---

الأمر بالبعث والمسرية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا داود بن قيس عن زيد بن أسلم عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول إذا أراد أحدكم عمر بينك وبين ستر تلك أحد فإن أبى فادفعه فإن أبى فقاتله فإنما هو شيطان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا مالك عن أيوب بن خبيب أنه سمع ثبيا المثنى يقول سمعت مروان يسأل أبا سعيد الخدري أسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن الشرب في الشراب فقال نعم قال فقال رجل فإني لا أروى يا رسول الله من نفس واحد قال فأبن القدح عن فيك ثم تنفس قال إني أرى القذى فيه قال فاهرقه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا مالك عن عبد الله بن عبد الرحمن عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوشك أن يكون خير مال الرجل غنم يتبع بها شعف الجبال ومواقع القطر يفر بدينه من الفتن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق انا معمر عن أيوب عن أبي قلابة وعن ابن سيرين عن أبي سعيد الخدري كلاهما رويه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال أحدهما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إني كنت حرمت لحوم الأضاحي فوق ثلاثة أيام فكلوا وتزودوا وادخروا ما شئتم وقال الآخر كلوا واطعموا وادخروا ما شئتم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ورقاء قالا ثنا ابن جريج أخبرني أبو قزعة أن أبا نضرة أخبره وحسنا ٧ أخبرهما أن أبا سعيد الخدري أخبره أن وفد عبد القيس لما أتوا نبي الله صلى الله عليه وسلم قالوا يا نبي الله جعلنا الله فداءك ما ذا يصلح لنا في الأشربة فقال لا تشربوا في النقير فقالوا يا نبي الله جعلنا الله فداءك أوتدري ما النقير قال نعم الجذع ينقر وسطه ولا في الدباء ولا في الحنتمة وعليكم بالموكاء قال روح بالموكاء تين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال أوانكم تفعلون قالوا نعم قال فلا عليكم أن لا تفعلوا فإن الله تعالى لم يقض لنفس أن يخلقها إلا هي كائنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أبي عمرو النبدي قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تواصلوا قالوا فإنك تواصل يا رسول الله قال إني لست مثلكم إني أبيت أطعم وأسقى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا إبراهيم بن خالد ثنا رباح عن معمر عن الأعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال اجتمع أناس من الأنصار فقالوا آثر علينا غيرنا فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فجمعهم ثم خطبهم فقال يا معشر الأنصار ألم تكونوا أذلة فأعزكم الله فلو أصدق الله ورسوله قال ألم تكونوا ضلالا فهداكم الله فلو أصدق الله ورسوله قال ألم تكونوا فقراء فأغناكم الله فلو أصدق الله ورسوله ثم قال ألا تجيبوني ألا تقولون ائتيتنا طريدا فآويناك وائتيتنا خائفا فأمناك ألا ترضون أن يذهب الناس بالشاء والبعران يغنثني البقر وتذهبون برسول الله صلى الله عليه وسلم فتدخلونه بيوتكم لوان الناس سلكوا واديا أو شعبة وسلكتم واديكم أو شعبتكم سلكت واديكم أو شعبتكم لولا الهجرة لكنت امرأ من الأنصار وإنكم ستلقون بعدي أثرة فاصبروا حتى تلقوني على الحوض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا إبراهيم ثنا رباح عن معمر عن قتادة في قوله ونزعنا ما في صدورهم من غل قال ثنا أبو المتوكل عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون من النار فيحبسون على قنطرة بين الجنة والنار فيقتص لبعضهم من بعض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني يزيد بن أبي حبيب عن أبي الخير عن أبي الخطاب عن أبي سعيد الخدري أنه قال لعن رسول الله صلى الله عليه وسلم عام

---

(٨ ـ ٥ (مسند احمد) ـ ثالث) الغائط قال الحمد لله الذي أحسن إلي فيما أولاه وآخره ابن السني عن أنس * كان إذا دخل الخلاء وضع خاتمه (٤ حب ك) عن أنس * كان إذا دخل الخلاء قال اللهم إني أعوذ بك من الخبث والخبائث (حم ق ٤) عن أنس * كان إذا دخل الكنيف قال بسم الله اللهم إني أعوذ بك من الخبث والخبائث (ش) عن أنس * كان إذا دخل الخلاء قال يا ذا الجلال والإكرام ابن

قوله عزازا العزاز ما صلب من الأرض واشتد وخشن اه نهاية

السني عن عائشة * كان اذا دخل الغائط قال اللهم اني أعوذ بك من الرجس النجس الخبيث المخبث الشيطان الرجيم (د) في مراسيله عن الحسن مرسلا وابن السني عنه عن أنس (عد) عن بريدة * كان اذا دخل المرفق ليس حذاءه وعطى رأسه ابن سعد عن حبيب بن صالح مرسلا * كان اذا دخل الخلاء قال اللهم اني أعوذ بك من الرجس النجس الخبيث المخبث الشيطان الرجيم واذا خرج قال الحمد لله الذي أذاقني لذته وأبقى في قوته وأذهب عني أذاه (٥٨) ابن السني عن ابن عمر * كان اذا دخل الخلاء قال ياذا الجلال ابن السني عن عائشة * كان اذا ذهب المذهب أبعد (٤ ك) عن المغيرة * كان يتبوأ لبوله كما يتبوأ لمنزله (طس) عن أبي هريرة * كان يغسل مقعدته ثلاثا (ه) عن عائشة * كان أحب ما استتر به لحاجته هدف أو حائش نخل (حم م د ه) عن عبد الله بن جعفر * (التيمم) * كان يتيمم بالصعيد فلا يمسح يديه ووجهه الا مرة واحدة (طب) عن معاذ * كان اذا واقع بعض أهله فكسل أن يقوم ضرب يده على الحائط فتيمم (طس) عن عائشة * (الفصل الثاني في الصلاة) * كان أخف الناس صلاة في تمام (م ت ن) عن أنس * كان أخف الناس صلاة على الناس وأطول الناس صلاة لنفسه (حم ع) عن أبي واقد * كان اذا استفتح الصلاة قال سبحانك اللهم وبحمدك وتبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك (د ت ه ك) عن عائشة (ن ه ك) عن أبي سعيد (طب) عن ابن مسعود وعن وائلة * كان اذا اشتد البرد بكر بالصلاة واذا اشتد الحر أبرد بالصلاة (خ) عن أنس * كان اذا انصرف من صلاته استغفر ثلاثا ثم قال اللهم أنت السلام ومنك السلام تباركت وتعاليت ياذا الجلال والاكرام (حم م ٤) عن ثوبان * كان اذا انصرف انحرف (د) عن يزيد بن الاسود * كان ينصرف من الصلاة عن يمينه (ع) عن أنس * كان اذا رفع رأسه من الركوع في صلاة الصبح في آخر ركعة قنت محمد بن نصر عن أبي هريرة * كان اذا ركع سوى ظهره حتى لو صب عليه الماء لاستقر (ه) عن وابصة (طب) عن ابن عباس وعن أبي برزة وعن ابن مسعود * كان اذا ركع قال سبحان ربي العظيم وبحمده ثلاثا واذا سجد قال سبحان ربي

---

تبوك خطب الناس وهو مسند ظهره الى نخلة فقال ألا أخبركم بخير الناس وشر الناس ان من خير الناس رجلا عمل في سبيل الله على ظهر فرسه أو على ظهر بعيره أو على قدميه حتى يأتيه الموت وان من شر الناس رجلا فاجرا جريئا يقرأ كتاب الله لا يرعوي الى شئ منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني عقيل عن ابن شهاب عن حميد بن عبد الرحمن أن أبا هريرة وأبا سعيد الخدري أخبراه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى نخامة في حائط المسجد فتناول رسول الله صلى الله عليه وسلم حصاة فحتها ثم قال اذا تنخع أحدكم فلا يتنخع قبل وجهه ولا عن يمينه ليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني بكير بن عبد الله عن عياض بن عبد الله عن أبي سعيد الخدري انه قال أصيب رجل في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثمار ابتاعها فكثر دينه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تصدقوا عليه فقال فتصدق الناس عليه فلم يبلغ ذلك وفاء دينه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم خذوا ما وجدتم وليس لكم الا ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني سعيد بن أبي سعيد عن أبيه انه سمع أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا وضعت الجنازة فاحتملها الرجال على أعناقهم فان كانت صالحة قالت قدموني وان كانت غير صالحة قالت يا ويلها أين تذهبون بها يسمع صوتها كل شئ الا الانسان ولو سمعها الانسان لصعق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الخزاعي يعني أبا سلمة لا بأس قال لصعق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثنا ليث وثنا الخزاعي أنا ليث حدثني سعيد بن أبي سعيد عن أبي سعيد مولى المهري انه جاء أبا سعيد الخدري ببلى الحرة فاستشاره في الجلاء من المدينة وشكا اليه أسعارها وكثرة عياله وأخبره أنه لا صبر له على جهد المدينة فقال ويحك لا آمرك بذلك اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يصبر أحد على جهد المدينة ولا وائها فيموت الا كنت له شفيعا أو شهيدا يوم القيامة اذا كان مسلما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن أبيه قال أنبأني أبو نضرة عن أبي سعيد ان صاحب التمر أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بتمره فانكرها فقال اني لنلفى هذا قال اشترينا بصاعين من تمرنا صاعا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أربيتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن عاصم عن شهر حبيل ان ابن عمرو وأبا هريرة وأبا سعيد حدثوا ان النبي صلى الله عليه وسلم قال الذهب بالذهب مثلا بمثل والفضة بالفضة مثلا بمثل عينا بعين من زاد أو ازداد فقد أربى قال شهر حبيل ان لم أكن سمعته فاذن الله النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الرحمن الطفاوي ثنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال اشتكى رسول الله صلى الله عليه وسلم فجاءه جبريل فرقاه فقال باسم الله أرقيك من كل شئ يؤذيك من كل عين وحاسد يشفيك أو قال الله يشفيك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يجيء النبي يوم القيامة ومعه الرجل والنبي ومعه الرجلان وأكثر من ذلك فيدعى قومه فيقال لهم هل بلغكم هذا فيقولون لا فيقال له هل بلغت قومك فيقول نعم فيقال له من يشهد لك فيقول محمد وأمته فيدعى محمد وأمته فيقال لهم هل بلغ هذا قومه فيقولون نعم فيقال وما علمكم فيقولون جاءنا نبينا فاخبرنا ان الرسل قد بلغوا فذلك قوله وكذلك جعلناكم أمة وسطا قال يقول عدلا لتكونوا شهداء على الناس ويكون الرسول عليكم شهيدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير عن الاعمش عن حبيب عن أبي

لاعلى و بحمده ثلاثا (د) عن عقبة بن عامر * كان اذا ركع فبلغ أصابعه واذا سجد ضم أصابعه (ك هق) عن وائل بن حجر * كان اذا سجد جافى حتى يرى بياض ابطيه (حم) عن جابر * كان اذا سجد رفع لمعامته عن جبهته ابن سعد عن صالح بن خيران مرسلا * كان اذا سلم من الصلاة قال ثلاث مرات سبحان ربك رب العزة عما يصفون وسلام على المرسلين والحمد لله رب العالمين (ع) عن أبي سعيد * كان اذا سلم لم يقعد الا بمقدار ما يقول اللهم أنت السلام ومنك السلام تباركت ياذا الجلال والاكرام (م ٤) عن (٥٩) عائشة * كان اذا صلى الغداة جلس فى مصلاه حتى تطلع الشمس (حم م ٣) عن جابر بن سمرة * كان اذا صلى بالناس الغداة أقبل عليهم بوجهه فقال هل فيكم مريض أعوده فان قالوا لا قال هل فيكم جنازة أتبعها فان قالوا لا قال من رأى منكم رؤيا يقصها علينا ابن عساكر عن ابن عمر * كان قوما صلى ركعتي الفجر اضطجع على شقه الايمن (خ) عن عائشة * كان اذا صلى صلاة أثبتها (م) عن عائشة (القراءة) كان اذا تلا غير المغضوب عليهم ولا الضالين قال آمين حتى يسمع من يليه من الصف الاول (د) * عن أبي هريرة * كان اذا قرأ أليس ذلك بقادر على أن يحيي الموتى قال بلى واذا قرأ أليس الله باحكم الحاكمين قال بلى (ك هب) عن أبي هريرة * كان اذا قرأ سبح اسم ربك الاعلى قال سبحان ربي الاعلى (حم د ك) عن ابن عباس * كان اذا مر بآية فيها ذكر النار قال ويل لاهل النار فانع عن أبي ليلى * كان اذا مر بآية خوف تعوذ واذا مر بآية رحمة سأل واذا مر بآية فيها تنزيه لله سبح (حم م ٤) عن حذيفة * كان قراءته المد ليس فيها تريع (طب) عن ابي بكرة * كان يحب هذه السورة سبح اسم ربك الاعلى (حم) عن علي * كان لا يقرأ القرآن فى أقل من ثلاث ابن سعد عن عائشة * كان يعد الآي فى الصلاة (طب) عن ابن عمرو * كان يعد التسبيح (ت ن ك) عن ابن عمرو * كان يقطع قراءته آية آية الحمد لله رب العالمين ثم يقف الرحمن الرحيم ثم يقف (ت ك) عن أم سلمة * كان يمدصوته بالقراءة مدا (حم خ د ه ك) عن أنس * (تتمة الصلاة) * كان اذا صلى

ارطاة عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الزهو والتمر والزبيب والتمر

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير أنا سفيان بن سعيد بن مسروق عن سمي عن النعمان بن أبي عياش عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من صام يوما في سبيل الله باعد الله بذلك اليوم النار عن وجهه سبعين خريفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا عبد الملك بن أبي سليمان عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني قد تركت فيكم ما ان أخذتم به لن تضلوا بعدي الثقلين أحدهما أكبر من الآخر كتاب الله حبل ممدود من السماء الى الارض وعترتي أهل بيتي الا وانهما لن يفترقا حتى يردا علي الحوض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر حدثني أبو سعيد الخدري قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي في ثوب واحد متوشحا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يعلى ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال حدثني أبو سعيد قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي على حصير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى ثنا ادريس الاودي عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد يرفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم قال ليس فيما دون خمسة أوسق زكاة والوسق ستون مختوما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد عن حماد عن ابراهيم عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن استئجار الاجير حتى يبين له أجره وعن الجشء واللمس والقاء الحجر **حدثنا** عبد الله قال حدثني أبي ثنا عمر بن عبيد عن أبي اسحق عن أبي الوداك عن أبي سعيد قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال ليس من كل الماء يكون الولد واذا أراد الله ان يخلق منه شيأ لم يمنعه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق انا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال ثنا أبو سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا قضى أحدكم صلاته في المسجد فليجعل لبيته نصيبا من صلاته ان الله جاعل في بيته من صلاته خيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا قضى أحدكم صلاته في المسجد فليجعل لبيته نصيبا من صلاته فان الله جاعل في بيته من صلاته خيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر ان أبا سعيد قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا قضى أحدكم صلاته فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا حماد بن سلمة عن بسير بن حرب عن أبي سعيد الخدري قال نهى النبي صلى الله عليه وسلم عن الوصال في الصيام وهذه أختي توصل وأنا أنهاها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف وعبد الرزاق قالا انا سفيان عن اسمعيل بن أمية عن محمد بن يحيى بن حبان عن يحيى بن عمارة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس في أقل من خمسة أوساق من حب ولا ثمر صدقة وليس في أقل من خمسة أواق صدقة وليس في أقل من خمس ذود صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم مثله باسناده وقال ثمر وقال عبد الرزاق ثمر وقال ثنا معمر الثوري عن اسمعيل بن أمية فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرحمن عن سفيان عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا اشتد الحر فابردوا بالصلاة فان شدة الحر من فيح جهنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن زائدة عن عبد الملك عن قزعة مولى زياد عن أبي سعيد قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم

فمسح بيده اليمنى على رأسه ويقول بسم الله الذى لا اله غيره الرحمن الرحيم اللهم اذهب عنى الهم والحزن (خط) عن أنس * كان اذا صلى الغداة فى السفر مشى عن راحلته قليلا (حل هق) عن أنس * (السنن) * كان اذا فاتته الاربع قبل الظهر صلاها بعد الركعتين بعد الظهر (ه) عن عائشة * كان لا يدع أربعا قبل الظهر وركعتين قبل الغداة (خ د ن) عن عائشة * كان لا يدع ركعتى الفجر فى السفر ولا فى الحضر ولا فى الصحة ولا فى السقم (خط) عن عائشة (٦٠) * كان يصلى قبل الظهر ركعتين وبعدها ركعتين وبعد المغرب ركعتين فى بيته وبعد العشاء ركعتين وكان لا يصلى بعد الجمعة حتى ينصرف فيصلى ركعتين فى بيته مالك (ق د ن) عن ابن عمر * كان يصلى قبل الظهر أربعا اذا زالت الشمس لا يفصل بينهن بتسليم ويقول أبواب السماء تفتح اذا زالت الشمس (ه) عن أبى أيوب * كان اذا قال بلال قد قامت الصلاة نهض فكبر سمويه (طب) عن ابن أبى أوفى * كان اذا قام الى الصلاة رفع يديه مدا (ت) عن أبى هريرة * كان اذا قام فى الصلاة قبض على شماله بيمينه (طب) عن وائل بن حجر * كان اذا كان فى وتر من صلاته لم ينهض حتى يستوى قاعدا (د ت) عن مالك بن الحويرث * كان اذا كان راكعا أو ساجدا قال سبحانك وبحمدك أستغفرك وأتوب اليك (طب) عن ابن مسعود * كان اذا كبر للصلاة نشر أصابعه (د ت) عن أبى هريرة * كان ربما يضع يده على لحيته فى الصلاة من غير عبث (عد هق) عن ابن عمر * كان له حربة يمشى بها بين يديه فاذا صلى ركزها بين يديه (طب) عن عصمة بن مالك * كان لا يركع بعد الفرض فى موضع يصلى فيه الفرض (قط) فى الافراد عن ابن عمر * كان لا يكون فى المصلين الا كان أكثرهم صلاة ولا يكون فى الذاكرين الا كان أكثرهم ذكرا أبو نعيم فى أماليه (خط) وابن عساكر عن ابن مسعود * كان لا يأتيه من صلاة المغرب طعام ولا غيره (قط) عن جابر * كان يجمع بين الظهر والعصر والمغرب والعشاء فى السفر (حم خ) عن أنس * كان يحب أن يليه المهاجرون والانصار فى الصلاة ليحفظوا عنه (حم ن حب ك) عن أنس * كان يستحب أن يكون له فروة

---

يقول لا صلاة بعد صلاتين بعد الصبح حتى تطلع الشمس وبعد العصر حتى تغرب الشمس **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن عن مالك عن محمد بن عبد الله يعنى ابن أبى صعصعة عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم قال ليس فيما دون خمسة أوسق ولا خمس أواق ولا خمس ذود صدقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن عن سفيان وشعبة ومالك عن عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن ثنا مالك عن داود بن الحصين عن أبى سفيان عن أبى سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن المزابنة والمحاقلة والمزابنة اشتراء الثمرة فى رؤس النخل بالتمر كيلا والمحاقلة فى كراء الارض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال قرأت على عبد الرحمن مالك قال أبى وحدثناه أبو سلمة يعنى الخزاعى أنبأنا مالك عن صفوان بن سليم عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال غسل الجمعة واجب على كل محتلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال قرأت على عبد الرحمن مالك عن يحيى بن سعيد عن محمد بن ابراهيم بن الحرث التيمى عن أبى سلمة بن عبد الرحمن عن أبى سعيد الخدرى أنه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يخرج فيكم قوم تحقرون صلاتكم مع صلاتهم وصيامكم مع صيامهم وأعمالكم مع أعمالهم يقرؤن القرآن لا يجاوز حناجرهم يمرقون من الدين مروق السهم من الرمية ينظر فى النصل فلا يرى شيأ ثم ينظر فى القدح فلا يرى شيأ وينظر فى الريش فلا يرى شيأ ويتمارى فى الفوق قال عبد الرحمن **حدثناه** مالك يعنى هذا الحديث **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنا اسمعيل أنا هشام الدستوائى عن يحيى بن أبى كثير عن أبى سلمة قال تذاكرنا ليلة القدر ونحن نفر من قريش فأتيت أبا سعيد الخدرى وكان صديقا لى فقلت أخرج بنا الى النخل نتحدث وعليه خميصة له فقلت سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر ليلة القدر قال نعم اعتكفنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم العشر الوسط من رمضان فخطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صبيحة عشرين فقال أريت ليلة القدر فأنسيتها أو قال فنسيتها فالتمسوها فى العشر الاواخر فى الوتر فانى رأيت أنى أسجد فى ماء وطين فمن كان اعتكف مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فليرجع فرجعنا ومازرى فى السماء قزعة فجاءت سحابة فمطرنا حتى سال سقف المسجد وكان من جريد النخل وأقيمت الصلاة فرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يسجد فى الماء والطين حتى رأيت أثر الطين فى جبهته **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل أنا سعيد ابن يزيد عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من خلفائكم خليفة يحثى المال حثيا لا يعده عدا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل عن الجريرى عن أبى نضرة قال سألت ابن عباس عن الصرف فقال يدا بيد قلت نعم قال لا باس فلقيت أبا سعيد الخدرى فأخبرته انى سألت ابن عباس عن الصرف فقال لا باس فقال أو قال ذاك أما انا سنكتب اليه فأن يفتيكموه قال فوالله لقد جاء بعض فتيان رسول الله صلى الله عليه وسلم بتمر فانكره فقال كان هذا ليس من تمر أرضنا فقال كان فى تمرنا العام بعض الشئ وأخذت هذا وزدت بعض الزيادة فقال أضعفت أربيت لا تقربن هذا ذا ربا من تمرك شئ فبعه ثم اشتر الذى تريد من التمر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل أنا سعيد عن أبى نضرة عن ابى سعيد قال لم نعد ان فتحت خيبر وقعنا أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فى تيك البقلة فى الثوم فاكلنا منها اكلا شديدا وناس جياع ثم رحنا الى المسجد فوجد رسول الله صلى الله عليه وسلم الريح فقال من اكل من هذه البقلة

مدبوغة يصلى عليها ابن سعد عن المغيرة * كان يستحب الصلاة فى الحيطان (ت) عن معاذ * كان يستغفر للصف المقدم ثلاثا وللثانى مرة (حم ن) عن العرباض * كان يسجد على ممخ (طب) عن ابن عباس * كان يشير فى الصلاة (حم د) عن أنس * كان يصلى فى نعليه (حم ق ت م) عن أنس * كان يصلى الضحى ست ركعات (ت) فى الشمائل عن أنس * كان يصلى الضحى أربعا فيزيد ما شاء الله (حم م) عن عائشة * كان يصلى على الحمرة (خ د ن ه) عن ميمونة * كان يصلى على راحلته حيثما توجهت به فاذا أراد (٦١) أن يصلى المكتوبة نزل فاستقبل القبلة

الحديثة شيأ فلا يقربنا فى المسجد فقال ناس حرمت حرمت فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ايها الناس انه ليس لى تحريم ما أحل الله ولكنها شجرة أكرهها. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل ثنا محمد بن اسحق عن محمد بن عمرو بن عطاء عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان المؤمن لا يصيبه نصب ولا وصب ولا سقم ولا حزن ولا أذى حتى الهم يهمه الا الله يكفر عنه من سيئاته. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن نافع ان ابن عمر دخل على أبى سعيد وأنا معه فقال ان هذا حدثنى حديثا وكلكم انى تحدثه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أسمعه فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تبيعوا الذهب بالذهب ولا الورق بالورق الا مثلا بمثل ولا تشفوا بعضها على بعض ولا تبيعوا شيأ غائبا منها بناجز. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن زيد بن أسلم عن رجل عن أبى سعيد ان النبى صلى الله عليه وسلم قال اياكم والجلوس على الطريق وربما قال معمر على الصعدات قالوا يا رسول الله لا بد لنا من مجالسنا قال فاذا جالستم فادوا حقها قالوا وما حقها قال ردوا السلام وغضوا البصر وارشدوا السائل وأمروا بالمعروف وانهوا عن المنكر. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن على بن زيد بن جدعان عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة العصر ذات يوم بنهار ثم قام يخطبنا الى ان غابت الشمس فلم يدع شيأ مما يكون الى يوم القيامة الا حدثناه حفظ ذلك من حفظ ونسيه ذلك من نسى وكان فيما قال يا أيها الناس ان الدنيا خضرة حلوة وان الله مستخلفكم فيها فناظر كيف تعملون فاتقوا الدنيا واتقوا النساء ألا ان لكل غادر لواء يوم القيامة قدر غدرته ينصب عند أسته يجزى به ولا غادر أعظم من أمير عامة ثم ذكر الاخلاق فقال يكون الرجل سريع الغضب قريب الفيئة فهذه بهذه ويكون بطىء الغضب بطىء الفيئة فهذه بهذه فخيرهم بطىء الغضب سريع الفيئة وشرهم سريع الغضب بطىء الفيئة قال وان الغضب جرة فى قلب ابن آدم تتوقد ألم تروا الى حمرة عينيه وانتفاخ أوداجه فاذا وجد أحدكم ذلك فليجلس فان قال فليلصق بالارض قال ثم ذكر الطالبة فقال يكون الرجل حسن الطلب سىء القضاء فهذه بهذه ويكون حسن القضاء سىء الطلب فهذه بهذه فخيرهم الحسن الطلب الحسن القضاء وشرهم السىء الطلب السىء القضاء ثم قال ان الناس خلقوا على طبقات فيولد الرجل مؤمنا ويعيش مؤمنا ويموت مؤمنا وولد الرجل كافرا ويعيش كافرا ويموت كافرا وولد الرجل مؤمنا ويعيش مؤمنا ويموت كافرا وولد الرجل كافرا ويعيش كافرا ويموت مؤمنا ثم قال فى حديثه وما شىء أفضل من كلمة عدل تقال عند سلطان جائر فلا يمنعن أحدكم اتقاء الناس أن يتكلم بالحق اذا رآه أو شهده ثم بكى أبو سعيد فقال قد والله منعنا ذلك قال وانكم تموتون سبعين امة أنتم خيرها وأكرمها على الله ثم دنت الشمس ان تغرب فقال وان ما بقى من الدنيا فيما مضى منها مثل ما بقى من يومكم هذا فيما مضى منه. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن زكريا بن أبى زائدة قال سمعت مجالدا يقول أشهد على أبى الوداك انه شهد على أبى سعيد الخدرى انه سمعه يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الجنة ليرون أهل عليين كما ترون الكوكب الدرى فى أفق السماء ان أبا بكر وعمر انهم وانعما فقال اسمعيل بن أبى خالد وهو جالس مع مجالد على الطنفسة وأنا أشهد على عطية العوفى انه شهد على أبى سعيد الخدرى انه سمع النبى صلى الله عليه وسلم يقول ذلك. حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن زكريا بن أبى زائدة ثنا داود بن أبى هند عن

وآخره (حم) عن أبى مسعود * كان يوتر على البعير (ق) عن ابن عمر * كان آخر كلامه الصلاة الصلاة اتقوا الله فيما ملكت أيمانكم (د ه) عن على * (الاذان) * كان اذا سمع المؤذن قال مثل ما يقول حتى اذا بلغ حى على الصلاة حى على الفلاح قال لا حول ولا قوة الا بالله (حم) عن أبى رافع * كان له مؤذنان بلال وابن أم مكتوم الاعمى (م) عن ابن عمر * كان اذا سمع المؤذن يتشهد قال وأنا وأنا (د ن) عن عائشة * كان اذا سمع المؤذن قال حى على الفلاح قال اللهم اجعلنا مفلحين ابن السنى عن معاوية * (دخول المسجد) * كان اذا دخل المسجد قال أعوذ بالله

العظيم وبوجهه الكريم وبسلطانه القديم من الشيطان الرجيم وقال اذا قال ذلك حفظ منى سائر اليوم (د) عن ابن عمرو * كان اذا دخل المسجد يقول بسم الله والسلام على رسول الله اللهم اغفر لى ذنوبى وافتح لى أبواب رحمتك واذا خرج قال بسم الله والسلام على رسول الله اللهم اغفر لى ذنوبى وافتح لى أبواب فضلك (حم ٥ طب) عن فاطمة الزهراء * كان اذا دخل المسجد صلى على محمد وسلم وقال رب اغفر لى ذنوبى وافتح لى أبواب رحمتك واذا خرج (٦٢) صلى على محمد وسلم وقال رب اغفر لى ذنوبى وافتح لى أبواب فضلك (ت) عن فاطمة * كان اذا دخل المسجد قال بسم الله اللهم صل على محمد وأزواج محمد ابن السنى عن أنس

* (صلاة الجمعة) *

كان لا يصلى الوكعتين بعد الجمعة ولا الركعتين بعد المغرب الا فى أهله الطيالسى عن ابن عمر * كان يركع قبل الجمعة أربعا وبعدها أربعا يفصل فى شئ منهن (٥) عن ابن عباس * كان ينزل من المنبر يوم الجمعة فيكلمه الرجل فى الحاجة فيكلمه ثم يتقدم الى مصلاه فيصلى (حم ٤ لـ) عن أنس * كان ربما اغتسل يوم الجمعة وربما تركه أحيانا (طب) عن ابن عباس * كان لا يطيل الموعظة يوم الجمعة (د لـ) عن جابر بن سمرة * كان يجلس اذا صعد المنبر حتى يفرغ المؤذن ثم يقوم فيخطب ثم يجلس فلا يتكلم ثم يقوم فيخطب (د) عن ابن عمر * كان يخطب قائما ثم يجلس بين الخطبتين ويقرأ آيات ويذكر الناس (حم م د ن ه) عن جابر بن سمرة * كان يخطب بمقاف كل جمعة (ع) عن بنت الحرث بن النعمان * كان يغتسل يوم الجمعة ويوم الفطر ويوم النحر ويوم عرفة (حم ٥ طب) عن الضحاك ابن سعد * كان اذا خطب احمرت عيناه وعلا صوته واشتد غضبه كأنه منذر جيش يقول صبحكم مساكم (٥ حب لـ) عن جابر * كان اذا خطب فى الحرب خطب على قوس واذا خطب فى الجمعة خطب على عصا (٥ لـ ق) عن سعد القرظ * كان اذا خطب يعتمد على عنزة أو عصا الشافعى عن عطاء مرسلا * كان اذا صعد المنبر سلم (٥) عن جابر * كان

أبى نضرة عن أبى سعيد قال لما أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نرجم ماعز بن مالك خرجنا به الى البقيع فوالله ما حفرنا له ولا أوثقناه ولكنه قام لنا فرميناه بالعظام والخزف فاشتكى فهرب يشتد حتى انتصب لنا فى عرض الحرة فرميناه بجلاميد الجندل حتى سكت * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا زيد بن الحباب حدثنى المسعر بن الريان الزهرانى ثنا أبو نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أطيب الطيب المسك * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا زكريا بن عدى أنا عبيد الله يعنى ابن عمرو عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن حمزة بن أبى سعيد الخدرى عن أبيه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول على المنبر ما بال أقوام تقول ان رحم رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تنفع يوم القيامة والله ان رحمى لموصولة فى الدنيا والآخرة وانى أيها الناس فرط لكم على الحوض * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى ابن آدم ثنا أبو بكر عن مغيرة عن ابراهيم عن سهم بن منجاب عن قزعة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تسافر امرأة ثلاثا الا مع ذى رحم * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن آدم ثنا مسعر عن عبد الملك بن ميسرة قال أبى كذا قال يحيى بن آدم عن قزعة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تسافر امرأة فوق ثلاث يومين الا ومعها زوجها أو ذو محرم منها وجدت هذا الحديث فى كتاب أبى بخط يده وأحسبنى قد سمعته منه فى مواضع أخر حدثنا زيد بن الحباب أنا سماعيل بن مسلم الناجى عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ردد آية حتى أصبح * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن يزيد بن أبى زياد عن عبد الرحمن بن أبى نعم عن أبى سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحسن والحسين سيدا شباب أهل الجنة * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا هشام بن سعيد قال حدثنا معاوية بن أبى سلام الحبشى قال سمعت يحيى بن أبى كثير يقول سمعت عقبة بن عبد الغافر يقول سمعت أبا سعيد الخدرى يقول جاء بلال الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بتمر فقال من أين لك هذا فقال كان عندى تمر ردىء فبعت منه صاعين بصاع فقال النبى صلى الله عليه وسلم أوه عين الربا عين الربا فلا تقربنه ولكن بع تمرك بما شئت ثم اشتر به مايدا لك * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن اسحق واسود بن عامر قالا أنا شريك عن أبى اسحق وقيس بن وهب عن أبى الودك عن أبى سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فى سبى أوطاس لا توطأ حامل قال اسود حتى تضع ولا غير حامل حتى تحيض حيضة قال يحيى أو تستبرئ بحيضة * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان عن سلمة بن كهيل عن قزعة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا وصال يعنى فى الصوم * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد ومعاوية قالا حدثنا زائدة ثنا الاعمش عن مالك بن الحرث عن أبى سعيد الخدرى قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن التمر والزبيب وعن الزهو والتمر فقلت لسليمان أن ينبذا جميعا قال نعم * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد ثنا أبو عقيل قال ثنا أبو نضرة عن أبى سعيد قال جاء اعرابى الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال عامة طعام أهلى يعنى الضباب فلم يجبه فلم يجاوز الا قريبا فعاوده فلم يجبه فعاوده ثلاثا فقال ان الله تعالى لعن أو غضب على سبط من بنى اسرائيل فمسخوا دواب فلا أدرى لعله بعضها فاست باكلها ولا أنهى عنها * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد الخياط ثنا عبد الملك الاحول عن سعيد بن عمرو بن سليم عن رجل من قومه يقال له فلان بن معاوية أو معاوية بن فلان عن أبى سعيد الخدرى قال الميت يعرف من يغسله

اذا قام من منبره يوم الجمعة سلم على من عنده من الجلوس فاذا صعد المنبر استقبل الناس بوجهه ثم سلم قبل أن يجلس (هق) عن ابن عمر * كان اذا قام على المنبر استقبله أصحابه بوجوههم (ه) عن ثابت * (الذكر) * كان يذكر الله تعالى على كل احيانه (م د ت ه) عن عائشة * كان يكثر الذكر ويقل اللغو ويطيل الصلاة ويقصر الخطبة وكان لا يأنف ولا يستكبر أن يمشي مع الارملة والمسكين والعبد حتى يقضي له حاجته (ن ك) عن ابن أبي أوفى (ك) عن أبي سعيد * (الاستقامة) *

ويحمله ويدليه قال فقمت من عند أبي سعيد الى ابن عمر فاخبرته فيما أبو سعيد فقال له ابن عمر من سمعت هذا الحديث قال من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أسمعيل عن أبي قديك ثنا الضحاك يعني ابن عثمان عن زيد بن أسلم عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا ينظر الرجل الى عورة الرجل ولا تنظر المرأة الى عورة المرأة ولا يفضي الرجل الى الرجل في الثوب ولا تفضي المرأة الى المرأة في الثوب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن اسمعيل ثنا الضحاك عن محمد يعني ابن عمرو عن ابن محيريز انه سمع أبا صرمة المازني وأبا سعيد الخدري يقولان أصبنا سبايا في غزوة بني المصطلق وهي الغزوة التي أصاب فيها رسول الله صلى الله عليه وسلم جويرية وكان منا من يريد أن يتخذ أهلا ومنا من يريد أن يستمتع ويبيع فتراجعنا في العزل فذكرنا ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فقال ما عليكم أن لا تعزلوا فان الله قدر ما هو خالق الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة عن أبي المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون من النار يوم القيامة فيحتبسون على قنطرة بين الجنة والنار فيقتص لبعضهم من بعض مظالم كانت بينهم في الدنيا حتى اذا هذبوا ونقوا اذن لهم في دخول الجنة فوالذي نفسي بيده لأحدهم أهدى بمنزله في الجنة منه بمنزله كان في الدنيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سيار ثنا جعفر ثنا المعلى بن زياد ثنا العلاء بن بشير المزني وكان والله ما علمت صواما عند اللقاء بكاء عند الذكر عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال كنت في حلقة من الانصار ان بعضنا ليستتر ببعض من العري وقارئ لنا يقرؤ علينا فنحن نستمع الى كتاب الله اذ وقف علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم وقعد فينا ليعدل نفسه معهم فكف القارئ فقال ما كنتم تقولون فقلنا يا رسول الله كان قارئ لنا يقرؤ علينا كتاب الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده وحلق بها يومئ اليهم أن تحلقوا فاستدارت الحلقة فما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم عرف منهم أحدا غيري قال فقال أبشروا يا معشر الصعاليك تدخلون الجنة قبل الاغنياء بنصف يوم وذلك خمسمائة عام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر أنا مالك بن مغول عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الرجل من امتي ليشفع للفئام من الناس فيدخلون الجنة بشفاعته وان الرجل ليشفع للقبيلة من الناس فيدخلون الجنة بشفاعته وان الرجل ليشفع للرجل وأهل بيته فيدخلون الجنة بشفاعته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن سعيد أنا فليح وسريج قال ثنا فليح عن محمد بن عمرو بن ثابت عن أبيه قال مر بي ابن عمر فقلت من أين اصبحت غاديا أبا عبد الرحمن قال الى أبي سعيد الخدري فانطلقت معه فقال أبو سعيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انى نهيتكم عن لحوم الاضاحي فادخروه بعد ثلاثة أيام فكلوا وادخروا فقد جاء الله بالسعة ونهيتكم عن أشياء من الاشربة والانبذة فاشربوا وكل مسكر حرام ونهيتكم عن زيارة القبور فزوروها ولا تقولوا هجرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هاشم ابن القاسم وبهز قالا ثنا سليمان عن حميد عن أبي صالح قال بهز السمان عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا صلى أحدكم قال بهز الى شيء يستره من الناس فاراد أحد أن يجتاز بين يديه فليدفع في نحره فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن الاعمش عن ذكوان عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تسبوا أصحابي فلو أن أحدكم انفق

ر ويحمله ويدليه قال فقمت من عند أبي سعيد الى ابن عمر فاخبرته فيما أبو سعيد فقال له ابن عمر من سمعت هذا الحديث قال من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أسمعيل عن أبي قديك ثنا الضحاك يعني ابن عثمان عن زيد بن أسلم عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا ينظر الرجل الى عورة الرجل ولا تنظر المرأة الى عورة المرأة ولا يفضي الرجل الى الرجل في الثوب ولا تفضي المرأة الى المرأة في الثوب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن اسمعيل ثنا الضحاك عن محمد يعني ابن عمرو عن ابن محيريز انه سمع أبا صرمة المازني وأبا سعيد الخدري يقولان أصبنا سبايا في غزوة بني المصطلق وهي الغزوة التي أصاب فيها رسول الله صلى الله عليه وسلم جويرية وكان منا من يريد أن يتخذ أهلا ومنا من يريد أن يستمتع ويبيع فتراجعنا في العزل فذكرنا ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فقال ما عليكم أن لا تعزلوا فان الله قدر ما هو خالق الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة عن أبي المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون من النار يوم القيامة فيحتبسون على قنطرة بين الجنة والنار فيقتص لبعضهم من بعض مظالم كانت بينهم في الدنيا حتى اذا هذبوا ونقوا اذن لهم في دخول الجنة فوالذي نفسي بيده لأحدهم أهدى بمنزله في الجنة منه بمنزله كان في الدنيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سيار ثنا جعفر ثنا المعلى بن زياد ثنا العلاء بن بشير المزني وكان والله ما علمت صواما عند اللقاء بكاء عند الذكر عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال كنت في حلقة من الانصار ان بعضنا ليستتر ببعض من العري وقارئ لنا يقرؤ علينا فنحن نستمع الى كتاب الله اذ وقف علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم وقعد فينا ليعدل نفسه معهم فكف القارئ فقال ما كنتم تقولون فقلنا يا رسول الله كان قارئ لنا يقرؤ علينا كتاب الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده وحلق بها يومئ اليهم أن تحلقوا فاستدارت الحلقة فما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم عرف منهم أحدا غيري قال فقال أبشروا يا معشر الصعاليك تدخلون الجنة قبل الاغنياء بنصف يوم وذلك خمسمائة عام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر أنا مالك بن مغول عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الرجل من امتي ليشفع للفئام من الناس فيدخلون الجنة بشفاعته وان الرجل ليشفع للقبيلة من الناس فيدخلون الجنة بشفاعته وان الرجل ليشفع للرجل وأهل بيته فيدخلون الجنة بشفاعته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن سعيد أنا فليح وسريج قال ثنا فليح عن محمد بن عمرو بن ثابت عن أبيه قال مر بي ابن عمر فقلت من أين اصبحت غاديا أبا عبد الرحمن قال الى أبي سعيد الخدري فانطلقت معه فقال أبو سعيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انى نهيتكم عن لحوم الاضاحي فادخروه بعد ثلاثة أيام فكلوا وادخروا فقد جاء الله بالسعة ونهيتكم عن أشياء من الاشربة والانبذة فاشربوا وكل مسكر حرام ونهيتكم عن زيارة القبور فزوروها ولا تقولوا هجرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هاشم ابن القاسم وبهز قالا ثنا سليمان عن حميد عن أبي صالح قال بهز السمان عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا صلى أحدكم قال بهز الى شيء يستره من الناس فاراد أحد أن يجتاز بين يديه فليدفع في نحره فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن الاعمش عن ذكوان عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تسبوا أصحابي فلو أن أحدكم انفق

صاحبه (خ ه) عن عائشة * كان أحب العمل اليه ما داوم عليه وان قل (ت ن) عن عائشة وأم سلمة .

* (صلاة نوافل قيام الليل) *

* كان اذا تهجد يسلم بين كل ركعتين ابن نصر عن أبي أيوب * كان اذا قام من الليل يشوص فاه بالسواك (ق د ن ه) عن حذيفة * كان اذا قام من الليل افتتح صلاته بركعتين خفيفتين (م) عن عائشة * كان اذا قرأ من الليل رفع طورا وخفض طورا ابن نصر عن أبي هريرة * كان اذا نام من الليل أو مرض صلى من النهار ثنتي عشرة ركعة (م د) عن عائشة كان لا يدع قيام الليل وكان اذا مرض أو كسل صلى قاعدا (د ك) عن عائشة * كان يصلي من الليل ثلاث عشرة ركعة منها الوتر وركعتا الفجر (ق د) عن عائشة * كان يصلي بالليل ركعتين ركعتين ثم ينصرف فيستاك (حم ن ه ك م) عن ابن عباس * كان يجيء التهجد من الليل (طب) عن جندب * كان يقوم اذا سمع الصارخ (حم ق د ن) عن عائشة * كان يقوم من الليل حتى تتفطر قدماه (ق ت ن ه) عن المغيرة * (صلاة الكسوف) * كان اذا انكسفت الشمس أو القمر صلى حتى تجلى (طب) عن النعمان بن بشير * كان يأمر بالعتاقة في صلاة الكسوف (د ك) عن أسماء * (الفصل الثالث في الدعاء) * (الهم والحزن) * كان اذا أهمه الامر رفع رأسه الى السماء وقال سبحان الله العظيم واذا اجتهد في الدعاء قال يا حي يا قيوم (ت) عن أبي هريرة * كان اذا حزبه أمر

قال لا اله الا الله الحليم الكريم سبحان الله رب العرش العظيم الحمد لله رب العالمين (حم) عن عبد الله بن جعفر * كان اذا خاف به أمر صلى (حم د) عن حذيفة * كان اذا خاف قوما قال اللهم انا نجعلك في نحورهم ونعوذ بك من شرورهم (حم دك هق) عن أبي موسى * كان اذا كربه أمر قال يا حي يا قيوم برحمتك أستغيث (ت) عن أنس * كان اذا نزل به هم أو غم قال يا حي يا قيوم برحمتك أستغيث (ك) عن ابن مسعود * كان يدعو عند (٦٤م) الكرب لا اله الا الله العظيم الحليم لا اله الا الله رب العرش العظيم لا اله الا الله رب السموات السبع ورب الارض ورب العرش الكريم (حم ق ت ه) عن ابن عباس (طب) وزاد اصرف عني شر فلان * كان اذا اهتم أكثر من مس لحيته ابن السني وأبو نعيم في الطب عن عائشة أبو نعيم عن أبي هريرة * كان اذا غشم أخذ لحيته بيده ينظر فيها الشيرازي عن أبي هريرة * كان اذا أصابته شدة فدعا رفع يديه حتى يرى بياض ابطيه (ع) عن البراء * كان اذا أصابه غم أو كرب يقول حسبي الرب من العباد حسبي الخالق من المخلوقين حسبي الرازق من المرزوقين حسبي الذي هو حسبي حسبي الله ونعم الوكيل حسبي الله لا اله الا هو عليه توكلت وهو رب العرش العظيم ابن أبي الدنيا في الفرج من طريق الخليل بن مرة عن فقيه أهل الاردن بلاغا * (الصباح والمساء) * كان اذا أصبح واذا أمسى يدعو بهذه الدعوات اللهم اني أسألك من فجأة الشر فان العبد لا يدري ما يفجؤه اذا أصبح واذا أمسى (ع) وابن السني عن أنس * كان حتى

مثل احد ذهبا ما بلغ مد أحدهم ولا نصيفه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم حدثنا عبد الحميد حدثني شهر قال سمعت أبا سعيد الخدري وذكرت عنده صلاة في الطور فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا ينبغي للمطي ان تشد رحاله الى مسجد ينبغي فيه الصلاة غير المسجد الحرام والمسجد الاقصى ومسجدي هذا ولا ينبغي لامرأة اذا دخلت الاسلام ان تخرج من بيتها مسافرة الا مع بعل أو مع ذي محرم منها ولا ينبغي الصلاة في ساعتين من النهار من بعد صلاة الفجر الى أن ترحل الشمس ولا بعد صلاة العصر الى ان تغرب الشمس ولا ينبغي الصوم في يومين من الدهر يوم الفطر من رمضان ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الواحد يعني ابن زياد ثنا اسحق بن سرقي مولى عبد الله بن عمر عن عبد الله بن عمر قال حدثني أبو سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما بين قبري ومنبري روضة من رياض الجنة قال عبد الله قال أبي اسحق ابن سرقي ثنا عنه محمد بن فضيل ثنا اسحق بن عبد الرحمن وقال عبد الواحد بن زياد اسحق بن رقي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون في أمتي فرقتان يخرج بينهما مارقة يلي قتلها أولاهما بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا سليمان الاسود عن أبي المتوكل عن ابي سعيد ان رجلا جاء وقد صلى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ألا رجل يتصدق على هذا فيصلي معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا مهدي عن ميمون ثنا محمد بن سيرين عن معبد بن سيرين عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يخرج أناس من قبل المشرق يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية ثم لا يعودون فيه حتى يعود السهم على فوقه قيل ما سيماهم قال سيماهم التحليق والتسبيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن قتادة وسعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الضيافة ثلاثة أيام فما كان بعد ذلك فهو صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن خليد بن جعفر عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل غادر لواء يوم القيامة عند أسته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا أبان ثنا قتادة عن عبد الله بن أبي عتبة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لتحجن البيت وليعتمرن بعد خروج يأجوج ومأجوج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا خالد بن عبد الله ثنا يزيد بن أبي زياد عن عبد الرحمن بن أبي نعم عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحسن والحسين سيدا شباب أهل الجنة وفاطمة سيدة نسائهم الا ما كان من مريم بنت عمران **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب قال ثنا الاوزاعي عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري ان اعرابيا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ان لي ابلا وانى أريد الهجرة فما تأمرني قال هل تمنح منها قال نعم قال وتؤدي زكاتها قال نعم قال وتحلبها يوم وردها قال نعم فقال انطلق واعمل وراء البحار فان الله لن يترك من عملك شيأ وان شأن الهجرة شديد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب ثنا الحمارة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال تكثر الصواعق عند اقتراب الساعة

حتى اذا أصبح واذا أمسى قال أصبحنا على فطرة الاسلام وكلمة الاخلاص ودين نبينا محمد وملة أبينا ابراهيم حنيفا مسلما وما كان من المشركين (حم طب) عن عبد الرحمن بن أبزي * كان اذا دعا الرجل أصابته الدعوة وولده وولد ولده (حم) عن حذيفة * كان اذا دعا عبدا أبنفسه (طب) عن أبي أيوب * كان اذا دعا فرفع يديه مسح وجهه بيديه (د) عن يزيد * كان اذا دعا جعل باطن كفه الى وجهه (طب) عن ابن

عباس * كان اذا ذكر أحدا فدعا له بدأ بنفسه (٣ حب ك) عن أبي * كان اذا رفع يديه في الدعاء لم يحطهما حتى يمسح بهما وجهه (ت ك) عن ابن عمر * كان اذا سأل جعل باطن كفيه الى وجهه واذا استعاذ جعل ظاهرهما اليه (حم) عن السائب بن خلاد * كان أكثر دعائه يا مقلب القلوب ثبت قلبي على دينك فقيل له في ذلك قال انه ليس آدمي الا وقلبه بين اصبعين من أصابع الله فمن شاء أقام ومن شاء أزاغ (ت) عن أم سلمة * كان أكثر دعوته يدعو بها ربنا آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب (٦٥) النار (حم ق د) عن أنس * كان

حتى يأتي الرجل القوم فيقول من صعق منكم الغداة فيقولون صعق فلان وفلان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب ثنا الاوزاعي عن الزهري عن أبي سلمة والضحاك المشرقي عن أبي سعيد الخدري قال بينا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقسم يوما قسما اذ أتاه ذو الخويصرة رجل من بني تميم فقال يا محمد اعدل فوالله ما عدلت منذ اليوم فقال النبي صلى الله عليه وسلم ويلك والله لا تجدون بعدي أعدل عليكم مني ثلاث مرات فقال عمر يا رسول الله ائذن لي فأضرب عنقه فقال لا ان له أصحابا يحقر أحدكم صلاته مع صلاتهم وصيامه مع صيامهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية ينظر صاحبه الى فوقه فلا يرى شيأ ثم ينظر الى قذذه فلا يرى شيأ ثم ينظر الى نصله فلا يرى شيأ آيتهم رجل احدى يديه كاليضعة أو كثدي المرأة يخرجون على فرقة من الناس يقتلهم أولى الطائفتين بالله قال أبو سعيد فأشهد اني سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم واني شهدت عليا حين قتلهم فالتمس في القتلى فوجد على النعت الذي نعت رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ربيعة ثنا محمد بن الحسن يعني ابن عطية العوفي عن أبيه عن جده عن أبي سعيد قال لعن رسول الله صلى الله عليه وسلم النائحة والمستمعة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا بشير بن حرب سمعت أبا سعيد الخدري يحدث قال غزونا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فدك وخيبر قال ففتح الله على رسوله فدك وخيبر فوقع الناس في بقلة لهم هذا الثوم والبصل قال فراحوا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم خوجدر يحها فاذى به ثم عاد القوم فقال لا لا تأكلوه فمن أكل منها شيأ فلا يقربن مجلسنا قال ووقع الناس يوم خيبر في لحوم الحمر الاهلية ونصبوا القدور ونصبت قدري فمن نصب فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال انها كم عنه انها كم نجسة مرتين فأكفئت القدور فكفأت قدري فمن كفأ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا حدثنا فليح عن سعيد بن الحرث عن أبي سلمة قال كان أبو هريرة يحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ان في الجمعة ساعة لا يوافقها مسلم وهو في صلاة يسأل الله خيرا الا آتاه اياه قال وقالها أبو هريرة بيده قال فلما توفي أبو هريرة قلت والله لو جئت أبا سعيد فسألته عن هذه الساعة ان يكون عنده منها علم فأتيته فاجده يقوم عراجين فقلت يا أبا سعيد ما هذه العراجين التي أراك تقوم قال هذه عراجين جعل الله لنا فيها بركة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحبها ويتخصر بها فكنا نقومها ونتبيها فرأى بصاقا في قبلة المسجد وفي يده عرجون من تلك العراجين فحكه وقال اذا كان أحدكم في صلاته فلا يبصق امامه فان ربه امامه ولا يبصق عن يساره وتحت قدمه فان لم قال سريج لم يجد مبصقا في ثوبه أو نعله قال ثم هاجت السماء من تلك الليلة فلما خرج النبي صلى الله عليه وسلم لصلاة العشاء الآخرة ورقت ورقة فرأى قتادة بن النعمان فقال ما السرى يا قتادة قال علمت يا رسول الله ان شاهد الصلاة قليل فأحببت ان أشهدها قال فاذا صليت فأتيت حتى أمر بك فلما انصرف أعطاه العرجون وقال خذ بهذا فسيضيء امامك عشرا وخلفك عشرا فاذا دخلت البيت وتراءيت سوادا في زاوية البيت فاضربه قبل أن يتكلم فانه شيطان قال ففعل فنحن نحب هذه العراجين لذلك قال قلت يا أبا سعيد ان أبا هريرة حدثنا عن الساعة التي في الجمعة فهل عندك منها علم فقال سألت النبي صلى الله عليه وسلم عنها فقال اني كنت قد أعلمتها ثم أنسيتها كما أنسيت ليلة القدر قال ثم خرجت من عنده فدخلت على عبد الله بن سلام حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا فليح قال سمعت أبا بكر بن المنكدر عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم على كل محتلم الغسل يوم

يستحب الجوامع من الدعاء ويدع ما سوى ذلك (د ك) عن عائشة * كان يستفتح دعاءه بسبحان ربي العلي الاعلى الوهاب (حم ك) عن سلمة بن الاكوع * كان يستفتح ويستنصر باصعاليك المسلمين (ش طب) عن أمية بن عبد الله * كان يصلي على الرجل يراه يخوم أصحابه هناد عن علي بن رباح مرسلا * (الاستسقاء) * كان اذا استسقى قال اللهم اسق عبادك وبهائمك وانشر رحمتك واحي بلدك الميت (د) عن ابن عمرو * كان اذا استسقى قال اللهم أنزل في أرضنا ركتها وزينتها وسكناها وأرزقنا وأنت خير الرازقين أبو عوانة (طب) عن سمرة * كان يستمطر في أول مطرة ينزع ثيابه كلها الا الازار (حل) عن أنس * كان اذا رأى المطر قال اللهم صيبا نافعا (خ) عن عائشة * كان اذا سال السيل قال اخرجوا بنا الى هذا الوادي الذي جعله الله طهورا فنتطهر منه ونحمد الله عليه الشافعي (هق) عن يزيد بن الهاد مرسلا * كان يبدو الى التلاع (ه حب) عن

(طب) عن ابن عباس * كان اذا اشتدت الريح قال اللهم لقحا لاعقيما (حب ك) عن سلمة بن الاكوع * (الرعد) * كان اذا سمع صوت الرعد والصواعق قال اللهم لا تقتلنا بغضبك ولا تهلكنا بعذابك وعافنا قبل ذلك (حم ت ك) عن ابن عمر * (التعوذ) * كان يتعوذ من جهد البلاء ودرك الشقاء وسوء القضاء وشماتة الاعداء (ق ن) عن أبي هريرة * كان يتعوذ من خمس من الجبن والبخل وسوء العمر وفتنة الصدر وعذاب القبر (د ن ه) عن عمر * كان (٦٦) يتعوذ من الجان وعين الانسان حتى نزلت المعوذتان فلما نزلتا أخذ بهما وترك ما سواهما

(ت ن ه) والضياء عن أبي سعيد * كان يتعوذ من موت الفجأة وكان يعجبه أن يعرض قبل أن يموت (طب) عن أبي امامة * (رؤية الهلال) * كان اذا رأى الهلال قال هلال خير ورشد آمنت بالذي خلقك ثلاثا ثم يقول الحمد لله الذي ذهب بشهر كذا وجاء بشهر كذا (د) عن قتادة بلاغا ابن السني عن أبي سعيد * كان اذا رأى الهلال قال هلال خير ورشد اللهم اني أسألك من خير هذا ثلاثا اللهم اني أسألك من خير هذا الشهر وخير القدر وأعوذ بك من شره ثلاث مرات (طب) عن رافع بن خديج * كان اذا رأى الهلال قال اللهم أهله علينا باليمن والايمان والسلامة والاسلام ربي وربك الله (حم ت ك) عن طلحة * كان اذا رأى الهلال قال الله أكبر الله أكبر الحمد لله لا حول ولا قوة الا بالله اللهم اني أسألك من خير هذا الشهر وأعوذ بك من شر القدر ومن شر يوم المحشر (عم طب) عن عبادة بن الصامت * كان اذا رأى الهلال قال اللهم أهله علينا بالامن والايمان والسلامة والاسلام والتوفيق لما تحب وترضى ربنا وربك الله فقد

(طب) عن ابن عمر * كان اذا رأى الهلال قال اللهم أهله علينا بالامن والايمان والسلامة والاسلام والسكينة والعافية والرزق الحسن ابن السني عن جد بن السلمي * كان اذا رأى الهلال صرف وجهه عنه (د) عن قتادة مرسلا * كان اذا رأى الهلال قال هلال خير الحمد لله الذي ذهب بشهر كذا وجاء بشهر كذا أسألك من خير هذا الشهر ونوره وبركته وهداه وطهوره ومعافاته ابن السني عن عبد الله بن مطرف

---

الجمعة ويلبس من صالح ثيابه وان كان له طيب مس منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن ابن شهاب عن عمرة هي بنت عبد الرحمن بن سعد بن زرارة الانصارية ان عائشة زوج النبي صلى الله عليه وسلم أخبرت ان أبا سعيد الخدري تعني أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يصلح للمرأة ان تسافر الا ومعها ذو محرم لها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا فليح عن محمد بن عمرو بن عاتك قال حدثني أبي ان عبد الله بن عمرو مر به فقال له ابن تريد يا أبا عبد الرحمن قال أردت أبا سعيد الخدري فانطلقت معه قال فقال ابن عمر يا أبا سعيد اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن لحوم الاضاحي وعن أشياء من الاشربة وعن زيارة القبور وقد بلغني انك تحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في ذلك قال أبو سعيد سمعت أذناي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يقول اني نهيتكم عن أكل لحوم الاضاحي بعد ثلاث فيكلوا وادخروا فقد جاء الله بالسعة ونهيتكم عن أشياء من الاشربة أو الانبذة فاشربوا وكل مسكر حرام ونهيتكم عن زيارة القبور فان زرتموها فلا تقولوا هجرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا فليح عن سعيد ابن عبيد عن السباق عن أبي سعيد الخدري قال لما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم كنا نؤذنه لمن حضر من موتانا فيأتيه قبل ان يموت فيحضره ويدعو له ويستغفر له وينتظر موته قال فكان ذلك مما حبسها الحبس الطويل فشق عليه قال فقلنا أرفق برسول الله ان لا نؤذنه بالميت حتى يموت قال فكنا اذا مات منا الميت آذناه به فجاء في أهله فاستغفر له وصلى عليه ثم ان بلالا ان يشهده انتظر شهوده وان بلالا ان ينصرف انصرف قال فكنا على ذلك طبقة أخرى قال فقلنا أرفق برسول الله صلى الله عليه وسلم ان نحمل موتانا الى بيته ولا بشخوصه ولا تعنيه قال ففعلنا ذلك فكان الامر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن علي عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لابن صائد ما ترى قال أرى عرشا على البحر حوله الحيات فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يرى عرش ابليس حدثنا عبد الله حدثني أبي وحدثناه مؤمل عن أبي نضرة عن جابر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن ضمرة ابن سعيد عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صلاتين وعن صيام يومين وعن لبستين عن الصلاة بعد العصر حتى تغيب الشمس وبعد الفجر حتى تطلع الشمس ونهى عن صيام يوم العيدين وعن اشتمال الصماء وان يحتبي الرجل في الثوب الواحد قال يونس في حديثه ليس على فرجه شيء وقال سريج في حديثه عن صيام يوم الاضحى ويوم الفطر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الاعلى عن معمر عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن لبستين وعن بيعتين الملامسة والمنابذة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد انا هشام عن محمد عن أبي العالية قال سألت أبا سعيد الخدري عن تبيد الجرف فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن هذا الجرف قلت فالجف قال ذاك أشر وأشر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد انا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله انا بارض مضبة فما تأمرنا قال بلغني ان أمة من بني اسرائيل مسخت دواب فلا أدري أي الدواب هي قال فلم يأمر ولم ينه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد حدثنا سليمان بن علي حدثنا أبو المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الذهب بالذهب والفضة بالفضة والتمر بالتمر والبر بالبر والشعير بالشعير والملح بالملح سواء بسواء مثل بمثل من زاد أو استزاد

* كان اذا نظر الى الهلال قال اللهم اجعله هلال يمن ورشد آمنت بالذي خلقك فعدلك تبارك الله أحسن الخالقين ابن السني عن أنس (متفرقات الدعاء) * كان اذا دخل رجب قال اللهم بارك لنا في رجب وشعبان وبلغنا رمضان وكان اذا كانت ليلة الجمعة قال هذه ليلة غراء ويوم أزهر (هب) وابن عساكر عن أنس * كان يجمع أن يدعو ثلاثا وأن يستغفر ثلاثا (حم د) عن ابن مسعود * كان اذا أتاه قوم بصدقتهم قال اللهم صل على آل فلان (حم ق د ن ه) عن ابن أبي أوفى * كان اذا أراد (٦٧) أن يدعو على أحد أو يدعو لاحد قنت بعد الركوع (خ) عن أبي هريرة * كان اذا أراد أمرا قال اللهم خر لي واخترلي (ت) عن أبي بكر * كان اذا رفع بصره الى السماء قال يا مصرف القلوب ثبت قلبي على طاعتك ابن السني عن عائشة

* (الفصل الرابع في الصوم وما يتعلق به) * كان اذا أفطر قال ذهب الظمأ وابتلت العروق وثبت الاجر ان شاء الله (د ك) عن ابن عمر * كان اذا أفطر قال اللهم لك صمت وعلى رزقك أفطرت (د) عن معاذ ابن زهرة مرسلا * كان اذا أفطر قال اللهم لك صمت وعلى رزقك أفطرت فتقبل مني انك أنت السميع العليم (طب) وابن السني عن ابن عباس * كان اذا أفطر قال الحمد لله الذي أعانني فصمت ورزقني فأفطرت ابن السني (طب) عن معاذ * كان اذا دخل قال هل عندكم طعام فاذا قيل لا قال اني صائم (د) عن عائشة * كان اذا دخل رمضان أطلق كل أسير وأعطى كل سائل (هب) عن ابن عباس ابن سعد عن عائشة * كان اذا دخل شهر رمضان شد مئزره ثم لم يأت فراشه حتى ينسلخ (هب) عن عائشة * كان اذا دخل رمضان تغير لونه وكثرت صلاته وابتهل في الدعاء وأشفق لونه (هب) عن عائشة * كان اذا كان الرطب لم يفطر الا على الرطب واذا لم يكن الرطب لم يفطر الا على التمر عبد بن حميد عن جابر * كان اذا كان صائما أمر رجلا فأوفى على شئ فاذا قال غابت الشمس أفطر (ك) عن سهل بن سعد (طب) عن أبي الدرداء * كان أكثر ما يصوم الاثنين والخميس فقيل له فقال الاعمال تعرض كل اثنين وخميس فيغفر لكل مسلم الا المتهاجرين فيقول

فقد أبى الآخذ والمعطي رسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا محمد بن اسحق عن عاصم بن عمر وابن قتادة عن محمود بن لبيد عن أبي سعيد الخدري وعن أبي الزناد عن الاعرج عن أبي هريرة قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار ولو سلك الناس في واد أو شعب وسلكت الانصار واد الأو شعبا لسلكت وادي الانصار وشعبهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا محمد وحميد بن عبيد قال ثنا محمد بن اسحق عن يعقوب بن عتبة عن سليمان بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن صيام يومين وعن صلاتين وعن نكاحين سمعته ينهى عن الصلاة بعد الصبح حتى تطلع الشمس وبعد العصر حتى تغرب الشمس وعن صيام يوم الفطر والاضحى وأن يجمع بين المرأة وخالتها وبين المرأة وعمتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد هرون أنا محمد بن عمرو عن أبي سلمة عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المحاقلة والمزابنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا محمد بن عمرو عن عمرو بن الحكم بن ثوبان ان أبا سعيد الخدري قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم علقمة بن مجزز على بعث أنا فيهم حتى انتهينا الى رأس غزاتنا أو كنا ببعض الطريق اذن لطائفة من الجيش وأمر عليهم عبد الله بن حذافة بن قيس السهمي وكان من أصحاب بدر وكانت فيه دعابة يعني مزاحا وكنت من رجع معه فنزلنا ببعض الطريق قال فرأوا قد القوم نارا يصنعون عليها صنيعا لهم أو يصطلون قال فقال لهم أليس لي عليكم السمع والطاعة قالوا بلى قال فما أنا بآمركم بشئ ان صنعتموه قالوا بلى قال أعزم عليكم بحقي وطاعتي لما رأيتم في هذه النار فقام ناس فتحجزوا حتى اذا ظن انهم واثبون قال احبسوا أنفسكم فانما كنت أضحككم فذكروا ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم بعد ان قدموا فقال النبي صلى الله عليه وسلم من أمركم منهم بمعصية فلا تطيعوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سعيد عن قتادة عن سعيد بن المسيب ان أبا سعيد الخدري حدثهم ان غلاما للنبي صلى الله عليه وسلم أتاه ذات يوم بتمر ريان وكان تمر النبي صلى الله عليه وسلم يعلافيه يبس فقال النبي صلى الله عليه وسلم اني لك هذا التمر فقال هذا صاع اشتريناه بصاعين من تمرنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا تفعل فان هذا لا يصلح ولكن بع تمرك واشتر من أي تمر شئت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا المسعودي عن زيد العمي عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال جلد على عهد النبي صلى الله عليه وسلم في الخمر بنعلين أربعين فلما كان زمن عمر جلد بدل كل نعل سوطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يزيد وأبو النضر عن ابن أبي ذئب قال يزيد أنا ابن أبي ذئب عن الزهري عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن اختناث الاسقية قال أبو النضر أن يشرب من أفواهها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال ثنا ابن أبي ذئب عن سعيد بن خالد قال دخلت على أبي سلمة فاتانا بزيد وكتلة فاسقط ذباب في الطعام فجعل أبو سلمة يمجه باصبعه فيه فقلت يا خال ما تصنع فقال ان أبا سعيد الخدري حدثني عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أحد جناحي الذباب سم والآخر شفاء فاذا وقع في الطعام فامقلوه فانه يقدم السم ويؤخر الشفاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد وحجاج قالا أنا ابن أبي ذئب عن المقبري عن عبد الرحمن بن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال حبسنا يوم الخندق حتى ذهب هوي من الليل حتى كفينا وذلك قول الله وكفى الله المؤمنين القتال وكان الله قويا عزيزا قال فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بلالا فامره فاقام فصلى الظهر

أخروهما (حم) عن أبي هريرة * كان أكثر صومه السبت والاحد يقول هما يوما عيد المشركين فاحب أن أخالفهم (حم ت ك هق) عن أم سلمة * كان لا يجيز على شهادة الافطار الا رجلين (هق) عن ابن عباس وابن عمر * كان لا يدع صوم أيام البيض في سفر ولا حضر (طب) عن ابن عباس * كان يبدأ بالشراب اذا كان صائما وكان لا يعب شربة مرتين أو ثلاثا (طب) عن أم سلمة * كان لا يصلي المغرب حتى يفطر ولو على شربة من ماء (لـ هب) عن أنس (٦٨) * كان يبدأ اذا أفطر بالتمر (ن) عن أنس * كان يتحرى صيام الاثنين والخميس (ت ن) عن عائشة * كان يحب أن يفطر على ثلاث تمرات أو شيء لم تصبه النار (ع) عن أنس * كان يدركه الفجر وهو جنب من أهله ثم يغتسل ويصوم مالك (ق ٤) عن عائشة وأم سلمة * كان يستحب اذا أفطر أن يفطر على لبن (قط) عن أنس * كان يصوم عاشوراء ويأمر به (عم) عن علي * كان يصوم الاثنين والخميس (ه) عن أبي هريرة * كان يصوم من غرة كل شهر ثلاثة أيام وقلما كان يفطر يوم الجمعة (ت) عن ابن مسعود * كان يصوم تسع ذي الحجة ويوم عاشوراء وثلاثة أيام من كل شهر أول اثنين من الشهر والخميس والاثنين من الجمعة الاخرى (حم د ن) عن حفصة * كان يصوم من الشهر السبت والاحد والاثنين ومن الشهر الآخر الثلاثاء والاربعاء والخميس (ت) عن عائشة * كان يعجبه أن يفطر على الرطب مادام الرطب وعلى التمر اذا لم يكن رطب ويختمهن ويجعلهن وترا ثلاثا أو خمسا أو سبعا ابن عساكر عن جابر * كان يفطر على رطبات قبل أن يصلي فان لم يكن رطبات فتمرات فان لم يكن تمرات حسا حسوات من ماء (حم د ت) عن أنس يسال * كان يقبل وهو صائم (حم ق ٤) عن عائشة * كان يكتحل بالاثمد وهو صائم (طب هق) عن أبي رافع * كان أحب الشهور اليه أن يصومه شعبان (د) عن عائشة * كان اذا أفطر عند قوم قال أفطر عندكم الصائمون وأكل طعامكم الابرار وتنزلت عليكم الملائكة (حم هق) عن أنس * كان اذا أفطر عند قوم قال أفطر عندكم الصائمون وصلت عليكم الملائكة (طب) عن ابن الزبير * (الاعتكاف) * كان اذا أراد أن يعتكف

---

وأحسن كما كان يصليها في وقتها ثم أقام العصر فصلاها كذلك ثم أقام المغرب فصلاها كذلك ثم أقام العشاء فصلاها كذلك وذلك قبل أن ينزل في صلاة الخوف قال نجاح في صلاة الخوف فان خفتم فرجالا أو ركبانا

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هشام عن محمد عن أخيه معبد بن سيرين قال قلت لابي سعيد الخدري هل سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم في العزل شيأ فقال نعم سألنا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال وما هو وقلنا الرجل تكون له المرأة المرضع فيصيب منها ويكره أن تحمل فيعزل عنها وتكون له الجارية ليس له مال غيرها فيصيب منها ويكره أن تحمل فيعزل عنها فقال لا عليكم أن لا تفعلوا فانما هو القدر

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن خليد بن جعفر والمستمر قالا سمعنا أبا نضرة يحدث عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر امرأة من بني اسرائيل حبشت خاتمها مسكا والمسك أطيب الطيب

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك قال أبي وحدثنا اسحق أخبرنا مالك عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن محمد بن يحيى بن حبان عن ابن محيريز انه قال دخلت المسجد فرأيت أبا سعيد الخدري فجلست اليه فسألته عن العزل فقال أبو سعيد نخرج مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة بني المصطلق فاصبنا سبايا من سبي العرب فاشتهينا النساء واشتدت علينا العزبة وأحببنا العزل وأردنا ان نعزل ورسول الله صلى الله عليه وسلم بين أظهرنا قبل ان نسأله فسألناه عن ذلك فقال ما عليكم ان لا تفعلوا ما من نسمة كائنة الى يوم القيامة الا وهي كائنة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبيه عن ابن أبي نعم عن أبي سعيد الخدري قال بعث علي وهو باليمن الى النبي صلى الله عليه وسلم بذهيبة في تربتها فقسمها بين الاقرع بن حابس الحنظلي ثم أحد بني مجاشع وبين عيينة بن بدر الفزاري وبين علقمة بن علاثة العامري ثم أحد بني كلاب بين زيد الخير الطائي ثم أحد بني نبهان قال فغضبت قريش والانصار فقالوا يعطي صناديد أهل نجد ويدعنا قال انما أتألفهم قال فاقبل رجل غائر العينين ناتئ الجبين كث اللحية مشرف الوجنتين محلوق قال فقال يا محمد اتق الله قال فمن يطع الله اذا عصيته أيأمنني على أهل الارض ولا تأمنوني قال فسأل رجل من القوم قتله النبي صلى الله عليه وسلم أراه خالد بن الوليد فمنعه فلما ولى قال من ضئضئ هذا قوم يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الاسلام كما يمرق السهم من الرمية يقتلون أهل الاسلام ويدعون أهل الاوثان لئن أنا أدركتهم لاقتلنهم قتل عاد

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا سريج ثنا حماد عن حماد عن ابراهيم عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن استحجار الاجير حتى يبين أجره وعن النجش واللمس والقاء الحجر

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا ابن وهب عن عمرو بن الحرث أن دراجا أبا السمح حدثه عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أصدق الرؤيا بالاسحار وبهذا الاسناد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الرجل يعتاد المسجد فاشهدوا له بالايمان قال الله عز وجل انما يعمر مساجد الله من آمن بالله واليوم الآخر وبهذا الاسناد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يقول الرب عز وجل يوم القيامة سيعلم أهل الجمع من أهل الكرم فقيل ومن أهل الكرم يا رسول الله قال مجالس الذكر في المساجد وبهذا الاسناد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أكثر واذكر الله حتى يقولوا مجنون

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن أيوب بن حبيب عن أبي المثنى الجهني قال سمعت مروان وهو

صلى الفجر ثم دخل معتكفه (ت) عن عائشة * كان يعود المريض وهو معتكف (د) عن عائشة * كان اذا دخل العشر شد مئزره وأحيا ليله وأيقظ أهله (ق د ن ه) عن عائشة * كان اذا كان معتكفا اعتكف العشر الاواخر من رمضان واذا سافر اعتكف من العام المقبل عشرين (جم) عن أنس * كان يجتهد في العشر الاواخر ما لا يجتهد في غيرها (حم م ت ه) عن عائشة * (العيد) * كان لا يخرج يوم الفطر حتى يطعم ولا يطعم يوم النحر حتى يذبح (حم ت ه ك) عن بريدة * كان لا يصلي قبل العيد شيأ فاذا رجع الى (٦٩) منزله صلى ركعتين (ه) عن أبي سعيد

يسأل أبا سعيد الخدري هل نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يتنفس وهو يشرب في انائه فقال أبو سعيد نعم فقال له رجل يا رسول الله فاني لا أروى من نفس واحد فقال فاذا تنفست فنحي الماء عن وجهك قال فاني أرى القذاة فاصبحها قال فاهرقها اذا رأيتها فاهرقها ولا تنفخها **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا اسمعيل ابن نجيد يعني أبا ابراهيم المعقب ثنا مروان يعني ابن معاوية الفزاري ثنا عمرو بن حمزة العمري ثنا عبد الرحمن بن سعد مولى آل أبي سعيد سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من أعظم الامانة عند الله يوم القيامة الرجل يفضي الى امرأته وتفضي اليه ثم ينشر سرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو ليلى قال أبي سماه سريج عبد الله بن ميسرة الخراساني عن غياث البكري قال كنا نجالس أبا سعيد الخدري بالمدينة فسألته عن خاتم رسول الله صلى الله عليه وسلم الذي كان بين كتفيه فقال بأصبعه السبابة هكذا لحم ناشز بين كتفيه صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن الربيع قال ثنا جعفر بن سليمان عن علي بن علي عن أبي المتوكل عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا افتتح الصلاة قال سبحانك اللهم وبحمدك وتبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو العلاء الحسن بن سوار قال ثنا ليث عن خالد يعني ابن زيد عن سعيد عن أبي بكر بن المنكدر ان عمرو بن سليم أخبره عن عبد الرحمن بن أبي سعيد عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ان الغسل يوم الجمعة على كل محتلم والسواك وان يمس من الطيب ما يقدر عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن ابراهيم الرازي ثنا سلمة بن الفضل ثنا محمد بن اسحق عن محمد بن ثابت بن شرحبيل عن أبي سعيد مولى المهري عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من صبر بالمدينة على لاوائها وشدتها كنت له شفيعا يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو ابراهيم المعقب اسمعيل بن محمد وكان أحد الصالحين ثنا يوسف بن الماجشون قال أخبرني محمد بن المنكدر قال دخلت على جابر بن عبد الله وهو يموت فقلت له اقرئ رسول الله صلى الله عليه وسلم مني السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هارون هو ابن معروف ثنا عبد الله بن وهب عن عمرو بن الحرث عن دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لاحليم الا ذو عثرة ولا حكيم الا ذو تجربة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله بن عتاب قال ثنا عبد الله أنا يونس عن الزهري قال حدثني عبيد الله بن عبد الله انه سمع أبا سعيد الخدري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن اختناث الأسقية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال حدثنا عبد الرحمن بن أبي الموال مولى لآل علي قال ثنا عبد الرحمن بن أبي عمرة قال كانت جنازة في الحجر فجاء أبو سعيد فوسع له فابى أن يتقدم وقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان خير المجالس أوسعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا شيبان عن قتادة عن عقبة بن عبد الغافر عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان رجلا ممن خلا من الناس رغسه الله مالا وولدا فلما حضره الموت ودعا بنيه فقال أي أب كنت لكم قالوا خير أب قال فانه والله ما ابتأر عندك خيرا قط فاذا مات فاحرقوه حتى اذا كان فحما فاسحقوه ثم اذروه في يوم يعني ريحا عاصفا قال وقال نبي الله صلى الله عليه وسلم أخذ مواثيقهم على ذلك وربي ففعلوا وربي لما مات أحرقوه حتى اذا كان فحما سحقوه ثم اذروه في يوم عاصف قال ربه كن فاذا هو رجل قائم قال له ربه ما حملك على

* كان لا يغدو يوم الفطر حتى يأكل سبع تمرات (طب) عن جابر بن سمرة * كان لا يكاد يدع أحدا من أهله في يوم عيد الا أخرجه ابن عساكر عن جابر * كان يأمر باخراج الزكاة قبل الغدو للصلاة يوم الفطر (ت) عن ابن عمر * كان يأمر بناته ونساءه أن يخرجن في العيدين (حم) عن ابن عباس * كان يخرج الى العيد ماشيا ويرجع ماشيا (ه) عن ابن عمر * كان يخرج الى العيدين ماشيا ويصلي بغير أذان ولا اقامة ثم يرجع ماشيا في طريق آخر (ه) عن أبي رافع * كان يخرج في العيدين رافعا صوته بالتهليل والتكبير (هب) عن ابن عمر * كان يقاس له يوم الفطار (حم ه) عن قيس ابن سعد * كان يكبر بين أضعاف الخطبة يكثر التكبير في خطبة العيدين (ه ك) عن سعد القرظ * كان يكبر يوم الفطر من حين يخرج من بيته حتى يأتي المصلى (ك هق) عن ابن عمر * كان اذا خرج يوم العيد في طريق رجع في غيره (ت ك) عن أبي هريرة * كان اذا كان يوم عيد خالف الطريق (خ) عن جابر * كان لا يأذن له في العيدين (م د ت) عن جابر بن سمرة * (الفصل الخامس في الحج) * كان اذا رمى الجمار مشى اليها ذاهبا وراجعا (ت) عن ابن عمر * كان اذا رمى جمرة العقبة مضى ولم يقف (ه) عن ابن عباس * كان اذا فرغ من تلبيته سأل الله رضوانه ومغفرته وأستعاذ برحمته من النار (هق) عن خزيمة بن ثابت * كان اذا كان قبل التروية بيوم خطب الناس فأخبرهم بمناسكهم (ك هق) عن ابن عمر * كان اذا نظر الى البيت قال اللهم زد بيتك

هذا الشهر بفاء وتعظيما وتكريما وإلهابة (طب) عن حذيفة بن أسيد * كان أكثر دعائه يوم عرفة لا إله إلا الله وحده لا شريك له له الملك وله الحمد بيده الخير وهو على كل شيء قدير (حم) عن ابن عمرو * كان لا يستلم إلا الحجر والركن اليماني (ن) عن ابن عمر * كان يذبح أضحيته بيده (حم) عن أنس * كان يضحي بكبشين أقرنين أملحين وكان يسمي ويكبر (حم ق ت ه) عن أنس * كان يضحي بالشاة الواحدة عن جميع أهله (ك) عن عبد الله بن هشام * كان (٧٠) يقبل وهو محرم (خط) عن عائشة * كان إذا أراد أن يحرم يتطيب بأطيب ما يجد (م)

عن عائشة * كان إذا استلم الركن قبله ووضع خده الأيمن عليه (هق) عن ابن عباس * كان يكبر يوم عرفة من صلاة الغداة إلى صلاة العصر آخر أيام التشريق (هق) عن جابر * كان يلزق صدره ووجهه بالملتزم (هق) عن ابن عمرو * كان يضمر أضحيته بالمصلى (خ د ن ه) عن ابن عمر * كان إذا طاف بالبيت استلم الحجر والركن في كل طواف (ك) عن ابن عمر

* (الفصل السادس في الجهاد وما يتعلق به) *

كان إذا بعث سرية أو جيشا يعثهم من أول النهار (د ت ه) عن صخر * كان إذا بعث أميرا قال اقصر الخطبة وأقل الكلام فإن من البيان سحرا (طب) عن أبي أمامة * كان إذا بعث أحدا من أصحابه في بعض أموره قال بشروا ولا تنفروا ويسروا ولا تعسروا (د) عن أبي موسى * كان إذا غزا قال اللهم أنت عضدي وأنت نصيري وبك أقاتل (حم د ت ه حب) والضياء عن أنس * كان رايته سوداء ولواؤه أبيض (ه ك) عن ابن عباس * كان لا يولي الياحتي يعممه ويرخي لها عذبة من جانب الأيمن نحو الأذن (طب) عن أبي أمامة * كان يحبه أن يأتي العدو عند زوال الشمس (طب) عن ابن أبي أوفى * كان يكره رفع الصوت عند القتال (طب ك) عن أبي موسى * كان إذا أتاه الفيء قسمه في يومه فأعطى الآهل حظين وأعطى العزب حظا (د ك) عن عوف بن مالك * كان إذا أتي بالسبي أعطى أهل البيت جميعا كراهية أن يفرق بينهم (حم ه) عن ابن مسعود * كان إذا بايعه الناس يلقنهم فيما استطعت (حم) عن أنس * كان إذا أراد أن يستودع

---

الذي صنعت قال رب خفت عذابك قال فوالذي نفس محمد بيده ما تلافاه غيرها ان غفر الله له قال الحسن مرة ما تلافاه غير ما إن غفر الله له قال فقذفه رجل خاف بعذاب الله فأنجاه الله من مخافته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال الحسن بن موسى قال ثنا حماد بن سلمة عن أبي هرون العبدي وسيار الوراق عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تملأ الأرض جورا وظلما فيخرج رجل من عترتي يملك سبعا أو تسعا فيملأ الأرض قسطا وعدلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن زيد عن علي بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ألا إن الكافر لواء يوم القيامة بقدر غدرته ألا ولا غدر أعظم من إمام عامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري وأبي هريرة قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم آخر من يخرج من النار رجلان يقول الله لأحدهما يا ابن آدم ما أعددت لهذا اليوم هل عملت خيرا أو رجوتني فيقول لا يا رب فيؤمر به إلى النار وهو أشد أهل النار حسرة ويقول للآخر يا ابن آدم ما أعددت لهذا اليوم هل عملت خيرا أو رجوتني فيقول نعم يا رب قد كنت أرجو إذا أخرجتني أن لا تعيدني فيها أبدا فترفع له شجرة فيقول أي رب أقربني تحت هذه الشجرة فأستظل بظلها وأشرب من مائها فيقول يا ابن آدم فيعاهده أن لا يسأله غيرها فيدنيه منها ثم ترفع له شجرة هي أحسن من الأولى وأغدق ماء فيقول أي رب هذه لا أسألك غيرها أقربني تحتها فأستظل بظلها وأشرب من مائها فيقول يا ابن آدم ألم تعاهدني أن لا تسألني غيرها فيقول أي رب هذه لا أسألك غيرها فيقره تحتها ويعاهده أن لا يسأله غيرها ثم ترفع له شجرة عند باب الجنة هي أحسن من الأوليين وأغدق ماء فيقول أي رب لا أسألك غيرها فأقربني تحتها فأستظل بظلها وآكل من ثمرها وأشرب من مائها فيقول ابن آدم ألم تعاهدني أن لا تسألني غيرها فيقول أي رب هذه لا أسألك غيرها فيقره تحتها ويعاهده أن لا يسأله غيرها فيسمع أصوات أهل الجنة فيقول أي رب أدخلني الجنة فيقول تبارك وتعالى سل وتمن ويلقنه الله ما لا علم له به فيسأل ويتمنى مقدار ثلاثة أيام من أيام الدنيا فيقول ابن آدم لك ما سألت قال أبو سعيد الخدري ومثله معه قال أبو هريرة وعشرة أمثاله معه ثم قال أحدهما الصاحبه حدث بما سمعت وأحدث بما سمعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن أفلح الأنصاري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم حب الأنصار إيمان وبغضهم نفاق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن موسى بن وردان عن أبي سعيد الخدري أنه قال كلم رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الجمعة فدخل أعرابي ورسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر فجلس الأعرابي في آخر الناس فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أركعت ركعتين قال لا قال فاركع فأتى الرحبة التي عند المنبر فركع ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة حدثنا ابن هبيرة عن حنش بن عبد الله أنه سمع أبا سعيد الخدري يقول صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم فوجد ريح ثوم من رجل فقال له ما فرغ ينطلق أحدكم فيرا كل من هذا الخبيث ثم يأتي فيؤذينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن إسحق ثنا ابن لهيعة عن عبد الله بن هبيرة عن حنش قال سمعت أبا سعيد الخدري قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم

الجيش قال أستودع الله دينكم وأمانتكم وخواتيم أعمالكم (د ك) عن عبد الله بن يزيد الخطمي * كان اذا أراد غزوا أو سرى بغيرها (د ك) عن كعب بن مالك * كان له سيف يحلى قائمته من فضة ونعله من فضة وفيه حلق من فضة وكان له قوس يسمى ذا السداد وكان له كنانة تسمى ذا الجمع وكان له درع موشحة بنحاس تسمى ذات الفضول وكان له حربة تسمى النبعاء وكان له مجن يسمى الذفن وكان له فرس أشقر يسمى المرتجز وكان له فرس أدهم يسمى الشكب وكان له سرج يسمى الداج وكان له بغلة (٧١) شهباء تسمى دلدل وكان له ناقة تسمى القصواء وكان له حمار يسمى يعفور وكان له بساط يسمى الكز وكان له عنزة تسمى النمر وكان له ركوة تسمى الصادر وكان له مرآة تسمى المدلة وكان له مقراض يسمى الجامع وكان له قضيب شوحط يسمى الممشوق (طب) عن ابن عباس * كان فرسه يقال له المرتجز وناقته القصواء وبغلته الدلدل وحماره عفير ودرعه ذات الفضول وسيفه ذو الفقار (ك هق) عن علي * كان له حمار اسمه عفير (حم) عن علي (طب) عن ابن مسعود * كان له قوس يقال له اللحيف (خ) عن سهل بن سعد * كان له فرس يقال له الظرب وآخر يقال له اللزاز (هق) عنه * كان ناقته تسمى العضباء وبغلته الشهباء وحماره يعفور وجاريته خضرة (هق) عن جعفر بن محمد عن أبيه مرسلا * كان يركب الحمار عريا ليس عليه شئ ابن سعد عن حمزة بن عبد الله بن عتبة مرسلا * كان يردف خلفه ويضع طعامه على الارض ويجيب دعوة المملوك ويركب الحمار (ك) عن أنس * كان يركب الحمار ويخصف النعل ويرقع القميص ويلبس الصوف ويقول من رغب عن سنتي فليس مني ابن عساكر عن أبي أيوب * كان يسمي الانثى من الخيل فرسا (د ك) عن أبي هريرة * كان يضمر الخيل (حم) عن ابن عمر * كان يكره الشكال من الخيل (حم م ٤) عن أبي هريرة * (آداب السفر) * كان اذا أراد سفرا قال اللهم بك أصول وبك أحول وبك أسير (حم) عن علي * كان اذا عرس وعليه ليل توسد يمينه واذا عرس قبل الصبح وضع رأسه على كفه اليمنى وأقام ساعده (حم حب ك) عن أبي قتادة

---

انه قال كالهل قال كعكر الزيت فاذا قرب له بقعطت فروة وجهه فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين قال سمعت عبد الله بن لهيعة قال ثنا دراج أبو السمح ان أبا الهيثم حدثهم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ان رجلا قال له يا رسول الله طوبى لمن رآك وآمن بك قال طوبى لمن رآني وآمن بي ثم طوبى ثم طوبى لمن آمن بي ولم يرني قال له رجل وما طوبى قال شجرة في الجنة مسيرة مائة عام ثياب أهل الجنة تخرج من أكمامها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ما أكثر واذكر الله حتى يقولوا مجنون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ثنا يحيى بن أبي كثير قال حدثني أبو نضرة ان أبا سعيد الخدري حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن الوتر فقال أوتروا قبل الفجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن حماد عن ابراهيم عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن استئجار الاجير حتى يبين له أجره وعن القاء الحجر واللمس والنبذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن زريع ثنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال خرجنا من المدينة نصرخ بالحج صرخا فلما قدمنا مكة قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجعلوها عمرة الا من كان معه الهدي فلما كان عشية التروية أهللنا بالحج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن علي بن زيد عن الحبحبن ان أبا سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنعن رجلا مهابة الناس ان يقوم بحق اذا علمه قال ثم بكى أبو سعيد قال قد والله شهدنا ذا فيما قبله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن حميد عن أبي نضرة عن أبي سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اطلبوا ليلة القدر في العشر الاواخر من رمضان في تسع يبقين وسبع يبقين وخمس يبقين وثلاث يبقين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال أنا سعد بن ابراهيم قال سمعت أبا امامة بن سهل بن حنيف يحدث عن أبي سعيد ان أهل قريظة لما نزلوا على حكم سعد بن معاذ أرسل اليهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فاء على حمار فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قوموا الى سيدكم أو الى خيركم فقال ان هؤلاء نزلوا على حكمك قال انى أحكم أن يقتل مقاتلتهم وتسبى ذراريهم قال لقد حكمت بحكم الملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال عبد الملك بن عمير أنبأني قال سألت عكرمة مولى زياد قال سمعت أبا سعيد الخدري قال أربع سمعتهن من رسول الله صلى الله عليه وسلم فاعجبني وآنقنني قال لا تسافر امرأة مسيرة يومين أو ليلتين الا ومعها زوجها أو ذو محرم ولا يصوم يومين يوم الفطر ويوم النحر ولا صلاتين بعد صلاتين بعد الصبح حتى تطلع الشمس وبعد العصر حتى تغرب الشمس ولا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجد الحرام ومسجد الاقصى ومسجدي هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن ينبذ البسر والتمر جميعا والزبيب والتمر جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة أنا قتادة عن عبد الله بن أبي عتبة قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد حياء من العذراء في خدرها وكان اذا كره شيأ عرفناه في وجهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري أنه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لتسع عشرة أو سبع عشرة من رمضان فصام صائمون وأفطر مفطرون فلم يعب هؤلاء على هؤلاء ولا هؤلاء على هؤلاء **حدثنا**

* كان اذا قدم من سفر بدأ بالمسجد فصلى فيه ركعتين ثم يثنى بفاطمة ثم يأتى أزواجه (طب لك) عن أبى ثعلبة * كان اذا قدم من سفر تلقى بصبيان أهل بيته (حم م د) عن عبد الله بن جعفر * كان اذا قفل من غزو أو حج أو عمرة يكبر على كل شرف من الارض ثلاث تكبيرات ثم يقول لا اله الا الله وحده لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شئ قدير آيبون تائبون عابدون ساجدون لربنا حامدون صدق الله وعده ونصر عبده وهزم الاحزاب وحده (حم ق د ت) عن (٧٢) ابن عمر * كان اذا نزل منزلا لم يرتحل حتى يصلى الظهر (حم د ن) عن أنس * كان اذا نزل منزلا فى سفر أو دخل بيته لم يجلس حتى يركع ركعتين (طب) عن فضالة بن عبيد * كان اذا نزل منزلا لم يرتحل حتى يصلى فيه ركعتين (هق) عن أنس * كان لا ينزل منزلا الا ودعه بركعتين (ك) عن أنس * كان اذا ودع رجلا أخذ بيده فلا يدعها حتى يكون الرجل هو الذى يدع يده ويقول أستودع الله دينك وأمانتك وخواتيم عملك (حم ت ن ه ك) عن ابن عمر * كان لا يطرق أهله ليلا (حم ق ن) عن أنس * كان لا يفارقه فى السفر ولا فى الحضر خمس المرآة والمكحلة والمشط والسواك والمدرى (عق) عن عائشة * كان يتخلف فى المسير فيزجى الضعيف ويردف ويدعو لهم (د ك) عن جابر * كان يحب أن يخرج اذا غزا يوم الخميس (حم خ) عن كعب بن مالك * كان يستحب أن يسافر يوم الخميس (طب) عن أم سلمة * (الباب الثالث فى شمائل تتعلق بالعادات والمعيشة * الطعام) * كان أحب الشاة اليه مقدمها ابن السنى وأبو نعيم فى الطب (هق) عن مجاهد مرسلا * كان أحب الصباغ اليه الخل أبو نعيم عن ابن عباس * كان أحب الطعام اليه الثريد من الخبز والثريد من الحيس (د ك) عن ابن عباس * كان يعجبه الذراع (د) عن ابن مسعود * كان يعجبه الذرا ويدان والكتف ابن السنى وأبو نعيم فى الطب عن أبى هريرة * كان أحب العراق اليه ذراع الشاة (حم د) وابن السنى وأبو نعيم عن ابن مسعود * كان أحب اللحم اليه الكتف أبو نعيم عن ابن عباس * كان اذا أتى بطعام سأل عنه أهدية أم صدقة فان قيل صدقة

عبد الله حدثنى أبى ثنا بهز ثنا شعبة حدثنى أنس بن سيرين عن أنيسة معبد بن سيرين عن أبى سعيد الخدرى قال شعبة قلت له سمعته من أبى سعيد قال نعم عن النبى صلى الله عليه وسلم فى العزل قال لا عليكم ان لا تفعلوا فانما هو القدر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا بهز ثنا شعبة عن عبد الرحمن بن الاصبهانى قال سمعت ذكوان يحدث عن أبى سعيد الخدرى قال قالت النساء يا رسول الله غلب علينا الرجال فعدنا موعدا فوعدهن فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أيما امرأة تقدم ثلاثا من ولدها كانوا لها حجابا من النار قالت امرأة يا رسول الله أو اثنين قال واثنين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبى الصديق عن أبى سعيد الخدرى أن النبى صلى الله عليه وسلم قال ان رجلا قتل تسعة وتسعين نفسا فسأل عن أعلم أهل الارض فدل على رجل فاتاه فقال انه قتل تسعة وتسعين نفسا فهل له من توبة قال لا فقتل تسعة وتسعين نفسا فليست له توبة قال فانتضى سيفه فقتله فكمل مائة ثم انه مكث ما شاء الله ثم سأل عن أعلم أهل الارض فدل على رجل فقال انه قد قتل مائة نفس فهل له من توبة فقال ومن يحول بينه وبين التوبة أخرج من القرية الخبيثة التى أنت بها الى قرية كذا وكذا فاعبد ربك عز وجل فيها فقال فخرج وعرض له أجله فاختصم فيه ملائكة العذاب وملائكة الرحمة قال ابليس انه لم يعص ساعة قط قالت ملائكة الرحمة انه خرج تائبا فزعم حميد أن بكرا الحدثه عن أبى رافع قال فبعث الله ملكا فاختصما اليه رجع الحديث الى حديث قتادة قال انظروا الى أى القريتين كان أقرب فالحقوه بها قال قتادة فقرب الله منه القرية الصالحة وباعد عنه القرية الخبيثة فالحقوه باهلها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا وهيب ثنا موسى بن عقبة قال حدثنى محمد بن يحيى بن حبان عن ابن محيريز عن أبى سعيد الخدرى فى غزوة بنى المصطلق انهم أصابوا سبايا فاراد وا أن يستمتعوا بهن ولا يحملن فسألوا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما عليكم ان لا تفعلوا فان الله عز وجل قد كتب من هو خالق الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس بن محمد ثنا فليح عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا شك أحدكم فى صلاته فلم يدر كم صلى فليبن على اليقين حتى اذا استيقن ان قد أتم فليسجد سجدتين قبل ان يسلم فانه ان كانت صلاته وترا صارت شفعا وان كانت شفعا كان ذلك ترغيما للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن عطية العوفى عن أبى سعيد الخدرى ان النبى صلى الله عليه وسلم قال ان أهل الدرجات العلى ليراهم من تحتهم كما ترون النجم فى أفق السماء وأبو بكر وعمر منهم وأنعما **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا سفيان عن عثمان البتى عن أبى الخليل عن أبى سعيد الخدرى قال أصبنا نساء من سبى أوطاس ولهن أزواج فكرهنا أن نقع عليهن ولهن أزواج فسألنا النبى صلى الله عليه وسلم فنزلت هذه الآية والمحصنات من النساء الا ما ملكت ايمانكم قال فاستحللنا بها فروجهن **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا سفيان عن الاعمش عن ذكوان عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبغض الانصار رجل يؤمن بالله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبيه عن ابن أبى نعم عن ابى سعيد الخدرى قال بعث على الى النبى صلى الله عليه وسلم وهو باليمن بذهيبة فى تربتها فقسمها بين الاقرع بن حابس الحنظلى ثم احدبنى مجاشع وبين عيينة ابن بدر الفزارى وبين علقمة بن علاثة العامرى ثم أحد بنى كلاب وبين زيد الخير الطائى ثم أحد بنى نبهان

فذكره

قال لاصحابه كلوا وان له هدية ضرب بيده فاكل معهم (ق ن) عن أبي هريرة * كان اذا أتي بطعام أكل مما يليه واذا أتي بالتمر جالت يده (خط) عن عائشة * كان اذا أكل طعاما لعق أصابعه الثلاث (حم م ٣) عن أنس * كان اذا أكل لم تعد أصابعه حتى يلين يده (تخ) عن جعفر بن أبي الحكم مرسلا أبو نعيم في المعرفة عنه عن الحكم بن رافع بن يسار (طب) عن الحكم بن عمرو الغفاري * كان اذا أكل أو شرب قال الحمد لله الذي أطعم وسقى وسوغه وجعل له مخرجا (د ن حب) عن أبي أيوب * كان اذا تغدى لم يتعش (٧٢) واذا تعشى لم يتغد (حل) عن أبي سعيد * كان اذا رفعت مائدته قال الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه غير مكفي ولا مكفور ولا مودع ولا مستغنى عنه ربنا (حم خ د ت) عن أبي امامة * كان اذا فرغ من طعامه قال الحمد لله الذي أطعمنا وسقانا وجعلنا مسلمين (حم *) والضياء عن أبي سعيد * كان اذا فرغ من طعامه قال اللهم لك الحمد أطعمت وسقيت وأشبعت وأرويت فلك الحمد غير مكفور ولا مودع ولا مستغنى عنك (حم) عن رجل من بني سليم * كان اذا قرب اليه طعام قال بسم الله فاذا فرغ قال اللهم انك أطعمت وسقيت وأغنيت وأقنيت وهديت واجتبيت اللهم فلك الحمد على ما أعطيت (حم) عن رجل * كان له جفنة لها أربع حلق (طب) عن عبد الله بن بسر * كان له قصعة يقال لها الغراء يحملها أربعة رجال (د) عن عبد الله بن بسر * كان لا يأكل الثوم ولا البصل ولا الكراث من أجل أن الملائكة تأتيه وانه يكلم جبريل (حل خط) عن أنس * كان لا يأكل الحراد ولا الكوتين ولا الضب من غير أن يحرمها ابن صصري في أماليه عن ابن عباس * كان لا يأكل متكئا ولا يطأ عقبه رجلان (حم) عن ابن عمرو * كان لا يأكل من هدية حتى يأمر صاحبها أن يأكل منها للشاة التي أهديت له (طب) عن عمار بن ياسر * كان لا ينفخ في طعام ولا شراب ولا يتنفس في الاناء (ه) عن ابن عباس * كان يؤتى بالتمر فيه دود فيفتشه يخرج السوس منه (د) عن أنس * كان



فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا فضيل يعني ابن مرزوق عن عطية عن أبي سعيد الخدري ان رجلا سأله عن غسل الرأس فقال يكفيك ثلاث حفنات أو ثلاث أكف ثم جمع يديه ثم قال يا أبا سعيد اني رجل كثير الشعر قال فان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان أكثر شعرا منك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن ابنه عن ابن أبي نعم عن أبي سعيد الخدري قال بعث علي الى النبي صلى الله عليه وسلم وهو باليمن بذهيبة في تربتها فقسمها بين الاقرع بن حابس الحنظلي ثم أحد بني مجاشع وبين عيينة بن بدر الفزاري وبين علقمة بن علاثة العامري ثم أحد بني كلاب وبين زيد الخير الطائي ثم أحد بني نبهان قال فغضبت قريش والانصار قالوا يعطي صناديد أهل نجد ويدعنا قال انما أتالفهم قال فاقبل رجل غائر العينين ناتئ الجبين كث اللحية مشرف الوجنتين محلوق قال فقال يا محمد اتق الله قال فمن يطيع الله اذا عصيته يأمنني على أهل الارض ولا تأمنوني قال فسأل رجل من القوم قتله النبي صلى الله عليه وسلم أراه خالد بن الوليد فمنعه فلما ولى قال ان من ضئضئ هذا قوما يقرؤن القرآن لا يجاوز حناجرهم يمرقون من الاسلام مروق السهم من الرمية يقتلون أهل الاسلام ويدعون أهل الاوثان لئن أنا أدركتهم لاقتلنهم قتل عاد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن العرفي عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول كيف أنعم وصاحب الصور قد التقم الصور وحنى جبهته أصغى سمعه ينتظر متى يؤمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن اسمعيل بن أمية عن محمد بن يحيى بن حبان عن يحيى بن عمارة عن أبي سعيد الخدري قال قال النبي صلى الله عليه وسلم ليس في حب ولا تمر صدقة حتى يبلغ خمسة أوساق ولا في ما دون خمس ذود صدقة وليس فيما دون خمس أواق صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن زيد بن أسلم ثنا عياض بن عبد الله بن سعد بن أبي سرح عن أبي سعيد الخدري قال كنا نؤدي صدقة الفطر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم صاعا من شعير صاعا من تمر صاعا من زبيب صاعا من اقط فلما جاء معاوية وجاءت السمراء فرأى أن مدا يعدل مدين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن زيد عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحقرن أحدكم نفسه ان يرى أمرا لله فيه مقالا فلا يقول فيه فيقال له يوم القيامة ما منعك ان تكون قلت في كذا وكذا فيقول مخافة الناس فيقول اياي أحق ان تخاف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا الاوزاعي قال حدثني يحيى يعني ابن أبي كثير عن نافع مولى ابن عمر ثنا أبو سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تبيعوا الذهب بالذهب الا مثلا بمثل لا تشف بعضها على بعض ولا تبيعوا الورق بالورق الا مثلا بمثل لا تشف بعضها على بعض ولا تبيعوا غائبا بناجز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي ليلى عن عطاء وعطية عن أبي سعيد وعن نافع عن ابن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي على راحلته في التطوع حيثما توجهت به يومئ ايماء ويجعل السجود أخفض من الركوع قال عبد الله والصواب عطية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عبد الحميد بن بهرام عن شهر بن حوشب عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا صلاة بعد الفجر حتى تطلع الشمس ولا بعد العصر حتى تغرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ربيعة عن ابن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد

الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لا يشكر الناس لا يشكر الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا يحيى بن أبي كثير حدثني أبو سلمة بن عبد الرحمن بن عوف قال انطلقت الى أبي سعيد الخدري قال قلت الا نخرج بنا الى النخيل نتحدث قال فخرج قال قلت حدثني ما سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في ليلة القدر قال اعتكفنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم العشر الاول من رمضان فاعتكف معه فأتاه جبريل فقال ان الذي تطلب امامك فلما كان صبيحة عشرين من رمضان قام رسول الله صلى الله عليه وسلم خطيبا فقال من كان اعتكف معي رسول الله صلى الله عليه وسلم فليرجع فاني أريت ليلة القدر وانها في العشر الاواخر من رمضان في وتر وانى رأيت كاني أسجد في طين وماء قال وما نرى في السماء قال هما هم أحسبه قال فزعة سمي الغيم باسم فجاءت سحابة وكان سقف المسجد جريد النخل فامطرنا فصلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فرأيت أثر الطين والماء على جبهة رسول الله صلى الله عليه وسلم وأرنبته تصديق الرؤيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال غزونا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ست عشرة من رمضان فمنا من صام ومنا من أفطر فلم يعب الصائم على المفطر ولم يعب المفطر على الصائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن زريع ثنا سعيد بن أبي عروبة في هذه الآية وعلى الذين يطيقونه فدية طعام مسكين قال كانت رخصة لهم كانوا يطيقون الصوم فرخص لهم ان أفطروا وأطعموا لكل يوم مسكينا فنسختها التي بعدها فأمروا بالصوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة ان أبا المتوكل الناجي حدثهم ان أبا سعيد الخدري حدثهم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخلص المؤمنون من النار فيحبسون على قنطرة بين الجنة والنار فيقتص لبعضهم من بعض مظالم كانت بينهم في الدنيا حتى اذا هذبوا ونقوا أذن لهم في دخول الجنة قال فوالذي نفسي بيده لاحدهم أهدى بمنزله في الجنة منه بمنزله كان في الدنيا قال قتادة وقال بعضهم ما يشبه لهم الا أهل بجمة حين انصرفوا من جمعتهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليس فيما دون خمس ذود صدقة ولا فيما دون خمس أواق صدقة ولا فيما دون خمس أوسق صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري وأبي هريرة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان آخر رجلين يخرجان من النار يقول الله لاحدهما يا ابن آدم ما أعددت لهذا اليوم هل عملت خيرا قط هل رجوتني فيقول لا اي رب فيؤمر به الى النار فهو أشد أهل النار حسرة ويقول للآخر يا ابن آدم ماذا أعددت لهذا اليوم هل عملت خيرا قط أو رجوتني فيقول لا يا رب الا اني كنت أرجوك قال فيرفع له شجرة فيقول اي رب أقربني تحت هذه الشجرة فاستظل بظلها وآكل من ثمرها واشرب من مائها ويعاهده ان لا يسأله غيرها فيقربه تحتها ثم ترفع له شجرة هي أحسن من الاولى وأخضر ماء فيقول اي رب هذه أقربني تحتها فيدنيه منها ويعاهده ان لا يسأله غيرها فيسمع أصوات أهل الجنة فلم يتمالك فيقول اي رب الجنة اي رب أدخلني الجنة فيقول الله عز وجل سل وتمنه فيسأله ويتمنى بمقدار ثلاثة أيام من أيام الدنيا ويلقنه الله ما لا علم له به فيسأل ويتمنى فاذا فرغ قال الله ما سألت قال أبو سعيد ومثله معه

---

* كان يأكل بثلاث أصابع ويلعق يده قبل أن يمسحها (حم م د) عن كعب بن مالك * كان يأكل الطبيخ بالرطب ويقول يكسر حر هذا ببرد هذا وبرد هذا بحر هذا (د هق) عن عائشة * كان يعجبه الطبيخ بالرطب ابن عساكر عن عائشة * كان يأكل بثلاث أصابع ويستعين بالرابعة (طب) عن عامر بن ربيعة * كان يحب التيمن في لبسه ونعله وترجله وطهوره وشأنه كله وشربه ووضوئه وثيابه وأخذه وعطائه وشمائله لما سوى ذلك (حم) عن حفصة * كان يجمع بين الخربز والرطب (حم ت) في الشمائل (ن) عن أنس * كان يحب الدباء (حم ت) في الشمائل (ن ه) عن أنس * كان يحب من الفاكهة العنب والبطيخ أبو نعيم في الطب عن معاوية بن يزيد العبسي * كان يحب الحلو والعسل (ق ٤) عن عائشة * كان يحب القثاء (طب) عن الربيع بنت معوذ * كان يحب الزبد والتمر (د ه) عن ابن بسر * كان يدعى الى خبز الشعير والاهالة السنخة (ت) في الشمائل عن أنس * كان يسمي التمر واللبن الاطيبين (ك) عن عائشة * كان يعجبه الثفل (حم ت) وقال في الشمائل (ك) عن أنس * كان يعجبه القرع (حم حب) عن أنس * كان يكره أن يأخذ من رأس الطعام (طب) عن سلمى * كان يكره أن يؤكل الطعام حتى يذهب فورة دخانه (طب) عن جويرية * كان يكره أن يأكل الضب (خط) عن عائشة * كان يكره من الشاة سبعا المرارة والمثانة والحياء والذكر والانثيين والغدة والدم وكان أحب الشاة اليه مقدمها (طس) عن ابن عمر (هق) عن مجاهد مرسلا (عد هق) عنه عن

ابن عباس * كان يكره الكارعين لكانهما من البول ابن السني في الطب عن ابن عباس * كان أحب التمر اليه العجوة أبو نعيم عن ابن عباس * كان أحب الفاكهة اليه الطب والبطيخ (عد) عن عائشة الثوفاني في كتاب البطيخ عن أبي هريرة * كان اذا أتي بباكورة التمر وضعها على عينيه ثم على شفتيه وقال اللهم كما أريتنا أوله فارزقنا آخره ثم يعطيه من يكون عنده من الصبيان ابن السني عن أبي هريرة (طب) عن ابن عباس الحكيم عن أنس * كان يعجبه الاناء المنطبق مسدد عن أبي جعفر مرسلا * (الشراب) * (٧٥) كان أحب الشراب اليه الحلو البارد

(حم ت لـ) عن عائشة * كان يعجبه الحلو البارد ابن عساكر عن عائشة * كان أحب الشراب اليه اللبن أبو نعيم في الطب عن ابن عباس * كان اذا أتي بلبن قال بركة (ه) عن عائشة * كان أحب الشراب اليه العسل ابن السني وأبو نعيم في الطب عن عائشة * كان اذا شرب الماء قال الحمد لله الذي سقانا عذبا فراتا برحمته ولم يجعله ملحا أجاجا بذنوبنا (حل) عن أبي جعفر مرسلا * كان اذا شرب تنفس ثلاثا ويقول هو أهنأ وأمرأ وأبرأ (حم ق ٤) عن أنس * كان اذا شرب تنفس مرتين (ت ه) عن ابن عباس * كان اذا شرب تنفس في الاناء ثلاثا يسمي كل عند نفس ويشكر في آخره ـن ابن السني (طب) عن ابن مسعود * كان له قدح من قوارير يشرب فيه (ه) عن ابن عباس * كان يبعث الى المطاهر فيؤتى بالماء فيشربه بركوبركة أيدي المسلمين (طس حل) عن ابن عمر * كان يستعذب له الماء من بيوت السقيا وفي لفظ يستقى

فقال أبو هريرة وعشرة أمثاله معه قال أحدهما لصاحبه حدث بما سمعت وأحدث بما سمعت حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان ثنا وهيب ثنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد أو عن جابر بن عبد الله قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم نصرخ بالحج صرخا فلما طفنا بالبيت قال اجعلوها عمرة فلما كان يوم التروية أحرمنا بالحج حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا داود عن أبي نضرة عن أبي سعيد أو عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم اشتكى فأتاه جبريل فقال بسم الله أرقيك من كل شيء يؤذيك من كل حاسد وعين الله يشفيك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال كل حرف من القرآن يذكو فيه القنوت فهو الطاعة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ويل وادفي جهنم يهوى فيه الكافر أربعين خريفا قبل ان يبلغ قعره والصعود جبل من نار يصعد فيه سبعين خريفا يهوى به كذلك فيه أبدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال استكثروا من الباقيات الصالحات قيل وما هي يا رسول الله قال الملة قيل وما هي يا رسول الله قال الملة قيل وما هي يا رسول الله قال التكبير والتهليل والتسبيح والتحميد ولا حول ولا قوة الا بالله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ينصب للكافر يوم القيامة مقدار خمسمائة ألف سنة كل يوم عمل في الدنيا وان الكافر ليرى جهنم ويظن انها موافعته من مسيرة أربعين سنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الرجل ليتكئ في الجنة سبعين سنة قبل ان يتحول ثم تأتيه امرأته فتضرب على منكبيه فينظر وجهه في خدها أصفى من المرآة وان أدنى لؤلؤة عليها تضيء ما بين المشرق والمغرب فتسلم عليه قال فيرد السلام ويسألها من أنت وتقول أنا من المزيد وانه ليكون عليها سبعون ثوبا أدناها مثل النعمان من طوبى فينفذها بصره حتى يرى مخ ساقها من وراء ذلك وان عليها من التيجان ان أدنى لؤلؤة عليها لتضيء ما بين المشرق والمغرب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال الشتاء ربيع المؤمن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري قال قيل لرسول الله صلى الله عليه وسلم يوما كان مقداره خمسين ألف سنة ما أطول هذا اليوم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده انه ليخفف على المؤمن حتى يكون أخف عليه من صلاة مكتوبة يصليها في الدنيا وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان المجالس ثلاثة سالم وغانم وشاجب وعن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال وفرش مرفوعة والذي نفسي بيده ان ارتفاعها كما بين السماء والارض وان ما بين السماء والارض لمسيرة خمسمائة سنة وبهذا الاسناد انه قال قلت يا رسول الله أي العباد أفضل درجة عند الله يوم القيامة قال الذاكرون الله كثيرا قال قلت يا رسول الله ومن الغازي في سبيل الله قال لو ضرب بسيفه في الكفار والمشركين حتى ينكسر ويختضب دما لكان الذاكرون الله أفضل منه درجة وبهذا الاسناد قال هاجر

له الماء العذب من بئر السقيا (حم د لـ) عن عائشة * كان يشرب ثلاثة أنفاس يسمي الله في أوله ويحمد الله في آخره ابن السني عن فروة بن معاوية * (النوم) * كان اذا أخذ مضجعه جعل يده اليمنى تحت خده الايمن (طب) عن حفصة * كان اذا أخذ مضجعه من الليل وضع يده تحت خده ثم يقول باسمك اللهم أحيا وباسمك أموت واذا استيقظ قال الحمد لله الذي أحيانا بعد ما أماتنا واليه النشور (حم م ن ت ٤) عن البراء (حم خ ٤) عن حذيفة (حم ق) عن أبي ذر * كان اذا أخذ مضجعه من الليل قال بسم الله وضعت جنبي اللهم اغفر لي ذنبي واخسئ شيطاني وفك رهاني

وثقل ميزاني واجعلني في النهى الاعلى (د ك) عن أبي الأزهر * كان اذا أخذ مضجعه قرأ قل يا أيها الكافرون حتى يختمها (طب) عن عباد بن أخضر * كان اذا أراد أن ينام وهو جنب غسل فرجه وتوضأ للصلاة (ق د ن ه) عن عائشة * كان اذا أراد أن ينام وهو جنب توضأ وضوأه للصلاة واذا أراد أن يأكل أو يشرب وهو جنب غسل يديه ثم يأكل ويشرب (د ن ه) عن عائشة * كان اذا أراد أن يرقد وضع يده اليمنى تحت خده ثم يقول اللهم قني عذابك يوم تبعث (٧١) عبادك ثلاث مرار (د) عن حفصة * كان اذا آوى الى فراشه قال الحمد لله الذي أطعمنا وسقانا وكفانا وآوانا فكم ممن لا كافي له ولا مؤوي (حم م ٣) عن أنس * كان اذا تضور من الليل قال لا اله الا الله الواحد القهار رب السموات والارض وما بينهما العزيز الغفار (ن) عن عائشة * كان اذا تعار من الليل قال رب اغفر وارحم واهد للسبيل الاقوم محمد بن نصر في الصلاة عن أم سلمة * كان اذا نام نفخ (حم ق) عن ابن عباس * كان اذا نام وضع يده اليمنى تحت خده وقال اللهم قني عذابك يوم تبعث عبادك (حم ت ت) عن البراء (ض م ت) عن حذيفة (حم ه) عن ابن مسعود * كان اذا وجد الرجل راحة على وجهه ليس على عجزه شيء ركضه برجله وقال هي أبغض الرقدة الى الله (حم م) عن الشريد بن سويد * كان ينام عيناه ولا ينام قلبه (ك) عن أنس * كان لا يتمار من الليل الا أجرى السواك على فيه ابن نصر عن ابن عمر * كان لا يرقد من ليل ولا نهار فيستيقظ الا تسوك (ش د) عن عائشة * كان لا ينام حتى يستن ابن عساكر عن أبي هريرة * كان لا ينام الا والسواك عند رأسه فاذا استيقظ بدأ بالسواك (حم) رسول ومحمد بن نصر عن ابن عمر * كان لا ينام حتى يقرأ بني اسرائيل والزمر (حم ت ك) عن عائشة * كان لا ينام حتى يقرأ الم تنزيل السجدة وتبارك الذي بيده الملك (حم ت ن ك) عن جابر * كان فراشه نحوا مما يوضع للانسان في قبره وكان المسجد عند رأسه (ه) عن بعض آل أم سلمة * كان فراشه مسحا (ت) في الشمائل عن حفصة * كان له قدح من عيدان تحت سريره يبول فيه بالليل (د ن ك) عن أميمة بنت رقيقة * كان وسادته

رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم من اليمن فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم هجرت الشرك ولكنه الجهاد هل باليمن أبواك قال نعم قال أذنا لك قال لا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم ارجع الى أبويك فاستأذنهما فان فعلا والا فبرهما وبهذا الاسناد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال يقول الرب عز وجل سيعلم أهل الجمع اليوم من أهل الكرم فقيل ومن أهل الكرم يا رسول الله قال أهل الذكر في المساجد وبهذا الاسناد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أدنى أهل الجنة منزلة الذي له ثمانون ألف خادم واثنتان وسبعون زوجة وينصب له قبة من لؤلؤ وياقوت وزبرجد كما بين الجابية وصنعاء وبهذا الاسناد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من تواضع لله درجة رفعه الله درجة حتى يجعله في عليين ومن تكبر على الله درجة وضعه الله درجة حتى يجعله في أسفل السافلين وبهذا الاسناد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه قال اذا رأيتم الرجل يعتاد المسجد فاشهدوا له بالايمان فان الله قال انما يعمر مساجد الله من آمن بالله واليوم الآخر وبهذا الاسناد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليكرم ضيفه قالها ثلاثا قال وما كرامة الضيف يا رسول الله قال ثلاثة أيام فما جلس بعد ذلك فهو عليه صدقة وبهذا الاسناد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من حلف على يمين فرأى خيرا منها فكفارتها تركها وبهذا الاسناد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أحب الله العبد اثنى عليه من الخير سبعة أضعاف لم يعملها واذا أبغض الله العبد اثنى عليه من الشر سبعة أضعاف لم يعملها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال قال ابليس أي رب لا أزال أغوي بني آدم ما دامت أرواحهم في أجسادهم قال فقال الرب عز وجل لا أزال أغفر لهم ما استغفروني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال وحدثني عاصم بن عمر بن قتادة عن محمود بن لبيد عن أبي سعيد الخدري قال لما أعطى رسول الله صلى الله عليه وسلم ما أعطى من تلك العطايا في قريش وقبائل العرب ولم يكن في الانصار منها شيء وجد هذا الحي من الانصار في أنفسهم حتى كثرت فيهم القالة حتى قال قائلهم لقي رسول الله صلى الله عليه وسلم قومه فدخل عليه سعد بن عبادة فقال يا رسول الله ان هذا الحي قد وجدوا عليك في أنفسهم لما صنعت في هذا الفيء الذي أصبت قسمت في قومك وأعطيت عطايا عظاما في قبائل العرب ولم يكن في هذا الحي من الانصار شيء قال فاين أنت من ذلك يا سعد قال يا رسول الله ما أنا الا امرؤ من قومي وما أنا قال فاجمع لي قومك في هذه الحظيرة قال فخرج سعد فجمع الناس في تلك الحظيرة قال فجاء رجال من المهاجرين فتركهم فدخلوا وجاء آخرون فردهم فلما اجتمعوا أتاه سعد فقال قد اجتمع لك هذا الحي من الانصار قال فأتاهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فحمد الله وأثنى عليه بالذي هو له أهل ثم قال يا معشر الانصار ما قالة بلغتني عنكم وجدة وجدتموها في أنفسكم ألم آتكم ضلالا فهداكم الله وعالة فأغناكم الله وأعداء فألف الله بين قلوبكم قالوا بلى الله ورسوله أمن وأفضل قال ألا تجيبوني يا معشر الانصار قالوا وبماذا نجيبك يا رسول الله ولرسوله المن والفضل قال أما والله لو شئتم لقلتم فلصدقتم وصدقتم أتيتنا مكذبا فصدقناك ومخذولا فنصرناك وطريدا فآويناك وعائلا فآسيناك أوجدتم في أنفسكم يا معشر الانصار في لعاعة من الدنيا تألفت بها قوما ليسلموا ووكلتكم الى اسلامكم أفلا ترضون يا معشر الانصار ان يذهب الناس بالشاة والبعير وترجعون

الذي ينام عليها بالليل أن ادخلوها السيف (حم د ت ن) عن عائشة * كان يأمر نساءه اذا أرادت احداهن أن تنام أن تعد ثلاثا وثلاثين وتسبح ثلاثا وثلاثين وتكبر ثلاثا وثلاثين * ابن مندة عن ابن عباس * كان يحبه الرؤيا الحسنة (حم ن) عن أنس * كان يعبر على الاسماء البزار عن أنس * كان ينام وهو جنب ولا يمس ماء (حم ت ن) عن عائشة * كان ينام أول الليل ويحيي آخره (ه) عن عائشة * كان اذا جاء الشتاء دخل البيت ليلة الجمعة واذا جاء الصيف خرج ليلة الجمعة واذا يبس ثوبا جد يده احد الله (٧٧) وصلى ركعتين وكسى الخلق (خط) وابن

برسول الله صلى الله عليه وسلم في رحالكم فوالذي نفس محمد بيده لولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار ولو سلك الناس شعبا وسلكت الانصار شعبا لسلكت شعب الانصار اللهم لرحم الانصار وأبناء الانصار وأبناء أبناء الانصار قال فبكى القوم حتى أخضلوا لحاهم وقالوا رضينا برسول الله قسما وحظا ثم انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم وتفرقنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال وحدثني عاصم بن عمر بن قتادة الانصاري ثم الظفري عن محمود بن لبيد أحد بني عبد الاشهل عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يفتح يأجوج ومأجوج يخرجون على الناس كما قال الله عز وجل من كل حدب ينسلون فيغشون الارض وينحاز المسلمون عنهم الى مدائنهم وحصونهم ويضمون اليهم مواشيهم ويشربون مياه الارض حتى ان بعضهم ليمر بالنهر فيشربون ما فيه حتى يتركوه يابسا حتى ان من بعدهم ليمر بذلك النهر فيقول قد كان ههنا ماء مرة حتى اذا لم يبق من الناس الا أحد في حصن أو مدينة قال قائلهم هؤلاء أهل الارض قد فرغنا منهم بقي أهل السماء قال ثم يهز احدهم حربته ثم يرمي بها الى السماء فترجع مخضبة دما للبلاء والفتنة فبينما هم على ذلك اذ بعث الله دودا في أعناقهم كنغف الجراد الذي يخرج في أعناقهم فيصبحون موتى لا يسمع لهم حس فيقول المسلمون الا رجل يشري نفسه فينظر ما فعل هذا العدو قال فينحدر رجل منهم لذلك محتسبا لنفسه قد أظنها على أنه مقتول فينزل فيجدهم موتى بعضهم على بعض فينادي يا معشر المسلمين ألا أبشروا فان الله قد كفاكم عدوكم فيخرجون من مدائنهم وحصونهم ويسرحون مواشيهم فما يكون لها رعي الا لحومهم فتشكر عنه كأحسن ما تشكر عن شيء من النبات أصابته قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر ان أبا سعيد الخدري أخبره أنه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول سيخرج قوم من النار قد احترقوا وكانوا مثل الحمم فلا يزال أهل الجنة يرشون عليهم الماء فينبتون كما تنبت القثاء في حميل السيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن محمد وسمعته أنا من عثمان بن محمد بن أبي شيبة ثنا جرير عن مغيرة عن ابراهيم بن سهل عن قزعة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا صوم يوم عيد ولا تسافر امرأة ثلاثا الا مع ذي محرم ولا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد مسجد الحرام ومسجد المدينة والمسجد الاقصى قال وودع رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا فقال له أين تريد قال أريد بيت المقدس فقال له النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة في هذا المسجد أفضل يعني من ألف صلاة في غيره الا المسجد الحرام. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الله بن عبد الرحمن الانصاري عن نمار العبدي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه ذكر رجلا فيمن سلف أو قال فيمن كان قبلكم ثم ذكر كلمة معناها أعطاه الله مالا وولدا قال فلما حضره الموت قال لبنيه أي أب كنت لكم قالوا خير أب قال فانه لم يبتئر عند الله خيرا قط قال ففسرها قتادة لم يدخر عند الله خيرا وان يقدر الله عليه يعذبه فاذا أنا مت فاحرقوني حتى اذا صرت فحما فاسحقوني أو قال فاسهكوني ثم اذا كان ريح عاصف فاذروني فيها قال فأخذ مواثيقهم على ذلك قال

عساكر عن ابن عباس * كان اذا ظهر في الصيف استحب أن يظهر ليلة الجمعة واذا دخل البيت في الشتاء استحب أن يدخل ليلة الجمعة ابن السني وأبو نعيم في الطب عن عائشة * (اللباس) * كان أحب الالوان اليه الخضرة (طس) وابن السني وأبو نعيم في الطب عن أنس * كان أحب الثياب اليه القميص (د ت ط) عن أم سلمة * كان أحب الثياب اليه الحبرة (ق د ن) عن أنس * كان أحب الصبغ اليه الصفرة (طب) عن ابن أبي أوفى * كان اذا استجد ثوبا سماه باسمه قميصا أو عمامة أو رداء ثم يقول اللهم لك الحمد أنت كسوتنيه أسألك من خيره وخير ما صنع له وأعوذ بك من شره وشر ما صنع له (حم د ت ن) عن أبي سعيد * كان اذا استجد ثوبا لبسه يوم الجمعة (خط) عن أنس * كان اذا اعتم سدل عمامته بين كتفيه (ت) عن ابن عمر * كان يدير العمامة على رأسه ويغرز هامن ورائه ويرسل لها ذؤابة بين كتفيه (طب هب) عن ابن عجرة

* كان اذا لبس قميصا بدأ بميامنه (ت) عن أبي هريرة * كان قميصه فوق المكعبين وكان كمه مع الاصابع (ك) عن ابن عباس * كان كم قميصه الى الرسغ (د ت) عن أسماء بنت يزيد * كان له برد يلبسه في العيدين والجمعة (هق) عن جابر * كان له ملحفة مصبوغة بالورس والزعفران يدور بها على نسائه فاذا كانت ليلة هذه قرشتها بالماء واذا كانت ليلة هذه رششتها بالماء واذا كانت ليلة هذه رششتها بالماء (خط) عن أنس * كان يتبع الحرير من الثياب فينزعه (حم) عن أبي هريرة * كان يرخي الازار من بين يديه ويرفعه من ورائه ابن سعد عن يزيد بن أبي حبيب مرسلا

*كان يكثر القناع (ت) في الشمائل (هب) عن أنس *كان يكثر القناع ويكثر دهن رأسه ويسرح لحيته (هب) عن سهل بن سعد *كان يكسو بناته خمر الخز والابريسم ابن النجار عن ابن عمر *كان يلبس برده الاحمر في العيدين والجمعة (هق) عن جابر *كان يلبس قميصا قصير الكمين والطول (ه) عن ابن عباس *كان يلبس قميصا فوق الكعبين مستوى الكمين باطراف أصابعه ابن عساكر عن ابن عباس *كان يلبس قلنسوة بيضاء (طب) عن ابن عمر



*كان يلبس قلنسوة بيضاء لاطية ابن عساكر عن عائشة *كان يلبس القلانس تحت العمائم ويغير العمائم ويلبس العمائم بغير قلانس وكان يلبس القلانس اليمانية وهن البيض المضربة ويلبس ذوات الآذان في الحرب وكان ربما نزع قلنسوته فجعلها سترة بين يديه وهو يصلي وكان من خلقه أن يسمي سلاحه ودوابه ومتاعه الرويانى وابن عساكر عن ابن عباس *كان اذا قدم عليه الوفد لبس أحسن ثيابه وأمر عليه أصحابه كذلك البغوى عن جندب ابن مكيث *(الطيب) *كان أحب الرياحين اليه الفاغية (طب هب) عن أنس *كان اذا أتى بمدهن الطيب لعق منه ثم ادهن ابن عساكر عن سالم بن عبد الله بن عمر والقاسم مرسلا *كان له سكة يتطيب منها (د) عن أنس *كان لا يرد الطيب (حم خ ت ن ه) عن أنس *كان يأخذ المسك فيمسح به رأسه ولحيته (ع) عن سلمة بن الاكوع *كان يتبع الطيب في رياع النساء الطيالسي عن أنس *كان يستجمر بالوتر غير مطراة ويكافور يطرح مع الالوة (م) عن ابن عمر *كان يعجبه الفاغية (حم) عن أنس *كان يعجبه الريح الطيبة (د ك) عن عائشة *كان يكره ريح الحناء (حم د ن) عن عائشة ان *كان يعرف ريح الطيب اذا أقبل ابن سعد عن ابراهيم مرسلا *كان اذا ادهن صب في راحته اليسرى فبدأ بحاجبيه ثم عينيه ثم رأسه الشيرازى في الالقاب عن عائشة *(الزينة والتجمل) *كان اذا نظر وجهه في المرآة قال الحمد لله الذي سوى خلقي فعدله وكرم صورة وجهي فحسنها وجعلني من المسلمين ابن السني عن أنس *كان اذا نظر في المرآة قال الحمد لله الذي حسن خلقي وخلقي وزان مني ما شان من غيري واذا

---

ففعلوا ذلك وربي فلما بها أحرقوه ثم سحقوه وأوسهكوه ثم ذروه في يوم عاصف قال فقال الله له كن فاذا هو رجل قائم قال الله أي عبدي ما حملك على ان فعلت ما فعلت فقال يارب مخافتك أو فرقا منك قال فما تلافاه ان رحمه وقال مرة أخرى فما تلافاه غيرها ان رحمه قال محمد ثبت بها يا عثمان فقال سمعت هذا من سليمان غير مرة غير أنه زاد ثم أذروني في البحر أو كما حدث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان حدثنا همام عن قتادة قال حدثني أبو بعتر جال عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن نبيذ الجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق ثنا أبان بن صالح عن قسم مولى عمارة عن فروة عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تشد الرحال الا الى ثلاثة مساجد المسجد الحرام والمسجد الاقصى ومسجدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن سعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أهون أهل النار عذابا رجل منتعل بنعلين من نار يغلي منهما دماغه مع اجراء العذاب ومنهم من في النار الى كعبيه مع اجراء العذاب ومنهم من في النار الى ركبتيه مع اجراء العذاب ومنهم من في النار الى أرنبته مع اجراء العذاب ومنهم من في النار الى صدره مع اجراء العذاب قد اعتمز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا عطاء بن السائب عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال افتخرت الجنة والنار فقالت النار أي رب يدخلني الجبارة والملوك والعظماء والاشراف وقالت الجنة أي رب يدخلني الفقراء والضعفاء والمساكين فقال تبارك وتعالى للنار انت عذابي أصيب بك من أشاء وقال للجنة انت رحمتي وسعت كل شئ ولكل واحد منكما ملؤها فاما النار فيلقى فيها أهلها وتقول هل من مزيد حتى يأتي ما تبارك وتعالى فيضع قدمه عليها فتزوى وتقول قدني قدني وأما الجنة فتبقى ما شاء الله ان تبقى ثم ينشئ الله لها خلقا فيما يشاء وقال حسن الاشيب وأما الجنة فتبقى ما شاء الله ان تبقى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان ثنا يزيد يعني ابن زريع ثنا حميد قال حدثني بكر انه أخبره أن أبا سعيد الخدري رأى رؤيا انه يكتب سر فلما بلغ الى سجدتها قال رأى الدواة والقلم وكل شئ بحضرته انقلب ساجدا قال فقصها على النبي صلى الله عليه وسلم فلم يزل يسجد بها بعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا غندر ثنا مالك بن أنس عن الزهري عن عطاء بن يزيد عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال اذا سمعتم النداء فقولوا مثل ما يقول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن بيان قال سمعت محمد بن قرظة عن أبي سعيد الخدري قلت سمعه من أبي سعيد محمد قال لا قال اشترين أضحية فضاع الذئب فاكل من ذنبها أو أكل ذنبها فسألت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ضح بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال سئل عن العزل قال ثنا شعيد عن قتادة عن الحسن عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن ذلك فقال انت تخلقه انت ترزقه اقره قراره أو مقره فانما هو الوئد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن شعبة عن الوليد بن العيزار انه سمع رجلا من ثقيف يحدث عن رجل من كنانة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال في هذه الآية ثم أورثنا الكتاب الذين اصطفينا من عبادنا فمنهم ظالم لنفسه ومنهم مقتصد ومنهم سابق بالخيرات قال هؤلاء كلهم بمنزلة واحدة وكلهم في الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي مسلمة قال سمعت أبا نضرة عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال

الكتمل جعل في كل عين اثنتين واحدة بينهما وكان اذا لبس نعليه بدأ باليمين واذا خلع خلع اليسرى وكان اذا دخل المسجد ادخل رجله اليمنى وكان يحب التيمن في كل شئ أخذ وأعطاه (ع طب) عن ابن عباس * كان يشتد عليه أن يوجد منه الريح (د) عن عائشة * كان يأمر بتحسين الشعر مخالفة للاعاجم (طب) عن عتبة بن عبد * (لا يكتحل) * كان اذا اكتحل اكتحل وترا واذا استجمر استجمر وترا (حم) عن عقبة بن عامر * كان له مكحلة يكتحل منها كل ليلة ثلاثة في هذه وثلاثة في هذه (ت ه) (٧٤) عن ابن عباس * (التختم) * كان خاتمه ورقا وكان فصه حبشيا (م) عن أنس * كان خاتمه من فضة فصه منه (خ) عن أنس * كان يكره أن يرمى الخاتم (طب) عن عبادة ابن عمرو * كان يتختم في يمينه (خ ت) عن ابن عمر. (م ن) عن أنس (حم ت ه) عن عبد الله بن جعفر * كان يتختم في يساره (م) عن أنس (د) عن ابن عمر * كان يتختم في عينه ثم حوله في يساره (عد) عن ابن عمر ابن عساكر عن عائشة * كان يتختم بالفضة (طب) عن عبد الله بن جعفر * كان يجعل فصه مما يلي كفه (ه) عن أنس وعن ابن عمر * (الطلاء) * كان اذا اطلى بدا بعورته فطلاها بالنورة وسائر جسده أهله (ه) عن أم سلمة * كان اذا اطلى بالنورة ولى عانته وفرجه بيده ابن سعد عن ابراهيم وعن حبيب بن أبي ثابت مرسلا * كان ينتور في كل شهر ويقلم أظفاره في كل جمعة عشر يوما ابن عساكر عن ابن عمر * كان يدخل الحمام ويتنور ابن عساكر عن وائلة * (الحلق والقص) * كان يأخذ من لحيته من عرضها وطولها (ت) عن ابن عمرو * كان يأمر بدفن الشعر والاظفار (طب) عن وائل بن حجر * كان يأمر بدفن سبعة أشياء من الانسان الشعر والظفر والدم والحيضة والسن والعلقة والمشيمة الحكيم عن عائشة * كان يحفي شاربه (طب) عن أم عياش بولاته صلى الله عليه وسلم * كان يقلم أظفاره ويقص شاربه يوم الجمعة قبل أن يروح الى الصلاة (هب) عن أبي هريرة * كان يأمر من أسلم أن يختتن وان كان ابن ثمانين سنة (طب م) عن قتادة الرهاوي (النكاح) * كان اذا أراد أن يتزوج امرأة من نسائه يأتيها من وراء الحجاب فيقول لها بابنة ان

ان أهل النار الذين هم أهل النار لا يموتون فيها ولا يحيون ولكن ناس تصيبهم النار بذنوبهم أو خطاياهم حتى اذا صاروا حمما أذن في الشفاعة فجئ بهم ضبائر ضبائر فبثوا على أنهار الجنة ثم قيل يا أهل الجنة أفيضوا عليهم من الماء فنبتوا كما تنبت الحبة في حميل السيل. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ليس فيما دون خمس من الذود صدقة ولا في خمس أواق أو خمس أوسق صدقة. حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة انه سمع مولى لانس بن مالك يحدث عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد حياء من عذراء في خدرها وكان اذا كره شيأ عرف في وجهه. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا عوف عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال أقبلنا في جيش من المدينة قبل هذا المشرق قال فكان في الجيش عبد الله بن صياد وكان لا يسايره أحد ولا يرافقه ولا يؤاكله ولا يشاربه ويسمونه الدجال فبينا أنا ذات يوم نازل في منزل اذ رأيت عبد الله بن صياد جالسا فجئت حتى جلس الى جنبه فقال يا أبا سعيد ألا ترى الى ما يصنع الناس لا يسايرني أحد ولا يرافقني أحد ولا يشاربني أحد ولا يؤاكلني أحد ويدعونه الدجال وقد علمت أنت يا أبا سعيد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الدجال لا يدخل المدينة ولا في ولدت بالمدينة وقد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الدجال لا ولد له وقد ولد لي فوالله لقد هممت مما يصنع بي هؤلاء الناس ان آخذ حبلا فاخنق به فاستريح من هؤلاء الناس والله ما أنا بالدجال ولكن والله لو شئت لاخبرتك باسمه واسم أبيه واسم أمه واسم القرية التي يخرج منها. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا عوف عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال تفترق أمتي فرقتين فتمرق بينهما مارقة فيقتلها أولى الطائفتين بالحق. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا زكريا عن عطية عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من مات لا يشرك بالله شيأ دخل الجنة قال عبد الله وجدت هذا الحديث في كتاب أبي بخطه. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد المتعال بن عبد الوهاب ثنا يحيى بن سعيد الاموي ثنا مجالد عن أبي الوداك قال قال لي أبو سعيد هل يقرأ الخوارج بالدجال قلت لا قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني خاتم ألف نبي وأكثر ما بعث نبي يتبع الا قد حذر أمته الدجال واني قد بين لي من أمره ما لم يبين لاحد وانه أعور وان ربكم ليس باعور وعينه اليمنى عوراء جاحظة ولا تخفى كأنها نخامة في حائط مجصص وعينه اليسرى كأنها كوكب دري معه من كل لسان ومعه صورة الجنة خضراء يجري فيها الماء وصورة النار سوداء تدخن. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد المتعال ثنا يحيى بن سعيد الاموي ثنا مجالد عن أبي الوداك عن أبي سعيد قال ذكر ابن صياد عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال عمر انه يزعم انه لا يمر بشئ الا كلمه. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن محمد قال عبد الله وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم احتجت الجنة والنار فقالت النار في الجبارون والمتكبرون وقالت الجنة في ضعفاء الناس ومساكينهم قال فقضى بينهما انك الجنة رحمتي أرحم بك من أشاء وانك النار عذابي أعذب بك من أشاء ولكلا كما علي ملؤها. حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا عثمان بن محمد وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن يزيد بن أبي زياد عن عبد الرحمن بن أبي نعم عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم

فلانا قد خطبك فان كرهتيه فقولي لا فانه لا يستحيي أحد أن يقول لا وان أحببتني فان السكوت اقرار (طب) عم بمر * كان اذا خطب المرأة قال اذكروا الهاجفة سعد بن عبادة ابن سعد عن أبي بكر بن محمد بن عمرو بن حزم وعلي عاصم بن عمر بن قتادة مرسلا * كان اذا خطب فرد لم يعد لخطب امرأة فابت ثم عادت فقال قد التحفنا لحافا غيرك * ابن سعد عن مجاهد مرسلا * كان اذا خلا بنسائه الين الناس وأكرم الناس ضحكا وبساما ابن سعد وابن عساكر عن (٨٠) عائشة * كان اذا رفا الانسان اذا تزوج قال بارك الله لك وبارك عليك وجمع بينكما في خير (حم ٤ ك) عن أبي هريرة * كان اذا تزوج أو تزوج نثر تمرا (هق) عن عائشة * كان يأمر بالباءة وينهى عن التبتل نهيا شديدا (حم) عن أنس * كان يخطب النساء ويقول لك كذا وكذا وحفنة سعد تدور معي اليك كلما درت (طب) عن سهل ابن سعد * كان يكره نكاح السر حتى يضرب بدف (عم) عن أبي حسن المازني * كان يكره أن ترى المرأة ليس في يدها أثر حناء أو أثر خضاب (هق) عن عائشة * كان رحيما بالعيال الطيالسي عن أنس * كان يبيع نخل بني النضير ويحبس لاهله قوت سنتهم (خ) عن عمر * كان كثيرا ما يقبل عرف فاطمة ابن عساكر عن عائشة * (القسم) * كان اذا أراد سفرا أقرع بين نسائه فايتهن خرج سهمها خرج بها معه (ق د ه) عن عائشة * كان يقسم بين نسائه فيعدل ويقول اللهم هذا قسمي فيما أملك فلا تلمني فيما تملك ولا أملك (حم ٤ ك) عن عائشة * كان اذا ذبح الشاة يقول ارسلوا بها الى أصدقاء خديجة (م) عن عائشة * (المباشرة وما يتعلق بها) * كان اذا أراد أن يباشر امرأة من نسائه وهي حائض أمرها أن تتزر فذ

---

يقتل المحرم الافعى والعقرب والحداة والكلب العقور والفويسقة قال ما الفويسقة قال الفارة قلت وما شأن الفارة قال ان النبي صلى الله عليه وسلم استيقظ وقد أخذت الفتيلة فصعدت بها الى السقف لتحرق عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن محمد وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن يزيد عن عبد الرحمن ابن أبي نعم عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فاطمة سيدة نساء أهل الجنة الا ما كان من مريم بنت عمران **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن الاعمش عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخرج عند انقطاع من الزمان وظهور من الفتن رجل يقال له السفاح فيكون اعطاؤه المال حثيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان قال عبد الله وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن الاعمش عن عطية عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا بلغ بنو أبي فلان ثلاثين رجلا اتخذوا مال الله دولا ودين الله دخلا وعباد الله خولا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان قال عبد الله وسمعته أنا من عثمان ثنا جرير عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال جاءت امرأة صفوان بن المعطل الى النبي صلى الله عليه وسلم ونحن عنده فقالت يا رسول الله ان زوجي صفوان بن المعطل يضربني اذا صليت ويفطرني اذا صمت ولا يصلي صلاة الفجر حتى تطلع الشمس قال وصفوان عنده قال فسأله عما قالت فقال يا رسول الله أما قولها يضربني اذا صليت فانها تقرأ سورتين فقد نهيتها عنهما قال فقال لو كانت سورة واحدة لكفت الناس وأما قولها يفطرني فانها تصوم وأنا رجل شاب فلا أصبر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ لا تصوم امرأة الا باذن زوجها قال وأما قولها اني لا أصلي حتى تطلع الشمس فانا أهل بيت قد عرف لنا ذلك لا نكاد نستيقظ حتى تطلع الشمس قال فاذا استيقظت فصل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال ثنا وهب قال أخبرني قرة ابن عبد الرحمن عن ابن شهاب عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن أبي سعيد الخدري انه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الشرب من ثلمة القدح وان ينفخ في الشراب قال أبو عبد الرحمن وسمعته أنا من هرون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا هشيم قال مجالد أنا عن أبي الوداك عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ٧ ثلاثة يضحك الله اليهم الرجل يقوم من الليل والقوم اذا صفوا للقتال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر ثنا عيسى بن يونس عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع ألا ان أحرم الايام يومكم هذا وان أحرم الشهور شهركم هذا وان أحرم البلاد بلدكم هذا الا وان أموالكم ودماءكم عليكم حرام كحرمة يومكم هذا في بلدكم هذا في شهركم هذا ألا أهل بلغت قالوا نعم قال اللهم اشهد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي صالح عن جابر قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ قال حدثني أبي عن عامر الاحول عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري أن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال اذا أراد المؤمن الولد في الجنة كان حمله ووضعه وسنه في ساعة كما يشتهي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا محمد بن سعد بن اسحق عن عمته عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تنكح المرأة على احدى خصال ثلاثة تنكح المرأة على مالها وتنكح المرأة على جمالها وتنكح المرأة على دينها

---

ثم يباشرها (خ د) عن ميمونة * كان اذا أراد من الحائض شيأ ألقى على فرجها ثوبا (د) عن بعض أمهات المؤمنين * كان اذا رمدت عين امرأة من نسائه لم يأتها حتى تبرأ عينها أبو نعيم في الطب عن أم سلمة * كان يباشر نساءه فوق الازار وهن حيض (د) عن ميمونة * كان يدور على نسائه في الساعة الواحدة من الليل والنهار (خ ن) عن أنس * كان يطوف على نسائه في ليلة بغسل واحد (حم ق ٤) عن أنس * كان يكره سورة

الدم ثلاثا ثم يباشر بعد الثلاث (طب) عن أم سلمة * كان إذا اجتلى النساء أقعى ابن سعد عن أبي أسيد الساعدي * كان عض اللسان النرقفي في جزئه عن عائشة * (الطب والرقي) * كان اذا اشتكى أحد جمع كفا من شونيز وشرب على ريقه وعسلا (خط) عن أنس * كان اذا اشتكى أحد رأسه قال اذهب فاحتجم واذا اشتكى رجله قال اذهب فاخضبها بالحناء (طب) عن سلمى امرأة أبي رافع * كان اذا حم دعا بقربة من ماء فافرغها على قرنه فاغتسل (طب ك) عن سمرة * كان زعما أخذته الشقيقة فيمكث اليوم (٨١) واليومين لا يخرج ابن السني وأبو نعيم في الطب عن أبي هريرة * كان لا يصيبه قرحة ولا شوكة الا وضع عليها الحناء (ه) عن سلمى * كان يحتجم في رأسه ويسميها أم مغيث (خط) عن ابن عمر * كان يحتجم في الاخدعين والكاهل وكان يحتجم لسبع عشرة وتسع عشرة واحدى وعشرين (ت ك) عن أنس (طب ك) عن ابن عباس * كان يحتجم (ق) عن أنس * كان يحتجم على هامته وبين كتفيه ويقول من اهراق من هذه الدماء فلا يضره ان لا يتداوى بشئ الشئ (د ه) عن أبي كبشة * كان يستعط بالسعوس ويغسل رأسه بالسدر ابن سعد عن أبي جعفر مرسلا * كان يكره الكي والطعام الحار ويقول عليكم بالبارد فانه ذو بركة الا وان الحار لا بركة له (حل) عن أنس * كان يكتحل كل ليلة ويحتجم كل شهر ويشرب الدواء كل سنة (عد) عن عائشة * كان اذا أخذ أهله الوعك أمر بالحساء فصنع ثم أمر هم فحسوا وكان يقول انه ليرتو فؤاد الحزين ويسرو عن فؤاد السقيم كما تسرو احداكن الوسخ بالماء عن وجهها (ت ه ك) عن عائشة * (الرقي) كان اذا اشتكى نفث على نفسه بالمعوذات ومسح عنه بيده (ق د ه) عن عائشة * كان اذا صلى الغداة جاءه خدم أهل المدينة بآنيتهم فيها الماء فما يؤتى باناء الا غمس يده فيه (حم م) عن أنس * كان اذا اشتكى رقاه جبريل بسم الله يبريك من كل داء يشفيك ومن شر حاسد اذا حسد ومن شر كل ذي عين (م) عن عائشة * كان اذا أصابه رمد أو احد من أصحابه دعا بماء وملأ الكلمات اللهم متعني ببصري واجعله الوارث مني



فخذ ذات الدين والحلق تربت يمينك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال سمعت أبي عن يزيد بن الهاد أن عبد الله بن خباب حدثه أن أبا سعيد الخدري حدثه أن أسيد بن حضير بينما هو ليلة يقرأ في مربده اذ جالت فرسه فقرأ ثم جالت أخرى فقرأ ثم جالت أيضا فقال أسيد فخشيت أن تطأ يحيى يعني ابنه فقمت اليه فاذا مثل الظلة فوق رأسي فيها أمثال السرج عرجت في الجو حتى ما أراها قال فغدوت على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله بينما أنا البارحة من جوف الليل اقرأ في مربدي اذ جالت فرسي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اقرأ ابن حضير قال فقرأت ثم جالت ايضا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اقرأ ابن حضير فقرأت ثم جالت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اقرأ ابن حضير قال فانصرفت وكان يحيى قريبا منها فخشيت ان تطأه فرأيت مثل الظلة فيها أمثال السرج عرجت في الجو حتى ما أراها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تلك الملائكة كانت تسمع لك ولو قرأت لاصبحت ترآها الناس لا تستتر منهم **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ان موسى قال أي رب عبدك المؤمن تقترظه في الدنيا قال فيفتح له باب الجنة فينظر اليها قال يا موسى هذا ما أعددت له فقال موسى أي رب وعزتك وجلالك لو كان أقطع اليدين والرجلين يسحب على وجهه منذ يوم خلقته الى يوم القيامة وكان هذا مصيره لم ير بؤسا قط قال ثم قال موسى أي رب عبدك الكافر توسع عليه في الدنيا قال فيفتح له باب من النار فيقال يا موسى هذا ما أعددت له فقال موسى أي رب وعزتك وجلالك لو كانت له الدنيا منذ يوم خلقته الى يوم القيامة وكان هذا مصيره كان لم ير خيرا قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق ثنا محمد بن ابراهيم بن الحرث التيمي عن أبي سلمة بن عبد الرحمن بن عوف وأبي امامة بن سهل بن حنيف عن أبي سعيد الخدري وأبي هريرة قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من اغتسل يوم الجمعة واستاك ومس من طيب ان كان عنده ولبس من أحسن ثيابه ثم خرج حتى يأتي المسجد فلم يتخط رقاب الناس حتى ركع ما شاء ان يركع ثم أنصت اذا خرج الامام فلم يتكلم حتى يفرغ من صلاته كانت كفارة لما بينها وبين الجمعة التي قبلها قال وكان أبو هريرة يقول وثلاثة أيام زيادة ان الله جعل الحسنة بعشر امثالها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني العلاء بن عبد الرحمن عن أبيه عن أبي سعيد الخدري عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال اذا كان يوم الجمعة قعدت الملائكة على أبواب المسجد فيكتبون الناس من جاء من الناس على منازلهم فرجل قدم جزورا ورجل قدم بقرة ورجل قدم شاة ورجل قدم دجاجة ورجل قدم عصفورا ورجل قدم بيضة قال فاذا أذن المؤذن وجلس الامام على المنبر طويت الصحف ودخلوا المسجد يستمعون الذكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق حدثني محمد بن عمرو بن عطاء أن عطاء بن يسار حدثه أن أبا سعيد الخدري حدثه أنه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ما يصيب المؤمن من وصب ولا نصب ولا سقم ولا حزن ولا أذى حتى الهم يهمه الا الله يكفر عنه من سيئاته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني يزيد ابن عبد الله بن قسيط أن أبا سلمة ومحمد بن عبد الرحمن بن ثوبان أخبراه أنهما سمعا أبا سعيد الخدري يحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قسم بينهم طعاما مختلفا بعضه أفضل من بعض قال فذهبنا نتزايد بيننا فسمعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نتبايعه الا كيلا بكيل لا زيادة فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا

وأوزنى فى العدو تارى وانصرنى على من ظلمنى ابن السنى (ك) عن أنس * كان اذا خاف أن يصيب شيأ يعينه قال اللهم بارك فيه ولا تضره ابن السنى عن سعيد بن حكيم * كان اذا رعف قال لا اله الا الله رب لا شريك له (ن) عن ابن عمر * كان اذا مرض أحد من أهل بيته نفث عليه بالمعوذات (م) عن عائشة * كان يأمر أن يسترقى من العين (م) عن عائشة * كان يعلمهم من الحمى ومن الاوجاع كلها أن يقولوا بسم الله الكبير أعوذ بالله العظيم من شر كل (٨٤) عرق نعار ومن شر حر النار (حم ت ك) عن ابن عباس * كان ينفث فى الرقية (ه) عن عائشة

ابن أخى ابن شهاب عن عمه محمد بن مسلم قال حدثنى سالم بن عبد الله عن عبد الله بن عمر ان أبا سعيد الخدرى حدثه مثل ذلك حديثا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فلقيه عبد الله بن عمر فقال يا أبا سعيد ما هذا الذى تحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال غير سعيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الذهب بالذهب مثلا بمثل والورق بالورق مثلا بمثل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد ثنا قطر عن اسمعيل بن رجاء الزبيدى عن أبيه قال سمعت أبا سعيد الخدرى يقول كنا جلوسا ننتظر رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرج علينا من بعض بيوت نسائه قال فقمنا معه فانقطعت نعله فخلف عليها على يخصفها فمضى رسول الله صلى الله عليه وسلم ومضينا معه ثم قام ينتظره وقمنا معه فقال ان منكم من يقاتل على تأويل هذا القرآن كما قاتلت على تنزيله فاستشرفنا وفينا أبو بكر وعمر فقال لا ولكنه خاصف النعل قال فجئناه نبشره قال وكأنه قد سمعه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين ثنا ابن عياش يعنى اسمعيل عن الحجاج بن مروان الكلاعى وعقيل ابن مدرك السبيعى عن أبى سعيد الخدرى أن رجلا جاءه فقال أوصنى فقال أوصيك بتقوى الله فانه رأس كل شئ وعليك بالجهاد فانه رهبانية الاسلام وعليك بذكر الله وتلاوة القرآن فانه روحك فى السماء وذكر لك فى الارض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم ثنا قطر حدثنى اسمعيل بن رجاء قال سمعت أبى يقول سمعت أبا سعيد الخدرى يقول كنا جلوسا ننتظر رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث الا انه قال فقمت معه فلم يبشره قال فلم يرفع به رأسا كأنه قد سمعه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم ثنا لوين يعنى ابن عبد الملك بن جريج قال أخبرنى أبو سلمة عن أبى سعيد الخدرى قال انى لرسول الله صلى الله عليه وسلم ابن صياد وهو يلعب مع الغلمان قبل أن يشعر ابن صياد أنى رسول الله قال هو أتشهد انى رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قد خبأت لك خبيأ قال دخ قال الخسأ فلن تعدو قدرك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن يزيد بن أبى زياد عن ابن أبى نعم عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحسن والحسين سيدا شباب أهل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم حدثنا يونس حدثنى أبو الوداك جبر بن نوف قال حدثنى أبو سعيد قال أصبنا سبايا يوم حنين فكنا نعزل عنهن ثم تمس أن نفادين من أهلهن فقال بعضنا بعض تنهون هذا وقد كم رسول الله صلى الله عليه وسلم انتوه فسألوه فانزل الله قال مامن كل الماء يكون الولد اذا قضى الله أمرا كان ومر رنا بالقدر وهى تعلى فقال لنا ما هذا اللحم نقلنا لحم حمر فقال لا أهلة أو وحشية فقلنا له يا رسول الله فانا كفؤها قال فما كفأناها واناالجباع نشتهى قال وكان أو مران نوكى الا بقية **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن حبيب بن أبى ثابت عن الضحاك المشرقى عن أبى سعيد الخدرى عن النبى صلى الله عليه وسلم فى حديث ذكره قوم يخرجون على فرقة من الناس مختلفة قتلهم أقرب الطائفتين الى الحق **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو أحمد ثنا مسرة بن معبد حدثنى أبو عبيد صاحب سليمان قال رأيت عطاء بن يزيد الليثى قائما يصلى معتما بعمامة سوداء مرخ طرفها من خلف مصفر اللحية فذهبت أمر بين يديه فردنى ثم قال حدثنى أبو سعيد الخدرى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قام فصلى صلاة الصبح وهو خلفه فقرأ فالتبست عليه القراءة فلما فرغ من صلاته قال لو رأيتمونى وابليس فاهويت بيدى فما زلت أخنقه حتى وجدت برد لعابه بين أصبعى هاتين الابهام والتى تليها ولولا دعوة أخى سليمان لاصبح مربوطا بسارية من سواري المسجد يتلاعب

* كان اذا أتى مريضا أو أتى به قال اذهب الباس رب الناس اشف وأنت الشافى لا شفاء الا شفاؤك شفاء لا يغادر سقما (ق ه) عن عائشة * (التفاؤل) * كان يتفاءل ولا يتطير * وكان يحب الاسم الحسن (حم) عن ابن عباس * كان يعجبه اذا خرج لحاجته أن يسمع يا راشد يا نجيح (ت ك) عن أنس * كان يعجبه الفأل الحسن ويكره الطيرة (ه) عن أبى هريرة (ك) عن عائشة (ق) عن عائشة * كان لا يتطير ولكن يتفاءل الحكيم والبغوى عن بريدة

* (الباب الرابع فى شمائل تتعلق بالاخلاق والافعال والاقوال) *

* كان خلقه القرآن (حم م) عن عائشة * كان أبغض الخلق اليه الكذب (هب) عن عائشة * كان اذا اطلع على أحد من أهل بيته كذب كذبة لم يزل معرضا عنه حتى يحدث توبة (حم ك) عن عائشة * كان اذا عمل عملا أثبته (م د) عن عائشة * كان أحسن الناس خلقا (م د) عن أنس * كان اذا أتاه رجل فرأى فى وجهه بشرا أخذ بيده ابن سعد عن عكرمة مرسلا * كان اذا بلغه عن الرجل الشئ لم يقل ما بال فلان يقول ولكن يقول ما بال أقوام يقولون كذا وكذا (د) عن عائشة * كان اذا رضى شيأ سكت ابن منده عن سهيل بن سعد الساعدى أنى سهل * كان مما يقول للخادم ألك حاجة (حم) عن رجل * كان اذا كره شيأ رؤى ذلك فى وجهه (طس) عن أنس * كان لا يأخذ بالقرف ولا يقبل قول أحد على أحد (حل) عن أنس * كان لا يدفع عنه الناس ولا يضربون عنه (طب) عن ابن عباس * كان لا يواجه أحدا فى وجهه بشئ

يكرهه (حم خد د ن) عن أنس * كان يحمل ماء زمزم إلى (ت) عن عائشة * (الشكر) * كان إذا أتاه الأمر يسر به قال الحمد لله الذي بنعمته تتم الصالحات وإذا أتاه الأمر يكرهه قال الحمد لله على كل حال (ابن السني في عمل يوم وليلة (ك)) عن أنس * كان إذا سر استنار وجهه كأنه قطعة قمر (ق) عن كعب بن مالك * كان إذا جاءه أمر يسر به خر ساجدا شكرا لله تعالى (ده ك) عن أبي بكرة * كان إذا رأى ما يحب قال الحمد لله الذي بنعمته تتم الصالحات وإذا رأى ما يكره قال الحمد لله على كل حال ورب أعوذ بك من حال أهل (٨٣) النار (ه) عن عائشة * (الصبر) * كان أصبر الناس على أقذار الناس ابن سعد عن إسمعيل بن عياش مرسلا * (الحياء) * كان أشد حياء من العذراء في خدرها (حم ق ه) عن أبي سعيد * (السخاء والشجاعة) * كان أحسن الناس وأجود الناس وأشجع الناس (ق ت ه) عن أنس * كان رحيما وكان لا يأتيه أحد إلا وعده وأنجزله إن كان عنده (خد) عن أنس * كان لا يمنع شيأ يسأله (حم) عن أبي أسيد الساعدي * كان لا يدخر شيأ لغد (ت) عن أنس * كان لا يسأل شيأ إلا أعطاه أو سكت (ك) عن أنس (الغضب) * كان إذا غضب وهو قائم جلس وإذا غضب وهو جالس اضطجع فيذهب غضبه ابن أبي الدنيا في ذم الغضب عن أبي هريرة * كان إذا غضب احمرت وجنتاه (طب) عن ابن مسعود وعن أم سلمة * كان إذا غضب لم يجترعليه أحد إلا علي (حل ك) عن أم سلمة * كان يقول لأحدهم عند المعاتبة ماله ترب جبينه (حم خ) عن أنس * كان

به صبيان المدينة فمن استطاع منكم أن لا يحمل بينه وبين القبلة أحد فليفعل حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن أبي بكير حدثني منصور بن علي حدثني الأعمش عن سعد الطائي عن عطية عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يدخل الجنة صاحب خمس مدمن خمر ولا مؤمن بسحر ولا قاطع رحم ولا كاهن ولا منان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا سليمان بن بلال عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا شك أحدكم في صلاته فلم يدر كم صلى ثلاثا أم أربعا فليطرح الشك وليبن على ما استيقن ثم يسجد سجدتين قبل أن يسلم فإن كان صلى خمسا كانتا شفعا الصلاته قال موسى مرة فإن كان صلى خمسا شفعن له صلاته وإن كان صلى إتماما لأربع كانتا ترغيما للشيطان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود عن ابن لهيعة عن موسى بن وردان قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الوسيلة درجة عند الله ليس فوقها درجة فسلوا الله أن يؤتيني الوسيلة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا محمد بن سلمة عن محمد بن إسحق عن عمرو بن يحيى بن عمارة عن أبيه عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل الأرض مسجد وطهور إلا المقبرة والحمام حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا شريك عن ابن أبي ليلى عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم المجلس ستون ذراعا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود أنا ابن لهيعة عن دراج عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو ضرب الجبل بمسح من حديد لتفتت ثم عادكما كان ولو أن دلوا من غساقين يراق في الدنيا لآذى أهل الدنيا نتنا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هشام عن محمد عن أخيه معبد بن سيرين عن أبي سعيد الخدري قال نزلنا منزلا فأتينا امرأة فقالت إن سيد الحي سليم فهل منكم من راق قال فقام معها رجل ما كنا نظنه يحسن رقية فانطلق معها فرقاه فبرأ فأعطوه ثلاثين شاة قال وأحسبه قد قال وأسقونا لبنا فلما رجع إلينا قلنا له أكنت تحسن رقية قال لا ما رقيته بفاتحة الكتاب قال فقلت لهم لا تحدثوا فيها شيأ حتى نأتي رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما قدمنا أتينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكرت ذلك له فقال ما كان يدريه أنها رقية اقسموا واضربوا بسهمي معكم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سفيان الثوري وحماد بن سلمة عن عمرو بن يحيى عن أبيه قال حماد في حديثه عن أبي سعيد الخدري ولم يجاوز سفيان أباه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الأرض كلها مسجد إلا المقبرة والحمام حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد فقال عن أبي سعيد فيما يحسب عن النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد بن سلمة عن سهيل بن أبي صالح عن النعمان بن أبي عياش عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من صام يوما في سبيل الله باعد الله بينه وبين النار مسيرة سبعين خريفا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مزيد أنا فضيل بن مرزوق عن عطية عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الله أفرح بتوبة عبده من رجل أضل راحلته بفلاة من الأرض فطلبها فلم يقدر عليها فتسجى للموت فبينما هو كذلك إذ سمع وجبة الراحلة حين بركت فكشف عن وجهه فإذا هو براحلته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا القاسم بن الفضل الحداني عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال عدا الذئب على شاة فأخذها فطلبه الراعي فانتزعها منه فاقعى

شديد البطش ابن سعد عن محمد بن علي مرسلا * كان إذا غضبت عائشة عرك بأنفها وقال يا عويش قولي اللهم رب محمد اغفر لي ذنبي وأذهب غيظ قلبي وأجرني من مضلات الفتن ابن السني عن عائشة * (الفقر والجوع) * كان لا يجد من المال ما علا بطنه (ك) عن النعمان بن بشير * كان يشد صلبه بالحجر من الغرث ابن سعد عن أبي هريرة * كان يبيت الليالي المتتابعة طاويا وأهله لا يجدون عشاء وكان أكثر خبزهم خبز شعير (حم ت ه) عن ابن عباس * (الضحك والمزاح) * كان إذا جرى به الضحك وضع يده على فيه البغوي عن والد سمرة * كان لا ينبعث

في الضحك (طب) عن جابر بن سمرة *كان طويل الصمت قليل الضحك (حم) عن جابر بن سمرة *كان فيه دعابة قليلة (خط) وابن عساكر عن ابن عباس *كان من أضحك الناس وأطيبهم نفسا (طب) عن أبي امامة *كان من أفكه الناس ابن عساكر عن أنس *كان لا يحدث حديثا الا تبسم (حم) عن أبي الدرداء *كان لا يضحك الا تبسما (حم ت ك) عن جابر بن سمرة *كان يلاعب زينب بنت أم سلمة ويقول يازو يزو ينب يازو ينب مرارا الضياء عن أنس

أن نزل أو نضل أو نظلم أو نظلم أو نجهل أو يجهل علينا (ت) وابن السني عن أم سلمة *كان اذا خرج من بيته قال بسم الله التكلان على الله لا حول ولا قوة الا بالله (ه ك) وابن السني عن أبي هريرة *كان اذا خرج من بيته قال بسم الله رب أعوذ بك من أن أزل أو أضل أو أظلم أو أظلم أو أجهل أو يجهل علي (حم ن ه ك) عن أم سلمة زاد ابن عساكر أو نبغي أو يبغى علي *كان اذا خرج من بيته قال بسم الله توكلت على الله لا حول ولا قوة الا بالله اللهم اني أعوذ بك أن أضل أو أضل أو أزل أو أزل أو أظلم أو أظلم أو أجهل أو يجهل علي أو نبغي أو يبغى علي (طب) عن بريدة *كان اذا مشى لم يلتفت (ك) عن جابر *كان اذا مشى مشى أصحابه امامه وتركوا ظهره للملائكة (ه ك) عن جابر *كان اذا مشى أسرع حتى يهرول الرجل وراءه فلا يدركه ابن سعد عن يزيد بن مرثد مرسلا *كان اذا مشى أقلع (طب) عن أنس *كان اذا مشى كأنه يتوكأ (د ك) عن أنس *كان لا يلتفت وراءه اذا مشى وكان ربما تعلق رداؤه بالشجرة عن أنس يقول ولكن يقول فعوه عليه ابن سعد والحكيم وابن عساكر عن جابر *كان يمشي مشيا يعرف فيه انه ليس بعاجز ولا كسلان ابن عساكر عن سهل *كان عمامة يكره أن يطأ أحد عقبه ولكن يمين وشمال (ك) عن ابن عمر *كان يلبس النعال السبتية ويصفر لحيته بالورس يقبل قول أحد (د) عن ابن عمر *كان يكره أن يطلع من نعليه شئ عن قدميه (حم) في الزهد عن زياد بن سعد مرسلا *كان لنعله قبالان

---

الذئب على ذنبه قال ألا تتقي الله تمنع مني رزقا ساقه الله الي فقال يا عجبي ذئب مقعد على ذنبه يكلمني كلام الانس فقال الذئب الا أخبرك بأعجب من ذلك محمد صلى الله عليه وسلم يثرب يخبر الناس بأنباء ما قد سبق قال فاقبل الراعي يسوق غنمه حتى دخل المدينة فزواها الى زاوية من زواياها ثم أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبره فأمر رسول الله صلى الله عليه وسلم فنودي الصلاة جامعة ثم خرج فقال للراعي اخبرهم فاخبرهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق والذي نفسي بيده لا تقوم الساعة حتى يكلم السباع الانس ويكلم الرجل عذبة سوطه وشراك نعله ويخبره فخذه بما أحدث أهله بعده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أبنا هرون أنا شعبة عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن رجل عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنعن أحدكم مخافة الناس ان يقول بالحق اذا شهده أو علمه قال شعبة فحدثت هذا الحديث قتادة فقال ما هذا عمرو بن مرة عن أبي البختري عن رجل عن أبي سعيد حدثني أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يمنعن أحدكم مخافة الناس ان يقول بالحق اذا شهده أو علمه قال أبو سعيد فهابني على ذلك اني ركبت الى معاوية فلأتت أذنيه ثم رجعت قال شعبة حدثني هذا الحديث أربعة نفر عن أبي نضرة قتادة وأبو سلمة الجريري ورجل آخر **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا يزيد وأبو النضر قالا أنا عبد العزيز بن عبد الله بن أبي سلمة عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا شك أحدكم في الصلاة فلم يدر ثلاثا صلى أم أربعا فليقم فليصل ركعة قال يزيد حتى يكون الشك في الزيادة ثم ليسجد سجدتي السهو وان كان صلى خمسا شفعن له صلاته وان كان صلى أربعا فهن ترغمان الشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا همام بن يحيى قال أبي وأبو بدر عن سعيد عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا اجتمع ثلاثة فليؤمهم أحدهم وأحقهم بالامامة أقرؤهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن ابن عون عن الحسن عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الا ان الدنيا خضرة حلوة ألا فاتقوا الدنيا واتقوا النساء الا ان لكل غادر لواء وان أغدركم غدرا أمير العامة فما ساءت رفعه بيمها صوته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن سعيد عن قتادة عن صالح أبي الخليل عن أبي علقمة عن أبي سعيد الخدري ان أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم أصابوا سبايا يوم أوطاس لهن أزواج من أهل الشرك فكان أناس من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم كفوا وتأثموا من غشيانهن قال فنزلت هذه الآية في ذلك والمحصنات من النساء الا ما ملكت ايمانكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أبي الخليل عن أبي علقمة الهاشمي عن أبي سعيد فذكر معناه الا انه قال نساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن بكر المزني قال قال أبو سعيد الخدري رأيت رؤيا وأنا أكتب سورة ص قال فلما بلغت السجدة رأيت الدواة والقلم وكل شئ بحضرتي انقلب ساجدا قال فقصصتها على رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم يزل يسجدها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زهير ابن محمد ثنا يزيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لتتبعن سنن الذين من قبلكم شبرا بشبر وذراعا بذراع حتى لو دخلوا جحر ضب لتبعتموهم قلنا يا رسول الله اليهود والنصارى قال فمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسود بن عامر ثنا أبو بكر عن الاعمش عن أبي صالح

(ت) عن أنس * (كلامه صلى الله عليه وسلم) * كان في كلامه ترتيل أو ترسيل (د) عن جابر * كان كلامه كلاما فصلا يفهمه كل من سمعه (د) عن عائشة * كان اذا تكلم بكلمة أعادها ثلاثا حتى يفهم عنه واذا أتى على قوم فسلم عليهم سلم عليهم ثلاثا (حم خ ب) عن أنس * كان اذا قال الشئ ثلاث مرات لم يراجع الشيرازي عن أبي حدرد * كان يعيد الكلمة ثلاثا لتعقل عنه (ت ك) عن أنس * كان لا يراجع بعد ثلاث ابن قانع عن زياد بن سعد * كان يحدث حديثا لو عده العاد لاحصاه (ق د) عن عائشة * كان (٨٥) لا يكاد يسأل شيأ الا فعله (طب) عن طلحة * كان لا يكاد يقول لشئ لا فاذا هو سئل فاراد أن يفعل قال نعم واذا لم يرد أن يفعل سكت ابن سعد عن محمد بن الحنفية مرسلا * كان يكره المسائل ويعيبها فاذا سأله أبوه رزين أجابه وأعجمه (طب) عن رزين * كان يكره أن يرى الرجل جهيرا رفيع الصوت وكان يحب أن يراه خفيض الصوت (طب) عن أبي امامة * كان آخر ما تكلم به ان قال قاتل الله اليهود والنصارى اتخذوا قبور أنبيائهم مساجد لا يبقين دينان بأرض العرب (هق) عن أبي عبيدة بن الجراح * كان آخر كلامه الصلاة الصلاة اتقوا الله فيما ملكت أيمانكم (د ه) عن علي * كان اذا اجتهد في اليمين قال لا والذي نفس أبي القاسم بيده (حم) عن أبي سعيد * كان اذا حلف على يمين لا يحنث حتى تزلت كفارة اليمين (ك) عن عائشة * كان اذا حلفت قال والذي نفس محمد بيده (ه) عن رفاعة الجهني * كان أكثر ايمانه لا ومصرفه القلوب (ه) عن ابن عمر * كان اذا استراث الخبر تمثل ببيت طرفة ويأتيك بالاخبار من لم تزود (حم) عن عائشة * كان يتمثل بالشعر ويأتيك بالاخبار من لم تزود (طب) عن ابن عباس (ت) عن عائشة * كان يتمثل ببيت طرفة * كفى بالاسلام والشيب للمرء ناهيا * ابن سعد عن الحسن مرسلا * كان اذا انتسب لم يجاوز في نسبته معد بن عدنان بن أدد ثم يمسك ويقول كذب النسابون قال الله تعالى وقرونا بين ذلك كثيرا ابن سعد عن ابن عباس * كان اذا دخل السوق قال بسم الله اللهم اني أسألك من خير هذه السوق وخير ما فيها وأعوذ بك من شرها وشر ما فيها

عن أبي سعيد قال جاء رجل امرأته صفوان بن معطل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقالت ان زوجي يضربني اذا صليت ولا يصلي الغداة حتى تطلع الشمس قال فأرسل اليه فقال ما تقول هذه قال اما قولها يضربني فانه رجل شاب وقد نهيناه ان يضرب النساء فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تضرب المرأة الا باذن زوجها قال وأما قولها اني لا أصلي حتى تطلع الشمس اني ثقيل الرأس وأنا من أهل بيت يعرفون ذلك لا يثقل الرؤس قال فاذا ثقلت فصل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ثنا أبو عوانة عن منصور بن زاذان عن الوليد بن بشر عن أبي الصديق عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم في الظهر في الركعتين الاوليين في كل ركعة قدر قراءة ثلاثين آية وفي الاخريين في كل ركعة قدر قراءة خمس عشرة آية وكان يقوم في العصر في الركعتين الاوليين في كل ركعة قدر قراءة خمس عشرة آية وفي الاخريين قدر نصف ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن بشير بن حرب قال سمعت أبا سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يدعم يعرفه هكذا يعني بظاهر كفه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن بشير عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن صوم يوم الفطر ويوم الاضحى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس وسريج قالا ثنا حماد عن ثابت عن أبي سعيد الخدري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الكراث والبصل والثوم فقلما الحرام هو قال لا ولكن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن بشير بن حرب قال سمعت أبا سعيد يقول وقف رسول الله صلى الله عليه وسلم يعرفه فجعل يدعو هكذا وجعل ظهر كفيه مما يلي وجهه ورفعهما فوق تندوته وأسفل من منكبيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن أبي حكيم حدثني الحكم يعني ابن أبان قال سمعت عكرمة يقول حدثني أبو سعيد الخدري قال كانت زوملة من وشيق الحج حتى يكاد يحول عليه الحول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم أنا سليمان التاجر أنا أبو المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم بأصحابه الظهر قال فدخل رجل من أصحابه فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ما حبسك يا فلان عن الصلاة قال فذكر شيأ اعتل به قال فقام يصلي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا رجل يتصدق على هذا فيصلي معه قال فقام رجل من القوم فصلى معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم أنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال غلا السعر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا له ارقوم لنا سعرنا قال ان الله هو المقوم أو المسعر اني لأرجو أن ألقاكم وليس أحد منكم يطالبني بمظلمة في مال ولا نفس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم قال أخبرني سهيل بن أبي صالح عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من تبع جنازة فلا يجلس حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب بن عطاء أنا الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أكل لحوم الاضاحي فوق ثلاثة أيام قال فقالوا يا رسول الله ان لنا عيالا قال كلوا وادخروا وأحسنوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم ثنا سعيد بن اياس الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال أراه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا أتيت على حائط فنادصاحبه ثلاث مرات فان أجابك والا فكل من غير أن لا تفسد وان أتيت على

اللهم إني أعوذ بك أن أصيب فيها عمدا فاجرة أو صفقة خاسرة (طب ك) عن بريدة * كان إذا رأى سهيلا قال لعل الله سهيلا فانه كان عشارا فمسخ ابن السني عن علي * (المتفرقات) * كان إذا أراد أن يقعد الرجل سقاما أو مأزوما أو مزموما (حل) عن ابن عباس * كان إذا أشفق من الحاجة نساها ربها في خنصره أو في خاتمه الخيط ابن سعد والحكيم عن ابن عمر * كان إذا قام اتكأ على احد يديه (طب) عن وائل بن حجر * كان يعصر في الخمر بالنعال والجريد (٨٦) (ن) عن أنس * كان يجيء النظر إلى الابرج وكان يجيء النظر إلى الحمام الاحمر (طب) وابن السني وأبو نعيم في الطب عن أبي كبشة ابن السني وأبو نعيم عن علي أبو نعيم عن عائشة * كان يجيء النظر إلى الخضرة والماء الجاري ابن السني وأبو نعيم عن ابن عباس * كان يجيء العراجين أن يمسكها بيده (ك) عن أبي سعيد * كان يجيء العراجين ولا يزال في يده منها (حم د) عن أبي سعيد * (نزول الوحي) * كان إذا أنزل عليه الوحي تمعر رأسه ووجهه أصحابه رؤوسهم فإذا أقلع تمعر رفع رأسه (م) عن عبادة ابن الصامت * كان إذا أنزل عليه الوحي كرب لذلك وتربد وجهه (حم م) عنه * كان إذا أنزل عليه الوحي سمع عند وجهه كدوي النحل (حم ت ك) عن عمر كان إذا أوحي إليه وقد لذلك كهيئة السكران ابن سعد عن عكرمة مرسلا * كان إذا جاءه جبريل فقرأ بسم الله الرحمن الرحيم علم انها سورة (ك) عن ابن عباس * كان إذا نزل عليه الوحي ثقل لذلك وتحدر جبينه عرقا كأنه جمان وان كان في البرد (طب) عن زيد بن ثابت * كان إذا نزل عليه الوحي سدع فيغاف رأسه بالحناء ابن السني وأبو نعيم في الطب عن أبي هريرة * كان لا يعرف فصل السورة حتى ينزل عليه بسم الله الرحمن الرحيم (د) عن ابن عباس * كان يأخذ القرآن من جبريل خمسا خمسا (هب) عن عمر * (الجلوس والمجالس) * كان إذا جلس استعفى بيديه (د هق) عن أبي سعيد * كان إذا جلس يتحدث يكثر أن يرفع طرفه إلى السماء (د) عن عبد الله بن سلام * كان إذا جلس يتحدث يخلع نعليه (هب) عن أنس * كان إذا جلس جاس إليه أصحابه حلقا حلقا البزار عن قرة بن إياس

راع فناده ثلاث مرات فان أبا بك والا فسكل وشرب من غير أن لا تفسد قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الضيافة ثلاثة أيام فما بعد فصدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني محمد بن يحيى بن حبان ومحمد بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة ونفر رجلان من الانصار من بني مازن ابن النجار وكانا ثقة عن يحيى بن عمارة بن أبي حسن ومبشر بن تميم وهما من رهطهما وكانا ثقة عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ليس فيما دون خمس أواق من الورق صدقة وليس فيما دون خمس من الابل صدقة وليس فيما دون خمس أوسق من التمر صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح قال ابن شهاب حدثني أبو امامة بن سهل أنه سمع أبا سعيد الخدري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بينا أنا نائم رأيت الناس يعرضون وعليهم قمص منها ما يبلغ الثدي ومنها ما يبلغ دون ذلك ومر علي عمر بن الخطاب وعليه قميص يجره قالوا فما أولت يا رسول الله قال الدين قال يعقوب ما أحسبه واسمعته يقول وحدثنا صالح عن ابن شهاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني سليط بن أيوب بن الحكم الانصاري عن عبيد الله بن عبد الرحمن بن رافع الانصاري ثم أحد بني عدي بن النجار عن أبي سعيد الخدري قال قيل لرسول الله صلى الله عليه وسلم يا رسول الله كيف بمن يستقي لك من بئر بضاعة بئر بني ساعدة وهي بئر يطرح فيها ما ينضح النساء ولحوم الكلاب وعذر الناس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الماء طهور لا ينجسه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني يزيد بن عبد الله بن قسيط عن عطاء بن يسار أو أخيه سليمان بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يخطب الناس على منبره وهو يقول أيها الناس إني قد أريت ليلة القدر ثم انسيتها ورأيت أن في ذراعي سوار من ذهب فكرهتهما فنفختهما فطارا فأولتهما هذين الكذابين صاحب اليمن وصاحب اليمامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني عبد الله بن عبد الرحمن بن معمر بن حزم عن سليمان بن محمد بن كعب بن عجرة عن عمته زينب بنت كعب وكانت عند أبي سعيد الخدري عن أبي سعيد الخدري قال اشتكى علينا الناس قال فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فينا خطيبا فسمعته يقول أيها الناس لا تشكوا علينا فوالله انه لا يخشن في ذات الله أو في سبيل الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن الوليد بن كثير قال حدثني عبد الله بن أبي سلمة أن عبد الله بن عبد الرحمن بن رافع حدثه أنه سمع أبا سعيد الخدري يحدث أنه قيل لرسول الله صلى الله عليه وسلم يا رسول الله أتتوضأ من بئر بضاعة وهي بئر يطرح فيها الحيض ولحوم الكلاب والنتن فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الماء طهور لا ينجسه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني محمد بن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي صعصعة أنه سمع يحيى بن عمارة بن أبي حسن وعباد بن تميم يحدثان أنهما سمعا أبا سعيد الخدري يحدث أنه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا صدقة فيما دون خمسة أوسق من التمر ولا فيما دون خمس أواق من الورق ولا فيما دون خمس من الابل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج بن محمد عن شعبة عن جابر قال سمعت محمد بن قرظة يحدث عن أبي سعيد الخدري انه اشترى كبشا ليضحي به فاكل الذئب من ذنبه أو ذنبه فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم فسألته فقال ضح به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا عباد بن عباد عن مجالد بن سعيد عن أبي الوداك

*كان اذا جلس مجلسا فاراد أن يقوم استغفر عشرا الى خمس عشرة ابن السنى عن أبى امامة *كان اذا قام من المجلس استغفر الله عشرين مرة ابن السنى عن عبد الله الحضرمى *كان لا يقوم من مجلس الا قال سبحانك اللهم ربى وبحمدك لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك وقال لا يقولهن أحد حين يقوم من مجلسه الا غفر له ما كان منه فى ذلك المجلس (ك) عن عائشة *كان لا يقعد فى بيت مظلم حتى يضىء له السراج ابن سعد عن عائشة *كان يجالس الفقراء (طب) عن ابن بسر نعلبة *كان يجلس على الارض  ويأكل على الارض ويعتقل الشاة ويجيب دعوة المملوك على خبز الشعير (طب) عن ابن عباس

*(أخلاق تتعلق بحقوق الصحبة)*

*كان اذا فقد الرجل من اخوانه ثلاثة أيام سأل عنه فان كان غائبا دعا وان كان شاهدا زاره وان كان مريضا عاده (ع) عن أنس *كان اذا دخل على مريض يعوده قال لا بأس طهور ان شاء الله (خ) عن ابن عباس *كان لا يعود مريضا الا بعد ثلاث (ه) عن أنس *كان اذا لقيه أحد من أصحابه قام معه فلم ينصرف حتى يكون الرجل هو الذى ينصرف عنه واذا لقيه أحد من أصحابه فتناول يده ناوله اياها فلم ينزع يده منه حتى يكون الرجل هو الذى ينزع يده منه واذا لقى أحدا من أصحابه فتناول أذنه ناولها اياه ثم لم ينزعها عنه حتى يكون الرجل هو الذى ينزعها عنه ابن سعد عن أنس *كان اذا لقيه الرجل من أصحابه مسح وجهه ودعا له (ن) عن حذيفة *كان يزور الانصار ويسلم على صبيانهم ويمسح رؤسهم (ن ه) عن أنس *كان يؤتى بالصبيان فيبرك عليهم ويحنكهم ويدعو لهم (ق د) عن عائشة *كان أرحم الناس بالصبيان والعيال ابن عساكر عن أنس *كان يأتى ضعفاء المسلمين ويزورهم ويعود مرضاهم ويشهد جنائزهم (٤ طب ك) عن سهل بن حنيف *كان يجل العباس اجلال الولد للوالد (ك) عن ابن عباس *كان يرى للعباس ما يرى الولد لوالده يعظمه ويفخمه ويبر قسمه (ك) عن عمر *كان يأمر بالهدية صلة بين الناس ابن عساكر عن أنس *(السلام والاستئذان والمصافحة)* كان اذا أتى

عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقضيب من تضر عباده لله حتى لا يعبد الله اسم وأصرهم المؤمنون حتى لا يمنعوا ذنب تلعة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد ثنا عبد الله بن جعفر ثنا يزيد بن عبد الله بن عبد الله بن خباب عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال فقال من لم يكن له بد فيدع الوصال فليواصل من السحر الى السحر قيل يا رسول الله انك تواصل قال انى لست كهيئتكم انى أبيت مطعم يطعمنى وساق يسقينى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا الاسود بن عامر ثنا شريك عن أبى اسحق عن أبى الودك عن أبى سعيد وقيس بن وهب عن أبى الودك عن أبى سعيد قال قال النبى صلى الله عليه وسلم فى غزوة أوطاس لا توطأ الحبلى حتى تضع ولا غير ذات حمل حتى تحيض حيضة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا خلف بن الوليد ثنا عباد بن عباد ثنا المعلى بن زياد القردوسى عن الحسن عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا لا يمنعن رجلا رهبة الناس ان علم حقا ان يقوم به **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو المغيرة ثنا سعيد بن عبد العزيز قال حدثنى عطية بن قيس عمن حدثه عن أبى سعيد الخدرى قال آذنا رسول الله صلى الله عليه وسلم بالرحيل عام الفتح فى ليلتين خلتا من رمضان فخرجنا صواما حتى اذا بلغنا الكديد فامرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم بالفطر فأفطرنا فصام الناس منهم الصائم ومنهم المفطر حتى اذا بلغ أدنى منزل تلقاء العدو وأمرنا بالفطر فافطرنا أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثنى على ثنا الحكم بن نافع ثنا سعيد بن عبد العزيز عن عطية بن قيس عن قزعة عن أبى سعيد الخدرى قال أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم بالرحيل عام الفتح فى ليلتين خلتا من رمضان فخرجنا صواما حتى بلغنا الكديد فامرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم بالفطر فاصبح الناس شرحبين منهم الصائم والمفطر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو المغيرة ثنا سعيد بن عبد العزيز قال حدثنى عطية بن قيس عمن حدثه عن أبى سعيد الخدرى قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قال سمع الله لمن حمده قال اللهم ربنا لك الحمد ملء السموات وملء الارض وملء ما شئت من شىء بعد أهل الثناء والمجد أحق ما قال العبد وكلنا لك عبد لا مانع لما أعطيت ولا يفع ذا الجد منك الجد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنا الحكم بن نافع ثنا سعيد بن عبد العزيز عن عطية بن قيس عن قزعة بن يحيى عن أبى سعيد الخدرى قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قال سمع الله لمن حمده قال اللهم ربنا لك الحمد ملء السموات وملء الارض وملء ما شئت من شىء بعد أهل الثناء والمجد أحق ما قال العبد وكلنا لك عبد لا مانع لما أعطيت ولا ينفع ذا الجد منك الجد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن عياش ثنا محمد بن مطرف ثنا أبو حازم عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان المتحابين لترى غرفهم فى الجنة كما تتراءى الكوكب الطالع الشرقى أو الغربى فيقال من هؤلاء فيقال هؤلاء المتحابون فى الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن عياش ثنا محمد بن مطرف ثنا زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد الخدرى قال قال النبى صلى الله عليه وسلم اذا شك أحدكم فى صلاته فلم يدر الثلاث أو على اليقين وليصل سجدتين فان كانت خمسا شفع بهما وان كان صلى أربعا كانتا ترغيما للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا خلف بن الوليد ثنا خالد يعنى الجريرى عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا لا يمنعن أحدكم مخافة الناس ان يقول الحق اذا رآه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم بن القاسم ثنا شعبة عن خليد بن جعفر قال سمعت أبا نضرة عن أبى سعيد قال ذكر المسك

على باب قوم لم يستقبل الباب من تلقاء وجهه ولكن من ركنه الايمن والايسر ويقول السلام عليكم السلام عليكم (حم د) عن عبد الله بن بسر * كان يقرع بابه بالأظافير الحاكم في الكنى عن أنس * كان عمر يأمر الصبيان فيسلمون عليهم (خ) عن أنس * كان عمر ينساء فيسلم عليهن (حم) عن حرير * كان اذا لقي أصحابه لم يصافحهم حتى يسلم عليهم (طب) عن جندب * كان لا يصافح النساء في البيعة (حم) عن ابن عمرو * كان يصافح النساء من تحت الثوب (٨٨) (طس) عن معقل بن يسار * (العطاس) * كان اذا عطس حمد الله فيقال له يرحمك الله فيقول يهديكم الله ويصلح بالكم (حم طب) عن عبد الله بن جعفر * كان اذا عطس وضع يده أو ثوبه على فيه وخفض بها صوته (د ت ك) عن أبي هريرة * كان يكره العطسة الشديدة في المسجد (هق) عن أبي هريرة معضلا * (التسمية والكنى) * كان اذا أتاه الرجل وله اسم لا يحبه حوله ابن سعد عن عقبة بن عبد * كان اذا سمع بالاسم القبيح حوله الى ما هو أحسن منه ابن سعد عن عروة مرسلا * كان يجب أن يدعى الرجل باحب أسمائه اليه وأحب كناه (٤ طب) ابن قانع والباوردي عن حنظلة بن حذيم * كان يغير الاسم القبيح (ت) عن عائشة * كان اذا لم يحفظ اسم الرجل قال يا ابن عبد الله ابن السني عن جارية الانصاري * (الجنائز) * كان اذا وضع الميت في لحده قال بسم الله وفي سبيل الله وعلى ملة رسول الله (د ت ه هق) عن ابن عمر * كان اذا شهد جنازة أكثر الصمت وأكثر حديث نفسه ابن المبارك وابن سعد عن عبد العزيز بن أبي داود مرسلا * كان اذا شهد جنازة رؤيت عليه كآبة وأكثر حديث النفس (طب) ذلك عن ابن عباس * كان اذا شيع جنازة لا يذكر به ولا يأقل الكلام وأكثر حديث نفسه الحاكم في الكنى عن عمران بن حصين * كان اذا فرغ من دفن الميت وقف عليه وقال استغفروا لاخيكم وسلوا له التثبيت فانه الآن يسأل (د) عن عثمان * (الصلاة على الميت) * كان اذا أتي بامرئ قد شهد بدرا والشجرة كبر عليه تسعا واذا أتي به قد شهد بدرا ولم يشهد الشجرة أو شهد الشجرة ولم يشهد بدرا كبر عليه

عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال أو ليس من أطيب الطيب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم عن شعبة عن قتادة عن ابن أبي عتبة عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد حياء من عذراء في خدرها وكان اذا كره شيأ عرفناه في وجهه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق أنا عبد الله أنا يونس عن الزهري حدثني أبو سلمة بن عبد الرحمن عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما استخلف من خليفة الا كانت له بطانتان بطانة تأمره بالخير وتحضه عليه وبطانة تأمره بالشر وتحضه عليه فالمعصوم من عصم الله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق أنا عبد الله ثنا مالك بن أنس عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله يقول لاهل الجنة يا أهل الجنة فيقولون لبيك ربنا وسعديك فيقول هل رضيتم فيقولون وما لنا لا نرضى وقد أعطيتنا ما لم تعط أحدا من خلقك فيقول ألا أعطيكم أفضل من ذلك فالوا يا ربنا فأي شيء أفضل من ذلك قال أحل عليكم رضواني فلا أسخط بعده أبدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق ثنا عبد الله أنا سعيد بن يزيد أنا أبو خداش عن أبي السمح عن أبي الهيثم عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال وهم فيها كالحون قال تشويه النار فتقلص شفته العليا حتى تبلغ وسط رأسه وتسترخي شفته السفلى حتى تضرب سرته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بشر بن شعيب بن أبي حمزة أخبرني أبي قال محمد يعني الزهري أخبرني حميد بن عبد الرحمن ان أبا هريرة وأبا سعيد الخدري أخبراه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى نخامة في حائط المسجد فتناول رسول الله صلى الله عليه وسلم حصاة فحتها ثم قال اذا تنخم أحدكم وهو يصلي فلا يتنخم قبل وجهه ولا عن يمينه وليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان أنا شعيب عن الزهري قال وحدثني عطاء بن يزيد انه حدثه أبو سعيد الخدري انه قيل يا رسول الله أي الناس أفضل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم مؤمن يجاهد في سبيل الله بنفسه وماله فقالوا ثم من قال مؤمن في شعب من الشعاب يتقي الله ويدع الناس من شره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان أنبأنا شعيب عن الزهري أخبرني عبد الله بن محيريز الجمحي ان أبا سعيد الخدري أخبره انه بينما هو جالس عند النبي صلى الله عليه وسلم جاء رجل من الانصار فقال يا رسول الله انا نصيب سبايا فنحب الاثمان فكيف ترى في العزل فقال النبي صلى الله عليه وسلم وانكم لتفعلون ذلكم لا عليكم أن لا تفعلوا اذا كم فانما ليست نسمة كتب الله ان تخرج الا هي خارجة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية يعني أبو اسحق عن الاوزاعي ثنا الزهري عن عطاء عن أبي سعيد الخدري قال سأل رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم أي الناس أفضل فذكر معنى حديث شعيب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان انا شعيب حدثني عبد الله بن أبي حسين حدثني ثهران أبا سعيد الخدري حدثه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال بينا اعرابي في بعض نواحي المدينة في غنم له عداها الذئب فاخذ شاة من غنمه فاذر كه الاعرابي فاستنقذها منه وهجهجه فعاد اليه الذئب عشي ثم أقعى مستذفر بذنبه يخاطبه فقال أخذت رزقا رزقنيه الله قال واعجبا من ذئب مقعي مستذفر بذنبه يخاطبني فقال والله انك لتترك أعجب من ذلك قال وما أعجب من ذلك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم في النخلتين بين الحرتين يحدث الناس عن نبأ ما قد سبق وما يكون بعد

9 هجهج بالسبع صاح به لينزجر اه قاموس

سبعا واذا أتى به ليشمها يبدو الا الشجرة كبر عليه أربعا ابن عساكر عن جابر * (زيارة القبور) * كان اذا مر بالمقابر قال السلام عليكم أهل الديار من المؤمنين والمؤمنات والمسلمين والمسلمات والصالحين والصالحات وانا ان شاء الله بكم لاحقون ابن السني عن أبي هريرة * كان اذا دخل الجبانة يقول السلام عليكم أيتها الارواح الفانية والابدان البالية والعظام النخرة التي خرجت من الدنيا وهي بالله مؤمنة اللهم أدخل عليهم روحا منك وسلاما منا ابن السني عن ابن مسعود * (المتفرقات) * كان يخيط ثوبه ويخصف (٨٩) نعله ويعمل ما يعمل الرجال في بيوتهم (حم) عن عائشة * كان يرى بالليل في الظلمة كما يرى بالنهار في الضوء البيهقي في الدلائل عن ابن عباس (عد) عن عائشة * كان يعمل عمل البيت وأكثر ما يعمل الخياطة ابن سعد عن عائشة * كان يقبل بوجهه وحديثه على القوم يتألفهم بذلك (طب) عن عمرو بن العاص * كان يأتي بوله ويحلب شاته ويخدم نفسه (حل) عن عائشة * كان آخر ما تكلم به جلال ربي الرفيع فقد بلغت ثم قضى (ك) عن أنس * (كتاب الشمائل من قسم الافعال وفيه أربعة أبواب الباب الاول في حليته صلى الله عليه وسلم وفيه بعض أخلاقه أيضا) * عن أبي هريرة قال قدم راهب على قعود له فقال دلوني على منزل أبي بكر الصديق فدل عليه فقال صف لي النبي صلى الله عليه وسلم فقال أبو بكر لم يكن بالطويل ولا بالقصير ربعة أبيض اللون مشرب بحمرة جعد ليس بالقطط شارع الانف واضح الجبين سهل الخدين مقرون الحاجبين أدعج العينين مفلج الثنايا كان عنقه ابريق فضة بين كتفيه خاتم النبوة

ذلك قال فنعق الاعرابي بغنمه حتى أجازها الى بعض المدينة ثم مشى الى النبي صلى الله عليه وسلم حتى ضرب عليه بابه فلما صلى النبي صلى الله عليه وسلم قال أين الاعرابي صاحب الغنم فقام الاعرابي فقال له النبي صلى الله عليه وسلم حدث الناس بما تجهت وما رأيت فحدث الاعرابي الناس بما رأى من الذئب وسمع منه فقال النبي صلى الله عليه وسلم عند ذلك صدق آيات تكون قبل الساعة والذي نفسي بيده لا تقوم الساعة حتى يخرج أحدكم من أهله فيخبره نعله أو سوطه أو عصاه بما أحدث أهله بعده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن أبي بكير ثنا الفضيل بن مرزوق عن عطية العوفي قال قال أبو سعيد الخدري قال رجل من الانصار لاصحابه أما والله لقد كنت أحدثكم انه لو قد استقامت الامور قد آثر عليكم قال فردوا عليه رداعنيفا قال فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فجاءهم فقال لهم اشياء لا أحفظها فقالوا لي يا رسول الله قال فكنتم لا تركبون الخيل قال فكاما قال لهم شيأ قالوا بلى يا رسول الله قال فلما رآهم لا يردون عليه شيأ قال أفلا تقولون قالوا بلى قومك فنصرناك وأخرجوك قومك فآويناك قالوا نحن لا نقول ذلك يا رسول الله أنت تقوله قال يا معشر الانصار ألا ترضون ان يذهب الناس بالدنيا وتذهبون أنتم برسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا بلى يا رسول الله قال يا معشر الانصار ألا ترضون ان الناس لو سلكوا واديا وسلكتم واديا سلكت وادي الانصار قالوا بلى يا رسول الله قال لولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار كرشي وأهل بيتي وعيبتي الى آوي اليها فاعفوا عن مسيئهم واقبلوا من محسنهم قال أبو سعيد فقلت لمعاوية اما ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد قال انا نرى بعده أثرة قال معاوية فما أمركم قلت أمرنا ان نصبر قال فاصبروا اذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زهير بن محمد ثنا زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لتتبعن عين الذين من قبلكم شبرا بشبر وذراعا بذراع حتى لو دخلوا جحر ضب لتبعتموهم قلنا يا رسول الله اليهود والنصارى قال فمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا عبد الحميد حدثني شهر قال ثنا أبو سعيد الخدري قال ينما رجل من أسلم في غنيمة له يرعى اذ عرض عليها في بعض راعي الحليفة اذ عدا عليه ذئب فانتزع شاة من غنمه فجعل الرجل فرماه بالحجارة حتى استنقذ منه شاته ثم ان الذئب أقبل حتى أتى مستند فربض بين يديه مقابل الرجل فذكر نحو حديث شعيب بن أبي حمزة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسود ابن عامر ثنا أبو اسرائيل اسمعيل الملائي عن عطية عن أبي سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وجد قتيل بين قريتين أو ميت فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم فذرع ما بين القريتين الى ايهما كان أقرب فوجد أقرب الى أحدهما بشبر قال فكأني أنظر الى شبر رسول الله صلى الله عليه وسلم فجعله على الذي كان أقرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا الليث عن عمران بن أبي أنس عن سعيد بن أبي سعيد وثنا قتيبة قال عمران بن أبي أنس عن ابن أبي أنس عن ابن ابي سعيد عن أبي سعيد الخدري قال تماري رجلان في المسجد الذي أسس على التقوى فقال أحدهما هو مسجد قباء وقال الآخر هو مسجد النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم هو مسجدي هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح وعبد الصمد وأبو عامر قالوا حدثنا هشام بن ابي عبد الله عن يحيى بن أبي كثير عن ابي ابراهيم قال أبو عامر عن ابي ابراهيم الانصاري عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه حلقوا رؤسهم عام الحديبية غير عثمان بن عفان وابي قتادة فاستغفر رسول الله صلى الله عليه وسلم للمحلقين ثلاث مرار وللمقصرين مرة **حدثنا** عبد الله حدثني



فقال الراهب أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا رسول الله وحسن اسلامه الزوزني (عب) * عن أبي هريرة قال توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاثنين لاثنتي عشرة ليلة خلت من شهر ربيع الاول فلما كان صبيحة الخميس اذا نحن بشيخ قد جاء فقال أنا جبير من أجنادين بيت المقدس فقال يا على صف لنا صفة رسول الله صلى الله عليه وسلم كأني أنظر اليه فقال بأبي وأمي لم يكن بالطويل الذاهب ولا بالقصير كان ربعة

من الرجال أبيض مشرب بحمرة جعد المفرق شعره الى شحمة أذنيه صلت الجبين واضح الخدين مقرون الحاجبين أدعج العينين سبط الاشفار أقنى الانف دقيق المسربة مفلج الثنايا كث اللحية كان عنقه ابريق فضة كأن الذهب يجري في تراقيه عرقه في وجهه كاللؤلؤ شثن الكفين والقدمين له شعرات ما بين لبته الى صدره تجري كالقضيب لم يكن على بطنه ولا على ظهره شعر أشعر غيرها يفوح مسك يريح المسك اذا قام غمر الناس واذا مشى فكأنما ينقلع من صخرة (٩٠) اذا التفت التفت جميعا واذا انحدر كأنما ينحدر في صبب أطهر الناس خلقا وأبهجهم قلبا وأسخى الناس كفا لم أر قبله مثله ولا يكون بعده مثله أيد قال الحبر يا علي اني أصبت في التوراة هذه الصفة أيقنت أنه لا اله الا الله وأن محمدا رسول الله

(ذكر) عن علي قال بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم الى اليمن فأتى لأخطب فوما على الناس وحبر من أحبار اليهود واقف في يده سفر ينظر فيه فناداني فقال صف لنا أبا القاسم فقال علي رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس بالقصير ولا بالطويل البائن وليس بالجعد القطط ولا بالسبط هو رجل الشعر أسود ضخم الرأس مشرب لونه بحمرة عظيم الكراديس شثن الكفين والقدمين طويل المسربة وهو الشعر الذي يكون في النحر الى السرة أهدب الاشفار مقرون الحاجبين صلت الجبين بعيد ما بين المنكبين اذا مشى يتكفأ كأنما ينزل من صبب لم أر قبله مثله ولم أر بعده مثله قال علي ثم سكت فقال لي الحبر وماذا قال علي هذا ما يحضرني قال الحبر في عينيه حمرة حسن اللحية حسن الفم تام الاذنين يقبل جميعا ويدبر جميعا فقال علي هذه والله صفته قال الحبر وشئ آخر قال علي وما هو قال الحبر ورأينا في وجهه حياء قال علي هو الذي قلت لك كأنما ينزل من صبب قال الحبر فاني أجد هذه الصفة في سفر آبائي ونجده يبعث من حرم الله وأمنه وموضع بيته ثم يهاجر الى حرم يحرمه هو ويكون له حرمة بحرمة الحرم الذي حرم الله ونجد أنصاره الذين هاجر اليهم قوما من ولد عمرو بن عامر أهل نخل وأهل الأرض قبلهم يهود قال علي هو هو فقال الحبر فاني أشهد انه نبي وانه رسول الله الى الناس كافة فعلى ذلك أحيا وعليه أموت وعليه

أبي ثنا حسن بن موسى ثنا شيبان عن يحيى ان أبا ابراهيم الانصاري حدثه عن بني عبد الاشهلي قال ان أبا سعيد قال فذكر الحديث. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا هشيم بن أبي عبد الله عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان نبي الله صلى الله عليه وسلم نهى عن خليط الزبيب والتمر والبسر والتمر حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا روح ومحمد بن بكر قالا ثنا سعيد عن قتادة عن ابي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان نبي الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الدباء والحنتم والنقير والمزفت وان يخلط بين الزبيب والتمر والبسر والتمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا أشعث عن الحسن عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والحنتم والنقير والمزفت وان يخلط بين الزبيب والتمر والبسر والتمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح قال ثنا أشعث عن الحسن عن ابي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والنقير والمزفت وقال النبيذ في سقائك واوكه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة عن ابي نضرة عن ابي سعيد الخدري قال وحدثني من لقي الوفد الذين قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم من عبد القيس فيهم الاشج قالوا يا رسول الله انا حي من ربيعة وبيننا وبينك كفار مضر فذكر مثل حديث يحيى ولم يذكر ان فيك خلتين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا المثنى القصير ثنا أبو المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال نهى نبي الله صلى الله عليه وسلم عن الشرب في الحنتمة والدباء والنقير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير عن أبي سعيد انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول سيخرج ناس من النار قد احترقوا وكانوا مثل الحمم ثم لا يزال أهل الجنة يرشون عليهم الماء حتى ينبتون نبات الغثاء في السيل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وهب أنبأنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر ان أبا سعيد أخبره انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول سيخرج ناس من النار فذكره حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا روح ثنا عوف عن ابي نضرة عن ابي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال تخرج ضبارة من النار قد كانوا فحما قال فيقال لهم في الجنة وروا عليهم من الماء قال فينبتون كما تنبت الحبة في حميل السيل فقال رجل من القوم كأنك كنت من أهل البادية يا رسول الله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا مالك بن انس عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة ان رافع بن اسحق أخبره قال دخلت أنا وعبد الله بن ابي طلحة على أبي سعيد الخدري نعوده فقال لنا أبو سعيد أخبرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الملائكة لا تدخل بيتا فيه تماثيل أو صورة تمثال اسحق لا يدري أيتهما قال أبو سعيد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا النضال بن خليد عن عبد الحميد بن جعفر حدثني أبي عن سعيد بن عمير الانصاري قال جلست الى عبد الله بن عمر وابي سعيد الخدري فقال أحدهما لصاحبه اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر انه يبلغ العرق من الناس يوم القيامة فقال أحدهما الى شحمة وقال الآخر يلجمه فخط ابن عمر وأشار أبو سعيد باصبعه من أسفل شحمة أذنيه الى فيه فقال ما أرى ذلك الا سواء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر انا مالك و يونس بن يزيد عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا سمعتم المؤذن وقال مالك المنادي فقولوا مثل ما يقول زاد مالك المؤذن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محبوب بن الحسن عن خالد عن عكرمة ان ابن عباس قال له ولابنه علي انطلقا الى أبي سعيد الخدري فاسمعا من حديثه قال فانطلقنا فاذا هو في حائط له فلما

أبعث ان شاء الله ابن سعد (ك) * عن ابراهيم بن محمد من ولد علي بن أبي طالب قال كان علي اذا وصف رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لم يكن بالطويل الممغط ولا بالقصير المتردد وكان ربعة من القوم ولم يكن بالجعد القطط ولا بالسبط كان جعدا رجلا ولم يكن بالمطهم ولا بالمكاثم وكان في وجهه تدوير أبيض مشرب أدعج العينين أهدب الاشفار جليل المشاش والكتد أجرد ذو مسربة شثن الكفين والقدمين اذا مشى تقلع كأنما يمشي في صبب واذا التفت التفت معا بين كتفيه خاتم النبوة وهو خاتم (٩١) النبيين أجود الناس كفا وأرحب الناس صدرا وأصدق الناس لهجة وأوفى الناس بذمة وألينهم عريكة وأكرمهم عشرة من رآه بديهة هابه ومن خالطه معرفة أحبه يقول ناعته لم أر قبله ولا بعده مثله صلى الله عليه وسلم (ت) وقال ليس اسناده بمتصل وهشام بن عمار في البعث والكبير (هق) في الدلائل * عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أبيض الوجه كث اللحية ضخم الهامة أحمر المساق أهدب الاشفار شثن الكفين ضخم الساقين لطيف المسربة ليس بالقصير ولا بالطويل وهو الى الطول أقرب منه الى القصر كثير العرق اذا مشى تقلع كأنه يمشي في صعد لم أر قبله ولا بعده مثله (كر) * عن عمر بن الخطاب انه سئل عن صفة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال كان أبيض اللون مشربا حمرة أدعج العينين كث اللحية ذا وفرة دقيق المسربة كان عنقه ابريق فضة كأنما يجري له شعر من لبته الى سرته كالقضيب لم يكن في جسده شعر غيره من

رآنا أخذ رداءه فجاء حتى ما دفعوا فانشأ يحدث ثنا حتى أتى على ذكر بناء المسجد قال كنا نحمل لبنة لبنة وعمار بن ياسر يحمل لبنتين لبنتين قال فرآه رسول الله صلى الله عليه وسلم فجعل ينفض التراب عنه ويقول يا عمار ألا تحمل لبنة كما يحمل أصحابك قال اني أريد الاجر من الله قال فجعل ينفض التراب عنه ويقول ويح عمار تقتله الفئة الباغية يدعوهم الى الجنة ويدعونه الى النار قال يقول أعوذ بالرحمن من الفتن * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت عبد الله بن أبي عتبة يحدث عن أبي سعيد الخدري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد حياء من العذراء في خدرها وكان اذا كره الشيء عرفناه في وجهه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا صفوان بن عيسى ثنا أنيس بن أبي يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم في مرضه الذي مات فيه وهو عاصب رأسه قال فاتبعته حتى صعد على المنبر قال فقال اني الساعة لقائم على الحوض قال ثم قال ان عبدا عرضت عليه الدنيا وزينتها فاختار الآخرة فلم يفطن لها أحد من القوم الا أبو بكر فقال بابي أنت وأمي بل نفديك بأموالنا وأنفسنا وأولادنا قال ثم هبط رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المنبر فما رؤي عليه حتى الساعة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا صفوان ثنا أنيس بن أبي يحيى عن أبيه عن أبي سعيد الخدري ان رجلا من بني عمرو بن عوف ورجلا من بني خدرة تماريا في المسجد الذي أسس على التقوى فقال العوفي هو مسجد قباء وقال الخدري هو مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم فأتيا رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألاه عن ذلك فقال هو مسجدي هذا وفي ذلك خير كثير * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا الدستوائي قتادة يحيى بن أبي كثير عن هلال ابن أبي ميمونة عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري قال جلس رسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر وجلسنا حوله فقال ان مما أخاف عليكم بعدي ما يفتح عليكم من زهرة الدنيا وزينتها فقال رجل أو يأتي الخير بالشر يا رسول الله فسكت عنه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقيل له ما شأنك تكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا يكلم قال وأرينا انه ينزل عليه قال فأفاق يمسح عنه الرحضاء وقال اين هذا السائل وكأنه حمده فقال انه لا يأتي الخير بالشر ان مما ينبت الربيع يقتل أو يلم الا آكلة الخضر فانها أكلت حتى اذا امتلأت خاصرتاها استقبلت عين الشمس فثلطت وبالت ثم رتعت وان هذا المال خضرة حلوة ونعم صاحب المسلم هو لمن أعطى منه اليتيم والمسكين وابن السبيل أو كما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وان الذي يأخذه بغير حقه كالذي يأكل ولا يشبع فيكون عليه شهيدا يوم القيامة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا فليح عن هلال بن علي عن عطاء بن يسار عن أبي سعيد الخدري ان النبي صلى الله عليه وسلم قال على المنبر ذات يوم فقال ان مما أخشى عليكم فذكر الحديث وقال يقتل حبطا أو يلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا اسمعيل حدثني علي بن المبارك وروح ثنا حسين المعلم ثنا يحيى بن أبي كثير حدثني أبو سعيد مولى المهري عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث بعثا الى بني لحيان من بني هذيل قال روح من هذيل قال لينبعث من كل رجلين أحدهما والاجر بينهما ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم بارك لنا في مدنا وصاعنا واجعل مع البركة بركتين * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن رجل عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يحقرن أحدكم نفسه اذا رأى أمرا لله عليه فيه مقالا فلا يقول به فيلقى الله وقد أضاع ذلك فيقول ما منعك فيقول خشيت الناس فيقول انا

الاصابع شثن الكفين والقدمين اذا التفت جميعا واذا مشى كأنما يتقلع عن صخور واذا مشى كأنما يحط في صبب اذا جاء مع القوم خمرهم كان ريح عرقه المسك يأتي ولم أر قبله ولا بعده مثله (كر) * عن أبي هريرة قال كان عمر بن الخطاب ينشد قول زهير بن أبي سلمى في هرم بن سنان لو كنت من شيء سوى بشر * كنت المضيء لليلة البدر ثم يقول عمر لجلسائه كذلك كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ولم يكن كذلك غيره أبو بكر بن الانباري في أماليه * عن أبي بكر الصديق رضي الله عنه قال كان وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم كدارة القمر

أبو نعيم في الدلائل * عن ابن مسعود كنت اذا رأيت وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم علمت كأنه دينار هرقلي (كر) * عن أبي هريرة قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ضخم الكفين فخم القدمين حسن الوجه لم أر بعده مثله ما مشى مع أحد الا أطاله (كر) * عن علي ما بعث الله نبيا قط الا صبيح الوجه كريم الحسب حسن الصوت وكان نبيكم صلى الله عليه وسلم صبيح الوجه كريم الحسب حسن الصوت ما دلس له ترجيع ابن مردويه وابن سعيد الاعرابي (٩٢) في معجمه والخرائطي في اعتلال القلوب * عن أبي قرصافة قال كان النبي صلى الله عليه وسلم حسن الجسم ولم يكن بالفارغ الجسيم وكان جعد الشعر مفروش القدم يعني مستويه (كر) عن جابر ابن سمرة قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم في ليلة أضحيان وعليه حلة حمراء فجعلت أنظر اليه والى القمر فلهو أزين في عيني من القمر أبو نعيم * عن عائشة قالت استعرت من حفصة جارية وواعدتها يوما كنت أخيط بها ثوب رسول الله صلى الله عليه وسلم فسقطت عني الابرة فطلبتها فلم أقدر عليها فدخل رسول الله صلى الله عليه وسلم فتبينت الابرة بشعاع نور وجهه فضحكت فقال ياحميراء لم ضحكت قلت كان كيت وكيت فنادى ياعلي صوته ياعائشة الويل ثم الويل لمن حرم النظر الى هذا الوجه من مؤمن ولا كافر الا ويشتهي أن ينظر الى وجهي الدليلي (كر) * عن البراء قال ما رأيت أحسن شعرا ولا أحسن بشرا في ثوبين أحمرين من رسول الله صلى الله عليه وسلم (كر) * عن قتادة بن معارف بن عائشة قالت أحذى للنبي صلى الله عليه وسلم شملة سوداء فلبسها وقال كيف ترينها علي ياعائشة قلت ما أحسنها عليك يارسول الله تشرب سوادها بياض شهاب وبياض سوادها قالت فخرج فيها الى الناس (كر) * عن البراء قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في حلة حمراء مترجلا فما رأيت أحدا كان أجمل منه (كر) * عن أبي سعيد الخدري رضي الله عنه ان رجلا سأله أن شعري كثير فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشعر منلوأ طيب (ش) * عن أم هانئ قالت قدم النبي صلى الله عليه وسلم وله أربع غدائر تعني ضفائر (ش) * عن عائشة أن النبي صلى الله عليه

---

كنت أحق ان تخشى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وعلاج حدثني شعبة عن قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يمنعن أحدكم مخافة الناس ان يتكلم بحق اذا علمه قال فقال أبو سعيد الخدري فما زال بنا البلاء حتى قصرنا وانا لنبلغ في الشر وقال علاج في حديثه سمعت أبا نضرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علاج حدثني شعبة عن قتادة قال سمعت أبا نضرة عن أبي سعيد الخدري قال خرجنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في ثمان عشرة مضت من رمضان فصام صائمون وأفطر مفطرون فلم يعب هؤلاء على هؤلاء ولا هؤلاء على هؤلاء قال شعبة حدثني بهذا الحديث أربعة أحدهم قتادة وهذا حديث قتادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وعلاج حدثني شعبة عن قتادة عن أبي المتوكل قال علاج في حديثه سمعت أبا المتوكل عن أبي سعيد قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان أخي انطلق بطنه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اسقه عسلا فسقاه فقال اني سقيته فلم يزده الا استطلاقا فقال له ثلاث مرات ثم جاءه الرابعة فقال أسقه عسلا فقال قد سقيته فلم يزده الا استطلاقا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق الله وكذب بطن أخيك فسقاه فبرأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة عن أبي المتوكل عن أبي سعيد ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن سليمان أو أبي سليمان وعلاج قال حدثني شعبة وقال رجل من قريش عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال سيكون امراء يغشاهم غواش أو حواش من الناس يظلمون ويكذبون فمن أعانهم على ظلمهم وصدقهم بكذبهم فليس مني ولا أنا منه ومن لم يصدقهم بكذبهم ولم يعنهم على ظلمهم فانا منه وهو مني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز حدثنا شعبة وعلاج حدثني شعبة أنا قتادة عن عبد الله بن أبي عتبة قال علاج بن عتبة مولى أنس بن مالك قال سمعت أبا سعيد الخدري يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد حياء من عذراء في خدرها وكان اذا كره شيأ عرفناه في وجهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت أبا اسحق يحدث عن الاغر أبي مسلم انه قال أشهد على أبي هريرة وأبي سعيد انهما شهدا على النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يقعد قوم يذكرون الله الا حفتهم الملائكة وغشيتهم الرحمة ونزلت عليهم السكينة وذكرهم الله فيمن عنده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قيس بن مسلم عن طارق بن شهاب ان مروان خطب قبل الصلاة فقال له رجل الصلاة قبل الخطبة فقال له مروان ترك ذلك يا أبا فلان فقال أبو سعيد أما هذا فقد قضى ما عليه قال لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم من رأى منكم منكرا فليغيره بيده فان لم يستطع فبلسانه فان لم يستطع فبقلبه وذلك أضعف الايمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد قال ثنا أبو نعامة السعدي ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم فلما كان في بعض صلاته خلع نعليه فوضعهما عن يساره فلما رأى الناس ذلك خلعوا نعالهم فلما قضى صلاته قال ما بالكم ألقيتم نعالكم قالوا رأيناك ألقيت نعليك فالقينا نعالنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان جبريل أتاني فأخبرني ان فيهما قذرا أو قال اذى فالقيتهما فاذا جاء أحدكم الى المسجد فلينظر في نعليه فان رأى في نعليه قذرا أو قال اذى فليمسحهما وليصل فيهما قال أبو عيسى في هذا الحديث بيان ما كان في النعلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا ابراهيم بن سعد ثنا ابن

وسلم كان أشعر (ش) عن جابر بن سمرة قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد شمط مقدم رأسه ولحيته فاذا ادهن وامتشط لم يتبين فاذا شعث رأيته مبينا وكان كثير شعر الرأس واللحية ورأيت عند غرزوف كتفه مثل بيضة الحمامة تشبه جسده (كر) * وعنه كأني أنظر الى شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم وجبته تضرب الى هذا الموضع وضرب بيده على صدره فوق ثديه (متب) * عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يرسل شعره الى انصاف أذنيه وكان يتوكأ اذا مشى (كر) * عن أنس كان رسول الله صلى (٩٣) الله عليه وسلم أحسن الناس قواما وأحسن الناس وجها وأطيب الناس ريحا وألين الناس كفا وكانت له هجة الى شحمة أذنيه وكانت لحيته قد ملأت من ههنا الى ههنا وأمر يديه على عارضيه وكان اذا مشى كأنه يتكفأ وكان ربعة ليس بالطويل ولا بالقصير كان أبيض بياضه الى السمرة (كر) * عن أنس كان لون رسول الله صلى الله عليه وسلم أسمر (ع) وابن جرير (كر) * عن أنس قال ما مسست قط شيأ خزة ولا حريرة ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت رائحة قط مسكا ولا عنبرة أطيب من رائحة رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن جرير * وعنه قال ما مسست بكفي ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا وجدت رائحة أطيب من رائحة رسول الله صلى الله عليه وسلم وصحبته عشر سنين فما قال لي لشئ لم صنعت كذا وكذا ولا صنعت كذا وكذا (كر) * عن هلب أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان ضخما مفخما يتلألأ وجهه

شهاب عن عبد الله بن عكبة عن أبي سعيد الخدري قال سئل النبي صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال ان تفعلوا ذلك لا حليكم ان لا تفعلوه فانه ليس نسمة قضى الله ان تكون الا هي كائنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو كامل ثنا ابراهيم عن ابن شهاب عن حميد بن عبد الرحمن ان أبا سعيد أخبره وأبو هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى في جدار المسجد نخامة فتناول حصاة فحتها ثم قال اذا تنخم أحدكم فلا يتنخمن قبل وجهه ولا عن يمينه وليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سكين بن نافع ثنا صالح عن الزهري أخبرني حميد بن عبد الرحمن انه سمع أبا هريرة وأبا سعيد الخدري يقولان رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم نخامة في القبلة فتناول حصاة فحكها بها ثم قال لا يتنخم أحدكم في القبلة ولا عن يمينه وليبصق عن يساره أو تحت رجله اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مروان بن شجاع حدثني خصيف عن مجاهد عن أبي سعيد الخدري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم مرتين على المنبر يقول الذهب بالذهب والفضة بالفضة وزنا بوزن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن فضيل ثنا سالم يعني ابن أبي حفصة والاعمش وعبد الله بن صهبان وكثير النواء وابن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الدرجات العلى ليراهم من تحتهم كما ترون النجم الطالع في أفق من آفاق السماء ألا وان أبا بكر وعمر منهم وأنعما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا ليث عن شهر قال أقبلنا أنا وأبو سعيد ونحن نريد الطور فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تشد المطي الا الى ثلاثة مساجد المسجد الحرام ومسجد المدينة وبيت المقدس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عمر بن عبيد عن أبي اسحق عن أبي الودك عن أبي سعيد الخدري قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن العزل فقال ليس من كل المياه يكون الولد اذا أراد الله أن يخلق شيأ لم يمنعه شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان وهاشم ثنا شعبة عن الاعمش عن ذكوان عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبغض الانصار رجل يؤمن بالله ورسوله وقال هاشم يؤمن بالله واليوم الآخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال النبي صلى الله عليه وسلم اذا قاتل أحدكم أخاه فليجتنب الوجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن يزيد بن أسلم عن ابن أبي سعيد عن أبي سعيد الخدري قال أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم أن لا نترك أحدا يمر بين أيدينا فأبى أبي الا أن ندفعه ونحو هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن عبيد الله وعبد الاعلى عن معمر عن الزهري وقال عبد الاعلى عن عطاء بن يزيد عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن اختناث الاسقية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن سهيل بن أبي صالح عن ابن أبي سعيد الخدري عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا تثاءب أحدكم فليضع يده على فيه فان الشيطان يدخل مع التثاؤب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أخبرني معمر عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري قال جاء ناس من الانصار فسألوه فأعطاهم قال فجعل لا يسأله أحد منهم الا أعطاه حتى نفد ما عنده فقال لهم حين أنفق كل شئ بيده وما يكون عندنا من خير فلن ندخره عنكم وانه من يستعفف يعفه الله ومن يستغن يغنه الله ومن يتصبر يصبره الله ولن تعطوا عطاء خيرا وأوسع من الصبر **حدثنا** عبد الله

تلألؤ القمر ليلة البدر أطول من المربوع وأقصر من المشذب عظيم الهامة رجل الشعر ان انفرقت عقيصته فرق والا فلا يجاوز شعره شحمة أذنيه اذا هو وفره أزهر اللون واسع الجبين أزج الحواجب سوابغ في غير قرن بينهما عرق يدره الغضب أقنى العرنين له نور يعلوه يحسبه من لم يتأمله اشم كث اللحية سهل الخدين ضليع الفم أشنب مفلج الاسنان دقيق المسربة كان عنقه جيد دمية في صفاء الفضة معتدل الخلق بادنا متماسكا سواء البطن والصدر عريض الصدر بعيد ما بين المنكبين ضخم الكراديس أنور المتجرد موصول ما بين اللبة والسرة بشعر يجري

كالحما عارى الثديين والبطن عما سوى ذلك أشعر الذراعين والمنكبين وأعالى الصدر طويل الزندين رحب الراحة سبط القصب شثن الكفين والقدمين سائل الاطراف خمصان الاخمصين مسيح القدمين ينبو عنهما الماء اذا زال زال قلعا يخطو تكفيا ويمشى هونا ذريع المشية اذا مشى كأنما ينحط من صبب واذا التفت التفت جميعا خافض الطرف نظره الى الارض أطول من نظره الى السماء جل نظره الملاحظة يسوق أصحابه يبدر من لقى بالسلام كان متواصل (٩٤) الاحزان دائم الفكر ليست له راحة لا يتكلم فى غير حاجة طويل السكوت يفتتح الكلام ويختمه باشداقه ويتكلم بجوامع الكلام فصل لا فضول ولا تقصير دمث ليس بالجافى ولا المهين يعظم النعمة وان دقت لا يذم منها شيأ لا يذم ذواقا ولا يمدحه ولا يغضبه الدنيا ولا لما كان لها فاذا تعوطى الحق لم يعرفه أحد ولم يقم لغضبه شئ حتى ينتصر لا يغضب لنفسه ولا ينتصر لها اذا أشير أشار بكفه كلها واذا تعجب قلبها واذا تحدث اتصل بها فضرب بباطن راحته اليمنى باطن ابهامه اليسرى واذا غضب أعرض وأشاح واذا خجل غض بصره جل ضحكه التبسم ويفتر عن مثل حب الغمام كان اذا أوى الى منزله جزأ نفسه ثلاثة أجزاء جزأ لله وجزأ لاهله وجزأ لنفسه ثم جزأ جزأه بينه وبين الناس فيرد ذلك على العامة بالخاصة ولا يدخر عنهم شيأ فكان من سيرته فى جزء الامة ايثار أهل الفضل باذنه وقسمه على قدر فضلهم فى الدين فمنهم ذو الحاجة ومنهم ذو الحاجتين ومنهم ذو الحوائج فيتشاغل بهم فيما أصلحهم والامة من مسألته عنه واخبارهم بالذى ينبغى لهم ويقول ليبلغ الشاهد منكم الغائب وأبلغونى حاجة من لا يستطيع ابلاغها اياه فانه من أبلغ سلطانا حاجة من لا يستطيع ابلاغها اياه ثبت الله قدميه يوم القيامة لا يذكر عنده الا ذلك ولا يقبل من أحد غيره يدخلون رواد اولا يفترقون الا عن ذواق ويخرجون ادلة كان يخزن لسانه الا فيما يعنيهم ويؤلفهم ولا ينفرهم ويكرم كريم كل قوم ويوليه عليهم ويحذر الناس ويحترس منهم من غير أن يطوى عن أحد منهم بشره ولا خلقه يتفقد أصحابه ويسأل الناس عما فى الناس ويحسن الحسن ويقويه ويقبح القبيح ويوهنه معتدل

حدثنى أبى ثنا اسحق بن سليمان قال سمعت مالك بن أنس عن الزهرى عن عطاء بن يزيد الليثى عن أبى سعيد الخدرى فذكر مثل معناه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن أبى اسحق عن الاغر أبى مسلم عن أبى هريرة وأبى سعيد الخدرى عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما اجتمع قوم يذكرون الله الا حفتهم الملائكة وتغشتهم الرحمة ونزلت عليهم السكينة وذكرهم الله فيمن عنده وقال ان الله ليهل حتى اذا كان ثلث الليل الآخر نزل الله عز وجل الى هذه السماء فنادى هل من مذنب يتوب هل من مستغفر هل من داع هل من سائل الى الفجر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن زيد ابن أسلم عن رجل عن أبى سعيد الخدرى قال وضع رجل يده على النبى صلى الله عليه وسلم فقال والله ما أطيق أن أضع يدى عليك من شدة حمالك فقال النبى صلى الله عليه وسلم انا معشر الانبياء يضاعف لنا البلاء كما يضاعف لنا الاجر ان كان النبى من الانبياء يبتلى بالقمل حتى يقتله وان كان النبى من الانبياء ليبتلى بالفقر حتى يأخذ العباءة فيخرزها وان كانوا ليفرحون بالبلاء كما تفرحون بالرخاء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا الثورى عن الاعمش عن ذكوان عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نعل أحدكم أو انقطع فلا يمش فى نعل واحدة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهرى عن يحيى بن أبى كثير عن أبى سلمة بن عبد الرحمن عن أبى سعيد الخدرى انه رأى الطين فى أنف رسول الله صلى الله عليه وسلم وأثر نبته من أثر السجود وكانوا مطروا من الليل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن اسمعيل بن أمية عن أبى سلمة بن عبد الرحمن عن أبى سعيد الخدرى قال اعتكف رسول الله صلى الله عليه وسلم فى المسجد فسمعهم يجهرون بالقراءة وهو فى قبته فكشف الستور وقال ألا ان كلكم مناج ربه فلا يؤذين بعضكم بعضا ولا يرفعن بعضكم على بعض بالقراءة أو قال فى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن زيد بن أسلم عن رجل عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لتتبعن سنن بنى اسرائيل شبرا بشبر وذراعا بذراع حتى لو دخل رجل من بنى اسرائيل جحر ضب لتبعتموهم فيه وقال مرة لتبعتموه فيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن زيد بن أسلم عن عطاء بن يسار عن أبى سعيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خلص المؤمنون من النار يوم القيامة فوامنوا فى مجادلة أحدكم لصاحبه فى الحق يكون له فى الدنيا أشد مجادلة له من المؤمنين لربهم فى اخوانهم الذين أدخلوا النار قال يقولون ربنا اخواننا كانوا يصلون معنا ويصومون معنا ويحجون معنا فأدخلتهم النار قال فيقول اذهبوا فاخرجوا من عرفتم فيأتونهم فيعرفونهم بصورهم لا تأكل النار صورهم فمنهم من أخذته النار الى أنصاف ساقيه ومنهم من أخذته الى كعبيه فيخرجونهم فيقولون ربنا أخرجنا من أمرتنا ثم يقول اخرجوا من كان فى قلبه وزن دينار من الايمان ثم من كان فى قلبه وزن نصف دينار حتى يقول من كان فى قلبه مثقال ذرة قال أبو سعيد فمن لم يصدق بهذا فليقرأ هذه الآية ان الله لا يظلم مثقال ذرة وان تك حسنة يضاعفها ويؤت من لدنه أجرا عظيما قال فيقولون ربنا قد أخرجنا من أمرتنا فلم يبق فى النار أحد فيه خير ثم قال ثم يقول الله شفعت الملائكة وشفع النبيون وشفع المؤمنون وبقى أرحم الراحمين قال فيقبض قبضة من النار أو قال قبضتين ناس لم يعملوا لله خيرا قط قد احترقوا حتى صاروا حمما قال فيؤتى بهم الى ماء يقال له ماء الحياة فيصب عليهم فينبتون كما تنبت الحبة فى حميل السيل فيخرجون من

الامر غير مختلف لا يغفل مخافة أن يغفلوا أو يميلوا لكل حال عنده عتاد لا يقصر عن الحق ولا يجوز فيه الذين يلونه من الناس خيارهم أفضلهم عنده أعمهم نصيحة وأعظمهم عنده منزلة أحسنهم مواساة ومؤازرة كان لا يجلس ولا يقوم إلا على ذكر لا يوطن الأماكن وينهى عن إيطانها واذا انتهى الى قوم جلس حيث ينتهي به المجلس ويأمر بذلك ويعطي كل جلسائه نصيبه لا يحسب جليسه ان أحدا أكرم عليه منه من جالسه أو فاوضه في حاجة صابره حتى يكون هو المنصرف ومن سأله حاجة لم يرده الا بها أو بميسور من (٩٥) القول قد وسع الناس منه بسطه وخلقه فصار لهم أبا وصاروا عنده في الحق سواء مجلسه مجلس حلم وحياء وصبر وأمانة لا ترفع فيه الأصوات ولا تؤبن فيه الحرم ولا تثنى فلتاته متعادلين يتفاضلون فيه بالتقوى متواضعين يوقرون الكبير ويرحمون الصغير ويؤثرون ذوي الحاجة ويحفظون الغريب كان دائم البشر سهل الخلق لين الجانب ليس بفظ ولا غليظ ولا صخاب ولا فحاش ولا عياب ولا مداح يتغافل عما لا يشتهي ولا يؤيس منه ولا يخيب فيه قد ترك نفسه من ثلاث المراء والاكثار وما لا يعنيه وترك الناس من ثلاث كان لا يذم أحدا ولا يعيره ولا يطلب عورته ولا يتكلم الا فيما رجا ثوابه اذا تكلم أطرق جلساؤه كأنما على رؤسهم الطير واذا سكت تكلموا ولا يتنازعون عنده من تكلم أنصتوا له حتى يفرغ حديثهم عنده حديث أولهم يضحك مما يضحكون منه ويتعجب مما يتعجبون منه ويصبر للغريب على الجفوة في منطقه ومسألته حتى ان كان أصحابه ليستجلبونهم ويقول اذا رأيتم طالب الحاجة يطلبها فارشدوه ولا يقبل الثناء الا من مكافئ ولا يقطع على أحد حديثه حتى يجوز فيقطعه بنهي أو قيام كان سكوته على أربع على الحلم والحذر والتقدير والتفكر فأما تقديره ففي تسوية النظر واستماع بين الناس وأما تفكره ففيما يبقى ويفنى وجمع له العلم في الصبر فكان لا يوصيه ولا يستفزه وجمع له الحذر في أربع أخذه بالحسن ليقتدى به وترك القبيح ليتناهى عنه واجتهاده الرأي فيما أصلح أمته والقيام فيما جمع الدنيا والآخرة (ت) في الشمائل والروياني (طب هق) في الدلائل (هب كر)

أجسادهم مثل اللؤلؤ وفي أعناقهم الخلائق عنقاء الله قال فيقال لهم ادخلوا الجنة فانعيتم أو رأيتم من شيء فهو لكم عندي أفضل من هذا قال فيقولون وما أفضل من ذلك قال فيقول رضائي عليكم فلا أسخط عليكم أبدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج حدثني ابن شهاب عن عمرو بن سعد ابن أبي وقاص انه سمع أبا سعيد الخدري يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الملامسة والملامسة لمس الثوب لا ينظر اليه وعن المنابذة وهو طرح الثوب بالبيع الرجل قبل ان يقلبه وينظر اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أنا ابن جريج قال وحدثني ابن شهاب عن عطاء بن يزيد الجندعي سمع أبا سعيد الخدري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا صلاة بعد صلاة الصبح حتى تطلع الشمس وقال ابن بكر حتى ترتفع الشمس ولا صلاة بعد صلاة العصر حتى تغيب الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أنا ابن جريج قال أخبرني عمرو بن عطاء بن أبي الحوار عن عبيد الله ابن عباض وعطاء بن يسار كلاهما يخبر عن عمر بن عطاء عن أبي سعيد الخدري انهما سمعاه يقول سمعت أبا القاسم يقول لا صلاة بعد صلاة الصبح حتى تطلع الشمس ولا صلاة بعد صلاة العصر حتى الليل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال ثنا أبي عن صالح وحدث ابن شهاب عن عامر بن سعد أخبره ان أبا سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الملامسة والملامسة لمس الثوب لا ينظر اليه وعن المنابذة والمنابذة طرح الرجل ثوبه الى الرجل قبل ان يقلبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح قال ابن شهاب حدثني عطاء بن يزيد الجندعي انه سمع أبا سعيد الخدري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر مثله يعني مثل حديث عبد الرزاق وابن بكر عن ابن جريج عن ابن شهاب وقال حتى ترتفع الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن الزهري عن عطاء بن يزيد الليثي عن أبي سعيد الخدري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن لبستين وعن بيعتين أما اللبستان فاشتمال الصماء أن يشتمل في ثوب واحد يضع طرفي الثوب على عاتقه الايسر ويتزر بشقه الايمن والاخرى ان يحتبي في ثوب واحد ليس عليه غيره ويفضي بفرجه الى السماء وأما البيعتان فالمنابذة والملامسة والمنابذة أن يقول اذا نبذت هذا الثوب فقد وجب البيع والملامسة ان يمسه بيده ولا يأباه ولا يقلبه اذا مسه وجب البيع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وقال قال الثوري فحدثني أبو اسحق انه سمع حدثه عن أبي سعيد الخدري ولبي هريرة عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ينادي منادان لكم ان تحيوا فلا تموتوا أبدا وان لكم ان تصحوا فلا تسقموا أبدا وان لكم ان تشبوا ولا تهرموا وان لكم ان تنعموا ولا تبأسوا أبدا فذلك قوله عز وجل ونودوا أن تلكم الجنة أورثتموها بما كنتم تعملون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن علي بن زيد عن أبي نضرة قال سمعت أبا سعيد الخدري انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تقوم الساعة حتى يقتتل فئتان عظيمتان دعواهما واحدة تمرق بينهما مارقة يقتلها أولاهما بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن سعيد بن المسيب عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يزال العبد في صلاة ما كان في مصلاه ينتظر الصلاة تقول الملائكة اللهم اغفر له اللهم ارحمه حتى ينصرف أو يحدث فقلت ما يحدث فقال كذا قلت لأبي سعيد فقال يفسو أو يضرط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد ثنا أبو

*(الباب الثانى فى شمائله صلى الله عليه وسلم فى الاخلاق)* *(زهده صلى الله عليه وسلم)* عن أبى بكر الصديق رضى الله عنه قال بينما أنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ رأيته يدفع عن نفسه شيأ ولا أرى شيأ فقلت يارسول الله مالى الذى أراك تدفع عن نفسك ولا أرى شيأ قال الدنيا تطوّلت لى وقلت اليك عنى قال أما انك ليست بمدركى البزار وضعف* عن زيد بن أرقم ان أبا بكر الصديق استسقى فاتى بانا فيه ماء وعسل فلما وضع على يده بكى وانتحب فما زال (٩٦) يبكى حتى بكى من حوله فسألوه ما الذى هيجك على البكاء قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وجعل يدفع عنه شيأ اليك عنى اليك عنى ولم أر معه أحدا فقلت يارسول الله أراك تدفع شيأ ولا أرى شيأ فقال هذه الدنيا تمثلت لى بما فيها فقلت لها اليك عنى فتنحت ثم رجعت فقالت أما والله لئن أفلت منى فان يفلت منى من بعدك فشبيت أن تكون لحقتنى قذا لبكائى (لـ حل هب)

*عن الاسود ان عمر بن الخطاب دخل على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو فى مشربة له واذا هو على عباءة قطوانية ومرفقة من صوف حشوها الاذخر فقال بابى أنت وأمى يارسول الله كسرى وقيصر على الديباج وأنت على هذه فقال ياعمر أما ترضى أن تكون لهم الدنيا ولنا الآخرة ثم ان عمر مسه فاذا هو شديد الحمى فقال نحن هكذا وأنت رسول الله فقال ان أشد هذه الامة بلاء نبيها ثم الخير فالخير وكذلك كانت الانبياء عليهم الصلاة والسلام قبلكم والامم ابن خسرو

*عن عمرو بن دينار وعبد الله بن يزيد قالا لم يكن على عهد النبى صلى الله عليه وسلم على بيت النبى صلى الله عليه وسلم حائط فكان أول من بنى عليه جدارا قال عمر بن الخطاب قلت لعبد الله بن أبى يزيد كان جداره قصيرا ثم بناه عبد الله بن الزبير وزاد فيه ابن سعد * عن الحسن قال دخل عمر بن الخطاب على النبى صلى الله عليه وسلم فرآه على حصير أو سرير قد أثر بجنبه وفى البيت أهب عطنة فبكى عمر فقال ما يبكيك ياعمر قال أنت نبى الله وكسرى وقيصر على اسرة الذهب قال ياعمر أما ترضى أن تكون لهم الدنيا ولنا الآخرة ابن سعد * عن عطاء قال دخل عمر بن الخطاب على

الصهباء قال سمعت سعيد بن جبير يحدث عن أبى سعيد الخدرى لأأعلمه الا رفعه قال اذا أصبح ابن آدم فان أعضاءه تكفر اللسان تقول اتق الله فينا فانك ان استقمت استقمنا وان اعوججت اعوججنا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام قال أنا قتادة عن الحسن عن أبى سعيد الخدرى ان النبى صلى الله عليه وسلم قال أيتها تخلفه أنت ترزقه فاقروه مقره فانما كان قبلك حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا وهيب ثنا عمر بن يحيى عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صيام يومين يوم الفطر ويوم الاضحى وعن لبستين الصماء وان يحتبى الرجل فى الثوب الواحد وعن صلاة فى ساعتين بعد الصبح وبعد العصر حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان وحسن قالا ثنا حماد عن بشر بن حرب عن أبى سعيد الخدرى انه قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يدعو بعرفة قال حسن ويرفع يديه هكذا يجعل ظاهرهما فوق وباطنهما أسفل ووصف حماد ورفع حماد يديه وكفيه مما يلى الارض حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن على بن زيد عن سعيد بن المسيب عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الشيطان يأتى أحدكم وهو فى صلاته فيأخذ شعرة من دبره فيمدها فيرى انه قد أحدث فلا ينصرفن حتى يسمع صوتا أو يجد ريحا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن على بن زيد عن أبى نضرة عن سعيد بن المسيب عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الشيطان يأتى أحدكم وهو فى صلاته فيأخذ شعرة من دبره فيمدها فيرى انه قد أحدث فلا ينصرف حتى يسمع صوتا أو يجد ريحا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن على بن زيد عن أبى نضرة عن أبى سعيد الخدرى ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليبعثن الله عز وجل فى هذه الامة خليفة يحثى المال حثيا ولا يعده عدا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام أنا العلى بن زياد قال حدثنى العلاء رجل من مزينة عن أبى الصديق الناجى عن أبى سعيد الخدرى انهم كانوا جلوسا يقرؤن القرآن ويدعون قال فخرج عليهم النبى صلى الله عليه وسلم قال فلما رأيناه سكتنا فقال ألبس كنتم تصنعون كذا وكذا قلنا نعم قال فاصنعوا كما كنتم تصنعون وجلس معنا ثم قال ابشروا صعاليك المهاجرين بالفوز يوم القيامة على الاغنياء بخمسمائة أحسبه قال سنة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا وهيب ثنا سهيل عن ابن أبى سعيد الخدرى عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا تثاءب أحدكم فليمسك يده على فيه فان الشيطان يدخل حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا بشر بن حرب عن أبى سعيد الخدرى عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نهى عن الوصال فى الصوم فلم ينزل به أصحابه حتى رخص لهم من السحر الى السحر حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا عاصم بن أرطاة عن عطية بن سعد عن أبى سعيد الخدرى قال افتخر أهل الابل والغنم عند النبى صلى الله عليه وسلم فقال النبى صلى الله عليه وسلم الفخر والخيلاء فى أهل الابل والسكينة والوقار فى أهل الغنم وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث موسى عليه السلام وهو يرعى غنما على أهله وبعثت أنا وأنا أرعى غنما لاهلى بجياد حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو معاوية الكلابى ثنا عبد الواحد بن زياد عن عمر بن يحيى الانصارى عن أبيه عن أبى سعيد الخدرى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الارض كلها مسجد الا الحمام والمقبرة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا وهيب ثنا عمر و بن يحيى عن محمد بن يوسف بن عبد الله بن سلام عن أبى سعيد الخدرى قال

النبي صلى الله عليه وسلم ذات يوم وهو مضطجع على ضحاع من ادم محشو ليفا وفي البيت أهبة معلقة فبكى عمر فقال ما يبكيك يا عمر قال أبكي ان كسرى في الخز والقز والديباج وقيصر في مثل ذلك وأنت حبيب الله وخيرته كما أرى قال لا تبك يا عمر فلو شاء أن تسير الجبال معه لذهبا لسارت ولو أن الدنيا تعدل عند الله جناح ذباب ما أعطى كافرا منها شيئا ابن سعد * عن عائشة قالت ما شبع رسول الله صلى الله عليه وسلم من خبز بر ثلاثة أيام تباعا منذ قدم المدينة حتى مضى لسبيله ابن جرير * عن عائشة قالت قبض رسول (٩٧) الله صلى الله عليه وسلم وما شبع من الاسودين التمر والماء ابن جرير * عن عائشة قالت ما شبع آل محمد من خبز الشعير يومين متتابعين حتى قبض رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن جرير * عن عائشة قالت لقد مات رسول الله صلى الله عليه وسلم وما شبع من خبز وزيت في يوم واحد مرتين ابن جرير ورواه البخاري بلفظ من خبز ولحم * عن عروة قال قالت عائشة ان كنا لنمكث أربعين صباحا لا نوقد في بيت رسول الله صلى الله عليه وسلم نارا ولا غيره قلت يا خالة شيء كنتم تعيشون قالت بالاسودين التمر والماء اذا وجدنا ابن جرير * عن عائشة قالت ما أكل رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى لقي الله الا خبز شعير (خط) في المتفق * عن عائشة قالت ان كنا لننظر الى الهلال ثم الهلال في شهرين وما أوقد في بيت رسول الله صلى الله عليه وسلم نار قلت يا خالة وما كان يعيشكم قالت كان لنا جيران من الانصار نعم الجيران كانت لهم منائح من غنم فكانوا يرسلون من

قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من جامع جنازة في أهلها فتبعها حتى يصلي عليها فله قيراط ومن مضى معها فله قيراطان مثل أحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان أنا القاسم بن الفضل ثنا أبو نضرة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تمرق مارقة عند فرقة من المسلمين تقتلها أولى الطائفتين بالحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام أنا قتادة عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال أمرنا نبينا صلى الله عليه وسلم ان نقرأ بفاتحة الكتاب وما تيسر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا سعيد الجريري عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري قال حججنا فنزلنا تحت ظل شجرة وجاء ابن صائد فنزل الى جنبي قال فقلت ما صب الله هذا على أحد من الناس فقال يا أبا سعيد أما ترى ما ألقى من الناس يقولون أنت الدجال أما سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول ان الدجال لا ولد له ولا يدخل المدينة ولا مكة وقد جئت الآن من المدينة وأنا هو ذا أذهب الى مكة وقد قال حماد وقد دخل مكة وقد ولد لي حتى رفقت له ثم قال والله ان أعلم الناس بمكانه الساعة أنا فقلت تبا لك سائر اليوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا خالد عن سهيل بن أبي صالح عن سعيد الاعشى عن أيوب بن بشير عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من عال ثلاث بنات فأدبهن ورحمهن وأحسن اليهن فله الجنة قال عبد الله قال أبي يرحمه الله مات خالد بن عبد الله يعني الطحان ومالك بن أنس وأبو الاحوص وحماد بن زيد في سنة تسع وسبعين الا ان مالكا مات قبل حماد بن زيد بقليل قال أبي وفي تلك السنة طلبت الحديث كما على باب هشيم وهو يملي علينا املاء قال الجنائز أو المناسك فجاء رجل بصري فقال مات حماد بن زيد رحمة الله عليهم أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة حدثني العلاء بن عبد الرحمن قال سمعت أبي يحدث قال سألت أبا سعيد عن الازار فقال على الخبير سقطت قال قلت رسول الله صلى الله عليه وسلم ازرة المؤمن الى نصف الساق ولا حرج أو لا جناح فيما بينه وبين الكعبين ما كان أسفل من الكعبين فهو في النار ومن جر ازاره بطرا لم ينظر الله اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا علي بن زيد عن أبي نضرة عن أبي سعيد الخدري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لابن صائد ما ترى قال أرى عرشا على البحر حوله الحيات فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ذاك عرش ابليس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن ابن أبي ذئب عن المقبري عن أبيه عن أبي هريرة انه كان جالسا مع مروان فمرت جنازة فقربه أبو سعيد فقال قم أيها الامير فقد علم هذا ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا تبع جنازة لم يجلس حتى توضع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا اسمعيل بن مسلم العبدي ثنا أبو المتوكل الناجي عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الذهب بالذهب والفضة بالفضة والبر بالبر والشعير بالشعير والتمر بالتمر والملح بالملح مثلا بمثل يدا بيد فمن زاد أو استزاد فقد أربى الآخذ والمعطي فيه سواء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري قال قال النبي صلى الله عليه وسلم لا تحل الصدقة لغني الا لثلاثة في سبيل الله أو ابن السبيل أو رجل كان له جار فتصدق عليه فاهدى له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ادريس بن يزيد الاودي عن عمرو بن مرة عن أبي البختري عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس فيما دون خمسة أوساق صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن اسمعيل بن أمية عن محمد بن يحيى بن حبان عن يحيى بن عمارة عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه



ألبانها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن جرير * عن عائشة قالت أهدى أبو بكر لرجل شاة فالقى لاقطعها أو أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم في ظلمة البيت فقيل لها فهلا أسرجتم قالت لو كان لنا ما نسرج به أكلناه ابن جرير * عن عائشة قالت دخلت على امرأة من الانصار فرأت فراش رسول الله صلى الله عليه وسلم عباءة مثنية فبعثت بفراش حشوه الصوف فدخل علي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما هذا قلت بعثت فلانة فقال ردديه يا عائشة فوالله لو شئت لاجرى الله معي جبال الذهب والفضة فلم أرده وأعجبني أن

يكون في بيتي حتى قال ذلك ثلاث مرار الديلمي * عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى على فاطمة كبة الدمن أدبار الإبل وهي تطحن فبكى وقال يا فاطمة اصبري على مرارة الدنيا لنعيم الآخرة غدا ونزلت واسوف يعطيك ربك فترضى ابن النجار والديلمي * عن أبي السليل قال أخبرني أبي قال شهدت النبي صلى الله عليه وسلم وهو جالس في دار رجل من الانصار يقال له أوس بن حوشب فأتي بعس فوضع في يده فقال ماهذا فقالوا (٩٨) يارسول الله لبن وعسل فوضعه في يده ثم قال هذان شرابان لا تشر بهما ولا تحرمه من تواضع رفعه الله ومن تجبر قصمه الله ومن أحسن تدبير معيشته رزقه الله ابن النجار * عن عبد الله بن الهوذي قال لقيت بلالا مؤذن رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا بلال حدثني كيف كانت نفقة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما كان له شئ كنت أنا الذي أتولى ذلك منه منذ بعثه الله عز وجل حتى توفي وكان اذا أتاه الانسان المسلم فرآه عاريا يأمرني به فانطلق فاستقرض فاشتري البردة فاكسوه وأطعمه حتى اعترضني رجل من المشركين فقال يا بلال ان عندي سعة فلا تستقرض من أحد الا مني ففعلت فلما كان ذات يوم توضأت ثم قمت لأؤذن بالصلاة فاذا المشرك قد أقبل في عصابة من التجار فلما رآني تمثل بأبي أنت يا حبشي قلت بلبيك فجهمني وقال لي قولا عظيما فقال أتدري كم بينك وبين الشهر قلت قريب قال انما بينك وبينه أربع وآخذك بالذي لي عليك فاني لم أعطك الذي أعطيتك من كرامتك ولا كرامة صاحبك علي ولكن انما أعطيتك لاتخذك لي عبدا فاردك ترعى الغنم كما كنت قبل ذلك فاخذ في نفسي ما يأخذ في أنفس الناس فانطلقت ثم أذنت بالصلاة حتى اذا صليت العتمة رجع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أهله فاستأذنت عليه فأذن لي فقلت يارسول الله ان المشرك الذي كنت اذنت منه قال لي كذا وكذا وليس عندك ما تقضي عني وليس عندي وهو فاضحي فاذن لي أن آتي الى بعض هؤلاء الاحياء الذين قد أسلموا حتى يرزق الله رسوله ما يقضي عني فخرجت بحتى أتيت منزلي فجعلت سيفي وجرابي ومجني ونعلي عند زأسي واستقبلت بوجهي الافق فكلما نمت ساعة انتبهت فاذا رأيت على ليلا نمت حتى

وسلم ليس فيما دون خمسة أوساق من تمر ولا حب صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا داود بن قيس الفراء عن عياض بن عبد الله بن أبي سرح عن أبي سعيد الخدري قال كنا نخرج صدقة الفطر اذ كان فينا رسول الله صلى الله عليه وسلم صاعا من طعام أو صاعا من تمر أو صاعا من شعير أو صاعا من زبيب أو صاعا من أقط فلم نزل كذلك حتى قدم علينا معاوية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا داود بن قيس الفراء قال سمعت عياض بن عبد الله بن أبي سرح أنه سمع أبا سعيد الخدري يقول كنا نخرج فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان ثنا أبو هاشم عن اسمعيل بن رباح عن أبيه أو عن غيره من ابي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا فرغ من طعامه قال الحمد لله الذي أطعمنا وسقانا وجعلنا مسلمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا اسرائيل عن منصور عن رجل عن أبي سعيد عن النبي صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن يونس ثنا أبو الوداك جبر بن نوف عن أبي سعيد قال أصبنا حمرا يوم خيبر فكانت القدور تغلي بها فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما هذه فقلنا لحم أصبناها فقال وحشية أو أهلية قال فقلنا الا بل أهلية قال اكفؤها قال فكفأناها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مسعر عن زيد العمي عن أبي الصديق الناجي عن أبي سعيد الخدري أن النبي صلى الله عليه وسلم أتى رجل في حد قال فضربنا بنعالنا أربعين قال مسعر أظنه في شراب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي ليلى عن عطية العوفي عن أبي سعيد الخدري عن النبي صلى الله عليه وسلم في قوله يوم يأتي بعض آيات ربك لا ينفع نفسا ايمانها قال طلوع الشمس من مغربها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن الاعمش عن عطية عن سعد عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الدرجات العلى يراهم من أسفل منهم كما تراءون الكوكب الطالع في الافق من آفاق السماء وان أبا بكر وعمر منهم وأنعما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا عباد بن عباد ثنا مجالد عن أبي الوداك عن أبي سعيد الخدري قال قلت والله ما بقي علينا أمير الا وهو شر من الماضي ولا عام الا وهو شر من الماضي قال لولا شئ سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم لقلت مثل ما تقول ولكن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان من أمرائكم أمراء يحبي المال حبا ولا بعده عدا يأتيه الرجل فيسأله فيقول خذ فيبسط الرجل ثوبه فيحثي فيه وبسط رسول الله صلى الله عليه وسلم ملحفة غليظة كانت عليه يحكي صنيع الرجل ثم جمع اليه أكمامها قال فيأخذه ثم ينطلق * آخر مسند أبي سعيد الخدري رضي الله عنه

* (مسند أنس بن مالك رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنبأنا حميد عن أنس بن مالك قال ان كانت الامة من أهل المدينة لتأخذ بيد رسول الله صلى الله عليه وسلم فتنطلق به في حاجتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم ثنا عبد العزيز بن صهيب واسمعيل ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا حميد عن أنس بن مالك قال لما دخل النبي صلى الله عليه وسلم بزينب ابنة جحش أولم قال فاطعمنا خبزا ولحما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك يرفع الحديث قال لا تقوم الساعة حتى يرفع العلم ويظهر الجهل ويقل الرجال ويكثر النساء حتى يكون قيم خمسين امرأة لرجل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا

هشيم

يشق عمود الصبح الاول فارتث أن أنطلق فاذا انسان يسفي يدعو يا بلال أجب رسول الله فانطلقت حتى أتيته فاذا أربع ركائب مناخات عليهن أحمالهن فاتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فاستأذنت فقال ابشر فقد جاءك الله بقضائك الحمد لله عز وجل وقال ألم تمر على الركائب المناخات الاربع قلت بلى قال ان لك أثقالهن وما عليهن فان عليهن كسوة وطعاما أهداهن الى عظيم فدك فاقبضهن ثم اقضض دينك ففعلت فطفقت عنهن أحمالهن ثم علفتهن ثم رقدت الى ان نادني بلال بصلاة الصبح حتى اتيت رسول الله صلى الله عليه (٩٩) وسلم فخرجت الى البقيع فجعلت أصبغي في أذني فناديت فقلت من كان يطلب رسول الله صلى الله عليه وسلم يدين فليحضر فما زلت أبيع وأقضي حتى لم يبق على رسول الله صلى الله عليه وسلم دين في الارض حتى فضل في يدي أوقيتان أو أوقية ونصف ثم انطلقت الى المسجد وقد ذهب عامة النهار واذا رسول الله صلى الله عليه وسلم قاعد في المسجد وحده فسلمت عليه فقال لي ما فعل ما قبلك فقلت قد قضى الله كل شئ على رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم يبق شئ فقال أفضل شئ فقلت نعم قال انظر أن تريحني منها فاني لست داخلا على أحد من أهلي حتى تريحني منه فلم يأتنا أحد حتى أمسينا فلما صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم العتمة دعاني فقال ما فعل الذي قبلك قلت هو معي لم يأتنا أحد فبات في المسجد حتى أصبح فظل اليوم الثاني حتى كان في آخر النهار جاءنا ركبان فاطلقت بهما فاطعمتهما وكسوتهما حتى اذا صلى العتمة دعاني فقال لي ما فعل الذي قبلك فقلت قد أراحك الله منه يا رسول الله فكبر وحمد الله شفقا من أن يدرك الموت وعنده ذلك ثم اتبعته حتى جاء أزواجه فسلم على امرأة امرأة حتى أتى مبيته فهو الذي سألتني عنه

هشيم عن حميد عن أنس بن مالك رضي الله تعالى عنه أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى في بردة حبرة قال أحسبه عقد بين طرفيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يطوف على جميع نسائه في ليلة بغسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن عبد العزيز عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا دخل الخلاء قال يقول اللهم اني أعوذ بك من الخبث والخبائث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنبأنا عبيد الله بن أبي بكر بن أنس عن جده أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سلم عليكم أهل الكتاب فقولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال عبيد الله بن أبي بكر أنا عن أنس ويونس عن الحسن قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انصر أخاك ظالما أو مظلوما قيل يا رسول الله هذا أنصره مظلوما فكيف انصره اذا كان ظالما قال تحجزه تمنعه فان ذلك نصره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا عبد العزيز واسمعيل عن عبد العزيز عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسحروا فان في السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن حميد الطويل قال سمعت أنس بن مالك يقول رأيت خاتم النبي صلى الله عليه وسلم من فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن حميد ثنا أنس بن مالك قال لما اتخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية أقام عندها ثلاثا وكانت ثيبا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا علي بن زيد عن أنس بن مالك قال سمعته يحدث قال شهدت وليمتين من نساء رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فما أطعمنا فيهما خبزا ولا لحما قال قلت فيه قال الحيس يعني التمر والاقط والسمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا العوام ثنا الازهر بن راشد عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تستضيئوا بنار المشركين ولا تنقشوا خواتيمكم عربيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا حميد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فسمعت خشخشة بين يدي فاذا هي الغميصاء بنت ملحان أم أنس بن مالك **حدثنا** عبد الله ثنا أبي ثنا هشيم أنا حميد الطويل عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم كسرت رباعيته يوم أحد وشج في جبهته حتى سال الدم على وجهه فقال كيف يفلح قوم فعلوا هذا بنبيهم وهو يدعوهم الى ربهم فنزلت هذه الآية ليس لك من الامر شئ أو يتوب عليهم أو يعذبهم فانهم ظالمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتق صفية بنت حيي وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هشيم أنا يحيى بن أبي اسحق وعبد العزيز بن صهيب وحميد الطويل عن أنس بن مالك انهم سمعوه يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يلبي بالحج والعمرة جميعا يقول لبيك عمرة وحجا لبيك عمرة وحجا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال وأنا حميد عن ثابت عن أنس وأظنني قد سمعت من أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر برجل يسوق بدنة فقال اركبها قال انها بدنة قال اركبها مرتين أو ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا شعبة عن قتادة ثنا أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين أقرنين أملحين وكان يسمي ويكبر ولقد رأيته يذبحهما بيده واضعا على صفاحهما قدميه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا حميد الطويل أنا بكر بن عبد الله المزني قال سمعت أنس بن مالك يحدث قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يلبي بالحج والعمرة جميعا فحدث ابن عمر بذلك فقال لبى بالحج وحده فلقيت أنسا فحدثته بقول ابن

(طب) * عن أبي البختري عن علي قال قال عمر بن الخطاب للناس فضل عندنا من هذا المال قال للناس يا أمير المؤمنين قد شغلناك عن أهلك وضيعتك وتجارتك فهو لك فقال لي ما تقول أنت قلت قد أشار وا عليك قال قل قلت لم تحمل يقينك ظنا فقال لتخرجن مما قلت فقلت أجل والله لاخرجن منه أتذكرين بعثك نبي الله صلى الله عليه وسلم ساعاتا فاتيت العباس بن عبد المطلب فنعت صدقته فكان بينكما شئ فقلت لي انطلق

معي الى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبرته بالذي صنع العباس فانطلقنا الى النبي صلى الله عليه وسلم فوجدناه خاليا فجلسنا عنه الغد فوجدناه طيب النفس فأخبرته بالذي صنع العباس فقال أما علمت ان عم الرجل صنو أبيه وذكر له الذي رأينا من خشوره في اليوم الاول والذي رأينا من طيب نفسه في اليوم الثاني فقال انك أتيتماني اليوم الاول وقد بقي عندي من الصدقة دينار فكان الذي رأيتما من خشوري لذلك وأتيتماني اليوم وقد وجهتهما فذلك (١٠٠) الذي رأيتما من طيب نفسي فقال عمر صدقت اما والله لاشكرن الاولى والآخرة (حم ع)

عز فقال ما تعدونا الا مبيانا سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ليبلغن هذا الامر بيوت المدر والوبر (هق) وقال فيه ارسال بين أبي الجعدي وعلي * (فقره صلى الله عليه وسلم وجوعه) * عن يحيى بن عبيد الله عن أبيه عن أبي هريرة قال حدثني أبو بكر قال فاتني العشاء ذات ليلة فأتيت أهلي فقلت هل عندكم عشاء قالوا لا والله ما عندنا عشاء فاضطجعت على فراشي فلم يأتني النوم من الجوع فقلت لو خرجت الى المسجد فصليت وتعللت حتى أصبح فخرجت الى المسجد فصليت ماشاء الله ثم تسانديت الى ناحية المسجد فبينا أنا كذلك اذ طلع عمر بن الخطاب فقال من هذا قلت أبو بكر قال ما أخرجك هذه الساعة فقصصت عليه القصة فقال والله ما أخرجني الا الذي أخرجك فجلس الي جنبي فبينا نحن كذلك اذ خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فانكرنا فقال من هذا فبادر بي عمر فقال هذا أبو بكر وعمر فقال ما أخرجكما هذه الساعة فقال عمر خرجت فدخلت المسجد فرأيت سواد أبي بكر فقلت من هذا فقال أبو بكر فقال ما أخرجك هذه الساعة فذكر الذي كان فقلت وأنا والله ما أخرجني الا الذي أخرجك فقال النبي صلى الله عليه وسلم وأنا والله ما أخرجني الا الذي أخرجكما فانطلقوا بنا الى الواقفي أبي الهيثم بن التيهان فلعلنا نجد عنده شيأ يبلعنا فخرجنا فمشى فانطلقنا الى الحائط في القمر فقرعنا الباب فقالت المرأة من هذا فقال عمر هذا رسول الله وأبو بكر وعمر ففتحت لنا فدخلنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أين رجل قالت ذهب يستعذب لنا من الماء من حش بني حارثة الآن يأتيكم فجاء يحمل قربة حتى أناخ بها نخلة وعلقها على كرنافة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر بن سليمان قال قال أبي ثنا أنس بن مالك حديثة قال عطش عند النبي صلى الله عليه وسلم رجلان فشمت أحدهما وأوقال سمت وترك الآخر فقيل لرجلان عطش أحدهما فشمته ولم تشمت الآخر فقال ان هذا حمد الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن حميد عن أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحب ان يليه المهاجرون والانصار في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا انقطعت لقمة أحدكم فليأخذها وليمسح ما بها من الاذى ولا يدعها للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن حميد عن أنس قال لم يكن في رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم ولحيته عشرون شعرة بيضاء وخضب أبو بكر بالحناء والكتم وخضب عمر بالحناء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن حميد عن أنس قال نحم أبو طيبة رسول الله صلى الله عليه وسلم فاعطاه صاعا من طعام وكلم أهله فخففوا عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أتم الناس صلاة وأوجزه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر قال سمعت الاخضر بن عجلان عن أبي بكر الحنفي عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم باع قدحا وحلسا فمن يزيد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن أبي الاخضر قال وثنا وكيع عن عبد الله بن عيسى يعني صاحب شعبة عن الاخضر بن عجلان عن أبي بكر الحنفي عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بشر بن المفضل ثنا غالب القطان عن بكر بن عبد الله عن أنس بن مالك قال كنا نصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم في شدة الحر فاذا لم يستطع أحدنا ان يمكن وجهه من الارض بسط ثوبه فيسجد عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الرحمن الطفاوي ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا وضع العشاء وأقيمت الصلاة فابدؤا بالعشاء وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نعس أحدكم في صلاته فلينصرف فلينم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف الازرق عن ابن أبي عروبة ويزيد بن هرون أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من نسي صلاة أو نام عنها فانما كفارتها ان يصليها اذا ذكرها قال يزيد في كفارتها ان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف حدثنا زكريا عن سعيد بن أبي بردة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله تبارك وتعالى ليرضى عن العبد ان يأكل الاكلة فيحمد الله عز وجل عليها أو يشرب الشربة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف الازرق ثنا زكريا بن أبي زائدة عن سعيد بن أبي بردة عن أنس بن مالك قال خدمت النبي صلى الله عليه وسلم تسع سنين فما أعلمه قال لي قط هلا فعلت كذا وكذا ولا عاب علي شيأ قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا سفيان عن عبد العزيز بن رفيع قال سألت أنس بن مالك قلت أخبرني بشيء عقلته عن رسول الله صلى الله عليه وسلم اين صلى الظهر يوم التروية قال بمنى وأين صلى العصر يوم النفر قال بالابطح قال ثم قال افعل كما يفعل أمراؤك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عباد بن عباد وغسان بن مضر عن سعيد بن يزيد أبي مسلمة قال قلت لانس بن مالك أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في نعليه قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زياد بن الربيع أبو خداش اليحمدي قال سمعت أبا

والدورقي (هق) وقال فيه ارسال بين أبي الجعدي وعلي * (فقره صلى الله عليه وسلم وجوعه) * عن يحيى بن عبيد الله عن أبيه عن أبي هريرة قال حدثني أبو بكر قال فاتني العشاء ذات ليلة فأتيت أهلي فقلت هل عندكم عشاء قالوا لا والله ما عندنا عشاء فاضطجعت على فراشي فلم يأتني النوم من الجوع فقلت لو خرجت الى المسجد فصليت وتعللت حتى أصبح فخرجت الى المسجد فصليت ماشاء الله ثم تسانديت الى ناحية المسجد فبينا أنا كذلك اذ طلع عمر بن الخطاب فقال من هذا قلت أبو بكر قال ما أخرجك هذه الساعة فقصصت عليه القصة فقال والله ما أخرجني الا الذي أخرجك فجلس الي جنبي فبينا نحن كذلك اذ خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فانكرنا فقال من هذا فبادر بي عمر فقال هذا أبو بكر وعمر فقال ما أخرجكما هذه الساعة فقال عمر خرجت فدخلت المسجد فرأيت سواد أبي بكر فقلت من هذا فقال أبو بكر فقال ما أخرجك هذه الساعة فذكر الذي كان فقلت وأنا والله ما أخرجني الا الذي أخرجك فقال النبي صلى الله عليه وسلم وأنا والله ما أخرجني الا الذي أخرجكما فانطلقوا بنا الى الواقفي أبي الهيثم بن التيهان فلعلنا نجد عنده شيأ يبلعنا فخرجنا فمشى فانطلقنا الى الحائط في القمر فقرعنا الباب فقالت المرأة من هذا فقال عمر هذا رسول الله وأبو بكر وعمر ففتحت لنا فدخلنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أين رجل قالت ذهب يستعذب لنا من الماء من حش بني حارثة الآن يأتيكم فجاء يحمل قربة حتى أناخ بها نخلة وعلقها على كرنافة

عمران

من كرائفها ثم أقبل علينا فقال مرحبا وأهلا ما زارنا ناس أجد اقطا مثل من زارنا ثم قطع لنا عدة قاثانا به فجعلنا نتبع منه في القصعة ونأكل ثم أخذ الشفرة فجال في الغنم فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم اياك والحلوب أو قال اياك وذوات الدر فأخذ شاة وذبحها وسلخها وقال لامرأته قومي فطبخت وخبزت وجعلت تقطع في القدر من اللحم وتوقد تحتها حتى بلغ الخبز واللحم فثرد وغرف عليه من المرق واللحم ثم أتانا به فوضعه بين أيدينا فأكلنا حتى شبعنا ثم قام الى العرية وقد شفها الريح فبرد فصب في الاناء ثم ناول (١٠١) رسول الله صلى الله عليه وسلم فشرب ثم ناولني فشربت ثم ناول عمر فشرب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحمد لله خرجنا لم يخرجنا الا الجوع ثم رجعنا وقد أصبنا هذا لتسألن عن هذا يوم القيامة هذا من النعيم ثم قال للواقفي مالك خادم يسقيك الماء قال لا والله يا رسول الله قال فاذا أتانا سبي فأتنا حتى نأمر لك بخادم فلم يلبث الا يسيرا حتى أتاه سبي فأتاه الواقفي فقال ماجاء بك قال يا رسول الله وعدك الذي وعدتني قال هذا سبي فقم فاختر منه فقال كن أنت تختار لي فقال خذ هذا الغلام وأحسن اليه فأخذه فانطلق به الى امرأته فقالت ماهذا فقص عليها القصة قالت فأي شئ قلت له قال قلت له كن أنت الذي تختار لي قالت قد أحسنت قال لك أحسن اليه فاحسن اليه قال ما الاحسان اليه قالت ان تعتقه قال هو حر لوجه الله (ع) وابن مردويه ويحيى وأبو نعيم ضعيفان *عن عمر قال لقد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يظل اليوم يتلوى من الجوع ما يجد دقلا يملأ بطنه (ط) وابن سعد (حم م ه) وأبو عوانة (ع حب) وابن جرير (هق) في الدلائل *عن أم هانئ قالت ما رأيت بطن رسول الله صلى الله عليه وسلم الا ذكرت القراطيس يثني بعضها على بعض الرويائي والشاشي (كر) *عن عائشة قالت كنا نأكل الكراع على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد عشرة (خط) في المتفق *عن أبي هريرة قال ما أشبع النبي صلى الله عليه وسلم أهله ثلاثا تباعا من خبز البر حتى فارق الدنيا ابن جرير *عن أبي هريرة قال دخلت على النبي صلى الله عليه وسلم وهو يصلي جالسا فقلت يا رسول الله أراك تصلي جالسا

---

عمران الجوني يقول سمعت أنس بن مالك يقول ما أعرف شيأ اليوم مما كنا عليه على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فلنا له فاين الصلاة قال أولم تصنعوا في الصلاة ما قد علمتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ابن ابراهيم ثنا عبد العزيز بن صهيب قال أنس بن مالك قال نهى نبي الله صلى الله عليه وسلم ان يتزعفر الرجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن عبد العزيز عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتمنى أحدكم الموت لضر نزل به فان كان لابد متمنيا الموت فليقل اللهم احيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دعا أحدكم فليعزم في الدعاء ولا يقل اللهم ان شئت فاعطني فان الله عز وجل لا مستكره له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز قال سأل قتادة أنسا أي دعوة كان أكثر يدعو بها النبي صلى الله عليه وسلم قال كان أكثر دعوة يدعو بها يقول ربنا رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم ربنا آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار وكان أنس اذا أراد أن يدعو بدعوة دعا بها واذا أراد أن يدعو بدعاء دعا بها فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك وقال مرة أنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال كان معاذ يؤم قومه فدخل حرام وهو يريد ان يسقي نخله فدخل المسجد ليصلي مع القوم فلما رأى معاذا طول تجوز في صلاته ولحق بنخله يسقيه فلما قضى معاذ صلاته قيل له ان حراما دخل المسجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس قال كان نبي الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل الخلاء قال أعوذ بالله من الخبث والخبائث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين قال أنس وأنا أضحي بكبشين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس ابن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لبس الحرير في الدنيا فلن يلبسه في الآخرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم المسجد وحبل ممدود بين ساريتين فقال ما هذا قالوا لزينب تصلي فاذا كسلت أو فترت أمسكت به فقال حلوه ثم قال ليصل أحدكم نشاطه فاذا كسل أو فتر فليقعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس بن مالك قال أقيمت الصلاة فجر رسول الله صلى الله عليه وسلم نجي لرجل في المسجد فما قام الى الصلاة حتى قام القوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال لما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة أخذ أبو طلحة بيدي فانطلق بي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ان أنسا غلام كيس فليخدمك قال فخدمته في السفر والحضر والله ما قال لي لشئ صنعته لم صنعت هذا هكذا ولا لشئ لم أصنعه لم تصنع هذا هكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز ابن صهيب عن أنس بن مالك قال اصطنع رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما فقال انا قد اصطنعنا خاتما ونقشنا فيه نقشا فلا ينقش أحد عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يوجز الصلاة ويكملها **حدثناه** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يفتتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس

أصابك قال الجوع يا أبا هريرة فبكيت فقال لا تبك يا أبا هريرة فان شدة الحساب يوم القيامة لا تصيب الجائع اذا احتسب في دار الدنيا (حل خط كر) *عن عتبة بن غزوان قال خطبنا على تحملي منبر البصرة قال كنت مع النبي صلى الله عليه وسلم سابع سبعة أو ثامن ثمانية ما كان لنا طعام الا ورق الشجر حتى قرحت أشداقنا * أبو الفتح بن البطي في فوائده وقال انه وهم بل الحديث لعتبة والخطبة له * عن كعب بن عجرة قال لقيت النبي صلى الله عليه وسلم يوما فرأيته (١٠٢) متغيرا قلت بأبي أنت مالي أراك متغيرا قال ما يدخل جوفي ما يدخل جوف ذات كبد منذ ثلاث فذهبت فاذا يهودي يسقي ابلا له فسقيت له على كل دلو بتمرة فجمعت تمرا فأتيت به النبي صلى الله عليه وسلم فقال من أين لك يا كعب فأخبرته فقال النبي صلى الله عليه وسلم أتحبني يا كعب قلت بأبي أنت نعم قال ان الفقر أسرع الي من يحبني من السيل الى معلدنه وانه سيصيبك بلاء فاعد له تجفافا ففقده النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما فعل كعب قالوا مريض فخرج يمشي حتى دخل عليه فقال له ابشر يا كعب فقالت أمه هنيأ لك الجنة يا كعب فقال النبي صلى الله عليه وسلم من هذه المتألية على الله قال هي أمي يا رسول الله قال ما يدريك يا أم كعب لعل كعبا قال ما لا ينفعه أو منع ما لا يعنيه (كر) *عن أبي قلابة عن علي قال لقيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في بعض طرق المدينة يا الهاجرة فقلت له بابي أنت وأمي ما أخرجك هذه الساعة قال وصل بي الجوع الى فقلت بابي أنت ما يحملك أنت هاهنا قال فجلس في ظل حائط فاتيت رجلا بالمدينة له ودي قد غرسه فقلت هل أنت معطي استقي كل جرة بتمرة لا تعطيني حشفة ولا مذرة قال اعطيك من خير صنيع عندي فجعلت كلما استقيت جرة وضع تمرة حتى اجتمع قبضة من تمر فقلت هل أنت واهب لي صرة من كراث يعني قبيسة فاعطيني فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم وهو جالس فبسط طرف ثوبه فالقيته عليه فاكل ثم قال أشبعت جوعي أشبع الله جوعك الحافظ أبو الفتح بن أبي الفوارس في الافراد *عن عائشة قالت كان على رسول الله صلى الله عليه وسلم قطريان غليظان فكان اذا قعد فهما عرق

أن رسول الله صلى الله عليه وسلم غزا خيبر فصلينا عندها صلاة الغداة بغلس فركب رسول الله صلى الله عليه وسلم وركب أبو طلحة وأنا رديف أبي طلحة فاجرى نبي الله صلى الله عليه وسلم في زقاق خيبر وان ركبتي لتمس فخذ نبي الله صلى الله عليه وسلم وانحسر الازار عن فخذ نبي الله صلى الله عليه وسلم فانى لارى بياض فخذ نبي الله صلى الله عليه وسلم فلما دخل القرية قال الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين قالها ثلاث مرار قال وقد خرج القوم الى أعمالهم فقالوا محمد قال عبد العزيز وقال بعض أصحابنا الخميس قال فأصبناها عنوة فجمع السبي قال فجاء دحية فقال يا نبي الله اعطني جارية من السبي قال اذهب فخذ جارية قال فأخذ صفية بنت حيي فجاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أعطيت دحية صفية بنت حيي سيدة قريظة والنضير والله ما تصلح الا لك قال صلى الله عليه وسلم ادعوه بها فجاء بها فلما نظر اليها النبي صلى الله عليه وسلم قال خذ جارية من السبي غيرها ثم ان نبي الله صلى الله عليه وسلم اعتقها وتزوجها فقال له ثابت يا أبا حمزة ما أصدقها قال نفسها اعتقها وتزوجها حتى اذا كان بالطريق جهزتها أم سليم فأهدتها له من الليل فأصبح النبي صلى الله عليه وسلم عروسا فقال من كان عنده شئ فليجئ به وبسط نطعا فجعل الرجل يجيء بالاقط وجعل الرجل يجيء بالتمر وجعل الرجل يجيء بالسمن قال وأحسبه قد ذكر السويق قال فحاسوا حيسا وكانت وليمة رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل أنا الاعمش عن أنس قال كانت درع رسول الله صلى الله عليه وسلم مرهونة ما وجد ما يفكها حتى مات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا المختار بن فلفل عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الكوثر نهر في الجنة وعدنيه ربي عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل عن المختار بن فلفل عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله تعالى قال لي ان امتك لا يزالون يتساءلون فيما بينهم حتى يقولوا هذا الله خلق الخلق فمن خلق الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل عن المختار بن فلفل قال سمعت أنس بن مالك يقول اغفى النبي صلى الله عليه وسلم اغفاءة فرفع رأسه متبسما اما قال لهم واما قالوا له لم ضحكت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نزلت علي آنفا سورة فقرأ رسول الله صلى الله عليه وسلم بسم الله الرحمن الرحيم انا أعطيناك الكوثر حتى ختمها قال هل تدرون ما الكوثر قالوا الله ورسوله أعلم قال هو نهر أعطانيه ربي عز وجل في الجنة عليه خير كثير يرد عليه أمتي يوم القيامة آنيته عدد الكواكب يختلج العبد منهم فأقول يا رب انه من امتي فيقال لي انك لا تدري ما أحدثوا بعدك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا المختار بن فلفل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم وقد انصرف من الصلاة فاقبل علينا بوجهه فقال يا أيها الناس اني امامكم فلا تسبقوني بالركوع ولا بالسجود ولا بالقيام ولا بالقعود ولا بالانصراف فاني أراكم من امامي ومن خلفي وأيم الذي نفسي بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا يا رسول الله وما رأيت قال رأيت الجنة والنار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن فضيل ثنا يونس بن عمرو يعني ابن ابي اسحق عن بريد بن ابي مريم عن انس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من صلى على صلاة واحدة صلى الله عليه عشر صلوات وحط عنه عشر خطيئات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا محمد بن ابي اسحق عن العلاء بن عبد الرحمن تمال دخلنا على انس بن مالك أنا ورجل من الانصار حين صلينا الظهر فدعا

الجارية

ثقلا عليه وقدم فلان اليهودي ليزمن الشام فقالت عائشة لو بعثت اليه فاشتريت منه ثوبين الى الميسرة فبعث اليه فقال قد علمت ما تريد انما تريد أن تذهب بهما أو تذهب بمالي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كذب قد علم أني من اتقاهم لله وآداهم للامانة (ن كر) * عن أبي سلمة ابن عبد الرحمن عن الشفاء بنت عبد الله قالت دخل علي النبي صلى الله عليه وسلم فسألته وشكوت اليه فجعل يعتذر وجعلت ألومه ثم انه حانت صلاة الاولى فدخلت بيت ابنتي وهي عند شرحبيل بن حسنة فوجدت زوجها في البيت (١٠٣) فوقعت به ألومه حضرت الصلاة وأنت

الجارية بوضوء فقلت له اين صلاة تصلي قال العصر قال قلنا انما صلينا الظهر الآن فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تلك صلاة المنافق يترك الصلاة حتى اذا كانت في قرني الشيطان أو بين قرني الشيطان صلى لا يذكر الله فيها الا قليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب بن عبد المجيد عن ايوب عن ابن سيرين عن انس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يدخل على ام سليم فتبسط له نطعها فيقيل عليه فتأخذ من عرقه فتجعله في طيبها وتبسط له الخمرة فيصلي عليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا ايوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك قال امر بلال أن يشفع الاذان ويوتر الاقامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا ايوب عن أبي قلابة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ثلاث من كن فيه وجد بهن حلاوة الايمان أن يكون الله ورسوله أحب اليه مما سواهما وأن يحب المرء لا يحبه الا لله وأن يكره أن يعود في الكفر بعد اذ أنقذه الله منه كما يكره أن يوقد له نار فيقذف فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا مجمر بن الهيثم أبو قطن ثنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من أحد يدخل الجنة يحب أن يخرج منها وان له ما على الارض من شئ غير الشهيد يحب أن يخرج فيقتل لما يرى من الكرامة أو معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عمرو بن الهيثم ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما بعث نبي الا أنذر أمته الاعور الكذاب الا انه أعور وان ربكم ليس بأعور مكتوب بين عينيه كافر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي ذات ليلة في حجرته فجاء أناس فصلوا بصلاته فخفف فدخل البيت ثم خرج فعاد مرارا كل ذلك يصلي فلما أصبح قالوا يا رسول الله صليت ونحن نحب ان تدعي بصلاتك قال قد علمت بمكانكم وعمدا فعلت ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة ولهم يومان يلعبون فيهما في الجاهلية فقال ان الله تبارك وتعالى قد أبدلكم بهما خيرا منهما يوم الفطر ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم حائطا من حيطان المدينة لبني النجار فسمع صوتا من قبر فسأل عنه متى دفن هذا فقالوا يا رسول الله دفن هذا في الجاهلية فأعجبه ذلك وقال لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله عز وجل أن يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فاذا أنا بنهر حافتاه خيام اللؤلؤ فضربت بيدي الى ما يجري فيه الماء فاذا مسك أذفر قلت ما هذا يا جبريل قال هذا الكوثر الذي أعطاكه الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي ثنا حميد عن أنس قال لما رجع رسول الله صلى الله عليه وسلم من غزوة تبوك فدنا من المدينة قال ان بالمدينة لقوما ما سرتم مسيرا ولا قطعتم واديا الا كانوا معكم فيه قالوا يا رسول الله وهم بالمدينة قال وهم بالمدينة حبسهم العذر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كانت ناقة رسول الله صلى الله عليه وسلم تسمى العضباء وكانت لا تسبق فجاء اعرابي على قعود فسبقها فشق ذلك على المسلمين فلما رأى ما في وجوههم قالوا يا رسول الله سبقت العضباء فقال ان حقا على الله ان لا يرفع شيأ من الدنيا الا وضعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة فقام النبي صلى الله عليه وسلم فأقبل علينا بوجهه فقال أقيموا صفوفكم وتراصوا فاني أراكم من وراء ظهري

سهل هي شملة منسوجة فيها حاشيتها فقالت يا رسول الله جئتك أكسوك هذه فأخذها رسول الله صلى الله عليه وسلم محتاجا اليها فلبسها فرآها عليه رجل من أصحابه فقال يا رسول الله ما أحسن هذه أكسنيها فقال نعم فلما قام رسول الله صلى الله عليه وسلم لامه أصحابه وقالوا ما أحسنت حين رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذها محتاجا اليها ثم سألته اياها وقد عرفت انه لا يسأل شيأ فيمنعه قال والله ما حملني على ذلك الا رجوت بركتها حين لبسها رسول الله صلى الله عليه وسلم لعلي أكفن فيها ابن جرير * وعنه قال حيكت لرسول الله صلى الله عليه وسلم حلة

ههنا فقال يا عمة لا تلومني كان لي ثوبان استعار أحدهما رسول الله صلى الله عليه وسلم فوجدت في نفسي من ذلك فقلت ومن يلومه وهذا شأنه (كر)

* (سخاؤه صلى الله عليه وسلم) *

عن عمر قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسأله أن يعطيه فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما عندي شئ ولكن استقرض حتى يأتينا شئ فنعطيك فقال عمر يا رسول الله هذا أعطيته ما عندك فاكلفك ما لا تقدر عليه فكره النبي صلى الله عليه وسلم قول عمر حتى عرف في وجهه فقال رجل من الانصار يا رسول الله أنفق ولا تخف من ذي العرش اقلالا فتبسم رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى عرف البشر في وجهه لقول الانصاري ثم قال بهذا أمرت (ت) في الشمائل والبزار وابن جرير والخرائطي في مكارم الاخلاق (ض)

* عن سهل بن سعد قال جاءت امرأة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ببردة قال

أنصار صوف فجعل حاشيتها بيضاء فخرج فيها الى أصحابه فضرب بيده على فخذه فقال ألا ترون الى هذه ما أحسنها فقال اعرابي بابي أنت وأمي يا رسول الله هبها لي وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يسأل شيأ أبدا فيقول لا فقال نعم فاعطاها اياه فمر عليه عمر بن له فلبسها وأمر بمثلها فكيت له فتوفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهي في المحاكة ابن جرير * عن ثابت عن أنس قال جاء سائل الى النبي صلى الله عليه وسلم فاعطاه بتمرة فوجس بها وأتاه آخر (١٠٤) فاعطاه بتمرة فقال سبحان الله تمرة بن رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال للجارية اذهبي الى

أم سلمة فلتعطه الاربعين درهما التي عندها (هب) * عن الحسن ان سائلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فاعطاه تمرة فقال الرجل سبحان الله نبي من الانبياء وتصدق بتمرة فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أوما علمت ان فيها مثاقيل ذر كثيرة فاتاه آخر فسأله فاعطاه تمرة فقال تمرة من نبي من الانبياء لا تفارقني هذه التمرة ما بقيت ولا أزال أرجو بركتها أبدا فامر النبي صلى الله عليه وسلم له بمعروف ومالبث الرجل ان استغنى (هب)

* (شجاعته صلى الله عليه وسلم) *

عن البراء بن عازب قال كنا اذا احمر الباس نتقي برسول الله صلى الله عليه وسلم وان الشجاع للذي يحاذي به (ش) * عن علي قال كنا اذا احمر الباس واتى القوم اتقينا برسول الله صلى الله عليه وسلم فما يكون منا أحد أقرب الى العدو منه (ك ش حم) وأبو عبيد في الغريب (ن ع ك) والحرث بن جرير وصححه (هق) في الدلائل * عن علي ان النبي صلى الله عليه وسلم كان احرأ الناس صدرا ابن جرير * (خوفه صلى الله عليه وسلم) * عن ابن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم سمع قارئا يقرأ ان لدينا أنكالا وجحيما فصعق ابن النجار * (أخلاقه صلى الله عليه وسلم في الصحبة والمزاح ومزاحه صلى الله عليه وسلم) * عن أبي الهيثم عن أخيره انه سمع أبا سفيان بن حرب مازح النبي صلى الله عليه وسلم في بيت ابنته أم حبيبة ويقول والله ان هو الا ان تركنك فترتكنك العرب ان انتطعت فيك وقالوا جاء ولاذ ان قرن ورسول الله صلى الله عليه وسلم يضحك ويقول أنت تقول ذلك يا أبا حنظلة الزبير بن

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد قال سئل أنس عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم من الليل فقال ما كان أشاء أن نراه من الليل مصليا الا رأيناه وما كان أشاء أن نراه نائما الا رأيناه وكان يصوم من الشهر حتى نقول لا يفطر منه شيأ ويفطر حتى نقول لا يصوم منه شيأ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان يعجبنا ان يجيء الرجل من أهل البادية فيسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم فجاء اعرابي فقال يا رسول الله متى قيام الساعة وأقيمت الصلاة فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما فرغ من صلاته قال أين السائل عن الساعة قال أنا يا رسول الله قال وما أعددت لها قال ما أعددت لها من كثير عمل لا صلاة ولا صيام الا اني أحب الله ورسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرء مع من أحب قال أنس فما رأيت المسلمين فرحوا بعد الاسلام بشئ ما فرحوا به حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة وقد كان بين النبي صلى الله عليه وسلم وبين اناسة شئ فجعل يردد بعضهن عن بعض فجاء أبو بكر فقال احث يا رسول الله في أفواههن التراب واخرج الى الصلاة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتمنين أحدكم الموت لضر نزل به ولكن ليقل اللهم أحيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان أبو طلحة يكثر الصوم على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما مات النبي صلى الله عليه وسلم كان لا يفطر الا في سفر أو مرض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا كان مقيما اعتكف العشر الاواخر من رمضان واذا سافر اعتكف من العام المقبل عشرين قال أبي لم أسمع هذا الحديث الا من ابن أبي عدي عن حميد عن أنس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال مر النبي صلى الله عليه وسلم في نفر من أصحابه وصبي في الطريق فلما رأت أمه القوم خشيت على ولدها ان يوطأ فاقبلت تسعى وتقول ابني ابني وسعت فاخذته فقال القوم يا رسول الله ما كانت هذه لتلقي ابنها في النار قال فخفضهم النبي صلى الله عليه وسلم فقال ولا والله عز وجل لا يلقى حبيبه في النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد قال سئل أنس هل كان النبي صلى الله عليه وسلم يرفع يديه فقال قيل له يوم جمعة يا رسول الله قحط المطر وأجدبت الارض وهلك المال قال فرفع يديه حتى رأيت بياض ابطيه فاستسقى ولقد رفع يديه فاستسقى ولقد رفع يديه وما نرى في السماء سحابة فلما قضينا الصلاة جئن ان قريب الدار الشاب لهمه الرجوع الى أهله قال فلما كانت الجمعة التي تليها قالوا يا رسول الله تهدمت البيوت واحتبست الركبان فتبسم رسول الله صلى الله عليه وسلم من سرعة ملالة ابن آدم وقال اللهم حوالينا ولا علينا فتكشطت عن المدينة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال سمع المسلمون النبي صلى الله عليه وسلم وهو ينادي على قليب بدر يا أبا جهل بن هشام يا عتبة بن ربيعة يا شيبة بن ربيعة يا أمية بن خلف هل وجدتم ما وعدكم ربكم حقا فاني وجدت ما وعدني ربي حقا قالوا يا رسول الله تنادي قوما قد جيفوا قال ما أنتم بأسمع لما أقول منهم ولكنهم لا يستطيعون أن يجيبوا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا معشر الانصار ألم آتكم ضلالا فهداكم الله عز وجل بي ألم آتكم متفرقين فجمعكم الله بي ألم آتكم أعداء فالف الله بين قلوبكم قالوا بلى

بكارفي (كر) *عن ابن عباس ان رجلا سأله فقال أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يمزح قال نعم فقال الرجل ما كان مزاحه فقال ابن عباس كسائر النبي صلى الله عليه وسلم بعض أسأته لو باواسعا قال البسيه واحدى الله وحوى من ذيلك هذا كذيل العروس (كر) وضعفه *عن أسيد بن حضير قال بينما نحن عند رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان فيه مزاح يحدث القوم ليضحكهم فطعنه رسول الله صلى الله عليه وسلم في خاصرته فقال اصبرني قال اصطبر قال ان عليك قميصا وليس علي قميص فرفع رسول الله (١٠٥) صلى الله عليه وسلم قميصه فاحتضنه

يارسول الله قال أفلا تقبلون مجتنا خافا فامنالك وطريدا فآويناك وخذولا فنصرناك فقالوا بل لله تبارك وتعالى المن به علينا ولرسوله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال لما سار رسول الله صلى الله عليه وسلم الى بدر خرج فاستشار الناس فاشار عليه أبو بكر رضي الله عنه ثم استشارهم فاشار عليه عمر رضي الله عنه فسكت فقال رجل من الانصار انما يريدكم فقالوا يارسول الله والله لانكون كما قالت بنو اسرائيل لموسى عليه السلام اذهب أنت وربك فقاتلا انا ههنا قاعدون ولكن والله لو ضربت أكباد الابل حتى تبلغ برك الغماد لكنا معك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال دعوت المسلمين الى وليمة رسول الله صلى الله عليه وسلم صبيحة بني بزينب بنت جحش فاشبع المسلمين خبزا ولحما قال ثم رجع كما كان يصنع فاتى حجر نسائه فسلم عليهن فدعون له قال ثم رجع الى بيته وأنا معه فلما انتهى إلى البيت فاذا رجلان قد جريا بينهما الحديث في ناحية البيت فلما بصر بهما ولى راجعا فلما رأى الرجلان النبي صلى الله عليه وسلم قد ولى عن بيته قاما مسرعين فلا أدري أنا أخبرته أو أخبر به ثم رجع الى منزله عز وجل واستحيى مني وبينه وأنزلت آية الحجاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان أبو طلحة يرمي بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع رأسه من خلفه لينظر الى مواقع نبله قال فتطاول أبو طلحة بصدره يقي به رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال يارسول الله نحري دون نحرك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الا أخبركم بخير دور الانصار دار بني النجار ثم دار بني عبد الاشهل ثم دار بني الحرث بن الخزرج ثم دار بني ساعدة وفي كل دور الانصار خير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقدم عليكم أقوام هم أرق منكم قلوبا فقدم الاشعريون فيهم أبو موسى الاشعري فلما دنوا من المدينة كانوا يرتجزون يقولون غدا نلقى الأحبة محمدا وحزبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد بن يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان عند بعض نسائه قال أظنها عائشة فارسلت احدى أمهات المؤمنين مع خادم لها بقصعة فيها طعام قال فضربت الاخرى يد الخادم فكسرت القصعة بنصفين قال فجعل رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول غارت أمكم قال وأخذ الكسرتين فجمع احداهما الى الاخرى فجعل فيها الطعام ثم قال كلوا فاكلوا وحبس الرسول والقصعة حتى فرغوا فدفع الى الرسول قصعة أخرى وترك المكسورة مكانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال اشتكى ابن لابي طلحة ففرج أبو طلحة الى المسجد فتوفي الغلام فهيأت أم سليم الميت وقالت لاهلها لا يخبرن أحد منكم أبا طلحة بوفاة ابنه فرجع الى أهله ومعه ناس من أهل المسجد من أصحابه قال مافعل الغلام قالت خير ما كان فقربت اليهم عشاءهم فتعشوا وخرج القوم وقامت المرأة الى ماتقوم اليه المرأة فلما كان آخر الليل قالت يا أبا طلحة ألم تر الى آل فلان استعاروا عارية فمتعوا بها فلما طلبت كانهم كرهوا ذلك قال ما أنصفوا قالت فان ابنك كان عارية من الله تبارك وتعالى وان الله قبضه فاسترجع وحمد الله فلما أصبح غدا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما رآه قال بارك الله لكما في ليلتكما فحملت بعبد الله فولدته ليلا وكرهت ان تخبره حتى يخبره رسول الله صلى الله عليه وسلم فحملته غدوة ومعي تمرات عجوة

وجعل يقبل كشحه ويقول انما أردت هذا يارسول الله (طب) *عن خوات بن جبير قال نزلنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم مر الظهران فخرجت من خبائي فاذا أنا بنسوة يتحدثن فاعجبنني فرجعت فاستخرجت عيبتي فاستخرجت منها حلة فلبستها وجئت فجلست معهن وخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من قبته فقال أبا عبد الله ما يجلسك معهن فلما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم هبته واختلطت فقلت يارسول الله جعل لي شرد وأنا أبتغي له قيد فمضى واتبعته فالقى الي رداءه ودخل الاراك كأني أنظر الى بياض متنه في خضرة الاراك فقضى حاجته وتوضأ فاقبل والماء يسيل من لحيته على صدره فقال أبا عبد الله ما فعل شراد جلك ثم ارتحلنا فجعل لا يلحقني في المسير الا قال السلام عليك أبا عبد الله مافعل شراد ذلك الجمل فلما رأيت ذلك تعجلت الى المدينة واجتنبت المسجد والمجالس ثم قلت للنبي صلى الله عليه وسلم فلما طال ذلك



تحينت ساعة خلوة المسجد فاتيت المسجد فقمت أصلي وخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من بعض حجره فجاء فصلى ركعتين خفيفتين وطولت رجاء أن يذهب ويدعني فقال طول ما شئت أبا عبد الله ما شئت أن تطول فلست ذاهبا حتى تنصرف فقلت في نفسي والله لاعتذرن الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ولابرئن صدره فلما انصرفت قال السلام عليك يا عبد الله ما فعل شراد ذلك الجمل فقلت والذي بعثك بالحق ما شرد ذلك الجمل منذ أسلمت فقال رحمك الله ثلاثا ثم لم يعد لشئ مما كان (طب) *عن تميم بن وهب

عن رجل من بني هبرة قال قلت لعائشة أخبريني عن خلق رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت اما تقرأ القرآن وأنك لعلى خلق عظيم قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم مع أصحابه فصنعت له طعاما وصنعت له حفصة طعاما فسبقتني حفصة فقلت للجارية انطلقي فاكفئي قصعتها فاهوت أن تضعها بين يدي النبي صلى الله عليه وسلم فكفتها فانكسرت القصعة فانتثر الطعام فجمعها النبي صلى الله عليه وسلم وما فيها من الطعام على الارض فاكلوا ثم بعثت بقصعتي فدفعتها (١٠٦) النبي صلى الله عليه وسلم الى حفصة فقال خذوا طرفا مكان طرفكم وكلوا ما فيها قالت فما

رأيته في وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم (ش) *(الصحبة)* عن أنس قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما المسجد وعليه برد غليظ الصنفة فاتاه اعرابي من خلفه فاخذ بجانب ردائه حتى أثرت الصنفة في صفح عنق رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا محمد اعطنا من مال الله الذي عندك فالتفت رسول الله صلى الله عليه وسلم فتبسم فقال مروا له ابن جرير * عن أنس قال ما كان في الدنيا شخص أحب اليهم رؤية من رسول الله صلى الله عليه وسلم وكانوا اذا رأوه لم يقوموا اليه لما رأوا من كراهته لذلك ابن جرير * عن أنس قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين فلا والله ما قال لي لشيء صنعته لم صنعته ولا لشيء لم أصنعه الا صنعته ولا لامني فان لامني بعض أهله قال دعوه ما قدر فهو كائن أو ما قضي فهو كائن (عب) * عن أنس قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين لا والله ما سبني سبة قط ولا قال لي أف قط ولا قال لشيء فعلته لم فعلته ولا لشيء لم أفعله لم لا فعلته (عب) * عن أسلم قال كان عمر بن الخطاب اذا ذكر جهده النبي صلى الله عليه وسلم بكى قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أرحم الناس بالناس وكان لليتيم كالوالد وكان للمرأة كالزوج الكريم وكان أشجع الناس قلبا وأوضحهم وجها وأطيبهم ريحا وأكرمهم حسبا فلم يكن له مثل في الاولين والآخرين أبو العباس الوليد بن أحمد الوزني في كتاب شجرة العرش وفيه حبيب بن رزين قال (حم) كان يكذب وقال (د) كان يضع الحديث * عن عمران رجلا نادى

فوجدته يهنأ بعيرا له أو يسمها فقلت يا رسول الله ان أم سليم ولدت الليلة فكرهت أن تحنكه حتى يحنكه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أمعك شيء قلت تمرات عجوة فاخذ بعضهن فمضغهن ثم جمع بزاقه فاوجره اياه فجعل يتلمظ فقال حب الانصار التمر قال قلت يا رسول الله سمه قال هو عبد الله حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا بندار قال حدثنا ابن أبي عدي بعض هذا الحديث قال فاتيته وعليه بردة حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا بندار ثنا ابن أبي عدي عن ابن عون عن محمد عن أنس فاتيته وعليه خميصة له وهو في الحائط يسم الظهر الذي قدم عليه فقال لرويدك أفرغ لك قال ابن أبي عدي في أول الحديث ان أبا طلحة غدا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال بثماعر وسين قال فبارك الله لكما في عرسكما وقال أبو طلحة لام سليم كيف ذاك الغلام قالت هو اهدأ مما كان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن هلال ثنا هشام عن ابن سيرين عن أنس بن مالك قال تزوج أبو طلحة أم سليم وهي أم أنس وابنا من غيره فولدت له ولدا وكان يحبه فذكر الحديث فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فبثماعر وسين وهو ابني جميكا فقال نعم يا رسول الله قال بارك الله لكما في ليلتكما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي ثنا حميد بن زيد ثنا حميد المعنى عن أنس بن مالك قال لودي بالصلاة فقام كل قريب الدار من المسجد وبقي من كان أهله نائي الدار فاتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بمخضب من حجارة فصغر أن يبسط اكفه فيه قال فضم أصابعه قال فتوضأ بقيتهم قال حميد وسئل أنس كم كانوا قال ثمانين أو زيادة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس ان بني سلمة أرادوا أن يتحولوا من منازلهم فيسكنوا قرب المسجد فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم وكره ان تعرى المدينة فقال يا بني سلمة الا تحتسبون آثاركم الى المسجد فقالوا بلى يا رسول الله فاقاموا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي وسهل بن يوسف المعنى عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة فقام رجل يسعى فانتهى وقد حفزه النفس أو انبهر فلما انتهى الى الصف قال الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاته قال أيكم المتكلم فسكت القوم فقال أيكم المتكلم فانه قال خيرا أو لم يقل بأسا فقال يا رسول الله انا أسرعت المشي فانتهيت الى الصف فقلت الذي قلت قال لقد رأيت اثني عشر ملكا يبتدرونها أيهم يرفعها ثم قال اذا جاء أحدكم الى الصلاة فليمش على هيئته فليصل ما أدرك وليقض ما سبقه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس رضي الله تعالى عنه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فسمعت بين يدي خشفة فاذا أنا بالغميصاء بنت ملحان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد الله بعبد خيرا استعمله قالوا وكيف يستعمله قال يوفقه لعمل صالح قبل موته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم رؤيا المؤمن جزء من ستة وأربعين جزأ من النبوة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا يهادي بين ابنيه قال ما هذا قالوا نذر أن يمشي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل لغني أن يعذب هذا نفسه فامره فركب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يهادي بين ابنيه فذكر مثله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن ثابت عن أنس قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا يسوق بدنة قد

النبي صلى الله عليه وسلم كل ذلك يجيبه بالبيك (ع حل) وتمام (خط) في تلخيص المتشابه وفيه مجاورة المفلس لضعيف *(الباب الثالث في شمائله صلى الله عليه وسلم في العبادات *قيام الليل)* عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قائما منذ نزل القرآن (ن) *عن أبي هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم يقوم حتى تزلع رجلاه ابن النجار *عن صفوان بن المعطل السلمي قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فرمقت صلاته فصلى العشاء الآخرة ثم نام ثم انتبه فقلا (١٠٧) العشر آيات آخر سورة آل عمران ثم نام ثم قام ثم تسول ثم توضأ وصلى ركعتين فلا أدري أقيامه أم ركوعه أم سجوده كان أطول ثم انصرف فنام ثم استيقظ فتلا العشر آيات آخر سورة آل عمران ثم نام ثم قام ثم تسول ثم قام فتوضأ وصلى ركعتين فلا أدري أقيامه أم ركوعه أم سجوده أطول ثم انصرف فنام ثم استيقظ ففعل مثل ذلك فلم يزل يفعل كما فعل أول مرة حتى صلى احدى عشرة ركعة (كر) *عن ربيعة ابن كعب الاسلمي قال كنت أبيت عند باب حجرة رسول الله صلى الله عليه وسلم فكنت أسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام من الليل يصلي يقول سبحان الله رب العالمين للهوى ثم يقول سبحان ربي العظيم وبحمده للهوى (عب ش ل)* عن أنس قال ما كانشاه ان نرى رسول الله صلى الله عليه وسلم مصليا الا رأيناه ولا نشاء أن نراه نائما الا رأيناه ابن النجار *عن أنس قال قام رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى تورمت قدماه أو قال ساقاه فقيل له أليس قد غفر الله لك ما تقدم من ذنبك وما تأخر قال أفلا أكون عبدا شكورا (د) *عن عبد الله بن قيس بن مخرمة بن المطلب بن عبد مناف قال قلت لأمي كيف صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى ركعتين ركعتين حتى صلى ثلاث عشرة ركعة بوتر بواحدة أو توتر بها كل ثنتين صلاهما أقصر من اللتين قبلهما صنع ذلك حتى فرغ من صلاته واضطجع على شقه الايمن ابن سعد والبغوي *عن ابن جريج قال أخبرني عبد الكريم عن رجل قال أخبرني بعض أهل النبي

جهده المشي فقال اركبها فقيل يا رسول الله انها بدنة قال اركبها وان كانت بدنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان رجل يسوق بأمهات المؤمنين يقال له أنجشة فأشتد في السياقة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أنجشة ترويدك سوقا بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أسلم ناس من عرينة فاجتووا المدينة فقالوا لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم لو خرجتم الى ذود لنا فشربتم من ألبانها قال حميد وقال قتادة عن أنس وأبوالها فقعلوا فلما صحوا كفروا بعد اسلامهم وقتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو منا أو مسلما وساقوا ذود رسول الله صلى الله عليه وسلم وهربوا بها فبعث في آثارهم فأخذوا فقطع أيديهم وأرجلهم وسمر أعينهم وتركهم في الحرة حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى لا يقال في الارض الله الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تسألوني عن شئ الى يوم القيامة الا حدثتكم قال فقال عبد الله بن حذافة يا رسول الله من أبي قال أبوك حذافة فقالت أمه ما أردت الى هذا قال أردت أن أستريح قال وكان يقال فيه قال حميد وأحسب هذا عن أنس قال فغضب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر رضينا بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد صلى الله عليه وسلم نبيا نعوذ بالله من غضب الله وغضب رسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال خيروا تميما في الجماعة والقسط البحري ولا تعذبوا صبيانكم بالغمز **حدثنا** محمد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فاذا أنا بقصر من ذهب فقلت ان هذا القصر قالوا الشاب من قريش قلت ان قالوا لعمر بن الخطاب قال فلولا ما علمت من غيرتك لدخلته فقال عمر عليك يا رسول الله أغار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحب لقاء الله أحب الله لقاءه ومن كره لقاء الله كره الله لقاءه قلنا يا رسول الله كلنا نكره الموت قال ليس ذاك كراهية الموت ولكن المؤمن اذا حضر جاءه البشير من الله عز وجل بما هو صائر اليه فليس شئ أحب اليه من ان يكون قد لقي الله عز وجل فأحب الله لقاءه وان الفاجر أو الكافر اذا حضر جاءه بما هو صائر اليه من الشر أو ما يلقاه من الشر فكره لقاء الله وكره الله لقاءه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد قال قال أنس بن مالك ما مسست شيأ قط خزا ولا حريرا ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت رائحة أطيب من ريح رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد وعبد الله بن بكر السهمي ثنا حميد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم عاد رجلا من المسلمين قد صار مثل الفرخ فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم هل كنت تدعو بشئ أو تسأله اياه قال نعم كنت أقول اللهم ما كنت معاقبني به في الآخرة فعجله لي في الدنيا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم سبحان الله لا تطيقه ولا تستطيعه فهلا قلت اللهم آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار قال فدعا الله عز وجل فشفاه الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان الرجل يأتي النبي صلى الله عليه وسلم فيسلم الشئ يعطاه من الدنيا فلا يمسي حتى يكون الاسلام أحب اليه وأعز عليه من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي

عبدا شكورا ابن النجار *عن أنس قال قام رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى تورمت قدماه أو قال ساقاه فقيل له أليس قد غفر الله لك ما تقدم من ذنبك وما تأخر قال أفلا أكون عبدا شكورا (د) *عن عبد الله بن قيس بن مخرمة بن المطلب بن عبد مناف قال قلت لأمي كيف صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى ركعتين ركعتين حتى صلى ثلاث عشرة ركعة يوتر بواحدة أو توتر بها كل ثنتين صلاهما أقصر من اللتين قبلهما صنع ذلك حتى فرغ من صلاته واضطجع على شقه الايمن ابن سعد والبغوي *عن ابن جريج قال أخبرني عبد الكريم عن رجل قال أخبرني بعض أهل النبي

يغمز ظهره فقلت يارسول الله أتشتكي شيأ قال ان الناقة تقعمت بي البارحة البزار (طب) وابن السني وأبو نعيم في الطب (ض) *عن عمر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يسمر عند أبي بكر الليلة كذلك في أمر من أمور المسلمين وأنا معه مسدد وهو صحيح *عن علي قال مرت على رسول الله صلى الله عليه وسلم ابل الصدقة فأخذ برة من ظهر بعير فقال ما أنا أحق بهذه البرة من رجل من المسلمين (ش حم) وابن منيع والحرث (ع ص) *عن علي قال (ز ١١) ما سمعت كلمة غريبة من العرب الا وقد سمعتها من رسول الله صلى الله عليه وسلم وسمعته يقول مات حتف أنفه وما سمعتها من عربي قبله ابن عساكر *عن أنس قال قال أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم يارسول الله مالك أفصحنا لسانا وأبيننا بيانا فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان العربية اندرست فجاءني بها جبريل غضة طرية كما شئت على لسان اسمعيل (كر) وسنده واه *عن أنس قال احتبس رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الصلاة وكان بين يدي نسائه شئ فجعل رد بعضهن على بعض فأتاه أبو بكر فقال يا رسول الله أحبث في أفواههن التراب واخرج الى الصلاة ابن النجار *عن أنس كان النبي صلى الله عليه وسلم يدعو والزمام بين أصبعيه فسقط الزمام فاهوى ليأخذه وقال باصبعه التي تلي الابهام فرفعها (عب) وفيه ابان *عن أبي ليلى الكندي قال سمعت رب هذه الدار حريزا أو أبا حريز قال انتهيت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يخطب بمنى فوضعت يدي على رحله فاذا ميزرته مسك ضافية أبو نعيم

الله عليه وسلم يومئذ حجر ما والله أعلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا مالك عن محمد بن أبي بكر قال سألت أنس بن مالك كيف كنتم تصنعون في هذا اليوم يعني يوم عرفة قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يهل المهل منا فلا ينكر عليه ويكبر المكبر منا فلا ينكر عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سليم بن حيان عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان في الجنة شجرة يسير الراكب في ظلها مائة عام لا يقطعها قال فحدثت به أبي قال سمعت أبا هريرة يحدث به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الدباء والمزفت وأن ينبذ فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن أنس قال آخر نظرة نظرتها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاثنين كشف الستارة والناس خلف أبي بكر فنظرت الى وجهه كأنه ورقة مصحف فأراد الناس أن يتحركوا فأشار اليهم أن اثبتوا وألقى الستر فتوفي في آخر ذلك اليوم صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري سمعه من أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تقاطعوا ولا تباغضوا ولا تدابروا ولا تحاسدوا كونوا عباد الله اخوانا ولا يحل لمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري سمعه من أنس قال سقط النبي صلى الله عليه وسلم من فرس فجحش شقه الايمن فدخلنا عليه نعوده فحضرت الصلاة فصلى قاعدا وصلينا قعودا فلما قضى الصلاة قال انما الامام ليؤتم به فاذا كبر فكبروا واذا ركع فاركعوا وقال سفيان مرة فاذا سجد فاسجدوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا ربنا ولك الحمد وان صلى قاعدا فصلوا قعودا أجمعون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن أنس ان رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن الساعة فقال ما أعددت لها قال ما أعددت لها من كثير شئ وقال سفيان مرة ما أعددت لها كثير شئ ولكني أحب الله ورسوله قال المرء مع من أحب وقال سفيان مرة أخرى أنت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان عن الزهري عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا حضر العشاء وأقيمت الصلاة فابدؤا بالعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري سمعه من أنس قال قدم النبي صلى الله عليه وسلم وأنا ابن عشر وماتت وأنا ابن عشرين وكن أمهاتي تحثني على خدمته فدخل علينا فجاءه من شاة داجن وشيب له من بئر في الدار واعرابي عن يمينه وأبو بكر عن يساره وعمر ناحية فشرب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر اعط أبا بكر فناول الاعرابي وقال الايمن فالايمن وقال سفيان مرة الزهري أنا أنس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عمرو أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم أولم على صفية بتمر وسويق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمعت ابراهيم بن ميسرة وثنا محمد ابن المنكدر سمعتهما يقولان سمعنا أنسا يقول صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم بالمدينة أربعا وبذي الحليفة ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان حدثني عبد الله بن أبي بكر سمع أنسا يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال يتبع الميت ثلاث أهله وماله وعمله فيرجع اثنان ويبقى واحد أهله وماله ويبقى عمله **حدثنا** عبد الله قال وجدت في أبي ثنا سفيان بن عيينة حدثني اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن عمه أنس قال صليت أنا ويتيم كان عندنا في البيت وقال سفيان مرة في بيتنا خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وأمنا هم رسول الله صلى الله عليه وسلم في دارهم وصلت أم سليم خلفنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن يحيى عن أنس قال جاء اعرابي فبال في المسجد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اهريقوا عليه

*عن عائشة قالت ما ضرب رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده خادما قط ولا امرأة ولا شيأ الا أن يجاهد في سبيل الله ولا انتقم لنفسه من شئ يؤتى اليه حتى تنتهك محارم الله فيكون هو ينتقم لله عز وجل ولا خير بين أمرين الا اختار أيسرهما حتى يكون اثما فاذا كان اثما كان أبعد الناس من الاثم (عب حم) وعبد بن حميد (كر) *وعنها قالت ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم منتصرا من ظلامة ظلمها قط الا أن ينتهك من محارم الله شئ فاذا انتهك من محارم الله شئ كان أشدهم في ذلك وما خير بين أمرين قط الا اختار أيسرهما (ع كر)

*(عمره وابتداء بعثته وتوليه صلى الله عليه وسلم)* عن أنس قال بعث النبي صلى الله عليه وسلم على رأس أربعين فأقام بمكة عشرا وبالمدينة عشرا وتوفي على رأس ستين سنة (ش) *عن عكرمة عن ابن عباس قال أنزل على النبي صلى الله عليه وسلم وهو ابن أربعين سنة ثم مكث بمكة ثلاث عشرة سنة وكان بالمدينة عشر سنين فقبض وهو ابن ثلاث وستين سنة (ش) *عن عمار مولى بني هاشم عن ابن عباس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث وهو ابن أربعين وأقام بمكة خمس عشرة وبالمدينة عشر سنين فقبض وهو ابن خمس وستين (ش) *عن قباث بن أشيم أنه سئل أنت أكبر أو رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أكبر مني وأنا أقدم منه بعشر سنين سنة ولد رسول الله صلى الله عليه وسلم عام الفيل ووقفت بي أمي على روث الفيل محيلا أعقله ونبي رسول الله صلى الله عليه وسلم على رأس أربعين من الفيل (كر)

*(قلت وسيجيء ان شاء الله تعالى بعض أحاديث تولده صلى الله عليه وسلم في مناقب الفضائل فليعلم* اعلام موته صلى الله عليه وسلم)* عن القاسم بن عبد الرحمن قال قالت عائشة رأيت في حجرتي ثلاثة أقمار فأتيت أبا بكر فقال ما أولتها قلت ولدا من رسول الله صلى الله عليه وسلم فسكت أبو بكر حتى قبض النبي صلى الله عليه وسلم فأتاها فقال لها هذا خيرا قمارك ذهب به ثم كان أبو بكر وعمر دفنوا جميعا في بيتها ابن سعد

* عن أبي سعيد قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما ونحن في المسجد وهو عاصب رأسه بخرقة في المرض الذي مات فيه فقعد على المنبر حتى استوى عليه فأتبعناه بأبصارنا فقال والذي نفسي بيده اني لقائم على الحوض الساعة وقال ان عبدا خير عليه الدنيا وزينتها فاختار الآخرة فلم يفطن أحد الا أبو بكر فذرفت عيناه فبكى قال بأبي وأمي نفديك بأنفسنا وأموالنا ثم هبط فما قام عليه حتى الساعة (ش) *(مرضه الذي مات فيه صلى الله عليه وسلم)* عن عروة قال لما فتح الله خيبر على رسول الله صلى الله عليه وسلم وقتل من قتل منهم أهدت زينب بنت الحرث اليهودية وهي بنت أخي مرحب شاة مصلية وسمته فيها وأكثرت في الكتف والذراع حين أخبرت

---

ذنوبا أو سحلا من ماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر بالمدينة أربعا والعصر بذي الحليفة ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن أبي أيوب عن قتادة عن أنس قال صليت خلف النبي صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر فكانوا يفتتحون بالحمد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن يحيى وقيل لسفيان يعني سمع من أنس يقول دعا النبي صلى الله عليه وسلم الأنصار ليقطع لهم البحرين فقالوا لا الا أن تقطع لاخواننا من المهاجرين مثلها فقال انكم ستلقون بعدي أثرة فاصبروا حتى تلقوني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن أيوب عن محمد عن أنس قال صبح النبي صلى الله عليه وسلم خيبر بكرة وقد خرجوا بالمساحي فلما نظروا اليه قالوا محمد والخميس محمد والخميس ثم أحالوا يسعون الى الحصن ورفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه ثم كبر ثلاثا ثم قال خربت خيبر أنا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين فاصبنا حمرا خارجة من القرية فأطبخناها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل ورسوله ينهيانكم عن الحمر الاهلية فانها رجس من عمل الشيطان قال سفيان محمد والخميس يقول والجيش **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عاصم عن أنس قال ما وجد رسول الله صلى الله عليه وسلم على سرية ما وجد عليهم كانوا يسمون القراء قال سفيان نزل فيهم بلغوا قومنا عنا أنا قد رضينا ورضي عنا فقيل لسفيان فيمن نزلت قال في أهل بئر معونة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرئ على سفيان سمعت عاصما قال سمعت أنسا يقول ما وجد رسول الله صلى الله عليه وسلم مثل ما وجد على السبعين الذين أصيبوا ببئر معونة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرئ على سفيان سمعت عاصما عن أنس قال حالف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين المهاجرين والانصار في دارنا قال سفيان كأنه يقول في آخي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن التيمي عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان في سفر وكان له حاد يقال له أنجشة وكانت أم أنس معهم فقال يا أنجشة ويحك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن حميد عن أنس سمع النبي صلى الله عليه وسلم يأتي بالبراء لبيك بعمرة وحجة معا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ثنا هشام بن حسان عن أنس وابن سيرين قال لما رمى النبي صلى الله عليه وسلم جمرة العقبة ونحر هديه حجم وأعطى الحجام وقال سفيان مرة وأعطى الحالق شقه الايمن فحلقه فأعطاه أبا طلحة ثم حلق الايسر فأعطاه الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن ابن جدعان عن أنس قال أهدي أكيدر دومة للنبي عليه الصلاة والسلام يعني حلة فأعجب الناس حسنها فقال لمناديل سعد في الجنة خير أو أحسن منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن ابن جدعان قال قال نابت لانس يا أنس مسست يد رسول الله صلى الله عليه وسلم بيدك قال نعم قال أرنيها فأقبلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرئ على سفيان سمعت من ابن جدعان عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لصوت ابن طلحة في الجيش خير من فئة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمع قاسم الرحال أنسا يقول دخل النبي عليه الصلاة والسلام خربا لبني النجار وكان يقضي فيها حاجة فخر في البئر فمات عوراء أو فزعاء قال لولا أن لا تدافنوا لسألت الله تبارك وتعالى أن يسمعكم من عذاب أهل القبور مما أسمعني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان حدثني معمر عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يطيف بنسائه في ليلة بغسل واحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا سفيان قال سمعت ابراهيم بن ميسرة

انهما أحب أعضاء الشاة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم ومعه بشر بن البراء بن معرور أخو بني سلمة قدمت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فتناول الكتف والذراع فانتهش منها وتناول بشر عظما آخر فانتهش منه فلما أدغم رسول الله صلى الله عليه وسلم ما في فيه أدغم بشر ما في فيه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ارفعوا أيديكم فان كتف الشاة تخبرني أني قد بغيت فيها فقال بشر بن البراء والذي أكرمك لقد وجدت ذلك  في أكلتي التي أكلت وان منعني أن ألفظها الا أني كرهت أن أنغص طعامك فلما أكلت

وبمحمد بن المكندر يقولان سمعنا أنسا يقول صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم بالمدينة أربعا وبذي الحليفة ركعتين **حدثنا** محمد عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن ادريس قال سمعت المختار بن فلفل قال سألت أنس بن مالك عن الشرب في الاوعية فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المزفتة وقال كل مسكر حرام قال قلت وما المزفتة قال قلت القيرة قال قلت فالرصاص والقارورة قال ما باس بهما قال قلت فان ناسا يكرهونهما قال دع ما يريبك الى ما لا يريبك فان كل مسكر حرام قال قلت له صدقت السكر حرام فالشربة والشربتان على طعامنا قال ما أسكر كثيره فقليله حرام وقال الخمر من العنب والتمر والعسل والحنطة والشعير والذرة فما خمرت من ذلك فهي الخمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا روح بن القاسم عن عطاء بن أبي ميمونة عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا تبرز لحاجته أتيته بماء فيغتسل به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرئ على سفيان سمعت ابن جدعان عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لصوت أبي طلحة في الجيش خير من فئة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ثنا اسمعيل أنا أبو حيان عن عمرو بن سعيد عن أنس بن مالك قال ما رأيت أحدا كان أرحم بالعيال من رسول الله صلى الله عليه وسلم كان ابراهيم مسترضعا في عوالي المدينة وكان ينطلق ونحن معه فيدخل البيت وانه ليدخن وكان ظئره قينا فيأخذه فيقبله ثم يرجع قال عمرو فلما توفي ابراهيم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ابراهيم ابني وانه مات في الثدي وان له ظئرين يكملان رضاعه في الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا ابن عون أنا أنس بن سيرين عن عبد الحميد بن المنذر بن الجارود عن أنس ابن مالك قال صنع بعض عمومتي للنبي صلى الله عليه وسلم طعاما فقال يا رسول الله ائتني أحببك فاكل في بيتي وتصلي فيه قال فاتاه وفي البيت قمل من تلك الفحول فامر بجانب منه فكنس ورش فصلى وصليت معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن سعيد من قتادة أن أنسا حدثهم ان النبي صلى الله عليه وسلم قال مابال أقوام يرفعون أبصارهم في صلاتهم فاشتد قوله في ذلك حتى قال لينتهن عن ذلك أو لتخطفن أبصارهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة وابن جعفر ثنا شعبة عن عبد الله بن عبد الله ابن جبر قال سمعت أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم والمرأة من نسائه يغتسلان من اناء واحد وكان يغتسل بخمس مكاكي ويتوضأ بمكوك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال حدثنا شعبة حدثنا قتادة ان أنس بن مالك حدثهم ان النبي صلى الله عليه وسلم صعد أحدا فتبعه أبو بكر وعمر وعثمان فرجف بهم الجبل فقال اسكن عليك نبي وصديق وشهيدان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يكثر ان يقول يا مقلب القلوب ثبت قلبي على دينك قال فقلنا يا رسول الله آمنا بك وبما جئت به فهل تخاف علينا قال فقال نعم ان القلوب بين أصبعين من أصابع الله عز وجل يقلبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اسامة عن سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس قال جاء أبو طلحة يوم حنين يضحك رسول الله صلى الله عليه وسلم من أم سليم قال يا رسول الله ألم تر الى أم سليم معها خنجر فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم ما تصنعين به يا أم سليم قالت أردت ان دنا مني أحد منهم طعنته به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا عقبة بن عبيد عن بشير بن يسار قال قلنا لانس بن مالك ما أنكرت من حالنا في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم

مافي فيك لم أرغب بنفسي عن نفسك ورجوت أن لا تكون أدخلتها وفيها بني فلم يقم بشر من مكانه حتى عادلونه كالطيلسان وما حاله وجعه حتى مات وكان يتحول الاما حول ربق رسول الله صلى الله عليه وسلم بعده ثلاث سنين حتى كان وجعه الذي مات فيه (طب) * عن أبي هريرة ان يهودية أهدت للنبي صلى الله عليه وسلم شاة مصلية فاكل منها ثم قال أخبرتني انها مسمومة فقالت بشر بن البراء منها فارسلي اليها فقال ما حملك على ما صنعت قالت أردت أن أعلم ان كنت نبيا لم يضرك وان كنت ملكا أرحت الناس منك فامر بها فقتلت (طب) * عن علي قال استشنى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاربعاء لليلة بقيت من شهر صفر سنة احدى عشرة وتوفي يوم الاثنين لاثنتي عشرة مضت من ربيع الاول ودفن يوم الثلاثاء ابن سعد * عن جعفر عن أبيه قال لما ثقل النبي صلى الله عليه وسلم قال أين أكون غدا قالوا عند فلانة قال أين أكون بعد غد قالوا عند فلانة فعرف أزواجه انما يريد عائشة فقلن يا رسول الله قد وهبنا أيامنا لاختنا

عائشة (ش) * عن أسماء بنت عميس قالت أول ما اشتكى رسول الله صلى الله عليه وسلم في بيت ميمونة فاشتد مرضه حتى أغمي عليه فتشاور نساؤه في لده فلدوه فلما أفاق قال ما هذا فعل نساء يجئن من ههنا وأشار الى أرض الحبشة وكانت فيهن أسماء بنت عميس فقالوا كنا نتهم بذات الجنب يا رسول الله قال ان ذلك لداء ما كان الله ليعذبني به لا يبقين في البيت أحد الا لد الا عمي رسول الله صلى الله عليه وسلم يعني عباسا

قال

فلقد ألدت ميمونة بنت الحارث أصابعها لعزيمة رسول الله صلى الله عليه وسلم (كر) * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعوذ بهذه الكلمات اذهب الباس رب الناس واشف وأنت الشافي لا شفاء الا شفاؤك شفاء لا يغادر سقما فلما ثقل رسول الله صلى الله عليه وسلم في مرضه الذي مات فيه أخذت بيده فجعلت أمسحها وأقولها فنزع يده من يدي وقال اللهم الحقني بالرفيق الاعلى فكان هذا آخر ما سمعت من كلامه (ش) وابن جرير * عن عائشة قالت قالوا لرسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يموت وعنده قدح (١١٠٩) فيه ماء فيدخل يده في القدح ويمسح وجهه بالماء ثم يقول اللهم أعني على سكرات الموت (ش) * عن أنس قال لما وجد النبي صلى الله عليه وسلم من كرب الموت ما وجد قالت فاطمة واكرب أبتاه فقال لا كرب على أبيك بعد اليوم قد حضر من أبيك ما الله بتارك منه أحدا وفي لفظ ما ليس بناجع منه أحد الموافاة يوم القيامة (ع) وابن خزيمة (كر) * عن أنس لما ثقل رسول الله صلى الله عليه وسلم جعل يتسلط رجلاه ويقبض أخرى قالت فاطمة يا أبتاه أجاب رباً دعاه يا أبتاه الى جبريل أنعاه يا أبتاه من ربه ما أدناه يا أبتاه جنة الفردوس مأواه فلما دفناه قالت لي فاطمة يا أنس كيف طابت أنفسكم أن تحثوا على رسول الله صلى الله عليه وسلم التراب (ع كر) * عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة قال أتيت عائشة فقلت حدثيني عن مرض رسول الله صلى الله عليه وسلم قالت نعم مرض رسول الله صلى الله عليه وسلم فثقل فاغمي عليه فأفاق فقال ضعوا لي ماء في المخضب ففعلنا فاغتسل ثم

---

قال أنكرت انكم لا تقيمون الصفوف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا عاصم الاحول عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا منهال الضبي قال سمعت أنس بن مالك يقول قال كنا اذا كلمنا النبي عليه الصلاة والسلام في سفر فقلنا ازالت الشمس أو لم تزل صلى الظهر ثم ارتحل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن أنس بن مالك قال جاء جبريل الى النبي صلى الله عليه وسلم ذات يوم وهو جالس حزينا قد خضب بالدماء ضربه بعض أهل مكة قال فقال له مالك قال فقال له فعل بي هؤلاء وفعلوا قال فقال له جبريل عليه السلام أتحب ان أريك آية قال نعم قال فنظر الى شجرة من وراء الوادي فقال ادع تلك الشجرة فدعاها فجاءت تمشي حتى قامت بين يديه فقال مرها فلترجع فامرها فرجعت الى مكانها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حسبي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا سليمان التيمي ثنا أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من العجز والكسل والجبن والهرم والبخل وعذاب القبر وأعوذ بك من فتنة المحيا والممات حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن حميد بن هلال عن أنس بن مالك قال خطب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أخذ الراية زيد فاصيب ثم أخذها جعفر فاصيب ثم أخذها عبد الله بن رواحة فاصيب وان عينيه لتذرفان ثم أخذها خالد من غير امرة ففتح الله عليه وما يسرني انهم عندنا أو قال ما يسرهم انهم عندنا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن علية أنا ابن عون عن حميد بن زاذويه قال قال أنس بن مالك انه حان حينا أو قال أمرنا أن لا نزيد أهل الكتاب على وعليكم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن علية عن حميد عن أنس قال كانت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم متقاربة وصلاة أبي بكر حتى مد عمر في صلاة الفجر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا أيوب عن ابن سيرين قال سئل أنس بن مالك هل قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم بعد الركوع ثم سئل بعد ذلك مرة أخرى هل قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم في صلاة الصبح قال نعم بعد الركوع يسيرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل انا حميد الطويل عن أنس قال كان شعر النبي صلى الله عليه وسلم الى انصاف أذنيه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل انا حميد الطويل عن أنس قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن وقت صلاة الصبح قال فامر بلالا حين طلع الفجر فأقام الصلاة ثم اسفر من الغد حتى أسفر ثم قال أين السائل عن وقت صلاة الغداة ما بين هاتين أو قال هذين وقت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا أيوب عن محمد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر من كان ذبح قبل الصلاة فليعد فقام رجل فقال يا رسول الله هذا يوم يشتهى فيه اللحم وذكر هنة من جيرانه فكأن رسول الله صلى الله عليه وسلم صدقه قال وعندي جذعة هي أحب الي من شاتي لحم قال فرخص له فلا أدري بلغت رخصته من سواه أم لا قال ثم انكفأ رسول الله عليه الصلاة والسلام الى كبشين ذبحهما وقام الناس الى غنيمة فتوزعوها أو قال فتجزعوها هكذا قال أيوب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا مالك حدثني ابن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي عليه الصلاة والسلام شرب وعن يمينه اعرابي وعن يساره أبو بكر فناوله وقال الايمن فالايمن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن توفل بن مسعود قال دخلنا على أنس بن مالك فقلنا حدثنا بما سمعت من



ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال ضعوا لي ماء في المخضب ففعلنا فاغتسل ثم ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال ضعوا لي ماء في المخضب ففعلنا فاغتسل ثم ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال أصلى الناس بعد فقلنا لا يا رسول الله هم ينتظرونك قالت والناس عكوف ينتظرون رسول الله صلى الله عليه وسلم ليصلي بهم عشاء الآخرة فاغتسل ثم ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال أصلى الناس بعد قلت لا هم ينتظرونك يا رسول الله قالت فقال ضعوا لي ماء في المخضب ففعلنا فاغتسل ثم ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال أصلى الناس بعد قلت لا هم ينتظرونك يا رسول الله قالت والناس عكوف ينتظرون رسول الله صلى الله عليه وسلم ليصلي بهم عشاء الآخرة فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بمركن فاغتسل ثم ذهب لينوء فاغمي عليه ثم أفاق فقال أصلى الناس بعد قلت لا هم ينتظرونك يا رسول الله قالت فقال ضعوا لي ماء في المخضب ففعلنا

فقال يا عمر صل بالناس فقال أنت أحق بها أرسل اليك رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بهم أبو بكر تلك الصلاة ثم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وجد في نفسه خفة فخرج لصلاة الظهر بين العباس ورجل آخر فقال لهما أجلساني عن يمينه فلما سمع أبو بكر ذهب يتأخر فأومأ له أن يثبت مكانه فجلساه عن يمينه فكان أبو بكر يصلي بصلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو جالس والناس يصلون بصلاة أبي بكر قال فأتيت ابن عباس فقلت ألا أعرض عليك (١٤/١) ما حدثتني عائشة قال هات فعرضت عليه هذا فلم ينكر منه شيأ الا أنه قال أخبرتك من الرجل الآخر قلت لا قال هو علي

(ش) * عن أنس قال لما مرض رسول الله صلى الله عليه وسلم مرضه الذي مات فيه أتاه بلال فآذنه بالصلاة فقال يا بلال قد بلغت فمن شاء فليصل ومن شاء فليدع قال يا رسول الله فمن يصلي بالناس فقال مروا أبا بكر فليصل بالناس فلما تقدم أبو بكر رفعت الستور عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فنظرنا اليه كأنه ورقة بيضاء عليه خميصة سوداء فظن أبو بكر انه يريد الخروج فتأخر فأشار اليه رسول الله صلى الله عليه وسلم أن صل مكانك فصلى أبو بكر ومار أينا رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى مات من يومه (ع كر) * عن علي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لما ثقل قال يا علي ائتني بطبق أكتب فيه مالا تضل أمتي بعدي فخشيت أن تسبقني نفسه فقلت اني أحفظ فذراعا من الصحيفة فكان رأسه بين ذراعي وعضدي فجعل يوصي بالصلاة والزكاة وما ملكت أيمانكم قال كذلك حتى فاضت نفسه وأمر شهادة أن لا اله الا الله وأن محمدا عبده ورسوله حتى فاضت نفسه من شهد بها حرم على النار ابن سعد * عن عمر بن انس

رسول الله صلى الله عليه وسلم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ثلاث من كن فيه حرم على النار وحرمت النار عليه ايمان بالله وحب الله وان يلقى في النار فيحترق أحب اليه من ان يرجع في الكفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد انا أنس بن مالك قال مر النبي صلى الله عليه وسلم بحائط لبني النجار فسمع صوتا من قبر فقال متى مات صاحب هذا القبر فقالوا مات في الجاهلية فقال لولا أن تدافنوا لدعوت الله ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن عتبة بن عبد العطائي حدثني بشير بن يسار قال جاء أنس الى المدينة فقلت له ما أنكرت منا من عهد نبي الله صلى الله عليه وسلم فقال ما أنكرت منكم شيأ غير أنكم لا تقيمون صفوفكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا شعبة حدثني أبو التياح عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم البركة في نواصي الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا شعبة حدثنا أبو التياح عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اسمعوا وأطيعوا وان استعمل عليكم حبشي كان رأسه زبيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر برجل وهو يهادي بين ابنيه فقالوا نذر أن يمشي قال ان الله لغني عن تعذيب هذا لنفسه فأمره ان يركب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة ورسول الله صلى الله عليه وسلم نجي لرجل حتى نعس أو كاد ينعس بعض القوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد قال سئل أنس عن صلاة النبي صلى الله عليه وسلم بالليل فقال ما كنا شاء ان نراه مصليا الا رأيناه ولا نائما الا رأيناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان بالبقيع فنادى رجل يا أبا القاسم فالتفت اليه فقال لم أعنك قال تسموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حماد يعني ابن سلمة ثنا اسحق بن عبد الله عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوم حنين من قتل كافرا فله سلبه قال فقتل أبو طلحة عشرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد يعني الانصاري قال سمعت أنس بن مالك يقول دخل اعرابي المسجد على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فبال فنهوه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم دعوه وأمر أن يصب عليه أو اهريق عليه الماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا عزرة بن ثابت عن ثمامة بن عبد الله عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يتنفس في اناءه ثلاثا وكان أنس يتنفس ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ابن سعيد عن الأخضر بن عجلان حدثني أبو بكر الحنفي عن أنس بن مالك ان رجلا من الأنصار أتى النبي صلى الله عليه وسلم فشكا اليه الحاجة فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ما عندك شيء فأتاه بحلس وقدح وقال النبي صلى الله عليه وسلم من يشتري هذا فقال رجل انا آخذهما بدرهم فقال من يزيد على درهم فسكت القوم فقال من يزيد على درهم فقال رجل أنا أخذهما بدرهمين قال هما لك ثم قال ان المسئلة لا تحل الا لاحد ثلاث ذي دم موجع أو غرم مفظع أو فقر مدقع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام ثنا قتادة عن أنس ابن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يفتتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب ثم يجيء أحدنا الى بني سلمة وهو يرى مواقع نبله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن

الخطاب قال كنا عند النبي صلى الله عليه وسلم بيننا وبين النساء حجاب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اغسلوني بسبع قرب وأتوني بصحيفة ودواة أكتب لكم كتابا لن تضلوا بعده أبدا فقال النسوة ألا تناولون رسول الله صلى الله عليه وسلم بحاجته فقلت اسكتن فأنكن صواحبه اذا مرض عصرتن أعينكن فاذا صح أخذتن بعنقه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هن خير منكم ابن سعد * عن العباس بن عبد المطلب

قال كنت عند النبي صلى الله عليه وسلم عند أفاقه فغفل سكرة الموت يذهب به طويلا ثم سمعته يمسح الذين أنعم الله عليهم من النبيين والصديقين والشهداء والصالحين وحسن أولئك رفيقا ثم يغلب عليه ثم يعود فيقول مثلهم قال أوصيكم بالصلاة وأوصيكم بما ملكت أيمانكم ثم قضى عنده (كر) * عن أنس قال آخر نظرة نظرها إلى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاثنين كشف الستارة والناس خلف أبي بكر فنظرت إلى وجهه كأنه ورق مصحف فأراد الناس أن يتحركوا فأشار إليهم أن اثبتوا وألقى الستر (١١٥) وتوفي آخر ذلك اليوم (حم م) * عن علي قال دخلت على نبي الله صلى الله عليه وسلم وهو مريض فإذا رأسه في حجر رجل أحسن ما رأيت من الخلق والنبي صلى الله عليه وسلم نائم فلما دخلت عليه قلت ادنو قال الرجل ادن الى ابن عمك فانت أحق مني فدنوت منهما فقام الرجل وجلست مكانه ووضعت رأس النبي صلى الله عليه وسلم في حجري كما كان في حجر الرجل فمكثت ساعة ثم ان النبي صلى الله عليه وسلم استيقظ فقال أين الرجل الذي كان رأسي في حجره فقلت لما دخلت عليك دعاني ثم قال ادن الى ابن عمك فانت أحق به مني ثم قام فجلست مكانه قال فهل تدري من الرجل قلت لا بابي وأمي قال ذاك جبريل كان يحدثني حتى خف عني وجعي ونمت ورأسي في حجره أبو عمر الزاهد في فوائده وفيه محمد بن عبيد الله بن أبي رافع ضعيف * عن علي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم في مرضه ادعوا لي أخي فدعي له فقال ادن مني فدنوت منه فاستند الي فلم يزل مستندا الي وانه يكلمني حتى ان بعض ريق النبي صلى الله عليه وسلم ليصيبني ثم نزل برسول الله صلى الله عليه وسلم الثقل في حجري فمحت يا عباس أدركني فاني هالك فجاء العباس فكان جهدهما جميعا ان أضجعناه ابن سعد وسنده ضعيف * عن أبي غطفان قال سألت ابن عباس أرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توفي ورأسه في حجر أحد قال توفي وهو الى صدر علي قلت فان عروة حدثني عن عائشة انها قالت توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم بين سحري ونحري فقال ابن عباس أتعقل والله لتوفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وانه لمستند الى صدر علي وهو الذي غسله وأخي الفضل بن عباس وأبي

أنس قال كان لابي طلحة ابن يقال له أبو عمير وكان النبي صلى الله عليه وسلم إذا رآه حزينا قال مالي أراك حزينا فقال يا أبا عمير ما فعل النغير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد قال سئل أنس عن بيع الثمر فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع ثمرة النخل حتى تزهو قيل لانس ما تزهو قال تحمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى وأبو نعيم قالا ثنا هشام ثنا قتادة نحوه قال أبو نعيم عن قتادة عن أنس قال جلد النبي صلى الله عليه وسلم في الخمر بالجريد والنعال وجلد أبو بكر قال يحيى في حديثه أربعين فلما كان عمر دنا الناس من الريف والقرى قال لاصحابه ما ترون قال عبد الرحمن اجعلها كأخف الحدود فجلد عمر ثمانين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام بن حسان ثنا محمد عن أنس ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم بخمير فقال أكلت الحمر مرتين قال ثم جاء فقال أفنيت الحمر قال فنادى ان الله ورسوله ينهيانكم عن لحم الحمر فانها رجس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة وابن جعفر قالا ثنا شعبة قال سمعت قتادة عن أنس قال سأل أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا ان أهل الكتاب يسألوننا عليتنا فكيف نرد عليهم قال فقولوا وعليكم وعجاج منه قال شعبة ثم أسأل قتادة عن هذا الحديث هل سمعه من أنس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال يهرم ابن آدم وتبقى منه اثنتين الحرص والامل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا التيمي عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم بدر من ينظر ما فعل أبو جهل فانطلق ابن مسعود فوجده ابني عفراء قد ضربا به حتى برد فأخذ بلحيته فقال أنت أبو جهل فقال وهل فوق رجل قتلتموه أو قتله قومه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد عن أنس قال لما نزلت لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون ومن ذا الذي يقرض الله قرضا حسنا قال أبو طلحة يا رسول الله وحائطي الذي كان بمكان كذا وكذا والله لو استطعت ان أسرها لم أعلنها قال اجعله في فقراء أهلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الدجال أعور العين الشمال عليها ظفرة غليظة مكتوب بين عينيه كافر قال وكفر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن سعيد بن أبي عروبة عن قتادة ان أنس بن مالك حدثهم ان النبي صلى الله عليه وسلم قال مابال أقوام يرفعون أبصارهم الى السماء في صلاتهم فاشتد قوله في ذلك حتى قال لينتهن عن ذلك أو لتخطفن أبصارهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم ضحى بكبشين أقرنين أملحين لقد رأيته يذبحهما بيده واضعا على صفاحهما قدميه يسمي ويكبر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتموا الركوع والسجود فوالله اني لأراكم من بعدي وربما قال من وراء ظهري اذا ركعتم واذا سجدتم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أنس عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه انبساط الكلب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام عن قتادة عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو على حي من أحياء العرب ثم تركه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال دخلت الجنة فاذا أنا بنهر حافاته خيام اللؤلؤ فضربت بيدي في مجرى الماء فاذا مسك اذفر قلت يا جبريل ما هذا قال هذا الكوثر الذي أعطاك الله

أبي أن يحضر وقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يامرنا أن نستتر فكان عند السترة لابن سعد وسنده ضعيف * عن علي قال لما كان قبل وفاة رسول الله صلى الله عليه وسلم بثلاث أهبط الله جبريل اليه فقال يا أحمد ان الله عز وجل أرسلني اليك اكراما لك وتفضيلا لك وخاصة لك أسألك عما هو أعلم به منك يقول كيف تجدك قال أجدني ياجبريل مكروبا ثم جاءه اليوم الثاني فقال يا أحمد ان الله أرسلني اليك اكراما لك وتفضيلا لك وخاصة لك أسألك عما هو



أعلم به منك يقول كيف تجدك قال أجدني ياجبريل مكروبا ثم جاءه اليوم الثالث فقال يا أحمد ان الله أرسلني اليك اكراما لك وتفضيلا لك وخاصة لك أسألك عما هو أعلم به منك يقول كيف تجدك قال أجدني ياجبريل مغموما وهبط مع جبريل ملك في الهوى يقال له اسمعيل على سبعين ألفا فقال له جبريل يا أحمد هذا ملك الموت يستأذن عليك ولم يستأذن على آدمي قبلك ولا يستأذن على آدمي بعدك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ائذن له فاذن له جبريل فدخل فقال له ملك الموت يا أحمد ان الله أرسلني اليك وأمرني أن أطيعك ان أمرتني بقبض نفسك قبضتها وان كرهت تركتها فقال جبريل يا أحمد ان الله قد اشتاق الى لقائك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا ملك الموت امض لما أمرت به فقال جبريل يا أحمد عليك السلام هذا آخر وطئي الارض انما كنت أنت حاجتي من الدنيا فلما قبض رسول الله صلى الله عليه وسلم وجاءت التعزية جاء آت يسمعون حسه ولا يرون شخصه فقال السلام عليكم أهل البيت ورحمة الله وبركاته ان في الله عزاء من كل مصيبة وخلف من كل هالك ودرك من كل ما فات فبالله فثقوا واياه فارجوا فان المحروم محروم الثواب وان المصاب من حرم الثواب والسلام عليكم قال علي هل تدرون من هذا قالوا الا قال هذا الخضر العدني وابن سعد (هق) في الدلائل * قلت وسيجيء الاحاديث الاقوالية من هذه الترجمة في ترجمة مرض موته صلى الله عليه وسلم من كتاب الفضائل ان شاء الله تعالى * (ما يتعلق بما بعد موته صلى الله عليه وسلم) * عن علي ان فاطمة لما توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم كانت تقول واأبتاه من ربه

أواعطاك ربك عز وجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد حدثنا التيمي عن أبي مجلز عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو على رعل وذكوان وقال عصية عصت الله ورسوله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا ابن أبي عروبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يجتمع المؤمنون يوم القيامة فيلهمون ذلك فيقولون لو استشفعنا على ربنا عز وجل فاراحنا من مكاننا هذا فيأتون آدم عليه السلام فيقولون يا آدم أنت أبو البشر خلقك الله عز وجل بيده وأسجد لك ملائكته وعلمك أسماء كل شئ فاشفع لنا الى ربنا عز وجل يريحنا من مكاننا هذا فيقول لهم آدم لست هناكم ويذكر ذنبه الذي أصاب فيستحي ربه عز وجل ويقول ولكن ائتوا نوحا فانه أول رسول بعثه الله الى أهل الارض فيأتون نوحا فيقول لست هناكم ويذكر لهم خطيئته وسؤاله ربه عز وجل ما ليس له به علم فيستحي ربه من ذلك ولكن ائتوا ابراهيم خليل الرحمن عز وجل فيأتون فيقول لست هناكم ولكن ائتوا موسى عليه السلام عبدا كلمه الله وأعطاه التوراة فيأتون موسى فيقول لست هناكم ويذكر لهم النفس التي قتل بغير نفس فيستحي ربه من ذلك ولكن ائتوا عيسى عبد الله ورسوله وكلمته وروحه فيأتون عيسى فيقول لست هناكم ولكن ائتوا محمدا صلى الله عليه وسلم عبدا غفر الله له ما تقدم من ذنبه وما تاخر فيأتوني قال الحسن هذا الحرف فاقوم فامشي بين سماطين من المؤمنين قال أنس حتى استاذن على ربي عز وجل فيؤذن لي فاذا رأيت ربي وقعت أو خررت ساجدا الى ربي عز وجل فيدعني ماشاء الله ان يدعني قال ثم يقال ارفع محمد قل تسمع وسل تعطه واشفع تشفع فارفع رأسي فاحمد بتحميد يعلمنيه ثم اشفع فيحد لي حدا فاد خلهم الجنة ثم أعود اليه الثانية فاذا رأيت ربي عز وجل وقعت أو خررت ساجدا لربي فيدعني ماشاء الله ان يدعني ثم يقال ارفع محمد قل تسمع وسل تعطه واشفع تشفع فارفع رأسي فاحمده بتحميد يعلمنيه ثم اشفع فيحد لي حدا فاد خلهم الجنة ثم أعود اليه الثالثة فاذا رأيت ربي وقعت أو خررت ساجدا لربي عز وجل فيدعني ماشاء الله ان يدعني ثم يقال ارفع محمد قل تسمع وسل تعطه واشفع تشفع فارفع رأسي فاحمده بتحميد يعلمنيه ثم اشفع فيحد لي حدا فاد خلهم الجنة ثم أعود الرابعة فاقول يارب ما بقي الا من حبسه القرآن فحدثنا أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال فيخرج من النار من قال لا اله الا الله وكان في قلبه من الخير ما يزن شعيرة ثم يخرج من النار من قال لا اله الا الله وكان في قلبه من الخير ما يزن برة ثم يخرج من النار من قال لا اله الا الله وكان في قلبه من الخير ما يزن ذرة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن التيمي قال سمعت أنسا قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار قاله مرتين وقال مرة من كذب علي متعمدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا سعيد عن قتادة ان أنسا حدثهم ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ما بال أقوام يرفعون أبصارهم في صلاتهم قال فاشتد في ذلك حتى قال لينتهن عن ذلك أو لتخطفن أبصارهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة قال حدثني عبد الله بن عبد الله بن جبر قال سمعت أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم والمرأة من نسائه يغتسلان من اناء واحد وكان يغتسل بخمس مكاكي ويتوضأ بمكوك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا حماد بن زيد ثنا عبيد الله بن أبي بكر عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الله عز وجل وكل بالرحم ملكا فاذا قال أي رب نطفة أي رب علقة أي رب مضغة فاذا قضى الرب عز وجل خلقها قال

ما أدناه وأبناه جنان الخلد مأواه وأبناؤه يكرهون اذا أدناه الرب والرسل تسلم عليه حين تلاه (ك) * عن أنس قال توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم فاصبح أبو بكر يرى الناس يترامسون فامر غلامه يستمع ثم يخبره فقال سمعتهم يقولون مات محمد فاستند أبو بكر وهو يقول وانقطاع ظهري فما بلغ المسجد حتى ظنوا انه لم يبلغ ابن خسرو * عن أنس لما قبض رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أبو بكر لعمر انطلق بنا نزور أم أيمن كما كان النبي صلى الله عليه وسلم يزورها فانطلقنا فجعلت تبكي فقالا لها يا أم أيمن ان (١١٧) ما عند الله خير لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت قد علمت ان ما عند الله خير لرسول الله صلى الله عليه وسلم ولكن ابكي على خبر السماء انقطع عنا فهيجتهما على البكاء فجعلا يبكيان معها (ش م ع) وأبو عوانة * عن عائشة ان أبا بكر أقبل على فرس من مسكنه بالسنح حتى نزل فدخل المسجد فلم يكلم الناس حتى دخل على عائشة فتيمم رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو مسجى ببرد حبرة فكشف عن وجهه ثم أكب عليه فقبله وبكى ثم قال بابي أنت والله لا يجمع الله عليك موتتين أبدا أما الموتة التي كتب الله عليك فقد متها (خ) وابن سعد (هق) * عن عائشة قالت لما توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم جاء أبو بكر فدخل عليه فرفع الحجاب فكشف الثوب عن وجهه فاستر جع فقال مات والله رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم تحول من قبل رأسه فقال وانبياه ثم حدر فه فقبل جبهته ثم رفع رأسه فقال واخليلاه ثم حدر فه فقبل جبهته ثم رفع رأسه فقال واصفياه ثم حدر فه فقبل جبهته ثم سجاه بالثوب ثم خرج ابن سعد * عن أنس بن مالك قال لما توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم بكى الناس فقام عمر بن الخطاب في المسجد خطيبا فقال لا أسمعن أحدا يقول ان محمدا قد مات وان محمدا لم يمت ولكنه أرسل اليه ربه كما أرسل الى موسى بن عمران لبث في قومه أربعين ليلة والله اني لارجو أن يقطع أيدي رجال وأرجلهم يزعمون أنه قد مات ابن سعد (كر) * عن ابن عباس ان أبا بكر الصديق خرج حين توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وعمر يكلم الناس فقال اجلس يا عمر فتشهد ثم قال أما بعد فمن كان منكم يعبد محمدا فان محمدا قد مات ومن كان منكم يعبد الله فان الله حي

---

أي رب أشقي أو سعيد ذكرا أو أنثى فما الرزق وما الاجل فيكتب كذلك في بطن أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن أيوب ثنا حماد بن زيد بمكة ثنا عبيد الله بن أبي بكر بن أنس أو معاذ عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة عن قتادة عن أنس أن بريرة تصدق عليها بصدقة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هو لها صدقة ولنا هدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سفيان قال حدثني القاسم بن شريح عن ثعلبة قال سمعت أنسا يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول يحبب للمؤمن ان الله لم يقض قضاء الا كان خيرا له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة حدثني هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تصبر البهائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا مالك يعني ابن مغول عن الزبير بن عدي عن أنس بن مالك قال لا يأتي عليكم زمان الا هو شر من الزمان الذي كان قبله سمعت ذلك من نبيكم صلى الله عليه وسلم مرتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير أنا اسمعيل وبعلي بن عبيد قال ثنا اسمعيل عن نفيع عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من أحد يوم القيامة غني ولا فقير الا ود انما كان أوتي من الدنيا قوتا قال بعلي في الدنيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اسامة قال أخبرني شريك عن عاصم الاحول عن أنس بن مالك قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم يا ذا الاذنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى قال ثنا سليمان التيمي عن أنس قال كانت أم سليم مع نساء النبي صلى الله عليه وسلم وهن يسوق بهن سواق فاتى عليهن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أي أو يا أنجشة سوقك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن التيمي عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من العجز والكسل والهرم والبخل والجبن وأعوذ بك من عذاب القبر وقد ذكر فيه المحيا والممات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن التيمي عن أنس قال عطس رجلان عند النبي صلى الله عليه وسلم فشمت أحدهما وسمت أحدهما فقال ان هذا حمد الله عز وجل وان ذا لم يحمد الله قال يحيى ورب ما قال هذا أو نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اسامة أنا زكريا بن أبي زائدة عن سعيد بن أبي بردة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل ليرضى عن العبد ان يأكل الاكلة أو يشرب الشربة فيحمد الله عز وجل عليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسباط بن محمد ثنا سليمان التيمي عن قتادة عن أنس قال كانت عامة وصية رسول الله صلى الله عليه وسلم حين حضره الموت الصلاة وما ملكت ايمانكم حتى جعل رسول الله صلى الله عليه وسلم يغرغر بها صدره وما يكاد يفيض بها لسانه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا فزارة بن نمام عن يونس عن أبي اسحق عن يزيد بن أبي مريم عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما استجار عبد من النار ثلاث مرار الا قالت النار اللهم أجره مني ولا يسأل الجنة الا قالت الجنة اللهم أدخله اياي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن محمد عن أنس قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر من كان ذبح قبل الصلاة فليعد فقام رجل فقال يا رسول الله هذا يوم يشتهى فيه اللحم وذكر من جيرانه كأن رسول الله صلى الله عليه وسلم صدقه قال وعندي جذعة هي أحب الي من شاتي لحم قال فرخص له قال فلا أدري أبلغت رخصته من سواه أو لا قال ثم انكفأ رسول الله صلى الله عليه وسلم الى كبشين فذبحهما فقام الناس الى غنيمة فتوزعوها أو قال فنجزعوها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا أيوب عن حميد بن هلال عن أنس بن مالك قال خطب رسول الله

لا يموت فان الله تعالى قال وما محمد الا رسول قد خلت من قبله الرسل أفائن مات أو قتل انقلبتم على أعقابكم الآية قال والله لكان الناس لم يعلموا ان الله نعم الى أنزل هذه الآية حتى تلاها أبو بكر فتلقاها منه الناس كلهم فما سمع بشرا من الناس الا يتلوها وقال عمر بن الخطاب والله ما هو الا أن سمعت أبا بكر تلاها فعقرت حتى ما تقلني رجلاى وحتى أهويت الى الارض وعرفت حين سمعته تلاها ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد مات (ع ب) وابن سعد (ش حم) والبغوى (١١٨) (غ حب حل هق) * عن عائشة قالت لما توفى رسول الله صلى الله عليه وسلم استأذن

صلى الله عليه وسلم وقال أيخذ الراية زيد فأصيب ثم أخذها جعفر فأصيب ثم أخذها عبد الله بن رواحة فأصيب ثم أخذها خالد عن غير امرة ففتح الله عليه وقال ما يسرهم أو قال ما يسرهن انهم عندنا قال وان عينيه لتذرفان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع بن الجراح الرؤاسي ثنا سفيان عن عاصم الاحول عن يوسف عن أنس قال رخص رسول الله صلى الله عليه وسلم في الرقية من العين والحمة والنملة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن عاصم عن يوسف بن عبد الله بن الحرث عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وبهز قالا حدثنا همام عن قتادة قال بهز في حديثه أنا قتادة عن أنس قال كان لرسول الله صلى الله عليه وسلم شعر يصيب منكبيه وقال بهز يضرب منكبيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عزرة بن ثابت الانصاري عن ثمامة بن عبد الله بن أنس عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أتى بطيب لم يرده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام واسحق الازرق قال أنا الدستوائي عن يحيى بن أبي كثير عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا أفطر عند أهل بيت قال افطر عندكم الصائمون وأكل طعامكم الابرار وتنزلت عليكم الملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن أبي التياح عن أنس بن مالك قال كان موضع مسجد النبي صلى الله عليه وسلم لبني النجار وكان فيه نخل وقبور المشركين فقال لهم النبي صلى الله عليه وسلم ثامنوني به فقالوا لا نبغي بثمنه الا من الله تعالى فكان الذي صلى الله عليه وسلم يبنيه وهم يناولونه وهو يقول الان العيش عيش الآخره فاغفر للانصار والمهاجره قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي قبل ان يبنى المسجد حيث أدركته الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة والدستوائي عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا طيرة ويعجبني الفال قال والفال الكلمة الحسنة الطيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثني هشام عن غالب هكذا قال وكيع غالب وانما هو أبو غالب عن أنس انه أتى بحنازة رجل فقام عند رأس السرير ثم أتي بحنازة امرأة فقام أسفل من ذلك هذا السرير فلما صلى قال له العلاء بن زياد يا أبا حمزة أهكذا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم من الرجل والمرأة نحوا مما رأيتك فعلت قال نعم قال فاقبل علينا العلاء بن زياد فقال احفظوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثني سلمة بن وردان قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لاصحابه ذات يوم من شهد منكم اليوم جنازة فله عمرانا قال من عاد منكم مريضا قال عمرانا قال من تصدق قال عمرانا قال فمن أصبح صائما قال عمر أنا قال فوجبت وجبت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك يقول انطلقنا أو ننهم الظهران قال فسعى عليها الغلمان حتى لغبوا قال فأدركتها فاتيت بها أبا طلحة فذبحها ثم بعث معي بوركها الى النبي صلى الله عليه وسلم فقبل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يذبح أضحيته بيده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا اسرائيل عن عبد الاعلى الثعلبي عن بلال بن أبي موسى عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من سأل القضاء وكل اليه ومن أجبر عليه نزل عليه ملك فسدده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الدستوائي عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يشرب الرجل قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام الدستوائي عن أبي عصام عن أنس قال كان النبي

عمر والمغيرة بن شعبة فدخلا عليه فكشفا الثوب عن وجهه فقال عمر واغشياه ما أشد غشي رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قاما فلما انتهيا الى الباب قال المغيرة يا عمر مات والله رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عمر كذبت ما مات رسول الله ولكنك رجل تحوشك فتنة ولن يموت رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى يفني المنافقين ثم جاء أبو بكر وعمر يخطب الناس فقال له أبو بكر اسكت فسكت فصعد أبو بكر فحمد الله وأثنى عليه ثم قرأ انك ميت وانهم ميتون ثم قرأ وما محمد الا رسول قد خلت من قبله الرسل حتى فرغ من الآية ثم قال من كان يعبد محمدا فان محمدا قد مات ومن كان يعبد الله فان الله حي لا يموت فقال عمر هذا في كتاب الله قال نعم قال أيها الناس هذا أبو بكر وذو شيبة المسلمين فبايعوه فبايعه الناس ابن سعد * عن ابن عمر قال لما قبض رسول الله صلى الله عليه وسلم كان أبو بكر في ناحية المدينة فجاء فدخل على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو مسجى فوضع فاه على جبين رسول الله صلى الله عليه وسلم فجعل يقبله ويبكي ويقول بابي أنت وأمي طبت حيا وميتا فلما خرج مر بعمر بن الخطاب وهو يقول ما مات رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا يموت حتى يقتل الله المنافقين وحتى يخزي الله المنافقين وكانوا قد استبشروا بموت رسول الله صلى الله عليه وسلم فرفعوا رؤسهم فقال أيها الرجل أربع على نفسك فان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد مات ألم تسمع الله يقول انك ميت وانهم ميتون فصعد فحمد الله وأثنى عليه ثم قال أيها الناس ان كان محمد الهكم الذي تعبدون

فان الهكم محمدا قدمات وان كان الهكم الذى فى السماء فان الهكم لم يمت ثم تلا وما محمد الا رسول قد خلت من قبله الرسل أفائن مات أو قتل انقلبتم على أعقابكم حتى ختم الآية ثم نزل وقد استبشر المسلمون بذلك واشتد فرحهم وأخذ المنافقين الكآبة قال عبد الله بن عمر فوالذى نفسى بيده لكأنما كانت على وجوهنا اغطية فكشفت (ش) والبزار * عن عكرمة قال توفى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا انما عرج بروحه كما عرج بروح موسى وقام عمر خطيبا يوعد المنافقين وقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يمت (119) ولكن انما عرج بروحه كما عرج بروح



موسى لا يموت رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى يقطع أيدى أقوام وألسنتهم فلم يزل عمر يتكلم حتى أزبد شدقاه فقال العباس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأسن كما يأسن البشر وان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد مات فادفنوا صاحبكم أفيت أحدكم اماتة وعمته اماتتين هو أكرم على الله من ذلك فان كان كما تقولون فليس عند الله بعزيز أن يبعث عنه التراب فيخرجه ان شاء الله مامات حتى ترك السبيل نهجا واضحا أحل الحلال وحرم الحرام ونكح وطلق وحارب وسالم وما كان راعى غنم يتبع بها صاحبها رؤس الجبال يخبط عليها العضاه بمخبطه ومدرحوضها بيده بالنصب ولا أداب من رسول الله صلى الله عليه وسلم كان فيكم ابن سعد * عن عروة قال لما مات رسول الله صلى الله عليه وسلم قام عمر بن الخطاب يخطب الناس ويوعد من قال مات بالقتل والقطع ويقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم فى غشيته لو قد قام قتل

صلى الله عليه وسلم يتنفس فى الاناء ثلاثا ويقول هذا أهنأ وأمرأ وأبرأ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا شعبة قال قلت لمعاوية بن قرة أسمعت انسا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم للنعمان ابن مقرن ابن أخت القوم منهم قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن عبد الكريم الجزرى قال أخبرنى ابن ابنة أنس بن مالك عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم دخل على أم سليم وفى البيت قربة معلقة فشرب من فيها وهو قائم قال فقطعت أم سليم فم القربة فهو عندنا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن العدى عن أبى هبيرة عن أنس بن مالك ان أبا طلحة سأل النبى صلى الله عليه وسلم عن أيتام ورثوا خمرا فقال اهرقها قال أفلا نجعلها خلا قال لا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن سفيان عن منصور عن طلحة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم وجد تمرة فقال لولا أن تكونى من الصدقة لأكلتك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن جرير بن حازم عن قتادة عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم اعتجم على الاخدعين وعلى الكاهل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن حماد عن ثابت عن أنس قال قال رجل للنبى صلى الله عليه وسلم أين أبى قال فى النار قال فلما رأى ما فى وجهه قال ان أبى وأباك فى النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا عزرة بن ثابت الانصارى ثنا ثمامة بن عبد الله بن أنس عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم كان ينفس فى الاناء ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن عاصم الاحول عن يوسف عن أنس قال رخص رسول الله صلى الله عليه وسلم فى الرقية من العين والنملة والحمة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن يحيى عن سفيان عن عبد الرحمن الاعرج سمعت أنسا يقول ان أبا بكر وعمر وعثمان كانوا يمنعون التكبير فيكبرون اذا سجدوا واذا رفعوا قال يحيى أو خفضوا قال يكبرون **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن ادريس قال سمعت المختار ابن فلفل قال سألت أنس بن مالك عن الشرب فى الاوعية فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المزفتة وقال كل مسكر حرام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مروان بن معاوية أنا حميد الطويل عن أنس ابن مالك أن امرأة لقيت النبى صلى الله عليه وسلم فى طريق من طرق المدينة فقالت يا رسول الله ان لى اليك حاجة قال يا أم فلان اجلسى فى أى نواحى السكك شئت أجلس اليك قال فقعدت فقعد اليها رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى قضت حاجتها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع قال ثنا جرير بن حازم عن قتادة قال سألت أنس بن مالك عن قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان يمد بصوته مدا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا شعبة عن أبى التياح قال سمعت أنس بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطبنا حتى يقول لاخ لى صغير يا أبا عمير ما فعل النغير طائر كان يلعب به قال ونضح بساط لنا قال فصلى عليه وصففنا خلفه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن زيد العمى عن أبى اياس يعنى معاوية بن قرة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الدعاء لا يرد بين الاذان والاقامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا جرير بن حازم عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينزل من المنبر يوم الجمعة فيكلمه الرجل فى الحاجة فيكلمه ثم يتقدم الى مصلاه فيصلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ومحمد بن جعفر قالا ثنا شعبة قال ابن جعفر فى حديثه سمعت قتادة عن أنس يقول قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يهرم ابن آدم ويبقى منه اثنتان الحرص والامل **حدثنا**

وقطع وعمرو بن أم مكتوم قائم فى مؤخر المسجد يقرأ وما محمد الا رسول قد خلت من قبله الرسل الى قوله وسيجزى الله الشاكرين والناس فى المسجد قد ماؤه يكون وبموجون ولا يسمعون فخرج عباس بن عبد المطلب على الناس فقال يا أيها الناس هل عند أحد منكم من عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فى وفاته فلحد ثنا فالوا لا قال هل عندك يا عمر من علم قال لا قال العباس اشهد أيها الناس ان أحدا لا يشهد على النبى صلى الله عليه وسلم بعهد عهده اليه فى وفاته والله الذى لا اله الا هو لقد ذاق رسول الله صلى الله عليه وسلم الموت فاقبل أبو بكر من السنح على

وابنته حتى نزل بباب المسجد ثم أقبل مكروبا حزينا فاستأذن فى بيت ابنته عائشة فاذنت له فدخل ورسول الله صلى الله عليه وسلم قد توفى على الفراش والنسوة حوله فخمرن وجوههن واستترن من أبى بكر الما كان من عائشة فكشف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فنى عليه يقبله ويبكى ويقول ليس مايقول ابن الخطاب بشئ توفى رسول الله صلى الله عليه وسلم والذى نفسى بيده رحمة الله عليك يارسول الله ما أطيبك حيا وما أطيبك ميتا ثم غشاه بالثوب ثم خرج سريعا (١٢٠) الى المسجد يتوطأ وقاب الناس حتى أتى المنبر وجلس عنده حين رأى أبا بكر مقبلا اليه فقام أبو بكر الى جانب المنبر ثم نادى الناس فلما واأنصتوا فتشهد أبو بكر وقال ان الله نعى نبيكم الى نفسه وهو حى بين أظهركم ونعاكم الى أنفسكم فهو لاوت حتى لا يبقى أحد الا اله قال الله تعالى وما محمد الا رسول الى قوله وسيجزى الله الشاكرين فقال عمر هذه الآية فى القرآن فوالله ما علمت ان هذه الآية أنزلت قبل اليوم وقال قال الله لمحمد صلى الله عليه وسلم انك ميت وانهم ميتون ثم قال قال الله تعالى كل شئ هالك الا وجهه له الحكم واليه ترجعون وقال كل من عليها فان ويبقى وجه ربك ذو الجلال والاكرام وقال كل نفس ذائقة الموت وانما توفون أجوركم يوم القيامة ثم قال ان الله عمر نبيه محمدا صلى الله عليه وسلم وأبقاه حتى أقام دين الله وأظهر أمر الله وبلغ رسالة الله وجاهد فى سبيل الله ثم توفاه الله على ذلك وقد تركتكم على الطريقة فان هلك هالك الامن بعد البينة والشفاء فمن كان الله ربه فان الله حى لا يموت ومن كان يعبد محمدا فقد هلك الهه فاتقوا الله أيها الناس واعتصموا بدينكم وتوكلوا على ربكم فان دين الله قائم وان كلمة الله تامة وان الله ناصر من نصره ومعزه ومذل من خذله وان كتاب الله بين أظهرنا وهو النور والشفاء وبه هدى الله محمدا صلى الله عليه وسلم وفيه حلال الله وحرامه والله لاتبالى من يغلب علينا من خلق الله ان سيوفنا المسلولة هى وضعناها بعد وانا لمجاهدون من خالفنا كما جاهدنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد كان قرأ البقرة وآل عمران وكان الرجل اذا قرأ البقرة وآل عمران جد فينا يعنى عظم فكان النبى

---

عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا شعبة عن غياث مولى ابن هبيرة قال سمعت أنس بن مالك قال يا بعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم على السمع والطاعة فقال فيما استطعتم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا شعبة عن حمزة الضبى قال سمعت أنس بن مالك يقول كان رسول صلى الله عليه وسلم اذا نزل منزلا لم يرتحل حتى يصلى الظهر قال فقال محمد بن عمر لانس يا أبا حمزة وان كان بنصف النهار قال وان كان بنصف النهار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع حدثنى أبو خزيمة عن أنس بن سيرين عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم سمع رجلا يقول اللهم انى أسألك ان لك الحمد لا اله الا أنت وحدك لا شريك لك المنان بديع السموات والارض ذا الجلال والاكرام فقال النبى صلى الله عليه وسلم لقد سألت الله باسم الله الاعظم الذى اذا دعى به أجاب واذا سئل به أعطى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن مسعر عن عمرو بن عامر قال سمعت أنسا يقول احتجم رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان لا يظلم أحدا أجرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنى عكرمة بن عمار عن اسحق بن عبد الله بن أبى طلحة عن أنس بن مالك قال جاءت أم سليم الى النبى صلى الله عليه وسلم فقالت يارسول الله علمنى كلمات أدعو بهن قال نسبح الله عز وجل عشرا وتحمده عشرا وتكبره عشرا ثم سلى حاجتك فانه يقول قد فعلت قد فعلت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا عبد العزيز يعنى الماجشون عن صدقة بن يسار عن العمرى عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان بنى اسرائيل قد افترقت على ثنتين وسبعين فرقة وأنتم تفترقون على مثلها كلها فى النار الا فرقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا هشام ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال لاحدثنكم بحديث سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحدثكم أحد بعدى سمعته يقول لا تقوم الساعة حتى يكون فى الخمسين امرأة القيم الواحد ويكثر النساء ويقل الرجال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا سفيان عن سليمان التيمى عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مررت ليلة أسرى بى على موسى فرأيته قائما يصلى فى قبره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن على بن زيد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مررت ليلة أسرى بى على قوم تقرض شفاههم بمقاريض من نار قال قلت من هؤلاء قالوا خطباء من أهل الدنيا كانوا يأمرون الناس بالبر وينسون أنفسهم وهم يتلون الكتاب أفلا يعقلون **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد أوذيت فى الله عز وجل وما يؤذى أحد وأخفت فى الله وما يخاف أحد ولقد أتت على ثلاثة من بين يوم وليلة ومالى ولبعالى طعام يأكله ذو كبد الا شئ يوارى ابط بلال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد قال فى هذا الحديث أتت على ثلاثون من بين يوم وليلة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا عليكم ان لا تجمعوا باحد حتى تنظروا بم يختم له فان العامل يعمل زمانا من عمره أو برهة من دهره بعمل صالح لو مات عليه دخل الجنة ثم يتحول فيعمل عملا سيئا وان العبد ليعمل البرهة من دهره بعمل سئ لو مات عليه دخل النار ثم يتحول فيعمل عملا صالحا واذا أراد الله بعبد خيرا استعمله قبل موته قالوا يارسول الله وكيف يستعمله قال يوفقه لعمل صالح ثم يقبضه عليه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس أن رجلا كان يكتب للنبى صلى الله عليه وسلم وقد كان قرأ البقرة وآل عمران وكان الرجل اذا قرأ البقرة وآل عمران جد فينا يعنى عظم فكان النبى

---

عليه



صلى الله عليه وسلم فلا يبعد أن أحدا على نفسه (هق) فى الدلائل * عن أنس بن مالك انه سمع عمر بن الخطاب الغد حين بويع أبو بكر فى مسجد رسول الله

صلى الله عليه وسلم واستوى ابو بكر على منبر رسول الله صلى الله عليه وسلم تشهد قبل أبي بكر ثم قال أما بعد فاني قلت لكم أمس مقالة لم تكن كما قلت والني ما وجدتها في كتاب الله ولا في عهد عهده الي رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى يقال كلمة بر بحتي يكون آخرنا فاختار الله لرسوله الذي عنده على علم الذي عندكم وهذا الكتاب الذي هدى الله به رسولكم فخذوه تهتدوا لما هدى له رسول الله صلى الله عليه وسلم (خ هق) في الدلائل * عن ابن عباس ان عمر بن الخطاب ذكر له شيئا من حاله على مقامه التي قال حين (١٢١) توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كنت أتأمل هذه الآية وكذلك جعلناكم أمة وسطا لتكونوا شهداء على الناس فوالله ان كنت لاظن انه سيبقى في أمتي حتى يشهد عليها بآخر أعماله وانه الذي حملني على ان قلت ما قلت (هـ ق) في الدلائل * (تنافس الناس في تولية جهازه صلى الله عليه وسلم) * عن علي بن أبي طالب لما أخذنا في جهاز رسول الله صلى الله عليه وسلم أغلقنا الباب دون الناس جميعا فنادت الانصار نحن اخواله ومكاننا من الاسلام مكاننا ونادت قريش نحن عصبته فصاح أبو بكر يا معشر المسلمين كل قوم أحق بجنازتهم من دغيرهم فتنشدكم الله فانكم ان دخلتم أخرتموه عنه والله لا يدخل عليه أحد الا من دعى ابن سعد * عن علي بن حسين قال نادت الانصار ان لنا حقا وانما هو ابن أختنا ومكاننا من الاسلام مكاننا فطلبوا الى أبي بكر فقال القوم أولى به فاطلبوا الى علي والعباس فانه لا يدخل عليهم الا من أرادوا ابن سعد

عليه الصلاة والسلام علي عليه مغفورا رحيما فكتب عليما حكيما فيقول له النبي عليه الصلاة والسلام اكتب كذا وكذا اكتب كيف شئت ويملي عليه عليما حكيما فيقول اكتب سميعا بصيرا فيقول اكتب كيف شئت فارتد ذلك الرجل عن الاسلام فلحق بالمشركين وقال أنا أعلمكم بمحمد ان كنت لا كتب ما شئت فمات ذلك الرجل فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان الارض لم تقبله وقال أنس فحدثني أبو طلحة انه أتى الارض التي مات فيها ذلك الرجل فوجده منبوذا فقال أبو طلحة ما شأن هذا الرجل قالوا قد دفناه مرارا فلم تقبله الارض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر السهمي ثنا حميد عن أنس قال كان رجل يكتب بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم قد قرأ البقرة وآل عمران وكان الرجل اذا قرأ البقرة وآل عمران يعد فينا عظيما فذكر معنى حديث يزيد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا هشام عن محمد بن سيرين عن أنس بن مالك قال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم أبا طلحة في غزو فخيبر ينادي ان الله ورسوله ينهاكم عن لحوم الحمر الاهلية فنهم راجع قال فما كفت القدور حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد وعبد الله بن أبي بكر ثنا حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان بالبقيع فناداه رجل رجلا يا أبا القاسم فالتفت النبي صلى الله عليه وسلم فقال الرجل لم أعنك يا رسول الله انما عنيت فلانا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر في حديثه تسموا باسمي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم سأله رجل عن وقت صلاة الصبح فامر بلالا فاذن من طلع الفجر ثم أقام فصلى فلما كان من الغد أخرحتى أسفر ثم أمره أن يقيم فصلى ثم دعا الرجل فقال ما بين هذا وهذا وقت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس قال فكان من دعاء النبي صلى الله عليه وسلم بعد حنين اللهم ان شئت أن لا تعبد بعد اليوم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يلعب مع الصبيان فاتاه آت فاخذه فشق بطنه فاستخرج منه علقة فرمى بها وقال هذا نصيب الشيطان منك ثم غسله في طشت من ذهب من ماء زمزم ثم لأمه فاقبل الصبيان الى ظئره فقتل محمد فقتل محمد فاستقبلت رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد انتقع لونه قال أنس فلقد كنت أرى أثر المخيط في صدره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سعيد وابن جعفر قال ثنا سعيد المعنى عن قتادة عن أنس بن مالك ان أم سليم أتت النبي صلى الله عليه وسلم عن امرأة ترى في منامها ما يرى الرجل فقال النبي صلى الله عليه وسلم من رأت ذلك منكن فلتغتسل قالت أم سلمة أو يكون ذلك يا رسول الله قال نعم ماء الرجل غليظ أبيض وماء المرأة أصفر رقيق فايهما سبق أو علا أشبهه الولد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا محمد بن عمرو قال أخبرني واقد بن عمرو بن سعد بن معاذ قال محمد وكان واقد من أحسن الناس وأعظمهم وأطولهم قال دخلت على أنس بن مالك فقال لي من أنت قلت أنا واقد بن عمرو بن سعد بن معاذ قال انك لسعد أشبه بكي وأكثر البكاء فقال رحمة الله على سعد كان من أعظم الناس وأطولهم ثم قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم جيشا الى اكيدر دومة فاسر اكيدر فاتى به رسول الله صلى الله عليه وسلم بجبة من ديباج منسوج فيه الذهب فلبسها رسول الله صلى الله عليه وسلم فقام على المنبر أو جلس فلبث كلاما ثم نزل فجعل الناس يلمسون الجبة وينظرون اليها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتعجبون منها قالوا ما رأينا ثوبا قط أحسن

( ١٦ - (مسند احمد) - ثالث ) * (غسله صلى الله عليه وسلم) * عن عبد الله بن الحرث ان عليا لما قبض النبي صلى الله عليه وسلم قام فارتج الباب قال فجاء العباس معه بنو عبد المطلب فقاموا على الباب وجعل يقول يا بني أنت طيبا خيارا طيبا ميتا قال وسطعت ريح طيبة لم يجدوا مثلها قط فقال العباس لعلي دع حنينا كمنين المرأة وأقبلوا على صاحبكم يقال على ادخلوا على الفضل قال وقالت الانصار ناشدكم الله في نصيبنا من رسول الله صلى الله عليه وسلم فادخلوا رجلا منهم يقال له أوس بن خولي يحمل حربة بيده قال فغسله

على يدخل يده تحت القميص والفضل يمسك الثوب عليه والانصاري ينقل الماء وعلي يدعلي خرقة يدخل يده وعليه القميص ابن سعد * عن جعفر عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم لما أرادوا أن يغسلوه وكان عليه قميص فاراد وا أن ينزعوه فسمعوا نداء من البيت لا تنزعوا القميص (ش) * عن محمد بن علي قال غسل النبي صلى الله عليه وسلم في قميص على سفلته والفضل يحتضنه والعباس يصب الماء والفضل يقول أرخى قطعت وتيني اني لا أجد شيأ ينزل علي قال (١٢٢) وغسل من بئر سعد بن خثيمة يقال لها بئر أريس (ش) * عن عبد الواحد بن

أبي عون قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لعلي ابن أبي طالب في مرضه الذي توفي فيه اغسلني يا علي اذا مت فقال يا رسول الله ما غسلت ميتا قط فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انك ستهيأ وتيسر قال علي فغسلته فما آخذ عضوا الا تبعني والفضل آخذ بحضنه يقول اعجل يا علي اقطع ظهري ابن سعد * عن علي انه غسل النبي صلى الله عليه وسلم وعباس وعقيل ابن أبي طالب وأوس بن خولي وأسامة بن زيد ابن سعد * عن علي بن حسين عن أبيه عن جده قال أوصى النبي صلى الله عليه وسلم عليا أن يغسله فقال علي يا رسول الله أخشى أن لا أطيق ذلك فقال انك ستعان قال علي فوالله ما أردت أن أقلب من رسول الله صلى الله عليه وسلم عضوا الا قلب (كر) * عن علي قال أوصى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اذا مت فاغسلني بسبع قرب من بئر غرس أبو الشيخ في الوصايا وابن النجار * عن علي قال أوصاني النبي صلى الله عليه وسلم أن لا يغسله أحد غيري فانه لا يرى عورتي أحد الا طمست عيناه ابن سعد والبزار (عق) وابن الجوزي في الواهيات زاد ابن سعد قال علي فكان الفضل وأسامة يناولان الماء من وراء الستر وهما معصوبا العين قال علي فما تناولت عضوا الا كانا يقلبانه معي يعينون رجلا حتى فرغت من غسله * عن علي قال غسلت النبي صلى الله عليه وسلم فذهبت أنظر ما يكون من الميت فلم أر شيأ وكان طيبا حيا وميتا ولي دفنه واجنانه دون الناس اربعة علي والعباس والفضل بن عباس وصالح مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم وأحد

منه فقال النبي صلى الله عليه وسلم لمناديل سعد بن معاذ في الجنة أحسن منكما تردن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا سفيان يعني ابن حسين عن علي بن زيد عن أنس بن مالك قال أهدي الاكدر لرسول الله صلى الله عليه وسلم جرة من مي فلما انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم من الصلاة مر على القوم فجعل يعطي كل رجل منهم قطعة فاعطى جابرا قطعة ثم انه رجع اليه فاعطاه قطعة أخرى فقال الرجل قد أعطيتني مرة قال هذا بذلك عبد الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا المسعودي عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتعوذ من ثمان الهم والحزن والعجز والكسل والبخل والجبن وغلبة الدين وغلبة العدو **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا همام عن قتادة عن أنس قال لما انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم من الحديبية نزلت هذه الآية انا فتحنا لك فتحا مبينا اليغفر لك الله ما تقدم من ذنبك وما تاخر ويتم نعمته عليك ويهديك صراطا مستقيما قال المسلمون يا رسول الله هنيئا لك ما أعطاك الله فما الذي يفعل بنا فانزلت ليدخل المؤمنين والمؤمنات جنات تجري من تحتها الانهار خالدين فيها ويكفر عنهم سيئاتهم وكان ذلك عند الله فوزا عظيما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا حماد عن ثابت البناني عن أنس قال لما كان يوم الحديبية هبط على رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه ثمانون رجلا من أهل مكة في السلاح من قبل جبل التنعيم قد عاهم فاخذوا وانزلت هذه الآية وهو الذي كف أيديهم عنكم وأيديكم عنهم ببطن مكة من بعد أن أظفركم عليهم قال يعني جبل التنعيم من مكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس قال كنت أسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول فلا أدري أشيء نزل عليه أم شيء يقوله وهو يقول لو كان لابن آدم واديان من مال لابتغى لهما ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا همام يعني ابن يحيى عن قتادة عن أنس ابن مالك قال كانت ناقة لرسول الله صلى الله عليه وسلم لهما قالان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يزيد أنا همام يعني ابن يحيى عن قتادة عن أنس أن الزبير بن العوام وعبد الرحمن بن عوف شكوا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم القمل فرخص لهما في لبس الحرير فرأيت على كل واحد منهما قميصا من حرير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا همام عن قتادة عن أنس عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان من حسن الصلاة اقامة الصف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا صدقة بن موسى عن أبي عمران الجوني عن أنس قال وقت لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في قص الشارب وتقليم الاظفار وحلق العانة في كل أربعين ليلة مرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ربكم عز وجل ان تقرب عبد مني شبرا تقربت منه ذراعا وان تقرب مني ذراعا تقربت منه باعا وان أتاني ماشيا أتيته هرولة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس قال لما هاجر رسول الله صلى الله عليه وسلم كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يركب وأبو بكر يردفه وكان أبو بكر يعرف في الطريق لاختلافه الى الشام وكان يمر بالقوم فيقولون من هذا بين يديك يا أبا بكر فيقول هاد يهديني فلما دنوا من المدينة بعث الى القوم الذين أسلموا من الانصار الى أبي أمامة وأصحابه فخرجوا اليهما فلما دخلا آمنين مطاعين قدما فلما رأيت أنس فما رأيت ولا قط أنور ولا أحسن من يوم دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر المدينة وشهدت وفاته فما رأيت يوما قط أظلم ولا أقبح من اليوم الذي توفي رسول

لرسول الله صلى الله عليه وسلم لحداوا نصب عليه اللبن نصبا مسدد والمروزى فى الجنائز (البيهقى) *(تكفينه صلى الله عليه وسلم)* أنبانا عفان بن مسلم أنا حماد بن سلمة عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن محمد بن على بن الحنفية عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كفن فى سبعة أثواب ابن سعد وهذا اسناد صحيح * عن عروة عن عائشة قالت لما قبض النبى صلى الله عليه وسلم كفن فى ثلاثة أثواب يمانية وفى لفظ سحولية بيض كرسف ليس فيها قميص ولا عمامة قال عروة فاما الحلة فانما شبهت على (١٢٣) الناس فيها انما اشتريت للنبى صلى الله عليه وسلم ليكفن فيها فتركت وكفن فى ثلاثة أثواب بيض سحولية قالت عائشة فاخذها عبد الله بن أبى بكر فقال أحبسها حتى أكفن فيها فقالت ثم قال لو رضيها الله لنبيه صلى الله عليه وسلم لكفنه فيها فابتاعها وتصدق بثمنها ابن سعد * عن ابن عمر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كفن فى ثلاثة أثواب بيض يمانية ابن سعد * عن ابن عباس قال كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم فى ثوبين أبيضين وبرد أحمر ابن سعد * عن الشعبى قال كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم فى ثلاثة أثواب برد يمنية غلاظ ازار ورداء ولفافة ابن سعد * عن ابن عباس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كفن فى حلة حمراء نجرانية كان يلبسها وقميص ابن سعد * عن الحسن ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كفن فى حلة حبرة وقميص ابن سعد * عن ابراهيم النخعى قال كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم فى حلة يمانية وقميص ابن سعد * عن أيوب قال قال أبو قلابة ألا تعجب من اختلافهم علينا فى كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن سعد *(صلاة الناس عليه صلى الله عليه وسلم)* عن ابن جريج قال بلغنا أن النبى صلى الله عليه وسلم حين مات أقبل الناس يدخلون فيصلون عليه ويخرجون ويدخل آخرون كذلك قلت لعطاء أيصلون ويدعون قال يصلون ويستغفرون *عن عبد الله بن محمد بن عبد الله بن عمر بن على بن أبى طالب عن أبيه عن جده عن على قال لما وضع رسول الله صلى الله عليه وسلم على السرير قال لا يقوم عليه أحد وامامكم حيا وميتا فكان يدخل الناس رسلا رسلا فيصلون عليه صفاصفا ليس لهم امام ويكبرون

رسول الله صلى الله عليه وسلم فيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس وعفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى بسيف يوم أحد فقال من يأخذ هذا السيف فاخذه قوم فجعلوا يتفاورون أيهم يأخذه فقال من يأخذه بحقه فاحجم القوم فقال ابو دجانة سماك انا آخذ بحقه فاخذه ففلق هام المشركين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد انا حماد بن سلمة عن اسحق بن عبد الله بن أبى طلحة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوم حنين من قتل رجلا فله سلبه فقتل ابو طلحة عشرين رجلا فاخذ اسلابهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد انا همام بن يحيى عن قتادة وبهز ثنا همام انا قتادة المعنى عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله لا يظلم المؤمن حسنة يعطى عليها فى الدنيا ويثاب عليها الآخرة واما الكافر فيعطى بحسناته فى الدنيا حتى اذا أفضى الى الآخرة لم يكن له بها حسنة يعطى بها خيرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد انا حماد بن سلمة عن عبيد الله بن أبى بكر عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جمع أصابعه فوضعها على الارض فقال هذا ابن آدم ثم رفعها خلف ذلك قليلا وقال هذا أجله ثم رفع يده أمامه قال وثم أمله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد أنبأنا حماد بن سلمة عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا دعا جعل ظاهر كفيه مما يلى وجهه وبطونهما مما يلى الارض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك ان صفية وقعت فى سهم دحية الكلبى فقيل يا رسول الله قد وقعت فى سهم دحية جارية جميلة فاشتراها رسول الله صلى الله عليه وسلم بسبعة أرؤس فجعلها عند أم سليم حتى تهيئها وتعتد فيها يعلم حماد فقال الناس والله ما ندرى أتزوجها رسول الله صلى الله عليه وسلم أو تسراها فلما جلها سترها وأردفها خلفه فعرف الناس انه قد تزوجها فلما دنا من المدينة أوضع الناس وأوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم وكذلك كانوا يصنعون فعثرت الناقة فخر رسول الله صلى الله عليه وسلم وخرت معه وأز واج النبى صلى الله عليه وسلم ينظرن فقلن أبعد الله اليهودية وفعل بها وفعل فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فستر ها وأردفها خلفه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا بهز ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس بن مالك قال صارت صفية لدحية فى فيئه فذكر نحوه الا انه قال حتى اذا جعلها فى ظهره نزل ثم ضرب عليها القبة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن أبى التياح عن أنس ابن مالك قال كان موضع مسجد النبى صلى الله عليه وسلم لبنى النجار وكان فيه نخل وخرب وقبور من قبور الجاهلية فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ثامنونى قالوا لا نبيع به ثمنا الا من الله عز وجل فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم بالنخل فقطع وبالحرث فسوى وبالقبور فنبشت وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل ذلك يصلى فى مرابض الغنم حيث أدركته الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هرون قال أنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان جار الرسول الله صلى الله عليه وسلم فارسيا كان طيب المرق فصنع لرسول الله صلى الله عليه وسلم ثم جاءه يدعوه فقال وهذه لعائشة فقال لا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا ثم عاد يدعوه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وهذه قال لا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وهذه قال نعم فى الثالثة فقاما يتدافعان حتى أتيا منزله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد أنبأنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم قال المدينة يأتيها الدجال فيجد الملائكة يحرسونها فلا يدخلها الدجال ولا الطاعون ان شاء الله تعالى **حدثنا** عبد الله

وعلى قائم بحيال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته اللهم انا نشهد انك قد بلغ ما نزل اليه ونصح لامته وجاهد في سبيل الله حتى أعز الله دينه وتمت كلماته اللهم فاجعلنا ممن يتبع ما أنزل اليه وثبتنا بعده واجمع بيننا وبينه فيقول الناس آمين حتى صلى عليه الرجال ثم النساء ثم الصبيان ابن سعد * عن عمران رسول الله صلى الله عليه وسلم وضع على المنبر فجعل الناس يصلون عليه أفواجا أفواجا ابن راهويه * عن موسى بن (١٢٤) محمد بن ابراهيم بن الحرث التيمي قال وجدت هذا في صحيفة بخط أبي فيها لما كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم ووضع على سريره دخل أبو بكر وعمر فقالا السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته ومعهما نفر من المهاجرين والانصار قد رأيتم البيت فسلموا كما سلم أبو بكر وعمر وهما في الصف الاول حيال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم انا نشهد أن قد بلغ ما أنزل اليه ونصح لامته وجاهد في سبيل الله حتى أعز الله دينه وتمت كلماته فآمن به وحده لا شريك له فاجعلنا يا الهنا ممن يتبع القول الذي أنزل معه واجمع بيننا وبينه حتى نعرفه وتعرفه بنا فانه كان من المؤمنين رؤفا رحيما لا نبغي بالايمان بدلا ولا نشتري به ثمنا أبدا فيقول الناس آمين آمين ثم يخرجون ويدخل عليه آخرون حتى صلوا عليه الرجال ثم النساء ثم الصبيان فلما فرغوا من الصلاة تكلموا في موضع قبره ابن سعد * (دفنه صلى الله عليه وسلم) * عن جعفر بن محمد عن أبيه عن جده ان عليا غسل النبي صلى الله عليه وسلم والعباس يصب الماء وأسامة وشقران يحفظان الباب فلما فرغوا قال العباس محزنة على رسول الله صلى الله عليه وسلم لا أدفن رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخذهم في التراب ولكن اعدله صندوقا واجعله في بيتي فاذا كر بني أمر نظرت اليه فقال علي للعباس يا عم ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يدفن أولاده ثم تلا هذه الآية منها خلقناكم وفيها نعيدكم ومنها نخرجكم تارة أخرى ثم تلا ألم نجعل الارض كفاتا أحياء وأمواتا فبينما هم كذلك اذ هتف بهم هاتف من ناحية البيت فقال السلام عليكم أهل البيت كل نفس ذائقة الموت وانما توفون أجوركم يوم القيامة فمن كل مصيبة خلف ودرك ومن كل فائت عوض فبالله فثقوا وإياه فارجوا فانما المصاب من حرم الثواب فقال علي

---

حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال بعثت أنا والساعة كهاتين وأشار بالسبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم جاهدوا المشركين بأموالكم وأنفسكم وألسنتكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم حدثنا عبد العزيز بن صهيب وقال مرة أخبرنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال كان معاذ بن جبل يؤم قومه فدخل حرام وهو يريد أن يسقي نخله فدخل المسجد ليصلي مع القوم فلما رأى معاذا طول تجوز في صلاته ولحق بنخله يسقيه فلما قضى معاذ الصلاة قيل له ان حراما دخل المسجد فلما رآك طولت تجوز في صلاتك ولحق بنخله يسقيه قال انه لمنافق أيبجل عن الصلاة من أجل سقي نخله قال فجاء حرام الى النبي صلى الله عليه وسلم ومعاذ عنده فقال يا نبي الله اني أردت أن أسقي نخلا لي فدخلت المسجد لاصلي مع القوم فلما طولت تجوزت في صلاتي ولحقت بنخلي أسقيه فزعم اني منافق فاقبل النبي صلى الله عليه وسلم على معاذ فقال افتان أنت افتان أنت لا تطول بهم اقرأ بسبح اسم ربك الاعلى والشمس وضحاها ونحوهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن ثابت عن أنس قال واصل النبي صلى الله عليه وسلم آخر الشهر وواصل ناس من الناس فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال لو مد لنا الشهر لواصلت وصالا يدع المتعمقون تعمقهم اني لست مثلكم اني أظل يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا صفوان عن شريح بن عبيد الحضرمي انه سمع الزبير بن الوليد يحدث عن عبد الله بن عمر بن الخطاب قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا غزا أو سافر فادركه الليل قال يا أرض ربي وربك الله أعوذ بالله من شرك وشر ما خلق فيك وشر ما يدب عليك أعوذ بالله من شر أسد وأسود وحية وعقرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر بن سليمان عن حميد عن أنس عمر مائة سنة غير سنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال أخذت أم سليم بيدي مقدم النبي صلى الله عليه وسلم المدينة فاتت بي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله هذا ابني وهو غلام كاتب قال فخدمته تسع سنين فما قال لي لشيء قط صنعته أساءت أو بئسما صنعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان حارثة خرج نظار فاتاه سهم فقتله فقالت أمه يا رسول الله قد عرفت موقع حارثة مني فان كان في الجنة صبرت والا رأيت ما أصنع قال يا أم حارثة انها ليست بجنة واحدة ولكنها جنان كثيرة وان حارثة في أفضلها أو قال في أعلى الفردوس شك يزيد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا العوام بن حوشب عن سليمان بن أبي سليمان عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لما خلق الله عز وجل الارض جعلت تميد فخلق الجبال فالقاها عليها فاستقرت فتعجبت الملائكة من خلق الجبال فقالت يا رب هل من خلقك شيء أشد من الجبال قال نعم الحديد قالت يا رب هل من خلقك شيء أشد من الحديد قال نعم النار قالت يا رب هل من خلقك شيء أشد من النار قال نعم الماء قالت رب فهل من خلقك شيء أشد من الماء قال نعم الريح قالت يا رب فهل من خلقك شيء أشد من الريح قال نعم ابن آدم يتصدق بيمينه يخفيها من شماله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان ثمانين رجلا من أهل مكة هبطوا على رسول الله صلى الله عليه وسلم من جبل التنعيم متسلحين يريدون غرة النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه فاخذهم

للعباس اصبر ياعم فقد نوى ما وعدالله على لسان نبيه صلى الله عليه وسلم فقال العباس ياعلى انى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تكون قبور الانبياء فى موضع فرشهم قال فكفنوه فى قميصين أحدهما أرق من الآخر وصلى عليه العباس وعلى صفا واحدا وكبر عليه العباس خمسا ودفنوه ابن معروف وفيه عبد الصمد * عن ابن عباس قال لما فرغ من جهاز رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الثلاثاء وضع على سريره فى بيته وكان المسلمون قد اختلفوا فى دفنه فقال قائل ادفنوه فى مسجده وقال قائل ادفنوه مع أصحابه (١٢٥) بالبقيع قال أبو بكر سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ماقبض نبى الا دفن حيث يقبض فرفع فراش رسول الله صلى الله عليه وسلم الذى توفى عليه ثم حفر له تحته ابن سعد وسنده متصل ورجاله ثقات الا أن فيه الواقدى والشواهد تجبره * عن محمد بن اسحق عن حسين عن عكرمة عن ابن عباس قال لما أرادوا أن يحفروا لرسول الله صلى الله عليه وسلم وكان أبو عبيدة بن الجراح يضرح لاهل مكة وكان أبو طلحة زيد بن سهل هو الذى يحفر لاهل المدينة وكان يلحد فدعا العباس رجلين فقال لاحدهما اذهب الى أبى عبيدة وقال للآخر اذهب الى أبى طلحة اللهم خر لرسولك فوجد صاحب أبى طلحة أبا طلحة فجاءه فلحد لرسول الله صلى الله عليه وسلم فلما فرغ من جهازه يوم الثلاثاء وضع على سريره وقد كان المسلمون اختلفوا فى دفنه فقال قائل ندفنه فى مسجده وقال قائل ندفنه مع أصحابه فقال أبو بكر انى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ماقبض نبى الا دفن حيث يقبض فرفع فراش رسول الله صلى الله عليه وسلم الذى توفى فيه فدفن تحته ثم دعى الناس على رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلون عليه ارسالا الرجال حتى اذا فرغ منهم أدخل النساء حتى اذا فرغ من النساء أدخل الصبيان ولم يؤم الناس على رسول الله صلى الله عليه وسلم أحد فدفن رسول الله صلى الله عليه وسلم من أوسط الليل ليلة الاربعاء ونزل فى حفرته على والفضل وقثم وشقران وتال أوس بن خولى أنشدك وحظنا من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال له على انزل فنزل وقد كان شقران أخذ قطيفة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يلبسها

فاخذهم سلما فاسحتهم فانزل الله عز وجل وهو الذى كف أيديهم عنكم وأيديكم عنهم ببطن مكة من بعد أظفركم عليهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سليمان بن حيان أبو خالد عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقبل علينا بوجهه قبل أن يكبر فيقول تراصوا واعتدلوا فانى أراكم من وراء ظهرى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى ثنا حميد عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم قال دخلت الجنة فسمعت خشفة بين يدى فقلت ماهذا فقالوا الغميصاء بنت ملحان ام أنس بن مالك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن حميد قال اطلع الى النبى صلى الله عليه وسلم رجل من خلل فسدد له رسول الله صلى الله عليه وسلم مشقصا حتى أخذ رأسه قال يحيى قلت لمن حدثك يا أبا عبيدة يعنى حميدا قال أنس **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن سعيد عن يزيد وروح ثنا يزيد بن أبى صالح المعنى قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبى صلى الله عليه وسلم قال يدخل النار أقوام من امتى حتى اذا كانوا حمما اذن لهم فيخلوا الجنة فيقول أهل الجنة من هؤلاء فيقال هم الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن سفيان عن عبد الرحمن الاصم قال سمعت أنسا يقول ان النبى صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يتمون التكبير يكبرون اذا سجدوا واذا رفعوا قال يحيى أو خفضوا **حدثنا** عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل حدثنى أبى ثنا أبو المثنى معاذ بن معاذ العنبرى قال ثنا حماد بن سلمة ثنا ثابت البنانى عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم فى قوله تعالى فلما تجلى ربه للجبل قال هكذا يعنى أنه أخرج طرف الخنصر قال أبى أراه معاذ قال فقال له حميد الطويل ما تريد الى هذا يا أبا محمد قال فضرب صدره ضربة شديدة وقال من أنت ياحميد وما أنت ياحميد يحدثنى به أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم فتقول أنت ما تريد اليه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هارون أنا حماد بن سلمة عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك ان أهل اليمن لما قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم سألوه أن يبعث معهم رجلا يعلمهم فبعث معهم أبا عبيدة وقال هو أمين هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هارون أنا حماد بن سلمة عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك ان رجلا من رسول الله صلى الله عليه وسلم ومعه بعض أزواجه فقال يافلانة يعلم أنها زوجه فقال الرجل يارسول الله أتظن بى قال فقال انى خشيت أن يدخل عليك الشيطان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا اسحق بن عبد الله عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم كان لا يطرق أهله ليلا كان يدخل عليهم غدوة أو عشية **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الله عز وجل لا يظلم المؤمن حسنة يثاب عليها الرزق فى الدنيا ويجزى بها فى الآخرة وأما الكافر فيعطى بحسناته فى الدنيا فاذا التقى الله عز وجل يوم القيامة لم تكن له حسنة يعطى بها خيرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يضرب شعره الى منكبيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أنس أو عن رجل عن أبى هريرة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان ضخم القدمين ضخم الكفين حسن الوجه لم أر بعده مثله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان أم سليم بعثته الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بقناع عليه رطب فجعل يقبض قبضته فيبعث بها الى بعض أزواجه ويقبض القبضة فيبعث بها الى بعض أزواجه ثم جلس فاكل بقيته أكل رجل يعلم انه يشتهيه

قد دفنها في القبر ثم قال والله لا يليها أحد بعدي أبدا ابن المديني (ع) قال ابن المديني في أسناده بعض الضعف وحسين بن عبد الله بن العباس منكر الحديث * عن عمرة بنت عبد الرحمن عن أمهات المؤمنين ان أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا كيف نبني قبر رسول الله صلى الله عليه وسلم أنجعله مسجدا فقال أبو بكر فسمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول لعن الله اليهود والنصارى اتخذوا قبور أنبيائهم مساجد قالوا كيف نحفر له فقال أبو بكر ان من (١٢٦) أهل المدينة رجلا يلحد ومن أهل مكة رجلا يشق اللهم فاطلع علينا أحبهما اليك أن يعمل

**حدثنا** عبيد الله حدثني أبي حدثنا جرير بن عمارة قال حدثني مرجى بن رجاء عن عبيد الله بن أبي بكر بن أنس عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان يوم الفطر لم يخرج حتى يأكل تمرات يأكلهن افرادا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا هشام بن حسان عن حميد الطويل عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان في سفر في رمضان فأتي بإناء فوضعه على يده فلما رآه الناس أفطروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة قال حدث أنس بن مالك قال سمعت نبي الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا أبصرهم أهل الجنة قالوا هؤلاء الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ويونس ثنا شيبان ثنا قتادة ثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ان العبد اذا وضع في قبره وتولى عنه أصحابه حتى انه ليسمع قرع نعالهم أتاه ملكان فيقعدانه فيقولان له ما كنت تقول في هذا الرجل لمحمد صلى الله عليه وسلم فأما المؤمن فيقول أشهد انه عبد الله ورسوله فيقال انظر الى مقعدك من النار قد أبدلك الله به مقعدا في الجنة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فيراهما جميعا قال روح في حديثه قال قتادة وقد ذكر لنا انه يفسح له في قبره سبعون ذراعا ويملأ عليه خضرا الى يوم يبعثون ثم رجع الى حديث أنس بن مالك قال وأما الكافر والمنافق فيقال له ما كنت تقول في هذا الرجل فيقول لا أدري كنت أقول ما يقول الناس فيقال لا دريت ولا تليت ثم يضرب بمطارق من حديد ضربة بين أذنيه فيصيح صيحة فيسمعها من يليه غير الثقلين وقال بعضهم يضيق عليه قبره حتى تختلف أضلاعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا مالك عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الرؤيا الحسنة من الرجل الصالح جزء من ستة وأربعين جزأ من النبوة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما من نفس تموت لها عند الله خير يسرها ان ترجع الى الدنيا الا الشهيد فانه يسره ان يرجع الى الدنيا فيقتل مرة أخرى لما يرى من فضل الشهادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح عن هلال بن علي عن أنس قال لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم سباباً ولا لعاناً ولا فحاشاً كان يقول لاحدنا عند المعاتبة ما له ترب جبينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح عن هلال بن علي عن أنس قال شهدنا ابنة لرسول الله صلى الله عليه وسلم ورسول الله صلى الله عليه وسلم جالس على القبر فرأيت عينيه تدمعان فقال هل فيكم رجل لم يقارف الليلة فقال أبو طلحة نعم انا فقال فانزل قال فنزا في قبرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا زائدة ثنا المختار بن فلفل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفس محمد بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا وما رأيت قال رأيت الجنة والنار وحضهم على الصلاة وتهاهم ان يسبقوه اذا كان امامهم في الركوع والسجود وان ينصرفوا قبل انصرافه من الصلاة وقال لهم اني أراكم من أمامي ومن خلفي وسألت أنسا عن صلاة المريض فقال ركبتين يسجد فقال عداني المكتوبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا بكار بن ماهان ثنا أنس بن سيرين عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي على ناقته تطوعا في السفر لغير القبلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الله بن عمير قال سمعت عبد الله الحنفي يحدث انه سمع أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال

---

قبر فنهاهم فلما خرجوا جاء آخر فقال علي بن أبي طالب انما ألقيت خاتمي لكي تنزل فيه فيقال ان نزل في قبر النبي صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده لا تنزل فيه أبدا ومنعه ابن سعد * عن عبد الله بن محمد بن عمر بن علي عن أبيه قال قال علي بن أبي طالب لا يتحدث الناس انك نزلت فيه ولا يتحدث الناس ان خاتمك في قبر النبي صلى الله عليه وسلم ونزل علي وقد رأى موقعه فتناوله ورفعه اليه ابن سعد * (قضاء دينه صلى الله عليه وسلم) * عن معمر عن قتادة أن عليا قضى عن النبي صلى الله عليه وسلم أشياء بعد وفاته كان

عامتها أعرفه حسبت أنه قال خمسمائة درهم قبل لعبد الرزاق أوصى به النبي صلى الله عليه وسلم ذلك قال نعم لأن النبي صلى الله عليه وسلم أوصى الى علي فلولا ذلك ما تركوه أن يقضي (ج ب) * (ما يعلق بعبرانه صلى الله عليه وسلم وسجيي في كتاب الفرائض أيضا ما يتعلق به) * عن أنس قال ما أورثني أم سليم الا درد رسول الله صلى الله عليه وسلم وقدحه الذي كان يشرب فيه وعمود فسطاطه وصلابة كانت تجمر عليها أم سليم الرامك بعرق رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون (١٢٧) في بيت أم سليم فينزل عليه الوحي وهو على فراشها فيدرل يجعل الحمو وفعرق فكانت أم سليم تجمن الرامك بعرقه (كر) * عن مالك بن أوس ابن الحدثان قال أرسل الي عمر بن الخطاب فانتهيت تعالى النهار فوجدته في بيته جالسا على سرير مفضيا الى رماله متكئا على وسادة من أدم فقال لي يا مال انه قد دف أهل أبيات من قومك وقد أمرت فيهم برضخ فخذه فاقسمه بينهم فقلت لو أمرت بهذا غيري قال خذه يا مال فجاء يرفا فقال هل لك يا أمير المؤمنين في عثمان وعبد الرحمن بن عوف والزبير وسعد فقال عمر نعم فأذن لهم ودخلوا ثم جاء فقال هل لك في عباس وعلي قال نعم فأذن لهما فقال عباس يا أمير المؤمنين اقض بيني وبين هذا فقال بعض القوم أجل يا أمير المؤمنين فاقض بينهم وارحهم قال مالك فخيل الي أنهم كانوا قد موهم لذلك فقال عمر أنشدكم بالله الذي بإذنه تقوم السماء والارض أتعلمون أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا نورث ما تركنا صدقة قالوا نعم فاقبل على عباس وعلي فقال أنشدكما بالله الذي بإذنه تقوم السماء والارض أتعلمان أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا نورث ما تركنا صدقة قالا نعم قال عمر فان الله كان خص رسوله صلى الله عليه وسلم بخاصة لم يخص بها أحدا غيره قال ما أفاء الله على رسوله من أهل القرى فلله وللرسول ولذي القربى هل قرأ الآية التي قبلها أم لا قال فقسم رسول الله صلى الله عليه وسلم بينكم النضير فوالله ما استأثر عليكم ولا أخذها دونكم حتى بقي هذا المال فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأخذ منه نفقة سنته ثم يجعل ما بقي أسوة المال ثم قال أنشدكم بالله الذي

---

ان المسئلة لا تحل الا لاحد ثلاثة لذي فقر مدقع أو لذي غرم مفظع أو لذي دم موجع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الرحمن بن بديل العقيلي عن أبيه عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لله أهلين من الناس فقيل من أهل الله منهم قال أهل القرآن هم أهل الله وخاصته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا عبد الرحمن بن أبي الموالي عن موسى بن ابراهيم بن أبي ربيعة عن أبيه قال دخلنا على أنس بن مالك وهو يصلي في ثوب واحد متخللا ردّ موضوع قال فقلت له تصلي في ثوب واحد قال انما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي هكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا عمارة بن زاذان ثنا زياد النميري عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا صعد أتلعة أو نشزا قال اللهم لك الشرف على كل شرف ولك الحمد على كل حمد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا سفيان عن عاصم عن يوسف ابن عبد الله بن الحرث عن أنس قال رخص رسول الله صلى الله عليه وسلم في الرقية من العين والحمة والنملة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن المقرئ ثنا حرير بن قتادة عن أنس قال كانت قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم مدا اذا هم بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج بن محمد عن جرير بن حازم عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكلم في الحاجة بعد ما ينزل عن المنبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شريك وأبو اسامة قال أخبرنا شريك عن عاصم الاحول عن أنس قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا لاذنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شريك عن جابر عن أبي نضرة وأخبرني من أنس قال كانني رسول الله صلى الله عليه وسلم بقله كنت أجتنيها **حدثنا** أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل قال حدثني أبي رحمه الله ثنا حجاج ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قال ربكم عز وجل اذا تقرب العبد مني شبرا تقربت منه ذراعا واذا تقرب مني ذراعا تقربت منه باعا وان أتاني يمشي أتيته هرولة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال رخص أو رخص النبي صلى الله عليه وسلم لعبد الرحمن بن عوف والزبير بن العوام في لبس الحرير لحكة كانت بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثني شعبة عن أبي عمران الجوني عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يقال للرجل من أهل النار يوم القيامة أرأيت لو كان ما على الارض من شئ أكنت مفتديا به قال فيقول نعم قال فيقول قد أردت منك أهون من ذلك قد أخذت عليك في ظهر آدم ان لا تشرك بي شيأ فأبيت الا أن تشرك بي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم قال البركة في نواصي الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا زياد بن عبد الله بن علاثة ثنا سلمة بن وردان المدني قال سمعت أنس بن مالك قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أي الدعاء أفضل قال تسأل ربك العفو والعافية في الدنيا والآخرة ثم أتاه من الغد فقال يا رسول الله أي الدعاء أفضل قال تسأل ربك العفو والعافية في الدنيا والآخرة ثم أتاه اليوم الثالث فقال يا رسول الله أي الدعاء أفضل قال تسأل ربك العفو والعافية في الدنيا والآخرة فان اذا أعطيتها في الدنيا لم أعطيتها في الآخرة تفدرأفلحت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبيدة الحداد ثنا عبد الرحمن بن بديل بن ميسرة قال حدثني أبي عن أنس قال قال رسول الله صلى

باذنه تقوم السماء والارض أتعلمون ذلك قالوا نعم ثم نشد عباسا وعليا بمثل ما نشدا به القوم أتعلمان ذلك قالا نعم قال فلما توفى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أبو بكر أنا ولى رسول الله صلى الله عليه وسلم فجئتما تطلب ميراثك من ابن أخيك ويطلب هذا ميراث امرأته من أبيها فقال أبو بكر قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا نورث ما تركنا صدقة فرأيتماه كاذبا آثما غادرا خائنا والله يعلم انه لصادق بار راشد تابع للحق ثم توفى أبو بكر فقلت أنا ولى رسول الله صلى الله عليه وسلم وولى أبى بكر فرأيتمانى كاذبا آثما غادرا خائنا والله يعلم انى لصادق بار راشد تابع للحق فوليتها ثم جئتنى أنت وهذا وأنتما جميع وأمركما واحد فقلتما ادفعها الينا فقلت ان شئتما دفعتها اليكما على أن عليكما عهد الله وميثاقه أن تعملا فيه بالذى كان يعمل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر فاخذتماها بذلك فقال أكذلك كان قالا نعم ثم جئتمانى لاقضى بينكما ولا والله لا أقضى بينكما بغير ذلك حتى تقوم الساعة فان عجزتما عنها فردا هاالى (عب حم) وأبو عبيد فى الاموال وعبد بن حميد (خ م د ت ن) وأبو عوانة (حب) وابن مردويه (هق) * عن عائشة ان فاطمة بنت رسول الله صلى الله عليه وسلم سألت أبا بكر بعد وفاة رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يقسم لها ميراثها مما ترك رسول الله صلى الله عليه وسلم مما أفاء الله فقال لها أبو بكر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا نورث ما تركنا صدقة فغضبت فاطمة فهجرت أبا بكر فلم تزل مهاجرته حتى توفيت وعاشت بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم ستة أشهر فكانت فاطمة تسأل أبا بكر نصيبها مما ترك رسول الله صلى الله عليه وسلم من خيبر وفدك وصدقته بالمدينة فأبى أبو بكر ذلك وقال لست تارك شيأ كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعمل به الا عملته فانى أخشى ان تركت شيأ من أمره أن أزيغ فاما صدقته بالمدينة فدفعها عمر الى على والعباس فغلب عليها وأما خيبر وفدك فامسكها عمر وقال هما صدقة رسول الله صلى الله عليه وسلم كانت لحقوقه التى تعروه ونوائبه وأمرهما الى ولى الامر فهما على ذلك الى اليوم (حم خ م هق) * (حرف الصاد



الله عليه وسلم ان لله عز وجل أهلين من الناس قال قيل من هم يا رسول الله قال أهل القرآن هم أهل الله وخاصته **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبيدة عن سلام أبى المنذر عن ثابت عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم قال حبب الى من الدنيا النساء والطيب وجعل قرة عينى فى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد مولى بنى هاشم ثنا سلام أبو المنذر القارئ ثنا ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم حبب الى من الدنيا النساء والطيب وجعل قرة عينى فى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبيدة عن عزرة بن ثابت عن ثمامة بن عبد الله بن أنس عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم اذا شرب تنفس مرتين وثلاثا وكان انس يتنفس ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبيدة عن همام عن قتادة قال كانا تى أنسا وخبازه قائم قال فقال لنا ذات يوم كلوا فما أعلم رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رغيفا مرققا بعينه ولا أكل شاة سميطا قط **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عامر عبد الرحمن يعنى ابن أبى المو ال عن موسى بن ابراهيم بن أبى ربيعة عن أبيه قال دخلنا على انس بن مالك وهو يصلى فى ثوب واحد ملتحفا به ورداؤه موضوع فلما انصرف قلنا له تصلى وردا ؤك موضوع قال هكذا رأيت النبى صلى الله عليه وسلم يصلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عامر ثنا زهير حدثنى عبد الرحمن بن زيد عن أبيه أن أنس بن مالك أخبره قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم الى خيبر فدخل صاحب لنا الى خربة يقضى حاجته فتناول لبنة ليستطيب بها فانهارت عليه تبرا فاخذها فاتى بها النبى صلى الله عليه وسلم فاخبره بذلك قال زنها فوزنها فاذا مائتا درهم فقال النبى صلى الله عليه وسلم هذا ركاز وفيه الخمس **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عامر ثنا فليح حدثنى عثمان بن عبد الرحمن بن عثمان التيمى ان أنسا اخبره أن النبى صلى الله عليه وسلم كان يصلى الجمعة حين تميل الشمس وكان اذا خرج الى مكة صلى الظهر بالشجرة سجدتين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا صفوان بن عيسى وزيد بن الحباب قالا أنا اسامة بن زيد عن الزهرى عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى على حمزة فوقف عليه فرآه قد مثل به فقال لولا ان تجد صفية فى نفسها لتركته حتى تأكله العافية وقال زيد بن الحباب حتى يحشر من بطونها ثم قال دعا ببردة فكفنه فيها فقال وكانت اذا مدت على رأسه بدت قدماه واذا مدت على قدميه بدا رأسه قال وكثر القتلى وقلت الثياب قال وكان يكفن أو يكفن الرجلين والثلاثة فى الثوب الواحد قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يسأل عن أكثرهم قرآنا فاذا قدم الى القبلة قال فدفنهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ولم يصل عليهم وقال زيد بن الحباب فكان لو جل والرجلان والثلاثة يكفنون فى ثوب واحد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد ابن أبى عدى عن حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انتهت الى السدرة فاذا نبقها مثل الجرار واذا ورقها مثل آذان الفيلة فلما غشيها من أمر الله ما غشيها تحولت ياقوتا وزمردا وتحول ذلك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن أبى عدى عن حميد عن أنس ان الربيع عمة أنس كسرت ثنية جارية فطلبوا الى القوم العفو فأبوا فأتوا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال القصاص قال أنس بن النضر يا رسول الله تكسر ثنية فلانة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أنس كتاب الله القصاص قال فقال والذى بعثك بالحق لا تكسر ثنية فلانة قال فرضى القوم فعفوا وتركوا القصاص فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من عباد الله من لو أقسم على الله لابره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن أبى عدى عن

وفيه خمسة كتب الصلاة الصوم الصلح الصحة الصيد * كتاب الصلاة وفيه تسعة أبواب * الباب الاول فى فضل الصلاة و وجوبها وفيه فصلان * الفصل الاول فى الوجوب * أول ما افترض الله تبارك وتعالى على أمتى الصلوات الخمس وأول ما يرفع من أعمالهم الصلوات الخمس وأول ما يسألون عن الصلوات الخمس فمن كان ضيع شيأ منها يقول الله تبارك وتعالى انظروا هل تجدون لعبدى نافلة من صلاة تتمون بها ما انتقص من الفريضة وانظروا فى صيام عبدى شهر رمضان فان كان ضيع شيأ منه فانظروا هل



تجدون لعبدى نافلة من صيام تتمون بها ما انتقص من الصيام وانظروا فى زكاة عبدى فان كان ضيع منها شيأ فانظروا هل تجدون لعبدى نافلة من صدقة تتمون بها ما انتقص من الزكاة فيؤخذ ذلك على فرائض الله وذلك برحمة الله وعدله فان وجد فضلا وضع فى ميزانه وقيل له ادخل الجنة مسرورا وان لم يوجد له شئ من ذلك أمرت به الزبانية فاخذ بيديه ورجليه ثم قذف به فى النار (الحاكم فى الكنى عن ابن عمر * أول ما يحاسب به العبد يوم القيامة صلاته فان كان أتمها كتبت له تامة وان لم يكن أتمها قال الله تعالى للملائكته انظروا هل تجدون لعبدى من تطوع فتكملون بها فريضته ثم تؤخذ الاعمال على حسب ذلك (حم د ه ك) عن تميم الدارى * خمس صلوات كتبهن الله عز وجل على العباد فمن جاء بهن لم يضيع منهن شيأ استخفافا بحقهن كان له عند الله عهد أن يدخله الجنة ومن لم يأت بهن فليس له عند الله عهد ان شاء عذبه وان شاء أدخله الجنة مالك (حم د ن ه حب ك) عن عبادة بن الصامت * خمس صلوات من حافظ عليهن كانت له نورا وبرهانا ونجاة يوم القيامة ومن لم يحافظ عليهن لم يكن له نور يوم القيامة ولا برهان ولا نجاة وكان يوم القيامة مع قارون وهامان وأبى بن خلف ابن نصر عن ابن عمرو * الصلاة وما ملكت أيمانكم الصلاة وما ملكت أيمانكم (حم ن ه حب) عن أنس (حم ه) عن أم سلمة (طب) عن ابن عمر * اتقوا الله فى الصلاة اتقوا الله فى الصلاة اتقوا الله فى الصلاة اتقوا الله فى الضعيف المرأة الارملة

عون عن عبد الحميد بن المنذر بن جارود عن أنس بن مالك قال صفر بعض عمومتى بطعام فقال للنبى صلى الله عليه وسلم انى أحب ان تأكل فى بيتى وتصلى فيه قال فأتى وفى البيت تحتى من تأمنى فحولى قال فأمر بناحية منه فكنس ورش وصلى وصلينا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن أبى عدى عن سليمان عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم بدر من ينظر ما فعل أبو جهل قال فانطلق ابن مسعود فوجده فضربه ابناء فراء حتى برك قال فاخذ بلحيته وقال أنت أبو جهل قال وهل فوق رجل قتله قومه أو قال قتلتموه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر وعفان قالا ثنا شعبة عن هشام قال عفان أخبرنى هشام بن زيد بن أنس قال سمعت أنس بن مالك يقول جاءت امرأة من الانصار الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عفان معها ابن لها فقال والذى نفسى بيده وقال ابن جعفر قال فلا لا والله ما رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال والذى نفسى بيده انكم لاحب الناس الى ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سليمان بن داود ثنا شعبة عن هشام ابن زيد قال سمعت أنس بن مالك يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فى الانصار انكم لمن أحب الناس الى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن على أبى الاسد قال حدثنى بكير بن وهب الجزرى قال قال لى أنس بن مالك أحدثك حديثا ما أحدثه كل أحد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قام على باب البيت ونحن فيه فقال الائمة من قريش ان لهم عليكم حقا ولكم عليهم حقا مثل ذلك ما ان استرحموا فرحموا وان عاهدوا وفوا وان حكموا عدلوا فمن لم يفعل ذلك منهم فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حمزة الضبى عن أنس انه قال ألا أحدثك حديثا لعل الله ينفعك به ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا نزل منزلا لم يرتحل حتى يصلى الظهر قال فقال محمد بن عمرو وان كان بنصف النهار قال وان كان بنصف النهار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا شعبة وحمزة الضبى قال لقيت أنس بن مالك بفم النيل ومشى وبينى وبينه محمد بن عمرو فذكر مثله قال فقال محمد بن عمرو وان كان بنصف النهار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر حدثنا شعبة عن يعلى بن عطاء عن ابى فزارة قال سألت أنس عن الركعتين قبل المغرب قال كنا نبتدرهما على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم قال شعبة ثم قال بعد وسألته غير مرة فقال كنا نبتدرهما ولم يقل على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبى صدقة مولى أنس قال سألت أنسا عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال كان يصلى الظهر اذا زالت الشمس والعصر بين صلاتيكم هاتين والمغرب اذا غربت الشمس والعشاء اذا غاب الشفق والصبح اذا طلع الفجر الى ان ينفسح البصر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبى عمران الجونى قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبى صلى الله عليه وسلم قال يقول الله عز وجل لاهون أهل النار عذابا لو ان لك ما فى الارض من شئ كنت تفتدى به فيقول نعم فيقول قد أردت منك ما هو أهون من هذا وأنت فى صلب آدم ان لا تشرك بى فابيت الا ان تشرك بى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يحيى بن يزيد الهنائى قال سألت أنس بن مالك عن قصر الصلاة قال كنت أخرج الى الكوفة فاصلى ركعتين حتى أرجع وقال أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج مسيرة ثلاثة أميال أو ثلاثة فراسخ شعبة الشاك صلى ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز عن أنس

والصبي اليتيم (هب) عن أنس * أول ما يحاسب به العبد يوم القيامة الصلاة فان قبلت صلح سائر عمله وان فسدت فسد سائر عمله (طس) والضياء عن أنس * بين الرجل وبين الشرك والكفر ترك الصلاة (م د ت ه) عن جابر * عهد الاسلام الصلاة فمن فرغ لها قلبه وحافظ عليها بحدها ووقتها وسننها فهو مؤمن (خط) وابن النجار عن أبي سعيد * العهد الذي بيننا وبينهم الصلاة فمن تركها فقد كفر (حم ت ن هب لـ) عن بريدة * من علم أن الصلاة عليه حق (١٣٠) واجب دخل الجنة (حم لـ) عن عثمان * من ترك الصلاة لقي الله وهو عليه غضبان

(طب) عن ابن عباس * من ترك الصلاة متعمدا فقد كفر جهارا (طس) عن أنس * ارجعوا الى أهليكم وكونوا فيهم وعلموهم ومروهم وصلوا كما رأيتموني أصلي فاذا حضرت الصلاة فليؤذن لكم أحدكم وليؤمكم أكبركم (حم ق ن) عن مالك بن الحويرث * ان الله تعالى ملكا ينادي عند كل صلاة يا بني آدم قوموا الى نيرانكم التي أوقدتموها على أنفسكم فاطفؤها بالصلاة (طب) والضياء عن أنس * ان الله تعالى افترض على العباد خمس صلوات في كل يوم وليلة (طس) عن عائشة * (الاكمال) * من ترك صلاة مكتوبة حتى تفوته من غير عذر فقد حبط عمله (ش) عن أبي الدرداء وعن الحسن مرسلا * من ترك الصلاة متعمدا كتب اسمه على باب النار ممن يدخلها أبو نعيم عن أبي سعيد * من ترك الصلاة فكأنما وتر أهله وماله (ط هق) في المعرفة عن نوفل * من فاتته الصلاة فكأنما وتر أهله وماله الشافعي (هق) عن نوفل بن معاوية * والله

قال أقيمت الصلاة ورجل يناجي رسول الله صلى الله عليه وسلم فما زال يناجيه حتى نام أصحابه ثم قام فصلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن عبد الله بن عبد الله بن جبر انه سمع أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يغتسل هو وامرأة من نسائه من اناء واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد الله بن عبد الله بن جبر قال سمعت أنسا قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم آية الايمان حب الانصار وآية النفاق بغضهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن ثابت قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبر عند أول صدمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حبيب بن الشهيد عن ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى على قبر امرأة قد دفنت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قال ربكم عز وجل اذا تقرب العبد مني شبرا تقربت منه ذراعا واذا تقرب مني ذراعا تقربت منه باعا واذا أتاني يمشي أتيته هرولة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر حدثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي بن كعب ان الله أمرني ان أقرأ عليك لم يكن الذين كفروا قال وسماني لك قال نعم فبكى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة ويزيد قال أنا شعبة عن قتادة قال ابن جعفر في حديثه قال سمعت قتادة يحدث عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال أتموا الركوع والسجود فوالله اني لاراكم من بعدي وربما قال من بعد ظهري اذا ركعتم وسجدتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يقول ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثت أنا والساعة كهاتين قال شعبة وسمعت قتادة يقول في قصصه كفضل احداهما على الاخرى فلا أدري ذكره عن أنس أم قاله قتادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا عدوى ولا طيرة ويعجبني الفأل قيل وما الفأل قال كلمة طيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم أتي بلحم فقيل له تصدق به على بريرة فقال هو لها صدقة ولنا هدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ بن هشام الدستوائي قال حدثني أبي عن يونس عن قتادة عن أنس بن مالك قال ما أكل نبي الله صلى الله عليه وسلم على خوان ولا في سكرجة ولا خبز له مرقق قال وقلت لقتادة فعلام كانوا يأكلون قال على السفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أنس بن عياض حدثني ربيعة انه سمع أنس بن مالك وهو يقول توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو ابن ستين سنة ليس في رأسه ولحيته عشرون شعرة بيضاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن الاشيب ثنا حماد بن يحيى حدثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان مثل أمتي مثل المطر لا يدرى أوله خير أو آخره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن جابر عن حميد بن هلال عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكنيني بقلة كنت أجتنيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أنس بن سيرين عن أنس بن مالك قال كان رجل ضخم لا يستطيع أن يصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال للنبي صلى الله عليه وسلم اني لا أستطيع ان أصلي معك فلو أتيك منزلي فصليت فاقتدى بك فصنع الرجل طعاما ثم دعا النبي صلى الله عليه

يا معشر قريش لتقيمن الصلاة ولتؤتن الزكاة أولا بعثن عليكم رجلا يضرب أعناقكم على الدين أنا أو خاصف النعل (لـ) عن علي * لا تتركن الصلاة متعمدا فانه من ترك الصلاة متعمدا فقد برئت منه ذمة الله وذمة رسوله (حم) عن أم أيمن * والله لتصلين والله ليعصى الله جهارا ابن منده وأبو نعيم عن الحكم بن مرة * ان الله تعالى لم يفرض شيأ أفضل من التوحيد والصلاة ولو كان شيأ أفضل منه افترضه على ملائكته منهم راكع ومنهم ساجد الديلمي عن أبي سعيد * (الافعال) * عن نافع ان عمر بن الخطاب كتب الى عماله

وسلم

ان أهم أمركم عندي الصلاة فمن حفظها أحفظ عليه أحفظ دينه ومن ضيعها فهو لما سواها أضيع ثم كتب أن صلاة الظهر اذا كان الفيء ذراعا الى أن يكون ظل أحدكم مثله والعصر والشمس بيضاء نقية قدر ما يسير الراكب فرسخين أو ثلاثة والمغرب اذا غربت الشمس والعشاء اذا غاب الشفق الى ثلث الليل فمن نام فلا نامت عينه والصبح والنجوم بادية مشتبكة فمن نام فلا نامت عينه مالك (غب هق) *عن الشعبي قال أول ما فرضت الصلاة ركعتين ركعتين فلما أتى النبي صلى الله عليه وسلم المدينة زاد مع كل (١٣١) ركعتين ركعتين الا المغرب (ش) *عن أم سلمة قالت كانت عامة وصية رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة الصلاة وما ملكت أيمانكم حتى جعل يلجلجها في صدره وما يفيض بها لسانه ابن خزيمة

*(الفصل الثاني في فضائل الصلاة فرضا ونفلا وسيجيء أحاديث النوافل في باب النوافل خاصة) * الصلاة عماد الدين (هب) عن عمر * الصلاة عماد الايمان والجهاد سنام العمل والزكاة بين ذلك (فر) عن علي * الصلاة ميزان فمن أوفى استوفى (هب) عن ابن عباس * الصلاة تسود وجه الشيطان والصدقة تكسر ظهره والتحاب في الله والتودد في العمل يقطع داره فاذا فعلتم ذلك تباعد منكم كما يلمع الشمس من مغربها (فر) عن ابن عمر * الصلاة نور المؤمن القضاعي وابن عساكر عن أنس * الصلاة خير موضوع فمن استطاع أن يستكثر فليستكثر (طس) عن أبي هريرة * الصلاة خدمة الله في الأرض فمن صلى ولم يرفع يديه فهي خداج هكذا أخبرني جبريل عن الله تعالى ان بكل اشارة درجة وحسنة (خط) عن ابن عباس * الصلاة قربان كل تقي القضاعي عن علي * ان الصلاة قربان المؤمن (عد) عن أنس * عليك بالصلاة فانها أفضل الجهاد وهجيري المعاصي فانها أفضل الهجرة المحاملي في أماليه عن أم أنس * ان الصلاة والصيام والذكر يضاعف على النفقة في سبيل الله تعالى بسبعمائة ضعف (د ك) عن معاذ بن أنس * أفضل الرباط الصلاة لزوم مجالس الذكر وما من عبد يصلي ثم يقعد في مصلاه الا لم تزل الملائكة تصلي عليه حتى يحدث أو يقوم الطيالسي عن أبي هريرة * ان في الصلاة شغلا (ق د ه) عن ابن مسعود * ان الرجل اذا

---

وسلم فنفض طرفا من حصير لهم فصلى النبي صلى الله عليه وسلم ركعتين فقال رجل من آل الجارود لأنس وكان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى قال ما رأيته صلاها الا يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة قال أخبرني أنس بن سيرين قال سمعت أنس بن مالك قال قال رجل من الانصار فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن منصور عن ربعي بن حراش عن أبي الابيض قال حجاج رجل من بني عامر عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي العصر والشمس بيضاء مخلقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت أبا حمزة جارا يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لمعاذ بن جبل اعلم انه من مات يشهد ان لا اله الا الله دخل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال أنا شعبة وهاشم ثنا شعبة قال قال أبو التياح سمعت أنس بن مالك يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يسروا ولا تعسروا وسكنوا ولا تنفروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بعثت أنا والساعة كهاتين وبسط أصبعيه السبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح وحجاج قال سمعت شعبة عن أبي التياح قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي في مرابض الغنم قبل ان يبنى المسجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة حدثني عبيد الله بن أبي بكر قال سمعت أنس بن مالك قال ذكر رسول الله صلى الله عليه وسلم الكبائر أو سئل عن الكبائر فقال الشرك بالله عز وجل وقتل النفس وعقوق الوالدين وقال ألا أنبئكم بأكبر الكبائر قال قول الزور أو قال شهادة الزور قال شعبة أكبر ظني انه قال شهادة الزور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سيار قال كنت أمشي مع ثابت البناني فمر بصبيان فسلم عليهم وحدث انه كان يمشي مع أنس فمر بصبيان فسلم عليهم وحدث أنس انه كان يمشي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فمر بصبيان فسلم عليهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ومحمد بن بكر قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يشرب الرجل قائما قال فقلنا لانس فالطعام قال ذاك أشر أو أنتن قال ابن بكر أو أخبث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن سفيان عن يحيى بن هانئ عن عبد الحميد بن محمود قال صليت مع أنس يوم الجمعة فدفعنا الى السواري فتقدمنا أو تأخرنا فقال أنس كنا نتقي هذا على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن قال ثنا اسحق بن عبد الله ابن أبي طلحة عن أنس بن مالك ان جدته ملكية دعت رسول الله صلى الله عليه وسلم لطعام صنعته فأكل منه ثم قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم قوموا فلأصلي لكم قال أنس فقمت الى حصير لنا قد اسود من طول ما لبس فنضحته بماء فقام عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقمت أنا واليتيم وراءه والعجوز من ورائنا فصلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعتين ثم انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن جرير بن حازم عن قتادة قال سألت أنس بن مالك عن قراءة النبي صلى الله عليه وسلم قال كان يمد صوته مدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن يعني ابن مهدي عن حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يؤتى بالرجل من أهل الجنة يوم القيامة فيقول الله عز وجل يا ابن آدم كيف

دخل فى صلاته تقبل الله تبارك وتعالى عليه بوجهه فلا ينصرف عنه حتى ينقلب أو يحدث حدثا سوء (ه) عن حذيفة * ان الله تبارك وتعالى اذا أنزل عاهة من السماء على أهل الارض صرفت عن عمار المساجد ابن عساكر عن أنس * تأكل النار ابن آدم الا أثر السجود حرم الله عز وجل على النار أن تأكل أثر السجود (ه) عن أبي هريرة * حبب الى من دنياكم النساء والطيب وجعلت قرة عيني فى الصلاة (حم ن ك هق) عن أنس * قال لى جبريل حبب (١٣٢) الى الصلاة فقم بنا ما شئت (حم) عن ابن عباس * يا بلال أقم الصلاة أرحنا بها (حم د) عن رجل * قال الله تعالى قسمت الصلاة بينى وبين عبدى نصفين ولعبدى ما سأل فاذا قال العبد الحمد لله رب العالمين قال الله تعالى حمدنى عبدى فاذا قال الرحمن الرحيم قال الله تعالى أثنى على عبدى فاذا قال مالك يوم الدين قال مجدنى عبدى فاذا قال اياك نعبد واياك نستعين قال هذا بينى وبين عبدى ولعبدى ما سأل (حم م ٤) عن أبي هريرة * أحب الاعمال الى الله تعالى الصلاة لوقتها ثم بر الوالدين ثم الجهاد فى سبيل الله تعالى (حم ق د ن) عن ابن مسعود * الصلوات الخمس والجمعة الى الجمعة ورمضان الى رمضان مكفرات لما بينهن اذا اجتنبت الكبائر (حم م ت) عن أبي هريرة * مامن امرئ مسلم تحضر صلاة مكتوبة فيحسن وضوءها وخشوعها وركوعها الا كانت كفارة لما قبلها من الذنوب مالم تؤت كبيرة وذلك الدهر كله (م) عن عثمان * مامن حافظين يرفعان الى الله تعالى بصلاة رجل مع صلاة الا قال الله تعالى أشهدكما انى قد غفرت لعبدى ما بينهما (هب) عن أنس * مامن امرئ يتوضأ فيحسن وضوءه ثم يصلى الصلاة الا غفر له ما بينه وبين الصلاة الاخرى حتى يصليها (ن حب) عن عثمان * مامن مسلم يتطهر فيتم الطهور الذى كتب الله تعالى عليه فيصلى هذه الصلوات الخمس الا كانت كفارة لما بينهن (م) عن عثمان * لا يتوضأ رجل فيحسن وضوءه ثم يصلى الصلاة الا غفر له ما بينه وبين الصلاة التى تليها (ق) عن عثمان * بكل خطوة يخطوها أحدكم الى الصلاة تكتب له حسنة ويمحو عنه بها سيئة (حم د) عن أبي هريرة * من تطهر فى بيته ثم مشى الى بيت من

---

وجدت منزلك فيقول يا رب خير منزل فيقول سل وتمنه فيقول ما أسأل وأتمنى الا انى أتردد فى الدنيا فاقتل فى سبيلك عشر مرات لما يرى من فضل الشهادة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى ثنا سفيان عن منصور عن طلحة بن مصرف عن أنس بن مالك قال كان النبى صلى الله عليه وسلم يرى الثمرة فلا لا أنه يخشى ان تكون صدقة لاكلها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى عن عمران القطان عن قتادة عن أنس قال استخلف رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أم مكتوم مرتين على المدينة وقد رأيته يوم القادسية معه راية سوداء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى عن حماد بن سلمة عن أنس قال ما كان شخص أحب اليهم من رسول الله صلى الله عليه وسلم وكانوا اذا رأوه لم يقوموا لما يعلموا من كراهيته لذلك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى ثنا سفيان عن عمرو بن عامر قال سمعت أنسا يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ عند كل صلاة قال قلت وأنتم كيف كنتم تصنعون قال كنا نصلى الصلوات بوضوء ولحدثنا ما لم نحدث **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى عن سفيان عن الزبير يعنى ابن عدى قال شكونا الى أنس بن مالك ما نلقى من الحجاج فقال اصبروا فانه لا يأتى عليكم عام أو يوم الا الذى بعده شر منه حتى تلقوا ربكم عز وجل سمعته من نبيكم صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال قرأت على عبد الرحمن مالك عن اسحق بن عبد الله بن أبى طلحة عن أنس بن مالك قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وحانت صلاة العصر فالتمس الناس الوضوء فلم يجدوا فأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بوضوء فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم فى ذلك الاناء يده وأمر الناس أن يتوضؤا منه فرأيت الماء ينبع من تحت أصابعه فتوضأ الناس حتى توضؤا من عند آخرهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى عن سفيان عن عبد الرحمن الاصم عن أنس بن مالك أن النبى صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يتمون التكبير اذا رفعوا واذا وضعوا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لغدوة فى سبيل الله أو روحة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغير عند طلوع الفجر فيستمع فاذا سمع أذانا أمسك والا أغار قال فتسمع ذات يوم قال فسمع رجلا يقول الله أكبر الله أكبر فقال على الفطرة فقال أشهد أن لا اله الا الله فقال خرجت من النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر عن سعيد عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتموا الصف الاول ثم الذى يليه فان كان نقص فليكن فى الصف المؤخر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى عن أبان يعنى ابن يزيد العطار ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يتمون الصف الاول ثم الذى يليه فان كان نقص فليكن فى الصف المؤخر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرحمن بن مهدى ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس أن اليهود كانوا اذا حاضت المرأة منهم لم يؤاكلوها ولم يجامعوها فى البيوت فسأل أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم فأنزل الله عز وجل يسألونك عن المحيض قل هو أذى فاعتزلوا النساء فى المحيض ولا تقربوهن حتى يطهرن حتى فرغ من الآية فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اصنعوا كل شئ الا النكاح فبلغ ذلك اليهود فقالوا ما يريد هذا الرجل ان يدع من أمرنا شيأ الا خالفنا فيه فجاء أسيد بن حضير وعباد بن بشر فقالا يا رسول الله ان اليهود قالت كذا وكذا أفلا

بيوت الله ليقضي فريضة من فرائض الله كانت خطوتاه احداهما تحط خطيئة والاخرى ترفع درجة (م) عن أبي هريرة * اذا تطهر الرجل ثم مر الى المسجد برعي الصلاة كتب له كاتبه بكل خطوة يخطوها الى المسجد عشر حسنات والقاعد برعي الصلاة كالقانت ويكتب من المصلين من حين يخرج من بيته حتى يرجع اليه (حم حب ك هق) عن عقبة بن عامر * اذا توضأ أحدكم فاحسن الوضوء ثم خرج الى الصلاة لم يرفع قدمه اليمنى الا كتب الله له حسنة ولم يضع قدمه اليسرى الا حط الله عز وجل عنه سيئة (١٣٣) اذا قرب أحدكم أوليبعد فان أتى المسجد

فصلى في جماعة غفر له فان أتى المسجد وقد صلوا بعضا وبقي بعض صلى ما أدرك وأتم ما بقي كان كذلك فان أتى المسجد وقد صلوا فاقام الصلاة كان كذلك (د هق) عن رجل من الانصار * للمصلي ثلاث خصال يتناثر البر من عنان السماء الى مفرق رأسه وتحف به الملائكة من لدن قدميه الى عنان السماء وينادينه مناد لو يعلم المصلي من يناجي ما انفتل محمد بن نصر في الصلاة عن الحسن مرسلا * اذا قام العبد في صلاته ذر البر على رأسه حتى يركع فاذا ركع علته رحمة الله حتى يسجد والساجد يسجد على قدمي الله فليسأل وليرغب (ص) عن أبي عمار مرسلا * ما من حالة يكون عليها العبد أحب الى الله تعالى من أن يراه ساجدا يعفر وجهه في التراب (طس) عن حذيفة * ما من عبد يسجد لله سجدة الا رفعه الله بها درجة وحط عنه بها خطيئة (حم ت ن حب) عن ثوبان * أقرب ما يكون العبد من الله تعالى وهو ساجد البزار عن ابن مسعود * ما من عبد يسجد لله تعالى سجدة الا كتب الله له بها حسنة وحط عنه بها سيئة ورفع له بها درجة فاستكثروا من السجود (ه طب) والضياء عن عبادة بن الصامت * اذا سجد العبد طهر سجوده ما تحت جبهته الى سبع أرضين (طس) عن عائشة * ما من صباح ولا رواح الا وبقاع الارض ينادي بعضها بعضا يا جارة هل مر بك اليوم عبد صالح صلى عليك أو ذكر الله فان قالت نعم رأت ان لها بذلك فضلا (طب حل) عن أنس * ان يلج النار أحد صلى قبل طلوع الشمس وقبل غروبها (حم م د ن) عن عمارة بن رويبة * مثل الصلوات الخمس كمثل نهر جار

نجا معهن فتغير وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى ظننا انه قد وجد عليهما فرجا فاستقبلتهما هدية من لبن لي رسول الله صلى الله عليه وسلم فأرسل في آثارهما فسقاهما فعرفا انه لم يجل عليهما * **حدثنا** عبد الله قال سمعت أبي يقول كان حماد بن سلمة لا يدع أو يثني على شئ من حديثه الا هذا الحديث من جودته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن ثمير عن قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كتب الى كسرى وقيصر وأكيدر دومة يدعوهم الى الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا عزرة عن ثمامة بن عبد الله ان انسا كان لا يرد الطيب قال وزعم أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان لا يرد الطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا شعبة عن خالد عن أبي قلابة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل أمة أمين وأبو عبيدة أمين هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا سفيان عن السدي قال سمعت أنس بن مالك يقول لو عاش ابراهيم ابن النبي صلى الله عليه وسلم لكان صديقا نبيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي قال ثنا سفيان عن اسمعيل السدي قال سمعت أنس بن مالك يقول انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم من الصلاة عن يمينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا هشام عن قتادة عن انس انه مشى الى النبي صلى الله عليه وسلم بخبز شعير واهالة سخنة قال وقد رهن رسول الله صلى الله عليه وسلم درعه عند يهودي بالمدينة فاخذ منه شعيرا لاهله قال ولقد سمعته ذات يوم يقول ما أمسى عند آل محمد صاع حب ولا صاع برولا ان عنده تسع نسوة يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ليصيبن ناسا سفع من النار عقوبة بذنوب عملوها ثم يدخلهم الله الجنة بفضل رحمته فيقال لهم الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر وازهر بن القاسم قالا ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال مثل ما بين ناحيتي حوضي مثل ما بين المدينة وصنعاء أو مثل ما بين المدينة وعمان وقال أزهر مثل وقال عمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ابن حرب ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم والحلاق يحلقه وقد أطاف به أصحابه ما يريدون ان تقع شعرة الا في يد رجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا سفيان عن عمرو بن عامر قال سمعت أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ عند كل صلاة قلت فانتم كيف تصنعون قال كنا نصلي الصلوات بوضوء واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز بن أسد ثنا جعفر بن سليمان ثنا ثابت البناني قال جعفر لا أحسبه الا عن أنس قال مطرنا على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فخرج نفسر ثوبه حتى أصابه المطر فقيل له يا رسول الله لم صنعت هذا قال لانه حديث عهد بربه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل مظفر بن مدرك ثنا حماد بن زيد عن سلم العلوي قال سمعت أنس بن مالك يقول لما نزلت آية الحجاب جئت أدخل كما كنت أدخل فقال النبي صلى الله عليه وسلم وراءك يا بني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد بن زيد عن سلم العلوي قال سمعت أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى على رجل صفرة فكرهها قال لو أمرتم هذا أن يغسل هذه الصفرة قال وكان لا يكاد يواجه أحدا في وجهه بشئ يكرهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا عبد الله بن عبد الله بن جبر عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل مع المرأة من نسائه من

هذب على باب أحدكم يغتسل فيه كل يوم خمس مرات فما يبقى ذلك من الدنس (حم م) عن جابر * مفاتيح الجنة الصلاة ومفاتيح الصلاة الطهور (حم هب) عن جابر * لكل شئ صفوة وصفوة الايمان الصلاة وصفوة الصلاة التكبيرة الاولى (هب) عن أبي هريرة * اسكم أن لا تحشروا ولا تعشروا ولا حيرى في دين ليس فيه ركوع (حم د) عن عثمان بن أبي العاص * ما من مسلم يتوضأ فيحسن وضوأه ثم يقوم فيصلي ركعتين فيقبل عليهما بقلبه ووجهه الا وجبت له الجنة (م د) عن عقبة بن عامر * من توضأ فأحسن الوضوء ثم صلى ركعتين لا يسهو فيهما غفر

(١٣٤)

الاناء الواحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا بهز ثنا شعبة قال حدثني عبد الله بن عبد الله بن جبر الانصاري قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم آية النفاق بغض الانصار وآية الايمان حب الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد مرة عن ثابت عن أنس ومرة عن حميد عن أنس بن مالك قال ما كان أحد من الناس أحب اليهم شخصا من رسول الله صلى الله عليه وسلم كانوا اذا رأوه لا يقوم له أحد منهم لما يعلمون من كراهيته لذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة أخبرني عبد الله بن أبي بكر عن أنس قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الكبائر أو ذكر له قال الشرك والعقوق وقتل النفس وشهادة الزور أو قول الزور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا بهز وعبد الصمد المعنى قالا حدثنا همام بن يحيى ثنا قتادة قال سألت أنس بن مالك قلت كم حج رسول الله صلى الله عليه وسلم قال حجة واحدة واعتمر أربع مرات عمرته زمن الحديبية وعمرته فى ذى القعدة من المدينة وعمرته من الجعرانة فى ذى القعدة حيث قسم غنيمة حنين وعمرته مع حجته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام بن يحيى عن قتادة قال كنا ناتى أنس بن مالك وخبازه قائم فقال فقال يوما كلوا فما أعلم رسول الله صلى الله عليه وسلم أكل رغيفا مرققا ولا شاة سميطا قط قال عفان فى حديثه حتى لحق بربه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة عن أنس انهم انما نزلت على النبي صلى الله عليه وسلم مرجعه من الحديبية وأصحابه يخالطون المزن والكآبة وقد حيل بينهم وبين منسكهم ونحر والهدى بالحديبية فلما فتحنا لك فتحا مبينا الى قوله صراطا مستقيما قال لقد أنزلت على آيتان هما أحب الي من الدنيا جميعا فقال فلما تلاهما قال رجل هنيأ مريئا يا نبي الله قد بين الله لك ما يفعل بك فما يفعل بنا فانزل الله عز وجل الآية التي بعدها ليدخل المؤمنين والمؤمنات جنات تجري من تحتها الانهار حتى ختم الآية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال سمعت قتادة يقول فى قصصه ثنا أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يخرج قوم من النار بعد ما يصيبهم سفع من النار فيدخلون الجنة فيسميهم أهل الجنة الجهنميين قال وكان قتادة يتبع هذه الرواية والله أعلم ولكن أحق من صدقتم أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم الذين اختارهم الله لصحبة نبيه واقامة دينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان لكل نبي دعوة قد دعا بها فاستجيب له واني اختبأت دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام ثنا قتادة قال قلت لانس أي اللباس كان أعجب الى صفان أو أحب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الحبرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى ان ينبذ البسر والتمر جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد يعني ابن سلمة عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تقوم الساعة حتى يتباهر الناس فى المساجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا أبان قال بهز بن يزيد العطار ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تزال لجهنم تقول هل من مزيد قال فيه لي فيها رب العالمين قدمه قال فينزوي بعضها الى بعض وتقول قط قط بعزتك ولا يزال فى الجنة فضل حتى ينشئ الله لها خلقا آخر فيسكنه فى فضول الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا علي بن مسعدة ثنا قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الاسلام

---

(حم د ن) عن عقبة بن عامر * من خرج من بيته متطهرا الى صلاة مكتوبة فاجره كاجر الحاج المحرم ومن خرج الى تسبيح الضحى لا ينصبه الا اياه فاجره كاجر المعتمر وصلاة على أثر صلاة لا لغو بينهما كتاب فى عليين (د) عن أبي امامة * من صلى وجلس ينتظر الصلاة لم يزل فى صلاة حتى تاتيه الصلاة التي يلاقيها (ن) عن عبد الله بن سلام وأبي هريرة * لا يزال العبد فى صلاة مادام فى المسجد ينتظر الصلاة مالم يحدث (ق د ت)

الجنة (حم د ن) عن عقبة بن عامر * من توضأ نحو وضوئي هذا ثم صلى ركعتين لا يحدث فيهما نفسه غفر له ما تقدم من ذنبه ولا تغتروا (خ ن) عن عثمان * من توضأ هكذا ثم خرج الى المسجد فركع ركعتين ثم جلس غفر له ما تقدم من ذنبه (حم د ن) عن عثمان * من توضأ مثل هذا الوضوء ثم أتى المسجد فركع ركعتين لا ينهزه الا الصلاة غفر له ما خلا من ذنبه (م) عن عثمان * الملائكة تصلي على أحدكم مادام في مصلاه الذي صلى فيه مالم يحدث أو يقم اللهم اغفر له اللهم ارحمه (حم د ن) عن أبي هريرة * يتعاقبون فيكم ملائكة بالليل وملائكة بالنهار ويجتمعون فى صلاة الفجر وصلاة العصر ثم يعرج الذين باتوا فيسألهم وهو أعلم بهم كيف تركتم عبادي فيقولون تركناهم وهم يصلون وأتيناهم وهم يصلون (ق ن) عن أبي هريرة * يعجب ربك من راعي غنم فى رأس شظية يؤذن للصلاة ويصلي فيقول الله عز وجل انظروا الى عبدي هذا يؤذن ويقيم للصلاة تخاف مني قد غفرت لعبدي وأدخلته

عن أبي هريرة * لا يزال أحدكم في صلاة ما دامت الصلاة تحبسه لا يمنعه أن ينقلب الى أهله الا الصلاة (حم م د) عن أبي هريرة * ابشروا هذا ربكم قد فتح بابا من أبواب السماء يباهي بكم الملائكة يقول انظروا الى عبادي قد قضوا فرائض وهم ينتظرون أخرى (حم ه) عن ابن عمر د * (الاكمال) * ان العبد اذا قام الى الصلاة تحت له أبواب الجنان وكشفت له الحجب بينه وبين ربه راستقبله الحور العين مالم يتمخط أو يتنخع (طب) عن أبي امامة * ان العبد المؤمن اذا قام الى الصلاة وضعت ذنوبه على رأسه فتفرق (١٣٥) عنه كما تتفرق عذوق النخل عينا وشمالا

علانيته والاعمال في القلب قال ثم يشير بيده الى صدره ثلاث مرات قال ثم يقول التقوى ههنا التقوى ههنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا جرير بن حازم قال سمعت قتادة قال سألت أنسا عن شعر النبي صلى الله عليه وسلم قال كان شعره رجلا ليس بالجعد ولا بالسبط كان بين أذنيه وعاتقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبو هلال ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال ما خطبنا نبي الله صلى الله عليه وسلم الا قال لا ايمان لمن لا أمانة له ولا دين لمن لا عهد له **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا بهز ثنا سليمان بن المغيرة ثنا ثابت عن أنس بن مالك ان عتبان اشتكى عينه فبعث الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر له ما أصابه قال يا رسول الله تعال صل في بيتي حتى اتخذه مصلى قال فجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم ومن شاء الله من أصحابه فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي وأصحابه يتحدثون بينهم فجعلوا يذكرون ما يلقون من المنافقين فاسندوا عظم ذلك الى مالك بن دخيشم فانصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال أليس يشهد ان لا اله الا الله وانى رسول الله فقال قائل بلى وما هو من قلبه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من شهد أن لا اله الا الله وانى رسول الله فان تطعمه النار أو قال ان يدخل النار **حدثنا** عبد الله حدثني ثنا بهز ثنا سليمان ابن المغيرة عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم تعجبه الرؤيا الحسنة فربما قال هل رأى أحد منكم رؤيا فاذا رأى الرجل رؤيا سأل عنه فان كان ليس به بأس كان أعجب لرؤياه اليه قال فجاءت امرأة فقالت يا رسول الله رأيت كاني دخلت الجنة فسمعت بها وجبة ارتجت لها الجنة فنظرت فاذا قد جيء بفلان بن فلان وفلان بن فلان حتى عدت اثني عشر رجلا وقد بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم سرية قبل ذلك قالت فجيء بهم عليهم رباب طاس تشخب أوداجهم قال فقيل اذهبوا بهم الى نهر السدنج أو قال الى نهر البيدج قال فغمسوا فيه فخرجوا منه وجوههم كالقمر ليلة البدر قال ثم أتوا بكرا سبى من ذهب فقعدوا عليها وأتى بصحفة أو كلمة نحوها فيها بسر فما كادوا منها فما يقلبونها الشق الا كلوا من فاكهة ما أرادوا وأكلت معهم قال فجاء البشير من تلك السرية فقال يا رسول الله كان من أمرنا كذا وكذا وأصيب فلان وفلان حتى عد الاثني عشر الذين عد تهم المرأة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم على يا المرأة فجاءت قال قصي على هذا رؤياك فقصت قال هو كما قالت لرسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا سليمان المعنى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد بن سلمة قال انا عبد الله بن أبي بكر عن أنس قال جمع رسول الله صلى الله عليه وسلم اناسا له فذكرهن في الارحى فقال هذا ابن آدم وقال بيده خلف ذلك وقال هذا اجله قال وأومأ بين يديه قال وثم أمله ثلاث مرار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد يعني ابن سلمة قال ثنا موسى أبو العلاء عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي في أيام الشتاء ومانذري ما مضى من النهار أكثر أو ما بقي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان لا يجاوز شعره أذنيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال انا معمر عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان في الجنة شجرة يسير الراكب في ظلها مائة عام لا يقطعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال انا معمر عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال حسبك من نساء العالمين مريم ابنة عمران وخديجة بنت خويلد وفاطمة ابنة محمد وآسية امرأة فرعون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال بلغ صفية ان حفصة

(طب) عن سلمان (طب) عنه موقوفا * ان المسلم ليصلي وخطاياه مرفوعة على رأسه فكلما سجد تحاتت عنه فيفرغ حين يفرغ من صلاته وقد تحاتت خطاياه (طب هب) عن سلمان * ان المصلي ليقرع باب الملك وانه من يدم قرع الباب يوشك أن يفتح له الديلمي عن عمر * موضع الصلاة من الدين كموضع الرأس من الجسد الديلمي عن ابن عمر * صلاة الرجل نور في قبره فمن شاء منكم فلينور قبره الديلمي عن أبي هريرة * يا أباذر ان العبد المسلم يصلي الصلاة يريد بها وجه الله تعالى فتتهافت عنه ذنوبه كما تتهافت هذا الورق عن هذه الشجرة (حم) والروياني (ص) عن أبي ذر * ما من مسلم يتوضأ فيسبغ الوضوء ثم يقوم في صلاته فيعلم ما يقول الا انفتل وهو كيوم ولدته أمه من الخطايا ليس عليه ذنب (ك) عن عقبة بن عامر * من توضأ فأحسن وضوءه ثم صلى فأتم ركوعها وسجودها كفر عنها بينه وبين الصلاة الأخرى مالم يركب مقتلة (طب هب) عن عثمان * من توضأ فأحسن الوضوء ثم قام فصلى ركعتين أو أربع ركعات مكتوبة أو غير مكتوبة يحسن فيها الركوع والسجود ثم يستغفر الله الا غفر له (طب) عن أبي الدرداء * ما من بقعة يذكر الله فيها بصلاة الا افترت على ما حولها من البقاع واستبشرت لذكر الله منتهاها الى سبع أرضين (طب) عن ابن عباس * ما من عبد يتوضأ فيحسن الوضوء فيغسل وجهه حتى يسيل الماء على ذقنه ثم يغسل ذراعيه حتى يسيل الماء على مرفقيه ثم يغسل رجليه حتى يسيل الماء من قبل كعبيه ثم يقوم فيصلي فيحسن الصلاة الا غفر الله

له ما سلف من ذنبه (طب) عن عباد العبدى * فأعنى على نفسك بكثرة السجود (حم م د ت) عن ربيعة بن كعب الاسلمى قال كنت أبيت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فآتيه بوضوئه وحاجته فقال لى سل فقلت أسألك مرافقتك فى الجنة قال أوغير ذلك قلت هو ذاك قال فأعنى عليه بكثرة السجود * من سجد لله سجدة فقد برئ من الكبر الديلمى عن ابن عباس * من صلى ركعتين لم يسأل الله تعالى شيأ الا أعطاه اياه عاجلا أو آجلا (طب) عن أبى الدرداء * من صلى ركعتين فى خلاء (١٣٦) لا يراه الا الله والملائكة كتب له براءة من النار (ض) عن جابر * خذ هذا ولا تضربه فانى قد رأيته يصلى مقبلا من خيبر وانى قد نهيت عن ضرب أهل الصلاة (حم طب ض) عن أبى امامة الحطيب عن النعمان بن بشير * الملوان الخمس كفارات ما بينهما أرأيت لو أن رجلا كان له معتمل بين منزله ومعتمله خمسة أنهار فاذا انطلق الى معتمله يعمل ماشاء الله فأصابه الوسخ والعرق فكلما مر بنهر اغتسل ما كان ذلك مبقيا من وسخه فكذلك الصلوات كلها تحمل خطيئة أو ماشاء الله ثم صلى صلاة استغفر غفر له ما كان قبلها (طب) عن أبى سعيد * من أدى فريضة فله عند الله دعوة مستجابة الديلمى عن على * من أدى خمس صلوات ايمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه (ك) فى تاريخه وأبو الشيخ عن أبى هريرة * من توضأ مثل وضوئى هذا ثم قام فصلى صلاة الظهر غفر له ما كان بينها وبين صلاة الصبح ثم صلى العصر غفر له ما كان بينها وبين صلاة الظهر ثم صلى المغرب غفر له ما كان بينها وبين صلاة العصر ثم صلى العشاء غفر له ما بينها وبين صلاة المغرب ثم لعله أن يبيت يتمرغ ليلته ثم ان قام فتوضأ فصلى الصبح غفر له ما بينها وبين صلاة العشاء وهو الحسنات يذهبن السيئات قالوا هذه الحسنات فما الباقيات الصالحات قال هى لا اله الا الله وسبحان الله والحمد لله والله أكبر ولا حول ولا قوة الا بالله (حم ع هب) عن عثمان * تحترقون تحترقون فاذا صليتم الفجر غسلتها ثم تحترقون تحترقون فاذا صليتم الظهر غسلتها ثم تحترقون تحترقون فاذا صليتم العصر غسلتها ثم تحترقون تحترقون فاذا صليتم المغرب غسلتها ثم تحترقون تحترقون فاذا صليتم

---

قالت انى ابنة يهودى فبكت فدخل عليها النبى صلى الله عليه وسلم وهى تبكى فقال ما شأنك فقالت قالت لى حفصة انى ابنة يهودى فقال النبى صلى الله عليه وسلم انك لابنة نبى وان عمك لنبى وانك لتحت نبى ففيم تفخر عليك فقال اتق الله يا حفصة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البنانى عن أنس قال خطب النبى صلى الله عليه وسلم على جليبيب امرأة من الانصار الى أبيها فقال حتى أستأمر أمها فقال النبى صلى الله عليه وسلم فنعم اذا قال فانطلق الرجل الى امرأته فذكر ذلك لها فقالت لا ها الله اذا ما وجد رسول الله صلى الله عليه وسلم الا جليبيبا وقد منعنا ها من فلان وفلان قال والجارية فى سترها تسمع قال فانطلق الرجل يريد ان يخبر النبى صلى الله عليه وسلم بذلك فقالت الجارية أتريدون ان تردوا على رسول الله صلى الله عليه وسلم أمره ان كان قد رضيه لكم فانكحوه فكانما اجلت عن أبويها وقالا صدقت فذهب أبوها الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال ان كنت قد رضيته فقد رضيناه قال فانى قد رضيته فزوجها ثم فزع أهل المدينة فركب جليبيب فوجدوه قد قتل وحوله ناس من المشركين قد قتلهم قال أنس فلقد رأيتها وانها لمن أنفق بيت فى المدينة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم بن القاسم ثنا ليث عن خالد بن يزيد عن سعيد بن أبى هلال عن أنس بن مالك انه قال أتى رجل من بنى تميم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله انى ذو مال كثير وذو أهل وولد وحاضرة فاخبرنى كيف أنفق وكيف أصنع فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تخرج الزكاة من مالك فانها طهرة تطهرك وتصل اقرباءك وتعرف حق السائل والجار والمسكين فقال يا رسول الله اقل لى قال فاذكر القربى حقه والمسكين وابن السبيل ولا تبذر تبذيرا فقال حسبى يا رسول الله اذا أديت الزكاة الى رسولك فقد برئت منها الى الله ورسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم اذا أديتها الى رسولى فقد برئت منها فلك أجرها واثمها على من بدلها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر قال ثنا ابن جريج قال قال ابن شهاب أخبرنى أنس بن مالك قال قدم النبى صلى الله عليه وسلم المدينة وهى محمة فأهم الناس فدخل النبى صلى الله عليه وسلم المسجد والناس قعود يصلون فقال النبى صلى الله عليه وسلم صلاة القاعد نصف صلاة القائم فجشم الناس الصلاة قياما **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم بن القاسم ثنا سليمان عن ثابت عن انس بن مالك قال دخل علينا النبى صلى الله عليه وسلم فقال عندنا عرق وجاءت امى بقارورة فجعلت تسلت العرق فيها فاستيقظ النبى صلى الله عليه وسلم فقال يا أم سليم ما هذا الذى تصنعين قالت هذا عرقك نجعله فى طيبنا وهو من أطيب الطيب **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم آتى باب الجنة يوم القيامة فاستفتح فيقول الخازن من أنت فاقول محمد فيقول بك أمرت أن لا أفتح لاحد قبلك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم بسيسة عينا ينظر ما فعلت عير أبى سفيان فجاء وما فى البيت أحد غيرى وغير رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا أدرى ما استثنى بعض نسائه فحدثه الحديث قال فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فتكلم فقال ان لنا طلبة فمن كان ظهره حاضرا فليركب معنا فجعل رجال يستأذنونه فى ظهرانهم فى علو المدينة قال لا الا من كان ظهره حاضرا فانطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه حتى سبقوا المشركين الى بدر وجاء المشركون فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتقدمن أحد منكم الى شئ حتى أكون أنا أوذنه فدنا المشركون فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قوموا الى جنة عرضها

العشاء غسلتها ثم تناموا فلا يكتب عليكم حتى تستيقظوا (طس) عن ابن مسعود * يبعث منادا عند حضرة كل صلاة فيقول يا بني آدم قوموا فاطفؤا عنكم ما أوقدتم على أنفسكم فيقومون فيتطهرون فتسقط خطاياهم من أعينهم وبين أصلون فيغفر لهم ما بينهم ثم يؤدون فيما بين ذلك فاذا كان عند صلاة الاولى نادى يا بني آدم قوموا فاطفؤا ما أوقدتم على أنفسكم فيقومون فيتطهرون ويؤدون ويصلون فيغفر لهم ما بينهم ما فاذا حضرت العصر فمثل ذلك فاذا حضرت المغرب فمثل ذلك فاذا حضرت العتمة فمثل ذلك فينامون وقد  غفر لهم فليج في خير ومدلج في شر

السموات والارض قال يقول عمير بن الحمام الانصاري يا رسول الله جنة عرضها السموات والارض قال نعم فقال بخ بخ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما يحملك على قولك بخ بخ قال لا والله يا رسول الله الا رجاء أن أكون من أهلها قال فانك من أهلها فاخرج تمرات من قرنه فجعل يأكل منهن ثم قال لئن أنا حييت حتى آكل تمراتي هذه انها لحياة طويلة قال ثم رمى بما كان معه من التمر ثم قاتلهم حتى قتل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال لما نزلت هذه الآية يا أيها الذين آمنوا لا ترفعوا أصواتكم فوق صوت النبي الى قوله وأنتم لا تشعرون وكان ثابت بن قيس بن الشماس رفيع الصوت فقال أنا الذي كنت أرفع صوتي على رسول الله صلى الله عليه وسلم حبط عملي أنا من أهل النار وجلس في أهله حزينا فتفقده رسول الله صلى الله عليه وسلم فانطلق بعض القوم اليه فقالوا له تفقدك رسول الله صلى الله عليه وسلم مالك فقال أنا الذي أرفع صوتي فوق صوت النبي وأجهر بالقول حبط عملي وأنا من أهل النار فاتوا النبي صلى الله عليه وسلم فاخبروه بما قال فقال لا بل هو من أهل الجنة قال أنس وكنا نراه يمشي بين أظهرنا ونحن نعلم انه من أهل الجنة فلما كان يوم اليمامة كان فينا بعض الانكشاف فجاء ثابت بن قيس بن شماس وقد تحنط وابس كفنه فقال بئسما تعودون أقرانكم فقاتلهم حتى قتل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال لقد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم والحلاق يحلقه وأطاف به أصحابه فما يريدون ان تقع شعرة الا في يد رجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا صلى الغداة جاء خدم أهل المدينة بآنيتهم فيها الماء فما يؤتى بانا الا غمس يده فيها فربما جاؤه في الغداة الباردة فغمس يده فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وعفان المعنى قالا حدثنا سليمان عن ثابت قال كنا عند انس بن مالك فكتب كتابا بين اهله فقال اشهدوا يا معشر القراء قال ثابت فكأني كرهت ذلك فقلت يا أبا حمزة لو سميتهم باسمائهم قال وما باس ذلك ان أقل لكم قراء أفلا أحدثكم عن اخوانكم الذين كنا نسميهم على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم القراء فذكر انهم كانوا سبعين فكانوا اذا جنهم الليل انطلقوا الى معلم لهم بالمدينة فيدرسون الليل حتى يصبحوا فاذا أصبحوا فمن كانت له قوة استعذب من الماء وأصاب من الحطب ومن كانت عنده سعة اجتمعوا فاشتروا الشاة وأصلحوها فيصبح ذلك معلقا بحجر رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما أصيب خبيب بعثهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتوا على حي من بني سليم وفيهم بطن حرام فقال حرام لامير هم دعني فلا خبرهؤلاء انا لسنا اياهم نريد حتى يخلوا وجهنا وقال عفان فيخلون وجهنا فقال لهم حرام انا لسنا اياكم نريد فخلوا وجهنا انا نستقبله رجل بالرمح فانفذه منه فلما وجد الريح في جوفه قال الله أكبر فزت ورب الكعبة قال فانطلوا عليهم فما بقي أحد منهم فقال أنس فما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وجد على شيء قط وجده عليهم فلقد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في صلاة الغداة رفع يديه فدعا عليهم فلما كان بعد ذلك اذا أبو طلحة يقول لي هل لك في فاتل حرام قال قلت له ماله فعل الله به وفعل قال مهلا فانه قد أسلم وقال عفان رفع يديه يدعو عليهم وقال أبو النضر رفع يديه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن قتادة عن انس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لابي بن كعب أمرني ربي عز وجل ان اقرأ عليك القرآن قال أبي أوسماني لك قال نعم فبكى أبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ثابت عن أنس أن أسيد بن حضير

(طب) عن ابن مسعود * من توضأ فاسبغ الوضوء غسل يديه ووجهه ومسح على رأسه وأذنيه ثم قام الى صلاة مفروضة غفر الله له في ذلك اليوم ما مشت اليه رجلاه وقبضت عليه يداه وسمعت اليه أذناه ونظرت اليه عيناه وحدث به نفسه من سوء (حم طب ض) عن أبي امامة * من حافظ على هؤلاء الصلوات المكتوبات لم يكتب من الغافلين ومن قرأ في ليلة مائة آية كتب من القانتين (ك هب) عن أبي هريرة * من حافظ على الصلوات الخمس المكتوبة علمي ركوعهن وسجودهن ووضوئهن ومواقيتهن وعلم انهن حق من عند الله دخل الجنة أو قال وجبت له الجنة وفي لفظ حرم على النار (حم طب) وأبو نعيم (هب) عن حنظلة ابن الربيع الكاتب * من صلى الصلوات لوقتها فأسبغ لها وضوءها وأتم لها قيامها وخشوعها وركوعها وسجودها خرجت وهي بيضاء مسفرة تقول حفظك الله كما حفظتني



ومن صلى الصلوات لغير وقتها ولم يسبغ لها وضوءها ولم يتم لها خشوعها ولا ركوعها ولا سجودها خرجت وهي سوداء مظلمة تقول ضيعك الله كما ضيعتني حتى اذا كانت حيث شاء الله لفت كما يلف الثوب الخلق ثم يضرب بها وجهه (هب) عن أنس * من توضأ فابلغ الوضوء ثم قام الى الصلاة فاتم ركوعها وسجودها والقراءة فيها قالت حفظك الله كما حفظتني ثم اصعد بها الى السماء ولها ضوء ونور فتحت لها أبواب السماء حتى ينتهي بها الى الله فتشفع لصاحبها واذا لم يتم ركوعها

ولا يسجد وها ولا القراءة فيها قالت ضيعك الله كما ضيعتني ثم اصعد بها الى السماء وعليها ظلمة فغاقت دونها أبواب السماء ثم تلف كما يلف الثوب الخلق فيضرب بها وجه صاحبها (ص) عن عبادة بن الصامت * لا يزال الشيطان ذعرا من المؤمن ما حافظ على الصلوات الخمس فاذا ضيعهن تجرأ عليه وأوقعه في العظائم وطمع فيه أبو نعيم وأبو بكر محمد بن الحسين البخاري في أماليه والرافعي عن علي * اذا صلى أحدكم فقضى صلاته ثم قعد في مصلاه يذكر الله فهو (١٣٨) في صلاة وان الملائكة يصلون عليه يقولون اللهم ارحمه واغفر له وان هو دخل مضلاه ينتظر

ورجلا آخر من الانصار تحدثا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة في حاجة لهما حتى ذهب من الليل ساعة وليلة شديدة الظلمة ثم خرج من عند رسول الله صلى الله عليه وسلم ينقلبان وبيد كل واحد منهما عصية فاضاءت عصا أحدهما لهما حتى مشيا في ضوئها حتى اذا افترق بهما الطريق أضاءت للآخر عصاه حتى كل واحد منهما في ضوء عصاه حتى بلغ الى أهله * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الله يا ابن آدم ان ذكرتني في نفسك ذكرتك في نفسي وان ذكرتني في ملأ ذكرتك في ملأ من الملائكة أو في ملأ خير منهم وان دنوت مني شبرا دنوت منك ذراعا وان دنوت مني ذراعا دنوت منك باعا وان أتيتني تمشي أتيتك أهرول قال قتادة يا نبي الله عز وجل أسرع بالمغفرة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ثابت البناني عن أنس أو غيره أن رسول الله صلى الله عليه وسلم استأذن على سعد بن عبادة فقال السلام عليكم ورحمة الله فقال سعد وعليك السلام ورحمة الله ولم يسمع النبي صلى الله عليه وسلم حتى سلم ثلاثا ورد عليه سعد ثلاثا ولم يسمعه فرجع النبي صلى الله عليه وسلم واتبعه سعد فقال يا رسول الله بابي أنت وأمي ما سلمت تسليمة الا هي باذني ولقد رددت عليك ولم أسمعك أحببت ان استكثر من سلامك ومن البركة ثم أدخله البيت فقرب له زبيبا فاكل نبي الله صلى الله عليه وسلم فلما فرغ قال أكل طعامكم الابرار وصلت عليكم الملائكة وافطر عندكم الصائمون * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يشير في الصلاة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن حفص بن عبيد الله بن أنس عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجمع بين الظهر والعصر والمغرب والعشاء في السفر * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر قال سمعت ثابتا يحدث عن أنس قال لما افتتح رسول الله صلى الله عليه وسلم خيبر قال الحجاج بن علاط يا رسول الله ان لي بمكة مالا وان لي بها أهلا وانى أريد أن آتيهم فانا في حل ان أنا نلت منك أو قلت شيأ فاذن له رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يقول ما شاء فاتى امرأته حين قدم فقال اجمعي لي ما كان عندك فاني أريد أن أشتري من غنا ثم محمد صلى الله عليه وسلم وأصحابه فانهم قد استبيحوا وأصيبت أموالهم قال فطفق ذلك في مكة حتى اجتمع المسلمون وأظهر المشركون فرحا وسرورا قال وبلغ الخبر العباس فعقر وجعل لا يستطيع أن يقوم قال معمر فاخبرني عثمان الجزري عن مقسم قال فاخذ ابنا له يقال له قثم فاستلقى فوضعه على صدره وهو يقول حي قثم حي قثم * شبيه ذي الانف الاشم بني ذي النعير زعم من رغم قال ثابت عن الحجاج عن أنس ثم أرسل غلاما الى الحجاج بن علاط ويلك ما جئت به وماذا تقول فما وعد الله خيرا مما جئت به قال الحجاج بن علاط لغلامه اقرأ على أبي الفضل السلام وقل له فليخل لي في بعض بيوته لآتيه فان الخبر على ما يسره فجاء غلامه فلما بلغ باب الدار قال أبشر يا أبا الفضل قال فوثب العباس فرحا حتى قبل بين عينيه فاخبره ما قال الحجاج فاعتقه ثم جاء الحجاج فاخبره أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قد افتتح خيبر وغنم أموالهم وحرز سهام الله عز وجل في أموالهم واصطفى رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية بنت حيي فاتخذها لنفسه وخيرها أن يعتقها وتكون زوجته أو تلحق باهلها فاختارت ان يعتقها وتكون زوجته ولكني جئت لمال كان لي ههنا فلم أرد أن أجمعه فاذهب به فاستأذنت رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذن لي أن أقول ما شئت فاخف عني ثلاثا ثم اذكر ما بدا لك قال فجمعت امرأته ما كان عندها من

كان مثل ذلك (ش) عن رجل من الصحابة * اذا صلى أحدكم ثم ثبت في مجلسه ينتظر الصلاة لم تزل الملائكة تصلي عليه ما كان في مجلسه اللهم اغفر له اللهم ارحمه فلم يحدث أو يؤذ ابن جرير عن أبي هريرة * اذا دخل أحدكم المسجد كان في صلاة ما كانت الصلاة تحبسه والملائكة يصلون على أحدكم مادام في مجلسه الذي صلى فيه يقولون اللهم اغفر له اللهم ارحمه اللهم تب عليه ما لم يحدث فيه (ش) وابن جرير عن أبي هريرة * من توضأ ثم أتى المسجد فصلى ركعتين قبل الفجر ثم جلس حتى يصلي الفجر كتبت صلاته يومئذ في صلاة الابرار وكتب في وفد الرحمن (طب) عن أبي أمامة * منتظر الصلاة بعد الصلاة كفارس يشتد به فرسه في سبيل الله على أكثمه تصلي عليه الملائكة فلم يحدث أو يقم وهو في الرباط الاكبر (حم طس) عن أبي هريرة * أفضل الرباط انتظار الصلاة بعد الصلاة ولزوم مجالس الذكر فامن عبد يصلي ثم يجلس في مجلسه الا صلت عليه الملائكة حتى يحدث (عب) وابن جرير عن أبي هريرة * لن تزالوا بخير ما انتظرتم الصلاة (هق) وابن عساكر عن جابر رضي الله عنه * (الافعال) * عن أبي بكر قال الصلاة أمان الله في الارض الحكيم عن ابن عمر قال الصلاة حسنة لا أبالي من شاركني فيها (عب) عن ابن عمر وقال ما من مسلم يأتي زيارة من الارض أو مسجدا بني بأحجار فصلى فيه الا قالت الارض صل لله في أرضه واشهد لك يوم تلقاه (ذكر) * عن ابن مسعود قال الصلوات كفارات لما بعدهن ان آدم خرجت به شأفة في ابهام رجله ثم ارتفعت الى أصل قدميه ثم ارتفعت الى

ركبتيه ثم ارتفعت الى أصل حقويه ثم ارتفعت الى أصل عنقه فقام فصلى فنزلت عن منكبيه ثم صلى فنزلت الى حقويه ثم صلى فنزلت الى ركبتيه ثم صلى فنزلت الى قدميه ثم صلى فذهبت (كر) * عن أبي كثير الزبيدي عن عبد الله بن عمر وقال فخرجت في عنق آدم شأفة يعني بثرة فصلى صلاة فانحدرت الى صدره ثم صلى صلاة فانحدرت الى الحقو ثم صلى صلاة فانحدرت الى الابهام ثم صلى صلاة فذهبت (عب) * عن عبد الرحمن ابن يزيدان عبد الله بن مسعود كان يقل الصوم فقيل له فقال اني اذا صمت ضعفت عن (١٣٩) الصلاة والصلاة أحب الي من الصوم ابن جرير * عن ابن مسعود قال احملوا صلاتكم على المكتوبة (عب) * عن ابن مسعود قال من سره أن يلقى الله غدا مسلما فليحافظ على هؤلاء الصلوات المكتوبات حيث ينادى بهن فانهن من سنن الهدى وان الله قد شرع لنبيكم صلى الله عليه وسلم سنن الهدى ولعمري ما أحال أحدكم الاوقد اتخذ مسجدا في بيته ولو انكم صليتم في بيوتكم كما يصلي هذا المتخلف في بيته لتركتم سنة نبيكم صلى الله عليه وسلم ولو تركتم سنة نبيكم لضللتم لقد رأيتنا وما يتخلف عنها الا منافق معلوم بنفاقه ولقد رأيت الرجل يهادى بين الرجلين حتى يقام في الصف فمن رجل يتطهر فيحسن الطهور فيخطو خطوة يعمد الى مسجد من مساجد الله الا كتب الله له بها حسنة ورفعه بها درجة وحط عنه بها خطيئة حتى ان كنا لنقارب في الخطا (عب ص) عن الزهري * عن أبي موسى الاشعري قال نخرق على أنفسنا فاذا صلينا المكتوبة كفرت الصلاة ما قبلها ثم نخرق على أنفسنا فاذا صلينا كفرت الصلاة ما قبلها (عب) * عن الحسن قال الاان الصلاة خير موضوع فمن شاء استقل ومن شاء استكثر الا ان الصلاة ثلاثة ثلاثة ثلاث وضوءه وثلث ركوعه وثلث سجوده (ص) * (الباب الثاني في أحكام الصلاة وأركانها ومفسداتها ومكملاتها وفيه ثلاثة فصول * الفصل الاول في أحكام الصلاة الخارجة وفيه أربعة فروع الفرع الاول في ستر العورة وما يتعلق به من الآداب والمحظورات وباقي آداب اللباس ذكرت في كتاب المعيشة من حرف الميم * مقدار الفرض من الستر) * ما بين السرة والركبة عورة (ك) عن عبد الله بن جعفر * ما فوق الركبتين من العورة

حلي ومتاع فجمعته فدفعته اليه ثم استمر به قبلها كان بعد ثلاث أتى العباس امرأة الحجاج فقال ما فعل زوجك فاخبرته انه قد ذهب يوم كذا وكذا وقال لا يخزيك الله يا أبا الفضل لقد شق علينا الذي بلغك قال أجل لا يخزني الله ولم يكن بحمد الله لا مال حبيناه فتح الله خيبر على رسوله صلى الله عليه وسلم وجرت فيها سهام الله واصطفى رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية بنت حيي لنفسه فان كانت لك حاجة في زوجك فالحقي به قالت أظنك والله صادقا قال فاني صادق الامر على ما أخبرتك فذهب حتى أتى مجالس قريش وهم يقولون اذا مر بهم لا يصيبك الا خير يا أبا الفضل قال لهم لم يأتني الا خير بحمد الله قد أخبرني الحجاج بن علاط ان خيبر قد فتحها الله على رسوله وجرت فيها سهام الله واصطفى صفية بنت حيي لنفسه فان كانت لك حاجة في زوجك فالحقي به قالت أظنك والله صادقا قلل فاني صادق الامر على ما أخبرتك فذهب حتى أتى مجالس قريش وهم يقولون اذا مر بهم لا يصيبك الا خير يا أبا الفضل قال لهم لم يأتني الا خير بحمد الله قد أخبرني الحجاج بن علاط ان خيبر قد فتحها الله على رسوله وجرت فيها سهام الله واصطفى صفية بنت حيي لنفسه وقد سألني ان أخفي عليه ثلاثا وانما جاء ليأخذ ماله وما كان له من شئ ههنا ثم يذهب قال فرد الله تلك الكآبة التي كانت بالمسلمين على المشركين وخرج المسلمون ومن كان دخل بيته مكتئبا حتى أتوا العباس فاخبرهم الخبر فسر المسلمون ورد الله يعني ما كان من كآبة أو غيظا أو حزن على المشركين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم قال ثنا شريك عن عاصم قال رأيت عند أنس قدح النبي صلى الله عليه وسلم فيه ضبة من فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن حميد قال رأيت عند أنس بن مالك قدحا كان للنبي صلى الله عليه وسلم فيه ضبة فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا سليمان عن ثابت قال قلت لانس حدثنا بأعجز من هذه الاعاجيب شيأ شهدته لا تحدث من غيرك قال فعلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الظهر يوما ثم انطلق حتى قعد على المقاعد التي كان يأتيه عليها جبريل فجاء بلال فنادى بالعصر فقام كل من كان له بالمدينة أهل يقضي الحاجة ويصيب من الوضوء وبقي رجال من المهاجرين ليس لهم أهالي بالمدينة فاتي رسول الله صلى الله عليه وسلم بقدح أو روح فيه ماء فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم كفه في الاناء فما وسع الاناء كف رسول الله صلى الله عليه وسلم كلها فقال لهؤلاء الاربع في الاناء ثم قال ادنوا فتوضؤا وابدءوا في الاناء فتوضؤا حتى ما بقي منهم أحد الا توضأ قال قلت يا أبا حمزة كم تراهم قال بين السبعين والثمانين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت قال قلت لانس حدثنا بشئ من هذه الاعاجيب لا تحدث عن غيرك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الظهر فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال شق على الانصار النواضح فاجتمعوا عند النبي صلى الله عليه وسلم يسألونه ان يكرى لهم نخلا سماها فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم مرحبا بالانصار والله لا تسألوني اليوم شيأ الا أعطيتكموه ولا أسألكم الله لكم شيأ الا اعطانيه فقال بعضهم لبعض اغتنموها واطلبوا المغفرة فقالوا يا رسول الله ادع الله لنا بالمغفرة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اغفر للانصار ولابناء الانصار ولابناء أبناء الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو النضر ثنا المبارك حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك قال لما توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان رجل يلحد وآخر يضرح فقالوا نستخير ربنا ونبعث اليهما فايهما سبق تركناه فارسل اليهما فسبق صاحب اللحد فلحدوا له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا عمران عن قتادة عن أنس قال كوانى أبو طلحة ورسول الله صلى الله عليه وسلم بين أظهرنا فما نهيت عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك عن الحسن عن أنس بن مالك قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو على سرير مضطجع مرمل بشريط

وما أسفل السرة من الفورة (قط هق) عن أبي أيوب * الفخذ عورة (ت) عن جرهد وعن ابن عباس * لا تبرز فخذك ولا تنظر الى فخذ حي ولا ميت (د ك) عن علي * عورة الرجل على الرجل كعورة المرأة على المرأة وعورة المرأة على المرأة كعورة الرجل على الرجل (ك) عن علي * غطوا حرمة عورته فان حرمة عورة الصغير كحرمة عورة الكبير ولا ينظر الله الى كاشف عورة (ك) عن محمد بن عياض الزهري * خذ عليك ثوبك ولا تمشوا عراة (د) عن المسور بن مخرمة * لا يقبل الله صلاة حائض الا بخمار (د ك) عن عائشة * يا أسماء ان المرأة اذا بلغت المحيض لم يصلح أن يرى منها شئ الا هذا وهذا وأشار الى وجهه وكفيه (د) عن عائشة * اذا بدا خف المرأة بدا ساقها (فر) عن عائشة * اذا زوج أحدكم خادمه أو أجيره فلا ينظر الى ما دون السرة وفوق الركبة (د هق) عن ابن عمرو * اذا صليتم فاتزروا وارتدوا ولا تشبهوا باليهود (عد) عن ابن عمر * اذا صلى أحدكم فليأتزر وليرتد (حب هق) عن ابن عمر * اذا صلى أحدكم فليلبس ثوبيه فان الله تبارك وتعالى أحق من تزين له (طس) عن ابن عمر * اذا وسع الله عليكم فاوسعوا على أنفسكم جمع رجل عليه ثيابه صلى رجل في ازار ورداء في ازار وقميص في ازار وقباء في سراويل وقميص في سراويل ورداء في سراويل وقباء في قميص وقباء في قميص ورداء (حب) عن أبي هريرة * ان الارض لتستغفر للمصلي بالسراويل (فر) عن مالك بن عتاهية ياجابر اذا كان واسعا فالف بين طرفيه واذا كان ضيقا فاشدده على حقويك (ق د) عن جابر * اذا صلى أحدكم في ثوب واحد فليخالف بطرفيه على عاتقه (حم د حب) عن أبي هريرة * (حم) عن أبي سعيد * من أسبل ازاره في صلاته خيلاء فليس من الله في حل ولا حرام (د) عن ابن مسعود نهى عن الصلاة في السراويل (خط) عن جابر * نهى أن يصلي الرجل في لحاف ولا يتوشح به * نهي أن يصلي الرجل في سراويل وليس عليه رداء (د ك) عن بريدة * اذا كان لاحدكم ثوبان فليصل فيهما فان لم يكن له الا ثوب فليتزر ولا يشتمل اشتمال اليهود (ه) عن ابن عمر * نهى عن السدل في الصلاة وان يغطي الرجل فاه (حم ٤

---

وتحت رأسه وسادة من آدم حشوها الليف فدخل عليه نفر من أصحابه ودخل عمر فانحرف رسول الله صلى الله عليه وسلم انحرافة فقام عمر بين جنبه وبين الشريط فلما ثوبا وقد أثر الشريط بجنب رسول الله صلى الله عليه وسلم فبكى عمر فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ما يبكيك يا عمر قال ولم لا أبكي يا نبي الله وهذا كسرى وقيصر وهما يعيشان فيما يعيشان فيه وأنت يا رسول الله بالمكان الذي أرى فقال النبي صلى الله عليه وسلم اما ترضى ان تكون لهم الدنيا ولنا الآخرة قال عمر بلى قال فانه كذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك عن عبد العزيز بن صهيب عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليردن علي الحوض رجلان ممن قد صحبني فاذا رأيتهما رفعا لي اختلجا دوني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن علي عن زائدة عن المختار بن فلفل عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا أول شفيع في الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عاصم انا أبو عمر ومبارك الخياط جد ولد عباد بن كثير قال سألت ثمامة بن عبد الله بن أنس عن العزل فقال سمعت أنس بن مالك يقول جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وسأل عن العزل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو أن الماء الذي يكون منه الولد أهرقته على صخرة لاخرج الله عز وجل منها أو لخرج منها ولد الشك منه ولخلق الله نفسا هو خالقها **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حماد بن مسعدة عن قرة بن خالد عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم ذكر أحدا فقال جبل يحبنا ونحبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو جعفر عن الربيع بن أنس وحميد عن أنس قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن النهبة ومن انتهب فليس منا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر حدثنا أبو جعفر عن حميد عن أنس قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن ينبذ التمر والزبيب جميعا وان ينبذ التمر والبسر جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد يعني ابن طلحة عن حميد عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الازار الى نصف الساق والى الكعبين لا خير في أسفل من ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا عيسى بن طهمان البكري قال سمعت أنس بن مالك يقول جاء رجل حتى اطلع في حجرة النبي صلى الله عليه وسلم فقام نبي الله صلى الله عليه وسلم فاخذ مشقصا فجاء حتى حاذى بالرجل وجاءه فاخنس الرجل فذهب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا سعيد ابن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ما بال أقوام يرفعون أبصارهم الى السماء في صلاتهم قال فاشتد قوله في ذلك حتى قال لينتهن عن ذلك أو لتخطفن أبصارهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان يهوديا سلم على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال السام عليك قال ردوه علي قال أقلت السام عليك قال نعم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سلم عليكم أهل الكتاب فقولوا وعليك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنعكم أذان بلال من السحور فان في بصره شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال حدثني حسين بن واقد حدثني معاذ بن حرملة الاردي قال سمعت أنسا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى يمطر الناس مطرا عاما ولا تنبت الارض شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب ثنا حسين بن واقد حدثني ثابت البناني حدثني أنس بن مالك قال كنت جالسا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ مر رجل فقال رجل من القوم يا رسول الله اني لاحب هذا الرجل

لـ) عن أبي هريرة *لا يصلي أحدكم في الثوب الواحد ليس على عاتقه منه شيء (حم ق د ن) عن أبي هريرة *اذا صلى أحدكم فارفعوا سبلكم فان كل شيء أصاب الارض من سبلكم فهو في النار (تخ طب هب) عن ابن عباس *اذهبوا بهذه الخميصة الى أبي جهم بن حذيفة وائتوني بانبجانيته فانها الهتني آنفا في صلاتي (ق د ن ه) عن عائشة *(الا كمال) *اذا لكلكم ثوبان (ش خ م د ه) عن أبي هريرة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن الصلاة في ثوب واحد قال فذكره (حم د حب طب) عن قيس بن (١٤١) طلق *لو اني أقدر أن أراري عورتي في شعاري لفعلت الديلمي عن أبي هريرة *لعن الله الناظر والمنظور اليه (هق) عن الحسن مرسلا الديلمي عن ابن عمر *(الاذعال) *عن أسماء بنت أبي بكر قالت رأيت أبي يصلي في ثوب فقلت يا أبت أتصلي في ثوب واحد وثيابك موضوعة فقال يابنية ان آخر صلاة صلاها رسول الله صلى الله عليه وسلم خافني في ثوب واحد (ش ع) وفيه الواقدي *عن أبي هريرة قال قام رجل الى عمر فسأله عن الصلاة في الثوب الواحد فقال اذا وسع الله عليكم فاوسعوا على أنفسكم جمع رجل عليه ثيابه صلى رجل في ازار ورداء في ازار وقميص في ازار وقباء في سراويل ورداء في سراويل وقباء في سراويل وقميص في تبان ورداء في تبان وقميص في تبان وقباء مالك (عب) وابن عيينة في جامعه (خ هق) *عن مسعود بن خراش ان عمر بن الخطاب أمهم في ثوب واحد متوشحا به (عب) *عن أبي العلاء مولى الاسلميين قال رأيت عليا يتزر فوق السرة ابن سعد (هق) *عن علي انه كره الصلاة في جلود الثعالب (ش) *عن أبي قال الصلاة في الثوب الواحد سنة كنا نفعله مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا يعاب علينا فقال ابن مسعود انما كان ذلك وفي الثياب قلة فاما اذا وسع الله فالصلاة في ثوبين أزكى (عم) *عن الحسن لبث أبي ابن كعب وعبد الله بن مسعود اختلفا في الصلاة في الثوب الواحد فقال أبي لا بأس به قد صلى النبي صلى الله عليه وسلم في ثوب واحد فالصلاة فيه جائزة وقال ابن مسعود انما كان ذلك اذا كان الناس لا يجدون الثياب وأما اذا وجدوها فالصلاة في ثوبين فقام يحمر على المنبر فقال القول

---

الرجل قال هل أعلمته ذلك قال لا فقال قم فأعلمه قال فقام اليه فقال يا هذا والله اني لاحبك في الله قال أحبك الذي أحببتني له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني حسين بن واقد حدثني ثابت البناني حدثني أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم دفع الى حفصة ابنة عمر رجلا فقال احتفظي به قال فغفلت حفصة ومضى الرجل فدخل رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال يا حفصة ما فعل الرجل قالت غفلت عنه يا رسول الله فخرج فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قطع الله يدك فرفعت يديها هكذا فدخل رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما شأنك يا حفصة فقالت يا رسول الله قلت قبل لي كذا وكذا فقال لها صافي يديك فاني سألت الله عز وجل ايما انسان من أمتي دعوت الله عز وجل عليه ان يجعلها له مغفرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اني أحب هذه السورة قل هو الله أحد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حبك اياها أدخلك الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا المبارك قال سمعت ثابتا عن أنس قال قال رجل يا رسول الله اني أحب هذه السورة فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك عن ثابت البناني عن أنس قال لما قالت فاطمة ذلك يعني لما وجد رسول الله صلى الله عليه وسلم من كرب الموت ما وجد قالت فاطمة واكرباه قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا بنية انه قد حضر بأبيك ما ليس الله تارك منه أحدا لموافاة يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف ثنا المبارك حدثني ثابت عن أنس قال لما قالت فاطمة فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد بن طلحة عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لغدوة في سبيل الله أو روحة خير من الدنيا وما فيها ولقاب قوس أحدكم أو موضع قده يعني سوطه من الجنة خير من الدنيا وما فيها ولو أطلعت امرأة من نساء أهل الجنة الى الارض لملأت ما بينهما ريحا ولاطاب ما بينهما ولنصيفها على رأسها خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الهاشمي يعني سليمان عن حميد عن أنس معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا مالك عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة سمع أنس بن مالك يقول كان أبو طلحة أكثر أنصاري بالمدينة مالا وكان أحب أمواله اليه بيرحاء وكانت مستقبلة المسجد فكان النبي صلى الله عليه وسلم يدخلها ويشرب من ماء فيها طيب قال أنس فلما نزلت لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون قال أبو طلحة يا رسول الله ان الله يقول لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون وان أحب أموالي الى بيرحاء وانها صدقة لله عز وجل ارجو برها وذخرها عند الله فضعها يا رسول الله حيث أراك الله فقال النبي صلى الله عليه وسلم بخ ذلك مال رابح ذلك مال رابح وقد سمعت وأنا أرى ان تجعلها في الاقربين فقال أبو طلحة أفعل يا رسول الله قال فقسمها أبو طلحة في أقاربه وبني عمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا يونس بن أبي اسحق عن بريد بن أبي مريم عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما يسأل رجل مسلم الله الجنة ثلاثا الا قالت الجنة اللهم ادخله ولا استجار رجل مسلم من النار ثلاثا الا قالت النار اللهم أجره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبان ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تزال جهنم تقول هل من مزيد فيقول رب العالمين فيضع قدمه فيها فيزوي بعضها الى بعض وتقول قط قط ولا يزال في الجنة فضل حتى ينشئ الله خلقا آخر فيسكنه في فضول الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي

ماقال أبي ولم يال ابن مسعود (عب) * عن ابراهيم بن اسمعيل بن أبي حبيبة الاشهلي عن عبد الله بن عبد الرحمن بن ثابت بن الصامت عن أبيه عن جده ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قام يصلي في بني عبد الاشهل وعليه كساء ملتف به يضع يده عليه يقيه برد الحصا ابن خزيمة وأبو نعيم * عن جابر رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في قميص (عب ت) * عن طلق بن علي قال جاء رجل فقال يا نبي الله ماترى في الصلاة في ثوب واحد فاطلق النبي صلى (١٤٤) الله عليه وسلم ازاره فطارت به رداءه ثم اشتمل بها ثم صلى بنا فلما قضى الصلاة قال أكلكم يجد ثوبين (عب ش) * عن عبادة بن الصامت قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه قطيفة رومية قد عقدها على عنقه ثم صلى بنا ما عليه غيرها (كر) * عن ابن عباس أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى في ثوب واحد يتقي بفضوله حر الارض وبردها (ش) عن ابن عباس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى في كساء مخالف بين طرفيه في يوم بارد يتقي بالكساء حر الارض كهيئة الحاقز (عب) * عن زهير ابن محمد التيمي ثنا زيد بن أسلم قال رأيت ابن عمر يصلي محتلوة ازاره فسألت عن ذلك فقال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعله (هق) وقال تفرد به زهير ابن محمد (كر) * عن نافع ان ابن عمر كساه ثوبين وهو غلام فدخل المسجد فوجده يصلي متوشحا به فقال أليس لك ثوبان تلبسهما فقلت بلى فقال أرأيت لو انى أرسلتك الى وراء الدار أكنت لابسهما قلت نعم قال فالله أحق أن تتزين له أم الناس فاخبره عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أو عن عمر فاستيقن نافع انه عن أحدهما وما أراه الا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم حصاصة انه قال لايشتمل أحدكم الصلاة اشتمال اليهود ليتوشح به ومن كان له ثوبان فليتزر ثم ليصل قال نافع وكان عبد الله لا يرى لاحد أن يصلي بغير ازار وسراويل ولو كانت في جبة ورداء دون ازار وسراويل (عب) * عن عمار قال أمنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثوب واحد متوشحا به (ش) * عن كبسان رأيت النبي صلى الله عليه وسلم صلى الظهر والعصر في ثوب واحد متلببا به (ش) * عن سعيد بن أبي هلال عن محمد بن أبي

حدثنا هشام بن سعيد الطالقاني ثنا أبو عوانة عن عبد الرحمن الاصم عن أنس بن مالك قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم الى عمر بحبة سندس قال فاتى عمر رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال بعثت الي بحبة سندس وقد قلت فيها ما قلت قال اني لم أبعث بها اليك لتلبسها انما بعثت بها اليك لتبيعها أو تستنفع بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب أخبرني سهل أخو حزم ثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قرأ رسول الله صلى الله عليه وسلم هذه الآية أهل التقوى وأهل المغفرة قال قال ربكم أنا أهل ان اتقى فلا يجعل معي الله فمن اتقى ان يجعل معي الها كان أهل ان أغفر له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو الوليد ثنا شعبة عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل غادر لواء يوم القيامة يعرف به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن سلمة أنا عبيد الله بن أبي بكر عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال هذا ابن آدم وهمهنا أجله وثم أمله وقدم عفان يده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان لايجاوز شعره أذنيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نعس أحدكم وهو يصلي فلينصرف فلينم حتى يعلم مايقول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا أشعث عن الحسن عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه قدموا مكة وقد لبوا بالحج وعمرة فأمرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد ما طافوا بالبيت وسعوا بين الصفا والمروة ان يجعلوها عمرة وان يحلوا وكان القوم هابوا ذلك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لولا أني سقت هديا لاحللت فاحل القوم وتمتعوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا شعبة عن يونس بن عبيد عن أبي قدامة الحنفي قال قلت لانس بأي شئ كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يهل قال سمعته سبع مرار بعمرة وحجة بعمرة وحجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير قال حدثني أبي قال سمعت حميدا الطويل يحدث عن أنس قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يجمع بين الرطب والخربز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا هشام ابن حسان عن محمد يعني ابن سيرين عن أنس بن مالك ان هلال بن أمية قذف امرأته بشريك بن سحماء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انظروها فان جاءت به جعدا أحمش الساقين فهو لشريك بن سحماء وان جاءت به أبيض سبطا مضيئ العينين فهو لهلال بن أمية فجاءت به جعدا أحمش الساقين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ميمون المرائي ثنا ميمون بن سياه عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال مامن مسلمين التقيا فاخذ أحدهما يد صاحبه الا كان حقا على الله ان يحضر دعاءهما ولا يفرق بين أيديهما حتى يغفر لهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا أبي قال سمعت يونس عن الزهري عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اجعل بالمدينة ضعفي ما بمكة من البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ميمون المرائي ثنا ميمون بن سياه عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال مامن قوم اجتمعوا يذكرون الله لا يريدون بذلك الا وجهه الا ناداهم مناد من السماء ان قوموا مغفورا لكم قد بدلت سيآتكم حسنات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن حماد ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم ان ثلاثة نفر فيما سلف من الناس انطلقوا يرتادون لاهلهم فاخذتهم السماء فدخلوا غارا فسقط عليهم حجر متجاف حتى مايرون منه

الجهم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم استأجره يرعى له أوفى بعض أعماله فأتاه رجل فرآه كاشفا عن عورته ما يباني فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فرآه كاشفا عن عورته فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لم يستحي من الله في العلانية لم يستحي منه في السر اعطوه حقه أبو نعيم في المعرفة وقال محمد بن أبي الجهم ذكره محمد بن عثمان بن أبي شيبة في الوحدان والمقلين من الصحابة ولا أراه صحابيا * عن معاوية بن حيدة قلت يا رسول الله ما نأتي من عوراتنا وما نذر قال احفظ عليك عورتك الا من زوجتك  أو ما ملكت يمينك قلت يا رسول الله فاذا كان بعضنا في بعض قال ان استطعت ان لا يرى عورتك أحد فافعل قلت أرأيت اذا كان أحدنا خاليا قال فالله أحق أن يستحيى منه من الناس * (ع حم د ت) حسن (ه ك هـ ق) * عن معاوية بن أبي سفيان قال سألت أم حبيبة قلت أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في الثوب الذي يضاجع فيه قالت نعم اذا لم ير فيه أذى (ص) * عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى وعليه مرط من صوف من هذه المرحلات على بعضه وعليه بعضه (خط) في المتفق * عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يصلي في شعار المرأة (ع ب) * عن عمر قال تصلي المرأة في ثلاثة أثواب درع وازار وخمار (ش) وابن منيع (هق) * عن مكحول قال سألت عائشة في كم ثوب تصلي المرأة فقالت اثت عليا فاسأله ثم ارجع الي فأتيت عليا فسأله فقال في درع سابغ وخمار فرجع اليها فأخبرها فقالت صدق (ش) * عن أبي اسحق ان عليا وشريحا كانا يقولان تصلي الامة كما تخرج (ش) * (الفرع الثاني في استقبال القبلة وترهيب المار بين يدي المصلي * القبلة) * ما بين المشرق والمغرب قبلة (ت ن) عن أبي هريرة * (الاكمال) * البيت قبلة لاهل المسجد والمسجد قبلة لاهل الحرم والحرم قبلة لاهل الارض في مشارقها ومغاربها من أمتي (هق) وضعفه عن ابن عباس * (الافعال) * عن البراء قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيت المقدس ستة عشر شهرا حتى نزلت الآية التي في البقرة وحيث

حصاصة فقال بعضهم لبعض قد وقع الحجر وعفا الاثر ولا يعلم بمكاننا كم الا الله فادعوا الله وابوا وثق أعمالكم قال فقال رجل منهم اللهم ان كنت تعلم انه قد كان لي والدان فكنت أحلب لهما كل ليلة فآتيهما بأحب ما يشربان فربما أخرت عنهما ليلتهما فوجدتهما راقدين فحلبت على رؤوسهما أكره ان أوقظهما فأرد عنهما فأسقي ولدي وعيالي فلم أزل كذلك ليلتي حتى أتيهما بحلابهما فوجدتهما نائمين اللهم ان كنت تعلم اني انما فعلت ذلك ابتغاء وجهك فافرج عنا ما نحن فيه فانفرجت عنهم الصخرة حتى رأوا منها السماء وقال آخر اللهم ان كنت تعلم اني استأجرت أجيرا على عمل بفرق من ذرة فلما قضى عمله قال أعطني فرقي فعرضت عليه فرقه فرغب عنه فلم أزل أزرعه حتى جمعت منه بقرا ورعاءها فجاءني فقال اتق الله ولا تظلمني وأعطني فرقي فقلت اذهب الى تلك البقر ورعائها فخذها فقال اتق الله ولا تهزأ بي فقلت لا أهزأ بك فأخذ البقر ورعاءها فاستاقها فلم يترك منها شيئا اللهم فان كنت تعلم اني فعلت ذلك ابتغاء وجهك ففرج عنا ما نحن فيه فانفرجت الصخرة فخرجوا يمشون وقال الآخر اللهم ان كنت تعلم اني استأجرت أجيرا بفرق من أرز فلما قضى عمله قال أعطني فرقي فعرضت عليه فرقه فرغب عنه فلم أزل أزرعه حتى جمعت من ثمنه بقرا ورعاءها فجاءني فقال اتق الله ولا تظلمني وأعطني فرقي فقلت اذهب الى تلك البقر ورعائها فخذها فقال اتق الله ولا تستهزئ بي فقلت لا أستهزئ بك فأخذ البقر ورعاءها فاستاقها فلم يترك منها شيئا اللهم فان كنت تعلم اني فعلت ذلك ابتغاء وجهك ففرج عنا ما نحن فيه فانفرجت الصخرة فخرجوا يمشون قال أبو عبيد بن عبد الله حدثنا أبو بحر ثنا أبو عوانة عن قتادة قال عبد الله عن أنس فذكر نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس ان ثلاثة نفر انطلقوا فذكر معناه قال أبي ولم يرفعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس بن مالك قال كنا قعودا عنده ان نسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن شئ فكان يعجبنا ان يجيء الرجل من أهل البادية العاقل فيسأله ونحن نسمع فجاء رجل من أهل البادية فقال يا محمد أتانا رسولك فزعم لنا انك تزعم ان الله أرسلك قال صدق قال فمن خلق السماء قال الله قال فمن خلق الارض قال الله قال فمن نصب هذه الجبال وجعل فيها ما جعل قال الله قال فبالذي خلق السماء وخلق الارض ونصب هذه الجبال آلله أرسلك قال نعم فقال فزعم رسولك ان علينا خمس صلوات في يومنا وليلتنا قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال فزعم رسولك ان علينا زكاة في أموالنا قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال وزعم رسولك ان علينا صوم شهر رمضان في سنتنا قال نعم صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال وزعم رسولك ان علينا حج البيت من استطاع اليه سبيلا قال صدق قال ثم ولى فقال والذي بعثك بالحق نبيا لا أزيد عليهن شيئا ولا أنقص منهن شيئا فقال النبي صلى الله عليه وسلم لئن صدق ليدخلن الجنة **حدثنا** عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا شعبة وأبو داود قالا أنا شعبة المعنى ثنا ثابت قال سمعت أنسا يقول لامرأة من أهله أتعرفين فلانة فان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بها وهي تبكي على قبر فقال لها اتقي الله واصبري فقالت له اليك عني فانك لا تبالي بمصيبتي قال ولم تكن عرفته فقيل لها انه رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخذها مثل الموت فجاءت الى بابه فلم تجد عليه بوابا فقالت يا رسول الله اني لم أعرفك فقال ان الصبر عند أول صدمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي وعفان ثنا عبد الوارث ثنا شعيب يعني ابن الحبحاب عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثرت عليكم في السوال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا أبي قال سمعت حميد الطويل يحدث عن أنس قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يجمع بين الرطب والخربز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى حدثنا حماد بن يحيى ثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال مثل أمتي مثل المطر لا يدرى أوله خير أو آخره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن ثابت وحميد ويونس عن الحسن أن رسول الله صلى

فما كنتم فولوا وجوهكم شطره فنزلت بعد ما صلى النبي صلى الله عليه وسلم فانطلق رجل من القوم فمر بناس من الأنصار وهم يصلون فحدثهم الحديث فولوا وجوههم قبل البيت (ش) *عن عمارة بن أوس كنا نصلي الى بيت المقدس اذا أتانا آت وامامنا راكع ونحن ركوع فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أنزل عليه القرآن وقد أمر أن يستقبل الكعبة الا فاستقبلوها فانحرف امامنا وهو راكع وانحرف القوم حتى استقبلوا الكعبة فصلينا بعض تلك الصلاة الى بيت المقدس وبعضها الى الكعبة (ش) *عن أنس قال جاء منادي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان القبلة قد حولت الى البيت الحرام وقد صلى الامام ركعتين فاستداروا وصلوا الركعتين الباقيتين نحو الكعبة (ش) *(سترة المصلي وترهيب المار بين يديه) *من استطاع منكم أن لا يحول بينه وبين قبلته أحد فليفعل (د) عن أبي سعيد *اذا صلى أحدكم فليصل الى سترة وليدن من سترته لا يقطع الشيطان عليه صلاته (حم د ن حب ك) عن سهل بن أبي حثمة *استتروا في صلاتكم ولو بسهم (حم ك هق) عن الربيع بن سبرة *سترة الامام سترة من خلفه (طس) عن أنس *ارهقوا القبلة البزار (هب) وابن عساكر عن عائشة *ليستتر أحدكم في الصلاة بالخط بين يديه وبالحجر وبما وجد من شئ مع ان المؤمن لا يقطع صلاته شئ ابن عساكر عن أنس *الهرة لا تقطع الصلاة لانها من متاع البيت (ه ك) عن أبي هريرة *اذا جعلت بين يديك مثل مؤخرة الرحل فلا يضرك من مر بين يديك (د) عن طلحة بن عبيد الله *اذا صلى أحدكم الى سترة فليدن منها لا يمر الشيطان بينه وبينها (طب) والضياء عن جبير بن مطعم *اذا صلى أحدكم الى شئ يستره من الناس فاراد أحد أن يجتاز بين يديه فليدفعه فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان (حم ق د ن) عن أبي سعيد *اذا صلى أحدكم فليجعل تلقاء وجهه شيأ فان لم يجد شيأ فلينصب عصا فان لم يكن معه عصا فليخط خطا ثم لا يضره ما مر أمامه (عب حم د ه حب) عن أبي هريرة *اذا قام أحدكم يصلي فانه يستره اذا كان بين يديه مثل آخرة الرحل فاذا لم يكن بين يديه مثل آخرة الرحل فانه يقطع صلاته

---

الله عليه وسلم قال مثل أمتي فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن هلال بن علي قال قال أنس بن مالك لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم سبابا ولا فحاشا ولا لعانا وكان يقول لاحدنا عند المعتبة ماله ترب جبينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا ليث يعني ابن سعد عن بكير بن عبد الله عن محمد بن عبد الله بن أبي سليم عن أنس بن مالك انه قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يعني ركعتين ومع أبي بكر ركعتين ومع عمر ركعتين ومع عثمان ركعتين صدرا من امارته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا فليح عن محمد بن مساحق عن عامر بن عبد الله يعني ابن الزبير عن أنس قال ما رأيت اماما أشبه بصلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم من امامكم هذا العمر بن عبد العزيز وهو بالمدينة يومئذ وكان عمر لا يطيل القراءة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ثنا أبان يعني ابن يزيد العطار عن قتادة عن أنس بن مالك انه رأى النبي صلى الله عليه وسلم ذبح أضحيته بيده وكان يكبر عليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا أبان عن قتادة عن أنس بن مالك قال بينما نبي الله صلى الله عليه وسلم جالس في أصحابه اذ مر بهم يهودي فسلم عليهم فقال النبي صلى الله عليه وسلم ردوه فقال ردوه فقال كيف قلت قال قلت سام عليكم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سلم عليكم أحد من أهل الكتاب فقولوا وعليك أي ما قلت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن زيد يعني ابن الهاد عن عمرو عن أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله عز وجل قال اذا ابتلى عبدي بحبيبتيه ثم صبر عوضته منهما الجنة يريد عينيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن عمرو ابن أنس قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انى لاول الناس تنشق الارض عن جمجمتي يوم القيامة ولا فخر وأعطى لواء الحمد ولا فخر وأنا سيد الناس يوم القيامة ولا فخر وأنا أول من يدخل الجنة يوم القيامة ولا فخر واني آتي باب الجنة فآخذ بحلقتها فيقولون من هذا فيقول أنا محمد فيفتحون لي فأدخل فاذا الجبار عز وجل مستقبلي فأسجد له فيقول ارفع رأسك يا محمد وتكلم يسمع منك وقل يقبل منك واشفع تشفع فأرفع رأسي فأقول أمتي أمتي يا رب فيقول اذهب الى أمتك فمن وجدت في قلبه مثقال حبة من شعير من الايمان فأدخله الجنة فذهبت فعلت ثم رجعت فقلت أمتي أمتي يا رب فيقول اذهب الى أمتك فمن وجدت في قلبه مثقال ذلك فأدخله الجنة فذهبت فعلت ثم رجعت فقلت أمتي أمتي يا رب فيقول اذهب الى أمتك فمن وجدت في قلبه نصف حبة من شعير من الايمان فأدخلهم الجنة فاذا دخلهم الجنة فاذا الجبار عز وجل مستقبلي فأسجد له فيقول ارفع رأسك يا محمد وتكلم يسمع منك وقل يقبل منك واشفع تشفع فأرفع رأسي فأقول أمتي أمتي فيقول اذهب فمن وجدت في قلبه مثقال ذلك أدخلهم الجنة فاذا الجبار عز وجل مستقبلي فأسجد له فيقول ارفع رأسك يا محمد وتكلم يسمع منك وقل يقبل منك واشفع تشفع فأرفع رأسي فأقول أمتي أمتي فيقول اذهب الى أمتك فمن وجدت في قلبه مثقال حبة من خردل من الايمان فأدخله الجنة فأذهب فمن وجدت في قلبه مثقال ذلك ادخلتهم الجنة وفرغ الله من حساب الناس وأدخل من بقي من أمتي النار مع أهل النار فيقول أهل النار ما أغنى عنكم انكم كنتم تعبدون الله عز وجل لا تشركون به شيأ فيقول الجبار عز وجل فبعزتي لاعتقنهم من النار فيرسل اليهم فيخرجون وقد امتحشوا فيدخلون في نهر الحياة فينبتون فيه كما تنبت الحبة في غثاء السيل ويكتب بين أعينهم هؤلاء عتقاء الله عز وجل فيذهب بهم فيدخلون الجنة فيقول لهم أهل الجنة هؤلاء الجهنميون فيقول الجبار بل هؤلاء عتقاء الجبار عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني

الحمار والمرأة والكلب الاسود قيل ما بال الكلب الاسود من الكلب الاحمر قال الكلب الاسود شيطان (م ن) عن أبي ذر * إذا كان أحدكم يصلي فلا يدع أحدا يمر بين يديه فان أبى فليقاتله فان معه القرين (حم م ٥) عن ابن عمر * ان الذي يمر بين يدي الرجل وهو يصلي عمدا يتمنى يوم القيامة أنه شجرة يابسة (طس) عن ابن عمر و * لو يعلم المار بين يدي المصلي ماذا عليه لكان أن يقف أربعين خيرا له من أن يمر بين يديه مالك (ق ٤) عن أبي جهم * لو يعلم المار بين يدي المصلي لاحب أن ينكسر فخذه ولا يمر بين يديه (٤٥ ١) (ش) عن عبد الحميد بن عبد الرحمن مرسلا * لو يعلم أحدكم ماله في أن يمر بين يدي أخيه معترضا في الصلاة كان لان يقيم مائة عام خير له من الخطوة التي خطاها (حم ٥) عن أبي جهيم * نهى أن يصلي خلف المتحدث والنائم (٥) عن ابن عباس * (الاكمال) * لا يقطع الصلاة شئ والله دون كل شئ وهو أقرب الي من حبل الوريد ابن السني وأبو نعيم ما في الطب عن ابن عباس * إذا أراد أحدكم أن يمر بين يديك وبين سترتك فاردده فان أبى فادفعه فان أبى فقاتله فانما هو شيطان (عب) عن أبي سعيد * اذا مر بين يدي أحدكم شئ وهو يصلي فليمنعه مرتين فان أبى فليقاتله فانما هو شيطان ابن خزيمة والطحاوي وأبو عوانة (هب) عن أبي سعيد * (الافعال) * عن قتادة قال قال عمر بن الخطاب لو يعلم المار بين يدي المصلي ماعليه كان يقوم حولا خيرا له من ذلك اذا لم يكن بين يدي المصلي سترة (عب) * عن عبد الله بن شقيق قال

أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي ثنا ليث بن سعد عن يزيد بن الهاد عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اني لاول الناس فذكر معناه الا انه قال كما تنبت الحبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة عن أنس قال وحدث أنس بن مالك أن نبي الله صلى الله عليه وسلم أمر بضعة وعشرين رجلا من صناديد قريش فألقوا في طوى من أطواء بدر خبيث مخبث قال وكان اذا ظهر على قوم أقام بالعرصة ثلاث ليال قال فلما ظهر على بدر أقام ثلاث ليال حتى اذا كان اليوم الثالث أمر براحلته فشد رحلها ثم مشى واتبعه أصحابه قالوا فأنراه يتطلق الا لبعض حاجته قال حتى قام على شفة الطوى قال فجعل ينادي بهم بأسمائهم وأسماء آبائهم يا فلان بن فلان أسركم أنكم أطعتم الله ورسوله هل وجدتم ما وعدكم ربكم حقا قال عمر يا نبي الله ما تكلم من أجساد لا أرواح فيها قال والذي نفس محمد بيده ما أنتم بأسمع لما أقول منهم قال قتادة أحياهم الله عز وجل له حتى سمعوا قوله توبيخا وتصغيرا ونقمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن محمد وهو أبو ابراهيم المعقب ثنا عباد يعني ابن عباد عن عاصم عن أنس بن مالك قال وخالف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين قريش والانصار في داري التي بالمدينة قال أبو عبد الرحمن ثناه أبو ابراهيم المعقب وكان من خيار الناس وعظم أبو عبد الرحمن أمره جدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن سلمة عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى يتباهى الناس في المساجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم حدثنا أبو يعقوب يعني اسحق قال سمعت ثابتا البناني وسأله رجل هل سألت أنس بن مالك قال نابت سألت أنسا هل سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لقد قبض الله عز وجل رسوله وما نخضبه بالشيب ما كان في رأسه ولحيته يوم مات ثلاثون شعرة بيضاء وقيل له أفضيخة هو قال أما انتم فتعدونه فضيخة وأما نحن فكنا نعده زينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا عبد العزيز يعني ابن عبد الله بن أبي سلمة ثنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في بيت ام سليم على حصير قديم قد تغير من القدم قال ونضحته من ماء فسجد عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن أبي قبيل عن أبي النضر عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال ألا أخبركم بأهل النار وأهل الجنة أما أهل الجنة فكل ضعيف متضعف أشعث ذي طمرين لو أقسم على الله لابره وأما أهل النار فكل جعظري جواظ جماع مناع ذي تبع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة ثنا يزيد بن أبي حبيب وعقيل بن خالد عن ابن شهاب عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى أن يبيع الرجل فلة فرسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن بكير بن الاشج عن محمد بن عبد الله بن أبي سليم عن أنس بن مالك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة بمنى ركعتين وصلاها أبو بكر بمنى ركعتين وصلاها عمر بمنى ركعتين وصلاها عثمان بن عفان بمنى ركعتين أربع سنين ثم أتمها بعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا خالد بن يزيد عن سعيد بن أبي هلال عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان بني اسرائيل تفرقت احدى وسبعين فرقة فهلكت سبعون فرقة وخلصت فرقة واحدة وان امتي ستفترق على اثنتين وسبعين فرقة فتهلك احدى وسبعين وتخلص فرقة قالوا يا رسول الله من تلك الفرقة قال الجماعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي



مر عمر بن الخطاب برجل يصلي بغير سترة فقال لو يعلم المار والممر ورعليه ماذا عليهما ما فعلا (عب) * عن غضيف قال أتيت عمر بن الخطاب فقلت له انا نخرج في الابنية كل عام ولي بناء فيه صغير فان صليت فيه كانت المرأة بحذائي وان خرجت قررت قال اقطع بينكما بثوب ثم صل كيف شئت قال وكتب اليه عامله بالشام ان لنا جيرانا من النشامرة فهم يقرؤن بعض التوراة وقال بعض الانجيل ولا يؤمنون بالبعث فما ترى أمير المؤمنين في ذبائحهم فكتب اليه ان كانوا يستنون ويقرؤن بعض

التوراة أو بعض الانجيل فذبأ بحهم كذبائح أهل الكتاب (عب) ومسدد * عن مالك قال بلغني ان رجلا أتى عثمان بن عفان برجل كسر انفه فقال له مر بين يدي في الصلاة وأنا أصلي وقد بلغني ما سمعته في المار بين يدي المصلي فقال له عثمان فما صنعت شرا يا ابن أخي ضعت الصلاة وكسرت أنفه (عب) * عن علي قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا يصلي الى رجل فأمر بان يعيد الصلاة قال يا رسول الله انى قد صليت وأنت تنظر الي البزار وضعف * عن مطلب (١٤٦) بن أبي وداعة رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في المسجد الحرام مما يلي باب بني سهم

حدثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك انه قال لما نزلت هذه الآية يا أيها الذين آمنوا لا ترفعوا أصواتكم الى آخر الآية جلس ثابت بن قيس في بيته فقال أنا من أهل النار واحتبس عن النبي صلى الله عليه وسلم فسأل النبي صلى الله عليه وسلم سعد بن معاذ فقال يا أبا عمر وما شأن ثابت اشتكى فقال سعد انه لجاري وما علمت له شكوى قال فأتاه سعد فذكر له قول رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ثابت أنزلت هذه الآية ولقد علمتم اني من أرفعكم صوتا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فانا من أهل النار فذكر ذلك سعد للنبي صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بل هو من أهل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان أهل اليمن قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا ابعث معنا رجلا يعلمنا فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم بيد أبي عبيدة بن الجراح فارسله معهم فقال هذا أمين هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان رجلا قال يا رسول الله ان لفلان نخلة وأنا أقيم حائطي بها فامره ان يعطيني حتى أقيم حائطي بها فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أعطها اياه بنخلة في الجنة فابى فاتاه أبو الدحداح فقال يعني نخلتك بحائطي ففعل فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني قد ابتعت النخلة بحائطي قال فاجعلها له فقد أعطيتكها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كم من عذق رداح لابي الدحداح في الجنة قالها مرارا قال فاتى امرأته فقال يا أم الدحداح أخرجي من الحائط فاني قد بعته بنخلة في الجنة فقالت ربح البيع أو كلمة تشبهها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يحلق الحجام رأسه أخذ أبو طلحة شعر أحد شق رأسه بيده فاخذ شعره فجاء به الى أم سليم قال فكانت أم سليم تدوفه في طيبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا بكر بن سوادة عن وفاء الحولاني عن أنس بن مالك قال بينما نحن نقرأ فينا العربي والعجمي والاسود والابيض اذ خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أنتم في خير تقرؤن كتاب الله وفيكم رسول الله صلى الله عليه وسلم وسيأتي على الناس زمان يثقفونه كما يثقفون القدح يتعجلون أجرهم ولا يتأجلونها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب قال حدثني ابن أبي ذئب عن موهوب بن عبد الرحمن بن أزهر عن أنس بن مالك انه كان يحالف عمر بن عبد العزيز فقال له عمر ما يحملك على هذا فقال اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي صلاة متى توافقها أصلي معك ومتى تخالفها أصلي وانقلب الى أهلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا عبد الله بن وهب قال وأخبرني عمرو بن الحرث عن بكير بن الاشج ان الضحاك بن عبد الله القرشي حدثه عن أنس بن مالك انه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر صلى سبحة الضحى ثمان ركعات فلما انصرف قال اني صليت صلاة رغبة ورهبة سألت ربي عز وجل ثلاثا فاعطاني ثنتين ومنعني واحدة سألت ان لا يبتلي أمتي بالسنين ففعل وسألت أن لا يظهر عليهم عدوهم ففعل وسألته ان لا يلبسهم شيعا فابى علي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال أبو عبد الرحمن وسمعته أنا من هرون غير مرة ثنا عبد الله بن وهب قال حدثني جرير بن حازم انه سمع قتادة بن دعامة ثنا أنس بن مالك أن رجلا جاء الى النبي صلى الله عليه وسلم قد توضأ وترك على قدميه مثل موضع الظفر فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم ارجع فاحسن وضوءك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان قال

والناس يطوفون بالبيت بينه وبين القبلة بين يديه ليس بينه وبينه سترة (عب د ن ه) * عن الحسن قال صلى الحكم الغفاري باصحابه وقد ركز بين يديه رمحا فمر بين أيديهم كلب أو حمار فانصرف الى أصحابه فقال اما انه لم يقطع صلاتي ولكنه قطع صلاتكم (عب) * عن عبد الله بن الصامت قال صلى الحكم الغفاري بالناس في سفر وبين يديه عنزة فمرت حمر بين يدي أصحابه فاعادهم الصلاة فقالوا أراد أن يصنع كما صنع الوليد بن عقبة اذ صلى باصحابه الغداة أربعا ثم قال أزيدكم فلحقت الحكم فذكرت له ذلك فوقف حتى تلاحق القوم فقال اني أعدت بكم الصلاة من أجل الحمر التي مرت بين أيديكم فضر بتموني مثلا لابن أبي معيط واني أسأل الله أن يحسن تسييركم وأن يحسن بلاغكم وان ينصركم على عدوكم وان يفرق بيني وبينكم قال فضوا فلم يروا في وجوههم ذلك الا ما يسرون به فلما فرغوا مات (عب) * عن أبي ثعلبة بينا النبي صلى الله عليه وسلم يصلي باصحابه بطريق مكة مر رجل يطارد شولا له فأشار اليه النبي صلى الله عليه وسلم فلم يفطن فصرخ حدثني به عمر باصاحب الشول ردا بلك فردها فلما صلى النبي صلى الله عليه وسلم قال من المتكلم قالوا عمر قال بالك فقها يا ابن الخطاب عبد الرزاق ابن عبد الرحمن بن زيد بن أسلم عن أبيه مرسلا * عن أبي جحيفة ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى الى عنزة أو شبهها والطريق من ورائها (ش) * أيضا رأيت بلالا يؤذن يدور يتبع فاه ههنا وههنا واصبعاه في أذنيه ورسول الله صلى الله عليه وسلم في قبة له حمراء فخرج بلال بين يديه بالعنزة

ذكرها في الابطح فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم بها الظهر والعصر يمر بين يديه الكلب والحمار والمرأة وعليه حلة حمراء كأني أنظر الى بريق ساقيه (عب) * عن أبي الدرداء أنه قال لرجل مررت بين يدي صلاة أخيك وهدمت عمرها بنيان سنة أو سنتين (كر) * عن أبي هريرة قال لا يضرك اذا كان بين يديك سترة وان كانت أرق من الشعرة (عب) * عن ابن عباس صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم في فضاء ليس بين يديه شئ (ش) * أيضا جئت أنا والفضل على أتان والنبي صلى الله عليه وسلم يصلي (١٤٧) بالناس فررنا على بعض الصف فنزلنا

حدثني سلمة بن وردان قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قل يا أيها الكافرون ربع القرآن واذا زلزلت الارض ربع القرآن واذا جاء نصر الله ربع القرآن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليصيبن أقواما سفع من النار عقوبة بذنوب عملوها ثم ليدخلهم الله الجنة بفضل رحمته فيقال لهم الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز بن القاسم ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى ان يشرب الرجل وهو قائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حماد بن زيد عن هشام عن محمد عن أنس قال حماد والجعد قد ذكره قال عمدت أم سليم الى نصف مد شعير فطحنته ثم عمدت الى عكة كان فيها شئ من سمن فاتخذت منه خطيفة قال ثم أرسلتني الى النبي صلى الله عليه وسلم قال فأتيته وهو في أصحابه فقلت ان أم سليم أرسلتني اليك تدعوك فقال أنا ومن معي قال فجاء هو ومن معه قال فدخلت فقلت لابي طلحة قد جاء النبي صلى الله عليه وسلم ومن معه فرح أبو طلحة فمشى الى جنب النبي صلى الله عليه وسلم قال فقال يا رسول الله انما هي خطيفة اتخذتها أم سليم من نصف مد شعير قال فدخل فأتى به قال فوضع يده فيها ثم قال أدخل عشرة قال فدخل عشرة فأكلوا حتى شبعوا ثم دخل عشرة فأكلوا ثم عشرة فأكلوا حتى أكل منها أربعون كلهم أكلوا حتى شبعوا قال وبقيت كما هي قال فأكلنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين ثنا عبد العزيز بن عبد الله بن أبي سلمة عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده لو اطلعت امرأة من نساء أهل الجنة على أهل الارض لأضاءت ما بينهما ولملأت ما بينهما ريحا ولنصيفها على رأسها خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين ثنا عبد العزيز عن محمد عن أبي بكر الثقفي عن أنس بن مالك قال كلم رسول الله صلى الله عليه وسلم غداة عرفة منا المكبر ومنا المهل لا يعاب على المكبر تكبيره ولا على المهل اهلاله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أحسن الناس وكان أسود الناس وكان أشجع الناس قال ولقد فزع أهل المدينة ليلة فانطلق قبل الصوت فرجع رسول الله صلى الله عليه وسلم راجعا قد استبرأ لهم الصوت وهو على فرس لابي طلحة عري ما عليه سرج وفي عنقه السيف وهو يقول للناس لم تراعوا لم تراعوا وقال للفرس وجدناه بحرا أو انه لبحر قال أنس وكان الفرس قبل ذلك بطيئا قال ما سبق بعد ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس حدثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من مسلم يزرع زرعا أو يغرس غرسا فيأكل منه طير أو انسان أو بهيمة الا كان له به صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا أبو عوانة عن عبد الرحمن الاصبهاني عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم بعث الى عمر بن الخطاب بحجة سندس فقال عمر يا رسول الله بعثت بها الي وقد قلت فيها ما قلت فقال اني لم أبعث بها اليك لتلبسها وانما بعثت بها اليك لتنتفع بثمنها أو تبيعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم دعا بماء في قدح رحراح فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم أصابعه في القدح فجعل الماء ينبع وجعل القوم يتوضؤون منه ويخرج من بين أصابعه قال وجعل القوم يتوضؤون قال فحزرت القوم فاذا ما بين السبعين الى الثمانين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس أو غيره قال قال

وتركناها ترتع فلم يقل لنا شيا (ش) * عن ابن عباس قال يقطع الصلاة الكلب والخنزير واليهودي والنصراني والمجوسي والمرأة والحائض (عب) * عن الاسود قال قال عبد الله بن مسعود من استطاع منكم أن لا يمر بين يديه وهو يصلي فليفعل فان المار بين يدي المصلي أنقص أجرا من الممر عليه (عب) * عن الاسود قال ان ابن مسعود قال اذا أراد أحد أن يمر بين يديك وأنت تصلي فلا تدعه فانه يطرح شطر صلاتك (عب) * عن عائشة أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي من الليل وأنا معترضة بينه وبين القبلة كاعتراض الجنازة (عب ش) * عن ميمونة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي وأنا بحذائه فربما أصابني ثوبه اذا سجد وكان يصلي على الخمرة (ش) * عن أسامة ابن شريك انى لمع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ قربت اليه جنازة ليصلي عليها فالتفت فنظر امرأة مقبلة فقال ردوها فردوها فرد وها مرارا حتى توارت فلما رآها توارت كبر عليها (طب) * عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي فجعل جدي يريد أن يمر بين يدي النبي صلى الله عليه وسلم فجعل يتقدم ويتأخر حتى نرى الجدي (ش) * (الشرع الثالث في المكان ومحظوراته وما يصلى عليه) * اذا كنتم في القصب أو الثلج أو الرداغ فحضرت الصلاة فاوموا ايماء (طب) عن عبد الله المزني * جميع مواطن لا يجوز فيها الصلاة ظاهر بيت الله والمقبرة والمزبلة والمجزرة وأعطان الابل ومحجة الطريق (ه) عن عمر * اذا أدركتكم الصلاة وأنتم في مراح الغنم فصلوا فيها فانها

سكينة وبركة واذا أدركتكم الصلاة وأنتم في اعطان الابل فاخرجوا منها فصلوا فانها جن من جن خلقت الا ترونها اذا نفرت كيف تشمخ بانفها الشافعي (هق) عن عبد الله بن مغفل * وان لم تجدوا الا مرابض الغنم واعطان الابل فصلوا في مرابض الغنم ولا تصلوا في اعطان الابل فانها خلقت من الشياطين (م) عن أبي هريرة * لا تصلوا الى قبر ولا تصلوا على قبر (طب) عن ابن عباس * قاتل الله اليهود اتخذوا قبور أنبيائهم مساجد (ق د) عن أبي هريرة (١٤٨) * لعن الله اليهود والنصارى اتخذوا قبور أنبيائهم مساجد (حم) عن أسامة بن زيد (حم ق ن) عن عائشة وعن ابن عباس (م) عن أبي هريرة * ان أولئك اذا كان فيهم الرجل الصالح فمات بنوا على قبره مسجدا وصوروا فيه تلك الصورة أولئك شرار الخلق عند الله يوم القيامة (حم ق ن) عن عائشة * (الاكمال) * الحائط تلقى العذرة والتبن اذا سقي ثلاث مرات فصل فيه (طس) عن ابن عمر * اللهم لا تجعل قبري وثنا يصلى اليه فانه اشتد غضب الله على قوم اتخذوا قبور أنبيائهم مساجد عبد الرزاق عن زيد بن أسلم مرسلا * (الافعال) * عن أبي صالح الغفاري أن علياما ببابل وهو بسير فجاءه المؤذن يؤذنه بصلاة العصر فلما در منها أمر المؤذن فاقام الصلاة فلما فرغ قال ان حبي رسول الله صلى الله عليه وسلم نهاني أن أصلي في المقبرة ونهاني أن أصلي في أرض بابل فانها ملعونة (د هق) * عن ابن عباس انه كان يكره أن يصلي في الكنيسة اذا كان فيها تماثيل (عب) * عن ابن عباس قال لا تصلين الى حش ولا في حمام ولا في المقبرة (عب) * عن ابن أبي حازم عن مولاة له يقال لها عزة قالت خطبنا أبو بكر فنهانا أن نصلي معلى على البراذع (عب) * عن أبي سعيد ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى على حصير (ش) * عن ابن عباس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى على بساط (ش) * عن عبد الله بن عامر قال رأيت عمر بن الخطاب يصلي على عبقري (عب) وأبو عبيد في الغريب (هق) * (الفرع الرابع في أوقات الصلاة مجتمعة ومتفرقة واستحبابا وكراهة * المجتمعة) * ان للصلاة أولا وآخرا وان أول وقت صلاة الظهر حين تزول الشمس

رسول الله صلى الله عليه وسلم من عال ابنتين أو ثلاث بنات أو اختين أو ثلاث أخوات حتى يمتن أو يموت عنهن كنت أنا وهو كهاتين وأشار بأصبعيه السبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد أنا عبيد الله بن أبي بكر عن جده أنس بن مالك رفع الحديث قال ان الله عز وجل قد وكل بالرحم ملكا فيقول اي رب نطفة أي رب علقة اي رب مضغة واذا أراد الله عز وجل أن يقضي خلقها قال يقول اي رب ذكر أو انثى شقي أو سعيد فما الرزق فما الاجل فيكتب كذلك في بطن امه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا حماد بن زيد ثنا عبيد الله بن أبي بكر بن أنس عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا عبد العزيز يعني ابن عبد الله بن أبي سلمة عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن أنس بن مالك قال توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وما في رأسه ولحيته عشرون شعرة بيضاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر أو حسن بن موسى ثنا زهير عن أبي اسحق عن أبي أسماء الصيقل عن أنس بن مالك قال خرجنا نصرخ بالحج فلما قدمنا مكة أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نجعلها عمرة قال ولو استقبلت من أمري ما استدبرت لجعلتها عمرة ولكن سقت الهدي وقرنت بين الحج والعمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن وعفان قالا حدثنا حماد بن سلمة عن سنان بن ربيعة عن أنس قال عفان في حديثه قال أنا أبو ربيعة قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ابتلى الله العبد المسلم ببلاء في جسده قال الله اكتب له صالح عمله الذي كان يعمله فان شفاه غسله وطهره وان قبضه غفر له ورحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد أنا سليمان التيمي وثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتيت على موسى ليلة أسري بي عند الكثيب الاحمر وهو قائم يصلي في قبره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة أنا ثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتيت بالبراق وهو دابة أبيض فوق الحمار ودون البغل يضع حافره عند منتهى طرفه فركبته فسار بي حتى أتيت بيت المقدس فربطت الدابة بالحلقة التي يربط فيها الانبياء ثم دخلت فصليت فيه ركعتين ثم خرجت فجاءني جبريل عليه السلام باناء من خمر واناء من لبن فاخترت اللبن قال جبريل أصبت الفطرة ثم عرج بنا الى السماء الدنيا فاستفتح جبريل فقيل ومن أنت قال جبريل قيل ومن معك قال محمد فقيل وقد أرسل اليه قال قد أرسل اليه ففتح لنا فاذا أنا بآدم فرحب ودعا لي بخير ثم عرج بنا الى السماء الثانية فاستفتح جبريل فقيل ومن أنت قال جبريل فقيل ومن معك قال محمد فقيل وقد أرسل اليه قال قد أرسل اليه ففتح لنا فاذا أنا بابني الخالة يحيى وعيسى فرحبا ودعوا لي بخير ثم عرج بنا الى السماء الثالثة فاستفتح جبريل فقيل من أنت قال جبريل فقيل ومن معك قال محمد صلى الله عليه وسلم فقيل وقد أرسل اليه قال وقد أرسل اليه ففتح لنا فاذا أنا بيوسف عليه السلام واذا هو قد أعطي شطر الحسن فرحب ودعا لي بخير ثم عرج بنا الى السماء الرابعة فاستفتح جبريل فقيل من أنت قال جبريل قيل ومن معك قال محمد فقيل قد أرسل اليه قال قد أرسل اليه ففتح الباب فاذا أنا بادريس فرحب بي ودعا لي بخير ثم قال يقول الله عز وجل ورفعناه مكانا عليا ثم عرج بنا الى السماء الخامسة فاستفتح جبريل فقيل من أنت قال جبريل قيل ومن معك قال محمد فقيل قد بعث اليه قال قد بعث اليه ففتح لنا فاذا أنا بهارون فرحب ودعا لي بخير ثم عرج بنا الى السماء السادسة فاستفتح جبريل فقيل من أنت قال جبريل قيل ومن

وآخر وقتها حين يدخل وقت العصر وان أول وقت العصر حين يدخل وقتها وان آخر وقتها حين تصفر الشمس وان أول وقت المغرب حين تغرب الشمس وان آخر وقتها حين يغيب الشفق وان أول وقت العشاء الآخرة حين يغيب الافق وان آخر وقتها حين ينتصف الليل وان أول وقت الفجر حين يطلع الفجر وان آخر وقتها حين تطلع الشمس (حم ت) عن أبي هريرة * وقت صلاة الظهر اذا زالت الشمس وكان ظل الرجل كطوله مالم تحضر العصر ووقت صلاة العصر مالم تصفر الشمس ووقت صلاة (١٤٩) المغرب مالم يغب الشفق ووقت صلاة العشاء الى نصف الليل الاوسط ووقت صلاة الصبح من طلوع الفجر مالم تطلع الشمس فاذا طلعت الشمس فامسك عن الصلاة فانها تطلع بين قرني شيطان (حم د ن) عن ابن عمرو * أمني جبريل عند البيت مرتين فصلى بي الظهر حين زالت الشمس وكانت قدر الشراك وصلى بي العصر حين كان ظله مثله وصلى بي المغرب حين أفطر الصائم وصلى بي العشاء حين غاب الشفق وصلى بي الفجر حين حرم الطعام والشراب على الصائم فلما كان الغد صلى بي الظهر حين كان ظله مثليه وصلى بي العصر حين كان ظله مثليه وصلى بي المغرب حين أفطر الصائم وصلى بي العشاء الى ثلث الليل وصلى بي الفجر فاسفر ثم التفت الي وقال يا محمد هذا وقت الانبياء من قبلك والوقت ما بين هذين الوقتين (حم د ت ك) عن ابن عباس * (الاكمال) * يا معاذ اذا كان الشتاء فغلس بالفجر وأطل القراءة على قدر ما يطيق الناس ولا تملهم وصل الظهر اذا زالت الشمس ووصل العصر والمغرب في الشتاء والصيف في ميقات واحد ووصل العصر والشمس بيضاء نقية ووصل المغرب اذا غابت الشمس وتوارت بالحجاب ووصل العشاء واعتم بها فان الليل طويل واذا كان الصيف فاسفر بالفجر فان الليل قصير والناس ينامون فامهلهم حتى يدركوها ووصل الظهر حين تنفيء الشمس وتتحرك الريح فان الناس يقيلون فامهلهم حتى يدركوها ووصل العصر والمغرب في الشتاء والصيف على ميقات واحد (حل) عن معاذ * (الافعال) * عن جابر قال الظهر كاسمها يقول بالظهيرة والعصر والشمس بيضاء حية والمغرب كاسمها كنا نصلي مع رسول

معك قال محمد فقيل وقد بعث اليه قال نعم بعث اليه ففتح لنا فاذا أنا بموسى عليه السلام فرحب ودعا لي بخير ثم عرج بنا الى السماء السابعة فاستفتح جبريل فقيل من أنت قال جبريل قيل ومن معك قال محمد قيل وقد بعث اليه قال قد بعث اليه ففتح لنا فاذا أنا بأبراهيم صلى الله عليه وسلم واذا هو مسند الى البيت المعمور واذا هو يدخله كل يوم سبعون ألف ملك لا يعودون اليه ثم ذهب بي الى سدرة المنتهى واذا ورقها كآذان الفيلة واذا ثمرها كالقلال فلما غشيها من أمر الله ما غشيها تغيرت فما أحد من خلق الله يستطيع أن يصفها من حسنها قال فأوحى الله عز وجل الي ما أوحى وفرض علي في كل يوم وليلة خمسين صلاة فنزلت حتى انتهيت الى موسى فقال ما فرض ربك على أمتك قال قلت خمسين صلاة في كل يوم وليلة قال ارجع الى ربك فاسأله التخفيف فان أمتك لا تطيق ذلك واني قد بلوت بني اسرائيل وخبرتهم قال فرجعت الى ربي عز وجل فقلت اي رب خفف عن أمتي فحط عني خمسا فرجعت الى موسى فقال ما فعلت قلت حط عني خمسا قال ان أمتك لا تطيق ذلك فارجع الى ربك فاسأله التخفيف لامتك قال فلم أزل أرجع بين ربي وبين موسى ويحط عني خمسا خمسا حتى قال يا محمد هي خمس صلوات في كل يوم وليلة بكل صلاة عشر فتلك خمسون صلاة ومن هم بحسنة فلم يعملها كتبت حسنة فان عملها كتبت عشرا ومن هم بسيئة فلم يعملها لم تكتب شيأ فان عملها كتبت سيئة واحدة فنزلت حتى انتهيت الى موسى فأخبرته فقال ارجع الى ربك فاسأله التخفيف لامتك فان أمتك لا تطيق ذلك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد رجعت الى ربي حتى لقد استحييت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد أنا ثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أتاه جبريل وهو يلاعب مع الغلمان فأخذه فصرعه وشق عن قلبه فاستخرج القلب ثم شق القلب فاستخرج منه علقة فقال هذا حظ الشيطان منك قال فغسله في طست من ذهب من ماء زمزم ثم لأمه ثم أعاده في مكانه قال وجاء الغلمان يسعون الى أمه يعني ظئره فقالوا ان محمدا قد قتل قال فاستقبلوه وهو منتقع اللون قال أنس وكنت أرى أثر المخيط في صدره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى يعني الطباع ثنا مالك عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك ان جدته مليكة دعت رسول الله صلى الله عليه وسلم لطعام صنعته فأكل منه رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال قوموا فأصلي لكم قال أنس فقمت الى حصير لنا قد اسود من طول ما لبث فنضحته بماء فقام عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم وقمت أنا واليتيم وراءه والعجوز من ورائنا فصلى بنا ركعتين ثم انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا اسحق قال أنا مالك عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الرؤيا الحسنة من الرجل الصالح جزء من ستة وأربعين جزأ من النبوة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال أخبرني مالك عن العلاء قال دخلنا على أنس بن مالك بعد الظهر فقام يصلي العصر فلما فرغ من صلاته تذاكرنا تعجيل الصلاة فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تلك صلاة المنافقين ثلاث مرات يجلس أحدهم حتى اذا اصفرت الشمس وكانت بين قرني شيطان قام فنقر أربعا لا يذكر الله فيها الا قليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق حدثني مالك عن عمرو مولى المطلب عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم طلع له أحد فقال هذا جبل يحبنا ونحبه اللهم ان ابراهيم حرم مكة واني أحرم ما بين لابتيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل بن اسمعيل ثنا حماد بن زيد ثنا ثابت عن أنس قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم

منزل زيد بن حارثة فرأى رسول الله صلى الله عليه وسلم امرأته زينب وكانه دخله لا أدري من قول حماد أو في الحديث فجاء زيد يشكوها اليه فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أمسك عليك زوجك واتق الله قال فنزلت واتق الله وتخفي في نفسك ما الله مبديه الى قوله زوجناكها يعني زينب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا المبارك عن ثابت عن أنس قال قال رجل يا رسول الله إني أحب هذه السورة قل هو الله أحد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حبك اياها أدخلك الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ابن عيينة ثنا مالك بن أنس عن اسحق بن عبد الله عن عمه أنس قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يتبعه من الصحابة فلا أراك أحببته أبدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثناهاشم بن القاسم ثنا المبارك ثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك ان رجلا قال للنبي صلى الله عليه وسلم اني أحب فلانا فقال النبي صلى الله عليه وسلم فاخبره قال لا قال فاخبره فلحقه بعد فقال والله اني لاحبك في الله فقال له أحبك الذي أحببتني له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا فليح بن سليمان ثنا عثمان بن عبد الرحمن التيمي عن قريش عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي بنا الجمعة حين تميل الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا ابن عيينة يعني الحكم عن ثابت عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يخرج الى المسجد فيمر بالهاجرون والانصار وما منهم أحد يرفع رأسه من حبوته الا أبو بكر وعمر فيتبسم اليهما ويتبسمان اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا أبو عامر يعني الخراز عن ثابت عن أنس ان اسود كان ينظف المسجد فمات فدفن ليلا وأتى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبر فقال أفلا قالوا الى قبره فانطلقوا الى قبره فقال ان هذه القبور ممتلئة على أهلها ظلمة وان الله عز وجل ينورها لهم بصلاتي عليهم فاتى القبر فصلى عليه وقال رجل من الانصار يا رسول الله ان أخي مات ولم تصل عليه قال فاين قبره فاخبره فانطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم مع الانصاري **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود قال أبي واملاه علينا يعني أبا داود مع علي بن المديني فقال قال شعبة أخبرني ثابت قال سمعت أنسا عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل غادر لواء أحسبه قال يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا ثابت ثنا عاصم عن حفصة قالت سألت أنس بن مالك بمامات ابن أبي عمرة فقالوا بالطاعون فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الطاعون شهادة لكل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نعس أحدكم وهو في الصلاة فلينصرف فلينم حتى يعلم ما يقول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد قال حدثنا محمد بن ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لابي طلحة أقرئ قومك السلام فانهم ما علمت اعفة صبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا محمد بن ثابت حدثني أبي ان أنسا حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم استقبله نساء وصبيان وخدم جائين من عرس من الانصار فسلم عليهم وقال والله اني لاحبكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا محمد حدثني أبي عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا مررتم برياض الجنة فارتعوا قالوا وما رياض الجنة قال حلق الذكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عمار يعني أبا هاشم صاحب الزعفراني عن أنس بن مالك ان بلالا بطأ عن صلاة الصبح فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ما حبسك فقال مررت بفاطمة وهي تطحن والصبي يبكي فقلت لها ان شئت كفيتك

بالعشاء وهي العتمة حين ذهب بياض النهار وهو الشفق فيما يرى فامره فاقام الصلاة ثم أذن بلال بالفجر حين تبين الفجر فامره فاقام الصلاة فصلى ثم أذن بلال بالظهر حين دلكت الشمس فاخرها رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى ظننا ان ظل الرجل قدصار مثليه فاقام الصلاة فصلى ثم أذن بالعصر فاخرها رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى ظننا ان ظل الرجل قدصار مثليه فاقام الصلاة فصلى ثم أذن بالمغرب فاخرها حتى كاد يذهب بياض النهار وهو الشفق فيما يرى فامره فاقام الصلاة ثم أذن بالعشاء وهي العتمة حين ذهب بياض النهار فقنا ثم قنا مرارا ثم خرج الينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان الناس قد صلوا ورقدوا وانكم لن تزالوا في صلاة ما انتظرتم الصلاة ولولا أن أشق على أمتي لاخرت الصلاة الى هذا الحين ثم صلى قريبا من نصف الليل أو قبل أن ينتصف ثم أذن بلال بالفجر فاخرها رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى اسفر الصبح ورأى الرامي موقع نبله ثم صلى ثم التفت الى الناس فقال أين سائلي عن وقت الصلاة فقال هذا أنا يا رسول الله الرحا

قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما بين هذين لوقتين وقت الصلوات (كر) *عن ابن عباس قال وقت صلاة الظهر الى العصر والعصر الى المغرب والمغرب الى العشاء والعشاء الى الصبح (عب) *عن ابن عباس قال ما بين الظهر والعصر وقت وما بين العصر والمغرب وقت وما بين المغرب والعشاء وقت (صد) *عن ابن عباس قال ما بين كل صلاتين وقت (ش) *عن ابن عباس قال لا تفوت صلاة حتى ينادي بالاخرى (ص)

*(فضيلة أول الوقت وحكم آخر الوقت)* أفضل الاعمال الصلاة في أول وقتها (د ت ك) عن أم فروة *خير الاعمال الصلاة في أول وقتها (ك) عن ابن عمر * أحب الاعمال الى الله تبارك وتعالى تعجيل الصلاة لاول وقتها (طب) عن أم فروة * أول الوقت رضوان الله ووسط الوقت رحمة الله وآخر الوقت عفو الله (قط) عن أبي محذورة *فضل لوقت الاول على الآخر كفضل الآخرة على الدنيا أبو الشيخ عن ابن عمر *(الاكمال)* اذا صلى العبد في أول الوقت صعدت الى السماء حتى تنتهي الى العرش فتستغفر لصاحبها الى (101) يوم القيامة تقول حفظك الله كما حفظتني

واذا صلى في غير وقتها صعدت لا نور لها فتنتهي الى السماء فتلف كما تلف الخرقة المبلولة فيضرب بها وجه صاحبها وتقول ضيعك الله كما ضيعتني ابن النجار عن ابن مسعود *من سبق الى الصلاة مخافة أن تسبقه أوجب الله له الجنة ومن تركها ما أثرة عليها لم يدركها بعمل الى الحول (حل) عن أبي الدرداء * من أدرك سجدة من الصبح قبل أن تطلع الشمس فقد أدركها ومن أدرك سجدة من العصر قبل أن تغرب الشمس فقد أدركها (ن) عن أبي هريرة * من أدرك ركعة قبل أن تطلع الشمس ثم طلعت فليصل اليها أخرى (حب) عن أبي هريرة *(الاقمال)* عن محمد بن كعب القرظي قال كان أبو أيوب يخالف مروان فقال له مروان ما يحملك على هذا قال اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الصلوات الخمس فان وافقته وافقتك وان خالفته خالفتك الروياني (كر)* عن أبي العالية قال سألت عبد الله بن الصامت وهو ابن أخي أبي ذر عن الامراء اذا أخروا الصلاة فضرب ركبتي وقال سألت أبا ذر عن ذلك فضرب ركبتي كما ضربت ركبتي فقال صل الصلاة لوقتها فان أدركتهم معهم فصلوا ولا يقولن أحدكم اني قد صليت فلا أصلي (عب)* عن ابن عمر ان الرجل ليصلي الصلاة وما فاتها من وقتها خير له من أهله وماله (ص)* عن ابن مسعود قال ما رأيت النبي صلى الله عليه وسلم صلى صلاة قط الا لوقتها الا أنه جمع بين الظهر والعصر بعرفة والمغرب والعشاء بجمع وصلى الفجر يومئذ قبل وقتها (عب)* عن ابن مسعود قال انكم في زمان قليل خطباؤه كثير علماؤه يطيلون الصلاة ويقصرون

---

الرحا وكفيني الصبي وان شئت كفيتك الصبي وكفيتني الرحا فقالت أنا أرفق بابني منك فذاك حبسني قال فرحمها رحمك الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حرب يعني ابن شداد ثنا يحيى ثنا حفص بن عبيد الله بن أنس ان أنسا حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يجمع بين هاتين الصلاتين في السفر يعني المغرب والعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقبل وما على الارض شخص أحب اليه منه فما يقوم له لما نعلم من كراهيته لذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا أبو التياح ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بين اشراط الساعة ان يرفع العلم ويثبت الجهل وتشرب الخمور ويظهر الزنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا الحكم بن عطية ثنا أبو المخيس عن أنس بن مالك قال قالوا يا رسول الله استشهد مولانا فلان قال كلا اني رأيت عليه عباءة غلها يوم كذا وكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا أبي ثنا نافع أبو غالب الباهلي شهد أنس بن مالك قال فقال العلاء بن زياد العدوي يا أبا حمزة متى أي الرجال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذ بعث قال ابن أربعين سنة قال ثم كان ماذا قال كان بمكة عشر سنين وبالمدينة عشر سنين فتمت له ستون سنة ثم قبضه الله عز وجل اليه قال سين أي الرجال هو يومئذ فقال كاشب الرجال وأحسنه وأجله والحمه قال يا أبا حمزة هل غزوت مع نبي الله صلى الله عليه وسلم قال نعم غزوت معه يوم حنين فخرج المشركون بكثرة فحملوا علينا حتى رأينا خيلنا وراء ظهورنا وفي المشركين رجل يحمل علينا فدقنا ويحطمنا فلما رأى ذلك نبي الله صلى الله عليه وسلم نزل فهزمهم الله عز وجل فولوا فقام نبي الله صلى الله عليه وسلم حين رأى الفتح فجعل نبي الله صلى الله عليه وسلم يجاء بهم أسارى يوثقون جلادا جلادا فبايعونه على الاسلام فقال رجل من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم ان علي نذر ان حبى الله بالرجل الذي كان منذ اليوم يحطمنا لاضربن عنقه قال فسكت نبي الله صلى الله عليه وسلم وجيء بالرجل فلما رأى نبي الله صلى الله عليه وسلم قال يا نبي الله تبت الى الله يا نبي الله تبت الى الله فامسك نبي الله صلى الله عليه وسلم فلم يبايعه ليوفي الآخر نذره قال فجعل ينظر النبي صلى الله عليه وسلم لا أمره بقتله وجعل يهاب نبي الله صلى الله عليه وسلم ان يقتله فلما رأى نبي الله صلى الله عليه وسلم لا يصنع شيأ يأتيه فقال يا نبي الله نذري قال لم أمسك عنه منذ اليوم الا ليوفي نذرك فقال يا نبي الله ألا أومضت الى فقال انه ليس لنبي أن يومض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي ثنا عبد العزيز عن أنس قال بينما نبي الله صلى الله عليه وسلم في نخل لنا لابي طلحة يتبرز لحاجته قال وبلال يحشى وراءه يكرم نبي الله صلى الله عليه وسلم ان يمشي الى جنبه فمر نبي الله صلى الله عليه وسلم بقبر فقام حتى لم اليه بلال فقال ويحك يا بلال هل تسمع ما أسمع قال ما أسمع شيأ قال صاحب القبر يعذب قال فسئل عنه فوجد يهوديا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا عبد العزيز عن أنس قال كان قرام لعائشة قد سترت به جانب بيتها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اميطي عنا قرامك هذا فانه لا تزال تصاويره تعرض لي في صلاتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا عبد العزيز قال دخلنا على أنس بن مالك مع ثابت فقال له اني اشتكيت فقال ألا أرقيك برقية أبي القاسم عليه الصلاة والسلام قال بلى قال قل اللهم رب الناس مذهب الباس اشف أنت الشافي لا شافي الا أنت اشف شفاء لا يغادر سقما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا سنان أبو ربيعة ثنا أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال

الخطبة وانه سيأتي عليكم زمان كثير خطباؤه قليل علماؤه يطيلون الخطبة ويؤخرون الصلاة حتى يقال هذا شرق الموتى قيل وما شرق الموتى قال اذا اصفرت الشمس جدا فمن أدرك ذلك فليصل الصلاة لوقتها فان احتبس فليصل معهم وليجعل صلاته وحده الفريضة وصلاته معهم تطوعا (ع ب) * (أوقات الصلاة مفصلة على الترتيب * وقت صلاة الفجر وفضله وفضيلة الاسفار والتغليس) * الفجر فجران فاما الفجر الذي يكون كذنب السرحان فلا يحل الصلاة ولا يحرم الطعام (١٥٢) وأما الذي يذهب مستطيلا في الافق فانه يحل الصلاة ويحرم الطعام (ك هق) عن جابر

* ليس الفجر بالابيض المستطيل في الافق ولكنه الاحمر المعترض (حم) عن طلق بن علي * من صلى الفجر فهو في ذمة الله فلا يطلبنكم الله من ذمته (ه) عن سمرة * من صلى الصبح فهو في ذمة الله فلا يطلبنكم الله من ذمته بشئ فانه من يطلب من ذمته بشئ يدركه ثم يكبه على وجهه في نار جهنم (حم م ت) عن جندب البجلي * من صلى الصبح فهو في ذمة الله وحسابه على الله (طب) عن والد أبي مالك الاشجعي * من صلى البردين دخل الجنة (م) عن أبي موسى * من صلى الغداة كان في ذمة الله حتى يمسي (طب) عن ابن عمر * أفضل الصلوات عند الله صلاة الصبح يوم الجمعة في جماعة (حل هب) عن ابن عمر * من غدا الى صلاة الصبح غدا برأية الايمان ومن غدا الى السوق غدا برأية ابليس (ه) عن سليمان * حافظ على العصرين صلاة قبل طلوع الشمس وصلاة قبل غروبها (د ك هق) عن فضالة الليثي * أسفروا بالفجر فانه أعظم للاجر (ت ن حب) عن رافع بن خديج * اسفروا يعني بالفجر يغفر لكم (فر) عن أنس * (الاكمال) * من شهد صلاة الصبح محتسبا فكأنما قام الليلة ومن شهد صلاة العشاء فكأنما قام نصف الليل (حب) عن عثمان مالك عنه موقوفا * ان شغلت فلا تشغل عن العصرين الفجر والعصر (حم حب ك) عن فضالة الليثي * من صلى الغداة والعشاء الآخرة في جماعة لا يفوته ركعة كتب له براءتان براءة من النار وبراءة من النفاق (هب) عن أنس * من صلى أربعين يوما

لو يعلم المتخلفون عن صلاة العشاء وصلاة الغداة مالهم فيهما لاتوهما ولو حبوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي حدثنا سليمان ثنا أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذ غصنا فنفضه فلم ينتفض ثم نفضه فلم ينتفض ثم نفضه فانتفض فقال لرسول الله صلى الله عليه وسلم ان سبحان الله والحمد لله ولا اله الا الله والله أكبر تنفض الخطايا كما تنفض الشجرة ورقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الملك النميري ثنا ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من رجل مسلم يموت له ثلاثة من ولده لم يبلغوا الحنث الا أدخل الله عز وجل أبويه الجنة بفضل رحمتها اياهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أول من يكسى حلة من النار ابليس فيضعها على حاجبيه ويسحبها من خلفه وذريته من بعده وهو ينادي واثبوراه واثبوراه وينادون يا ثبورهم قال عبد الصمد قال الهامرتين حتى يقفوا على النار فيقول يا ثبوراه ويقولون يا ثبورهم فيقال لهم لا تدعوا اليوم ثبورا واحدا وادعوا ثبورا كثيرا قال عفان وذريته خلفه وهم يقولون يا ثبورهم قال عفان حاجبيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وعفان قالا ثنا حماد عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تقوم الساعة حتى يتباهى الناس في المساجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وعفان قالا ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول يوم أحد اللهم انك ان تشأ أن لا تعبد في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لما خلق الله عز وجل آدم تركه ما شاء الله ان يدعه فجعل ابليس يطيف به ينظر اليه فلما رآه أجوف عرف انه خلق لا يتمالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد قال ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال كانت الحبشة يزفنون بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم يرقصون ويقولون محمد عبد صالح فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما يقولون قالوا يقولون محمد عبد صالح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يدخل أهل الجنة الجنة فيبقى منها ما شاء الله عز وجل فينشئ الله تعالى لها ما يعني خلقا حتى يملأها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعطيت الكوثر فاذا هو نهر يجري كذا على وجه الارض حافتاه قباب اللؤلؤ ليس مشفوفا فضربت بيدي الى تربته فاذا مسكة ذفرة واذا حصاه اللؤلؤ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل على رجل من بني النجار يعوده فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم يا خال قل لا اله الا الله فقال أوخال أنا أم عم فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا بل خال فقال له قل لا اله الا الله هو خير لي قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم أصواتا فقال ما هذا قالوا يلقحون النخل فقال لو تركوه فلم يلقحوه لصلح فتركوه فلم يلقحوه فخرج شيصا فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما لكم قالوا تركوه لما قلت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان شئ من أمر دنياكم فأنتم أعلم به فاذا كان من أمر دينكم فالي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم آخى بين أبي عبيدة بن الجراح وبين أبي طلحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا سليمان

صلاة الفجر والعشاء الآخرة في جماعة أعطاه الله براءتين براءة من النار وبراءة من النفاق الخطيب وابن عساكر وابن النجار عن أنس
* ما من الصلوات صلاة أفضل من صلاة الفجر يوم الجمعة في الجماعة وما أحسب من شهدها منكم الا مغفورا له (طب طس) وأبو نعيم في المعرفة
عن أبي عبيدة بن الجراح * من صلى الغداة فله ذمة الله ومن يخفر ذمة الله كبه الله خصمه ومن خاصمه خصمته (طب) عن جندب * من صلى الصبح
فهو في ذمة الله فلا تخفروا الله في عهده فمن قتله طلبه الله حتى يكبه في النار على وجهه (ه) (١٥٣) وابن عساكر عن أبي بكر الصديق * من

يعني ابن كثير ثنا عبد الحميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كانت تعجبه الفاخية وكان أعجب الطعام
اليه الدباء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا جعفر ثنا ثابت ثنا أنس بن مالك أن رسول الله
صلى الله عليه وسلم كان يكون في الصلاة فيقرأ السورة الخفيفة من أجل المرأة وبكاء الصبي **حدثنا** عبد الله
حدثني أبي ثنا اسحق بن سليمان قال سمعت مالك بن أنس عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن
مالك قال كنت أمشي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه برد نجراني غليظ الحاشية فأدركه اعرابي فجبذه
جبذة حتى رأيت صفح أو صفحة عنق رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أثرت بها حاشية البرد من شدة جبذته
فقال يا محمد أعطني من مال الله الذي عندك فالتفت اليه فضحك ثم أمر له بعطاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي
ثنا يحيى بن اسحق قال أخبرني أبو عبد الله الاسدي قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه
وسلم اتقوا دعوة المظلوم وان كان كافرا فانه ليس دونها حجاب وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم دع ما يريبك
الى ما لا يريبك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس
ابن مالك أن رجلا قال يا محمد يا سيدنا وابن سيدنا وخيرنا وابن خيرنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أيها
الناس عليكم بتقواكم ولا يستهوينكم الشيطان أنا محمد بن عبد الله عبد الله ورسوله والله ما أحب أن ترفعوني
فوق منزلتي التي أنزلني الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن
ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا أوى الى فراشه قال الحمد لله الذي أطعمنا وسقانا
وكفانا وآوانا وكم ممن لا كافي له ولا مؤوي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن يعني ابن موسى ثنا حماد بن
سلمة عن ثابت وحميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان على بغلة شهباء فمر على حائط لبني النجار
فاذا هو بقبر يعذب صاحبه فحامت البغلة فقال لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا**
عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم
استسقى فاشار بظهر كفيه الى السماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن حميد
عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال جاهدوا المشركين بالسنتكم وأنفسكم وأموالكم
وأيديكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس ان النبي صلى الله
عليه وسلم قال الغدوة في سبيل الله أو روحة خير من الدنيا وما فيها ولقاب قوس أحدكم في الجنة خير من الدنيا وما
فيها **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان رسول الله
صلى الله عليه وسلم قال ما من نفس تموت لها عند الله خير فيسرها ان ترجع الى الدنيا الا الشهيد فان الشهيد
يسره أن يرجع الى الدنيا فيقتل لما يرى من فضل الشهادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد
ابن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم البيت المعمور في السماء
السابعة يدخله كل يوم سبعون ألف ملك ثم لا يعودون اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا
حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال حفت الجنة بالمكاره وحفت
النار بالشهوات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن
مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أول من يكسى حلة من النار ابليس يضعها على حاجبيه وهو يسحبها
من خلفه وذريته من خلفه وهو يقول يا ثبوراه وهم يدعون يا ثبوراهم حتى يقف على النار فيقول يا ثبوراه



صلى الله عليه وسلم وهو يصلي الغداة والنجوم شابكة في السماء (طب) عن أم سلمة
قالت كن النساء يشهدن مع النبي صلى الله عليه وسلم صلاة الصبح فينصرفن ملفعات بمروطهن ما يعرفن من الغلس (ع) * عن خرشة بن الحر
قال كان عمر بن الخطاب يغلس بصلاة الصبح ويسفر ويصليها بين ذلك (ع) * عن أبي عثمان النهدي قال صلى بنا عمر الغداة فما انصرف حتى
عرف كل ذي بال ان الشمس قد طلعت فقيل له ما فرغت حتى كادت الشمس تطلع فقال لو طلعت لم تفتنا غير غافلين (ع) * (سنة الفجر) *

---

والعشاء والغداة في جماعة فكأنما قام الليل (حب) عن عثمان * لا يلج النار أحد صلى قبل طلوع الشمس وقبل غروبها (حب) عن عمارة بن رويبة * اسفروا بالفجر فانها أسفر (خط كر) عن رافع بن خديج * من نور بالفجر نور الله في قبره وقلبه وقبل صلاته الديلمي عن أنس * لا تزال أمتي على الفطرة ما أسفروا بصلاة الفجر البزار (طس) عن أبي هريرة * لا تجعلوا هذه الصلاة يعني الصبح كالصلاة التي قبل الظهر وبعدها واجعلوها بينهما فصلا (طب ك) عن عبد الله بن بحينة * من صلى الصبح قبل أن تطلع الشمس فليمض في صلاته ابن عساكر عن أبي هريرة * (الافعال) * عن عمر قال شهود صلاة الصبح أحب الي من قيام ليلة حتى الصبح مالك (ش) عن ابن الزبير قال كنت أصلي الصبح مع عمر بن الخطاب ثم انصرف فلا أعرف وجه صاحبي (عب) * عن قبيلة بنت مخرمة قالت رددنا على رسول الله

ركعتا الفجر خير من الدنيا وما فيها (م ت ن) عن عائشة * عليك بركعتي الفجر فان فيهما فضيلة (ك ب) عن ابن عمرو * لا تدعوا ركعتي الفجر وان طردتكم الخيل (حم د) عن أبي هريرة * لا تدعوا الركعتين اللتين قبل صلاة الفجر فان فيهما الرغائب (طب) عن ابن عمر * لا تحافظ على ركعتي الفجر الا أواب * (هب) عن أبي هريرة * ليبلغ شاهدكم غائبكم لا تصلوا بعد الفجر الا سجدتين (د ه) عن ابن عمر * من لم يصل ركعتي الفجر فليصلهما بعد ما تطلع الشمس (حم ت ك) عن أبي هريرة * اذا صلى أحدكم ركعتي الفجر فليضطجع على جنبه الايمن (د ت حب) عن أبي هريرة * لو أصبحت أكثر مما أصبحت لركعتهما وأحسنتهما وأجملتهما يعني ركعتي الفجر (د) عن بلال * يوشك أحدكم أن يصلي الفجر أربعا (ه) عن عبد الله بن بحينة * ما من صلاة مفروضة الا وبين يديها ركعتان (حب طب) عن ابن الزبير * نعم السورتان هما تقرآن في الركعتين قبل الفجر قل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد (حب هب) عن عائشة * (الاكمال) * هما تان الركعتان فيهما رغب الدهر يعني ركعتي الفجر (طب) عن ابن عمر * اصلاتان معا ابن خزيمة (ص) عن أنس (طس) عن زيد بن ثابت قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم وبلال يقيم الصبح فرأى رجلا يصلي ركعتي الفجر قال فذكره * يا ابن القشب تصلي الصبح أربعا (ش) عن جعفر عن أبيه قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم المسجد وأخذ بلال في الاقامة فقام بحينة يصلي ركعتين فضرب النبي صلى الله عليه وسلم منكبيه وقال ذكره * ان الله عز وجل زادكم صلاة الى صلاتكم هي خير لكم من حمر النعم الا وهي الركعتان قبل صلاة الفجر (هق كر) عن أبي سعيد عبد * ركعتا الفجر أحب الي من الدنيا جميعا (حم) عن عائشة * (الافعال) * عن أبي عثمان النهدي قال رأيت الرجل يجيء وعمر بن الخطاب في صلاة الفجر فيصلي الركعتين في جانب المسجد ثم يدخل مع القوم في صلاتهم (ش) * عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الفجر فلما قضى صلاته بصر برجل يصلي فرقبه حتى قضى صلاته ثم أرسل اليه فقال ما صلاتك هذه بعد المكتوبة فقال يا رسول الله دخلت المسجد وأنت في

---

فينا دون يا ثبور اهم فيقال لا تدعوا اليوم ثبورا واحدا وادعوا ثبورا كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد ويونس بن عبيد وحميد عن أنس يعني ابن مالك قال قال النبي صلى الله عليه وسلم المؤمن من أمنه الناس والمسلم من سلم المسلمون من لسانه ويده والمهاجر من هجر السوء والذي نفسي بيده لا يدخل الجنة عبد لا يأمن جاره بوائقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد ويونس وحميد عن الحسن ان النبي صلى الله عليه وسلم قال المؤمن من أمنه الناس فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس ابن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم عاد رجلا من الانصار فقال يا خال قل لا اله الا الله فقال أخال ام عم فقال لا بل خال قال فغير لي أن أقول لا اله الا الله فقال النبي صلى الله عليه وسلم نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب أنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال لا عدوى ولا طيرة ويعجبني الفال قالوا وما الفال قال الكلمة الحسنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن عمرو بن عامر الانصاري عن أنس بن مالك قال سألناه عن الوضوء عند كل صلاة فقال أما النبي صلى الله عليه وسلم كان يتوضأ عند كل صلاة وأما نحن فكنا نصلي الصلوات بطهور واحد **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حسن ثنا سكين قال ذكر ذلك أبي عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يلق ابن آدم شيأ قط خلقه الله أشد عليه من الموت ثم ان الموت لا هون مما بعده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا أبو هلال الراسبي عن قتادة عن أنس قال قلما خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الا قال لا ايمان لمن لا أمانة له ولا دين لمن لا عهد له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا زهير عن المختار بن فلفل قال سألت أنسا عن الرفيد فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عما زفت من شيء قال وقال لي النبي صلى الله عليه وسلم هو المقير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا زهير عن المختار بن فلفل ان أنسا حدثهم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابني اياكم امام فلا تسبقوني بالركوع ولا بالسجود ولا بالقيام فاني أراكم من امامي ومن خلفي والذي نفس محمد بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا يا رسول الله ما رأيت قال رأيت الجنة والنار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا حماد بن سلمة عن ثمامة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم خرج اليهم في رمضان فخفف بهم ثم دخل فاطال ثم خرج فخفف بهم ثم دخل فاطال فلما أصبحنا قلنا يا نبي الله جلسنا الليلة فخرجت الينا ففقدت ثم دخلت فاطلت قال من أجلكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا أبو هلال ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال كانت شجرة في طريق الناس تؤذي الناس فأماطها رجل فعزلها عن طريق الناس قال قال النبي صلى الله عليه وسلم فلقد رأيته يتقلب في ظلها في الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر أنبأ أبو جعفر يعني الاحمر عن عطاء بن السائب عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم راصوا الصفوف فان الشياطين تقوم في الخلل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد يعني ابن زيد عن سلم العلوي انه سمع أنيس بن مالك يقول دخل علي النبي صلى الله عليه وسلم رجل وعليه صفرة فكرهها فلما قام الرجل قال النبي صلى الله عليه وسلم لبعض أصحابه لو أمر هذا ان يدع هذه الصفرة قالها مرتين أو ثلاثا قال أنس وكان النبي صلى الله عليه وسلم قلما يواجه الرجل بشيء يكرهه في وجهه **حدثنا**

الصلاة ولم أكن صليت ركعتي الفجر فدخلت في صلاتك وأنت على الركعتين فلما سلمت صليت الركعتين قال جابر ولم ينكر ذلك عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم ولم يغير ابن جرير * عن ابن عمر قال انما هما ركعتان اذا طلع الفجر لا صلاة الا ركعتان (عب) * عن عائشة قالت ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يسرع الى شئ قط ما يسرع الى الركعتين قبل الفجر ولا الى غنيمة يصيبها ابن زنجويه * عن عائشة انها سئلت أية صلاة كانت أعجب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يداوم عليها قالت كان يصلي قبل (١٥٥) الظهر أربع ركعات يطيل فيهن القيام ويكثر فيهن الركوع والسجود فاما ما لم يدع صحيحا ولا مريضا غائبا ولا شاهدا فركعتين قبل صلاة الغداة ابن جرير * (وقت صلاة الظهر وفضلها) * الابراد به والتعجيل) * اذا كان الفيء ذراعا او نصفا الى ذراعين فصلوا الظهر (عق) عن ابن عمر * صلاة الوسطى أول صلاة نزلت بعد صلاة الفجر عبد بن حميد في تفسيره عن مكحول مرسلا أبردوا بالظهر فان شدة الحر من فيح جهنم (خ م) عن أبي سعيد (حم ن) عن صفوان بن محرمة (ن) عن أبي موسى (طب) عن ابن مسعود (عد) عن جابر (ه) عن المغيرة بن شعبة * اذا اشتد الحر فابردوا بالصلاة فان شدة الحر من فيح جهنم (حم ق ٤) عن أبي هريرة (حم ق د ت) عن أبي ذر (ق) عن ابن عمر * (الاكمال) * ما من عبد يحسن وضوءه ويكمله ثم يخرج الى صلاة الظهر حين يؤذن بها فيكمل ركوعها وسجودها وخشوعها الا كفرت ما كان قبلها وما هو كائن بعدها في ذلك اليوم

عبد الله حدثني أبي ثنا أسود ثنا عمارة الصيدلاني عن ثابت عن أنس قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم سائل فامر له بتمرة فلم يأخذها أو وخش فيها قال وأتاه آخر فامر له بتمرة قال فقال سبحان الله تمرة من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقال للجارية اذهبي الى أم سلمة فاعطيه الاربعين درهما التي عندها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود ثنا الحسن بن صالح عن خالد الغر عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الان الان المزات حرام والمزات خلط التمر والبسر **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن حميد قال رأيت عند أنس قدحا كان للنبي صلى الله عليه وسلم فيه ضبة فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا شريك عن عاصم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم قال حدثنا حسن عن ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم طوبى لمن آمن بي ورآني مرة وطوبى لمن آمن بي ولم يرني سبع مرار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا حسن عن ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وددت اني لقيت اخواني قال فقال أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أوليس نحن اخوانك قال أنتم أصحابي ولكن اخواني الذين آمنوا بي ولم يروني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر أبو وهب ثنا سنان بن ربيعة عن الحضرمي عن أنس بن مالك ان امرأة أتت النبي صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله ابنتي كذا وكذا ذكرت من حسنها وجمالها فاعرضت بها فقال قد قبلتها فلم تزل تمدحها حتى ذكرت انها لم تصدع ولم تشتك شيأ قط قال لا حاجة لي في ابنتك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أنا ابن لهيعة عن بكر بن سوادة عن أبي حزرة القرشي عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه خرج الينا فقال ان فيكم خيرا منكم يعني رسول الله صلى الله عليه وسلم وتقرؤن كتاب الله عز وجل فيكم الاحمر والابيض والعربي والعجمي وسيأتي زمان يقرؤن فيه القرآن يتثقفونه كما يتثقف القدح يتعجلون أجورهم ولا يتأجلونها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال ثنا يحيى بن أيوب عن حميد قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقدم عليكم غدا أقوام هم أرق قلوبا للاسلام منكم قال فقدم الاشعريون فيهم أبو موسى الاشعري فلما دنوا من المدينة جعلوا يرتجزون يقولون غدا نلاقي الاحبه محمدا وحزبه فلما ان قدموا واتصافحوا فكانوا هم أول من أحدث المصافحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الحكم بن موسى قال أبو عبد الرحمن عبد الله وسمعته أنا من الحكم بن موسى ثنا عبد الرحمن بن أبي الرجال عن نبيط بن عمرو عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من صلى في مسجدي أربعين صلاة لا يفوته صلاة كتبت له براءة من النار ونجاة من العذاب وبرئ من النفاق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود وحسين بن محمد قالا ثنا اسرائيل عن أبي اسحق عن بريد بن أبي مريم عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الدعاء لا يرد بين الاذان والاقامة فادعوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا يونس يعني ابن أبي اسحق عن بريد بن أبي مريم عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما سأل رجل مسلم الله عز وجل الجنة ثلاثا الا قالت الجنة اللهم أدخله الجنة ولا استجار من النار مستجير ثلاث مرات الا قالت النار اللهم أجره من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا شريك عن جابر عن خيثمة عن أنس بن مالك قال دخلت مع النبي صلى الله عليه وسلم نعود زيد بن أرقم وهو يشتكي

(هب) عن ابي هريرة * (الافعال) * عن أنس كنا نصلي الظهر في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم في الشتاء فلا ندري ما مضى من النهار أكثر أم ما بقي (عب) * عن جابر قال كنت أصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم الظهر فآخذ قبضة من الحصى فاجعلها في كفي ثم أحولها الى الكف الاخرى حتى تبرد ثم أضعها جبيني حتى أسجد من شدة الحر (ش) * عن ابن مسعود قال ان أول وقت الظهر ما بين ثلاثة أقدام من الظل الى خمسة فان الوقت الآخر ما بين خمسة الى سبعة (ص) * عن ابراهيم قال كان يقال نصلي الظهر والفيء ثلاثة أذرع (ص) * عن

ابن عمر كنا نصلي الظهر مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حين تميل الشمس عن ظل الرجل ذراعا أو ذراعين (عب) * عن أم سلمة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشد تعجيلا للظهر منكم وأنتم أشد تأخيرا للعصر منه (ش) * عن ابن أبي مليكة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أعلى أبا محذورة الاذان فقدم عمر مكة فنزل دار الرومة فأذن أبو محذورة ثم أتاه وسلم عليه فقال عمر يا أبا محذورة ما أندى صوتك أما تخشى أن تشق مريطاءك من شدة صوتك ثم قال (١٥٦) يا أبا محذورة انك بارض شديدة الحر فابرد عن الصلاة ثم أبرد عنها ثم أذن ثم أقم

عينيه فقال له يا زيد لو كان بصرك لما به كيف كنت تصنع قال اذا أصبر واحتسب قال ان كان بصرك لما به ثم صبرت واحتسبت لتلقين الله عز وجل وليس لك ذنب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن مهدي ثنا جعفر بن سليمان قال حدثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يسمع بكاء الصبي مع أمه وهو في الصلاة فيقرأ بالسورة الخفيفة قال يعني قصيرة أو بالسورة القصيرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا مسلم يعني ابن خالد عن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبي حسين المكي القرشي عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من سره ان يعظم الله رزقه وان يمد في أجله فليصل رحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن عيلان ثنا رشدين قال حدثني عمرو بن الحارث عن بكير عن الضحاك القرشي عن أنس بن مالك قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر صلى سبحة الضحى ثمان ركعات فلما انصرف قال اني صليت صلاة رغبة ورهبة سألت ربي عز وجل ثلاثا فاعطاني اثنتين ومنعني واحدة سألته أن لا يبتلي أمتي بالسنين ولا يظهر عليهم عدوهم ففعل وسألته ان لا يلبسهم شيعا فابى علي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين وخلف بن الوليد قالا ثنا المبارك قال حدثني ثابت البناني أخبرني أنس بن مالك ان رجلا قال للنبي صلى الله عليه وسلم اني أحب فلانا في الله قال فاخبره قال لا قال فاخبره فقال تعلم اني أحبك في الله قال فقال له فاجبك الذي أحببتني له وقال خلف في حديثه فلقيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ويونس بن محمد قالا ثنا حماد بن سلمة عن قتادة وثابت البناني عن أنس بن مالك قال غلا السعر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا يا رسول الله لو سعرت فقال ان الله هو الخالق القابض الباسط الرازق المسعر واني لارجو أن ألقى الله ولا يطلبني أحد بمظلمة ظلمتها اياه في دم ولا مال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ويونس بن محمد قالا ثنا حماد عن ثابت البناني عن أنس ابن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم مع امرأة من نسائه فمر رجل فقال يا فلان هذه امرأتي فقال يا رسول الله من كنت أظن به فاني لم أكن أظن بك قال ان الشيطان يجري من ابن آدم مجرى الدم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا محمد بن زياد البرجمي قال سمعت ثابتا البناني يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان له ثلاث بنات أو ثلاث أخوات اتقى الله عز وجل وأقام عليهن كان معي في الجنة هكذا وأشار باصابعه الاربع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حرب بن ميمون عن النضر بن أنس عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اللهم اغفر للانصار ولابناء الانصار ولازواج الانصار ولذراري الانصار الانصار كرشي وعيبتي ولولا أن الناس أخذوا شعبا وأخذت الانصار شعبا لاخذت شعب الانصار ولولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حرب عن النضر بن أنس عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الله عز وجل اذا أخذت بصر عبدي فصبر عليه واحتسب فعوضه عندي الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حرب قال سمعت عمران العمي قال سمعت أنسا يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الله عز وجل حيث خلق الداء خلق الدواء فتداووا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة ثنا عبد الله بن عبد الرحمن ابن معمر قال سمعت أنسا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان فضل عائشة على النساء كفضل الثريد على سائر الطعام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا أبو جعفر عن الربيع عن أنس بن

* عن أبي ذر كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في مسير فاراد بلال أن يؤذن فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أبرد ثم أراد أن يؤذن فقال أبرد حتى رأينا فيء التلول ثم أذن فصلى الظهر ثم قال ان شدة الحر من فيح جهنم فاذا اشتد الحر فابردوا بالصلاة (ش) * عن ابراهيم قال كانوا يؤخرون الظهر ويعجلون الفجر ويؤخرون المغرب في اليوم الغيم (ص) * عن عمر قال اذا كان يوم الغيم فعجلوا الظهر وأخروا العصر (ش) * عن عمر قال اذا كان يوم الغيم فعجلوا العصر وأخروا الظهر (ش) * عن خباب ابن الارت شكونا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة في الرمضاء فلم يشكنا (ش حم ن) أيضا شكونا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم حر الرمضاء فلم يشكنا وقال اذا زالت الشمس فصلوا ابن المنذر في الاوسط (طب) أيضا شكونا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم شدة الحر في جباهنا وأكفنا فلم يشكنا (طب)

* (السنن الرواتب) * أربع قبل الظهر ليس فيهن تسليم تفتح لهن أبواب السماء (د ت) في الشمائل (ه) مالك وابن خزيمة عن أبي أيوب * أربع قبل الظهر كعدلهن بعد العشاء وأربع بعد العشاء كعدلهن من ليلة القدر (طس) عن أنس * من حافظ على أربع ركعات قبل صلاة الظهر وأربع بعدها حرمه على النار (٤ ك ض) عن أم حبيبة * من صلى قبل الظهر أربعا غفر له ذنوبه يومه ذلك (خط) عن أنس * أربع قبل الظهر بعد الزوال تحسب بمثلهن من صلاة السحر وليس من شئ الا وهو يسبح الله تعالى ثلاث الساعة (ت) عن

عمر * أربع ركعات تركعهن حين تزول الشمس عن كبد السماء تعدل احياء ليلة فى يوم حرام من شهر حرام أبو الشيخ فى الثواب عن حذيفة
* صلاة الهجير من صلاة الليل ابن نصر (طب) عن عبد الرحمن بن عوف * ان أبواب السماء تفتح عند زوال الشمس فلا ترتج حتى يصلى
الظهر فاحب أن يصعد لى فيها خير (حم) عن أبى أيوب * ساعات السحة حين تزول عن كبد السماء وهى صلاة المخبتين وأفضلها فى شدة
الحر ابن عساكر عن عوف بن مالك * ما تستقل الشمس فيبقى شئ من خلق الله تعالى الا سبح (١٥٧م) * الله بحمده الا ما كان من الشياطين

مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يقبذ التمر والزبيب جميعا والتمر والبسر جميعا **حدثنا** عبد
الله حدثنى أبى ثنا هيثم بن خارجة ثنا زهير بن سعد عن عبد الله بن الوليد عن أبى حفص حدثه أنه سمع
أنس بن مالك يقول قال النبى صلى الله عليه وسلم ان مثل العلماء فى الارض كمثل النجوم فى السماء يهتدى
بها فى ظلمات البر والبحر فاذا انطمست النجوم اوشك أن تضل الهداة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد
الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال كان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يجاوز اذنيه **حدثنا** عبد
الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن اسحق قال ثنا يحيى بن أيوب عن حميد قال سمعت أنسا يقول قال رسول الله صلى الله
عليه وسلم غدوة فى سبيل الله أو روحة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن اسحق
أنا يحيى بن أيوب عن حميد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقاب قوس أحدكم خير
من الدنيا وما فيها ولو أن امرأة من أهل الجنة اطلعت الى الدنيا لملأت ما بينهما ريحا ولنصيفها على رأسها خير
من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن اسحق ثنا مهدى قال
ثنا غيلان بن جرير عن أنس بن مالك قال قال انكم لتعملون أعمالا هى أدق فى أعينكم من الشعر ان كنا لنعدها
على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من الموبقات **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عارم ثنا أبو عوانة عن
عبد الرحمن الاصم عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث الى عمر بن الخطاب بحبة سندس
فقال عمر أتبعث بها الى وقد قلت فيها ما قلت قال انى لم أبعث بها اليك لتلبسها انما بعثت بها اليك لتبيعها
وتنتفع بثمنها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عارم ثنا معتمر بن سليمان قال سمعت أبى يقول ثنا أنس بن
مالك أنه ذكر له أن النبى صلى الله عليه وسلم قال لمعاذ من لقى الله لا يشرك به دخل الجنة قال يا نبى الله أفلا ابشر
الناس قال لا انى أخاف أن يتكلوا عليها أو كما قال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عارم ثنا معتمر قال سمعت
أبى يحدث أن أنسا قال قيل للنبى صلى الله عليه وسلم لو أتيت عبد الله بن ابى فانطلق رسول الله صلى الله عليه
وسلم وركب حمارا وانطلق المسلمون يمشون وهى أرض سبخة فلما انطلق اليه النبى صلى الله عليه وسلم
قال اليك عنى فوالله لقد آذانى ريح حمارك فقال رجل من الانصار والله لحمار رسول الله صلى الله عليه وسلم
أطيب ريحا منك قال فغضب لعبد الله رجل من قومه قال فغضب لكل واحد منهما أصحابه قال وكان بينهم
ضرب بالجريد بالايدى والنعال فبلغنا أنها نزلت فيهم وان طائفتان من المؤمنين اقتتلوا فاصلحوا
بينهما **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عارم ثنا معتمر بن سليمان التيمى قال سمعت أبى يقول ثنا السميط
السدوسى عن أنس بن مالك قال فتحنا مكة ثم انا غزونا حنينا فجاء المشركون باحسن صفوف رأيت أو رأيت
صف الخيل ثم صف المقاتلة ثم صف النساء من وراء ذلك ثم صف الغنم ثم صف النعم قال ونحن بشر كثير
قد بلغنا ستة آلاف وعلى مجنبة خيلنا خالد بن الوليد قال فجعلت خيولنا تلوذ خلف ظهورنا قال فلم نلبث ان
انكشفت خيولنا وفرت الاعراب ومن نعلم من الناس قال فنادى رسول الله صلى الله عليه وسلم يا للمهاجرين
يا للمهاجرين ثم قال يا للانصار يا للانصار قال أنس هذا حديث عمية قال قلنا لبيك يا رسول الله قال فتقدم
رسول الله صلى الله عليه وسلم فايم الله ما أتيناهم حتى هزمهم الله قال فقبض ذلك المال ثم انطلقنا الى الطائف
فحاصرناهم أربعين ليلة ثم رجعنا الى مكة قال فنزلنا فجعل رسول الله صلى الله عليه وسلم يعطى الرجل
المائة ويعطى الرجل المائة قال فتحدث الانصار بينها أما من قاتله فيعطيه وأما من لم يقاتله فلا يعطيه قال

داعى بنى آدم ابن السنى (حل) عن عمرو بن عنبسة
* (الاكمال) * من صلى أربعا قبل الظهر كان له أجره كأجر عتق رقبة أو
قال أربع ركعات قبلهن وركعتين بعدهن ولد اسمعيل (طس) عن صفوان * ليس شئ يعدل صلاة الليل الا أربع ركعات قبل الظهر (ك) فى تاريخه عن أبى أيوب
* (الافعال) * عن عبد الله ابن عتبة قال صليت مع عمر أربع ركعات مقبل الظهر فى بيته (ش) * عن البراء قال سافرت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثمانية عشر سفرا فلم أر رسول الله صلى الله عليه وسلم ترك ركعتين حين تزيغ الشمس قبل الظهر ابن جرير * عن نافع ان ابن عمر كان يصلى قبل الظهر ثمان ركعات ويصلى بعدها أربعا ابن جرير * عن ابن عمر انه كان اذا زالت الشمس يأتى المسجد فيصلى ثنتى عشرة ركعة قبل الظهر ثم يقعد ابن جرير * عن عمرو بن الحرث أخى جويرية بنت الحرث قال ما صلاة بعد مكتوبة أفضل من أربع ركعات قبل الظهر ابن زنجويه * عن عائشة قالت كان النبى صلى الله عليه وسلم اذا فاتته الاربع قبل الظهر صلاها بعد الظهر بعد الركعتين ابن النجار * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى أربعا قبل الظهر وثنتين بعدها ابن جرير * (وقت العصر وفضائلها وسننها أولا وآخرا * صلاة الوسطى صلاة العصر (حم ت) عن سمرة (ض ت حب) عن ابن مسعود (ش) عن الحسن مرسلا (هق) عن أبى هريرة البزار عن ابن عباس الطيالسى عن على * ملأ الله بيوتهم وقبورهم نارا كما شغلونا عن الصلاة الوسطى حتى غابت الشمس (حم ق ٤) عن على (م د) عن ابن مسعود * بكروا

يا صلاة يوم الغيم فانه من ترك صلاة العصر حبط عمله (حم ٥ هب) عن بريدة * الذى تفوته صلاة العصر كأنما وتر أهله وماله (ن ٤) عن ابن عمر * ان هذه الصلاة يعنى العصر فرضت على من كان قبلكم فضيعوها فمن حافظ منكم اليوم عليها كان له أجره مرتين ولا صلاة بعدها حتى يطلع أشاهد (م ن) عن أبى بصرة الغفارى * رحم الله امرأ صلى قبل العصر أربعا (د ت حب) عن ابن عمر * بايعت أبى أمية سألت عن ركعتين بعد العصر وانه أتانى ناس من  عبد القيس فشغلونى عن الركعتين اللتين بعد الظهر فهما هاتان (خ د) عن أم سلمة * من صلى قبل العصر أربعا حرمه الله على النار (طب) عن ابن عمر * (الاكمال) * من صلى العصر فجلس على خير حتى يمسى كان أفضل من أعتق عشرة من ولد اسمعيل * (حم هب) عن أنس * من أحيا ما بين الصلاتين غفر له وشكر له ملك وأمن على دعائه (ك) فى تاريخه وأبو الشيخ وأبو نعيم عن ابن عباس * من صلى قبل العصر أربع ركعات غفر الله له مغفرة عزما أبو نعيم عن أبى هريرة * (الافعال) * عن عمر انه كتب الى أبى موسى الاشعرى أن صل العصر والشمس بيضاء قدر ما يسير الراكب ثلاثة فراسخ وان صلى العشاء ما بينك وبين ثلث الليل فانك أخرت فانى بمطر الليل ولا تكن من الغافلين مالك (ش هق) * عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم كان يصلى العصر والشمس مرتفعة حية فيذهب الذاهب فيأتى العوالى والشمس مرتفعة (عب ش) * عن أنس كنا نصلى العصر ثم يخرج الانسان الى بنى عمرو بن عوف فيجدهم يصلون العصر مالك (عب ش م ن) وأبو عوانة * عن رافع بن خديج كنا نصلى العصر مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم ننحر الجزور هذه فيقسم عشرة أجزاء ثم يطبخ فنأكل لحما نضيجا قبل أن نصلى المغرب (ش) * عن عائشة قالت كان النبى صلى الله عليه وسلم يصلى العصر حين تخرج الشمس من حجرتى وكان قدر حجرتى بسطة (عب) وعنها قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى العصر والشمس طالعة فى حجرتى لم يظهر الفىء بعد (عب ص ش) * عن عمر قال اذا فاتت أحدكم العصر أو بعضها فلا يطول حتى تدركه صفرة الشمس (عب) * عن جابر قال جاء عمر يوم الخندق

فرفع الحديث الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم أمر بسراة المهاجرين والانصار ان يدخلوا عليه ثم قال لا يدخل على الا أنصارى أو الا نصار قال فدخلنا القبة حتى ملأنا القبة قال نبى الله صلى الله عليه وسلم يا معشر الانصار أو كما قال ما حديث أتانى فقالوا ما أتاك يا رسول الله قال ما حديث أتانى قالوا ما أتاك يا رسول الله قال الا ترضون ان يذهب الناس بالاموال وتذهبون برسول الله صلى الله عليه وسلم حتى تدخلوا بيوتكم قالوا رضينا يا رسول الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو أخذ الناس شعبا وأخذت الانصار شعبا لاخذت شعب الانصار قالوا يا رسول الله رضينا قال فارضوا أو كما قال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا موسى بن داود ثنا فليح بن سليمان عن هلال يعنى ابن على عن أنس بن مالك قال لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم سبابا ولا فحاشا ولا لعانا كان يقول لاحدنا عند المعاتبة ماله ترب جبينه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير قال ثنا عبيد الله يعنى ابن عبد الله بن موهب قال سمعت أنس بن مالك يقول لقد كنا نصلى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة لو صلاها أحدكم اليوم لعنوها عليه فقال له شريك ومسلم بن أبى عمر أفلا تذكر ذلك للامير نا والامير يومئذ عمر بن عبد العزيز فقال قد فعلت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد وعفان قالا ثنا خالف بن خليفة ثنا حفص بن عمر عن أنس قال كنت جالسا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فى الحلقة ورجل قائم يصلى فلما ركع وسجد جلس وتشهد ثم دعا فقال اللهم انى أسألك بان لك الحمد لا اله الا أنت الحنان بديع السموات والارض ذا الجلال والاكرام فاحيا قيوم انى أسألك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتدرون بما دعا قالوا الله ورسوله أعلم قال فوالذى نفسى بيده لقد دعا الله باسمه العظيم الذى اذا دعى به أجاب واذا سئل به أعطى قال عفان دعا باسمه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين ثنا خلف عن حفص بن عمر عن أنس قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم جالسا فى الحلقة اذ جاء رجل فسلم على النبى صلى الله عليه وسلم والقوم فقال الرجل السلام عليكم ورحمة الله فرد النبى عليه الصلاة والسلام عليه وعليكم السلام ورحمة الله وبركاته فلما جلس الرجل قال الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه كما يحب ربنا ان يحمد وينبغى له فقال له النبى صلى الله عليه وسلم كيف قلت ترد عليه كما قال فقال النبى صلى الله عليه وسلم والذى نفسى بيده لقد ابتدروها عشرة أملاك كلهم حريص على ان يكتبها فما درى كيف يكتبوها حتى يرفعوها الى ذى العزة فقال اكتبوها كما قال عبدى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين وعفان قالا ثنا خالف بن خليفة حدثنى حفص بن عمر عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمر بالباءة وينهى عن التبتل نهيا شديدا ويقول تزوجوا الودود الولود انى مكاثر الانبياء يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا خالف بن خليفة عن حفص عن عمه أنس بن مالك قال كان أهل بيت من الانصار لهم جمل يسنون عليه وان الجمل استصعب عليهم فمنعهم ظهره وان الانصار جاؤا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا انه كان لنا جمل نسنى عليه وانه استصعب علينا ومنعنا ظهره وقد عطش الزرع والنخل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لاصحابه قوموا فقاموا فدخل الحائط والجمل فى ناحيته فمشى النبى صلى الله عليه وسلم نحوه فقالت الانصار يا نبى الله انه قد صار مثل الكلب الكلب وانا نخاف عليك صولته فقال ليس على منه بأس فلما نظر الجمل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أقبل نحوه حتى خر ساجدا بين يديه فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم بناصيته اذل ما كانت قط حتى أدخله فى العمل فقال له أصحابه يا رسول الله

فعل بسب كفار قريش ويقول يارسول الله ما صليت العصر حتى كادت الشمس أن تغيب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا والله ما صليت بعد فنزل فتوضأ ثم صلى العصر بعد ما غربت الشمس ثم صلى المغرب بعد ما صلى العصر (ش) *عن أبي عون قال كان يؤخر العصر حتى ترتفع الشمس على الحيطان (ص) *عن العلاء بن عبد الرحمن قال دخلنا على أنس بن مالك بعد الظهر فقام يصلي العصر فلما فرغ ذكرنا تعجيل الصلاة أو ذكرها فقال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول تلك صلاة المنافقين (109) ثلاث مرات يجلس حتى اذا اصفرت الشمس وكانت بين قرني الشيطان أو على قرني شيطان قام فنقر أربعا لا يذكر الله فيها الا قليلا * مالك * عن ربيعة بن دراج ان علي اصلى بعد العصر ركعتين فتعاهد عليهما عمر وقال أما علمت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عنهما (حب حم) *عن الفرات بن سليمان قال قال علي لأ يقومن أحدكم فيصلي أربع ركعات قبل العصر ويقول فيهن ما كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ثم نورك فهديت ذلك الحمد وعظيم حلمك فعفوت ذلك الحمد وبسطت يدك فاعطيت ذلك الحمد ربنا وجهك أكرم الوجوه وجاهك أعظم الجاه وعطيتك أفضل العطية وأهنؤها تطاع ربنا فتشكر وتعصى ربنا فتغفر وتجيب المضطر وتكشف الضر وتشفي السقيم وتغفر الذنب وتقبل التوبة ولا يجزى بآلائك أحد ولا يبلغ مدحتك قول قائل (ع) *عن عائشة قالت صلاتان ما تركهما النبي صلى الله عليه وسلم في بيتي قط ركعتين قبل الفجر وركعتين بعد العصر (كر) *عن ذكوان مولى عائشة عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي بعد العصر وينهى عنها ابن جرير * عن السائب مولى الفارسيين عن زيد بن خالد الجهني انه رآه عمر بن الخطاب وهو خليفة يركع بعد العصر ركعتين فمشى اليه فضربه بالدرة وهو يصلي فلما انصرف قال زيد اضرب يا أمير المؤمنين فوالله لا أدعهما أبدا وقد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصليهما فجلس اليه عمر قال يا زيد بن خالد لولا اني أخشى أن يتخذها الناس سلما الى الصلاة حتى الليل لم أضرب فيهما (ع) *عن طاوس ان أبا أيوب الانصاري كان يصلي قبل

---

هذه بهيمة لا تعقل تسجد لك ونحن نعقل فنحن أحق ان نسجد لك فقال لا يصلح لبشر ان يسجد لبشر ولو صلح لبشر ان يسجد لبشر لامرت المرأة ان تسجد لزوجها من عظم حقه عليها والذي نفسي بيده لو كان من قدمه الى مفرق رأسه قرحة تنبجس بالقيح والصديد ثم استقبلته فلحسته ما أدت حقه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا خلف عن حفص عن أنس بن مالك انه قال انطلق بنا الى الشام الى عبد الملك ونحن أربعون رجلا من الانصار ليفرض لنا فلما رجع وكاد يفج الناقة صلى بنا العصر ثم سلم وذهل فسقاطها وقام القوم يصفون الى ركعتين ركعتين الخ قال فقال قبح الله الوجوه فوالله ما أصابت السنة ولا قبلت الرخصة فاشهد اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أقواما يتعمقون في الدين يمرقون كما يمرق السهم من الرمية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الهاشمي أنا اسمعيل قال حدثني عمرو بن أبي عمرو مولى المطلب بن عبد الله بن حنطب انه سمع أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي طلحة التمس لنا غلاما من غلمانكم يخدمنا فخرج بي أبو طلحة يردفني وراءه وكنت أخدم النبي صلى الله عليه وسلم كلما نزل فكنت أسمعه يكثر أن يقول اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن والعجز والكسل والجبن والبخل وضلع الدين وغلبة الرجال فلم أزل أخدمه حتى أقبلنا من خيبر وأقبل بصفية بنت حيي قد حزتها فكنت أراه يحوي وراءه بعباءة أو بكسائه ثم يردفها وراءه حتى اذا كنا بالصهباء صنع حيسا في نطع ثم أرسلني فدعوت رجالا فاكلوا فكان ذلك بناءه بها ثم أقبل حتى اذا بدا له أحد قال هذا جبل يحبنا ونحبه فلما أشرف على المدينة قال اللهم اني أحرم ما بين جنبيها كما حرم ابراهيم مكة اللهم بارك لهم في مدهم وصاعهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ثنا اسمعيل قال أخبرني حميد عن أنس نزل آخر صلاة صلاها رسول الله صلى الله عليه وسلم مع القوم صلى في ثوب واحد متوشحا به خلف أبي بكر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ثنا اسمعيل حدثني حميد عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا غزا قوما لم يغز بنا الا حتى يصبح فان سمع اذانا كف عنهم وان لم يسمع اذانا أغار عليهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان أنا اسمعيل قال أخبرني حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا قدم من سفر نظر الى جدرات المدينة أوضع راحلته فان كان على دابة حركها من حبها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان أنا اسمعيل قال أخبرني حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا هبت الريح عرف ذلك في وجهه حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا ابراهيم بن اسحق ثنا الحرث بن عمير عن حميد الطويل عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا هبت الريح عرف ذلك في وجهه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم ثنا ابن المبارك عن أبان ابن خالد قال سمعت عبيد الله بن رواحة يقول حدثني أنس بن مالك انه لم ير رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الضحى قط الا ان يخرج في سفر أو يقدم من سفر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم ثنا الحرث بن عمير عن حميد الطويل عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا قدم من سفر فنظر الى جدرات المدينة أوضع ناقته وان كان على دابة حركها من حبها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل واسمه مظفر بن مدرك ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصوم حتى يقال لا صام صام ويفطر حتى يقال أفطر أفطر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان رجلا قال يا رسول الله الرجل يحب القوم ولا يبلغ عملهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرء مع من أحب

فتعمر ركعتين بعد العصر فلما استخلف عمر تركهما فقيل له ماهذا فقال ان عمر كان يضرب عليهما (عب) * عن المقدام ابن شريح عن أبيه قال سألت عائشة عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم كيف كان يصلي قالت كان يصلي الهجير ثم يصلي بعدها ركعتين ثم يصلي العصر ثم يصلي بعدها ركعتين قلت فقد كان عمر يضرب عليهما وينهى عنهما فقالت قد كان يصليهما وقد علم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصليهما ولكن قوم أهل اليمن (١٦٠) قوم طغام يصلون الظهر ثم يصلون ما بين الظهر والعصر ويصلون العصر ثم يصلون بين العصر والمغرب وقد أحسن أبو العباس السراج في مسنده * عن عائشة قالت مازلت أصلي بعد العصر ركعتين حتى مات النبي صلى الله عليه وسلم * وقت المغرب وما يتعلق به * صلوا صلاة المغرب مع سقوط الشمس بادروا بها طلوع النجم (طب) عن أبي أيوب * لا تزال أمتي على الفطرة مالم يؤخروا المغرب الى اشتباك النجوم (حم د ك) عن أبي أيوب وعقبة بن عامر عن ابن عباس * عجلوا صلاة النهار في يوم غيم وأخروا المغرب (د) في مراسيله عن عبد العزيز بن رفيع مرسلا * صلاة المغرب وتر النهار (ش) عن ابن عمر * صلوا قبل المغرب ركعتين صلوا قبل المغرب ركعتين لمن شاء (حم د) عن عبد الله المزني * عجلوا الركعتين بعد المغرب ليرفعا مع العمل (هب) عن حذيفة * عجلوا الركعتين بعد المغرب فانهما يرفعان مع المكتوبة ابن نصر عنه * من صلى بعد المغرب ركعتين قبل أن يتكلم كتبتا في عليين (عب) عن مكحول مرسلا * اركعوا هاتين الركعتين في بيوتكم السبحة بعد المغرب (ه) عن رافع بن خديج * هذه صلاة البيوت يعني السبحة بعد المغرب (د) عن كعب بن عجرة * من ركع عشر ركعات فيما بين المغرب والعشاء بني له قصر في الجنة ابن نصر عن عبد الكريم ابن الحرث مرسلا * من صلى بعد المغرب ست ركعات لم يتكلم فيما بينهن عدلن له بعبادة ثنتي عشرة سنة (ت ه) عن أبي هريرة * من صلى بين المغرب والعشاء عشر ركعة بنى الله له بيتا في الجنة (ه) عن عائشة * من صلى ما بين المغرب والعشاء فانها من صلاة الأوابين ابن نصر عن محمد

---

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم تطوعا قال فقامت أم سليم وأم حرام خلفنا قال ثابت لا أعلمه الا قال وأقامني عن يمينه فصلينا على بساط

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا سعيد بن زيد ثنا الزبير بن خريت ثنا أبو لبيد ٣ لمازة ابن زبار قال أرسلت الخيل زمن الحجاج فقلنا لو أتينا الرهان قال فاتيناه ثم قلنا لو أتينا الى أنس بن مالك فسألناه هل كنتم تراهنون على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فاتيناه فسألناه فقال نعم لقد راهن على فرس له يقال له سبحة فسبق الناس فهش لذلك وأعجبه

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد بن زيد ثنا سلم العلوي قال سمعت أنس بن مالك قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم على رجل صفرة أو قال أثر صفرة قال فلما قام قال لو أمرتم هذا فغسل عنه هذه الصفرة قال وكان لا يكاد يواجه أحدا في وجهه بشئ يكرهه

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل وعفان قالا ثنا حماد عن موسى بن أنس قال عفان في حديثه قال ثنا حميد عن موسى بن أنس بن مالك عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد تركتم بالمدينة رجالا ما سرتم من مسير ولا أنفقتم من نفقة ولا قطعتم من واد الا وهم معكم فيه قالوا يا رسول الله وكيف يكونون معنا وهم بالمدينة قال حبسهم العذر

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد بن زيد ثنا سلم العلوي عن أنس بن مالك قال قدمت الى النبي صلى الله عليه وسلم قصعة فيها قرع قال وكان يجمعه القرع قال فجعل يلتمس القرع باصبعه أو قال باصابعه

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا ابراهيم يعني ابن سعد ثنا ابن شهاب عن أنس بن مالك انه أبصر في يد رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من ورق يوما واحدا فصنع الناس خواتيم من ورق قال فطرح رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتمه وطرح الناس خواتيمهم

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في ليلة واحد

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل وعفان قالا ثنا حماد عن ثابت البناني قال عفان في حديثه أما نا ثابت عن أنس بن مالك قال أقيمت صلاة العشاء قال عفان أو أخرت ذات ليلة فقام رجل فقال يا رسول الله ان لي اليك حاجة فقام معه يناجيه حتى نعس القوم أو قال بعض القوم ثم صلى ولم يذكر وضوأ

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة عن موسى أبي العلاء وقال عفان في حديثه ثنا موسى أبو العلاء عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي صلاة الظهر أيام الشتاء وما ندري ما ذهب من النهار أكثر أو ما بقي منه

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سلمة الحراني عن هشام عن محمد بن سيرين قال سئل أنس بن مالك عن خضاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يكن شاب الا يسيرا ولكن أبا بكر وعمر بعده خضبا بالحناء والكتم قال وجاء أبو بكر بأبيه أبي قحافة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة يحمله حتى وضعه بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي بكر لو أقررت الشيخ في بيته لاتيناه مكرمة لابي بكر فاسلم ولحيته ورأسه كالثغامة بياضا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم غيروهما وجنبوه السواد

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن جار عن خيثمة عن أنس قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم على زيد بن أرقم يعوده وهو يشكو عينيه قال كيف انت

ابن المنكدر مرسلا * من صلى ست ركعات بعد المغرب قبل أن يتكلم غفر له بها ذنوب خمسين سنة ابن نصر عن ابن عمر * أفضل الصلاة عند الله المغرب ومن صلى بعدها ركعتين بنى الله له بيتا في الجنة بعدو و بروح (طس) عن عائشة * (الاكمال) * لا تغلبنكم الاعراب على اسم صلاتكم المغرب وتقول الاعراب هي العشاء (حم خ) عن عبد الله المزني * لا تزال أمتي في مسكة من دينها ما لم ينتظروا بالمغرب اشتباك النجوم مضاهاة لليهود ما لم يؤخروا الفجر الى امحاق النجوم مضاهاة للنصارى ما لم يكلوا (١٦١) الجنائز الى أهلها (ص) عن الحرث بن وهب

لو كانت عينك لما بها قال اذا أصبر واحتسب قال لو كانت عينك لما بها الا لقبيح الله عز وجل به على غير ذنب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن جابر عن أبي نصر عن أنس بن مالك قال كنا في رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا غلام ببقلة كنت أجتنبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن شيخ لنا عن أنس قال نهى النبي صلى الله عليه وسلم عن بيع النخل حتى يزهو ولا يحب حتى يفرك وعن الثمار حتى يطعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس أن ناسا أتوا النبي صلى الله عليه وسلم من عكل فاجتووا المدينة فأمر لهم بذود ولقاح فأمرهم أن يشربوا من أبوالها وألبانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يطيف على نسائه في غسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك قال فرضت على النبي صلى الله عليه وسلم الصلوات ليلة أسري به خمسين ثم نقصت حتى جعلت خمسا ثم نودي يا محمد انه لا يبدل القول لدي وان لك بهذه الخمس خمسين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن ثابت البناني عن أنس ابن مالك قال كانت الصلاة تقام فيكلم النبي صلى الله عليه وسلم الرجل في حاجته تكون له فيقوم بينه وبين القبلة فما يزال قائما يكلمه فربما رأيت بعض القوم لينعس من طول قيام النبي صلى الله عليه وسلم له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الظهر حين زالت الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي العصر فيذهب الذاهب الى العوالي والشمس مرتفعة قال الزهري والعوالي على ميلين من المدينة وثلاثة أحسبه قال وأربعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا قرب العشاء ونودي بالصلاة فابدؤا بالعشاء ثم صلوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البناني عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تعاهدوا هذه الصفوف فاني أراكم من خلفي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البناني عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم صنع خاتما من ورق فنقش فيه محمد رسول الله ثم قال لا تنقشوا عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البناني عن أنس أن رجلا من أهل البادية كان اسمه زاهرا كان يهدي للنبي صلى الله عليه وسلم الهدية من البادية فيجهز رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد أن يخرج فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان زاهرا بادينا ونحن حاضروه وكان النبي صلى الله عليه وسلم يحبه وكان رجلا دميما فأتاه النبي صلى الله عليه وسلم يوما وهو يبيع متاعه فاحتضنه من خلفه وهو لا يبصره فقال الرجل أرسلني من هذا فالتفت فعرف النبي صلى الله عليه وسلم فجعل لا يألو ما ألصق ظهره بصدر النبي صلى الله عليه وسلم حين عرفه وجعل النبي صلى الله عليه وسلم يقول من يشتري العبد فقال يا رسول الله اذا والله تجدني كاسدا فقال النبي صلى الله عليه وسلم لكن عند الله لست بكاسد أو قال لكن عند الله أنت غال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال لما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة لعبت الحبشة لقدومه بحرابهم فرحا بذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق

عن عبد الرحمن الصنابحي (حم طب ك) عن الحرث ابن وهب عن الصنابحي ابن الاعسر * من صلى المغرب في جماعة كتب له حجة مبرورة وعمرة متقبلة وكأنما قام ليلة القدر الديلمي عن أنس * من صلى بعد المغرب ركعتين قبل أن ينطلق مع أحد يقرأ في الاولى بالحمد وقل يا أيها الكافرون وفي الركعة الثانية بالحمد وقل هو الله أحد خرج من ذنوبه كما تخرج الحية من سلخها ابن النجار عنه * حبس الركعتين بعد المغرب مشقة على الملكين الديلمي عن أبي الدرداء * من صلى بين المغرب والعشاء عشرين ركعة يقرأ في كل ركعة الحمد وقل هو الله أحد بنى الله له في الجنة قصرين لا فصل فيهما ولا وصم ومن صلى بعد العشاء الآخرة ركعتين يقرأ في كل ركعة قل هو الله أحد خمس عشرة مرة بنى الله له قصرا في الجنة أبو محمد السمرقندي في فضائل قل هو الله أحد عن جرير وفيه أحمد بن عبيد صدوق له مناكير * من صلى بعد المغرب ثنتي عشرة ركعة يقرأ



في كل ركعة قل هو الله أحد أربعين مرة صافحته الملائكة يوم القيامة ومن صافحته الملائكة يوم القيامة أمن الصراط والحساب السمرقندي عن أبان عن أنس * عليكم بالصلاة فيما بين العشاءين فانها تذهب بلاغاة أول النهار ومعذرة آخره الديلمي عن سلمان * من عقب ما بين المغرب والعشاء بنى له في الجنة قصران ما بينهما مسيرة مائة عام وفيهما من الشجر ما لو مر أهل المشرق وأهل المغرب لاوصلهم فاكهة وهي صلاة الاوابين وهي غفلة الغافلين وان من الدعاء المستجاب الدعاء الذي لا يرد بين المغرب

والعشاء ابن مردويه عن ابن عمر *من صلى أربع ركعات بعد المغرب كان كمن عقب غزوة بعد غزوة في سبيل الله عز وجل أبو الشيخ عنه *من صلى المغرب وصلى بعدها ركعتين قبل أن يتكلم أسكنه الله في حظيرة القدس فان صلى أربعا كان كمن حج حجة بعد حجة فان صلى ستا غفرت له ذنوب خمسين سنة ابن شاهين عن أبي بكر *من صلى عشرين ركعة بين المغرب والعشاء يقرأ في كل ركعة فاتحة الكتاب وقل هو الله أحد حفظه الله في نفسه وأهله وماله ودنياه (١٦٢) وآخرته نظام المؤمن في السداسيات عن أبي هدبة عن أنس *من صلى بعد المغرب ست

ركعات غفرت له ذنوبه وان كانت مثل زبد البحر (طس حب) وابن منده عن عمار بن ياسر *من صلى أربع ركعات بعد المغرب قبل أن يتكلم أحدا رفعت له في عليين وكان كمن أدرك ليلة القدر في المسجد الاقصى وهن خير من قيام نصف ليلة الديلمي عن ابن عباس *(الافعال)* عن عمر قال الشفق الحمرة سمويه وابن مردويه *عن عمر قال صلوا المغرب والفجاج مسفرة (عب ش ص) والطحاوي *عن عمر انه صلى المغرب فشي بها وشغله بعض الامر حتى طلع نجمان فلما فرغ من صلاته تلك أعتق رقبتين ابن المبارك في الزهد *عن ابن جريج قال حدثت عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يخرج علينا بعد ما تغرب الشمس ويكون الليل وقبل أن يثوب بالمغرب ونحن نصلي فلا ينهانا ولا يأمرنا (عب) * عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم غربت له الشمس وهو بسرف فلم يصل المغرب حتى دخل مكة (عب) *عن علي بن هلال اللبثي قال صليت مع نفر من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم من الانصار فحدثوني انهم كانوا يصلون مع النبي صلى الله عليه وسلم المغرب ثم ينطلقون فيترامون فلا يخفى عليهم مواقع سهامهم حتى يأتوا ديارهم في أقاصي المدينة من بني سلمة (ص) *عن أبي فاختة عن علي انه ذكر ان ما بين المغرب والعشاء صلاة الغفلة فقال علي في الغفلة وقعتم (ش) *عن أنس كنا بالمدينة اذا أذن المؤذن ابتدر القوم الى السواري فركعوا لركعتين حتى يأتي الرجل الغريب

ثنا معمر عن ثابت البناني انه سمع أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الانصار عيبتي التي أويت اليها فاقبلوا من محسنهم واعفوا عن مسيئهم فانهم وفوا أدوا الذي عليهم وبقي الذي لهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن قتادة بن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اغفر للانصار ولابناء الانصار ولابناء أبناء الانصار قال معمر وأخبرني أيوب عن أبي قلابة عن أنس عن رسول الله صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أنس بن مالك رضي الله عنه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا قال الامام سمع الله لمن حمده فقولوا ربنا ولك الحمد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رفع رأسه من السجدة أو الركعة فيمكث بينهما حتى نقول أنسي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال ما صليت بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة أخف من صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم في تمام ركوع وسجود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن عاصم عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قنت شهرا في صلاة الصبح يدعو على أحياء من أحياء العرب عصية وذكوان ورعل وأولحيان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أنس قال سقط النبي صلى الله عليه وسلم من فرس فجحش شقه الايمن فدخلوا عليه فصلى بهم قاعدا وأشار اليهم ان اقعدوا فلما سلم قال انما جعل الامام ليؤتم به فاذا كبر فكبروا واذا ركع فاركعوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا ربنا ولك الحمد واذا سجد فاسجدوا وان صلى جالسا فصلوا جلوسا أجمعون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا أبو جعفر يعني الرازي عن الربيع بن أنس عن أنس بن مالك قال مازال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقنت في الفجر حتى فارق الدنيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا سفيان عمن سمع أنس بن مالك يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم لاشغار في الاسلام ولا حلف في الاسلام ولا جلب ولا جنب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج حين زاغت الشمس فصلى الظهر فلما سلم قام على المنبر فذكر الساعة وذكر ان بين يديها أمورا عظاما ثم قال من أحب ان يسأل عن شئ فليسأل عنه فوالله لا تسألوني عن شئ الا أخبرتكم به مادمت في مقامي هذا قال أنس فاكثر الناس البكاء حين سمعوا ذلك من رسول الله صلى الله عليه وسلم وأكثر رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يقول سلوني قال أنس فقام رجل فقال أين مدخلي يا رسول الله فقال النار قال فقام عبد الله بن حذافة فقال من أبي يا رسول الله قال أبوك حذافة قال ثم أكثر ان يقول سلوني قال فبرك عمر على ركبتيه فقال رضينا بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد صلى الله عليه وسلم رسولا قال فسكت رسول الله صلى الله عليه وسلم حين قال عمر ذلك ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده لقد عرضت على الجنة والنار آنفا في عرض هذا الحائط وأنا أصلي فلم أر كاليوم في الخير والشر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة على أحد يقول الله الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن عمر بن كيسان قال أخبرني أبي عن وهب بن مانوس عن سعيد بن جبير عن أنس بن مالك قال ما رأيت أحدا أشبه بصلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم من هذا الغلام يعني عمر بن

عبد

ابن ماجه (ك) عن أبي هريرة * اذا دخل المسجد فحسب ان الصلاة قد صليت من كثرة من يصليها أبو الشيخ * عن منصور عن أبيه قال ما صلى أبو بكر ولا عمر ولا عثمان ركعتين قبل المغرب (عب) ومسدد * عن ابن عباس قال ان الملائكة تصف بالذين يصلون بين المغرب والعشاء وهي صلاة الأوابين ابن نجويه * (وقت العشاء وما يتعلق به) * الشفق الحمرة فاذا غاب الشفق وجبت الصلاة (قط) عن ابن عمر * وقت العشاء اذا ملأ الليل بطن كل واد (طس) عن عائشة * خذوا مقاعدكم فان الناس قد صلوا وأخذوا مضاجعهم (١٦٣) وانكم لن تزالوا في صلاة ما انتظرتم الصلاة ولولا ضعف الضعيف وسقم السقيم وحاجة ذي الحاجة لاخرت هذه الصلاة الى شطر الليل (حم د) عن أبي سعيد * اعتموا بهذه الصلاة فانكم قد فضلتم بها على سائر الامم ولم تصلها أمة قبلكم (د) عن معاذ ابن جبل * ان الناس قد صلوا ورقدوا وانكم لن تزالوا في صلاة ما انتظرتم الصلاة (ق ٤) عن أنس * انكم تنتظرون صلاة ما ينتظرها أهل دين غيركم ولولا ان تثقل على أمتي لصليت بهم هذه الساعة (ن) عن ابن عمر * لولا أن أشق على أمتي لامرتهم أن يصلوها هكذا يعني العشاء نصف الليل (حم خ ن) عن ابن عباس (م) عن ابن عمر وعائشة * ابشروا ان من نعمة الله عليكم انه ليس أحد من الناس يصلي هذه الساعة غيركم (خ) عن أبي موسى * لا تغلبنكم الاعراب على اسم صلاتكم العشاء فانها هي العشاء وانما يعتمون بحلاب الابل (حم م د ن ه) عن ابن عمر * لا تغلبنكم الاعراب على اسم صلاتكم فانما هي العشاء وانما يعتمون العتمة لاعتامهم بالابل (ه) عن أبي هريرة * لو يعلم الناس ما في العشاء وصلاة الفجر لاتوهما ولو حبوا (ه) عن عائشة * من صلى في مسجد جماعة أربعين ليلة لا تفوته الركعة الاولى من صلاة العشاء كتب الله له بها عتاقة من النار (ه) عن ابن عمر * من صلى العشاء في جماعة فكأنما قام نصف ليلة ومن صلى الصبح في جماعة فكأنما صلى الليل كله (حم م) عن عثمان * من صلى العشاء في جماعة فقد أخذ بحظه من ليلة القدر (طب) عن أبي امامة * (الاكمال) * ان أول وقت العشاء حين يغيب

---

عبد العزيز قال فزرناه في الركوع عشر تسبيحات وفي السجود عشر تسبيحات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة وثابت عن أنس انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم أو قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أقواما سيخرجون من النار قد أصابهم سفع من النار عقوبة بذنوب عملوها يخرجهم الله بفضل رحمته فيدخلون الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال فزع أهل المدينة مرة فركب النبي صلى الله عليه وسلم فرسا كان يعرف فركضه في آثارهم فلما رجع قال وجدناه بحرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتمنى أحدكم الموت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال لي عبد الملك ان أنسا قال عن النبي صلى الله عليه وسلم في يوم القوم اقرؤهم اقرؤهم للقرآن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ومحمد بن بكر قال أنا ابن جريج أخبرني ابن شهاب عن أنس بن مالك انه قال آخر نظرة نظرتها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم انه اشتكى فأمر أبا بكر فصلى للناس فكشف رسول الله صلى الله عليه وسلم ستر حجرة عائشة فنظر الى الناس فنظرت الى وجهه كأنه ورقة مصحف حتى نكص أبو بكر على عقبيه ليصل الى الصف وظن ان رسول الله صلى الله عليه وسلم يريد أن يصلي للناس فتبسم حين رآهم صفوفا وأشار بيده اليهم ان أتموا صلاتكم وأرخى الستر بينه وبينهم فتوفي من يومه ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك ان رجلا من اليهود قتل جارية من الانصار على حلي لها ثم ألقاها في قليب ورضخ رأسها بالحجارة فأخذ فأتي به النبي صلى الله عليه وسلم فأمر به ان يرجم حتى يموت فرجم حتى مات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس ان نفرا من عكل وعرينة تكلموا بالاسلام فقالوا يا رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخبروه انهم أهل ضرع ولم يكونوا أهل ريف وشكوا حمى المدينة فأمر لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بذود وأمرهم ان يخرجوا من المدينة فيشربوا من ألبانها وأبوالها فانطلقوا فكانوا في ناحية الحرة فكفروا بعد اسلامهم وقتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم وساقوا الذود فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فبعث الطلب في آثارهم فأتي بهم فسمل أعينهم وقطع أيديهم وأرجلهم وتركوا بناحية الحرة يقضمون حجارتها حتى ماتوا قال قتادة فبلغنا ان هذه الآية نزلت فيهم انما جزاء الذين يحاربون الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أبي عثمان عن أنس قال لما تزوج النبي صلى الله عليه وسلم زينب أهدت اليه أم سليم حيسا في تور من حجارة قال أنس فقال النبي صلى الله عليه وسلم فاذهب فادع من لقيت فجعلوا يدخلون يأكلون ويخرجون ووضع النبي صلى الله عليه وسلم يده على الطعام ودعا فيه وقال ما شاء الله أن يقول ولم أدع أحدا لقيته لا دعوته فأكلوا حتى شبعوا وخرجوا فبقيت طائفة منهم فأطالوا عليه الحديث فجعل النبي صلى الله عليه وسلم يستحي منهم ان يقول لهم شيئا فخرج وتركهم في البيت فأنزل الله عز وجل يا أيها الذين آمنوا لا تدخلوا بيوت النبي الا ان يؤذن لكم الى طعام غير ناظرين اناه ولكن اذا دعيتم فادخلوا حتى بلغ لقلوبكم وقلوبهن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أيوب عن ابن سيرين قال سمعت أنس بن مالك يقول صبح رسول الله صلى الله عليه وسلم خيبر بكرة وقد خرجوا بالمساحي فلما نظروا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا محمد والخميس فرفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه وقال

الليل والفجر وان آخر وقتها حين ينتصف الليل ابن جرير عن أبي هريرة * لولا أن أشق على أمتي لأخرت العشاء الى ثلث الليل أو شطر الليل فانه اذا مضى شطر الليل ينزل الله تعالى الى سماء الدنيا فيقول هل من مستغفر فاغفر له هل من تائب فأتوب عليه هل من داع فاستجيب له حتى يطلع الفجر (حم) ومحمد بن نصر عن أبي هريرة * شهودهما العشاء والصبح أفضل من قيام ما بينهما عبد الرزاق عن محمد مرسلا * لو يعلم الناس ما في شهود العتمة ليلة الاربعاء لاتوها ولو حبوا (طس) عن عائشة * لا يحافظ المنافق أربعين ليلة على صلاة العشاء الآخرة

(ط هب) عن أبي هريرة * ما بال رجال ينفرون عن هذا الدين يمسون بعشاء الآخرة الخرائطي في مكارم الاخلاق عن عثمان الثقفي * من نام عن صلاة العشاء حتى يفوته وقتها فلا نامت عينه (كر) عن عمر بن دينار مرسلا * من نام قبل العشاء فلا أيام الله عينه البزار عن عائشة * من صلى أربع ركعات خلف العشاء الآخرة قرأ في الركعتين الاوليين قل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد وقرأ في الركعتين الآخرتين تبارك الذي بيده الملك والم تنزيل كتب له كأربع ركعات من ليلة القدر ابن نصر وأبو الشيخ (طب هق) عن ابن عباس * من صلى العشاء في جماعة وصلى أربع ركعات قبل أن يخرج من المسجد كان كمثل ليلة القدر (طب) عن ابن عمر * من صلى أربع ركعات بعد العشاء ثم أوتر فنام على وتره فهو في صلاة حتى يصبح الديلمي عن أبي هريرة * (الافعال) * عن عمر قال صلوا العشاء قبل أن ينام المريض ويكسل العامل (ع ب ش) * عن عمرو بن ميمون قال قيل لعمر لو عجلت بالعشاء فشهدها معنا العيال والصبيان ففعل (عق) * عن جابر بن سمرة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يؤخر العشاء (ش) * عن ابن عمر قال أول لون سمي العشاء العتمة الشيطان (ش) * عن أبي بكرة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أخر صلاة العشاء تسع ليال الى ثلث الليل فقال له أبو بكر يا رسول الله لو عجلتها لكان أطول لقيامنا من الليل فعجلها ابن جرير * عن النعمان بن بشير قال أنا أعلم الناس أو كأعلم الناس بوقت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم العشاء كان يصليها بعد سقوط القمر ليلة الثالثة من أول الشهر

---

الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس قال لما أتى النبي صلى الله عليه وسلم خيبر فوجدهم حين خرجوا الى زروعهم ومعهم مساحيهم فلما رأوه ومعه الجيش تكصوا فرجعوا الى حصنهم فقال النبي صلى الله عليه وسلم الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم أتي بالبراق ليلة أسري به مسرجا ملجما ليركبه فاستصعب عليه وقال له جبريل ما يحملك على هذا فوالله ما ركبك أحد قط أكرم على الله عز وجل منه قال فارفض عرقا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال رفعت لي سدرة المنتهى في السماء السابعة نبقها مثل قلال هجر وورقها مثل آذان الفيلة يخرج من ساقها نهران ظاهران ونهران باطنان فقلت يا جبريل ما هذان قال أما الباطنان ففي الجنة وأما الظاهران فالنيل والفرات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك قال لم يكن أحد أشبه برسول الله صلى الله عليه وسلم من الحسن بن علي وفاطمة صلوات الله عليهم أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن قتادة عن أنس في قوله عز وجل انا أعطيناك الكوثر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال هو نهر في الجنة قال النبي صلى الله عليه وسلم رأيته نهرا في الجنة حافتاه قباب اللؤلؤ فقلت ما هذا يا جبريل قال هذا الكوثر الذي أعطاك الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا جعفر بن سليمان قال حدثني ثابت البناني عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يفطر على رطبات قبل أن يصلي فان لم يكن رطبات فتمرات فان لم يكن تمرات حسا حسوات من ماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة في قوله عز وجل وظل ممدود عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان في الجنة شجرة يسير الراكب في ظلها مائة عام لا يقطعها قال معمر وأخبرني محمد بن زيادانه سمع أبا هريرة يقوله عن النبي صلى الله عليه وسلم ويقول أبو هريرة واقرؤا ان شئتم وظل ممدود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس قال كنت رديف أبي طلحة وهو يسار النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان رجلي لتمس غرز النبي صلى الله عليه وسلم وسمعته يلبي بالحج والعمرة معا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أيوب عن ابن سيرين عن أنس أن منادي رسول الله صلى الله عليه وسلم نادى ان الله ورسوله ينهيانكم عن أكل لحوم الحمر الاهلية فانها رجس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا مالك ثنا اسحق بن عبد الله ابن أبي طلحة عن أنس بن مالك ان جدته مليكة دعت النبي صلى الله عليه وسلم لطعام صنعته له قال فأكل ثم قال قوموا فلأصلي لكم قال فقمت الى حصير لنا قد اسود من طول ما لبث فنضحته بماء فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم وصففت أنا واليتيم وراءه والعجوز وراءنا فصلى لنا ركعتين ثم انصرف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا مالك عن ابن شهاب قال أخبرني أنس بن مالك قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم مكة يوم الفتح وعليه المغفر فجاء رجل فقال هذا ابن خطل متعلق بالاستار فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اقتلوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم احتجم وهو محرم على ظهر القدم من وجع كان به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد

(ص ش) * عن أبي هريرة قال لما قدم وفد ثقيف على رسول الله صلى الله عليه وسلم أخر صلاة العشاء حتى مضت ساعة من الليل فجاء عمر فقال يارسول الله نام الولدان ونعس النسوان وذهب الليل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أيها الناس احمدوا الله فما أحد ينتظر هذه الساعة غيركم ولولا أن أشق على أمتي لأخرت هذه الصلاة الى نصف الليل ابن جرير * عن أبي هريرة قال من خشي أن ينام قبل صلاة العشاء فلا بأس أن يصلي قبل أن يغيب الشفق (عب) * (صلاة الوتر وما يتعلق بها) * إذا طلع الفجر فقد ذهب (60 ا) كل صلاة الليل والوتر فأوتروا قبل طلوع الفجر (ت) عن ابن عمر * الوتر ركعة من آخر الليل (م د ن) عن ابن عمر (حم طب) عن ابن عباس * ان الله تعالى قد أمدكم بصلاة هي خير لكم من حمر النعم الوتر جعلها الله تعالى لكم فيما بين صلاة العشاء الى أن يطلع الفجر (حم د ت ه قط ك) عن خارجة بن حذافة * انما الوتر بالليل (طب) عن الاغر بن يسار * بادروا الصبح بالوتر (خط م ت) عن ابن عمر * زادني ربي صلاة وهي الوتر ووقتها ما بين العشاء الى طلوع الفجر (حم) عن معاذ * الوتر حق فمن لم يوتر فليس منا (حم د ن) عن بريدة * الوتر حق على كل مسلم فمن شاء أوتر بسبع ومن شاء أوتر بخمس ومن شاء أوتر بثلاث ومن شاء أوتر بواحدة فمن غلب فليوتر بما استطاع (د ن ه حب ك) عن أبي أيوب * ان الله تبارك وتعالى زادكم صلاة فحافظوا عليها وهي الوتر (حم) عن ابن عمرو * صلاة آخر الليل مشهودة وذلك أفضل (حم م ت ه) عن جابر * من نام عن وتره فليصل اذا أصبح

الرزاق ثنا سفيان عن سمع أنس بن مالك يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم ان أعمالكم تعرض على أقاربكم وعشائركم من الاموات فان كان خيرا استبشروا به وان كان غير ذلك قالوا اللهم لا تمتهم حتى تهديهم كما هديتنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرزاق أنا معمر وعبد الاعلى عن معمر عن الزهري عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والمزفت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البناني عن أنس من مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم لقي عبد الرحمن بن عوف وبه وضر من خلوق فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم مهيم يا عبد الرحمن قال تزوجت امرأة من الانصار قال كم أصدقتها قال وزن نواة من ذهب فقال النبي صلى الله عليه وسلم أولم ولو بشاة قال أنس لقد رأيته قسم لكل امرأة من نسائه بعد موته مائتا ألف دينار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت وأيوب وغير واحد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تهاجروا في الاسلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم أعتق صفية وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن قتادة عن أنس سأل أهل مكة النبي صلى الله عليه وسلم آية فانشق القمر بمكة مرتين فقال انتربتم الساعة وانشق القمر وان يروا آية يعرضوا ويقولوا سحر مستمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن ثابت عن أنس قال ما عددت في رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم ولحيته الا اربع عشرة شعرة بيضاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبو ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تحاسدوا ولا تقاطعوا ولا تدابروا وكونوا عباد الله اخوانا ولا يحل لمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري قال حدثني أنس بن مالك ان رجلا من الاعراب أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يارسول الله متى الساعة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وما أعددت لها فقال الاعرابي ما أعددت لها من كبير احد عليه نفسي الا اني أحب الله ورسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وانك مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الاشعث بن عبد الله عن أنس بن مالك قال كان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أنصاف اذنيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت وقتادة عن أنس قال نظر بعض أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم وضوأ فلم يجدوا قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم ههنا ماء قال فرأيت النبي صلى الله عليه وسلم وضع يده في الاناء الذي فيه الماء ثم قال توضؤا بسم الله فرأيت الماء يفور من بين أصابعه والقوم يتوضؤن حتى توضؤا عن آخرهم قال ثابت قلت لانس كم تراهم كانوا قال نحوا من سبعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن قتادة عن أنس أو عن النضر بن أنس عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل وعدني أن يدخل الجنة من أمتي اربعمائة ألف فقال أبو بكر زدنا يارسول الله قال وهكذا وجمع كفه قال زدنا يارسول الله قال وهكذا فقال عمر حسبك يا أبا بكر فقال أبو بكر هنيئا لك يا عمر وما عليك ان يدخلنا الله عز وجل الجنة كلنا فقال عمر ان الله عز وجل ان شاء أدخل خلقه الجنة بكف واحد فقال النبي صلى الله عليه وسلم صدق عمر **حدثنا**

(ت) عن زيد بن أسلم مرسلا * اجعلوا آخر صلاتكم بالليل وترا (ق د) عن ابن عمر * أمرت بالوتر وركعتي الضحى ولم تكتب (حم) عن ابن عباس * الذي لا ينام حتى يوتر حازم (حم) عن سعد * من لم يوتر فلا صلاة له (طس) عن أبي هريرة * لا وتران في ليلة (حم ٣) والضياء عن طلق بن علي * ثلاث هن علي فريضة وهن لكم تطوع الوتر وركعتا الضحى والنحر (حم ك) عن ابن عباس * (الاكمال) * الوتر ثلاث كثلاث المغرب (طس) عن عائشة * الوتر حق وليس كالمغرب (هب) عن ابن جريج عن محمد بن يوسف وصالح بن كيسان واسمعيل

ابن محمد بن سعد بن أبي وقاص معضلا *لا توتروا بثلاث تشبهوا بالمغرب ولكن أوتروا بخمس أو بسبع أو بتسع أو بإحدى عشرة أو بأكثر من ذلك (ك هق) عن أبي هريرة *الوتر يقضى ولوالى سنة الديلمي عن معاذ *ان هذا السفر جهد وثقل فاذا أوتر أحدكم فليركع ركعتين فاذا استيقظ والا كانتا له الدارمي وابن خزيمة والطحاوي (زحم، قط طب هق ض) *انما الوتر على أهل القرآن (ش) عن أبي عبيدة مرسلا (ش) عن ابن مسعود (٦١) وحذيفة موقوفا *أوتروا يا أهل القرآن ان الله وتر يحب الوتر فقال اعرابي ما تقول يا رسول الله

عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن ناسا من الانصار قالوا يوم حنين حين أفاء الله على رسوله أموال هوازن فطفق رسول الله صلى الله عليه وسلم يعطي رجالا من قريش المائة من الابل كل رجل فقالوا يغفر الله لرسول الله صلى الله عليه وسلم يعطي قريشا ويترك كنا وسيوفنا تقطر من دمائهم قال أنس فحدث رسول الله صلى الله عليه وسلم بمقالتهم فأرسل الى الانصار فجمعهم في قبة من أدم ولم يدع أحدا غيرهم فلما اجتمعوا جاءهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما حديث بلغني عنكم فقالت الانصار أما ذو ورأينا فلم يقولوا شيأ وأما ناس حديثة أسنانهم فقالوا كذا وكذا الذي قالوا فقال النبي صلى الله عليه وسلم اني لاعطي رجالا حديثا عهد بكفر أتألفهم أو قال استألفهم أفلا ترضون ان يذهب الناس بالاموال وترجعون برسول الله الى رحالكم فوالله لما تنقلبون به خير مما ينقلبون به قالوا أجل يا رسول الله قد رضينا فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم انكم ستجدون بعدي أثرة شديدة فاصبروا حتى تلقوا الله ورسوله فاني فرطكم على الحوض قال أنس فلم نصبر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك قال كنا جلوسا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يطلع عليكم الآن رجل من أهل الجنة فطلع رجل من الانصار تنطف لحيته من وضوئه قد تعلق نعليه في يده الشمال فلما كان الغد قال النبي صلى الله عليه وسلم مثل ذلك فطلع ذلك الرجل مثل المرة الاولى فلما كان اليوم الثالث قال النبي صلى الله عليه وسلم مثل مقالته أيضا فطلع ذلك الرجل على مثل حاله الاولى فلما قام النبي صلى الله عليه وسلم تبعه عبد الله بن عمرو بن العاص فقال اني لاحيت أبي فاقسمت أن لا أدخل عليه ثلاثا فان رأيت ان تؤويني اليك حتى تمضي فعلت قال نعم قال أنس وكان عبد الله يحدث انه بات معه تلك الليالي الثلاث فلم يره يقوم من الليل شيأ غير انه اذا انقلب على فراشه ذكر الله عز وجل وكبر حتى يقوم لصلاة الفجر قال عبد الله غير اني لم أسمعه يقول الا خيرا فلما مضت الثلاث ليال وكدت ان احتقر عمله قلت يا عبد الله اني لم يكن بيني وبين أبي غضب ولا هجر ثم ولكن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لك ثلاث مرار يطلع عليكم الآن رجل من أهل الجنة فطلعت أنت الثلاث مرار فاردت ان آوي اليك لانظر ما عملك فاقتدي به فلم أرك تعمل كثير عمل فما الذي بلغ بك ما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما هو الا ما رأيت قال فلما وليت دعاني فقال ما هو الا ما رأيت غير اني لا أجد في نفسي لاحد من المسلمين غشا ولا أحسد أحدا على خير أعطاه الله اياه فقال عبد الله هذه التي بلغت بك وهي التي لا نطيق حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محبوب بن الحسن بن هلال بن أبي زينب عن خالد يعني الحذاء عن محمد يعني ابن سيرين قال سألت أنس بن مالك هل قنت عمر قال نعم ومن هو خير من عمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد الركوع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا غسان بن مضر ثنا سعيد يعني ابن يزيد أبو مسلمة قال سألت أنسا أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في النعلين قال نعم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا غسان بن مضر ثنا سعيد يعني ابن يزيد أبو مسلمة قال سألت أنسا أكان النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ بسم الله الرحمن الرحيم أو الحمد لله رب العالمين فقال انك لتسألني عن شئ ما أحفظه وما سألني أحد قبلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد العزيز بن عبد الصمد العمي ثنا سعيد عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يطوف على نسائه في ليلة واحدة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن أبيه قال سمعت أنسا يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا

قال ليست لك ولا لاصحابك (ش) عن أبي عبيدة مرسلا (د) عن ابن مسعود *اني خشيت أن يكتب عليكم الوتر محمد بن نصر عن جابر *من أدركه الصبح ولم يوتر فلا وتر له (طب هب) وابن خزيمة (حب لـ) عن أبي سعيد البزار عن الاغر المزني *لا وتر بعد طلوع الفجر (ش) عن أبي سعيد *صلاة الليل مثنى مثنى فاذا خشيت الصبح فصل واحدة وسجدتين قبل الصبح (هب) عن ابن عمر *اما أنت يا أبا بكر فأخذت بالوثق وأما أنت يا عمر فأخذت بالقوة (ما حم) وعبد بن حميد (ه) والطحاوي عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي بكر أي حين توتر قال أول الليل بعد العتمة قال فأنت يا عمر قال آخر الليل قال فذكره *من ظن منكم أن لا يستيقظ آخر الليل فليوتر أوله ومن ظن انه يستيقظ آخر الليل فليوتر آخره فان صلاة آخر الليل محضورة وهي أفضل (حم م) عن جابر * من نام عن وتره أو نسيه فليصله اذا ذكر واذا استيقظ (حم د ت ه ع قط ك ض هق) عن أبي سعيد *(الافعال)* عن عمرو بن مرة انه سأل سعيد بن المسيب عن الوتر فقال كان عبد الله بن عمر يوتر أول الليل فاذا قام نقض وتره ثم صلى ثم أوتر آخر صلاته وكان عمر يوتر آخر الليل وكان خيرا منى ومنهما أبو بكر يوتر أول الليل ولا يشفع آخره ويزيد بذلك يصلي مثنى مثنى ولا ينقض وتره (هق) *عن عمر قال لان أوتر بليل أحب الي من أن أحيي ليلتي ثم أوتر بعد ما أصبح (ش) *عن حبيب المعلم قال قيل للحسن ان ابن عمر كان يسلم في الركعتين من

فليتبوأ

الوتر فقال كان عمر أفقهمنا كان ينهض فى الثالثة بالتكبير هق) *عن عثمان أنه كان اذا أوتر ثم قام يشفع بركعة ويقول ما أشبهها بالغريبة من الابل (ش) *عن عثمان قال انى أوتر أول الليل فاذا ثقت فى آخر الليل صليت ركعة فشفعتها الا بقلوص اضمها الى الابل الطحاوى *عن على قال الوتر ليس بحتم مثل الصلاة المكتوبة ولكنه سنة سنها رسول الله صلى الله عليه وسلم (طب عب ش حم) والعدنى والدارمى (د ت) وقال حسن (ن ع) وابن خزيمة (ك حل هق ض) زاد ابن حميد فلا تدعوه *عن على قال (٦٧) كان النبى صلى الله عليه وسلم يقول فى آخر وتره اللهم انى أعوذ برضاك من سخطك وأعوذ بعفوك من عقوبتك وأعوذ بك منك لا أحصى ثناء عليك أنت كما أثنيت على نفسك (حم) وابن منيع (د ت) وقال حسن غريب (ن ه ع) ويوسف القاضى فى سننه (ك ه ض) وروّاه (ط) بلفظ لا أحصى نعمتك ولا ثناء عليك *عن على انه قيل له الوتر فريضة هى قال قد أوتر النبى صلى الله عليه وسلم وثبت عليه المسلمون (ش) *عن على قال الوتر ثلاثة أنواع فمن شاء أوتر أول الليل ثم ان صلى ركعتين حتى يصبح ومن شاء أوتر ثم ان صلى ركعة شفعها الوتره ثم صلى ركعتين ركعتين ثم أوتر ومن شاء لم يوتر حتى يكون آخر صلاته (هق) *عن على كان النبى صلى الله عليه وسلم يصلى ثمان ركعات فاذا طلع الفجر أوتر ثم جلس يسبح ويكبر حتى يطلع الفجر الآخر ثم يقوم فيصلى ركعتى الفجر ثم يخرج الى الصلاة (عق) وقال فيه يزيد بن بلال

فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج ثنا ليث قال حدثنى سعيد يعنى المقبرى عن شريك بن عبد الله ابن أبى نمر عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قام فخفر الناس فقام رجل فقال متى الساعة يا رسول الله فيسر رسول الله صلى الله عليه وسلم فى وجهه فقال له اقعد فانك قد سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم ما يكره قال ثم قام الثانية فقال يا رسول الله متى الساعة قال فيسر رسول الله صلى الله عليه وسلم فى وجهه أشد من الاولى فأجلسناه قال ثم قام الثالثة فقال يا رسول الله متى الساعة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم ويحك وما أعددت لها قال أعددت لها حب الله ورسوله فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم اجلس فانك مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن عبد الله بن المثنى ثنا خبيب العاصى يل عن أنس بن مالك ان الربيع بنت النضر عمة أنس بن مالك كسرت ثنية جارية فعرضوا عليهم الارش فابوا وطلبوا العفو فابوا فاتوا النبى صلى الله عليه وسلم فامر بالقصاص فجاء أخوها أنس بن النضر عم أنس بن مالك فقال يا رسول الله أتكسر ثنية الربيع لا والذى بعثك بالحق لا تكسر ثنيتها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أنس كتاب الله القصاص قال فعفا القوم قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من عباد الله من لو أقسم على الله لابره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو معاوية ثنا عاصم الاحول عن أنس قال سألته عن القنوت أقبل الركوع أو بعد الركوع فقال قبل الركوع قال قلت فانهم يزعمون ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قنت بعد الركوع فقال كذبوا انما قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا يدعو على ناس قتلوا ناسا من أصحابه يقال لهم القراء **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا أبو معاوية ثنا يحيى بن سعيد عن أنس بن مالك قال دعانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ليكتب لنا بالبحرين أو قال بعض القوم فقلنا الا ان تكتب لاخواننا من المهاجرين مثلها فقال انكم ستلقون بعدى أثرة فاصبروا حتى تلقونى قالوا فانا نصبر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن نمير ثنا محمد يعنى ابن أبى اسمعيل عن محمد بن عاصم قال دخلت على أنس بن مالك بالكوفة فسألته عن النبيذ فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والمزفت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن نمير ثنا اسمعيل بن عمر عن نفيع قال سمعت أنس بن مالك قيل يا رسول الله كيف يحشر الناس على وجوههم قال ان الذى أمشاهم على أرجلهم قادر على ان يمشيهم على وجوههم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا ابن نمير ثنا يحيى عن أنس بن مالك ان اعرابيا أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقضى حاجته ثم قام الى جانب المسجد قال فصاح بعض القوم فكفهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم أمر بذنوب من ماء فصب على بوله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يعلى ثنا اسمعيل عن نفيع عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من أحد غنى ولا فقير الا ويود يوم القيامة انه كان أوتى فى الدنيا قوتا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يعلى ثنا مسعر عن بكير بن الاخنس قال سمعت أنس بن مالك يقول مر على النبى صلى الله عليه وسلم ببدنة أو هدية فقال لصاحبها اركبها فقال انها بدنة أو هدية قال وان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو كامل ثنا حماد عن ثابت البنانى عن أنس قال كان النبى صلى الله عليه وسلم اذا أوى الى فراشه قال الحمد لله الذى أطعمنا وسقانا وكفانا وآوانا فكم ممن لا كافى له ولا مؤوى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو كامل ثنا حماد يعنى ابن سلمة عن قتادة وثابت وحميد عن أنس بن مالك ان رجلا جاء وقد حفزه النفس فقال الله أكبر الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى النبى صلى الله عليه وسلم صلاته قال أيكم المتكلم

الفزارى فيه نظر *عن عبد خير قال كنا فى المسجد نفرح علينا على فى آخر الليل فقال أن الساعة عن الوتر فاجتمعنا اليه فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أوتر أول الليل ثم أوتر وسطه ثم أوتر هذه الساعة فقبض وهو يوتر هذه الساعة (طس) *عن سنان بن حبيب قال قلت لابراهيم أى ساعة قال على تعم ساعة الوتر هذه قال فى الغلس فى وجه الصبح قبل الفجر (ش) وابن جرير *عن ثابت قال قال أنس يا أبا محمد خذ عنى فانى أخذت عن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الله ولن تأخذ عن أحد أوثق منى قال ثم صلى بى العشاء ثم صلى

سنا ركعات يسلم بين الركعتين ثم أوتر بثلاث يسلم في آخرهن الروياني (كر) ورجاله ثقات * عن ابن عمر قال أوتر رسول الله صلى الله عليه وسلم على بعير (عب) * عن ابن عمر قال ما أحب اني تركت الوتر ولي حمر النعم (عب) * عن ابن عمر قال من أصبح على غير وتر أصبح على رأس جرير قدر سبعين ذراعا (عب) * عن أبي امامة قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يوتر بتسع حتى بدن وكثر لحمه أوتر بسبع وصلى ركعتين وهو جالس نقرأ فيهما باذا زلزلت وقل (١١٨) يا أيها الكافرون (كر) * عن عائشة قالت كان النبي صلى الله عليه وسلم يصبح فيوتر (عب)

* عن الزهري ان أبا بكر كان يوتر أول الليل وعمر آخر الليل فسألهما النبي صلى الله عليه وسلم عن وترهما فأخبراه فقال قوي هذا وخذ رهذا قال وقال النبي صلى الله عليه وسلم اضرب لكم مثلكم كرجلين أخذا في مفازة ليلا فقال أحدهما ما أريد أن أنام حتى أقطعها وقال الآخر أنام نومة ثم أقوم فاقطعها فاصبحا في المنزل جميعا (عب)
* عن الشعبي قال الوتر أشرف التطوع (عب)
* عن ابراهيم قال كانوا يوترون وقد بقي عليهم من الليل نحو مما ذهب من غروب الشمس الى أن تقضي صلاة المغرب ابن جرير * عن عتبة بن عمرو قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يوتر أحيانا أول الليل وأحيانا أوسطه وأحيانا آخره ليكون ذلك سعة للمسلمين أي ذلك أخذوا به كان صوابا ابن جرير * (القنوت الاكمل) * انما قنت بكم لتدعوا ربكم وتسألوه حوائجكم محمد ابن نصر عن عروة مرسلا (طس) عنه عن عائشة

* اللهم اهدني فيمن هديت وعافني فيمن عافيت وتولني فيمن توليت وبارك لي فيما أعطيت وقني شر ما قضيت انك تقضي ولا يقضى عليك وانه لا يذل من واليت تباركت ربنا وتعاليت (ط ش حم د ت) حسن (ن ه) والدارمي وابن الجارود وابن خزيمة (ع) وابن قانع (حب طب لـ هق ض) عن السيد الحسن قال علمني رسول الله صلى الله عليه وسلم كلمات أقولهن في الوتر وزاد (طب هق) ولا يعرف من حديث (حم) عن السيد الحسين الخطيب عن ابن عمر (طس) عن بريدة * (الافعال) * عن أبي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم

بالكلمات فانه لم يقل بأسا فقال الرجل أيا نارسول الله جلست وقد جفر في النفس فقلتهن فقال صلى الله عليه وسلم لقد رأيت اثني عشر ملكا يبتدرونها أيهم يرفعها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل أنبأنا حماد قال أنا قتادة ونا بت وحميد عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون القرآن بالحمد لله رب العالمين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قيام الساعة وأقيمت الصلاة فلما قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاته قال أين السائل عن الساعة فقال الرجل ها أنا ذا يا رسول الله فقال وما أعددت لها قال ما أعددت لها من كثير عمل غير اني أحب الله ورسوله قال فانت مع من أحببت قال فما فرح المسلمون بشيء بعد الاسلام أشد مما فرحوا به حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج بن محمد ثنا ليث يعني ابن سعد قال حدثني عقيل عن ابن شهاب قال حدثني أنس بن مالك الانصاري انه كان ابن عشر سنين مقدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة قال وكان أمهاتي يوطنني على خدمة رسول الله صلى الله عليه وسلم فمكثت أعلم الناس بشأن الحجاب حين أنزل وكان اول ما أنزل ابتنى رسول الله صلى الله عليه وسلم بزينب بنت جحش أصبح رسول الله صلى الله عليه وسلم بها عاريا وساق دعا القوم فاصابوا من الطعام ثم خرجوا وبقي رهط منهم عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فاطالوا المكث فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرج وخرجت معه لكي يخرجوا فمشى رسول الله صلى الله عليه وسلم ومشيت معه حتى جاء عتبة حجرة عائشة وظن رسول الله صلى الله عليه وسلم انهم قد خرجوا فرجع ورجعت معه فاذا هم قد خرجوا فضرب رسول الله صلى الله عليه وسلم بينه وبينهم بستر وأنزل الله عز وجل الحجاب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث ثنا عقيل عن ابن شهاب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو أن لابن آدم واديا من ذهب لاحب أن يكون له واد آخر ولا يملأ فاه الا التراب ويتوب الله على من تاب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث قال حدثني بكير عن محمد بن عبد الله بن أبي سليمان عن أنس بن مالك انه قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثنى ركعتين ومع أبي بكر ركعتين ومع عمر ركعتين ومع عثمان ركعتين صدرا من امارته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني سعد بن أبي سعيد عن شريك بن عبد الله بن أبي نمر انه سمع أنس بن مالك يقول بينما نحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم جلوس في المسجد دخل رجل على جمل فاناخه في المسجد فعقله ثم قال أيكم محمد ورسول الله صلى الله عليه وسلم متكئ بين ظهرانيهم قال فقلنا هذا الرجل الابيض المتكئ فقال الرجل يا ابن عبد المطلب فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أجبتك فقال الرجل اني سائلك فمشدد عليك في المسألة فلا تجد علي في نفسك فقال سل ما بدا لك فقال الرجل نشدتك بربك ورب من كان قبلك آلله أرسلك الى الناس كلهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم نعم قال فانشدك الله آلله أمرك أن نصلي الصلوات الخمس في اليوم والليلة قال اللهم نعم قال فانشدك الله آلله امرك أن نصوم هذا الشهر من السنة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم نعم قال أنشدك الله آلله أمرك أن تأخذ هذه الصدقة من أغنيائنا فتقسمها على فقرائنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم نعم قال الرجل آمنت بما جئت به وأنا رسول من ورائي من قومي قال وأنا ضمام بن ثعلبة أخو بني سعد بن بكر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم

ان

قنت فى الوتر قبل الركوع (د ه) *عن أبى عثمان ان أبا بكر وعمر قنتا فى الصبح بعد الركوع (قط هق) *عن الشعبى قال لم يقنت أبو بكر ولا عمر فى الفجر (ش) *عن الاسود بن يزيد النخعى قال كان عمر اذا حارب قنت واذا لم يحارب لم يقنت الطحاوى *عن عبد الرحمن بن أبزى قال صليت خلف عمر بن الخطاب الصبح فلما فرغ من السورة فى الركعة الثانية قال قبل الركوع اللهم انا نستعينك ونستغفرك ونثنى عليك الخير كله لا نكفرك ونخلع ونترك من يفجرك اللهم اياك نعبد ولك نصلى ونسجد واليك نسعى (٦٩) ونحفد نرجو رحمتك ونخشى عذابك

ان يكتب الى الروم فقالوا انهم لا يقرؤن كتابا الا مختوما فاتخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من فضة كأنى أنظر الى بياضه فى يد رسول الله صلى الله عليه وسلم نقشه محمد رسول الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم قال بهرم ابن آدم ويبقى منه اثنتان الحرص والامل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج قال حدثنى شعبة قال سمعت قتادة حدثنا أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول ان الخير خير الآخره أو قال اللهم لا خير الا خير الآخره فاغفر للانصار والمهاجره قال شعبة فكان قتادة يقول هذا فى قصصه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج حدثنى شعبة عن أبى عمد فقه مولى أنس وابنى عليه شعبة خيرا قال سألت أنسا عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى الظهر اذا زالت الشمس والعصر بين صلاتيكم هاتين والمغرب اذا غربت الشمس والعشاء اذا غاب الشفق والصبح اذا طلع الفجر الى ان ينفسح البصر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج عن سليمان بن المغيرة عن ثابت البنانى عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم أتى على صبيان وهم يلعبون فسلم عليهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج قال شعبة أنبأنا به عن هشام بن زيد بن أنس عن جده أنس بن مالك قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يسمع غنما قال هشام أحسبه قال فى آذانها قال ثم قال بعد فى آذانها ولم يشك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج حدثنى شعبة عن منصور عن ربعى بن حراش عن أبى الابيض رجل من بنى عامر عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى العصر والشمس بيضاء محلقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج ثنا سليمان يعنى ابن المغيرة عن ثابت عن أنس بن مالك قال قلت حدثنا بشىء شهدته من هذه الاعاجيب لا تحدثنا به عن غيرك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر وقعد على المقاعد التى كان يأتيه عليها جبريل عليه السلام قال فجاء بلال فآذنه بصلاة العصر فقال من كان له أهل يعيد بالمدينة ليقضى حاجته ويصيب من الوضوء وبقى ناس من المهاجرين ليس لهم أهلون بالمدينة قال فأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بقدح أروح فى أسفله شىء من ماء قال فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم كفه فى القدح فما وسعت كفه فوضع أصابعه هؤلاء الاربع ثم قال ادنوا فتوضؤا قال فتوضؤا حتى ما بقى منهم أحد الا توضأ فقلنا يا أبا حمزة كم تراهم كانوا قال بين السبعين الى الثمانين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا عمارة يعنى ابن زاذان عن ثابت عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم كان يعجبه القرع **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا زائدة ثنا الاعمش قال حدثت عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم أنه قال أطول الناس اعناقا يوم القيامة المؤذنون **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبى التياح قال سمعت أنس بن مالك قال لما فتحت مكة قال قسم رسول الله صلى الله عليه وسلم الغنائم فى قريش فقالت الانصار ان هذا لهو العجب ان سيوفنا تقطر من دمائهم وان غنائمنا ترد عليهم فبلغ رسول الله صلى الله عليه وسلم فجمعهم فقال ما هذا الذى بلغنى عنكم فقالوا هو الذى بلغك وكانوا لا يكذبون فقال اما ترضون ان يرجع الناس بالدنيا وترجعون برسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيوتكم لو سلك الناس واديا أو شعبا وسلكت الانصار واديا أو شعبا لسلكت واديكم أو شعبكم الانصار أو شعب الانصار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حميد قال سمعت أنس بن مالك قال ان رجلا دعا رجلا فى السوق فقال يا أبا القاسم

ان عذابك بالكفار ملحق

(ش) وابن الضريس فى فضائل القرآن (هق) وصححه *عن أبى عثمان النهدى أن عمر كان يقنت فى الصبح قدر ما يقرأ الرجل مائة آية من القرآن (عب ش) *عن الاسود بن يزيد أن عمر قنت فى الوتر قبل الركوع (ش) *عن أبى عثمان قال كان عمر يقنت بنا بعد الركوع ويرفع يديه فى قنوت الفجر حتى يبدو ضبعاه ويسمع صوته من وراء المسجد (ش هق) *عن عبيد بن عمير أن عمر قنت بعد الركوع فقال اللهم اغفر لنا وللمؤمنين والمؤمنات والمسلمين والمسلمات وألف بين قلوبهم وأصلح ذات بينهم وانصرهم على عدوك وعدوهم اللهم العن كفرة أهل الكتاب الذين يصدون عن سبيلك ويكذبون رسلك ويقاتلون أولياءك اللهم خالف بين كلمتهم وزلزل أقدامهم وأنزل بهم بأسك الذى لا ترده عن القوم المجرمين (هق) *عن أبى عبد الرحمن أن عليا كان يقنت فى الوتر بعد الركوع



(ش هق) عن عبد الله بن زرير الغافقى قال قال لى عبد الملك بن مروان لقد علمت ما حملك على حب أبى تراب الا انك اعرابى جاف فقلت والله لقد جمعت القرآن من قبل أن يجتمع ألواحه ولقد علمنى منه على بن أبى طالب سورتين علمهما اياه رسول الله صلى الله عليه وسلم ما علمهما أنت ولا أبوك اللهم انا نستعينك ونستغفرك ونثنى عليك ولا نكفرك ونخلع ونترك من يفجرك اللهم اياك نعبد ولك نصلى ونسجد واليك نسعى

ونحفد نرجو رحمتك ونخشى عذابك ان عذابك بالكفار ملحق (طب) في الدعاء *عن صلة بن زفر قال قنت علي شهرا ثم أمسك فسألته لم أمسكت قال ما كنت لأزيدكم على ما صنع رسول الله صلى الله عليه وسلم أبو الحسن علي بن عمر الحربي في فوائده *عن الشعبي قال لما قنت علي في صلاة الصبح أنكر الناس ذلك فقال علي انما استنصرنا على عدونا (ش) *عن أبي عبد الرحمن السلمي ان عليا كبر حين قنت في الفجر وكبر حين ركع



(ش) *عن عبد الرحمن بن معقل قال العاص وأشياعه وأبي الاعور السلمي وأشياعه وعبد الله بن قيس وأشياعه (ش) * عن سعيد بن زيد قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اللهم العن رعلا وذكوانا وعصية عصت الله ورسوله والعن أبا الاعور السلمي أبو نعيم *عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا في صلاة الصبح يدعو على أحياء من أحياء العرب عصية وذكوان ورعل ولحيان وكاهم من بني سليم (عب خط) في المتفق والمفترق وزاد ثم تركه *عن الحسين بن علي انه كان يقول في قنوت الوتر اللهم انك ترى ولا ترى وأنت بالمنظر الاعلى واليك الرجعى وان لك الآخرة والاولى اللهم انا نعوذ بك من أن نذل ونخزى (ش) * عن أبي هريرة انه رفع رسول الله صلى الله عليه وسلم رأسه من الركعة الاخيرة في صلاة الفجر قال اللهم بناولك الحمد انج الوليد بن الوليد وسلمة بن هشام وعياش بن أبي ربيعة والمستضعفين من المؤمنين مكة اللهم اشدد وطأتك على مضر واجعلها عليهم كسني يوسف (عب) *عن أبي هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم بينا هو يصلي العشاء اذ قال سمع الله لمن حمده ثم قال قبل أن يسجد اللهم انج المستضعفين من المؤمنين اللهم اشدد وطأتك على مضر اللهم سنين كسني يوسف ابن النجار *عن مكحول انه قنت في صلاة الصبح بعد الركوع ورفع يديه فقال ربنا لك الحمد ملء السموات وملء الارض السبع وملء ما فيهن من شئ بعد اللهم اياك نعبد ولك نصلي ونسجد واليك نسعى ونحفد نرجو رحمتك ونخشى عذابك

فالتفت النبي صلى الله عليه وسلم فقال الرجل انما دعوت رجلا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم سموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حميد قال سمعت أنس بن مالك قال قالت الأنصار نحن الذين بايعوا محمدا على الجهاد ما بقينا أبدا فاجابهم رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم ان الخير خير الآخره فاغفر للانصار والمهاجره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ومحمد ابن بكر قالا ثنا شعبة والخفاف عن سعيد عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتموا الركوع والسجود فوالله اني لاراكم من بعد ظهري اذا ما ركعتم واذا ما سجدتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي وبهز محمد بن جعفر وأسباط قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يسوق بدنة فقال اركبها قال انها بدنة قال اركبها قال اركبها قال اركبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين أملحين يذكيهما بيده ويطؤ على صفاحهما ويذكر الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان رهطا من عكل أو عرينة أتوا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا يا رسول الله انا كنا أهل ضرع ولم نكن أهل ريف فاستوخموا المدينة فامرلهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بذود وأمرهم أن يخرجوا فيها فيشربوا من البانها وأبوالها فقتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم واستاقوا الذود وكفروا بعد اسلامهم فبعث رسول الله صلى الله عليه وسلم في طلبهم فاتي بهم فقطع أيديهم وأرجلهم وسمر أعينهم وتركهم في الحرة حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد ومحمد بن بكر قال أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لما أراد أن يكتب الى ناس من هذه الاعاجم قيل له انهم لا يقبلون كتابا الا بخاتم قال فاتخذ خاتما من فضة نقشه وقال ابن بكر ونقشه محمد رسول الله كاني أنظر الى بصيصه أو بياضه في يد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وزيد بن ثابت تسحرا فلما فرغا من سحورهما قام رسول الله صلى الله عليه وسلم الى الصلاة فصلى قلنا لانس كم كان بين فراغهما من سحورهما ودخولهما في الصلاة قال كان قدر ما يقرأ الرجل خمسين آية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وروح قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تواصلوا فقيل انك تواصل يا رسول الله قال اني لست كاحد منكم ان ربي يطعمني ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد ومحمد بن بكر أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن يهوديا قتل جارية على أوضاح لها فقتله رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن نبي الله صلى الله عليه وسلم كان بالزوراء فاتي بماء فيه ماء لا يغمر أصابعه فامر أصحابه أن يتوضؤا فوضع كفه في الماء فجعل الماء ينبع من بين أصابعه وأطراف أصابعه حتى توضأ القوم قال فقلت لانس كم كنتم قال كاثلمائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ومحمد بن جعفر قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أعتق صفية بنت حيي وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد

الجدران عذاب الجد بالكافرين ملحق (كر) *(الاوقات المكروهة)* اذا طلع الفجر فلا صلاة الا ركعتي الفجر (طس) عن أبي هريرة *لا صلاة بعد الصبح حتى ترتفع الشمس ولا صلاة بعد العصر حتى تغرب الشمس (ق ن م) عن أبي سعيد *اذا بدا حاجب الشمس فاخروا الصلاة حتى تبرز واذا غاب حاجب الشمس فاخروا الصلاة حتى تغيب (م) عن ابن عمر *ان الشمس تطلع مع قرن شيطان فاذا طلعت فارنم فاذا ارتفعت فارقتها ثم اذا استوت فارنم فاذا زالت فارقها واذا تدلت للغروب فارنم واذا غربت (١٧١) فارقها فلا تصلوا هذه الاوقات الثلاثة

ابن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال كان فزع بالمدينة فاستعار رسول الله صلى الله عليه وسلم فرسا لنا يقال له مندوب فقال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما رأينا من فزع وان وجدناه لبحرا قال حجاج يعني الفرس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي قزعة عن أنس بن مالك قال كنت رديف أبي طلحة قال وكانت ركبة أبي طلحة تكاد أن تصيب ركبة رسول الله صلى الله عليه وسلم فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يهل بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة قال سمعت هشام بن زيد بن أنس بن مالك قال دخلت مع جدي أنس بن مالك دار الحكم بن أيوب فاذا قوم قد نصبوا دجاجة يرمونها فقال أنس نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تصبر البهائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن هشام بن زيد عن أنس بن مالك قال مر بنا فافنجعنا أرنبا بمر الظهران فسعوا عليها فلغبوا فسعيت حتى أدركتها فاتيت بها أبا طلحة فذبحها فبعث بورکها أو فخذها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقبله قال حجاج قلت لشعبة فقلت أكله قال نعم أكله قال لي بعد قبله **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن هشام بن زيد عن أنس بن مالك ان يهوديا قتل جارية على أوضاح لها قال فقتلها بحجر قال فجيء بها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وبها رمق فقال لها قتلك فلان فاشارت برأسها أي لا ثم قال لها الثانية فاشارت برأسها أي لا ثم سألها الثالثة فقالت نعم وأشارت برأسها فقتله رسول الله صلى الله عليه وسلم بين حجرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم للانصار انكم ستلقون بعدي أثرة فاصبروا حتى تلقوني فوعدكم الحوض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان أمه حين ولدت انطلقوا بابنها الصبي الى النبي صلى الله عليه وسلم ليحنكه قال فاذا النبي صلى الله عليه وسلم في مربد يسم غنما قال شعبة وأكبر علمي انه قال في آذانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت أبا التياح يزيد بن حميد يحدث انه سمع أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم البركة في نواصي الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح انه سمع أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لابي ذر اسمع وأطع ولو لحبشي كان رأسه زبيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح انه سمع انس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخالطنا حتى ان كان ليقول لاخ لي يا أبا عمير ما فعل النغير قال وكان اذا حضرت الصلاة ونحن عنده طرف بساط ثم أمنا وصففنا خلفه قال شعبة ثم ان أبا التياح بعد ما كبر قال ثم قام فصلى ولم يقل صففنا خلفه ولا أمنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عطاء بن أبي ميمونة انه سمع أنس ابن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يدخل الخلاء فاحمل انا وغلام نحوي اداوة من ماء وعنزة فيستنجي بالماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت علي بن زيد يقول سمعت أنسا يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يتمنى المؤمن أوقال أحدكم الموت فان كان لابد فاعلا فليقل اللهم احيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني ما كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ابن أخت

مالك (حم ه ق) عن عبد الله الصنابحي *صل صلاة الصبح ثم أقصر عن الصلاة حين تطلع الشمس حتى ترتفع فانها تطلع حين تطلع بين قرني شيطان وحينئذ يسجد لها الكفار ثم صل فان الصلاة مشهودة محضورة حتى يستقل الظل بالرمح ثم أقصر عن الصلاة فان حينئذ تسجر جهنم فاذا أقبل الفيء فصل فان الصلاة مشهودة محضورة حتى تصلي العصر ثم أقصر عن الصلاة حتى تغرب الشمس فانها تغرب بين قرني شيطان وحينئذ يسجد لها الكفار (م) عن عمرو بن عبسة *لا تحروا بصلاتكم طلوع الشمس ولا غروبها فانها تطلع بين قرني شيطان (ق) عن ابن عمر (ن) عن عائشة *تحرم الصلاة اذا انتصف النهار كل يوم الا يوم الجمعة (هق) عن أبي هريرة *الصلاة نصف النهار تسكره الا يوم الجمعة لان جهنم كل يوم تسجر الا يوم الجمعة (عد) عن أبي قتادة *ألا أخبركم بصلاة المنافق أن يؤخر العصر حتى اذا كانت الشمس كثوب البقر صلاها (فط ك) عن رافع بن خديج

*(الاكمال)* لا صلاة بعد الفجر حتى تطلع الشمس ولا بعد العصر حتى تغرب الشمس من طاف فليصل (عد هق) عن أبي هريرة *لا صلاة بعد العصر حتى تغرب الشمس ولا صلاة بعد الفجر حتى تطلع الشمس الا بمكة الا بمكة الا بمكة (حم) وابن خزيمة (فط طس حل هق) عن أبي ذر *لا صلاة بعد العصر الا أن تصلوا والشمس بيضاء مرتفعة (ط حم د هق) عن علي *لا صلاة بعد الاقامة الا المكتوبة (حم) عن أبي هريرة *لا صلاة لمن دخل المسجد والامام قائم يصلي فلا ينفرد وحده بصلاة ولكن يدخل مع الامام في الصلاة (طب) عن ابن عمر *انما

أخوف ما أخاف على أمتي تأخيرهم الصلاة عن وقتها أو تعجيلهم الصلاة عن وقتها (خ) في تاريخه (هق) عن أنس *(الافعال)* عن ابن عمر ان عمر قال لا أجد على أحد يصلي الليل والنهار مالم يصل عند غروب الشمس وعند طلوعها غيراني صليت كما رأيت أصحابي يصلون ابن منده في التاسع من حديثه* عن عروة بن الزبير قال أخبرني تميم الداري انه ركع ركعتين بعد العصر بعد نهي عمر بن الخطاب فأتاه فضربه بالدرة فأشار اليه تميم ان اجلس وهو (١٧٢) في صلاته فجلس عمر حتى فرغ تميم فقال لعمر لم ضربتني قال لانك ركعت هاتين الركعتين وقد نهيت عنهما قال فاني صليتهما مع من هو خير منك مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر انه ليس بي اياكم أيها الرهط ولكني أخاف ان يأتي بعدكم قوم يصلون ما بين العصر الى المغرب حتى يمروا بالساعة التي نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يصلي فيها كما وصلوا بين الظهر والعصر ثم يبتدرون قد رأينا فلانا وفلانا يصلون بعد العصر ابن جرير *عن أبي سعيد الخدري قال رأيت ابن الزبير يصلي بعد العصر ركعتين فقلت ما هذا فقال أخبرتني عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي بعد العصر ركعتين فذهبت الى عائشة فسألتها فقالت صدق فقلت أشهد لسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا صلاة بعد العصر حتى تغرب الشمس ولا بعد الفجر حتى تطلع الشمس فرسول الله صلى الله عليه وسلم يفعل ما أمر ونحن نفعل ما أمرنا (عب)

*(الفصل الثاني في أركان الصلاة وفيه فروع* الفرع الاول في صفة الصلاة وأركانها مجتمعة)* اذا استقبلت القبلة فكبر ثم اقرأ بام القرآن ثم اقرأ بما شئت فاذا ركعت فاجعل راحتيك على ركبتيك وامدد ظهرك ومكن لركوعك فاذا رفعت رأسك فاقم صلبك حتى ترجع العظام الى مقاصلها فاذا سجدت فمكن سجودك فاذا جلست فاجلس على فخذك اليسرى ثم اصنع كذلك في كل ركعة وسجدة (حم حب) عن رفاعة بن أبي رافع الزرقي * اذا قمت الى الصلاة فاسبغ الوضوء ثم استقبل القبلة فكبر ثم اقرأ ما تيسر معك من القرآن ثم اركع حتى تطمئن راكعا ثم ارفع حتى تستوي قائما ثم اسجد

---

القوم منهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال اللهم لا عيش الا عيش الآخرة قال شعبة أو قال اللهم ان العيش عيش الآخرة فاصلح الانصار والمهاجرة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن خالد عن سمع أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد رؤي أو رأيت بياض ابطيه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز بن صهيب قال سمعت أنس بن مالك يقول ما أولم رسول الله صلى الله عليه وسلم على امرأة من نسائه أكثر أو أفضل مما أولم على زينب فقال ثابت البناني فما أولم قال أطعمهم خبزا ولحما حتى تركوه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن ثابت قال سمعت أنس بن مالك قال كان ينعت لنا صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم يقوم فيصلي فاذا رفع رأسه من الركوع فلنا قد نسي من طول ما يقوم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن ثابت قال سمعت أنس بن مالك يقول بينما رسول الله صلى الله عليه وسلم يسير وحاد يحدو بنسائه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا هو قد تنحى بهن قال فقال يا أنجشة ويحك ارفق بالقوارير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن منصور عن سالم بن أبي الجعد يحدث عن أنس بن مالك ان رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم متى الساعة فقال ما أعددت لها فقال ما أعددت لها من كثير صلاة ولا صوم ولا صدقة الا اني أحب الله ورسوله فقال أنت مع من أحببت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت عتابا مولى ابن هرمز قال سمعت أنس بن مالك يقول بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم بيدي هذه يعني اليمنى على السمع والطاعة فيما استطعت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا شعبة وهاشم قال ثنا شعبة عن عتاب وقال هاشم مولى بني هرمز قال سمعت أنس بن مالك يقول لولا أن أحدثكم أن أخطئ لحدثتكم باشياء سمعتها من رسول الله صلى الله عليه وسلم لكنه قال من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار قال هاشم قالها رسول الله صلى الله عليه وسلم أو سمعتها من رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاث من كن فيه وجد طعم الايمان من كان يحب المرء لا يحبه الا لله ومن كان الله تبارك وتعالى ورسوله أحب اليه مما سواهما ومن كان أن يلقى في النار أحب اليه من أن يرجع في الكفر بعد اذ أنقذه الله عز وجل منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال جمع رسول الله صلى الله عليه وسلم الانصار فقال أفيكم أحد من غيركم قالوا لا الا ابن أختنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم منهم قال حجاج أو من أنفسهم فقال ان قريشا حديث عهد بجاهلية ومصيبة وانى أردت ان أجبرهم وأتالفهم أما ترضون أن يرجع الناس بالدنيا وترجعون برسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيوتكم لو سلك الناس واديا وسلكت الانصار شعبا لسلكت شعب الانصار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم فذكر معناه الا انه قال فاردت أن أتالفهم وأجبرهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم انه لا عيش عيش الآخرة قال شعبة أو قال اللهم لا عيش الا عيش الآخرة

حتى تطمئن ساجدا ثم ارفع حتى تطمئن جالسا ثم اسجد حتى تطمئن ساجدا ثم ارفع حتى تستوى قائما ثم افعل ذلك فى صلاتك كلها (ق ن)
عن أبى هريرة * اذا أقمت الى الصلاة فتوضأ كما أمرك الله ثم قم فاستقبل القبلة ثم كبر فان كان معك قرآن فاقرأ وان لم يكن معك قرآن فاحمد الله
وهلله وكبره فاذا ركعت فاركع حتى تطمئن ثم ارفع رأسك فاعتدل قائما ثم اسجد فاعتدل ساجدا ثم ارفع رأسك فاعتدل قاعدا حتى تقضى صلاتك
فاذا فعلت ذلك فقد تمت صلاتك وان انتقصت من ذلك شيأ فانما انتقصت من صلاتك (١٧٣) (٣) عن رفاعة البدرى * انه لا تتم صلاة

فاكرم الانصار والمهاجره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثنى
شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك قال جاء اعرابى الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال متى الساعة قال
ما أعددت لها قال حب الله عز وجل ورسوله قال أنت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد
ابن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال أنبأنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يحدث قال قال رسول الله صلى
الله عليه وسلم ما من نبى الا وقد أنذر أمته الاعور الكذاب ألا انه أعور وان ربكم ليس باعور مكتوب بين
عينيه كفر قال حجاج كافر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر أنا شعبة وحجاج قال حدثنى
شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبى صلى الله عليه وسلم انه قال ما من أحد يدخل الجنة
يحب أن يرجع الى الدنيا وان له ما على الارض من شئ غير الشهيد فانه يتمنى أن يرجع فيقتل عشر مرات
لما يرى من الكرامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة ثنا قتادة وحجاج قال حدثنى
شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اخرجوا من النار من قال لا اله الا الله
من كان فى قلبه من الخير ما يزن شعيرة اخرجوا من النار من قال لا اله الا الله من كان فى قلبه من الخير ما يزن
ذرة اخرجوا من النار من قال لا اله الا الله من كان فى قلبه من الخير ما يزن برة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا
حجاج و يزيد بن هرون قالا انا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يقول كان النبى صلى الله عليه وسلم
من أخف الناس صلاة فى تمام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج ثنا شعبة عن قتادة و يزيد بن هرون
قال انا شعبة عن قتادة واسود يعنى شاذان قال حدثنا شعبة قال أنبأنى قتادة قال سمعت أنس بن مالك قال
رسول الله صلى الله عليه وسلم لرجل يسوق بدنة اركبها قال انها بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها و يحك
فى الثالثة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج قال سمعت شعبة يحدث قال قلت لقتادة أسمعت أنسا
يحدث عن النبى صلى الله عليه وسلم انه كان يقوم البصاق فى المسجد خطيئة قال نعم وكفارته دفنه **حدثنا**
عبد الله حدثنى أبى ثنا بهز ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تواصلوا
قالوا انك تواصل قال انكم لستم فى ذلك مثلى انى أظل أو قال أبيت أطعم واسقى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى
ثنا بهز حدثنا شعبة ثنا قتادة أخبرنى عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم حين جمع الانصار
فقال هل فيكم أحد من غيركم قالوا لا الا ابن أخت لنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم
من أنفسهم أو قال من القوم قال فذكرت ذلك لمعاوية بن قرة فحدثنى عن أنس **حدثنا** عبد الله حدثنى
أبى ثنا بهز ثنا شعبة أخبرنى قتادة انه سمع أنسا قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا عدوى ولا طيرة قال
و يعجبنى الفأل فقلت ما الفأل قال الكلمة الطيبة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجاج حدثنى شعبة عن
قتادة عن عكرمة انه قال لما نزلت هذه الآية انا فتحنا لك فتحا مبينا ليغفر لك الله ما تقدم من ذنبك وما تأخر ثم
يقول قال أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم هنيئا مريئا لك يا رسول الله فما لنا فنزلت هذه الآية ليدخل
المؤمنين والمؤمنات جنات تجرى من تحتها الانهار خالدين فيها ويكفر عنهم سيئاتهم وقال شعبة كان قتادة
يذكر هذا الحديث فى قصصه عن أنس بن مالك قال نزلت هذه الآية لما رجع رسول الله صلى الله عليه وسلم
من الحديبية انا فتحنا لك فتحا مبينا ليغفر لك الله ما تقدم من ذنبك وما تأخر ثم يقول قال أصحاب رسول الله صلى
الله عليه وسلم هنيئا لك هذا الحديث قال فظننت انه كله عن أنس فاتيت الكوفة فحدثت عن قتادة عن أنس

أحدكم حتى يسبغ لوضوء كما أمره الله فيغسل وجهه ويديه الى المرفقين ويمسح برأسه ورجليه الى الكعبين ثم يكبر الله ويحمده ويمجده ويقرأ ما تيسر من القرآن مما علمه الله وأذن له فيه ثم يكبر فيركع فيضع كفيه على ركبتيه ويرفع حتى تطمئن مفاصله وتسترخى ثم يقول سمع الله لمن حمده فيستوى قائما حتى يأخذ كل عظم مأخذه ويقيم صلبه ثم يكبر فيسجد فيمكن جبهته من الارض حتى تطمئن مفاصله وتسترخى ثم يكبر فيرفع رأسه فيستوى قاعدا على مقعدته ويقيم صلبه ثم يكبر فيسجد حتى يمكن وجهه ويسترخى لا يتم صلاة أحدكم حتى يفعل ذلك (د ن ه ك) عن رفاعة بن رافع * (الا كمال) * اذا أنت قمت فى صلاتك فكبر الله ثم اقرأ ما تيسر عليك من القرآن ثم اذا أنت ركعت فاثبت يديك على ركبتيك حتى تطمئن كل عضو منك ثم اذا رفعت رأسك فاعتدل حتى يرجع كل عضو منك ثم اذا سجدت فاطمئن حتى يعتدل كل عضو منك ثم اذا رفعت ذلك فاثبت حتى يرجع كل عضو الى موضعه ثم مثل ذلك فاذا جلست فى وسط الصلاة فاطمئن وافترش فخذك اليسرى ثم تشهد ثم اذا قمت فمثل ذلك حتى تفرغ من صلاتك (طب) عن رفاعة بن رافع * مفتاح الصلاة الطهور وتحريمها التكبير وتحليلها التسليم ولى كل ركعتين تسليمة ولا صلاة لمن لم يقرأ فى كل ركعة بالحمد وسورة فى فريضة أو غيرها (ش ت) وبقى بن مخلد وابن جرير (ع هق) عن أبى سعيد زاد (هق)
واذا ركع أحدكم فلا يبرك بروك الحمار وليقم صلبه واذا سجد فليمد صلبه فان الانسان يسجد على سبعة أعظم جبهته وكفيه وركبتيه وصدور

قدميه واذا جلس فلينصب رجله اليمنى ولينخفض رجله اليسرى *(الافعال)* عن عوف بن مالك قال قمت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة فبدأ فاستاك ثم توضأ ثم قام يصلي فقمت معه فبدأ فاستفتح من البقرة لا يمر بآية رحمة الا وقف فسأل ولا يمر بآية عذاب الا وقف فتعوذ ثم ركع فمكث راكعا بقدر قيامه يقول في ركوعه سبحان ذي الجبروت والملكوت والكبرياء والعظمة ثم سجد بعد ركوعه يقول في سجوده سبحان ذي الجبروت والملكوت والكبرياء (١٧٤) والعظمة ثم قرأ آل عمران ثم سورة سورة يفعل مثل ذلك (كر ن) *عن وائل بن حجر قدمت المدينة فقلت لانظرن الى صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فكبر ورفع يديه حتى رأيت ابهاميه قريبا من أذنيه فلما ان أراد أن يركع رفع يديه ثم ركع فوضع يديه على ركبتيه فسجد فرأيت رأسه بين يديه على مثل مقداره حيث استفتح وجلس فثنى اليسرى ونصب اليمنى (ش) * أيضا رمقت النبي صلى الله عليه وسلم فرفع يديه في الصلاة حين كبر ثم حين ركع رفع يديه ثم قال اذن سمع الله لمن حمده رفع يديه ثم جلس فافترش رجله اليسرى ثم وضع يده اليسرى على ركبته اليسرى ووضع ذراعه اليمنى على فخذه اليمنى ثم أشار بسبابته ووضع الابهام على الوسطى حلق بها وقبض سائر أصابعه ثم سجد فكانت يداه حذو أذنيه (عب) *عن وائل ابن حجر قال صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت لاحفظن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما افتتح الصلاة كبر ورفع يديه حتى دنتا من أذنيه ثم أخذ شماله بيمينه فلما كبر للركوع رفع يديه أيضا كذلك رفعهما للتكبير الصلاة فلما ركع ووضع كفيه على ركبتيه فلما رفع رأسه من الركوع رفع بيديه أيضا فلما قعد يتشهد فرش قدمه اليسرى على الارض وجلس عليها ووضع كفه اليسرى على فخذه اليسرى ووضع مرفقه الايمن على فخذه اليمنى وعقد أصابعه وجعل حلقة بالابهام والوسطى ثم جعل يدعو بالاخرى (ص) *(الفرع الثاني في أركان الصلاة متفرقة) *التكبيرة الاولى وما يتعلق بها وفيه تكبيرات الانتقالات أيضا) *ان لكل شئ آفة وان آفة الصلاة التكبيرة الاولى فحافظوا عليها (ش طب) عن أبي الدرداء

---

ثم رجعت فلقيت قتادة بواسط فاذا هو يقول أوله عن أنس وآخره عن عكرمة قال فاتيتهم بالكوفة فاخبرتهم بذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا حدثنا شعبة قال ابن جعفر في حديثه قال سمعت علي بن زيد قال قال أنس بن مالك ان كانت الوليدة من ولائد أهل المدينة لتجيء فتأخذ بيد رسول الله صلى الله عليه وسلم فلا ينزع يده من يدها حتى تذهب به حيث شاءت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن عبد الله يعني الانصاري ثنا حميد عن أنس قال لما نزلت هذه الآية لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون أو قال من ذا الذي يقرض الله قرضا حسنا قال جاء أبو طلحة بن سهل الانصاري فقال يا رسول الله حائطي الذي بمكان كذا وكذا ولو استطعت يا رسول الله ان أسره لم أعلنه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجعله في قرابتك أو قال في قرابة أهلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى قال سمعت هلال بن أبي داود الحبطي أبا هشام قال أخبرني هرون بن أبي داود حدثني قال أتيت أنس بن مالك فقلت يا أبا حمزة ان المكان بعيد ونحن يجيئنا أن نعودك فرفع رأسه فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أيما رجل يعود مريضا فانما يخوض في الرحمة فاذا قعد عند المريض غمرته الرحمة قال فقلت يا رسول الله هذا الصحيح الذي يعود المريض قال المريض ماله قال تحط عنه ذنوبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا المؤمل بن اسمعيل وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة ثنا ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاث من كن فيه وجد بهن حلاوة الايمان أن يكون الله عز وجل ورسوله أحب اليه مما سواهما وأن يكره العبد أن يرجع عن الاسلام كما يكره أن يقذف في النار وأن يحب العبد لا يحبه الا لله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال قدم النبي صلى الله عليه وسلم المدينة وأنا ابن تسع سنين فانطلقت بي أم سليم الى نبي الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله هذا ابني استخدمه فخدمت النبي صلى الله عليه وسلم تسع سنين فما قال لي لشئ فعلته لم فعلت كذا وكذا وما قال لي لشئ لم أفعله ألا فعلت كذا وكذا وأنا ابن ذات يوم وأنا ألعب مع الغلمان أو قال مع الصبيان فسلم علينا ودعاني فارسلني في حاجة فلما رجعت قال لا تخبر أحدا واحتبست على أمي فلما أتيتها قالت يا بني ما حبسك قلت أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجته قالت وما هي قلت انه قال لا تخبرن بها أحدا قالت أي بني فاكتم على رسول الله صلى الله عليه وسلم سره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس أن أبا طيبة حجم النبي صلى الله عليه وسلم فامر له بصاع من تمر وكلم أهله فوضعوا عنه من خراجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لاصحابه سلوني فقام رجل فقال يا رسول الله من أبي قال أبوك حذافة للذي كان ينسب اليه فقالت له أمه يا بني لقد قمت بامك مقاما عظيما قال أردت أن أبرئ صدري مما كان يقال وقد كان يقال فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد عن ثابت وحميد عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يحب القرع فكان اذا جيء بمرقة فيها قرع جعلت القرع مما يليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن عتبان بن مالك ذهب بصره فقال يا رسول الله لو جئت صليت في داري أوقال في بيتي لاتخذت مصلاك مسجدا فجاء النبي صلى الله عليه وسلم فصلى في داره أوقال في بيته واجتمع قوم عتبان الى النبي صلى الله عليه وسلم قال فذكروا مالك بن الدخشم فقالوا يا رسول الله انه وانه يعرضون بالنفاق فقال النبي صلى الله عليه وسلم أليس يشهد أن لا اله الا الله وانى رسول الله قالوا بلى قال والذي نفسي

* لكل شئ صفوة وصفوة الايمان الصلاة وصفوة الصلاة التكبيرة الاولى (ع هب) عن أبي هريرة (حل) عن عبد الله بن أبي أوفى * اذا كبر العبد سرت تكبيرته ما بين السماء والارض من شئ خط) عن أبي الدرداء * (الاكمال) * اذا قمتم الى الصلاة فارفعوا أيديكم ولا تخالفوا آذانكم ثم قولوا الله أكبر سبحانك اللهم وبحمدك وتبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك وان لم تزيدوا على التكبير أجزأكم الباوردي (طب) عن الحكم بن عمير الثمالي * يا وائل بن حجر اذا صليت فاجعل يديك حذاء أذنيك والمرأة تجعل (١٧٥) يديها حذاء ثديها (طب) عن وائل بن حجر * الله أكبر الله أكبر كبيرا الله أكبر كبيرا الله أكبر كبيرا الحمد لله كثيرا وسبحان الله بكرة وأصيلا ثلاثا أعوذ بالله من الشيطان الرجيم من نفخه ونفثه وهمزه (ش ه ص) عن ابن جبير بن مطعم عن أبيه أنه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي فقال فذكره * اذا صلى أحدكم فليقل اللهم باعد بيني وبين خطيئتي كما باعدت بين المشرق والمغرب اللهم أعوذ بك أن تصدعني وجهك يوم القيامة اللهم نقني من خطيئتي كما ينقى الثوب الابيض من الدنس اللهم أحيني مسلما وأمتني مسلما (طب) عن سمرة * أيكم المتكلم للكلمات فانه لم يقل باسا لقد رأيت اثني عشر ملكا يبتدرها أيهم يرفعها (حب) عن أنس أن رجلا قال الحمد لله كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم صلاته قال فذكره * من صاحب الكلمات لقد رأيت أبواب السماء تفتحت لهن عبد الرزاق عن ابن عمران رجلا صلى فقال الله أكبر كبيرا والحمد لله كثيرا وسبحان الله بكرة وأصيلا فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة قال فذكره * والذي نفسي بيده لقد ابتدرها عشرة أملاك كلهم حريص على أن يكتبها فما درروا كيف يكتبونها حتى رفعوه الى ذي العزة فقال اكتبوها كما قال عبدي يعني الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه كما يحب ربنا أن يحمد وينبغي له ولفظ (حب) كما يحب ربنا ويرضى (حم ن حب ض) عن أنس التكبيرة الاولى يدركها الرجل مع الامام خير له من ألف بدنة يهديها الديلمي عن ابن عمر * (الافعال) * عن عمر قال التكبيرة واحدة تجزئ

بيده لا يقولها عبد صادقا بها الا حرمت عليه النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان وفدا من أهل اليمن قدموا على النبي صلى الله عليه وسلم فاراد أن يبعث معهم رجلا فقالوا ابعث معنا رجلا فقال ابعث معكم أمين هذه الامة فبعث أبا عبيدة بن الجراح قال أبي وفي موضع آخر قالوا يا رسول الله ابعث معنا رجلا يعلمنا فاخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم بيد أبي عبيدة بن الجراح فقال لكل أمة أمين وهذا أمين هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم يسأله فاعطاه رسول الله صلى الله عليه وسلم غنما بين جبلين فاتى الرجل قومه فقال أي قوم أسلموا فوالله ان محمدا ليعطي عطية رجل ما يخاف الفاقة أو قال الفقر قال وحدثناه ثابت قال قال أنس ان كان الرجل ليأتي النبي صلى الله عليه وسلم ما يريد الا ان يصيب عرضا من الدنيا أو قال دنيا يصيبها فما يمسي من يومه ذلك حتى يكون دينه أحب اليه أو قال أكبر عليه من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل وحسن الاشيب قالا ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال حسن عن ثابت وحميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر على بغلته الشهباء بحائط لبني النجار فسمع أصوات قوم يعذبون في قبورهم فخاصت البغلة فقال النبي صلى الله عليه وسلم لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله عز وجل ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان غلاما يهوديا كان يضع للنبي صلى الله عليه وسلم وضوأه ويناوله نعليه فمرض فاتاه النبي صلى الله عليه وسلم فدخل عليه وأبوه قاعد عند رأسه فقال له النبي صلى الله عليه وسلم يا فلان قل لا اله الا الله فنظر الى أبيه فسكت أبوه فاعاد عليه النبي صلى الله عليه وسلم فنظر الى أبيه فقال أبوه أطع أبا القاسم فقالها الغلام أشهد ان لا اله الا الله وانك رسول الله فخرج النبي صلى الله عليه وسلم وهو يقول الحمد لله الذي أخرجه بي من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال حضرت الصلاة فقام جيران المسجد الى منازلهم يتوضؤن وبقي في المسجد ناس من المهاجرين ما بين السبعين الى الثمانين فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بماء فاتي بمخضب من حجارة فيه ماء فوضع أصابع يده اليمنى في المخضب فجعل يصب عليهم وهم يتوضؤن ويقول توضؤا حتى على الوضوء حتى توضؤا جميعا وبقي فيه نحو مما كان فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل وعفان قالا ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال انطلقت بعبد الله بن أبي طلحة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم حين ولد فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم وهو في عباءة يهنأ بعيرا له فقال لي امعك تمرات فقلت نعم فتناول تمرات فالقمهن في فيه فلاكهن ثم فتح فك الصبي ففغر الصبي فاه فاوجره فجعل الصبي يتلمظ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انك لاحب الانصار الاحب التمر وسماه عبد الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قالوا للنبي صلى الله عليه وسلم انا اذا كنا عندك فرقتنا فاذا خرجنا من عندك عافتنا النساء والصبيان وفعلنا وفعلنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان تلك الساعة لو تدومون عليها لصافحتكم الملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل يعني ابن ابراهيم بن علية ثنا عبد العزيز يعني ابن صهيب عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى الصبيان والنساء مقبلين قال عبد العزيز حسبت انه قال من عرس فقام النبي صلى الله عليه وسلم ثم قال

من الدنيا وما فيها ابن سعد (ش كر) *عن عمرو بن ميمون قال كان عمر بن الخطاب يتم التكبير في الصلاة (عب) *عن أنس كان النبي صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر وعثمان لا ينقصون التكبير وفي لفظ يتمون التكبير اذا رفعوا واذا وضعوا (عب ش) *عن البراء بن عازب كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا افتتح الصلاة رفع يديه ثم لا يرفعهما حتى يفرغ (ش) *أيضا كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا كبر رفع يديه حتى يرى ابهاميه قريبا من أذنيه (عب) (١٧٦) *عن مجاهد قال سمعت رجلا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم لا أعلمه الا ممن شهد بدرا قال لابنه أدركت الصلاة معنا قال نعم قال أدركت التكبيرة الاولى قال لا قال لكنك فاتتك منها خير من مائة ناقة كلها سوداء العين (عب) عن عائشة كان النبي صلى الله عليه وسلم يفتتح الصلاة بالتكبير ويفتتح قراءته بالحمد لله رب العالمين واذا قال غير المغضوب عليهم ولا الضالين قال آمين (عب) *عن أبان المحاربي ويقال العبدي كنت في الوفد فرأيت بياض ابطي رسول الله صلى الله عليه وسلم حين رفع يديه يستقبل بهما القبلة ابن شاهين وأبو نعيم في معرفة الصحابة وأبو بكر بن خلاد النصيبي في الجزء الثاني من فوائده *عن علي قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا قام الى الصلاة المكتوبة كبر ورفع يديه حذو منكبيه ويصنع ذلك اذا قضى قراءته وأراد أن يركع ويصنعه اذا رفع رأسه من الركوع ولا يرفع يديه في شئ من صلاته وهو قاعد واذا قام من السجدتين رفع يديه كذلك ثم كبر (حم ت) وقال حسن صحيح (حب هق) *عن خالد بن أبي عمران أن سالم بن عبد الله ونافعا حدثاه أن عمر بن الخطاب كان لا يكبر حتى يلتفت الى الصفوف وتعتدل فاذا اعتدلت كبر ثم قال سبحانك اللهم وبحمدك وتبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك ورافعا بها صوته وان أبا بكر الصديق رضي الله عنه كان يفعل ذلك (ص) *عن علي قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم حين كبر في الصلاة قال لا اله الا أنت سبحانك اني ظلمت نفسي فاغفر لي ذنوبي انه لا يغفر الذنوب الا أنت (ش ض) *عن علي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال وجهت وجهي للذي فطر السموات

---

اللهم أنتم من أحب الناس الي اللهم أنتم من أحب الناس الى اللهم أنتم من أحب الناس الي يعني الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا سليمان التيمي ثنا أنس قال عباس رجلان عند النبي صلى الله عليه وسلم فشمت أحدهما أو قال سمت أحدهما وترك الآخر فقيل هما رجلان عطست فشمت أو قال فسمت احدهما وتركت الآخر فقال ان هذا حمد الله عز وجل وان هذا لم يحمد الله قال سليمان أراه نحوا من هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا سليمان التيمي ثنا أنس بن مالك قال كانت أم سليم مع أزواج النبي صلى الله عليه وسلم وهو يسوق بهن سواق فقال له ما أنحشتر فيدك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا سليمان التيمي قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي فليتبوأ مقعده من النار فليتبوأ مقعده من النار حدثنا عبد الله حدثنا أبي هكذا مرتين وثنا به مرة أخرى فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يؤمن أحدكم حتى يحب لاخيه أو لجاره ما يحب لنفسه ولم يشك حجاج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر أنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الانصار كرشي وعيبتي وان الناس سيكثرون ويقلون فاقبلوا من محسنهم واعفوا عن مسيئهم وقال حجاج عن مسيئهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ولا أدري أشئ أنزل أو كان يقوله لوان لابن آدم واديين من مال لتمنى أو لابتغى واديا ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة قال سمعت أنسا قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول فلا أدري أشئ أنزل عليه فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة ثنا حجاج قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم أتي برجل قد شرب الخمر فجلده بجريدتين نحو الاربعين قال وفعله أبو بكر فلما كان عمر استشار الناس فقال عبد الرحمن بن عوف أخف الحدود ثمانون قال فأمر به عمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة و يزيد بن هارون أنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال الا أحدثكم حديثا سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحدثكم أحد بعدي سمعه منه ان من اشراط الساعة ان يرفع العلم ويظهر الجهل ويفشو الزنا ويشرب الخمر ويذهب الرجال ويبقى النساء حتى يكون لخمسين امرأة قيم واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال لاحدثنكم حديثا سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر مثله الا انه قال يذهب الرجال ويبقى النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد قال ثنا شعبة و يزيد قال أخبرنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله عز وجل ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان أحدكم في صلاة فانه يناجي ربه عز وجل فلا يبزقن قال حجاج ببصقن بين يديه ولا عن يمينه ولكن عن شماله وتحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثني

والارض حنيفا وما أنا من المشركين ان صلاتي ونسكي ومحياي ومماتي لله رب العالمين لا شريك له وبذلك أمرت وأنا من المسلمين اللهم أنت الملك لا اله الا أنت سبحانك وبحمدك أنت ربي وأنا عبدك ظلمت نفسي واعترفت بذنبي فاغفر لي ذنوبي جميعا لا يغفر الذنوب الا أنت واهدني لاحسن الاخلاق لا يهدي لاحسنها الا أنت واصرف عني سيئها لا يصرف عني سيئها الا أنت لبيك وسعديك والخير كله بيديك والمهدي من هديت أنا بك واليك تباركت وتعاليت أستغفرك وأتوب اليك قال وكان اذا ركع قال اللهم لك ركعت (١٧٧) وبك آمنت واليك أسلمت أنت ربي خشع سمعي وبصري ومخي وعظامي وما استقلت به قدمي لله رب العالمين (هق) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام الى الصلاة المكتوبة كبر ورفع يديه حذو منكبيه ويقول حين يفتتح الصلاة بعد التكبير وجهت وجهي للذي فطر السموات والارض حنيفا مسلما وما أنا من المشركين ان صلاتي ونسكي ومحياي ومماتي لله رب العالمين لا شريك له وبذلك أمرت وأنا أول المسلمين اللهم أنت الملك لا اله الا أنت سبحانك وبحمدك أنت ربي وأنا عبدك ظلمت نفسي واعترفت بذنبي فاغفر لي ذنوبي جميعا لا يغفر الذنوب الا أنت لبيك وسعديك أنا بك واليك لا منجا منك الا اليك أستغفرك ثم أتوب اليك (هق) أيضا كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا استفتح الصلاة قال لا اله الا أنت سبحانك ظلمت نفسي وعملت سوأ فاغفر لي انه لا يغفر الذنوب الا أنت وجهت وجهي للذي فطر السموات والارض حنيفا وما أنا من المشركين ان صلاتي ونسكي ومحياي ومماتي لله رب العالمين لا شريك له وبذلك أمرت وأنا من المسلمين (هق) * عن أبي سعيد كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام من الليل فاستفتح صلاته كبر ثم قال سبحانك اللهم وبحمدك وتبارك اسمك وتعالى جدك ولا اله غيرك ثم يهلل ثلاثا ويكبر ثلاثا ثم يقول أعوذ بالله السميع العليم من الشيطان الرجيم (عب) * عن معارف بن الشخير قال صليت أنا وعمران بن حصين مع علي فجهل يكبر اذا سجد واذا رفع رأسه فلما انفتل قال ان صلاتنا هذه مثل صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم (عب ق) * عن عبد الله بن عمر

حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان فلم أسمع أحدا منهم يقرأ بسم الله الرحمن الرحيم قال حجاج قال شعبة قال قتادة سألت أنسا بن مالك بأي شئ كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يبدأ بفتح القراءة فقال انك لتسألني عن شئ ما سألني عنه أحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث قال سمعت أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحب الدباء قال حجاج القرع قال فأتي بطعام أو دعي له قال أنس فجعلت أتتبعه فأضعه بين يديه لما أعلم انه يحبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه انبساط الكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك انه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سووا صفوفكم فان تسوية الصفوف من تمام الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يؤمن أحدكم حتى أكون أحب اليه من والده وولده والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يلعق أصابعه الثلاث اذا أكل وقال اذا وقعت لقمة أحدكم فليمط عنها الاذى وليأكلها ولا يدعها للشيطان وليسلت أحدكم الصحفة فانكم لا تدرون في أي طعامكم البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن عمرو بن عامر قال سمعت أنسا يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم يحتجم ولم يكن يظلم أحدا أجره. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن الزبير يعني ابن عدي قال شكونا الى أنس بن مالك ما نلقى من الحجاج فقال اصبروا فانه لا يأتي عليكم عام أو يوم الا الذي بعده شر منه حتى تلقوا ربكم عز وجل سمعته من نبيكم صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن محمد بن المنكدر وابراهيم بن ميسرة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الظهر بالمدينة أربعا وصلى العصر بذي الحليفة ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو وشاهشام عن أبي عبد الله سنبر الجدري عن قتادة عن أنس بن مالك ان ناسا أتوا المدينة فاجتووا المدينة فأمر لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بابل وراعيها وأمرهم ان يشربوا من أبوالها وألبانها قال ففعلوا الراعي واطردوا الابل فبعث النبي صلى الله عليه وسلم في طلبهم فجيء بهم فقطع أيديهم وأرجلهم وسمل أعينهم وطرحهم في الشمس حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو وشاهشام عن قتادة عن أنس قال سأل الناس رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى أحفوه بالمسألة فصعد المنبر ذات يوم فقال لا تسألوني عن شئ الا بينته لكم قال أنس فجعلت أنظر يمينا وشمالا فاذا كل انسان لاو رأسه في ثوبه يبكي قال وانشأ رجل كان اذا لاحى يدعى الى غير أبيه فقال يا رسول الله من أبي قال أبوك حذافة قال أبو عامر وأحسبه قال فقال رجل يا رسول الله في الجنة أو في النار قال في النار قال ثم أنشأ عمر فقال رضينا بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد نبيا نعوذ بالله من شر الفتن قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما رأيت في الخير والشر كاليوم قط انه صورت لي الجنة والنار حتى رأيتهما دون الحائط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا

اللبني عن أبيه عن جده قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه مع كل تكبيرة في الصلاة المكتوبة (خط) وقال غريب (كر) *عن أبي هريرة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام الى الصلاة يكبر حين يقوم ويكبر حين يركع ثم يقول سمع الله لمن حمده حين يرفع صلبه من الركعة ثم يقول وهو قائم ربنا ولك الحمد ثم يكبر حين يهوي ساجدا ثم يكبر حين يرفع رأسه ثم يكبر حين يسجد ثم يكبر حين يرفع رأسه ثم يفعل ذلك في الصلاة كلها حتى يقضيها ويكبر حين يقوم من الثنتين بعد الجلوس (عب خ م د ن) *عن معمر وعن قتادة قال جاء رجل الى ابن عباس فقال اني صليت مع فلان فكبر بنا اثنتين وعشرين تكبيرة كأنه يريد بذلك عيبه فقال ابن عباس ويحك تلك سنة أبي القاسم صلى الله عليه وسلم (عب) *عن ابن مسعود كان النبي صلى الله عليه وسلم يكبر في كل رفع ووضع وقيام وقعود وأبو بكر وعمر (ش) أيضا علمنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة فكبر ورفع يديه ثم ركع فطبق يديه بين ركبتيه (ش) *(القيام وما يتعلق به)* صل قائما فان لم تستطع فقاعدا فان لم تستطع فعلى جنب (حم خ ٤) عن عمران بن حصين *صل قائما الا أن تخاف الغرق (ك) عن ابن عمر *صلاة الرجل قاعدا نصف الصلاة ولكني لست كأحد منكم (م د ن) عن ابن عمرو *من صلى قائما فهو أفضل ومن صلى قاعدا فله نصف أجر القائم ومن صلى نائما فله نصف أجر القاعد (خ ت ن ه) عن عمران بن حصين * أفضل الصلاة طول القنوت (حم ت م ٥) عن جابر (طب) عن أبي موسى وعن عمرو بن عنبسة وعن عميرة بن قتادة الليثي *طول القنوت في الصلاة يخفف سكرات الموت (فر) عن أبي هريرة وكسروا *ان طول صلاة الرجل وقصر خطبته مئنة من فقهه فاطيلوا الصلاة واقصروا الخطبة وان من البيان سحرا (حم م) عن عمار بن ياسر * نهى عن الاختصار في الصلاة (حم د ت) عن أبي هريرة * الاختصار في الصلاة راحة أهل النار (هب هق) عن أبي هريرة *(الافعال)* عن علي قال ان من السنة في الصلاة المكتوبة اذا نهض الرجل في الركعتين الاوليين أن لا يعتمد على الارض الا أن يكون شيخا كبيرا لا يستطيع



عبد الملك بن نجيح وثنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال أتموا الركوع والسجود فوالله اني لأراكم من بعد ظهري اذا ما ركعتم واذا ما سجدتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك وعبد الصمد قالا ثنا هشام وعبد الوهاب قال أنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا عدوى ولا طيرة ويعجبني الفأل قال قيل يا نبي الله ما الفأل قال الكلمة الحسنة قال أبو عامر أو قال الكلمة الطيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام ثنا عبد الملك ثنا هشام عن قتادة عن أنس قال جاء رجل أو أعرابي الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله متى الساعة قال وما أعددت لها قال ما أعددت لها الا اني أحب الله ورسوله فقال أنت مع من أحببت قال أنس فما رأيت المسلمين فرحوا بشيء بعد الاسلام أشد مما فرحوا يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حرب بن ميمون أبو الخطاب الانصاري عن النضر بن أنس عن أنس قال حدثني نبي الله صلى الله عليه وسلم اني لقائم أنتظر أمتي تعبر على الصراط اذ جاءني عيسى فقال هذه الانبياء قد جاءتك يا محمد يشتكون أو قال يجتمعون الليل ويدعون الله عز وجل أن يفرق جمع الامم الى حيث يشاء الله لغم ما هم فيه والخلق ملجمون في العرق وأما المؤمن فهو عليه كالزكمة وأما الكافر فيغشاه الموت قال قال عيسى انتظر حتى أرجع اليك قال فذهب نبي الله صلى الله عليه وسلم حتى قام تحت العرش فلقي ما لم يلق ملك مصطفى ولا نبي مرسل فأوحى الله عز وجل الى جبريل اذهب الى محمد فقل له ارفع رأسك سل تعط واشفع تشفع قال فشفعت في أمتي أن أخرج من كل تسعة وتسعين انسانا واحدا قال فما زالت أتردد على ربي عز وجل فلا أقوم مقاما الا شفعت حتى أعطاني الله عز وجل من ذلك ان قال يا محمد ادخل من أمتك من خلق الله عز وجل من شهد أنه لا اله الا الله بولا واحدا مخلصا مؤمنا على ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حرب بن ميمون عن النضر بن أنس عن أنس قال قلت يا نبي الله صلى الله عليه وسلم أن يشفع لي يوم القيامة قال قال أنا فاعل بهم قال فأين أطلبك يوم القيامة يا نبي الله قال اطلبني أول ما تطلبني على الصراط قال قلت فاذا لم ألقك على الصراط قال فأنا عند الميزان قال قلت فان لم ألقك عند الميزان قال فأنا عند الحوض لا أخطئ هذه الثلاث مواطن يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن مختار بن فلفل قال سمعت أنسا قال قال رجل للنبي صلى الله عليه وسلم يا خير البرية قال فقال ذاك ابراهيم عليه السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سهل بن يوسف يعني السلمي عن حميد وزيد بن هرون أنا حميد عن أنس قال قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة ولاهل المدينة يومان يلعبون فيهما فقال قدمت عليكم ولكم يومان تلعبون فيهما فان الله قد أبدلكم يومين خيرا منهما يوم الفطر ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سهل بن يوسف عن حميد قال سئل أنس بن مالك هل خضب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ شيبه قال فقيل يا أبا حمزة وشيبه هو قال يقال كل شعرة كانت بيضاء منه خضب أبو بكر بالحناء والكتم وخضب عمر بالحناء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سهل أنا حميد عن أنس ان رجلا اطلع على النبي صلى الله عليه وسلم من خلل فسدد له رسول الله صلى الله عليه وسلم بمشقص فاخرج الرجل رأسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا سهل عن حميد وعبد الله بن بكر ثنا حميد عن ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين أملحين قال ابن بكر ان النبي صلى الله عليه وسلم ضحى بكبشين أملحين قال أبي اسناده جميعا عن ثابت عن أنس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سهل عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم ضحى يوم أحد

العدني (هق) وضعفه * عن أبي سعيد كنا نحزر قيام رسول الله صلى الله عليه وسلم في الظهر والعصر فحزرنا قيامه في الظهر في الركعتين الاولتين بقدر ثلاثين آية وحزرنا قيامه في الركعتين الاخيرتين على النصف من ذلك وحزرنا قيامه في الركعتين الاولتين في العصر على قدر أخريين من الظهر وحزرنا قيامه في الاخريين من العصر على النصف من ذلك (ش) * عن صبيح الحنفي قال صليت الى جنب ابن عمر فوضعت يدي على خاصرتي فلما صلى قال هذا الصلب في الصلاة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عنه * (س) عن (١٧٩) أبي عبيدة مر ابن مسعود برجل صاف بين قدميه فقال أما هذا فقد اخطأ السنة ولو راوح بينهما كان أحب الي (عب) * عن علي قال من السنة أن لا تعتمد بيديك حين تريد أن تقوم بعد القعود في الركعتين (عد هق) * عن أبي زياد مولى آل دراج قال ما رأيت فنسيت فاني لم أنس ان أبا بكر الصديق كان اذا قام في الصلاة قام هكذا وأخذ بكفه اليمنى على ذراعه اليسرى لازقا بالكوع مسدد * عن علي ان من السنة في الصلاة وضع الاكف على الاكف وفي لفظ وضع اليمين على الشمال تحت السرة العدني (د عم قط) وابن شاهين في السنة (هق) وضعفه * عن جرير الضبي قال رأيت عليا يمسك شماله بيمينه على الرسغ فوق السرة (د) * عن غزوان بن جرير عن أبيه انه كان شديد الملازم لعلي بن أبي طالب قال كان اذا قام الى الصلاة فكبر ضرب بيده اليمنى على رسغه اليسرى فلا يزال كذلك حتى يركع الا أن يحك جلدا أو يصلح ثوبه

وكسر وار باعيته فجعل يمسح الدم عن وجهه وهو يقول كيف يفلح قوم خضبوا وجه نبيهم بالدم وهو يدعوهم الى ربهم عز وجل فانزلت ليس لك من الامر شئ أو يتوب عليهم أو يعذبهم فانهم ظالمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد قال سئل أنس عن صوم رسول الله صلى الله عليه وسلم تتابعا قال كان يصوم حتى نقول لا يفطر ويفطر حتى نقول لا يصوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من الكسل والبخل وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال دخلت الجنة فرأيت قصرا من ذهب فقلت لمن هذا القصر قالوا لشاب من قريش فظننت اني أنا هو قالوا لعمر بن الخطاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس ان أبا موسى استحمل النبي صلى الله عليه وسلم فوافق منه شغلا قال والله لا أحملكم فلما قفى دعاه فقال حلفت لا تحملنا قال وأنا أحلف لا حملتكم فحملهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا حماد عن حميد قال سمعت أنسا أن أبا موسى قال استحملنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فحلف لا يحملنا ثم حملنا قالت يا رسول الله انك حلفت لا تحملنا قال بلى أنا أحلف لا أحلفكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد عن أنس ان جنازة مرت بالنبي صلى الله عليه وسلم فقيل لها خيرا وتنابعتها الالسن لها بالخير فقال النبي صلى الله عليه وسلم وجبت ثم مرت جنازة أخرى فقالوا لها شرا وتنابعت الالسن لها بالشر فقال النبي صلى الله عليه وسلم وجبت أنتم شهداء الله في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن سفيان قال حدثني الزبير بن عدي قال أتينا أنس بن مالك نشكو اليه الحجاج فقال لا يأتي عليكم يوم أو زمان الا الذي بعده شر منه سمعته من نبيكم صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شريك عن عبد الله بن عيسى عن ابن جبر ابن عتيك عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يجزئ في الوضوء رطلان من ماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه انبساط السبع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أقيموا صفوفكم فان من حسن الصلاة اقامة الصف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسود بن عامر ثنا شاذان ثنا شريك عن عبد الله بن عيسى عن عبد الله بن جبير عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يتوضأ بانا يكون رطلين ويغتسل بالصاع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا العمري عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى على حصير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وخلف أبي بكر وعمر وعثمان وكانوا لا يجهرون ببسم الله الرحمن الرحيم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع حدثني سفيان عن السدي عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان ينصرف عن يمينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سلمة بن وردان قال سمعت أنس بن مالك يقول خطب رسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن عبد الرحمن بن الاصم قال سمعت أنس بن مالك

فاذا سلم سلم عن يمينه سلام عليكم ثم يلتفت عن شماله فيحرك شفتيه فلا ندري ما يقول ثم يقول لا اله الا الله وحده لا شريك له لا حول ولا قوة الا بالله لا نعبد الا اياه ثم يقبل على القوم بوجهه ولا يبالي عن يمينه انصرف أو عن شماله أبو الحسن بن بشران في فوائده (هق) وحسنه * عن يوسف بن سيف العيسي عن الحرث بن غطيف أو غطيف بن الحرث الكندي قال بهما نسيت لم أنس اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وضع يده اليمنى على اليسرى في الصلاة (ش خ) في تاريخه وأبو نعيم (كر) * عن وائل رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم حين كبر أخذ

شماله بيمينه (ش) * (القراءة وما يتعلق بها) * اخرج فناد في المدينة انه لا صلاة الا بقرآن ولو بفاتحة الكتاب فما زاد (د) عن أبي هريرة * لا صلاة لمن لم يقرأ بام القرآن فصاعدا (م د ن) عن عبادة بن الصامت * لا صلاة لمن لم يقرأ بفاتحة الكتاب (حم ق ٤) عن عبادة * اذ قرأتم الحمد فاقرؤا بسم الله الرحمن الرحيم انها أم القرآن وأم الكتاب والسبع المثاني وبسم الله الرحمن الرحيم احدى آياتها (قط هق) عن أبي هريرة * من صلى صلاة لا يقرأ فيها بام القرآن (١٨٠) فهي خداج فهي خداج فهي خداج غير تمام (حم م ٤) عن أبي هريرة * أتريد أن تكون فتانا يا معاذ اذا صليت بالناس فاقرأ بالشمس وضحاها والاعلى والليل اذا يغشى واقرأ باسم ربك (ه) عن جابر * صل بالشمس وضحاها ونحوها من السور (حم) عن بريدة * ان المصلي يناجي ربه فلينظر ربما يناجيه ولا يجهر بعضكم على بعض بالقرآن (طس) عن أبي هريرة * اذا كان أحدكم في صلاته فانه يناجي ربه فلينظر أحدكم ما يقول في صلاته ولا ترفعوا أصواتكم فتؤذوا المؤمنين البغوي عن رجل من بني رياشة * (الاكمال) * أتاني جبريل فعلمني الصلاة فقرأ بسم الله الرحمن الرحيم فجهر بها ابن النجار عن أبي هريرة * اذا قمت في الصلاة فقل بسم الله الرحمن الرحيم الحمد لله رب العالمين حتى تختمها قل هو الله أحد الى آخرها (قط) عن داود ابن محمد بن عبد الملك بن حبيب بن تمام بن حسين ابن عرفطة عن أبيه عن جده عن أبيه عن جده حسين بن عرفطة * أفلا ترمونهم بالبعر (طب) عن أبي أيوب قال قيل يا رسول الله ان ههنا قوما يجهرون بالقراءة في صلاة النهار قال فذكره * من صلى مكتوبة أو سبحة فليقرأ بام القرآن وقرآن معها فان انتهى الى أم القرآن أجزأت عنه ومن كان مع الامام فليقرأ قبله واذا سكت فمن صلى صلاة لم يقرأ فيها فهي خداج ثلاثا عبد الرزاق عن ابن عمر وحسن * لا تجزئ المكتوبة الا بفاتحة الكتاب وثلاث آيات فصاعدا (عد) عن ابن عمر * لا صلاة لمن لم يقرأ بفاتحة الكتاب وآيتين من القرآن معها (طب) عن عبادة * اذا استجمع القرآن على لسان أحدكم وهو يصلي فليقعد (م) عن

---

يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر وعثمان لا ينقصون التكبير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك قال انما قمت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا يدعو بعد الركوع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن أبي التياح الضبعي عن أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول وهو يناول أصحابه وهم ينقلون المسجد الا ان العيش عيش الآخرة فاغفر للانصار والمهاجرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وابن جعفر قالا حدثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال كان بالمدينة فزع فاستعار النبي صلى الله عليه وسلم فرسا لابي طلحة يقال له مندوب فركبه ثم جاء فقال ما رأينا من فزع وان وجدنا لبحرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مالك بن أنس عن الزهري عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل مكة عام الفتح وعليه مغفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الحكم بن عطية عن أبي المخيس البشكري قال سمعت أنس بن مالك يقول قيل يا رسول الله قد استشهد مولانا فلان قال كلا اني رأيت عليه بعباءة غلها يوم كذا وكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن السدي عن يحيى بن عباد عن أنس ان أبا طلحة سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن ايتام في حجره ورثوا خمرا أن يجعلها خلا فكره ذلك وقال وكيع مرة أفلا يجعلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعزر في الخمر بالنعال والجريد قال ثم ضرب أبو بكر أربعين فلما كان زمن عمر ودنا الناس من الريف والقرى استشار في ذلك الناس وفشا ذلك في الناس فقال عبد الرحمن بن عوف أرى أن تجعله كأخف الحدود فضرب عمر ثمانين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد بن جدعان عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مررت ليلة أسري بي على قوم تقرض شفاههم بمقاريض من نار قلت ما هؤلاء قال هؤلاء خطباء أمتك من أهل الدنيا كانوا يأمرون الناس بالبر وينسون أنفسهم وهم يتلون الكتاب أفلا يعقلون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم منهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وابن جعفر يعني غندرا قالا ثنا شعبة عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أتي بلحم تصدق به على بريرة فقال هو لها صدقة وهو لنا هدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا أبو العميس عن أبي طلحة الاسدي قال سمعت أنسا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مصعب بن سليم قال سمعت أنس مالك يقول يعني النبي صلى الله عليه وسلم في حاجة فجئت وهو يأكل تمرا وهو مقع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن همام عن قتادة عن أنس أن خياطا دعا النبي صلى الله عليه وسلم الى طعام فأتاه بطعام وقد جعله باهالة سخنة وقرع فرأيت النبي صلى الله عليه وسلم يتتبع القرع من الصحفة قال أنس فما زلت يعجبني القرع منذ رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يحبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن هشام بن زيد قال سمعت أنسا قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صبر البهيمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال رخص للزبير بن العوام وعبد الرحمن بن عوف في لبس الحرير لحكة كانت بهما قال شعبة وقال رخص لهما رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن قتادة قرأت عن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة المعنى عن

أبي هريرة * يا ابن حذافة لا أسمعني والله ابن سعد وابن نصر (طب) وابن عساكر عن الزهري عن أبي سلمة ان عبد الله بن حذافة قام يصلي فجهر بالقراءة قال فذكره (حم هق) عنه عن أبي هريرة * (الافعال) * عن عبد الله بن حكيم قال صليت خلف أبي بكر المغرب فلما قعد في الركعة الثانية كأنما كان على الجمر حتى قام فقرأ الفاتحة ثم قال ربنا لا تزغ قلوبنا بعد اذ هديتنا وهب لنا من لدنك رحمة انك أنت الوهاب (هب) * عن قتادة عن أنس قال صليت خلف أبي بكر الصبح فاستفتح بآل عمران فقام اليه (١٨١) عمر فقال يغفر الله لك لقد كادت الشمس تطلع قبل أن تسلم فقال لو طلعت لالفتنا غير غافلين (حب) والطحاوي * عن السائب بن يزيد قال صليت خلف عمر الصبح فقرأ بالبقرة فلما انصرفوا استعرفوا الشمس فقال لو طلعت لم تجدنا غافلين الطحاوي (هق) * عن أبي وائل قال كان عمر وعلي لا يجهران ببسم الله الرحمن الرحيم ولا بالتعوذ ولا بآمين ابن زبر والطحاوي وابن شاهين في السنة * عن عمرو بن ميمون قال صليت مع عمر بذي الحليفة صلاة الفجر فقرأ بقل يا أيها الكافرون وبالله الواحد الصمد وهكذا هي في قراءة ابن مسعود (هق) وابن الانباري في المصاحف والبغوي في الجعديات * عن خوشة بن الحر قال كان عمر يغلس بالفجر ويخمر ويقرأ بسورة يوسف ويونس ومن قصار المئين والمفصل ابن أبي داود في المصاحف * عن عبد الله ابن عامر قال صلينا وراء عمر الصبح فقرأ فيها بسورة يوسف وسورة الحج قراءة بطيئة مالك (عب هق) * عن عبد الرحمن بن حاطب قال صليت خلف عمر بن الخطاب العتمة فقرأ بنا آل عمران في الركعتين فوالله ما أنسى قراءته الم الله لا اله الا هو الحي القيوم (هب) * عن سليمان ابن عتيق أن عمر بن الخطاب قرأ في الصبح بسورة آل عمران (عب) * عن ربيعة بن عبد الله بن الهدير قال كان عمر يقرأ في الفجر بيوسف ثم قرأ في الثانية بالنجم فسجد فقام فقرأ اذا زلزلت (عب) * عن عمر ان أبا بكر صلى الصبح فقرأ بالبقرة في الركعتين كليهما مالك (عب هق) * عن أبي المنهال سيار بن سلامة ان عمر بن الخطاب سقط عليه رجل من المهاجرين وعمر يسجد في الأولى يقرأ فاتحة الكتاب لا يزيد عليها

أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أراد أن يكتب كتابا الى الروم فقيل له انهم لا يقبلون كتابا الا مختوما فلم يقرأه كتابك فاتخذ خاتما من ورق ونقش فيه محمد رسول الله فكأني أنظر الى بياضه في كفه قال أبو عبد الرحمن قرأت على أبي هذا الحديث وجده فاقر به وجد ثنا بعضه في مكان آخر قال ثنا موسى بن هلال العبدي ثنا هماد عن ابن سيرين عن أنس ابن مالك قال تزوج أبو طلحة أم سليم وهي أم أنس وأبيراه قال فولدت له بنيا قال فكان يحبه حبا شديدا قال فمرض الغلام مرضا شديدا فكان أبو طلحة يقوم صلاة الغداة يتوضأ ويأتي النبي صلى الله عليه وسلم فيصلي معه ويكون معه الى قريب من نصف النهار ويجيء فيقيل ويأكل فاذا صلى الظهر تهيأ وذهب فلم يجيء الى صلاة العتمة قال فراح عشية من الصبي قال وجاء أبو طلحة قال نسحت عليه ثوبا وتركته قال فقال لها أبو طلحة يا أم سليم كيف بنيان الليلة قالت يا أبا طلحة ما كان ابنك منذ اشتكى أسكن منه الليلة قال ثم جاءته بالطعام فأكل وطابت نفسه قال فقام الى فراشه فوضع رأسه قالت وقت أنه فسست شيئا من طيب ثم جئت حتى دخلت معه الفراش فهو الان وجد ريح الطيب كان منه ما يكون من الرجل الى أهله قال ثم أصبح أبو طلحة مغتسلا فلما كان يتهيأ كل يوم قال فقالت له يا أبا طلحة أرأيت لو ان رجلا استودع عندك وديعة فأمنته عليها ثم طلبها فأخذها منك تحزن من ذلك قال لا قالت فان ابنك قد مات قال أنس فجزع عليه جزعا شديدا ثم حدث رسول الله صلى الله عليه وسلم بما كان من أمرهما في الطعام والطيب وما كان منه اليها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فيهما اعرسا الليلة قال نعم يا رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم بارك الله لهما في ليلتهما قال فحملت ثم سليم تلك الليلة قال فولد غلاما فقال لي أبو طلحة احمله حتى تأتي به رسول الله صلى الله عليه وسلم واحمل معك تمرات قال فحملته في خرقة قال ولم يحنكه ولم يذق طعاما ولا شيئا قال فقلت يا رسول الله ولدت أم سليم قال الله أكبر ما ولدت قلت غلاما قال الحمد لله فقال هاته الى فرفعته اليه فحنكه رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال له معك تمر قال له نعم فأخرجت تمرات فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم تمرة وألقاها في فيه فمضغها ثم أزال رسول الله صلى الله عليه وسلم بلعابها حتى اختلطت بريقه ثم دفع الصبي فيما هو الان وجد الصبي حلاوة التمر فجعل يمص بعض حلاوة التمر وبريق رسول الله صلى الله عليه وسلم فكان أول من فتح أمعاء ذلك الصبي على ريق رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حب الانصار التمر فسمى عبد الله بن أبي طلحة قال فخرج منه رجل كثير قال واستشهد عبد الله بفارس * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا هشام بن أبي عبد الله ثنا شعيب بن الحبحاب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أعتق صفية وجعل عتقها صداقها أو مهرها قال يحيى أو أصدقها عتقها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا ابن أبي عروبة عن قتادة ان أنسا حدثهم قال لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه في شيء من دعائه وقال يحيى مرة من الدعاء الا في الاستسقاء فانه كان يرفع يديه حتى يرى بياض ابطيه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لرجل أسلم قال انى أجدني كارها قال وان كنت كارها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا حميد عن أنس قال كنت أسقي أبا عبيدة بن الجراح وأبي بن كعب وسهيل بن بيضاء ونفرا من أصحابه عند أبي طلحة وأنا أسقيهم حتى كاد الشراب ان يأخذ فيهم فأتى آت من المسلمين فقال أوما شعرتم ان الخمر قد حرمت فقالوا حتى ننظر ونسأل فقالوا يا أنس اكفف ما بقي في انائك قال فوالله ما عادوا فيها وما هي الا التمر والبسر وهي خمرهم

ويكبر ويسجد فلما أصبح الرجل ذكر ذلك لعمر فقال عمر لامك الويل أليست تلك صلاة الملائكة أبو عبيدة في فضائله وله حكم
المرفوع * عن عمرو بن ميمون قال صلى بنا عمر بن الخطاب صلاة المغرب فقرأ في الركعة الاولى بالتين والزيتون وفي الركعة الاخرى ألم تر كيف
والايلاف فرأيته جميعا (عب) وابن الانباري في المصاحف * عن عروة عن زيد بن ثابت أو أبي أيوب ان النبي صلى الله عليه وسلم قرأ في المغرب
بالاعراف في الركعتين جميعا (ش) (١٨٢) * عن صفية بنت أبي عبيد أن عمر قرأ في صلاة الفجر بالكهف أو يوسف وهو مقرد في يوسف

يومئذ حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا يحيى عن حميد قال سمعت أنسا قال سمعت رسول الله صلى الله
عليه وسلم يقول لبيك بعمرة وحج حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة ثنا قتادة عن أنس ان
رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الشرب قائما قلت فالاكل قال ذاك أشد حدثنا عبد الله حدثني
أبي ثنا يحيى عن حميد ويزيد أنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقدم عليكم أقوام أرق
منكم أفئدة فقدم الاشعريون فيهم أبو موسى فجعلوا يقدمون المدينة يرتجزون غدا نلقى الاحبه محمدا
وحزبه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد عن أنس قال سمع المسلمون ببدر وهو
ينادي يعني النبي صلى الله عليه وسلم يا أبا جهل بن هشام يا شيبة بن ربيعة يا عتبة بن ربيعة يا أمية بن خلف
هل وجدتم ما وعد ربكم حقا فاني وجدت ما وعدني ربي حقا فقالوا كيف تكلم قوما قد جيفوا أولا
يستطيعون ان يجيبوا قال ما أنتم بأسمع لما أقول منهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن
أنس قال لما رجعنا من غزوة تبوك قال عليه الصلاة والسلام ان بالمدينة أقواما ما قطعتم واديا ولا سرتم مسيرا
الا شركوكم فيه قالوا وهم بالمدينة قال حبسهم العذر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد
عن أنس قال سئل النبي صلى الله عليه وسلم عن وقت صلاة الصبح فصلى حين طلع الفجر ثم صلى الغداة بعد
ما سفر ثم قال أين السائل عن وقت صلاة الصبح ما بين هذين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن
حميد عن أنس ان بني سلمة أرادوا ان يتحولوا من ديارهم الى قرب المسجد فكره رسول الله صلى الله عليه وسلم
ان يعرى المسجد فقال يا بني سلمة لا تحتسبون آثاركم فاقاموا قال أبي الخطأ فيه يحيى بن سعيد وانما هو أن
يعروا المدينة فقال يحيى المسجد وضرب عليه أبي ههنا وقد حدثنا به في كتاب يحيى بن سعيد حدثنا عبد الله
حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم سمع بكاء صبي في الصلاة فخفف فظننا أنه
خفف من أجل أمه رحمة للصبي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس قال ما رأيت أحدا
أتم صلاة من النبي صلى الله عليه وسلم ولا أوجز حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا أشعث عن الحسن
عن أنس نحوه مثله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد قال سئل أنس هل اتخذ النبي
صلى الله عليه وسلم خاتما قال نعم اخر العشاء ليلة الى شطر الليل فقال ان الناس قد صلوا ورقدوا وانكم لم تزالوا
في صلاة ما انتظرتموها فكاني أنظر الى وبيص خاتمه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن أنس
قال أقيمت الصلاة ورسول الله صلى الله عليه وسلم نجي لرجل حتى نعس أو كلمة ينعس بعض القوم حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد قال سئل أنس عن صلاة النبي صلى الله عليه وسلم بالليل فقال
ما كنا شاء ان نراه مصليا الا رأيناه ولا نائما الا رأيناه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن
حميد قال سئل أنس بن مالك عن كسب الحجام قال احتجم رسول الله صلى الله عليه وسلم حجمه أبو طيبة فامر له
بصاع من شعير وكلم مواليه ان يخففوا عنه من ضريبته وقال أمثل ما تداويتم به الحجامة والقسط البحري
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أقبل على
أصحابه فقال أقيموا صفوفكم وتراصوا فاني أراكم من بعد ظهري حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن
سعيد قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أراد ان يكتب لناس من الانصار الى
البحرين فقالوا لا الا ان تكتب لاخواننا من المهاجرين مثلها فعاهم فابوا قال اما انكم ستيرون بعدي أثرة

فلما تردد رجع الى أول
السورة فقرأ ثم مضى فيها
كلها (عب) * عن ابن
عباس كان النبي صلى الله
عليه وسلم يقرأ يوم الجمعة في
الفجر بتنزيل السجدة وهل
أتى على الانسان (عب)
* عن علي أن رجلا جاءه
فقال اني صليت ولم أقرأ
فقال أتممت الركوع
والسجود قال نعم قال تمت
صلاتك ثم قال ما كل أحد
يحسن القراءة (عب) * عن
علي قال لا تقرأ وأنت راكع
ولا أنت ساجد (عب)
* عن أسامة رضي الله عنه
ان النبي صلى الله عليه وسلم
كان يقرأ في الفجر اذا الشمس
كورت (قط) في الافراد
وقال تفرد به الواقدي عن
ابن أخي الزهري * عن
الاغر بن يسار أن النبي
صلى الله عليه وسلم قرأ في
الصبح بالروم البزار (طب)
وأبو نعيم * عن جابر بن
سمرة كان رسول الله صلى
الله عليه وسلم يقرأ في الفجر
بقاف والقرآن المجيد ونحوها
(ش) * أيضا كان رسول
الله صلى الله عليه وسلم يقرأ
في الظهر بسبح اسم ربك
الاعلى وفي الصبح أطول
من ذلك (ش) * أيضا كان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقرأ في الظهر والعصر بالسماء والطارق والسماء ذات
البروج (ش) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الصلاة كنحو من صلاتكم التي تصلون اليوم ولكنه كان يخفف كانت
صلاته أخف من صلاتكم كان يقرأ في الفجر الواقعة ونحوها من السور (عب) * عن عمر قال لا تبغضوا الله الى عباده يكون أحدكم اماما
فيطول عليهم حتى يبغض اليهم ما هم فيه ويكون أحدكم قاضيا فيطول عليهم حتى يبغض اليهم ما هم فيه (ش) والصابوني في المائتين (هب)

فاصبروا

عن عمرو بن حريث ان النبي صلى الله عليه وسلم قرأ في الفجر والليل اذا عسعس (عب ش م ن) * عن البراء بن عازب سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ في صلاة العشاء والتين والزيتون في السفر (عب ش) * أيضا صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الصبح فقرأ بأقصر سورتين في القرآن فلما فرغ أقبل علينا بوجهه فقال انما عجلت لتفرغ أم الصبي الى صبيها ابن أبي داود في المصاحف وسنده صحيح * عن قطبة قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقرأ في الركعة الاولى من صلاة الغداة والقرآن المجيد حتى قرأ والنخل باسقات لها طلع نضيد



(عب ش م ت ن ه) * عن أبي معمر قال قلنا لخباب بأي شئ كنتم تعرفون قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم في الظهر والعصر قال باضطراب لحيته (عب ش) وأبو نعيم * عن ابن عباس انه سئل كان النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ في الظهر والعصر فقال لا فقال لعله كان يقرأ سرا فيما بينه وبين نفسه فقال هذه شر من الاولى كان رسول الله صلى الله عليه وسلم عبدا مأمورا بلغ ما أرسل به وما اختصنا بشئ دون الناس ليس ثلاثا أمرنا أن نسبغ الوضوء ولا أن لا نأكل الصدقة ولا ننزي حمارا على فرس ابن جرير * عن أبي امامة قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ في ركعتي الفجر في الاولى بالحمد وقل يا أيها الكافرون وفي الثانية بالحمد وقل هو الله أحد لا يتعداهن أبو محمد المسمعودي في فضائل قل هو الله أحد وفي سنده ضعف * عن أبي امامة قال قائل يا رسول الله في كل صلاة قراءة قال نعم ذلك واجب (عد هق) في كتاب القراءة

فاصبروا حتى تلقوني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن التيمي عن أنس قال ذكر لي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ولم أسمعه منه ان فيكم قوما يعبدون ويديمون حتى يعجب بهم الناس وتعجبهم نفوسهم يمرقون من الدين مروق السهم من الرمية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا هشام ثنا قتادة عن أنس ابن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يفتتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى قال ثنا التيمي عن أنس قال كنت قائما على الحي أسقيهم من فضيخ تمر قال فجاء رجل فقال ان الخمر قد حرمت قالوا كفئها يا أنس فاكفأتها قلت ما كان شرابهم قال البسر والرطب وقال أبو بكر بن أنس كفئت خمرهم يومئذ وأنس يسمع فلم ينكره وقال بعض من كان معنا قال أنس كانت خمرهم يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن حميد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر برجل وهو يهادى بين ابنيه قالوا نذر أن يمشي قال ان الله عز وجل لغني عن تعذيب هذا نفسه فأمره أن يركب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن هشام ثنا قتادة وكيع ثنا هشام عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال النفل في المسجد خطيئة وكفارته هوان لوليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا هشام مثله وقال كفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مسعر عن بكير بن الاخنس قال سمعت أنس بن مالك يقول مر على النبي صلى الله عليه وسلم بهدية أو بدنة فقال اركبها فقال يا رسول الله انها هدية أو بدنة قال وان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ذبح قبل وكبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن قتادة وابن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين أقرنين أملحين قال قيل ورأيته يذبحهما بيده قال ورأيته واضعا قدمه على صفاحهما قال وسمى وكبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا همام بن يحيى عن قتادة عن أنس بن مالك أن يهوديا رضخ رأس امرأة بين حجرين فقتلها فرضخ رسول الله صلى الله عليه وسلم رأسه بين حجرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن حبيب عن قيس عن ثابت عن أنس قال مر علينا النبي صلى الله عليه وسلم ونحن نلعب فقال السلام عليكم يا صبيان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا يزيد بن أبي صالح وكان دباغا وكان حسن الهيئة عنده أربعة أحاديث قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يدخل ناس الجنة حتى اذا كانوا حمما أخرجوا فادخلوا الجنة فيقول أهل الجنة هؤلاء الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن ابن أبي ليلى عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لبيك بحجة وعمرة معا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مصعب بن سليم قال سمعت أنسا يقول أهل النبي صلى الله عليه وسلم بحجة وعمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن سهيل بن أبي الاسد عن بكير الجزري عن أنس قال كنا في بيت رجل من الانصار فجاء النبي صلى الله عليه وسلم حتى وقف فأخذ بعضادة الباب فقال الائمة من قريش ولهم عليكم حق ولكم مثل ذلك ما اذا استرحموا رحموا واذا حكموا عدلوا واذا عاهدوا وفوا فمن لم يفعل ذلك منهم فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عمن سمع أنسا يقول مر رسول الله صلى الله عليه وسلم بسعد وهو يدعو باصبعين فقال أحد يا سعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا حماد بن سلمة عن هشام عن أنس بن

* عن زيد بن ثابت كان النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ في صلاة المغرب بطول الطولين (عب خ د ن) * عن أبي عبد الله الصنابحي انه قدم المدينة في خلافة أبي بكر الصديق فصلى وراء أبي بكر المغرب فقرأ أبو بكر في الركعتين الاولتين أم القرآن وسورة من قصار المفصل ثم قرأ في الركعة الثالثة بأم القرآن وبهذه الآية ربنا لا تزغ قلوبنا بعد اذ هديتنا وهب لنا من لدنك رحمة انك أنت الوهاب (عب) * عن أنس ان أبا بكر قرأ في يوم عيد بالبقرة حتى رأينا الشيخ يميد من طول القيام (ش) * عن أبي أيوب ان النبي صلى الله عليه وسلم قرأ في الذبح تبارك الذي بيده الملك أبو نعيم

* عن أبي قتادة ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقرأ في الركعتين الاولتين بفاتحة الكتاب وسورة والاخريين بفاتحة الكتاب (ش) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي بنا الظهر وربما أسمعنا الآية وكان يطول الركعة الاولى من صلاة الفجر ويطول الركعة الاولى من صلاة الظهر فظننا انه يريد بذلك أن يدرك الناس الركعة الاولى (عب) * عن أبي هريرة قال يجزئ في الصلاة بفاتحة الكتاب وان زاد فهو أفضل (هق) في الصلاة * عن ابن عباس قال (١٨٤) لا تصل صلاة الا قرأت فيها من القرآن فان لم تقرأ فاتحة الكتاب (هق) في كتاب القراءة

* عن عبد الله بن شقيق العقيلي قال قلت لعائشة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجمع بين السورتين في ركعة قالت نعم المفصل (ش) * عن معبد بن خالد قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم بالسبع الطوال في ركعة (ش) * عن الحسن قال كان سمرة بن جندب يؤم الناس فكان يسكت سكتتين اذا كبر للصلاة واذا فرغ من قراءة أم القرآن فعاب عليه الناس فكتب الى أبي بن كعب في ذلك ان الناس عابوا علي واعلي نسيت وحفظوا أو حفظت ونسوا فكتب اليه أبي بل حفظت ونسوا (عب) * عن أم الفضل زوجة العباس بن عبد المطلب قالت ان آخر ما سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقرأ في المغرب والمرسلات (عب) * عن علي قال لا يقرأ الرجل وهو راكع أو ساجد ابن جرير * عن مالك بن دينار عن أنس قال صليت خلف النبي صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان فكانوا يفتتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين ويقرؤن مالك يوم الدين (كر) وسنده ضعيف * عن أنس بن سيرين عن عمر بن الخطاب انه كان يقرأ بالمعوذتين في الوتر (ش) الا

* عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يوتر بتسع سور من المفصل يقرأ في الركعة الاولى الهاكم التكاثر وانا أنزلناه في ليلة القدر واذا زلزلت الارض وفي الركعة الثانية والعصر واذا جاء نصر الله والفتح وانا أعطيناك الكوثر وفي الركعة الثالثة قل يا أيها الكافرون وتبت يدا أبي لهب وقل هو الله أحد (حم ت ع) ومحمد بن نصر والطحاوي والدورقي (طب) * عن علي قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يوتر باذا زلزلت

مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان قامت على أحدكم القيامة وفي يده فسلة فليغرسها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال قال شعبة سمعت ثابتا عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم رفع يديه حتى رؤي بياض ابطيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن خالد الحذاء عن أبي قلابة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ارحم أمتي أبو بكر وأشدها في دين الله عمر وأصدقها حياء عثمان واعلمها بالحلال والحرام معاذ بن جبل واقرؤها لكتاب الله أبي واعلمها بالفرائض زيد بن ثابت ولكل أمة أمين وأمين هذه الامة أبو عبيدة بن الجراح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن همام عن قتادة قال قلت لانس أي اللباس كان أحب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الحبرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن القاسم بن شعيب عن أبي بحر عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عجبت للمؤمن ان الله لا يقضي للمؤمن قضاء الا كان خيرا له أبو بحر اسمه نعلبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن المختار بن فلفل قال سمعت أنس بن مالك قال قال رجل للنبي صلى الله عليه وسلم يا خير البرية فقال ذاك ابراهيم عليه السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن المختار بن فلفل عن أنس قال قال رجل للنبي صلى الله عليه وسلم يا خير البرية قال ذاك ابراهيم أبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا المثنى بن سعيد عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رقد أحدكم عن الصلاة أو غفل عنها فليصلها اذا ذكرها فان الله عز وجل يقول أقم الصلاة لذكري قال وكان النبي صلى الله عليه وسلم اذا غزا قال اللهم انت عضدي وانت نصيري وبك أقاتل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا شعبة عن أنس بن سيرين قال سمعت أنس رضي الله عنه يقول ان النبي صلى الله عليه وسلم نضح له حصير فصلى عليه قال فقال له رجل رأيته يصلي الضحى قال لم أره الا ذلك اليوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد بن سلمة عن أنس بن سيرين عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا بعد الركوع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن منصور عن ربعي عن أبي الابيض عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي العصر والشمس بيضاء حية فارجع الى أهلي وهي في ناحية المدينة فاقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد صلى فقوموا فصلوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن حماد عن قتادة عن أنس قال ان كان النبي صلى الله عليه وسلم ليصيب التمرة فيقول لولا اني أخشى انها من الصدقة لاكلتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى في بيت أم حرام على بساط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن عبد الرحمن بن أبي ليلى قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم حبلا ممدودا بين ساريتين فقال ان هذا قالوا لحمنة بنت جحش فاذا اعجزت تعلقت به فقال لتصل ما طاقت فاذا اعجزت فلتقعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد عن حميد عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة أنا أنس بن سليم قال سمعت أنس بن مالك قال كان من الانصار ضخم لا يستطيع ان يصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم فقال للنبي صلى الله عليه وسلم اني لا أستطيع ان أصلي معك فصنع له طعاما ودعا النبي صلى الله عليه وسلم وبسط له حصيرا ونضحه فصلى عليه ركعتين فقال له رجل من آل الجارود أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى قال ما رأيته صلاها

والعاديات والهاكم وتبت وقل هو الله أحد (حل) *عن علي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يوتر بثلاث يقرأ في الاولى بالاعلى وقل هو الله أحد وفي الثانية بالحمد وقل هو الله أحد وفي الثالثة بالحمد وقل هو الله أحد وقل أعوذ برب الفلق وقل أعوذ برب الناس أبو محمد السمرقندي في فضائل قل هو الله أحد *عن أبي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرأ في الوتر سبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد فاذا سلم قال سبحان الملك القدوس ثلاث مرات يرفع بالثالثة صوته (حب قط لض) وابن (١٨٥) الجارود *أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل للذين كفروا والله الواحد الصمد (د ن ه) *عن أبي سهل ابن مالك ان عمر بن الخطاب كان يجهر بالقراءة وان قراءته كانت تسمع عند دار أبي جهم بالبلاط مالك *عن علي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجهر ببسم الله الرحمن الرحيم في السور تين جميعا (قط) * عن علي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرأ ببسم الله الرحمن الرحيم في صلاته (قط) *عن أبي هريرة قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا قام من الليل يخفض طورا ويرفع طورا (ش) *عن أم هانئ كنت أسمع قراءة النبي صلى الله عليه وسلم وأنا على عريشي (ش) *عن موسى ابن أبي حبيب عن الحاكم ابن عمير وكان بدريا قال صليت خلف النبي صلى الله عليه وسلم فجهر في الصلاة ببسم الله الرحمن الرحيم في صلاة الليل وفي صلاة الغداة وصلاة الجمعة أبو نعيم * عن عبد الله بن أبي بكر بن حفص بن عمر بن سعد أن

الاومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا بهز بن أسد ثنا حماد أنا ثمامة بن عبد الله بن أنس عن أنس ابن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جاءه أصحابه ذات ليلة فخرج فصلى بهم فخفف ثم دخل بيته فاطال ثم خرج فصلى بهم فخفف ثم دخل بيته فاطال فلما أصبح قالوا يا رسول الله صليت فجعلت تطيل اذا دخلت وتخفف اذا خرجت قال من أجلكم ما فعلت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن همام وبهز ثنا همام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لابي ان الله أمرني ان أقرأ عليك قال آلله سماني لك قال الله سماك لي قال بهز في حديثه فجعل يبكي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن ربيعة قال سمعت أنس بن مالك يقول لما كان في رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم ولحيته عشرون شعرة بيضاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا شعبة عن عتاب قال سمعت أنس بن مالك قال بايعت النبي صلى الله عليه وسلم على السمع والطاعة فيما استطعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن حماد بن زيد عن ثابت عن أنس وأبو كامل ثنا حماد بن زيد ثنا ثابت عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم أحسن الناس وأشجع الناس وأجود الناس كان فزع بالمدينة فخرج الناس قبل الصوت فاستقبلهم رسول الله صلى الله عليه وسلم قد سبقهم فاستبرأ الفزع على فرس لابي طلحة عري ما عليه سرج في عنقه السيف فقال لم تراعوا وقال للفرس وجدناه بحرا أو انه لبحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا هشام عن أبي عاصم عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يتنفس في الاناء ثلاثا ويقول هو أهنأ وأمرأ وأبرأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا عزرة بن ثابت الانصاري عن ثمامة بن عبد الله بن أنس ان أنسا كان يتنفس في الاناء مرتين أو ثلاثا قال وزعم أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يتنفس في الاناء ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن سفيان عن معمر عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في غسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في ليلة واحدة في غسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا سليم ابن حيان قال سمعت مروان الاصغر يحدث عن أنس ان عليا قدم من اليمن فقال له النبي صلى الله عليه وسلم بم أهللت فقال أهللت بما أهل به رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال فاني لولا ان معي الهدي لاحللت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سليم بن حيان عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان في الجنة شجرة يسير الراكب في ظلها مائة عام لا يقطعها قال فحدثت به أبي قال سمعت أبا هريرة يحدث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك عن العلاء بن عبد الرحمن انه قال دخلنا على أنس بن مالك بعد الظهر فقام يصلي العصر فلما فرغ من صلاته ذكرنا تعجيل الصلاة أو ذكرها فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تلك صلاة المنافقين تلك صلاة المنافقين يجلس أحدهم حتى اذا اصفرت الشمس وكانت بين قرني الشيطان أو على قرن الشيطان قام فنقر أربعا لا يذكر الله فيها الا قليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن شعبة عن قتادة عن أنس عن عبادة بن الصامت عن النبي صلى الله عليه وسلم قال رؤيا المؤمن أو المسلم جزء من ستة وأربعين جزأ من النبوة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن شعبة عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله



معاوية صلى بالمدينة للناس العتمة فلم يقرأ ببسم الله الرحمن الرحيم ولم يكبر بعض هذا التكبير الذي يكبر لنا فلما انصرف ناداه من سمع ذلك من المهاجرين والانصار فقالوا يا معاوية أسرقت الصلاة أم نسيت أين بسم الله الرحمن الرحيم والله أكبر حين تهوي ساجدا فلم يعد معاوية لذلك بعد (حب) * عن قيس بن عباية قال حدثني ابن عبد الله بن مغفل عن أبيه قال ولم أر رجلا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم كان أشد عليه حدثا في الاسلام منه قال سمعني وأنا أقرأ بسم الله الرحمن الرحيم قال يا بني

حدثني أبي ثنا عبد الرحمن مالك عن ابن شهاب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل مكة عام الفتح وعلى رأسه المغفر فلما نزعه جاءه رجل وقال ابن خطل متعلق باستار الكعبة فقال اقتلوه قال مالك ولم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ محرما والله أعلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ابن ابراهيم ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أعتق صفية وتزوجها قال فقال له ثابت ما أصدقها قال نفسها أعتقها وتزوجها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الظهر بالمدينة أربعا وصلى العصر بذي الحليفة ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم أتى على أزواجه وسواق يسوق بهن يقال له أنجشة فقال ويحك يا أنجشة رويدك سوقك بالقوارير فقال أبو قلابة تكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم بكلمة لو تكلم بها بعضكم لعبتموها عليه يعني قوله سوقك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا الحجاج بن أبي عثمان حدثني أبو رجاء مولى أبي قلابة قال أتانا أحدثكم حديث أنس بن مالك اياي حدثني أنس بن مالك ان نفرا من عكل ثمانية قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم وبايعوه على الاسلام فاستوخموا الارض فسقمت أجسامهم فشكوا ذلك الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ألا تخرجون مع راعينا في ابله فتصيبون من ألبانها وابوالها قالوا بلى فخرجوا فشربوا من ألبانها وابوالها فصحوا فقتلوا الراعي واطردوا النعم فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فارسل في آثارهم فأدركوا فجيء بهم فأمر بهم فقطعت أيديهم وأرجلهم وسمرت أعينهم ثم نبذوا في الشمس حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا عبد العزيز بن صهيب قال سئل أنس بن مالك عن الثوم فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أكل من هذه الشجرة شيأ فلا يقربن أو لا يصلين معنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا عبد العزيز عن أنس قال مروا بجنازة فأثنوا عليها خيرا فقال النبي صلى الله عليه وسلم وجبت وجبت وجبت ومروا بجنازة فأثنوا عليها شرا فقال النبي صلى الله عليه وسلم وجبت وجبت وجبت فقال عمر فداك أبي وأمي مر بجنازة فأثني عليها خيرا فقلت وجبت وجبت وجبت ومر بجنازة فأثني عليها شرا فقلت وجبت وجبت فقال من أثنيتم عليه خيرا وجبت له الجنة ومن أثنيتم عليه شرا وجبت له النار أنتم شهداء الله في الارض أنتم شهداء الله في الارض أنتم شهداء الله في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس قال مر بجنازة فأثني القوم خيرا فقال وجبت ثم مر بجنازة أخرى فأثني عليها شرا فقال وجبت فقالوا قلت لهذا وجبت ولهذا وجبت قال شهادة القوم والمؤمنون شهداء الله في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت وعبد العزيز بن صهيب عن أنس قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح بغلس ثم قال الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين قال فخرجوا يسعون في السكك وهم يقولون محمد والخميس قال فظهر رسول الله صلى الله عليه وسلم عليهم فقتل مقاتلتهم وسبى ذراريهم وصارت صفية لدحية الكلبي ثم صارت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد فتزوجها وجعل صداقها عتقها قال فقال له عبد العزيز بن صهيب يا أبا حمد أنت سألت أنسا ما مهرها فقال لك أنس أمهرها نفسها فضحك ثابت وقال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا عبد العزيز

---

الباك والحدث فاني صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان فلم أسمع أحدا منهم يقول ذلك اذا قرأت فقل الحمد لله رب العالمين (حب ش) * (قراءة المأموم والتأمين) * اني أراكم تقرؤن وراء امامكم فلا تفعلوا الا بام القرآن فانه لا صلاة لمن لا يقرأ بها (ت حب ك) عن عبادة بن الصامت * هل قرأ معي أحد منكم آنفا اني أقول مالي أنازع القرآن (حم ت ن ه حب) عن أبي هريرة * لا تقرؤا بشيء من القرآن اذا جهرت الا بام القرآن (١٨٦) (د) عن عبادة بن الصامت * من كان له امام فقراءة الامام له قراءة (حم ه) عن جابر * اذا قرأ الامام فانصتوا (م) عن أبي موسى * اذا قال أحدكم في الصلاة آمين وقالت الملائكة في السماء آمين فوافقت احداهما الاخرى غفر له ما تقدم من ذنبه مالك (ق د ن) عن أبي هريرة * اذا أمن الامام فأمنوا فانه من وافق تأمينه تأمين الملائكة غفر له ما تقدم من ذنبه مالك (حم ق ٤) عن أبي هريرة * اذا قال الامام غير المغضوب عليهم ولا الضالين فقولوا آمين فانه من وافق قوله قول الملائكة غفر له ما تقدم من ذنبه مالك (خ د ن) عن أبي هريرة * ما حسدتكم اليهود على شيء ما حسدتكم على آمين فاكثروا من قول آمين (ه) عن ابن عباس * (الاكمال) * أتقرؤن في صلاتكم خلف الامام والامام يقرأ فلا تفعلوا ولا يقرأ أحدكم بفاتحة الكتاب في نفسه (حب) عن أنس * أتقرؤن خلفي وأنا أقرأ فلا تفعلوا اذا كم لا يقرأ أحدكم بفاتحة الكتاب في نفسه سرا (عب) عن أبي قلابة مرسلا * من صلى مكتوبة مع الامام فليقرأ بفاتحة الكتاب في سكتاته ومن انتهى الى أم القرآن فقد أجزأه (ك) عن أبي هريرة * من لم يقرأ مع الامام فصلاته خداج

---

ابن عساكر عن عمرو بن ميمون بن مهران عن أبيه عن جده * من قرأ خافي يسبح اسم ربك الاعلى لقد رأيتك تخالجني القرآن من صلى منكم خلف امام فحسبه قراءة امامه فقراءته له قراءة (هق) في المعرفة عن جابر * ايجي نسيت آية كذا وكذا وان من حسن صلاة الرجل أن يحفظ قراءة الامام (ز) عن عبد الله بريدة عن أبيه * تكفيك قراءة الامام خلفك وجهر (هق) في القراءة وضعفه عن ابن عباس * اذا قال الامام

غير المغضوب عليهم ولا الضالين فقال من خلفه آمين فوافق تأمينهم تأمين الملائكة غفر لهم ما تقدم من ذنبهم وما تأخر الى جرير عن أبي هريرة * (الافعال) * عن يزيد بن شريك انه سأل عمر عن القراءة خلف الامام فقال اقرأ بفاتحة الكتاب قلت وان كنت أنا قلت وان كنت قال وان جهرت (عب قط هق) وقالا وليه ثقات * عن رجل قال عهد الينا عمر بن الخطاب ان لا نقرأ مع الامام (ش) * عن عمر قال وددت ان الذي يقرأ مع الامام في فيه حجر (ش) * عن علي قال ليس من (١٨٧) الفطرة القراءة مع الامام (عب) * عن

العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم اتخذ خاتما من فضة ونقش فيه محمد رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني قد اتخذت خاتما من فضة ونقشت فيه محمد رسول الله فلا تنقشوا عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس حدثنا حماد يعني ابن زيد عن عبد العزيز عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم الرجل عن الزعفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن يحيى الدمشقي ثنا أبو سعيد ثنا مكحول عن أنس بن مالك قال قيل يا رسول الله متى ندع الائتمار بالمعروف والنهي عن المنكر قال اذا ظهر فيكم ما ظهر في بني اسرائيل اذا كانت الفاحشة في كباركم والملك في صغاركم والعلم في رذالكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ثنا شعبة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان في السير وكان حاد يحدو به نساؤه وسائق قال فكان نساؤه يتقدمن بين يديه فقال يا انجشة ويحك ارفق بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الاعلى بن عبد الاعلى ثنا يحيى بن أبي اسحق عن أنس ابن مالك قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من المدينة فجعل يصلي ركعتين ركعتين حتى رجع قال يحيى فقلت لانس كم أقام قال عشرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الاعلى عن يحيى عن أنس قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى مكة فسمعته يقول لبيك عمرة وحجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي عن يحيى بن أبي اسحق عن أنس قال أقبلنا من خيبر أنا وأبو طلحة ورسول الله صلى الله عليه وسلم وصفية ردفته قال فعثرت ناقة رسول الله صلى الله عليه وسلم فصرع رسول الله صلى الله عليه وسلم وصرعت صفية قال فاقتحم أبو طلحة فقال يا رسول الله جعلني الله فداك قال أشلت قال ذاك أم لا أضرورت قال لا عليك المرأة قال فألقى أبو طلحة على وجهه الثوب فأطلق اليها فدنا به عليها ثم أصلح لها رحلها فركبت ثم اكتنفناه أحدنا عن يمينه والآخر عن شماله فلما أشرفنا على المدينة أو كنا بظهر الحرة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم آيبون عابدون تائبون لربنا حامدون فلم يزل يقولهن حتى دخلنا المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا حجاج بن حسان قال كنا عند أنس بن مالك فدعا بإناء وفيه ثلاث ضباب حديد وحلقة من حديد فأخرج من غلاف أسود وهو دون الربع وفوق نصف الربع فأمر أنس بن مالك فجعل لنا فيه ماء فأتيناه فشربنا وصببنا على رؤسنا ووجوهنا وصلينا على النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنا أبي ثنا عبيدة عن حميد الطويل قال سئل أنس بن مالك عن رفع الايدي فقال قام الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الجمعة بعض المسلمين فقال يا رسول الله قحط المطر وأجدبت الارض هلك المال قال فاستسقى فرفع يديه حتى رأيت بياض ابطيه وما نرى في السماء سحابا فقام فصلى حتى جعل يهم القريب الدار الرجوع الى أهله من شدة المطر قال فكشنا سبعا فلما كانت الجمعة قالوا يا رسول الله تهدمت البيوت واحتبس الركبان قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم حوالينا ولا علينا قال فتكشفت عن المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال خرج نبي الله صلى الله عليه وسلم فتلقته الانصار بينهم فقال والذي نفس محمد بيده اني لاحبكم ان الانصار قد قضوا ما عليهم وبقي الذي عليكم فاحسنوا الى محسنهم وتجاوزوا عن مسيئهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال خرج النبي صلى الله عليه وسلم في غداة قرة أو باردة فاذا المهاجرون والانصار يحفرون الخندق فقال اللهم ان الخير خير الآخره * فاغفر للانصار والمهاجره فاجابوه نحن الذين بايعوا محمدا * على الجهاد ما بقينا

على قال من قرأ خلف الامام فلا صلاة له (عب) * عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تجزي صلاة لا يقرأ فيها بفاتحة الكتاب الا أن يكون وراء الامام (هق) في كتاب القراءة وضعفه * عن أبي امامة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لم يقرأ خلف الامام فصلاته خداج (هق) في القراءة * عن أبي سعيد قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرجل خلف الامام لا يقرأ شيئا أيجزئه ذلك قال نعم (هق) فيه وضعفه * عن ابن عباس قال لابد أن يقرأ بفاتحة الكتاب خلف الامام جهر أو لم يجهر (عب) * عن أبي هريرة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما كان من صلاة يجهر فيها الامام بالقراءة فليس لاحد أن يقرأ معه (هق) في كتاب القراءة وقال منكر * عن زيد بن أسلم قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن القراءة خلف الامام (عب) * عن الحرث عن علي قال سأل رجل النبي صلى الله عليه وسلم

اقرأ خلف الامام أو أنصت قال لا بل انصت فانه يكفيك (هق) في كتاب القراءة * عن عبد الله بن أبي الهذيل ان أبي بن كعب كان يقرأ خلف الامام في الظهر والعصر (عب) في القراءة * عن محمد بن سيرين قال كان عمر بن الخطاب اعتراه نسيان في الصلاة فجعل رجل خلفه يلقنه فاذا أومأ اليه أن يسجد أو يقوم فعل ابن سعد * عن علي قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا قال ولا الضالين قال آمين يرفع بها صوته (ه) وابن جرير وصححه وابن شاهين * عن بلال بن أبي رباح انه قال له النبي صلى الله عليه وسلم لا تسبقني بآمين أبو الشيخ * عن ابن سيرين ان أبا هريرة

كان مؤذنا بالحرين وانه اشترط على الامام أن لا يسبقه بآمين (ص) * عن نافع ان ابن عمر كان اذا ختم القرآن قال آمين لا يدع أن يؤمن اذا ختمها ويحضهم على قولها قال وسمعت منه في ذلك خيرا (عب) * (الركوع والسجود وأذكارهما وما يتعلق بهما) * اذا ركعت فضع كفيك على ركبتيك حتى تطمئن واذا سجدت فامكن جبهتك من الارض حتى تجد حجم الارض (حم) عن ابن عباس * اذا ركع أحدكم فليقل في ركوعه سبحان ربي العظيم ثلاثا فاذا فعل ذلك (١٨٨) تم ركوعه وذلك أدناه واذا سجد فليقل في سجوده سبحان ربي الاعلى ثلاثا فاذا فعل ذلك فقد تم سجوده وذلك أدناه (د ت ه) عن ابن مسعود * اذا صلى أحدكم فليتم ركوعه ولا ينقر في سجوده فانما مثل ذلك كمثل الجائع يأكل التمرة والتمرتين فما يغنيان عنه تمام وابن عساكر عن أبي عبد الله الاشعري * لا تجزئ صلاة الرجل حتى يقيم ظهره في الركوع والسجود (د) عن ابن مسعود * أتموا الركوع والسجود فوالذي نفسي بيده اني لاراكم من وراء ظهري اذا ركعتم واذا سجدتم (حم ق ن) عن أنس * اذا أحسن الرجل الصلاة فاتم ركوعها وسجودها قالت الصلاة حفظك الله كما حفظتني فترفع واذا أساء الصلاة فلم يتم ركوعها وسجودها قالت الصلاة ضيعك الله كما ضيعتني فتلف كما يلف الثوب الخلق فيضرب بها وجهه الطيالسي عن عبادة بن الصامت * أسوأ الناس سرقة الذي يسرق من صلاته لا يتم ركوعها ولا سجودها ولا خشوعها (حم ك) عن أبي قتادة الطيالسي (حم ع) عن أبي سعيد * أسرق الناس الذي يسرق صلاته لا يتم ركوعه ولا سجوده واعجل الناس من نخل بالسلام (طس) عن عبد الله بن

---

أيدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد عن حميد عن أنس بن مالك قال أعطى النبي صلى الله عليه وسلم من فنائم حنين مئة مئة والاقرع وعيرهما فقالت الانصار يعطي غنائمنا من تقطر سيوفنا من دمائهم وتقطر دماؤهم من سيوفنا فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فدعا الانصار فقال يا معشر الانصار أما ترضون أن يذهب الناس بالدنيا وتذهبون بمحمد الى دياركم قالوا بلى يا رسول الله قال والذي نفس محمد بيده لو سلك الناس واديا وسلكت الانصار شعبا لسلكت شعب الانصار الانصار كرشي وعيبتي ولولا الهجرة لكنت امرأ من الأنصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد عن حميد عن أنس قال جاء النبي صلى الله عليه وسلم الى أم سليم فقربت اليه سمنا وتمرا فقال النبي صلى الله عليه وسلم أعيدوا سمنكم في سقائكم وتمركم في وعائكم فاني صائم ثم قام فصلى في ناحية البيت فصلينا معه ثم دعا لام سليم وأهلها ثم قالت أم سليم يا رسول الله ان لي خويصة قال وما هي قالت أنس قال فما ترك يومئذ من خير آخرة ولا دنيا الا دعا به من قوله اللهم ارزقه مالا وولدا وبارك له فيهم قال فقال أنس حدثتني ابنتي انه دفن من صلبي عشرون ومئة وليف واني ان أكثر الانصار مالا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال استشار النبي صلى الله عليه وسلم مخرجه الى بدر فاشار عليه أبو بكر ثم استشار عمر فاشار عليه عمر ثم استشارهم فقال بعض الانصار اياكم يريد نبي الله صلى الله عليه وسلم يا معشر الانصار فقال قائل الانصار تستشيرنا يا نبي الله انا لا نقول لك كما قالت بنو اسرائيل لموسى عليه السلام اذهب أنت وربك فقاتلا انا ههنا قاعدون ولكن والذي بعثك بالحق لو ضربت أكبادها الى برك قال ابن أبي عدي الى برك الغماد لاتبعناك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله يعني الانصاري ثنا حميد عن أنس قال سمع النبي صلى الله عليه وسلم بدا صبي وهو في الصلاة فخفف فظننا انه اغب فعل ذلك رحمة للصبي اذ علم ان أمه معه في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس انه سئل اختضب النبي صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ الشيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد الطويل عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يدخل على أم سليم ولها ابن من أبي طلحة يكنى أبا عمير وكان يمازحه فدخل عليه فرآه حزينا قال مالي أرى ابا عمير حزينا فقالوا مات نغره الذي كان يلعب به قال فجعل يقول يا أبا عمير ما فعل النغير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس ان أم سليم ولدت غلاما من أبي طلحة فبعثت به مع ابنها أنس الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فهنأه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن المثنى ثنا حميد عن أنس قال رأى نخامة في قبلة المسجد فشق عليه حتى عرف ذلك في وجهه فقام فحكه وقال ان أحدكم أو المرء اذا قام الى الصلاة فانه يناجي ربه عز وجل أو ربه بينه وبين القبلة فليبزق اذا بزق عن يساره أو تحت قدمه وأوما هكذا كأنه في ثوبه قال وكانه قول الحميد فيقول سبحان الله من هو يعني النبي صلى الله عليه وسلم ولا يزيدنا عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله قال ثنا حميد عن أنس قال جاء رجل أسرع المشي فانتهى الى القوم وقد انبهروا فقال حين قام في الصلاة الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة قال من المتكلم أو من القائل قال فسكت القوم فقال من المتكلم أو من القائل فانه قال خيرا أو لم يقل بأسا فقال يا رسول الله اني انتهيت الى الصف وقد انبهرت أو حفزني النفس قال صلى الله عليه وسلم لقد رأيت اثني عشر ملكا يبتدرونها

---

أيهم تغفل * اعجل كل سورة - نظاما من الركوع والسجود (فر) عن بعض الصحابة * اكمل سورة حظا من الركوع والسجود (حم) عن رجل * اذا سجد العبد سجد معه سبعة آراب وجهه وكفاه وركبتاه وقدماه (حم م ٤) عن العباس عبد بن حميد عن سعد * اذا سجد أحدكم فلا يبرك كما يبرك البعير وليضع يديه قبل ركبتيه (د ن) عن أبي هريرة * اذا سجد أحدكم فليباشر بكفيه الارض عسى الله أن يقيل عثرته الغل يوم القيامة

(طس) عن أبي هريرة * اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه انبساط الكلب (خم ق عد) عن أنس * نهى عن نقرة الغراب وافتراش السبع وأن يوطن الرجل المكان في المسجد كما يوطن البعير (حم د ن ه ك) عن عبد الرحمن بن شبل * اذا سجدت فضع كفيك وارفع مرفقيك (حم م) عن البراء * أمرت أن أسجد على سبعة أعظم على الجبهة واليدين والركبتين وأطراف القدمين ولا نكفت الثياب ولا الشعر (ق د ن ه) عن ابن عباس * ان اليدين يسجدان كما يسجد الوجه فاذا وضع أحدكم (١٨٩) وجهه فليضع يديه واذا رفعه فليرفعهما

أيهم يرفعها ثم قال اذا جاء أحدكم الى الصلاة فليمش على هيئته فليصل ما أدرك وليقض ما سبقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس قال نادى رجل يا أبا القاسم فالتفت اليه النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله لم أعنك انما دعوت فلانا قال تسموا باسمي ولا تكتنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد قال سئل أنس هل اتخذ النبي صلى الله عليه وسلم خاتما قال نعم أخر ليلة صلاة العشاء الآخرة الى قرب من شطر الليل فلما صلى أقبل علينا بوجهه فقال الناس قد صلوا وناموا ولم تزالوا في صلاة ما انتظرتموها قال أنس كأني أنظر الآن الى وبيص خاتمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس قال سئل النبي صلى الله عليه وسلم عن وقت صلاة الغداة فصلى حين طلع الفجر ثم أسفر بهم حتى أسفر فقال أين السائل عن وقت صلاة الغداة زال ما بين هذين وقت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس قال كنا نصلي المغرب ثم ينطلق المنطلق منا الى بني سلمة وهو يرى مواقع نبله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم عن سعيد بن يزيد وهو أبو سلمة قال قلت لأنس أصلى النبي صلى الله عليه وسلم في نعليه قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا خالد الحذاء عن أبي قلابة قال قال أنس قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لكل أمة أمينا وان أميننا أيتها الامة أبو عبيدة بن الجراح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في ليلة واحدة بغسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا سعيد عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين أقرنين يطؤ على صفاحهما ويذبحهما بيده بسمي ويكبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن يحيى عن أبي اسحق قال قال أنس أقبلت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا وأبو طلحة وصفية ردفته على ناقته فبينما نحن نسير اذ عثرت ناقة النبي صلى الله عليه وسلم فصرع وصرعت فالمرأة فاقتحم أبو طلحة عن ناقته فقال فقال يا نبي الله هل ضرك شيء قال لا عليك بالمرأة فألقى أبو طلحة ثوبه على وجهه ثم قصد قصد المرأة فقلب الثوب عليها فقامت فشد لهما على راحلتهما فركبا وركبنا سيرا حتى اذا كنا بظهر المدينة قال آيبون تائبون لربنا حامدون فلم يزل يقول ذلك حتى قدمنا المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا حميد عن أنس ان عبد الله بن سلام بلغه مقدم النبي صلى الله عليه وسلم المدينة فأتاه فسأله عن أشياء قال اني سائلك عن أشياء لا يعلمها الا نبي قال ما أول اشراط الساعة وما أول طعام يأكله أهل الجنة وما بال الولد ينزع الى أبيه والولد ينزع الى أمه قال أخبرني بهن جبريل آنفا قال ابن سلام فذلك عدو اليهود من الملائكة قال أما أول اشراط الساعة فنار تحشرهم من المشرق الى المغرب وأول طعام يأكله أهل الجنة زيادة كبد حوت وأما الولد فاذا سبق ماء الرجل ماء المرأة نزع الولد واذا سبق ماء المرأة ماء الرجل نزعت الولد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا خالد عن أبي قلابة قال قال أنس أمر بلال ان يشفع الاذان ويوتر الاقامة فذكرت به أيوب فقال الا الاقامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا سليمان التيمي ثنا أنس بن مالك قال ذكر لي ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ولم أسمعه منه ان فيكم قوما يعبدون ويدأبون يعني يعجبون الناس وتعجبهم أنفسهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا سليمان التيمي ثنا أنس بن مالك قال أتى القائم على الحي أسقيهم من فضيخهم اذ جاء رجل فقال انها حرمت الخمر فقالوا اكفئها

(خد ك) عن ابن عمر * السجود على سبعة أعضاء اليدين والقدمين والركبتين والجبهة ورفع اليدين اذا رأيت البيت وعلى الصفا والمروة وبعرفة وبجمع وعند رمي الجمار واذا أقيمت الصلاة (طب) عن ابن عباس * السجود على الجبهة واليكفين والركبتين وصدور القدمين من لم يمكن شيأ منه من الارض أحرقه الله بالنار (قط) في الافراد عن ابن عمر * ضع أهلك ليسجد معك (هق) عن ابن عباس * ان الله تعالى لا يقبل صلاة من لا يصيب أنفه الارض (طب) عن أم عطية * تمسحوا بالارض فانها بكم برة (طس) عن سلمان * اذا قام أحدكم الى الصلاة فليسو موضع سجوده ولا يدعه حتى اذا هوى ليسجد نفخ ثم سجد فليسجد أحدكم على جمرة خير من أن يسجد على نفخته (طس) عن أبي هريرة * ان من الجفاء أن يكفر الرجل مسح جبهته قبل الفراغ من صلاته (ه) عن أبي هريرة * ضع بصرك موضع سجودك (فر) عن أنس * اذا رفعت رأسك من السجود فلا تقع كما يقعي الكلب ضع اليتيك بين قدميك والزق ظاهر قدميك بالارض (ه) عن أنس * يا علي أحب لك ما أحب لنفسي وأكره لك ما أكره لنفسي لا تقع بين السجدتين (ت) عن علي * اذا سجد أحدكم فلا يفترش يديه افتراش الكلب وليضم فخذيه (د هق) عن أبي هريرة * اذا سجد تمس فضما بعض اللحم الى الارض وان المرأة ليست في ذلك كالرجل (هق) عن زيد بن أبي حبيب مرسلا * اذا صليت فلا تبسط ذراعك بسط السبع وادعم على راحتيك وجاف مرفقيك عن جنبيك (طب) عن ابن عمر * أما أنا فاسجد على

سبعة أعظم (لا أكف شعرا ولا ثوبا) (طب) عن ابن مسعود * (الاكمال) * الصلاة ثلاثة أثلاث الطهور ثلث والركوع ثلث والسجود ثلث فمن أداها تحقه قبلت منه وقبل منه سائر عمله ومن ردت عليه صلاته ردعليه عمله البزار عن أبي هريرة * لا ينظر الله الى صلاة عبد لا يقيم صلبه بين ركوعه وسجوده (حم) وابن سعد وابن عساكر عن علي بن شيبان * مثل الذي لا يتم صلاته كمثل الحبلى اذا دنا نفاسها أسقطت فلا هي ذات حمل ولا هي ذات ولد ومثل المصلي * (١٩٠) كمثل التاجر لا يخلص له ربح حتى يخلص له رأس ماله كذلك المصلي لا يقبل له نافلة حتى تؤدى الفريضة (هق) والرامهرمزي في الامثال عن علي * ترون هذا لو مات على هذا مات على غير ملة محمد صلى الله عليه وسلم ينقر صلاته كما ينقر الغراب الدم العامل الذي يصلي ولا يركع أو يقر في سجوده كالجائع لا يأكل الا تمرة أو تمرتين فماذا تغني عنه أتموا الركوع والسجود وأسبغوا الوضوء ويل للاعقاب من النار ابن خزيمة (هق) وابن عساكر عن أبي عبد الله الاشعري ان رجلا قام يصلي لا يركع ويقر في سجوده والنبي صلى الله عليه وسلم ينظر اليه قال فذكره * لو كان لاحدكم هذه السارية فكره أن تخدع كيف يعمد أحدكم فيخدع صلاته انتهى لله فاتموا صلاتكم فان الله لا يقبل الا تاما (طس) عن أبي هريرة * ان من الناس من يصلي الصلاة كاملة ومنهم من يصلي نصفا ومنهم من يصلي ربعا ومنهم من يصلي خمسا ومنهم من يصلي سدسا ومنهم من يصلي سبعا ومنهم من يصلي ثمنا ومنهم من يصلي تسعا ومنهم من يصلي عشرا (طب) عن عمار بن ياسر * نهيت أن أقرأ القرآن في الركوع والسجود فاذا ركعتم فعظموا واذا سجدتم فاجتهدوا في المسألة فقمن أن يستجاب لكم (ش) عن علي * اذا ركعت فضع يديك على ركبتيك وفرج بين أصابعك (عب) عن القاسم بن أبي بزة عن رجل * اذا ركع أحدكم فليقل اللهم لك ركعت وبك آمنت الحسين بن سفيان عن ربيعة بن الحرث بن نوفل * من حافظ على سبع تسبيحات في كل ركعة وتحمده من الصلاة المكتوبة أدخله الله الجنة تمام وابن عساكر عن

يا أنس فاكفأتها فقلت لانس ما هي قال تمر ورطب قال أبو بكر بن أنس كانت تخرجهم يوما فقال وحدثني رجل عن أنس انه قال ذلك أيضا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل قال سعيد بن يزيد أنا قال قلت لانس بن مالك أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يستفتح القراءة ببسم الله الرحمن الرحيم أو الحمد لله رب العالمين فقال انك لتسألني عن شئ ما سألني عنه أحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا يحيى ابن أبي اسحق قال سألت أنس بن مالك عن قصر الصلاة فقال سافرنا مع النبي صلى الله عليه وسلم من المدينة الى مكة فصلى بنا ركعتين حتى رجعنا فسألته هل أقام بمكة نعم أقمنا بمكة عشرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال لما قدم عبد الرحمن بن عوف المدينة آخى النبي صلى الله عليه وسلم بينه وبين سعد بن الربيع فقال أقاسمك مالي نصفين ولي امرأتان فاطلق احداهما فاذا انقضت عدتها فتزوجها فقال بارك الله لك في أهلك ومالك دلوني على السوق فدلوه فاطلق فما رجع الا ومعه شئ من أقط وسمن فما استفضله فرآه رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد ذلك وعليه وضر من صفرة فقال مهيم قال تزوجت امرأة من الانصار قال ما أصدقتها قال نواة من ذهب قال أو نواتين أو وزن نواة من ذهب فقال أولم ولو بشاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز بن أسد أبو الاسود العمي ثنا حماد بن سلمة أنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك ان هوازن جاءت يوم حنين بالصبيان والنساء والابل والنعم فجعلوهم صفوفا يكثرون على رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما التقوا ولى المسلمون مدبرين كما قال الله عز وجل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا عباد الله أنا عبد الله ورسوله يا معشر الانصار أنا عبد الله ورسوله فهزم الله المشركين قال عفان ولم يضم بواسيف ولم يعلموا برمح وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ من قتل كافرا فله سلبه فقتل أبو طلحة يومئذ عشرين رجلا وأخذ اسلابهم قال وقال أبو قتادة يا رسول الله ضربت رجلا على حبل العاتق وعليه درع فأجهضت عنه فانظر من أخذها فقام رجل فقال أنا أخذتها فارضه منها واعطنيها قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يسئل شيأ الا أعطاه أو سكت فشكت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر لا والله لا يفيئها الله على أسد من أسده ويعطيكها فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال صدق عمر قال وكانت أم سليم معها خنجر فقال أبو طلحة ما هذا معك قالت اتخذته ان دنا مني بعض المشركين ان أبعج به بطنه فقال أبو طلحة يا رسول الله ألا تسمع ما تقول أم سليم قالت يا رسول الله أقتل من بعدنا من الطلقاء انهزموا بك قال ان الله قد كفانا وأحسن يا أم سليم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن أخضر قال ثنا ابن عوف قال حدثني هشام بن زيد بن أنس عن أنس لما كان يوم حنين وجعت هوازن وغطفان لرسول الله صلى الله عليه وسلم جمعا كثيرا ورسول الله صلى الله عليه وسلم في عشرة آلاف أو أكثر ومعه الطلقاء فجاؤا بالنعم والذرية فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز حدثني موسى بن سعيد عن أبي التياح عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يزور أم سليم ولها ابن صغير يقال له أبو عمير وكان النبي صلى الله عليه وسلم يقول يا أبا عمير ما فعل النغير قال تغر يلعب به وان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يزور أم سليم أحيانا ويتحدث عندها فتدركه الصلاة فيصلي على بساط وهو حصير ينضحه بالماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز بن أسد ثنا حماد بن سلمة ثنا ثابت عن أنس ان أسيد بن حضير وعباد بن بشر كانا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم في ليلة ظلماء حندس قال فلما خرجا من عنده أضاءت عصا أحدهما

معاذ بن جبل وفيه شراحيل بن عمرو أبو عمر العنسي ضعيف * بابريدة اذا رفعت رأسك من الركوع فقل سمع الله لمن حمده اللهم ربنا لك الحمد
بابريدة اذا جلست في صلاتك فلا تتركن التشهد والصلاة على (قط) وضعف عن عبد الله بن بريدة عن أبيه * اذا قال امامكم سمع الله لمن حمده
فقولوا اللهم ربنا لك الحمد (ش) عن أبي سعيد * اذا قال الامام سمع الله لمن حمده فقولوا بنا لك الحمد يسمع الله لكم فان الله قضى على لسان
نبيه سمع الله لمن حمده (حب) عن أبي موسى * لقد رأيت بضعة وثلاثين ملكا يبتدرونها (١٩١) أيهم يكتبونها أول (حم خ ن) عن رفاعة

فكانا عشيان ضوئهما فلما تفرقا أضاعت عصا هذا وعصا هذا فجاءا وعصاهما عندها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد ثنا
هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان قامت الساعة وبيد أحدكم
فسيلة فان استطاع ان لا يقوم حتى يغرسها فليفعل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد حدثني هشام
ابن زيد قال دخلت مع جدي دار الامارة فاذا دجاجة مصورة ترمي فكلما أصابها سهم صاحت فقال لنا نهى رسول
الله صلى الله عليه وسلم ان تصبر البهائم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد بن سلمة قال أنا أبو عمران
الجوني وحميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال دخلت الجنة فرأيت قصرا من ذهب فقلت ان
هذا قالوا لفتى من قريش فظننت اني أنا هو لعمر بن الخطاب قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما منعني
يا أبا حفص ان أدخله الا ما أعرف من غيرتك قال قال يا رسول الله من كنت أغار عليه فاني لم أكن أغار عليك
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا عكرمة بن عمار ثنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة الانصاري عن عمه
أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم جالسا في المسجد وأصحابه معه اذ جاء اعرابي فبال في المسجد
فقال أصحابه مه مه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تزرموه دعوه ثم دعاه فقال له ان هذه المساجد لا تصلح
لشيء من القذر والبول والخلاء أو كما قال قال يا رسول الله صلى الله عليه وسلم انما هي لقراءة القرآن وذكر الله
والصلاة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لرجل من القوم قم فائتنا بدلو من ماء فشنه عليه فاتاه بدلو من
ماء فشنه عليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة أنا اسحق بن عبد الله بن
أبي طلحة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان قائما يصلي في بيته فجاء رجل فاطلع في البيت وقال
عفان في بيته فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم سهما من كنانته فسدده نحوه عينه فثنى انصرف حدثنا عبد
الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة ثنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال
قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يجيء الدجال فيطأ الارض الا مكة والمدينة فيأتي المدينة فيجد بكل نقب من
نقابها صفوفا من الملائكة فيأتي سبخة الجرف فيضرب رواقه فترجف المدينة ثلاث رجفات فيخرج اليه
كل منافق ومنافقة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد أنا اسحق بن عبد الله وثابت عن أنس
قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار حدثنا عبد الله حدثني أبي
ثنا بهز ثنا همام ثنا قتادة عن أنس قال جاء رجل والنبي صلى الله عليه وسلم في الصلاة فقال الحمد لله حمدا كثيرا
طيبا مباركا فيه فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة قال أيكم القائل كذا وكذا قال فارم القوم قال
فاعدها ثلاث مرات فقال رجل أنا فلم تهما وما أردت بهما الا الخير قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم لقد ابتدرها
اثنا عشر ملكا فيما دروا كيف يكتبونها حتى سألوا بعضهم عز وجل قال اكتبوها كما قال عبدي حدثنا عبد الله
حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال بينما أنا أسير في
الجنة فاذا أنا بنهر حافتاه قباب الدر المجوف قال فقلت ما هذا يا جبريل قال هذا الكوثر الذي أعطاك ربك
عز وجل قال فضربت بيدي فاذا طينه مسك أذفر وقال عفان المجوف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز
ثنا همام قال أخبرني قتادة قال حدثني أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا ثم تركه حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة وحدثنا عفان قال ثنا يزيد بن ابراهيم ثنا قتادة عن أنس قال
قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه كالكلب ولا يبرق بين يديه ولا

ابن رافع قال كنا نصلي يوما وراء رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما رفع رأسه من الركعة قال رجل وراءه ربنا لك الحمد حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما انصرف قال من المتكلم آنفا قال رجل أنا قال فذكر * من المتكلم آنفا لقد رأيت بضعة وثلاثين ملكا أيهم يكتبها أولا (حم خ ن حب) * عن رفاعة بن أبي رافع الزرقي ان رجلا قال ربنا ولك الحمد حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فذكره * استعينوا بالركب (د ت) عن أبي هريرة قال اشتكوا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم مشقة السجود عليهم قال فذكره * اذا صلى أحدكم فلا يفرش ذراعيه ربضة الكلب والسجع (كر) عن أبي سعيد * لا تبسط ذراعيك وادعم على راحتيك وتجاف عن ضبعيك فانك اذا فعلت ذلك سجد لك كل عضو منك معك (ك) عن ابن عمر * ان الله عز وجل لأينظر الى صلاة عبد لا يقيم بكفه الارض

الديلمي عن ابن مسعود * من لم يأمن أن يغفه مع جبهته بالارض اذا سجد لم تجز صلاته (طب) عن ابن عباس * لا تقمصوا أعينكم في السجود فانه من فعل اليهود الديلمي عن أنس * من قال وهو ساجد ثلاث مرات رب اغفر لي لم يرفع رأسه حتى يغفر له أبو عبد الله بن مخلد الدوري العطار في جزئه والديلمي عن أبي سعيد * رب وجهك لله تعالى (حم) عن أم سلمة * تقصعوا في سجودكم ولا تجعطوا ظهور كم كما تجعط الدواب الديلمي عن ابن عمرو * سجد لك خيالي وسوادي وآمن لك فؤادي وهذه يدي وما جنيت بها على نفسي يا عظيم يرجى لكل عظيم

اغفر الذنب العظيم بعدو جهي للذي خلقه وشق سمعه وبصره أعوذ برضاك من سخطك وأعوذ بعفوك من عقابك وأعوذ بك منك أنت كما أثنيت على نفسك أقول كما قال أخي داود أعفر وجهي في التراب لسيدي وحق لسيدي أن يسجد له اللهم ارزقني قلبا تقيا من الشرنقيا لا جافيا ولا شقيا (هب) عن عائشة * ما اصطفى الله لائكته سبحان الله وبحمده (ن) عن أبي ذر قال سألت النبي صلى الله عليه وسلم ما نقول في سجودنا قال فذكره * (الافعال) * عن أبي (١٩٢) عبد الرحمن السلمي قال قال عمر امسكوا بالركب فقد سنت لكم الركب وفي لفظ ان

عن يمينه فانما ينا جي ربه ولكن عن يساره أو تحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا عفان قالا ثنا همام قال عفان في حديثه ثنا قتادة أن أنسا أخبره أن الزبير وعبد الرحمن بن عوف شكوا الى النبي صلى الله عليه وسلم القمل فاستأذنا في غزاة لهما فرخص لهما في قمص الحرير قال بهز قال أنس فرأيت على كل واحد منهما قميصا من حرير **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا بهز وثنا عفان قالا أنبأنا همام قال عفان ثنا وقال بهز أنا قتادة عن أنس أن رجلا من أهل البادية أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال متى الساعة قال ويلك وما أعددت للساعة قال ما أعددت لها شيأ الا اني أحب الله ورسوله قال قال النبي صلى الله عليه وسلم فانك مع من أحببت قال قال أصحابه نحن كذلك قال نعم وأنتم كذلك قال ففرحوا يومئذ فرحا شديدا قال فمر غلام للمغيرة بن شعبة قال أنس وكان من أقراني قال النبي صلى الله عليه وسلم ان يؤخر هذا فلن يدركه الهرم حتى تقوم الساعة وقال عفان ففرحنا يومئذ فرحا شديدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة قال سألت أنس بن مالك أخضب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ ذلك انما كان شئ في صدغيه ولكن أبو بكر رضي الله عنه خضب بالحناء والكتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام أنا قتادة عن أنس أن يهوديا مر على النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه فقال السام عليكم فرد عليه أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم انما قال السام عليكم فانه اليهودي فجيء به فاعترف فقال النبي صلى الله عليه وسلم ردوا عليهم ما قالوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا أبان بن يزيد ثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم كان يقول لو ان لابن آدم واديين من مال لابتغى واديا ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب قال عفان ثم يتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كان لابن آدم واديان من ذهب لتمنى اليهما ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كان لابن آدم واديان من ذهب لابتغى اليهما ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يهرم ابن آدم ويشب منه اثنتان الحرص على المال والحرص على العمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وحبيب ثنا عفان قالا ثنا أبان ثنا قتادة ثنا أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل نخلا لام مبشر امرأة من الانصار فقال من غرس هذا الغرس أمسلم أم كافر قالوا مسلم قال لا يغرس مسلم غرسا فيأكل منه انسان أو دابة أو طائر الا كان له صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبو العوام القطان قال أبي وهو عمران بن داور وهو أعمى ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم استخلف ابن أم مكتوم على المدينة مرتين يصلي بهم وهو أعمى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حرير بن حازم قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحتجم ثلاثا واحدة على كاهله واثنتين على الاخدعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حرير قال سمعت قتادة قال قلت لانس كيف كانت قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان يمد صوته مدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا أبو كامل قالا ثنا حماد بن سلمة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من قول لا يسمع وعمل لا يرفع وقلب لا يخشع وعلم لا ينفع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وحسن بن موسى قالا ثنا حماد ثنا قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اني أعوذ بك من البرص والجنون والجذام ومن سيئ الاسقام **حدثنا**

الركب قد سنت لكم فخذوا بالركب (عب ش ت) حسن صحيح (ن) والشاشي والبغوي في الجعديات والطحاوي (حب قط) في الافراد (هق ض) * عن أبي عبد الرحمن السلمي قال كنا اذا ركعنا جعلنا أيدينا بين أفخاذنا فقال عمر ان من السنة الاخذ بالركب (هق) * عن ابراهيم ان عمر كان اذا ركع يتبع كما يقع البعير ركبتاه قبل يديه وكان يكبر وهو يهوي (عب) * عن مالك بن الحويرث رأيت النبي صلى الله عليه وسلم رفع يديه اذا ركع واذا رفع رأسه من الركوع حتى يحاذي بهما فروع أذنيه (ش) * عن علقمة والاسود قالا صلينا مع عبد الله فلما ركع طبق كفيه ووضعهما بين ركبتيه وضرب أيدينا فعلمنا ذلك ثم لقينا عمر بعد فصلى بنا فلما ركع طبقنا كما طبق عبد الله ووضع عمر يديه على ركبتيه فلما انصرف قال ماهذا فاخبرناه فعل عبد الله قال كان ذلك شئ كان يفعل ثم ترك (ز عب) * عن ابراهيم بن ميسرة ان عمر بن الخطاب كان يقول في ركوعه وفي سجوده قدر خمس تسبيحات سبحان الله وبحمده (عب) * عن علي قال كان

عبد

النبي صلى الله عليه وسلم اذا ركع لو وضع قدح من ماء على ظهره لم يهرق (حم) * عن البراء بن عازب كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قال سمع الله لمن حمده لم يحن منا رجل ظهره حتى يقع النبي صلى الله عليه وسلم ساجدا ثم نقع سجودا (ع ب) * عن علي بن شيبان خرجنا حتى قدمنا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فبايعناه وصلينا معه فلمح بعوخر عينه الى رجل لا يقيم صلبه في الركوع والسجود فلما قضى النبي صلى الله

عليه وسلم الصلاة قال يامعشر المسلمين لاصلاة لمن لا يقيم صلبه في الركوع والسجود (ش) *عن حذيفة بن اليمان صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم فكان ركوعه نحوا من قيامه ثم قال سمع الله لمن حمده ثم قام طويلا (ش) *عن أبي جحيفة قال النبي صلى الله عليه وسلم قام في الصلاة فلما رفع رأسه من الركوع قال سمع الله لمن حمده ربنا لك الحمد ملء السموات وملء الارض وملء ما شئت من شئ بعد اللهم لا مانع لما أعطيت ولا معطي لما منعت ولا ينفع ذا الجد منك الجد يعني بصوته (ش) *عن أبي هريرة قال لاصلاة لابركوع (١٩٣) (عب) *عن ابن مسعود قال اذا قال الامام سمع الله لمن حمده فليقل من خلفه ربنا لك الحمد (عب) *عن عبد الكريم أبي أمية قال بلغني ان أبا بكر الصديق كان يسجد ويصلي على الارض مفضيا اليها (عب) *عن يحيى بن أبي كثير ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يسجد ويتقي شعره بيده فقال النبي صلى الله عليه وسلم اللهم فج شعره فسقط شعره (عب) *عن علي أنه كان يقول بين السجدتين رب اغفر لي وارحمني وارفعني واجبرني وارزقني (عب ص) *عن البراء بن عازب أنه سئل أين كان النبي صلى الله عليه وسلم يضع وجهه قال كان يضع بين كفيه أو قال يديه يعني في السجود (ش) *عن جابر بن عبد الله كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد جافى حتى يرى بياض ابطيه (عب) *عن أبي قلابة قال كان مالك بن الحويرث يأتينا فيقول ألا أحدثكم عن صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فيصلي في غير وقت صلاة فاذا رفع رأسه من السجدة الثانية في أول

---

عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يمر بالتمرة فما يمنعه من أخذها الا مخافة ان تكون صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد ثنا قتادة عن أنس ان جارية وجد رأسها بين حجرين فقيل لها من فعل بك هذا أفلان أفلان حتى سمي اليهودي فاومأت برأسها نعم فاخذ اليهودي فاعترف فامر به النبي صلى الله عليه وسلم فرض رأسه بالحجارة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبو هلال قال ثنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال وعدني ربي عز وجل ان يدخل من أمتي الجنة سبعين ألفا فقال أبو بكر يا رسول الله زدنا فقال له وهكذا وأشار بيده قال يا نبي الله زدنا فقال وهكذا وأشار بيده قال يا نبي الله زدنا فقال وهكذا فقال عمر قط لك يا أبا بكر قال ما لقاء لك يا ابن الخطاب قال له عمر ان الله عز وجل قادر ان يدخل الناس الجنة كلهم بحفنة واحدة قال النبي صلى الله عليه وسلم صدق عمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبو هلال ثنا قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يزال العبد بخير ما لم يستعجل قالوا يا رسول الله كيف يستعجل قال يقول دعوت ربي فلم يستجب لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال سمعت قتادة قال ثنا أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبان ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم كان يقول بعثت أنا والساعة كهاتين ورفع أصبعيه السبابة والوسطى فضل احداهما على الاخرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا عفان قالا ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت قال عفان ثنا ثابت قال أنس كنا جلوسا هنا في القصر آنفا ان نسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن شئ قال وكان يعجبنا أن يجيء الرجل من أهل البادية العاقل يسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتى رجل فقال يا محمد أتانا رسولك وزعم لنا أنك تزعم ان الله عز وجل أرسلك قال صدق قال فمن خلق السماء قال الله قال فمن خلق الارض قال الله قال فمن نصب هذه الجبال قال الله قال فبالذي خلق السماء وخلق الارض ونصب الجبال آلله أرسلك قال نعم قال وزعم رسولك ان علينا خمس صلوات في يومنا وليلتنا قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال وزعم رسولك ان علينا زكاة في أموالنا قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال وزعم رسولك ان علينا صوم شهر رمضان في سنتنا قال عفان قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم وزعم رسولك ان علينا الحج من استطاع اليه سبيلا قال صدق قال فبالذي أرسلك آلله أمرك بهذا قال نعم قال عفان ثم ولى ثم قال والذي بعثك بالحق لا أزيد ولا أنقص منهن شيئا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لئن صدق ليدخلن الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حجاج ثنا سليمان بن المغيرة المعنى عن ثابت عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في رمضان فجئت فقمت خلفه فمال وجاء رجل فقام الى جنبي ثم جاء آخر حتى كنا رهطا فلما أحس رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا خلفه تجوز في الصلاة ثم قام فدخل منزله فصلى صلاة لم يصلها عندنا قال فلما أصبحنا قال قلنا يا رسول الله فطنت بنا الليلة قال نعم فذاك الذي حملني على الذي صنعت قال ثم أخذ يواصل وذا في آخر الشهر قال فاخذ رجال يواصلون من أصحابه قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما بال رجال يواصلون انكم لستم مثلي أما والله لو مد لي الشهر لواصلت وصالا يدع المتعمقون تعمقهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا حجاج قال ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس دخل علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم وما هو الا أنا وأمي

---



ركعة استوى قاعدا ثم قام واعتمد (ش) *عن وائل بن حجر رأيت النبي صلى الله عليه وسلم حين سجد وضع يديه قريبا من أذنيه (ش) *أبصرت رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يسجد على جبهته وأنفه (ش) *عن عبد الله بن أقرم الخزاعي كنت مع أبي بالقاع من نمرة فمر بنا ركب فاناخوا بناحية الطريق فقال أي بني كن في هؤلاء القوم فخرجت معهم حتى دنا وقت الصلاة واذا رسول الله صلى الله عليه وسلم فيهم فصلى وصليت معه فكنت أنظر الى عفرتها بطن رسول الله صلى الله

عليه وسلم كل سجدة (عب ش حم طب) وأبو نعيم * عن أبي هريرة كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يسجد على كور عمامته * عن طاوس عن ابن عباس قال من السنة أن تمس عقبيك اليلي في الصلاة بين السجدتين قال طاوس ورأيت العبادلة يفعلونه ابن عمر وابن عباس وابن الزبير (عب) * عن عائشة ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم متقبا وجهه بشيء يعني في السجود (عب) * عن عائشة كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا سجد وضع وجاه القبلة (ش) (١٩٤) * عن ميمون كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد تجافى حتى لو ان بهمة أرادت أن تمر تحت يده مرت * عن علي قال اذا كان أحدكم يصلي فليحسر العمامة عن جبهته (ق) * عن أنس كنا نصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم في شدة الحر فاذا لم يستطع أحدنا أن يمكن وجهه من الارض بسط ثوبه فسجد عليه (ش) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ربما رفع رأسه من السجدة والركعة فيمكث بينهما حتى نقول أنسي. (عب) * عن علي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قام الى الصلاة كبر ثم قال وجهت وجهي للذي فطر السموات والارض حنيفا وما أنا من المشركين ان صلاتي ونسكي ومحياي ومماتي لله رب العالمين لا شريك له وبذلك أمرت وأنا أول المسلمين اللهم أنت الملك لا اله الا أنت أنت ربي وأنا عبدك ظلمت نفسي واعترفت بذنبي فاغفر لي ذنوبي جميعا انه لا يغفر الذنوب الا أنت واهدني لاحسن الاخلاق لا يهدي لاحسنها الا أنت واصرف عني سيئها لا يصرف عني سيئها الا أنت واذا ركع قال اللهم لك ركعت وبك آمنت ولك أسلمت خشع لك سمعي وبصري ومخي وعظمي وعصبي واذا رفع قال اللهم ربنا لك الحمد ملء السموات وملء الارض وملء ما بينهما وملء ما شئت من شيء بعد واذا سجد قال اللهم لك سجدت وبك آمنت ولك أسلمت سجد وجهي للذي خلقه وصوره وشق سمعه وبصره تبارك الله أحسن الخالقين ثم يكون من آخر ما يقول بين التشهد والتسليم اللهم اغفر لي ما قدمت وما اخرت وما أسررت وما أعلنت وما أنت أعلم به مني أنت المقدم وأنت المؤخر لا اله الا أنت (ط عب ش حم م) والدارمي ر د ت ن) وابن خزيمة والطحاوي وابن الجارود (حب

---

وأم حرام خالتي قال فقال قوموا فلاصلي لكم في غير وقت صلاة قال فجاج قال فصلى بنا صلاة قال رجل من القوم لثابت أين جعل أنسا قال جعله على يمينه قال ثم دعا لنا أهل البيت بكل خير من خير الدنيا والآخرة قال قالت أمي يا رسول الله خويدمك ادع الله له قال فدعا لي بكل خير قال في آخر ما دعا به اللهم أكثر ماله وولده وبارك له فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا سليمان وثنا هاشم أنا سليمان ابن المغيرة قال عفان ثنا ثابت ثنا أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ولد لي الليلة غلام فسميته باسم أبي ابراهيم قال ثم دفعه الى أم سيف امرأة قين يقال له أبو سيف بالمدينة قال فانطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتيه وانطلقت معه فانتهيت الى أبي سيف وهو ينفخ بكيره وقد امتلأ البيت دخانا قال فأسرعت المشي بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقلت يا أبا سيف جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فامسك قال فجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فدعا الصبي فضمه اليه قال أنس فلقد رأيته بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يكيد بنفسه قال فدمعت عينا رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تدمع العين ويحزن القلب ولا نقول الا ما يرضى ربنا عز وجل والله انا بك يا ابراهيم لمحزونون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا هاشم قالا ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت قال قال أنس عمي قال هاشم أنس بن النضر سميت به لم يشهد مع النبي صلى الله عليه وسلم يوم بدر قال فشق عليه وقال في أول مشهد يشهده رسول الله صلى الله عليه وسلم غبت عنه لئن أراني الله مشهدا فيما بعد مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ليرين الله ما أصنع قال فهاب ان يقول غير هذا قال فشهد مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم أحد قال فاستقبل سعد بن معاذ قال فقال له أنس يا أبا عمر وأين واها لريح الجنة أجيده دون أحد قال فقاتلهم حتى قتل فوجد في جسده بضع وثمانون من ضربة وطعنة ورمية قال فقالت أخته عمتي الربيع بنت النضر فما عرفت أخي الا ببنانه ونزلت هذه الآية رجال صدقوا ما عاهدوا الله عليه فمنهم من قضى نحبه ومنهم من ينتظر وما بدلوا تبديلا قال فكانوا يرون انها نزلت فيه وفي أصحابه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا حجاج قالا ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت قال قال أنس انى لقاعد عند المنبر يوم الجمعة ورسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب اذ قال بعض أهل المسجد يا رسول الله حبس المطر هلكت المواشي ادع الله ان يسقينا قال أنس فرفع يديه رسول الله صلى الله عليه وسلم وما أرى في السماء من سحاب فالف بين السحاب قال فجاء فالف الله بين السحاب فوالذي نفسي بيده ما رأيت الرجل الشديد همه نفسه ان يأتي أهله فمطرنا سبتا وخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب في الجمعة المقبلة اذ قال بعض أهل المسجد يا رسول الله تهدمت البيوت حبس السفار ادع الله عز وجل ان يرفعها عنا قال فرفع يديه فقال اللهم حوالينا ولا علينا قال فتقوزعا فوق رأسنا منها حتى كانا في اكليل عمار ما حولنا ولا يمطر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة عن عمرو بن عامر الأنصاري قال سمعت أنس بن مالك يقول أتى النبي صلى الله عليه وسلم بقدح من ماء فتوضأ قال فقلت لانس أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ عند كل صلاة قال نعم قال قلت فانتم قال كنا نصلي الصلوات بوضوء واحد قال ثم سألته بعد ذلك فقال ما لم نحدث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال سمعت شعبة يحدث عن أبي التياح قال سمعت أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل ان يبني المسجد يصلي في مرابض الغنم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ثنا شعبة قال سمعت عبد الله بن المختار عن موسى بن أنس يحدث عن أنس

فما هق) * عن علي ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اذا سجد سبحان ذي الملك والملكوت والجبروت والكبرياء والعظمة الهاشمي * عن عاصم بن ضمرة قال كان علي يقول اذا ركع اللهم لك ركعت ولك أسلمت وبك آمنت وأنت ربي عليك توكلت خشع لك سمعي وبصري ولحمي ودمي ومخي وعظامي وعصبي وشعري وبشري سبحان الله سبحان الله سبحان الله فاذا قال سمع الله لمن حمده قال ربنا لك الحمد فاذا سجد قال اللهم لك سجدت ولك أسلمت وبك آمنت وعليك توكلت وأنت ربي سجد لك سمعي (١٩٥) وبصري ولحمي ودمي وعظامي وعصبي وشعري وبشري سبحان الله سبحان الله سبحان الله (غ) * عن جابر كنا ندعو قياما وقعودا ونسبح ركوعا وسجودا (ش) * عن خالد ابن العلمان بن مدرك الغفاري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث جده مدركا الى ابنته باتي بهما من مكة قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد وركع قال اللهم اني أعوذ برضاك من سخطك وأعوذ بعفوك من عقوبتك وأعوذ بك منك لا أبلغ ثناء عليك أنت كما أثنيت على نفسك * أبو نعيم * عن ابن عباس بت عند خالتي ميمونة فسمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول في سجوده اللهم اجعل في قلبي نورا واجعل في سمعي نورا واجعل في بصري نورا واجعل امامي نورا واجعل خلفي نورا واجعل من تحتي نورا وأعظم لي نورا (ش) عن عائشة طلبت رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة فلم أجده فظننت انه أتى بعض جواريه أو نسائه فرأيته وهو ساجد وهو يقول اللهم اغفر لي ما أسررت وما أعلنت

انه كان هو ورسول الله صلى الله عليه وسلم وأمه وخالته فصلى بهم فجعل أنس عن يمينه وأمه وخالته خلفهما قال شعبة كان عبد الله بن المختار أشياخنا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يتمنى أحدكم الموت لضر أصابه فان كان لا بد فاعلا فليقل اللهم احيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين وما قال لي أف قط ولا قال لي لم فعلت هذا ألا فعلت هذا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج وهاشم المعنى قالا ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما حتى اذا رأيت اني قد فرغت من خدمتي قلت بقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرجت الى صبيان يلعبون قال فجئت أنظر الى لعبهم قال فجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فسلم علي الصبيان وهم يلعبون فدعاني رسول الله صلى الله عليه وسلم فبعثني الى حاجته فذهبت فيها وجلس رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجتي أنيته واحتبست عن أمي عن الاتيان الذي كنت آتيها فيه فلما أتيتها قالت ما حبسك قلت بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجة له قالت وما هي قلت هو سر لرسول الله صلى الله عليه وسلم قالت فاحفظ على رسول الله صلى الله عليه وسلم سره قال ثابت قال لي أنس لو حدثت به أحدا من الناس لأولو كنت محدثا به لحدثتك به يا ثابت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت قال ثنا أنس قال صارت صفية لدحية في مقسمه وجعلوا يمدحونها عند رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ويقولون ما رأينا في السبي مثلها قال فبعث الى دحية فاعتاضه بها أو ما أراد ثم دفعها الى أمي فقال اصلحيها قال ثم خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من خيبر حتى اذا جعلها في ظهره نزل ثم ضرب عليها القبة فلما أصبح قال صلى الله عليه وسلم من كان عنده فضل زاد فليأتنا به قال فجعل الرجل يجيء بفضل التمر وفضل السويق ويفضل السمن حتى جعلوا من ذلك سوادا حيسا فجعلوا يأكلون من ذلك الحيس ويشربون من حياض الى جنبهم من ماء السماء قال فقال أنس فكانت تلك وليمة رسول الله صلى الله عليه وسلم عليها وانيلها فحي اذا رأينا جدر المدينة هششنا اليها فرفعنا مطيتنا ورفع رسول الله صلى الله عليه وسلم مطيته فالى وصفية خلفه قد اردفها قال فعثرت مطية رسول الله صلى الله عليه وسلم فصرع وصرعت قال فليس أحد من الناس ينظر اليه ولا اليها حتى قام رسول الله صلى الله عليه وسلم فستر ها قال فأتيناه فقال لم تضر قال فدخل المدينة فرح جواري نسائه يتراءينها ويشمتن بصرعتها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال لقد رأيت لرسول الله صلى الله عليه وسلم وليمة ما فيها خبز ولا لحم حين صارت صفية لدحية الكلبي في مقسمه فجعلوا يمدحونها فذكر معناه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وحدثنا هاشم قالا ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس قال لما انقضت عدة زينب قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لزيد اذهب فاذكرها علي قال فانطلق حتى أتاها قال وهي تخمر عجينها فلما رأيتها عظمت في صدري حتى ما استطيع أن أنظر اليها ان رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكرها فوليتها ظهري وركصت على عقبي فقلت يا زينب أبشري أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكرك قالت ما أنا بصانعة شيأ حتى أؤامر ربي عز وجل فقامت الى مسجدها ونزل يعني القرآن وجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فدخل عليها بغير اذن قال ولقد رأيتنا أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أطعمنا الخبز

(ش) عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول في سجوده وركوعه سبوح قدوس رب الملائكة والروح (ع ب) * عن أم الحسن انها سمعت أم سلمة تقول في سجودها في صلاتها اللهم اغفر وارحم واهدنا السبيل الاقوم (ع ب) * عن مجاهد قال قال رجل حين رفع رأسه من الركعة ربنا لك الحمد حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم صلاته قال من قائل الكلمات فسكت الرجل فقال النبي صلى الله عليه وسلم من قائلها قال الرجل أنا يا رسول الله قال النبي صلى الله عليه وسلم لقد رأيت بضعة وثلاثين ملكا كلهم يبتدرها اثنا عشر ملكا (ع ب) * عن

والله قال هاشيم حين عرفت ان النبي صلى الله عليه وسلم خطبها قال هاشم في حديثه لقد رأيتنا حين أدخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم أطعمنا الخبز واللحم فخرج الناس وبقي رجال يتحدثون في البيت بعد الطعام فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم واتبعته فجعل يتتبع حجر نسائه فجعل يسلم عليهن ويقلن يا رسول الله كيف وجدت أهلك قال فما أدري أنا أخبرته ان القوم قد خرجوا أم أخبر قال فانطلق حتى دخل البيت فذهبت أدخل معه فألقى الستر بيني وبينه ونزل الحجاب قال وعظ القوم بما وعظوا به قال هاشم في حديثه لا تدخلوا بيوت النبي الا أن يؤذن لكم الى طعام غير ناظرين اناه ولا مستأنسين لحديث ان ذلكم كان يؤذي النبي فيستحي منكم والله لا يستحي من الحق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعمر بن بشر ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس قال مات ابن لابي طلحة من أم سليم فقالت لاهلها لا تحدثوا أبا طلحة بابنه حتى أكون أنا أحدثه قال فجاء فقربت اليه عشاءه فأكل وشرب قال ثم تصنعت له أحسن ما كانت تصنع قبل ذلك فوقع بها فلما رأت أنه قد شبع وأصاب منها قالت يا أبا طلحة أرأيت ان قوما أعاروا عارية أهل بيت وطلبوا عاريتهم ألهم ان يمنعوهم قال لا قالت فاحتسب ابنك فانطلق حتى أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخبره بما كان فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بارك الله لكما في غابر ليلتكما قال فحملت قال فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر وهي معه وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أتى المدينة من سفر لا يطرقها طروقا وقد دنوا من المدينة فضربها المخاض واحتبس عليها أبو طلحة وانطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أبو طلحة يا رب انك لتعلم أنه يعجبني أن أخرج مع رسولك اذا خرج وأدخل معه اذا دخل وقد احتبست بما ترى قال تقول أم سليم يا أبا طلحة ما أجد الذي كنت أجد فانطلقنا قال ويضربها المخاض حين قدموا فولدت غلاما فقالت لي أمي يا أنس لا يرضعنه أحد حتى تغدو به علي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فلما أصبحت احتملته وانطلقت به الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فصادفته ومعه ميسم فلما رآني قال لعل أم سليم ولدت قلت نعم قال فوضع الميسم قال فجئت به فوضعته في حجره قال ودعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بعجوة من عجوة المدينة فلاكها في فيه حتى ذابت ثم قذفها في في الصبي فجعل الصبي يتلمظ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انظروا الى حب الانصار التمر فقال فمسح وجهه وسماه عبد الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر قال أخبرني عاصم بن سليمان عن أنس بن مالك قال ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وجد على شيء قط ما وجد على أصحاب بئر معونة أصحاب سرية المنذر بن عمرو فمكث شهرا يدعو على الذين أصابوهم في قنوت صلاة الغداة يدعو على رعل وذكوان وعصية ولحيان وهم من بني سليم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق عن معمر قال قال الزهري وأخبرني أنس بن مالك قال لما كان يوم الاثنين كشف رسول الله صلى الله عليه وسلم ستر الحجرة فرأى أبا بكر وهو يصلي بالناس قال فنظرت الى وجهه كانه ورقة مصحف وهو يتبسم قال وكدنا ان نفتتن في صلاتنا فرحا لرؤية رسول الله صلى الله عليه وسلم فاراد أبو بكر ان ينكص فاشار اليه ان كما أنت ثم أرخى الستر فقبض من يومه ذلك فقام عمر فقال ان رسول الله لم يمت ولكن ربه أرسل اليه كما أرسل الى موسى فمكث عن قومه أربعين ليلة والله اني لارجو ان يعيش رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى يقطع أيدي رجال من المنافقين وألسنتهم يزعمون أو قال يقولون ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد مات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنا شعيب عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك وكان مع النبي صلى الله عليه وسلم وخدمه

ثم ليتم ما بقي من صلاته ثم يسجد سجدتين وهو جالس قبل أن يسلم (حم ه لـ هق) عن عبد الرحمن بن عوف * اذا شك أحدكم في صلاته فلم يدر اثنتين أم ثلاثا فليلق الشك وليبن على اليقين فان استيقن التمام سجد سجدتين فان كانت صلاته تامة كانت الركعة نافلة والسجدتان نافلة وان كانت ناقصة كانت الركعة تمام الصلاة والسجدتان ترغيما أنف الشيطان (حب لـ) عن أبي سعيد * اذا قام الامام في الركعتين فان ذكر قبل أن يستوي قائما فليجلس فان استوى قائما فلا يجلس ويسجد سجدتي السهو (حم د ه هق) عن المغيرة * اذا كنت في صلاة فشككت في ثلاث وأربع وأكبر ظنك على أربع تشهدت ثم سجدت سجدتين وأنت جالس قبل أن تسلم ثم تشهدت أيضا ثم تسلم (د هق) عن ابن مسعود * ان أحدكم اذا قام يصلي جاء الشيطان فلبس عليه حتى لا يدري كم صلى فاذا وجد ذلك أحدكم فليسجد سجدتين وهو جالس ملك (ق د ن) عن أبي هريرة * انه لو حدث في الصلاة شيء لنبأتكم به ولكن انما أنا بشر أنسى كما تنسون فاذا نسيت فذكروني واذا شك أحدكم في صلاته فليتحر الصواب فليتم ثم ليسلم ثم ليسجد سجدتين (ق د ن ه) عن ابن مسعود * اذا صلى أحدكم فلم يدر زاد أم نقص فليسجد سجدتين وهو قاعد فاذا أتاه الشيطان فقال انك قد أحدثت فليقل في نفسه كذبت الا ما وجد ريحا بانفه أو سمع صوتا باذنه (حم د حب لـ) عن أبي سعيد * سجدتا السهو في الصلاة تجزئان من كل زيادة ونقصان (ع عد هق) عن عائشة * لكل

سهو سجدتان بعد ما سلم (حم د ه) عن ثوبان * سجدتا السهو بعد التسليم وفيها تشهد وسلام (فر) عن أبي هريرة * ليس في صلاة الخوف سهو (طب) عن ابن مسعود خيثمة في جزئه عن ابن عمر * ان نسائي الشيطان ليسيء القوم وليصفق النساء (د) عن أبي هريرة * ان الامام يكفي من وراءه فان سها الامام فعليه سجدتا السهو وعلى من وراءه أن يسجد ومعه فان سها أحد ممن خلفه فليس عليه أن يسجد والامام يكفيه (هق) عن عمر * (الاكمال) * اذ فعوا غن وضوئكم (١٩٧) باليقين وعن صلاتكم بالشك الديلمي عن عائشة * اذا صلى أحدكم فلم يدر كم صلى ثلاثا أو أربعا فليركع ركعة يحسن ركوعها وسجودها ثم يسجد سجدتين (لك هق) عن ابن عمر * هاتان السجدتان ان ظن انه زاد في صلاته أو نقص (طب) عن ابن مسعود * لا سهو في وتيرة الصلاة الا في قيام عن جالوس أو جالوس عن قيام (لك هق) عن ابن عمر * ليعد صلاته أو ليسجد سجدتين قاعدا (طب) عن عبادة بن الصامت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن رجل سها في صلاته فلم يدر كم صلى قال فذكره * التسبيح للرجال والتصفيق للنسوان ومن أشار في صلاته اشارة تفهم عنه فليعدها (هق ض) عن أبي هريرة * (الافعال) * عن عمر قال لا تعاد الصلاة يعني من السهو (عب ش) * عن عبد الله بن حنظلة الراهب قال صلى بنا عمر بن الخطاب المغرب فلم يقرأ في الركعة الاولى شيأ فلما قام في الركعة الثانية قرأ بفاتحة الكتاب وسورة ثم عاد فقرأ بفاتحة الكتاب وسورة ثم مضى فلما فرغ من صلاته سجد سجدتين بعد ما سلم وفي لفظ سجد سجدتين ثم سلم (عب) وابن سعد والحرث (هق) * عن أبي سلمة بن عبد الرحمن ان عمر بن الخطاب كان يصلي بالناس المغرب فلم يقرأ فيهما فلما انصرف قيل له ما قرأت قال فكيف كان الركوع والسجود قالوا حسنا قال فلا بأس اذن مالك (عب هق) * عن ابراهيم النخعي ان عمر ابن الخطاب صلى بالناس صلاة المغرب فلم يقرأ شيأ حتى سلم فلما فرغ قيل له انك لم تقرأ شيأ فقال اني جهزت عيرا الى الشام فجعلت أنزلها منقلة

وصحبه ان أبا بكر كان يصلي لهم في وجع النبي صلى الله عليه وسلم الذي توفي فيه حتى اذا كان يوم الاثنين فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح بن كيسان قال قال ابن شهاب أخبرني أنس بن مالك ان أبا بكر كان يصلي بهم في وجع رسول الله صلى الله عليه وسلم الذي توفي فيه كان يوم الاثنين وهم صفوف الى الصلاة قال كشف رسول الله صلى الله عليه وسلم ستر الحجرة فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان فاطمة بكت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا أبتاه من ربه ما أدناه يا أبتاه الى جبريل أنعاه يا أبتاه جنة الفردوس مأواه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال أخذ النبي صلى الله عليه وسلم على النساء حين بايعهن ان لا يحنن فقلن يا رسول الله ان نساء أسعدننا في الجاهلية أفنسعدهن في الاسلام فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا اسعاد في الاسلام ولا شغار ولا عقر في الاسلام ولا جلب في الاسلام ولا جنب ومن انتهب فليس منا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم وذلك في العصر يا أنس اني أريد الصيام فاطعمني شيأ قال فجئته بتمر وانا فيه بعد ما أذن بلال فقال يا أنس انظر انسانا يأكل معي قال فدعوت زيد بن ثابت فقال يا رسول الله اني شربت شربة سويق وأنا أريد الصيام قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا أريد الصيام فتسحر معه وصلى ركعتين ثم خرج فاقيمت الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ثابت عن أنس قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين لا والله ما قال لي سبة قط ولا قال لي أف قط ولا قال لي لشيء فعلته لم فعلته ولا لشيء لم أفعله ألا نطته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن قتادة عن أنس قال نزل على النبي صلى الله عليه وسلم ليغفر لك الله ما تقدم من ذنبك وما تأخر مرجعنا من الحديبية فقال النبي صلى الله عليه وسلم لقد أنزلت علي آية أحب الي مما على الارض ثم قرأها عليهم النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا هنيئا مريئا يا رسول الله لقد بين الله عز وجل لك ماذا يفعل بك فماذا يفعل بنا فانزلت عليهم ليدخل المؤمنين والمؤمنات جنات حتى بلغ فوزا عظيما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن خالد ثنا رباح ثنا معمر عن قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يكون في أمتي اختلاف وفرقة يخرج منهم قوم يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم سيماهم الحلق والتسبيت فاذا رأيتموهم فانيموهم التسبيت يعني استئصال الشعر القصير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن خالد ثنا رباح عن معمر عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال ألا أصلي لكم صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بهم صلاة حسنة لم يطول فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم في دارنا فحلب له داجن فشابوا لبنها بماء الدار ثم ناولوه النبي صلى الله عليه وسلم فشرب وأبو بكر عن يساره واعرابي عن يمينه فقال له عمر يا رسول الله اعط أبا بكر عندك وخشي أن يعطيه الاعرابي قال فاعطاه الاعرابي ثم قال الايمن فالايمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن ثابت عن أنس قال مر بجنازة على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اثنوا عليها فقالوا كان ما علمنا يحب الله ورسوله وأثنوا عليه خيرا فقال وجبت ثم مر عليه بجنازة أخرى فقال اثنوا عليها فقالوا بئس المرء كان في دين الله فقال وجبت أنتم شهداء الله في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا هشام بن حسان وروح ثنا هشام

منقلة حتى قدمت الشام فبعتها واقتنيا واحلاسها وأحلاسها فاعاد عمر وأعادوا (هق) *عن عكرمة بن خالد عن الثقة أن عمر بن الخطاب صلى العشاء الآخرة للناس بالجابية فلم تقر أفيها حتى فرغ فلما فرغ دخل فطاف به عبد الرحمن بن عوف وتنحنح له حتى سمع عبد الرحمن حسه وعلم أنه ذو حاجة فقال من هذا فقال عبد الرحمن بن عوف قال ألك حاجة قال نعم قال فادخل فدخل فقال أرأيت ما صنعت آنفا عهدك اليك رسول الله صلى الله عليه وسلم أم رأيته قال وما (١٩٨) هو قال لم تقرأ في العشاء قال أوفعلت قال نعم قال فاني سهوت حين زرت عيرا من الشام حتى قدمت

ابن حسان عن مروان مولى هند ابنة المهلب قال روح أرسلتني هند إلى أنس بن مالك ولم يقل زوج النبي صلى الله عليه وسلم في حاجة فسمعته يحدث أصحابه أنه سمع النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن زكريا بن أبي زائدة ثنا أبو أيوب الافريقي عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم حنين من تفرد بدم رجل فقتله فله سلبه قال فجاء أبو طلحة بسلب أحد وعشرين رجلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن اسامة عن سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس قال جاء أبو طلحة يوم حنين بأصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم من أم سليم قال يا رسول الله ألم تر الى أم سليم متقلدة خنجرا فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم ما تصنعين به يا أم سليم قالت أردت ان دنا مني أحد منهم طعنته به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مروان بن معاوية قال أخبرني هلال بن سويد أبو معلى قال سمعت أنس بن مالك وهو يقول أهديت لرسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاث طوائر فأطعم خادمه طائرا فلما كان من الغد أتته به فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم ألم أنهك ان ترفعي شيأ فان الله عز وجل يأتي برزق كل غد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مروان بن معاوية ثنا حنظلة بن عبد الله السدوسي قال ثنا أنس بن مالك قال قال رجل يا رسول الله أحدنا يلقى صديقه أينحني له قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا قال فيلتزمه ويقبله قال لا قال فيصافحه قال نعم ان شاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم ثنا الاوزاعي قال حدثني يحيى بن أبي كثير قال حدثني أبو قلابة الجرمي عن أنس بن مالك قال قدم على النبي صلى الله عليه وسلم ثمانية نفر من عكل فاسلموا فاجتووا المدينة فامرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يأتوا ابل الصدقة فيشربوا من ألبانها وأبوالها ففعلوا فصحوا فارتدوا وقتلوا رعاتها وأوردها وساقوها فبعث رسول الله صلى الله عليه وسلم في طلبهم فأتي بهم فقطع أيديهم وأرجلهم ولم يحسمهم حتى ماتوا وسمل أعينهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك انه حدثهم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أراد ان يكتب الى الاعاجم فقيل انهم لا يقبلون كتابا الا بنقش فاتخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من فضة ونقش فيه محمد رسول الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال حدثني حسين بن واقد قال حدثني ثابت البناني قال حدثني أنس بن مالك ان رجلا قال يا رسول الله متى الساعة قال ما أعددت لها قال حب الله ورسوله قال أنت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال أخبرني علي بن مسعدة الباهلي قال ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يستقيم ايمان عبد حتى يستقيم قلبه ولا يستقيم قلبه حتى يستقيم لسانه ولا يدخل رجل الجنة لا يأمن جاره بوائقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال أخبرني علي بن مسعدة الباهلي عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل ابن آدم خطاء فخير الخطائين التوابون ولو أن لابن آدم واديين من مال لابتغى لهما الثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال حدثني حرير بن حازم الازدي أبو النضر ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم كانت مدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن سعيد وهو أبو أحمد الطالقاني ثنا محمد بن راشد قال سمعت مكحولا يحدث عن موسى بن أنس عن أنه قال لم يبلغ رسول الله صلى الله عليه وسلم من الشيب ما يخضب ولكن أبا بكر كان يخضب بالحناء والكتم حتى يقنأ شعره قال عبد الله وجدت في كتاب

المدينة فامر المؤذن فاقام الصلاة ثم عاد فصلى العشاء للناس فلما فرغ خطب قال لا صلاة لمن لم يقرأ فيها ان الذي صنعت آنفا اني سهوت بجهرت عيرا من الشام حتى قدمت المدينة فقسمتها (عب) *عن علي قال اذا نسي الرجل أن يقرأ في الركعتين الاوليين من الظهر والعصر والعشاء فليقرأ في الركعتين الاخريين وقد أجزأه (عب) *عن حبيب بن أبي ثابت أن عليا قال في رجل صلى الفجر فقرأ في ركعة ولم يقرأ في الاخرى قال يعيد الركعة التي لم يقرأ فيها (عب) *عن المسيب عن الحرث بن هشام المخزومي أن النبي صلى الله عليه وسلم سجد سجدتي السهو قبل أن يسلم أبو نعيم *قتادة أن حذيفة ركع بالمدائن ثلاث ركعات ثم سجد سجدتين وفعل في الاخرى مثل ذلك ابن جرير *عن ذي اليدين أقصرت الصلاة أم نسيت فقال ما قصرت الصلاة وما نسيت ثم أقبل على أبي بكر وعمر فقال ما يقول ذو اليدين فقالا صدق يا رسول الله فرجع رسول الله صلى الله عليه وسلم وثاب الناس فصلى ركعتين ثم سلم ثم سجد سجدتي السهو (حم طب) *عن أبي هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم سجد سجدتي السهو بعد ما سلم وتكلم وكبر وهو جالس ثم رفع وكبر ثم سجد وكبر ثم رفع وكبر (ش) *أيضا أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى يوما فسلم في ركعتين ثم انصرف فادركه ذو الشمالين فقال له يا رسول الله أنقصت الصلاة أم نسيت قال لم تنقص الصلاة ولم أنس قال بلى والذي بعثك بالحق فقال النبي صلى الله عليه وسلم صدق ذو اليدين قالوا نعم يا رسول الله فصلى بالناس ركعتين (عب ش) *عن ابن

عمر قال اذا شك الرجل فى صلاة فلم يدر أثلاثا أم أربعا ظنين على أتم ذلك فى نفسه وليس عليه سجود (عب) * أيضا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى بالناس ركعتين فسها فسلم فقال له رجل يقال له ذو اليدين نقصت الصلاة فقال لا فصلى ركعتين أخراوين ثم سلم ثم سجد ثم سلم (عب) * عن عبد الله بن مالك أن النبى صلى الله عليه وسلم صلى صلاة يظن انها العصر فلما كان فى الثالثة قام قبل أن يجلس فلما كان قبل أن يسلم سجد سجدتين (ش) * أيضا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قام فى اثنتين من الظهر نسى الجلوس (١٩٩) حتى اذا فرغ من صلاته الا أن يسلم سجد سجدتى السهو وسلم (عب ش) * أيضا صلى لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم احدى صلاتى العشاء فقام فى ركعتين فلم يجلس فلما كان فى آخر صلاته ما ننتظر ونا أن يسلم عليها فسجد سجدتين قبل التسليم ثم سلم (عب) * أيضا ان النبى صلى الله عليه وسلم قام فى الظهر وعليه جلوس فلما أتم صلاته سجد سجدتين وهو جالس قبل أن يسلم يكبر فى سجدة وسجدهما الناس معه مكان ما نسى من الجلوس (عب) * عن ابن مسعود صلى النبى صلى الله عليه وسلم الظهر خمسا فقيل له انك صليت خمسا فسجد سجدتين بعد ما سلم (ش خ م د ت ن ه) * أيضا ان النبى صلى الله عليه وسلم سجد سجدتى السهو بعد الكلام (ش) * عن طاوس أن النبى صلى الله عليه وسلم صلى بعض الاربع فسلم فى سجدتين فقال له ذو اليدين أنسيت أم خففت عنا يا نبى الله قال أو فعلت قال نعم فعاد وصلى ركعتين ثم سجد سجدتين وهو جالس

أبى بخط يده ثنا زيد بن الحباب قال أخبرنى عمرو بن حمزة ثنا خالد أبو الربيع أنهم سمعوا سعيد بن أبى عروبة ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان هذا الدين متين فأوغلوا فيه برفق **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الاعلى بن عبد الاعلى عن معمر عن الزهرى عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تباغضوا ولا تحاسدوا ولا تدابروا وكونوا عباد الله اخوانا ولا يحل لمسلم ان يهجر أخاه فوق ثلاثة أيام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الاعلى عن معمر عن الزهرى عن أنس ابن مالك قال كان الحسن بن على أشبههم وجها برسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الاعلى ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان أم سليم سألت النبى صلى الله عليه وسلم قالت ترى المرأة ما يرى الرجل فى منامها فقال نبى الله صلى الله عليه وسلم اذا رأت ما يرى الرجل يعنى الماء فلتغتسل قالت أم سلمة أو يكون فقال النبى صلى الله عليه وسلم نعم ماء الرجل غليظ أبيض وماء المرأة رقيق أصفر فمن أيهما سبق أو علا قال سعيد نحن نشك يكون الشبه **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا على بن اسحق قال انا عبد الله انا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرت ان أقاتل الناس حتى يشهدوا ان لا اله الا الله وان محمدا رسول الله فاذا شهدوا واستقبلوا قبلتنا وأكلوا ذبيحتنا وصلوا صلاتنا فقد حرمت علينا دماؤهم وأموالهم الا بحقها لهم ما للمسلمين وعليهم ما عليهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد هو ابن زياد ثنا أبو عبيدة عن سلام أبى المنذر عن ثابت عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم قال حبب الى النساء والطيب وجعل قرة عينى فى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد أبو عبيدة الحداد ثنا المعلى بن جابر يعنى الكوفى قال حدثنى موسى بن أنس بن مالك عن أبيه قال كان اذا قام المؤذن فأذن صلاة المغرب فى مسجد بالمدينة قام من شاء فصلى حتى تقام الصلاة ومن شاء ركع ركعتين ثم قعد وذلك بعينى النبى صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد حدثنا حميد عن أنس قال كنا نصلى المغرب مع نبى الله صلى الله عليه وسلم ثم ينطلق الرجل الى بنى سلمة وهو يرى موقع سهمه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد ثنا حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فعرض له رجل فحبسه حتى كاد بعض القوم ان ينعس **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد ثنا حماد بن زيد عن سلم العلوى عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم قال له يا بنى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الواحد ثنا هما معا عن قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم زجر عن الشرب قائما فقيل لانس فالاكل قال ذاك أشد أو أنكر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد بن هرون أنا عاصم قال سألت أنس بن مالك أحرم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة قال نعم هى حرام حرمها الله ورسوله لا يختلى خلاها فمن فعل ذلك فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحب أن يليه المهاجرون والانصار فى الصلاة ليأخذوا عنه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد أنا حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان ذات ليلة يصلى فى حجرته فجاء أناس من أصحابه فصلوا بصلاته فخفف ثم دخل البيت ثم خرج ففعل ذلك مرارا كل ذلك يصلى وينصرف فلما أصبح قالوا يا رسول الله صلينا معك البارحة ونحن نحب ان تمد فى صلاتك فقال قد علمت بمكانكم وعمدا فعلت ذلك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد ثنا حميد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى نخامة فى

(عب) * عن عبيد بن عمير قال صلى النبى صلى الله عليه وسلم العصر ركعتين ثم سلم وانصرف الى أهله قال وولى فادركه ذو اليدين أخو بنى سليم قال يا نبى الله أنسيت أم خفضت عنا الصلاة قال وما ذاك قال صليت العصر ركعتين قال أصدق ذو اليدين أخو بنى سليم قال الناس نعم قال النبى صلى الله عليه وسلم حى على الفلاح حى على الفلاح قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة ثم صلى بهم ركعتين ثم انصرف (قط عب) * عن قيس بن أبى حازم ان سعدا قام فى الركعتين فسبحوا فلم يجلس حتى قضى صلاته سجد سجدتين وهو جالس (عب) * عن أنس انه نسى ركعة من صلاته

الفريضة حتى دخل المتطوع ثم ذكر فصلى بقية صلاة الفريضة ثم سجد سجدتين وهو جالس (عب)* عن عمران بن حصين قال سلم رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثلاث ركعات في العصر فقام اليه رجل يقال له الخرباق وكان طويل اليدين فقال أقصرت الصلاة يا رسول الله فخرج مغضبا يجر رداءه حتى انتهى إلى الناس فقال أصدق هذا فقالوا نعم فقام فصلى تلك الركعة ثم سلم ثم سجد سجدتين ثم سلم (ش طب)* عن معاوية بن خديج أن النبي صلى الله (٢٠٠) عليه وسلم صلى يوما فسلم فانصرف وقد بقي عليه من الصلاة ركعة فأدركه رجل فقال نسيت من

قبلة المسجد فبكها فرؤي في وجهه شدة ذلك عليه فقال ان العبد اذا قام يصلي فانما يناجي ربه عز وجل فيما بينه وبين القبلة فاذا بصق أحدكم فليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى أو يفعل هكذا وأخذ طرف ردائه فبصق فيه ثم دلك بعضه ببعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس ان أم سليم أخذت بيد مقدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة فقالت يا رسول الله هذا أنس ابني وهو غلام كاتب قال أنس فخدمته تسع سنين فما قال لي لشيء صنعته أسأت أو بئسما ما صنعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد والانصاري قال ثنا حميد المعنى عن أنس بن مالك قال ان كان ليعجبني الرجل من أهل البادية يجيء فيسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فجاء اعرابي فقال يا رسول الله متى الساعة قال وأقيمت الصلاة فمضى رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى فلما قضى الصلاة قال أين السائل عن الساعة فقام الرجل فقال أنا فقال وما أعددت لها قال ما أعددت لها من كثير صلاة ولا صيام الا أني أحب الله ورسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرء مع من أحب قال فما رأيت المسلمين فرحوا بشيء بعد الاسلام فرحهم بذلك وقال الانصاري من كثير عمل صلاة ولا صيام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون ثنا حميد عن أنس بن مالك قال سئل هل اصطنع رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما قال نعم أخر ليلة الصلاة صلاة العشاء الى شطر الليل ثم صلى فلما صلى أقبل بوجهه فقال ان الناس قد صلوا ونام وا وانكم لم تزالوا في صلاة منذ انتظرتم الصلاة قال فكأني أنظر الى وبيص خاتمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا حميد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم واصل في آخر الشهر فواصل ناس من الناس فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لو مد لنا الشهر لواصلن وصالا يدع المتعمقون تعمقهم انى لست مثلكم اني أبيت يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم انفكت قدمه فقعد في مشربة له ودرجتها من جذوع وآتى من نساءه شهرا فأتاه أصحابه يعودونه فصلى بهم قاعدا وهم قيام فلما حضرت الصلاة الاخرى قال انما ائتموا بامامكم فاذا صلى قائما فصلوا قياما وان صلى قاعدا فصلوا قعودا معه قعودا قال ونزل في تسع وعشرين فاتوا يا رسول الله انك آليت شهرا قال الشهر تسع وعشرون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس قال أولم رسول الله صلى الله عليه وسلم بزينب فأشبع المسلمين خبزا ولحما ثم خرج كما كان يصنع اذا تزوج فيأتي حجر أمهات المؤمنين فيسلم عليهن ويدعو لهن ويسلمن عليه ويدعون له ثم رجع وأنا معه فلما انتهى الى الباب اذا رجلان فدجري بينهما الحديث في ناحية البيت فلما أبصرهما رسول الله صلى الله عليه وسلم انصرف فلما رأى الرجلان النبي صلى الله عليه وسلم قد رجع وثبا فزعين فخرجا فلا أدري أنا الخبرته أو من أخبره فرجع النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال كانت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم متقاربة وأبو بكر حتى كان عمر قد في صلاة الغداة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال ما شممت ريحا قط ولا عنبرا أطيب من ريح رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا مسست قط خزا ولا حريرا ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال قال المهاجرون يا رسول الله ما رأينا مثل قوم قدمنا عليهم أحسن مواساة في قليل ولا أحسن بذلا في كثير لقد كفونا المؤنة وأشركونا في المهنا حتى لقد خشينا ان يذهبوا بالاجر كله قال لا ما اثنيتم عليهم

الصلاة ركعة فرجع فدخل المسجد وأمر بلالا فاقام الصلاة فصلى بالناس ركعة فأخبرت بذلك الناس فقالوا أتعرف الرجل فقلت لا الا أن أراه فمر بي فقلت هو هذا فقالوا هذا طلحة بن عبيد الله (ش)* عن الشعبي قال صليت خلف المغيرة بن شعبة فقام في الثانية فسبح الناس به فلم يجلس فلما سلم وانفتل سجد سجدتين وهو جالس ثم قال هكذا رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم صنع (عب ش ت)* عن أبي حازم قال كنت عند سهل بن سعد الساعدي اذ قيل له كان بين بني عمرو بن عوف وأهل قباء شيء فقال قديم كان ذلك كنا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ جيء فقيل له انه كان بين أهل قباء شيء فانطلق النبي صلى الله عليه وسلم اليهم ليصلح بينهم فابطأ على الناس فقال بلال لابي بكر ألا أقيم الصلاة قال ما شئت فاقام بلال فتقدم الناس أبا بكر فبيناهو يصلي أقبل النبي صلى الله عليه وسلم فجعل يشق الصفوف حتى قام خلف أبي بكر فجعلوا يصفقون وكان لا يلتفت في الصلاة فلما أكثروا التفت فاذا النبي صلى الله عليه وسلم قائم خلفه فأشار اليه النبي صلى الله عليه وسلم أن صل فرفع أبو بكر يديه فحمد الله ورجع القهقرى حتى قام في الصف وتقدم النبي صلى الله عليه وسلم فصلى فلما فرغ قال ما منعك اذ أمرتك أن لا تكون قد صليت قال لا ينبغي لابن أبي قحافة أن يتقدم رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال النبي صلى الله عليه وسلم ما شأن التصفيق في الصلاة انما التسبيح للرجال والتصفيق للنساء (عب)* عن أبي هريرة خرج النبي صلى الله عليه وسلم يوما الى المسجد فقال أين الفتى فقيل هو ذاك يا رسول الله يوعك في آخر المسجد فاتاه

النبي صلى الله عليه وسلم فمسح على رأسي وقال لي ممروفا ثم أقبل على الناس فقال ان أناسا هوت في صلاتي فليمسح الرجال ولتصفق النساء فصلى النبي صلى الله عليه وسلم ولم يسه في شيء من صلاته ومع النبي صلى الله عليه وسلم صفار ونصف من الرجال وصفان من النساء أو صفان من الرجال ونصف من النساء (عب) * أيضا صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة العصر فسلم في ركعتين فقام ذوا اليدين فقال أقصرت الصلاة أم نسيت فقال النبي صلى الله عليه وسلم كل ذلك لم يكن قال قد كان بعض ذلك يا رسول الله فاقبل النبي (٢٤١) صلى الله عليه وسلم على الناس فقال أصدق ذوا اليدين قالوا نعم فاتم النبي صلى الله عليه وسلم ما بقي من الصلاة ثم سجد سجدتين وهو جالس بعد التسليم (عب م ن) * عن ابن شهاب عن أبي بكر بن سليمان بن أبي حثمة وأبي سلمة عبد الله عن يقنعان بحديثه ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى ركعتين في صلاة العصر أو صلاة الظهر ثم سلم فقال له ذو الشمالين ابن عبد عمرو يا نبي الله أقصرت الصلاة أم نسيت فقال للنبي صلى الله عليه وسلم لم تقصر ولم أنس فقال له ذو الشمالين بلى يا نبي الله قد كان بعض ذلك فالتفت النبي صلى الله عليه وسلم الى الناس فقال أصدق ذو اليدين قالوا نعم يا نبي الله فقام الصلاة حتى استيقن رسول الله صلى الله عليه وسلم (عب) * (سجود التلاوة) * اذا قرأ ابن آدم السجدة فسجد اعتزل الشيطان يبكي يقول يا ويله أمر ابن آدم بالسجود فسجد فله الجنة وأمرت بالسجود فعصيت فلي النار (حم م ٥) * عن أبي هريرة * السجدة التي في ص سجدها داود توبة ونحن نسجدها شكرا (طب)

ودعوتم الله عز وجل لهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال أبي وحدثناه الأنصاري ثنا حميد عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اني أعوذ بك من الكسل والهرم والجبن والبخل وفتنة الدجال وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس ان ابنا لام سليم صغيرا كان يقال له أبو عمير وكان له نغير وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل عليه ضاحكه فرآه حزينا فقال ما بال أبي عمير قالوا يا رسول الله مات نغيره قال فجعل يقول يا أبا عمير ما فعل النغير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد قال سئل أنس أخضب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لم يبلغ الشيب الا قليلا أو ثمانين هو قال كلكم يكره انما كانت شعيرات في مقدم لحيته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انصر أخاك ظالما أو مظلوما فقيل يا رسول الله هذا ننصره مظلوما فكيف ننصره ظالما قال تمنعه من الظلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم مر بنخل لبني النجار فسمع صوتا فقال ما هذا قالوا قبور رجل دفن في الجاهلية فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله عز وجل ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال الدجال ممسوح العين اليسرى عليها ظفرة مكتوب بين عينيه كافر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى لا يقال في الارض الله الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم شج في وجهه يوم أحد وكسرت رباعيته ورمي رمية على كتفه فجعل الدم يسيل على وجهه وهو يمسحه عن وجهه وهو يقول كيف تفلح أمة فعلوا هذا بنبيهم وهو يدعوهم الى الله عز وجل فأنزل ليس لك من الامر شيء أو يتوب عليهم الى آخر الآية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حميد عن أنس قال أعطى النبي صلى الله عليه وسلم من غنائم حنين الاقرع بن حابس مائة من الابل وعيينة بن حصن مائة من الابل فقال ناس من الانصار يعطي رسول الله صلى الله عليه وسلم غنائمنا ما نا تقطر سيوفهم من دمائنا أو تقطر سيوفنا من دمائهم فبلغه ذلك فأرسل الى الانصار فقال هل فيكم من غيركم قالوا لا الا ابن اخت لنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن اخت القوم منهم أفلتم كذا وكذا أما ترضون أن يذهب الناس بالدنيا وتذهبون بمحمد الى ديارهم قالوا بلى يا رسول الله قال والذي نفسي بيده لو أخذ الناس واديا أو شعبا أخذت وادي الانصار أو شعبهم الانصار كرشي وعيبتي ولولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس أن عمه غاب عن قتال بدر فقال غبت عن أول قتال قاتله النبي صلى الله عليه وسلم المشركين لئن الله أشهدني قتالا للمشركين ليرين الله ما أصنع فلما كان يوم أحد انكشف المسلمون فقال اللهم اني أعتذر اليك مما صنع هؤلاء يعني أصحابه وأبرأ اليك مما جاء به هؤلاء يعني المشركين ثم تقدم فلقيه سعد لا خراهادون أحد وقال يزيد بغداد يا خراها دون أحد فقال سعد أنا معك قال سعد فلم أستطع أن أصنع ما صنع فوجد فيه بضع وثمانون من بين ضربة بسيف وطعنة برمح ورمية بسهم قال فكنا نقول فيه وفي أصحابه نزلت فمنهم من قضى نحبه ومنهم من ينتظر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد أنا هشام عن يحيى يعني ابن أبي كثير عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا افطر عندنا قال أفطر عندكم الصائمون وأكل طعامكم الابرار وتنزلت


عن ابن عباس * انما هي توبة بني يعني ص (د ك) عن أبي سعيد * (الافعال) * عن الاسود قال ان عمر وعبد الله بن مسعود سجدا في اذا السماء انشقت (عب) والطحاوي * عن أبي هريرة سجدنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في اذا السماء انشقت واقرأ باسم ربك الذي خلق (ش) * عن أبي رافع صليت خلف أبي هريرة بالمدينة العشاء الآخرة فقرأ فيها اذا السماء انشقت فسجد فيها فقلت له تسجد فيها فقال رأيت خليلي أبا القاسم صلى الله عليه وسلم سجد فيها فلا أدع ذلك (ش) * عن ربيعة بن عبد الله قال قرأ عمر بن

الخطاب يوم الجمعة على المنبر بسورة النحل حتى إذا أتى السجدة نزل فسجد وسجد الناس معه حتى إذا كان الجمعة القابلة قرأها حتى إذا جاء السجدة قال أيها الناس انما نمر بالسجدة فمن سجد فقد أصاب ومن لم يسجد فلا اثم عليه ولم يسجد (عب) وابن خزيمة (هق) * عن ابن عمر ان عمر قال ان الله لم يفرض علينا السجود الا أن نشاء (خ هق) * عن ابن عباس قال رأيت عمر قرأ على المنبر ص فنزل فسجد ثم رقى المنبر (عب قط هق) * عن عمر قال ليس في المفصل (٢٠٢) سجود (ش) ومسدد وهو صحيح * عن عمر بن الخطاب أنه صلى الصبح فقرأ اذا السماء انشقت فسجد فيها (عب) ومسدد والطحاوي (طب) وأبو نعيم (ش) وهو صحيح * عن عمر أنه كان يسجد في الحج سجدتين وقال ان هذه السورة فضلت على سائر السور بسجدتين مالك (عب ش) وأبو عبيد في فضائله وابن مردويه (هق) * عن أبي هريرة لمندوحة عن عمر بن الخطاب قرأ والنجم اذا هوى فسجد فيها ثم قام فقرأ سورة أخرى مالك ومسدد والطحاوي (هق) * عن ابن عمر ان عمر سجد في ص مسدد * عن أبي مريم عبيد قال دخلت مع عمر بن الخطاب محراب داود فقرأ فيه (ص) وسجد (كر) * عن السائب بن يزيد قال صليت خلف عثمان الظهر فقرأ بسورة ص فسجد فيها ثم قام فقرأ ما بقي منها ثم ركع فقال له بعض القوم يا أمير المؤمنين أمن عزائم السجود قال سجدها رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن مردويه * عن السائب بن يزيد ان عثمان بن عفان قرأ ص وهو على المنبر فنزل فسجد (هق) * عن مسروق قال صليت خلف عثمان الصبح فقرأ بالنجم فسجد فيها ثم قام فقرأ سورة أخرى الطحاوي * عن جبلة بن سحيم قال صليت خلف حنظلة الانصاري امام مسجد قباء فقرأ في الركعة الاولى سورة مريم فلما بلغ السجدة سجد (خ) في الصحابة وأبو نعيم * عن زيد بن ثابت قرأت على رسول الله صلى الله عليه وسلم النجم فلم يسجد (ش) * عن أبي الدرداء أنه سجد مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اثنتي عشرة سجدة منهن التي في النجم (كر) * عن الحسن ان أبا موسى الأشعري رأى كأنه يكتب في منامه ص فلما انتهى الى السجدة بدر القلم من يده فسجد وبدرت الدواة ولم يبق في البيت

---

عليكم الملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة ومحمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا لرسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الكتاب يسلمون علينا فكيف نرد عليهم قال قولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تواصلوا قالوا يا رسول الله انك تواصل قال اني لست كاحدكم اني أبيت أطعم وأسقى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال المدينة يأتيها الدجال فيجد الملائكة يحرسونها فلا يقربها الدجال ولا الطاعون ان شاء الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم على رجل وهو يسوق بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها ويحك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ليعتمد أحدكم في صلاته ولا يفترش ذراعيه كالكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا محمد بن عمرو عن كثير بن خنيس عن أنس بن مالك انه حدثهم ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم وهو يخطب فقال يا رسول الله متى الساعة قال وما أعددت للساعة قال حب الله ورسوله قال أنت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سفيان يعني ابن حسين عن الزهري عن أنس قال لما مرض رسول الله صلى الله عليه وسلم مرضه الذي توفي فيه أتاه بلال يؤذنه بالصلاة فقال بعد مرتين يا بلال قد بلغت فمن شاء فليصل ومن شاء فليدع فرموجع اليه بلال فقال يا رسول الله بابي أنت وأمي حمى يصلي بالناس قال مر أبا بكر فليصل بالناس فلما ان تقدم أبو بكر رفعت عن رسول الله صلى الله عليه وسلم الستور قال فنظرنا اليه كأنه ورقة بيضاء على وجهه فذهب أبو بكر يتأخر وظن أنه يريد الخروج الى الصلاة فأشار رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أبي بكر ان يقوم فيصلي فصلى أبو بكر بالناس فما رأيناه بعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا يحيى بن سعيد قال سمعت أنس بن مالك يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الا أخبركم بخير دور الانصار قالوا بلى قال دور بني النجار قال ألا أخبركم بالذين يلونهم قالوا بلى يا رسول الله قال دور بني الحرث بن الخزرج الا أخبركم بالذين يلونهم قالوا نعم يا رسول الله قال دور بني ساعدة قال ثم رفع صوته فقال في كل دور الانصار خير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال لأحدثنكم حديثا لا يحدثكم به أحد بعدي سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان من اشراط الساعة ان يرفع العلم ويظهر الجهل ويشرب الخمر ويظهر الزنا ويقل الرجال ويكثر النساء حتى يكون قيم خمسين امرأة رجل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان في مسير له فكان حاد يحدو بنسائه أو سائق قال فكان نساؤه يتقدمن بين يديه فقال يا انجشة ويحك ارفق بالقوارير قال شعبة هذا في الحديث من نحو قوله وان وجدناه لبحرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون وروح قالا ثنا هشام بن حسان قال روح عن عبد الله بن دهقان وقال يزيد عن عبيد الله بن دهقان عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يأكل الرجل بشماله أو يشرب بشماله قال روح في حديثه ويشرب بشماله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا خالد بن الحرث ثنا هشام بن حسان عن عبيد الله بن دهقان عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى ان يأكل الرجل بشماله

شئ الاسجد فكل من يسجد معه يقول اللهم اغفر لهم اذنبا واحفظ بهم اوزرا واعظم بهم اجرا قال أبو موسى فغدوت الى النبي صلى الله عليه وسلم فأخبرته فقال يا أبا موسى سجدة سجدها نبي كانت عندها توبة فسجدت كما سجد وأتربت كما ترقب (كر) *عن ابن عباس كان النبي صلى الله عليه وسلم يسجد في ص (ش) *عن ابن مسعود سجد رسول الله صلى الله عليه وسلم في النجم فما بقي أحد الا سجد معه الا شيخ أخذ كفا من تراب فرفعه الى جبهته فلقد رأيته قتل كافرا (ش) *عن علي ان النبي صلى الله عليه وسلم (٢٠٣) سجد في صلاة الصبح في تنزيل السجدة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم أعتق صفية بنت حيي وجعل ذلك صداقها. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد وأبو قطن قالا ثنا شعبة عن حماد عن أنس بن مالك قال قال أبو القاسم صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار ولم يقل أبو قطن متعمدا. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن الحسن الواسطي وهو الزبيري قال حدثني مصعب بن سليم عن أنس بن مالك قال أهدي لرسول الله صلى الله عليه وسلم تمر فجعل يقسمه بيكتل واحدو أنا رسوله به حتى فرغ منه فقال يا كل وهو مقع أكلا ذريعا فعرفت في أكله الجوع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا همام عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم كان لنعليه قبالان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد بن سلمة عن قتادة وثابت عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رفع رأسه من الركوع قام حتى نقول قد أوهم واذا رفع رأسه من السجدة جلس بين السجدتين حتى نقول قد اوهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اصوت أبي طلحة أشد على المشركين من فئة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حرير يعني ابن حازم عن قتادة قال قلت لانس بن مالك كيف كان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان شعرا رجلا ليس بالسبط ولا بالجعد بين أذنيه وعاتقيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن هشام بن زيد بن أنس عن أنس بن مالك ان جارية خرجت عليها أوضاح فأخذها يهودي فرضخ رأسها وأخذ ما عليها فأتي بها رسول الله صلى الله عليه وسلم وبها رمق فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم من قتلك فلان فقالت برأسها لا فقال فلان فقالت برأسها لا قال فقلان اليهودي فقالت برأسها نعم فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم فرضخ رأسه بين حجرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا همام عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم بمثل حديث شعبة الا ان قتادة قال في حديثه فاعترف اليهودي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا ربعي بن الجارود بن أبي سبرة التميمي قال حدثني عمرو ابن أبي الحجاج عن الجارود بن أبي سبرة عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد أن يصلي على راحلته تلوعا استقبل القبلة فكبر للصلاة ثم خلى عن راحلته فصلى حيثما توجهت به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا شعبة عن عطاء بن أبي ميمونة عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج لحاجته أتيته أنا وغلام بإداوة وعنزة فاستنجى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا صدقة بن موسى أنا أبو عمران الجوني عن أنس بن مالك قال وقت لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في قص الشارب وتقليم الاظفار وحلق العانة في كل أربعين يوما مرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يؤتى بأنعم أهل الدنيا من أهل النار يوم القيامة فيصبغ في النار صبغة ثم يقال له يا ابن آدم هل رأيت خيرا قط هل مر بك نعيم قط فيقول لا والله يا رب ويؤتى بأشد الناس في الدنيا من أهل الجنة فيصبغ في الجنة صبغة فيقال له يا ابن آدم هل رأيت بؤسا قط هل مر بك شدة قط فيقول لا والله يا رب ما مر بي بؤس قط ولا رأيت شدة قط

(طس) وسنده ضعيف *عن علي قال عزائم السجود أربع ألم تنزيل السجدة وحم السجدة واقرأ باسم ربك والنجم (ص ش طس) وابن منده في تاريخ أصبهان (هق) *(سجدة الشكر *(الاكمال)* ياسلمان لا تسجد لي أرأيت لو مت أكنت ساجد القبري لا تسجد لي واسجد للحي الذي لا يموت الدينوري عن سلمان *(الافعال)* عن أبي عوانة الثقفي محمد ابن عبيد الله عن رجل لم يسمه قال سجد أبو بكر حين جاء فتح اليمامة (عب ش هق) *عن منصور قال بلغني ان أبا بكر وعمر سجدا سجدة الشكر (ش) *عن أسلم قال بشر عمر بفتح فسجد (ش هق) *(القعدة ومايتعلق بها والتشهد فيها) * اذا تشهد أحدكم فليتعوذ من أربع من عذاب جهنم وعذاب القبر وفتنة المحيا والممات ومن شر المسيح الدجال ثم يدعو لنفسه مابدا له (ن) عن أبي هريرة * اذا فرغ أحدكم من التشهد الاخير فليتعوذ بالله من أربع يقول اللهم اني أعوذ بك من عذاب جهنم ومن عذاب القبر ومن فتنة المحيا والممات ومن شر فتنة المسيح الدجال (هق) عن أبي هريرة * اذا كان في وسط الصلاة أو حين انقضائها فابدؤا قبل التسليم فقولوا التحيات الطيبات والصلوات والسلام والملك لله ثم سلموا على النبيين ثم سلموا على أقاربكم وعلى أنفسكم (د طب هق) والضياء عن سمرة * نهى عن الاقعاء والتورك في الصلاة (ك هق) عن سمرة * نهى أن يجلس الرجل في الصلاة وهو معتمد على يده اليسرى وقال انها صلاة اليهود (د) عن ابن عمر * نهى أن يستوفز الرجل في صلاته (ك) عن سمرة *(الاكمال)* التحيات لله

الصلوات الطيبات السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله (د طب هق) عن ابن عمر (طب) عن سلمان (طب) عن أبي موسى * التحيات المباركات الصلوات الطيبات لله السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا رسول الله (م د ت) عن ابن عباس * التحيات لله والصلوات (٢٠٤) والطيبات السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله (طب) عن معاوية (هق) عن عائشة * التحيات لله والصلوات الغاديات الرائحات الزاكيات المباركات الطاهرات لله (طب) عن السيد الحسين * التحيات لله والصلوات الطيبات الزاكيات لله السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله (طب) عن أبي حميد الساعدي * لا تقولوا السلام على الله فان الله هو السلام ولكن قولوا التحيات لله والصلوات والطيبات السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين فانكم اذا قلتم ذلك أصاب كل عبد صالح في السماء والارض أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله ثم ليتخير من الدعاء أعجبه اليه فيدعو به (حم ش خ د م ن ه حب) عن ابن مسعود قال كنا اذا صلينا قلنا السلام على الله من عباده السلام على فلان وفلان فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره (عب) بلفظ اذا قلتم أصابت كل ملك مقرب أو نبي مرسل أو عبد صالح تعلموا فانه لا صلاة لا ينشهد وسلم البزار (طس) عن ابن مسعود * أتتعمد تعدة المغضوب عليهم (حم حب ك) عن الشريد بن سويد * (الافعال) * عن مالك بن نمير الخزاعي من أهل البصرة ان أباه حدثه انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم قاعدا في الصلاة واضعا ذراعه اليمنى على فخذه اليمنى رافعا أصبعه السبابة قد حناها شيأ وهو يدعو (كر) * عن أبي حميد الساعدي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا جلس في الصلاة في الركعتين الاوليين

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا همام عن أنس بن سيرين قال تلقينا أنس بن مالك حين قدم من الشام فلقيناه ببعض التمور وهو يصلي على دابته لغير القبلة فقلنا له انك تصلي الى غير القبلة فقال لولا اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعل ذلك ما فعلت **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا همام بن يحيى ثنا أبو غالب الخياط قال شهدت أنس بن مالك صلى على جنازة رجل فقام عند رأسه فلما رفع أتي بجنازة امرأة من قريش أو من الانصار فقيل له يا أبا حمزة هذه جنازة فلانة لابنة فلان فصل عليها فصلى عليها فقام وسطها وفينا العلاء بن زياد العدوي فلما رأى اختلاف قيامه على الرجل والمرأة قال يا أبا حمزة هكذا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم من الرجل حيث قمت ومن المرأة حيث قمت قال نعم قال فالتفت الينا العلاء فقال احفظوا **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا حماد بن زيد عن سلم العلوي عن أنس بن مالك قال كان القرع من أحب الطعام الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أو كان القرع يعجب رسول الله صلى الله عليه وسلم شك يزيد فأتي بقصعة فيها قرع فرأيته يدخل أصبعيه في المرق يتبع بهما القرع السبابة والوسطى فرق بينهما ثم ضمهما **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة قال سمعت عتابا مولى ابن هرمز يقول سمعت أنس بن مالك في سفينة فسمعته يقول بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم بيدي هذه وأشار بيده على السمع والطاعة فيما استطعت **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا حماد بن زيد ثنا ثابت البناني قال أنس فما دفنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ورجعنا قالت فاطمة يا أنس أطابت أنفسكم أن دفنتم رسول الله صلى الله عليه وسلم في التراب ورجعتم **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم في بيت ام حرام فأقامني عن يمينه وام حرام خلفنا **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد وعفان قالا أنا همام بن يحيى عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة قال عفان وهمام أنا اسحق بن أخي أنس بن مالك عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يطرق أهله ليلا كان يقدم غدوة أو عشية **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ بن معاذ أنا سليمان التيمي عن أبي مجلز عن أنس بن مالك قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو على رعل وذكوان وعصية **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ بن معاذ ثنا حميد الطويل وان أبي عدي عن حميد الطويل عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل المسجد فرأى حبلا ممدودا بين ساريتين قال ابن أبي عدي في المسجد فسأل عنه فقالوا فلانة تصلي فاذا غلبت تعلقت به فقال لتصل ما عقلت فاذا غلبت فلتنم **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ ثنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال قالت المهاجرون يا رسول الله ما رأينا مثل قوم قدمنا عليهم أحسن بذلا من كثير ولا أحسن مواساة في قليل قد كفونا المؤنة وأشركونا في المهنأ فقد خشينا ان يذهبوا بالاجر كله قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كلا ما أثنيتم عليهم به ودعوتم الله عز وجل لهم **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ ثنا حميد عن أنس قال لما قدم عبد الرحمن بن عوف مهاجرا آخى النبي صلى الله عليه وسلم بينه وبين سعد بن الربيع فقال له سعد لي مال فنصفه لك ولي امرأتان فانظر أعجبهما اليك حتى أطلقها فاذا انقضت عدتها تزوجها قال فقال له عبد الرحمن بارك الله لك في أهلك ومالك دلوني على السوق قال فما رجع يومئذ حتى رجع بشيء قد أصابه من السوق قال وفقده رسول الله صلى الله عليه وسلم أياما فأتاه وعليه وضر صفرة فقال له رسول الله صلى الله عليه

نصب قدمه اليمنى وافترش اليسرى وأشار باصبعه التي تليها الابهام واذا جلس في الاخريين أفضى بمقعدته الى الارض ونصب قدمه اليمنى (عب) *عن سمرة بن جندب قال أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نعتدل في الجلوس ولا نستوفز (كر) *عن طاوس قال قلنا لابن عباس في الاقعاء على القدمين قال هي السنة قلنا انا لنراه جفاء بالرجل قال ابن عباس هي سنة نبيك صلى الله عليه وسلم (عب) *عن ابن مسعود ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا قعد في الركعتين الاوليين كأنه على الرضف حتى (٢٠٥) يقوم (ش) *عن ذيال بن عبيد بن حنظلة

وسلم مهيم قال تزوجت امرأة من الانصار قال ما سقت اليها قال نواة من ذهب أو وقال وزن نواة من ذهب قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أولم ولو بشاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ ثنا ابن عون عن محمد قال كان أنس بن مالك اذا حدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم حديثا فرغ منه قال أو كما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاذ ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون قراءتهم في صلاتهم بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن ابي عدي عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أخف أو أتم الناس صلاة وأوجزه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم والمهاجرون يحفرون الخندق في غداة باردة قال أنس ولم يكن لهم خدم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم انما الخير خير الآخره فاغفر للانصار والمهاجره قال فاجابوه نحن الذين بايعوا محمدا على الجهاد ما بقينا أبدا ولا ننفر ولا ننفر ولا ننفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أسلم ناس من عرينة فاجتووا المدينة فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم لو خرجتم الى ذود لنا فشربتم من ألبانها قال حميد وقال قتادة عن أنس وأبوالها ففعلوا فلما صحوا كفروا بعد اسلامهم وقتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم مؤمنا أو مسلما وساقوا ذود رسول الله صلى الله عليه وسلم وهربوا فحاربهم بين فارسل رسول الله صلى الله عليه وسلم في آثارهم فاخذوا فقطع أيديهم وأرجلهم وسمر أعينهم ونركهم في الحرة حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا حميد عن أنس قال قدم رهط من عرينة على النبي صلى الله عليه وسلم فاجتووا المدينة فذكر معناه وذكر أيضا في حديثه قال حميد حدث قتادة في هذا الحديث وأبوالها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كانت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم متقاربة وصلاة أبي بكر حتى بسط عمر في صلاة الغداة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كنا نصلي المغرب في مسجد النبي صلى الله عليه وسلم ثم نأتي بني سلمة وأحدنا يرى مواقع نبله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال بينما رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي اذ سمع بكاء صبي فتجوز في صلاته فظننا انه انما خفف من أجل الصبي ان أمه كانت في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد قال سئل أنس عن عذاب القبر فقال كان النبي صلى الله عليه وسلم يتعوذ يقول اللهم اني أعوذ بك من الكسل والهرم والجبن والبخل وفتنة الدجال وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة وعرض رجل للنبي صلى الله عليه وسلم فحدثه فما زال يحدثه بعدما أقيمت الصلاة حتى نعس بعض القوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يحب أن يليه في الصلاة المهاجرون والانصار ليحفظوا عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال أقيمت الصلاة وكان بين النبي صلى الله عليه وسلم وبين نسائه شئ فجعل يرد بعضهن على بعض فمضى أبو بكر فقال يا رسول الله أحث في أفواههن التراب واخرج الى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج ذات يوم وهو معصوب الرأس قال فتلقاه الانصار ونساؤهم وأبناؤهم فاذا هو بين وجوه الانصار فقال والذي نفسي بيده اني لاحبكم وقال ان

قال سمعت جدي حنظلة يقول أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فرأيته يصلي جالسا متربعا وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحبه أن يدعو الرجل بأحب أسمائه اليه وأحب كناه أو نعيم *عن ابن عمر انه رأى رجلا جالسا معتمدا بيده على الارض فقال انك جلست جلسة قوم عذبوا (عب) *أيضا نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يجلس الرجل في الصلاة وهو معتمد على يديه (عب) *عن نافع ان ابن عمر رأى رجلا جالسا معتمدا على يديه فقال ما يجلسك في صلاتك جلوس المغضوب عليهم (عب) *عن أبي ميسرة كان النبي صلى الله عليه وسلم يقول في وضع الرجل شماله اذا جلس في الصلاة هي قعدة المغضوب عليهم (عب) *عن أبي هريرة نهاني خليلي رسول الله صلى الله عليه وسلم ان اقعى كاقعاء القرد (عب) *عن ابن عباس انه كان يكره التربع في الصلاة (عب) *عن ابن مسعود قال لان يجلس الرجل على الرضفتين خير من أن يجلس في الصلاة متربعا (عب) *عن ابن عباس قال أخذ عمر بن الخطاب بيدي فعلمني التشهد وزعم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذ بيده فعلمه التشهد التحيات لله الصلوات الطيبات المباركات لله (قط) وقال هذا اسناد حسن (ك) *عن عبد الرحمن بن عبد القاري انه سمع عمر بن الخطاب وهو على المنبر وهو يعلم الناس التشهد يقول قولوا التحيات لله الزاكيات لله الطيبات الصلوات لله السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله مالك والشافعي (عب) والطحاوي (ك هق) *عن عبد الرحمن بن

عبد القاري قال شهدت عمر بن الخطاب وهو على المنبر وهو يعلم الناس التشهد فقال بسم الله خير الاسماء التحيات لله الزاكيات لله الطيبات الصلوات لله السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله (عب هق) *عن عروة أن عمر بن الخطاب كان يعلم الناس التشهد في الصلاة وهو يخطب الناس على منبر رسول الله صلى الله عليه وسلم فيقول اذا تشهد أحدكم فليقل (٢٠٦) بسم الله خير الاسماء التحيات الزاكيات الصلوات الطيبات لله السلام عليك أيها النبي صلى الله عليه وسلم ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأن محمدا عبده ورسوله قال عمر زايدوا بانفسكم بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم وسلموا على عباد الله الصالحين (هق) *عن عبد الرحمن بن عبد القاري قال سمعت عمر بن الخطاب يعلم الناس التشهد في الصلاة وهو على منبر رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أيها الناس اذا جلس أحدكم ليسلم من صلاته أو يتشهد وسطها فليقل بسم الله خير الاسماء التحيات الصلوات الطيبات المباركات لله أربع أيها الناس أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله أشهد أيها الناس قبل السلام السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين ولا يقول أحدكم السلام على جبريل السلام على ميكائيل السلام على ملائكة الله اذا قال السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين فقد سلم على كل عبد صالح في السموات وفي الارض ثم ليسلم (هق) *عن أبي المتوكل قال سألت أبا سعيد الخدري عن التشهد فقال التحيات الصلوات الطيبات لله السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله فقال أبو سعيد كنا لا نكتب شيأ الا القرآن والتشهد (ش) *عن أبي موسى قال النبي صلى الله عليه وسلم أعطيت فواتح الكلام وخواتمه وجوامعه فقلنا علمنا مما علمك الله فعلمنا التشهد (ش) *عن عبد الله بن الزبير عن ابن جريج عن عطاء

الانصار ادفنوا ما عليهم وبقي ما لكم فاحسنوا الى محسنهم وتجاوزوا عن مسيئهم **حدثنا** أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن حنبل حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال لما كان يوم أحد كسرت رباعية رسول الله صلى الله عليه وسلم وشج في وجهه قال فجعل الدم يسيل على وجهه فجعل يمسح الدم عن وجهه ويقول كيف يفلح قوم خضبوا وجه نبيهم بالدم وهو يدعوهم الى الله عز وجل قال فانزل الله عز وجل ليس لك من الامر شئ أو يتوب عليهم أو يعذبهم فانهم ظالمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال كان أبو طلحة بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع رأسه من خلفه ينظر الى مواقع نبله فيتطاول أبو طلحة بصدره يقي به رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ويقول يا رسول الله نحري دون نحرك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا ابن أبي عدي عن حميد عن أنس قال شار رسول الله صلى الله عليه وسلم الى خيبر فانتهى اليها ليلا قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا طرق ليلا لم يغر عليهم حتى يصبح فان سمع أذانا أمسك وان لم يكونوا يصلون أغار عليهم قال فلما أصبحنا ركب وركب المسلمون قال فخرج أهل القرية الى حروثهم معهم مكاتلهم ومساحيهم فلما رأوا رسول الله صلى الله عليه وسلم والمسلمين قالوا محمد والله والخميس قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الله أكبر الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين قال أنس وأني لرديف أبي طلحة وان قدمي لتمس قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج وعبد الله بن الحرث عن ابن جريج قال أخبرني زياد يعني ابن سعد ان ابن شهاب أخبره ان أنس بن مالك أخبره انه رأى في يد رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من ورق يوما واحدا ثم ان الناس اصطنعوا الخواتيم من ورق ولبسوها فطرح النبي صلى الله عليه وسلم خاتمه فطرح الناس خواتيمهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زرارة بن أبي الحلال العتكي قال سمعت أنس بن مالك يقول رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يأكل وبين يديه مرقة فنهاد باء فجعل يتتبعها يأكله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا هشام عن محمد قال سألت أنس بن مالك هل خضب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لم يكن رأى من الشيب الا يسيرا وقد خضب أبو بكر وعمر أحسب بالحناء والكتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زرارة بن أبي الحلال العتكي قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا أنجشة كذلك سيرك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد وعبد الوهاب أخبرنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان قائلا من الناس قال يا نبي الله اما ورد الدجال المدينة قال اما انه ليعمد اليها ولكنه يجد الملائكة صافة بنقابها وأبوابها يحرسونها من الدجال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قال عبد الوهاب في حديثه قال قتادة وثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال انه مكتوب بين عينيه كفر يعني يقرؤه كل مؤمن أمي أو كاتب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا حسين المعلم عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال والذي نفسي بيده لا يؤمن عبد حتى يحب لاخيه ما يحب لنفسه من الخير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال أخبرني موسى بن أنس قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رجل يا رسول الله من أبي قال أبوك فلان فنزلت يا أيها الذين آمنوا لا تسألوا عن أشياء ان تبد لكم تسؤكم الى تمام الآية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة ثنا أنس بن مالك ان

قال سمعت ابن عباس وابن الزبير يقولان في التشهد في الصلاة التحيات المباركات لله الصلوات الطيبات لله السلام على النبي ورحمة الله وبركاته السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله قال لقد سمعت ابن الزبير يقولهن على المنبر يعلمهن الناس ولقد سمعت ابن عباس يقولهن كذلك قلت فلم يختلف فيهما ابن عباس وابن الزبير قال لا (عب)* عن أبي العالية قال سمع ابن عباس رجلا حين جلس في الصلاة يقول الحمد لله قبل التشهد فانتهره يقول لبتدئ بالتشهد (عب) (٢٠٧) *عن ابن عمر أن النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا قعد في التشهد وضع يده اليمنى على ركبته اليمنى ووضع يده اليسرى على ركبته اليسرى وعقد ثلاثا وخمسين ثم يدعو (ن) عن ابن مسعود كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعلمنا التشهد كما يعلمنا السورة من القرآن (ش)* أيضا كنا نكتب في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من الاحاديث الا الاستخارة والتشهد (ش) *عن ابن جريج قال أخبرني عطاء ان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم كانوا يسلمون والنبي صلى الله عليه وسلم حي السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته فلما مات قالوا السلام على النبي ورحمة الله وبركاته قال عطاء وبينا النبي صلى الله عليه وسلم يعلم التشهد فقال رجل وأشهد أن محمدا رسوله وعبده فقال النبي صلى الله عليه وسلم قد كنت عبدا قبل أن أكون رسولا قل وأشهد أن محمدا عبده ورسوله (عب) *عن علي انه كان اذا تشهد قال بسم الله وبالله (هق) *عن النهري قال سألت الحسين ابن علي عن تشهد علي فقال هو تشهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت حدثني بتشهد علي عن تشهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال التحيات لله والصلوات والغاديات والرائحات والزاكيات والناميات المتتابعات الطاهرات لله (طس) *(الاشارة في القعدة بالاصبع وقت التشهد ودعاؤه)* تحريك الاصابع في الصلاة مذعرة للشيطان (هق) عن ابن عمر* في كل اشارة في الصلاة عشر حسنات المؤمل بن اهاب في جزئه عن عقبة بن عامر *(الافعال)* عن ابن التيمي قال سئل ابن عباس عن تحريك الرجل أصبعه في الصلاة فقال ذاك الاخلاص (عب)

أكيد ردومة أهدى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم جبة سندس أو ديباج شك فيه سعيد قبل ان ينهى عن الحرير فلبسها فتعجب الناس منها فقال والذي نفس محمد بيده لمناديل سعد بن معاذ في الجنة أحسن منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة أن أنس بن مالك أنبأهم ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ان بين عينيه مكتوب كاف ر أي كافر يقرؤها المؤمن أمي وكاتب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا أشعث عن الحسن عن أنس بن مالك انه قال ما صليت خلف أحد بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم أوجز صلاة ولا أتم من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يؤمن أحدكم حتى يكون الله ورسوله أحب اليه مما سواهما وحتى يقذف في النار أحب اليه من ان يعود في الكفر بعد أن نجاه الله منه ولا يؤمن أحدكم حتى أكون أحب اليه من ولده ووالده والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت منصورا قال سمعت طاوسا يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم بمثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا أشعث عن الحسن عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى الظهر ثم ركب راحلته فلما علا جبل البيداء أهل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا شيبان ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان أهل مكة سألوا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يريهم آية فاراهم انشقاق القمر مرتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة ثنا أنس بن مالك أن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ان في الجنة شجرة يسير الراكب في ظلها مائة عام لا يقطعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة قال حدث أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بينا أنا أسير في الجنة اذ عرض لي نهر حافتاه قباب اللؤلؤ المجوف فقلت ما هذا يا جبريل قال هذا الكوثر الذي أعطاك ربك قال فاهوى الملك بيده فاخرج من طينه مسكا اذفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر أنا أبو بكر بن عياش عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن أنس قال أقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم يمشي حتى انتهى الى المسجد فربط بغلته فقال أين السائل أو رجل قال متى الساعة يا رسول الله قال وما أعددت لها فقال الرجل والذي بعثك بالحق ما أعددت لها من كثير صلاة ولا صيام ولكني أحب الله ورسوله قال فانت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود ثنا أبو بكر عن حميد عن أنس قال قلت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين يوما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ومحمد بن جعفر قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صرخ بهما جميعا أو لبى بهما جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح وعفان المعنى قالا ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان فتى من الانصار قال يا رسول الله اني أريد الجهاد وليس لي مال أتجهز به فقال اذهب الى فلان الانصاري فانه قد كان تجهز ومرض فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرئك السلام ويقول لك ادفع الي ما تجهزت به فقال له ذلك فقال يا فلانة ادفعي اليه ما تجهزت به ولا تحبسي عنه شيأ فانك والله ان حبستي عنه شيأ لا يبارك الله لك فيه قال عفان ان فتى من أسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح وعفان قالا ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لغدوة في سبيل أو روحة خير من الدنيا وما فيها ولقاب قوس أحدكم من الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح وعفان قالا ثنا حماد عن ثابت عن أنس

* عن ابن عمر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لهي أشد على الشيطان من الحديد يعني السبابة في الصلاة ابن النجار * عن عبد الرحمن ابن أبزى كان النبي صلى الله عليه وسلم يقول في صلاته هكذا وأشار باصبعه السبابة (عب) * عن أبي بكر قال قلت لرسول الله صلى الله عليه وسلم علمني دعاء أدعو به في صلاتي قال قل اللهم إني ظلمت نفسي ظلما كثيرا ولا يغفر الذنوب إلا أنت فاغفر لي مغفرة من عندك وارحمني انك أنت الغفور الرحيم (ش خ م ت ن ه) (٢٠٨) وابن خزيمة وأبو عوانة (حب قط) في الافراد (هق) * عن ابن عباس انه كان يقول اللهم تقبل شفاعة محمد الكبرى وارفع درجته العليا وآته سؤله في الآخرة والاولى كما آتيت ابراهيم وموسى (عب)

* (الصلاة في التشهد على النبي صلى الله عليه وسلم) * اذا صليتم على فقولوا اللهم صل على محمد النبي الامي وعلى آل محمد كما صليت على ابراهيم وعلى آل ابراهيم وبارك على محمد النبي الامي وعلى آل محمد كما باركت على ابراهيم وعلى آل ابراهيم انك حميد مجيد (حم حب قط هق) عن ابن مسعود * قولوا اللهم صل على محمد عبدك ورسولك كما صليت على ابراهيم وبارك على محمد وآل محمد كما باركت على ابراهيم وآل ابراهيم (حم خ ن ه) عن أبي سعيد * قولوا اللهم صل على محمد وعلى آل محمد كما صليت على ابراهيم وعلى آل ابراهيم انك حميد مجيد اللهم بارك على محمد كما باركت على ابراهيم وآل ابراهيم انك حميد مجيد (حم ق د ن ه) عن كعب بن عجرة * قولوا اللهم صل على محمد النبي الامي وعلى آل محمد كما صليت على ابراهيم وبارك على محمد النبي الامي كما باركت على ابراهيم في العالمين انك حميد مجيد والسلام قد علمتم (م ٣) عن أبي مسعود الانصاري * قولوا اللهم صل على ثنا

قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يؤتى بالرجل من أهل الجنة فيقول له يا ابن آدم كيف وجدت منزلك فيقول أي رب خير منزل فيقول سل وتمن فيقول ما أسأل وأتمنى إلا أن تردني الى الدنيا فاقتل في سبيلك عشر مرات لما يرى من فضل الشهادة ويؤتى بالرجل من أهل النار فيقول له يا ابن آدم كيف وجدت منزلك فيقول أي رب شر منزل فيقول له أتفتدي منه بطلاع الارض ذهبا فيقول أي رب نعم فيقول كذبت قد سألتك أقل من ذلك وأيسر فلم تفعل فيرد الى النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن ثابت عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يكثر أن يقول في دعائه اللهم آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار قال شعبة فقلت لثابت أسمعه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال نعم صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا هشام عن محمد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رمى الجمرة ثم نحر البدن والحجام جالس ثم قال للحجام ووصف هشام ذلك ووضع يده على ذؤابته فحلق أحد شقيه الايمن وقسمه بين الناس وحلق الآخر فاعطاه أبا طلحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت ثابتا البناني قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يتمن أحدكم الموت من ضر أصابه فان كان لا بد فاعلا فليقل اللهم احيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني ما كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت علي بن زيد وعبد العزيز بن صهيب قالا سمعنا أنس بن مالك يحدث بمثله الا انه قال من ضر نزل به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت منصورا قال سمعت سالم بن أبي الجعد يحدث عن أنس بن مالك ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم متى الساعة فقال ما أعددت لها قال ما أعددت لها من كثير صيام ولا صلاة ولا صدقة ولكني أحب الله ورسوله قال انت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا عثمان ابن سعد قال سمعت أنس بن مالك يقول ما أعرف شيئا مما شهدت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اليوم فقال أبو رافع يا أبا حمزة ولا الصلاة فقال أوليس قد علمت ما صنع الحجاج في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح وعبد الصمد قالا ثنا هشام بن أبي عبد الله عن قتادة عن أنس بن مالك انه مشى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بخبز شعير وإهالة سخنة وقد رهن درعه عند يهودي فاخذ شعير الاهله وقد سمعته ذات يوم يقول قال عبد الصمد يقول ذلك مرارا ما أمسى عند آل محمد صاع بر ولا صاع حب وان عنده لتسع نسوة حينئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لكل نبي دعوة قد دعا بها في أمته وإني اختبأت دعوتي شفاعة لامتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا هشام بن أبي عبد الله عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ليصيبن ناسا سفع من النار عقوبة بذنوب عملوها ثم ليدخلهم الله الجنة بفضل رحمته يقال لهم الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن أبي عبد الله عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول في دعائه اللهم اني أعوذ بك من العجز والكسل والجبن والبخل والهرم وعذاب القبر وأعوذ بك من فتنة المحيا وفتنة الممات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن المثنى ثنا اسرائيل عن أبي اسحق عن بريد بن أبي مريم عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من سأل الله الجنة ثلاثا قالت الجنة اللهم أدخله الجنة ومن استعاذ بالله من النار ثلاثا قالت النار اللهم أعذه من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي

محمد وعلى أزواجه وذريته كما صليت على ابراهيم وبارك على محمد وعلى أزواجه وذريته كما باركت على ابراهيم انك حميد مجيد (حم ق د ن ه) عن أبي حميد الساعدي * اذا جلست في صلاتك فلا تتركن الصلاة على فانها زكاة الصلاة (قط) عن بريدة * (الافعال) * عن ابن مسعود قال اذا صليتم فاحسنوا الصلاة على نبيكم صلى الله عليه وسلم (عب) * (منع الاشارة باليد وقت السلام) * مالي أراكم رافعي أيديكم كانها أذناب خيل

شمس اسكنوا فى الصلاة (حم م دش) عن جابر بن سمرة * علام تومئون بايديكم كانها أذناب خيل شمس وانما يكفى أحدكم أن يضع يده على فخذه ثم يسلم على أخيه عن يمينه وشماله (حم) عن جابر بن سمرة * ما شأنكم تشيرون بايديكم كانها أذناب خيل شمس اذا سلم أحدكم فليلتفت الى أصحابه ولا يومئ بيده (م ن) عن جابر بن سمرة * (الاكمال) * يحسب أحدكم اذا قضى صلاته أن يضع يده على فخذه ويسلم على أخيه عن يمينه السلام عليكم ورحمة الله وبركاته وعن شماله مثل ذلك (طب) عن جابر بن سمرة (٢٠٩) * (الخروج من الصلاة بالسلام أو بالكلام) * لا تواصل صلاة بصلاة حتى تتكلم أو تخرج (حم م) عن معاوية * اذا قضى الامام الصلاة وقعد فاحدث قبل أن يتكلم فقد تمت صلاته ومن كان خلفه ممن أتم الصلاة (د) عن ابن عمر * خذف السلام سنة (حم د ك هق) عن أبى هريرة * فى كل ركعتين تسليمة (ه) عن أبى سعيد * فى كل ركعتين التحية (م) عن عائشة * لم تحسدنا اليهود بشئ ما حسدونا بثلاث التسليم والتأمين واللهم ربنا ولك الحمد (هق) عن عائشة * (الاكمال) * اذا قعد الامام فى آخر ركعة من صلاته ثم أحدث قبل أن يتشهد فقد تمت صلاته (هق) وضعفه عن ابن عمرو * اذا أحدث الامام بعدما يرفع رأسه من آخر السجود واستوى جالسا تمت صلاته وصلاة من خلفه ممن اتم به ممن أدرك معه أول الصلاة ابن جرير عن ابن عمرو * (الاذكار) * عن السائب ابن يزيد أمر النبى صلى الله عليه وسلم انا لا نوصل صلاة بصلاة حتى نتكلم أو نخرج * عن الزهرى ان عبد الله ابن عمر أراد ابن عمرو قال فصل الصلاة التسليم (عب) * عن عاصم بن ضمرة عن على قال اذا جلس مقدار التشهد ثم أحدث فقد تمت صلاته (عب هق) وقال عاصم ليس بالقوى * عن مسروق قال كان أبو بكر يسلم عن يمينه وعن يساره السلام عليكم ورحمة الله ثم ينفتل ساعته كانه على الرضف (عب) وسعد والطحاوى * عن علقمة قال أول من رفع صوته بالتسليم عمر بن الخطاب كانوا يسلمون فى أنفسهم لا يرفعون أصواتهم بالتسليم حتى رفع عمر صوته (عب) * عن ابن طاوس

---

ثنا روح ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم كان يصوم حتى يقال قد نام ويفطر حتى يقال قد افطر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح وقال ثنا شعبة سمعت أبا التياح قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبى صلى الله عليه وسلم انه قال يسروا ولا تعسروا وسكنوا ولا تنفروا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا جرير بن حازم عن سلم العلوى عن أنس بن مالك قال كنت أخدم رسول الله صلى الله عليه وسلم فكنت أدخل عليه بغير اذن فجئت ذات يوم فدخلت عليه فقال يا بنى انه قد حدث أمر فلا تدخل على الا باذن **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح وعبد الوهاب قالا ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال لو أهدى الى كراع لقبلت ولو دعيت قال عبد الوهاب اليه وقال روح عليه لاجبت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم فى قوله عز وجل فلما تجلى ربه للجبل قال فاومأ بخنصره قال فساخ **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقاطعوا ولا تدابروا ولا تباغضوا ولا تحاسدوا وكونوا عباد الله اخوانا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج وزكريا بن اسحق عن ابن شهاب أخبرنى أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقاطعوا ولا تدابروا ولا تباغضوا ولا يحل لمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث ليال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا الضحاك بن مخلد ثنا عبد الرحمن بن وردان قال دخلنا على أنس بن مالك فى رهط من أهل المدينة قال صليتم يعنى العصر قالوا نعم قلنا أخبرنا أصلحك الله متى كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى هذه الصلاة قال كان يصليها والشمس بيضاء نقية **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا الضحاك بن مخلد ثنا سعيد بن أبى عروبة عن قتادة أن أنس بن مالك حدثهم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الخذاعة فى المسجد خطيئة وكفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عثمان بن عمر قال أنبأنا يونس عن الزهرى عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم اتخذ خاتما من ورق له فص حبشى ونقشه محمد رسول الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عثمان بن عمر أنا شعبة عن عبد الله بن عبد الله بن جبر قال سمعت أنس بن مالك يقول ان كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ليغتسل والمرأة من نسائه من الاناء الواحد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محبوب بن الحسن عن خالد يعنى الحذاء عن محمد قال سألت أنس بن مالك هل قنت عمر قال نعم ومن هو خير من عمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد الركوع **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا سليمان بن داود أنا شعبة عن ثابت قال سمعت أنسا يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكثر ان يدعو يقول اللهم آتنا فى الدنيا حسنة وفى الآخرة حسنة وقنا عذاب النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سليمان بن داود أنا شعبة عن ثابت سمع أنسا قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه فى الدعاء حتى يرى بياض ابطيه فذكرت ذلك لعلى بن زيد فقال انما ذاك فى الاستسقاء قال قلت أسمعته من أنس قال سبحان الله قال قلت أسمعته منه قال سبحان الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سليمان بن داود أنا شعبة عن قتادة عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم أتى بثوب حرير فجعلوا يمسونه ويتعجبون من هذا المناديل سعد أو مناديل سعد بن معاذ فى الجنة خير من هذا أو أبلى من هذا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سليمان ثنا شعبة عن حماد وعبد العزيز بن رفيع وعتاب مولى ابن هرمز وراقم أيضا سمعوا أنس يحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من كذب على متعمدا فليتبوأ مقعده من النار قال عبد الله قال أبى كذا

قال أول من جهر بالتسليم عمر بن الخطاب فعاب ذلك عليه الانصار فقالوا وعليك ماشأنك قال أردت أن يكون اذني (عب) *عن البراء بن عازب ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يسلم عن يمينه وعن شماله السلام عليكم ورحمة الله حتى يرى بياض خده (ش) *عن عبد الله بن عمان بن عباس ابن سهل بن سعد عن أبيه عن جده انه رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يسلم تسليمة واحدة يعطف وجهه الى الشق الايمن حتى يسلم وهو يؤم الناس حينئذ ابن النجار *عن الحسن (٢١٠) البصري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر يسلمون تسليمة واحدة (عب ش) *عن ابن مسعود قال ماتسيت فانسيت عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه كان يسلم عن يمينه السلام عليكم ورحمة الله حتى يرى بياض خده وعن يساره السلام عليكم ورحمة الله حتى يرى بياض خده أيضا (عب) *عن علي أنه كان يسلم عن يمينه وعن يساره السلام عليكم السلام عليكم (عب ش) *عن أنس رضي الله عنه أن النبي صلى الله عليه وسلم تسليمة (ش) *عن علي أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يسلم عن يمينه وعن يساره الاسمعني في مجمعه *(الفصل الثالث في مفسدات الصلاة ومحظوراتها وآدابها وفيه أربعة فروع الفرع الاول في المفسدات) *ان الله أحدث في الصلاة أن لاتكلموا الا بذكر الله وما ينبغي لكم وأن تقوموا لله قانتين (ن) عن ابن مسعود * ان هذه الصلاة لايصلح فيها شئ من كلام الناس انما هو التسبيح والتكبير وقراءة القرآن (حم م د ن) عن معاوية ابن الحكم *الضحك ينقض الصلاة ولا ينقض الوضوء (قط) عن جابر * الكشر لا يقطع الصلاة ولكن يقطعها القرقرة (خط) عن جابر * من صلى ركعة من الصبح ثم طلعت الشمس فليصل الصبح (ك) عن أبي هريرة * اذا أحدث أحدكم في صلاته فليأخذ بانفه ثم لينصرف (هـ ك حب هق) عن عائشة * اذا رعف أحدكم في صلاته فلينصرف فليغسل عنه الدم ثم ليعد وضوأه وليستقبل صلاته (قط طب) عن ابن عباس *(الاكمال) *من أشار في صلاته اشارة تفهم عنه فليعد صلاته (قط) عن أبي هريرة *من قهقه في الصلاة قهقهة شديدة فعليه الوضوء والصلاة الديلمي عن انس

قال لنا أخرا فيم انما هو عبد العزيز بن صهيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان وأبو سعيد يعني مولى بني هاشم قالا ثنا شعبة قال ثنا موسى بن أنس سمع أنسا عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال وهم يحفرون الخندق اللهم لا خير الا خير الآخرة فاصلح الانصار والمهاجرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال يقول الله عز وجل انا عند ظن عبدي بي وأنا معه اذا دعاني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان ابن داود ثنا شعبة عن هشام بن زيد بن أنس قال سمعت أنسا يقول جاء رجل من أهل الكتاب فسلم على النبي صلى الله عليه وسلم فقال السام عليكم فقال عمر بأرسول الله ألا أضرب عنقه قال لا اذا سلموا عليكم فقولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا اسحق عن أنس قال كنت أمشي مع النبي صلى الله عليه وسلم وعليه برد نجراني غليظ الحاشية فاعرابي يسأله من أهل البادية حتى انتهى الى بعض سحره فجذبه جذبة حتى انشق البرد وحتى تغيبت حاشيته في عنق رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان من تغيير رسول الله صلى الله عليه وسلم انه أمر له بشئ فاعطيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا اسحق عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لما بعث حراما خاله أخا أم سليم في سبعين رجلا فقتلوا يوم بئر معونة وكان رئيس المشركين يومئذ عامر بن الطفيل وكان هو أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال اختر مني ثلاث خصال يكون لك أهل السهل ويكون لي أهل الوبر أو أكون خليفتك من بعدك أو أغزو لك بغطفان ألف أشقر وألف شقراء قال فطعن في بيت امرأة من بني فلان فقال غدة كغدة البعير في بيت امرأة من بني فلان ائتوني بفرسي فأتي به فركبه فمات وهو على ظهره فنظائق حرام أخو أم سليم ورجلان معه رجل من بني أمية ورجل أعرج فقال لهم كونوا قريبا مني حتى آتيهم فان أمنوني والا كنتم قريبا فان قتلوني فاعلموا أصحابكم قال فاتاهم حرام فقال أتؤمنوني أبلغكم رسالة رسول الله صلى الله عليه وسلم اليكم قالوا نعم فجعل يحدثهم وأومؤا الى رجل منهم من خلفه فطعنه حتى أنفذه بالرمح قال الله أكبر فزت ورب الكعبة قال ثم قتلوهم كلهم غير الاعرج كان في رأس جبل قال أنس فانزل علينا وكان مما نقرأ فبلغوا قومنا انا لقينا ربنا فرضي عنا وأرضانا قال فدعا النبي صلى الله عليه وسلم عليهم أربعين صباحا على رعل وذكوان وبني لحيان وعصية الذين عصوا الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى ان ينذا بالسر والتمر جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبو هلال عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يزال العبد يخير مالم يستعجل قالوا وكيف يستعجل قال يقول قد دعوت ربي فلم يستجب لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وحسن بن موسى قالا ثنا أبو هلال عن قتادة عن أنس قال ما خطبنا النبي صلى الله عليه وسلم الا قال لا ايمان لمن لا أمانة له ولا دين لمن لا عهد له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبو هلال ثنا قتادة عن أنس ان أم حارثة قالت يارسول الله ان كان حارثة أصاب خيرا والا أكثرت البكاء قال يا أم حارثة انها جنان كثيرة وانه لفي الفردوس الاعلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبان ثنا قتادة عن

أنس * لا يقطع الصلاة شئ الا الحدث الحدث ان تفسو أو تضرط (طس) عن علي * من رعف أو قاء فانه يتوضأ ويبني مالم يتكلم (هق) في المعرفة عن عائشة * انما أنا بشر وانى كنت جنبا فنسيت أن أغتسل (طس هق) عن أبي هريرة (خم) عن أبي بكرة ان النبي صلى الله عليه وسلم كبر بهم في صلاة الصبح وأومأ اليهم ثم انطلق ورجع ورأسه يقطر فصلى بهم ثم قال فذكره * انى ذكرت انى كنت جنبا حين قمت الى الصلاة فاغتسل فمن وجد منكم في بطنه رزأ أو كان على مثل ما كنت عليه فليتصرف  حتى اذا فرغ من حاجته أو غسله ثم يعود الى صلاته (حم) عن علي * الضاحك في الصلاة والملتفت والمفرقع أصابعه بمنزلة واحدة (حب طب هق) وضعفه عن معاذ * لا يقطع الصلاة الا الثلاث لرعاف أو لاحداث أو لتسليم الانصراف عبد الرزاق عن عبد الله بن كعب الجبري مرسلا * اذا رعف أحدكم في الصلاة أو ذرعه القيء فان كان فلما يغسله أو وجد مذيا فلينصرف فليتوضأ ثم يرجع الى ما بقي من صلاته ولا يستقبلها جديدا وهو مع ذلك لا يتكلم حتى يرجع الى ما بقي من صلاته (عب) عن ابن جريج عن أبيه مرسلا * (الافعال) * عن مطيع بن الاسود قال صلى عمر بن الخطاب بالناس الصبح ثم ذكر احتلاما فاغتسل ثم أعاد صلاة الصبح ولم يأمر أحدا باعادة الصلاة (هق) * عن الشريد الثقفي ان عمر صلى بالناس وهو جنب فاعاد ولم يأمرهم أن يعيدوا (هق) * عن خالد بن اللجلاج ان عمر بن الخطاب صلى يوما للناس فلما صلى في الركعتين الاوليين أطال الجلوس فلما استقل قائما انكص خلفه فاخذ بيد رجل من القوم فقدمه مكانه فلما خرج الى العصر صلى للناس فلما انصرف أخذ بحناح المنبر فحمد الله وأثنى عليه ثم قال أما بعد أيها الناس فاني توضأت للصلاة فررت بامرأة من أهل بيتي فكان مني ومنها ما شاء الله أن يكون فلما كنت في صلاتي وجدت بللا فخيرت نفسي بين أمرين اما أن أستحي منكم وأجتري على الله واما أن أستحي من الله وأجتري عليكم فكان أن أستحي من الله وأجتري عليكم أحب الي فخرجت فتوضأت وجئت صلاتي فمن صنع منكم

أنس ان يهوديا دعا النبي صلى الله عليه وسلم الى خبز شعير وإهالة سنخة فاجابه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هيثم ثنا عبد الصمد ثنا هشام عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين أملحين أقرنين يذبحهما بيده ويضع رجله على صفاحهما يسمي ويكبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا سليمان ثنا ثابت عن أنس قال مر علي النبي صلى الله عليه وسلم بجنازة فاثنى عليها خيرا فقال وجبت ومر بجنازة فاثنى عليها شرا فقال وجبت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا عبد العزيز عن أنس قال لم يخرج الينا نبي الله صلى الله عليه وسلم ثلاثا فاقيمت الصلاة فذهب أبو بكر يتقدم فقال النبي صلى الله عليه وسلم بالحجاب فرفعه فلما وضح لنا وجه النبي صلى الله عليه وسلم ما نظرنا منظرا قط كان أعجب الينا من وجه نبي الله صلى الله عليه وسلم حين وضح لنا فاومأ بيده صلى الله عليه وسلم الى أبي بكر ان يتقدم وأرخى نبي الله صلى الله عليه وسلم الحجاب فلم يقدر عليه حتى مات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا عبد العزيز قال ثنا أنس بن مالك قال قبل نبي الله صلى الله عليه وسلم الى المدينة وهو مردف أبا بكر وأبو بكر شيخ يعرف ونبي الله صلى الله عليه وسلم شاب لا يعرف قال فيلقى الرجل أبا بكر فيقول يا أبا بكر من هذا الرجل الذي بين يديك فيقول هذا الرجل يهدي الى السبيل فيحسب الحاسب انه انما يهديه الطريق وانما يعني سبيل الخير فالتفت أبو بكر فاذا هو بفارس قد لحقهم فقال يا نبي الله هذا فارس قد لحق بنا قال فالتفت نبي الله صلى الله عليه وسلم فقال اللهم اصرعه فصرعته فرسه ثم قامت تجمجم قال ثم قال يا نبي الله مرني بما شئت قال قف مكانك لا تتركن أحدا يلحق بنا قال فكان أول النهار جاهدا على نبي الله صلى الله عليه وسلم وكان آخر النهار مسلحة له قال فنزل نبي الله صلى الله عليه وسلم جانب الحرة ثم بعث الى الانصار فجاؤا نبي الله صلى الله عليه وسلم فسلموا عليهما وقالوا اركبا آمنين مطاعين قال فركب نبي الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وحفوا حولهما بالسلاح قال فقيل بالمدينة جاء نبي الله فاستشرفوا نبي الله صلى الله عليه وسلم ينظرون اليه ويقولون جاء نبي الله فاقبل يسير حتى جاء الى جانب دار أبي أيوب قالوا فانه ليحدث أهله اذ سمع به عبد الله بن سلام وهو في نخل لاهله يخترف لهم منه فعجل ان يصنع الذي يخترف فيها فجاء وهي معه فسمع من نبي الله صلى الله عليه وسلم فرجع الى أهله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أي بيوت أهلنا أقرب قال فقال أبو أيوب انا يا نبي الله هذه داري وهذا بابي قال فانطلق فهيئ لنا مقيلا قال فذهب فهيأ لهما مقيلا ثم جاء فقال يا نبي الله قد هيأت لكما مقيلا فقوما على بركة الله فقيلا فلما جاء نبي الله صلى الله عليه وسلم جاء عبد الله ابن سلام فقال أشهد أنك رسول الله حقا وانك جئت بحق ولقد علمت اليهود اني سيدهم وابن سيدهم وأعلمهم وابن أعلمهم فادعهم فاسألهم قبل ان يعلموا باسلامي فدخلوا عليه فقال لهم نبي الله صلى الله عليه وسلم يا معشر اليهود ويلكم اتقوا الله فوالذي لا اله الا هو انكم لتعلمون اني رسول الله حقا واني جئتكم بحق اسلموا قالوا ما نعلمه نسلانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا شعيب بن الحبحاب عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال الدجال ممسوح العين مكتوب بين عينيه ك ف ر يقرؤه كل مسلم ك ف ر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا أبو هاصم عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينفس في الشراب ثلاثا ويقول انه أدوأ وأبرأ وأمرأ قال أنس وانا أتنفس ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي ثنا أبو التياح يزيد بن حميد الضبعي قال حدثني أنس بن

كما صنعته فليصنع كما صنعت (هق) * حدثنا عباد بن العوام عن حجاج عن رجل عن عمر بن الحرث بن أبي ضرار عن عمر بن الخطاب في رجل اذا رعف في الصلاة قال ينفتل فيتوضأ ثم يرجع فيصلي ويبتدىء بما مضى حدثنا عباد بن العوام عن حجاج قال حدثني شيخ من أهل الحديث عن أبي بكر مثل قول عمر (ش) * عن علي قال اذا أم الرجل القوم فوجد في بطنه رزا أو قيأ أو رعافا فليضع ثوبه على أنفه وليأخذ بيد رجل من القوم فليقدمه (قط) * عن علي قال (٢١٢) أيما رجل دخل في الصلاة فأصابه رزء في بطنه أو قيء أو رعاف فخشي أن يحدث قبل أن يسلم الامام فليجعل يده على أنفه ثم ان كان يريد أن يعتد بما قد مضى فلا يتكلم حتى يتوضأ ثم يستقبل ما بقي فان تكلم فليستقبل وان كان قد تشهد فقد أن يحدث قبل أن يسلم الامام فليسلم فقد تمت صلاته (عب هق)

* عن أبي بكرة أن النبي صلى الله عليه وسلم كبر في صلاة الفجر ثم أومأ اليهم ثم انطلق فاغتسل فجاء ورأسه يقطر فصلى بهم (كر) * عن سلمان الفارسي قال اذا وجد أحدكم رزا من غائط أو بول فلينصرف فليتوضأ غير متكلم ولا راع الصنعة يعني عمل بدنه ليعد الى الآية التي كان يقرأ (عب)

* عن ابن المسيب قال النبي صلى الله عليه وسلم باصحابه مرة وهو جنب فاعاد بهم (عب) وسنده ضعيف

* عن عمر قال لا تصلوا على أثر صلاة مثلها (ش) وسمويه * عن عمر قال لا تصلين دبر كل صلاة مكتوبة بمثلها (عب ش)

* عن عمر قال سمعت منادي النبي صلى الله عليه وسلم ينادي لا يقربن الصلاة سكران ابن جرير * عن شيبة بن مسلم عن الحكم بن مرة صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم انه رأى رجلا يصلي فاساء الصلاة فانفتل فقال له صل فانك لم تصل قال فصليت فاعاد عليه مرارا فقال والله لتصلين والله لا تعصي الله جهارا أبو نعيم * عن ابن عباس قال النفخ في الصلاة بمنزلة الكلام (عب)

* عن زيد بن أسلم قال عطس رجل في الصلاة فقال له اعرابي الى جنبه رحمك الله قال الاعرابي فنظر الي القوم فقلت واثكلاه ما لهم ينظرون الي فضربوا بايديهم على أفخاذهم فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم صلاته دعاني فقال الاعرابي بأبي هو وأمي ما رأيت معلما قط خيرا منه

---

ما لك قال لما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم نزل في علو المدينة في حي يقال لهم بنو عمرو بن عوف فاقام فيهم أربع عشرة ليلة ثم انه أرسل الي ملأ من بني النجار قال فجاؤا متقلدين سيوفهم قال فكاني أنظر الى رسول الله صلى الله عليه وسلم على راحلته وأبو بكر ردفه وملأ بني النجار حوله حتى ألقى بفناء أبي أيوب قال فكان يصلي حيث أدركته الصلاة ويصلي في مرابض الغنم ثم انه أمر ببناء المسجد فارسل الى ملأ من بني النجار فجاؤا فقال يا بني النجار ثامنوني حائطكم هذا فقالوا والله لا نطلب ثمنه الا الى الله قال وكان فيه ما أقول لكم كانت فيه قبور المشركين وكان فيه خرب وكان فيه نخل فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم بقبور المشركين فنبشت وبالخرب فسويت وبالنخل فقطع قال فصفوا النخل الى قبلة المسجد وجعلوا عضادتيه حجارة قال وجعلوا ينقلون ذلك الصخر وهم يرتجزون ورسول الله صلى الله عليه وسلم معهم يقول اللهم لا خير الا خير الآخره فانصر الانصار والمهاجره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبي قال أنا أبو التياح ثنا أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أحسن الناس خلقا وكان لي أخ يقال له أبو عمير قال أحسبه قال فطيما قال وكان اذا جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فرآه قال أبا عمير ما فعل النغير قال نغر كان يلعب به قال فربما حضرته الصلاة وهو في بيتنا فأمر بالبساط الذي تحته فكنس ثم ينضح بالماء ثم يقوم رسول الله صلى الله عليه وسلم ونقوم خلفه فيصلي بنا قال وكان بساطهم من جريد النخل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم بعبد الله بن أبي طلحة حين ولد وهو بهنأ بعيرا له وعليه عباءة فقال لعلك تمرفنا ولتة تمرات فالقاهن في فيه فلاكهن ثم فغر فاه ثم أوجرهن اياه فجعل يتلمظ الصبي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حب الانصار التمر وسماه عبد الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن قتادة والقاسم جميعا عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا سلم عليكم أهل الكتاب فقولوا عليكم وقال الآخر وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتاكم أهل اليمن وهم أرق قلوبا منكم وهم أول من جاء بالمصافحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد ثنا ثابت قال سمعت عن أنس بن مالك أن أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم أتوه ليلة في رمضان وصلى لهم خفف ثم دخل فاطال الصلاة ثم خرج فصلى بهم ثم دخل فاطال الصلاة ففعل ذلك مرارا فلما أصبح قالوا يا رسول الله أتينا الليلة فصنعت كذا وكذا فقال من أجلكم فعلت ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وعفان قالا ثنا حماد المعني عن سماك عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث ببراءة مع أبي بكر الصديق رضي الله عنه فلما بلغ ذا الحليفة قال عفان لا يبلغها الا أنا أو رجل من أهل بيتي فبعث بها مع علي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان أم أيمن بكت لما قبض رسول الله صلى الله عليه وسلم فقيل لها ما يبكيك على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت اني قد علمت أن النبي صلى الله عليه وسلم سيموت ولكن انما أبكي على الوحي الذي رفع عنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى نخاعة في قبلة المسجد فحكها بيده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال لما قدم أهل اليمن على النبي صلى الله عليه وسلم قالوا ابعث معنا رجلا يعلمنا كتاب ربنا والسنة قال فاخذ النبي صلى الله عليه وسلم بيد أبي عبيدة فدفعه اليهم وقال هذا أمين هذه الامة **حدثنا**

والله ما كهرني ولا شتمني فقال ان الصلاة لا يصلح فيها شئ من كلام الناس انما هو تسبيح وتكبير وتهليل وقراءة القرآن (عب) * عن ابن جريج عن عطاء قال بلغني ان المسلمين كانوا يتكلمون في الصلاة كما تتكلم اليهود والنصارى حتى نزلت واذا قرئ القرآن فاستمعوا له وانصتوا (عب) * حدثنا هشيم أنبأنا منصور عن ابن سيرين وأنبأنا خالد عن حفصة عن أبي العلاء قال بينا النبي صلى الله عليه وسلم يصلي اذ أقبل رجل في بصره سوء فمر على بئر عليها خصفة فوقع في البئر فضحك بعض أصحاب رسول الله صلى الله (٢١٣) عليه وسلم فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم صلاته قال من كان منكم ضحك فليعد الوضوء وليعد الصلاة (عب) * عن ابن عباس قال من صلى وفي ثوبه دم أو احتلام علم به بعد ثلاثا بعد الصلاة (عب) * عن عاصم بن ضمرة عن علي انه صلى بالناس جنبا ثم أمر ابن النباح فنادى من كان صلى معي على أمير المؤمنين الصبح فليعد الصلاة فانه من صلى بالناس وهو جنب (عب هق) * عن القاسم ان أبي امامة قال صلى عمر بالناس وهو جنب فاعاد ولم يعد الناس فقال له علي قد كان ينبغي لمن صلى معك أن يعيد فرجعوا الى قول علي قال القاسم وقال ابن مسعود مثل قول علي (عب) * عن معبد بن صخر القرشي قال صليت خلف عثمان بن عفان وعلي بن أبي طالب الى جنبي فانصرف وهو يقول صليت بغير وضوء ولم يصر وا على ما فعلوا وهم يعلمون فأتى المطهرة فتوضأ ثم صلى الترقوفي في جزئه * عن الزهري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى في ثوبه دما فانصرف من الصلاة (ص) * (الفرع الثاني في محظورات الصلاة ومكروهاتها من البزاق والنخاعة ومسح الجبهة والالتفات والتشبيك ومدافعة الاخبثين) * اذا وجد أحدكم القملة وهو يصلي فلا يقتلها ولكن يصرها حتى يصلي (هق) عن رباح * ان أحدكم اذا قام في صلاته فانه يناجي ربه وان ربه بينه وبين القبلة فلا يبزقن أحدكم قبل قبلته ولكن عن يساره أو تحت قدمه (ق) عن أنس * اذا قام أحدكم الى الصلاة فلا يبزق امامه فانما يناجي الله تبارك وتعالى مادام في مصلاه ولا عن يمينه فان عن يمينه ملكا ولكن يبصق عن يساره أو تحت قدمه فيدفنها (حم ق م) عن أبي هريرة * أبصر

عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لما أراد أن يحلق رأسه قبض أبو طلحة على أحد شقي رأسه فلما حاقه الحجام أخذه فجاء به أم سليم فجعلت تجعله في طيبها

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وحسن قالا ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيت كأني الليلة في دار رواقع بن عقبة قال حسن في دار عقبة بن رافع فأوتينا بتمر من تمر ابن طاب فأولت ان لنا الرفعة في الدنيا والعاقبة في الآخرة وان ديننا قد طاب

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الله يعني ابن أبي بكر المزني ثنا عطاء بن أبي ميمونة قال ولا أعلمه الا عن أنس قال ما رفع الى رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر فيه القصاص الا أمر فيه بالعفو

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الله بن المثنى عن ثمامة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا تكلم بكلمة رددها ثلاثا واذا أتى قوما فسلم عليهم سلم عليهم ثلاثا

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا بسطام بن حريث عن أشعث الحراني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم شفاعتي لاهل الكبائر من أمتي

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عمار أبو هاشم صاحب الزعفراني عن أنس بن مالك ان فاطمة ناولت رسول الله صلى الله عليه وسلم كسرة من خبز شعير فقال هذا أول طعام أكله أبوك من ثلاثة أيام

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عمران القطان ثنا الحسن عن أنس ان اعرابيا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قيام الساعة فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ما أعددت لها قال لا الا اني أحب الله ورسوله قال المرء مع من أحب ثم قال أين السائل عن الساعة قال وثم غلام فقال ان يعش هذا فلن يبلغ الهرم حتى تقوم الساعة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حرب بن شداد بصري ثنا يحيى يعني ابن أبي كثير قال عمرو بن زينب العنبري ان أنس بن مالك حدثه ان معاذا قال يا رسول الله أرأيت ان كان علينا أمراء لا يستنون بسنتك ولا يأخذون بأمرك فما تأمرني في أمرهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا طاعة لمن لم يطع الله عز وجل

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد الله بن أبي يزيد قال سمعت موسى بن أنس يحدث عن أبيه ان الانصار اشتد عليهم السواني فأتوا النبي صلى الله عليه وسلم ليدعو لهم أو يحذرهم فرأى النبي صلى الله عليه وسلم ذلك فقال لا يسألوني اليوم شيأ الا اعطوه فأخبرت الانصار بذلك فلما سمعوا ما قال النبي صلى الله عليه وسلم قالوا ادع الله لنا بالمغفرة فقال اللهم اغفر للانصار ولابناء الانصار ولابناء أبناء الانصار

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عمر بن ابراهيم ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لله أشد فرحا بتوبة عبده من أحدكم ان يسقط على بعيره وقد أضله بارض فلاة وحدث بذلك شهر عن أبي هريرة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير حدثنا أبي قال سمعت ثابتا البناني يحدث عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يعرض له الرجل يوم الجمعة بعد ما ينزل من المنبر فيكلمه ثم يدخل في الصلاة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب ثنا أبي قال سمعت حميد بن هلال يحدث عن أنس بن مالك انه قال كانى أنظر الى غبار موكب جبريل عليه السلام ساطعا في سكة بني غنم حين سار الى بني قريظة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام يعني ابن سعد أبي عبد الله عن قتادة عن أنس قال لا أحدثكم حديثا لا يحدثكموه أحد بعدي سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان من أشراط الساعة ان يرفع العلم ويظهر الجهل ويشرب الخمر ويظهر الزنا

أحدكم أن يبصق في وجهه ان أحدكم اذا استقبل القبلة فانما يستقبل ربه عز وجل والملك عن يمينه فلا يتفل عن يمينه ولا في قبلته وليبصق عن يساره أو تحت قدمه فان عجل به أمر فليقل هكذا يعني في ثوبه (د) عن أبي سعيد * مابال أحدكم يقوم مستقبل ربه فيتنخع امامه أيحب أن يستقبل فيتنخع في وجهه فاذا تنخع أحدكم فليتنخع عن يساره أو تحت قدمه فان لم يجد فليقل هكذا يعني في ثوبه (حم م د) عن أبي هريرة * لا تمسح وأنت تصلي فان كنت لابد (٢١٤) فاعلا فواحدة (د) عن معيقيب * تبعث النخامة في القبلة يوم القيامة وهي في وجه صاحبها

وتقل الرجال ويكثر النساء حتى يكون في الخمسين امرأة القيم الواحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك قال نهي رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يشرب الرجل قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا في السجود ولا يسجد أحدكم باسطا ذراعيه كالكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك ثنا هشام وعبد الوهاب أنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من العجز والكسل والجبن والبخل والهرم ومن عذاب القبر ومن فتنة المحيا والممات قال عبد الوهاب والبخل والجبن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم ضحى بكبشين أقرنين أملحين ذبحهما بيده وسمى وكبر ووضع رجله على صفاحهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو عن ابن أبي ذئب عن الزهري عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي العصر والشمس بيضاء حية ثم يذهب الذاهب الى العوالي فيأتيها والشمس مرتفعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا عبد الله بن جعفر عن اسمعيل بن محمد عن أنس بن مالك قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم على ناس وهم يصلون قعودا من مرض فقال ان صلاة القاعد على النصف من صلاة القائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا حميد عن موسى بن أنس بن مالك عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لقد تركتم بالمدينة رجالا ما سرتم من مسير ولا انفقتم من نفقة ولا قطعتم من واد الا وهم معكم فيه قالوا يا رسول الله وكيف يكونون معنا وهم بالمدينة قال حبسهم العذر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن حميد ان أنسا سئل عن شعر النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما رأيت شعرا أشبه ببشعر النبي صلى الله عليه وسلم من قتادة فقرع يومئذ قتادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا حارجة بن عبد الله من ولد زيد بن ثابت عن أبيه قال انصرفنا من الظهر مع حارجة بن زيد فدخلنا على أنس بن مالك فقال يا جارية انظري هل حانت قال قالت نعم فقلنا له انما انصرفنا من الظهر الآن مع الامام قال فقام فصلى العصر ثم قال هكذا كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر قال أنا سعيد عن قتادة عن أنس ان يهوديا أتى النبي صلى الله عليه وسلم وهو مع أصحابه فقال السام عليكم فرد عليه القوم فقال نبي الله صلى الله عليه وسلم أتدرون ما قال قالوا نعم قال السام عليكم فقال ردوا علي الرجل فردوه فقال نبي الله صلى الله عليه وسلم قلت كذا وكذا قال نعم فقال نبي الله صلى الله عليه وسلم اذا سلم عليكم أحد من أهل الكتاب فقولوا عليك أي عليك ما قلت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر السهمي ثنا حميد الطويل عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم في طريق معه ماس من أصحابه فالتفتت امرأة فقالت يا رسول الله ان لي اليك حاجة فقال يا أم فلان اجلسي في أي نواحي السكك شئت أجلس اليك ففعلت فجلس اليها حتى قضت حاجتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا هشام عن محمد عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم لما حلق بدأ بشق رأسه الايمن فحلقه ثم ناوله أبا طلحة فقال ثم حلق شق رأسه الايسر فقسمه بين الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا سعيد عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم في صلاته فلا يتفل امامه ولا عن يمينه فانه يناجي ربه وليتفل عن يساره

البزار عن ابن عمر * من تفل تجاه القبلة جاء يوم القيامة تفله بين عينيه ومن أكل من هذه البقلة الخبيثة فلا يقربن مسجدنا (د حب) عن حذيفة * اذا صليت فلا تبزق بين يديك ولا عن يمينك ولكن ابزق تلقاء شمالك ان كان فارغا والا فتحت قدمك اليسرى وادلكه (حم ٤ حب ك) عن طارق بن عبد الله المحاربي * اذا كان أحدكم يصلي فلا يبصق قبل وجهه فان الله تعالى قبل وجهه اذا صلى مالك (ق ن) عن ابن عمر * البزاق والمخاط والحيض والنفاس في الصلاة من الشيطان (ت) عن دينار * العطاس والتثاؤب في الصلاة والحيض والقيء والرعاف من الشيطان (ت) عن دينار * لينتهين أقوام عن رفعهم أبصارهم عند الدعاء في الصلاة الى السماء أو لتخطفن أبصارهم (م ن) عن أبي هريرة * اذا كان أحدكم في الصلاة فلا يرفع بصره الى السماء أن يلتمع بصره (حم ن) عن رجل من الصحابة * اذا قام أحدكم الى الصلاة فليقبل عليها حتى يفرغ منها وايا كم والالتفات في الصلاة فان أحدكم يناجي ربه ما دام في الصلاة (طس) عن أبي هريرة * اذا قام الرجل في صلاته أقبل الله تعالى عليه بوجهه فاذا التفت قال ابن آدم الى من تلتفت الى من هو خير لك مني أقبل الى فاذا التفت الثانية قال مثل ذلك فاذا التفت الثالثة صرف الله وجهه عنه البزار عن جابر * لا يزال الله مقبلا على العبد وهو في صلاته ما لم يلتفت فاذا صرف وجهه انصرف عنه (حم د ن حب ك) عن أبي ذر * من قام في الصلاة فالتفت رد الله عليه صلاته (طب) عن أبي الدرداء * لا صلاة للملتفت (طب) عن عبد الله بن سلام

* ان الضاحك فى الصلاة والملتفت والمقنع بمنزلة واحدة (حم طب هق) عن معاذ بن أنس * يا بنى اياك والالتفات فى الصلاة فان الالتفات فى الصلاة هلكة فان كان لابد ففى التطوع لا فى الفريضة يا بنى اذا دخلت على أهلك فسلم يكون بركة عليك وعلى أهل بيتك يا بنى ان قدرت أن تصبح وتمسى ليس فى قلبك غش على أحد فافعل يا بنى وذلك من سنتى ومن أحيا سنتى فقد أحبانى ومن أحبانى كان معى فى الجنة (ت) عن أنس * هو الاختلاس يختلسه الشيطان من صلاة العبد يعنى الالتفات (حم خ د ن) عن عائشة (٢١٥) * لا يصلين أحدكم وهو عاقص شعره

أو تحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا محمد بن بكر قال أنا سعيد عن قتادة عن أنس قال أتى النبى صلى الله عليه وسلم بإناء فيه ماء قدر ما يغمر أصابعه أولا يغمر أصابعه شك سعيد فجعلوا يتوضؤن والماء ينبع من بين أصابعه قال فحزرنا الناس كم كنتم قال ثلثمائة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر أنا سعيد عن قتادة عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم قال تسحروا فان فى السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر أنا سعيد وعبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال لما نزلت هذه الآية على النبى صلى الله عليه وسلم أنا فتحنا لك فتحا مبينا ليغفر لك الله ما تقدم من ذنبك وما تأخر مر جعه من الحديبية وهم مخالطهم الحزن والكآبة وقد نحر الهدى بالحديبية فقال لقد أنزلت آية هى أحب الى من الدنيا جميعا قالوا يا رسول الله قد علمنا ما يفعل بك فما يفعل بنا فانزلت ليدخل المؤمنين والمؤمنات جنات تجرى من تحتها الانهار خالدين فيها ويكفر عنهم سيآتهم وكان ذلك عند الله فوزا عظيما قال عبد الوهاب فى حديثه وأصحابه مخالطهم الحزن والكآبة وقال فيه فقال رجل هنيأ مريأ لك يا رسول الله قد بين الله عز وجل ماذا يفعل بك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر أنا سعيد عن قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم قال أتموا الصف الاول والذى يلينه فان كان نقص فليكن فى الصف الآخر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن بكر أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك انه حدثهم ان النبى صلى الله عليه وسلم أرخص لعبد الرحمن بن عوف والزبير بن العوام فى قمص من حرير فى سفر من حكة كانت بهما **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن آدم ثنا ابن المبارك عن يونس بن يزيد عن أبى على بن يزيد أخى يونس بن يزيد عن الزهرى عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قرأها وكتبنا عليهم فيها ان النفس بالنفس والعين بالعين نصب النفس ورفع العين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن يزيد ثنا سليمان عن ثابت عن أنس قال انطلق حارثة بن سراقة يوم بدر نظارا وانطلق للقتال فأصابه سهم فقتله فجاءت أمه الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله ابنى حارثة ان يك فى الجنة اصبر واحتسب فقال يا أم حارثة انها جنان كثيرة وان حارثة فى الفردوس الاعلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن يزيد ثنا سعيد يعنى ابن أبى أيوب قال حدثنى الضحاك بن شرحبيل عن أعين البصرى عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ترك مالا فلاهله ومن ترك دينا فعلى الله عز وجل وعلى رسوله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسباط ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك قال رخص رسول الله صلى الله عليه وسلم للزبير بن العوام ولعبد الرحمن بن عوف فى لبس الحرير فى السفر من حكة كانت بهما **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن عبيد ثنا مسعر عن عمرو بن عامر الانصارى قال سمعت أنس بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحتجم ولا يظلم أحدا أجره **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد بن خالد ثنا مالك ثنا زياد بن سعد عن الزهرى عن أنس قال سدل رسول الله صلى الله عليه وسلم ناصيته ما شاء الله أن يسدلها ثم فرق بعد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عثمان بن عمر أنا مالك بن أنس عن اسحق بن عبد الله بن أبى طلحة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دعا على الذين قتلوا أهل بئر معونة ثلاثين صباحا على رعل وذكوان ولحيان وبنى عصية عصت الله ورسوله ونزل فى ذلك قرآن فقرأناه بلغوا عنا قومنا انا قد لقينا ربنا فرضى عنا وأرضانا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا شعبة أنا على بن زيد عن أنس بن مالك قال ان كانت الخادم من أهل المدينة

(٥) عن أبى رافع * اذا أقيمت الصلاة فلا تأتوها وأنتم تسعون وائتوها وأنتم تمشون وعليكم السكينة فما أدركتم فصلوا وما فاتكم فأتموا (حم ق ٤) عن أبى هريرة * زاد لك الله حرصا ولا تعد (حم خ د ن) عن أبى بكرة * اذا تثاءب أحدكم فى الصلاة فليكظم ما استطاع فان الشيطان يدخل (حم د) عن أبى سعيد * ان الرجل اذا كان فى صلاته استقبلته الرحمة فلا يمسح الحصى برجله الطيالسى عن أبى ذر * اذا قام أحدكم الى الصلاة فان الرحمة تواجهه فلا يمسح الحصى (حم عد حب) عن أبى ذر * لا يقبل الله تعالى صلاة رجل فى جسده شئ من خلوق (حم د) عن أبى موسى * لا غرار فى الصلاة ولا تسليم (حم د ك) عن أبى هريرة * نهى أن يقطى الرجل فى الصلاة أو عند النساء الا عند امرأته أو جوارية (قط) فى الافراد عن أبى هريرة * اذا قام أحدكم الى الصلاة فلا يغمض عينيه (طب) عن ابن عباس * لا تفقع أصابعك وأنت فى الصلاة (٥) عن على * ان الرجل ليصلى الصلاة ولما فاته منها أفضل من أهله وماله (طب) عن طارق بن حبيب * ان الرجل لينصرف وما كتب له الا عشر صلاته تسعها ثمنها سبعها سدسها خمسها ربعها ثلثها نصفها (حم د حب) . عن عمار بن ياسر * من صلى صلاة ولم يتمها زيد عليها من سجاته حتى تتم (طب) عن عائذ بن قرظ * اذا توضأ أحدكم فاحسن وضوأه ثم خرج عامدا الى المسجد فلا يشبكن بين يديه فى صلاته (حم د ت) عن كعب بن عجرة * لا صلاة

بحضرة طعام فلا وهو يدافعه الاخبثان (م د) عن عائشة * اذا أقيمت الصلاة وأراد الرجل الخلاء فليبدأ بالخلاء مالك والشافعي (حم ت ن ه حب ك ق) عن عبد الله بن أرقم * اذا أراد أحدكم أن يذهب الى الخلاء وأقيمت الصلاة فليذهب الى الخلاء (حم د ن حب ك) عنه * نهى أن يصلي الرجل وهو حاقن (م) عن أبي امامة * (الاكمال) * اذا توضأ أحدكم في بيته ثم خرج يريد الصلاة فلا يزال في صلاة حتى يرجع فلا تقولوا هكذا ثم شبك الاصابع احدى يديه (٢١٦) بالاخرى (عب) عن أبي هريرة * اذا كان أحدكم في المسجد فلا يشبك أصابعه فانه

وهي آمنة حتى يأخذ بيد رسول الله صلى الله عليه وسلم فما ينزع يده منها حتى تذهب به حيث شاءت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة ثنا ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه في الدعاء حتى يرى بياض ابطيه قال فذكرت ذلك لعلي بن زيد فقال انما ذلك في الاستسقاء قال فأتيت سعيد من أنس قال سبحان الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان عن حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال وهو في رحل له ليبل لا عيش الا عيش الآخرة فاغفر للانصار والمهاجرة فراضعا في رحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان عن خالد الحذاء عن أبي قلابة الجرمي عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر لا يقرؤن يعني لا يجهرون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان عن حميد عن أنس بن مالك قال كان آخر صلاة صلاها رسول الله صلى الله عليه وسلم عليه بردة متوشحا به وهو قاعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم وعبد الوهاب قالا ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما بين ناحيتي حوضي مثل ما بين صنعاء والمدينة أو مثل ما بين المدينة وعمان قال عبد الوهاب شك هشام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم ثنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك انه سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرجل يرقد عن الصلاة أو يغفل عنها قال يصليها اذا ذكرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا المثنى عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يخضب قط انما كان البياض في مقدم لحيته وفي العنفقة وفي الرأس وفي الصدغين شيئا لا يكاد يرى وان أبا بكر خضب بالحناء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا شعبة ثنا جعفر بن معبد ابن أخي حميد بن عبد الرحمن الحميري قال ذهبت مع حميد الى أنس بن مالك فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا بايعه الناس أو كادوا يبايعه قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يلقنني ان يقول لقنت فيما استطعت قال أبي ليس هو حميد الطويل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا يدعو على رعل وذكوان وبني لحيان وعصية عصوا الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حزم قال سمعت الحسن يقول ثنا أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج ذات يوم ببعض نخارجه ومعه ناس من أصحابه فانطلقوا يسيرون فحضرت الصلاة فلم يجد القوم ماء يتوضؤن به فقالوا يا رسول الله والله ما نجد ما نتوضأ به ورأى في وجوه أصحابه كراهية ذلك فانطلق لحاجة فانطلق الرجل من القوم فجعة قدح من ماء يسير فاخذ النبي صلى الله عليه وسلم فتوضأ منه ثم مد أصابعه الاربعة على القدح ثم قال هلموا فتوضؤا فتوضأ القوم حتى البغوا فيما يريدون قال سئل كم بلغوا قال سبعين أو نحو ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا المثنى قال سمعت أنسا يقول قل ليلة تأتي علي الا وأنا أرى فيها خليلي عليه السلام وأنس يقول ذلك وتدمع عيناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا عباد أبو لحمة ثنا عبيد الله بن أبي بكر عن أبيه عن جده قال أتت الانصار النبي صلى الله عليه وسلم بحماعتهم فقالوا الى متى ننزع من هذه الآبار فلو اتينا رسول الله صلى الله عليه وسلم فدعا الله لنا فنفجر لنا من هذه الجبال عيونا فجاؤا بجماعتهم الى النبي صلى الله عليه وسلم فلما رآهم قال مرحبا وأهلا لقد جاءكم النبي حاجة قالوا اي والله يا رسول الله فقال انكم لن تسألوني اليوم شيئا الا أردتموه ولا أسأل الله شيئا الا أعطانيه فاقبل بعضهم على بعض فقالوا الدنيا تريدون فاطلبوا الآخرة

في صلاة (عب ش) عن ابن المسيب مرسلا * لا يتطهر رجل في بيته ثم يخرج الا كان في صلاة حتى يصلي صلاته فلا يشبك أحدكم بين أصابعه وهو في الصلاة (طب) * عن سعد بن اسحق بن كعب ابن عجرة عن أبيه عن جده * ياكعب اذا توضأت فاحسن الوضوء ثم خرجت الى المسجد فلا تشبكن بين أصابعك فانك في الصلاة (هق) عن كعب بن عجرة * اذا قام العبد يصلي أقبل الله عز وجل عليه بوجهه فلم يصرف عنه حتى ينصرف العبد أو يحدث حدث سوء (طب) في الافراد عن حذيفة * اذا حضرت الصلاة وكان باحدكم العائط فليبدأ به ثم ليصل بعد ولا يأتي الصلاة وهو يدافع (طب) عن عبد الله بن أرقم * اذا وجد أحدكم العائط وأقيمت الصلاة فليبدأ بالعائط قبل الصلاة (ض ن حب) عن عبد الله بن أرقم * لا يصلين أحدكم وهو يجد من الاذى شيئا يعني الغائط والبول (طب) عن المسور ابن مخرمة * اذا قام الرجل في الصلاة يقبل الله عليه بوجهه فلا يبصقن أحدكم في وجهه ولا يبصقن عن يمينه فان

كاتب الحسنات عن يمينه ولكن ليبصق عن يساره (خط) عن حذيفة * أيها الناس ان أحدكم اذا قام في الصلاة فانه في مقام عظيم بين يدي رب عظيم يسأله أمر اعظيما يسأله الفوز بالجنة والنجاة من النار وان أحدكم اذا قام في الصلاة فانه يقوم بين يدي الله عز وجل مستقبل ربه وملكه عن يمينه وقرينه عن يساره فليزد أن أحدكم بين يديه ولا عن يمينه ولكن عن يساره أو تحت قدمه اليسرى ثم ليعرك فليشدد عركه فانما

فقالوا

يعرك اذنى الشيطان والذى بعثنى بالحق لو انكشف بينكم وبينه الحجب أو يؤذن فى الكلام لشكك فيما يلقى من ذلك (طب) عن أبى امامة * لا
٧ يصل لكم انك آذيت الله عز وجل (حم حب ص) عن السائب بن خلاد عن سويد الانصارى أن رجلا أم قوما فبصق فى القبلة فقال رسول
الله صلى الله عليه وسلم فذكره * لا ينظر الله الى قوم لا يجعلون صدقاتهم تحت ردائهم فى الصلاة أبو نعيم عن ابن عباس * انما مثل هذا مثل
الذى يصلى وهو مكتوف (م د ن) عن ابن عباس انه رأى رجلا يصلى ورأسه معقوص (٢١٧) من ورائه فقال سمعت رسول الله صلى الله

فقالوا يجماعتهم يارسول الله أدع الله لنا لن يغفر لنا فقال اللهم اغفر للانصار ولابناء الانصار ولابناء أبناء
الانصار قالوا يارسول الله واولادنا من غيرنا قال يرأولاد الانصار قالوا يارسول الله موتوا الينا قال وموالى الانصار
قال وحدثتنى أمى عن أم الحكم بنت النعمان بن صهباء انها سمعت أنسا يقول عن النبى صلى الله عليه وسلم
مثل هذا غير انه زاد فيه وكانت الانصار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد بن خالد ثنا سليمان بن
المغيرة عن ثابت عن أنس قال دخل على رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا وأمى وخالتى فقال قوموا أصلى
بكم فى غير حين صلاة قال فقال رجل من القوم لثابت أين جعل انسا منه قال على يمينه والنبوة خلفه **حدثنا**
عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد بن خالد ثنا عبد الله يعنى العمرى قال سمعت أم يحيى قالت سمعت أنس بن
مالك يقول مات ابن لابى طلحة فصلى عليه النبى صلى الله عليه وسلم فقام أبو طلحة خلف النبى صلى الله عليه وسلم
وأم سليم خلف أبى طلحة كانهم عرفوا ذلك وأشاروا بيده **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا شبابة بن سوار قال
أخبرنى سليمان عن ثابت البنانى عن أنس قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا معه وأم سليم جعلنى
عن يمينه وأم سليم من خلفنا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد بن خالد عن ابن أبى ذئب عن ابن شهاب
عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى العصر والشمس بيضاء حية ثم يذهب الذاهب الى العوالى
فيأتيها والشمس مرتفعة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو قطن ثنا شعبة عن ثابت عن أنس عن
رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الصبر عند الصدمة أراه قال الاولى شك أبو قطن **حدثنا** عبد الله حدثنى
أبى ثنا أبو قطن ثنا هشام عن قتادة عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو
على أحياء من احياء العرب ثم تركه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن ثابت
وقتادة عن أنس قال لما حرمت الخمر قال ابو طلحة يا رسول الله انى لاشقى أحد عشر جلا فامر وفى فكفأنها وكفأ
الناس آنيتهم بما فيها حتى كاد يذهب السكك أن تنتفع من ريحها قال أنس وما خزوهم يومئذ الا البسر والتمر
**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ثابت وقتادة عن أنس قال لما حرمت الخمر قال ابو طلحة
يا رسول الله انى لاشقى أحد عشر جلا فامر وفى فكفأنها وكفأ الناس آنيتهم بما فيها حتى كاد يذهب السكك أن تنتفع من ريحها قال أنس وما خزوهم يومئذ الا البسر والتمر
**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو قطن ثنا شعبة عن ثابت وقتادة عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو
على أحياء من احياء العرب ثم تركه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن ثابت
وقتادة عن أنس قال لما حرمت الخمر قال ابو طلحة يا رسول الله انى لاشقى أحد عشر جلا فامر وفى فكفأنها وكفأ

من عينه فان عن عينه ملكا ولكن يتفل يساره أو تحت قدمه اليسرى (عب) * عن نافع ان ابن عمر كان يكره أن يصلي الرجل وهو مغلثم (عب) * عن قتادة قال سئل ابن عمر عن الاعتماد على الجدر في الصلاة فقال انا لنفعله وان ذلك ينقص من الاجر (عب) * عن ابن مسعود قال النعاس في الصلاة من الشيطان والنعاس في القتال أمنة من الله (عب هق) وعبد بن حميد وابن جرير وابن المنذر وابن أبي حاتم (طب) * عن ابن مسعود ان النبي صلى الله عليه وسلم (٢١٨) نهى عن السدل (عب) * عن ابن مسعود قال لا تصلين أحدكم وبينه وبين القبلة فجوة (عب)

أمية الضمري عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما من معمر يعمر في الاسلام أربعين سنة الا صرف الله عنه ثلاثة أنواع من البلاء الجنون والجذام والبرص فاذا بلغ خمسين سنة لين الله عليه الحساب فاذا بلغ ستين رزقه الله الانابة اليه بما يحب فاذا بلغ سبعين سنة أحبه الله وأحبه أهل السماء فاذا بلغ الثمانين قبل الله حسناته وتجاوز عن سيئاته فاذا بلغ تسعين غفر الله له ما تقدم من ذنبه وما تأخر وسمي أسير الله في أرضه وشفع لاهل بيته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عمر بن سعد عن سفيان عن عاصم عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا جعفر بن عون قال أنا مسعر عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان لكل نبي دعوة دعا بها لامته وانى اختبأت دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا جعفر بن عون قال أنا مسعر عن قتادة عن أنس قال قال يعني النبي صلى الله عليه وسلم لا تواصلوا قالوا فانك تواصل قال فاني لست كأحدكم اني أبيت يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير أنا سعيد يعني ابن سعد قال أخبرني أنس بن مالك قال بعثني أبو طلحة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم لادعوه وقد جعل له طعاما فاقبلت ورسول الله صلى الله عليه وسلم مع الناس قال فنظر الي فاستحييت فقلت أجب أبا طلحة فقال للناس قوموا فقال أبو طلحة يا رسول الله انما صنعت شيأ لك قال فسها رسول الله صلى الله عليه وسلم ودعا فيها بالبركة ثم قال أدخل نفرا من أصحابي عشرة فقال كلوا فاكلوا حتى شبعوا وخرجوا وقال ادخل عشرة فاكلوا حتى شبعوا ثم ازال يدخل عشرة ويخرج عشرة حتى لم يبق منهم أحد الا دخل فاكل حتى شبع ثم هيأها فاذا هي مثلها حين أكلوا منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح قال ثنا شعبة قال ثنا هشام بن زيد بن أنس بن مالك قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان يهوديا مر على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال السام عليك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليك أتدرون ما قال قال السام عليكم فقالوا الا نقتله فقال لا ولكن اذا سلم عليكم أهل الكتاب فقولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت هشام بن زيد قال سمعت أنس بن مالك يحدث ان يهودية جعلت سما في لحم ثم أتت به رسول الله صلى الله عليه وسلم فاكل منه فجيء برسول الله صلى الله عليه وسلم فقال انهم جعلت فيه سما قالوا يا رسول الله ألا نقتلها قال لا قال فما زلت أعرف ذلك في لهوات رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة قال حدثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال لابي بن كعب ان الله عز وجل أمرني ان أقرئك القرآن أو أقرأ عليك القرآن قال آلله سماني لك قال نعم قال فذكرت عند رب العالمين قال نعم قال فذرفت عيناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يرفع صوته الوسطى والتي تليها ثم يقول انا بعثت أنا والساعة كهاتين فاضل احداهما على الاخرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة ثنا أنس بن مالك أن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال يجاء بالكافر يوم القيامة فيقال له أرأيت لو كان لك ملء الارض ذهبا أكنت مفتديا به فيقول نعم يا رب قال فيقال لقد سئلت أيسر من ذلك فذلك قوله عز وجل ان الذين كفروا وماتوا وهم كفار فلن يقبل من أحدهم ملء الارض ذهبا ولو افتدى به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عامر ثنا معتمر بن سليمان قال وقال أبي ثنا أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال رأيت الجنة والنار صورتا في هذا الحائط فلم أر كاليوم في الخير والشر

* عن ابن مسعود قال لا تصفوا بين السواري ولا تأتموا بالقوم وهم يتحدثون (عب) * عن مصعب بن سعد قال صليت الى جنب أبي فطبقت فنهاني أبي وقال كنا نفعله فنهينا عنه (عب) * عن عبد الحميد بن محمود قال كنت مع أنس بن مالك فوقفنا بين السواري فتأخرنا قليلا فلما صلينا قال أنس انا كنا نتقي هذا على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم (عب د ت) حسن * عن مجاهد قال مر عثمان على ابن له وهو يصلي ورأسه معقوص فجبذه حتى صرعه (عب) * عن أبي رافع قال مر بي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا ساجد قد عقصت شعري فحله ونهاني عن ذلك (طب) * عن زيد ابن وهب قال مر عبد الله بن مسعود على رجل ساجد ورأسه معقوص فحله فلما انصرف قال له عبد الله لا تعقص فان شعرك يسجد وان لكل شعرة أجرا قال انما عقصت ليكل لا يتترب قال ان يتترب خير لك (عب) * عن زيد بن أسلم ان عمر بن الخطاب قال لا يصلي أحدكم وهو ضام وركيه * مالك * عن عبد الرحمن بن زيد بن الخطاب انه صلى

او

الى جنب عمر فمسح الحصا فاما صلى قيد (ش) * عن علي قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم يا علي اني أحب لك ما أحب لنفسي لا تقرأ وأنت راكع ولا وأنت ساجد ولا تصلي وأنت عاقص شعرك فانه كفل الشيطان ولا تقل مقبل الشيطان ولا تقم بين المسجدتين ولا تعبث بالحصى وأنت في الصلاة ولا تفترش ذراعيك ولا تفقع على الامام ولا تختم بالذهب ولا تلبس القسي ولا تركب على المياثر (ط) والدورقي (هق) وضعفه * عن

علي أنه خرج فرأى قوما يصلون قد سدلوا ثيابهم فقال كأنهم يهود خرجوا من فهرهم أبو عبيد * (الفرع الثالث) * في آداب الصلاة ومندوباتها من تقديم الطعام عليها وقصر الامل فيها والحضور والخشوع وآداب أخر * اذا وضع عشاء أحدكم وأقيمت الصلاة فابدؤا بالعشاء ولا تعجلوا حتى يفرغ منه (حم ق د) عن ابن عمر * اذا قدم العشاء وحضرت الصلاة فابدؤا به قبل أن تصلوا صلاة المغرب ولا تعجلوا عن عشائكم (ق) عن أنس * اذا أقيمت الصلاة وأحدكم صائم فليبدأ بالعشاء قبل صلاة (٢١٩) المغرب ولا تعجلوا عن عشائكم (حب) عن أنس * اذا أقيمت الصلاة وحضر العشاء فابدؤا بالعشاء (حم ق ت ن ه) عن أنس. (ق) عن ابن عمر (خ ه) عن عائشة (حم طب) عن نعلبة بن الاكوع (طب) عن ابن عباس * لا تؤخروا الصلاة لطعام ولا لغيره (د) عن جابر * اذا لقمت في الصلاة فصلي صلاة مودع ولا تتكلم بكلام يعتذر منه واجمع اياس مما في أيدي الناس (حم ه) عن أبي أيوب * اذكر الموت في صلاتك فان الرجل اذا ذكر الموت في صلاته لحري أن يحسن صلاته وصل صلاة رجل لا يظن أن يصلي صلاة غيرها واياك وكل أمر يعتذر منه (فر) عن أنس وحسنه الحافظ ابن حجر وهو نادر في مفاريد مسند الفردوس فان أكثرها ضعاف * يا فلان ألا تحسن صلاتك ألا تنظر المصلي اذا صلى كيف يصلي فانما يصلي لنفسه اني والله لابصر من ورائي كما أبصر من بين يدي (م ن) عن أبي هريرة * خياركم ألينكم مناكب في الصلاة (د هق) عن ابن عباس * اذا قام أحدكم الى الصلاة فليسكن أطرافه ولا يتميل كما يتميل اليهود فان تسكين الاطراف في الصلاة من تمام الصلاة (عد حل) عن أبي بكر * لو خشع قلب هذا لخشعت جوارحه الحكيم عن أبي هريرة * أول شيء يرفع من هذه الامة الخشوع حتى لا ترى فيها خاشعا (طب) عن أبي الدرداء * من لم تنهه صلاته عن الفحشاء والمنكر لم يزدد من الله تعالى الا بعدا (طب) عن ابن عباس * (الاكمال) * انزعوا هذا واجعلوا الأول مكانه اني كنت نظرا اليه وأنا أصلي ابن المبارك عن أبي النضر قال انقطع شراك نعل رسول الله صلى الله عليه وسلم فوصله بشيء جديد فجعل ينظر اليه

أو كمال قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عارم ثنا معتمر قال سمعت أبي يحدث عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال كل نبي قد سأل سؤالا أو قال لكل نبي دعوة قد دعا بها فاستجيب له دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة أو كما قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عارم وعفان قالا ثنا معتمر قال سمعت أبي يقول ثنا أنس بن مالك عن نبي الله صلى الله عليه وسلم ان الرجل كان جعل له قال عفان يجعل له من ماله المخلات أو كما شاء الله حتى فحشت عليه قرينته والعشير قال فجعل يردد بعد ذلك وان أهلي أمروني ان آتي النبي صلى الله عليه وسلم فاسأله الذي كان أهله أعطوه أو بعضه وكان نبي الله صلى الله عليه وسلم قد أعطاه أم أيمن أو كما شاء الله قال فسألت النبي صلى الله عليه وسلم فأعطانيهن فجاءت أم أيمن فجعلت الثوب في عنقي وجعلت تقول كلا والله الذي لا اله الا هو لا يعطيكهن وقد أعطانيهن أو كما قال فقال نبي الله صلى الله عليه وسلم لك كذا وكذا وتقول كلا والله قال ويقول لك كذا وكذا قال حتى أعطاها لحسبت انه قال عشرة أمثالها أو قال قريبا من عشرة أمثالها أو كما قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عارم ثنا معتمر قال سمعت أبي يحدث أن أنسا قال قيل للنبي صلى الله عليه وسلم لو أتيت عبد الله بن أبي فانطلق اليه نبي الله صلى الله عليه وسلم وركب حمارا وانطلق المسلمون يمشون وهي أرض سبخة فلما أتاه النبي صلى الله عليه وسلم قال اليك عني فقد آذاني نتن حمارك فقال رجل من الانصار والله لريح حمار رسول الله صلى الله عليه وسلم أطيب ريحا منك قال فغضب لعبد الله رجل من قومه قال فغضب لكل واحد منهما أصحابه قال فكان بينهم ضرب بالجريد وبالايدي والنعال قال فبلغنا انها نزلت فيهم وان طائفتان من المؤمنين اقتتلوا فأصلح بينهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عارم ثنا معتمر قال سمعت أبي يحدث عن أنس بن مالك قال أسر أبي النبي صلى الله عليه وسلم سرا فما أخبرت به أحدا بعده ولقد سألتني عنه أم سليم فما أخبرتها به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب قال أنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ما بين ناحيتي حوضي كما بين صنعاء والمدينة أو مثل ما بين المدينة وعمان شك هشام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله الانصاري ثنا هشام ابن حسان عن أنس بن سيرين عن أنس بن مالك قال النبي صلى الله عليه وسلم كان يصف من عرق النساء ألية كبش عربي أسود ليس بالعظيم ولا بالصغير يجزئ ثلاثة أجزاء فيذاب فيشرب كل يوم جزأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم شاور الناس يوم بدر فتكلم أبو بكر فأعرض عنه ثم تكلم عمر فأعرض عنه فقالت الانصار يا رسول الله لعلك تريدنا قال المقداد ابن الاسود يا رسول الله والذي نفسي بيده لو أمرتنا أن نخيضها البحر لاخضناها ولو أمرتنا أن نضرب أكبادها الى برك الغماد فعلنا فشأنك يا رسول الله فندب رسول الله صلى الله عليه وسلم أصحابه فانطلق حتى نزل بدرا وجاءت روايا قريش وفيهم غلام لبني الحجاج أسود فأخذه أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألوه عن أبي سفيان وأصحابه فقال أما أبو سفيان فليس لي به علم ولكن هذه قريش وأبو جهل وأمية بن خلف قد جاءت فيضربونه فاذا ضربوه قال نعم هذا أبو سفيان فاذا تركوه فسألوه عن أبي سفيان فقال مالي بأبي سفيان من علم ولكن هذه قريش قد جاءت ورسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي فانصرف فقال انكم لتضربونه اذا صدقكم وتدعونه اذا كذبكم وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده فوضعها فقال هذا مصرع فلان غدا وهذا مصرع فلان غدا ان شاء الله تعالى فالتقوا فهزمهم الله عز وجل فوالله ما أماط رجل منهم عن موضع

وهو يصلي فلما قضى صلاته قال فذكره * شغلني هذا عنكم منذ اليوم اليه نظرة واليكم نظرة (حم) * عن ابن عباس أن النبي صلى الله عليه وسلم اتخذ خاتما ولبسه ثم قال فذكره * لا صلاة لمن لا يخشع في صلاته الديلمي عن أبي سعيد * تعوذوا بالله من خشوع النفاق خشوع البدن ونفاق القلب الحكيم (هب) عن أبي بكر (ك) في تاريخه عن ابن عمر * الصلاة مثنى مثنى أن تشهد في كل ركعتين أن تباأس وتمسكن وتقنع يديك ترفع تقول اللهم اللهم فمن لم يفعل (٢٢٠) ذلك فهي خداج (حم د ت) وابن جرير (هق) عن المطلب بن أبي وداعة * الصلاة مثنى مثنى تشهد في كل ركعتين وتضرع وتخشع وتقنع يديك وتقول يا رب يا رب فمن لم يفعل ذلك فهي خداج (حم) والحكيم (طب) وابن جرير (هق) عن الفضل بن عباس * إذا قام أحدكم إلى الصلاة فلا يعمض عينيه (عد طب) عن ابن عباس * يا أنس اجعل بصرك حيث تسجد (هق) عن أنس * يا أنس ضع بصرك في الصلاة عند موضع سجودك قال هذا شديد قال في المكتوبة اذن (هق) عن أنس * إذا نعس أحدكم وهو يصلي فليمم على فراشه فانه لا يدري أيدعو على نفسه أم يدعو لها (عب هق) عن عائشة * قال الله عز وجل ليس كل مصل يصلي انما أتقبل الصلاة لمن تواضع لعظمتي وكف شهواته عن محارمي ولم يصر على معصيتي وأطعم الجائع وكسا العريان ورحم المصاب وآوى الغريب كل ذلك لي وعزتي وجلالي ان نور وجهه لاضوأ عندي من نور الشمس على أن أجعل الجهالة له حلما والظلمة نورا يدعوني فألبيه ويسألني فأعطيه ويقسم علي فأبره أكلؤه بقدرتي واستحفظه ملائكتي مثله عندي كمثل الفردوس لا يتسنى ثمرها ولا يتغير حالها الديلمي عن حارثة بن وهب * إذا قام أحدكم إلى الصلاة فليغسل يده من الغمر فانه ليس شئ أشد على الملك من ريح الغمر ما قام عبد إلى صلاة قط الا ألقم فاه ملك ولا يخرج من فيه آية الا يدخل في فم الملك الديلمي عن عبد الله بن جعفر * لا صلاة لمن لا يطيع الصلاة وطاعة الصلاة أن تنهى عن الفحشاء والمنكر الديلمي عن ابن مسعود * من صلى صلاة لم تأمره بالمعروف ولم تنهه عن الفحشاء والمنكر لم يزدد بها من الله الا بعدا

---

كفى النبي صلى الله عليه وسلم قال فخرج اليهم النبي صلى الله عليه وسلم بعد ثلاثة أيام وقد جيفوا فقال يا أبا جهل يا عتبة يا شيبة يا أمية قد وجدتم ما وعدكم ربكم حقا فاني قد وجدت ما وعدني ربي حقا فقال له عمر يا رسول الله تدعوهم بعد ثلاثة أيام وقد جيفوا فقال ما أنتم بأسمع لما أقول منهم غير انهم لا يستطيعون جوابا فأمر بهم فجروا بأرجلهم فألقوا في قليب بدر. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم حيث بلغه اقبال أبي سفيان قال فتكلم أبو بكر فأعرض عنه ثم تكلم عمر فأعرض فقال سعد بن عبادة إيانا تريد يا رسول الله والذي نفسي بيده لو أمرتنا أن نخيضها البحار لأخضناها ولو أمرتنا أن نضرب أكبادها الى برك الغماد قال فذكر عفان نحو حديث عبد الصمد الى قوله فما أماط أحدهم عن موضع يد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو جعفر المدائني وهو محمد بن جعفر ثنا عباد بن العوام ثنا محمد بن اسحق عن محمد بن المنكدر عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أمام الدجال سنين خداعة يكذب فيها الصادق ويصدق فيها الكاذب ويخون فيها الامين ويؤتمن فيها الخائن ويتكلم فيها الرويبضة قيل وما الرويبضة قال الفويسق يتكلم في أمر العامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو جعفر المدائني ثنا عباد بن العوام عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحب الثفل قال عباد يعني ثقل المرق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن محمد بن أبي شيبة قال أبو عبد الرحمن وسمعته أنا من عثمان قال حدثني عبد الله بن ادريس عن محمد بن اسحق عن عبد الله بن دينار قال سمعت أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان بين يدي الساعة سنين فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن عبد الملك بن عمير عن أبي بكرة عن أنس قال مررت مع النبي صلى الله عليه وسلم في طريق من طرق المدينة فرأى قبة من لبن فقال لمن هذه فقالت الفلان فقال اما ان كل بناء هدا على صاحبه يوم القيامة الا ما كان في مسجد أو في بناء مسجد شك أسود أو أوثم مرفلم يلقها فقال ما فعلت القبة قالت بلغ صاحبها فقلت فهدمها قال فقال رحمه الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا اسرائيل عن عبد الاعلى عن بلال بن أبي موسى عن أنس بن مالك قال أراد الحجاج ان يجعل ابنه على قضاء البصرة قال فقال أنس سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من طلب القضاء واستعان عليه وكل اليه ومن لم يطلبه ولم يستعن عليه أنزل الله ملكا يسدده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان أهل مكة سألوا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يريهم آية قال فأراهم انشقاق القمر مرتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مكي بن ابراهيم ثنا عبد الله بن سعيد يعني ابن أبي هند عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس بن مالك انه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم كثيرا ما كان يدعو بهؤلاء الدعوات اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن والعجز والكسل والبخل والجبن وضلع الدين وغلبة الرجال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق الطالقاني ثنا عبد الله يعني ابن مبارك عن عاصم بن سليمان عن حفصة بنت سيرين عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الطاعون شهادة لكل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي أنا الليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن عبد الوهاب بن أبي بكر عن عبد الله بن مسلم عن ابن شهاب عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم سئل عن الكوثر فقال نهر اعطانيه ربي أشد بياضا

(هب) عن الحسن مرسلا * نعم الذكر السبحة وان أفضل ما يسجد عليه الارض وما أنبتته الارض الا على عن على * كانى أنظر الى أحبار بنى اسرائيل واضعى ايمانهم على شمائلهم فى الصلاة (ش) عن الحسن مرسلا * نزل على جبريل فقال ان خير الدعاء أن تقول فى الصلاة اللهم لك الحمد ولك الملك كله ولك الخلق كله واليك يرجع الامر كله أسألك من الخير كله وأعوذ بك من الشر كله (هب) والديلمى عن أبى سعيد * يا أم رافع اذا فرغت من الصلاة فسبحى الله عشرا واحمديه عشرا واستغفريه عشرا (٢٢١) فانك اذا سبحت عشرا قال هذا لى واذا هللت قال هذا لى واذا حمدت قال هذا لى واذا استغفرت قال قد فعلت فعلت ابن السنى فى عمل يوم وليلة عن أم رافع * (الافعال) * عن على قال أبصر رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا يعبث بلحيته فى الصلاة فقال اما هذا فلو خشع قلبه لخشعت جوارحه العسكرى فى المواعظ وفيه زياد بن المنكدر متروك * عن محمد بن محمد الله القرشى عن أبيه قال نظر عمر بن الخطاب الى شاب قد نكص فى الصلاة رأسه فقال له ياهذا ارفع رأسك فان الخشوع لا يزيد على ما فى القلب فمن أظهر للناس خشوعا فوق ما فى قلبه فانما أظهر نفاقا لى نفاق الدينورى * عن الحكم بن عبد الله عن القاسم بن محمد عن أسماء بنت أبى بكر عن أم رومان قالت رآنى أبو بكر أميل فى الصلاة فزجرنى زجرة كدت أنصرف من صلاتى ثم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا قام أحدكم فى الصلاة فليسكن أطرافه ولا يميل ميل اليهود فان تسكين الاطراف من تمام الصلاة (عد حل كر) * عن أسامة بن عمير بن الخطاب كان يقول ابدؤا بطعامكم ثم افرغوا لصلاتكم (ش) * عن جعفر بن برقان قال دعانا ميمون بن مهران على طعام ونودى بالصلاة فقمنا وتركنا طعامه فقال اما والله لقد كان نحن هذا على نحو عمر فبدأنا بالطعام (عب) * عن أسامة بن عمير كانت الصلاة تقام فيكلم الرجل النبى صلى الله عليه وسلم فى الحاجة تكون له فيقوم بينه وبين القبلة فما يزال قائما يكلمه فربما رأيت بعض القوم ينعس من طول قيام النبى صلى الله عليه وسلم (عب) * عن موسى بن

---

من اللبن وأحلى من العسل وفيه طير كأعناق الجزر فقال عمر يا رسول الله ان تلك لطير ناعمة فقال أكلتها أنعم منها يا عمر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا فزارة بن عمرو يونس بن محمد قالا ثنا فليح عن محمد بن مسلم أحق عن عامر بن عبد الله عن أنس قال ما رأيت أحدا أشبه صلاة برسول الله صلى الله عليه وسلم من امامكم لعمر بن عبد العزيز قال وكان عمر يطيل القراءة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو سعيد مولى بنى هاشم ثنا عبد الله بن المثنى قال سمعت ثمامة بن أنس يذكر أن أنسا كان اذا تكلم تكلم ثلاثا ويذكر أن النبى صلى الله عليه وسلم كان اذا تكلم تكلم ثلاثا وكان يستأذن ثلاثا قال أبو سعيد وحدثنا بعد ذلك بهذا الحديث ان النبى صلى الله عليه وسلم كان يستأذن ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن الحرث قال حدثنى سلمة بن وردان أن أنس بن مالك صاحب النبى صلى الله عليه وسلم حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل رجلا من صحابته يقال أبى فلان هل تزوجت قال لا وليس عندى ما أتزوج به قال أليس معك قل هو الله أحد قال بلى قال ربع القرآن قال أليس معك قل يا أيها الكافرون قال بلى قال ربع القرآن قال أليس معك اذا زلزلت الارض قال بلى قال ربع القرآن قال أليس معك اذا جاء نصر الله قال بلى قال ربع القرآن قال أليس معك آية الكرسى الله لا اله الا هو قال بلى قال ربع القرآن قال تزوج تزوج تزوج ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حجين بن المثنى ثنا عبد العزيز يعنى ابن أبى سلمة الماجشون عن اسحق بن عبد الله بن أبى طلحة عن أنس قال كان النبى صلى الله عليه وسلم يدخل على بيت أم سليم فينام على فراشها وليست فيه فجاء ذات يوم فنام على فراشها فأتيت فقيل لها هذا النبى صلى الله عليه وسلم نائم فى بيتك على فراشك قال فجاءت وقد عرق واستنقع عرقه على قطعة أديم على الفراش قال ففتحت عتيدها فجعلت تنشف ذلك العرق فتعصره فى قواريرها ففزع النبى صلى الله عليه وسلم فقال ما تصنعين يا أم سليم قالت يا رسول الله نرجو بركته لصبياننا قال أصبت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سيار بن حاتم ثنا جعفر بن سليمان الضبعى ثنا ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان طير الجنة كأمثال البخت ترعى فى شجر الجنة فقال أبو بكر يا رسول الله ان هذا لطير ناعمة فقال أكلتها أنعم منها قالها ثلاثا وانى لأرجو أن تكون ممن يأكل منها يا أبا بكر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سيار ثنا جعفر ثنا ثابت عن أنس قال لما كان اليوم الذى دخل فيه رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة أضاء منها كل شئ فلما كان اليوم الذى مات فيه رسول الله صلى الله عليه وسلم أظلم منها كل شئ وما نفرنا عن دفنه حتى أنكرنا قلوبنا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا حماد عن ثابت البنانى وأبى عمران الجونى عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يخرج من النار أربعة يعرضون على الله عز وجل فيأمر بهم الى النار فيلتفت أحدهم فيقول أى رب قد كنت أرجو أن تخرجنى منها فأن لا تعيدنى فيها فيقول فلا تعيد فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن حميد عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم نهى ان تباع الثمرة حتى تزهو وعن العنب حتى يسود وعن الحب حتى يشتد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا عمارة عن ثابت عن أنس بن مالك ان ملك ذى يزن أهدى الى النبى صلى الله عليه وسلم حلة فأخذها بثلاثة وثلاثين بعيرا أعوذ ثلاث وثلاثين ناقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت البنانى عن أنس بن مالك قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله

طلحة قال سمعت عثمان بن عفان وهو على المنبر والمؤذن يقيم الصلاة وهو يستخبر الناس عن أخبارهم وعن أسعارهم (عب) * عن أبي عثمان النهدي قال ان كانت الصلاة لتقام فيعرض لعمر الرجل فيكلمه حتى ربما جلس بعضنا من طول القيام أبو ربيع الزهراني في الجزء الثاني من حديثه * عن سلمان الفارسي قال الصلاة مكيال من أوفى أوفى به ومن طفف فقد علمتم ما قال في المطففين (عب) * عن ابن عباس قال ركعتان مقتصدتان خير من قيام ليلة (٢٢٢) والقلب ساه ابن أبي الدنيا في التفكر * عن عمار بن ياسر قال احذروا هذه الصلاة قبل

وسوسة الشيطان (عب) * عن ابن سيرين قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع رأسه الى السماء وهو يصلي حتى أنزل الله الذين هم في صلاتهم خاشعون أو غيرها فان لم تكن تلك فلا أدري ما هي فطوبى لرأسه (عب) * عن ابن سيرين قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يرفع بصره الى السماء وهو يصلي فأمر بالخشوع فرمى ببصره نحو مسجده (عب) * عن ابن سيرين قال كان الرجل اذا لم يصر أن ينظر كذا وكذا يؤمر أن يغمض عينيه (عب) * عن مسروق قال قال عبد الله ما رأيتم الصلاة يقول اسكنوا واطمئنوا (عب) * عن أبي الدرداء انه مر برجل لا يتم ركوعه ولا سجوده فقال شيء خير من لا شيء (عب) * عن عبد الله بن السائب قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح بمكة فاستفتح سورة المؤمنين حتى اذا جاء ذكر موسى وهرون أخذت النبي صلى الله عليه وسلم سعلة فخفف وركع (عب م ت د) * عن طاوس قال ان الملائكة يكتبون أعمال بني آدم فيقولون فلان نقص من صلاته الربع ونقص فلان الثلث

الرجل يحب الرجل ولا يستطيع ان يعمل كعمله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرء مع من احب فقال أنس فما رأيت أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فرحوا بشيء قط الا أن يكون الاسلام ما فرحوا بهذا من قول رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أنس فنحن نحب رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا نستطيع ان نعمل كعمله فاذا كلمعه فنحبنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان قال أنا ثابت قال أنس ما شممت شيئا عنبرا قط ولا مسكا قط ولا شيأ قط أطيب من ريح رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا مسست شيأ قط ديباجا ولا حريرا ألين مسا من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ثابت فقلت يا أبا حمزة ألست كانك تنظر الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وكانك تسمع الى نعمته فقال بلى والله اني لارجو ان ألقاه يوم القيامة فاقول يا رسول الله خويدمك قال خدمته عشر سنين بالمدينة وأنا غلام ليس كل أمري كما يشتهي صاحبي ان يكون ما قال لي فيها أف ولا قال لي لم فعلت هذا ولا ألا فعلت هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال اني لاسعى في الغلمان يقولون جاء محمد فاسعى فلا أرى شيأ ثم يقولون جاء محمد فاسعى فلا أرى شيأ قال حتى جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم وصاحبه أبو بكر فكأني في بعض حوار المدينة ثم يعثار رجل من أهل المدينة ليؤذن بهما الانصار فاستقبلهما زهاء خمسمائة من الانصار حتى انتهوا اليهما فقالت الانصار انطلقا آمنين معززين فأقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم وصاحبه بين ظهرهم فخرج أهل المدينة حتى ان العواتق لفوق البيوت يترائينه يقلن أيهم هو أيهم هو قال فما رأيت منظرا ومشبها به يومئذ قال أنس بن مالك والقد رأيته يوم دخل علينا ويوم قبض فلم أر يومين مشبههما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن أبي التياح وقتادة وحجزة الضبي انهم سمعوا أنس بن مالك يقول عن النبي صلى الله عليه وسلم بعثت أنا والساعة هكذا وأشار بالسبابة والوسطى وكان قتادة يقول كفضل احداهما على الاخرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن قتادة قال قال أنس بن مالك قال أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم يا رسول الله ان أهل الكتاب يسلمون علينا فكيف نرد عليهم قال قولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن معاوية بن قرة أبي اياس قال قلت له سمعت أنسا يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال في النعمان بن مقرن ابن أخت القوم منهم أو من أنفسهم قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يقول عن النبي صلى الله عليه وسلم للانصار أفيكم أحد من غيركم قالوا ابن أخت لنا قال ابن أخت القوم منهم أو من أنفسهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة قال وقتادة انبأني قال سمعت انس بن مالك قال قلت انت سمعته قال نعم قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين املحين اقرنين ويسمي ويكبر ولقد رأيته يذبحهما بيده واضعا على صفاحهما قدمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال كان مناد جعل من بني النجار قد قرأ البقرة وآل عمران وكان يكتب لرسول الله صلى الله عليه وسلم فانطلق هاربا حتى لحق بأهل الكتاب قال فرفعوه وقالوا هذا كان يكتب لمحمد صلى الله عليه وسلم وأعجبوا به فما لبث ان قصمه الله عنقه فيهم فحفروا له فواروه فاصبحت الارض قد نبذته على وجهها ثم عادوا فحفروا له فواروه فاصبحت الارض قد نبذته على وجهها ثم عادوا فحفروا له فواروه فاصبحت الارض قد نبذته على وجهها فتركوه منبوذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس

ويقولون زاد فلان كذا وكذا (عب) * عن عمر بن الخطاب رفع الحديث قال من كف يده في صلاته كتب له بها قلم يعبث بشيء كان أفضل أجرا ممن تصدق كذا وكذا من ذهب (عب هق) وقال فيه مجهولان وهو غير محفوظ وقال في الميزان هو منكر * (الفرع الرابع فيما يباح فعله في الصلاة) * خالفوا اليهود فانهم لا يصلون في نعالهم ولا خفافهم (د له هق) عن شداد بن أوس * عدا الاسى في الفريضة والتطوع (خط)

ابن

عن وائلة *اذا صلى أحدكم فخلع نعليه فلا يؤذ بهما أحدا ليجعلهما بين رجليه أو ليصل فيهما (د حب ك ق) عن أبي هريرة *اذا صلى أحدكم فلا يضع نعليه عن يمينه ولا عن يساره فيكون عن يمين غيره الا أن لا يكون عن يساره أحد وليضعهما بين رجليه (د ك ق) عن أبي هريرة *اذا وجد أحدكم عقر وهو يصلي فليقتلها بنعله اليسرى (د) في مراسيله عن رجل من الصحابة *اقتلوا الاسودين في الصلاة الحية والعقرب (د ن حب ك) عن أبي هريرة *(الاكمال)* اذا صليت فصل في نعليك (٢٢٣) فان لم تفعل فضعهما تحتك قد يملن ولا

ابن مالك قال كان ابن لابي طلحة له نغر يلعب به فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أبا عمير ما فعل النغير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا سليمان عن ثابت قال وصف لنا أنس بن مالك صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قام يصلي بنا فركع فاستوى قائما حتى رأى بعضنا انه قد نسي ثم سجد فاستوى قاعدا حتى رأى بعضنا انه قد نسي ثم استوى قاعدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة قال قتادة أخبرني عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يكتب الى الروم قيل له ان كتابك لا يقرأ حتى يكون مختوما فاتخذ خاتما من فضة ونقش محمد رسول الله قال فكأني أنظر الى بياضه في يده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يكتب الى الروم فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وحسين قالا ثنا محمد بن راشد عن مكحول عن موسى بن أنس عن أبيه قال لم يبلغ رسول الله صلى الله عليه وسلم من الشيب ما يخضبه ولكن أبو بكر كان يخضب رأسه ولحيته بالحناء والكتم قال هاشم حتى يقنأ شعرهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا ابراهيم بن سعد قال سمعت الزهري يحدث عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من ورق ونما واحد فصنع النمس الحواتيم من ورق فلبسوها فطرح رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتمه فطرح الناس خواتيمهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى وهاشم قالا ثنا ليث حدثني ابن شهاب عن أنس بن مالك انه أخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي العصر والشمس مرتفعة حية فيذهب الذاهب الى العوالي فيأتي العوالي والشمس مرتفعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق حدثني ليث حدثني ابن شهاب عن أنس عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من كذب علي قال حسبته انه قال يتعمد فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن حميد قال قال أنس لا عليكم أن لا تجعلوا العمل رجل حتى تعلموا بما يختم له به فقد يعمل الرجل برهة من دهره أو زمانا من عمره عملا سيئا لو مات على شر فيتحول الى عمل صالح فيختم له به وقد يعمل العبد برهة من دهره أو زمانا من عمره عملا صالحا لو مات على خير فيتحول الى عمل سيئ فيختم له به قال وقد رفعه حميد مرة ثم كف عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أنا يحيى بن أيوب ثنا حميد الطويل قال سمعت أنس بن مالك يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم سيقدم عليكم قوم هم أرق قلوبا بالاسلام منكم قال فقدم الاشعريون منهم أبو موسى الاشعري فلما قربوا من المدينة جعلوا يرتجزون ويجعلوا يقولون غدا نلاقي الاحبه * محمدا وحزبه قال وكان هم أول من أحدث المصافحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد بن زياد ثنا عاصم الاحول حدثتني حفصة بنت سيرين قالت قال لي أنس بن مالك بم مات يحيى بن أبي عمرة فقلت بالطاعون فقال أنس بن مالك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الطاعون شهادة لكل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا الاوزاعي ثنا اسمعيل بن عبيد الله قال قدم أنس ابن مالك على الوليد بن عبد الملك فسأله ماذا سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر به الساعة قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أنتم والساعة كهاتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا الاوزاعي قال كتب الي قتادة حدثني أنس بن مالك قال صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان رضي الله عنهم فكانوا يستفتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين لا يذكرون بسم الله الرحمن

تضعهما عن يمينك ولا عن يسارك فتؤذي الملائكة والناس واذا وضعتهما بين يديك كأنما بين يدي قبلة (خط) عن ابن عباس *من تمام صلاة أحدكم اذا قام فيكن نعلاه في رجليه أن يضعهما بين يديه الديلمي عن أبي هريرة *ان جبريل أتاني فأخبرني أن فيهما خبثا فاذا أتى أحدكم المسجد فليقلب نعله فلينظر فيهما فان رأى فيهما أذى فليمسحه بالارض ثم ليصل فيهما عبد الرزاق (ط حم) وعبد ابن حميد والدارمي (ع) وابن خزيمة (حب ك ق) عن أبي سعيد *اذا جاء أحدكم الى المسجد فلينظر فان رأى في نعليه قذرا أو أذى فليمسحه وليصل فيهما (د) عن أبي سعيد *أيها الناس انما خلعت فعلي راحتك رجلي فمن أراد أن يخلعها فليخلعها ومن أراد أن يصلي فيها فليصل فيها الديلمي عن ابن عمر *من صلى وهو متقلد ناديا ملك

يا عبد الله استأنف العمل فقد غفر الله لك ما تقدم من ذنبك جعفر بن محمد بن جعفر الحسيني في كتاب العروس والديلمي من طريقه حدثنا آدم حدثنا الليث عن نافع عن ابن عمر *من تمام الصلاة الصلاة في النعلين (طس) عن ابن مسعود *صل في القوس واطرح القرن رش طب ك هق) عن سلمة بن الاكوع *(الافعال)* عن أبي ذر قال رخص في مسحة للسجود وتركها خير من مائة ناقة سوداء العين (عب) *عن أبي قتادة كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي وامامة بنت زينب ابنة رسول الله صلى الله عليه وسلم وهي ابنة أبي العاص بن الربيع بن عبد العزى على

وقبته فاذا ركع وضعهما واذا اقام من السجود أخذهما فاعادهما على رقبته قال ابن جريج أخبرت عن زيد بن أبي عتاب عن عمرو بن سليم انها صلاة الصبح * عن أبي هريرة رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي حافيا ومنتعلا ورأيته ينفتل عن يمينه وعن شماله (عب) * أيضا رأيت النبي صلى الله عليه وسلم ههنا عند المقام يصلي وعليه نعلاه ثم انصرف وهما عليه (عب) * عن عبد الله بن الشخير رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي ثم تنخم تحت قدمه ثم دلكها بنعله (٤٢ ب) وهو في رجل (عب) * عن أبي واقد جاء نا رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بنا في مسجد بني عبد الاشهل فرأيته واضعا يديه في ثوبه اذا سجد (ش) * عن عبد الله ابن عبد الرحمن عن محمد بن عباد بن جعفر عن شيخ منهم قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في نعليه وأشار الى المقام (عب) * عن سعيد قال رأيت أبا بكر يصلي مترعا وعمر كذلك (ش) * عن عبد الرحمن بن الاسود قال كان عمر بن الخطاب يقتل القملة في الصلاة حتى يظاهر دمها على يده (ش) * عن عمر قال ان لا حسب لجزية الجرين رأسا في الصلاة (ش) * عن أبي جعفر ان النبي صلى الله عليه وسلم جلس عمار بن ياسر والنبي صلى الله عليه وسلم يصلي فرد عليه النبي صلى الله عليه وسلم السلام (عب) * عن عمار بن ياسر قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم وهو يصلي فسلمت عليه فرد علي السلام (ش) ورواه ابن جرير في تهذيبه لفظا ولوما وأيده * عن الصلت بن مسعود الجحدري وحميد بن يحيى بن أبي سمينة قالا ثنا علي بن ثابت الجزري عن الوازع بن نافع عن أبي سلمة عن جابر بن رياب عن النبي صلى الله عليه وسلم قال مر بي جبريل (لا) أنا أصلي فضحك الي فتبسمت اليه وقال الصلت بن مسعود مرة واستقبلوا بي ميكائيل وعلى جناحه مضمار فضحك الي وأنا أصلي فضحكت اليه وهو راجع من طلب العدو أو نعيم * (الباب الثالث في قضاء الفوائت) * من نسي الصلاة أو نام عنها فكفارتها أن يصليها اذا ذكرها (حم ق ت ن) عن أنس * اذا نسي أحدكم صلاة فذكرها وهو في صلاة مكتوبة فليبدأ بالتي هو فيها فاذا فرغ صلى التي نسي (عد هق) عن ابن عباس * من نسي الصلاة فليصلها اذا ذكرها فان الله تعالى قال

---

الرحيم في أول القراءة ولا في آخرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة قال ثنا الاوزاعي حدثني قتادة عن أنس بن مالك وأبي سعيد الخدري وقد حدثناه أبو المغيرة عن أنس عن أبي سعيد ثم رجع ان النبي صلى الله عليه وسلم قال سيكون في أمتي خلاف وفرقة قوم يحسنون القيل ويسيئون الفعل يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين مروق السهم من الرمية لا يرجعون حتى يرتد على فوقهم شر الخلق والخليقة طوبى لمن قتلهم وقتلوه يدعون الى كتاب الله وليسوا منه في شئ من قاتلهم كان أولى بالله منهم قالوا يا رسول الله ما سيماهم قال التحالق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا الاوزاعي حدثني اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة حدثني أنس بن مالك قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم المسجد وعليه رداء نجراني غليظ الصنعة فجاء اعرابي من خلفه فجذب بطرف ردائه جذبة شديدة حتى أثرت الصنعة في صفح عنق رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا محمد اعطني من مال الله الذي عندك قال فالتفت اليه النبي صلى الله عليه وسلم فتبسم ثم قال مروا له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا صفوان حدثني راشد بن سعد وعبد الرحمن بن جبير عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لما عرج بي ربي عز وجل مررت بقوم لهم أظفار من نحاس يخمشون وجوههم وصدورهم فقلت من هؤلاء يا جبريل قال هؤلاء الذين يأكلون لحوم الناس ويقعون في أعراضهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا صفوان بن عمرو عن عثمان بن جابر عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال الحرب خدعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان ثنا صفوان بن عمرو عن عثمان بن جابر عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الحرب خدعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان ثنا ابن عياش عن عمارة بن غزية الانصاري انه سمع حميد بن عبد الرحمن مولى بني المعلى يقول سمعت ثابتا البناني يحدث عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لجبريل عليه السلام ما لم أر ميكائيل ضاحكا قط قال ما ضحك ميكائيل منذ خلقت النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب حدثنا الاوزاعي عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخرج الدجال من يهودية أصبهان معه سبعون ألفا من اليهود عليهم التيجان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب ثنا مالك ابن أنس عن الزهري عن أنس بن مالك قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم عام الفتح مكة وعلى رأسه مغفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عياش ثنا محمد بن مهاجر عن عروة بن رويم قال أقبل أنس بن مالك الى معاوية بن أبي سفيان وهو بدمشق قال فدخل عليه فقال له معاوية حدثني بحديث سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس بينك وبينه فيه أحد قال قال أنس سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الايمان يمان هكذا الى نحو وجذام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق انا عبد الله قال انا يونس عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم للانصار انكم ستجدون أثرة شديدة فاصبروا حتى تلقوا الله ورسوله فاني على الحوض قالوا ان نصبر قال عبد الله ان شاء الله وأخفاه وظننت انه ليس في الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق والحسن بن يحيى قالا ثنا عبد الله يعني ابن المبارك قال انا حميد الطويل عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أمرت ان أقاتل الناس حتى يشهدوا ان لا اله الا الله وان محمدا رسول الله فاذا شهدوا ان لا اله الا الله وان محمدا رسول الله

أقم الصلاة اذكرى (م د ن ه) عن أبي هريرة * ان الله تعالى لو أراد أن لا تناموا عنها لم تناموا ولكن أراد أن تكونوا لمن بعدكم فهكذا لمن نام أو نسي (حم هق) عن ابن مسعود * انه ليس في النوم تفريط انما التفريط في اليقظة فاذا نسي أحدكم صلاة أو نام عنها فليصلها اذا ذكرها ولوقتها من الغد (ع) عن أبي قتادة * ليس في النوم تفويط انما التفريط في اليقظة أن تؤخر صلاة حتى يدخل وقت صلاة أخرى (حم طب) عن أبي قتادة * الا انا الحمد لله انا لم نكن في شئ من أمور الدنيا يشغلنا عن صلاتنا (٢٢٥) ولكن أرواحنا كانت بيد الله تعالى

واستقبلوا قبلتنا وأكلوا ذبيحتنا وصلوا صلاتنا فقد حرمت علينا دماؤهم وأموالهم الا بحقها لهم فالمسلمين وعليهم ما عليهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب ثنا الأوزاعي عن أيوب بن موسى عن عبد الله ابن عبيد عن ثابت عن أنس قال انا عند ثفنات ناقة رسول الله صلى الله عليه وسلم حين قال لبيك بحجة وعمرة معا وذلك في حجة الوداع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة عن معان بن رفاعة قال حدثني عبد الوهاب ابن بخت المكي عن أنس بن مالك ثم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نضر الله عبدا سمع مقالتي هذه فحملها فرب حامل الفقه فيه غير فقيه ورب حامل الفقه الى من هو أفقه منه ثلاث لا يغل عليهن صدر مسلم اخلاص العمل لله عز وجل ومناصحة ولي الامر ولزوم جماعة المسلمين فان دعوتهم تحيط من ورائهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عصام بن خالد ويونس بن محمد قالا ثنا العطاف بن خالد عن زيد بن أسلم قال صلينا مع عمر بن عبد العزيز الظهر ثم انصرفنا الى أنس بن مالك نسأل عنه وكان شاكيا فلما دخلنا عليه سلمنا قال أصليتم قلنا نعم قال يا جارية هلمي لي وضوءا ما صليت وراء امام بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم أشبه صلاة برسول الله صلى الله عليه وسلم من امامكم هذا قال عصام في حديثه كذا قال أبي قال زيد ما يذكر في ذلك أبا بكر ولا عمر قال قال زيد وكان عمر يتم الركوع والسجود ويخفف القعود والقيام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بشير بن شعيب بن أبي حمزة قال أخبرني أبي قال محمد يعني الزهري أخبرني أنس بن مالك انه رأى في أصبع رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من ورق يوما واحدا ثم ان الناس اصطنعوا خواتيم من ورق فلبسوها فطرح رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتمه فطرح الناس خواتيمهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بشر من شعيب قال حدثني أبي عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان في حوضي من الاباريق عدد نجوم السماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان أنا شعيب عن الزهري قال أخبرني أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تباغضوا ولا تحاسدوا ولا تدابروا وكونوا عباد الله اخوانا ولا يحل لمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث ليال **التقيان** فيصد هذا ويصد هذا وخيرهما الذي يبدأ بالسلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حيوة بن شريح ثنا بقية ثنا شعبة عن هشام بن زيد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يطوف على نسائه بغسل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال ثنا اسمعيل بن عياش عن عمرو بن محمد عن أبي عقال عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر قلائد أحد العرسين يبعث منها يوم القيامة سبعون ألفا الا حساب عليهم ويبعث منها خمسون ألفا شهداء وفودا الى الله عز وجل وبها صفوف الشهداء رؤسهم مقطعة في أيديهم تشخب أوداجهم دما يقولون ربنا آتنا ما وعدتنا على رسلك انك لا تخلف الميعاد فيقول صدق عبيدي اغسلوهم بنهر البيضة فيخرجون منها نقيا بيضا فيسرحون في الجنة حيث شاؤا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن عمر قال ثنا يونس ثنا يزيد بن أبي مريم عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الدعوة لا ترد بين الاذان والاقامة فادعوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ابن عمرو ثنا عبد الله بن وهب عن يونس عن الزهري عن أنس قال كان لرسول الله صلى الله عليه وسلم خاتم ورق فصه حبشي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا سليمان عن ثابت عن أنس ابن مالك قال دعا رسول الله صلى الله عليه وسلم رجل فانطلق وانطلقت معه قال فجيء بمرقة فيها دباء فجعل

( ٢٩ - (مسند احمد) - ثالث )

فارسلها أني شاغل فمن أدرك منكم صلاة الغداة من غد صالحا فليقض معها مثلها (د) عن أبي قتادة * ليأخذ كل رجل برأس راحلته فان هذا منزل حضرنا فيه الشيطان (حم م ن) عن أبي هريرة * ان الله قبض أرواحكم حين شاء وردها عليكم حين شاء (حم خ د ن) عن أبي قتادة (الاكمال) * اذا ذكرها فليصلها وليحسن صلاته وليتوضأ وليحسن وضوأه فذلك كفارته (طب) عن ميمونة بنت سعد * من نسي صلاة فلم يذكرها الا وهو مع الامام فليصل مع الامام فاذا فرغ من صلاته فليعد الصلاة التي نسي ثم يعيد الصلاة التي صلاها مع الامام (طس) والخطيب عن ابن عمر وصحح أبو زرعة وقفه * من نسي صلاة فوقتها اذا ذكرها (طس هق) وضعف عن أبي هريرة * يا أيها الناس ان الله عز وجل قبض أرواحنا ولو شاء ردها الينا في حين غير هذا فاذا رقد أحدكم عن الصلاة أو نشيها ثم فزع اليها فليصلها كما كان يصليها لوقتها ان الشيطان أتى بلالا وهو قائم يصلي فاضجعه فلم يزل يهدهده كما يهدهد الصبي حتى نام مالك عن زيد بن أسلم مرسلا * يصلي اذا ذكر (طس) عن أبي سعيد في الذي ينسى الصلاة * لم تهلكوا ان الصلاة لا تفوت النائم انما تفوت اليقظان عبد الرزاق عن أبي قتادة * (الافعال) * عن جبير بن مطعم كان رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر له فقال من يكلؤنا الليلة لا نرقد عن صلاة الفجر فقال بلال أنا فاستقبل مطلع الشمس فضرب على آذانهم حتى أيقظهم حرها الشمس ثم قاموا فتوادوا كلهم

ثم توضؤا وأذن بلال ثم صلوا ركعتي الفجر ثم صلوا الفجر (حم ن) والطحاوي (طب) * عن جندب بن عبد الله سافرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم سفرا فاتاه قوم فقالوا يا رسول الله سهرنا عن الصلاة فلم نصل حتى طلعت الشمس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم توضؤا وصلوا ثم قال ان هذا ليس بالسهو ان هذا من الشيطان فاذا أخذ أحدكم مضجعه من الليل فليقل بسم الله أعوذ بالله من الشيطان الرجيم (ع) * أيضا لما نمنا عن الصلاة فاستيقظنا قلنا يا رسول الله  ألا نصلي كذلك وكذا صلاة قال أينهاكم ربكم عن الربا ويقبله منكم انما التفريط في اليقظة

رسول الله صلى الله عليه وسلم يأكل ذلك الدباء ويحبه فلما رأيت ذلك جعلت القيه اليه ولا أطعم منه شيأ فقال أنس فما زلت أحبه قال سليمان فحدثت به هذا الحديث سليمان التيمي فقال ما أتينا أنس بن مالك قط في زمان الدباء الا وجدنا عنده دباء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا محمد بن عبد الله العمي عن علي بن زيد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يلج حائط القدس مدمن خمر ولا العاق لوالديه ولا المنان عطاءه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا محمد بن عبد الله ثنا عيسى بن طهمان قال سمعت أنسا قال كانت زينب بنت جحش تفخر على نساء النبي صلى الله عليه وسلم تقول ان الله عز وجل انكحني من السماء وأطعم عليها يوم عرسها خبزا ولحما وكان القوم جلوسا كلهم في البيت فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرج فلبث ما شاء الله ان يلبث ثم رجع والقوم جلوس كأنهم فشق ذلك عليه وعرف في وجهه فنزل آية الحجاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا المبارك ثنا الحسن عن أنس بن مالك قال كنت عند النبي صلى الله عليه وسلم في بيته فسأله رجل متى الساعة يا رسول الله قال أما انها قائمة فما أعددت لها قال والله ما أعددت من كثير عمل الا اني أحب الله ورسوله قال فانك مع من أحببت ولك ما اكتسبت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا المبارك عن الحسن عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خطب يوم الجمعة يعتمد ظهره الى خشبة فلما كثر الناس قال ابنوا لي منبرا فبنوا له عتبتين فتحول من الخشبة الى المنبر قال فاخبرني أنس بن مالك انه سمع الخشبة تحن حنين الولد قال فما زالت تحن حتى نزل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المنبر فمشى اليها فاحتضنها فسكنت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا المبارك عن اسمعيل بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال ما عرض على النبي صلى الله عليه وسلم طيب قط فرده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا عبد العزيز يعني ابن أبي سلمة عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن والعجز والكسل والبخل والجبن وضلع الدين وغلبة الرجال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا عبد العزيز عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يدخل بيت أم سليم وينام على فراشها وليست في بيتها قال فاتيت يوما فقيل لها هذا النبي صلى الله عليه وسلم نائم على فراشك قالت فجئت وذلك في الصيف فعرق النبي صلى الله عليه وسلم حتى استنقع عرقه على قطعة أدم على الفراش ففعلت أنشف ذلك العرق وأعصره في قارورة ففزع أو أنا أصنع ذلك فقال ما تصنعين يا أم سليم قلت يا رسول الله نرجو بركته لصبياننا قال أصبت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا عبد العزيز عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في بيت أم سليم على حصير قد تغير من القدم ونضحته بشيء من ماء فسجد عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت لا أعلمه الا عن أنس ان اعرابيا أتى مسجد النبي صلى الله عليه وسلم فبال فيه فقام اليه القوم فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم دعوه لا تزرموه ثم دعا بماء فصبه عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس بن مالك انه قال اني لا آلو أن أصلي بكم كما كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي بنا قال فكان أنس يصنع شيأ لا أراكم تصنعونه كان اذا رفع رأسه من الركوع انتصب قائما حتى يقول القائل لقد نسي وكان اذا رفع رأسه من السجدة قعد حتى يقول القائل لقد نسي **حدثنا** عبد الله

(عب) * عن أبي جمعة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى المغرب ونسي العصر فقال لاصحابه هل رأيتموني صليت العصر قالوا لا يا رسول الله فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم المؤذن فاذن ثم أقام فصلى العصر ونقض الاولى ثم صلى المغرب أبو نعيم * عن أبي قتادة سرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن في سفر ذات ليلة فقلنا لو عرست بنا يا رسول الله قال اني أخاف أن تناموا عن الصلاة فقال بلال أنا يا رسول الله أوقظكم فاضطجعوا واسند بلال الى راحلته فغلبته عيناه واستيقظ رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد طلع حاجب الشمس فقال يا بلال أين ما قلت لنا فقال يا رسول الله الذي بعثك بالحق ما ألقيت على نومة مثلها قط فقال ان الله قبض أرواحكم حيث شاء وردها عليكم حين شاء ثم أمرهم فاثاروا حاجتهم وتوضؤا وارتفعت الشمس وصلى بهم الفجر (ش) وأبو الشيخ في الاذان * عن أبي هريرة سمع منا مع النبي صلى الله عليه وسلم ذات ليلة فلم نستيقظ حتى أذتنا الشمس فقال لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ليأخذ كل رجل منكم برأس حدثني احتلمه ثم ليتح عن هذا المنزل ثم دعا بماء فتوضأ فسجد سجدتين ثم أقيمت الصلاة فصلى (ش) * عن عثمان بن موهب قال سمعت أبا هريرة يسأله رجل عن التفريط في الصلاة أن يؤخروها الى وقت التي بعدها فمن فعل ذلك فقد فرط (عب) * عن أبي هريرة قال ان خشيت من الصبح وأنت قائم فابدأ بالركعة الاولى الشمع فان سبقتك بها الشمس فلا تعجل بالا آخرة أن تكملها (عب) * (الباب الرابع في صلاة المسافر والجمع بين

الصلاتين)* صلاة المسافر ركعتان حتى يؤب الى أهله أو يموت (خط) عن عمر * اذا سافر تما فاذنا وأقيما وإن كنا أكبركما (ت ن حب) عن مالك بن الحويرث * اذا حضر أحدكم الامر يخشى فوته فليصل هذه الصلاة يعني الجمع بين الصلاتين (ن) عن ابن عمر * ليس على مسافر جمعة (طس) عن ابن عمر * صلاة المسافر يعني وغيرها ركعتان فريضة العامل وسنتي في مسنده عن ابن عمر * صدقة تصدق الله بها عليكم فاقبلوا صدقته (ق ٤) عن عمر * خياركم الذين اذا سافروا قصروا الصلاة وأفطروا الشافعي (٢٢٧) والبيهقي في المعرفة عن سعيد بن المسيب مرسلا * من تأهل في بادية فليصل صلاة مقيم (حم) عن عثمان * من جمع بين الصلاتين بغير عذر فقد أتى بابا من أبواب الكبائر (تخ) عن ابن عباس * المتم الصلاة في السفر كالمقصر في الحضر (قط) في الافراد عن أبي هريرة * الصلاة على ظهر الدابة هكذا وهكذا (طب) عن أبي موسى * (الاكمال) * ان الله وضع شطر الصلاة عن المسافر ووضع الصوم عن المسافر وعن المرضع والحبلى (عب حم) وعبد بن حميد (د ت) حسن (ن ه) والبغوي وابن خزيمة والطحاوي والباوردي وابن قانع (طب هق ض) عن أنس بن مالك الكعبي قال (ت) والبغوي ولا يعرف له غير هذا الحديث * صلاة السفر ركعتان من ترك السنة فقد كفر الديلمي عن ابن عمر * يا أهل البلد صلوا أربعا فانا سفر (د) عن عمران بن حصين قال شهدت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لفتح فاقام بمكة ثماني عشرة ليلة لا يصلي الا ركعتين يقول فذكره * يا أهل مكة لا تقصروا الصلاة في أدنى من أربع برد من مكة الى عسفان (طب) عن ابن عباس * اذا بادر أحدكم الحاجة فشاء أن يؤخر المغرب ويعجل العشاء ثم يصلهما جميعا فعل ابن جرير عن ابن عمر * (الافعال) * عن أبي العالية قال خطبنا أبو بكر الصديق فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم للظاعن ركعتان وللمقيم أربع مولدي بمكة ومهاجري بالمدينة فاذا خرجت مصعدا من ذي الحليفة صليت ركعتين حتى أرجع ابن جرير (حل) * عن شرحبيل بن السمط قال رأيت عمر بن الخطاب بذي الحليفة يصلي

حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم رأى على عبد الرحمن بن عوف أثر صفرة فقال ما هذا قال اني تزوجت امرأة على وزن نواة من ذهب فقال بارك الله لك أولم ولو بشاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس ابن مالك ان رجلا قال يا رسول الله متى الساعة قال وماذا أعددت لها قال لا الا اني أحب الله ورسوله قال فانك مع من أحببت قال أنس فما فرحنا بشيء بعد الاسلام فرحنا بقول النبي صلى الله عليه وسلم انك مع من أحببت قال فانا أحب رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وأنا أرجو أن أكون معهم لحبي اياهم وان كنت لا أعمل بعملهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت ان أنسا سئل خضب النبي صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ شيب رسول الله صلى الله عليه وسلم ما كان يخضب ولو شئت ان أعد شمطاتي كن في لحيته لفعلت ولكن أبا بكر كان يخضب بالحناء والكتم وكان عمر يخضب بالحناء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس قال خدمت النبي صلى الله عليه وسلم عشر سنين فوالله ما قال لي أف قط ولا قال لشيء صنعته لم صنعت كذا ولا لشيء لم أصنعه كذا وكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال ما مسست بيدي ديباجا ولا حريرا ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت رائحة كانت أطيب من رائحة رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد عن ثابت قال ولا أعلمه الا عن أنس ان غلاما من اليهود كان يخدم النبي صلى الله عليه وسلم فمرض فاتاه النبي صلى الله عليه وسلم يعوده وهو بالموت فدعاه الى الاسلام فنظر الغلام الى أبيه وهو عند رأسه فقال له أبوه أطع أبا القاسم فاسلم ثم مات فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من عنده وهو يقول الحمد لله الذي أنقذه بي من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس قال كنت ساقي القوم يوم حرمت الخمر قال وكان أبو طلحة قد اجتمع اليه بعض أصحابه فجاء رجل فقال ألا ان الخمر قد حرمت قال فقال لي أبو طلحة أخرج فانظر قال فخرجت فنظرت فسمعت منادي ينادي الا ان الخمر قد حرمت قال فاخبرته قال فاذهب فاهرقها قال فجئت فاهرقتها قال فقال بعضهم قد قتل سهيل بن بيضاء وهي في بطنه قال فانزل الله عز وجل ليس على الذين آمنوا وعملوا الصالحات جناح فيما طعموا الى آخر الآية قال وكان خمرهم يومئذ الفضيخ البسر والتمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس وأيوب عن أبي قلابة عن أنس ابن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم في مسير له وكان معه غلام أسود يقال له أنجشة يحدو فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ويحك يا أنجشة رويدا سوقك بالقوارير يرفحق بالقوارير قال وفي حديث أبي قلابة يعني النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن ثابت عن أنس قال ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم أولم على امرأة من نسائه مما أولم على زينب بنت جحش قال فاولم بشاة أو ذبح شاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ومؤمل قالا ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا سالم العلوي ثنا أنس بن مالك قال لما نزلت آية الحجاب ذهبت ادخل كما كنت أدخل فقال لي النبي صلى الله عليه وسلم وراءك يا بني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حبيب بن حجر ثنا ثابت البناني عن أنس بن مالك قال خرجت من عند رسول الله صلى الله عليه وسلم متوجها الى أهلي فمررت بغلمان يلعبون فاجبني لعبهم فقمت على الغلمان فانتهى الى

ركعتين فسألته فقال انما أفعل كما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعل (ش حم م ن) وابن جرير (هق) * عن ابن عمر ان عثمان لما اتى منى صلى اربعا فلما بلغ ذلك ابن مسعود استرجع ثم قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بمنى ركعتين وصليت مع ابي بكر بمنى ركعتين وصليت مع عمر بمنى ركعتين فليت حظي من اربع ركعات ركعتان متقبلتان (حم ق د) * عن ابن عمر ان عثمان لما صلى بمنى اربعا عاب ذلك عليه عبد الله بن مسعود ثم صليت مع عمر بمنى ركعتين ومع عثمان صدرا من امارته ثم اتمها اربعا ثم تفرقت بكم الطرق فليت حظي من اربع ركعات ركعتان متقبلتان (حم ق د) * عن ابن عمر ان سأل عمر بن الخطاب عن ركوب البحر فأمره بتقصير الصلاة قال يقول الله هو الذي يسيركم في البر والبحر (هق) * عن عبد الله بن مالك الازدي قال صليت مع عمر بن الخطاب فجمع المغرب ثلاثا والعشاء ركعتين ابن سعد * عن عمر قال تقصر الصلاة في مسيرة ثلاث ليال ابن جرير * عن الزهري أن عثمان بن عفان أتم الصلاة (٢٢٨) يعني من أجل الاعراب لانهم كثروا عامئذ فصلى بالناس أربعا ليعلمهم ان الصلاة أربع (هق)

رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا قائم على الغلمان فسلم علي الغلمان ثم أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجته فرجعت فجئت الى أهلي بعد الساعة التي كنت أرجع اليهم فيها فقالت لي أمي ما حبسك اليوم يا بني فقلت أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجته فقالت أي حاجة يا بني فقلت يا أماه انها سر فقالت يا بني احفظ على رسول الله صلى الله عليه وسلم سره قال ثابت فقلت يا أبا حمزة أتحفظ ثلثه الحاجة اليوم أو تذكرها قال اي والله واني لا أذكرها ولو كنت تحدثنا بها أحدا من الناس لحدثتك بها يا ثابت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا حدثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أزهر اللون كان عرقه اللؤلؤ اذا مشى تكفأ ولا مسست ديباجا ولا حريرا ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت رائحة مسك ولا عنبر أطيب رائحة من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال حسن مسكة ولا عنبرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن هلال بن علي عن أنس قال قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة وقال سريج صلى لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما صلاة ثم رقي المنبر فقال في الصلاة وفي الركوع ثم قال اني لاراكم من ورائي كما أراكم من أمامي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن هلال بن علي بن أسامة عن أنس بن مالك قال شهدنا ابنة لرسول الله صلى الله عليه وسلم ورسول الله صلى الله عليه وسلم جالس على القبر فرأيت عينيه تدمعان ثم قال هل منكم من رجل لم يقارف الليلة قال سريج يعني ذنبا فقال أبو طلحة أنا يا رسول الله قال فانزل فنزل في قبرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج قالا ثنا فليح عن عثمان بن عبد الرحمن ان أنس بن مالك أخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي العصر بقدر ما يذهب الذاهب الى بني حارثة بني الحرث ويرجع قبل غروب الشمس وبقدر ما يحر الرجل الجزور ويعبعضها الغروب الشمس وكان يصلي الجمعة حين تميل الشمس وكان اذا خرج الى مكة صلى الظهر بالشجرة ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن حميد وشعيب بن الحبحاب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الدجال أعور وان ربكم ليس باعور مكتوب بين عينيه كافر يقرؤه كل مؤمن كاتب وغير كاتب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم متى تقوم الساعة وعنده غلام من الانصار يقال له محمد فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يعش هذا الغلام فعسى ان لا يدركه الهرم حتى تقوم الساعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قيام الساعة وأقيمت الصلاة فلما قضى صلاته قال اين السائل عن الساعة فقال الرجل ها أنا ذا يا رسول الله قال وما أعددت لها قام ما أعددت لها من كثير عمل غير اني أحب الله ورسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انت مع من أحببت قال فما فرح المسلمون بشيء بعد الاسلام أشد مما فرحوا به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك ان رجلا قال يا رسول الله الرجل يحب القوم ولم يلحق عملهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرء مع من أحب قال حسن أعمالهم قال المرء مع من أحب قال ثابت فكان أنس اذا حدث بهذا الحديث قال اللهم فانا نحبك ونحب رسولك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس قال ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول

* عن ابي المهاب قال كتب عثمان انه بلغني ان قوما يخرجون اما تجارة أو لجباية واما لحشرية يقصرون الصلاة وانما يقصر الصلاة من كان شانهما أو بحضرة عدو (عب) وأبو عبيد في الغريب والطحاوي * عن عاصم بن ضمرة عن علي قال أعمار جل خرج في أرض في يعني فقراء فليتحين الصلاة ويرمي ببصره يمينا وشمالا فلينظر أسهلها موطئا وأطيبها للصلاة فان البقاع تتفاضل للرجل المسلم كل بقعة تحب أن يذكر الله فيها فان شاء أذن وأقام وان شاء أقام ويصلي (عب ش) * عن علي قال صلينا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة السفر ركعتين ركعتين الا المغرب فانه صلاها ثلاثا (ش) وابن منيع والعدني ومسدد والبزار وضعف * عن أبي حرب بن أبي الاسود الدؤلي أن عليا لما خرج الى البصرة رأى خصا فقال لولا هذا الخص لصليتم ركعتين (عب) وابن جرير * عن علي بن ربيعة الاسدي قال خرجنا مع علي ونحن ننظر الى الكوفة فصلى ركعتين ثم رجعنا فصلى ركعتين وهو ينظر الى القرية فقلنا له الا تصلي أربعا قال حتى ندخلها (عب عد) * عن علي قال اذا أقمت بارض عشرا فاتم فان قلت أخرج اليوم أو غدا فصل ركعتين وان أقمت شهرا (عب) * عن نور بن أبي فاختة أن عليا كان لا يتطوع في السفر قبلها ولا بعدها (عب) * عن أبي هريرة ان رجلا قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم أقصر الصلاة في سفر نجد قال نعم ان الله يحب أن يؤخذ برخصه كما يحب أن يؤخذ بعزيمته ابن جرير وصححه * عن ابن جريج قال سأل جند الضبيري ابن عباس فقال اني أسافر فاقصر الصلاة في السفر أم أتمها

فقال ابن عباس لست تقصرها وأنت بمكة حتى تظهرها وسنة رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم آمنا لا يخاف الا الله فصلى اثنتين حتى رجع ثم خرج أبو بكر لا يخاف الا الله فصلى ركعتين حتى رجع ثم خرج عمر آمنا لا يخاف الا الله فصلى اثنتين حتى رجع ثم فعل ذلك عثمان ثلثي امارته أو شطرها ثم صلاها أربعا ثم أخذ بها بنو أمية قال ابن جريج فبلغني انه أوفى أربعا بمنى فقط من أجل ان أعرابيا ناداه في مسجد الخيف بمنى يا أمير المؤمنين ما زلت أصليها ركعتين منذ رأيتك عام أول صليتها ركعتين فخشي (٢٢٩) عثمان أن يظن جهال الناس الصلاة ركعتين وانما كان أوفاها بمنى (قط عب) *عن عطاء قال سألت ابن عباس أقصر الصلاة الى عرفة أو الى منى قال لا ولكن الى الطائف والى جدة والى عسفان ولا تقصر الصلاة الا في اليوم ولا يقصر فيما دون اليوم فان قدمت على أهل لك أو ماشية فأتم الصلاة (عب) عن ابن عباس قال تقصر الصلاة في مسير يوم وليلة ابن جرير * عن عائشة قالت فرض الله الصلاة أول ما فرضها ركعتين ثم أتمها للحاضر وأقرت صلاة المسافر على الفريضة الاولى (عب ش) *عن ابن عباس قال فرض رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة في الحضر أربعا وفي السفر ركعتين (كر) *عن عائشة قالت من صلى أربعا في السفر فحسن ومن صلى ركعتين فحسن ان الله لا يعذبكم على الزيادة ولكن يعذبكم على النقصان (عب) * عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يقصر في السفر ويتم ابن جرير في تهذيبه * عن نافع ان ابن عمر كان يقصر الصلاة في مسير برد (عب) *عن سالم ان ابن عمر كان يقصر الصلاة في مسيرة اليوم التام (عب) *عن نافع انه رأى ابن عمر كان يقول اذا أجمعت أن تقيم اثنتي عشرة ليلة فاتم الصلاة (عب) * عن ابن عمر قال لو قدمت أرضا الصليت ركعتين ما لم أجمع مكثا وان أقمت اثنتي عشرة ليلة (عب) *عن أبي مجلز قال قلت لابن عمر أدركت ركعتين من صلاة المقيمين وأنا مسافر فقال صل بصلاتهم (عب) *عن أمية بن عبد الله بن خالد بن أسيد انه قال لعبد الله بن عمر انا نجد في كتاب الله عز وجل قصر صلاة الخوف ولا نجد قصر صلاة السفر فقال يا عبد الله انا وجدنا نبينا صلى الله عليه وسلم يعمل عملا عاينا به ابن جرير

الله صلى الله عليه وسلم من مسلم يغرس غرسا أو يزرع زرعا فيأكل منه طير أو انسان أو بهيمة الا كان له به صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا أبو عوانة عن عبد العزيز بن صهيب وقتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسحروا فان في السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لما صور الله آدم في الجنة تركه ما شاء الله ان يتركه فجعل ابليس يطيف به وينظر ما هو فلما رآه أجوف عرف انه خلق خلقا لا يتمالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة أنا أنس بن مالك ان رجلا قال يا نبي الله كيف يحشر الكافر على وجهه يوم القيامة قال نبي الله صلى الله عليه وسلم ان الذي أمشاه على رجليه قادر على أن يمشيه على وجهه في النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة قال وحدث أنس بن مالك ان قائلا من النار قال يا نبي الله ايا مريد المدينة قال بلى انه لا يعمل اليها فيجد الملائكة بنقابها وأبوابها يحرسونها من الدجال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة قال وحدث أنس ابن مالك أن نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ما بين عينيه مكتوب ك ف ر كفر مهجي يقول كافر يقرؤه كل مؤمن أمي وكاتب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة قال وحدث أنس بن مالك أنه أهدى لنبي الله صلى الله عليه وسلم جبة من سندس وكان ينهى عن الحرير فعجب الناس منها فقال والذي نفس محمد بيده ان مناديل سعد بن معاذ في الجنة أحسن من هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حيان وهو أبو خالد الاحمر عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقبل علينا بوجهه قبل ان يكبر فيقول تراصوا واعتدلوا فاني أراكم من وراء ظهري **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حيان ثنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا جاء أحدكم الى الصلاة فليمش على هينته فما أدركه صلى وما سبقه أتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن ثابت عن أنس ان رقية رضي الله عنها لما ماتت قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يدخل القبر رجل فارف أهله فلم يدخل عثمان بن عفان رضي الله عنه القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يغير عند صلاة الفجر فيسمع الاذان فاذا سمع الاذان أمسك والا أغار فاستمع ذات يوم فسمع رجلا يقول الله أكبر الله أكبر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم على الفطرة فقال أشهد أن لا اله الا الله فقال خرجت من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس واسحق بن عيسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك انه قال ان ملك الروم أهدى للنبي صلى الله عليه وسلم مستقة من سندس فلبسها وكأني أنظر الى يديه تذبذبان من طولهما فجعل القوم يقولون يا رسول الله أنزلت عليك هذه من السماء فقال والذي بعثني بالحق ما هو الذي نفسي بيده ان مناديل من مناديل سعد بن معاذ في الجنة خير منها ثم بعث بها الى جعفر بن أبي طالب فلبسها فقال النبي صلى الله عليه وسلم اني لم أعطكها لتلبسها قال فما صنع بها قال أرسل بها الى أخيك النجاشي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حزم عن ميمون بن سياه قال سمعت أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحب أن عدله في عمره وان يزاد له في رزقه فليبر والديه وليصل رحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا شيبان عن قتادة قد ذكر شيأ من التفسير قال قوله يوم نقول لجهنم هل امتلأت قال ثنا أنس بن

* عن أبي منيب الجرشي قال قيل لابن عمر قول الله فاذا ضربتم في الارض فليس عليكم جناح الآية فنحن آمنون لا نخاف فنقصر الصلاة فقال لقد كان لكم في رسول الله أسوة حسنة ابن جرير * عن سالم أن ابن عمر كان اذا قدم مكة فلم يدر أيظعن أم يقيم قصر الصلاة خمس عشرة ليلة فاذا عرف انه يقيم أتم الصلاة ابن جرير * عن نافع ان ابن عمر أقام باذربيجان ستة أشهر يقصر الصلاة ولم يستطع أن يخرج من البرد ولم يرد الاقامة ابن جرير * عن سالم ان ابن (١٣٠) عمر كان يقصر الصلاة في مسيرة ليلتين ابن جرير * عن عمرو بن شعيب قال قال عبد الله جمع لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم مقيما غير مسافر بين الظهر والعصر والمغرب والعشاء فقال رجل لابن عمر لم ترى النبي صلى الله عليه وسلم فعل ذلك قال لئلا تحرج أمته ان جمع رجل (عب) * عن صفوان ابن سليم قال جمع عمر بن الخطاب بين الظهر والعصر في يوم مطير (عب) * عن جابر قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من مكة عند غروب الشمس حتى أتى سرف وهي بتسعة أميال من مكة ابن جرير * عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم غربت له الشمس بمكة فجمع بينهما بسرف ابن جرير * عن معاذ قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة تبوك فكان يصلي الظهر والعصر جميعا والمغرب والعشاء جميعا (ش م د ن ه) وابن جرير * عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم جمع بين الظهر والعصر باذان واقامتين ابن جرير * عن ابن عباس قال صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم ثمانيا جميعا وسبعا جميعا بالمدينة (عب ش خ م د ن ه) * عن صالح مولى التوأمة انه سمع ابن عباس يقول جمع رسول الله صلى الله عليه وسلم بين الظهر والعصر والمغرب والعشاء بالمدينة في غير سفر ولا مطر قال قلت لابن عباس لم تراه فعل ذلك قال أراد التوسعة على أمته (عب) * عن عبد الله بن عمر كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا جد به السير جمع بين المغرب والعشاء مالك (عب ش خ م ن) * عن أبي قيس عن هزيل بن شرحبيل قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فكان يؤخر الظهر ويعجل العصر فيجمع بينهما ويؤخر المغرب

مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال لا تزال جهنم تقول هل من مزيد حتى يضع فيها رب العزة قدمه فتقول قط قط وعزتك ويزوى بعضها الى بعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا عثمان بن رشيد قال حدثني أنس بن سيرين قال أتينا أنس بن مالك في يوم خميس فدعا بمائدته فدعاهم الى الغداء فتغدى بعض القوم وأمسك بعض ثم أتوه يوم الاثنين ففعل مثلها فدعا بمائدته ثم دعاهم الى الغداء فاكل بعض القوم وأمسك بعض فقال لهم أنس بن مالك لعلكم اثنانيون لعلكم خميسيون ثلاث رسول الله صلى الله عليه وسلم يصوم فلا يفطر حتى نقول ما في نفس رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يفطر العام ثم يفطر فلا يصوم حتى نقول ما في نفسه أن يصوم العام وكان أحب الصوم اليه في شعبان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن أيوب السختياني عن أبي قلابة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تقوم الساعة حتى يتباهى الناس في المساجد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن ابن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك ان قوما ذكروا عند عبيد الله بن زياد الحوض فانكره وقال ما الحوض فبلغ ذلك أنس بن مالك فقال لاحرمن الله له ما رآه فقال ذكر ثم الحوض فقال عبيد الله هل سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكره فقال نعم يقول أكثر من كذا وكذا مرة ان ما بين طرفيه كما بين أيلة الى مكة أو بين صنعاء ومكة وان آنيته أكثر من نجوم السماء قال الحسن وان آنيته لاكثر من عدد نجوم السماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن علي بن زيد عن الحسن عن أنس بن مالك انه ذكر الحوض عند عبيد الله بن زياد فذكر مثله الا انه قال والله لا أعلم به ولا دهمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحسن بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاث من كن فيه وجد بهن حلاوة الايمان من كان الله ورسوله أحب اليه مما سواهما ورجل يحب لا يحبه الا لله ورجل أن يقذف في النار أحب اليه من أن يرجع يهوديا أو نصرانيا قال حسن أو نصرانيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله الانصاري ثنا حميد الطويل عن أنس ابن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رد الله به خيرا استعمله قالوا يا رسول الله ما استعمله قال يوفقه لعمل صالح قبل موته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتي بيت أم سليم فينام على فراشها وليست أم سليم في بيتها فأتى فجده نائما وكان عليه الصلاة والسلام اذا نام ذفر عرقا فأخذ عرقه بقطنة في قارورة فجعله في مسكها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا أبو هلال ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان شجرة كانت على طريق الناس كانت تؤذيهم فاتاها رجل فعزلها عن طريق الناس قال قال النبي صلى الله عليه وسلم فلقد رأيته يتقلب في ظلها في الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا سلام يعني ابن مسكين عن أبي طلال عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان عبدا في جهنم لينادي ألف سنة يا حنان يا منان قال فيقول الله عز وجل لجبريل عليه السلام اذهب فائتني بعبدي هذا فينطلق جبريل فيجد أهل النار مكبين يبكون فيرجع الى ربه فيخبره فيقول ائتني به فانه في مكان كذا وكذا فيجيء به فيوقفه على ربه عز وجل فيقول له يا عبدي كيف وجدت مكانك ومقيلك فيقول أي رب شر مكان وشر مقيل فيقول ردوا عبدي فيقول يا رب ما كنت أرجو اذ أخرجتني منها ان تردني فيها فيقول دعوا عبدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى انا حماد

يعني

و يجعل العشاء فيجمع بينهما ابن جرير * عن ابراهيم ان عمر وابن مسعود كانا يصليان في السفر قبل المكتوبة وبعدها (عب) * (الباب الخامس في صلاة الخوف) * (الاكمال) * صلاة الخوف يقوم الامام وطائفة من الناس معه فيسجدون سجدة واحدة وتكون طائفة بينهم وبين العدو ثم ينصرف الذين سجدوا مع أميرهم فيكونون مكان الذين لم يصلوا ويتقدم الذين لم يصلوا فيصلون مع أميرهم سجدة واحدة ثم ينصرف أميرهم قد قضى ثلاثه ويصلي كل واحد من الطائفتين بصلاته سجدة لنفسه فان (٢٣١) كان خوفا أشد من ذلك فرجالا وركبانا

(طب) عن ابن عمر * صلاة المسايفة ركعة على أي وجه كان الرجل يجزئ عنه فان فعل ذلك لم يعده البزار عن ابن عمر * (الافعال) * عن عمار الحنفي قال سألت ابن عمر عن صلاة السفر فقال ركعتان تمام غير قصر انما القصر صلاة المخافة قلت وما صلاة المخافة قال يصلي الامام بطائفة ركعة ثم يجيء هؤلاء الى مكان هؤلاء ويجيء هؤلاء الى مكان هؤلاء فيصلي بهم ركعة فيكون للامام ركعتين ولكل طائفة ركعة ركعة ابن جرير * عن علي قال صليت مع النبي صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف ركعتين الاولى المغرب ثلاثا (ش) وابن منيع ومسدد والبزار وضعف * عن الحرث عن علي عن النبي صلى الله عليه وسلم في صلاة الخوف أمر الناس فاخذوا السلاح عليهم فقامت طائفة من وراءهم مستقبل العدو وجاءت طائفة فصلوا معه فصلى بهم ركعة ثم قاموا الى الطائفة التي لم تصل وأقبلت الطائفة التي لم تصل معه

يعني ابن زيد عن * مالك يعني ابن عطية عن أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك رفعه قال اذا حضر العشاء وأقيمت الصلاة فابدؤا بالعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال سمعت مالكا يحدث عن الزهري عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل مكة يوم الفتح وعلى رأسه المغفر فلما نزعه جاء رجل فقال ابن خطل متعلق باستار الكعبة فقال اقتلوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسباط بن محمد ثنا سعيد عن قتادة عن أنس ثنا مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن ثنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم على رجل يسوق بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها ويحك أو ويلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ابن أخت القوم منهم أو من أنفسهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن ثنا هشام عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يتعوذ من العجز والجبن والبخل والكسل والهرم وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا كثير بن هشام ثنا جعفر ثنا عمران البصري القصير عن أنس بن مالك قال خدمت النبي صلى الله عليه وسلم عشر سنين فما أمرني بأمر فتوانيت عنه وضيعته فلا مني فان لامني أحد من أهل بيته الا قال دعوه فلو قدر أو قال لو قضي ان يكون كان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن ثابت حدثني جعفر بن برقان عن عمران البصري عن أنس بن مالك قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين فذكر نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد عن أيوب يعني القصاب أبي العلاء عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يفترش أحدكم ذراعيه في الصلاة كالكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لما أسري بي مررت برجال تقرض شفاههم بمقاريض من نار قال فقلت من هؤلاء يا جبريل قال هؤلاء خطباء من أمتك يأمرون الناس بالبر وينسون أنفسهم وهم يتلون الكتاب أفلا يعقلون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة يوسف بن يعقوب الماجشون عن ابن شهاب عن أنس ابن مالك قال زار رسول الله صلى الله عليه وسلم في دارنا فحلبنا له داجننا وشبنا لها من ماء الدار وعن يمين رسول الله صلى الله عليه وسلم رجل من أهل البادية ومن وراء الرجل عمر بن الخطاب وعن يسار رسول الله صلى الله عليه وسلم أبو بكر فشرب رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى اذا نزع القدح عن فيه أوهم بنزعه قال له عمر يا رسول الله اعط أبا بكر فأعطى رسول الله صلى الله عليه وسلم القدح الاعرابي ثم قال الايمن فالايمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ومنصور يعني السلولي ثنا عمارة يعني ابن زاذان عن ثابت عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يقبل عند أم سليم وكان من أكثر الناس عرقا فاتخذت له نطعا فكان يقيل عليه وخطت بين رجليه خطا فكانت تنشف العرق فتأخذه فقال ما هذا يا أم سليم قالت عرقك يا رسول الله اجعله في طيبي فدعا لها بدعاء حسن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن منصور ثنا عمارة عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أرسل أم سليم تنظر الى جارية فقال شمي عوارضها وانظري الى عرقوبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب بن عطاء أبو نصر العجلي الخفاف قال أنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك انه أنبأهم عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال بينما أنا أسير في الجنة اذ عرض لي

فقاموا خلفه فصلى بهم ركعة وسجد سجدتين ثم سلم عليهم فلما سلم قام الذين قبل العدو فكبروا جميعا وركعوا ركعة وسجدوا سجدتين بعد ما سلم البزار * عن جابر قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف ركعة وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم بيننا وبين العدو ابن النجار * عن سعيد بن الغاص انه قال في غزوة ومعه حذيفة أيكم شهد مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف فقال حذيفة أنا فأمرهم حذيفة فلبسوا السلاح ثم قال ان هاجكم هيج فقد حل لكم القتال فصلى باحدى الطائفتين ركعة والاخرى مواجهة العدو ثم انصرف هؤلاء فاقاموا مقام

أولئل وجاء أولئك فصلى بهم ركعة أخرى ثم سلم عليهم (عب ش) وعبد بن حميد (د ن) وابن جرير (هب لك هق) *عن زياد بن نافع عن كعب وكان من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قطعت يده يوم اليمامة ان صلاة الخوف ركعة وسجدتان. ابن جرير *عن أبي عياش كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بعسفان فاستقبلنا المشركون عليهم خالد بن الوليد وهم بيننا وبين القبلة فصلى النبي صلى الله عليه وسلم الظهر فقالوا قد كانوا على حال لو أصبنا غرتهم (٢٣٢) فقالوا تأتي عليهم الآن صلاة هي أحب اليهم من أبنائهم وأنفسهم فنزل جبريل بهذه الآيات بين الظهر والعصر واذا كنت فيهم فأقمت لهم الصلاة فحضرت الصلاة فأمرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم أن أخذوا السلاح فصففنا خلفه صفين ثم ركع فركعنا جميعا ثم رفع فرفعنا جميعا ثم سجد النبي صلى الله عليه وسلم بالصف الذي يليه والآخرون قيام يحرسونهم فلما سجدوا وقاموا جلس الآخرون فسجدوا ولحقوا مكانهم ثم تقدم هؤلاء الى مصاف هؤلاء وجاء هؤلاء الى مصاف هؤلاء ثم ركع فركعوا جميعا ثم رفع فرفعوا جميعا ثم سجد النبي صلى الله عليه وسلم بالصف الذي يليه والآخرون قيام يحرسونهم فلما جلسوا جلس الآخرون فسجدوا ثم سلم عليهم ثم انصرف فصلاها رسول الله صلى الله عليه وسلم مرتين مرة بعسفان ومرة في أرض بني سليم (عب ص ش حم) وعبد بن حميد (د ن) وابن جرير وابن المنذر وابن أبي حاتم (قط طب لك هق) *عن الثوري عن هشام مثل هذا عن النبي صلى الله عليه وسلم الا أنه قال نكص الصف المقدم القهقرى حين يرفعون رؤسهم من السجود ويتقدم الصف المؤخر فيسجدون في مصاف الاولين (عب) باستار

ثم رحا فتاه قباب اللؤلؤ المجوف قال فقلت يا جبريل ما هذا قال هذا الكوثر الذي أعطاك ربك عز وجل قال فضربت بيدي فيه فاذا طينه المسك الاذفر واذا مضراضه اللؤلؤ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال أبي وقال عبد الوهاب من كتابه فرأت قال الملك الذي معي أتدري ما هذا هذا الكوثر الذي أعطاك ربك فضرب بيده الى أرضه فأخرج من طينه المسك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم أنا عبد الله بن أبي بكر بن أنس قال سمعت أنس بن مالك يقول ما خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم في يوم فطر قط حتى يأكل تمرات قال وكان أنس يأكل قبل أن يخرج ثلاثا فاذا أراد أن يزداد أكل خمسا فاذا أراد أن يزداد أكل وترا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم أنا حصين بن عبد الرحمن عن عبد الرحمن بن أبي ليلى عن أنس ابن مالك قال أتى أبو طلحة عبد من شعير فأمر به فصنع طعاما ثم قال لي يا أنس انطلق ائت رسول الله صلى الله عليه وسلم فادعه وقد تعلم ما عندنا قال فأتيت النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه عنده فقلت ان أبا طلحة يدعوك الى طعامه فقام وقال للناس قوموا فقاموا فانتهيت أمشي بين يديه حتى دخلت على أبي طلحة فأخبرته قال فقحمتنا ثلاثتنا لم أستطع أن أرد على رسول الله صلى الله عليه وسلم أمره فلما انتهى النبي صلى الله عليه وسلم الى الباب قال لهم اقعدوا ودخل عاشر عشرة فلما دخل أتي بالطعام تناول فأكل وأكل معه القوم حتى شبعوا ثم قال لهم قوموا وليدخل عشرة مكانكم حتى دخل القوم كلهم وأكلوا قال قلت كم كانوا قال كانوا ثمانين قال وفضل لاهل البيت ما أشبعهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي أنا حميد عن أنس قال أقام بلال الصلاة فعرض لرسول الله صلى الله عليه وسلم رجل قال فأقامه حتى نعس بعض القوم ثم جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بالناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي ثنا حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سافر في رمضان فركب راحلته فدعا بماء على يديه ثم بعثها فلما السيوت قائمة شرب والناس ينظرون اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي ثنا عبيد الله بن أبي بكر قال سمعت أنس بن مالك يقول نارت أرنب فتبعها الناس فكنت في أول من سبق اليها فأخذتها فأتيت بها أبا طلحة قال فأمر بها فذبحت ثم سويت قال ثم أخذ عجزها فقال ائت به النبي صلى الله عليه وسلم قال فأتيته به قال قلت ان أبا طلحة أرسل اليك بعجز هذه الارنب قال فقبله مني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي عن حنظلة السدوسي عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قنت شهرا بعد الركوع في صلاة الغداة يدعو **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن واقد عن الثوري عن جابر عن أبي نضرة عن أنس قال كانت رسول الله صلى الله عليه وسلم بغلة كنت أجنبتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد عن هشام الدستوائي وشعبة جميعا عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال البراق في المسجد خطيئة وكفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة عن منصور عن ربعي ثنا أبو الابيض ثنا أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي بنا العصر والشمس بيضاء محلقة ثم أرجع الى قومي وهم في ناحية المدينة فأجدهم جلوسا فأقول لهم قوموا فصلوا فان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد صلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد عن هشام الدستوائي عن قتادة عن أنس بن مالك قال ذهبت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بخبز شعير وإهالة سنخة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد الزبيري ثنا مالك عن ابن شهاب ان أنس بن مالك أخبره أن رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل مكة وعلى رأسه مغفر فقيل له ان ابن خطل متعلق

* عن ابن عمر انه صلى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف قال فكبر رسول الله صلى الله عليه وسلم فصف وراءه طائفة منا وأقبلت الطائفة على العدو فركع لهم النبي صلى الله عليه وسلم ركعة وسجد تين بسجدتين مثل نصف صلاة الصبح ثم انصرفوا فاقبلوا على العدو وجاءت الطائفة الاخرى فصلوا مع النبي صلى الله عليه وسلم ففعل مثل ذلك ثم سلم فقام كل رجل من الطائفتين وصلى لنفسه ركعة وسجدتين (عب) *عن طاوس

قال صلى النبي صلى الله عليه وسلم صلاة الظهر أربع ركعات وهو والعدو في صحراء واحدة فقال العدو ان لهم صلاة أخرى هي أحب اليهم من الدنيا وما فيها فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي العصر فقاموا خلفه صفين فركع النبي صلى الله عليه وسلم فركع الصف الاول والصف الآخر قيام ثم قاموا ثم ارتد الصف الاول القهقرى ثم قاموا الى مقام الصف الآخر حتى قاموا مقامهم في مقامهم ثم ركع النبي صلى الله عليه وسلم فركع الصف الاول فكان للنبي صلى الله عليه وسلم ركعتان ولكل صف ركعة ثم صلوا على مصافهم (٢٣٣) وركعة ركعة (عب) *عن مجاهد قال

بأستار الكعبة فقال اقتلوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أخبرني حماد بن سلمة عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الاقعاء والتورك في الصلاة قال عبد الله كان أبي قد ترك هذا الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لم يبعث نبي قبلي الا حذر قومه الدجال الكذاب فاحذروه فانه أعور ألا وان ربكم ليس بأعور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال أتموا الصف المقدم ثم الذي يليه فما كان من نقص فليكن في الصف المؤخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا شيبان عن قتادة فذكر ٧ حديث وقال قتادة كان يقول أتموا الصف المقدم ثم الذي يليه فان كان نقص فليكن في الصف المؤخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس قال جمع القرآن على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم أربعة كلهم من الانصار أبي بن كعب ومعاذ بن جبل وزيد بن ثابت وأبو زيد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لابي ان الله عز وجل قد أمرني ان أقرئك القرآن قال آلله سماني لك قال نعم فجعل يبكي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب أنا سعيد عن قتادة عن أنس ان رهطا من عكل وعرينة أتوا النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا يا رسول الله انا كنا أهل ضرع ولم نكن أهل ريف واستوخمنا المدينة فأمر لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بذود وراع وأمرهم ان يخرجوا فيها فيشربوا من البانها وأبوالها فانطلقوا حتى اذا كانوا في ناحية الحرة قتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم واستاقوا الذود وكفروا بعد اسلامهم فبعث رسول الله صلى الله عليه وسلم في طلبهم فاتي بهم فقطع أيديهم وأرجلهم وسمر اعينهم وتركهم في ناحية الحرة حتى ماتوا وهم كذلك قال قتادة وذكر لنا ان هذه الآية نزلت فيهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب عن حميد عن أنس بن مالك قال صلى النبي صلى الله عليه وسلم خلف ابي بكر في ثوب واحد وهو قاعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن أبي فروة ثنا سليمان بن بلال عن شريك انه سمع أنس بن مالك يقول ما صليت خلف امام اخف صلاة من رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا أتم وان كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ليسمع بكاء الصبي فيخفف مخافة ان تفتتن أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ان العبد اذا وضع في قبره وتولى عنه أصحابه انه ليسمع خفق نعالهم فيأتيه ملكان فيقولان له ما كنت تقول في هذا الرجل يعني محمدا صلى الله عليه وسلم قال اما المؤمن فيقول اشهد انه عبد الله ورسوله فيقال له انظر الى مقعدك في النار قد أبدلك الله به مقعدا في الجنة فيراهما جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد بن أبي عروبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل نخلا لبني النجار فسمع صوتا ففزع فقال من اصحاب هذه القبور فقالوا يا نبي الله نأس ماتوا في الجاهلية قال تعوذوا بالله من عذاب القبر وعذاب النار وفتنة الدجال قالوا وما ذاك يا رسول الله قال ان هذه الامة تبتلى في قبورها فان المؤمن اذا وضع في قبره اتاه ملك فسأله ما كنت تعبد فان الله هداه قال كنت أعبد الله قال فيقال له ما كنت تقول في هذا الرجل قال فيقول هو عبد الله ورسوله قال فيسئل عن شئ بعدها قال فينطلق به الى بيت كان له في النار فيقال هذا بيتك كان في النار ولكن الله عصمك ورحمك فابدلك به بيتا في الجنة فيقول دعوني حتى



لم يصل رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف الا مرتين مرة بذي الرقاع من أرض بني سليم ومرة بعسفان والمشركون بضجنان بينهم وبين القبلة فصف النبي صلى الله عليه وسلم أصحابه كلهم خلفه وهم بعسفان ثم تقدم فصلى فركع بهم جميعا ثم سجد بالذين يلونه وقام الآخرون خلفه يحرسونه فلما سجد بهم سجدتين قاموا وسجد أولئك الذين خلفه ثم تقدموا الى الصف الاول وتأخر هؤلاء ثم ركع بهم جميعا ثم سجد بالذين يلونه وقام الآخرون يحرسونهم فلما رفعوا رؤسهم من السجدة سجد أولئك ثم سلم النبي صلى الله عليه وسلم عليهم جميعا وقد كانت لهم صلاتهم (عب) *عن ابن جريج قال قال مجاهد في قوله ان خفتم أن يفتنكم الذين كفروا نزلت يوم كان النبي صلى الله عليه وسلم بعسفان والمشركون بضجنان فتوافقوا فصلى النبي صلى الله عليه وسلم بأصحابه صلاة الظهر فأراد بعاركوهم وسجودهم وقيامهم معا جميعهم فهم بهم المشركون أن يغيروا على أمتعتهم ويقتلوهم فانزل الله عليهم فلتقم طائفة

فصلى النبي صلى الله عليه وسلم العصر وصف أصحابه صفين وكبر بهم جميعا فسجد الاولون بسجوده والآخرون قيام لم يسجدوا حتى قام النبي صلى الله عليه وسلم والصف الاول ثم كبر بهم وركعوا جميعا فقدموا الصف الآخر واستأخر وافتعاقبوا السجود كما فعلوه أول مرة وقصر النبي صلى الله عليه وسلم صلاة العصر ركعتين ابن جرير وابن المنذر وابن أبي حاتم (عب) *عن علي قال سأل قوم من النجار رسول الله صلى الله عليه

وسلم فقالوا يارسول الله انا نضرب فى الارض فكيف نصلى فانزل الله فاذا ضربتم فى الارض فليس عليكم جناح أن تقصروا من الصلاة ثم انقطع الوحى فلما كان بعد ذلك بحول غزا النبى صلى الله عليه وسلم فصلى الظهر فقال المشركون لقد أمكنكم محمد وأصحابه من ظهورهم هلا شددتم عليهم فقال قائل منهم ان لهم أخرى مثلها فأنزلها الله بين الصلاتين ان خفتم أن يفتنكم الذين كفروا ان الكافرين كانوا لكم عدوا مبينا واذا كنت فيهم فأقمت لهم (٢٣٤) الصلاة الى قوله ان الله أعد للكافرين عذابا مهينا فنزلت صلاة الخوف ابن جرير * (الباب السادس فى صلاة المعذور وصلاة المرأة وحدها ومع الامام وما يتعلق بهما وسجود بعض ما يناسب هنا فى ترجمة خروجهن الى المساجد) * (الاكمال) * من استطاع منكم أن يسجد على السجود ومن لم يستطع فلا يرفع الى جبهته شيأ يسجد عليه ولكن بركوعه وسجوده يومئ برأسه (طس) عن ابن عمر * دعها عنك ان استطعت أن تسجد على الارض والا فاومئ ايماء واجعل سجودك أخفض من ركوعك (طب) عن ابن عمر قال عاد رسول الله صلى الله عليه وسلم مريضا وهو يصلى فاخذ وسادة ليضع جبهته عليها فذكره * يصلى المريض قائما ان استطاع فان لم يستطع صلى قاعدا فان لم يستطع أن يسجد أومأ وجعل سجوده أخفض من ركوعه فان لم يستطع أن يصلى قاعدا صلى على جنبه الايمن مستقبل القبلة فان لم يستطع أن يصلى على جنبه الايمن صلى مستلقيا رجلاه مما يلى القبلة (هق) عن الحسن بن على * صل قائما فهو أفضل ومن صلى قاعدا فله نصف أجر القائم ومن صلى نائما فله نصف أجر القاعد (حب) عن عمران بن حصين

* اذا جلست المرأة فى الصلاة وضعت فخذها على فخذها الاخرى فاذا سجدت ألصقت بطنها على فخذيها كاستر ما يكون فان الله تعالى ينظر اليها يقول يا ملائكتى أشهدكم أنى قد غفرت لها (عد هق) وضعفه عن ابن عمر * لا يقبل الله من امرأة صلاة حتى توارى زينتها ولا جارية بلغت المحيض حتى تختمر (طس) عن أبى قتادة * ياعلى مر نساءك أن لا يصلين عطلا ولو أن يتقلدن سيرا (طس) عن على * ياعلى مر

أذهب فابشر اهلى فيقال له اسكن وان الكافر اذا وضع فى قبره أتاه ملك فيقول له ما كنت تقول فى هذا الرجل فيقول ان كنت أول ما يقول الناس فضربه بمطراق من حديد بين أذنيه فيصيح صيحة يسمعه الخلق غير الثقلين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب حدثنا هشام عن قتادة عن أنس قال كان نبى الله صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة فى تمام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب أنا سعيد عن قتادة عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم قال الخاتمة فى المسجد خطيئة وكفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبى صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم فى الصلاة فلا يتفل امامه ولا عن يمينه فانه يناجى ربه عز وجل ولكن ليتفل عن يساره أو تحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب قال سئل سعيد عن ليلة القدر فاخبرنا عن قتادة عن أنس ان نبى الله صلى الله عليه وسلم قال التمسوها فى العشر الاواخر فى تاسعة وسابعة وخامسة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم قال أتموا الركوع والسجود والله لاراكم من بعد ظهرى اذا ركعتم واذا سجدتم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة وحدثنا أنس بن مالك ان نبى الله صلى الله عليه وسلم قال وجنازة سعد موضوعة اهتز لها عرش الرحمن عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان أكيدر دومة أهدى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم جبة حرير وذلك قبل أن ينهى نبى الله صلى الله عليه وسلم عن الحرير فلبسها فعجب الناس منها فقال النبى صلى الله عليه وسلم والذى نفس محمد بيده لمناديل سعد فى الجنة أحسن من هذه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب أنا هشام عن قتادة عن أنس بن مالك قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم على رجل يسوق بدنة فقال اركبها قال يا رسول الله انها بدنة فقال اركبها قال انها بدنة قال اركبها ويحك أو ويلك اركبها شك هشام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم انه قال لا تزال جهنم يلقى فيها وتقول هل من مزيد حتى يضع رب العزة فيها قدمه فينزوى بعضها الى بعض وتقول قط قط وعزتك وكرمك ولا يزال فى الجنة فضل حتى ينشئ الله عز وجل لها خلقا فيسكنهم فضل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبى الله صلى الله عليه وسلم كان يقول ان فى الجنة شجرة يسير الراكب فى ظلها مائة عام لا يقطعها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان يهوديا مر على رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه فقال السام عليكم فقال نبى الله صلى الله عليه وسلم أتدرون ما قال هذا قالوا سلم يا رسول الله قال لا ولكنه قال كذا وكذا ثم قال ردوه على فردوه عليه فقال قلت السام عليكم قال نعم فقال نبى الله صلى الله عليه وسلم عند ذلك اذا سلم عليكم أحد من أهل الكتاب فقولوا وعليك أى وعليك ما قلت **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبى الله صلى الله عليه وسلم وزيد بن ثابت تسحرا فلما فرغا من سحورهما قام رسول الله صلى الله عليه وسلم الى الصلاة فقلنا لانس كم كان بين فراغهما من سحورهما ودخولهما فى الصلاة قال قدر ما يقرأ

نساءك أن لا يصلين عطلا ومرهن فليغبرن أكفهن بالحناء لا يتشبهن بأكف الرجال ابن النجار عن علي * لا صلاة لحائض الا بخمار (هق) في المعرفة عن عائشة * اذا كان الدرع سابغا يغطي ظهور قدميها (د ك) عن أم سلمة انها سألت النبي صلى الله عليه وسلم أتصلي المرأة في درع وخمار ليس عليها ازار قال فذكره * (الافعال) * عن جابر بن سمرة مئات رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى صلى قاعدا (ش) * عن عطاء انه سأل عائشة هل رخص للنساء أن يصلين على الدواب قالت لم يرخص لهن في ذلك في شدة ولا رخاء (٢٣٥) (كر) * عن سهل بن سعد الساعدي

الرجل خمسين آية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب قال سئل سعيد عن الوصال فأخبرنا عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ألا لا تواصلوا قيل له انك تواصل يا رسول الله قال اني لست كأحد منكم اني يطعمني ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال كان شباب من الانصار سبعين رجلا يقال لهم القراء قال كانوا يكونون في المسجد فاذا أمسوا انحرفوا ناحية من المدينة فيدارسون ويصلون يحسب أهلوهم انهم في المسجد ويحسب أهل المسجد انهم في أهلهم حتى اذا كانوا في وجه الصبح استعذبوا من الماء واحتطبوا من الحطاب فأووا به فأسندوه الى حجرة رسول الله صلى الله عليه وسلم فبعثهم النبي صلى الله عليه وسلم جميعا فأصيبوا يوم بئر معونة فدعا النبي صلى الله عليه وسلم على قتلتهم خمسة عشر يوما في صلاة الغداة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر قال ثنا أبو بكر عن حميد الطويل عن أنس قال كانت فتنة بالمدينة يقال لهم القراء فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن ثنا ابن عون عن محمد قال كان أنس اذا حدث حديثا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ففرغ منه قال أو كما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الهاشمي انا اسمعيل أخبرني حميد عن أنس قال كان شباب من الانصار يسمون القراء فذكر معنى حديث أبي بكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله الانصاري ثنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال كانت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم متقاربة وصلاة أبي بكر وسطا وصلاة عمر في قراءة صلاة الغداة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن عبد الله الانصاري حدثنا حميد عن أنس قال كان صبي يمشي ظهر الطريق فر النبي صلى الله عليه وسلم ومعه ناس من أصحابه فلما رأت أم الصبي القوم خشيت ان يوطأ ابنها فسعت وحملته وقالت ابني ابني قال فقال القوم يا رسول الله ما كانت هذه لتلقي ابنها في النار قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا والله لا يلقي الله حبيبه في النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد ثنا ثابت قال قال أنس مر بشيخ كبير يهادى بين ابنيه قال فقال ما بال هذا قالوا نذر يا رسول الله ان يمشي قال ان الله عز وجل عن تعذيب هذا نفسه لغني فأمره ان يركب فركب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله الانصاري ثنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال انتهى الينا النبي صلى الله عليه وسلم وأنا في غلمان فسلم علينا ثم أخذ بيدي فأرسلني في رسالة وقعد في ظل جدار أو في جدار حتى رجعت اليه فلما أتيت أم سليم قالت ما حبسك قال قلت أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم برسالة قالت وما هي قلت انها سر قالت احفظ سر رسول الله صلى الله عليه وسلم فما أخبرت به بعد أحدا قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قدمت المدينة ولاهل المدينة يومان يلعبون فيهما في الجاهلية فقال قدمت عليكم ولكم يومان تلعبون فيهما ان الله عز وجل أبدلكم بهما خيرا منهما يوم الفطر ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن عبد الله ثنا حميد عن أنس بن مالك قال جاء أبو موسى الاشعري يستحمل النبي صلى الله عليه وسلم فوافق منه شغلا فقال والله لا أحملك فلما قف دعاه قال يا رسول الله قد حلفت لن لا تحملني قال وأنا أحلف لا أحملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس قال سئل أنس عن عذاب القبر وعن الدجال فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اني أعوذ بك من الكسل والهرم والجبن والبخل

لقد رأيت الرجال عاقدين ازرهم في أعناقهم مثل الصبيان من ضيق الازر خلف النبي صلى الله عليه وسلم فقال قائل يا معشر النساء لا ترفعن رؤسكن حتى يرفع الرجال (ش) * عن ابن عجلان قال صليت الى جنب النبي صلى الله عليه وسلم وعائشة خلفنا تصلي معنا (عب) * عن القاسم ان عائشة كان يؤمها غلامها ذكوان (عب) * عن أنس ان جدته مليكة دعت النبي صلى الله عليه وسلم لطعام صنعته له فأكل منه ثم قال قوموا فلأصل لكم فقمت الى حصير لنا قد اسود من طول ما لبث فنضحته بماء فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم وصففت انا واليتيم وراءه والعجوز من ورائنا فصلى لنا ركعتين ثم انصرف مالك (عب) * عن عبد الرحمن بن خلاد عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أذن لام ورقة أن تؤم أهل دارها وكان لها مؤذن أبو نعيم

* (الباب السابع في صلاة الجماعة وما يتعلق بها وفيه أربعة فصول الفصل الاول في الترغيب فيها وانتظار الصلاة والترهيب عن ترك الجماعة بلا عذار تركها وفيه فرعان الفرع الاول في الترغيب فيها وفضل انتظار الصلاة وتداخل فيه بعض أحاديث فضائل المسجد) * صلاة الرجلين يؤم أحدهما صاحبه أزكى عند الله من صلاة أربعة تترى وصلاة أربعة يؤمهم أحدهم أزكى عند الله من صلاة ثمانية تترى وصلاة ثمانية يؤمهم أحدهم أزكى عند الله من صلاة مائة تترى (طب هق) عن قباث بن أشيم * صلاة الجماعة تفضل صلاة الفذ بسبع وعشرين درجة مالك (حم ق ت ن) عن ابن عمر * صلاة الجماعة تفضل صلاة

الفذ بخمس وعشرين درجة (حم خ ٥) عن أبي سعيد * صلاة الرجل في جماعة تزيد على صلاته في بيته وصلاته في سوقه خمسا وعشرين درجة وذلك ان أحدكم اذا توضأ فأحسن الوضوء ثم أتى المسجد لا يريد الا الصلاة لم يخط خطوة الا رفعه الله بها درجة وحط عنه بها خطيئة حتى يدخل المسجد فاذا دخل المسجد كان في صلاة ما كانت الصلاة تحبسه وتصلي الملائكة عليه ما دام في مجلسه الذي يصلي فيه يقولون اللهم اغفر له اللهم ارحمه اللهم تب عليه ما لم يؤذ فيه أو (٢٣٦) يحدث فيه (حم ق د د) عن أبي هريرة * صلاة الرجل في جماعة تزيد على صلاة الرجل وحده أربعا وعشرين أو خمسا وعشرين درجة (٥) عن أبي * صلاة الرجل في بيته بصلاة وصلاته في مسجد القبائل بخمس وعشرين صلاة وصلاته في المسجد الذي يجمع فيه بخمسمائة صلاة وصلاته في المسجد الاقصى بخمسمائة آلاف صلاة وصلاته في مسجدي هذا بخمسين ألف صلاة وصلاته في المسجد الحرام بمائة ألف صلاة (٥) عن أنس * اثنان فما فوقهما جماعة (٥ عد) عن أبي موسى (حم طب عد) عن أبي امامة (قط) عن ابن عمر وابن سعد والبغوي والباوردي عن الحكم بن عمير * اذا أقيمت الصلاة فلا صلاة الا المكتوبة (م ٤) عن أبي هريرة * أعظم الناس أجرا في الصلاة أبعدهم اليه ممشى فأبعدهم والذي ينتظر الصلاة حتى يصليها مع الامام أعظم أجرا من الذي يصليها ثم ينام (ق) عن أبي موسى (٥) عن أبي هريرة * من كان في المسجد ينتظر الصلاة فهو في الصلاة ما لم يحدث (حم ن حب) عن سهل بن سعد * انه من قام مع الامام حتى ينصرف كتب له قيام ليلة (حم ٤ حب) عن أبي ذر * ان الشيطان ذئب الانسان كذئب الغنم يأخذ الشاة القاصية والناحية ثم وايا كم والشعاب وعليكم بالجماعة والعامة والمسجد (حم) عن معاذ * الصلاة في جماعة تعدل خمسا وعشرين صلاة واذا صلاها في فلاة فاتم ركوعها وسجودها بلغت خمسين صلاة * (د ك) عن أبي سعيد * فضل صلاة الجماعة على صلاة الرجل وحده خمس وعشرون درجة وفضل صلاة التطوع في البيت على فعلها في المسجد كفضل صلاة الجماعة على المنفرد ابن السكن عن ضمرة بن حبيب عن أبيه * ما من ثلاثة في قرية ولا بدو

---

وفتنة الدجال وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله ثنا حميد عن أنس بن مالك انه سئل عن صلاة النبي صلى الله عليه وسلم وهو صائم تطوعا قال كان يصوم من الشهر حتى نقول ما يريد أن يفطر منه شيأ ويفطر حتى نقول ما يريد أن يصوم منه شيأ وما كانشاء ان نراه من الليل مصليا الا رأيناه ولا نراه نائما الا رأيناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب حدثنا أبي عن ابن اسحق قال ذكر الزهري عن أويس بن مالك بن أبي عامر عديد بني تيم عن أنس بن مالك الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال هذا رمضان قد جاء تفتح فيه أبواب الجنة وتغلق فيه أبواب النار وتسلسل فيه الشياطين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الهاشمي أنا ابراهيم بن سعد ثنا محمد بن عبد الله بن مسلم ابن أخي ابن شهاب عن عمه عن أبيه عن أنس بن مالك قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الكوثر فقال هو نهر أعطانيه الله عز وجل في الجنة ترابه المسك ماؤه أبيض من اللبن وأحلى من العسل ترده طير أعناقها مثل أعناق الجزر قال قال أبو بكر يا رسول الله انها لناعمة فقال أكلتها أنعم منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح قال ابن شهاب حدثني أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لوان لابن آدم واديين من ذهب أحب ان له واديا ثالثا ولم يملأ فاه الا التراب والله يتوب على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن المثنى ثنا سليمان التيمي عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوم بدر من ينظر ما فعل أبو جهل قال فانطلق عبد الله بن مسعود فوجد ابني عفراء قد ضرباه حتى برك قال فاخذ بلحيته ابن مسعود فقال آنت أبو جهل آمت الشيخ الفضل قال فقال أبو جهل هل فوق رجل قتلتموه أو قال قتله قومه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح قال ابن شهاب ان أنس بن مالك قال أنا أعلم الناس بالحجاب لقد كان أبي بن كعب يسألني عنه قال أنس أصبح رسول الله صلى الله عليه وسلم عروسا بزينب ابنة جحش قال قال وكان تزوجها بالمدينة فدعا الناس للطعام بعد ارتفاع النهار فجلس رسول الله صلى الله عليه وسلم وجلس معه رجال بعد ما قام القوم حتى قام رسول الله صلى الله عليه وسلم ومشيت معه حتى بلغ حجرة عائشة ثم ظن انهم قد خرجوا فرجع ورجعت معه قال فاذا هم جلوس مكانهم فرجع ورجعت معه الثانية حتى بلغ حجرة عائشة فرجع ورجعت معه فاذا هم قد قاموا فضرب بيني وبينه بالستر وأنزل الحجاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب حدثني أبي عن صالح قال ابن شهاب أخبرني أنس بن مالك ان الله عز وجل تابع الوحي على رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل وفاته حتى توفي أكثر ما كان الوحي يوم توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبو أويس قال أخبرني ابن شهاب ان أخاه أخبراه أنس بن مالك الانصاري أخبره ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم ما الكوثر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هو نهر أعطانيه الله في الجنة أبيض من اللبن وأحلى من العسل فيه طير أعناقها كأعناق الجزر فقال عمر بن الخطاب انها لناعمة يا رسول الله قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم آكلوها أنعم منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا غشي قرية يريد بها مالم يغر حتى يصبح فان سمع تأذينا للصلاة أمسك وان لم يسمع تأذينا للصلاة أغار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني عاصم بن عمر بن قتادة الانصاري

لا يقام فيهم الصلاة الا استحوذ عليهم الشيطان فعليكم بالجماعة فانما يأكل الذئب القاصية (حم د ن ﺣب ك) عن أبي الدرداء * من حين يخرج أحدكم من منزله الى مسجده فرجل تكتب حسنة والاخرى تحو سيئة (ك هب) عن أبي هريرة * من مشى الى صلاة مكتوبة في جماعة فهي كحجة ومن مشى الى صلاة تطوع فهي كعمرة نافلة (طب ص) عن أبي أمامة * المشاؤن الى المساجد في الظلم أولئك الخواضون في رحمة الله تعالى (ه) عن أبي هريرة * بشر المشائين في الظلم الى المساجد بالنور التام يوم القيامة (د ه) عن أبي بريدة (ه ك) عن أنس وعن سهل بن سعد * من غدا الى المسجد وراح أعد الله له نزلا من الجنة كلما غدا وراح (حم ق) عن أبي هريرة * الغدو والرواح الى المساجد من الجهاد في سبيل الله أبو محمد الاصبهاني في مجمعه وابن النجار (ر) عن ابن عباس * من توضأ فأحسن وضوءه ثم راح فوجد الناس قد صلوا أعطاه الله مثل أجر من صلاها وحضرها لا ينقص ذلك من أجورهم شيأ (حم د ن ك) عن أبي هريرة * من صلى لله تعالى أربعين يوما في جماعة يدرك التكبيرة الاولى كتب الله له براءتين براءة من النار وبراءة من النفاق (ت) عن أنس * ان الله تبارك وتعالى ليعجب من الصلاة في الجمع (حم) عن ابن عمر * ان الله يستحي من عبده اذا صلى في جماعة ثم سأل حاجته ان ينصرف حتى يقضيها ابن النجار عن أبي سعيد * ان لكم بكل خطوة درجة (٣) فان جار * يا بني سلمة الا تحتسبون آثاركم الى المسجد (ش حم ن ه) عن أنس * يا بني سلمة دياركم تكتب آثاركم (حم م) عن جابر * لقد أعجبني أن تكون صلاة المسلمين واحدة لقد هممت أن آمر رجلا في الدور ينادون الناس حين الصلاة وحتى هممت أن آمر رجلا يقومون على الآطام ينادون المسلمين حين الصلاة (د ك) عن رجال * (الاكمال) * تفضل صلاة الجماعة على الوحدة بسبعة وعشرين درجة (حم) عن أبي هريرة * صلاة الرجل في الجماعة تفضل صلاة الرجل وحده في بيته بسبعة وعشرين ضعفا (ض) عن ثمامة بن عبد الله بن أنس عن جده * صلاة الرجل في الجماعة تزيد على صلاة



ثم الظفري عن أنس بن مالك الانصاري قال سمعته يقول ما كان أحد أشد تعجيلا للصلاة إذا العصر من رسول الله صلى الله عليه وسلم ان كان أبعد رجلين من الانصار دارا من مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم لابو لبابة بن عبد المنذر وأخو بني عمرو بن عوف وأبو عبس بن جبر أخو بني حارثة دار أبي لبابة بقباء أو دار أبي عبس بن جبر في بني حارثة ثم ان كانا ليصليان مع رسول الله صلى الله عليه وسلم العصر ثم يأتيان قومهما وما صلوا التكبير في رسول الله صلى الله عليه وسلم بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب أخبرنا أبي عن ابن اسحق حدثني زياد بن أبي زياد مولى ابن عباس قال انصرفت من الظهر انا وعمر حين صلاها هشام بن اسمعيل بالناس اذ كان على المدينة الى عمرو بن عبد الله بن أبي طلحة نعوده في شكوى له قال فما قعدنا ما سألنا عنه الا قليلا ما قال ثم انصرفنا فدخلنا على أنس بن مالك في داره وهي الى جنب دار أبي طلحة قال فلما قعدنا أتتنا الجارية فقالت الصلاة يا أباحمزة قال قلنا أي الصلاة رحمك الله قال العصر قال فقلنا انما صلينا الظهر الآن قال فقال انكم تركتم الصلاة حتى نسيتموها أو قال تسيتموها حتى تركتموها اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول بعثت أنا والساعة كهاتين ومد أصبعيه السبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا أبو أويس عن الزهري عن أخيه عبد الله بن مسلم انه سمع أنس بن مالك يقول ان رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن الكوثر فذكره الا انه قال أكلتها أنعم منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم ثنا أبو أويس عن محمد بن عبد الله بن مسلم ابن أخي الزهري عن أبيه عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم في الكوثر مثل حديث للزهري سواء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال محمد حدثني يحيى بن الحرث الجار قال حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا غشي قرية بيانا لم يغر حتى يصبح فان لم يسمع تأذينا للصلاة أغار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني يحيى بن الحرث الجابر عن عبد الوارث مولى أنس بن مالك وعمرو بن عامر عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن زيارة القبور وعن لحوم الاضاحي بعد ثلاث وعن النبيذ في الدباء والنقير والحنتم والمزفت قال ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد ذلك الا اني قد كنت نهيتكم عن ثلاث ثم بدا لي فهن نهيتكم عن زيارة القبور ثم بدا لي انها ترق القلب وتدمع العين وتذكر الآخرة فزوروها ولا تقولوا هجرا ونهيتكم عن لحوم الاضاحي ان تأكلوها فوق ثلاث ليال ثم بدا لي ان الناس يتعوفون ضيفهم ويتخونون لغائبهم فامسكوا ما شئتم ونهيتكم عن النبيذ في هذه الاوعية فاشربوا ما شئتم ولا تشربوا مسكرا فمن شاء أوكاءه على اثم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال حدثني محمد بن المنكدر والتيمي عن أنس بن مالك الانصاري قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر في مسجده بالمدينة أربع ركعات ثم صلى بنا العصر بذي الحليفة ركعتين آمنا لا يخاف في حجة الوداع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الجمعة ثم نرجع الى القائلة فنقيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك قال أقيمت الصلاة على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد كان بهن نساء رسول الله صلى الله عليه وسلم شيء قال فجعل رجل من رسول الله صلى الله عليه وسلم يرد بعضهن عن بعض قال فجاءه أبو

الرجل وحده تسعا وعشرين صلاة (طب) عن ابن مسعود * من سره أن يلقى الله عز وجل غدا مسلما فليحافظ على الصلوات الخمس حيث ينادى بهن (طس) عن ابن عمر * يا عثمان بن مظعون من صلى صلاة الفجر في جماعة ثم جلس يذكر الله حتى تطلع الشمس كان له في الفردوس سبعون درجة بعد كل درجتين كمضمر الفرس الجواد المضمر سبعين سنة ومن صلى صلاة الظهر في جماعة كان له في جنات عدن خمسون درجة بعد ما بين كل درجة كمضمر الفرس (٢٣٨) الجواد المضمر خمسين سنة ومن صلى العصر في جماعة كان له كأجر ثمانية من ولد اسمعيل كلهم

رب بيت يعتقهم ومن صلى المغرب في جماعة فهو كحجة مبرورة وعمرة متقبلة ومن صلى العشاء في جماعة كان كقيام ليلة القدر (هب) عن أنس * لان أصلي الصبح في جماعة أحب الي من أن أصلي ليلة ولان أصلي العشاء في جماعة أحب الي من أن أصلي نصف ليلة (هب) عن عثمان * من صلى في مسجد جماعة أربعين ليلة لا تفوته الركعة الاولى من صلاة الظهر كتب الله له براءتا من النار (هب) وابن عساكر وابن النجار عن عمر * من أدرك التكبيرة الاولى مع الامام أربعين صباحا صلاة كتب له براءتان براءة من النار وبراءة من النفاق أبو الشيخ عن أنس * من لم تفته الركعة الاولى من الصلاة أربعين يوما كتبت له براءتان براءة من النار وبراءة من النفاق عبد الرزاق عن أنس * من شهد الصلوات الخمس أربعين ليلة في جماعة يدرك التكبيرة الاولى وجبت له الجنة (عد) عن أبي العالية مرسلا * من صلى أربعين يوما في جماعة ثم انفتل عن صلاة المغرب فاني ركعتين قرأ في أولى ركعة بفاتحة الكتاب وقل يا أيها الكافرون وفي الثانية يقيم

بكر فقال يا رسول الله احث في أفواههن التراب واخرج الى الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني حميد الطويل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا حضرت الصلاة وقرب أعشاء فابدؤا بالعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني عاصم بن عمر بن قتادة عن أنس بن مالك قال رأيت قباء أكيد حين قدم به على رسول الله صلى الله عليه وسلم فجعل المسلمون يأسونه بايديهم ويتحجبون منه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتتحجبون من هذا فوالذي نفس محمد بيده لمناديل سعد بن معاذ في الجنة أحسن من هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن النعمان حدثنا أبو عبيدة يعني عبد المؤمن بن عبيد الله السدوسي حدثني أخي السدوسي قال دخلت على أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول والذي نفسي بيده أو قال والذي نفس محمد بيده لو أخطأتم حتى تملأ خطاياكم ما بين السماء والارض ثم استغفرتم الله عز وجل لغفر لكم والذي نفس محمد بيده أو والذي نفسي بيده لو لم تخطئوا لجاء الله عز وجل بقوم يخطئون ثم يستغفرون الله فيغفر لهم **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حسين بن محمد ثنا حماد بن زيد عن سلم العلوي عن أنس قال لما نزلت آية الحجاب جئت أدخل كما كنت فاذا داخل قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم وراءك يا بني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا شيبان عن يحيى عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ينزل الدجال حين ينزل في ناحية المدينة فترجف ثلاث رجفات فيخرج اليه كل كافر ومنافق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا شيبان بن عبد الرحمن عن قتادة قال ثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال يرى فيه أبار يق الذهب والفضة كعدد نجوم السماء أو أكثر من عدد نجوم السماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا شيبان عن قتادة عن أنس بن مالك قال لقد دعى نبي الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم على خبز شعير واهالة سخنة قال ولقد سمعته ذات يوم المرار وهو يقول والذي نفس محمد بيده ما أصبح عند آل محمد صاع حب ولا صاع تمر وان له يومئذ تسع نسوة ولقد رهن درعه عند يهودي بالمدينة أخذ منه طعاما فأوجد ما يفتكها به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا شيبان عن قتادة عن أنس بن مالك قال سمعت نبي الله صلى الله عليه وسلم يقول لو ان لابن آدم واديين من مال لابتغى واديا ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن عاصم الاحول عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال المدينة حرام من لدن كذا الى كذا فمن أحدث حدثا أو آوى محدثا فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين لا يعضد شجرها قال وقال الحسن الا لعلف بعير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى نخامة في قبلة المسجد فحتها بيده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن أبي ربيعة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما من عبد يبتليه الله عز وجل ببلاء في جسده الا قال الله عز وجل للملك اكتب له صالح عمله الذي كان يعمله فان شفاه الله غسله وطهره وان قبضه غفر له ورحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن بيان عن أنس بن مالك قال نبي رسول الله صلى الله عليه وسلم بامرأة قد عار جلا على الطعام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا عمارة يعني ابن زاذان ثنا ثابت عن أنس بن مالك ان المؤذن أو بلالا كان

فاتحة الكتاب وقل هو الله أحد خرج من ذنوبه كما تخرج الحية من سلخها الخطيب عن أنس وهو واه * بشر المذنبين الى المساجد في الظلم بنور من نور يوم القيامة يفزع الناس ولا يفزعون (طب) عن أبي أمامة * ان من حافظ على هؤلاء الصلوات الخمس المكتوبات في جماعة المسلمين كان أول من يجوز على الصراط كالبرق اللامع وحشره الله في أول زمرة من السابقين وكان له في كل يوم وليلة حافظ عليهن كاجر ألف شهيد قتلوا

في سبيل الله (طس) عن أبي هريرة وابن عباس معا * اذا نزلت الرحمة على أهل المسجد بدأت بالامام ثم أحدقت عينا ثم عطفت على الصفوف الديلمي عن أبي هريرة * ما من مسلم يتوضأ فيسبغ الوضوء ثم يمشي الى الصلاة جماعة الا غفر الله له ذلك اليوم مما مشت رجلاه وقبضت عليه يداه واسمعت اليه أذناه ونظرت اليه عيناه ونطق به لسانه وحدثته به نفسه من السوء ابن زنجويه (هب) عن أبي أمامة * من خرج من بيته الى المسجد كتب له كاتبه بكل خطوة يخطوها الى المسجد عشر حسنات والقاعد في المسجد ينتظر

يقيم فيدخل النبي صلى الله عليه وسلم فيقبل الرجل في الحاجة فيهتم معه حتى تخفق عمائمهم رؤسهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا عمارة ثنا زياد الفيري قال وحدثني أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا علا نشزا من الارض قال اللهم لك الشرف على كل شرف ولك الحمد على كل حال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا أبو هلال ثنا مطر الوراق عن أنس بن مالك قال كان نبي الله صلى الله عليه وسلم يطوف على تسع نسوة في ضحوة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن زيد عن شعيب بن الحبحاب وعبد العزيز بن صهيب وثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أعتق صفية وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد يعني ابن زيد عن عبيد الله بن أبي بكر عن جده أنس بن مالك أن رجلا طاع في بعض حجر النبي صلى الله عليه وسلم فقام النبي صلى الله عليه وسلم اليه فأخذ مشقصا أو مشاقص شك عبيد الله ثم مشى اليه ليفعل بختله فكأني أنظر اليه ليطعن بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يحلق الجلم رأسه أخذ أبو طلحة شعر أحد شقي رأسه فجزه فأخذ شعره وجاء به الى أم سليم قال فكانت أم سليم تدوفه في طيبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى في بيت أم سليم وام سليم وام حرام خلفنا ولا أعلمه الا قال وأقامني عن يمينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن حميد عن أنس والحسن أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج متوكئا على اسامة بن زيد وعليه ثوب قطن قد خالف بين طرفيه فصلى بهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يؤتى برجل يوم القيامة من أهل الجنة فيقول الله عز وجل يا ابن آدم كيف وجدت منزلك فيقول اي رب خير منزل فيقول له سل وتمن فيقول ما أسأل وأتمنى الا أن تردني الى الدنيا فاقتل لما رأى من فضل الشهادة قال ثم يؤتى برجل من أهل النار فيقول له يا ابن آدم كيف وجدت منزلك فيقول اي رب شر منزل فيقول أفتفتدي منه ببطلاع الارض ذهبا فيقول نعم اي رب فيقول كذبت قد سألتك ما هو أقل من ذلك فلم تفعل فيرد الى النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير ثنا عبد الله بن عبد الرحمن الانصاري عن أنس قال انطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم ومعه أبو بكر الصديق وعمر وناس من الاعراب حتى دخل دارنا فحلبت له شاة وشن عليه من ماء بئرنا حسبته قال فشرب وأبو بكر عن يساره وعمر مستقبله وعن يمينه اعرابي فقال عمر يا رسول الله أبو بكر فأعطاه الاعرابي فقال الايمنون قال فقال انا أنس فهي سنة فهي سنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الهاشمي أنبأنا اسمعيل يعني ابن جعفر قال ثنا عبد الله بن عبد الرحمن بن معبد بن حزم أنه سمع أنس بن مالك فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فسمعت خشفة فقلت ما هذه الخشفة فقيل هذه الرميصاء بنت ملحان وهي أم أنس بن مالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد بن جدعان عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم رأيت ليلة أسري بي رجالا تقرض شفاههم بمقاريض من نار فقلت يا جبريل من هؤلاء قال هؤلاء خطباء من أمتك يأمرون الناس بالبر وينسون أنفسهم وهم يتلون الكتاب

الى المسجد لم يزل في صلاة حتى يرجع الى بيته ابن جرير عن أبي هريرة * ما من مسلم يسمع أذانا فقام الى وضوئه الا غفر له في أول قطرة تصيب كفه من ذلك الماء فيغفر ذلك القطر بغفر الله له ما سلف من ذنوبه فيقوم الى صلاته وهي نافلة (طب ص) عن أبي امامة * من توضأ في بيته فأحسن وضوءه ثم أتى المسجد فهو زائر الله وحق على المزور أن يكرم الزائر (طب) عن سلمان * من اختلف الى هذه الصلاة غفر له ما تقدم من ذنبه (طب) عن الحرث بن عبد الحميد بن عبد الملك بن أبي واقد الليثي عن أبيه عن جده عن أبي واقد * من مشى الى صلاة مكتوبة

حتى يرجع الى بيته ابن المبارك والخطيب عن عقبة ابن عامر * ما من أحد يعد ويروح الى المسجد ويؤثره على ما سواه الا وله عند الله نزل بعدده في الجنة كلما غدا وراح كلوا أن أحدكم زار ومن يحب زيارته الا اجتهد له في كرامته ابن زنجويه وابن لال وأبو الشيخ عن أبي هريرة وفيه عبد الرحمن بن زيد بن أسلم ضعفه (حم قط) وباقي رجاله ثقات * من لم يرغد وروحا الى المساجد من الجهاد فقد قصر عمله الديلمي عن أم الدرداء * الاختلاف الى المساجد رحمة والاجتناب عنها نفاق الديلمي عن ابن عباس * من أدمن الاختلاف الى المسجد أصاب أحد ثلاثا اما في الله أو عالما مستفادا أو كلمة تدله على الهدى أو أخرى تصده عن الردى أو رحمة منتظرة أو يسترك الذنوب حياء وخشية (طب) وابن عساكر عن سعد بن ظريف عن عمير بن المأمون عن الحسن بن علي وعمير لا شئ وسعد متروك * من توضأ فأحسن الوضوء ثم خرج

وهو متطاهر فاجره كأجر الحاج المحرم ومن مشى الى تسبيح الضحى لا ينهضه الا اياه فاجره كأجر المعتمر وصلاة على أثر صلاة كتاب في عليين (حم طب ص) عن أبي امامة * أندرون لم أقارب الخطا لا زال العبد في صلاة مادام في طلب الصلاة (طب) عن أنس عن زيد بن ثابت قال كنت أمشي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن نريد الصلاة فكان يقارب الخطا وقال ذكره * عليكم منازلكم فانها تكتب آثاركم عبد الرزاق عن أبي سعيد قال شكت (٢٤٠) بنو سلمة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد منازلهم من المسجد فانزل الله ونكتب ما قدموا وآثارهم قال فذكره * فذلك له سهم جمع (د) عن أبي أيوب ان النبي صلى الله عليه وسلم سئل عن الرجل يصلي في منزله ثم يأتي المسجد ويصلي معهم قال فذكره * لو أن أحدكم يعلم اذا شهد الصلاة معي كان له علم من شاهده فعمل ما يصيب من الاجر أفضل من ذلك (هب) عن أبي هريرة * ما أحدث من رخصة ولو يعلم هذا المتخلف عن الصلاة في الجماعة ما لهذا الماشي اليها لاتهاوا لوجبوا على يديه ورجليه (طب) عن أبي امامة * ان سمعت الاذان فائت ولو حبوا (طس) عن جابر * ان الله تعالى ينادي يوم القيامة أين جيراني فتقول الملائكة ربنا ومن ينبغي أن يجاورك وتقول أين عمار المساجد ابن النجار عن أنس * عمار مساجد الله هم أهل الله عز وجل (طح حل) والعسكري في الامثال عن أنس * لا يوطن الرجل المسجد للصلاة أو لذكر الله الا تبشبش الله به كما يتبشبش أهل الغائب اذا قدم عليهم (حب) عن أبي هريرة * اذا رأيتم الرجل يلزم المسجد فلا تعجزوا أن تشهدوا انه مؤمن فان الله تعالى يقول انما يعمر مساجد الله من آمن بالله (ك) عن أبي سعيد * يقول الله عز وجل اني لاهم باهل الارض عذابا فاذا نظرت الى عمار بيوتي المتحابين في والى المستغفرين بالاسحار صرفت عنهم (هب) عن أنس * من بكن المسجد بيته ضمن الله له الروح والرحمة والجواز على الصراط الى الجنة (طس) والخطيب عن أبي الدرداء * المساجد بيوت من أسواق الآخرة من دخلها كان ضيف الله قراء المغفرة وتحفته الكرامة فعليكم بالرتاع قالوا يا رسول الله وما الرتاع قال الدعاء والرغبة

أفلا يعقلون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن وعثمان المعنى قالا ثنا حماد بن سلمة أنا ثابت البناني عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل لما صور آدم تركه ما شاء الله أن يتركه فجعل ابليس يطيف به فلما رآه أجوف عرف انه خلق لا يتمالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا عبد الله بن جعفر يعني المخرمي وحدثنا اسمعيل بن محمد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال صلاة القاعد نصف صلاة القائم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي أنا مالك عن الزهري بن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل يوم الفتح وعلى المغفر فقيل له ان ابن خطل متعلق باستار الكعبة فقال اقتلوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي أنبأنا سليمان بن بلال قال حدثني ربيعة بن أبي عبد الرحمن انه سمع أنس بن مالك يقول بعث النبي صلى الله عليه وسلم بما شاء ان يبعثه قال ثم سمعت أنسا يقول وكان النبي صلى الله عليه وسلم إذا بعث القوم ليس بالقصير ولا بالطويل البائن أزهر ليس بالآدم ولا بالابيض ولا الامهق رجل الشعر ليس بالسبط ولا الجعد القطط بعث على رأس أربعين أقام بمكة عشرا وبالمدينة عشرا وتوفي على رأس ستين سنة وليس في رأسه ولحيته عشرون شعرة بيضاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة أنا مالك بن أنس عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تركب قوم من أمتي ثبج البحر أو ثبج هذا البحر هم الملوك على الاسرة أو كالملوك على الاسرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة أنا مالك عن محمد بن أبي بكر الثقفي انه سأل أنس بن مالك وهما غاديان الى عرفة كيف كنتم تصنعون في هذا اليوم مع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان يهل المهل منا فلا ينكر عليه ويكبر المكبر فلا ينكر عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة أنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال وشهدته عليه الصلاة والسلام يوم دخل علينا المدينة فلم أر يوما أضوأ منه ولا أحسن منه وشهدته يوم مات فلم ار يوما أقبح منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا سليمان بن بلال ثنا شريك يعني ابن أبي نمر عن أنس بن مالك قال ما صليت وراء امام قط أخف صلاة من رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا أتم ولقد كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ليسمع بكاء الصبي وراءه فيخفف مخافة ان يشق على أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا سليمان بن بلال عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن والبخل والجبن والكسل والهرم وضلع الدين وغلبة العدو **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا سليمان يعني ابن بلال عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أقبل من خيبر فلما رأى أحدا قال هذا جبل يحبنا ونحبه فلما أشرف على المدينة قال اللهم اني أحرم ما بين لابتيها كما حرم ابراهيم مكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا همام ثنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يطرق أهله ليلا كان يدخل غدوة أو عشية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا زائدة ثنا المختار بن فلفل عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا وما رأيت يا رسول الله قال رأيت الجنة والنار وحضهم على الصلاة ونهاهم ان يسبقوه بالركوع والسجود ونهاهم ان ينصرفوا قبل انصرافه من الصلاة وقال اني أراكم من امامي ومن خلفي **حدثنا** عبد الله حدثني

الى الله تعالى الحرقى فى فوائده (ك) فى تاريخه والخطيب (ز ض) عن جابر * المسجد بيت كل تقى وقد ضمن الله لمن كانت المساجد بيوتهم الروح والراحة والجواز على الصراط الى رضوان الله عز وجل (ص طب حل) وابن عساكر عن أبى الدرداء (طب هب) عن سلمان * ان المساجد أوتادا جلاسؤهم الملائكة يتفقدونهم فان كانوا فى حاجة أعانوهم وان مرضوا عادوهم وان غابوا افتقدوهم وان حضروا قالوا اذكروا الله (عب هب) عن عطاء الخراسانى مرسلا * (الافعال) * عن أبى مليكة قال (٢٤١) جاءت الشفاء احدى نساء بنى عدى بن

أبى ثنا مؤمل ثنا حماد يعنى ابن سلمة ثنا على بن زيد قال بلغ مصعب بن الزبير عن عريف الانصار شئ فهم به فدخل عليه أنس بن مالك فقال له سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول استوصوا بالانصار خيرا أو قال معروفا اقبلوا من محسنهم وتجاوزوا عن مسيئهم فالقى مصعب نفسه عن سريره وألزق خده بالبساط وقال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم على الرأس والعين فتركه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد عن حميد عن أنس ان رجلا قال للنبى صلى الله عليه وسلم يا سيدنا وابن سيدنا ويا خيرنا وابن خيرنا فقال النبى صلى الله عليه وسلم يا أيها الناس قولوا بقولكم ولا يستهوينكم الشيطان أنا محمد بن عبد الله ورسول الله والله ما أحب ان ترفعونى فوق منزلة مارفعنى الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثناه الاشيب عن حماد عن ثابت عن أنس وعفان ثنا حماد ثنا ثابت ولا يستجرينكم الشيطان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس بن مالك ان اليهود دخلوا على النبى صلى الله عليه وسلم فقالوا السام عليك فقال النبى صلى الله عليه وسلم السام عليكم فقالت عائشة السام عليكم يا اخوان القردة والخنازير ولعنة الله وغضبه فقال يا عائشة مه فقالت يا رسول الله أما سمعت ما قالوا قال أو ما سمعت ما رددت عليهم يا عائشة لم يدخل الرفق فى شئ الا زانه ولم ينزع من شئ الا شانه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال بينما نحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فى سفر اذ سمع رجلا يقول الله أكبر الله أكبر فقال النبى صلى الله عليه وسلم على الفطرة قال أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا رسول الله فقال النبى صلى الله عليه وسلم خرج هذا من النار **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال كان النبى صلى الله عليه وسلم يمر بالتمرة فما يمنعه من ان يأخذها فيأكلها الا مخافة ان تكون من تمر الصدقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان نفرا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بعضهم لا أتزوج وقال بعضهم أصلى ولا أنام وقال بعضهم أصوم ولا أفطر فبلغ ذلك النبى صلى الله عليه وسلم فقال ما بال أقوام قالوا كذا وكذا لكنى أصوم وأفطر وأصلى وأنام وأتزوج النساء فمن رغب عن سنتى فليس منى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال مر رجل بالنبى صلى الله عليه وسلم وعند النبى صلى الله عليه وسلم رجل جالس فقال الرجل والله يا رسول الله انى لاحب هذا فى الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أخبرته بذلك قال لا قال قم فاخبره تثبت المودة بينكما فقام اليه فاخبره فقال انى أحبك فى الله أو قال أحبك لله فقال الرجل أحبك الذى أحببتنى فيه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال رأيت النبى صلى الله عليه وسلم يستسقى فبسط يديه ظاهرهما مما يلى السماء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد يعنى ابن سلمة ثنا اسحق بن عبد الله عن أنس بن مالك أن النبى صلى الله عليه وسلم كان يأتى رجلا فيقول يا فلان كيف أنت فيقول بخير أحمد الله فيقول له النبى صلى الله عليه وسلم جعلك الله بخير فلقيه النبى صلى الله عليه وسلم ذات يوم فقال كيف أنت يا فلان فقال بخير ان شكرت قال فسكت عنه فقال يا نبى الله انك كنت تسألنى فتقول جعلك الله بخير وانك اليوم سكت عنى فقال له انى كنت أسألك فتقول بخير أحمد الله فأقول جعلك الله بخير وانك اليوم قلت ان شكرت فشككت فسكت عنك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا مؤمل ثنا حماد يعنى ابن زيد أنا أيوب عن أبى قلابة عن أنس قال أنا أعلم الناس أو من أعلم الناس بآية الحجاب تزوج النبى صلى الله عليه وسلم زينب ابنة جحش فذبح شاة فدعا أصحابه فأكلوا

كعب عمرى رمضان فقال مالى لم أر أبا حثمة لزوجها شهد الصبح قالت يا أمير المؤمنين دأب ليلته فكسل أن يخرج فصلى الصبح ثم رقد فقال والله لو شهدها لكان أحب الى من دأب ليلته (عب) * عن سليمان ابن أبى حثمة عن الشفاء بنت عبد الله قالت دخل على بيتى عمر بن الخطاب فوجد عندى رجلين ناعين فقال وما شأن هذين ما شهدا معنا الصلاة فقلت يا أمير المؤمنين صليا مع الناس وكان ذلك فى رمضان فلم يزالا يصليان حتى أصبحا وصليا الصبح وناما فقال عمر لان أصلى الصبح فى جماعة أحب الى من أن أصلى حتى أصبح (عب) * عن عطاء قال شهود صلاة فى جماعة أحب الى من صيام يوم وقيام ليلة (ض) * عن أبى كان رجل لا أعلم رجلا أبعد من المسجد منه وكان لا تخطئه صلاة فقيل له لو اشتريت حمارا تركبه فى الظلماء وفى الرمضاء قال ما يسرنى ان منزلى الى جنب المسجد انى أريد أن يكتب لى ممشاى الى المسجد ورجوعى الى أهلى فقال رسول الله

( ٣١ - (مسند احمد) - ثالث )

صلى الله عليه وسلم قد جمع الله لك ذلك كله (حم م) والدارمى وأبو عوانة وابن خزيمة (حب)

* أيضا كان رجل من الانصار بيته أقصى بيت من المدينة وكان لا تخطئه الصلاة مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فتوجعت له فقلت له يا فلان لو انك اشتريت حمارا يقيك من الرمضاء وهو يقيك من هوام الارض قال أما والله ما أحب أن بيتى مطنب ببيوت محمد صلى الله عليه وسلم فحملت به حملا حتى أتيت نبى الله صلى الله عليه وسلم فاخبرته فدعاه فقال له مثل ذلك وذكر أنه يرجو فى أثره الاجر فقال له النبى صلى الله عليه وسلم ان

لك ما احتسبت (ط م ه) * أيضا كان رجل لا أعلم أحدا من الناس ممن يصلي القبلة من أهل المدينة أبعد منزلا من المسجد من ذلك الرجل فكان لا تخطئه صلاة في المسجد قلت لو اشتريت حمارا تركبه في الرمضاء والظلمة فقال ما أحب ان منزلي الى جنب المسجد فتمشي الحديث الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسأله فحمد ذلك فقال أردت يا رسول الله أن يكتب لي اقبالي الى المسجد ورجوعي الى أهلي اذا رجعت فقال أعطاك الله ذلك كله أثر الما احتسبت كله (٢٤٢) أجمع * عن أبي بن كعب قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما الصبح فقال أشاهد فلان

وقعدوا يتعدون ورجل النبي صلى الله عليه وسلم يخرج ويدخل وهم قعود ثم خرج فلما شاء الله ورجع وهم قعود وزينب قاعدة في ناحية البيت وجعل النبي صلى الله عليه وسلم يستحيي منهم ان يقول لهم شيأ فنزلت يا أيها الذين آمنوا لا تدخلوا بيوت النبي الا أن يؤذن لكم الى طعام غير ناظرين اناه ولكن اذا دعيتم فادخلوا الآيات الى قوله عز وجل فاسألوهن من وراء حجاب قال فأمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بحجاب مكانه فضرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد بن زاذان ثنا ثابت عن أنس بن مالك ان ملك الموت استأذن ربه أن يأتي النبي صلى الله عليه وسلم فأذن له فقال لام سلمة املكي علينا الباب لا يدخل علينا أحد قال وجاء الحسين ليدخل فمنعته فوثب فدخل فجعل يقعد على ظهر النبي صلى الله عليه وسلم وعلى منكبه وعلى عاتقه قال فقال الملك للنبي صلى الله عليه وسلم أتحبه قال نعم قال أما ان امتك ستقتله وان شئت أريتك المكان الذي يقتل فيه فضرب بيده فجاء بطينة حمراء فأخذتها أم سلمة فصرتها في خمارها قال وقال ثابت بلغنا انها كربلاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد عن حميد وعاصم الاحول عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال المدينة حرام من كذا الى كذا لا يحدث فيها حدثا أو آوى محدثا فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين لا يقبل الله منه صرفا ولا عدلا قال حماد زاد فيها حميد لا يحمل فيها سلاح لقتال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا سالم عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من مسلم يموت فيشهد له أربعة أهل أبيات من جيرانه الادنين الا قال قد قبلت علمكم فيه وغفرت له ما لا تعلمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا عبد الرحمن بن بديل بن ميسرة العقيلي قال حدثني أبي عن أنس بن مالك قال قال النبي صلى الله عليه وسلم ان الله عز وجل أهلين من الناس وان أهل القرآن أهل الله وخاصته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا عبيد الله بن أبي بكر عن جده أنس بن مالك ان رجلا اطلع في بعض حجر النبي صلى الله عليه وسلم فقام اليه النبي صلى الله عليه وسلم بمشقص أو مشاقص فكأني أنظر اليه يختله ليطعنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا شريك عن عاصم الاحول عن أنس بن مالك قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم يا ذا الاذنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن النعمان ثنا حماد بن زيد عن ثابت وعبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك قال أعتق رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا حماد يعني ابن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى به وأم سليم وأم حرام خلفنا على بساط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا حرب بن ميمون عن المضرب بن أنس عن أنس بن مالك قال قالت أم سليم اذهب الى النبي صلى الله عليه وسلم فقل ان رأيت ان تتعدى عندنا فافعل قال فأتيته فبلغته فقال ومن عندي فلت نعم فقال انهض واقال فجئت فدخلت على أم سليم وأنا لا هش لمن أقبل مع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقالت أم سليم ما صنعت يا أنس فدخل رسول الله صلى الله عليه وسلم على أثر ذلك قال هل عندك شيء قالت نعم قد كان منه عندي عكة فيها شيء من سمن قال فأتت بها قالت فجئته بها ففتح رباطها ثم قال بسم الله اللهم اعظم فيها البركة قال فقال قلبيها فقلبتها فعصرها النبي صلى الله عليه وسلم وهو يسمي قال فاخذت ثوبا نقع قدرها كل منها بضع وثمانون رجلا فتحلل فنهاها فحشت فدفعها الى أم سليم فقال كلي واطعمي جيرانك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا ابن أبي الزناد عن عمرو بن أبي عمرو عن أنس بن

قالوا لا قال أشاهد فلان قالوا لا قال ان هاتين الصلاتين أثقل الصلاة على المنافقين ولو يعلمون ما فيهما لاتوهما ولو حبوا على الركب وان الصف الاول على مثل صف الملائكة ولو علمتم ما فضيلته لابتدرتموه وان صلاة الرجل مع الرجل أزكى من صلاته وحده وصلاته مع الرجلين أزكى من صلاته مع الرجل وما كثر فهو أحب الى الله عز وجل (ط حم) وعبد بن حميد والدارمي (د ن ه ع) وابن خزيمة (حب قط) في الافراد (ك هق ض) * عن أبي هريرة انه قال أن الله وملائكته يصلون على أبي هريرة فقيل له تزكي نفسك فقال وعلى كل مسلم ما دام في المسجد ما لم يحدث بيده أو لسانه ابن جرير * عن عبد الله بن عمرو قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب فرجع من رجع وعقب من عقب فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال هذا ربكم فتح بابا من أبواب السماء يباهي بكم الملائكة يقول عبادي قضوا فريضة وهم ينتظرون الاخرى ابن جرير * عن ابن مسعود قال الرجل في صلاة ما انتظر الصلاة ابن جرير * (الفرع الثاني في الترهيب عن ترك الجماعة واعذار تركها) * لينتهين رجال عن ترك الجماعة أو لاحرقن بيوتهم (ه) عن أسامة * لقد هممت أن آمر فتيتي فيجمعوا حزما من حطب ثم آتي قوما يصلون في بيوتهم ليست بهم علة فاحرقها عليهم (د ت) عن أبي هريرة * والذي نفسي بيده لقد هممت أن آمر بحطب فيحطب ثم آمر بالصلاة فيؤذن لها ثم آمر رجلا فيؤم الناس ثم أخالف الى رجال فاحرق عليهم بيوتهم والذي نفسي بيده لو يعلم أحدهم أنه يجد عرقا سمينا أو مرماتين حسنتين لشهد العشاء (خ ن)

عن أبي هريرة * أثقل الصلاة على المنافقين صلاة العشاء وصلاة الفجر ولو يعلمون بما فيهما لأتوهما ولو حبوا ولقد هممت أن آمر بالصلاة فتقام ثم آمر رجلا يصلي بالناس ثم انطلق معي برجال معهم حزم من حطب الى قوم لا يشهدون الصلاة فأحرق عليهم بيوتهم بالنار (حم ق د ه) عن أبي هريرة * اذا سمعتم الاذان فاسعوا الى رحالكم (حم ك) عن عبد الرحمن بن سمرة * (الاكمال) * من سمع النداء فارغا صحيحا فلم يجب فلا صلاة له (ك هق) عن أبي موسى * من سمع الفلاح فلم يجبه فلا هو معنا ولا هو وحده (حل) عن ابن (٢٤٣) عمر * من سمع النداء فلم يجب فلا صلاة له

مالك قال أقبلت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من بعض أسفاره فلما بدا لنا أحد قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا جبل يحبنا ونحبه فلما أشرف على المدينة قال اللهم اني أحرم ما بين لابتيها مثل ما حرم ابراهيم مكة اللهم بارك في مدهم وصاعهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا سهيل أخو حزم بن أبي حزم القطعي قال حدثني ثابت البناني قال سمعت أنس بن مالك يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم قرأ هذه الآية وما تشاؤن الا ان يشاء الله هو أهل التقوى وأهل المغفرة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ربكم عز وجل انا أهل ان اتقى ان يجعل معي الها آخر ومن اتقى ان يجعل معي الها آخر فهو أهل لان اغفر له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من نسي صلاة فليصلها اذا ذكرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسحروا فان في السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كان لابن آدم واديان من مال لابتغى اليهما ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب وبهذا الاسناد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من مسلم يغرس غرسا أو يزرع زرعا فيأكل منه طير أو انسان أو بهيمة الا كان له به صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من مسلم فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم ما من مسلم يغرس غرسا أو يزرع زرعا فيأكل منه دابة أو انسان الا كان له به صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم عن حميد عن أنس وذكر رجلا عن الحسن قال استشار رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس في الاساري يوم بدر فقال ان الله عز وجل ولد أمكنكم منهم فال فقام عمر بن الخطاب فقال يا رسول الله اضرب أعناقهم قال فاعرض عنه النبي صلى الله عليه وسلم قال ثم عاد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أيها الناس ان الله قد أمكنكم منهم وانهم اخوانكم بالامس قال فقام عمر فقال يا رسول الله اضرب أعناقهم فاعرض عنه النبي صلى الله عليه وسلم قال ثم عاد النبي صلى الله عليه وسلم فقال للناس مثل ذلك فقام أبو بكر فقال يا رسول الله ان نرى ان تعفو عنهم وتقبل منهم الفداء قال فذهب عن وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم ما كان فيه من الغم قال فعفا عنهم وقبل منهم الفداء قال وأنزل الله عز وجل لولا كتاب من الله سبق لمسكم فيما أخذتم الى آخر الآية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم عن حميد الطويل عن أنس بن مالك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم خلف أبي بكر في ثوب متوشحا به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا حميد الطويل عن ثابت البناني قال بلغ ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى خلف أبي بكر في وجعه الذي مات فيه قاعدا متوشحا بثوب قال أظنه قال رداء ثم دعا اسامة فاسند ظهره الى نحره ثم قال يا اسامة ارفعني البك قال يزيد وكان في الكتاب الذي معي عن أنس فلم يقل عن أنس فانكره وأثبت ثابتا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم عن حميد عن أنس وخالد عن محمد عن أبي هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا جاء أحدكم وقد أقيمت الصلاة فليمش على هيئته فليصل ما أدرك وليقض ما سبقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد ثنا أبو سلمة صاحب الطعام قال أخبرني جابر بن يزيد وليس بمجابر الجعفي عن الربيع بن أنس عن أنس بن مالك قال بعثني رسول الله

من المنافقين البغوي عن أبي زرارة الانصاري وقال لا أدري له صحبة أم لا * لا صلاة لمن سمع النداء فلم يأته الا من عذر أبو بكر بن المقرى في الاربعين عن جابر * ما اجتمع ثلاثة في حضر ولا بدو لا تقام فيهم الصلاة الا استحوذ عليهم الشيطان ابن عساكر عن ابن عمر * ما من خمسة أبيات لا يؤذن فيهم بالصلاة الا استحوذ عليهم الشيطان (حم طب) عن أبي الدرداء * ليصل من شاء منكم في رحله (حب) عن جابر قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فطرنا قال فذكره * (الافعال) * عن أبي حسان عن أبيه عن علي قال لا صلاة لجار المسجد الا في المسجد قيل لعلي ومن جار المسجد قال من سمع النداء (عب هق) * عن جابر قال تخلف قوم عن صلاة العشاء الآخرة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما خلفكم فسكتوا فاعاد عليهم فقالوا يا رسول الله يقع بيننا الحاء وكلام فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا صلاة لمن سمع النداء ولم يأته الا من علة ابن النجار عن أبي هريرة قال جاء ابن أم مكتوم الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني ضرير البصر شاسع الدار وليس لي قائد يلازمني فهل تجد لي من رخصة قال أتبلغ النداء قال نعم قال ما أجد لك رخصة (كر) * عن ابن عمر قال كنا من فقدناه في صلاة العشاء والفجر أسأنا به الظن (ص) عن نعيم بن النحام سمعت مؤذن النبي صلى الله عليه وسلم في ليلة باردة وأنا في لحاف فتمنيت أن يقول صلوا في رحالكم فلما بلغ حي على الفلاح قال صلوا في رحالكم ثم سألت عنها فاذا النبي صلى الله عليه وسلم كان أمر بذلك (عب) * عن

نافع ان ابن عمر أذن وهو بنجنان بين مكة والمدينة في عشية ذات ريح وبرد فلما قضى النداء قال لاصحابه ألا صلوا في الرحال ثم حدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يأمر منادية بذلك في الليلة الباردة والمطيرة أو ذات ريح اذا فرغ من أذانه قال ألا صلوا في الرحال مرتين (عب) * عن مجاهد قال شهدت رجلا أقام عند ابن عباس شهرا يسأله عن هذه المسئلة كل يوم ماتقول في رجل يصوم النهار ويقوم الليل لا يشهد جمعة ولا جماعة أين هو قال في النار (عب) * (الفصل الثاني (٤٤٣) في الامامة وما يتعلق بها وفيه أربعة فروع الفرع الاول في الترغيب فيها والترهيب عنها وما يفعل فيها وآدابها) * للامام والمؤذن مثل أجر من صلى معهما أبو الشيخ عن أبي هريرة * أفضل الناس في المسجد الامام ثم المؤذن ثم من على يمين الامام (فر) عن علي * الرحمة تنزل على الامام ثم على من على يمينه الاول فالاول أبو الشيخ في الثواب عن أبي هريرة * الامام ضامن والمؤذن مؤتمن اللهم ارشد الائمة واغفر للمؤذنين (د ت حب هق) عن أبي هريرة (حم) عن أبي امامة * من أم الناس فاصاب الوقت وأتم الصلاة فله ولهم ومن انتقص من ذلك شيأ فعليه ولا عليهم (حم د ه ك) عن عقبة بن عامر * يصلون لكم فان أصابوا فلكم وان أخطأوا فلكم وعليهم (خ) عن أبي هريرة * من أم قوما وهم له كارهون فان صلاته لا تجاوز تراقوته (طب) عن جنادة * من أم قوما وفيهم من هو أقرأ منه لكتاب الله وأعلم لم يزل في سفال الى يوم القيامة (عق) عن ابن عمر * ثلاث لا يحل لاحد أن يفعلهن لا يؤم رجل قوما فيخص نفسه بالدعاء دونهم فان فعل فقد خانهم ولا ينظر في قعر بيت قبل أن يستأذن فان فعل ذلك فقد دخل ولا يصلي وهو حقن حتى يخفف (د ت) عن ثوبان * نهى أن يقوم الامام فوق شئ والناس خلفه (د ك) عن حذيفة * نهى أن يكون الامام مؤذنا (هق) عن جابر * أعمى امام سها فصلى بالقوم وهو جنب فقد مضت صلاتهم ثم ليغتسل هو ثم ليعد صلاته وان صلى بغير وضوء فمثل ذلك أبو نعيم في معجم شيوخه عن البراء * اذا كانوا ثلاثة فليؤمهم أقرؤهم لكتاب الله فان كانوا في القراءة سواء فاكبرهم سنا فان كانوا في السن سواء فاحسنهم وجها

---

صلى الله عليه وسلم الى حليق النصراني ليبعث اليه بأثواب الى الميسرة فاتيته فقلت بعثني اليك رسول الله صلى الله عليه وسلم لتبعث اليه بأثواب الى الميسرة فقال وما الميسرة ومتى الميسرة والله ما لحمد سائقة ولا راعية فرجعت فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم فلما رآني قال كذب عدو الله أنا خير من يبايع لان يلبس أحدكم ثوبا من رقاع شتى خير له من ان يأخذ بما نته أو في أمانته ما ليس عنده قال أبو عبد الرحمن وجدت هذا الحديث في كتاب أبي بخط يده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب بن عطاء انا سليمان التيمي عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لمعاذ بن جبل من لقي الله لا يشرك به شيأ دخل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن أبي التياح عن أنس بن مالك قال كان موضع مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم لبني النجار وكان فيه حرث ونخل وقبور المشركين فقال يا بني النجار ثامنوني به فقالوا لا نبتغي به ثمنا الا عند الله قال فقطع النخل وسوى الحرث وبش قبور المشركين قال وكان بنى الله صلى الله عليه وسلم قبل أن يبنى المسجد يصلي حيث أدركته الصلاة وفي مرابض الغنم وكان النبي صلى الله عليه وسلم يقول وهم ينقلون الصخر لبناء المسجد اللهم ان الخير خير الآخره فاغفر للانصار والمهاجره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال يحبس المؤمنون يوم القيامة فيهتمون لذلك فيقولون لو استشفعنا على ربنا عز وجل فيريحنا من مكاننا فيأتون آدم فيقولون أنت أبونا خلقك الله بيده وأسجد لك ملائكته وعلمك أسماء كل شئ فاشفع لنا الى ربك قال فيقول لست هناكم ويذكر خطيئته التي أصاب أكله من الشجرة وقد نهي عنها ولكن ائتوا نوحا أول نبي بعثه الله الى أهل الارض قال فيأتون نوحا فيقول لست هناكم ويذكر خطيئته سؤاله الله عز وجل بغير علم ولكن ائتوا ابراهيم خليل الرحمن عز وجل فيأتون ابراهيم فيقول لست هناكم ويذكر خطيئته التي أصاب ثلاث كذبات كذبهن قوله اني سقيم وقوله بل فعله كبيرهم هذا وأتى على جبار منرف ومعه امرأته فقال الجبار له اني أخوك فاني بخبره انك أختي ولكن ائتوا موسى عبدا كلمه الله تكليما وأعطاه التوراة قال فيأتون موسى فيقول لست هناكم ويذكر خطيئته التي أصاب قتله الرجل ولكن ائتوا عيسى عبد الله ورسوله وكلمة الله وروحه فيأتون عيسى فيقول لست هناكم ولكن ائتوا محمدا عبد الله ورسوله غفر له ما تقدم من ذنبه وما تأخر قال فيأتوني فاستأذن على ربي عز وجل في داره فيؤذن لي عليه فاذا رأيته وقعت ساجدا فيدعني ما شاء الله ان يدعني ثم يقول ارفع رأسك يا محمد وقل تسمع وأشفع تشفع وسل تعط فأرفع رأسي فأحمد ربي عز وجل بثناء وتحميد يعلمنيه ثم أشفع فيحد لي حدا فاخرجهم فادخلهم الجنة وسمعته يقول فاخرجهم من النار وادخلهم الجنة ثم أستأذن على ربي عز وجل الثانية فيؤذن لي عليه فاذا رأيته وقعت ساجدا فيدعني ما شاء الله ان يدعني ثم يقول ارفع رأسك يا محمد وقل تسمع واشفع تشفع وسل تعط فارفع رأسي وأحمد ربي بثناء وتحميد يعلمنيه ثم أشفع فيحد لي حدا فاخرجهم فادخلهم الجنة قال همام وسمعته يقول فاخرجهم من النار فادخلهم الجنة ثم أستأذن على ربي عز وجل الثالثة فاذا رأيت ربي وقعت ساجدا فيدعني ما شاء الله أن يدعني ثم يقول ارفع رأسك يا محمد وقل تسمع واشفع تشفع وسل تعط فارفع رأسي فاحمد ربي بثناء وتحميد يعلمنيه ثم أشفع فيحد لي حدا فاخرج فادخلهم الجنة قال همام وسمعته يقول فاخرجهم من النار فادخلهم الجنة فلا يبقى في النار الا من حبسه القرآن أي وجب عليه الخلود ثم تلا قتادة تعسى أن يبعثك ربك مقاما محمودا قال هو المقام المحمود

(هق) عن أبي يزيد الانصاري *ليؤمكم أحسنكم وجها فانه أحرى أن يكون أحسنكم خلقا (عد) عن عائشة *يؤم القوم أقرؤهم لكتاب الله فان كانوا في القراءة سواء فاعلمهم بالسنة فان كانوا في السنة سواء فاقدمهم هجرة فان كانوا في الهجرة سواء فاقدمهم سنا ولا يؤم الرجل في أهله ولا في سلطانه ولا يقعد في بيته على تكرمته الا باذنه (حم م ٤) عن ابن مسعود *ان الله يحب الفصل في كل شئ حتى في الصلاة ابن عساكر عن ابن عمر *أم قوما فليخفف فان فيهم الكبير وان فيهم الضعيف وان فيهم ذا الحاجة فاذا صلى أحدكم وحده فليصل كيف شاء (م) عن عثمان ابن أبي العاصي * اني لادخل في الصلاة وأنا أريد أن أطيلها فاسمع بكاء الصبي فأتجوز في صلاتي مما أعلم من شدة وجد أمه ببكائه (حم ق ٤) عن أنس * أنت امامهم واقتد بأضعفهم واتخذ مؤذنا لا يأخذ على أذانه أجرا (حم د ن ك) عن عثمان ابن أبي العاصي * أيعجز أحدكم أن يتقدم أو يتأخر أو عن يمينه أو عن شماله في الصلاة يعني السبحة (د ه) عن أبي هريرة *لا يصلي في الموضع الذي صلى فيه المكتوبة حتى يتحول (د ه) عن المغيرة بن شعبة * يا أيها الناس ان منكم منفرين فمن أم الناس فليتجوز فان خلفه الضعيف والكبير وذا الحاجة (حم ق) عن أبي مسعود *يا معاذ لا تكن فتانا فانه يصلي وراءك الضعيف والكبير وذو الحاجة والمسافر (د) عن حزم بن أبي كعب *يا معاذ أفتان أنت فلولا صليت بسبح اسم ربك الاعلى والشمس وضحاها والليل اذا يغشى فانه يصلي وراءك الكبير والضعيف وذو الحاجة (د ق) عن جابر ٣ مقامهم *اذا أم الرجل القوم فلا يقم في مكان أرفع من مكانهم (د هق) عن حذيفة * اذا كان اثنان صليا معا واذا كانوا ثلاثة تقدم أحدهم (قط) عن سمرة *لا تكبروا في الصلاة حتى يفرغ المؤذن من أذانه ابن النجار عن أنس *اجعلوا أئمتكم خياركم فانهم وفدكم فيما بينكم وبين ربكم (قط هق) عن ابن عمر * ان سركم أن تقبل صلاتكم فليؤمكم خياركم ابن عساكر عن أبي امامة * ان سركم أن تقبل صلاتكم فليؤمكم علماؤكم فانهم وفدكم

---

الحمد لله الذي وعد الله عز وجل نبيه صلى الله عليه وسلم قال ثنا عفان ثنا شعبة قال أخبرني خالد الحذاء عن أبي قلابة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان لكل أمة أمينا وان أمين هذه الامة أبو عبيدة بن الجراح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يضرب شعره الى منكبيه **حدثنا** عبد الله حدثنا أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة قال سألت أنسا كم اعتمر رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أربعا عمرته التي صده عنها المشركون في ذي القعدة وعمرته أيضا في العام المقبل في ذي القعدة وعمرته حين قسم غنيمة حنين من الجعرانة في ذي القعدة وعمرته مع حجته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم وهو على المنبر فقال يا رسول الله استسق الله لنا قال فاستسقى وما نرى في السماء قزعة قال فما مطرنا فما جهات تقلع فلما أتت الجمعة قام اليه ذلك الرجل أو غيره فقال يا رسول الله ادع الله ان يرفعها عنا قال فدعا فجعلت أنظر الى السحاب يسفر يمينا وشمالا ولا يمطر من جوفها قطرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا نعس أحدكم فلا يبزق بين يديه ولا عن يمينه وليبزق عن شماله أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كانت نعله لها قبالان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا خلف بن خليفة قال أبي وقد رأيت خلف بن خليفة وقد قال له انسان يا أبا أحمد حدثك محارب بن دثار قال أبي فلم أفهم كلامه كان قد كبر فترك ثنا حفص عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمر بالباءة وينهى عن التبتل نهيا شديدا ويقول تزوجوا الودود الولود انى مكاثر بكم الانبياء يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا خلف بن خليفة ثنا حفص بن عمر عن أنس بن مالك قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم جالسا في الحلقة ورجل قائم يصلي فلما ركع وسجد فتشهد ثم قال في دعائه اللهم اني أسألك بان لك الحمد لا اله الا أنت المنان يا بديع السموات والارض يا ذا الجلال والاكرام يا حي يا قيوم اني أسألك فقال النبي صلى الله عليه وسلم أتدرون بما دعا الله قال فقالوا الله ورسوله أعلم قال والذي نفسي بيده لقد دعا الله باسمه الاعظم الذي اذا دعي به أجاب واذا سئل به أعطى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا المختار بن فلفل ثنا أنس بن مالك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة فاقبل علينا بوجهه فقال أني امامكم فلا تسبقوني بالركوع ولا بالسجود ولا بالقيام فاني أراكم من بين يدي ومن خلفي ثم قال والذي نفسي بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا يا رسول الله وما رأيت قال رأيت الجنة والنار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مرت عليه جنازة فاثنوا عليها خيرا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وجبت ثم مر عليه بجنازة أخرى فاثنوا عليها شرا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وجبت ثم قال أنتم شهداء الله في الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس أن رجلا كان يكتب لرسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا أملى عليه سميعا بصيرا قال دعه واذا أملى عليه عليما حكيما كتب عليما حليما قال حماد نحو ذا قال وكان قد قرأ البقرة وآل عمران وكان من قرأهما قد قرأ قرأ كثيرا فذهب فتنصر فقال انما كنت أكتب لمحمد ما شئت فيقول دعه فمات فدفن

فيما بينكم وبين ربكم (طب) عن مرثد الغنوي * جلوس الامام بين الاذان والاقامة في المغرب من السنة (فر) عن أبي هريرة * (الاكمال) * يؤمكم أقرؤكم وان كان ولدزنا ابن حزم في كتاب الاعراب والديلمي عن ابن عمر * يؤمكم أقرؤكم لكتاب الله اذا لم يكن عليكم أمير الديلمي عن أبي سعيد * لاتقدموا سفهاءكم وصبيانكم في صلاتكم ولا على جنائزكم فانهم وفدكم الى الله عز وجل الديلمي عن علي * من أم قوما فليتق الله وليعلم انه ضامن مسؤل لما ضمن (٢٤٦) وان أحسن كان له من الاجر مثل أجر من صلى خلفه من غير أن ينقص من أجورهم شيأ وما كان من نقص فهو عليه (طس) عن ابن عمر * اذا فسدت صلاة الامام فسدت صلاة من خلفه (خط) في المتفق والمفترق عن أبي هريرة * لا يؤم المتيمم المتوضئ (قط) وضعفه عن جابر * لا تحل الصلاة خلف الاقاف الخطيب في المتفق والمفترق عن أبي الدرداء وفيه مهدي بن هلال متهم بالوضع * لا يقرأ في الصبح بدون عشرين آية ولا يقرأ في العشاء بدون عشر آيات (طب) عن خلاد بن السائب عن رفاعة الانصاري (حم) عن أنس (ن) عن جابر * يامعاذ لا تكن فتانا اما أن تخفف على قومك واما أن تصلي معي (م) وبه عن سليم رجل من بني سلمة * قد أمرتك على أصحابك وأنت أصغرهم فاذا أممت قوما فأمهم باضعفهم فان وراءك الكبير والصغير وذا الحاجة واذا كنت مصدقا فلا تأخذ الشافع وهي الماخض ولا النزاع ولا فحل الغنم وحزرة الرجل هو أحق بها منك ولا تمس القرآن الا وأنت طاهر واعلم ان العمرة هي الحج الاصغر وان عمرة خير من الدنيا وما فيها وحجة خير من عمرة (طب) عن عثمان بن أبي العاصي في * انما أسرعت لتفرغ أم الصبي الى صبيها (طس) عن أنس قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الفجر بأقصر سورتين ثم قال فذكره * لا يتطوع الامام في مقامه الذي صلى فيه والناس المكتوبة ابن عساكر عن المغيرة بن شعبة وسنده حسن * لا يؤمن أحد بعدي جالسا (عد هق) وضعفه عن الشعبي مرسلا * (الافعال) * عن عبد الله بن عتبة قال دخلت على عمر بن الخطاب وهو يصلي في الهاجرة تطوعا

فنبذته الارض مرتين أو ثلاثا قال أبو طلحة واقدر أيته معنوذا فوق الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان يهوديا رض رأس جارية بين حجرين فقالت الانصار يارسول الله سيوفنا قطرن دماءهم وهم يذهبون بالغنم فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فجمعهم في قبة له حتى فاضت فقال أفيكم أحدث من غيركم قالوا لا الا ابن أختنا قال ابن أخت القوم منهم ثم قال أقتلتم كذا وكذا قالوا نعم قال أنتم الشعار والناس الدثار أما ترضون أن يذهب الناس بالشاة والبعير وتذهبون برسول الله الى دياركم قالوا بلى قال الانصار كرشي وعيبتي لو سلك الناس واديا وسلكت الانصار شعبا لسلكت شعبهم ولولا الهجرة لكنت امرأ من الانصار وقال حماد أعطى مائة من الابل يسمى كل أحد من هؤلاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس بن مالك قال كنت رديف أبي طلحة يوم خيبر وقد مس قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فاتيناهم حين برغت الشمس وقد أخرجوا مواشيهم وخرجوا بفؤوسهم ومكاتلهم ٧ ومروهم فقالوا محمد والخميس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين قال فهزمهم الله عز وجل قال ووقعت في سهم دحية جارية جميلة فاشتراها رسول الله صلى الله عليه وسلم بسبعة أرؤس ثم دفعها الى أم سليم تصلحها وتهيئها وهي صفية ابنة حيي قال فعدل رسول الله صلى الله عليه وسلم وليتها التمر والاقط والسمن قال فحصت الارض أفاحيص قال وحي بما لا نطاع فوضعت فيها ثم جيء بالاقط والتمر والسمن فشبع الناس قال وقال الناس ما ندري أتزوجها أم اتخذها ام ولد فقالوا ان حجبها فهي امرأته وان لم يحجبها فهي ام ولد فلما أراد أن يركب بها حتى قعدت على عجز البعير فعرفوا أنه قد تزوجها فلما دنوا من المدينة دفع ودفعنا قال فعثرت الناقة فالقت صفية قال فنذر رسول الله صلى الله عليه وسلم وندرت قال فقام فستر بها قال وقد أشرفت النساء فقلن أبعد الله اليهودية فقلت يا أباحمزة أوقع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اي والله لقد وقع وشهدت وليمة زينب بنت جحش فاشبع الناس خبزا ولحما وكان يبعثني فادعو الناس فلما فرغ قام وتبعته وتخلف رجلان استأنس بهما الحديث لم يخبرا فجعل يمر بنسائه ويسلم على كل واحدة سلام عليكم يا أهل البيت كيف أصبحتم فيقولون بخير يارسول الله كيف وجدت أهلك فيقول بخير فلما رجع ورجعت معه فلما بلغ الباب اذا هو بالرجلين قد استأنسا بهما الحديث فلما رأياه قد رجع قاما فخرجا قال فوالله ما أدري أنا أخبرته أو نزل عليه الوحي بأنهما قد خرجا فرجع ورجعت معه فلما وضع رجله في أسكفة الباب ارخى الحجاب بيني وبينه وأنزل الله الحجاب هذه الآيات لا تدخلوا بيوت النبي الا أن يؤذن لكم الى طعام غير ناظرين اناه حتى فرغ منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس بن مالك أن اليهود كانت اذا حاضت المرأة منهم أخرجوها من البيت فلم يؤاكلوها ولم يجامعوها فسأل أصحاب النبي رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ذلك فأنزل الله عز وجل ويسألونك عن المحيض قل هو أذى فاعتزلوا النساء في المحيض حتى فرغ من الآية فأمرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يصنعوا كل شيء الا النكاح قالت اليهود ما يريد هذا الرجل أن يدع شيأ من أمرنا الا خالفنا فيه فجاء عباد بن بشر واسيد بن حضير فقالا يارسول الله ان اليهود قالت كذا وكذا أفلا ننكحهن فتغير وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى ظننا أنه قد وجد عليهما فخرجا من عنده واستقبلتهما هدية من لبن الى النبي صلى الله عليه وسلم فبعث

فاقامني حذوه عن يمينه فلم يزل كذلك حتى دخل رفأ مولاه فتأخرت الصفوف فصفنا خلف عمر مالك (ع ب ص) والطحاوي *عن ابن عباس قال نهانا أمير المؤمنين عمر أن نؤم الناس في المصحف ونهانا أن يؤمنا الا المحتلم ابن أبي داود *عن عبيد بن عمير قال اجتمعت جماعة في بعض ما حول مكة وفي الحج فحانت الصلاة فتقدم رجل من آل أبي السائب المخزومي أعجمي اللسان فاخوه المسور بن مخرمة وقدم غيره وتعين عمر بن الخطاب فلم يعرفه بشئ حتى جاء المدينة فلما جاء المدينة عرفه بذلك فقال المسور انظري (٢٤٧) يا أمير المؤمنين ان الرجل كان أعجمي اللسان وكان في الحج فخشيت أن يسمع بعض الحاج قراءته فيأخذ بعجمته فقال أوهنالك ذهبت قال نعم قال أصبت (ع ب هق) *عن علي قال من السنة أن يقوم الرجل وخلفه رجلان وخلفهما امرأة الجزار وضعف *عن علي قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لا يتمنين أحدكم الموت من ضر أصابه ولكن ليقل اللهم أحيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يكثر أن يقول اللهم ربنا آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال لقد سقيت النبي صلى الله عليه وسلم بقدحي هذا الشراب كله العسل والماء واللبن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال قال فقيل انك تواصل قال اني أبيت يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رجلا رفع الى النبي صلى الله عليه وسلم قد سكر فامر قريبا من عشرين رجلا فجلده كل رجل جلدتين بالجريد والنعال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا المفضل ابن فضالة عن عقيل عن ابن شهاب عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ارتحل قبل ان تزيغ الشمس أخر الظهر الى وقت العصر ثم نزل فجمع بينهما فاذا زاغت الشمس قبل ان يرتحل صلى الظهر ثم ركب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا رشدين بن سعد عن قرة بن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من أحب ان يوسع الله عليه في رزقه ويسأله في أثره فليصل رحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا رشدين بن سعد عن قرة وعقيل ويونس عن ابن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لو كان لابن آدم واد من ذهب لتمنى معه واديا آخر ولن يملأ فاه الا التراب ثم يتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني عقيل فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة قال أنا ابن لهيعة عن خالد بن أبي عمران عن سعد بن اسحق بن كعب بن عجرة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم غيروا الشيب ولا تقربوا السواد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال ابن وهب وحدثني أسامة بن زيد أن حفص بن عبد الله بن أنس حدثه قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا أخبركم بصلاة المنافق يدع العصر حتى اذا كانت بين قرني الشيطان أو على قرني الشيطان قام فنقر هذا نقرات الديك لا يذكر الله فيها الا قليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا معاذ يوم القيامة على الناس فيقول بعضهم لبعض انطلقوا بنا الى آدم أبي البشر فيشفع لنا الى ربنا عز وجل فليقض بيننا فيأتون آدم فيقولون يا آدم أنت الذي خلقك الله

في آثارهما فسقاهما فظننا أنه لم يجد عليهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا ثابت عن أنس أنه قال ما صليت خلف رجل أوجز صلاة من رسول الله صلى الله عليه وسلم متقاربة وكانت صلاة أبي بكر متقاربة فلما كان عمر مد في صلاة الفجر قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قال سمع الله لمن حمده قام حتى نقول قد أوهم وكان يقعد بين السجدتين حتى نقول قد أوهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس بن مالك أنه قرأ هذه الآية انا أعطيناك الكوثر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعطيت الكوثر فاذا هو نهر يجري لم يشق شقة فاذا حافتاه قباب اللؤلؤ فضربت بيدي الى تربته فاذا هو مسكة ذفرة واذا حصاه اللؤلؤ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان انا حماد عن ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يتمنين أحدكم الموت من ضر أصابه ولكن ليقل اللهم أحيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يكثر أن يقول اللهم ربنا آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال لقد سقيت النبي صلى الله عليه وسلم بقدحي هذا الشراب كله العسل والماء واللبن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال قال فقيل انك تواصل قال اني أبيت يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رجلا رفع الى النبي صلى الله عليه وسلم قد سكر فامر قريبا من عشرين رجلا فجلده كل رجل جلدتين بالجريد والنعال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا المفضل ابن فضالة عن عقيل عن ابن شهاب عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ارتحل قبل ان تزيغ الشمس أخر الظهر الى وقت العصر ثم نزل فجمع بينهما فاذا زاغت الشمس قبل ان يرتحل صلى الظهر ثم ركب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا رشدين بن سعد عن قرة بن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من أحب ان يوسع الله عليه في رزقه ويسأله في أثره فليصل رحمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا رشدين بن سعد عن قرة وعقيل ويونس عن ابن شهاب عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لو كان لابن آدم واد من ذهب لتمنى معه واديا آخر ولن يملأ فاه الا التراب ثم يتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني عقيل فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة قال أنا ابن لهيعة عن خالد بن أبي عمران عن سعد بن اسحق بن كعب بن عجرة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم غيروا الشيب ولا تقربوا السواد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال ابن وهب وحدثني أسامة بن زيد أن حفص بن عبد الله بن أنس حدثه قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا أخبركم بصلاة المنافق يدع العصر حتى اذا كانت بين قرني الشيطان أو على قرني الشيطان قام فنقر هذا نقرات الديك لا يذكر الله فيها الا قليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا معاذ يوم القيامة على الناس فيقول بعضهم لبعض انطلقوا بنا الى آدم أبي البشر فيشفع لنا الى ربنا عز وجل فليقض بيننا فيأتون آدم فيقولون يا آدم أنت الذي خلقك الله

فتقدم أبو ذر ليصلي بهم فقال له حذيفة وراءك رب البيت أحق بالامامة فقال له أبو ذر كذلك يا ابن مسعود قال نعم فتأخر أبو ذر قال أبو سعيد فقدموني وأنا غلام لهم فأممتهم (ع ب) *عن مالك بن عبد الله الخزاعي غزوت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم أصل خلف امام كان أخف صلاة في الكتوبة منه (ش خ) في تاريخه وابن عاصم والبغوي *عن أبي سعيد قال صلى بنا النبي صلى الله عليه وسلم في هذا المسجد صلاة الظهر فقرأ بأقصر سورتين في القرآن المفصل فاقبل علينا بوجهه فانكر ذلك فقلنا يا رسول الله والله لقد صليت بنا صلاة ما كنت تصليها بنا قال أظن

تسمعوا الى الصبي يبكي في صف النساء فاحببت أن تفرغ أمه الى ولدها فتجاوزت في صلاتي ابن النجار * عن عبد الله بن أبي أوفى أن النبي صلى الله عليه وسلم كان ينتظر ما سمع وقع نعل (ش) * أيضا كان اذا قال بلال قد قامت الصلاة نهض رسول الله صلى الله عليه وسلم فكبر أبو الشيخ في الاذان وفيه الحجاج بن فروخ الواسطي قال (ن) ضعيف وتركه غيره * عن ابن عباس قال لا يؤم الغلام حتى يحتلم وليؤذن لكم خياركم

(عب) * عن ابن عمر قال كان سالم مولى  أبي حذيفة يؤم المهاجرين الاولين من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم والانصار في مسجد قباء فيهم أبو بكر وعمر وأبو سلمة وزيد وعامر بن ربيعة

(عب) * عن نافع قال أقيمت الصلاة في مسجد بطائفة الحديد ولعبد الله ابن عمر هناك أرض وامام ذلك المسجد مولى لبني عدي فقال ابن عمر يشهد الصلاة فقال المولى تقدم فصل فقال ابن عمر أنت أحق أن تصلي في مسجدك فصلى المولى

(عب) * عن ابن مسعود رضي الله عنه لا يجعلن أحدكم للشيطان من نفسه جزأ لا يرى الا ان عليه حقا أن ينصرف عن يمينه قد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر ما ينصرف عن شماله (عب ش) * عن هلب انه صلى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فرآه ينصرف مرة عن يمينه ومرة عن شماله (عب ش) * عن الشعبي ان النبي صلى الله عليه وسلم استخلف ابن أم مكتوم يوم غزوة تبوك فكان يؤم الناس وهو أعمى (عب) * عن الزهري أن رجالا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أصيبت أبصارهم فكانوا يؤمون عثمان رضي الله عنه

بيده ولأكسلن جبته فليشفع لنا الى ربك فليقبض بيننا فيقول اني لست هناكم ولكن ائتوا نوحا أول النبيين فيأتونه فيقولون يا نوح اشفع لنا الى ربك فليقبض بيننا فيقول اني لست هناكم ولكن ائتوا ابراهيم خليل الله عز وجل فيأتونه فيقولون يا ابراهيم اشفع لنا الى ربك فليقبض بيننا فيقول اني لست هناكم ولكن ائتوا موسى الذي اصطفاه الله عز وجل برسالاته وبكلامه قال فيأتونه فيقولون يا موسى اشفع لنا الى ربك عز وجل فليقبض بيننا فيقول اني لست هناكم ولكن ائتوا عيسى روح الله وكلمته فيأتون عيسى فيقولون يا عيسى اشفع لنا الى ربك فليقبض بيننا فيقول اني لست هناكم ولكن ائتوا محمدا صلى الله عليه وسلم فانه خاتم النبيين فيأتوني فيقولون يا محمد اشفع لنا الى ربك فليقبض بيننا فأقول أنا لها أنا لها فأنطلق فآتي باب الجنة فآخذ بحلقة الباب فأستفتح فيقال من أنت فأقول محمد فيفتح لي فأخر ساجدا فأحمد ربي عز وجل بمحامد لم يحمده بها أحد كان قبلي ولا يحمده بها أحد كان بعدي فيقول ارفع رأسك وقل يسمع منك وسل تعطه واشفع تشفع فيقول أي رب أمتي أمتي فيقال أخرج من كان في قلبه مثقال شعيرة من ايمان قال فأخرجهم ثم أخر ساجدا فأحمده بمحامد لم يحمده بها أحد كان قبلي ولا يحمده بها أحد كان بعدي فيقال لي ارفع رأسك وسل تعطه واشفع تشفع فأقول أي رب أمتي أمتي فيقال أخرج من كان في قلبه مثقال برة من ايمان قال فأخرجهم ثم أخر ساجدا فأقول مثل ذلك فيقال من كان في قلبه مثقال ذرة من ايمان قال فأخرجهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حميد عن ثابت عن أنس بن مالك ان أم أين بكت حين مات النبي صلى الله عليه وسلم فقيل لها تبكين فقالت اني والله قد علمت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سيموت ولكن انما أبكي على الوحي الذي انقطع عنا من السماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ثلاث من كن فيه وجد حلاوة الايمان من كان الله ورسوله أحب اليه مما سواهما وان يحب العبد لا يحبه الا لله عز وجل وان يقذف في النار أحب اليه من ان يعاد في الكفر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت وسليمان التيمي عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لما أسري بي مررت على موسى وهو قائم يصلي في قبره عند الكثيب الاحمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى أم حرام فأتيناه بتمر وسمن فقال ردوا هذا في وعائه وهذا في سقائه فاني صائم قال ثم قام فصلى بنا ركعتين تطوعا فقام أم حرام وأم سليم خلفنا وأقامني عن يمينه فيما يحسب ثابت قال فصلى بنا تطوعا على بساط فلما قضى صلاته قالت أم سليم ان لي خويصة خويدمك أنس ادع الله له فما ترك يومئذ خيرا من خير الدنيا ولا الآخرة الا دعا لي به ثم قال اللهم أكثر ماله وولده وبارك له فيه قال أنس فاخبرتني ابنتي اني قد دفنت من صلبي بضعا وتسعين وما أصبح في الانصار رجل أكثر مني مالا ثم قال أنس يا ثابت ما أملأ صفراء ولا بيضاء الا أحاتي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك قال حضرت الصلاة فقام جيران المسجد يتوضؤون وبقي ما بين السبعين والثمانين وكانت منازلهم بعيدة فدعا النبي صلى الله عليه وسلم بمخضب فيه ماء ما هو بملآن فوضع أصابعه فيه وجعل يصب عليهم ويقول توضؤا

حتى

* عن علي قال لا يؤم المتهم المتهمين ولا المقيد المطلقين (عب) * عن جابر بن سمرة قال شكا أهل الكوفة سعدا الا يحسن أن يصلي فذكر ذلك عمر له فقال سعد اما أنا فكنت أصلي بهم صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم لا أخرم عنها أركد في الاوليين وأحذف في الآخرين فقال عمر ذاك الظن بك أبا اسحق

(عب خ م د ن ع) وأبو نعيم في المعرفة * عن مصعب بن سعد قال كان أبي يطيل الصلاة في بيته ويخفف عند الناس

فقلت يا أبتاه لم تفعل هذا قال انا أئمة يقتدى بنا (عب) * عن علي قال ان من السنة اذا سلم الامام أن لا يقوم من موضعه الذي صلى فيه يصلي تطوعا حتى ينحرف أو يتحول أو يفصل بكلام (عب ش قط هق) * عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان ينصرف عن يمينه (ش) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يوجز الصلاة ويكملها (ش) * عن علي أن معاذا صلى بقومه الفجر فقرأ سورة البقرة فخلفه رجل فأعرابي معها فاضحى له فلما كان في الركعة الثانية صلى الاعرابي وترك معاذا فاخبروا به النبي صلى الله عليه وسلم فقال (٢٤٩) خفت علي ناضحي ولي عيال أكنف عليهم

فقال النبي صلى الله عليه وسلم صل بهم صلاة أضعفهم فان فيهم الصغير والكبير وذا الحاجة * لا تكن فتانا ابن منيع * عن علي قال يجزئ الرجل اذا جلست به حاجة في صلاته أن يقول في ركوعه اللهم لك ركعت ولك سجدت وبك آمنت وعليك توكلت يوسف * عن أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أكمل الناس صلاة وأوجزه ابن النجار * عن عبد الرحمن ابن ثابت قال قرأ النبي صلى الله عليه وسلم في الفجر في الركعة الاولى بستين آية ثم قام في الركعة الثانية فسمع صوت صبي فقرأ فيها ثلاث آيات (ع) * عن غالب ابن هذيل قال دخلت مع سعيد بن جبير مسجدا فصلى معهم فاذا امامهم أعمى فجعلوا يلعبون به فقال سعيد من ثم كره عمر بن الخطاب الامام أعمى والمؤذن أعمى (ص) * عن علي انه أتاه قوم برجل فقالوا ان هذا يؤمنا ونحن له كارهون فقال له علي ان لحر وط أثوم قومها هم لك كارهون أبو عبيد

---

حتى توضؤا كلهم وبقي في المخضب نحو ما كان فيه وهم نحو السبعين الى المائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن رجلا قال يا محمد يا خيرنا وابن خيرنا ويا سيدنا وابن سيدنا فقال قولوا بقولكم ولا يستجرينكم الشيطان وأوالشياطين قال احدى الكلمتين انا محمد بن عبد الله ورسوله أما محمد عبد الله ورسوله ما أحب ان ترفعوني فوق منزلتي التي أنزلني الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن عبد الله بن عبيد الله بن جبير عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم والمرأة من نسائه يغتسلان من الاناء الواحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الوارث ثنا شعيب بن الحبحاب عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أكثرت عليكم في المسوالة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الوارث عن شعيب بن الحبحاب عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الدجال ممسوح العين مكتوب بين عينيه كافر قال ثم تهجاها ك ف ر يقرؤه كل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا وضع العشاء وحضرت الصلاة فابدؤا بالعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا حماد بن سلمة ثنا أنس بن سيرين عن قتادة عن أنس بأن النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا ثم تركه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا قتادة ثنا أنس بن سيرين عن أنس ابن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا بعد الركوع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ابن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان أول من يكسى حلة من النار ابليس فيضعها على حاجبيه ويسحبها وهو يقول يا ثبورا وذريته خلفه وهم يقولون يا ثبورهم حتى يقف على النار ويقول يا ثبوراه ويقولون يا ثبورهم فيقال لا تدعوا اليوم ثبورا واحدا وادعوا ثبورا كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا علي بن زيد قال أظنه عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لصوت أبي طلحة أشد على المشركين من فئة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد ابن زريع ثنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الازار الى نصف الساق فلما رأى شدة ذلك على المسلمين قال الى الكعبين لا خير فيما أسفل من ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا حميد عن أنس بن مالك قال كان النبي صلى الله عليه وسلم لا يجاوز شعره شحمة أذنيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال أخبرني عبد الله بن عبد الله بن جبر قال سمعت أنسا يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم آية النفاق بغض الانصار وآية الايمان حب الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت أنس بن مالك قال لما فتحت مكة قسم رسول الله صلى الله عليه وسلم الغنائم في قريش فقالت الانصار هذا الهو العجب ان سيوفنا تقطر من دمائهم وان غنائمنا ترد عليهم فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فجمعهم فقال ما هذا الذي بلغني عنكم قالوا هو الذي بلغك وكانوا لا يكذبون فقال اما ترضون ان يرجع الناس بالدنيا وترجعون برسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيوتكم لو سلك الناس واديا وشعبا وسلكت الانصار واديا أو شعبا سلكت وادي الانصار أو شعب الانصار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت أنسا يقول قالت الانصار يوم فتح مكة وأعطى قريشا ان هذا لهو العجب فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان

---



* عن محمد بن سيرين قال كان عمر بن الخطاب اعتراه نسيان في الصلاة فجعل رجل خلفه يلقنه فاذا أوما اليه أن يسجد أو يقوم فعل ابن سعد * (الفرع الثاني في آداب المأموم وما يتعلق بها) * اذا صلى الامير جالسا فصلوا جلوسا (ش) عن معاوية * انما جعل الامام ليؤتم به فاذا كبر فكبروا واذا ركع فاركعوا واذا رفع فارفعوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا اللهم ربنا ولك الحمد واذا سجد فاسجدوا واذا صلى جالسا فصلوا جلوسا أجمعون (حم خ د) عن أنس (حم ق د ه) عن عائشة * لا تبادروا الامام اذا

كبر فكبروا واذا قال ولا الضالين فقولوا آمين واذا ركع فاركعوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا اللهم ربنا لك الحمد ولا ترفعوا قبله (م) عن أبي هريرة * لا تبادروني بركوع ولا بسجود فانه مهما أسبقكم به اذا ركعت تدركوني به اذا رفعت اني قد بدنت ومهما أسبقكم به اذا سجدت تدركوني اذا رفعت اني قد بدنت (حم ده) عن معاوية * ياعلي لا تفتح على الامام في الصلاة (د) عن علي * اذا قال الامام سمع الله لمن حمده فقولوا اللهم ربنا لك الحمد فانه من وافق قوله قول الملائكة (٢٥٠) غفر له ما تقدم من ذنبه مالك (ق ٣) عن أبي هريرة * انما جعل الامام ليؤتم به فاذا

ثناهمام ثنا قتادة قال كانا تي أنس وخبازه قائم قال فقال لنا ما أفواالله ما أعلم رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رغيفا رقيقا ولا شاة سميطا حتى لحق بربه عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا نعس أحدكم وهو في الصلاة فلينصرف فلينم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل غادر لواء يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن بيع الثمرة حتى تزهو وعن بيع العنب حتى يسود وعن بيع الحب حتى يشتد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا بشر بن المفضل ثنا حميد عن أنس قال ما سمعته يحدث حديثا عن النبي صلى الله عليه وسلم الا قال أو كما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان حدثنا أبو الاحوص ثنا يحيى بن الحرث التيمي عن عمرو بن عامر عن أنس بن مالك قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ثلاث عن زيارة القبور وعن لحوم الاضاحي فوق ثلاث وعن هذه الانبذة في الاوعية قال ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد ذلك الا اني كنت نهيتكم عن ثلاث نهيتكم عن زيارة القبور ثم بدا لي انها ترق القلوب وتدمع العين فزوروها ولا تقولوا هجرا ونهيتكم عن لحوم الاضاحي فوق ثلاث ثم بدا لي ان الناس يبتغون ادمهم و يتخفون ضيفهم و يرفعون لغائبهم فكلوا وامسكوا ما شئتم ونهيتكم عن هذه الاوعية فاشربوا فيما شئتم من شاء أو كما ثن سقاء على ثم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا أبو ربيعة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل على اعرابي يعوده وهو موعوم فقال كفارة وطهور فقال الاعرابي بل حمى تفور على شيخ كبير تزيره القبور فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم وتركه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا المبارك قال حدثني اسمعيل بن عبد الله بن أبي طلحة الانصاري قال سمعت أنس بن مالك يقول ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يعرض عليه طيب فرده قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم زجر عن الشرب قائما فقلت فالاكل قال أشر وأخبث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا حميد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان في سفر فاتي بإناء من ماء فشرب في رمضان والناس ينظرون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا حميد قال سمعت أنس بن مالك يقول ان أبا موسى قال استحملنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فحلف ان لا يحملنا ثم حملنا فقلت يا رسول الله انك حلفت ان لا تحملنا ثم حملنا قال وأنا أحلف بالله عز وجل لا أحلفكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا حميد وشعيب بن الحبحاب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الدجال أعور وان ربكم عز وجل ليس باعور بين عينيه ك ف ر يقرؤه كل مؤمن قارئ وغير قارئ وقد قال حماد أيضا مكتوب بين عينيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا حميد قال سمعت أنس بن مالك قال قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة ولهم يومان يلعبون فيهما فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما هذان اليومان قالوا كنا نلعب فيهما في الجاهلية قال ان الله عز وجل قد أبدلكم بهما خيرا منهما يوم الفطر ويوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا حميد عن أنس بن مالك قال ما كان شخص أحب اليهم رؤية من رسول الله صلى الله

كبر فكبروا واذا قرأ فانصتوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا ربنا لك الحمد (ن) عن أبي هريرة * ان الذي يخفض و يرفع قبل الامام انما ناصيته بيد الشيطان (البزار) عن أبي هريرة * ما يأمن الذي يرفع رأسه في صلاته قبل الامام أن يحول الله تعالى صورته في صورة حمار (م) عن أبي هريرة * من رفع رأسه قبل الامام أو وضعه فلا صلاة له ابن قانع عن شيبان * هل ترون قبلتي هذه فوالله ما يخفى على خشوعكم ولا ركوعكم اني لاراكم من وراء ظهري مالك (ق) عن أبي هريرة * يا أيها الناس مالكم حين نابكم شيء في الصلاة أخذتم في التصفيق انما التصفيق للنساء من نابه شيء في صلاته فليقل سبحان الله فانه لا يسمعه أحد حين يقول سبحان الله الا التفت (خ) عن سهل بن سعد * اذا أقيمت الصلاة فلا تقوموا حتى تروني (حم د ن) عن أبي قتادة زاد (ن) قد خرجت اليكم * (الا كمال) * انما الامام ليؤتم به اذا كبر فكبروا واذا ركع فاركعوا واذا قال سمع الله لمن حمده فقولوا الحمد لله (طس) عن أبي هريرة * الامام ضامن فما صنع عليه فاصنعوا (قط هق) في القراءة (طس) والخطيب عن جابر * بدنت فمن فاته ركوعي أدركه في بطء قيامي (حم) عن ابن مسعدة * ما يؤمن أحدكم اذا رفع رأسه قبل الامام أن يحول الله رأسه رأس كبش الخطيب عن أبي هريرة * كن مؤذنا قال لا أستطيع قال فقم بازاء الامام (طس) عن ابن عباس ان رجلا قال يا رسول الله دلني على عمل

ندخلني الجنة قال فذكره * خير بقعة في المسجد خلف الامام وان الرحمة اذا نزلت بدأت بالامام ثم بالذين خلفه ثم يمنة ثم يسرة ثم يتعاصى المسجد باهله الديلمي عن أبي هريرة * يحسب امرئ أن يقوم مع الامام حتى ينصرف يحسب له قيام ليلة (طب) عن عوف بن مالك * (الافعال) * عن عمر قال أيما رجل رفع رأسه قبل الامام في ركوع أو سجود فليضع رأسه بقدر رفعه اياه (عب ش) * عن عمر قال اذا رفع أحدكم رأسه فظن أن الامام قد رفع فليعد رأسه فاذا رفع الامام رأسه فليمكث قدر ما ترك (هق) * عن ابراهيم (٢٥١) قال قال عمر اربع يخفين عن الامام التعوذ وبسم الله الرحمن الرحيم وآمين واللهم ربنا ولك الحمد ابن جرير * عن أبي عبد الرحمن قال قال علي من السنة أن تفتح على الامام اذا استطعمك قيل لابي عبد الرحمن ما استطعام الامام قال اذا سكت ابجنه منيع (لحق) * عن البراء ابن عازب كان يعجبني أن أصلي بيمامة على يمين رسول الله صلى الله عليه وسلم لانه كان اذا سلم أقبل علي بوجهه أو قال يعدونا بالسلام (عب) * عن جابر ابن عبد الله قال سرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة بطن بواط فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رجل يتقدم فيمدرانا الحوض ويشرب ويسقينا قال جابر فقلت هذا رجل يا رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رجل مع جابر فقام جبار بن صخر فاتينا الحوض ثم مدرناه فكان أول طالع علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم جاء الى الحوض فتوضأ منه وقام يصلي فجئت فقمت عن يسار رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخذ بيدي فادارني حتى أقامني عن يمينه وجاء جبار فقام عن يساره فدفعنا بيديه جميعا حتى جعلنا وراءه * أبو نعيم * عن المسور بن يزيد الكاهلي قال شهدت النبي صلى الله عليه وسلم صلاة الصبح فتعايا في آية فلما فرغ قال أبى لم تفتح علي (كر) * عن المسور بن يزيد الاسدي قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم وترك آية فقال له رجل يا رسول الله تركت آية كذا وكذا قال فهلا ذكرتنيها (كر) * عن ابن عباس قال كنت في بيت ميمونة فقام النبي صلى الله عليه وسلم يصلي من الليل فقمت معه على يساره فاخذ بيدي فجعلني عن يمينه ثم صلى

عليه وسلم وكانوا اذا رأوه لم يقوموا لما يعلمون من كراهيته لذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا حميد عن أنس انه قال لما أقبل أهل اليمن قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قد جاءكم أهل اليمن هم أرق منكم قلوبا قال أنس وهم أول من جاء بالمصافحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام قال أنا قتادة قال قلت لانس أي اللباس كان أحب أو أعجب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الحبرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا جماد بن سلمة ثنا علي بن زيد عن أنس بن مالك ان ملك الروم أهدى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم مستقة من سندس فكانى أنظر الى يديها تذبذبان من طولهما فجعل القوم يلتمسونها ويقولون أنزلت عليك يا رسول الله هذه من السماء قال وما يعجبكم منها والذي نفسي بيده لمناديل سعد بن معاذ في الجنة خير من هذه ثم بعث بها الى جعفر قال فلبسها جعفر ثم جاء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اني لم أبعث بها اليك لتلبسها قال فما أصنع بها قال ابعث بها الى أخيك النجاشي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن ينبذ التمر والبسر جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة ثنا أنس قال بهز في حديثه قال أنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من أهل الجنة أحد يسره ان يرجع الى الدنيا وله عشرة أمثالها الا الشهيد فانه يود لو أنه رجع قال بهز رجع الى الدنيا فاستشهد لما رأى من الفضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يؤمن عبد حتى يحب لاخيه المسلم ما يحبه لنفسه من الخير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة قال قلت لانس بن مالك أخضب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لم يبلغ ذلك انما كان شيبا في صدغيه وأكن أبو بكر خضب بالحناء والكتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة أنا أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أتى على رجل يسوق بدنة فقال اركبها قال انها بدنة قال وويلك اركبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام قال بهز في حديثه قال ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا عدوى ولا طيرة ويعجبني الفأل الكلمة الطيبة والكلمة الصالحة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الوارث ثنا أبو عاصم عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتنفس في الشراب ثلاث مرات ويقول انه أروى وأمرأ وأبرأ قال أنس وأنا أتنفس في الشراب ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا عبد الرحمن الاصم قال سئل أنس عن التكبير في الصلاة وأنا أسمع فقال يكبر اذا ركع واذا سجد واذا رفع رأسه من السجود واذا قام بين الركعتين قال فقال له حكيم عمن تحفظ هذا قال عن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر ثم سكت قال فقال له حكيم وعثمان قال وعثمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا المغيرة بن زياد النهدي سمع أنس بن مالك يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا امان لمن لا أمانة له ولا دين لمن لا عهد له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال جاهدوا المشركين بأموالكم وأنفسكم وألسنتكم

ثلاث عشرة ركعة خرجت قيامه في كل ركعة قدر يأتي الرجل (عب) * عن ابن عمر انه قال في الرجل يصلي بصلاة الامام اذا كان بينهما ر
اوطريق أو جدار فلا بأتم به (عب ش) * عن أبي بن كعب وعن رجل من آل الحكم بن العاصي ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى بالناس فقرأ
سورة فاغفل منها آية فسألهم هل تركت شيأ فسكتوا فقال مابال أقوام يقرأ عليهم كتاب الله لا يدرون ما قرئ عليهم فيه ولا ما ترك هكذا كانت
بنو اسرائيل خرجت خشية الله من (٢٥٢) قلوبهم فغابت قلوبهم وشهدت أبدانهم ألا وان الله عز وجل لا يقبل من أحد عملا حتى يشهد

بقلبه ما شهد ببدنه الديلمي
* عن يسار بن المعرور قال
خطبنا عمر فقال يا أيها
الناس ان رسول الله صلى
الله عليه وسلم بنى هذا المسجد
ونحن معه والمهاجرون
والانصار فاذا اشتد الزحام
فليسجد الرجل منكم على
ظهر أخيه ورأى قوما
يصلون في الطريق فقال
صلوا في المسجد (طس
حم) والشاشي (هق ض)
* (الفرع الثالث في تسويته
الصفوف وفضلها وآدابها
والتحذير من تركها) * ان
الله وملائكته يصلون على
الصف المقدم والمؤذن
يغفر له مدى صوته ويصدقه
من سمعه من رطب ويابس
وله مثل أجر من صلى معه
(حم ن) والضياء عن البراء
* ان الله وملائكته يصلون
على الذين يصلون الصف
الاول وما من خطوة أحب
الى الله من خطوة يمشيها
يصل بها صفا (د) عن البراء
* ان الله وملائكته يصلون
على الذين يصلون الصفوف
ولا يصل عبد صفا الا رفعه
الله به درجة وذرت عليه
الملائكة من البر (طس)
عن البراء * الا تصفون كما
تصف الملائكة عند ربها يتمون الصفوف الاول ويتراصون في الصف (حم م د ن ه) عن جابر بن سمرة * رصوا

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس قال نزلت على النبي صلى الله عليه وسلم
انا فتحنا لك فتحا مبينا الى آخر الآية من رجوعه من الحديبية وأصحابه مخالطو الحزن والكآبة فقال نزلت
على آية هي أحب الي من الدنيا وما فيها جميعا قال فلما تلاها النبي صلى الله عليه وسلم قال رجل من القوم
هنيأ مريئا قد بين الله لك ماذا يفعل بك فماذا يفعل بنا فانزل الله عز وجل الآية التي بعدها ليدخل المؤمنين
والمؤمنات جنات تجري من تحتها الانهار حتى ختم الآية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام
ثنا قتادة ان أنس بن مالك أخبره ان الزبير بن العوام وعبد الرحمن بن عوف شكوا الى رسول الله صلى الله عليه
وسلم القمل فرخص لهما في قمص الحرير في غزاة لهما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن
قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا ثم تركه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز
قالا ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس بن مالك ان حاديا للنبي صلى الله عليه وسلم كان يقال له أنجشة قال وكان
حسن الصوت قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم رويدك يا أنجشة لا تكسر القوارير قال قتادة يعني ضعفة
النساء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة قال حدثني أنس ان خياطا بالمدينة دعا
النبي صلى الله عليه وسلم لطعام له قال فاذا خبز شعير بإهالة سخنة واذا فيها قرع قال فرأيت النبي صلى الله عليه
وسلم يجيبه القرع قال أنس لم يزل القرع يجيبني منذ رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يجيبه حدثنا عبد
الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الله بن بكر يعني المزني قال سمعت عطاء يعني ابن أبي ميمونة يحدث ولا أعلمه الا
عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يرفع اليه قصاص قط الا أمر بالعفو قال ابن بكر كنت أحدثه عن
أنس فقالوا له عن أنس لا شك فيه فقلت لا أعلمه الا عن أنس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد
أنا قتادة وثابت وحميد عن أنس ان رجلا جاء فدخل الصف وقد حفزه النفس فقال الحمد لله حمدا كثيرا طيبا
مباركا فيه فلما قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاته قال أيكم المتكلم بالكلمات فارم القوم فقال أيكم
المتكلم بها فانه لم يقل الا خيرا فقال الرجل جئت وقد حفزني النفس فقلتها فقال لقد رأيت اثني عشر ملكا
يبتدرونها أيهم يرفعها وزاد حميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا جاء أحدكم فليمش على
نحو ما كان يمشي فليصل ما أدرك وليقض ما سبقه قال أبو عبد الرحمن والارمام السكوت حدثنا عبد الله
حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس ان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم كانوا يقولون وهم
يحفرون الخندق نحن الذين بايعوا محمدا على الاسلام ما بقينا أبدا والنبي صلى الله عليه وسلم يقول اللهم
ان الخير خير الآخره فاغفر للانصار والمهاجره وأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بخبز شعير عليه اهالة
سخنة فاكلوا منها وقال النبي صلى الله عليه وسلم انما الخير خير الآخره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان
ثنا حماد انا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى نخامة في قبلة المسجد فحكها بيده حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أخبرني ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه
في ليلة واحدة أجمع هكذا ورمى حماد في يوم واحد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال
أنبأنا ثابت البناني عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوم ٧ أحد اللهم ان تشأ لا تعبد في
الارض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أخبرني ثابت عن أنس ان رسول الله صلى
الله عليه وسلم كان يصوم حتى يقال قد صام ويفطر حتى يقال قد أفطر وقد قال مرة أفطر أفطر حدثنا

عبد

صفوفكم وقاربوا بينها وحاذوا بالاعناق فوالذي نفسي بيده اني لارى الشياطين تدخل من خلل الصفوف كأنها الحذف (حم د ن حب)
عن أنس * أيها المصلي وحده الا وصلت الى الصف فدخلت معهم أو حررت البلن رجلان ضاق بك المكان فقام معك أعد صلاتك فانه لا صلاة
لك (طب) عن وابصة * استووا واعدلوا صفوفكم (د هق) عن أنس * أتموا الصفوف فاني أراكم خلف ظهري (م) عن أنس * عليكم

بالصف الاول وعليكم بالميمنة واياكم والصف بين السواري (طب) عن ابن عباس * لتعلمون ما في الصف الاول لما كانت الا قرعة (م ٥) عن أبي هريرة * أمنع الصفوف من الشيطان الصف الاول أبو الشيخ عن أبي هريرة * أقيموا الصفوف وحاذوا بالمناكب وأنصتوا فان أجر المنصت الذي لا يسمع كأجر المنصت الذي يسمع (عب) عز زيد بن أسلم مرسلا وعن عثمان بن عفان موقوفا * أقيموا الصف في الصلاة فان اقامة الصف من حسن الصلاة (م) عن أبي هريرة * أقيموا صفوفكم وتراصوا (٢٥٣) فوالذي نفسي بيده اني لاري الشياطين بين صفوفكم كأنها غنم عفر الطيالسي عن أنس * استووا تستوقلوبكم وتماسوا وتراصوا (طس) عن أبي مسعود * خطوتان احداهما أحب الخطا الى الله تبارك وتعالى والاخرى أبغض الخطا الى الله تعالى فاما التي يحبها الله فرجل نظر الى خلل في الصف فسده وأما التي يبغضها الله فاذا أراد الرجل أن يقوم مد رجله اليمنى ووضع يده عليها وأثنى اليسرى ثم قام (ك ق) عن معاذ * خير صفوف الرجال أولها وشرها آخرها وخير صفوف النساء آخرها وشرها أولها (م ٤) عن أبي هريرة (طب) عن أبي امامة وعن ابن عباس * سووا صفوفكم فان تسوية الصفوف من اقامة الصلاة (حم ق د ه) عن أنس * زين الصلاة الحذاء (ع) عن علي * من وصل صفا وصله الله ومن قطع صفا قطعه الله (ن ك) عن ابن عمر * أعطيت ثلاث خصال أعطيت صلاة في الصفوف وأعطيت السلام وهو تحية أهل الجنة وأعطيت آمين ولم يعطها أحد ممن كان قبلكم الا أن يكون الله تعالى أعطاها هرون فان موسى كان يدعو ويؤمن هرون * الحرث وابن مردويه عن أنس * ان الله وملائكته يصلون على الصف الاول (حم د ه ك) عن البراء (ه) عن عبد الرحمن بن عوف (طب) عن النعمان بن بشير البزار عن جابر * من عمر جانب المسجد الايسر اقله أهله فله أجران (ه) عن ابن عباس * ليقم الاعراب خلف المهاجرين والانصار ليقتدوا بهم في الصلاة (حم طب) عن سمرة * ليليني منكم أولوا الاحلام والنهى ثم الذين يلونهم ثم الذين يلونهم ولا تختلفوا فتختلف قلوبكم واياكم وهيشات الاسواق



عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد عن أنس مثل هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يغير عند صلاة الفجر فكان يسمع فان سمع اذانا أمسك والا اغار فاسمع ذات يوم فسمع رجلا يقول الله أكبر الله أكبر فقال على الفطرة فقال أشهد أن لا اله الا الله فقال خرجت من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا أوى الى فراشه قال الحمد لله الذي أطعمنا وسقانا وكفانا وآوانا وكم ممن لا كافي له ولا مؤوي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أخبرني ثابت عن أنس قال مر بي النبي صلى الله عليه وسلم وأنا ألعب مع الصبيان فسلم علينا ثم دعاني فبعثني الى حاجة له فجئت وقد أبطأت عن أمي فقالت ما حبسك أين كنت فقلت بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم الى حاجة قالت أي بني وما هي فقلت انها سر قالت لا تحدث بسر رسول الله صلى الله عليه وسلم أحدا ثم قال والله يا ثابت لو كنت حدثت به أحدا لحدثتك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا معشر الانصار ألم آتكم ضلالا فهداكم الله بي وأعداء فألف الله عز وجل بين قلوبكم بي ثم قال لهم ألا تقولون أتيتنا طريدا فآويناك وخائفا فأمناك ومخذولا فنصرناك فقالوا لله ولرسوله المن علينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم واصل في رمضان فواصل ناس من أصحابه فاخبر النبي صلى الله عليه وسلم بذلك فقال النبي صلى الله عليه وسلم لو مد لي الشهر لواصلت وصالا يدع المتعمقون تعمقهم اني أظل يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال يوم أحد وهو يسلت الدم عن وجهه وهو يقول كيف يفلح قوم شجوا نبيهم وكسروا رباعيته وهو يدعوهم الى الله فانزل الله عز وجل ليس لك من الامر شئ أو يتوب عليهم أو يعذبهم فانهم ظالمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس أن أنس بن النضر تغيب عن قتال بدر فقال تغيبت عن أول مشهد شهده النبي صلى الله عليه وسلم لئن رأيت قتالا ليرين الله ما أصنع فلما كان يوم احد انهزم أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أقبل أنس فرأى سعد بن معاذ منهزما فقال يا أبا عمرو أين أين قم فوالذي نفسي بيده اني لاجد ريح الجنة دون احد فمضى حتى قتل فقال سعد بن معاذ فوالذي نفسي بيده ما استطعت ما استطاع فقالت اخته فما عرفت أخي الا ببنانه ولقد كانت فيه بضع وثمانون ضربة من بين ضربة بسيف ورمية بسهم وطعنة برمح فأنزل الله عز وجل فيه رجال صدقوا ما عاهدوا الله عليه الى قوله وما بدلوا تبديلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان العضباء كانت لا تسبق فجاء اعرابي على قعود له فسابقها فسبقها الاعرابي فكان ذلك اشتد على أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان حقا على الله عز وجل أن لا يرفع شيأ من هذه الدنيا الا وضعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يؤتى بأشد الناس كان بلاء في الدنيا من أهل الجنة فيقول أصبغوه صبغة في الجنة فيصبغونه فيها صبغة فيقول الله عز وجل يا ابن آدم هل رأيت بؤسا قط أو شيأ تكرهه فيقول لا وعزتك ما رأيت شيأ أكرهه قط ثم يؤتى بأنعم الناس كان في الدنيا من أهل النار فيقول اصبغوه فيها صبغة فيقول يا ابن آدم هل رأيت خيرا قط قرة عين قط فيقول

(م ٤) عن أبي مسعود * ليلني منكم الذين يأخذون عني (ك) عن أبي مسعود * أنوا الصف المقدم ثم الذي يليه ثم الذي يليه فما كان من نقص فليكن في الصف الآخر (حم د ن حب) وابن خزيمة والضياء عن أنس * اصطفوا ولتقدموا فأقيموا صفوفكم في الصلاة أفضلكم فان الله عز وجل يصطفي من الملائكة رسلا ومن الناس * سووا صفوفكم (د) عن وائلة * وسطوا الامام وسدوا الخلل (د) عن أبي هريرة * نهى أن يقام الصبيان في الصف الاول ابن نصر عن راشد بن سعيد مرسلا * لتسون (٢٥٤) الصفوف أو لتطمسن الوجوه ولتغضن أبصاركم أو لتخطفن أبصاركم (حم طب) عن أبي امامة * أقيموا صفوفكم فوالله لتقيمن صفوفكم أو ليخالفن الله بين قلوبكم (د) عن النعمان بن بشير * عباد الله لتسون صفوفكم أو ليخالفن الله بين وجوهكم (ق د ن) عن النعمان بن بشير * لا يزال قوم يتأخرون عن الصف الاول حتى يؤخرهم الله في النار (د) عن عائشة * (الاكمال) * أقيموا صفوفكم لا يتخللكم الشياطين كأنها أولاد الحذف قيل يا رسول الله وما أولاد الحذف قال سود جرد تكون بأرض اليمن (حم ش ل ص) عن البراء بن عازب * من نظر الى فرجة في صف فليسدها بنفسه فان لم يفعل فمن مار فليخط على رقبته فانه لا حرمة له (طب) عن ابن عباس * من سد فرجة في صف رفعه الله بها درجة وبنى له بها بيتا في الجنة (ش) عن عروة بن الزبير مرسلا * من سد فرجة في الصف غفر له البزار عن أبي جحيفة * ما من خطوة أعظم أجرا من خطوة مشاها رجل الى صف يسده أبو الشيخ عن ابن عمر * من ترك الصف الاول مخافة أن يؤذى مسلما فصلى في الصف الثاني أو الثالث أضعف الله له أجر الصف الاول (طس) وابن النجار عن ابن عباس لا يقوم في الصف الاول الا المهاجرون والانصار (ك) عن أبي بن كعب * أيها المنفرد بصلاتك أعد صلاتك ابن عساكر عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يصلي خلف الصف وحده قال فذكره * تقدم الى مصلاك لا يقطع الشيطان عليك صلاتك البغوي وابن قانع (طب) عن سهل بن حنظلة * (الافعال) * عن أبي بكر بن عبد الرحمن بن الحرث بن هشام ان أبا بكر الصديق

لا وعزتك ما رأيت خيرا قط ولا فرة عين قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لما خلق الله عز وجل آدم صوره ثم تركه في الجنة ما شاء الله أن يتركه فجعل ابليس يطيف به فلما رآه أجوف عرف أنه خلق لا يتمالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت قال قيل لانس هل شاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما شانه الله بالشيب ما كان في رأسه ولحيته الا سبع عشرة أو ثمان عشرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن هشام بن زيد عن أنس بن مالك قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم بأخ لي ليحنكه في المربد قال فرأيته يسم شياها أحسبه قال في آذانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال أخبرني قتادة عن أنس بن مالك قال سووا صفوفكم فان تسوية الصف من تمام الصلاة قال عبد الله أظنه عن النبي صلى الله عليه وسلم وأنا أحسب أني قد أسقطته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان أنا خالد بن الحرث ثنا هشام بن حسان عن عبد الله بن دهقان عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يأكل الرجل بشماله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك أنهم سألوا نبي الله صلى الله عليه وسلم يوما حتى أجهدوه بالمسئلة فخرج ذات يوم فصعد المنبر فقال لا تسألوني اليوم عن شئ الا أنبأتكم به فاشفق أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يكون بين يدي أمر قد حضر قال فجعلت لا ألتفت يمينا ولا شمالا الا وجديت كل رجل لافا رأسه في ثوبه يبكي فانشأ رجل كان يلاحى فيدعى الى غير أبيه فقال يا نبي الله من أبي قال أبوك حذافة قال ثم قام عمر أو قال ثم أنشأ عمر فقال رضينا بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد رسولا عائذا بالله من شر الفتن فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لم أر كاليوم في الخير والشر قط صورت لي الجنة والنار حتى رأيتهما دون هذا الحائط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا هشام بن أبي عبد الله عن قتادة عن أنس بمثله قال وكان قتادة يذكر هذا الحديث اذا سئل عن هذه الآية لا تسألوا عن أشياء ان تبد لكم تسؤكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا اسرائيل عن أبي اسحق عن يزيد بن أبي مريم عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الدعاء لا يرد بين الاذان والاقامة فادعوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن الحجاج أنا حاتم بن اسمعيل ثنا مصعب بن ثابت بن عبد الله بن الزبير قال طلبنا علم العود الذي في مقام الامام فلم نقدر على أحد يذكر لنا فيه شيأ قال مصعب فاخبرني محمد بن مسلم بن السائب بن خباب صاحب المقصورة فقال جلس الى أنس بن مالك يوما فقال هل تدري لم صنع هذا لولم أسأله عنه فقلت لا والله ما أدري لم صنع فقال أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضع عليه يمينه ثم يلتفت الينا فقال استووا واعدلوا صفوفكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان البراء بن مالك كان يحدو بالرجال وأنجشة يحدو بالنساء وكان حسن الصوت فحدا فاعنقت الابل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أنجشة رويدا سوقك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا غسان بن الربيع ثنا حماد عن ثابت وحميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال حفت الجنة بالمكاره وحفت النار بالشهوات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن خالد قال أخبرني أمية بن شبل عن عثمان ابن بوذويه قال خرجت الى المدينة مع عمر بن يزيد وعمر بن عبد العزيز عامل عليها قبل أن يستخلف قال فسمعت أنس بن مالك وكان به وضح شديد قال وكان عمر يصلي بنا فقال أنس ما رأيت أحدا أشبه صلاة

وزيد بن ثابت دخلا المسجد والامام راكع فركعا دون الصف ثم مشيا وهما راكعان حتى يلحقا بالصف اسموبه (هق) *عن ابن عمر قال لان تقع تفيتا أحب الي من ان أرى فرجة في الصف اماميحي ولا أصلها (عب) *عن العرباض كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي على الصف المقدم ثلاثا وعلى الثاني واحدة (ش ن) *أيضا كان النبي صلى الله عليه وسلم يستغفر للصف المقدم ثلاثا وللثاني مرة (عب ه) *عن أبي جعفر قال ميامن الصفوف أزيد على مياسر المسجد خمسة وعشرين درجة (ش) *عن النعمان بن (٢٥٥) بشير كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم منا في الصلاة كأنما يقوم بنا القداح ففعل بنا ذلك مرارا حتى اذا رأى قد علمنا تقدم فرأى صدر رجل خارجا فقال عباد الله لتقيمن صفوفكم أو ليخالفن الله بين وجوهكم (عب)

*(الفزع الرابع في ادراك الصلاة واعادتها وما يتعلق به) * اذا أتيتم الصلاة فعليكم بالسكينة ولا تأتوها وأنتم تسعون فما أدركتم فصلوا وما فاتكم فأتموا (حم ق) عن أبي قتادة *اذا أتى أحدكم الصلاة والامام على حال فليصنع كما يصنع الامام (ت) عن علي ومعاذ *من أدرك ركعة من الصبح قبل أن تطلع الشمس فقد أدرك الصبح ومن أدرك ركعة من العصر قبل أن تغرب الشمس فقد أدرك العصر (حم ق ٤) عن أبي هريرة (حم م ن ه) عن عائشة (م) عن ابن عباس *من أدرك ركعة من الصلاة مع الامام فقد أدرك الصلاة (حم م) عن أبي هريرة *اذا أقيمت الصلاة فلا صلاة الا التي أقيمت (طس) عن أبي هريرة *اذا جئتم الى الصلاة ونحن سجود فاسجدوا ولا تعدوها شيأ ومن أدرك الركعة فقد أدرك الصلاة (م د ك هق) عن أبي هريرة *اذا صليتما في رحالكم ثم أتيتما الامام فصليا معه فتكون لكما نافلة والتي في رحالكما فريضة (هق) عن ابن عمر *صل الصلاة لوقتها فاذا أدركت معهم فصل ولا تقل اني قد صليت فلا أصلي (ن حب) عن أبي ذر *اذا دخلت المسجد فصل مع الناس وان كنت قد صليت (ص) عن محجن *انه سيكون امراء يؤخرون الصلاة عن مواقيتها الافضل الصلاة لوقتها ثم ان أتوهم فان كانوا قد صلوا وكنت قد أحرزت صلاتك والا فصل

---

برسول الله صلى الله عليه وسلم من هذا البيت كان يخفف في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ابن موسى ثنا هلال بن أبي داود يعني الحبلي أبو هشام قال أنخ هرون بن أبي داود حدثني أبي قال أتيت أنس بن مالك فقلت يا أبا حمزة ان المكان بعيد ونحن يجيئنا ان نعود فرفع رأسه فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أيما رجل عاد مريضا فانما يخوض في الرحمة فاذا قعد عند المريض غمرته الرحمة قال فقلت يا رسول الله هذا الصحيح الذي يعود المريض فالمريض ما له قال تحط عنه ذنوبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن قتادة عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أعوذ بك من علم لا ينفع وعمل لا يرفع وقلب لا يخشع وقول لا يسمع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا سلام يعني ابن مسكين عن ثابت قال سمعت أنس بن مالك يقول خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم عشر سنين فما قال لي أف قط ولا قال لم صنعت كذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا سلام عن عمر بن معدان عن أنس بن مالك قال شهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وليمتها فما خبز ولا لحم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد ثنا صدقة صاحب الدقيق عن أبي عمران الجوني عن أنس بن مالك قال وقت لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في قص الشارب وتقليم الاظفار وحلق العانة أربعين يوما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا يزيد بن أبي صالح قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم يدخل ناس النار حتى اذا صاروا فحما أدخلوا الجنة فيقول أهل الجنة من هؤلاء فيقال هؤلاء الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سعيد عن قتادة ثنا أنس بن مالك قال سمعت نبي الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا أبصرهم أهل الجنة قالوا هؤلاء الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا سعيد عن قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين أملحين أقرنين ويكبر ولقد رأيته يذبحهما بيده واضعا قدمه على صفاحهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال رخص أو أرخص النبي صلى الله عليه وسلم لعبد الرحمن بن عوف والزبير بن العوام في لبس الحرير من حكة كانت بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد املاء عن قتادة عن أنس بن مالك أن رعلا وعصية وذكوان وبني لحيان أتوا النبي صلى الله عليه وسلم فأخبروه انهم قد أسلموا واستمدوا على قومهم فأمدهم رسول الله صلى الله عليه وسلم بسبعين من الانصار قال كنا نسميهم القراء في زمانهم كانوا يحتطبون بالنهار ويصلون بالليل حتى اذا كانوا ببئر معونة غدروا بهم فقتلوهم فقنت النبي صلى الله عليه وسلم شهرا يدعو على هذه الاحياء عصية ورعل وذكوان وبني لحيان وحدثنا أنس انا قد أتانا بهم قرآنا بلغوا عنا قومنا انا قد لقينا ربنا عز وجل فرضي عنا وأرضانا ثم نسخ أو رفع **حدثنا** عبد الله حدثني نجي ثنا أسود بن عامر ثنا أبو بكر بن عياش عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن أنس قال أقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم يمشي حتى انتهى الى المسجد أو قريبا منه أتاه شيخ أو رجل فقال متى الساعة يا رسول الله قال رسول الله وما أعددت لها قال الرجل والذي بعثك بالحق نبيا ما أعددت لها من كثير عمل صلاة ولا صيام ولكني أحب الله ورسوله قال أنت مع من أحببت

لمعهم وكانت لك نافلة (حم ن ه) عن أبي ذر * (الاكمال) * من أدرك ركعة من الصلاة فقد أدركها قبل أن يقيم الامام صلبه (عد هق) وضعفاه عن أبي هريرة * اذا دخل أحدكم المسجد والامام في التشهد فليكبر ويجلس كذلك معه فاذا سلم فليقم الى صلاته فانه قد أدرك فضل الجماعة الديلمي عن ابن عمر * من أدرك الامام جالسا قبل أن يسلم فقد أدرك الصلاة وفضلها (ك) في تاريخه عن أبي هريرة * قدسن لكم معاذ فاقتدوا به اذا جاء أحدكم وقد سبق (٢٩٦) بشيء من الصلاة فليعمل مع الامام بصلاته فاذا فرغ الامام فليقض ما سبق به (طب)

عن معاذ * زادك الله حرصا ولا تعد عبد الرزاق (حم خ د ن حب) عن أبي بكرة أنه انتهى الى النبي صلى الله عليه وسلم وهو راكع فركع قبل أن يصل الى الصف الاول فقال فذكره * اذا سمعت الاقامة فامش على هينتك فما أدركت فصل وما فاتك فاقضوا (خ) عن أبي هريرة * اذا صلى أحدكم في رحله ثم جاء الى الامام ليصل معه وليجعل التي في بيته نافلة (هق) عن جابر * من يتجر على هذا فيصلي معه أبو عوانة (قط طس ض) عن أنس * (الافعال) * عن علي قال ما أدركت مع الامام فهو أول صلاتك واقض ما سبقك به من القراءة (عب ش هق) * عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن أن عمر بن الخطاب وأبا الدرداء كانا يقولان ما أدركت من آخر صلاة الامام فاجعله أول صلاتك (ش هق) * عن محجن بن الادرع صليت الظهر أو العصر في بيتي ثم جئت الى النبي صلى الله عليه وسلم فجلست عنده فاقيمت الصلاة فصلى

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهمل بن اسمعيل ثنا حماد بن زيد عن أيوب وهشام عن محمد يعني ابن سيرين عن أنس قال لما حلق رسول الله صلى الله عليه وسلم رأسه يعني أخذ شق رأسه الايمن بيده فلما فرغ نادى فقال يا أنس انطلق بهذا الى أم سليم فلما رآى الناس ما خصها به من ذلك تنافسوا في الشق الآخر هذا يأخذ الشيء وهذا يأخذ الشيء قال محمد فحدثته عبيدة السلماني فقال لان يكون عندي منه شعرة احب الي من كل صفراء وبيضاء أصبحت على وجه الارض وفي بطانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق أنا عبد الله قال أنا حماد الطويل عن أنس بن مالك قال خدمت رسول الله صلى الله عليه وسلم تسع سنين فما قال لي قط لشيء صنعته قط أسأت ولا بئس ما صنعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة قال سألت أنسا كم اعتمر رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اعتمر أربعا عمرته التي صده المشركون عنها في ذي القعدة وعمرته أيضا من العام المقبل في ذي القعدة وعمرته حيث قسم غنائم حنين من الجعرانة في ذي القعدة وعمرته مع حجته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام أنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس ان أبا طلحة أتى النبي صلى الله عليه وسلم وهو على المنبر فقال للنبي صلى الله عليه وسلم ماذا ترى نزلت هذه الآية قال ان الله عز وجل قال لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون وانه ليس لي مال أحب الي من أرضي بيرحاء وانى أتقرب بها الى الله عز وجل قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم بخ بخ ذلك مال رابح فقسمها بينهم حدائق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سعيد بن زيد قال حدثني الزبير بن الخريت عن أبي لبيد قال أرسلت الخيل زمن الحجاج والحكم بن أيوب أمير على البصرة قال فأتينا الزهاد فلما جاءت الخيل قلنا لو مللنا الى أنس بن مالك فسألناه أكنتم تراهنون على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فأتيناه هو في قصره في الزاوية فسألناه فقلنا يا أبا حمزة أكنتم تراهنون على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يراهن قال نعم ولقد راهن رسول الله صلى الله عليه وسلم على فرس له يقال له ضحية فسبق الناس فانتشى لذلك وأعجبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن حميد عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم بمثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق أنا عبد الله يعني ابن المبارك ثنا حميد عن أنس قال قال كانه يعني النبي صلى الله عليه وسلم قال الازار الى نصف الساق فشق عليهم فقال أوالى الكعبين ولا خير في أسفل من ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق أنا عبد الله أنا الاوزاعي قال حدثني اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة الانصاري قال حدثني أنس بن مالك قال أصاب الناس سنة على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فبينا رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب يوم الجمعة قام اعرابي فقال يا رسول الله هلك المال وجاع العيال فادع الله ان يسقينا فرفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه وما نرى في السماء قزعة فثار سحاب أمثال الجبال ثم لم ينزل عن منبره حتى رأينا المطر يتحادر على لحيته فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يهرم ابن آدم ويشب منه اثنان الحرص على المال والحرص على العمر

حدثنا النبي صلى الله عليه وسلم ولم أصل فلما انصرف قال ألست بمسلم قلت بلى قال فما بالك لم تصل قال اني قد صليت في رحلي فقال النبي صلى الله عليه وسلم اذا أقيمت الصلاة فصل وان كنت قد صليت في رحلك (عب) * عن الحسن البصري قال سمع النبي صلى الله عليه وسلم رجلا وهو يسرع الى الصف وهو راكع فقال زادك الله حرصا ولا تعد (عب) * عن الحسن البصري قال التفت اليه النبي صلى الله عليه وسلم فقال زادك الله

حرصا ولا تعد قال فثبت مكانه (عب) *عن هبير بن مريم عن علي وابن مسعود فالامن لم يدرك الركعة الاولى فلا يعتد بالسجدة (عب) *عن أبي عثمان النهدي ان رجلا دخل المسجد يصلي وقد صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا رجل يتصدق على هذا فيصلي معه (ص) *عن ابن عمر قال ان كنت قد صليت في أهلك ثم أدركت الصلاة في المسجد مع الامام فصل معه غير صلاة الصبح وصلاة المغرب فانهما لا يصليان مرتين (عب) *عن علي قال اذا أعاد المغرب شفع بركعة (ش) (٢٩٧) *عن علي في الذي يصلي وحده ثم يصلي في الجماعة قال صلاته الاولى (ش) *عن علي قال من أدرك مع الامام أو فاتته ركعة فلا يتشهد مع الامام وليهلل حتى يقوم الامام (عب) *عن بلال كان الناس لا يأتمون بامام اذا كان لهم وتر وله شفع يقومون وهو جالس ويجلسون وهو قائم حتى صلى ابن مسعود وراء النبي صلى الله عليه وسلم قائما فقال النبي صلى الله عليه وسلم سألتم ابن مسعود سن لكم سنة فاستنوا بها (عب) * عن الزهري ان زيد بن ثابت وابن عمر كانا يفتيان الرجل اذا انتهى الى القوم وهم ركوع أن يكبر تكبيرة وقد أدرك الركعة قالا وان وجدهم سجودا سجد معهم ولم يعتد بذلك (عب)

*(الفصل الثالث في فضائل المسجد وآدابه وحقوقه ومحظوراته ومباحاته وفيه ثلاثة فروع الفرع الاول في فضائل المسجد وآدابه وحقوقه من أدعية الدخول والخروج منه وركعتي التحية وما يتعلق به) *أحب البلاد الى الله مساجدها وأبغض البلاد الى الله أسواقها (م) عن أبي

---

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الرجل ليعمل البرهة من عمره بالعمل الذي لو مات عليه دخل الجنة فاذا كان قبل موته تحول فعمل عمل أهل النار فمات فدخل النار وان الرجل ليعمل البرهة من عمره بالعمل الذي لو مات عليه دخل النار فاذا كان قبل موته تحول فعمل بعمل أهل الجنة فمات فدخل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا سليمان بن مهران عن أبي سفيان عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكثر ان يقول يا مقلب القلوب ثبت قلبي على دينك فقال له أصحابه وأهله يا رسول الله أتخاف علينا وقد آمنا بك وبما جئت به قال ان القلوب بيد الله عز وجل يقلبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة فذكر حديثا قال وأنا عبيد الله بن أبي بكر عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال هذا ابن آدم وهذا أجله وثم أمله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليمان عن ثابت عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعجبه الرؤيا الحسنة وربما قال الرؤيا الصالحة فاذا رأى أحدكم رؤيا فاذا رأى الرؤيا الرجل الذي لا يعرفه رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل عنه فان كان ليس به بأس كان أعجب لرؤياه اليه فجاءت اليه امرأة فقالت يا رسول الله رأيت كأني دخلت الجنة فسمعت وجبة أرتجت لها الجنة فلان بن فلان وفلان بن فلان حتى عدت اثني عشر رجلا في عصابة من الانصار فجيء بهم عليهم ثياب طلس تشخب أوداجهم دما فقيل اذهبوا بهم الى نهر البيدخ أو البيدح فغمسوا فيه فخرجوا منه وجوههم مثل القمر ليلة البدر ثم أتوا بكرا سي من ذهب فقعدوا على أفواهها وأتوا بصحفة فاكلوا منها فما يقلبونها لشق الا أكلوا فاكهة ما أرادوا وجاء البشير من ثالث السرية فقال كان من أمرنا كذا وكذا وأصيب فلان وفلان حتى عد اثني عشر رجلا الذين عدت المرأة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم على بالمرأة قصي على هذا رؤياك فقصت فقال هو كما قالت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا عبد الرحمن الاصم قال سئل أنس عن التكبير في الصلاة وأنا أسمع فقال يكبر اذا ركع واذا سجد واذا رفع رأسه من السجود واذا قام بين الركعتين قال فقال له حكيم ممن تحفظ هذا قال عن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر ثم مكث فقال له حكيم وعثمان قال وعثمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله قال أنا حماد بن زيد عن عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قام اليه رجل وهو يخطب فذكره فرفع يديه وأشار عبد العزيز بفعل ظهر هما مما يلي وجهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد قال أنا علي بن زيد وحميد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جوز ذات يوم في صلاة الفجر فقيل يا رسول الله لم جوزت قال سمعت بكاء صبي فظننت ان أمه معنا تصلي فاردت ان أفرغ له أمه وقد قال حماد أيضا فظننت ان أمه تصلي معنا فاردت ان أفرغ له أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال عفان فوجدته عندي في غير موضع عن علي ابن زيد وحميد وثابت عن أنس بن مالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا حميد عن الحسن وعن أنس فيما يحسب حميد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج وهو متوكئ على اسامة بن زيد وهو متوشح بثوب قطن قد خالف بين طرفيه فصلى بالناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم شاور حين بلغه اقبال أبي سفيان قال فتكلم أبو بكر فاعرض عنه ثم تكلم عمر فاعرض عنه فقال سعد بن عبادة ايانا يريد رسول الله والذي نفسي بيده



هريرة (طب) عن جبير بن مطعم *فضل الدار القريبة من المسجد على الدار الشاسعة كفضل الغازي على القاعد (حم) عن حذيفة * كل بناء وبال على صاحبه يوم القيامة الا مسجدا (هب) عن أنس * ما توطن رجل مسلم المساجد للصلاة والذكر الا تبشبش الله تعالى له من حين يخرج من بيته كما يتبشبش أهل الغائب بغائبهم اذا قدم عليهم (ه ك) عن أبي هريرة * من أخرج أذى من المسجد بنى الله له بيتا في الجنة (ه) عن أبي سعيد * من بنى مسجدا يبتغي به وجه الله بنى الله له مثله في الجنة (حم ق ت

٥) عن عثمان * من بنى لله تعالى مسجدا كمفحص قطاة أو اصغر بنى الله تعالى له بيتا فى الجنة (ه) عن جابر * من بنى لله مسجدا صغيرا كان أو كبيرا بنى الله له بيتا فى الجنة (ت) عن أنس * من بنى لله تعالى مسجدا بنى الله تعالى له فى الجنة أوسع منه (طب) عن أبى امامة * المسجد بيت كل مؤمن (حل) عن سلمان * لا صلاة لجار المسجد الا فى المسجد (قط) عن جابر وعن أبى هريرة * اذا مررتم برياض الجنة فارتعوا قيل وما رياض الجنة قال المساجد قيل وما الرتع قال سبحان الله والحمد لله ولا اله الا الله والله أكبر (ت) عن أبى هريرة * ان بيوت الله تعالى فى الارض المساجد وان حقا على الله أن يكرم من زاره فيها (طب) عن ابن مسعود * ان عمار بيوت الله هم أهل الله عبد بن حميد (ع طس هق) عن أنس * الجلوس فى المسجد لانتظار الصلاة بعد الصلاة عبادة والنظر فى وجه العالم عبادة ونفسه تسبيح (فر) عن أسامة بن زيد * الصلاة فى المسجد الجامع تعدل الفريضة بحجة ومبرورة والنافلة كحجة متقبلة وفضائل الصلاة فى المسجد الجامع على ما سواه من المساجد بخمسمائة صلاة (طس) عن ابن عمر * تذهب الارضون كلها يوم القيامة الا المساجد فانها ينضم بعضها الى بعض (طس عد) عن ابن عباس * من أتى المسجد لشئ فهو حظه (د) عن أبى هريرة * ابنوا المساجد جادا وابنوها مدائنكم مشرفة (ش) عن ابن عباس * ابنوا المساجد جادا واخرجوا القمامة منها فمن بنى لله تعالى بيتا بنى الله تعالى له بيتا فى الجنة واخراج القمامة منها مهور الحور العين (طب) والضياء فى المختارة عن أبى قرصافة * اذا دخل أحدكم المسجد فليسلم على النبى صلى الله عليه وسلم وليقل اللهم افتح لى أبواب رحمتك واذا خرج فليسلم على النبى صلى الله عليه وسلم وليقل اللهم انى اسألك من فضلك (د) عن أبى حميد وأبى أسيد (ه) عن أبى حميد * اذا دخل أحدكم المسجد فلا يجلس حتى يصلى ركعتين (حم ق ٤) عن أبى قتادة (ه) عن أبى هريرة * اذا دخل أحدكم المسجد فلا يجلس حتى يركع ركعتين واذا دخل أحدكم بيته فلا يجلس حتى يركع ركعتين فان الله تعالى جاعل له من

---

لو أمرتنا ان نخوضها البحار لخضناها ولو أمرتنا ان نضرب أكبادها الى برك الغماد لفعلنا قال حماد قال سليم عن ابن عون عن عمرو بن سعيد البعماد قدر رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس فانطلق وحتى نزلوا بدرا وردت عليهم روايا قريش وفيهم غلام أسود لبنى الحجاج فأخذوه وكان أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم يسألونه عن أبى سفيان وأصحابه فيقول مالى علم بابى سفيان ولكن هذا أبو جهل بن هشام وعتبة بن ربيعة وشيبة وأمية بن خلف فاذا قال ذلك ضربوه فلما ضربوه قال نعم أنا أخبركم هذا أبو سفيان فاذا تركوه فسألوه قال مالى بابى سفيان علم ولكن هذا أبو جهل وعتبة وشيبة وأمية فى الناس قال فاذا قال هذا أيضا ضربوه ورسول الله صلى الله عليه وسلم قائم يصلى فلما رأى ذلك انصرف فقال والذى نفسى بيده انكم لتضربونه اذا صدقكم وتتركونه اذا كذبكم قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا مصرع فلان غدا يضع يده على الارض ههنا وههنا فما أماط أحدهم عن موضع يد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم قال تسحروا فان فى السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لكل نبى دعوة دعا بها فاستجيب له وانى استخبأت دعوتى شفاعة لامتى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم كان عريانا فتمعنه فاخذها لاحافة ان تكون من صدقة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا شعبة قال عبد الله بن المختار سمعت موسى ابن أنس عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمه وامرأة منهم فجعل انس عن يمينه والمرأة خلف ذلك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا عاصم الاحول قال حدثنى النضر بن أنس وأنس يومئذ نحو قال لولا اذ رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يتمنين أحدكم الموت لتمنيته **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا عبد الواحد بن زياد عن عاصم الاحول قال حدثتنى حفصة بنت سيرين قالت قال لى أنس بن مالك بما مات يحيى بن أبى عمرة قلت بالطاعون فقال أنس بن مالك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الطاعون شهادة لكل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا أبان العطار ثنا قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم قال مابال أقوام يرفعون أبصارهم الى السماء فى صلاتهم فاشتد قوله فى ذلك حتى قال لينتهن عن ذلك أو لتخطفن أبصارهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا شعبة أخبرنى هشام بن زيد بن أنس قال سمعت أنسا قال جاءت امرأة من الانصار الى النبى صلى الله عليه وسلم معها ابن لها فقال والذى نفسى بيده انكم لاحب الناس الى ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا أبو ربيعة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا ابتلى الله العبد المسلم ببلاء فى جسده قال للملك اكتب له صالح عمله الذى كان يعمل فان شفاه غسله وطهره وان قبضه غفر له ورحمه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا أبان ثنا قتادة ثنا أنس بن مالك انه رأى النبى صلى الله عليه وسلم يذبح أضحيته بيده ويكبر عليها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان النبى صلى الله عليه وسلم كان يضحى بكبشين أملحين أقرنين يضع رجله على صفحتيهما ويذبحهما بيده ويسمى ويكبر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا خلف بن الوليد قال أنا خالد عن حميد عن

---

أنس

ركعتيه في بيته خيرا (عق عد هب) عن أبي هريرة * صل ركعتين تجوز فيهما واذا جاء أحدكم والامام يخطب يوم الجمعة فليصل ركعتين وليخففهما (طب) عن جابر * اذا نعس أحدكم وهو في المسجد فليتحول عن مجلسه ذلك الى غيره (دق) عن ابن عمر أو جنبوا مساجدكم صبيانكم وبنيكم وشراءكم وبيعكم ومجانينكم ورفع أصواتكم وخصوماتكم وحدودكم وسل سيوفكم واتخذوا على أبوابها المطاهر وجمروها في الجمع (طب) عن ابن مالك * تحفة الملائكة تجمير المساجد أبو الشيخ عن سمرة * ليصل الرجل في المسجد الذي يليه ولا يتتبع المساجد (طب) عن ابن عمر * اذا دخل أحدكم المسجد فليسلم على النبي صلى الله عليه وسلم وليقل اللهم افتح لي أبواب رحمتك (٥٥١) واذا خرج فليسلم على النبي صلى الله عليه وسلم وليقل اللهم اعصمني من الشيطان (ن ه حب ك هق) عن أبي هريرة * اذا وجد أحدكم القملة في المسجد فليدفنها في المسجد أو ليطرحها عنه (طس) عن ابي هريرة * ان المساجد بيوت المتقين ومن كانت المساجد بيوته فقد ختم الله تعالى له بالروح والرحمة والجواز على الصراط الى الجنة (طب) عن أبي الدرداء * ان أحدكم اذا أراد أن يخرج من المسجد تداعت جنود ابليس وأجلبت واجتمعت كما يجتمع النحل على يعسوبها فاذا قام أحدكم على باب المسجد فليقل اللهم اني أعوذ بك من ابليس وجنوده فانه اذا قالها لم يضره ابن السني عن أبي امامة * ان هذه المساجد لا تصلح لشئ من القذر والبول والخلاء وانما هي لقراءة القرآن وذكر الله والصلاة (حم م) عن أنس * وجهوا هذه البيوت عن المسجد فاني لا أحل المسجد لحائض ولا جنب (د م) عن عائشة * (الاكمال) * اذا رأيتم الرجل يعتاد المساجد فاشهدوا له بالايمان فان الله تعالى يقول انما يعمر مساجد الله من آمن بالله واليوم الآخر (حم) وعبد بن حميد والدارمي (ت) حسن غريب وابن خزيمة (حب ك حل هق ص) عن أبي سعيد * ان الله تعالى اذا أحب عبدا جعله قيم مسجد واذا أبغض عبدا جعله قيم حمام ابن النجار عن ابن عباس وسنده حسن * من زاد بيتا في المسجد فله الجنة أبو نعيم في فضائل الصحابة عن ابن عمر * من بنى لله مسجدا بعبد فيه من مال حلال بنى الله له بيتا في الجنة من در وياقوت (ع طس هب كر) وابن النجار عن أبي هريرة * من بنى مسجدا يراء الله بنى الله له بيتا في الجنة وان مات

أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أسمر ولم أشم مسكة ولا عنبرة أطيب ريحا من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان أنا شعبة عن عبد الله بن عبيد الله بن جبر قال سمعت أنسا يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ بالمكوك وكان يغتسل بخمس مكاكي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن أبي معاذ عن عطاء بن أبي ميمونة قال سمعت أنسا يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج لحاجته تبعه أنا وغلام منا بإداوة من ماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن النعمان ثنا فليح عن هلال بن علي عن أنس بن مالك قال بصلى النبي صلى الله عليه وسلم بنا يوما ثم رقى المنبر فأشار بيده قبل قبلة المسجد ثم قال قد رأيت أيها الناس منذ صليت لكم الصلاة الجنة والنار ممثلتين في قبل هذا الجدار فلم أر كاليوم في الخير والشر يقولها ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا فليح عن هلال بن علي عن أنس بن مالك قال أخبرني بعض من لا أتهم ممن أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم انه قال بينما رسول الله صلى الله عليه وسلم وبلال يمشيان بالبقيع فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا بلال هل تسمع ما أسمع قال لا والله يا رسول الله ما أسمعه قال ألا تسمع أهل هذه القبور يعذبون يعني قبور الجاهلية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا فليح عن محمد بن مساحق عن عامر بن عبد الله قال قال أنس بن مالك ما رأيت اماما أشبه صلاة برسول الله صلى الله عليه وسلم من امامكم هذا قال وكان عمر يعني ابن عبد العزيز يطيل القراءة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن حميد قال رأيت عند أنس بن مالك قدحا كان للنبي صلى الله عليه وسلم فيه مضبة فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا شريك عن عاصم فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا شعبة عن هشام بن زيد بن أنس عن أنس قال دخلت على النبي صلى الله عليه وسلم في المربد وهو يسلم غنما قال شعبة حسبته قال في آذانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شعبة عن موسى بن أنس بن مالك عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا يدعو على رعل وذكوان وعصية عصوا الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا يدعو على رعل وذكوان وعصية عصوا الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شعبة عن ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه في الدعاء حتى يرى بياض ابطيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن ناسا سألوا أزواج النبي صلى الله عليه وسلم عن عبادته في السر قال فحمد الله وأثنى عليه ثم قال مابال أقوام يسألون عما أصنع أما أنا فاصلي وأنام وأصوم وأفطر وأتزوج النساء فمن رغب عن سنتي فليس مني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يمر ببيت فاطمة ستة أشهر اذا خرج الى الفجر فيقول الصلاة يا أهل البيت انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس أهل البيت ويطهركم تطهيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقام الساعة حتى لا يقال في الارض الله الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس أن رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم فأعطاه غنما بين جبلين فأتى قومه فقال يا قوم اسلموا فان محمدا يعطي عطاء رجل لا يخاف الفاقة وان كان الرجل ليجيء اليه ما يريد الا الدنيا

فى يومه غفر له ومن حفر قبرا يراه الله بنى له بيتا فى الجنة وان ماتت من يومه غفر له (طس) عن ابن عباس * من بنى مسجدا بنى الله له بيتا قيل وهذه المساجد التى فى طريق مكة قال وهذه المساجد التى فى طريق مكة (ش) عن عائشة * من بنى لله مسجدا بنى الله له بيتا فى الجنة ومن علق فيه قنديلا صلى عليه سبعون ألف ملك حتى يطفأ ذلك القنديل ومن بسط فيه حصيرا صلى عليه سبعون ألف ملك حتى ينقطع ذلك الحصير ومن أخذ منه قذاة كان له كفلان من الاجر (٢٦٠) الرافعى عن معاذ بن جبل * من وسع مسجدنا هذا بنى الله له بيتا فى الجنة أبو نعيم فى فضائل الصحابة عن أنس * من بنى لله مسجدا بنى الله له قصرا فى الجنة من درة وياقوتة وزبرجد ابن النجار عن أبى هريرة عن أنس اذا دخل أحدكم المسجد فليقل صلى الله على محمد اللهم افتح لى أبواب رحمتك وأغلق عنى أبواب سخطك واصرف عنى الشيطان ووسوسته الديلمى عن ابن عمر * اذا دخل أحدكم المسجد فليصل على النبى صلى الله عليه وسلم وقال اللهم اغفر لنا ذنوبنا وافتح لنا أبواب رحمتك واذا خرج فليصل على النبى صلى الله عليه وسلم وقال اللهم افتح لنا أبواب فضلك (طس) عن ابن عمر * يا ابن عوف ألا أعلمك كلمات تقولهن حين تدخل المسجد وحين تخرج انه ليس عبد الا ومعه شيطان فاذا وقف على باب المسجد فقال حين يدخل السلام عليك أيها النبى ورحمة الله وبركاته اللهم افتح لى أبواب رحمتك مرتو يقول اللهم أعنى على حسن عبادتك وهوّن على طاعتك ثلاثا وحين يخرج يقول السلام عليك أيها النبى ورحمة الله وبركاته اللهم اعصمنى من الشيطان الرجيم ومن شر ما خلقت واحدة ألا أعلمك كلمات تقولهن الله اذا دخلت بيتك بسم الله ثم سلم على نفسك وأهلك ثم تسمى على ما آتاك من رزقك وتحمده حين تفرغ (فد) فى الافراد عن عبد الرحمن بن عوف * من أراد أن يدخل المسجد فتفار فى أسفل خفيه أو نعليه تقول الملائكة طبت وطابت لك الجنة اذا دخل بسلام الديلمى وابن عساكر عن ابن عامر * يا سليك قم فاركع ركعتين خفيفتين (حب) عن جابر * اركع ركعتين ولا تعودن لمثل هذا (قط حب) عن جابر قال دخل سليك الغطفانى

فما يمسى حتى يكون دينه أحب اليه من الدنيا بما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر ثنا اسرائيل ثنا عمارة بن زاذان عن ثابت عن أنس قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم سائل فأمر له بتمرة فوجش بها ثم جاء سائل آخر فأمر له بتمرة فقال سبحان الله تمرة من رسول الله قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم للجارية اذهبى الى أم سلمة فاعطيه الاربعين درهما التى عندها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر قال ثنا اسرائيل عن ليث عن يحيى بن عباد عن أنس قال كان فى حجر أبى طلحة يتيما فابتاع لهم خمرا فلما حرمت الخمر أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اجعله خلا قال لا قال فاهراقه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر وحسين قالا ثنا اسرائيل قال حسين عن السدى وقال أسود ثنا السدى عن يحيى بن عباد أبى هبيرة عن أنس بن مالك قال كان فى حجر أبى طلحة يتيما فابتاع لهم خمرا فلما حرمت الخمر أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اصنعه خلا قال لا قال فاهراقه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر ثنا اسرائيل وحجاج قالا ثنا شعبة حدثنى عمرو بن عامر الانصارى قال سمعت أنس بن مالك يقول ان النبى صلى الله عليه وسلم أتى بقدح من ماء فتوضأ قال يعمر وقلت لانس أكان يتوضأ عند كل صلاة قال نعم قلت فأنتم قال كنا نصلى الصلوات بوضوء واحد ثم سألته بعد فقال مالم يحدث **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر وعفان قالا ثنا أبان عن قتادة عن أنس قال أسود ثنا أنس بن مالك أن النبى صلى الله عليه وسلم قال راصوا صفوفكم وقاربوا بينها وحاذوا بالاعناق فوالذى نفس محمد بيده انى لارى الشياطين تدخل من خلل الصف كأنها الحذف وقال عفان انى لارى الشيطان يدخل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن عبد الله بن عيسى عن عبد الله بن جبر عن أنس قال عاد النبى صلى الله عليه وسلم غلاما كان يخدمه يهوديا فقال له قل لا اله الا الله فجعل ينظر الى أبيه قال فقال له قل ما يقول لك قال فقالها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لاصحابه صلوا على أخيكم وقال غير أسود أشهد أن لا اله الا الله وانى رسول الله قال فقال له قل ما يقول لك محمد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود ثنا شريك عن عاصم عن أنس وجابر عن أبى نضرة عن أنس قال كانى ببقلة كنت أجتنيها يعنى النبى صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أسود ثنا شريك عن عاصم عن أنس أن النبى صلى الله عليه وسلم قال له يا ذا الاذنين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين ثنا شيبان عن قتادة عن أنس بن مالك أن النبى صلى الله عليه وسلم لما عرج به الى السماء قال أتيت على ادريس فى السماء الرابعة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين فى تفسير شيبان عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك قال سمعت نبى الله صلى الله عليه وسلم قال اذا أبصرهم أهل الجنة قالوا هؤلاء الجهنميون **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنا حسين ثنا حسين فى تفسير شيبان عن قتادة ثنا أنس بن مالك أن أم الربيع أتت النبى صلى الله عليه وسلم وهى أم حارثة بن سراقة فقالت يا نبى الله ألا تحدثنى عن حارثة وكان قتل يوم بدر أصابه سهم غرب فان كان فى الجنة صبرت وان كان غير ذلك أجتهد عليه البكاء فقال يا أم حارثة انها جنان فى جنة وان ابنك أصاب الفردوس الاعلى قال قتادة والفردوس ربوة الجنة وأوسطها وأفضلها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين فى تفسير شيبان عن قتادة ثنا أنس بن مالك أن نبى الله صلى الله عليه وسلم كان فى بعض أسفاره وردیف معاذ بن جبل ليس بينهما غير آخرة الرحل اذ قال نبى الله صلى الله عليه وسلم يا معاذ بن جبل قال لبيك يا رسول الله وسعديك ثم سار ساعة ثم قال يا معاذ بن جبل قال لبيك يا رسول الله وسعديك قال هل تدرى ما حق

يوم الجمعة ورسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب قال فذكره * أوحى الله عز وجل الى يا أخا المرسلين يا أخا المنذرين أنذر قومك أن لا يدخلوا بيتا من بيوتي الا ثوب سليم والسن صادقة وأيد نقية وفرج طاهرة ولا يدخل بيتا من بيوتي ولا حد من عبادي عندأحد منهم ظلامة فاني ألعنه ما دام قائما بين يدي يصلي حتى يرد تلك الظلامة الى أهلها فاذا فعل أكون سمعه الذي يسمع به وأكون بصره الذي يبصر به ويكون من أوليائي وأصفيائي ويكون جاري مع النبيين والصديقين والشهداء في الجنة (حل لـ) في تاريخه (٢٦١) (هق كر) والديلمي عن حذيفة وفيه

الله عز وجل على العباد قال الله ورسوله أعلم قال فان حق الله على العباد أن يعبدوه ولا يشركوا به شيأ قال فهل تدري ما حق العباد على الله اذا هم فعلوا ذلك قال الله ورسوله أعلم قال فان حقهم على الله عز وجل أن لا يعذبهم

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين في تفسير شيبان عن قتادة قال وحدثنا أنس بن مالك ان رجلا نادى رسول الله صلى الله عليه وسلم في يوم الجمعة وهو يخطب الناس بالمدينة فقال يا رسول الله قحط المطر وأجدبت الارض وقحط الناس فاستسق لنا ربك فنظر النبي صلى الله عليه وسلم الى السماء وما نرى كثير سحاب فاستسقى فنشأ السحاب بعضه الى بعض ثم مطرنا حتى سالت مذاعب المدينة واضطردت طرقها أنهارا فما زالت كذلك الى يوم الجمعة المقبلة ما تقلع ثم قام ذلك الرجل أو غيره ونبي الله صلى الله عليه وسلم يخطب فقال يا نبي الله ادع الله أن يحبسها عنا فضحك نبي الله صلى الله عليه وسلم ثم قال اللهم حوالينا ولا علينا فدار به فجعل السحاب يتصدع عن المدينة يمينا وشمالا يمطر ما حولها ولا يمطر فيها شيأ

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا شعبة عن عبد الله بن المختار قال سمعت موسى بن أنس قال ورب ما قعد نا اليه أنا وهو قال وكان من فتياننا أحدث مني سنا يحدث عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أم أنسا وامرأة فجعل أنسا عن يمينه والمرأة خلفهما

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا سفيان يعني ابن عيينة عن علي بن جدعان عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال صوت أبي طلحة في الجيش خير من فئة قال وكان يجثو بين يديه في الحرب ثم ينثر كنانته ويقول وجهي لوجهك الوقاء ونفسي لنفسك الفداء

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا المبارك عن اسمعيل بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال ما عرض على النبي صلى الله عليه وسلم طيب قط فرده

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا جرير يعني ابن حازم عن محمد بن سيرين عن أنس بن مالك قال فزع الناس فركب رسول الله صلى الله عليه وسلم فرسا لابي طلحة بطيأ ثم خرج يركض وحده فركب الناس يركضون خلفه فقال لم تراعوا انه لبحر قال فهو لنا مما سبق بعد ذلك اليوم

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا جرير عن محمد عن أنس قال أتى عبيد الله بن زياد برأس الحسين رضي الله تعالى عنه فجعل في طست فجعل ينكت عليه وقال في حسنه شيأ فقال أنس انه كان أشبههم برسول الله صلى الله عليه وسلم وكان مخضوبا بالوسمة

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الفضل بن دكين ثنا عزرة بن ثابت الانصاري قال حدثني ثمامة بن عبد الله بن أنس ان أنسا كان لا يرد الطيب ويزعم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان لا يرد الطيب

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الفضل بن دكين ثنا مسعر عن بكير بن الاخنس قال سمعت أنسا يقول مر على النبي صلى الله عليه وسلم ببدنة أو هدية فقال للذي معها أو لصاحبها اركبها قال انها بدنة أو هدية قال واه

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا مسعر عن عمر بن عامر قال سمعت أنس بن مالك يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم يحتجم ولم يكن يظلم أحدا أجره

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا هشام عن قتادة عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا بعد الركوع يدعو على حي من أحياء العرب ثم تركه

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا مالك يعني ابن مغول عن الزبير بن عدي عن أنس بن مالك قال ما زمان يأتي عليكم الا أشر من الزمان الذي كان قبله سمعت ذلك من نبيكم صلى الله عليه وسلم

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا يونس قال حدثني يزيد بن أبي مريم قال حدثني أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من صلى على صلاة واحدة صلى الله عليه عشر صلوات وحط عنه عشر خطيئات

اسحق بن أبي يحيى الكعبي هالك يأتي بالمناكير عن الاثبات * (الافعال) * عن معاوية بن قرة قال قال عمر بن الخطاب من صلى صلاة مكتوبة في مسجد مصر من الامصار كانت له حجة مقبلة وان صلى تطوعا كانت له كعتمرة مبرورة

(كر) * عن زنجويه * عن عثمان بن عطاء قال لما افتتح عمر بن الخطاب البلدان كتب الى أبي موسى الاشعري وهو على البصرة يأمره أن يتخذ للجماعة مسجدا ويتخذ للقبائل مسجدا فاذا كان يوم الجمعة انضموا الى مسجد الجماعة فشهدوا الجمعة وكتب الى سعد بن أبي وقاص وهو على الكوفة بمثل ذلك وكتب الى عمرو ابن العاص وهو على مصر بمثل ذلك وكتب الى أمراء الاجناد أن لا يبددوا الى القرى وان ينزلوا المدائن وان يتخذوا في كل مدينة مسجدا واحدا ولا يتخذ القبائل مساجد كما اتخذ أهل الكوفة والبصرة وأهل مصر وكان الناس متمسكين بأمر عمر وعهده

(كر) * عن قتادة قال كانت بقعة الى جنب المسجد فقال النبي صلى الله عليه وسلم من يشتريها ويوسعها في المسجد وله مثلها في الجنة فاشتراها عثمان فوسعها في المسجد (كر) * عن ابن عمر قال قال عمر لولا اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انهم أريد أن أزيد في قبلتنا مازدت

(ع) وسمويه وابن حرير في تهذيب الآثار * عن ابن عمر ان عمر كان يحمر المسجد في كل جمعة (ش) * عن عمر انه حصب المسجد فقيل له لم فعلت هذا قال هو أغفر للخامة وأبين في الموطأ أبو عبيد * عن زيد بن أسلم قال كان العباس بن عبد المطلب دارا لى جنب مسجد المدينة فقال له

عمر بعنبها وأراد عمر أن يزيدها في المسجد فأبى العباس أن يبيعها إياه فقال عمر فهبها لي فأبى قال فوسعها أنت في المسجد فأبى فقال عمر لا بد لك من احداهن فأبى عليه فقال خذ بيني وبينك رجلا فاخذ أبي بن كعب فاجتمعا اليه فقال أبي لعمر ما أرى أن تخرجه من داره حتى ترضيه فقال له عمر أرأيت قضاءك هذا في كتاب الله وجدته أم سنة من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أبي بل سنة من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر وماذاك قال أبي سمعت (٢٦٢) رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان سليمان بن داود لما بنى بيت المقدس جعل كلما بنى حائطا أصبح منهدما فأوحى الله اليه أن لا تبني في حق رجل حتى ترضيه ففتر لذلك عمر فوسعها العباس بعد ذلك في المسجد (عب) * عن ابن المسيب قال أراد عمر أن يأخذ دار العباس بن عبد المطلب فيزيدها في المسجد فأبى العباس أن يعطيها إياه فقال عمر لآخذنها قال فاجعل بيني وبينك أبي بن كعب قال نعم فاتيا أبيا فذكر له فقال أبي أوحى الله الى سليمان ابن داود ان ابن لي بيت المقدس وكانت أرض الرجل فاشترى منه الارض فلما أعطاه الثمن قال الذي أعطيتني خير أم الذي أخذت مني قال بل الذي أخذت منك قال فاني لا أجيز ثم اشتراها منه بشئ أكثر من ذلك فصنع الرجل مثل ذلك مرتين أو ثلاثا فاشترط عليه سليمان اني ابتاعها منك على حكمك فلانا فأتى أيهما خير قال فاشتراها منه بحكمه فاحتكم اثني عشر ألف قنطار ذهبا فتعاظمهم ذلك سليمان أن يعطيه فأوحى الله اليه ان كنت تعطيه من شئ هو لك فأنت أعلم وان كنت تعطيه من رزقنا فأعطه حتى يرضى ففعل قال وأنا أرى ان عباسا أحق بداره حتى يرضى قال العباس فاذا قضيت لي فاني أجعلها صدقة للمسلمين (عب) * عن علي قال المساجد مجالس الانبياء وحق على من الشيطان (خط) في الجامع * عن أبي طبيان ان عمر بن الخطاب مر في المسجد فركع فيه ركعة ثم انطلق فقيل له انما ركعت ركعة واحدة قال انما هي تطوع فمن شاء زاد ومن شاء نقص وكرهت أن أتخذه طريقا (عب ش ص هق) عن جابر قال جاء سليك الغطفاني والنبي صلى الله عليه وسلم يخطب يوم الجمعة فقال له

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا يونس قال حدثني يزيد بن أبي مريم قال قال أنس قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما سأل رجل مسلم الجنة ثلاث مرات قط الا قالت الجنة اللهم أدخله الجنة ولا استجار من النار الا قالت النار اللهم أجره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا عبان عن قتادة ثنا أنس ان يهوديا أخذ أوضاحا على جارية ثم عمد اليها فرض رأسها بين حجرين فأدركوها الجارية وبها رمق فاخذوا الجارية وجعلوا يتبعون بها الناس أهذا هو أو هذا هو فأومأت الى الرجل فأومأت اليه فأخذوه فأمر به رسول الله صلى الله عليه وسلم فرض رأسه بين حجرين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا محمد بن راشد عن مكحول عن موسى بن أنس عن أبيه قال لم يبلغ رسول الله صلى الله عليه وسلم من الشيب ما يخضبه ولكن أبا بكر خضب رأسه ولحيته حتى يقنو شعره بالحناء والكتم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا اسمعيل بن جعفر أنا شريك بن عبد الله بن أبي نمر عن أنس بن مالك قال ما صليت وراء امام قط أخف ولا أتم من صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان أنا اسمعيل قال أخبرني العلاء بن عبد الرحمن عن أنس مثله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن الربيع ثنا حماد بن زيد عن المعلى بن زياد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من صلى العصر فجلس على خير حتى يمسي كان أفضل من عتق ثمانية من ولد اسمعيل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد ثنا حماد ابن سلمة عن حبيب بن الشهيد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج وهو يتوكأ على أسامة بن زيد متوشحا في ثوب قطري فصلى بهم أو قال مشتملا فصلى بهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد ثنا حماد بن سلمة عن حميد عن أنس مثله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا حماد بن سلمة عن حبيب بن الشهيد عن الحسن عن أنس بن مالك قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوكأ على اسامة بن زيد متوشحا في ثوب قطري فصلى بهم او قال مشتملا فصلى بهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد التيمي ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان موسى بن عمران عليه السلام كان اذا أراد أن يدخل الخلاء لم يلق ثوبه حتى يوارى عورته في الماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن عبد الرحمن الاصبهاني قال سمعت أنسا يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر وعثمان يتمون التكبير اذا رفعوا واذا وضعوا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سويد بن عمرو الكلبي ثنا أبان عن قتادة عن أنس بن مالك قال بينما رسول الله صلى الله عليه وسلم قاعدا في أصحابه اذ مر بهم يهودي فسلم فلما مضى دعاه فقال كيف قلت قال قلت سام عليكم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سلم عليكم أحد من أهل الكتاب فقولوا عليكم أي ما قلتم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال لما نزلت هذه الآية لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون أو من ذا الذي يقرض الله قرضا حسنا قال أبو طلحة وكان له حائطا فقال يا رسول الله حائطي لله ولو استطعت ان أسره لم أعلنه فقال اجعله في قرابتك أو قريبك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تقدم عليكم قوم هم أرق أفئدة منكم فلما دنوا من المدينة جعلوا يرتجزون غدا نلاقي الاحبه * محمدا وحزبه فقدم الاشعريون فيهم أبو موسى الاشعري حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر قال ثنا حميد عن أنس بن مالك قال أول رسول الله صلى الله عليه وسلم حين بنى بزينب

صليت قال لا قال صل ركعتين تجوز فيهما (ش) عن ابن عباس قال مثل الذي يدخل المسجد وقد صلى فيه تطوع مثل الذي يعتمر قبل أن يحج (ش) *عن عمر بن دينار ان ابن عباس كان اذا دخل المسجد قال السلام علينا وعلى عباد الله الصالحين (ع ب) *عن علي قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا دخل المسجد قال اللهم افتح لي أبواب رحمتك واذا خرج قال اللهم افتح لي أبواب رزقك (ص) *عن مجاهد قال اذا خرجت من المسجد فقل بسم الله توكلت على الله أعوذ بالله من شر ما خلق (ع ب) *عن حابس بن سعد (٢٦٣) الطائي وقد أدرك النبي صلى الله عليه وسلم انه دخل المسجد من السحر فرأى الناس يصلون في صدر المسجد فقال لهم أرعبوهم فمن أرعبهم فقد أطاع الله ورسوله وقال ان الملائكة تصلي من السحر في مقدم المسجد أبو نعيم (كر) *عن جابر بن أسامة الجهني قال خرجت الى السوق فلقيت النبي صلى الله عليه وسلم في أصحابه فسألتهم أين يريد فقالوا يختط لقومك مسجدا فرجعت فوجدت قومي قياما ففقدت ماشأنكم فقالوا خط لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم مسجد ابرجله وغرز في القبلة خشبة أفمامها فيه (طب) وأبو نعيم *(الفرع الثاني في محظورات المسجد ومباحاته) *اذا جاء أحدكم الى المسجد فلينظر فان رأى في نعليه قذرا أو أذى فليمسحه وليصل فيهما (د) عن أبي قتادة * تعاهدوا نعالكم عند أبواب المساجد (طب) عن ابن عمر أن الحصاة التي تناشد الذي يخرجها من المسجد (د) عن أبي هريرة *قوموا لا ترقدوا في المسجد (عب) عن جابر *من دخل هذا المسجد فبزق فيه أو تنخم فليدفنه فان لم يفعل فليبزق في ثوبه ثم ليخرج به (د) عن أبي هريرة * النخاعة في المسجد خطيئة وكفارتها دفنها (حم ق) عن أنس *البزاق في المسجد سيئة ودفنه حسنة (حم طب) عن أبي أمامة *التفل في المسجد خطيئة وكفارته أن تواريه (د) عن أنس *عرضت على أمتي باعمالها حسنها وسيئها ورأيت في محاسن أعمالها اماطة الاذى عن الطريق ورأيت في سيئ أعمالها النخاعة في المسجد لم تدفن (حم م ه) عن أبي ذر *اذا تنخم أحدكم وهو في المسجد فليغيب نخامته لا تصيب جلد مؤمن أو ثوبه فتؤذيه (حم ع) وابن خزيمة (هب) والضياء عن

---

بزينب بنت جحش فأشبع الناس خبزا ولحما ثم خرج الى حجر أمهات المؤمنين كما كان يصنع صبيحة بنائه فيسلم عليهن ويدعو لهن ويسلمن عليه ويدعون له فلما رجع الى بيته فإذا رجلين جرى بينهما الحديث فلما رآهما رجع عن بيته فلما رأيا النبي صلى الله عليه وسلم رجع عن بيته وثبا مسرعين قال فما أدري أنا أخبرته بخبر وجههما أم أخبر فرجع حتى دخل البيت وأرخى الستر بيني وبينه وأنزلت آية الحجاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال أراد بنو سلمة ان يتحولوا عن منازلهم الى قرب المسجد فكره ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا بني سلمة ألا تحتسبون آثاركم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال شاورسول الله صلى الله عليه وسلم الى خيبر فأتيناها ليلا فلما أصبحنا الغداة ركب وركب المسلمون وركبت خلف أبي طلحة وان قدمي لتمس قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم وخرج أهل خيبر بمكاتلهم ومساحيهم الى زروعهم وأراضيهم فلما رأوا النبي صلى الله عليه وسلم والمسلمين رجعوا هاربا وقالوا محمد والخميس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الله أكبر خربت خيبر انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء صباح المنذرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان عند بعض نسائه فأرسلت احدى أمهات المؤمنين بقصعة فيها طعام فضربت يد الخادم فسقطت القصعة فانفلقت فأخذ النبي صلى الله عليه وسلم فضم الكسور وجعل يجمع فيها الطعام ويقول غارت أمكم غارت أمكم ويقول للقوم كلوا وحبس الرسول حتى جاءت الاخرى بقصعتها فدفع القصعة الصحيحة لرسول الله صلى الله عليه وسلم الى التي كسرت قصعتها وترك المكسورة للتي كسرت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال سمع المسلمون نبي الله صلى الله عليه وسلم ينادي من الليل يا أبا جهل بن هشام ويا عتبة بن ربيعة ويا شيبة بن ربيعة ويا أمية بن خلف هل وجدتم ما وعدكم ربكم حقا فاني قد وجدت ما وعدني ربي حقا قالوا يا رسول الله تنادي أقواما قد جيفوا قال ما أنتم بأسمع لما أقول منهم غير انهم لا يستطيعون ان يجيبوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يحب ان يليه المهاجرون والانصار ليحفظوا عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فرأيت قصرا من ذهب فقلت لمن هذا القصر فقالوا لشاب من قريش فظننت اني أنا هو فقلت من قالوا لعمر بن الخطاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فاذا أنا بنهر يجري حافتاه خيام اللؤلؤ فضربت بيدي الى ما يجري فيه فاذا هو مسك أذفر فقلت يا جبريل ما هذا قال هذا الكوثر الذي أعطاك الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال أقبل علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم بوجهه قبل ان يكبر في الصلاة فقال أقيموا صفوفكم وتراصوا فاني أراكم من وراء ظهري **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا زائدة ثنا حميد الطويل ثنا أنس بن مالك قال أقيمت الصلاة فاقبل علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم بوجهه فقال أقيموا صفوفكم وتراصوا فاني أراكم من وراء ظهري **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد بن طلحة ثنا حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لغدوة في سبيل الله أو روحة ذكر يعني ذكر حديث سليمان بن داود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا اسمعيل يعني ابن جعفر

سعد *من رأيتموه ينشد شعرا في المسجد فقولوا فض الله فاك ثلاثا ومن رأيتموه ينشد ضالة في المسجد فقولوا لا وجدتها ثلاثا ومن رأيتموه يبيع او يبتاع في المسجد فقولوا لا أربح الله تجارتك (ت ن) عن أبي هريرة *لا وجدته لا وجدته لا وجدته انما بنيت هذه المساجد لما بنيت له (حم م ن ه) عن بريدة *خصال لا تنبغي في المسجد لا يتخذ طريقا ولا يشهر فيه سلاح ولا يقبض فيه بقوس ولا ينثر فيه نبل ولا يمر فيه لحم نيء ولا يضرب فيه حد ولا يقص فيه من أحد ولا يتخذ سوقا (ه) عن ابن عمر *اذا وجدت القملة في المسجد فلفها في ثوبك حتى تخرج

قال أخبرني حميد عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لغدوة في سبيل أو روحة خير من الدنيا وما فيها ولقاب قوس أحدكم أو موضع قدمه من الجنة خير من الدنيا وما فيها ولو أن امرأة من نساء أهل الجنة اطلعت الى الارض لاضاءت ما بينهما ولملأت ما بينهما ريحا ولنصيفها على رأسها خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس **قال** ما كنا شاء ان نرى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى الا رأيناه او نائما الا رأيناه قال وكان يصوم من الشهر حتى نقول لا نراه يريد ان يفطر منه شيأ او يفطر من الشهر حتى نقول لا نراه يريد ان يصوم منه شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد قال سئل أنس عن عذاب القبر وعن الدجال فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اني أعوذ بك من الكسل والجبن والبخل وفتنة الدجال وعذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن بكر ثنا حميد عن أنس قال بعثت أم سليم مني بمكتل فيه رطب فلم أجد النبي صلى الله عليه وسلم في بيته اذهو عند مولى له قد صنع له ثريدا أو قال ثريدة بلحم وقرع فدعاني فاقعدني معه فرأيته يعجبه القرع فجعلت أدعه قبله فلما تغدى ورجع الى بيته وضعت المكتل بين يديه فجعل يأكل منه ويقسم حتى أتى على آخره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الاحوص ابن جواب ثنا عمار بن رزيق عن الاعمش عن شعبة عن ثابت عن أنس قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ومع أبي بكر ومع عمر فلم يجهروا ببسم الله الرحمن الرحيم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا اسمعيل بن جعفر قال أخبرني عبد الله يعني ابن عبد الرحمن بن معمر بن حزم انه سمع أنس بن مالك يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم فضل عائشة على النساء كفضل الثريد على سائر الطعام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا اسمعيل قال أخبرني حميد عن أنس بن مالك قال أقام النبي صلى الله عليه وسلم بين خيبر والمدينة ثلاثا يبنى عليه بصفية بنت حيي فدعوت المسلمين الى وليمته فما كان فيها من خبز ولا لحم أمر بالانطاع فالقي فيها من التمر والاقط والسمن فكانت وليمته فقال المسلمون احدى أمهات المؤمنين أو مما ملكت يمينه فقالوا ان حجبها فهي من أمهات المؤمنين وان لم يحجبها فهي مما ملكت يمينه فلما ارتحل وطأ لها خلفه ومد الحجاب بينها وبين الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود أنا اسمعيل قال أخبرني حميد عن أنس قال ان أم حارثة أتت رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد هلك حارثة يوم بدر أصابه سهم غرب فقالت يا رسول الله قد علمت موقع حارثة من قلبي فان كان في الجنة لم أبك عليه والا فسوف ترى ما أصنع فقال لها هبلت أو جنة واحدة هي انها جنان كثيرة وانه في الفردوس الاعلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة عن سفيان عن عبد الله بن عيسى قال حدثني جبر بن عبد الله عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال يكفي أحدكم مد في الوضوء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو أخبرنا زائدة عن الاعمش قال حدثت عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال أطول الناس أعناقا يوم القيامة المؤذنون **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة ثنا عبد الله بن عبد الرحمن بن معمر الانصاري قال سمعت أنس بن مالك يقول اتكأ رسول الله صلى الله عليه وسلم عند ابنة ملحان قال فرفع رأسه فضحك فقالت مم ضحكت يا رسول الله فقال من الناس من أمتي يركبون هذا البحر الاخضر غزاة في سبيل الله مثلهم كمثل الملوك على الاسرة قالت ادع الله يا رسول الله ان يجعلني منهم فقال اللهم اجعلها منهم فنكحت عبادة بن الصامت قال فركبت في البحر مع ابنها فرزظة حتى اذا هي قفلت ركبت دابة لها بالساحل

(ص) عن رجل من بني سلمة *جنبوا مساجدنا صبيانكم ومجانينكم وشراءكم وبيعكم وخصوماتكم ورفع أصواتكم واقامة حدودكم وسل سيوفكم واتخذوا على أبوابها المطاهر وجمروها في الجمع (ه) عن وائلة *أراكم ستشرفون مساجدكم بعدي كما شرفت اليهود كنائسها وكما شرفت النصارى بيعها (ه) عن ابن عباس *اتقوا هذه المذابح يعني المحاريب (طب هق) عن ابن عمرو *ان المسجد لا يحل لجنب ولا حائض (ه) عن أم سلمة *الغسل في المسجد ظلمة في القبر (فر) عن أنس *ما أمرت بتشييد المساجد (د) عن ابن عباس *ما ساء عمل قوم قط الا زخرفوا مساجدهم (ه) عن عمر *من أشراط الساعة أن يتباهى الناس في المساجد (ز) عن أنس *لا تتخذوا المساجد طرقا الا لذكر أو صلاة (طب) عن ابن عمر *لا تقام الحدود في المساجد ولا يقتل الوالد بالولد (حم ت ه) عن ابن عباس *نهى عن الشراء والبيع في المسجد وأن ينشد فيه ضالة وأن ينشد فيه شعر ونهى عن التحلق قبل الصلاة يوم الجمعة (حم ٤) عن ابن عمرو *نهى أن يتباهى الناس في المساجد (حب) عن أنس *ان لكل شئ قسامة وقسامة المسجد لا والله وبلى والله (طس) عن أبي هريرة *(الاكمال) *ألا يستطيع أحدكم اذا خرج الى المسجد أن يخرج قرفة أنفه قيل وما قرفة أنفه قال المخاط الشيرازي في الالقاب عن أبي امامة *اذا هم العبد أن يبزق في المسجد اضطربت أركانه وانزوى كما تنزوي الجادة في النار فان هو ابتلعها أخرج الله منها ثنتين

وسبعين داء وكتب له بها ألفي ألف حسنة الديلمي عن أنس * ما يؤمن هذا أن يكون بكية بين عينيه عبد الرزاق عن أبي سعد رجل من أهل الشام قال أبصر رسول الله صلى الله عليه وسلم نخامة في قبلة المسجد فحكها ثم قال فذكره * من بزق في قبلته ولم يوارها جاءت يوم القيامة أحمى ما يكون حتى تقع بين عينيه (طب) عن أبي امامة * ان هذا مكان لا يبال فيه انما بني للصلاة عبد الرزاق عن أنس * اذا وجد أحدكم القملة في ثوبه فليصرها ولا يلقها في المسجد (حم) عن رجل من الانصار * أعدها في ثوبك (٢٦٥) لا تطرحها في المسجد حتى تخرج بها من المسجد البغوي عن شيخ من أهل مكة من قريش قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا أخذ قملة من ثوبه وهو في المسجد قال فذكره * لا يفعل ردها في ثوبك حتى تخرج من المسجد (حم) عن أيوب قال وجد رجل في ثوبه قملة فأخذها ليطرحها في المسجد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكره * جنبوا صبيانكم مساجدكم الديلمي عن عثمان * لا يدخل مسجدنا هذا مشرك بعد عامنا هذا غير أهل الكتاب وخدمهم (حم) عن جابر * ان الارض لا يتجسها شئ في دخول المشرك المسجد (عب) عن الحسن مرسلا * كل كلام في المسجد لغو الا القرآن وذكر الله ومسئلة عن خير أو اعطائه الديلمي عن أبي هريرة * من أجاب داعي الله وأحسن عمارة مساجد الله كانت تحفته بذلك من الله الجنة قيل يا رسول الله ما حسن عمارة مساجد الله قال لا يرفع فيها صوت ولا يتكلم فيها بالرفث ابن المبارك عن عبيد الله بن أبي حفص مرسلا * أيها الناشد غيرك الواجد ليس

---

فوقعت بها فسقطت فماتت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ثنا أبو اسحق عن عبد الله بن عبد الرحمن بن معمر قال سمعت أنسا يقول دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم على ابنه لحمان فاتبكا عندها فذكر معناه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة ثنا عمرو بن عبد الله بن وهب ثنا زياد العمي عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من توضأ فأحسن الوضوء ثم قال ثلاث مرات أشهد ان لا اله الا الله وحده لا شريك له وان محمدا عبده ورسوله فتحت له من الجنة ثمانية أبواب من أيها شاء دخل * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يبقى من الجنة ما شاء الله أن يبقى فينشئ الله لها خلقا ما شاء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن حسان قال أنا عمارة يعني ابن زاذان عن ثابت عن أنس قال استأذن ملك المطر ان يأتي النبي صلى الله عليه وسلم فأذن له فقال يا أم سلمة احفظي علينا الباب لا يدخل أحد فجاء الحسين بن علي رضي الله تعالى عنهما فوثب حتى دخل فجعل يصعد على منكب النبي صلى الله عليه وسلم فقال له الملك أتحبه قال النبي صلى الله عليه وسلم نعم قال فان أمتك ستقتله وان شئت أريتك المكان الذي يقتل فيه قال فضرب بيده فأراه ترابا أحمر فأخذت أم سلمة ذلك التراب فصرته في طرف ثوبها قال فكنا نسمع يقتل بكربلاء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن حسان انا عمارة عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذ ثلاث حصيات فوضع واحدة ثم وضع أخرى بين يديه ورمى بالثالثة فقال هذا ابن آدم وهذا أجله وذاك أمله التي يرمي بها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عمارة عن زياد النميري عن أنس بن مالك قال كان عبد الله بن رواحة اذا لقي الرجل من أصحابه يقول تعال نؤمن بربنا ساعة فقال ذات يوم لرجل فغضب الرجل فجاء الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ألا ترى الى ابن رواحة يرغب عن ايمانك الى ايمان ساعة فقال النبي صلى الله عليه وسلم يرحم الله ابن رواحة انه يحب المجالس التي تباهي بها الملائكة عليهم السلام * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد ثنا عمارة عن ثابت وعبد العزيز عن أنس قال خدمت النبي صلى الله عليه وسلم عشر سنين فما قال لشئ صنعته لم صنعته وما مسست شيأ ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت طيبا أطيب من ريح رسول الله صلى الله عليه وسلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن ابراهيم الرازي ثنا سلمة بن الفضل قال حدثني محمد بن اسحق عن عبد العزيز بن مسلم عن عاصم عن ابراهيم بن عبيد بن رفاعة عن أنس بن مالك قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم بأبي عياش زيد ابن صامت الزرقي وهو يصلي وهو يقول اللهم اني أسألك بان لك الحمد لا اله الا أنت يا منان يا بديع السموات والارض يا ذا الجلال والاكرام فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد دعا الله باسمه الاعظم الذي اذا دعي به أجاب واذا سئل به أعطى * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن غيلان ثنا المفضل بن فضالة قال حدثني عقيل عن ابن شهاب انه حدثه عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ارتحل قبل ان تزيغ الشمس أخر الظهر الى وقت العصر ثم ينزل فيجمع بينهما واذا زاغت الشمس قبل ان يرتحل صلى الظهر ثم ركب * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن ابراهيم الطالقاني ثنا ابن مبارك عن الاوزاعي عن اسحق بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال كان أبو طلحة يترس مع النبي صلى الله عليه وسلم بترس واحد وكان أبو طلحة حسن الرمي فكان اذا رمى أشرف النبي صلى الله عليه وسلم ينظر الى مواقع نبله * حدثنا عبد الله



لهذا بنيت المساجد عبد الرزاق عن ابراهيم بن مجمر عن مصعب بن محمد عن أبي بكر بن محمد قال سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا ينشد ضالة في المسجد قال فذكره وعن ابن عيينة عن محمد بن المنكدر مثله * قولوا لا ردد الله عليك ضالتك (طب) عن عصمة بن مالك قال نشد رجل ضالته في المسجد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكره * لا تناشدوا الاشعار في المساجد ولا يقام الحدود فيها ابن خزيمة (ك) عن حكيم بن حزام * اذا مات أحدكم ميتا فآذنوني اني رأيتها في الجنة اما كانت تلقط من القذاء

في المسجد (طب) عن ابن عباس * لن تزال أمتي على شريعة من دينها حسنة جميلة مالم يتخذوا مذابح النصارى يعني المحاريب الديلمي عن عائشة * لاتسل السيوف في المساجد ولا يشهر النبل في المساجد ولا يحلف بالله في المساجد ولا تمنع القائلة في المساجد مقيلا ولا ضيفا ولا تبنى بالتصاوير ولا تزين بالقوارير فانما بيوت بالامانة وشرفت بالكرامة (طب) عن نافع بن جبير بن مطعم عن أبيه * ما أحسن هذا (د) عن ابن عمر قال مطرنا ذات ليلة وأصبحت الارض (٢٦٦) مبتلة فجعل الرجل يأتي بالحصباء في ثوبه فيبسطه تحته فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكره

* ان شئتم رقدتم ههنا وان شئتم في المسجد عبد الرزاق عن رجل من أهل الصفة *(الافعال)* عن أبي الزبير عن جابر ان بنتا لجهني أخبرته ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى قوما وفي الفناء رجلي قوم في المسجد يتعاطون سيفا بينهم مسلولا فقال لعن الله من فعل هذا أولم أنه وفي لفظ أولم أنهكم عن هذا اذا سل أحدكم السيف فاراد أن يدفعه الى صاحبه فليغمده ثم ليعطه اياه البغوي وقال لا أعلم له غيره والباوردي وابن السكن وابن قانع (طب) وأبو نعيم * عن أبي هريرة قال اذا زوقتم مساجدكم وحليتم مصاحفكم فعليكم الدمار ابن أبي الدنيا في المصاحف * عن جابر أتانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن مضطجعون في مسجده فضربنا بعسيب كان في يده وقال قوموا الا تر قدوا في المسجد (عب) وفيه حرام ابن عثمان الانصاري متروك باتفاق * عن سليمان بن موسى قال سئل جابر بن عبد الله عن سل السيف في المسجد فقال قد كنا ننكره ذلك وقد كان رجل يتصدق بالنبل في المسجد فامره النبي صلى الله عليه وسلم لا مر بها في المسجد حدثني الاوهو قابض على نصالها جميعا (عب) * عن عبد الله بن عمر كنا ونحن شباب نبيت في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم في المسجد (ش) * عن الاشعث أن عليا بال ثم دخل المسجد فاجتاز فيه قبل أن يتوضأ (ض) * عن الزهري قال قال عمر بن الخطاب اذا أطال أحدكم الجلوس في المسجد

حدثني أبي ثنا اسحق بن ابراهيم ثنا عبد الله عن عاصم بن سليمان عن حفصة ابنة سيرين عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الطاعون شهادة لكل مسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى ابن داود ثنا زهير عن حميد عن أنس قال كان خاتم النبي صلى الله عليه وسلم فضة فصه منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق ثنا عبد الله قال انا عبيد الله بن موهب عن مالك بن محمد بن خارثة الانصاري ان أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من رجل ينعش لسانه حقا يعمل به بعده الا أجرى الله عليه أجره الى يوم القيامة ثم وفاه الله عز وجل ثوابه يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي ابن اسحق انا عبد الله وعتاب قال ثنا عبد الله انا سلام بن أبي مطيع عن أيوب عن أبي قلابة عن عبد الله رضيع عائشة عن عائشة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من ميت يصلى عليه أمة من المسلمين يبلغون ان يكونوا مائة فيشفعون له الا شفعوا فيه قال سلام فحدثنا به شعيب بن الحجاب فقال حدثني به أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نوح بن ميمون انا عبد الله يعني العمري عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال شهدت لرسول الله صلى الله عليه وسلم وليمتين ليس فيهما خبز ولا لحم قال قلت يا أبا حمزة أي شئ فيهما قال الحيس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعمر بن بشر ثنا عبد الله انا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال ساق رسول الله صلى الله عليه وسلم بدنا كثيرة وقال لبيك بعمرة وحج وانى لعند ناقته الطيسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعمر ثنا عبد الله انا سفيان عن زيد العمي عن أبي اياس عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكل نبي رهبانية ورهبانية هذه الامة الجهاد في سبيل الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ٢ أخبرنا حميد الطويل عن أنس بن مالك قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يخضب قط انما كان البياض في مقدم لحيته في العنفقة قليلا وفي الرأس نبذ يسير لا يكاد يرى وقال المثنى والصدغين قال أبي حدثناه علي بن اسحق أخبرنا عبد الله أخبرنا المثنى عن قتادة فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب انا عبيد الله انا المثنى بن سعيد عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم لم يخضب قط انما كان البياض في مقدم لحيته في العنفقة قليلا وفي الرأس نبذ يسير لا يكاد يرى وقال المثنى عن قتادة فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك الحراني ثنا حزم بن أبي حزم القطعي ثنا ميمون بن سياه عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من سره ان يدله في عمره و يزاد له في رزقه فليبر والديه وليصل رحمه قال وقال السالحيني يبارك له في رزقه وقال والديه أيضا وقال يونس والديه وقال يزاد له في رزقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا زهير ثنا حميد الطويل عن أنس قال كان بين خالد بن الوليد وبين عبد الرحمن بن عوف كلام فقال خالد لعبد الرحمن تستطيلون علينا بايامكم سبقتمونا بها فبلغنا ان ذلك ذكر للنبي صلى الله عليه وسلم فقال دعوا لي أصحابي فوالذي نفسي بيده لو أنفقتم مثل أحد أو مثل الجبال ذهبا ما بلغتم أعمالهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا زهير ثنا أبو اسحق عن أبي اسماء الصيقل عن أنس بن مالك قال خرجنا نصرخ بالحج فلما قدمنا مكة أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نجعلها عمرة وقال لو استقبلت من أمري ما استدبرت لجعلتها عمرة ولكن سقت الهدى وقرنت الحج والعمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا عبد الرحمن بن أبي الصهباء ثنا نافع أبو غالب الباهلي قال

٢ هكذا بياض بالاصل

فلا عليه أن يضع جنبه فانه أجدر ان لا يزل جلوحه ابن سعد * عن الحسن أنه سئل عن القائلة في المسجد فقال في رأيت عثمان بن عفان وهو يومئذ خليفة يقيل في المسجد (هق كر) * نحن جار قال كان أحدنا يمر في المسجد جنبا محتازا (ض) * عن أبي سلمة عن عبد الرحمن عن رجل من أهل الصفة قال دعاني رسول الله صلى الله عليه وسلم ورهط معي من أهل الصفة فتحدثنا عنده ثم قال ان شئتم رقدتم ههنا وان شئتم في المسجد فقلنا في المسجد وكانا نبام في المسجد (عب) * عن السائب بن يزيد قال كنت نائما في المسجد (٦٧) فحصبني رجل فاذا عمر بن الخطاب فقال اذهب فأتني بهذين فجئته بهما فقال من أنتما قالا من أهل الطائف فقال لو كنتما من أهل البلد لاوجعتكما ترفعان أصواتكما في مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم (خ هق) * عن سالم بن عبد الله أن عمر بن الخطاب بنى الى جانب المسجد رحبة فسماها البطحاء فكان يقول من أراد أن يلغط أو ينشد شعرا أو يرفع صوتا فليخرج الى هذه الرحبة مالك (هق) * عن علي قال مررت مع عثمان على مسجد فرأى فيه محيطا فامر باخراجه فقلت يا أمير المؤمنين انه يقم المسجد أحيانا ويرشه ويغلق أبوابه فقال يا أبا الحسن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول جنبوا مساجدكم صبيانكم (خط) في تلخيص المتشابه (كر) وفيه انقطاع وفيه محمد ابن مجيب بن محبوب الثقفي الملكوفي قال أبو حاتم ذاهب الحديث * عن عكرمة أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يقاد بالجروح في المسجد (عب)

* الفرع الثالث في خروج النساء الى المساجد وادنهن عند وجدان الشروط ومنعهن اليها عند عدمها * ائذنوا للنساء بالليل الى المساجد (حم م د ت) عن ابن عمر * اذا استأذنت أحدكم امرأته الى المسجد فلا يمنعها (حم ق ن) عن ابن عمر * لا تمنعوا اماء الله أن يصلين في المسجد (ه) عن ابن عمر * لا تمنعوا النساء حظوظهن من المساجد اذا استأذنكم (م) عن ابن عمر * لا تمنعوا النساء المساجد وبيوتهن خير لهن (حم د ك) عن ابن عمر لا تمنعوا اماء الله المساجد ولكن ليخرجن وهن تفلات (حم د) عن أبي هريرة * لو تركنا هذا الباب للنساء (د) عن ابن عمر * أينكن

---

حدثني أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يبعث الناس يوم القيامة والسماء تطش عليهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا نوح بن قيس الحداني ثنا خالد بن قيس عن قتادة عن أنس قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أخبرني بما افترض الله علي من الصلاة فقال افترض الله على عباده صلوات خمسا قال هل قبلهن أو بعدهن قال افترض الله على عباده صلوات خمسا فقالها ثلاثا قال والذي بعثك بالحق لا أزيد فيهن شيأ ولا أنقص منهن شيأ قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم دخل الجنة ان صدق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معمر قال سمعت حميدا حدث قال سئل أنس عن الحجامة للصحرم فقال احتجم رسول الله صلى الله عليه وسلم من وجع كان به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا خالد بن عبد الله عن حميد الطويل عن أنس بن مالك ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فاستحمله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انا حاملوك على ولد ناقة قال يا رسول الله ما أصنع بولد ناقة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وهل تلد الابل الا النوق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا خالد عن حميد عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشم ولم أشم مسكة ولا عنبرة أطيب ريحا من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت انهم سألوا أنس بن مالك أكان لرسول الله صلى الله عليه وسلم خاتم فقال نعم ثم قال أخر رسول الله صلى الله عليه وسلم عشاء الآخرة ذات ليلة حتى كاد يذهب شطر الليل فقال ان الناس قد صلوا وناموا وانكم لم تزالوا في صلاة ما انتظرتم الصلاة قال أنس وكأني أنظر الى وبيص خاتمه ورفع يده اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا جعفر بن سليمان ثنا ثابت عن أنس بن مالك قال أصابنا مطر ونحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فمسر ثوبه حتى أصابه فقلنا يا رسول الله لم صنعت هذا قال انه حديث عهد بربه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثمامة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جاءه أصحابه فخرج اليهم فصلى بهم فخفف ثم دخل بيته فاطال ثم خرج اليهم فصلى بهم فخفف ثم دخل فاطال فلما أصبح قالوا جئتنا البارحة يا رسول الله فصليت هنا فخففت ثم دخلت بيتك فاطلت فقال انى فعلت ذلك من أجلكم قال حماد وكان حدثنا هذا الحديث ثابت عن ثمامة فلقيت ثمامة فسألته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن زريع ثنا سعيد بن أبي عروبة عن يحيى الاحول عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من نسي صلاة أو نام عنها يعني فليصلها قال فلقيت يحيى الاحول فحدثني به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن حميد وحماد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا دخل على المريض قال أذهب الباس رب الناس اشف أنت الشافي لا شافي الا أنت اشف شفاء لا يغادر سقما وقد قال حماد شفاء الا شفاؤك شفاء لا يغادر سقما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد بن زياد ثنا المختار بن فلفل ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الرسالة والنبوة قد انقطعت فلا رسول بعدي ولا نبي قال فشق ذلك على الناس قال قال ولكن المبشرات قالوا يا رسول الله وما المبشرات قال رؤيا الرجل المسلم وهي جزء من أجزاء النبوة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ورأيت فيما يرى النائم كأني مردف كبشا وكان ظبية تسيني انكسر فاوتان انى أقتل صاحب الكتيبة وان رجلا من أهل بيتي يقتل **حدثنا** عبد الله

أرادت المسجد فلا تقربن طيبا (ن) عن زينب الثقفية * لا تقبل صلاة امرأة تتطيب لهذا المسجد حتى ترجع فتغتسل غسلها من الجنابة (د) عن أبي هريرة * أيما امرأة أصابت بخورا فلا تشهد معنا العشاء الآخرة (حم م د ت) عن أبي هريرة * لان تصلي المرأة في بيتها خير لها من أن تصلي في حجرتها ولان تصلي في حجرتها خير من أن تصلي في الدار ولان تصلي في الدار خير من أن تصلي في المسجد (هق) عن عائشة * خير صلاة النساء في قعر بيوتهن (طب) عن أم سلمة (٢٦٨) * صلاة المرأة في وجدها تفضل على صلاتها في الجمع بخمس وعشرين درجة (فر) عن ابن عمر * ما صلت امرأة صلاة أحب الى الله من صلاتها في أشد بيتها ظلمة (هق) عن ابن مسعود * صلاتكن في بيوتكن أفضل من صلاتكن في حجركن وصلاتكن في حجركن أفضل من صلاتكن في دوركن وصلاتكن في دوركن أفضل من صلاتكن في مسجد الجماعة (حم طب هق) عن أبي حميد * (الاكمال) * قد علمت انك تحب الصلاة معي وصلاتك في بيتك خير من صلاتك في حجرتك وصلاتك في حجرتك خير من صلاتك في دارك وصلاتك في دارك خير من صلاتك في مسجد قومك وصلاتك في مسجد قومك خير من صلاتك في مسجدي (حم حب) عن أم حميد امرأة أبي حميد الساعدي * لا خير في جماعة النساء الا في مسجد جماعة أو جنازة قتيل (طس) عن عائشة * (الافعال) * عن ابن عمر قال كانت امرأة لعمر تشهد صلاة الصبح والعشاء في جماعة في المسجد فقيل لها لم تخرجين وقد تعلمين ان عمر يكره ذلك ويغار قالت فما يمنعه أن ينهاني قالوا يمنعه قول رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تمنعوا اماء الله مساجد الله (ش خ هق)

حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم عاد رجلا من الانصار فقال يا خال قل لا اله الا الله قال يخال أم عم قال بل خال، قال وخير لي ان أقولها قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان قريشا صالحوا النبي صلى الله عليه وسلم فيهم سهيل بن عمرو فقال النبي صلى الله عليه وسلم لعلي اكتب بسم الله الرحمن الرحيم فقال سهيل اما بسم الله الرحمن الرحيم فلا ندري ما بسم الله الرحمن الرحيم ولكن اكتب ما نعرف باسمك اللهم فقال اكتب من محمد رسول الله قال لو علمنا انك رسول الله لاتبعناك ولكن اكتب اسمك واسم أبيك قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم اكتب من محمد بن عبد الله واشترطوا على النبي صلى الله عليه وسلم ان من جاءمنكم لم نرده عليكم ومن جاءمنا رددتموه علينا فقال يا رسول الله أتكتب هذا قال نعم انه من ذهب منا اليهم فأبعده الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وأبو كامل قالا ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رجلا قال يا رسول الله الرجل يحب القوم ولما يلحق عملهم قال المرء مع من أحب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال دخلت الجنة فسمعت خشفة فقلت ما هذه الخشفة فقيل الرميصاء بنت ملحان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا جعفر بن سليمان ثنا ثابت عن أنس قال لما كان اليوم الذي قدم فيه رسول الله صلى الله عليه وسلم أضاء منها كل شئ فلما كان اليوم الذي مات فيه أظلم منها كل شئ وقال ما نفضنا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم الايدي حتى أنكرنا قلوبنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا خالد ثنا أيوب عن أبي قلابة عن أنس قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر بالمدينة أربعا وصلى العصر بذي الحليفة ركعتين وبات بها حتى أصبح فلما صلى الصبح ركب راحلته فلما ابتعث به سبح وكبر حتى استوت به البيداء ثم جمع بينهما فلما قدم مكة أمرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يحلوا فلما كان يوم التروية أهلوا بالحج ونحر رسول الله صلى الله عليه وسلم سبع بدنات بيده قياما وضحى رسول الله صلى الله عليه وسلم بكبشين أقرنين أملحين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس قال أقيمت الصلاة للعشاء الآخرة فقام رجل يا رسول الله لي حاجة فقام يناجيه حتى نعس القوم أو بعض القوم ثم صلى ولم يذكروضوأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى لا يقال في الارض لا اله الا الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رجلا قال يا رسول الله أين أبي قال في النار قال فلما قفا دعاه فقال ان أبي وأباك في النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا مرحوم قال سمعت ثابتا يقول كنت مع أنس جالسا وعنده ابنته فقال أنس جاءت امرأة الى النبي صلى الله عليه وسلم فقالت يا نبي الله هل لك في حاجة فقالت ابنته ما كان أقل حياءها فقال هي خير منك رغبت في رسول الله صلى الله عليه وسلم فعرضت عليه نفسها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان أنا شعبة قال أخبرني موسى بن أنس قال سمعت أنسا أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة ثنا أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو تعلمون فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال استووا استووا فوالله اني لاراكم من خلفي كما أراكم من بين يدي **حدثنا** عبد الله

حدثني

* عن يحيى بن سعيد أن عائشة بنت زيد بن عمرو بن نفيل امرأة عمر بن الخطاب كانت تستأذنه الى المسجد فيسكت فتقول لا خرجن الا أن تمنعني * مالك * عن أم صفية حولة بنت قيس قالت كنا نكون في عهد النبي صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وصدرا من خلافة عمر في المسجد نسوة قد تخالان الرجال ورجما عالج بعضنا في الخوص فقال عمر لا ترى حرائر فاخرجن منه الا أنا كنا نشهد الصلوات في الوقت وكان عمر

يخرج اذا صلى العشاء الآخرة فيطوف بدوره على من في المسجد فينظر اليه ويعرف وجوههم ويفقدهم ويسألهم هل أصابوا عشاء والاخرج بهم فعلها هم ابن سعد وفيه الواقدي * عن أبي هريرة كن النساء يصلين مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الغداة ثم ينخرجن متلفعات بمروطهن الطبراني في الاوسط * (الفصل الرابع في الاذان والترغيب فيه وآدابه واجابة المؤذن وفيه فرعان الفرع الاول في فضل الاذان وآدابه وحقيقته وكيفيته وأحكامه وسببه * ان الله تبارك وتعالى لا يأذن لشيء من أهل الأرض (٢٦٩) الا لاذان المؤذنين والصوت الحسن بالقرآن (خط) عن معقل ابن يسار * ان المؤذن يغفر له مدى صوته ويصدقه كل رطب ويابس سمع صوته والشاهد له خمس وعشرون درجة (حم) عن أبي هريرة * ان المؤذنين والملبين يخرجون من قبورهم يوم القيامة والمؤذن يلبي (طس) عن جابر * اني أراك تحب الغنم والبادية فاذا كنت في غنمك وباديتك فاذنت للصلاة فارفع صوتك بالنداء فانه لا يسمع مدى صوت المؤذن جن ولا انس ولا حجر ولا شيء الا شهد له يوم القيامة مالك (حم خ ن ه) عن أبي سعيد * اذا نودي بالصلاة أدبر الشيطان وله ضراط حتى لا يسمع التأذين فاذا قضى النداء أقبل حتى اذا ثوب بالصلاة أدبر حتى اذا قضى التثويب أقبل حتى يخطر بين المرء ونفسه اذكر كذا واذكر كذا لما لم يكن يذكر قبل حتى يظل الرجل لا يدري كم صلى مالك (ق د ن) عن أبي هريرة * ابتدروا الاذان ولا تبتدروا الامامة (ش) عن يحيى * المؤذن يغفر له مدى صوته ويشهد له كل رطب ويابس وشاهد الصلاة يكتب له خمس وعشرون صلاة ويكفر عنه ما بينهما (حم د ن حب ه) عن أبي هريرة * المؤذن يغفر له مدى صوته وأجره مثل أجر من صلى معه (طب) عن أبي امامة * المؤذن المحتسب كالشهيد المتشحط في دمه واذا مات لم يدود في قبره (طب) عن ابن عمرو * المؤذنون أمناء المسلمين على فطورهم وسحورهم (طب) عن أبي محذورة * المؤذنون أمناء المسلمين على صلاتهم وحاجتهم (هق) عن الحسن مرسلا * اذا أخذ المؤذن في أذانه ووضع الرب تعالى يده فوق رأسه فلا يزال كذلك حتى يفرغ من أذانه وانه يغفر له مد صوته فاذا فرغ

---

حدثني أبي حدثنا عفان وبهز قالا ثنا همام قال بهز في حديثه قال سمعت قتادة يقول في قصصه ثنا أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يخرج قوم من النار بعد ما يصيبهم سفع قال بهز فيدخلون الجنة يسميهم أهل الجنة الجهنميين قال عفان في حديثه قال وكان قتادة يقول عوقبوا بذنوب أصابوها قال همام لا أدري في الرواية هو أو كان يقوله قتادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام قال أنا قتادة ان أنسا أخبره ان جارية وجد رأسها بين حجرين فقيل لها من فعل بك هذا أفلان أفلان حتى سموا اليهودي فأومأت برأسها قال فأخذ اليهودي فجيء به فاعترف فأمر به النبي صلى الله عليه وسلم فرض رأسه بالحجارة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يضرب شعره منكبيه قال بهز ان لرسول صلى الله عليه وسلم شعرا يضرب بين منكبيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام عن قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتموا الركوع والسجود فوالله اني لأراكم من بعد ظهري اذا ما ركعتم واذا ما سجدتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أنس أن أم سليم بعثت معه بقناع فيه رطب الى النبي صلى الله عليه وسلم فقبض قبضة فبعث بها الى بعض أزواجه وذكر له اما مرتين أو ثلاثا ثم أكل أكل رجل يعرف أنه يشتهيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وعفان قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم في الصلاة فقال الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه فلما قضى النبي صلى الله عليه وسلم الصلاة قال أيكم القائل كلمة كذا وكذا قال فأرم القوم قال فأعادها ثلاث مرات فقال رجل أنا فلله ما أردت بها الا الخير قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم لقد ابتدرها اثنا عشر ملكا فابتدروا كيف يكتبونها حتى سألوا بعضهم بعضا فقال أكتبوها كما قال عبدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام عن قتادة قال بهز ثنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كانت نعله لها قبالان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا بزق أحدكم فلا يبزق بين يديه ولا عن يمينه وليبزق عن شماله أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام ثنا قتادة قال ثنا أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال بينما أنا أسير في الجنة فاذا أنا بقصر فقلت لمن هذا يا جبريل ورجوت أن يكون لي قال لعمر قال ثم سرت ساعة فاذا أنا بقصر خير من القصر الاول قال فقلت ان هذا يا جبريل ورجوت أن يكون لي قال لعمر وان فيه لمن الحور العين يا أبا حفص وما منعني أن أدخله الا غيرتك قال فاغرورقت عيناه عمر ثم قال أعليك أغار لم أكن لاغار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام أنا قتادة قال علمان في حديثه ثنا أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم قال كل من نسي صلاة فليصلها اذا ذكرها ولا كفارة لها الا ذلك قال بهز وقال همام سمعته يحدث بعد ذلك وزاد مع هذا الكلام أقم الصلاة لذكري **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد العزيز ابن المختار ثنا ثابت ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رآني في المنام فقد رآني فان الشيطان لا يتمثل بي ورؤيا المؤمن جزء من ستة وأربعين جزأ من النبوة قال عفان فسألت حمادا فحدثني به وذهب في حراره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد يعني ابن سلمة أنا ثابت عن أنس بن مالك أن رجلا قال يا رسول الله متى تقوم الساعة وعند غلام من الانصار يقال له محمد فقال ان يعش هذا فعسى أن

قال الرب صدق عبدي رشهدت بشهادة الحق فابشر (ك) في التاريخ (فر) عن أنس * اذا أذن في قرية أمنها الله تعالى من عذابه ذلك اليوم (طس) عن أنس * المؤذنون أطول الناس أعناقا يوم القيامة (حم م ه) عن معاوية * أمناء المسلمين على صلاتهم وعلى عوراتهم المؤذنون (هق) عن أبي محذورة * ان الله تعالى يحشر المؤذنين يوم القيامة أطول الناس أعناقا بقولهم لا اله الا الله (خط) عن أبي هريرة * ان أهل السماء لا يسمعون شيأ من أهل الارض (٢٧٠) الا الاذان أبو أمية الطرسوسي في مسنده (عد) عن ابن عمر * أيما قوم نودي فيهم بالاذان صباحا كان لهم أمانا من عذاب الله تعالى حتى يمسوا وأيما قوم نودي فيهم بالاذان مساء كان لهم أمانا من عذاب الله حتى يصبحوا (طب) معقل بن يسار * دخلت الجنة فرأيت فيها قصرا من لؤلؤ ترابها المسك فقلت لمن هذا يا جبريل قال للمؤذنين والائمة من أمتك يا محمد (ع) عن أبي * لو يعلم الناس ما لهم في التأذين لتضاربوا عليه بالسيوف (حم) عن أبي سعيد * من أذن سبع سنين محتسبا كتب له براءة من النار (ت ه) عن ابن عباس * من أذن ثنتي عشرة سنة وجبت له الجنة وكتب له بتأذينه في كل يوم ستون حسنة وباقامته ثلاثون حسنة (ه ك) عن ابن عمر * من أذن خمس صلوات ايمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه ومن أم أصحابه خمس صلوات ايمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه (هق) عن أبي هريرة * من أذن سنة لا يطلب عليه أجرا دعي يوم القيامة ووقف على باب الجنة فقيل له اشفع لمن شئت ابن عساكر عن أنس * من حافظ على الاذان سنة وجبت له الجنة (هب) عن ثوبان * ان خيار عباد الله الذين يراعون الشمس والقمر والنجوم والاظلة لذكر الله تعالى (طب ك) عن ابن أبي أوفى * خصلتان متعلقتان في أعناق المؤذنين للمسلمين صيامهم وصلاتهم (ه) عن ابن عمر * اذا أذنت فاجعل أصبعيك في أذنيك فانه أرفع لصوتك (طب) عن بلال الباوردي عن سعد القرظ * اذا بلغت حي على الفلاح فقل الصلاة خير من النوم أبو الشيخ في كتاب الاذان عن أبي محذورة * ان الاذان سهل سمح فان كان أذانك سهلا صباح

لا يدركه الهرم حتى تقوم الساعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أزهر اللون كان عرقه اللؤلؤ وكان اذا مشى تكفأ وما مسست ديباجا قط ولا حريرا ولا شيأ قط ألين من كف رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا شممت رائحة قط مسكة ولا عنبرة أطيب من ريحه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سمع رجلا يقول الله أكبر الله أكبر قال على الفطرة فقال أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله فقال خرجت من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رقية لما ماتت قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يدخل القبر رجل قارف أهله الليلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس قال جاء أناس الى النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا ابعث معنا رجالا يعلموننا القرآن والسنة فبعث اليهم سبعين رجلا من الانصار يقال لهم القراء فيهم خالي حرام يقرؤن القرآن ويتدارسونه بالليل وكانوا بالنهار يجيؤن بالماء فيضعونه في المسجد ويحتطبون فيبيعونه ويشترون به الطعام لاهل الصفة والفقراء فبعثهم النبي صلى الله عليه وسلم فتفرقوا لهم فقتلوهم قبل ان يبلغوا المكان فقالوا اللهم ابلغ عنا نبينا أنا قد لقيناك فرضينا عنك ورضيت عنا قال فأتى رجل حراما خال أنس من خلفه فطعنه برمحه حتى أنفذه فقال فزت ورب الكعبة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لاصحابه ان اخوانكم الذين قتلوا قالوا اللهم بلغ عنا نبينا أنا قد لقيناك فرضينا عنك ورضيت عنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت قال سمعت أنسا يقول عن النبي صلى الله عليه وسلم يدخل أهل الجنة الجنة فيبقى منها ما شاء الله ان يبقى ثم ينشئ الله عز وجل لها خلقا مما يشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الوارث ثنا أبو التياح ثنا أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أحسن الناس خلقا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان ثنا شعبة عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لاكلن غدا رلواء يوم القيامة يعرف به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن حميد أن أنسا سئل عن شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما رأيت شعرا أشبه بشعر رسول الله صلى الله عليه وسلم من شعر قتادة ففرح يومئذ قتادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ابن يزيد ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يجتمع له غداء ولا عشاء من خبز ولحم الا على ضفف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ثنا قتادة عن أنس ان يهوديا دعا رسول الله صلى الله عليه وسلم الى خبز شعير وإهالة سخنة فاجابه وقد قال أبان أيضا أن خياطا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليمان بن المغيرة ثنا ثابت قال أنس ما أعرف فيكم اليوم شيأ كنت أعهده على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس قولكم لا اله الا الله قال قلت يا أبا حمزة للصلاة قال قد صليت حين تغرب الشمس أفيكانت تلك صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقال على انى لم أر زمانا خيرا العامل من زمانكم هذا الان يكون زمانا مع نبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليمان بن المغيرة عن ثابت عن أنس بن مالك قال انى لردیف أبي طلحة قال وأبو طلحة الى جنب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال وانى لارى قدمي لتمس قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فامهلهم رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى خرج أهل الزرع الى زروعهم وأهل المواشي الى مواشيهم قال كبر ثم أغار عليهم ثم قال انا اذا نزلنا بساحة قوم فساء

سمعا والا فلا تؤذن (قط) عن ابن عباس * يا بلال اذا أذنت فترسل فى أذانك واذا أقمت فاحدر واجعل بين أذانك واقامتك قدر ما يفرغ الآكل من أكله والشارب من شربه والمعتصر اذا دخل لقضاء الحاجة ولا تقوموا حتى ترونى (تلـ) عن جابر * أشفع الاذان وأوتر الاقامة (خط) عن أنس (قط) فى الافراد عن جابر * المؤذن أملك بالاذان والامام أملك بالاقامة أبو الشيخ فى كتاب الاذان عن أبى هريرة * الاذان تسع عشرة كلمة والاقامة سبع عشرة كلمة (ن) عن أبى محذورة * لا يؤذن الا متوضئ (ن م) عن أبى هريرة (٢٧١) * لا تثوبن فى شئ من الصلوات الا فى صلاة الفجر (ت ه) عن بلال * ان أحدا هو أذن ومن أذن فهو يقيم (حم ق ٤) عن زياد بن الحرث الصدائى * انما يقيم من أذن (طب) عن ابن عمر * ليؤذن لكم خياركم وليؤمكم أقرؤكم (د ه) عن ابن عباس * (الاكمال) * اذا أذن المؤذن فهو عمود الله عز وجل واذا تقدم الامام فهو نور الله واذا استوت الصفوف فهى أركان الله فبادروا الى عمود الله واقتبسوا من نور الله وكونوا أركان الله فى الارض ابن النجار عن ابن عباس * اذا أذن المؤذن فتحت أبواب السماء واستجيب الدعاء واذا كان عند الاقامة لم ترد دعوة أبو الشيخ فى الاذان عن أنس وفيه يزيد الرقاشى متروك * اذا نادى المنادى فتحت أبواب السماء واستجيب الدعاء فمن نزل به كرب أو شدة فليتحين المنادى فاذا كبر كبر واذا تشهد تشهد واذا قال حى على الصلاة قال حى على الصلاة واذا قال حى على الفلاح قال حى على الفلاح ثم يقول اللهم رب هذه الدعوة التامة الصادقة الحق المستجاب لها دعوة الحق وكلمة التقوى أحينا عليها وأمتنا عليها وابعثنا عليها واجعلنا من خيار أهلها محيانا وممتنا ثم يسأل الله حاجته (ع) وابن السنى وأبو الشيخ فى الاذان (ك) وتعقب (حل ص) عن أبى امامة * ما من عبد أذن فى أرض فى فيبقى شجر ولا مدر ولا سراب ولا شئ الا استهلا البكاء لله ذاكرا الله فى ذلك المكان سمويه والديلمى عن أبى برزة الاسلمى * ما من رجل يكون بارض فى فيؤذن بحضرة الصلاة ويقيم الصلاة الا صلى خلفه من الملائكة ما لا يرى قطراه يركعون بركوعه

صباح المنذر بن حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت وحميد عن أنس ان عبد الرحمن بن عوف قدم المدينة فآخى رسول الله صلى الله عليه وسلم بينه وبين سعد بن الربيع الانصارى فقال له سعد أى أخى أنا أكثر أهل المدينة مالا فانظر شطر مالى فخذه وتحتى امرأتان فانظر أيهما أعجب اليك حتى أطلقها فقال عبد الرحمن بارك الله لك فى أهلك ومالك دلونى على السوق فدلوه على السوق فذهب فاشترى وباع وربح فجاء بشئ من أقط وسمن ثم لبث ما شاء الله أن يلبث فجاء وعليه ردع زعفران فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم مهيم فقال يا رسول الله تزوجت امرأة فقال ما أصدقتها قال وزن نواة من ذهب قال أولم ولو بشاة قال عبد الرحمن فلقد رأيتنى ولو رفعت حجرا لرجوت أن أصيب ذهبا أو فضة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك ان عبد الرحمن بن عوف تزوج امرأة من الانصار على وزن نواة من ذهب قال فجاز ذلك حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن زيد قال سمعت ثابتا يحدث عن أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أشجع الناس وأحسن الناس وأجود الناس قال فزع أهل المدينة ليلة قال فانطلق الناس قبل الصوت فتلقاهم رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد سبقهم وهو يقول لم تراعوا لم تراعوا وهو على فرس لابى طلحة عرى فى عنقه السيف فجعل يقول للناس لم تراعوا قال وقال انا وجدناه بحرا أو انه لبحر يعنى الفرس حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد أنا حميد وثابت عن أنس لما رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يهادى بين ابنين له فقال ما هذا فقالوا يا رسول الله نذر ان يحج ماشيا فقال ان الله لغنى عن تعذيب نفسه فليركب حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان الناس قالوا يا رسول الله هلك المال وأجدبت فأقطنا يا رسول الله وهلك المال فاستسق لنا فقام يوم الجمعة وهو على المنبر فاستسقى ورفع حماد يديه حيال صدره وبطن كفيه مما يلى الارض ومما يلى السماء فرفعنا فما انصرف حتى اهمت الشآبيب تقطر على لحية رسول الله صلى الله عليه وسلم فمطرنا الى الجمعة الاخرى فقالوا يا رسول الله تهدم البنيان وانقطع الركبان ادع الله أن يكشطها عنا فضحك رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال اللهم حوالينا ولا علينا فانجابت حتى كانت المدينة كأنها فى اكليل حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت وحميد عن أنس بن مالك قال لما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة أخبر عبد الله بن سلام بقدومه وهو فى نخله فأتاه فقال انى سائلك عن أشياء لا يعلمها الا نبى فان أخبرتنى بها آمنت بك وان لم تعلمهن عرفت أنك لست بنبى قال فسأله عن الشبه وعن أول شئ يأكله أهل الجنة وعن أول شئ يحشر الناس قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أخبرنى بهن جبريل آنفا قال ذاك عدو اليهود قال أما الشبه اذا سبق ماء الرجل ماء المرأة ذهب بالشبه واذا سبق ماء المرأة ماء الرجل ذهبت بالشبه وأما أول شئ يأكله أهل الجنة فزيادة كبد الحوت وأما أول شئ يحشر الناس فنار تخرج من قبل المشرق فتحشرهم الى المغرب فآمن وقال أشهد انك رسول الله قال ان يهود قوم بهت وانهم ان سمعوا باسلامى يبهتونى فاخبأنى عندك وابعث اليهم فسلهم عنى فخبأه رسول الله صلى الله عليه وسلم وبعث اليهم فجاؤا فقال أى رجل عبد الله بن سلام فيكم قالوا هو خيرنا وابن خيرنا وسيدنا وابن سيدنا وعالمنا وابن عالمنا فقال أرأيتم ان أسلم تسلمون فقالوا أعاذه الله من ذلك فقال يا عبد الله بن سلام أخرج اليهم فاخبرهم فخرج فقال أشهد ان لا اله الا الله وأشهد ان محمدا رسول الله فقالوا شرنا وابن شرنا وجاهلنا

ويسجدون إسجوده ويؤمنون على دعائه (هق) عن سلمان مرفوعا وموقوفا قال والصحيح الموقوف * إذا كان الرجل بارض قي فحانت الصلاة فليتوضأ فان لم يجد ماء فليتيمم وليقم فان أقام صلى معه ملكاه فان أذن وأقام صلى خلفهم من خلق الله ما لا يرى طرفاه (عب طب) وأبو الشيخ في كتاب الاذان (ض) عن سلمان * يا بلال ليس عملا أفضل من عملك هذا الا الجهاد في سبيل الله يعني الاذان عبد الله بن حميد عن بلال * أول الخلق دخولا الجنة الانبياء ثم (٢٧٣) الشهداء ثم مؤذنوا الكعبة ثم مؤذنو بيت المقدس ثم مؤذنو مسجدي هذا ثم سائر المؤذنين على قدر أعمالهم ابن سعد (ك) في تاريخه (هب) وضعفه عن جابر * تحشر الايام يوم القيامة على هيئتها وتحشر يوم الجمعة زهرا منيرة أهلها يجفون بها كالعروس تهدى الى كريمها تضيء لهم لمشوا حتى يصلوا الى منابرهم كالثلج بياضا وريحهم كالمسك يخوضون في جبال الكافور ينظر اليهم الثقلان لا يطرفون تعجبا حتى يدخلون الجنة لا يخالطهم أحد الا المؤذنون المحتسبون (طب) عن أبي موسى * يحشر المؤذنون يوم القيامة على فوق من نور الجنة يقدمهم بلال رافعي أصواتهم بالاذان ينظر اليهم الجمع فيقال من هؤلاء فيقال مؤذنو أمة محمد صلى الله عليه وسلم يخاف الناس ولا يخافون ويحزن الناس ولا يحزنون الخطيب وابن عساكر عن أنس وفيه داود بن الزبرقان متروك * سيأتي على الناس زمان يتركون الاذان على ضعفائهم وتلك لحوم حرمها الله على النار لحوم المؤذنين ابن شاهين عن عمر * اذا أذن المؤذن أدبر الشيطان وله حصاص (م) عن أبي هريرة * انكم لترون اذا حق الله فقمتم مع بلال فانك عليه مما رأيت فانه أندى صوتا قال منك (حم حب) عن عبد الله بن زيد بن عبد ربه * تقول الله أكبر الله أكبر الله أكبر الله أكبر وارفع بها صوتك ثم تقول أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله واخفض بها صوتك ثم ترفع صوتك بالشهادة أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الصلاة حي على الفلاح حي على الفلاح

---

وابن جاهلنا فقال ابن سلام قد أخبرتك يا رسول الله ان اليهود قوم بهت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس بن مالك ان فارسيا كان جارا للنبي صلى الله عليه وسلم وكانت مرقته أطيب شيء ريحا فجاء ذات يوم الى النبي صلى الله عليه وسلم فاومأ اليه هكذا وصف حماد بيده أي تعال فاومأ اليه وعائشة معي فلم يفهما فقال الرجل بيده هكذا ووصف حماد أي لا قال النبي صلى الله عليه وسلم هكذا أي لا فقال تعال ثم عاد اليه أن تعال فقال مثل ذلك مرتين أو ثلاثا يقول كذا ويقول كذا ووصف حماد أي لا ويقول ذا أي لا فقال هكذا أي قوما فذهبا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس ان أسيد بن حضير وعباد بن بشر كانا عند النبي صلى الله عليه وسلم في ليلة طلماء جندس فخرجا من عنده فاضاءت عصا أحدهما فمشيا في ضوئها فلما تفرقا أضاءت عصا الآخر وقد قال حماد أيضا فلما تفرقا أضاءت عصاه وعصاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد يعني ابن سلمة قال أنا ثابت عن أنس ان حارثة بن الربيع جاء يوم بدر نظارا وكان غلاما فجاء سهم غرب فوقع في ثغرة نحره فقتله فجاءت أمه الربيع فقالت يا رسول الله قد علمت مكان حارثة مني فان كان من أهل الجنة فسأصبر والا فسيرى الله ما أصنع قال فقال يا أم حارثة انها ليست بجنة واحدة وانها جنان كثيرة وانه في الفردوس الاعلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قال ربكم عز وجل اذا تقرب العبد مني شبرا تقربت اليه ذراعا واذا تقرب مني ذراعا تقربت منه باعا واذا أتاني يمشي أتيته هرولة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك وقال حجاج في حديثه سمعت أنس بن مالك قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا أدري أشيء أنزل أم كان يقوله لو ان لابن آدم وقال حجاج لو كان لابن آدم واديان من مال لتمنى واديا ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب ويتوب الله على من تاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لا يؤمن أحدكم حتى يحب لاخيه أو لجاره ما يحب لنفسه ولم يشك حجاج حتى يحب لاخيه ما يحب لنفسه **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنسا يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يؤمن أحدكم حتى يحب للناس ما يحب لنفسه وحتى يحب المرء لا يحبه الا لله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك وحدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين أملحين أقرنين ويسمي ويكبر أو قال رأيته يذبحهما بيده واضعا قدمه يعني على صفحتهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ويحيى بن سعيد عن شعبة عن قتادة عن أنس قال يحيى أنا قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا شعبة عن قتادة قال أنا أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضحي بكبشين فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر أنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الانصار كرشي وعيبتي وان الناس يكثرون ويقلون فاقبلوا من محسنهم وتجاوزوا عن مسيئهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة

فان كانت صلاة الصبح قلت الصلاة خير من النوم الصلاة خير من النوم الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله (حب) عن عبد الملك بن أبي محذورة عن أبيه عن جده قال قلت يا رسول الله علمني سنة الاذان قال فذكره * ما أحسن هذا يا بلال اجعله في أذانك (د) عن بلال أنه أتى النبي صلى الله عليه وسلم يؤذنه بالصبح فوجده راقدا فقال الصلاة خير من النوم مرتين قال فذكره * لا تؤذن حتى يستبين لك الفجر هكذا ومد يديه عرضا (ش د ع طب ص) عن بلال * يا بني حطمة اجعلوا مؤذنكم أفضلكم في أنفسكم (هق) (٢٧٣) عن صفوان بن سليم مرسلا * ليس على النساء أذان ولا اقامة أبو الشيخ في الاذان عن أسماء بنت أبي بكر * قم يا بلال فأرحنا بالصلاة (د) عن رجل من الانصار (الافعال) * عن ابن عمر لما أسري برسول الله صلى الله عليه وسلم الى السماء أوحى اليه بالاذان فنزل به فعلمه جبريل الطبراني في الاوسط * عن عبد الله بن زيد الانصاري كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد هم بالبوق وأمر بالناقوس فحفت فارى عبد الله بن زيد في المنام قال رأيت رجلا عليه ثوبان أخضران يحمل في يده ناقوسا فقلت يا عبد الله أتبيع هذا الناقوس قال وما تصنع به قلت ننادي به للصلاة قال أفلا أدلك على ما هو خير من ذلك فقلت بلى قال تقول الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الصلاة حي على الفلاح حي على الفلاح الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله ثم مشى هنيهة ثم تقول الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الفلاح قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله فلما استيقظت أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبرته فقال ان أخاكم قد رأى رؤيا فاخرج مع بلال الى المسجد فألقها عليه وليناد بها بلال فسمع عمر بن الخطاب الصوت فخرج فاتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال والذي بعثك بالحق لقد رأيت مثل الذي رأى أبو الشيخ في الاذان * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد هم الاذان حتى هم ثنا برجالا

قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم أتى برجل قد شرب الخمر فجلده نحو الاربعين وفعله أبو بكر فلما كان عمر استشار الناس فقال عبد الرحمن بن عوف أخف الحدود ثمانون فامر به عمر رضي الله عنهما وقال لحجاج ثمانون وأمر به عمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة والحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال أبي وحدثنا يحيى بن سعيد عن شعبة قال ثنا قتادة عن أنس والمعنى واحد ان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قالوا للنبي صلى الله عليه وسلم ان أهل الكتاب يسلمون علينا فكيف نرد عليهم فقال قولوا وعليكم وقال حجاج قال شعبة لم أسأل قتادة عن هذا الحديث هل سمعه من أنس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال الا أحدثكم حديثا سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحدثكم أحد بعدي سمعته منه ان من أشراط الساعة ان يرفع العلم ويظهر الجهل ويفشو الزنا ويشرب الخمر ويذهب الرجال ويبقى النساء حتى يكون لخمسين امرأة واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال أنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك يرفع الحديث قال لا تقوم الساعة حتى يرفع العلم ويظهر الجهل ويقل الرجال ويكثر النساء حتى يكون لقيم خمسين امرأة رجل واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي بن كعب قال حجاج حين أنزل لم يكن الذين كفروا وقالا جميعا ان الله عز وجل أمرني ان أقرأ عليك لم يكن الذين كفروا فلما قال وقد سماني قال نعم قال فبكى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال رخص أو رخص النبي صلى الله عليه وسلم لعبد الرحمن بن عوف والزبير بن العوام في لبس الحرير من حكة كانت بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال رخص للزبير بن العوام ولعبد الرحمن بن عوف في لبس الحرير يعني لعلة كانت بهما قال شعبة أو قال رخص لهما رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة عن أنس قال رخص رسول الله صلى الله عليه وسلم لعبد الرحمن بن عوف والزبير في الحرير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لولا ان لا تدافنوا لدعوت الله ان يسمعكم عذاب القبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان أحدكم في الصلاة فانه يناجي ربه عز وجل فلا يبزقن قال قال حجاج فلا يبصقن بين يديه ولا عن يمينه ولكن عن شماله تحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال أخبرني هشام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة مثله الا انه شك في عثمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان رضي الله عنهم فلم أسمع أحدا منهم يقول بسم الله الرحمن الرحيم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة قال قتادة سألت أنس بن مالك بأي شئ كان يستفتح رسول الله صلى الله عليه وسلم القراءة قال انك لتسألني عن شئ ما سألني عنه أحد **حدثنا**

فيقومون على الآطام فيرفعون المسوح ويشيرون الى الناس بالصلاة حتى رأيت فيما يرى النائم كان رجلا عليه ثوبان أخضران على سور المسجد يقول الله أكبر الله أكبر أربعا أشهد أن لا اله الا الله مرتين أشهد أن محمدا رسول الله مرتين حي على الصلاة مرتين حي على الفلاح مرتين الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله ثم قام فقال مثلها وقال في آخرها قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة فاخبرت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اذهب فقصها على بلال (٢٧٤) ففعلت فاقبل الناس سراعا ولا يدرون الا أنه فزع فاقبل عمر بن الخطاب وقال لولا ما سبقني به

عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث قال سمعت أنس بن مالك يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم يحب الدباء قال فاتي بطعام أو دعي له قال أنس فجعلت أتتبعه فاضعه بين يديه لما أعلم انه يحبه. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال وحدثني أبي قال حدثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتموا الركوع والسجود فوالله اني لاراكم بعدي وربما قال من بعد ظهري اذا ركعتم وسجدتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك وحدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة حدثنا قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه انبساط الكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون انا شعبة ثنا قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا في الصلاة ولا يبسط أحدكم ذراعيه كانبساط الكلب هكذا قال يزيد اعتدلوا في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتدلوا في السجود فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سووا صفوفكم فان تسوية الصفوف من تمام الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أقيموا صفوفكم فان من حسن الصلاة اقامة الصف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن قال سمعت شعبة يقول عن قتادة ما رفعه فقلت انه يعني الحديث فقال لي عبد الله بن عثمان هذا أخذها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان مالكا ان النبي صلى الله عليه وسلم قال أقيموا صفوفكم فان تسوية الصف يعني من تمام الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وثنا حجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس ابن مالك ان عبد الرحمن بن عوف تزوج امرأة على وزن نواة من ذهب فاذا ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس وسفيان عن حميد عن أنس بن مالك يقول تزوج عبد الرحمن بن عوف امرأة من الانصار على وزن نواة من ذهب فاذا ذلك وكان الحكم يأخذ هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال كان فزع بالمدينة فاستعار رسول الله صلى الله عليه وسلم فرسا لابي طلحة يقال له مندوب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما رأينا من فزع وان وجدناه لبحرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد الواسطي عن هشام الدستوائي عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان البراق في المسجد خطيئة وكفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وهمز وأبو النضر قالوا حدثنا شعبة عن قتادة قال همز ثنا قتادة عن أنس وقال أبو النضر سمعت أنس بن مالك يقول كان فزع بالمدينة فاستعار رسول الله صلى الله عليه وسلم فرسا لابي طلحة فذكر معنى حديث محمد بن جعفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة قال ثنا أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم

لاخبرتك انه لا طاف بي الذي طاف به أبو الشيخ * عن الشعبي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم اهتم بالصلاة اهتماما شديدا تبين ذلك فيه وكان مما اهتم به من أمر الصلاة ان ذكر الناقوس فقال هو من أمر النصارى ثم أراد أن يبعث رجلا يؤذن الناس بالصلاة في الطرق ثم قال أكره أن أشغل رجالا عن صلاتهم بصلاة غيرهم فانصرف عبد الله ابن زيد مهتما بهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتاه آت فيما يرى النائم فقال له ائت رسول الله صلى الله عليه وسلم فره فليأمر رجلا ذا وذن عند حضور الصلاة يقول الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله ثم يعيد الشهادة أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الصلاة حي على الفلاح حي على الفلاح الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله ثم يمهل حتى يستيقظ النائم ويتوضأ من أراد أن يتوضأ ثم يقول مثل ما أذن حتى اذا بلغ حي على الفلاح حي على الفلاح قال قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله فقال عمر بن الخطاب أما والذي بعثك

فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا بلال انظر ما يأمرك به عبد الله بن زيد فافعله (ص) * عن الزهري عن سالم عن أبيه قال استشار النبي صلى الله عليه وسلم المسلمين فيما يجمعهم على الصلاة فقال البوق فكرهه من أجل اليهود ثم ذكر الناقوس فكرهه من أجل النصارى فأري تلك الليلة النداء رجل من الانصار يقال له عبد الله بن زيد بن عمر بن الخطاب وطرق الانصاري رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلا فامر رسول الله

صلى الله عليه وسلم بلالا فاذن به قال الزهري ونادى بلال في نداء صلاة الفجر الصلاة خير من النوم فاقرها النبي صلى الله عليه وسلم فقال عمر أما اني قد رأيت مثل الذي رأى ولكنه سبقني أبو الشيخ في الاذان وسنده على شرط (م) * عن عبد الله بن نافع عن أبيه عن ابن عمر ان بلالا كان يقول أول ما أذن أشهد أن لا اله الا الله حي على الصلاة فقال عمر قل في أثرها أشهد أن محمدا رسول الله فقال النبي صلى الله عليه وسلم قل كما أمرك عمر أبو الشيخ وعبد الله بن نافع ضعيف * عن ابن عباس قال كان أول من أذن في الاسلام (٢٧٥) بلال ونزل من أقام عبد الله بن زيد فلما أذن بلال أراد أن يقيم فقال عبد الله بن زيد أنا الذي رأيت الرؤيا فاذن بلال ويقيم أيضا قال فاقام أنت أبو الشيخ في الاذان * كان بلال يؤذن للنبي صلى الله عليه وسلم وكان يؤذن الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله ثم ينحرف عن يمين القبلة فيقول أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله ثم ينحرف فيستقبل خلف القبلة فيقول حي على الصلاة حي على الصلاة ثم ينحرف عن يساره فيقول حي على الفلاح حي على الفلاح ثم يستقبل القبلة فيقول الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله وكان يقيم للنبي صلى الله عليه وسلم فيفرد الاقامة يقول الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الفلاح قد قامت الصلاة الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله (طب) * عن أبي معشر قال بلغني أن عمر بن الخطاب قال لو كنت مؤذنا لم أبال أن لا أحج ولا أعتمر الا حجة الاسلام ولو كانت الملائكة نزولا ما غلبهم أحد على الاذان ابن زنجويه * عن مطر عن الحسن عن أبي الوقاص قال سهام المؤذنين عند الله يوم القيامة كسهام المجاهدين وهو فيما بين الاذان والاقامة كالمتشحط في دمه في سبيل الله قال وقال عبد الله بن مسعود لو كنت مؤذنا ما باليت أن لا أحج ولا أعتمر ولا أجاهد قال وقال عمر بن الخطاب لو كنت مؤذنا لكمل امري وما باليت أن لا أتقصب لقيام الليل ولا صيام النهار سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اغفر للمؤذنين اللهم اغفر للمؤذنين فقلت تركتنا يا رسول الله ونحن نجتلد على الاذان بالسيوف قال كلا يا عمر انه سيأتي على الناس زمان يتركون الاذان على

بعثت أنا والساعة كهاتين. قال حجاج في حديثه يعني أصبعيه السبابة والوسطى قال شعبة وسمعت قتادة يقول في قصصه كفضل احداهما على الاخرى فلا أدري أذكره عن أنس أم قاله قتادة. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثني شعبة والاسود بن عامر شاذان حدثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لرجل يسوق بدنة اركبها قال انها بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها ويحك في الثالثة. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد عن شعبة عن قتادة عن أنس قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا يسوق بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها ويحك. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يؤمن أحدكم حتى أكون أحب اليه من ولده ووالده والناس أجمعين. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاث من كن فيه وجد طعم الايمان من كان يحب المرء لا يحبه الا لله عز وجل ومن كان الله ورسوله أحب اليه مما سواهما ومن يرتد كان من يلقى في النار أحب اليه من ان يرجع في الكفر بعد اذ أنقذه الله منه. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس قال جمع رسول الله صلى الله عليه وسلم الانصار فقال أفيكم أحد من غيركم فقالوا لا الا ابن أخت لنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم منهم قال حجاج من أنفسهم فقال ان قريشا حديث عهد بجاهلية ومصيبة واني أردت ان أجبرهم وأتألفهم أما ترضون ان يرجع الناس بالدنيا وترجعون برسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيوتكم لو سلك الناس واديا وسلكت الانصار شعبا لسلكت شعب الانصار. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك انه قال في هذه الآية انا فتحنا لك فتحا مبينا قال الحديبية. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وخلف أبي بكر وعمر وعثمان رضي الله تعالى عنهم فكانوا لا يجهرون ببسم الله الرحمن الرحيم. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يكتب الى الروم كتابا قالوا انهم لا يقرؤن كتابا الا مختوما فاتخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم خاتما من فضة كاني أنظر الى بياضه في يد رسول الله صلى الله عليه وسلم نقشه محمد رسول الله. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم وحدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال يهرم ابن آدم وتبقى منه اثنتان الحرص والامل. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك أنه قال انشق القمر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فرقتين. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود ثنا شعبة عن قتادة سمع أنسا يقول انشق القمر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة وهشام عن قتادة عن أنس عن النبي

ضعفائهم وتلك لحوم حرمها الله على النار لحوم المؤذنين قال وقالت عائشة لهم هذه الآية ومن أحسن قولا ممن دعا إلى الله وعمل صالحا وقال إنني من المسلمين قال هو المؤذن فإذا قال حي على الصلاة فقد دعا إلى الله وإذا صلى فقد عمل صالحا وإذا قال أشهد أن لا إله إلا الله فهو من المسلمين (هب) *عن قيس بن أبي حازم قال قدمنا على عمر بن الخطاب فقال من مؤذنكم فقلنا عبيدنا ومواليينا فقال إن ذاكم بكم لنقص شديد لو أطقت الأذان مع الخليفة لأذنت (عب ش ص) وابن (٢٧٦) سعد ومسدد (هق) *عن إسحق بن عبد الله بن أبي فروة قال أول من رزق المؤذنين عثمان

(عب) *عن ابن أبي مليكة قال أذن رسول الله صلى الله عليه وسلم مرة فقال حي على الفلاح (ص) *عن الحفصي رجل من الأنصار عن أبيه عن جده أن النبي صلى الله عليه وسلم جعل له معهودا لأهل قباء فقال أذنت بلالا للنبي صلى الله عليه وسلم حياته ولأبي بكر حياته فلما كان زمن عمر لم يؤذن فقال عمر ما منعك أن تؤذن فقال إني أذنت للنبي صلى الله عليه وسلم حياته ولأبي بكر حياته لأنه كان ولي نعمتي وسمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول يا بلال ليس عمل أفضل من عملك هذا إلا الجهاد في سبيل الله وإني خارج إلى الجهاد فخرج إلى الشام أبو الشيخ في الأذان *عن بلال مؤذن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه كان لا يؤذن لصلاة الفجر حتى يرى الفجر وكان يدخل أصبعيه في أذنيه كلتاهما عند الأذان وعند الإقامة (ض) *عن بلال كان بلال يؤذن بالصبح فيقول حي على خير العمل (طب) *عن وائل بن حجر قال حق وسنة مسنونة أن لا يؤذن إلا رجل طاهر ولا يؤذن إلا وهو قائم أبو الشيخ في الأذان *عن أبي برزة الأسلمي قال من السنة الأذان في المنارة والإقامة في المسجد أبو الشيخ في الأذان *عن أبي جحيفة قال كان بلال إذا أذن وضع أصبعيه في أذنيه واستدار في أذانه (ض) *كان بلال ينادي بالصبح فيقول حي على خير العمل فأمره النبي صلى الله عليه وسلم أن يجعل مكانها الصلاة خير من النوم وترك حي على خير العمل أبو الشيخ *عن أبي محذورة قال علمني رسول الله صلى الله عليه وسلم الأذان تسع عشرة كلمة الله أكبر الله أكبر الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا إله إلا الله

صلى الله عليه وسلم قال لا عدوى ولا طيرة ولا فأل قال قيل وما الفأل قال الكلمة الطيبة واللفظ لمحمد بن جعفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة ثنا أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم إن العيش عيش الآخرة وقال شعبة أولا اللهم لا عيش إلا عيش الآخرة فاكرم الأنصار والمهاجرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال أبي وثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أتي بلحم فقيل له إنه قد تصدق به على بريرة فقال هو لها صدقة وهو لنا هدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا شعبة عن قتادة عن أنس أن بريرة تصدق عليها بصدقة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هو لها صدقة ولنا هدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك قال جاء أعرابي إلى النبي صلى الله عليه وسلم فقال متى الساعة قال وما أعددت لها قال حب الله ورسوله قال أنت مع من أحببت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يحدث قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من نبي إلا وقد أنذر أمته الأعور الكذاب ألا إنه أعور وإن ربكم ليس بأعور ومكتوب بين عينيه ك ف ر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من أحد يدخل الجنة يحب أن يرجع إلى الدنيا وأن له ما على الأرض من شيء غير الشهيد فإنه يتمنى أن يرجع إلى الدنيا فيقتل عشر مرات لما يرى من الكرامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج الأعور حدثني شعبة ويزيد بن هرون قال أنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنس بن مالك يقول كان النبي عليه الصلاة والسلام من أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج حدثني شعبة حدثني قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أخرجوا من النار وقال حجاج يقول الله عز وجل أخرجوا من النار من قال لا إله إلا الله ومن كان في قلبه من الخير ما يزن ذرة أخرجوا من النار من قال لا إله إلا الله من كان في قلبه من الخير ما يزن شعيرة أخرجوا من النار من قال لا إله إلا الله ومن كان في قلبه من الخير ما يزن برة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يقول الله عز وجل أخرجوا من النار فذكر نحو حديث ابن جعفر وزاد فيه أخرجوا من النار من قال لا إله إلا الله وكان في قلبه من الخير ما يزن ذرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا شعبة وبهز ثنا شعبة وحجاج ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تواصلوا قالوا يا رسول الله إنك تواصل قال إني لست كأحدكم إني أبيت وقال بهز إني أظل أو أبيت أطعم وأسقى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال أخبرني قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أتي على رجل يسوق بدنة قال اركبها قال إنها بدنة قال اركبها قال إنها بدنة قال اركبها قال إنها بدنة قال ويحك أو ويلك اركبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إن لكل نبي دعوة قد دعا بها في أمته وإني قد اختبأت دعوتي شفاعة لأمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا قتادة أخبرني عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم جمع الأنصار فقال هل فيكم أحد من غيركم قالوا لا إلا ابن أخت لنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم من أنفسهم

أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الصلاة حي على الفلاح حي على الفلاح الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله والاقامة الله أكبر الله أكبر الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حي على الصلاة حي على الصلاة حي على الفلاح حي على الفلاح قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله (ش ص) *عن أبي محذورة ان النبي صلى الله عليه وسلم أمر نحوا من عشرين (٤٧٧) رجلا فاذنوا فاعجبه أذان أبي محذورة

وقال مرة منهم فحدثني به عن أنس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ابن هرون أنا شعبة قال سمعت قتادة عن أنس بن مالك ان أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا لرسول الله صلى الله عليه وسلم ان أهل الكتاب يسلمون علينا فكيف نرد عليهم قالوا قولوا وعليكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقاطعوا ولا تباغضوا ولا تحاسدوا وكونوا عباد الله اخوانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود أنا شعبة عن ثابت قال سمعت أنسا يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم يكثر ان يدعو اللهم آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار قال شعبة فذكرت ذلك لقتادة فقال قتادة كان أنس يقول هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود أنا شعبة عن قتادة قال سألت أنسا عن الجر فقال لم أسمع من رسول الله صلى الله عليه وسلم فيه شيأ قال وكان أنس يكرهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود أنا شعبة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم أتى بثوب حرير فجعلوا يمسونه و ينظرون اليه فقال أتعجبون من هذا لمناديل سعد بن معاذ في الجنة خير من هذا وألين من هذا أو قال منديل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال يقول الله عز و جل أنا عند ظن عبدي بي وأنا معه اذا دعاني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال النبي صلى الله عليه وسلم ابن أخت القوم منهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا شعبة ثنا قتادة قال سمعت أنس بن مالك قال كان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم ينامون ثم يصلون ولا يتوضؤن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة وثنا حجاج قال سمعت شعبة يحدث عن أنس قال جمع القرآن على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم أربعة قال يحيى كلهم من الانصار أبي بن كعب ومعاذ بن جبل وزيد بن ثابت وأبو زيد قال قلت من أبو زيد قال أحد عمومتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة حدثني قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال نهى عن الشرب قائما قال قلت فالاكل قال ذاك أشد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة عن أنس قال الحجر الاسود من الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد وأبو نوح قالا ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال أبو نوح وسمعته منه وحدثني أبي عن هاشم والحجاج قالا ثنا شعبة عن قتادة قال سمعت أنسا يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أنس بن مالك قال ألا أحدثكم حديثا سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يذهب الرجال ويبقى النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شعبة عن قتادة عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال للمدينة يأتيها الدجال فيجد الملائكة عليهم السلام يحرسونها فلا يقربها الدجال ولا الطاعون ان شاء الله تعالى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال أبي وحدثني الضحاك يعني ابن مخلد قال أخبرنا شعبة عن قتادة عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم وحدثني أبي ثنا محمد بن يزيد الواسطي عن هشام الدستوائي وشعبة جميعا عن قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال البراق وقال يزيد والضحاك بن مخلد في حديثهما الفخاخة في المسجد خطيئة وكفارتها دفنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا شعبة قال قتادة أخبرني انه سمع أنس بن مالك قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال

فعلمه الاذان مثنى مثنى والاقامة مثنى مثنى أبو الشيخ في الاذان *عن يعلى ابن عطاء عن أبيه قال كنت مع عبد الله بن عمر فحضرت الصلاة فقال أذن واشدد صوتك فانه لا يسمع من حجر ولا شجر ولا مدر الا شهد له يوم القيامة ولا سمعك من شيطان الا وله نقير قال هشيم يعني ضرطا حتى لا يسمع صوتك وانهم لامد الناس أعناقا يوم القيامة (ص) *عن ابراهيم النخعي قال الاذان جزم والتكبير جزم والقرآن جزم (ص) *عن ابراهيم النخعي كان المؤذن يؤذن ثم يخرج لحاجته ثم يرجع فيقيم (ص) *عن ابراهيم النخعي قال كانوا يكرهون أن يؤذنوا ويقيموا في بيوتهم ليتكلوا عليه ويدعوا مساجدهم (ص) *عن الحسن البصري قال أهل الصلاة والحسبة من المؤذنين أول من يكسى يوم القيامة (ش) *عن سعيد ابن المسيب قال اذا أقام الرجل الصلاة وهو في فلاة من الارض صلى خلفه ملكان فاذا أذن وأقام صلى خلفه من الملائكة أمثال الجبال (ص) *عن زياد بن الحرث الصدائي قال كنت مع النبي صلى الله عليه وسلم في سفر فحضرت صلاة الصبح فقال أذن يا أصاحدا فاذنت وأنا على راحلتي (عب) *قال أبو الشيخ في كتاب الاذان حدثنا اسحق بن أحمد حدثنا ابنة جميد ثنا هرون بن المغيرة عن الرصافي عن زياد بن كليب عن عمر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال انها لحوم محرمة على النار لحوم المؤذنين ودماؤهم ومامن رجل يؤذن سبع سنين يصدق في ذلك نيته الا عتق من النار *عن أنس كان بلال يثني الاذان ويوتر الاقامة الا قوله قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة (عب)

*عن سويد بن غفلة قال كان بلال لا يثوب الا في الفجر وكان لا يؤذن حتى ينشق الفجر (ش) *أيضا أمرني رسول الله صلى الله عليه وسلم أن أثوب في الفجر ونهاني أن أثوب في العشاء (عب طب) وأبو الشيخ في الاذان *عن مجاهد قال كنت مع ابن عمر فسمع رجلا يثوب في المسجد فقال اخرج بنا من عند هذا المبتدع (ص) *عن ابن عمر قال جاء بلال الى النبي صلى الله عليه وسلم يؤذنه الصلاة صلاة الصبح فقال السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته (٦٧٨) الصلاة يرحمك الله فالها مرتين أو ثلاثا ورسول الله صلى الله عليه وسلم نائم فجاء بلال فقال

لا عدوى ولا طيرة ويعجبني الفأل قلت وما الفأل قال الكلمة الطيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن أبي التياح وقتادة وحزرة الضبي انهم سمعوا أنسا يقول عن النبي صلى الله عليه وسلم بعثت أنا والساعة هكذا وأشار بالسبابة والوسطى وكان قتادة يقول كفضل احداهما على الاخرى **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا الاسود بن عامر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قنت شهرا يلعن رعلا وذكوان وعصية عصوا الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس قال قنت رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا يدعو على رعل وذكوان وبني فلان وعصية عصوا الله ورسوله قال مروان يعني فقلت لانس قنت عمر قال لا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم في صلاة فانه يناجي ربه عز وجل فلا يتفلن بين يديه ولا عن يمينه وليتفل عن يساره أو تحت قدمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشار ثنا سعيد بن عامر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال ان كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلاطفنا كثيرا حتى انه قال لاخ لي صغير يا أبا عمير ما فعل النغير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثني شعبة قال سمعت قتادة قال ثنا أنس ابن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم ان الخير خير الآخرة أو قال اللهم لا خير الا خير الآخرة فاغفر للانصار والمهاجرة قال شعبة كان يقول قتادة هذه في قصصه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم ذبح وسمى وكبر ٢ **حدثنا** أبو عبد الله السلمي ثنا أبو داود عن شعبة عن قتادة عن أنس قال صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وخلف أبي بكر وعمر وعثمان رضي الله تعالى عنهم فلم يكونوا يستفتحون القراءة ببسم الله الرحمن الرحيم قال شعبة فقلت لقتادة أسمعته من أنس قال نعم نحن سألناه عنه **حدثنا** أبو عبد الله السلمي قال حدثني أبو داود عن شعبة عن قتادة قال سمعت أنسا يقول انشق القمر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يؤمن أحدكم حتى يكون الله ورسوله أحب اليه مما سواهما وحتى يقذف في النار أحب اليه من أن يعود في كفر بعد اذ نجاه الله منه ولا يؤمن أحدكم حتى أكون أحب اليه من ولده ووالده والناس أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة قال سمعت منصورا قال سمعت طلق بن حبيب يحدث عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم مثله **حدثنا** أبو عبد الله السلمي قال حدثني حرمي بن عمارة ثنا شعبة قال أخبرني قتادة وحماد بن أبي سليمان وسليمان التيمي سمعوا أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا شبابة عن شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك أن عبد الرحمن ابن عوف تزوج على وزن نواة من ذهب قال فكان الحكم يأخذ به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيد الله ابن معاذ ثنا أبي ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال النبي صلى الله عليه وسلم لا يؤمن أحدكم حتى يحب لاخيه ما يحب لنفسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو بكر بن أبي شيبة ثنا أبو خالد الاحول عن حميد وشعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من نفس تموت لها عند الله عز وجل خير يسرها أن ترجع الى الدنيا وان لها الدنيا وما فيها الا الشهيد يتمنى أن يرجع فيقتل في الدنيا لما يرى من

الصلاة خير من النوم فاتبعه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اجعلها في أذانك اذا أذنت الصلاة الصبح فقال الصلاة خير من النوم مرتين فجعل بلال يقولها في كل أذانه اذا أذن في صلاة الصبح فكأنما أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم أبو الشيخ (ص) *عن ابن جريج قال أخبرني حبيب بن مسلم أن رجلا سأل طاوسا متى قيل الصلاة خير من النوم فقال طاوس أما انها لم تقل على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم ولكن بلالا سمعها في زمان أبي بكر بعد وفاة رسول الله صلى الله عليه وسلم يقولها رجل غير مؤذن فأخذها منه فأذن بها فلم يمكث أبو بكر الا قليلا حتى اذا كان عمر قال لو نهينا بلالا عن هذا الذي أحدث وكأنه نسيه فأذن به الناس حتى اليوم (عب) *عن ابن جريج قال أخبرني عمر ابن حفص أن سعدا أول من قال الصلاة خير من النوم في خلافة عمر فقال عمر بدعة ثم تركه وان بلالا لم يؤذن لعمر (عب)

*(الفرع الثاني في اجابة المؤذن) *لما أذن المؤذن الله أكبر فقال أحدكم الله أكبر ثم قال أشهد أن لا اله الا الله قال أشهد أن لا اله الا الله ثم قال أشهد أن محمدا رسول الله قال أشهد أن محمدا رسول الله ثم قال حي على الصلاة قال لا حول ولا قوة الا بالله ثم قال حي على الفلاح قال لا حول ولا قوة الا بالله ثم قال الله أكبر الله أكبر قال الله أكبر الله أكبر ثم قال لا اله الا الله قال لا اله الا الله من قلبه دخل الجنة (م د) عن عمر *اذا قال الرجل اذا أذن المؤذن اللهم رب هذه الدعوة التامة والصلاة القائمة آت محمدا سؤله والشفاعة محمد صلى الله عليه وسلم أبو الشيخ

٢ قوله حدثنا عبد الله السلمي الى قوله حدثنا عفان من زوائد عبد الله ابن الامام الاحمدي روح اه من هامش

فى فوائد الاصبهانيين (ش) عن أنس * قولى عند أذان المغرب اللهم هذا اقبال ليلك وادبار نهارك وأصوات دعاتك وحضور صلاتك أسألك أن تغفر لى (ت) وابن السنى (طب لـ هق) عن أم سلمة * من قال حين يسمع النداء اللهم رب هذه الدعوة التامة والصلاة القائمة آت محمدا الوسيلة والفضيلة وابعثه مقاما محمودا الذى وعدته حلت له شفاعتى يوم القيامة (حم خ ٤) عن جابر * اذا أذن المؤذن فلا يخرج أحد حتى يصلى (هب) عن أبى هريرة * من أدركه الاذان فى المسجد ثم خرج لم يخرج لحاجته وهو (٢٧٩) لا يريد الرجعة فهو منافق (ه) عن عثمان

* اذا سمعتم المؤذن يثوب بالصلاة فقولوا كما يقول (حم) عن معاذ بن أنس * اذا سمعتم المؤذن يؤذن فقولوا اللهم افتح أقفال قلوبنا بذكرك وأتمم علينا نعمتك من فضلك وأجعلنا من عبادك الصالحين ابن السنى عن أنس * قل كما يقولون فاذا انتهيت فسل تعط يعنى المؤذنين (حم د ن حب) عن ابن عمر * من سمع المنادى فلم يمنعه من اتباعه عذر خوف أو مرض لم تقبل منه الصلاة التى صلى (د ك) عن ابن عباس * اذا سمعت النداء فاجب داعى الله * (طب) عن كعب بن عجرة * اذا سمعت النداء فاجب وعليك السكينة فان أصبت فرجة والا فلا تضيق على أخيك واقرأ ما تسمع أذنك ولا تؤذ جارك وصل صلاة مودع أبو نعيم العجزى فى الابانة وابن عساكر عن أنس * اذا سمعتم النداء فقولوا مثل ما يقول المؤذن مالك (حم ق ٤) عن أبى سعيد * اذا سمعتم المؤذن فقولوا مثل ما يقول ثم صلوا على فانه من صلى على صلاة صلى الله عليه بها عشرا ثم سلوا الله لى

---

فضل الشهادة **حدثنا** عبد الله ثنا أبو عبد الله السلمى ثنا أبو داود عن شعبة عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم من أخف الناس صلاة فى تمام **حدثنا** أبو عبد الله السلمى ثنا أبو داود ثنا شعبة عن قتادة سمع أنسا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يعجبه الدباء قال لأنس فجعلت أضعه بين يديه **حدثنا** أبو عبد الله السلمى العنبرى ثنا أبو داود عن شعبة عن قتادة قال سألت أنسا عن نبيذ الجر فقال لم أسمع من النبى صلى الله عليه وسلم فيه شيأ وكان أنس يكرهه **حدثنا** عبيد الله بن عمر القواريرى ثنا حرمى بن عمارة ثنا شعبة عن قتادة عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يلقى فى النار وتقول هل من مزيد حتى يضع قدمه أو رجله عليها أو تقول قط قط **حدثنا** محمد بن أحمد الجنيدى ثنا رجل ثنا شعبة عن قتادة وكان بهذا الحديث يحدثنا عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سوّوا صفوفكم فان تسوية الصف من تمام الصلاة **حدثنا** عبيد الله بن عمر القوارير ى ثنا حرمى بن عمارة ثنا شعبة عن قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب على متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبيد الله بن معاذ حدثنا أبى ثنا شعبة عن قتادة وحميد عن أنس قال مطرنا بردا وأبو طلحة صائم فجعل يأكل منه قيل له أتأكل وأنت صائم فقال انما هذا بركة **حدثنا** عبيد الله بن سعد بن ابراهيم الزهرى أبو القاسم قال حدثنى عمى يعقوب بن ابراهيم عن شريك عن شعبة بن الحجاج عن قتادة عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصحى بكبشين أقرنين أملحين ويسمى ويكبر ولقد رأيته يذبحهما بيده واضعا على صفاحهما قدمه **حدثنا** عبيد الله بن سعيد قال حدثنى عمى يعقوب عن شريك عن شعبة عن قتادة عن أنس عن النبى صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا فى سجودكم ولا يفترش أحدكم ذراعيه افتراش الكلب أتموا الركوع والسجود فوالله انى لأراكم من بعدى أو من بعد ظهرى اذا ركعتم واذا سجدتم **حدثنا** يعقوب بن ابراهيم الدورقى قال حدثنى سعيد بن عامر عن شعبة عن قتادة عن أنس ان عمومة له شهدوا عند النبى صلى الله عليه وسلم على رؤية الهلال فأمر الناس ان يفطروا وان يخرجوا الى عيدهم من الغد **حدثنا** عبيد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا اسحق بن عبيد الله بن أبى طلحة عن أنس بن مالك ان هوازن جاءت يوم حنين بالنساء والصبيان والابل والغنم فجعلوها صفوفا وكثرن على رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما التقوا ولى المسلمون مدبرين كما قال الله عز وجل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا عباد الله أنا عبد الله ورسوله ثم قال يا معشر الانصار أنا عبد الله ورسوله قال فهزم الله المشركين ولم يضرب بسيف ولم يطعنوا برمح قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ من قتل كافرا فله سلبه قال فقتل أبو طلحة يومئذ عشرين رجلا وأخذ اسلابهم وقال أبو قتادة يا رسول الله انى ضربت رجلا على حبل العاتق وعلى درعه فأجهضت عنه وقد قال حماد أيضا فاعجلتنى عنه فانظر من أخذها قال فقام رجل فقال أنا أخذتها فارضه منها واعطنيها وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يسئل شيأ الا أعطاه أو سكت قال فسكت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقال عمر والله لا يفيئها الله على أسد من أسده ويعطيكها قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم صدق عمر فضحك النبى صلى الله عليه وسلم وقال صدق عمر ولقى أبو طلحة أم سليم ومعها خنجر فقال أبو طلحة ما هذا معك قالت أردت ان دنا منى بعض المشركين ان أبعج به بطنه فقال أبو طلحة ألا تسمع ما تقول أم سليم قالت يا رسول اقتل من بعدنا من الطلقاء انهزموا بك فقال ان الله قد كفى وأحسن يا أم سليم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا سليم بن

---

الوسيلة فانها منزلة فى الجنة لا تنبغى الا لعبد من عباد الله وأرجو أن أكون أنا هو فمن سأل لى الوسيلة حلت عليه الشفاعة (حم م ٣) عن ابن عمر * الجفاء كل الجفاء والكفر والنفاق من سمع منادى الله ينادى بالصلاة ويدعو الى الفلاح فلا يجيبه (طب) عن معاذ بن أنس * حسب المؤمن من الشقاق والحمية أن يسمع المؤذن يثوب فلا يجيبه (طب) عن معاذ بن أنس * اذا سمعتم النداء فقوموا فانها عزمة من الله تعالى (حل) عن عثمان * من سمع المؤذن فقال مثل ما يقول فله مثل أجره (طب) عن معاوية * (الاكمال) * يا معشر النساء اذا سمعتن أذان هذا

الحبشي واقامته فقلن كما يقول فان لكن بكل حرف ألف ألف درجة قال عمر هذا للنساء فما للرجال قال ضعفان باعمر (طب) عن ميمونة * للمؤذن فضل على من أتى بالصلاة عشرين ومائتي حسنة الامن قال مثل مايقول فان أقام فاربعون ومائتا حسنة الامن قال مثل مايقول (ك) في تاريخه وأبو نعيم عن أبي هريرة * من قال اذا أذن المؤذن مثل مايقول فقال حي على الصلاة حي الفلاح قال لاحول ولاقوة الا بالله خلصا دخل الجنة (ص) عن حفص بن عاصم مرسلا (٢٨٠) * اذا سمع النداء بالصلاة فكبر المنادي فكبروا وشهد أن لا اله الا الله وشهد أن محمدا رسول الله فيشهد على ذلك ويقول اللهم اعط سيدنا محمدا الوسيلة واجعل في العالين درجته وفي المصطفين محبته وفي المقربين ذكره الا وجبت له الشفاعة مني يوم القيامة ابن السني عن ابن مسعود * من سمع النداء فقال أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأن محمدا عبده ورسوله اللهم صل عليه وبلغه درجة الوسيلة عندك واجعلنا في شفاعته يوم القيامة وجبت له شفاعتي (طب) وأبو الشيخ في الاذان عن ابن عباس * من سمع المؤذن يؤذن فقال كما يقول رضيت بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد صلى الله عليه وسلم نبيا وبالقرآن اماما وبالكعبة قبلة أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله اللهم اكتب شهادتي هذه في عليين واشهد عليها ملائكتك المقربين وأنبياءك المرسلين وعبادك الصالحين واختم عليها بآمين واجعلها في عندك عهدا توفنيه يوم القيامة انك لا تخلف الميعاد يدون اليه بطاقة من تحت العرش فيها أمانة من النار (هق) في الدعوات وابن صصري في أماليه عن أبي هريرة * من قال حين ينادي المنادي بالصلاة اللهم رب هذه الدعوة القائمة والصلاة النافعة صل على محمد وارض عني رضا لا تسخط بعده استجاب الله له دعوته (حم) وابن السني (طس) عن جابر * من قال اذا سمع النداء اللهم رب هذه الدعوة التامة آت محمدا الوسيلة وابعثه المقعد المقرب الذي وعدته وجبت له الشفاعة (قط) في الافراد عن جابر * من قال حين يسمع المؤذن يؤذن مرحبا بالملقاتلين عدلا مرحبا بالصلاة وأهلا كتب الله له ألفي

أخضر ثنا ابن ثوبان حدثني هشام بن زيد عن أنس بن مالك قال لما كان يوم حنين وجمع هوازن وغطفان للنبي صلى الله عليه وسلم جمعا كثيرا والنبي صلى الله عليه وسلم يومئذ في عشرة آلاف أو أكثر من عشرة آلاف قال ومعه الطلقاء قال فجاؤا بالنعم والذرية فجعلوا يخلف ظهورهم قال فلما التقوا ولى الناس قال والنبي صلى الله عليه وسلم يومئذ على بغلة بيضاء قال فنزل وقال انا عبد الله ورسوله قال ونادى يومئذ نداء بين لم يخلط بينهما كلام فالتفت عن يمينه فقال أي معشر الانصار قالوا لبيك يا رسول أبشر نحن معك ثم التفت عن يساره فقال أي معشر الانصار قالوا لبيك يا رسول الله نحن معك ثم نزل بالارض والتقوا فهزموا وأصابوا من الغنائم فاجلى النبي صلى الله عليه وسلم الطلقاء وقسم فيها فقال الانصار ندعى عند الكرة وتقسم الغنيمة لغيرنا فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فجمعهم وقعد في قبة فقال أي معشر الانصار ما حديث بلغني عنكم فسكتوا ثم قال يا معشر الانصار لو أن الناس سلكوا واديا وسلكت الانصار شعبا لاخذت شعب الانصار ثم قال يا معشر الانصار ترضون أن يذهب الناس بالدنيا وتذهبون برسول الله تحوزونه الى بيوتكم قالوا رضينا يا رسول الله رضينا قال ابن ثوبان قال هشام بن زيد فقلت لانس وأنت تشاهد ذا قال فأين أغيب عن ذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا حماد بن زيد عن ثابت عن أنس بن مالك أن غلاما يهوديا كان يخدم النبي صلى الله عليه وسلم فمرض فأتاه النبي صلى الله عليه وسلم يعوده فقعد عند رأسه فقال له اسلم فنظر الى أبيه وهو عند رأسه فقال أطع أبا القاسم فاسلم فخرج النبي صلى الله عليه وسلم من عنده وهو يقول الحمد لله الذي أنقذه بي من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد عن ثابت ولا أعلمه الا عن أنس أن غلاما من اليهود كان يخدم النبي صلى الله عليه وسلم فمرض فأتاه النبي صلى الله عليه وسلم يعوده وهو بالموت فدعاه الى الاسلام فنظر الغلام الى أبيه وهو عند رأسه فقال له أبوه أطع أبا القاسم فاسلم ثم مات فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من عنده وهو يقول الحمد لله الذي أنقذه بي من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا عيسى يعني ابن طهمان قال سمعت أنس بن مالك يقول أن النبي صلى الله عليه وسلم عندي سر الا أخبر به أحدا ابدا حتى القاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا عيسى بن طهمان قال سمعت أنس بن مالك يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا شريك عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن أنس رفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم انه جمع بين العمرة والحج فقال لبيك بحجة وعمرة معا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن خالد أبو ثور ثنا معمر عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم أعتق صفية بنت حيي وجعل عتقها صداقها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت عمرو بن عامر الانصاري عن أنس بن مالك قال كان المؤذن اذا أذن قام أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم يبتدرون السواري حتى يخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم وهم كذلك يعني الركعتين قبل المغرب ولم يكن بين الاذان والاقامة الا قريب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا عثمان بن المغيرة عن سالم بن أبي الجعد مولى الحسن بن علي قال خرجنا مع علي فأتيناه اذا الخليفة فقال علي اني أريد أن أجمع بين الحج والعمرة فمن أراد ذلك فليقل كما أقول ثم أبى قال لبيك بحجة وعمرة معا قال وقال سالم وقد أخبرني أنس بن مالك قال والله ان رجلي لتمس رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم وانه ليهل بهما جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن

ألف حسنة ومحا عنه ألفي ألف سيئة وترفع له ألفي ألف درجة الخطيب عن موسى بن جعفر عن أبيه عن جده * أقامها الله وأدامها (د) وابن السني عن شهر بن حوشب عن أبي أمامة أو عن بعض الصحابة أن بلالا أخذ في الاقامة فلما قال قد قامت الصلاة قال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * انما جعل الاذان الاول ليتسير أهل الصلاة لصلاتهم فاذا سمعتم الاذان فأسبغوا الوضوء واذا سمعتم الاقامة فبادروا التكبيرة الاولى فانها فرع الصلاة وتمامها ولا تبادروا القارئ بالركوع والسجود (طب) عن ابن عباس (٢٨١) * بادروا الاذان والاقامة عبد الرزاق عن يحيى بن أبي كثير مرسلا * (الافعال) * عن النعمان ابن سعد قال كان علي اذا سمع الاذان قال أشهد بها مع كل شاهد وأحلها عن كل جاحد ابن منيع * عن مجمع الانصاري انه سمع أبا امامة بن سهل بن حنيف حين سمع المؤذن كبر وتشهد بما تشهد به ثم قال هكذا حدثنا معاوية انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا قال أشهد أن محمدا رسول الله قال وأنا أشهد ثم سكت (عب) * عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا سمع المؤذن قال وأنا وأنا أبو الشيخ * عن أم حبيبة أم المؤمنين ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا سمع المؤذن قال كما يقول حتى يسكت (ش) وأبو الشيخ في الاذان * أيضا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان في بيتها فسمع المؤذن فقال كما يقول فلما قال حي على الصلاة نهض رسول الله صلى الله عليه وسلم الى الصلاة (عب) وأبو الشيخ في الاذان * عن أبي هريرة كان مع النبي صلى الله عليه

اسمعيل السدي قال سألت أنس بن مالك قال قلت صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم على ابنه ابراهيم قال لا أدري رحمة الله على ابراهيم لو عاش كان صديقا نبيا قال قلت كيف أنصرف اذا صليت عن يميني أو عن يساري قال أما أنا فرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينصرف عن يمينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حفص بن غياث ثنا عاصم الاحول قال سمعت أنسا وقال له قائل بلغك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا حلف في الاسلام قال فغضب ثم قال بلى بلى قد حالف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين قريش والانصار في داره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا عاصم الاحول عن أنس بن مالك قال حالف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين المهاجرين والانصار في دار أنس بن مالك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال ثنا حميد عن الحسن وعن أنس فيما يحسب حماد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج يتوكأ على اسامة بن زيد وهو متوشح بثوب قطن قد خالف بين طرفيه فصلى بالناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رجلا كان يتهم بامرأة فبعث النبي صلى الله عليه وسلم عليا ليقتله فوجده في ركي يتبرد فيها فقال له ناولني يدك فناوله يده فاذا هو مجبوب ليس له ذكر فأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فأخبره فقال والله يا رسول الله انه لمجبوب ماله من ذكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا خالد الحذاء عن أبي قلابة عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ارحم أمتي بامتي أبو بكر وأشدهم في دين الله عمر وقال عفان مرة في أمر الله عمر واصدقهم حياء عثمان وأفرضهم زيد بن ثابت وأقرؤهم لكتاب الله أبي بن كعب وأعلمهم بالحلال والحرام معاذ بن جبل الا وان لكل أمة أمينا وان أمين هذه الامة أبو عبيدة بن الجراح رضي الله عنهم أجمعين **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ليردن الحوض على رجال حتى اذا رأيتهم ورفعوا الي فاختلجوا دوني فلأقولن يارب أصحابي أصحابي فيقال انك لا تدري ما أحدثوا بعدك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت عبد العزيز بن صهيب قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من لبس الحرير في الدنيا فلن يلبسه في الآخرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسحروا فان في السحور بركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز بن صهيب انه سمع أنس بن مالك عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يتمنى أحدكم الموت من ضر نزل به فان كان لا بد فاعلا فليقل اللهم أحيني ما كانت الحياة خيرا لي وتوفني اذا كانت الوفاة خيرا لي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت عبد العزيز ابن صهيب يحدث عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يضحي بكبشين قال أنس وأنا أضحي بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مرت عليه جنازة فأثنوا عليها خيرا فقال وجبت وجبت ومرت عليه جنازة فأثنوا عليها شرا فقال وجبت وجبت فقال عمر بأبي وأمي يا رسول الله قولك الاول وجبت وقولك الآخر وجبت قال أما الاول فأثنوا عليها خيرا فقلت وجبت له الجنة وأما الآخر فأثنوا عليها شرا فقلت وجبت له النار وأنتم شهداء الله في أرضه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز بن



وسلم رجلان أحدهما لا يكاد يفارقه ولا يعرف له كثير عمل وكان الآخر لا يكاد يرى ولا يعرف له كثير عمل فقال الذي لا يفارق رسول الله صلى الله عليه وسلم يا رسول الله ذهب الصالحون بأجر الصلاة وذهب الصائمون بأجر الصائمين وما عندي الا حب الله ورسوله قال فان لك ما احتسبت وأنت مع من أحببت وأما الآخر فبات فقال النبي صلى الله عليه وسلم في أصحابه هل علمتم ان الله أدخل فلانا الجنة فعجب القوم بأنه كان لا يكاد يرى فقام بعضهم الى امرأته فسألها امر أنه عن عمله فقالت ما كان في ليل ولا نهار ولا على أي حال

ما كان فقال المؤذن أشهد أن لا اله الا الله الا قال مثل قوله أو غير بها وأكفر من أبي ذلك واذا قال أشهد أن محمدا رسول الله قال مثل هذا فقال الرجل بها هذا الحديث دخل الجنة أبو الشيخ وفيه عبد الرحمن بن ثابت بن ثوبان قال (حم) وغيره ليس بالقوي * عن عامر بن سعد عن أبيه سعد أنه قال من قال اذا قال المؤذن أشهد أن لا اله الا الله رضيت بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد نبيا غفر له ذنوبه فقال له رجل يا سعد ما تقدم من ذنبه وما تاخر قال هكذا سمعت



رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول (ش) * عن ابن مسعود قال ما أحب أن يكون مؤذنو كم عبيدكم (عب) * عن عروة عن عمرو بن ام مكتوم انه كان مؤذنا لرسول الله صلى الله عليه وسلم وهو أعمى أبو الشيخ في الاذان * عن جابر بن سمرة كان مؤذن رسول الله صلى الله عليه وسلم بلال فلا يقيم حتى اذا رأى النبي صلى الله عليه وسلم قد خرج أقام الصلاة حين يراه (عب) * عن السائب ابن يزيد كان بلال يؤذن اذا جلس النبي صلى الله عليه وسلم على المنبر يوم الجمعة واذا نزل أقام ثم كان كذلك في زمن أبي بكر وعمر وانما أمر بالتأذين الثالث عثمان ابن عفان حين كثر أهل المدينة وانما كان التأذين يوم الجمعة حين يجلس الامام على المنبر أبو الشيخ * عن زر عن صفوان بن عسال قال بينما نحن نسير مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا نحن بصوت يقول الله أكبر الله أكبر فقال النبي صلى الله عليه وسلم على الفطرة فقال أشهد أن لا اله الا الله فقال ورئ هذا من الشرك قال أشهد أن محمدا رسول الله قال خرج من النار قال حي على الصلاة قال انه لراعي غنم أو مبتدئ باهله فابتدره القوم فاذا هو رجل مبتدئ باهله أبو الشيخ في الاذان * عن عمرو بن محمد بن زيد بن عبد الله بن عمر عن حدثه قال كان علي يؤذن بالكوفة ويقيم ويصلي بالناس (ص) * عن أبي بن كعب قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب والعشاء باقامة واحدة ابن جرير * عن أبي هريرة قال كان بلال اذا أراد أن يقيم الصلاة قال السلام عليك أيها النبي ورحمة الله وبركاته الصلاة يرحمك الله الطبراني في الاوسط * (الباب الثامن في صلاة الجمعة وما يتعلق بها وفيه خمسة فصول الفصل

صهيب قال سمعت أنس بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجوزها ويكملها يعني يخفف الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز عن أنس قال تزوج رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية فقال له ثابت ما أصدقها قال أصدقها نفسها اعتقها وتزوجها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد العزيز بن صهيب قال سمعت أنس بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أتى الخلاء قال أعوذ بالله من الخبث والخبيث أو الخبائث قال شعبة وقد قالهما جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد الله بن عبد الله بن جبر قال سمعت أنس بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل بخمسة مكاكيك وكان يتوضأ بالمكوك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يحيى بن أبي اسحق قال سألت أنس ابن مالك عن الصلاة في السفر فقال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من المدينة فكان يصلي ركعتين حتى نرجع الى المدينة فسألتموه كم أقمتم بمكة قال عشرة أيام قلت فيم أهل رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لبيك بعمرة وحجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال أخبرني حميد الطويل عن أنس قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لبيك بعمرة وحجة معا أو قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حميد الطويل قال سمعت أنس بن مالك يقول دعا رسول الله صلى الله عليه وسلم غلاما منا فجمعه فاعطاه أجره صاعا أو صاعين وكلم مواليه ان يخففوا عنه من ضريبته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قنت شهرا يدعو على أحياء من العرب رعل وبني لحيان وعصية وذكوان في صلاة الصبح **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن خالد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قنت شهرا بعد الركوع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان لا يرفع يديه في شئ من الدعاء الا عند الاستسقاء حتى يرى بياض ابطيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من نسي صلاة أو نام عنها فان كفارتها ان يصليها اذا ذكرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يعلى بن زيد قال سمعت أنسا يقول ان كان المؤذن ليؤذن على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فيرى انهم الاقامة من كثرة من يقوم فيصلي الركعتين قبل المغرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت حمزة الضبي قال سمعت أنس بن مالك يقول ما صليت يعني وراء رجل أوجز من الناس أخف صلاة من رسول الله صلى الله عليه وسلم في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن أنس بن مالك ان أمه أم سليم سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم قالت المرأة ترى في منامها ما يرى الرجل فقال اذا رأت ذلك في منامها فلتغتسل فقالت أم سلمة زوج النبي صلى الله عليه وسلم واستحييت أو يكون هذا يا رسول الله قال نعم فمن أين يكون الشبه ماء الرجل أبيض غليظ وماء المرأة أصفر رقيق فمن أيهما سبق أو علا يكون الشبه **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا عفان ثنا سليمان بن المغيرة ثنا ثابت عن أنس بن مالك قال انطلق حارثة ابن عمتي يوم بدر مع رسول الله صلى الله عليه وسلم غلاما فطارا ما انطلق للقتال قال فاصابه سهم فقتله قال فجاءت أمه عمتي الى رسول الله

الاول فى فضائلها والترغيب فيها) * الجمعة ج المساكين ابن زنجويه فى ترغيبه والقضاعى عن ابن عباس * الجمعة ج الفقراء القضاعى وابن عساكر عن ابن عباس * ان الله تعالى فى كل يوم جمعة ستمائة ألف عتيق يعتقهم من النار كلهم قد استوجبوا النار (ع) عن أنس * ان جهنم تسجر الا يوم الجمعة (د) عن أبى قتادة * ان أفضل أيامكم يوم الجمعة فيه خلق آدم وفيه قبض وفيه النفخة وفيه الصعقة فاكثروا على الصلاة فيه فان صلاتكم معروضة على قال ان يوم الجمعة يوم عيد وذكر فلا تجعلوا يوم عيدكم يوم صيام (٢٨٣) ولكن اجعلوه يوم ذكر الا أن تخلطوه بايام

(هب) عن أبى هريرة * سيد الايام عند الله تعالى يوم الجمعة أعظم من يوم النحر والفطر وفيه خمس خلال فيه خلق الله تعالى آدم وفيه أهبط من الجنة الى الارض وفيه توفى وفيه ساعة لا يسأل العبد فيها الله تعالى شيأ الا أعطاه اياه مالم يسأل اثما أو قطيعة رحم وفيه تقوم الساعة وما من ملك مقرب ولا سماء ولا أرض ولا ريح ولا جبل ولا بحر الا وهو مشفق من يوم الجمعة الشافعى (حم ت ع) عن سعد بن عبادة * انما سميت الجمعة لان آدم جمع فيها خلقه (خط) عن سلمان * فضل الجمعة فى رمضان كفضل رمضان على الشهور (فر) عن جابر * ليس عند الله تعالى يوم ولا ليلة تعدل الليلة الغراء واليوم الازهر ابن عساكر عن أبى بكر * ليس من الصلوات صلاة أفضل من صلاة الفجر يوم الجمعة فى الجماعة وما أحسب من شهدها منكم الا مغفورا له الحكيم (طب) عن أبى عبيدة * اذا راح مناسبعون رجلا الى الجمعة كانوا

صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول ابنى حارثة ان يكن فى الجنة أصبر واحتسب والا فسيرى الله ما أصنع قال يا أم حارثة انها جنان كثيرة وان حارثة فى الفردوس الاعلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا مبارك بن فضالة ثنا الحسن أخبرنى أنس بن مالك قال كنت عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فى بيته فجاء رجل فقال يا رسول الله متى الساعة قال ثم انها قائمة فما أعددت لها قال والله يا رسول الله ما أعددت لها من كثير عمل غير انى أحب الله ورسوله قال فانك مع من أحببت ولك ما احتسبت قال ثم قام رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى فلما قضى صلاته قال أين السائل عن الساعة فاتى بالرجل فنظر رسول الله صلى الله عليه وسلم الى البيت فاذا غلام من دوس من رهط أبى هريرة يقال له سعد بن مالك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا الغلام ان طال به عمر لم يبلغ به الهرم حتى تقوم الساعة قال الحسن وأخبرنى أنس أن الغلام كان يومئذ من أقراني **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا ابراهيم أبو اسمعيل القناد ثنا قتادة عن أنس بن مالك عن رسول الله صلى الله عليه وسلم يرويه عن ربه عز وجل قال يقول ربكم عز وجل اذا تلقانى عبدى شبرا تلقيته ذراعا واذا تلقانى ذراعا تلقيته باعا واذا تلقانى يمشى تلقيته أهرول **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا أبان يعنى العطار أخبرنا قتادة عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم قال بعثت أنا والساعة كهاتين وأومأ عفان بالسبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا عفان ثنا أبان ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال كان حارثة أصيب يوم بدر فقالت أم حارثة يا نبى الله ان كان ابنى أصاب الجنة رالا اجتهدت عليه البكاء قال يا أم حارثة انها جنان كثيرة فى جنة وان حارثة أصاب الفردوس الاعلى قال أبى وبهذا الاسناد واللفظ ان نبى الله صلى الله عليه وسلم كان يقول لا تبادروا ولا تباغضوا ولا تحاسدوا وكونوا عباد الله اخوانا وان النبى صلى الله عليه وسلم كان يقول تراصوا صفوفكم وقاربوا بينها وحاذوا بين الاعناق فوالذى نفس محمد بيده انى لارى الشيطان يدخل من خلل الصف كانه الحذف **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الله عز وجل لا يظلم المؤمن حسنة يثاب عليها الرزق فى الدنيا ويجزى بها فى الآخرة قال وأما الكافر فيطعم بحسناته فى الدنيا حتى اذا أفضى الى الآخرة لم يكن له حسنة يعطى بها خيرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد قال أنا سماك بن حرب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث ببراءة مع أبى بكر الى أهل مكة قال ثم دعاه فبعث بها علىا قال لا يبلغها الا رجل من أهلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا أيوب عن أبى قلابة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى يتباهى الناس فى المساجد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا نوح بن قيس ثنا الاشعث ابن جابر الحرانى عن أنس بن مالك عن النبى صلى الله عليه وسلم قال ربكم عز وجل من أذهبت كريمتيه ثم صبر واحتسب كان ثوابه الجنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا عبد الوارث ثنا عبد العزيز ابن صهيب عن أنس بن مالك قال كان فراش لعائشة قد سترت به جانب بيتها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أميطى عنا فراشك هذا فانه لا يزال تصاوره تعرض لى فى صلاتى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا خلف بن خليفة ثنا حفص بن عمر عن أنس بن مالك قال كان من دعاء رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم انى أعوذ بك من علم لا ينفع وقلب لا يخشع ودعاء لا يسمع ونفس لا تشبع اللهم انى أعوذ بك من هؤلاء الاربع

كسبعين موسى الذين وفدوا الى ربهم وأفضل (طس) عن أنس * ليلة الجمعة ويوم الجمعة أربع وعشرون ساعة لله تعالى فى كل ساعة منها ستمائة ألف عتيق من النار كلهم قد استوجبوا النار الخليلى عن أنس * ما من مسلم يموت يوم الجمعة أو ليلة الجمعة الا وقاه الله فتنة القبر (حم ت) عن ابن عمر * ان الناس يجلسون من الله تعالى يوم القيامة على قدر رواحهم الى الجمعات الاول ثم الثانى ثم الثالث ثم الرابع (ه) عن ابن مسعود الجمعة الى الجمعة كفارة ما بينهما مالم تغش الكبائر (ه) عن أبى هريرة اذا سلمت الجمعة سلمت الايام واذا سلم رمضان سلمت السنة (قط) فى

الافراد عن عائشة * خير يوم طلعت فيه الشمس يوم الجمعة فيه خلق آدم وفيه أهبط وفيه تيب عليه وفيه قبض وفيه تقوم الساعة ما على الارض من دابة الا وهي تصبح يوم الجمعة مصيخة حتى تطلع الشمس شفقا من الساعة الا ابن آدم وفيه ساعة لا يصادفها عبد مسلم مؤمن وهو في الصلاة يسأل الله تعالى شيأ الا أعطاه اياه مالك (حم ٣ حب ك) عن أبي هريرة * أضل الله عن الجمعة من كان قبلنا فكان لليهود يوم السبت وكان للنصارى يوم الاحد فجاء الله بنا فهدانا (٢٨٤) ليوم الجمعة فجعل الجمعة والسبت والاحد وكذلك هم تبع لنا يوم القيامة نحن الآخرون من أهل الدنيا والاولون يوم القيامة المقضى لهم قبل الخلائق (م ن ه) عن حذيفة وأبي هريرة * ان الله تبارك وتعالى ليس بتارك أحدا من المسلمين يوم الجمعة الا غفر له (طس) عن أنس * ان الله تبارك وتعالى يبعث الايام يوم القيامة على هيئتها ويبعث الجمعة زهراء منيرة لاهلها يحفون بها كالعروس تهدى الى كريمها تضيء لهم يمشون في ضوئها ألوانهم كالثلج بياضا وريحهم كالمسك يخوضون في جبال الكافور ينظر اليهم الثقلان ما يطرفون تعجبا حتى يدخلوا الجنة لا يخالطهم أحد الا المؤذنون المحتسبون (ك هب) عن أبي موسى * ان الملائكة ليقومون يوم الجمعة على أبواب المساجد معهم الصحف يكتبون الناس الاول والثاني والثالث حتى اذا خرج الامام طويت الصحف (حم ع طب ض) والضياء عن أبي امامة * ان هذا اليوم جعله الله عيدا للمسلمين فمن جاء الى الجمعة فليغتسل وان كان طيب فليمس منه وعليكم بالسواك

مالك والشافعي عن عبيد بن السباق مرسلا (ه) عنه عن ابن عباس * تضاعف الحسنات يوم الجمعة (طس) يا تونها

عن أبي هريرة * ما من رجل يتطهر يوم الجمعة كما أمر ثم يخرج من بيته حتى يأتي الجمعة وينصت حتى يقضي صلاته الا كان كفارة لما قبله من الجمعة (ن) عن سلمان * من توضأ يوم الجمعة فاحسن الوضوء ثم أتى جمعة واستمع وأنصت غفر له ما بينه وبين الجمعة الاخرى وزيادة ثلاثة أيام ومن مس الحصى فقد لغا (حم م د ن ه) عن أبي هريرة * ان يوم الجمعة سيد الايام وأعظمها عند الله تعالى وهو أعظم عند الله تعالى من يوم

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا محمد بن دينار حدثني يحيى بن يزيد عن أنس بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن رجل كانت تحته امرأة فطلقها ثلاثا فتزوجت بعده رجلا فطلقها قبل أن يدخل بها أتحل لزوجها الاول قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا حتى يكون الآخر قد ذاق من عسيلتها وذاقت من عسيلته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة أخبرني جعفر بن معبد قال ذهبت الى أنس بن مالك أنا وحميد بن عبد الرحمن قال فسمعت أنسا قال كنا اذا بايعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يلقننا هو فيما استطعت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة عن أبي معاذ عطاء بن أبي ميمونة قال سمعت أنسا يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج لحاجته يجيء أنا وغلام منا باداوة من ماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسرائيل سألت أبي عنه فقال شيخ ثقة أخبرنا أبو اسحق يعني الفزاري عن الاوزاعي عن اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن أنس بن مالك قال جئتني أمي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بشيء فرأيته قائما في يده الميسم يسم الصدقة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس ان أخت الربيع أم حارثة جرحت انسانا فاختصموا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم القصاص القصاص فقالت أم الربيع يا رسول الله أيقتص من فلانة لا والله لا يقتص منها أبدا قال النبي صلى الله عليه وسلم سبحان الله يا أم ربيع كتاب الله قالت لا والله لا يقتص منها أبدا قال فما زالت حتى قبلوا منها الدية فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من عباد الله من لو أقسم على الله لأبره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم فاعطاه غنما بين جبلين فأتى قومه فقال أي قوم أسلموا فوالله ان محمدا ليعطي عطاء من لا يخاف الفاقة وان كان الرجل ليجيء الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ما يريد الا الدنيا فما يمسي حتى يكون دينه أحب اليه وأدر عليه من الدنيا بما فيها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد وقال أنا ثابت وحميد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال حفت الجنة بالمكاره وحفت النار بالشهوات حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت وحميد عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بمقبرة لبني النجار في حائط وهو على بغلة شهباء فاذا هو بقبر يعذب فحاصت البغلة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لولا أن لا تدافنوا لسألت الله أن يسمعكم عذاب القبر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم دعا ابيا فقال ان الله عز وجل أمرني أن أقرأ عليك فقال سماني لك قال الله سماك لي فجعل يبكي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما من نفس منفوسة تموت لها عند الله خير يسرها أن ترجع الى الدنيا الا الشهيد فانه يتمنى أن يرجع الى الدنيا فيقتل لما يرى من فضل الشهادة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي نحو بيت المقدس فنزلت قد نرى تقلب وجهك في السماء فلنولينك قبلة ترضاها فول وجهك شطر المسجد الحرام فمر رجل من بني سلمة وهم ركوع في صلاة الفجر وقد صلوا ركعة فنادى ألا ان القبلة قد حولت الا ان القبلة قد حولت الى الكعبة قال فمالوا كما هم نحو القبلة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان لاهل الجنة سوقا

الاضحى ويوم الفطر فيه خمس خلال خلق الله تعالى فيه آدم وأهبط الله فيه آدم الى الارض وفيه توفى الله تعالى آدم وفيه ساعة لا يسأل الله تعالى فيها العبد شيأ الا أعطاه اياه مالم يسأل حراما وفيه تقوم الساعة وما من ملك مقرب ولا سماء ولا أرض ولا رياح ولا جبال ولا بحر الا وهن يشفقن من يوم الجمعة أن تقوم فيه الساعة (حم ه) عن أبي لبابة بن عبد المنذر * عرضت على الايام فعرض على فيها يوم الجمعة فاذا هي كمرآة بيضاء واذا في وسطها نكتة سوداء فقيل ما هذه قيل الساعة (طس) عن أنس (٢٨٥) * (الاكمال) * أتاني جبريل وفي يده كالمرآة البيضاء فيها كالنكتة السوداء فقلت ياجبريل ما هذه قال هذه الجمعة قلت وما الجمعة قال لكم فيها خير قلت ولمن نافيها قال تكون عيدا لك ولقومك من بعدك وتكون اليهود والنصارى تبعا لك قلت ولمن نافيها قال لكم فيها ساعة لا يوافقها عبد مسلم يسأل الله فيها شيأ من الدنيا والآخرة هو له قسم الا أعطاه اياه أو ليس له بقسم الا ذخره له عنده ما هو أفضل منه أو يتعوذ من شر هو عليه مكتوب الا صرف عنه من البلاء ما هو أعظم منه قلت وما هذه النكتة فيها قال هي الساعة وهي تقوم يوم الجمعة وهو عندنا سيد الايام ونحن ندعوه يوم القيامة يوم المزيد قلت ثم ذاك قال لان ربك تبارك وتعالى اتخذ في الجنة واديا من مسك أبيض فاذا كان يوم الجمعة هبط من عليين على كرسيه تبارك وتعالى ثم حف الكرسي بمنابر من ذهب مكللة بالجواهر ثم يجيء النبيون حتى يجلسون عليها وينزل أهل الغرف حتى يجلسوا على ذلك الكثيب ثم يتجلى لهم تبارك وتعالى ثم يقول سلوني أعطكم فيسألونه الرضا فيقول لرضاي أحلكم داري وأنالكم كرامتي فسلوني أعطكم فيسألونه الرضا فيشهدهم انه قد رضي عنهم فيفتح لهم مالم ترعين ولم تسمع أذن ولم يخطر على قلب بشر وذلك مقدار انصرافكم من يوم الجمعة ثم يرتفع ويرتفع معه النبيون والصديقون والشهداء ويرجع أهل الغرف الى غرفهم وهي درة بيضاء ليس فيها فصم ولا وصم أو درة حمراء أو زبرجدة خضراء فيها غرفها وأبوابها مادورة وفيها أنهارها وثمارها وأشجارها فليس شيأ أحوج منهم الى يوم الجمعة ليزدادوا الى ربهم نظرا وليزدادوا منه كرامة (ش) عن أنس * اذا

يأتونها كل جمعة فيها كثبان المسك فاذا أخبروا اليها هبت الريح قبال جادا حسبته قال أسمها لي قال فتملأ وجوههم وثيابهم وبيوتهم مسكا فيزدادون حسنا وجمالا فاذا قال فيأتون أهاليهم فيقولون لقد ازددتم بعدنا حسنا وجمالا ويقولون لهم وانتم قد ازددتم بعدنا حسنا وجمالا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك قال لما نزلت لن تنالوا البر حتى تنفقوا مما تحبون قال أبو طلحة يا رسول الله أرى ربنا يسألنا من أموالنا وانى أشهدك انى قد جعلت أرضي بيرحاء لله عز وجل قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجعلها في قرابتك فقسمها بين حسان بن ثابت وأبي بن كعب قال عفان وقال يزيد عن حميد عن أنس بيرحا قال عفان سألت عنها غير واحد من أهل المدينة فزعموا انها بيرحاء وان بيرحا ليس بشيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا سلام أبو المنذر عن ثابت عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم حبب الي من الدنيا النساء والطيب وجعلت قرة عيني في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن الجعد أبي عثمان عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال له يا بني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سعيد بن زيد ثنا علي بن زيد قال سمعت أنس بن مالك يقول اني لاعرف اليوم ذنوبا هي أدق في أعينكم من الشعر كنا نعدها على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من الكبائر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا علي بن زيد عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان عمر بباب فاطمة ستة أشهر اذا خرج الى صلاة الفجر يقول الصلاة يا أهل البيت انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس أهل البيت ويطهركم تطهيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا ثابت وأبو عمران الجوني عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يخرج أربعة من النار قال أبو عمران أربعة قال ثابت رجلا انه فيعرضون على الله عز وجل ثم يؤمر بهم الى النار قال فيلتفت أحدهم فيقول أي رب قد كنت أرجو اذ أخرجتني منها ان لا تعيدني فيها فينجيه الله منها عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس بن مالك قال بينما النبي صلى الله عليه وسلم مع امرأة من نسائه اذ مر به رجل فقال النبي صلى الله عليه وسلم يا فلان هذه فلانة زوجتي فقال الرجل يا رسول الله من كنت أظن به فاني لم أكن لاظن بك قال ان الشيطان يجري من ابن آدم مجرى الدم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم استقبله ذات يوم صبيان من الانصار والاماء فقال والله اني لاحبكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان له حاد يقال له انجشة وكان حادي الرجال وكان أنجشة يحدو بأزواج النبي صلى الله عليه وسلم فلما حدا اعنقت الابل فقال النبي صلى الله عليه وسلم ويحك يا أنجشة رويدا سوقك بالقوارير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن نفرا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم سألوا أزواج النبي صلى الله عليه وسلم عن عمله في السر فقال بعضهم لا أتزوج النساء وقال بعضهم لا آكل اللحم وقال بعضهم لا أنام على فراش وقال بعضهم أصوم ولا أفطر فقام فحمد الله وأثنى عليه ثم قال ما بال أقوام قالوا كذا وكذا لكن انا أصلي وأنام وأصوم وأفطر وأتزوج النساء فمن رغب عن سنتي فليس مني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن امرأة كان في عقلها شيء فقالت يا رسول الله ان لي حاجة فقال يا أم فلان انظري الى أي الطريق شئت فقام معها ينا جيها حتى قضت حاجتها

كان يوم الجمعة نادت الطير الطير والوحوش الوحوش والسباع السباع سلام عليكم هذا يوم الجمعة الديلمي عن علي * أفضل الايام عند الله يوم الجمعة وهو شاهد والمشهود يوم عرفة واليوم الموعود يوم القيامة (هب) عن أبي هريرة * ان ليلة الجمعة ليلة غراء ويومها يوم أزهر ابن السني في عمل يوم وليلة عن أنس * سمي يوم الجمعة لان فيها طبعت طينة أبيك آدم وفيها الصعقة والبعثة وفيه البطشة وفي آخر ثلاث ساعات منها ساعة من دعا الله فيها استجاب له (خم) عن أبي (٢٨٦) هريرة * مهما ان الله لا يحب الفحش والتفحش قالوا قولا فردد ناعليهم فلم يضرنا شيأ ولزمهم

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس قال كنا نحدث انه لا تقوم الساعة حتى لا تعمر السماء ولا تنبت الارض وحتى يكون لخمسين امرأة القيم الواحد وحتى ان المرأة لتمر بالبعل فينظر اليها فيقول لقد كان لهذه مرة رجل ذكره حماد مرة هكذا وقد ذكره عن ثابت عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم لا يشك فيه وقد قال أيضا عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم فيما يحسب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس ان أهل اليمن لما قدموا على رسول الله صلى الله عليه وسلم قالوا ابعث معنا رجلا يعلمنا السنة والاسلام قال فأخذ بيد أبي عبيدة بن الجراح وقال هذا أمين هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس أن ام سليم كانت مع أبي طلحة يوم حنين فاذا مع ام سليم خنجر فقال أبو طلحة ما هذا معك يا ام سليم فقالت ام سليم اتخذته ان دنا مني أحد من الكفار أبعج به بطنه فقال أبو طلحة يا نبي الله ألا تسمع ما تقول ام سليم تقول كذا وكذا فقالت يا رسول الله اقتل من بعدنا من الطلقاء انهزموا بنا يا رسول الله فقال يا ام سليم ان الله عز وجل قد كفانا وأحسن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بهذه قال أنا ثابت عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اعطي يوسف عليه الصلاة والسلام شطر الحسن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن قتادة وثابت وحميد عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان رضي الله عنهم كانوا يستفتحون القرءة بالحمد لله رب العالمين الا أن حميدا لم يذكر النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيت كأني في دار عقبة بن رافع فاتينا برطب من رطب ابن طاب فأولت أن الرفعة لنا في الدنيا والعاقبة في الآخرة وان ديننا قد طاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال استووا فوالله اني لاراكم من خلفي كما أراكم من بين يدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن حميد عن أنس بمثله غير أنه قال استووا وتراصوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لقد أخفت في الله عز وجل وما يخاف أحد ولقد أوذيت في الله وما يؤذى أحد ولقد أتت علي ثلاثون من بين يوم وليلة ومالي ولا لبلال طعام يأكله ذو كبد الا شيء يواريه ابط بلال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت وعلي بن زيد عن أنس بن مالك ان المشركين لما رهقوا النبي صلى الله عليه وسلم وهو في سبعة من الانصار ورجلين من قريش قال من يردهم عنا وهو رفيقي في الجنة فجاء رجل من الانصار فقاتل حتى قتل فلما أرهقوه أيضا قال من يردهم عني وهو رفيقي في الجنة حتى قتل السبعة فقال لرسول الله صلى الله عليه وسلم اصاحبيه ما أنصفنا اخواننا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا قتادة وثابت وحميد عن أنس بن مالك قال غلا السعر بالمدينة على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال الناس يا رسول الله غلا السعر سعر لنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله هو المسعر القابض الباسط لارجو اني لارجو أن ألقى الله عز وجل وليس أحد منكم يطلبني بمظلمة في دم ولا مال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا ثابت عن أنس ان أبا طلحة كان يرمي بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم احد والنبي صلى الله عليه وسلم خلفه يترس به وكان راميا وكان اذا رمى رفع رسول الله صلى الله عليه وسلم شخصه ينظر أين يقع سهمه ويرفع أبو طلحة صدره ويقول هكذا بابي أنت وامي يا رسول الله

الى يوم القيامة فانهم لا يحسدوننا على شيء كما يحسدوننا على الجمعة التي هدانا الله لها وضلوا عنها ويحلى بالقبلة التي هدانا الله لها وضلوا عنها وعلى قولنا خلف الامام آمين (حم) عن عائشة * في سبعة أيام يوم اختصه الله تعالى على الايام كلها يوم الجمعة فيها خلق الله السموات والارض وفيها قضى خلقهن وفيها خلق الجنة والنار وفيها خلق آدم وفيها أهبط عليه من الجنة وتاب عليه وفيها تقوم الساعة ليس شيء مما خلق الله الا وهو يصيخ صبيحة ذلك اليوم شفقا من أن تقوم الساعة الا الجن والانس أبو الشيخ في العظمة عن أبي هريرة * لا تطلع الشمس ولا تغرب على يوم أفضل من يوم الجمعة وما من دابة الا وهي تفزع يوم الجمعة الا هذين الثقلين الجن والانس (حب) عن أبي هريرة * ليس من أعمالكم أمتي عيد أفضل من يوم الجمعة وركعتان في يوم الجمعة أفضل من ألف ركعة في غير يوم الجمعة وتسبيحة في يوم الجمعة أفضل من ألف تسبيحة في غير يوم الجمعة الديلمي عن أنس * من مات يوم الجمعة أو ليلة الجمعة وقي من عذاب القبر وحوسب حسابا يسيرا (ك) عن ابن عمر * من مات يوم الجمعة أو ليلة الجمعة أجير من عذاب القبر وجاء يوم القيامة وعليه طابع الشهداء (حل) عن جابر * ألا أخبركم بأهل الجنة من لا يشتغل عن الجمعة حر شديد ولا برد شديد ولا روغ الديلمي عن أنس * من صلى الجمعة كتبت له حجة مقبلة فان صلى العصر كانت له عمرة فان عمي في مكانه لم يسأل الله شيأ الا أعطاه اياه الديلمي عن أبي الدرداء * المسلم يوم الجمعة بحرم فان صلى الجمعة فقد أحل

لا

فان جلس الى أن يصلي العصر كان كمن أتى بحجة وعمرة أبو اسحق ابراهيم بن شاقلا في معجمه وابن النجار عن ابن عمر * الجمعة الى الجمعة والصلوات الخمس كفارات لما بينهن ما اجتنبت الكبائر والغسل يوم الجمعة كفارة المشي الى الجمعة كل قدم منها كعمل عشر سنة فاذا فرغ من صلاة الجمعة أجيز بعمل مائتي سنة (هب) عن أبي بكر * (الافعال) ** عن أوس بن أوس الثقفي عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من أفضل أيامكم يوم الجمعة فيه خلق آدم وفيه قبض وفيه النفخة وفيه الصعقة فاكثروا علي (٢٨٧) الصلاة فيه فان صلاتكم تعرض علي قالوا

لا يصيبك سهم نحري دون نحرك وكان ابو طلحة يسوق نفسه بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم ويقول اني جعلت يا رسول الله فوجهي في حوانجك ومرني بما شئت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن النبي صلى الله عليه وسلم لما أراد أن يحلق رأسه بمنى أخذ أبو طلحة شق رأسه فحلق الجانب فجاء به الى أم سليم وكانت أم سليم تجعله في مسكها وكان يجي فيقبل عند بها على نطع وكان معرقا فجاء ذات يوم فجعلت تسلت العرق وتجعله في قارورة لها فاستيقظ النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما تجعلين يا أم سليم قالت يا نبي الله عرقك أريد أن أدوف به طيبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس بن مالك قال لما نزلت يا أيها الذين آمنوا لا ترفعوا أصواتكم فوق صوت النبي قال فعقد ثابت ابن قيس في بيته فافتقده رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لسعد بن معاذ يا أبا عمرو ما شأن ثابت بن قيس لا يرى آشتكى فقال ما علمت له بمرض وانه لجاري فدخل عليه سعد فذكر له قول النبي صلى الله عليه وسلم فقال قد علمت اني كنت من أشدكم رفعا صوت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وقد نزلت هذه الآية وقد هلكت أنا من أهل النار فذكر ذلك سعد للنبي صلى الله عليه وسلم فقال بل هو من أهل الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا قتادة عن أنس أن ثمانين عرينة قدموا المدينة فاجتووها فبعث بهم رسول الله صلى الله عليه وسلم في ابل الصدقة وقال اشربوا من البانها وأبوالها فقتلوا راعي رسول الله صلى الله عليه وسلم واستاقوا الابل وارتدوا عن الاسلام فاتي بهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقطع أيديهم وأرجلهم من خلاف وسمر أعينهم وألقاهم بالحرة قال أنس قد كنت أرى أحدهم يكدم الارض بفيه حتى ماتوا وربما قال حماد يكدم الارض بفيه حتى ماتوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد وهمام ثنا قتادة عن أنس بنحو حديث حماد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان أبا بكر كان رديف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين مكة والمدينة وكان أبو بكر يختلف الى الشام وكان يعرف وكان النبي صلى الله عليه وسلم لا يعرف فكانوا يقولون يا أبا بكر ما هذا الغلام بين يديك قال هذا يهدي السبيل فاذا دنوا من المدينة نزلا الحرة وبعثا الى الانصار فجاؤا فقالوا قوما آمنين مطاعين قال فشهدته يوم دخل المدينة فما رأيت يوما قط كان أحسن ولا أضوأ من يوم دخل علينا فيه وشهدته يوم مات فما رأيت يوما كان أقبح ولا أظلم من يوم مات فيه صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ترك قتلى بدر ثلاثة أيام حتى جيفوا ثم أتاهم فقام عليهم فقال يا أمية بن خلف يا أبا جهل بن هشام يا عتبة بن ربيعة يا شيبة بن ربيعة هل وجدتم ما وعدكم ربكم حقا فاني قد وجدت ما وعدني ربي حقا فاك فسمع عمر صوته فقال يا رسول الله أتناديهم بعد ثلاث وهل يسمعون يقول الله عز وجل انك لا تسمع الموتى فقال والذي نفسي بيده ما أنتم بأسمع منهم ولكنهم لا يستطيعون ان يجيبوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس ان أبا طلحة مات له ابن فقالت أم سليم لا تخبر ولدا بأبي طلحة حتى أكون أنا الذي أخبره فسجت عليه فلما جاء أبو طلحة وضعت بين يديه طعاما فاكل ثم تطيبت له فاصاب منها فلما علمت بغلام قالت يا أبا طلحة ان آل فلان استعاروا من آل فلان عارية فبعثوا اليهم ابعثوا الينا بعاريتنا فابوا ان يردوها فقال أبو طلحة ليس لهم ذلك ان العارية مؤداة الى أهلها قالت فان ابنك كان عارية من الله عز وجل وان الله عز وجل قد قبضه فاسترجع قال أنس فاخبر

يا رسول الله كيف تعرض صلاتنا عليك وقد أرمت يقول يبلت قال ان الله حرم على الارض أن تأكل أجساد الانبياء (حم ك ض عن أبي نعيم * (الفصل الثاني في الساعة المرجوة في يوم الجمعة) * التمسوا الساعة التي ترجى في يوم الجمعة بعد العصر الى غيبوبة الشمس (ت) عن أنس * ان في الجمعة لساعة لا يوافقها عبد مسلم وهو قائم يصلي يسأل الله تعالى فيها خيرا الا أعطاه اياه مالك (حم م ن ه) عن أبي هريرة * لو دعي بهذا الدعاء على شيء بين المشرق والمغرب في ساعة من يوم الجمعة لاستجيب لصاحبه لا اله الا أنت يا حنان يا منان يا بديع السموات والارض يا ذا الجلال والاكرام (خط) عن جابر * ان في الجمعة ساعة لا يسأل الله تعالى العبد فيها شيأ الا آتاه اياه حين تقام الصلاة الى انصراف منها (ت ه) عن عمرو بن عوف * اني كنت أعلمها يعني الساعة التي في الجمعة ثم أنسيتها كما أنسيت ليلة القدر (ه)

وابن خزيمة (لـ هب) عن أبي سعيد * هي ما بين أن يجلس الامام الى أن تقضى الصلاة يعني ساعة الاجابة (م د) عن أبي موسى * في الجمعة ساعة لا يوافقها عبد يستغفر الله تعالى الا غفر له ابن السني عن أبي هريرة * يوم الجمعة اثنا عشرة ساعة منها ساعة لا يوجد عبد مسلم يسأل الله تعالى شيأ الا أعطاه الله اياه فالتمسوها آخر ساعة بعد العصر (د ن لـ) عن جابر * (الاكمال) * ان في الجمعة لساعة لا يوافقها مسلم يسأل الله تعالى فيها خيرا الا أعطاه اياه اذا تدلى نصف الشمس للغروب (هب) عن فاطمة الزهراء * فيه ساعة لا يدعو العبد فيها ربه الا استجاب له ذلك حين

يقوم الامام (طب) عن ميمونة بنت سعد * ان في الجمعة ساعة لا يوافقها عبد مسلم وهو قائم يصلي يسأل الله فيها خيرا الا أعطاه وهي ساعة خفيفة
مالك (حم م ن ٤) عن أبي هريرة * (الفصل الثالث في وجوب الجمعة والترهيب على تركها ومن لا تجب عليه) * يا أيها الناس توبوا الى
ربكم قبل أن تموتوا وبادروا باليوم بالاعمال الصالحة قبل أن تشتغلوا وصلوا الذي بينكم وبين ربكم بكثرة ذكركم له وكثرة الصدقة في السر
والعلانية تؤجروا وتحمدوا ترزقوا (٢٨٨) وتنصروا وتجبروا واعلموا ان الله تعالى افترض عليكم الجمعة في مقامي هذا في يومي هذا في
شهري هذا في عامي هذا
الى يوم القيامة فريضة
مكتوبة من وجد اليه سبيلا
فمن تركها في حياتي أو بعد
موتي جحودا بها وباستخفافها
بحقها وله امام عادل أو جائر
فلا جمع الله له شمله ولا
بارك له في أمره ألا ولا صلاة
له ألا ولا وضوء له ألا ولا حج
له ألا ولا صدقة له ألا ولا
زكاة له ألا ولا صوم له ألا
ولا بر له حتى يتوب فمن تاب
تاب الله عليه ألا لا تؤمن
امرأة رجلا ولا يؤم اعرابي
مهاجرا ولا يؤم فاجر مؤمنا
الا أن يقهره سلطان يخاف
سيفه وسوطه (ه هق) عن
جابر * الاهل عسى أحدكم
أن يتخذ الصبعة من الغنم
على رأس ميل أو ميلين
فيتعذر عليه الكلأ فيرتفع
ثم تجيء الجمعة فلا يجيء ولا
يشهدها وتجيء الجمعة فلا
يشهدها وتجيء الجمعة فلا
يشهدها حتى يطبع على
قلبه (ه ك هب) عن أبي
هريرة * لقد هممت أن
آمر رجلا يصلي بالناس ثم
أحرق على رجال يتخلفون
عن الجمعة بيوتهم (حم م)
عن ابن مسعود * الجمعة
حق واجب على كل مسلم في
جماعة الا أربعة عبد مملوك
أو امرأة أو صبي أو مريض (د ك) عن طارق بن شهاب * الجمعة على من آواه الليل
الى أهله (ت) عن أبي هريرة * خمسة لا جمعة عليهم المرأة والمسافر والعبد والصبي وأهل البادية (طس) عن أبي هريرة * الجمعة على الخمسين
رجلا وليس على ما دون الخمسين جمعة (طب) عن أبي أمامة * الجمعة واجبة على كل قرية وان لم يكن فيها الا أربعة (قط هق) عن أم عبد الله
الدوسية * الجمعة على من سمع النداء (د) عن ابن عمرو * اذا أذن المؤذن يوم الجمعة حرم العمل (فر) عن أنس * على كل محتلم رواح الجمعة وعلى

---

النبي صلى الله عليه وسلم بذلك فقال اللهم بارك الله لهما في ليلتهما قال فعلقت بغلام فولدت فارسلت به معي أم سليم
الى النبي صلى الله عليه وسلم وحملت تمرا فاتيت به رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه عباءة وهو يهنأ بعيرا له
فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هل معك تمر قال قلت نعم فاخذ التمرات فالقاهن في فيه فلاكهن ثم جمع
لعابه ثم فغر فاه فاوجره اياه فجعل الصبي يتلمظ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم حب الانصار التمر فقال له
وسماه عبد الله فما كان في الانصار شاب أفضل منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو المنذر
سلام فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس أن رسول الله صلى الله
عليه وسلم دخل على رجل من أصحابه يعوده وقد صار كالفرخ فقال له هل سألت الله عز وجل قال قلت اللهم
ما كنت معاقبي به في الآخرة فعجله في الدنيا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم لا طاقة لك بعذاب الله هلا
قلت اللهم ربنا آتنا في الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا
عفان ثنا حماد قال أنا ثابت عن أنس ان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم كانوا يقولون وهم يحفرون الخندق
نحن الذين بايعوا محمدا على الاسلام ما بقينا أبدا والنبي صلى الله عليه وسلم يقول اللهم ان الخير خير
الآخره فاغفر للانصار والمهاجره فاتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بخبز شعير وادلة سخنة فاكلوا منها
وقال النبي صلى الله عليه وسلم انما الخير خير الآخره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال
أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتاه جبريل عليه السلام وهو يلعب مع الغلمان فاخذه
فصرعه فشق عن قلبه فاستخرج منه علقة فقال هذا حظ الشيطان منك ثم غسله في طست من ذهب بماء
زمزم ثم لأمه وأعاده في مكانه وجاء الغلمان يسعون الى أمه يعني ظئره فقالوا ان محمدا قد قتل فاستقبلوه وهو
منتقع اللون قال لي أنس فكنت أرى أثر ذلك المخيط في صدره ربما قال حماد ان رسول الله صلى الله عليه وسلم
أتاه آت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم
قال ثلاث من كن فيه وجد حلاوة الايمان من كان الله عز وجل ورسوله صلى الله عليه وسلم أحب اليه مما
سواهما والرجل يحب الرجل لا يحبه الا لله والرجل ان يعود في النار أحب اليه من أن يرجع يهوديا
أو نصرانيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد ثنا ثابت عن أنس قال كان رسول الله صلى
الله عليه وسلم يدخل علينا وكان لي أخ صغير وكان له نغر يلعب به فمات نغره الذي كان يلعب به فدخل النبي
صلى الله عليه وسلم ذات يوم فرآه حزينا فقال له ما شأن أبي عمير حزينا فقالوا مات نغره الذي كان يلعب به
يا رسول الله فقال أبا عمير ما فعل النغير أبا عمير ما فعل النغير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد
قال أنا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوم أحد وهو يسلت الدماء عن وجهه كيف يفلح
قوم شجوا وجه نبيهم وكسروا رباعيته وهو يدعوهم الى الله عز وجل فانزل الله عز وجل ليس لك من الامر
شئ أو يتوب عليهم أو يعذبهم فانهم ظالمون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال أنا ثابت
عن أنس ان رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قيام الساعة وأقيمت الصلاة فلما قضى صلاته قال
أين السائل عن الساعة قال الرجل أنا يا رسول الله قال ما أعددت لها فانها قائمة قال ما أعددت لها كثير عمل
غير اني أحب الله ورسوله قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فانت مع من أحببت قال فما فرح المسلمون بشئ
بعد الاسلام ما فرحوا بهذا الحديث قال فكان أنس يقول فنحن نحب الله ورسوله **حدثنا** عبد الله حدثني

ابي

كل من راح الجمعة الغسل (د) عن حفصة *لينتهين أقوام عن ودعهم الجمعات أو ليختمن الله على قلوبهم ثم ليكونن من الغافلين (حم م ن ه) عن ابن عباس وابن عمر *من ترك ثلاث جمعات من غير عذر كتب من المنافقين (طب) عن أسامة بن زيد *من ترك الجمعة ثلاث مرات متواليات من غير ضرورة طبع الله على قلبه (حم ك) عن أبي قتادة (حم ن ه ك) عن جابر *من ترك ثلاث جمع تهاونا بها طبع الله على قلبه (حم ٤ ك) عن أبي الجعد *(الاكمال) *الجمعة واجبة على كل قرية وان لم يكونوا الا ثلاثة رابعهم امامهم ٠ (٢٨٩) الديلمي عن أم عبد الله الدوسية

*من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فعليه الجمعة يوم الجمعة الا مريض أو مسافر أو امرأة أو صبي أو مملوك ومن استغنى عنها بلهو أو تجارة استغنى الله عنه والله غني حميد (عد هق قط ز) عن جابر *من ترك جمعة من غير ضرورة كتب منافقا في كتاب لا يمحى ولا يبدل الشافعي (هق) في المعرفة عن ابن عباس *من ترك أربع جمع من غير عذر فقد نبذ الاسلام وراء ظهره الشيرازي في الالقاب عن ابن عباس *عسى أحدكم أن يتخذ الصبة من الغنم على رأس الميلين أو الثلاثة فتكون الجمعة فلا يشهدها ثم تكون فلا يشهدها ثم تكون الجمعة فلا يشهدها فيطبع الله على قلبه (ش) عن محمد بن عباد بن جعفر مرسلا *يتخذ أحدكم السائمة فيشهد الصلاة في الجماعة فيتعذر عليه سائمته فيقول لو طلبت لسائمتي مكانا هو أكلأ من هذا فيتحول ولا يشهد الجمعة فيتعذر عليه سائمته فيقول لو طلبت لسائمتي مكانا هو أكلأ من هذا فيتحول فلا يشهد الجمعة ولا جماعة فيطبع الله على قلبه (حم)

---

أبي ثنا عفان ثنا همام قال أنا اسحق بن عبد الله بن ابي طلحة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم بعث خاله حراما أخا أم سليم في سبعين الى بني عامر فلما قدموا قال لهم خالي أتقدمكم فان أمنوني حتى أبلغهم عن رسول الله والا كنتم مني قريبا فتقدم فامنوه فبينما هو يحدثهم عن رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ أومؤا الى رجل فطعنه فانفذه فقال الله أكبر فزت ورب الكعبة ثم مالوا على بقية أصحابه فقتلوهم الا رجلا أعرج منهم كان قد صعد الجبل قال همام فاراه قد ذكر مع الاعرج آخر معه على الجبل قال وحدثنا أنس ان جبريل عليه السلام أتى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبره انهم قد لقوا ربهم فرضي عنهم وأرضاهم قال أنس كانوا يقرؤن ان بلغوا قومنا انا قد لقينا ربنا فرضي عنا وأرضانا قال ثم نسخ بعد ذلك فدعا عليهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاثين صباحا على رعل وذكوان وبني لحيان وعصية الذين عصوا الله ورسوله أو عصوا الرحمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا أبان بن يزيد ثنا قتادة ثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم كان يقول النفل في المسجد خطيئة وكفارته دفنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حرير يعني ابن حازم قال سمعت قتادة قال قلت لانس كيف كانت قراءة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كان يمد صوته مدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا عفان قالا ثنا همام ثنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبا بكر وعمر وعثمان كانوا يستفتحون القراءة بالحمد لله رب العالمين في الصلاة قال عفان يعني في الصلاة بعد التكبير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان من أشراط الساعة قال همام ورعا قال لا تقوم الساعة حتى كلاهما قد سمعت حتى يرفع العلم ويظهر الجهل وتشرب الخمر ويظهر الزنا ويقل الرجال ويكثر النساء حتى يكون لخمسين امرأة القيم الواحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بينما أنا أسير في الجنة واذا أنا بنهر حافتاه قباب اللدر قال قلت ما هذا يا جبريل قال هذا الكوثر الذي اعطاك ربك عز وجل قال فضربت بيدي فاذا طينه مسك أذفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الوصال قال قيل له انك تواصل قال اني أبيت يطعمني ربي ويسقيني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان عند الزوراء فاحتاج أصحابه الى الوضوء قال فجيء بقعب فيه ماء يسير فوضع النبي صلى الله عليه وسلم كفه فيه فجعل ينبع من بين أصابعه حتى توضأ القوم كلهم قلت كم كنتم قال زهاء ثلثمائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يؤمن عبد حتى يحب لاخيه ما يحب لنفسه من الخير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من أهل الجنة أحد يسره أن يرجع الى الدنيا وله عشرة أمثالها الا الشهيد فانه يود انه يرجع الى الدنيا فيستشهد عشر مرات لما رأى من الفضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام قال أنا قتادة عن أنس ان يهوديا مر على النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه فقال السام عليكم فرد عليه أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم انما قال السام عليكم فاخذ اليهودي فجيء به فاعترف قال النبي صلى الله عليه وسلم ردوا عليهم ما قالوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم وقد دعاه خياط من أهل المدينة فاذا



*(الفصل الرابع في أحكام الجمعة والذي على تاركها من الصدقة وآدابها وفضل التبكير وأدب الخطبة واستماعها وسنة الجمعة وما يتعلق بها من المحظورات والآداب والادعية) *من أدرك من صلاة الجمعة ركعة فقد أدرك الصلاة (ن ك) عن أبي هريرة *من أدرك ركعة من صلاة الجمعة أو غيرها فقد تمت صلاته (ن ه) عن أبي هريرة *من أتى الجمعة والامام يخطب كانت له ظهرا ابن عساكر عن ابن عمر *احضروا الجمعة وادنوا من

الامام فان الرجل لا يزال يتباعد حتى يؤخر في الجنة وان دخلها (حم د ك هق) عن سمرة * يحضر الجمعة ثلاثة نفر رجل حضرها يلغو وهو حظه منها ورجل حضرها يدعو فهو رجل دعا الله عز وجل ان شاء أعطاه وان شاء منعه ورجل حضرها بانصات وسكوت ولم يتخط رقبة مسلم ولم يؤذ أحدا فهو كفارة الى الجمعة التي تليها وزيادة ثلاثة ايام وذلك بان الله تعالى يقول من جاء بالحسنة فله عشر أمثالها (حم د) عن ابن عمر * اذا نعس أحدكم يوم الجمعة فليتحول (٢٩٠) مقعد صاحبه وليتحول صاحبه الى مقعده (هق) والضياء عن سمرة * اذا جاء أحدكم والامام يخطب فليصل ركعتين وليتجوز فيهما (حم ق د ن ه) عن جابر * اذا صلى أحدكم الجمعة فليصل بعدها أربعا (م ٤ ن) عن أبي هريرة * اذا صلى أحدكم الجمعة فلا يصل بعدها شيأ حتى يتكلم أو يخرج (طب) عن عصمة ابن مالك * ان الله تبارك وتعالى وملائكته يصلون على أصحاب العمائم يوم الجمعة (طب) عن أبي الدرداء * اذا كان يوم الجمعة قعدت الملائكة على أبواب المسجد يكتبون من جاء من الناس على قدر منازلهم فرجل قدم جزورا ورجل قدم بقرة ورجل قدم شاة ورجل قدم دجاجة ورجل قدم عصفورا ورجل قدم بيضة فاذا أذن المؤذن وجلس الامام على المنبر طووا الصحف ودخلوا المسجد يستمعون الذكر (حم) والضياء عن أبي سعيد * اذا كان يوم الجمعة عدت الشياطين برايتها الى الاسواق فيرمون الناس بالرباثث ويثبطونهم عن الجمعة وتغدو الملائكة فتجلس على أبواب المسجد فيكتبون الرجل من ساعة والرجل من ساعتين حتى يخرج الامام فاذا جلس الرجل مجلسا يتمكن فيه من الاستماع والنظر فانصت ولم يلغ كان له كفل من أجر وان جلس مجلسا يستمكن فيه من الاستماع والنظر فلغا ولم ينصت كان له كفل من وزر ومن قال يوم الجمعة لصاحبه صه فقد لغا ومن لغا فليس له في جمعته تلك شئ (حم د) عن علي * اذا كان يوم الجمعة كان على كل باب من أبواب المسجد ملائكة يكتبون الناس على قدر منازلهم الاول فالاول فاذا جلس الامام طووا الصحف وجاؤا

خبز شعير واهالة سخنة قال فاذا فيها قرع قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يحبه القرع قال فجعلت أقربه قدامه رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أنس لم أزل يعجبني القرع منذ رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يحبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز وثنا عفان قالا ثنا همام قال عفان في حديثه انا قتادة قال ثنا أنس بن مالك وقال بهز عن أنس بن مالك ان رهطا من عرينة أتوا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا انا قد اجتوينا المدينة فعظمت بطوننا وانتهشت اعضادنا فامرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يلحقوا برا عي الابل فيشربوا من البانها وأبوالها قال فلحقوا برا عي الابل فشربوا من البانها وأبوالها حتى صلحت بطونهم وأتوا نهم ثم قتلوا الراعي وساقوا الابل فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فبعث في طلبهم فجيء بهم فقطع أيديهم وأرجلهم وسمر أعينهم قال قتادة عن محمد بن سيرين انما كان هذا قبل ان تنزل الحدود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا المختار بن فلفل عن أنس بن مالك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة فاقبل علينا بوجهه فقال اني امامكم فلا تسبقوني بالركوع ولا بالسجود ولا بالقيام فاني أراكم من بين يدي ومن خلفي قال ثم قال والذي نفسي بيده لو رأيتم ما رأيت لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا قالوا يا رسول الله وما رأيت قال رأيت الجنة والنار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليمان بن المغيرة ثنا ثابت عن أنس قال مات ابن لابي طلحة من أم سليم قال فقالت أم سليم لاهلها لا تحدثوا أبا طلحة بابنه حتى أكون أنا أحدثه فذكر معنى حديث بهز الا انه قال قالت أي يا أنس لا يطعم شيأ حتى تغدو به الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فبات يبكي وبت مجتنحا عليه أكلأه حتى أصبحت فغدوت به الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا معه ميسم فلما رأى الصبي معي قال لعل أم سليم ولدت قال قلت نعم فوضع الميسم من يده وقعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال انا ثابت عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا أكل طعاما لعق أصابعه الثلاث وقال اذا وقعت لقمة أحدكم فليمط عنها الاذى وليأكلها ولا يدعها للشيطان وأمرنا ان نسلت الصحفة وقال انكم لا تدرون في أي طعامكم البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد قال انا ثابت عن أنس ان ثمانين رجلا من أهل مكة هبطوا على رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه من جبل التنعيم عند صلاة الفجر فأخذهم رسول الله صلى الله عليه وسلم سلما فعفا عنهم ونزل القرآن وهو الذي كف أيديهم عنكم وأيديكم عنهم ببطن مكة من بعد ان أظفركم عليهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام قال انا عبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم اتخذ خاتما ونقش فيه نقشا فقال اني اتخذت خاتما ونقشت فيه نقشا فلا ينقش أحد على نقشه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال انا قتادة عن أنس قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يحب القرع أو قال الدباء قال فرأيته يوما يأكله فجعلت أضعه بين يديه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا عبد الله بن عبد الله بن جبر انه سمع أنس بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل بخمسة مكاكيك ويتوضأ بمكوك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال اخبرني قتادة قال سمعت أنس بن مالك يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما بعث الله عز وجل نبيا الا أنذر أمته الدجال ألا انه أعور الكذاب الا انه أعور وان ربكم ليس باعور مكتوب بين عينيه كفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة أخبرني قتادة عن أنس انهم قالوا يا رسول الله أهل الكتاب اذا سلموا علينا كيف نرد عليهم قال قولوا

يستمعون الذكر ومثل المهجر كمثل الذي يهدي بدنة ثم كالذي يهدي بقرة ثم كالذي يهدي الكبش ثم كالذي يهدي الدجاجة ثم كالذي يهدي البيضة (ق ن ه) عن أبي هريرة * ما على أحدكم ان وجد سعة أن يتخذ ثوبين ليوم الجمعة سوى ثوبي مهنته (د) عن يوسف بن عبد الله بن سلام (م ه) عن عائشة * من ترك الجمعة من غير عذر فليتصدق بدينار فان لم يجد فبنصف دينار (حم د ن حب ك) عن سمرة * من فاتته الجمعة بغير عذر فليتصدق بدرهم أو نصف درهم أو صاع حنطة أو نصف صاع (ه) عن قدامة بن دبرة (٢٩١) مرسلا * لان الذي يتخطى رقاب الناس يوم الجمعة ويفرق بين اثنين بعد خروج الامام كالجار قصبه في النار (حم طب ك) عن الارقم * اجلس فقد آذيت وآنيت يعني للذي تخطى يوم الجمعة (حم د ن حب ك هق) * عن عبد الله بن بسر (ه) عن جابر * خروج الامام يوم الجمعة يقطع الصلاة وكلامه يقطع الكلام (هق) عن أبي هريرة * مثل الذي يتكلم يوم الجمعة والامام يخطب مثل الحمار يحمل أسفارا والذي يقول له أنصت لا جمعة له (حم) عن ابن عباس * من قال لصاحبه يوم الجمعة والامام يخطب أنصت فقد لغا (ت ه) عن أبي هريرة * نهى عن الحبوة يوم الجمعة والامام يخطب (حم د ك) عن معاذ بن أنس * لا يقيم أحدكم أخاه يوم الجمعة ثم يخالف الى مقعده فيقعد فيه ولكن ليقل افسحوا (م) عن جابر * من مس الحصى فقد لغا (ه) عن أبي هريرة * (الاكمال) * اذا اجتمع عيدان في يوم أجزأهم الاول (دز) عن أبي هريرة

فولوا وجوهكم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال انا قتادة عن أنس بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سووا صفوفكم فان تسوية الصفوف من تمام الصلاة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اعتدلوا في السجود ولا يبسط أحدكم ذراعيه كما يبسط الكلب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز حدثنا شعبة قال أخبرني قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى على رجل يسوق بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال اركبها قال انها بدنة قال ويحك أو ويلك اركبها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة عن قتادة عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم في صلاته فانه يناجي ربه عز وجل فلا يتفلن بين يديه ولا عن يمينه وليتفل عن يساره تحت قدمه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة ثنا قتادة عن أنس بن مالك قال كانت بالمدينة فزعة فاستعار رسول الله صلى الله عليه وسلم فرسا لابي طلحة يقال له مندوب فركبه وقال ما رأينا من فزع وان وجدناه لبحرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال أخبرني أنس بن سيرين قال سمعت أنس بن مالك قال كان رجل من الانصار ضخما لا يستطيع أن يصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني لا استطيع ان أصلي معك فصنع له طعاما ودعا النبي صلى الله عليه وسلم اليه وبسط له حصيرا ونضحه فصلى عليه ركعتين فقال له رجل من آل الجارود أكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى قال ما رأيته صلاها الا يومئذ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد قال أنا ثمامة بن عبد الله بن أنس عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جاءه أصحابه ذات ليلة فخرج فصلى بهم فخفف ثم دخل بيته فاطال ثم خرج فصلى بهم فخفف ثم دخل بيته فاطال فلما أصبح قالوا يا رسول الله صليت فعلت تفعيل اذا دخلت وتخفف اذا خرجت قال من أجلكم فعلت ما فعلت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد يعني ابن سلمة قال أنا شعيب بن الحبحاب وعبد العزيز بن صهيب عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتق صفية وجعل عتقها صداقها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام ثنا قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم اعتق صفية وجعل عتقها صداقها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا همام عن قتادة عن أنس بن مالك ان رسول الله صلى الله عليه وسلم زجر عن الشرب قائما قال قتادة فسألنا أنسا عن الاكل قال الاكل أشد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا حماد ثنا هشام بن زيد عن جده أنس بن مالك قال كنت غلاما جوادا فصدت أرنبا فشويتها فارسل معي أبو طلحة بعجزها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتيته بها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ بن هشام ثنا أبي عن قتادة عن أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال يقال للكافر يوم القيامة أرأيت لو كان لك ملء الارض ذهبا أكنت تفتدي به فيقول نعم قال يقال له قد سئلت أيسر من ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ بن هشام حدثني أبي عن قتادة عن أنس بن مالك قال كان أحب الثياب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يلبسها الحبرة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ بن هشام قال حدثني أبي عن قتادة ثنا أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يدور على نسائه في الساعة الواحدة من الليل والنهار وهن احدى عشرة قال قلت لانس وهل كان يطيق ذلك قال كنا نتحدث انه أعطي قوة ثلاثين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ قال حدثني أبي عن قتادة عن أنس بن مالك ان النبي صلى الله عليه وسلم

* يا أيها الناس انكم قد أصبتم خيرا وأجرا فانا مجمعون فمن أراد أن يجمع معنا فليجمع ومن أراد أن يرجع الى أهله فليرجع (طب) عن ابن عمر * من أدرك من الجمعة ركعة أضاف اليها أخرى ومن أدركهم في التشهد صلى أربعا (هق خل) عن أبي هريرة * قد اجتمع في يومكم هذا عيدان فمن شاء أجزأه من الجمعة وانا مجمعون ان شاء الله تعالى (ده ك هق) عن أبي هريرة * من فطرة الاسلام الغسل يوم الجمعة والاستنان وأخذ الشارب واعفاء اللحى فان المجوس تعفي شواربها وتحفي لحاها فخالفوهم خذوا شواربكم واعفوا لحاكم (حب) عن أبي هريرة * احضروا

الذكر وادنوا من الامام فان الرجل لا يزال يتباعد حتى يؤخر في الجنة وان دخلها (حم د هق ك) عن سمرة * مثل الجمعة مثل قوم غشوا ملكا فنحر لهم الجزور ثم جاء قوم فذبح لهم البقر ثم جاء قوم فذبح لهم الغنم ثم جاء قوم فذبح لهم النعامة ثم جاء قوم فذبح لهم الوز ثم جاء قوم فذبح لهم الدجاج ثم جاء قوم فذبح لهم العصافير ابن عساكر عن بشير بن غوف الدمشقي القرشي عن بكار بن تميم عن مكحول عن واثلة قال الذهبي في الميزان عن ابن حبان هذه نسخة نحو مائة (٢٩٢) حديث كلها موضوعة * المتعجل الى الجمعة كالذي يهدي بدنة ثم كالمهدي بقرة ثم كالمهدي شاة ثم كالمهدي طائرا (ش) عن أبي هريرة * يا سلمان أحدث عن يوم الجمعة ما من مسلم يتطهر ويلبس أحسن ثيابه ويصيب من طيب أهله ان كان لهم طيب والا فالماء ثم يأتي المسجد فينصت حتى يخرج الامام ثم يصلي الا كانت كفارة له بينه وبين الجمعة الاخرى ما اجتنبت المقتلة وذلك الدهر كله (طب) عن سلمان * اذا تطهر الرجل فاحسن الطهور ثم أتى الجمعة ولم يلغ ولم يجهل حتى ينصرف الامام كانت له كفارة لما بينها وبين الجمعة وفي الجمعة ساعة لا يوافقها رجل مؤمن يسأل الله عز وجل شيأ الا أعطاه اياه والمكتوبات كفارات لما بينهن (حم) وابن خزيمة عن أبي سعيد * اذا كان يوم الجمعة دفعت ألوية الحمد الى الملائكة الى كل مسجد يجمع فيه فيحضر جبريل المسجد الحرام مع كل ملك منهم كتاب بوجوههم كالقمر ليلة البدر معهم قراطيس فضة وأقلام ذهب يكتبون الناس على مراتبهم فمن جاء قبل خروج الامام كتب من السابقين ومن جاء بعد خروج الامام كتب شهد الخطبة ومن جاء بعد كتب شهد الجمعة فاذا سلم الامام تصفح الملك وجوه القوم فاذا فقد الرجل ممن كان يكتبه فيما خلا من السابقين قال اللهم عبدك فلان نكتبه فيما خلا من السابقين لا ندري ما خلقه اللهم ان كان مريضا فاشفه وان كان غائبا فاحسن صحابته وان كان قبضته فارحمه ويؤمن الذي معه من الملائكة أبو الشيخ في الثواب عن ابن عباس * تقعد ملائكة على أبواب المساجد يوم الجمعة يكتبون مجيء الناس حتى يخرج الامام فاذا خرج الامام طويت الصحف ورفعت الاقلام فتقول الملائكة اللهم ان كان مريضا فاشفه وان كان ضالا فاهده وان كان عائلا فاغنه (هق) عن ابن عمر

وجد تمرة فقال لولا اني أخاف ان تكون صدقة لاكلتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا معاذ بن هشام قال حدثني أبي عن قتادة ثنا أنس بن مالك ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال ان لكل نبي دعوة وانى اختبأت دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة صلى الله عليه وسلم * آخر مسند أنس بن مالك رضي الله تعالى عنه

* (مسند جابر بن عبد الله رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** أبو بكر أحمد بن جعفر بن حمدان بن مالك القطيعي قال أنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد ابن حنبل حدثني أبي ثنا أبو عامر عبد الملك بن عمرو ثنا زهير عن زيد يعني ابن أسلم عن جابر بن عبد الله رضي الله عنهما قال أشرف رسول الله صلى الله عليه وسلم على فلق من أفلاق الحرة ونحن معه فقال نعمت الارض المدينة اذا خرج الدجال على كل نقب من أنقابها ملك لا يدخلها فاذا كان كذلك رجفت المدينة بأهلها ثلاث رجفات لا يبقى منافق ولا منافقة الا خرج اليه وأكثر يعني من يخرج اليه النساء وذلك يوم التخليص وذلك يوم تنفي المدينة الخبث كما ينفي الكير خبث الحديد يكون معه سبعون ألفا من اليهود على كل رجل منهم ساج وسيف محلى ٧ فتضرب برقبته بهذا الضرب الذي عند مجتمع السيول ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما كانت فتنة ولا تكون حتى تقوم الساعة أكبر من فتنة الدجال ولا من نبي الا وقد حذر أمته ولا خبركم بشيء ما أخبره نبي أمته قبلي ثم وضع يده على عينه ثم قال اشهد ان الله عز وجل ليس باعور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ثنا هشام يعني ابن سعد عن زيد بن أسلم عن عبد الله بن مقسم قال سأل الحسن بن محمد جابر بن عبد الله رضي الله تعالى عنهما عن الغسل من الجنابة فقال ثلاثا الشعر وتغسل البشرة قال فكيف كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل قال كان يصب على رأسه ثلاثا قال ان رأسي كثير الشعر قال كان رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر من رأسك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن حماد أنا أبو عوانة عن أبي بشر عن سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله رضي الله عنهما قال بايعنا نبي الله صلى الله عليه وسلم يوم الحديبية على أن لا نفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن حماد ثنا أبو عوانة عن الاسود بن قيس عن نبيح العنزي أن جابر بن عبد الله رضي الله عنهما قال غزونا واسافر نا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن يومئذ بضعة عشر ومائتان فحضرت الصلاة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هل في القوم من ماء فجاء رجل بسعي بادارة فيها شيء من ماء قال فصب رسول الله صلى الله عليه وسلم في قدح قال فتوضأ رسول الله صلى الله عليه وسلم فاحسن الوضوء ثم انصرف وترك القدح فركب الناس القدح يمسحوا ويمسحوا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم على رأسكم حين سمعهم يقولون ذلك قال فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم كفه في الماء والقدح ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بسم الله ثم قال اسبغوا الوضوء فوالذي هو ابتلاني ببصري لقد رأيت العيون عيون الماء يومئذ تخرج من بين أصابع رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى توضؤا أجمعون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وأبو النضر قالا ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله رضي الله تعالى عنهما قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم مهلين بالحج معنا النساء والولدان فلما قدمنا مكة طفنا بالبيت وبالصفا والمروة فقال لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم من لم يكن معه هدى فليحلل قلنا أي الحل قال الحل كله قال فاتينا النساء ولبسنا الثياب ومسسنا الطيب فلما كان يوم التروية أهللنا بالحج وكفانا الطواف الاول بين الصفا والمروة وأمر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نشترك في الابل والبقر

*مثل المؤمن يوم الجمعة كمثل المحرم لا يأخذ من شعره ولا من أظفاره حتى تنقضي الصلاة قيل يا رسول الله متى نذهب للجمعة قال يوم الخميس أبو الحسن الصيقلي في أماليه والخطيب عن ابن عباس *اذا نعس أحدكم في المسجد يوم الجمعة فليتحول من مجلسه ذلك (خم ش لـ) حسن صحيح (لـ حب هق) عن ابن عمر (طب) عن سمرة * من قام عن مجلسه يوم الجمعة وعاد فهو أحق به (هق) عن عروة مرسلا * من قال صبيحة الجمعة قبل صلاة الغداة أستغفر الله الذي لا اله الا هو الحي القيوم وأتوب اليه ثلاث مرات غفر الله (٢٩٣) له ذنوبه ولو كانت أكثر من زبد البحر

والبقر كل سبعة منا في بدنة فجاء سراقة بن مالك بن جعشم فقال يا رسول الله بين لنا ديننا كأنا خلقنا الآن أرأيت عمر تناهذه لعامنا هذا أم للابد فقال لا بل للابد فقال يا رسول الله بين لنا ديننا كأنا خلقنا الآن فيما العمل اليوم أفيما جفت به الاقلام وجرت به المقادير أو فيما نستقبل قال لا بل فيما جفت به الاقلام وجرت به المقادير قال ففيم العمل قال أبو النضر في حديثه فسمعت من سمع من أبي الزبير يقول قال اعملوا فكل ميسر قال حسن قال زهير فسألت ياسين ما قال قال ثم لم أفهم كلاما تكلم به أبو الزبير فسألت رجلا فقلت كيف قال أبو الزبير في هذا الموضع فقال سمعته يقول اعملوا فكل ميسر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وأبو النضر قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا عدوى ولا طيرة ولا غول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وحسن بن موسى قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال يحيى في حديثه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم أو قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا انقطع شسع أحدكم فلا يمشي في نعل واحدة حتى يصلح شسعه ولا يمشي في خف واحدة ولا يأكل بشماله ولا يحتبي بالثوب الواحد ولا يلتحف الصماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا اسرائيل عن أبي اسحق عن سعيد بن أبي كرب عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب الى خشبة فلما جعل منبر حنت حنين الناقة الى ولدها فأتاها فوضع يده عليها فسكنت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يأكل الرجل بشماله أو يمشي في نعل واحدة أو يحتبي بثوب واحد أو يشتمل الصماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا زهير قال رأيت أشعث بن سوار عند أبي الزبير قائما وهو يقول كيف خال وايش قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا زائدة ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير صفوف الرجال المقدم وشرها المؤخر وشر صفوف النساء المقدم وخيرها المؤخر ثم قال يا معشر النساء اذا سجد الرجال فاغضضن أبصاركن لا ترين عورات الرجال من ضيق الازر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن يزيد ثنا حيوة أخبرني أبو هانئ انه سمع أبا عبد الرحمن الحبلي يقول ان جابر بن عبد الله الانصاري برك به بعير قد زحف به فمر عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقيل له ما لك يا جابر فأخبره فنزل رسول الله صلى الله عليه وسلم الى البعير ثم قال اركب يا جابر فقال يا رسول الله انه لا يقوم فقال له اركب فركب جابر البعير ثم ضربه رسول الله صلى الله عليه وسلم البعير برجله فوثب البعير وثبة ثم قال لجابر اتعلق بالبعير لسقط من فوقه ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لجابر تقدم يا جابر الآن على أهلك ان شاء الله تعالى تجدهم قد يسر والك كذا وكذا حتى ذكر الفرش فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فراش الرجل وفراش لامرأته والثالث للضيف والرابع للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم قبل موته بثلاث يقول لا يموتن أحدكم الا وهو يحسن بالله الظن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال النبي صلى الله عليه وسلم أمسكوا عليكم أموالكم ولا تعطوها أحدا فمن أعمر شيأ فهو له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وروح قالا ثنا مالك عن أبي الزبير عن جابر قال نحرنا بالحديبية مع رسول الله صلى

ابن السني (طس) وابن عساكر وابن النجار عن أنس وفيه خصف بن عبد الرحمن الجزري ضعفه أحمد ووثقه ابن معين *اذا دخل أحدكم المسجد والامام على المنبر فلا صلاة ولا كلام حتى يطرع الامام (طب) عن ابن عمر *ان قصر الخطبة وطول الصلاة مئنة من فقه الرجل فاطيلوا الصلاة واقصروا الخطبة فان من البيان سحرا وانه سيأتي بعدكم قوم يطيلون الخطبة ويقصرون الصلاة البزار عن ابن مسعود *من كان منكم مصليا بعد الجمعة فليصل أربعا فان كان له شغل فركعتين في المسجد وركعتين في البيت (حب) عن أبي هريرة * من كان مصليا فليصل قبلها أربعا وبعدها أربعا ابن النجار عن أبي هريرة * من قال هؤلاء الكلمات يوم الجمعة سبع مرات غفرت في ذلك اليوم دخل الجنة ومن قالها في ليلة الجمعة غفرت في تلك الليلة دخل الجنة من قال اللهم أنت ربي لا اله الا أنت خلقتني وأنا عبدك وابن أمتك وفي قبضتك ناصيتي بيدك أمسيت على عهدك ووعدك ما استطعت أعوذ بك من شر ما صنعت أبوء بنعمتك وأبوء بذنبي فاغفر لي ذنوبي انه لا يغفر الذنوب الا أنت (هب) وابن النجار عن أنس *من قرأ بعد الجمعة بفاتحة الكتاب وقل هو الله أحد وقل أعوذ برب الفلق وقل أعوذ برب الناس حفظ ما بينه وبين الجمعة الاخرى (ش) عن أسماء بنت أبي بكر * من قال بعد صلاة الجمعة وهو قاعد قبل أن يقوم من مجلسه سبحان الله وبحمده سبحان الله العظيم وبحمده واستغفر الله مائة مرة غفر الله له مائة ألف ذنب ولوالديه أربعة وعشرين ألف

ذنب ابن السني والديلمي عن ابن عباس *(الأموال) *عن عمر قال انما جعلت الخطبة موضع الركعتين من فاتته الخطبة صلى أربعا (حب ش) *عن عمر قال اذا لم يستطع الرجل أن يسجد يوم الجمعة على الارض فليسجد على ظهر أخيه (ط ب حم ش هق) *عن عمر جمعوا حيثما كنتم (ش) *عن علي قال لا يجمع القوم الظهر يوم الجمعة في موضع يجب عليهم فيه شهود الجمعة نعيم بن حماد في نسخته *عن علي قال لا جمعة ولا تشريق الا في مصر جامع أبو عبيد في الغريب (٢٩٤) والمروزي في كتاب الجمعة (هق) عن السائب بن أخت نمر قال صليت مع معاوية الجمعة في المقصورة فلما سلم الامام قمت في مقامي فصليت فلما دخل أرسل الي فقال لا تعد لما فعلت اذا صليت الجمعة فلا تصلها بصلاة حتى تتكلم أو تخرج فان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرنا بذلك أن لا نوصل صلاة حتى نتكلم أو نخرج (ب ش) *عن زياد بن علاقة التيمي انه دخل مسجد دمشق وقد تأخرت صلاتهم الجمعة بالعصر فقال والله ما بعث الله نبيا بعد محمد صلى الله عليه وسلم أمركم بهذه الصلاة (كر) *عن سلمة بن الاكوع كنا نصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم الجمعة اذا زالت الشمس ثم نرجع نتتبع الفيء (ش) *عن عبد الله بن عمر قال كنا نجمع ثم نرجع فنقيل (ش) *عن سهل بن سعد الساعدي قال كنا نتغدى ونقيل بعد الجمعة (ش) *عن ابن عمر ان عمر رأى رجلين يتكلمان والامام يخطب يوم الجمعة فصبهما بالصابون في المائتين *عن أبي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قرأ يوم الجمعة براءة وهو قائم فذكرنا بايام الله وأبو الدرداء وأبو ذر يغمزني فقال متى أنزلت هذه السورة فلما سلم الامام قمت فصليت فلما دخل أرسل الي فقال لا تعد لما فعلت اذا صليت الجمعة فلا تصلها بصلاة حتى تتكلم أو تخرج فان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرنا بذلك أن لا نوصل صلاة حتى نتكلم أو نخرج (ع

الله عليه وسلم ثم سمى أن تطيل الخطبة (ش) *عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يخطب يوم الجمعة قائما ثم يقعد ثم يقوم فيخطب (ش) *عن ابن عمر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دنا من منبره يوم الجمعة سلم على من عنده من الجلوس فاذا صعد المنبر استقبل الناس بوجهه ثم سلم (كر عد) *عن ابن مسعود قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا صعد المنبر استقبلناه بوجوهنا (ز) *عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرأ على المنبر قل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد (طس) والعاقولي في (٢٩٥) فوائده وسنده ضعيف *عن ابن عمر ان عمر كان يجمر ثيابه للمسجد يوم الجمعة المروزي في كتاب الجمعة *عن عمر بن شمر عن سعد بن طريف عن الاصبغ بن نباتة عن علي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان يوم الجمعة نزل امين الله جبريل الى المسجد الحرام فزكز لواءه بالمسجد الحرام وغدا سائر الملائكة الى المساجد التي يجمع فيها يوم الجمعة فركزوا ألويتهم ورياتهم بابواب المساجد ثم نشروا قراطيس من فضة وأقلاما من ذهب ثم كتبوا الاول فالاول ممن بكر الى الجمعة فاذا بلغ من في المسجد سبعين رجلا قد بكروا وطووا القراطيس فكان أولئك السبعون كالذين اختارهم موسى من قومه والذين اختارهم موسى من قومه كانوا أنبياء ابن مردويه وعمر وسعد والاصبغ الثلاثة متروكون الاوزاعي حدثني من سمع عمير بن هانئ *عن أبي جعفر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرأ في الجمعة بسورة الجمعة والمنافقين فاما سورة

الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد جافى حتى يرى بياض ابطيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن بن ثوبان عن جابر بن عبد الله قال أقام رسول الله صلى الله عليه وسلم بتبوك عشرين يوما يقصر الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار أنه سمع جابر بن عبد الله يقول لما بنيت الكعبة ذهب النبي صلى الله عليه وسلم وعباس ينقلان حجارة فقال عباس اجعل ازارك على رقبتك من الحجارة ففعل فخر الى الارض وطمحت عيناه الى السماء ثم قام فقال ازاري ازاري فشد عليه ازاره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اقاتل الناس حتى يقولوا لا اله الا الله فاذا فعلوا ذلك عصموا دماءهم وأموالهم الا بحقها وحسابهم على الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج وروح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا خطب يستند الى جذع نخلة من سواري المسجد فلما صنع له منبره استوى عليه اضطربت تلك السارية كحنين الناقة حتى سمعها أهل المسجد حتى نزل اليها فاعتنقها فسكنت وقال روح فسكتت وقال ابن بكر فاضطربت تلك السارية وقال روح اضطربت كحنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال سليمان بن موسى أنا جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يقيم أحدكم أخاه يوم الجمعة ثم يخالفه الى مقعده ولكن ليقل افسحوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني سليمان ابن موسى قال أخبرني جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يقيم أحدكم أخاه يوم الجمعة ولكن ليقل افسحوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق انا ابن جريج أنا أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم انه خطب يوما فذكر رجلا من أصحابه قبض فكفن في كفن غير طائل وقبر ليلا فزجر النبي صلى الله عليه وسلم ان يقبر الرجل بالليل حتى يصلى عليه الا ان يضطر انسان الى ذلك وقال النبي صلى الله عليه وسلم اذا كفن أحدكم أخاه فليحسن كفنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج قال قال سليمان بن موسى سئل جابر عن الكفن فاخبران النبي صلى الله عليه وسلم خطب يوما فذكر رجلا قبض وكفن في كفن غير طائل فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول قام النبي صلى الله عليه وسلم لجنازة مرت به حتى توارت قال فاخبرني أبو الزبير أيضا انه سمع جابرا يقول قام النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه لجنازة يهودي حتى توارت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم ينهى ان يقعد على القبور وان يقصص أو يبنى عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ابن جريج قال قال سليمان بن موسى قال قال جابر سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى ان يقعد الرجل على القبر وان يجصص أو يبنى عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني عطاء انه سمع جابر بن عبد الله يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم لقد توفي اليوم رجل صالح من الحبش هلم فصفوا قال فصففنا فصلى النبي صلى الله عليه وسلم عليه ونحن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب عن سعيد عن قتادة عن عطاء عن جابر فذكر الحديث وقال اسم النجاشي صحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول دخل النبي

الجمعة فيبشر بها المؤمنين ويحرضهم وأما سورة المنافقين فيؤيس بها المنافقين ويوبخهم (ش) *عن عبد الله بن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يصلي بعد الجمعة ركعتين (ش) *عن عبد الله بن عمرو بن العاص نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن اتباع الحديث يوم الجمعة قبل الصلاة (ش) *(الفصل الخامس في غسل يوم الجمعة) *من اغتسل يوم الجمعة فاحسن الغسل وتطهر فاحسن الطهور ولبس من أحسن ثيابه ومس ما كتب الله له من طيب أو دهن أهله ثم أتى المسجد فلم يلغ ولم يفرق بين اثنين غفر الله له ما بينه وبين الجمعة الاخرى (حم ن) عن أبي ذر

*من اغتسل يوم الجمعة غسل الجنابة ثم راح في الساعة الأولى فكأنما قرب بدنة ومن راح في الساعة الثانية فكأنما قرب بقرة ومن راح في الساعة الثالثة فكأنما قرب كبشا أقرن ومن راح في الساعة الرابعة فكأنما قرب دجاجة ومن راح في الساعة الخامسة فكأنما قرب بيضة فاذا خرج الامام حضرت الملائكة يستمعون الذكر (ق ٣) عن أبي هريرة * من اغتسل يوم الجمعة ومس من طيب امرأته ان كان لها ولبس من صالح ثيابه ثم لم يتخط رقاب الناس ولم يلغ عند الموعظة (٢٩٦) كان كفارة لما بينهما ومن لغا وتخطى رقاب الناس كانت له ظهرا (د) عن ابن عمر * اذا جاء أحدكم الجمعة فليغتسل وليتنظف ابن عساكر عن ابن عمر * اغتسلوا يوم الجمعة واغسلوا رؤسكم وان لم تكونوا جنبا ومسوا من الطيب (حم حب) عن ابن عباس * الغسل يوم الجمعة على كل عالم من الرجال وعلى كل بالغ من النساء (حم حب) عن ابن عمر * من غسل يوم الجمعة واغتسل ثم بكر وابتكر ومشى ولم يركب ودنا من الامام واستمع فانصت ولم يلغ كان له بكل خطوة يخطوها من بيته الى المسجد عمل سنة أجر صيامها وقيامها (حم ٤ حب لـ) عن أوس بن أوس * اغتسلوا يوم الجمعة ولو كاس بدينار (عد) عن أنس (ش) عن أبي هريرة * من اغتسل يوم الجمعة كان في طهارة الى الجمعة الاخرى (لـ) عن أبي قتادة * الغسل يوم الجمعة سنة (طب حل) عن ابن مسعود * الغسل يوم الجمعة واجب على كل محتلم وان يستن وان يمس طيبا ان وجد (حم ق د) عن أبي سعيد * الغسل يوم الجمعة على كل محتلم والسواك ويمس من الطيب ما قدر عليه ولو من طيب المرأة لا أن يكثر (ن حب) عن أبي سعيد * من توضأ يوم الجمعة فبها ونعمت ومن اغتسل فالغسل أفضل (حم ٣) وابن خزيمة عن سمرة * من أتى الجمعة فليغتسل (حم ت ه) عن ابن عمر * من اغتسل يوم الجمعة ثم أتى الجمعة فصلى ما قدر له ثم انصت حتى يفرغ الامام من خطبته ثم يصلي معه غفر له ما بينه وبين الجمعة الاخرى وفضل ثلاثة أيام (م) عن أبي هريرة * ان الغسل يوم الجمعة ليسل الخطايا من أصول الشعر استلالا (طب) عن أبي امامة * الغسل واجب على كل مسلم في سبعة أيام شعره وبشره (طب) عن ابن عباس

صلى الله عليه وسلم يوما فتخلل لبني النجار فسمع أصوات رجال من بني للنجار ما توا في الجاهلية يعذبون في قبورهم فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فزعا فأمر أصحابه ان يتعوذوا من عذاب القبر قال وأخبرني أيضا انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول وجنازة سعد بن معاذ موضوعة بين أيديهم اهتز لها عرش الرحمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني عبد الحميد بن جبير انه أخبره محمد بن عباد بن جعفر انه سمع جابر عبد الله الانصاري وهو يطوف بالبيت اسمعت النبي صلى الله عليه وسلم ينهى عن صيام يوم الجمعة قال نعم ورب هذا البيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول زجر النبي صلى الله عليه وسلم ان تصل المرأة برأسها شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني ابو الزبير انه سمع جابر ابن عبد الله يقول رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي وهو على راحلته يومئ ايماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن ابي سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال انما جعل رسول الله صلى الله عليه وسلم الشفعة في كل مال لم يقسم فاذا وقعت الحدود وصرفت الطرق فلا شفعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق عن معمر عن الزهري في قوله عز وجل النبي أولى بالمؤمنين من أنفسهم عن أبي سلمة عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول أنا أولى بكل مؤمن من نفسه فايما رجل مات وترك دينا فالي ومن ترك مالا فهو لورثته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن أبي سلمة بن عبد الرحمن بن جابر بن عبد الله قال كان النبي صلى الله عليه وسلم لا يصلي على رجل عليه دين فاتي بميت فسأل هل عليه دين قالوا نعم دينار ان قال صلوا على صاحبكم فقال أبو قتادة هما علي يا رسول الله فصلى عليه فلما فتح الله عز وجل على رسوله صلى الله عليه وسلم قال أنا أولى بكل مؤمن من نفسه فمن ترك دينا فهو علي ومن ترك مالا فلورثته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن عبد الله بن عثمان بن خثيم عن أبي الزبير عن جابر قال لما مر رسول الله صلى الله عليه وسلم بالحجر قال لا تسألوا الآيات وقد سألها قوم صالح فكانت ترد من هذا الفج وتصدر من هذا الفج فعتوا عن أمر ربهم فعقر وها فكانت تشرب ماءهم يوما ويشربون لبنها يوما فعقر وها فاخذتهم صيحة اهمد الله عز وجل من تحت أديم السماء منهم الا رجلا واحدا كان في حرم الله عز وجل قيل من هو يا رسول الله قال هو أبو رغال فلما خرج من الحرم أصابه ما أصاب قومه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول خرصها ابن رواحة أربعين ألف وسق وزعم ان اليهود لما خيرهم ابن رواحة أخذوا التمر وعليهم عشرون ألف وسق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنبأنا محمد بن مسلم عن عمرو بن دينار عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا صدقة فيما دون خمس أواق ولا فيما دون خمسة أوسق ولا فيما دون خمسة ذود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أنا ابن جريج أنا عطاء عن جابر بن عبد الله قال سمعته يقول ان النبي صلى الله عليه وسلم قام يوم الفطر فبدأ بالصلاة قبل الخطبة ثم خطب الناس فلما فرغ نبي الله صلى الله عليه وسلم نزل فاتى النساء فذكرهن وهو يتوكأ على يد بلال وبلال باسط ثوبه يلقين فيه النساء صدقة قال فاتى المرأة فتحها ويلقين قال ابن بكر فتختها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن يحيى بن أبي كثير

* ثلاث حق على كل مسلم الغسل يوم الجمعة والسواك والطيب (ش) عن رجل * (الاكمال) * من أتى الجمعة من الرجال والنساء فليغتسل ومن لم يأتها فليس عليه غسل من الرجال والنساء (هق حب) عن ابن عمر * من اغتسل يوم الجمعة اخرجه الله من ذنوبه ثم قيل له استأنف العمل الديلمي عن ابن عمر * من اغتسل يوم الجمعة بنية وحسبة تنظفا للجمعة من غير جنابة كتب له بكل شعرة يبلها من رأسه ولحيته وسائر جسده حسنة (ك) في تاريخه عن ابن عباس وأبي هريرة * غسل الجمعة واجب على كل محتلم كغسل الجنابة (٢٩٧) (حب) عن أبي سعيد * من اغتسل يوم الجمعة لم يزل طاهرا (حب) عن أبي قتادة * (الافعال) * عن ابن عباس عن عمر قال أمرنا بالغسل يوم الجمعة قلت أنتم أيها المهاجرون الاولون أم الناس عامة قال لا أدري ابن منيع وسنده حسن * عن أبي عبد الرحمن السلمي قال كان بين عمار بن ياسر ورجل منازعة فقال له عمار ان كنت كما تقول فانا كنا نرى الغسل يوم الجمعة ابن جرير * عن ابن عباس قال الغسل يوم الجمعة ليس بواجب ومن اغتسل فهو خير ثم قال كان الناس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم يلبسون الصوف وكان المسجد ضيقا فخطب رسول الله صلى الله عليه وسلم في يوم شديد الحر فعرق الناس في الصوف فثار ريح الصوف حتى كاد يؤذي بعضهم بعضا حتى بلغت أرواحهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا أيها الناس اذا كان هذا اليوم فاغتسلوا وليمس أحدكم أطيب ما يجد من طيبه أو دهنه ابن جرير * عن ابراهيم قال ما كانوا يرون غسلا واجبا الا من

عن محمد بن عبد الرحمن بن ثوبان عن جابر بن عبد الله قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم حمارا قد وسم في وجهه فقال لعن الله من فعل هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن اسمعيل بن أمية أخبرني عبد الله بن عبيد بن عمير ان عبد الرحمن بن عبيد الله أو عبد الله قال أبو عبد الرحمن انا أشك أخبره قال سألت جابر بن عبد الله عن الضبع فقال حلال فقلت عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ويحيى بن معين قالا ثنا عبد الرزاق ثنا عمر بن ذر الصنعاني انه سمع أبا الزبير المكي عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن ثمن الهر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ومحمد بن بكر قالا ثنا ابن جريج وقال سليمان بن موسى قال جابر قال النبي صلى الله عليه وسلم لا وفاء لنذر في معصية الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أخبرنا ابن جريج قال أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول لا وفاء لنذر في معصية الله عز وجل ولم يرفعاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر ان كلبي أحد حلوا من مكانهم فنادى منادي رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ردوا الكلبي الى مضاجعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر بن عبد الله قال انطلقت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم في دين كان على أبي فاتيته كافي شرارة قال عبد الله قال يحيى بن معين قال لي عبد الرزاق اكتب عني ولو حديثا واحدا من غير كتاب فقلت لا ولا حرفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال سمعت سفيان بن وكيع قال سمعت أبي وذكر عبد الرزاق فقال يشبه رجال أهل العراق **حدثنا** عبد الله قال وسمعت أبي يقول وما كان في قرية عبد الرزاق بئر فكنا نذهب نبكر على ميلين نتوضأ ونحمل معنا الماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد وثنا روح وعبد الوهاب عن سعيد عن الوليد أبي بشر عن طلحة قال وقال عبد الوهاب الاشكابي انه سمع جابر بن عبد الله يحدث ان سليكا جاء و رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب فجلس فأمره النبي صلى الله عليه وسلم أن يصلي ركعتين قال محمد في حديثه ثم أقبل على الناس فقال اذا جاء أحدكم والامام يخطب فليصل ركعتين يتجوز فيهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن عطاء عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال العمرى جائزة لاهلها أو ميراث لاهلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد أن محمدا حدث ان ذكوان أبا صالح حدث عن أبي سعيد الخدري وجابر بن عبد الله وأبي هريرة انهم نهوا عن الصرف ورفعه رجلان منهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج حدثنا شعبة عن قتادة قال سمعت عطاء بن أبي رباح يحدث عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال العمرى جائزة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت قتادة عن عطاء بن أبي رباح عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال العمرى جائزة **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا حجاج قال سمعت شعبة يحدث غير مرة عن محارب بن دثار قال سمعت جابر بن عبد الله يقول تزوجت ثيبا فقال لي النبي صلى الله عليه وسلم مالك وللعذاري ولعابها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحرب خدعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج وروح عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابرا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تمش في نعل واحدة ولا تحتبين في ازار واحد ولا تأكل بشمالك ولا تشتمل الصماء ولا تضع احدى رجليك على الاخرى

عن أبي هريرة * السنة سنتان سنة في فريضة وسنة في غير فريضة السنة التي في الفريضة أصلها في كتاب الله تعالى أخذها هدى وتركها ضلالة والسنة التي أصلها ليس في كتاب الله تعالى الاخذ بها فضيلة وتركها ليس بخطيئة (طس) عن أبي هريرة * ان الله تبارك وتعالى قال من عادى لي وليا فقد آذنته بالحرب وما تقرب الي عبدي بشيء أحب الي مما افترضت عليه وما يزال عبدي يتقرب الي بالنوافل حتى أحبه فاذا أحببته كنت سمعه الذي يسمع به وبصره الذي (٢٩٨) يبصر به ويده التي يبطش بها ورجله التي يمشي بها وان سألني لاعطينه وان استعاذني لاعيذنه وما ترددت عن شيء أنا فاعله ترددي عن قبض نفس المؤمن يكره الموت وأنا أكره مساءته (خ) عن أبي هريرة * عليك بكثرة السجود فانك لا تسجد لله سجدة الا رفعك الله تعالى بها درجة وحط عنك بها خطيئة (حم م ت ن ه) عن ثوبان وأبي الدرداء * ما أذن الله لعبد في شيء أفضل من ركعتين أو أكثر من ركعتين وان البر ليذر فوق رأس العبد ما كان في الصلاة وما تقرب عبد الى الله بأفضل مما خرج منه (حم ت) عن أبي امامة * ركعتان خفيفتان خير من الدنيا وما عليها ولو انكم تفعلون ما أمرتكم به لا كلتم غير أزرعاء ولا أشقياء سمويه (طب) عن أبي امامة * فضل صلاة الرجل في بيته على صلاته حيث يراه الناس كفضل المكتوبة على النافلة (طب) عن صهيب بن النعمان * من صلى ركعتين في خلاء لا يراه الا الله تعالى والملائكة كتب له براءة من النار ابن عساكر عن جابر * تطوع الرجل في بيته يزيد على تطوعه عند الناس كفضل صلاة الرجل في جماعة على صلاته وحده (ش) واطيب عن رجل * أفضل الصلاة صلاة المرء في بيته الا المكتوبة (خ) عن زيد بن ثابت * صلوا أيها الناس في بيوتكم ولا تتركوا النوافل فيها (قط) في الافراد عن أنس وجابر * صلاة أحدكم في بيته أفضل من صلاته في مسجدي هذا الا المكتوبة (د) عن زيد بن ثابت ابن عساكر عن ابن عمر * (الاكمال) * لا ينتقص أحدكم من صلاته شيأ الا أتمها الله من سبحته (حم) عن رجل من الانصار * ان الله تعالى خلق النهار

اذا استلقيت قلت لابي الزبير أوضع رجله على الركبة مستلقيا قال نعم قال أما الصماء فهي احدى اللبستين تجعل داخلة ازارك وخارجته على احدى عاتقيك قلت لابي الزبير فانهم يقولون لا يحتبي في ازار واحد مفضيا قال كذلك سمعت جابرا يقول لا يحتبي في ازار واحد قال حجاج عن ابن جريج قال عمر ولي مفضيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا سعيد عن مطر عن محمد بن سيرين أن ذكوان أبا صالح واثنى عليه خيرا يحدث عن جابر بن عبد الله وأبي سعيد وأبي هريرة انهم نهوا عن الصوف رفعه رجلان منهم الى رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الحكم عن زيد الفقير عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى بهم صلاة الخوف فقام صف بين يديه وصف خلفه فصلى بالذي خلفه ركعة وسجدتين ثم تقدم هؤلاء حتى قاموا في مقام أصحابهم وجاء أولئك حتى قاموا مقام هؤلاء فصلى بهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعة وسجدتين ثم سلم فكان للنبي صلى الله عليه وسلم ركعتين ولهم ركعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن مرة عن سالم بن أبي الجعد قال سألت جابر بن عبد الله عن أثمان الشجرة قال فقال لو كنا مائة ألف لكفانا كنا ألفا وخمسمائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال ثنا شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن أبي نضرة قال حجاج في حديثه سمعت أبا نضرة قال فذكر ذلك لجابر بن عبد الله فقال على يدي دار الحديث تمتعنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن سالم بن أبي الجعد قال حجاج في حديثه قال سمعت سالما عن جابر بن عبد الله الانصاري ان رجلا من الانصار ولد له غلام فاراد ان يسميه محمدا فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فسأله فقال أحسنت الانصار تسمروا باسمي ولا تكنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سيار عن الشعبي عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال له اذا دخلت ليلا فلا تدخل على أهلك حتى تستحد المغيبة وتمتشط الشعثة قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخلت فعليك الكيس والكيس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن محمد بن المنكدر قال سمعت جابر بن عبد الله قال استأذنت على النبي صلى الله عليه وسلم فقال من ذا فقلت أنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم أنا أنا قال محمد كأنه كرهه قوله أنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج أنا شعبة قال سمعت محمد بن المنكدر قال سمعت جابر بن عبد الله قال دخل علي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا موجع لا أعقل قال فتوضأ ثم صب علي أو قال صبوا علي فعقلت فقلت انه لا يرثني الا كلالة فكيف الميراث قال فنزلت آية الفرض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة قال سمعت محمد بن المنكدر قال سمعت جابر بن عبد الله قال لما قتل أبي جعلت اكشف الثوب عن وجهه قال فجعل القوم ينهوني ورسول الله صلى الله عليه وسلم لا ينهاني قال فجعلت عمتي فاطمة بنت عمرو تبكي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتبكين أو لا تبكين ما زالت الملائكة تظله باجنحتها حتى رفعتموه قال حجاج في حديثه تظله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن مخول عن محمد بن علي عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يفرغ على رأسه ثلاثا قال شعبة أظنه في الغسل من الجنابة فقال رجل من بني هاشم ان شعري كثير فقال جابر كان رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر شعرا منك

اثنى عشرة ساعة وأعد لكل ساعة منها كعتين يدرأ عنك ذنب تلك الساعة الديلمى من طريق عبد الملك بن هرون بن عنترة عن أبيه عن جده عن أبى ذر * من صلى ركعتين فى السر دفع عنه اسم النفاق أبو الشيخ عن ابن عمر * صلاة تطوع حيث لا يراه من الناس أحد مثل خمسة وعشرين صلاة حيث يراه الناس أبو الشيخ عن صهيب * يا أيها الناس انما هى الصلوات فى البيوت (هق) عن كعب بن عجرة ان النبى صلى الله عليه وسلم صلى المغرب فلما فرغ رأى الناس يسبحون قال  . فذكره * صلاة الليل والنهار ركعتان

ركعتان (ش) عن ابن عمر * صلاة الليل والنهار مثنى مثنى تسليم فى كل ركعتين ابن جرير عن ابن عمر * من صلى ركعتين ليلة الجمعة قرأ فيهما فاتحة الكتاب وخمس عشرة مرة اذا زلزلت أمنه الله تعالى من عذاب القبر ومن أهوال يوم القيامة أبو سعيد الادريسى فى تاريخ سمرقند وابن النجار والديلمى عن أنس * ركعتان خفيفتان مما تحقرون وتتفاهلون بزيدهما هذا فى عمله أحب الى الله من بقية دنياكم ابن المبارك عن أبى هريرة * قال مر النبى صلى الله عليه وسلم على قبر فدفن حديثا قال فذكره * (الافعال) * عن عبد الله بن سعد قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الصلاة فى بيتى والصلاة فى المسجد فقال ترى ما أقرب بيتى من المسجد ولان أصلى فى بيتى أحب الى من أن أصلى فى المسجد الا أن تكون صلاة مكتوبة (كر) * عن على قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى على أثر كل صلاة

وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد يعنى ابن جعفر ثنا شعبة سمعت عبد ربه يحدث عن الزهرى عن ابن جابر عن جابر بن عبد الله عن النبى صلى الله عليه وسلم انه قال فى قتلى أحد لا تغسلوهم فانه كل جرح أو كل دم يفوح مسكا يوم القيامة ولم يصل عليهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن محارب بن دثار سمعت جابر بن عبد الله الانصارى قال أقبل رجل من الانصار ومعه ناضحان له وقد جنحت الشمس ومعاذ يصلى المغرب فدخل معه الصلاة فافتتح معاذ البقرة أو النساء محارب الذى يشك فلما رأى الرجل ذلك صلى ثم خرج قال فبلغنا ان معاذا نال منه قال حجاج ينال منه قال فذكر ذلك للنبى صلى الله عليه وسلم فقال أفتان أنت يا معاذ افتان أنت يا معاذ أو فاتن فاتن فاتن وقال حجاج أفاتن أفاتن أفاتن فلولا قرأت سبح اسم ربك الاعلى والشمس وضحاها فصلى وراءك الكبير وذو الحاجة والضعيف أحسب محاربا الذى يشك فى الضعيف **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر وحجاج قالا ثنا شعبة عن محارب بن دثار سمعت جابر بن عبد الله ح وحدثناه عفان ثنا شعبة قال محارب بن دثار أخبرنى انه سمع جابر بن عبد الله يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يكره أن يأتى أهله طروقا أو يقال كان يكره ان يأتى الرجل أهله طروقا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن محارب سمعت جابر بن عبد الله قال بعثنى رسول الله صلى الله عليه وسلم ببعير الى فى سفر فلما أتينا المدينة قال قال النبى صلى الله عليه وسلم ائت المسجد فصل ركعتين ثم وزن لى قال شعبة أو امر فوزن لى فارجح لى فانطلقت عندى منها شئ حتى أصابها أهل الشام يوم الحرة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن محمد بن عبد الرحمن بن سعد بن زرارة الانصارى عن محمد بن عمرو بن الحسن بن على عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عبد الله قال أبى قال أبو النضر يعنى هاشما فى سفر قال يزيد يعنى ابن هرون ببنار سول الله صلى الله عليه وسلم فى سفر فرأى رجلا قد اجتمع بها الناس عليه وقد ظل عليه فقالوا هذا رجل صائم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس البر أن تصوموا فى السفر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الاسود بن قيس عن نبيح العنزى عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخلتم ليلا فلا يأتين أحدكم أهله طروقا فقال جابر فوالله لقد طرقنا هن بعد **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن سعيد عن زكريا حدثنى عامر عن جابر بن عبد الله قال كنت أسير على جمل لى فاعيا فاردت ان أسيبه قال فلحقنى رسول الله صلى الله عليه وسلم فضربه برجله ودعا له فسار سيرا لم يسر مثله وقال بعنيه بوقية فذكرت ان ابيعه قال بعنيه فبعته منه واشترطت حملانه الى أهلى فلما قدمنا أتيته بالجمل فقال طلحة حين ما كستك أن أذهب بجملك خذ جملك وثمنه هما لك **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو نعيم ثنا زكريا سمعت الشعبى قال حدثنى جابر بن عبد الله انه كان يسير على جمل وذكر معناه وقال فاستثنيت حملانه الى أهلى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن سعيد عن سفيان حدثنى حميد ح وروح قال ثنا سفيان الثورى عن حميد بن قيس الاعرج عن محمد بن ابراهيم عن جابر بن عبد الله ان رجلا من الانصار أعطى أمه حديقة من نخل حياتها فماتت فجاء اخوته فقالوا انما كنا نحن فيه نشرع سواء قال فابى فاختصموا الى النبى صلى الله عليه وسلم فقسمها بينهم ميراثا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن سعيد عن عبيد الله بن الاخنس عن أبى الزبير عن جابر عن النبى صلى الله عليه وسلم قال اذا جاس أو استلقى أحدكم فلا يضع رجليه احداهما على

مكتوبة بتركعتين الا الفجر والعصر (ش حم) والعدنى (د ن) وابن خزيمة (ع) وأبو سعيد بن الاعرابى فى معجمه والطحاوى (هق ض) * عن العباس بن سهل بن سعد الساعدى قال لقد أدركت زمان عثمان بن عفان وانه ليسلم من المغرب فما ترى رجلا يصلى ركعتين فى المسجد يبتدرون أبواب المسجد حتى يخرجوا فيصلوها فى بيوتهم (ش) * عن جابر بن عبد الله كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى على راحلته تطوعا حيث توجهت به واذا أراد أن يصلى المكتوبة نزل عن راحلته واستقبل القبلة (عب) * أيضا كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى

على راحلته تطوعا حيث وجهت به ويجعل السجود أخفض من الركوع (عب) *عن جابر قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة تبوك يصلي على راحلته حيث توجهت به صلاة الليل (خط) *عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى المكتوبة في ردغة على حمار (كر) *عن عبد الله بن شقيق قال سألنا عائشة عن صلاة النبي صلى الله عليه وسلم قالت كان النبي صلى الله عليه وسلم يصلي ليلا طويلا قائما وليلا طويلا قاعدا وقالت كيف كان يصنع قالت كان (٣٠٠) اذا قرأ قائما ركع قائما واذا قرأ قاعدا ركع قاعدا (عب) *عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي صلاة الليل قائما فلما دخل في السن جعل يصلي جالسا فاذا بقيت عليه ثلاثون آية أو أربعون آية قام فقرأها ثم ركع (عب ش) *عن حفصة قالت لم أر رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي قاعدا حتى كان قبل موته بعام أو اثنين وكان يصلي في سبحته جالسا ويرتل السورة حتى تكون في قراءته أطول من أطول منها (عب) *عن أم سلمة قالت والذي نفسي بيده ما توفي حتى كان أكثر صلاته قاعدا الا المكتوبة وكان أعجب العمل اليه الذي يدوم عليه صاحبه وان كان يسيرا (عب)

*(الفصل الثاني في السنن ونوافل الراتبة وفيه ثلاثة فروع * الفرع الاول في السنن جملة) *من ثابر على ثنتي عشرة ركعة من السنة بنى الله تعالى له بيتا في الجنة أربع ركعات قبل الظهر وركعتين بعدها وركعتين بعد المغرب وركعتين بعد العشاء وركعتين قبل الفجر (ت ن ه) عن عائشة *من صلى ثنتي عشرة ركعة في يوم بنى الله تعالى له بيتا في الجنة أربع ركعات قبل الظهر واثنتان بعدها واثنتان بعد المغرب واثنتان قبل الصبح (ن حب ك) عن أم حبيبة *ما من عبد مسلم توضأ فأسبغ الوضوء ثم صلى لله تعالى في كل يوم ثنتي عشرة ركعة تطوعا غير فريضة الا بنى الله له بيتا في الجنة (م) عن أم حبيبة *من صلى في يوم ثنتي عشرة ركعة بنى الله تعالى له بيتا في الجنة ركعتين قبل الفجر وركعتين قبل الظهر وركعتين بعد الظهر وركعتين قبل العصر وركعتين بعد المغرب وركعتين بعد العشاء الآخرة (ش ه) عن أبي هريرة *انا أنبئك بخير رجل ربح ركعتين بعد الصلاة (د) عن

الاخرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج أخبرني عطاء عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه نهى عن الرطب واليسر والتمر والزبيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع أنا ابن أبي ذئب عن عثمان بن عبد الله بن سراقة عن جابر بن عبد الله قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته نحو المشرق في غزوة أنمار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن حماد بن سلمة عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يتعاطى السيف مسلولا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن محارب بن دثار عن جابر ان معاذا صلى باصحابه فقرأ البقرة في الفجر وقال عبد الرحمن يعني ابن مهدي المغرب فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أفتانا أفتانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وعبد الرحمن عن سفيان عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد متوشحا به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن ابن أبي ذئب عن ثمير حبيل بن سعد عن جابر بن عبد الله قال سألت النبي صلى الله عليه وسلم عن مسح الحصى فقال واحدة ولان تمسك عنها خير لك من مائة بدنة كلها سود الحدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال صرع النبي صلى الله عليه وسلم من فرس على جذع نخلة فانفكت قدمه فدخلنا عليه نعوده فوجدناه يصلي فصلينا بصلاته ونحن قيام فلما صلى قال انما جعل الامام ليؤتم به فان صلى قائما فصلوا قياما وان صلى جالسا فصلوا جلوسا ولا تقوموا وهو جالس كما يفعل أهل فارس بعظمائها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عبد الواحد بن أيمن عن أبيه عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب الى جذع نخلة قال فقالت امرأة من الانصار كان لها غلام نجار يا رسول الله ان لي غلاما نجارا أفآمره ان يتخذ لك منبرا تخطب عليه قال بلى قال فاتخذ له منبرا قال فلما كان يوم الجمعة خطب على المنبر قال فأن الجذع الذي كان يقوم عليه كما يئن الصبي فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان هذا يبكي لما فقد من الذكر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي ليلى عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ظن منكم أن لا يستيقظ آخر الليل فليوتر أوله ومن ظن منكم انه يستيقظ آخره فليوتر آخره فان صلاة آخر الليل محضورة وهي أفضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد خلفتم بالمدينة ربالا ما قطعتم واديا ولا سلكتم طريقا الا شركوكم في الاجر حبسهم المرض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان ح وعبد الرحمن ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرت ان أقاتل الناس حتى يقولوا لا اله الا الله فاذا قالوها عصموا مني بها دماءهم وأموالهم الا بحقها وحسابهم على الله ثم قرأ فذكر انما أنت مذكر لست عليهم بمصيطر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قالوا يا رسول الله أي الجهاد أفضل قال من عقر جواده وأهريق دمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عبد الواحد بن أيمن عن أبيه عن جابر قال مكث النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه وهم يحفرون الخندق ثلاثا لم يذوقوا طعاما فقالوا يا رسول الله ان ههنا كدية من الجبل فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم رشوها بالماء فرشوها ثم جاء النبي صلى الله عليه وسلم فاخذ المعول أو المسحاة ثم قال بسم الله فضرب ثلاثا فصارت كثيبا رهلا قال جابر فحانت مني التفاتة فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم قد شد على بطنه حجرا **حدثنا** عبد

رجل *بين كل أذانين صلاة لمن شاء (حم ق ٤) عن عبد الله بن مغفل *بين كل أذانين صلاة الا المغرب البزار عن بريدة *(الاكمال)*
أيما رجل تطوع في يوم اثنتي عشرة ركعة سوى المكتوبة كان له على الله حقا واجبا بيتا في الجنة ابن جرير عن أم حبيبة *من صلى في يوم اثنتي
عشرة ركعة حرم الله لحمه على النار (ع ض) عن أنس *من صلى ثنتي عشرة ركعة من النهار يحافظ عليهن بنى الله له بيتا في الجنة ابن النجار عن
عائشة *(الافعال)* عن عاصم بن ضمرة قال سألنا عليا عن تطوع رسول الله (٣٠١) صلى الله عليه وسلم بالنهار فقال انكم

لا تطيقونه قلنا أخبرنا به
نأخذ منه ما أطقنا قال
كان النبي صلى الله عليه
وسلم اذا صلى الفجر أمهل
حتى اذا كانت الشمس من
ههنا يعني من قبل المشرق
مقدارها من صلاة العصر
من ههنا يعني من قبل
المغرب قام فصلى أربعا
وأربعا قبل الظهر اذا زالت
الشمس وركعتين بعدها
وأربعا قبل العصر يفصل
بين كل ركعتين بالتسليم على
الملائكة المقربين والنبيين
ومن تبعهم من المؤمنين
والمسلمين قال على ثلاث
عشرة ركعة تطوع رسول
الله صلى الله عليه وسلم وقل
من يداوم عليها (ش حم)
وابن منيع (ت) وقال
حسن (ن ع) وابن جرير
وصححه وابن خزيمة (هق
ض) *(الفرع الثاني في
قيام الليل وما يتعلق به)*
يعقد الشيطان على قافية
رأس أحدكم اذا هو نام
ثلاث عقد يضرب مكان كل
عقدة عليك ليل طويل
فارقد فان استيقظ فذكر
الله تعالى انحلت عقدة فان
توضأ انحلت عقدة فان صلى
انحلت عقده كلها فاصبح

الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا حسين عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه
وسلم أيما عبد تزوج بغير اذن مواليه أو أهله فهو عاهر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن
محارب بن دثار عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم لما قدم المدينة نحر واجزورا أو بقرة وقال مرة نحرت
جزورا أو بقرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وعبد الرحمن عن سفيان عن سلمة بن كهيل عن
سمع قال عبد الرحمن حدثني من سمع جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من باع
عبدا وله مال فماله للبائع الا ان يشترط المبتاع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن ابي
الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم باع المدبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي
خالد وسفيان عن سلمة بن كهيل عن عطاء عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم باع المدبر **حدثنا** عبد الله
حدثني أبي ثنا علي بن حكيم الاودي وأبو بكر بن أبي شيبة قالا ثنا شريك عن سلمة بن كهيل عن أبي الزبير
عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم باع المدبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان
عن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم أوضع في وادي محسر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا
وكيع ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال التأخذ أمتي منا سكها وارمها بمثل حصى الخذف **حدثنا**
عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عبد الواحد بن أيمن عن أبيه عن جابر قال لما حفر النبي صلى الله عليه وسلم
وأصحابه الخندق أصابهم جهد شديد حتى ربط النبي صلى الله عليه وسلم على بطنه حجرا من الجوع **حدثنا**
عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان ح وعبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال
رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أكل أحدكم طعاما فلا يمسح يده في المنديل حتى يلعقها أو يلعقها فانه لا يدري
في أي طعامه البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان ح وعبد الرحمن عن سفيان عن
أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم طعام الواحد يكفي الاثنين وطعام الاثنين يكفي
الاربعة وطعام الاربعة يكفي الثمانية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن أنا سفيان عن الاعمش
عن أبي سفيان عن جابر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان ح وعبد الرزاق قال
أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سقطت لقمة أحدكم فليمط ما بها
من الاذى وليأكلها ولا يدعها للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن المثنى بن سعيد عن
أبي سفيان طلحة بن نافع عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم الادم الخل **حدثنا**
عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن ابن المنكدر عن جابر قال لما تزوجت قال النبي صلى الله عليه
وسلم هل اتخذتم انماطا قال قلت اني لنا انماط قال اما انها ستكون وأنا أقول لامرأتي نحي عني نمطك
فتقول أوليس قد قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انها ستكون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع
ثنا الاعمش عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسموا باسمي
ولا تكنوا بكنيتي فاني أنا أبو القاسم أقسم بينكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن قطر عن أبي
الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اغلقوا أبوابكم وخمروا آنيتكم واطفؤا سرجكم وأوكوا
أسقيتكم فان الشيطان لا يفتح بابا مغلقا ولا يكشف غطاء ولا يحل وكاء وان الفويسقة تضرم البيت على أهله
يعني الفارة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عزرة بن ثابت عن أبي الزبير عن جابر قال حججنا

نشيطا طيب النفس والا أصبح خبيث النفس كسلان (حم ق د ن ه) عن أبي هريرة *أفضل الصلاة نصف الليل وقليل فاعله (هب) عن
أبي ذر *أفضل الليل جوف الليل الاوسط (ش) عن الحسن مرسلا *من تعار من الليل فقال حين يستيقظ لا اله الا الله وحده لا شريك له
له الملك وله الحمد يحيي ويميت بيده الخير وهو على كل شئ قدير سبحان الله والحمد لله ولا اله الا الله والله أكبر ولا حول ولا قوة الا بالله ثم قال اللهم
اغفر لي أو دعا استجيب له فان قام فتوضأ ثم صلى قبلت صلاته (حم خ د ن ه) عن عبادة بن الصامت *يا عبد الله لا تكن مثل فلان كان يقوم

من الليل فترك قيام الليل (حم ق ن ه) عن ابن عمرو * اذا استيقظت فصل (حم د حب ك) عن أبي سعيد * اذا راد الله تبارك وتعالى على العبد المسلم روحه من الليل فسبحه وحمده واستغفره غفر له ما تقدم من ذنبه وان هو قام فتوضأ وصلى وذكره واستغفره ودعا قبل منه ابن السني والخرائطي في مكارم الاخلاق عن أبي هريرة * اذا قام أحدكم من الليل فليصل ركعتين خفيفتين ثم ليطول بعد ما شاء (د) عن أبي هريرة * اذا قام أحدكم من الليل فليفتتح صلاته (٣٠٢) بركعتين خفيفتين (حم م) عن أبي هريرة * قيام الليل فريضة على حامل القرآن ولو ركعتين

مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فجرنا البعير عن سبعة البقرة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمسكوا عليكم أموالكم ولا تعمروها فمن أعمر عمرى فهي سبيل الميراث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال كان خالي يرقي من العقرب فلما نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرقى أتاه فقال يا رسول الله انك نهيت عن الرقى وأنى أرقي من العقرب فقال من استطاع أن ينفع أخاه فليفعل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن محارب عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يطرق الرجل أهله ليلا أن يخونهم أو يلتمس عثراتهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سئل النبي صلى الله عليه وسلم أي الجهاد أفضل قال من عقر جواده وهريق دمه قال وسئل أي الصلاة أفضل قال طول القنوت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن محارب بن دثار عن جابر بن عبد الله قال اشترى مني رسول الله صلى الله عليه وسلم بعيرا فوزن لي ثمنه وأرجح لي قال فقال لي هل صليت صل ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا مسعر عن محارب بن دثار عن جابر بن عبد الله قال كان لي على النبي صلى الله عليه وسلم دين فقضاني وزادني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر قال كان أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم يمشون أمامه اذا خرج يريدون ظهره للملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الملك ح وإسحق بن يوسف الازرق ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر قال تزوجت امرأة على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا جابر أتزوجت قال قلت نعم قال بكرا أو ثيبا قال قلت ثيبا قال ألا بكرا تلاعبها قال قلت يا رسول الله كن لي أخوات فخشيت أن تدخل بيني وبينهن فقال ان المرأة تنكح لدينها ومالها وجمالها فعليك بذات الدين تربت يداك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الملك عن عطاء عن جابر قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لاربع مضين من ذي الحجة ونحن محرمون بالحج وأمرنا أن نجعلها عمرة فضاقت بذلك صدورنا وكبر علينا فبلغه ذلك فقال يا أيها الناس أحلوا فلولا الهدى الذي معي لفعلت مثل ما تفعلون ففعلنا حتى وطئنا النساء ما يفعل الحلال حتى اذا كان عشية التروية أو يوم التروية جعلنا مكة بظهر ولبينا بالحج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم محرمين بالحج فذكر مثله وقال فلما كان يوم التروية وجعلنا مكة بظهر لبينا بالحج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن جرير بن حازم قال سمعت عطاء قال ثنا جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الثمر والبسر والزبيب والتمر أن ينبذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن ابن عجلان حدثني عبيد الله بن مقسم عن جابر بن عبد الله ان معاذ بن جبل كان يصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم العشاء ثم يأتي قومه فيصلي بهم تلك الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن عبد الملك ثنا عطاء عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كانت له أرض فليزرعها فان لم يستطع أو يعجز عنها فليمنحها أخاه ولا يؤاجرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام عن يحيى عن أبي سلمة عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال العمرى ان وهبت له قال أبو عبد الرحمن قال أبي وثناه أبو داود عن سفيان نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سفيان عن منصور عن سالم بن أبي

(فر) عن جابر * من قام بعشر آيات لم يكتب من الغافلين ومن قام بمائة آية كتب من القانتين ومن قام بألف آية كتب من المقنطرين (ه حب) عن ابن عمر * أتاني جبريل فقال يا محمد عش ما شئت فانك ميت واحبب من أحببت فانك مفارقه واعمل ما شئت فانك مجزى به واعلم أن شرف المؤمن قيامه بالليل وعزه استغناؤه عن الناس الشيرازي في الالقاب (ك هب) عن سهل بن سعد (هب) عن جابر (حل) عن علي * قالت أم سليمان ابن داود يا بني لا تكثر النوم بالليل فان كثرة النوم بالليل تترك الانسان فقيرا يوم القيامة (ه هب) عن جابر * من أتى فراشه وهو ينوي أن يقوم من الليل فغلبته عينه حتى يصبح كتب له ما نوى وكان نومه صدقة عليه من ربه (ن ه حب ك) عن أبي الدرداء * ما من امرئ يكون له صلاة بالليل فغلبه عليها نوم الا كتب الله تعالى له أجر صلاته وكان نومه عليه صدقة (د ن) عن عائشة * من قرأ في ليلة مائة آية لم يكتب من الغافلين (ك) عن أبي هريرة * من كثرت صلاته بالليل حسن وجهه بالنهار (ه) عن جابر * لا تدع صلاة الليل ولو حلب شاة (طس) الجعد عن جابر * أفضل الصلاة بعد المكتوبة الصلاة في جوف الليل وافضل الصيام بعد شهر رمضان شهر الله المحرم (م ٤) عن أبي هريرة الرويانى في مسنده (طب) عن جندب * ان الله تبارك وتعالى يمهل حتى اذا كان ثلث الليل الآخر نزل الى السماء الدنيا فنادى هل من مستغفر هل من تائب هل من سائل هل من داع حتى ينفجر الفجر (حم م) عن أبي سعيد وأبي هريرة معا * اذا استيقظ الرجل من الليل وأيقظ أهله وصليا

ركعتين كتبا من الذاكرين الله كثيرا والذاكرات (د ن حب ك) عن أبي هريرة وأبي سعيد معا * ان الله تعالى جعل لكل نبي شهوة وان شهوتي في قيام هذا الليل اذا قمت فلا يصلين أحد خلفي وان الله تعالى جعل لكل نبي طعمة وان طعمتي هذا الخمس فاذا قبضت فهو لولاة الامر من بعدي (طب) عن ابن عباس * ان في الليل لساعة لا يوافقها عبد مسلم يسأل الله تعالى فيها خيرا من أمر الدنيا والآخرة الا أعطاه اياه وذلك كل ليلة (حم م) عن جابر * رحم الله رجلا قام من الليل فصلى وأيقظ امرأته فصلت فان أبت نضح في وجهها الماء رحم الله امرأة قامت من الليل فصلت وأيقظت زوجها فصلى فان أبى نضحت في وجهه الماء (حم د ن ه حب ق) عن أبي هريرة * ركعتان يركعهما ابن آدم في جوف الليل الآخر خير له من الدنيا وما فيها ولولا أن أشق على أمتي لفرضتهما عليهم ابن نصر عن حسان بن عطية مرسلا * صلوا من الليل أربعا صلوا ركعتين ما من أهل بيت تعرف لهم صلاة من الليل الا ناداهم مناد يا أهل البيت قوموا صلاتكم ابن نصر (هب) عن الحسن مرسلا * عليكم بصلاة الليل ولو ركعة واحدة (حم) في الزهد وابن نصر (طب) عن ابن عباس * عليكم بقيام الليل فانه دأب الصالحين قبلكم وقربة الى الله تعالى ومنهاة عن الاثم وتكفير للسيآت ومطردة للداء عن الجسد (حم ت ك هق) عن بلال (ت ك هق) عن أبي امامة ابن عساكر عن أبي الدرداء (طب) عن سلمان بن السني عن جابر * فضل صلاة الليل على صلاة النهار كفضل صدقة السر على صدقة العلانية ابن المبارك (طب حل) عن ابن مسعود * صلاة الليل مثنى مثنى فاذا خشي أحدكم الصبح صلى ركعة واحدة توتر ما قد صلى مالك (حم ت ٤) عن ابن عمر * صلاة الليل والنهار مثنى مثنى (حم ٤) عن ابن عمر * صلاة الليل مثنى مثنى والوتر ركعة من آخر الليل (طب) عن ابن عباس * صلاة الليل مثنى مثنى وتشهد في كل ركعتين وتباشر وتمسكن وتقنع بيديك وتقول اللهم اغفر لي فمن لم يفعل ذلك فهو خداج (حم د ت ه) عن المطلب بن أبي وداعة * اذا استيقظ أحدكم فليقل الحمد لله الذي رد علي روحي وعافاني في جسدي وأذن لي

---

الجعد عن جابر بن عبد الله قال لما نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الاوعية فقالت الانصار فلا بد لنا قال فلا اذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم أستعينه في دين كان على أبي فقال آتيكم قال فرجعت فقلت للمرأة لا تكلمي رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا تهاليه قال فاتانا فذ بحنا له داجنا كان لنا فقال يا جابر كانكم عرفتم حبنا اللحم قال فلما خرج قالت له المرأة صل علي وعلى زوجي أو صل علينا قال فقال اللهم صل عليهم قال فقلت لها أليس قد نهيتك قالت ترى رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يدخل علينا ولا يدعو لنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال الظهر كاسمها والعصر بيضاء حية والمغرب كاسمها وكنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب ثم نأتي منازلنا وهي على قدر ميل فنرى مواقع النبل وكان يعجل العشاء ويؤخر الفجر كاسمها وكان يغلس بها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا علي بن زيد عن محمد بن المنكدر قال حدثني جابر يعني ابن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كن له ثلاث بنات يؤويهن ويرحمهن ويكفلهن وجبت له الجنة البتة قال قيل يا رسول الله فان كانت اثنتين قال وان كانت اثنتين قال فرأى بعض القوم ان لو قالوا له واحدة لقال واحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أخبرنا سيار عن الشعبي عن جابر قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فلما رجعنا ذهبنا لندخل فقال امهلوا حتى ندخل ليلا أي عشاء لكي تمتشط الشعثة وتستحد المغيبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن حصين عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال ولد لرجل منا غلام فسماه القاسم فقلنا لا نكنيك به حتى نسأل النبي صلى الله عليه وسلم فذكر له فقال تسموا باسمي ولا تكتنوا بكنيتي فانما بعثت قاسما بينكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا يزيد بن أبي زياد عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل بالصاع ويتوضأ بالمد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا سيار عن أبي هبيرة عن جابر بن عبد الله قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فاشترى مني بعيرا فجعل لي ظهره حتى أقدم المدينة فلما قدمت أتيته بالبعير فدفعته اليه وأمر لي بالثمن ثم انصرفت فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم قد لحقني قال قلت قد بدا له قال فلما أتيته دفع لي البعير وقال هو لك فمر رجل من اليهود فاخبره قال فجعل يعجب قال فقال اشتري منك البعير ودفع اليك الثمن وهو لك قال قلت نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال أنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله قال رمى أبي بن كعب يوم أحد بسهم فاصاب أكحله فامر النبي صلى الله عليه وسلم فكوى على أكحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا عبد الملك عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الجار أحق بشفعة جاره ينتظر بها وان كان غائبا اذا كان طريقهما واحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا داود عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال العمرى جائزة لأهلها والرقبى جائزة لأهلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا أبو الزبير عن جابر قال كنا مع ابي عبيدة بعثنا النبي صلى الله عليه وسلم معه في سفر فنفد زادنا فمررنا بحوت قذفه البحر فاردنا أن نأكل منه فنعنا أبو عبيدة ثم انه قال

بذكره ابن السني عن أبي هريرة * ان أحب ما يقول العبد اذا استيقظ من نومه سبحان الذي يحيي الموتى وهو على كل شئ قدير (خط) عن ابن عمر * اذا قام أحدكم من الليل فاستعجم القرآن على لسانه فلم يدر ما يقول فليضطجع (حم م د ه) عن أبي هريرة * اذا نعس أحدكم وهو يصلي فليرقد حتى يذهب عنه النوم فان أحدكم اذا صلى وهو ناعس لعله يستغفر فيسب نفسه مالك (ق د ت ه) عن عائشة * اذا نعس أحدكم وهو يصلي فلينصرف فليتم حتى يعلم (٣٠٤) ما يقول (حم خ ن) عن أنس * اذا نعس الرجل وهو يصلي فلينصرف لعله يدعو على نفسه وهو لا يدري (ن حب) عن عائشة * سبحان الله ماذا أنزل الليلة من الفتن وماذا فتح من الخزائن أيقظوا صواحب الحجر فرب كاسية في الدنيا عارية في الآخرة (حم خ ت) عن أم سلمة * (الاكمال) * مازال جبريل يوصيني بقيام الليل حتى ظننت أن خيار أمتي لن يناموا الا قليلا الديلمي عن أنس * لابد من صلاة بليل ولو حلب ناقة ولو حلب شاة وما كان بعد صلاة العشاء الآخرة فهو من الليل (طب) وأبو نعيم عن اياس بن معاوية المزني * ركعتان في جوف الليل يكفران الخطايا (ك) في تاريخه عن جابر * عليكم بصلاة الليل ولو ركعة واحدة فان صلاة الليل منهاة عن الاثم وتطفئ غضب الرب تبارك وتعالى وتدفع عن أهلها حر النار يوم القيامة وان أبغض الخلق الى الله تعالى ثلاثة الرجل يكثر النوم بالنهار ولم يصل من الليل شيأ والرجل يكثر الاكل ولا يسمي الله على طعامه ولا يحمده والرجل يكثر الضحك من غير عجب فان كثرة الضحك تميت القلب وتورث الفقر الديلمي عن ابن عمر * رجال من أمتي يقوم أحدهم من الليل فيعالج نفسه للطهور وعليه عقده فيتوضأ فاذا توضأ راحتيه انحلت عقدة فاذا توضأ وجهه انحلت عقده فاذا غسل يديه انحلت عقدة فاذا مسح برأسه انحلت عقدة فاذا توضأ رجليه انحلت عقدة فيقول الله للذين وراء الحجاب انظروا الى عبدي هذا يعالج نفسه ليسألني ما سألني عبدي هذا فهو له (حم حب طب) عن عتبة بن عامر * يا بقية قومي اشهدي رزق ربك ولا تكوني من الغافلين فان الله تعالى يقسم أرزاق الناس ما بين طلوع الفجر الى طلوع الشمس (هب) وضعفه عن فاطمة وعلي * اذا نام أحدكم

بعد ذلك نحن رسل رسول الله صلى الله عليه وسلم وفي سبيل الله كلوا قال فاكلنا منه أياما فلما قدمنا ذكرنا ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان كان بقي معكم منه شئ فابعثوا به الينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة سمعت سليمان سمعت أبا سفيان قال سمعت جابرا فذكر الحديث الا أنه قال فكواه رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا علي بن زيد عن محمد بن المنكدر عن جابر ان سراقة بن مالك قال يا رسول الله فيم العمل أفي شئ قد فرغ منه أم في شئ نستأنفه فقال بل في شئ قد فرغ منه قال ففيم العمل اذا قال اعملوا فكل ميسر لما خلق له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن أبي بشر عن أبي سفيان عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم سئل عن الغسل من الجنابة فقال النبي صلى الله عليه وسلم أما أنا فافرغ على رأسي ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن عبد الحميد بن جعفر عن عمر بن الحكم بن ثوبان عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من عاد مريضا لم يزل يخوض في الرحمة حتى يرجع فاذا جلس اغتمس فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن أبي بشر عن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم الادام الخل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن علي بن زيد عن محمد بن المنكدر عن جابر قال أكلت مع النبي صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر خبزا ولحما فصلوا ولم يتوضؤا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم عن أبي الزبير عن جابر قال لعن رسول الله صلى الله عليه وسلم آكل الربا وموكله وشاهديه وكاتبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا سيار عن يزيد الفقير عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أعطيت خمسا لم يعطهن أحد قبلي بعثت الى الاحمر والاسود وكان النبي انما يبعث الى قومه خاصة وبعثت الى الناس عامة وأحلت لي الغنائم ولم تحل لاحد قبلي ونصرت بالرعب من مسيرة شهر وجعلت لي الارض طهورا ومسجدا فايما رجل أدركته الصلاة فليصل حيث أدركته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم انا عبد الملك عن عطاء عن جابر ابن عبد الله قال كنا نتمتع في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم بقبضة من سويق فنشربه على الماء ونأكله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا بشر بن المفضل عن داود عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم على كل مسلم غسل في سبعة أيام كل جمعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف ثنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينتعذله في سقاء فاذا لم يكن له سقاء نبذله في تور من رام قال ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والنقير والحنتم والمزفت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال كنا نتمتع على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر رضي الله عنهم حتى نهانا عمر رضي الله عنه أنفسير يعني النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من كانت له أرض فليزرعها فان لم يستطع ان يزرعها أو يحرثها فليمنحها أخاه المسلم ولا يؤاجرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ثنا هشام عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال العمرى لمن وهبت له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عباد بن عباد المهلبي عن هشام ابن عروة عن وهب بن كيسان عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من احيا أرضا ميتة فله منها يعني أجرا وما أكلت العوافي منها فهو له صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل يعني ابن علية أنا

وهو يريد أن يصلي من الليل فليضع على يمينه قبضة من تراب فاذا انتبه فليقبض منه بيمينه فليحصب عن شماله (حب) في الضعفاء (طب) عن النعمان بن بشير وأورده ابن الجوزي في الموضوعات * اذا قمت من الليل تصلي فارفع صوتك قليلا تفزع الشيطان وتوقظ الجيران وترضي الرحمن الديلمي عن أنس * من قام من الليل فتوضأ ومضمض فاه ثم قال سبحان الله مائة مرة والحمد لله مائة مرة ولا اله الا الله مائة مرة غفرت له ذنوبه الا الدماء والاموال فانهم الا بتطال (طب) عن سعد بن جنادة * من قام بعشر آيات (٣٠٥) لم يكتب من الغافلين ومن قام بمائة آية كتب من القانتين ومن قام بمائتي آية كتب من الفائزين الشيرازي في الالقاب وابن مردويه عن أبي سعيد * من قرأ عشر آيات في ليلة كتب من المسلمين ولم يكتب من الغافلين ومن قرأ خمسين آية كتب من الحافظين ومن قرأ مائة آية كتب من القانتين ومن قرأ ثلثمائة آية لم يحاجه القرآن في تلك الليلة ويقول ربك عز وجل لقد نصب عبدي في ومن قرأ ألف آية كان له قنطار القيراط منه خير من الدنيا وما فيها فاذا كان يوم القيامة قيل له اقرأ وارقه فكلما قرأ آية صعد درجة حتى ينتهي الى ما معه ويقول الله عز وجل له اقبض بيمينك على الخلد وبشمالك على النعيم محمد ابن نصر (هب) وابن عساكر عن فضالة بن عبيد وتميم الداري معا * من قرأ عشر آيات في ليلة لم يكتب من الغافلين ومن قرأ مائة آية كتب له قنوت ليلة ومن قرأ مائتي آية كتب من القانتين ومن قرأ أربعمائة آية كتب من العابدين ومن قرأ خمسمائة آية كتب من الحافظين ومن قرأ ستمائة آية كتب من الخاشعين ومن قرأ سبعمائة آية كتب من المخبتين ومن قرأ ألف آية أصبح له قنطار والقنطار ألف ومائتا أوقية والاوقية خير مما بين السماء والارض أو قال مما طلعت عليه الشمس ومن قرأ ألفي آية كان من الموجبين الدارمي (طب) عن أبي امامة * من قرأ مائة آية في ليلة لم يكتب من الغافلين ومن قرأ مائتي آية كتب من القانتين ومن قرأ ثلثمائة آية كتب من القائمين ومن قرأ أربعمائة آية كتب له قنطار والقنطار مائة مثقال والمثقال عشرون قيراطا والقيراط مثل أحد (هب)

هشام الدستوائي عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته نحو المشرق فاذا أراد أن يصلي المكتوبة نزل فاستقبل القبلة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا أيوب عن أبي الزبير عن جابر أن رجلا من الانصار يقال له أبو مذكور أعتق غلاما له يقال له يعقوب عن دبر لم يكن له مال غيره فدعاه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال من يشتريه منه فاشتراه نعيم بن عبد الله النحام بثمانمائة درهم فدفعها اليه وقال اذا كان أحدكم فقيرا فليبدأ بنفسه وان كان فضلا فعلى عياله وان كان فضلا فعلى ذوي قرابته أو قال على ذوي رحمه وان كان فضلا فههنا وههنا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا الاجلح عن أبي الزبير عن جابر قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من مكة عند غروب الشمس فلم يصل حتى أتى سرف وهي تسعة أميال من مكة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول مثل الصلوات الخمس المكتوبات كمثل نهر جار بباب أحدكم يغتسل منه كل يوم خمس مرات * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فلا يفترش ذراعيه افتراش الكلب * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سلمة عن هشام عن الحسن عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سرتم في الخصب فامكنوا الركاب أسنانها ولا تجاوزوا المنازل واذا سرتم في الجدب فاستجدوا وعليكم بالدلج فان الارض تطوى بالليل واذا تغولت لكم الغيلان فنادوا بالاذان وايا كم والصلاة على جواد الطريق والنزول عليها فانها مأوى الحيات والسباع وقضاء الحاجة فانه الملاعن * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب الثقفي عن جعفر عن أبيه عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قضى باليمين مع الشاهد قال جعفر وقال أبي وقضى به علي بالعراق قال أبو عبد الرحمن كان أبي قد ضرب على هذا الحديث قال ولم يوافق أحد الثقفي على جابر فلم أزل به حتى قرأه علي وكتب عليه هو صحيح * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب الثقفي ثنا حبيب يعني المعلم عن عطاء حدثني جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أهل هو وأصحابه بالحج وليس مع أحد منهم يومئذ هدى الا النبي صلى الله عليه وسلم وطلحة وكان علي قدم من اليمن ومعه الهدى فقال أهللت بما أهل به رسول الله صلى الله عليه وسلم وان النبي صلى الله عليه وسلم أمر أصحابه أن يجعلوها عمرة ويطوفوا ثم يقصروا ويحلوا الا من كان معه الهدى فقالوا ننطلق الى منى وذكر أحدنا يقطر فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال لو أني استقبل من أمري ما أستدبر ما أهديت ولولا أن معي الهدى لاحللت وان عائشة حاضت فنسكت المناسك كلها غير أنها لم تطف بالبيت فلما طهرت طافت قالت يا رسول الله أتنطلقون بحج وعمرة وانطلق بالحج فأمر عبد الرحمن أن يخرج معها الى التنعيم فاعتمرت بعد الحج في ذي الحجة وان سراقة بن مالك بن جعشم لقي رسول الله صلى الله عليه وسلم بالعقبة وهو يرميها فقال ألكم هذه خاصة يا رسول الله قال لا بل للابد * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم وروح قالا ثنا هشام قال روح بن أبي عبد الله عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم احتجم وهو محرم من وثء كان بوركه أو بظهره * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن سليمان يعني التيمي عن أبي نضرة عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل موته بقليل أو بشهر ما من نفس منفوسة أو ما منكم من نفس اليوم منفوسة يأتي عليها مائة سنة وهي يومئذ

والخطيب عن ابن عباس * من قرأ في كل ليلة مائة آية لم يحاجه القرآن ابن نصر عن أبي الدرداء * من قرأ في ليلة خمسين آية لم يكتب من الغافلين ومن قرأ بمائة آية أعطى قيام ليلة كاملة ومن قرأ بمائتي آية ومعه القرآن فقد أدى حق القرآن ومن قرأ بخمسمائة آية الى ألف آية كان كمن تصدق بقنطار قبل أن يصبح قيل وما القنطار قال ألف دينار محمد بن نصر وابن السني في عمل يوم وليلة عن أنس * من بات ليلة في خفة من الطعام والشراب يصلي بذاكت (٣٠٦) حوله الحور العين حتى يصبح (طب) عن ابن عباس * ما من رجل يكون له ساعة من الليل يقومها فينام عنها الا كتب له أجر صلاته وكان نومه عليه صدقة تصدق بها عليه (حم) عن عائشة * ما من عبد يحدث نفسه بقيام ساعة من الليل فينام عنها الا كان نومه صدقة تصدق الله بها عليه وكتب له أجرها مانوي (حب) عن أبي ذر وأبي الدرداء * ما من رجل يستيقظ من الليل فيوقظ امرأته فان غلبها النوم نضح في وجهها من الماء فيقومان في بيتهما فيذكران الله ساعة من الليل الا غفر لهما (طب) عن أبي مالك الاشعري * ما من أحد ينام الا ضرب على صماخه بحجر معقد فان هو استيقظ فذكر الله تعالى انحلت عقدة وان استيقظ فتوضأ انحلت عقدة أخرى فان قام فصلى انحلت العقد كلها فان هو استيقظ ولم يتوضأ ولم يصل الصبح أصبحت العقد كلها كهيئتها وبال الشيطان في أذنيه ابن النجار عن أبي سعيد * من قام بعشر آيات لم يكتب من الغافلين ومن قام بمائة آية كتب من القانتين ومن قام بألف آية كتب من الشاكرين (طب) عن ابن عمرو * من قرأ في ليلة بثلثمائة آية كتب من القانتين ابن مردويه عن ابن عباس * (الافعال) * فذكر

حية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن سليمان التيمي عن أبي نضرة عن جابر قال كنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم في أصل شجرة أو قال الى جذع ثم اتخذ منبرا قال فحن الجذع قال جابر حتى سمعه أهل المسجد حتى أتاه رسول الله صلى الله عليه وسلم فمسحه فسكن فقال بعضهم لو لم يأته لحن أبدا الى يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن محمد بن اسحق ح ويزيد قال أنا محمد بن اسحق المعنى عن محمد بن ابراهيم عن عطاء بن يسار عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يزيد في حديثه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا سمعتم نباح الكلاب ونهاق الحمير من الليل فتعوذوا بالله فانها ترى ما لا ترون وأقلوا الخروج اذا هدأت الرجل فان الله عز وجل يبث في ليله من خلقه ما شاء وأجيفوا الابواب واذكروا اسم الله عليها فان الشيطان لا يفتح بابا أجيف وذكر اسم الله عليه واوكؤا الاسقية وغطوا الجرار واكفؤا الآنية قال يزيد واوكؤا القرب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا مالك عن محمد بن المنكدر سمعت جابر بن عبد الله يقول جاء اعرابي الى النبي صلى الله عليه وسلم فبايعه على الاسلام فوعك فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال أقلني فابى ثم أتاه فابى فقال أقلني فابى فسأل عنه فقالوا خرج فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان المدينة كالكير تنفي خبثها وتنصع طيبها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن محمد بن اسحق حدثني محمد بن ابراهيم عن محمود بن لبيد عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من مات له ثلاثة من الولد فاحتسبهم دخل الجنة قال فلنا يا رسول الله واثنان قال واثنان قال فسكت قلت لجابر أرأيتكم لو قلتم واحد لقال واحد قال وأنا والله أظن ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن مالك عن وهب بن كيسان عن جابر بن عبد الله أخبرهات رسول الله صلى الله عليه وسلم بعث سرية ثلثمائة وأمر عليهم أبا عبيدة بن الجراح فنفد زادنا فجمع أبو عبيدة زادهم فجعله في مزود فكان يقيتنا حتى كان يصيبنا كل يوم تمرة فقال له رجل يا أبا عبد الله وما كانت تغني عنكم تمرة قال قد وجدنا فقدها حين ذهبت حتى انتهينا الى الساحل فاذا حوت مثل الظرب العظيم قال فاكل منه ذلك الجيش ثمان عشرة ليلة ثم أخذ أبو عبيدة ضلعين من اضلاعه فنصبهما ثم أمر براحلته فرحلت فمرت تحتهما فلم يصبها شئ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم ثنا الاوزاعي انه سمع يحيى ح ووكيع ثنا علي بن المبارك عن يحيى بن أبي كثير المعنى قال سألت أبا سلمة أي القرآن أنزل قبل فقال يا أيها المدثر قال يحيى فقلت لابي سلمة أو اقرأ فقال سألت جابرا أي القرآن أنزل قبل فقال يا أيها المدثر فقلت أو اقرأ فقال جابر أحدثكم ما حدثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم قال جاورت بحراء شهرا فلما قضيت جواري نزلت فاستبطنت بطن الوادي فنوديت فنظرت امامي وخلفي وعن يميني وعن شمالي فلم أر أحدا ثم نوديت فنظرت فلم أر أحدا ثم نوديت قال الوليد في حديثه فرفعت رأسي فاذا هو على العرش في الهواء فاخذتني رجفة شديدة وقال في حديثهما فاتيت خديجة فقلت دثروني فدثروني فصبوا علي ماء فانزل الله عز وجل يا أيها المدثر قم فانذر وربك فكبر وثيابك فطهر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان العطار ثنا يحيى بن أبي كثير قال سألت أبا سلمة بن عبد الرحمن أي القرآن أنزل أول فقال يا أيها المدثر فذكر الحديث الا انه قال فلما قضيت جواري نزلت فاستبطنت بطن الوادي فنوديت فذكر أيضا قال فنظرت فوقي فاذا هو قاعد على عرش بين السماء والارض فجئثت منه فاتيت منزل خديجة فقلت دثروني

يقومها فينام عنها الا كتب له أجر صلاته وكان نومه عليه صدقة تصدق بها عليه.

ابن الخطاب قال من فاته ورده من الليل فليصل به فى صلاة قبل الظهر فانها تعدل صلاة الليل ابن المبارك وابن جرير * عن على ان النبى صلى
الله عليه وسلم طرقه وفاطمة ليلا فقال ألا تصليان فقلت يا رسول الله انما أنفسنا بيد الله اذا شاء أن يبعثنا بعثنا فانصرف حين قلت ذلك ولم
يرجع الى شيأ ثم سمعته وهو يضرب فخذه ويقول وكان الانسان أكثر شئ جدلا (حم خ م ن) وابن جرير وابن خزيمة * عن على قال
كان النبى صلى الله عليه وسلم يصلى من الليل التطوع ثمان ركعات وبالنهار ثنتى عشرة (٣٠٧) ركعة (ع ض) * عن حذيفة بن اليمان

قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فافتتح البقرة فقلت يختمها فيركع بها ثم افتتح آل عمران فقلت يختمها فيركع بها ثم افتتح النساء فقلت يركع بها فقرأ حتى ختمها (ش) * أيضا سرت بالنبى صلى الله عليه وسلم ليلة وهو يصلى فى المسجد فقمت أصلى وراءه فخيل الى انه لا يعلم فافتتح سورة البقرة فقلت اذا جاء مائة آية ركع فجاءها فلم يركع فقلت اذا جاء مائتى آية ركع فجاءها فلم يركع فقلت اذا ختمها ركع فختم فلم يركع فلما ختم قال اللهم لك الحمد اللهم لك الحمد وترا ثم افتتح آل عمران فقلت ان ختمها ركع فختمها فلم يركع وقال اللهم لك الحمد ثلاث مرات ثم افتتح سورة المائدة فقلت اذا ختم ركع فختمها فركع فسمعته يقول سبحان ربى العظيم ويرجع شفتيه فاعلم انه يقول غير ذلك ثم سجد فسمعته يقول سبحان ربى الاعلى ويرجع شفتيه فاعلم انه يقول غير ذلك فلا أفهم غيره ثم افتتح سورة الانعام فتركته وذهبت (عب) * عن الحسن عن

أبى هريرة قال جاء رجل الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله فلان نام البارحة ولم يصل شيأ حتى أصبح فقال بال الشيطان فى أذنه ابن جرير * عن ابن عباس قال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بصلاة الليل ورغب فيها حتى قال عليكم بصلاة الليل ولو ركعة واحدة ابن جرير * عن عبد الله بن عمر قال كان الرجل فى حياة رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأى رؤيا قصها على رسول الله صلى الله عليه وسلم فتمنيت أن أرى رؤيا أقصها على رسول الله صلى الله عليه وسلم وكنت غلاما شابا عزبا فكنت أنام فى المسجد على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فرأيت

---

فذكر الحديث حدثنا عبد الله حدثنى أبى قال ثنا سفيان بن عيينة عن أبى الزبير سمعه من جابر كان ينتبذ للنبى صلى الله عليه وسلم فى سقاء فاذا لم يكن سقاء فقور من حجارة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان ابن عيينة عن أبى الزبير عن جابر ان النبى صلى الله عليه وسلم سئل عن كسب الحجام فقال اعلفه ناضحك حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان بن عيينة قال أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبيع حاضر لباد دعوا الناس يرزق الله بعضهم من بعض حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن أبى الزبير عن جابر عن النبى صلى الله عليه وسلم أيكم كانت له أرض أو نخل فلا يبيعها حتى يعرضها على شريكه حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان بن عيينة عن أبى الزبير عن جابر قال جاء وجبل الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال رأيت كأن عنقى ضربت قال لم تحدث أحدكم يلعب الشيطان حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان قال بعض المكدر سمعت جابر بن عبد الله يقول ما سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم شيأ قط فقال لا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن ابن المنكدر انه سمع جابرا جئ بأبى يوم أحد فوضع بين يدى رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو مسجى فعالجت أريد ان أكشف عن وجهه ويناهانى قومى فسمع باكية وقال مرة صوت صارخة قال فقال من هذه فقالوا ابنة عمرو أو أخت عمرو قال فلم تبكين أو قال أتبكين فما زالت الملائكة تظله باجنحتها حتى رفعت حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن ابن المنكدر سمع جابر بن عبد الله يقول ولد لرجل منا غلام فاسماه القاسم فقلنا لا نكنيك أبا للقاسم ولا نعطيك عينا فاتى النبى صلى الله عليه وسلم فذكر ذلك له فقال أسم ابنك عبد الرحمن حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن ابن المنكدر سمع جابرا يقول ندب رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس يوم الخندق فانتدب الزبير ثم ندب الناس فانتدب الزبير ثم ندب الناس فانتدب الزبير فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لكل نبى حوار يا وحوارى الزبير قال سفيان سمعت ابن المنكدر فى هذا المسجد حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان عن ابن المنكدر أنه سمع جابرا يقول مرضت فأتانى النبى صلى الله عليه وسلم يعودنى هو وأبو بكر ماشيين وقد أغمى على فلما كلمه فتوضأ فصبه على فأفقت فقلت يا رسول الله كيف أصنع فى مالى ولى أخوات قال فنزلت آية الميراث يستفتونك قل الله يفتيكم فى الكلالة كان ليس له ولد وله أخوات ان امرؤ هلك ليس له ولد وله اخت حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان سمعت ابن المنكدر وغير مرة يقول عن جابر وكانى سمعته مرة يقول أخبرنى من سمع جابرا وظننته سمعه من ابن عقيل وابن المنكدر وعبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر أن النبى صلى الله عليه وسلم أكل لحما ثم صلى ولم يتوضأ وان أبا بكر أكل لبأ ثم صلى ولم يتوضأ وان عمر أكل لحما ثم صلى ولم يتوضأ حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان ثنا ابن المنكدر قال سمعت جابرا يقول جاء الى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجل من الاعراب فأسلم فبايعه على الهجرة فلم يلبث أن جاء الى النبى صلى الله عليه وسلم فقال أقلنى فقال لا أقيلك ثم أتاه فقال أقلنى فقال لا أقيلك ثم أتاه فقال أقلنى فقال لا فخرج فقال المدينة كالكير تنفى خبثها وتنصع طيبها حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سفيان قال سمع ابن المنكدر جابرا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو جاء مال البحرين اقطعتك هكذا وهكذا وهكذا قال فلما جاء مال البحرين بعد وفاة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أبو بكر من كان له عند رسول الله صلى الله عليه وسلم دين أو عدة فليأتنا قال فجئت قال فقلت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو قد جاء مال البحرين لاعطيتك هكذا

في النوم كان ملكين أخذاني فذهبا بي الى النار فاذا هي مطوية كطي البئر واذا للنار شئ كقرني البئر واذا فيها ناس قد عرفتهم النار فجعلت أقول أعوذ بالله من النار فلقيهما ملك آخر فقال لن تراع فقصصتها على حفصة فقصتها حفصة على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال نعم الرجل عبد الله لو كان يصلي من الليل (عب) * عن عبد الرحمن بن يزيد قال قال عبد الله ما من رجل ينام لا يذكر الله حتى يصبح الا بال الشيطان في اذنه ابن جرير * عن أبي الكنود عن



عبد الله قال ان العبد اذا نام وفي نفسه أن يقوم أيقظه لا بد شئ فاذا استيقظ أتاه الملك فقال افتح بخير واذكر ربك فيأتيه الشيطان فيقول افتح بشر ان عليك ليلا فنم فان قام فتوضأ وصلى ودعا ربه أصبح فرحا مستبشرا يذكر ما رزق في ليلته وان نام حتى يصبح أصبح كئيبا ثقيلا خائرا وقام الشيطان فبال في أذنه ابن جرير * عن الحسن ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان ابن آدم اذا أخذ مضجعه من الليل أتاه شيطان فعقد عليه ثلاث عقد عقدة في رأسه وعقدة في وسطه وعقدة في رجليه فاذا تعار من الليل فذكر الله عز وجل استطلقت العقدة العليا واذا توضأ حلت فذكر الله استطلقت العقدة الثانية وان قام فذكر الله استطلقت العقد كلها وان نام كهيئته حتى يصبح أتاه الشيطان فبال في أذنه فيصبح ثقيلا وصما ابن جرير * عن كريب عن ابن عباس قال بت عند خالتي ميمونة فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي من الليل فصلى احدى عشرة ركعة سلم من كل ركعتين ابن جرير * عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا قام من الليل قال لا اله الا أنت سبحانك اللهم اني أستغفرك لذنبي وأسألك رحمتك اللهم زدني علما ولا تزغ قلبي بعد الجراح اذ هديتني وهب لي من لدنك رحمة انك أنت الوهاب الديلمي * عن علي رضي الله عنه قال سألت النبي صلى الله عليه وسلم عن صلاة الليل فقال مثنى مثنى فقلت صلاة النهار فقال أربعا أربعا (عب ق) وقال فيه معقل بن سليمان ليس بشئ * عن الحجاج بن عمرو قال يحسب أحدكم اذا قام من الليل يصلي حتى يصبح انه قد تهجد انما التهجد المرء يصلي الصلاة بعد رقدة ثم الصلاة بعد رقدة وتلك كانت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم

---

وهكذا الا ثانا قال فخذ قال فأخذت قال بعض من سمعه فوجدتها خمسمائة فأخذت ثم أتيته فلم يعطني ثم أتيته الثالثة فلم يعطني فقلت اما أن تعطيني واما أن تبخل عني قال أفلست تبخل عني وأي داء أدوأ من البخل ما سألتني مرة الا وقد أردت أن أعطيك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن يزيد ثنا سعيد يعني ابن أبي أيوب حدثني عمر وبن جابر الحضرمي قال سمعت جابر بن عبد الله الانصاري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من صام رمضان وستا من شوال فكأنما صام السنة كلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم الحسن أنا ابن لهيعة ثنا عمرو بن جابر الحضرمي قال سمعت جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الاسود عن نبيح عن جابر انهما نار رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نطرق النساء ثم طرقناهن بعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الاسود عن نبيح عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم أمر قتلى أحد أن يردوا الى مصارعهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال عمرو وسمعت جابرا يقول قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم هل تبكعت قلت نعم قال أبكرا أم ثيبا قلت ثيبا قال فهلا بكرا تلاعبها وتلاعبك قلت يا رسول الله قتل أبي يوم أحد وترك سبع بنات وكرهت ان أجمع اليهن خرقاء مثلهن ولكن امرأة تمشطهن وتقيم عليهن قال أصبت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمعه من جابر كان معاذ يصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم يرجع فيؤمنا وقال مرة ثم يرجع فيصلي بقومه فأخر النبي صلى الله عليه وسلم ليلة الصلاة وقال مرة العشاء فصلى معاذ مع النبي صلى الله عليه وسلم ثم جاء قومه فقرأ البقرة فاعتزل رجل من القوم فصلى فقيل نافقت يا فلان قال ما نافقت فأتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان معاذا يصلي معك ثم يرجع فيؤمنا يا رسول الله انا نحن أصحاب نواضح ونعمل بأيدينا وانه جاء يؤمنا فقرأ سورة البقرة فقال يا معاذ افتان أنت أفتان أنت اقرأ بكذا وكذا قال أبو الزبير يسبح اسم ربك الأعلى والليل اذا يغشى فذكرنا لعمرو فقال أراه قد ذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمع عمرو جابر بن عبد الله وقال مرة عمرو سمعه من جابر يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحرب خدعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمع جابرا دخل رجل يوم الجمعة والنبي صلى الله عليه وسلم يخطب فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أصليت قال لا قال صل ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال قلت لعمرو أسمعت جابرا يقول مر رجل في المسجد معه سهام فقال له النبي صلى الله عليه وسلم امسك بنصالها فقال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمع جابرا يبايع النبي صلى الله عليه وسلم عبدا مدبرا فاشتراه ابن النحام عبدا قبطيا مات عام الاول في امرة ابن الزبير دبره رجل من الانصار ولم يكن له مال غيره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم يخرج الله عز وجل من النار قوما فيدخلهم الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمعت جابرا قال كنا يوم الحديبية ألفا وأربعمائة فقال لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم أنتم اليوم خير أهل الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمعت جابرا يقول قال رجل يوم أحد لرسول الله صلى الله عليه وسلم ان قتلت فأين أنا قال في الجنة فألقى تمرات كن في يده فقاتل حتى قتل وقال غير عمرو وتخلى من طعام كان معه ثم قاتل حتى قتل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان سمع عمرو جابرا يقول بعثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثلثمائة راكب أميرنا أبو عبيدة بن

(طب) وأبو نعيم * عن ابن عباس قال لما نزلت أول المزمل كانوا يقومون نحوا من قيامهم في شهر رمضان وكان بين أولها وآخرها سنة (ش) * عن عائشة قالت كان يوضع لرسول الله صلى الله عليه وسلم ثلاثة آنية تخمر من الليل اناء لطهوره وانائه لشرابه وانا ء لسواكه ابن النجار * عن عائشة قالت ما نام رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل العتمة ولا سمر بعدها ابن النجار * (الاسباب المعينة على قيام الليل) * قيلوا فان الشياطين لا تقيل (طس) وأبو نعيم في الطب عن أنس * نهى عن النوم قبل العشاء (٣٠٩) وعن الحديث بعدها (طب) عن ابن عباس * لا سمر الا لمصل أو مسافر (حم) عن ابن مسعود * من قرض بيت شعر بعد العشاء لم تقبل له صلاة تلك الليلة حتى يصبح * (حم) عن شداد بن أوس * (الاكمال) * اياكم والسهر بعد العشاء الآخرة وإذا تناهقت الحمر من الليل فاستعيذوا بالله من الشيطان عبد الرزاق عن ابن جريج عن عثمان ابن محمد عن رجل من بني سلمة * استعينوا بقائلة النهار على قيام الليل وبأكل السحور على صيام النهار ابن نصر (طب) عن ابن عباس * (الافعال) * عن عائشة انها سمعت عروة بعد العتمة فقالت ما هذا الحديث بعد العتمة ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم رقد قط قبلها ولا تحدثا بعدها اما مصليا فيغنم أو راقدا فيسلم (عب) * عن خوشة بن الحر قال كان عمر بن الخطاب يضرب الناس على الحديث بعد العشاء يقول أسمر أول الليل ونوم آخره (عب ش) * عن سليمان بن ربيعة قال كان عمر بن الخطاب يحدث

الجراح فاقمنا على الساحل حتى فنى زادنا حتى أكلنا الخبط ثم ان البحر ألقى دابة يقال لها العنبر فاكلنا منه نصف شهر حتى صلحت أجسامنا فاخذ أبو عبيدة ضلعا من أضلاعه فنصبه ونظر الى أطول بعير فارتحله وكان رجل يجز ثلاثة جزر ثم ثلاثة جزر ثم ثلاثة جزر ثم ثلاثة جزر فنهاه أبو عبيدة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو سمع جابر بن عبد الله الما نزلت هو القادر على أن يبعث عليكم عذابا من فوقكم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أعوذ بوجهك فلما نزلت أو من تحت أرجلكم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أعوذ بوجهك فلما نزلت أو يلبسكم شيعا ويذيق بعضكم بأس بعض قال هذه أهون وأيسر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو وذكر والرجل يهل بعمرة فيحل هل له أن يأتي قبل أن يطوف بالصفا والمروة فسألت جابر بن عبد الله فقال لا حتى يطوف بين الصفا والمروة وسألت ابن عمر فقال قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم فطاف بالبيت سبعا وصلى خلف المقام ركعتين وسعى بين الصفا والمروة ثم قال لقد كان لكم في رسول الله أسوة حسنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو عن جابر كنا نعزل على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم والقرآن ينزل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو عن عطاء عن جابر كانت تزود لحوم الهدى على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم الى المدينة حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا سفيان عن حميد الاعرج عن سليمان بن عتيق مكي عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن بيع ٧ السنين ووضع الجوائح حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو وابن المنكدر وسمعا جابر يزيد أحدهما على الآخر قال نزل النبي صلى الله عليه وسلم دخلت الجنة فرأيت فيها قصرا أو دارا فسمعت فيها صوتا فقلت لمن هذا فقيل لعمر فاردت أن أدخله فذكرت غيرتك يا ابن الخطاب فبكى عمر وقال مرة أغوى فاخبرهما بالخبر فقال يا رسول الله وعليك يغار قال سفيان سمعته من ابن المنكدر وعمرو سمعا جابرا حدثنا عبد الله قال وجدت هذه الاحاديث في كتاب أبي بخط يده الى آخر حديث الحكم بن موسى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول دخل النبي صلى الله عليه وسلم على عائشة وهي تبكي فقال مالك تبكين قالت ابكي ان الناس أحلوا ولم أحل وطافوا بالبيت ولم أطف وهذا الحج قد حضر قال ان هذا أمر كتبه الله على بنات آدم فاغتسلي وأهلي بالحج وحجي قالت ففعلت ذلك فلما طهرت قال طوفي بالبيت وبين الصفا والمروة ثم قد أحللت من حجك ومن عمرتك قالت يا رسول الله اني أجد في نفسي من عمرتي اني لم أكن طفت حتى حججت قال فاذهب بها يا عبد الرحمن فاعمرها من التنعيم قال عبد الله وجدت في كتاب أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا زائدة ثنا عبد الله بن محمد عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لابي بكر متى توتر قال أول الليل بعد العتمة قال فانت يا عمر قال آخر الليل قال أما أنت يا ابا بكر فاخذت بالثقة وأما أنت يا عمر فاخذت بالقوة حدثنا عبد الله حدثني أبي قال وجدت في كتاب أبي ثنا الحكم بن موسى وسمعته أنا من الحكم بن موسى ثنا عيسى بن يونس ثنا مجالد بن سعيد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله قال قال لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تلجوا على المغيبات فان الشيطان يجري من أحدكم مجرى الدم قلنا ومنك يا رسول الله قال ومني ولكن الله أعانني عليه فاسلم قال عبد الله وجدت في كتاب أبي أنا الحكم بن موسى قال عبد الله وثناه الحكم بن موسى ثنا يحيى بن حمزة عن أبي وهب عن سليمان بن موسى ان نافعا حدثه عن عبد الله بن عمر وعطاء بن أبي رباح

لنا السمر بعد صلاة النوم (ش) * (الفرع الثالث في صلاة الضحى والاشراق) * من قعد في مصلاه حين ينصرف من صلاة الصبح حتى يسبح ركعتي الضحى لا يقول الا خيرا غفر له خطاياه وان كانت أكثر من زبد البحر (د) عن معاذ بن أنس * صلاة الضحى صلاة الاوابين (فر) عن أبي هريرة * ان في الجنة بابا يقال له الضحى فاذا كان يوم القيامة نادى مناد أين الذين كانوا يداومون على صلاة الضحى هذا بابكم فادخلوه برحمة الله تعالى (طس) عن أبي هريرة * ركعتان من الضحى تعدلان عند الله تعالى بحجة وعمرة متقبلتين أبو الشيخ في الثواب عن أنس * سألت ربي

تبارك وتعالى أن يكتب على أمتي سبحة الضحى فقال ثلاث صلاة الملائكة من شاء صلاها ومن شاء تركها ومن صلاها فلا يصلها حتى ترتفع (نر) عن عبد الله بن زيد * صلوا ركعتي الضحى بسورتيهما والشمس وضحاها والضحى (فر حب) عن عقبة بن عامر * عليكم بركعتي الضحى فان فيهما الرغائب (خط) عن أنس * في الانسان ستون وثلثمائة مفصل فعليه أن يتصدق عن كل مفصل منها صدقة النخاعة في المسجد تدفنها والشيء تنحيه عن الطريق فان لم تقدر فركعتا (٣١٠) الضحى تجزئ عنك (حم د حب) عن بريدة * قال الله تعالى يا ابن آدم لا تعجز عن أربع ركعات من أول النهار أكفك آخره (حم د) عن نعيم بن همار (طب) عن النواس * كتب على الاضحى ولم تكتب عليكم وأمرت بصلاة الضحى ولم تؤمروا بها (حم طب) عن ابن عباس * من سبح سبحة الضحى حولا مجرما كتب له براءة من النار سمويه عن سعد * من صلى الضحى أربعا وفي الاولى أربعا بنى له بيت في الجنة (طس) عن أبي موسى * من صلى الضحى ثنتي عشرة ركعة بنى الله تعالى له قصرا في الجنة من ذهب (ت ه) عن أنس * المنافق لا يصلي صلاة الضحى ولا يقرأ قل يا أيها الكافرون (فر) عن عبيد الله بن جراد * صلاة الاوابين حين ترمض الفصال (حم م) عن زيد بن أرقم عبد بن حميد سمويه عن عبد الله ابن أبي أوفى * لا يحافظ على صلاة الضحى الا أواب وهي صلاة الاوابين (ك) عن أبي هريرة * من صلى الفجر في جماعة ثم قعد يذكر الله حتى تطلع الشمس ثم صلى ركعتين كانت له كاجر حجة وعمرة تامة تامة تامة (ت) عن أنس * (الاكمال) * من صلى الضحى ركعتين لم يكتب من الغافلين ومن صلى الضحى أربعا يرفع كتب من القانتين ومن صلى ستا كفي ذلك اليوم ومن صلى ثمانيا كتبه الله من العابدين ومن صلى ثنتي عشرة ركعة بنى الله له بيتا في الجنة ومامن يوم وليلة الا لله من منّ به على عباده وصدقة وما منّ الله على أحد من عباده أفضل من أن يلهمه ذكره (طس) عن أبي الدرداء * ألا أخبركم باسرع كرة وأعظم غنيمة من هذا البعث رجل توضأ في بيته فاحسن وضوأه ثم يحتمل الى المسجد فصلى فيه الغداة ثم عقب بصلاة الضحى فقد أسرع الكرة

---

عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من باع عبدا وله مال فله ماله وعليه دينه الا ان يشترط المبتاع قال عبد الله الى ههنا وجدت في كتاب أبي والباقي سماع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زياد بن عبد الله البكاري ثنا الحجاج بن ارطاة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله رضي الله عنهما قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أعمانا وهم كانت بينهم مبايعة أو داراً فاراد أحدهم ان يبيع نصيبه فليعرضه على شركائه فان أخذوه فهم أحق به بالثمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نصر بن باب عن حجاج عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري رضي الله عنهما انه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يطرق الرجل أهله ليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نصر بن باب عن حجاج عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري رضي الله عنهما انه قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لي يا جابر لو قد جاء مال لحثيت لك ثم حثيت لك قال فقبض رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل ان يجئ لي تلك العدة فاتيت أبا بكر رضي الله عنه فحمد الله فقال أبو بكر ونحن لو قد جاء مالنا حثي لحثيت لك ثم حثيت لك ثم حثيت لك فال فاتاه مال فحثى لي حثية ثم حثية ثم قال ليس عليك فيها صدقة حتى يحول الحول قال فوزنتها فكانت ألفا وخمسمائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نصر بن باب عن حجاج عن عطاء عن جابر بن عبد الله الانصاري رضي الله عنه قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم العيد بغير أذان ولا اقامة ثم خطبنا ثم نزل فمشى الى النساء ومعه بلال ليس معه غيره فامرهن بالصدقة فجعلت المرأة تلقي فتمتها وخاتمها الى بلال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نصر بن باب عن حجاج عن الذيال بن حرملة قال سألت جابر بن عبد الله الانصاري رضي الله عنهما كم كنتم يوم الشجرة قال كنا ألفا وأربعمائة قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه في كل تكبيرة من الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا نصر بن باب عن حجاج عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري انه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الحيوان بالحيوان نسيئة اثنين بواحد ولا بأس به يدا بيد **حدثنا** عبد الله قال لابي سمعت أبا خيثمة يقول نصر بن باب كذاب فقال أستغفر الله كذاب انما عابوا عليه انه حدث عن ابراهيم الصائغ وابراهيم الصائغ من أهل بلده فلا ينكر ان يكون سمع منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا عمرو بن دينار سمعت جابرا يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان ينقل معهم حجارة الكعبة وعليه ازارة فقال له العباس عمه يا ابن أخي لو حللت ازارك فجعلته على منكبيك دون الحجارة قال فحله فجعله على منكبيه فسقط مغشيا عليه فما رؤي بعد ذلك اليوم عريانا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مصعب بن سلام سمعه من أبي مرتين ثنا الاجلح عن الذيال بن حرملة عن جابر بن عبد الله قال أقبلنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من سفر حتى اذا دفعنا الى حائط من حيطان بني النجار اذا فيه جمل لا يدخل الحائط أحد الا شد عليه قال فذكروا ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فجاء حتى أتى الحائط فدعا البعير فجاء راضعا مشفره الى الارض حتى برك بين يديه قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما تو أخطأ مالك فخطمه ودفعه الى صاحبه قال ثم التفت الى الناس قال انه ليس شيء بين السماء والارض الا يعلم اني رسول الله الا عاصي الجن والانس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مصعب بن سلام ثنا جعفر عن أبيه عن جابر قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فحمد الله وأثنى عليه بما هو له أهل ثم قال اما بعد فان أصدق الحديث كتاب الله وان أفضل الهدى هدى محمد وشر الامور محدثاتها وكل بدعة ضلالة ثم

وأعظم الغنيمة (حب) عن أبي هريرة * ألا أدلكم على أقرب منهم مغزى وأكثر غنيمة رجل توضأ ثم غدا الى المسجد بسبحة الضحى فهو أقرب مغزى وأكثر غنيمة وأوشك رجعة (حم طب) عن ابن عمر * من صلى الضحى وصام ثلاثة أيام من الشهر ولم يترك الوتر في سفر ولا حضر كتب له أجر شهيد (طب) عن ابن عمر * من جلس في مصلاه حتى يصلي الضحى غفر له ذنبه وان كان مثل زبد البحر ابن شاهين عن معاذ بن أنس * من صلى الضحى عشر ركعات بنى له بيت في الجنة ابن جرير عن ابن مسعود * يكتب (٣١١) للرجل في صلاة الضحى ألف ألف حسنة

ورفع صوته وعلا صوته واشتد غضبه اذا ذكر الساعة كأنه منذر جيش قال ثم يقول أتتكم الساعة بعثت أنا والساعة هكذا وأشار باصبعيه السبابة والوسطى صبحتكم الساعة ومستكم من ترك مالا فلاهله ومن ترك دينا أو ضياعا فالي وعلي والضياع بعني ولده المساكين حدثنا عبد الله قال وجدت هذا الحديث في كتاب أبي بخط يده وسمعته في موضع آخر ثنا أبو اليمان قال أخبرني شعيب عن الزهري حدثني سنان بن أبي سنان الدؤلي وأبو سلمة بن عبد الرحمن أن جابر بن عبد الله الانصاري وكان من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أخبرانه غزا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم غزوة قبل نجد فلما قفل رسول الله صلى الله عليه وسلم قفل معهم فادركتهم القائلة يوما في واد كثير العضاه فنزل النبي صلى الله عليه وسلم وتفرق الناس في العضاه يستظلون بالشجر ونزل رسول الله صلى الله عليه وسلم يستظل تحت شجرة فعلق بها سيفه قال جابر فنمنا نومة ثم ان النبي صلى الله عليه وسلم يدعونا فاذا عنده اعرابي جالس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان هذا اخترط سيفه وأنا نائم فاستيقظت وهو في يده صلتا فقال من يمنعك مني فقلت الله فقال من يمنعك مني فقلت الله فشام السيف وجلس فلم يعاقبه النبي صلى الله عليه وسلم وقد فعل ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار قال سمعت جابر بن عبد الله يقول غزونا جيش الخبط وأمرنا أبو عبيدة بن الجراح فجعنا جوعا شديدا فالقى لنا البحر حوتا لم نر مثله يقال له العنبر فاكلنا منه نصف شهر وادهن أبو عبيدة عظما من عظامه فكان الراكب عر تحته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يخبر نحوا من خبر عمرو هذا وزاد فيه قال وزودنا النبي صلى الله عليه وسلم جرابا من تمر فكان يقبض لنا قبضة قبضة ثم تمرة تمرة فنمضغها ونشرب عليها الماء حتى الليل ثم نقذف في الجراب فيكفانا نحتفي الخبط بقدمينا فجعنا جوعا شديدا فالقى لنا البحر حوتا ميتا فقال أبو عبيدة غزاة وجياع فكلوا فاكلنا ذكان أبو عبيدة ينصب الضلع من اضلاعه فيمر الراكب على بعيره تحته ويجلس النفر الخمسة في موضع عينه فاكلنا منه وادهنا حتى صلحت اجسامنا وحسنت سمناتنا قال فلما قدمنا المدينة قال جابر فذكرناه لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رزق أخرجه الله لكم فان كان معكم منه شئ فاطعمونا قال فكان معنا منه شئ فارسلنا اليه بعض القوم فاكل منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم وحسن بن موسى قالا ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال بعثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم وأمر علينا أبا عبيدة نتلقى عيرا لقريش وزودنا جرابا من تمر لم يجد لنا غيره قال فكان أبو عبيدة يعطينا تمرة تمرة قال فقلت كيف كنتم تصنعون بها قال نمصها كما يمص الصبي ثم نشرب عليها من الماء فيكفينا يومنا الى الليل قال وكنا نضرب بعصينا الخبط ثم نبله بالماء فنأكله قال وانطلقنا على ساحل البحر فرفع لنا على ساحل البحر كهيئة الكثيب الضخم فاتيناه فاذا هو دابة تدعى العنبر قال أبو عبيدة ميتة قال حسن بن موسى ثم قال لا بل نحن رسل رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال هاشم في حديثه قال لا بل نحن رسل رسول الله صلى الله عليه وسلم وفي سبيل الله وقد اضطررتم فكلوا وأقمنا عليه شهرا ونحن ثلثمائة حتى سمنا ولقد رأينا نغترف من وقب عينه بالقلال الدهن ونقتطع منه الفدر كالثور أو كقدر الثور ولقد أخذ منا أبو عبيدة ثلاثة عشر رجلا فاقعدهم في وقب عينه وأخذ ضلعا من اضلاعه فاقامها ثم رحل أعظم بعير معنا قال حسن ثم رحل أعظم بعير كان معنا فمر من تحتها ونزودنا من لحمه وشائق فلما قدمنا المدينة أتينا رسول الله صلى الله عليه وسلم

(ك) عن أبي هريرة * كانت صلاة الضحى أكثر صلاة داود عليه السلام الديلمي عن أبي هريرة * ان للجنة بابا يقال له الضحى لا يدخل منه الا أصحاب صلاة الضحى تحن الضحى الى صاحبها كما تحن الناقة الى فصيلها ابن عساكر عن أنس وفيه يعقوب بن الجهم متهم * اذا طلعت الشمس من مطلعها كهيئتها كصلاة العصر حين تغرب من مغربها فصلى رجل ركعتين وأربع سجدات كتب له أجر ذلك اليوم وكفر عنه خطيئته وان هو فان مات من يومه دخل الجنة (طب) عن أبي امامة * يا أم هاني هذه صلاة الاشراق (طب) عن أم هاني * ما من رجل كان يصلي صلاة الضحى ثم تركها ثم عرج بها الى الله عز وجل فقالت يارب ان فلانا حفظني فاحفظه وان فلانا ضيعني فضيعه أبو بكر الشافعي والديلمي عن سميع الجني * (الافعال) * عن عمر ابن الخطاب قال ما من امرئ مسلم يأتي فضاء من الارض فيصلي به الضحى ركعتين ثم يقول اللهم لك الحمد أصبحت عبدك على عهدك ووعدك أنت خلقتني ولم أك شيأ أستغفرك لذنبي فانه قد أرهقتني ذنوبي وأحاطت بي الا الأنت تغفرها فاغفرها يا أرحم الراحمين الا غفر الله له في ذلك المقعد ذنبه وان كان مثل زبد البحر ابن راهويه وابن أبي الدنيا في الدعاء قال البوصيري في زوائده في سنده أبو قرة الاسدي قال فيه ابن خزيمة لا أعرفه بعدالة ولا جرح وباقي رجال الاسناد رجال الصحيح * عن الاصبغ بن نباتة قال بعصر علي بن أبي طالب ناسا صلوا صلاة الضحى حين برزت الشمس فقال تخيروا صلاة الاوابين قالوا وما صلاة الاوابين قال صلاة الاوابين ركعتان وصلاة

المسجدين أربع وصلاة الخاصة عن ست وصلاة الفتح ثمان ركعات صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة وصلاة مريم بنت عمران ثنتا عشرة ركعة من صلاها في يوم بنى الله له بيتا في الجنة أبو القاسم المنادي في جزئه * عن جبير بن مطعم قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم صلى الضحى فقال حين افتتح الصلاة الله أكبر كبيرا ثلاثا والحمد لله كثيرا ثلاثا وسبحان الله بكرة وأصيلا ثلاثا اللهم اني أعوذ بك من الشيطان الرجيم من همزه ونفخه ونفثه * عن عبد الله (٣١٢) ابن عمير قال قلت لابي ذر أوصني فقال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم كما سألتني فقال من

فذكر ذلك له فقال هو رزق أخرجه الله عز وجل لكم فهل معكم من لحمه شئ فتطعموناه قال فأرسلنا اليه رسول الله صلى الله عليه وسلم منه فأكله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وحسن بن موسى قالا ثنا زهير قال هاشم في حديثه ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان له شريك في بعة أو نخل فليس ان يبيع حتى يؤذن شريكه فان رضي أخذه وان كره تركه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وحسن قالا ثنا زهير قال هاشم في حديثه حدثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبيع حاضر لباد دعوا الناس يرزق الله بعضهم من بعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمسكوا عليكم أموالكم فلا تفسدوها فانه من أعمر عمرى فهي للذي أعمرها حيا وميتا ولعقبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا ترسلوا فواشيكم وصبيانكم اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء فان الشيطان يبعث اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال رمى سعد بن معاذ في أكحله فحسمه رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده بمشقص ثم ورمت فحسمه الثانية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى في ثوب واحد متوشحا به فقال بعض القوم لابي الزبير المكتوبة قال المكتوبة وغير المكتوبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو منطلق الى بني المصطلق فأتيته وهو يصلي على بعيره فكلمته فقال بيده هكذا ثم كلمته فقال بيده هكذا وأنا أسمعه يقرأ وتومئ برأسه فلما فرغ قال ما فعلت في الذي أرسلتك فانه لم يمنعني الا أني كنت أصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان لي جارية وهي خادمنا وساقيتنا أطوف عليها وأنا أكره ان تحمل قال اعزل عنها ان شئت فانه سيأتيها ما قدر لها قال فلبث الرجل ثم أتاه فقال ان الجارية قد حملت قال قد أخبرتك انه سيأتيها ما قدر لها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فعارنا قال ليصل من شاء منكم في رحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تذبحوا الا مسنة الا ان تعسر عليكم فتذبحوا جذعة من الضأن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا طيرة ولا عدوى ولا غول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الثمرة حتى تطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من اقتنى نهبة فليس منا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال كنا نخابر على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فنصيب من البسر ومن كذا فقال ان كانت له أرض فليزرعها أو ليمنحها أخاه والا فليدعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن عبد الحميد بن جبير بن شيبة سمع محمد بن عباد بن جعفر سألت جابرا أنهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صيام يوم الجمعة قال نعم ورب هذا البيت فقيل لسفيان وهو يطوف بالبيت قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن ادريس أنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال رمى

صلى الضحى ركعتين لم يكتب من الغافلين ومن صلى أربعا كتب من العابدين ومن صلى ستا لم يلحقه ذلك اليوم ذنب ومن صلى ثمانيا كتب من القانتين ومن صلى ثنتي عشرة ركعة بنى الله له بيتا في الجنة ابن جرير عن عكرمة قال كان ابن عباس يصلي الضحى يوما ويدعها عشرة ابن جرير * عن أم هانئ قالت أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فوضع له ماء فاغتسل ثم التحف وخالف بين طرفيه على عاتقيه ثم صلى الضحى ثمان ركعات (ش) * عن أم هانئ أن رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل على فاطمة وهي عندي فعمد الى قربة من ماء فصبه في جفنة ثم قام وراء الستر فاغتسل ثم صلى ثماني ركعات يوم فتح مكة فلم أره صلاها قبلها ولا بعدها ابن جرير * عن مجاهد قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الضحى يوما ركعتين ثم يوما أربعا ثم يوما ستا ثم يوما ثمانيا ثم ترك يوما ابن جرير * عن عائشة بنت سعد قالت كان سعد يسبح سبحة الضحى ثمان ركعات ابن جرير * عن أبي رملة قال خرج علي فقال أين الناس قالوا في المسجد من بين قائم يصلي وقاعد فقال رسول نحرها نحرهم الله الا تركوها حتى تكون قيد رمح أو رمحين ثم صلوا ركعتين فتلك صلاة الاوابين ابن جرير * عن أم هانئ قالت دخل علي رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة وقد وضع له ماء في جفنة فيها أثر العجين فاستتر بثوب فاغتسل ثم صلى الضحى فلا أدري كم صلى ركعتين أو أربعا بعد لها ابن جرير * عن عبد الله بن الحرث بن نوفل أن ابن عباس كان لا يصلي الضحى فادخلته على أم هانئ فقلت اخبري هذا

ما أخبرتني فقالت دخل علي النبي صلى الله عليه وسلم يوم الفتح في بيتي فاغتسل في جفنة ثم أمر بثوب فأخذ بيني وبينه فاغتسلت ورش على ناحية البيت فصلى ثمان ركعات وذلك من الضحى قيامهن وركوعهن وسجودهن وجلوسهن سواء قريب بعضهن من بعض فخرج ابن عباس وهو يقول لقد قرأت ما بين اللوحين فما عرفت صلاة الضحى الا الآن يسبح بالعشي والاشراق وكنت أقول أبن الاشراق ثم قال بعدهن صلاة الاشراق ابن جرير * عن أبي سعيد قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الضحى حتى (٣١٣) نقول لا يدعها ويدعها حتى نقول لا

رسول الله صلى الله عليه وسلم الجمرة الاولى يوم النحر ضحى ورماها بعد ذلك عند زوال الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن ادريس عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان في الليل لساعة لا يوافقها عبد مسلم يسأل الله فيها خيرا الا آتاه اياه وذلك في كل ليلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن ادريس عن حصين عن سالم بن أبي الجعد عن جابر قال قدمت غير مرة المدينة ورسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب فخرج الناس وبقي اثنا عشر فنزلت وإذا رأوا تجارة أو لهوا انفضوا اليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل يعني ابن علية ثنا هشام ح وعبد الصمد ثنا هشام ح وكثير بن هشام ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من تسمى باسمي فلا يتكنى بكنيتي ومن تكنى بكنيتي فلا يتسمى باسمي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن المحاقلة والمزابنة والمخابرة والمعاومة والثنيا ورخص في العرايا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا جرير عن مغيرة عن الشعبي عن جابر قال توفي عبد الله بن عمرو بن حرام يعني أباه أو استشهد وعليه دين فاستعنت رسول الله صلى الله عليه وسلم على غرمائه فان يضع من دينه شيأ فطاب انهم فابوا فقال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم اذهب فصنف تمرك أصنافا العجوة على حدة وعذق زيد على حدة وأصنافه ثم ابعث الي قال ففعلت فجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فجلس على أعلاه أو في وسطه ثم قال كل للقوم قال فكلت للقوم حتى أوفيتهم وبقي تمري كأنه لم ينقص منه شيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابرا وابن الزبير يعني انه رمى الجمرة بمثل حصى الخذف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه رمى بمثل حصى الخذف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن هشام بن سعيد يعني ابن عروة أخبرني عبيد الله بن عبد الرحمن الانصاري قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحيا أرضا ميتة فله بها أجر وما أكلت منه العافية فله به أجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن سالم عن جابر بن عبد الله قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم رجل من الانصار فقال ان لي خادما تسني وقال مرة تسنو على ناضح لي وانى كدت أعزل عنها وأصيب منها فجاءت بولد فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم ما قدر الله لنفس أن يخلقها الا هي كائنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن سالم عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي فاني جعلت قاسما أقسم بينكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن جابر رضي الله عنه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجته أي يوم أعظم حرمة قالوا يومنا هذا قال فأي شهر أعظم حرمة قالوا شهرنا هذا قال فأي بلد أعظم حرمة قالوا بلدنا هذا قال فان دماءكم وأموالكم عليكم حرام كحرمة يومكم هذا في شهركم هذا في بلدكم هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية وابن نمير قالا ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال ابن نمير في حديثه سمعت النبي صلى الله عليه وسلم قال ان الشيطان قد أيس أن يعبده المصلون ولكن في التحريش بينهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي صالح عن جابر قال كنا مع النبي صلى

يصليها ابن جرير * (الفرع الرابع في صلاة في الزوال * الاكمال) * ان أبواب السموات وأبواب الجنة تفتح في تلك الساعة يعني اذا زالت الشمس فلا تغلق حتى تصلي هذه الصلاة فاحب أن يرفع عمل في أول عمل العابدين آبن عساكر عن أبي امامة عن أبي أيوب * من قام اذا استقلت الشمس فتوضأ فاحسن وضوءه فصلى ركعتين غفر له خطاياه أو قال كان كما ولدته أمه (حم) والدارمي (ع) عن عقبة بن عامر * ساعة السجة حين تزول الشمس عن كبد السماء وهي صلاة المخبتين وأفضلها في شدة الحر (قط) في الافراد والديلمي عن عوف بن مالك * (الافعال) * عن ثوبان أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يستحب أن يصلي بعد نصف النهار حتى تزيغ الشمس أربع ركعات فقالت عائشة يا رسول الله أراك تستحب الصلاة في هذه الساعة قال تفتح فيها أبواب السماء وينظر الله الى خلقه وهي صلاة كان يحافظ عليها آدم ونوح وابراهيم وموسى وعيسى ابن النجار * (احياء ما بين العشاءين * الافعال) * عن أبي هريرة قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أي الصلاة أفضل بعد المكتوبة قال الصلاة في أول الليل ابن جرير * (الفصل الثالث في النوافل ذوات الاسباب والاوقات * صلاة الاستخارة) * اذا هم أحدكم بالامر فليركع ركعتين من غير الفريضة ثم ليقل اللهم اني أستخيرك بعلمك وأستقدرك بقدرتك وأسألك من فضلك العظيم فانك تقدر ولا أقدر

أو تعلم ولا أعلم وأنت علام الغيوب اللهم فان كنت تعلم هذا الأمر ويسميه باسمه خيرا لي في ديني ومعاشي وعاقبة أمري فاقدره لي ويسره لي ثم بارك لي فيه اللهم وان كنت تعلمه شرا لي في ديني ومعاشي وعاقبة أمري فاصرفني عنه واصرفه عني واقدر لي الخير حيث كان ثم رضني به (حم خ ٤) عن جابر * اكتم الخطبة ثم توضأ فاحسن وضوءك ثم صل ما كتب الله لك ثم احمد ربك ومجده ثم قل اللهم انك تقدر ولا أقدر وتعلم ولا أعلم وأنت علام الغيوب فان رأيت لي في فلانة (٤ ٣٩١) تسميها باسمها خيرا لي في ديني ردنياي وآخرتي فاقدرها لي وان كان غيرها خيرا لي منها في ديني ودنياي وآخرتي فاقدرها لي (حم حب ك هق) عن أبي أيوب * اذا هممت بامر فاستخر ربك فيه سبع مرات ثم انظر الى الذي يسبق الى قلبك فان الخيرة فيه ابن السني في عمل يوم وليلة (فر) عن أنس * باب من استخار ولا ندم من استشار ولا عال من اقتصد (طس) عن أنس * من سعادة ابن آدم استخارته الله تعالى ومن سعادة المرء رضاه بما قضى الله ومن شقاوة ابن آدم تركه استخارة الله ومن شقاوة ابن آدم سخطه بما قضى الله له (ت ك) عن سعد * (صلاة الحاجة) * من كانت له حاجة الى الله تعالى أو الى أحد من بني آدم فليتوضأ فليحسن الوضوء ثم ليصل ركعتين ثم ليثن على الله تعالى وليصل على النبي صلى الله عليه وسلم ثم ليقل لا اله الا الله الحليم الكريم سبحان الله رب العرش العظيم الحمد لله رب العالمين أسألك موجبات رحمتك وعزائم مغفرتك والغنيمة من كل بر والسلامة من كل اثم لا تدع لي ذنبا الا غفرته ولا هما الا فرجته ولا حاجة هي لك رضا الا قضيتها يا أرحم الراحمين (ت ه ك) عن عبد الله بن أبي أوفى * (صلاة التراويح وما يتعلق بها) * اما بعد فانه لم يخف علي

الله عليه وسلم فاستسقى ماء فقال رجل ألا أسقيك نبيذا قال بلى فقام الرجل يسعى قال فجاء باناء فيه نبيذ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا اخوه ولو أن تعرض عليه عودا قال ثم شرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ويعلى ووكيع قالوا حدثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم أي الصلاة أفضل قال طول القنوت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال بدأ رسول الله صلى الله عليه وسلم بالصلاة قبل الخطبة في العيد بغير أذان ولا اقامة قال ثم خطب الرجال وهو متوكئ على قوس قال ثم أتى النساء فخطبهن وحثهن على الصدقة قال فجعلن يطرحن القرط والخواتيم والحلى الى بلال قال ولم يصل قبل الصلاة ولا بعدها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا أشعث عن أبي الزبير عن جابر قال جمعنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ومعنا النساء والصبيان ورمينا عنهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا حجاج عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن تباع الخلة البسنتين والثلاث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من نفس منفوسة يأتي عليها مائة سنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا بعض أصحابنا عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من مات على شئ بعثه الله عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا هشام بن عروة عن محمد بن المنكدر عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الزبير ابن عمتي وحواري من أمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا حماد بن زيد قال هشام وحدثت به وهب بن كيسان فقال أشهد على جابر بن عبد الله لحدثني قال اشتد الامر يوم الخندق فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا رجل يأتينا بخبر بني قريظة فانطلق الزبير فجاء بخبرهم ثم اشتد الامر أيضا فذكر ثلاث مرات فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انه لكل نبي حواري وان حواري الزبير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية وحدثنا الاعمش عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال كنت مع النبي صلى الله عليه وسلم في سفر فلما دنونا من المدينة قال قلت يا رسول الله اني حديث عهد بعرس فائذن لي في أن أتعجل الى أهلي قال أفتزوجت قال قلت نعم قال بكرا أم ثيبا قال قلت ثيبا قال فهلا بكرا تلاعبها وتلاعبك قال قلت ان عبد الله هلك وترك علي جواري فكرهت أن أضم اليهن مثلهن فقال لا تفعل طروقا فالكيس وكنت على جمل فاعتل قال فلحقني رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا في آخر الناس قال فقال ما لك يا جابر قال قلت اعتل بعيري قال فاخذ بذنبه ثم زجره قال فما زلت أمامه أنا في أول الناس بهم مني رأسه فلما دنونا من المدينة قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم ما فعل اهلك قلت هو ذا قال فبعنيه قلت لا بل هو لك قال قلت هو لك قال لا قد أخذته بلوقية اركبه فاذا قدمت فائتنا به قال فلما قدمت المدينة جئت به فنقال يا بلال زن له وقية وزده قيراطا قال قلت هذا قيراط زادنيه رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يفارقني أبدا حتى أموت قال فجعلته في كيس فلم يزل عندي حتى جاء أهل الشام يوم الحرة فاخذوه فيما أخذوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ابليس يضع عرشه على الماء ثم يبعث سراياه فادناهم منه منزلة أعظمهم فتنة يجيء أحدهم فيقول فعلت كذا وكذا فيقول ما صنعت شيئا قال ويجيء أحدهم فيقول ما تركته حتى فرقت بينه وبين أهله قال فيدنيه منه أو قال فيلتزمه ويقول

ثنا أنكم لا تقومون الليلة ولكني خشيت أن تفرض عليكم صلاة الليل فتعجزوا عنها (م) عن عائشة * ما زال بكم الذي رأيت من صنيعكم حتى خشيت أن يكتب عليكم ولو كتب عليكم ما قمتم به فصلوا أيها الناس في بيوتكم فان أفضل صلاة المرء في بيته الا الصلاة المكتوبة (حم ق ن) عن زيد بن ثابت * (الافعال) * عن السائب بن يزيد قال أمر عمر بن الخطاب أبي بن كعب وتميما الداري أن يقوما للناس في رمضان باحدى عشرة

ركعة فكان القارئ يقرأ بالمائتين حتى يعتمد على العصا من طول القيام وما كنا ننصرف الا في فروع الفجر مالك وابن وهب (عب س) والطحاوي وجعفر البرقاني في السنن (هق) *عن عبد الرحمن بن عبد القاري قال خرجت مع عمر بن الخطاب ليلة في رمضان الى المسجد فاذا الناس أوزاع متفرقون يصلي الرجل لنفسه فيصلي بصلاته الرهط فقال عمر اني أرى لو جمعت هؤلاء على قارئ واحد لكان أمثل ثم عزم فجمعهم على أبي بن كعب ثم خرجت معه ليلة أخرى والناس يصلون بصلاة قارئهم قال عمر نعمت

ويقول نعم أنعت قال أبو معاوية مر فيه فيمنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فقال فهبت ريح شديدة فقال هذه ملوت منافق قال فلما قدمنا المدينة اذا هو قد مات منافق عظيم من عظماء المنافقين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم الى أبي بن كعب طبيبا فقطع له عرقا ثم كواه عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن جابر قال أهل رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجته بالحج **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ومحمد بن عبيد قالا ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من خشي منكم أن لا يقوم من آخر الليل فليوتر من أول الليل فان قراءة آخر الليل محضورة وذلك أفضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش ح وابن نمير عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرقى قال ابن نمير في حديثه فاتانا فقال وكان يرقي من العقرب قال فجاء آل عمرو بن حزم الى النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا يا رسول الله انه قد كانت عندنا رقية نرقي بها من العقرب وانك نهيت عن الرقى فقال فعرضوها عليه فقال ما أرى باسا من استطاع منكم أن ينفع أخاه فلينفعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم رجل فقال يا رسول الله رأيت البارحة فيما يرى النائم كان عنقي ضربت فسقط رأسي فاتبعته فاخذته فاعدته مكانه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا لعب الشيطان باحدكم فلا يحدث به الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ووكيع قالا ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد أحدكم فليعتدل ولا يفترش ذراعيه افتراش الكلب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية وابن أبي عتبة المعنى قالا ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم على أم سلمة قال ابن أبي عتبة دخل على عائشة بصبي يسيل مخاطه دما قال أبو معاوية في حديثه وعندها صبي يبعث مخاطه دما قال فقال ما لهذا قالوا به العذرة قال فقال علام تعذبن أولادكن انما يكفي احداكن أن تاخذ قسطا هندبا فتحكه بماء سبع مرات ثم توجره اياه قال أبن أبي عتبة ثم تسعطه اياه فسعطوا فبرأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش ح وابن نمير عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول قبل موته بثلاث لا الا يموتن أحدكم الا وهو يحسن بالله الظن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من ذكر ولا أنثى الا وعلى رأسه حبر معقود ثلاث عقد حين ينقد فان استيقظ فذكر الله تعالى انحلت عقدة فاذا قام فتوضأ انحلت عقدة فاذا قام الى الصلاة انحلت عقده كلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية أنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سقطت لقمة أحدكم فليأخذها فليمط ما بها من الاذى وليأكلها ولا يدعها للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم طعام الواحد يكفي الاثنين وطعام الاثنين يكفي الاربعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا طعم أحدكم فلا يمسح يده حتى يمصها فانه لا يدري في أي طعامه يبارك له فيه **حدثنا** عبد الله

من التي تقومون يريد آخر الليل وكان الناس يقومون أوله مالك (عب خ) وابن خزيمة (هق) وجعفر الفريابي في السنن *عن عمرو ان عمر بن الخطاب جمع الناس على قيام رمضان الرجال على أبي بن كعب والنساء على سليمان ابن أبي حثمة جعفر الفريابي في السنن (هق) *عن أبي عثمان النهدي قال دعا عمر ابن الخطاب بثلاثة قراء فاستقرأهم فأمر أسرعهم قراءة أن يقرأ للناس في رمضان ثلاثين آية وأمر أبطأهم أن يقرأ خمسا وعشرين وأمر أبطأهم أن يقرأ عشرين آية جعفر الفريابي في السنن (هق) *عن زيد بن وهب قال كان عمر بن الخطاب يروحنا في رمضان يعني بين الترويحتين قدر ما يذهب الرجل من المسجد الى سلع (هق) وقال كذا قال واعله أراد من يصلي بهم التراويح فامر عمر *عن أبي الحسناء ان عليا بن أبي طالب أمر رجلا يصلي بالناس خمس ترويحات عشرين ركعة (هق) وضعفه *عن أبي اسحق الهمداني قال خرج علي بن أبي طالب في أول ليلة من رمضان والقناديل تزهر وكتاب الله يتلى فقال نور الله لك يا ابن الخطاب في قبرك كما نورت مساجد الله بالقرآن ابن شاهين *عن علي قال أما حضضتهم على القيام في شهر رمضان أخبرته أن فوق السماء السابعة حظيرة القدس يسكنها قوم يقال لهم الروح واذا كان ليلة القدر استأذنوا ربهم في النزول الى الدنيا فيأذن لهم فلا يمرون باحد يصلي أو على الطريق الا دعوا له فاصابه منهم بركة فقال عمر يا أبا الحسن فتحرض الناس على الصلاة حتى تصيبهم البركة فامر الناس بالقيام (هب) وسنده ضعيف *عن علي قال من

صلى العتمة يعني في الجماعة في كل ليلة في شهر رمضان حتى يتسلح فقد قامه (هب) * (صلاة التسبيح) * يا عباس يا عماه ألا أعطيك ألا أمنحك ألا أحبوك ألا أفعل بك عشر خصال إذا أنت فعلت ذلك غفر الله لك ذنبك أوله وآخره قديمه وحديثه خطأه وعمده صغيره وكبيره سره وعلانيته عشر خصال أن تصلي أربع ركعات تقرأ في كل ركعة فاتحة الكتاب وسورة فإذا فرغت من القراءة في أول ركعة وأنت قائم قلت سبحان الله والحمد لله ولا إله إلا الله والله أكبر خمس عشرة مرة (٣١٦) ثم تركع فتقولها وأنت راكع عشرا ثم ترفع رأسك من الركوع فتقولها عشرا ثم تهوي ساجدا فتقولها وأنت ساجد عشرا ثم ترفع رأسك من السجود فتقولها عشرا ثم تسجد فتقولها عشرا ثم ترفع رأسك فتقولها عشرا فذلك خمس وسبعون في كل ركعة تفعل ذلك في أربع ركعات فذلك ثلاثمائة كانت ذنوبك مثل زبد البحر أو رمل عالج غفرها الله لك إن استطعت أن تصليها في كل يوم مرة فافعل فإن لم تفعل ففي كل جمعة مرة فإن لم تفعل ففي كل شهر مرة فإن لم تفعل ففي كل سنة مرة فإن لم تفعل ففي عمرك مرة (د ن ه) وابن خزيمة (ك) عن ابن عباس * (الاكمال) * يا غلام ألا أحبوك ألا أمنحك ألا أعطيك أربعا تصلين في كل يوم فتقرأ أم القرآن وسورة ثم تقول سبحان الله والحمد لله ولا إله إلا الله والله أكبر خمس عشرة مرة ثم تركع فتقولها عشرا ثم ترفع فتقولها عشرا ثم تفعل في صلاتك مثل ذلك فإذا فرغت قلت بعد التشهد وقبل التسليم اللهم إني أسألك توفيق أهل الهدى وأعمال أهل اليقين ومناصحة أهل التوبة وعزم أهل الصبر وجد أهل الخشية وطلبة أهل الرغبة وتعبد أهل الورع وعرفان أهل العلم حتى أخافك اللهم

---

حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا حضر أحدكم الصلاة في المسجد فليجعل لبيته نصيبا من صلاته فإن الله عز وجل جاعل في بيته من صلاته خيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم قوما يتوضؤن فلم يمس أعقابهم الماء فقال ويل للاعقاب من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال استأذنت الحمى على النبي صلى الله عليه وسلم فقال من هذه قالت أم ملدم قال فأمر بها إلى أهل قباء فلقوا منها ما بعلم الله فأتوه فشكوا ذلك إليه فقال ما شئتم إن شئتم أن أدعو الله لكم فيكشفها عنكم وإن شئتم أن تكون لكم طهورا قالوا يا رسول الله أو تفعل قال نعم قالوا فدعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش وابن نمير أنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم النعمان بن مقرن فقال يا رسول الله أرأيت إن حلت الحلال وحرمت الحرام وصليت المكتوبات وقال ابن نمير في حديثه ولم أزد على ذلك أأدخل الجنة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا قضى أحدكم الصلاة في مسجده فليجعل لبيته نصيبا من صلاته فإن الله عز وجل جاعل في بيته من صلاته خيرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول إذا قضى أحدكم خذ كره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الحجاج بن أرطاة عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم إعرابي فقال يا رسول الله أخبرني عن العمرة أواجبة هي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا وإن تعتمر خير لك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال بينا رسول الله صلى الله عليه وسلم عام الحديبية سبع بدنة قال فنحر البدنة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا عاصم الاحول عن أبي نضرة عن جابر بن عبد الله قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم منا الصائم ومنا المفطر فلم يكن يعيب بعضنا على بعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اهتز عرش الله لموت سعد بن معاذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أهل الجنة يأكلون فيها ويشربون ولا يتغوطون ولا يبولون ولا يمتخطون ولا يبزقون طعامهم جشاء ورشح كرشح المسك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا إسمعيل أنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال جيء بأبي قحافة يوم الفتح إلى النبي صلى الله عليه وسلم وكان رأسه ثغامة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذهبوا به إلى بعض نسائه فليغيره بشيء وجنبوه السواد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا إسمعيل عن ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الشفعة في كل شرك ربعة أو حائط لا يصلح له أن يبيع حتى يؤذن شريكه فإن باع فهو أحق به حتى يؤذنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا أذن المؤذن هرب الشيطان حتى يكون بالروحاء وهي من المدينة ثلاثون ميلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال جاء سليك الغطفاني يوم الجمعة والنبي صلى الله عليه وسلم يخطب فجلس فقال رسول الله صلى الله

---

عليه

وعزم أهل الصبر وجد أهل الخشية وطلبة أهل الرغبة وتعبد أهل الورع وعرفان أهل العلم حتى أخافك اللهم إني أسألك مخافة تحجزني بها عن معاصيك حتى أعمل بطاعتك عملا أستحق به رضاك وحتى أناصحك في التوبة خوفا منك وحتى أخلص لك النصيحة حبا لك وحتى أتوكل عليك في الامور حسن الظن بك سبحان خالق النور فإذا فعلت ذلك يا ابن عباس غفر الله لك ذنوبك صغيرها وكبيرها وقديمها وحديثها وسرها وعلانيتها وعمدها وخطأها (حل) عن ابن عباس * (صلاة الكسوف والخسوف وغيرها) * إن الشمس

والقمر آيتان من آيات الله لا يخسفان لموت أحد ولا لحياته فاذا رأيتم ذلك فادعوا الله وكبروا وصلوا وتصدقوا يا أمة محمد والله ما من أحد أغير من الله تعالى أن يزني عبده أو تزني أمته يا أمة محمد والله لو تعلمون ما أعلم لضحكتم قليلا ولبكيتم كثيرا اللهم هل بلغت مالك (حم ق د ن) عن عائشة * ان أهل الجاهلية كانوا يقولون ان الشمس والقمر لا يخسفان الا لموت عظيم من عظماء أهل الارض وان الشمس والقمر لا ينخسفان لموت أحد ولا لحياته ولكنهما خليقتان من خلقه تحدث الله في خلقه ما شاء فاياهم ما انخسف (٣٠١٧) فصلوا حتى يتجلى أو يحدث الله أمرا

(ن) عن النعمان بن بشير * ان ناسا يزعمون ان الشمس والقمر لا ينكسفان الا لموت عظيم من العظماء وليس كذلك ان الشمس والقمر لا ينكسفان لموت أحد ولا لحياته ولكنهما آيتان من آيات الله ان الله تعالى اذا بدا لشئ من خلقه خشع فاذا رأيتم ذلك فصلوا كأحدث صلاة صليتموها من المكتوبة (ن م) عن النعمان بن بشير * يا أيها الناس ان الشمس والقمر آيتان من آيات الله تعالى وانهما لا ينكسفان لموت بشر فاذا رأيتم شيأ من ذلك فصلوا حتى يتجلى انه ليس من شئ توعدونه الا وقد رأيته في صلاتي هذه ولقد جئ بالنار حين رأيتموني تأخرت مخافة أن يصيبني من لفحها حتى قلت يا رب وأنا فيهم ورأيت فيها صاحب المحجن يجر قصبه في النار كان يسرق الحاج بمحجنه فان فطن به قال انما تعلق بمحجني وان غفل عنه ذهب به حتى رأيت فيها صاحبة الهرة التي ربطتها فلم تطعمها ولم تتركها تأكل من خشاش الارض حتى ماتت جوعا وجئ بها الجنة فذلك حين رأيتموني تقدمت حتى قمت في مقامي فمددت يدي وأنا أريد أن أتناول من ثمرها لتنظروا اليه ثم بدا لي أن لا أفعل (حم م) عن جابر * اذا رأيتم آية فاسجدوا (د ت) عن ابن عباس * ان الشمس والقمر اذا رأى أحدهما من عظمة الله شيأ جاد عن مجراه فانكسفت ابن النجار عن أنس * (الاكمال) * ان الشمس والقمر لا ينخسف لموت أحد منكم ولا لشئ تحدثونه ولكن ذلكم من آيات الله يعبر بها عباده ليشكر من يخافه ومن يذكره فاذا رأيتم بعض آيات الله فافزعوا الى ذكر الله فادعوه واخشعوا وامارأيتم



عليه وسلم اذا جاء أحدكم يوم الجمعة والامام يخطب فليصل ركعتين ثم ليجلس * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل هو ابن علية عن الجريري عن أبي نضرة قال كنا عند جابر بن عبد الله قال يوشك أهل العراق ان لا يجبى اليهم قفيز ولا درهم قلنا من أين ذاك قال من قبل العجم يمنعون ذلك ثم قال يوشك أهل الشام ان لا يجبى اليهم دينار ولا مدى قلنا من أين ذاك قال من قبل الروم يمنعون ذلك قال ثم امسك هنيهة ثم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون في آخر أمتي خليفة يحثو المال حثوا لا يعده عدا قال الجريري فقلت لابي نضرة وأبي العلاء أتريانه عمر بن عبد العزيز رضي الله تعالى عنه فقالا لا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن الحجاج الصواف عن أبي الزبير ان شاء الله عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا معشر الانصار أمسكوا عليكم أموالكم ولا تعمروها فانه من أعمر شيأ حيا فهو له حياته وموته * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مثل الصلوات الخمس كمثل نهر جار غمر على باب أحدكم يغتسل منه كل يوم خمس مرات * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا ابن جريج عن عطاء قال قال جابر بن عبد الله أهللنا أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم بالحج خالصا ليس معه غيره خالصا وحده فقدمنا مكة صبح رابعة مضت من ذي الحجة فقال النبي صلى الله عليه وسلم اجعلوها عمرة فبلغه أنا نقول لما لم يكن بيننا وبين عرفة الا خمس أمرنا ان نحل فيروح الى منى ونا ومذاكيرنا تقطر منيا فبلغنا فقال قد بلغني الذي قلتم وانى لاتقاكم وأبركم ولولا الهدي لحللت ولو استقبلت من أمري ما استدبرت ما أهديت فحلوا واجعلوها عمرة قال وقدم علي رضي الله تعالى عنه من اليمن قال بم أهللت فقال بما أهل به النبي صلى الله عليه وسلم قال فاهده وامكث حراما كما أنت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن سعيد يعني ابن محمد بن عبد الرحمن بن سعد بن زرارة عن محمد بن عمرو بن الحسن بن علي انه سمع جابر بن عبد الله يقول بينا رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فرأى زحاما ورجلا قد ظلل عليه فسأل عنه فقالوا هذا صائم فقال ليس البر أن تصوموا في السفر * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عباد بن العوام عن الحسن بن أبي جعفر عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ثمن الكلب الا الكلب المعلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج أخبرني عطاء انه سمع جابر بن عبد الله يقول كنا لا نأكل من لحوم البدن الا ثلاثا منى فرخص لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كلوا وتزودوا قال فأكلنا وتزودنا فأقمنا لعطاء حتى جئنا المدينة قال لا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير سمع جابر بن عبد الله يسأل عن ركوب الهدي فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اركبها بالمعروف اذا ألجئت اليها حتى تجد ظهرا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول لم يطف النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه بين الصفا والمروة الا طوافا واحدا طوافه الاول * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول طاف رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع على راحلته بالبيت وبالصفا والمروة ليراه الناس وليشرف وليسألوه فان الناس غشوه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الملك أخبرني عطاء عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرطب والبسر والتمر والزبيب * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن عبد

حتى ماتت جوعا وحبسها بالجنة فذلك حين رأيتموني تقدمت حتى قمت في مقامي فمددت يدي وأنا أريد أن أتناول من ثمرها لتنظروا اليه ثم بدا لي أن لا أفعل (حم م) عن جابر * اذا رأيتم آية فاسجدوا (د ت) عن ابن عباس * ان الشمس والقمر اذا رأى أحدهما من عظمة الله شيأ جاد عن مجراه فانكسفت ابن النجار عن أنس * (الاكمال) * ان الشمس والقمر لا ينخسف لموت أحد منكم ولا لشئ تحدثونه ولكن ذلكم من آيات الله يعبر بها عباده ليشكر من يخافه ومن يذكره فاذا رأيتم بعض آيات الله فافزعوا الى ذكر الله فادعوه واخشعوا وامارأيتم

من شئ فى الدنيا له لون ولا يشتهى به فى الجنة ولا فى النار الا قد صور لى فى قبل هذا الجدار منذ صليت لكم صلاتى هذه فنظرت اليه مصورا فى جدار المسجد (طب) عن سمرة *(الافعال)* عن حنش بن المعتمر قال انكسفت الشمس على عهد على فقام فصلى بالناس فقرأ بيس والروم ثم ركع فركع نحوا من ذلك أو دونه ثم رفع رأسه فقال نحوا من ذلك ثم سجد نحوا من ذلك أو اقصر ثم رفع رأسه ثم سجد نحوا من ذلك أو اقصر ثم قام فصلى ركعة أخرى ففعل فيها مثل ما فعل (٣١٨) فى هذه الركعة ابن جرير *عن الحسن البصرى أن عليا صلى فى كسوف الشمس خمس ركعات وأربع سجدات الشافعى (هق) *عن حنش بن ربيعة قال انكسفت الشمس على عهد على فخرج يصلى بمن عنده فقرأ سورة الحج ويس لا أدرى بأيهما بدأ وجهر بالقراءة ثم ركع نحوا من قيامه ثم رفع رأسه فقام نحوا من قيامه ثم ركع نحوا من قيامه ثم رفع رأسه فقام نحوا من قيامه ثم ركع نحوا من قيامه ثم رفع رأسه فقام نحوا من قيامه ثم ركع نحوا من قيامه أربع ركعات سجد فى الرابعة ثم قام فقرأ سورة الحج ويس ثم صنع كما صنع فى الركعة الاولى ثمان ركعات وأربع سجدات ثم قعد فدعا ثم انصرف فوافق انصرافه وقولى انجلى عن الشمس ابن جرير (هق) *عن الحسن العزى أن حذيفة صلى فى الكسوف ست ركعات وأربع سجدات ابن جرير *عن أبى هريرة قال انكسفت الشمس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فقام الناس فقرأ بالصافات صفا ثم ركع ثم رفع رأسه ولم يسجد ثم قرأ والنجم ثم ركع ثم رفع رأسه ثم سجد فلم يزل ساجدا حتى تجلت الشمس فكانت قراءتين وركعتين وسجدة ابن جرير *عن ابن عباس انه صلى يوم كسفت الشمس ركعتين فى صفة زمزم فى كل ركعة أربع ركعات ابن جرير *عن ابن عمر انه قال والله ان هذا القمر ليبكى من خشية الله تعالى فمن استطاع منكم ان يبكى فليبك ومن لم يستطع فليتباك (ذكر) *عن عبد الرحمن بن أبى ليلى قال انكسفت الشمس فقام على فركع خمس ركعات وسجد سجدتين ثم فعل فى الركعة الثانية مثل ذلك ثم سلم ثم قال ما صلاها أحد بعد رسول الله صلى الله عليه وسلم غيرى ابن جرير وصححه *عن حنش قال كسفت

---

الملك أخبرنى عطاء عن جابر قال كسفت الشمس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان ذلك اليوم الذى مات فيه ابراهيم عليه السلام ابن رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال الناس انما كسفت الشمس لموت ابراهيم فقام النبى صلى الله عليه وسلم فصلى بالناس ست ركعات فى أربع سجدات كبر ثم قرأ فاطال القراءة ثم ركع نحوا مما قام ثم رفع رأسه فقرأ دون القراءة الاولى ثم ركع نحوا مما قام ثم رفع رأسه فقرأ دون القراءة الثانية ثم ركع نحوا مما قام ثم رفع رأسه فانحدر بالسجود فسجد سجدتين ثم قام فركع ثلاث ركعات قبل ان يسجد ليس فيها ركعة الا التى قبلها أطول من التى بعدها الا ان ركوعه نحو من قيامه ثم تأخر فى صلاته وتأخرت الصفوف معه ثم تقدم فقام فى مقامه وتقدمت الصفوف فقضى الصلاة وقد طلعت الشمس فقال يا أيها الناس ان الشمس والقمر آيتان من آيات الله عز وجل وانهما لا ينكسفان لموت بشر فاذا رأيتم شيأ من ذلك فصلوا حتى تنجلى انه ليس من شئ توعدونه الا قد رأيته فى صلاتى هذه ولقد جيء بالنار وذلك حين رأيتمونى تأخرت مخافة ان يصيبنى من لفحها حتى قلت أى رب وأنا فيهم ورأيت فيها صاحب المحجن يجر قصبه فى النار كان يسرق الحاج بمحجنه فان فطن به قال انما تعلق بمحجنى وان غفل عنه ذهب به وحتى رأيت فيها صاحبة الهرة التى ربطتها فلم تطعمها ولم تتركها تأكل من خشاش الارض حتى ماتت جوعا وجيء بالجنة وذلك حين رأيتمونى تقدمت حتى قمت فى مقامى فمددت يدى وأنا أريد ان أتناول من ثمرها لتنظروا اليه ثم بدا لى ان لا أفعل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول وهو يخبر عن حجة النبى صلى الله عليه وسلم قال فامر نا بعد ما طفنا ان نحل قال واذا أردتم ان تنطلقوا الى منى فاهلوا للناس من البطحاء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابرا يقول رأيت النبى صلى الله عليه وسلم يرمى على راحلته يوم النحر يقول لتأخذوا مناسككم فانى لا أدرى لعلى ان لا أحج بعد حجتى هذه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن عبد الملك ثنا عطاء عن جابر قال شهدت الصلاة مع النبى صلى الله عليه وسلم فى يوم عيد فبدأ بالصلاة قبل الخطبة بغير أذان ولا اقامة فلما قضى الصلاة قام متوكئا على بلال فحمد الله وأثنى عليه ووعظ الناس وذكرهم وحثهم على طاعته ثم مضى الى النساء ومعه بلال فامرهن بتقوى الله ووعظهن وحمد الله وأثنى عليه وحثهن على طاعته ثم قال تصدقن فان أكثركن حطب جهنم فقالت امرأة من سفلة النساء سفعاء الخدين لم يا رسول الله قال لانكن تكثرن الشكاة وتكفرن العشير فجعلن يتزعن حليهن وقلائدهن وقرطتهن وخواتيمهن يقذفن به فى ثوب بلال يتصدقن به **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسحق بن يوسف ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال شهدت مع النبى صلى الله عليه وسلم يوم عيد فبدأ بالصلاة قبل الخطبة فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن عبد الملك عن عطاء عن جابر قال كنا نتمتع مع النبى صلى الله عليه وسلم فنذبح البقرة عن سبع ونشترك فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يقتل شئ من الدواب صبرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الوسم فى الوجه والضرب فى الوجه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى عبد الله بن عبيد بن عمير ان عبد الرحمن بن عبد الله بن أبى عمار أخبره قال سألت جابرا فقلت طاضبع آكلها قال نعم قال قلت أصيدها قال نعم قلت أسمعت ذلك من نبى الله صلى الله عليه وسلم قال نعم

حدثنا

الشمس فصلى على بالناس فقرأ يس أونحوها وفى لفظ بالحجر أو يس وفى لفظ بيس والروم وفى لفظ سورة من المئين أو نحوها ثم ركع نحوا من قدر السورة ثم رفع رأسه فقال سمع الله لمن حمده ثم قام أيضا قدر السورة ثم يدعو ويكبر ثم ركع قدر قراءته أيضا ثم قال سمع الله لمن حمده ثم قام أيضا قدر السورة ثم ركع قدر ذلك ثم صلى أربع ركعات ثم قال سمع الله لمن حمده ثم سجد ثم قام فى الركعة الثانية ففعل كما فعله فى الركعة الاولى وفى لفظ فقرأ باحدى هاتين السورتين يعنى الحجر ويس ثم جلس يدعو ويرغب حتى انكسفت (٣١٩). الشمس ثم حدثهم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كذلك فعل (ش خم) وابن خزيمة والطحاوى وابن جرير وأبو القاسم بن منده فى كتاب الخسوف (هق) * عن قبيصة بن مخارق ان الشمس انكسفت فصلى النبى صلى الله عليه وسلم ركعتين حتى انجلت فقال ان الشمس والقمر لا ينخسفان لموت أحد ولكنهما خلقان من خلق الله ويحدث الله فى خلقه ما يشاء ثم ان الله تبارك وتعالى اذا تجلى لشئ من خلقه خشع له فايهما انكسفت فصلوا حتى تنجلى أو يحدث الله أمرا (ن) وابن جرير * عن النعمان بن بشير قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاتكم فى الخسوف كما تصلون فى غير الخسوف ركعة وسجدتان ابن جرير * عن ابن عباس ان النبى صلى الله عليه وسلم صلى عند الكسوف ثمان ركعات وأربع سجدات ابن جرير * عن أسامة بنت أبى بكر ان رسول الله صلى الله عليه

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا محمد بن عبد الرحمن عن محمد بن عمرو بن الحسن عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان فى سفر فرأى رجلا عليه زحام فاطل عليه فقال ما هذا فقالوا صائم قال ليس من البر الصيام أو البر الصائم فى السفر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن هشام ح وعبد الوهاب الخفاف ثنا هشام عن يحيى بن أبى كثير عن عبد الله بن مقسم عن جابر قال مرت بنا جنازة فقام لها رسول الله صلى الله عليه وسلم وقمنا معه فقلنا يا رسول الله انها جنازة يهودى قال ان الموت فزع فاذا رأيتم الجنازة فقوموا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن أبى عروبة عن قتادة عن النضر بن أنس عن بشير بن نهيك عن أبى هريرة عن النبى صلى الله عليه وسلم قال العمرى ميراث لاهلها أو جائزة لاهلها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى ثنا ابن أبى عروبة عن قتادة عن عطاء عن جابر عن النبى صلى الله عليه وسلم نحوه مثله كذا قال يحيى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن جعفر خ وثنى أبى قال قال لى جابر قال شأنى ابن عمك الحسن بن محمد عن غسل الجنابة فقلت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصب بيديه على رأسه ثلاثا فقال انى كثير الشعر فقلت مه يا ابن أخى كان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر من شعرك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن جعفر حدثنى أبى عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول فى خطبته بعد التشهد ان أحسن الحديث كتاب الله عز وجل وأحسن الهدى هدى محمد قال يحيى ولا أعلمه الا قال وشر الامور محدثاتها وكان اذا ذكر الساعة أعلى صوته واشتد غضبه كأنه منذر جيش يقول بعثت أنا والساعة كهاتين ويؤم أو صف يحيى بالسبابة والوسطى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن منصور حدثنى مجاهد قال سمعت جابر بن عبد الله يقول كان لى على النبى صلى الله عليه وسلم دين فقضانى وزادنى وكان فى المسجد فقال لى صل ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج ثنا عطاء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مات اليوم عبد لله صالح أصحمة فقوموا فصلوا عليه فقام فامنا فصلى عليه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج ثنا عطاء عن جابر عن النبى صلى الله عليه وسلم قال أغلق بابك واذكر اسم الله عز وجل فان الشيطان لا يفتح بابا مغلقا واطفئ مصباحك واذكر اسم الله وخمر انائك ولو بعود تعرضه عليه واذكر اسم الله واوك سقاءك واذكر اسم الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم رمى يوم النحر ضحى وحده وأما بعد ذلك فبعد زوال الشمس **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا يحيى عن عبد الملك حدثنى عطاء عن جابر بن عبد الله انه صلى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف وذكر ان العدو كانوا بينه وبين القبلة وانا معه فصفنا خلفه صفين فكبر بنا معه جميعا ثم ركع وركعنا معه جميعا فلما رفع رأسه من الركوع سجد وسجد معه الصف الذى يليه وقام الصف المؤخر فى نحر العدو فلما قام وقام معه الصف الذى يليه انحدر الصف المؤخر بالسجود ثم تقدم الصف المؤخر وتأخر الصف المقدم فركع وركعنا معه جميعا ثم سجد وسجد معه الصف الذى يليه فلما سجد الصف الذى يليه وجلس انحدر الصف الاخير بالسجود ثم سلم وسلمنا جميعا قال جابر كما يفعل حرسكم هؤلاء بامرائهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى عن ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابرا يقول رأيت النبى صلى الله عليه وسلم رمى الجمرة بحصى الخذف **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا

وسلم صلى فى كسوف الشمس فقام فاطال القيام ثم ركع فاطال الركوع ثم رفع فاطال القيام ثم ركع فاطال الركوع ثم رفع ثم سجد فاطال السجود ثم رفع ثم سجد فاطال السجود ثم قام فصنع فى الثانية مثل ما صنع فى الاولى ثم انصرف فقال أدنيت منى الجنة حتى لو اجترأت عليها لجئتكم بقطاف من قطافها وأدنيت منى النار حتى قلت يا رب وأنا معهم فاذا امرأة تخدشها هرة قلت ما بال هذه قال حبستها حتى ماتت جوعا لا أطعمتها ولا أرسلتها تأكل من خشاش الارض ابن جرير * عن عائشة ان النبى صلى الله عليه وسلم كان يقوم فى صلاة الآيات فيركع

ثلاث ركعات ثم يسجد ثم يقوم فيركع ثلاث ركعات ثم يسجد ثم يقوم فيركع ثلاث ركعات ثم يسجد ابن حزير * عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى في الخسوف ست ركعات وأربع سجدات ابن حزير * عن ابن عمر قال انكسفت الشمس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم مات ابراهيم ابنه فقال الناس انكسفت لموت ابراهيم فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فاطال القيام حتى قيل لن يركع ثم ركع (٣٢٠) حتى قيل لن يرفع رأسه ثم رفع رأسه فاطال القيام على نحو الاول فصلى أربع ركعات في

يحيى ثنا سليم ح وحبان ثنا سعيد بن ميناء سمعت جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الثمرة حتى تشقح قلت متى تشقح قال تحمار أو تصفار ويؤكل منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن شعبة حدثني محمد بن المنكدر سمعت جابر بن عبد الله يقول استأذنت على النبي صلى الله عليه وسلم فقال من هذا فقلت أنا فقال أنا أنا كأنه كرهه ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا جعفر حدثني أبي قال أتينا جابر بن عبد الله وهو في بني سلمة فسألناه عن حجة النبي صلى الله عليه وسلم فحدثنا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مكث بالمدينة تسع سنين لم يحج ثم أذن في الناس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم حاج هذا العام فنزل المدينة بشر كثير كلهم يلتمس ان يأتم برسول الله صلى الله عليه وسلم ويفعل مثل ما يفعل فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم لعشر بقين من ذي القعدة وخرجنا معه حتى أتى ذا الحليفة نفست أسماء بنت عميس بمحمد بن أبي بكر فارسلت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم كيف أصنع قال اغتسلي ثم استذفري بثوب وأحرمي ثم أهلي فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى اذا استوت به ناقته على البيداء أهل بالتوحيد لبيك اللهم لبيك لبيك لا شريك لك لبيك ان الحمد والنعمة لك والملك لا شريك لك ولبى الناس والناس يزيدون ذا المعارج ونحوه من الكلام والنبي صلى الله عليه وسلم يسمع فلم يقل لهم شيأ فنظرت مد بصري بين يدي رسول الله صلى الله عليه وسلم من راكب وماش ومن خلفه مثل ذلك وعن يمينه مثل ذلك وعن شماله مثل ذلك قال جابر ورسول الله صلى الله عليه وسلم بين أظهرنا عليه ينزل القرآن وهو يعرف تأويله وما عمل به من شئ عملنا به فخرجنا لا ننوي الا الحج حتى أتينا البيت معه فاستلم النبي صلى الله عليه وسلم الحجر الاسود ثم رمل ثلاثة ومشى أربعة حتى اذا فرغ عمد الى مقام ابراهيم فصلى خلفه ركعتين ثم قرأ واتخذوا من مقام ابراهيم مصلى قال أبي قال أبو عبد الله يعني جعفرا فقرأ فيهما بالتوحيد وقل يا أيها الكافرون ثم استلم الحجر وخرج الى الصفا ثم قرأ ان الصفا والمروة من شعائر الله ثم قال نبدأ بما بدأ الله به فرقى على الصفا حتى اذا نظر الى البيت كبر قال لا اله الا الله وحده لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شئ قدير لا اله الا الله أنجز وعده وصدق عبده وغلب الاحزاب وحده ثم دعا ثم رجع الى هذا الكلام ثم نزل حتى اذا انصبت قدماه في الوادي رمل حتى اذا صعد مشى حتى أتى المروة فرقى عليها حتى نظر الى البيت فقال على الصفا فلما كان آخر السابع عند المروة قال يا أيها الناس اني لو استقبلت من أمري ما استدبرت لم أسق الهدي ولجعلتها عمرة فمن لم يكن معه هدى فليحلل وليجعلها عمرة فحل الناس كلهم فقال سراقة بن مالك بن جعشم وهو في أسفل المروة يا رسول الله ألعامنا هذا أم للابد فشبك رسول الله صلى الله عليه وسلم أصابعه فقال للابد ثلاث مرات ثم قال دخلت العمرة في الحج الى يوم القيامة قال وقدم علي من اليمن فقدم بهدي وساق رسول الله صلى الله عليه وسلم معه من المدينة هديا فاذا فاطمة رضي الله عنها قد حلت ولبست ثيابا صبيغا واكتحلت فانكر ذلك علي رضي الله عنه فقالت أمرني به رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فكان علي بالكوفة قال جعفر قال أبي هذا الحرف لم يذكره جابر فذهبت محرشا استفتي به النبي صلى الله عليه وسلم في الذي ذكرت فاطمة قلت ان فاطمة ذكرت كذا وكذا فاخبرتها أني أنكرت ذلك عليها فقالت أمرني به أبي فقال صدقت صدقت أنا أمرتها به قال جابر وقال لعلي بم أهللت قال قلت اللهم اني أهل بما أهل به رسولك قال ومعي الهدى قال فلا تحل قال وكانت جماعة الهدى الذي أتى به علي رضي الله تعالى عنه من اليمن والذي أتى به النبي صلى الله عليه وسلم مائة فحل رسول الله صلى الله عليه وسلم

سجدتين ثم قال يا أيها الناس ان الشمس والقمر آيتان من آيات الله لا ينكسفان لموت أحد ولا لحياته فاذا رأيتموهما قد انكسفا فافزعوا الى الصلاة ابن حزير * عن الحكم قال انكسفت الشمس على عهد علي بالكوفة فقام يصلي بهم فقرأ الحجر ثم ركع قدر قيامه ثم رفع رأسه كقدر ركوعه ثم سجد كقدر نصف ركوعه ثم رفع رأسه كقدر سجوده ثم سجد كقدر ما رفع رأسه ثم قام فقرأ في الثانية بمثل والروم ثم فعل مثل ما فعل في الاولى فكان ركوعه ست مرار في أربع سجدات هناد في حديثه * عن ابن عمر انخسف والله صلى الله عليه وسلم في كسوف الشمس ركعتين في كل ركعة ركعتين ابن النجار * عن جابر كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كانت ليلة ريح شديدة كان مفزعه الى المسجد حتى تسكن الريح واذا حدث في السماء حدث من كسوف شمس أو قمر كان مفزعه الى المصلى ابن أبي الدنيا (كر) وسنده حسن * (هبوب الريح) * اذا وقعت كبيرة أو هاجت ريح مظلمة فعليكم بالتكبير فانه يجلي العجاج الاسود بيده ابن السني عن جابر * (الاكمال) * اللهم اني أعوذ بك من شر الريح ومن شر ما تجيء به الريح ومن ريح الشمال فانها الريح العقيم (ك) عن جابر * لا تسبوا الريح وعوذوا بالله من شرها الشافعي (هق) في المعرفة عن صفوان بن سليم مرسلا * لا تسبها فانها مأمورة ولكن قل اللهم اني أسألك خيرها وخير ما فيها وخير ما أمرت به وأعوذ بك من شرها وشر ما فيها وشر ما أمرت به عبد بن حميد عن أبي بن كعب ان رجلا جاء

على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فسبها رجل فقال فذكره * لا تسبوا الليل والنهار ولا الشمس والقمر ولا الرياح فانها رحمة لقوم وعذاب لآخرين ابن مردويه عن جابر * (الافعال) * عن سعيد بن جبير عن شريح قال ما هاجت ريح قط الا الهقم صحيح أو شفاه سقيم ابن النجار * عن مجاهد قال هاجت ريح فسبوها فقال ابن عباس لا تسبوها فانها تجيء بالرحمة وتجيء بالعذاب ولكن قولوا اللهم اجعلها رحمة ولا تجعلها عذابا (ش) * عن عائشة قالت ما رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم سحابة قط الا انقشع لونه حتى



تنقشع أو جاء المطر (كر) * (صلاة الاستسقاء وأسباب القحط وما يتعلق بها) * انكم شكوتم جدب دياركم واستئخار المطر عن ابان زمانه عنكم وقد أمركم الله تبارك وتعالى ووعدكم أن يستجيب لكم الحمد لله رب العالمين الرحمن الرحيم مالك يوم الدين لا اله الا الله يفعل ما يريد اللهم أنت الله لا اله الا أنت الغني ونحن الفقراء أنزل علينا الغيث واجعل ما أنزلت لنا قوة وبلاغا الى حين (د) عن عائشة * ليست السنة بان لا تمطروا ولكن السنة أن تمطروا وتمطروا ولا تنبت الارض شيأ الشافعي (حم م) عن أبي هريرة * خرج نبي من الانبياء بالناس يستسقون الله تعالى فاذا هو بنملة رافعة بعض قوائمها الى السماء فقال ارجعوا فقد استجيب لكم من أجل هذه النملة (ك) عن أبي هريرة * ما من ليل ولا نهار الا السماء تمطر فيها يصرفه الله تبارك وتعالى حيث يشاء الشافعي عن المطلب ابن حنطب * ما عام بأمطر من عام ولكنها جنوب الا سال واد (هق) عن أبي

بيده ثلاثة وستين ثم أعطى عليا فخرها غير واشركه في هديه ثم أمر من كل بدنة ببضعة فجعلت في قدر فاكلا من لحمها وشربا من مرقها ثم قال نبي الله صلى الله عليه وسلم قد نحرت ههنا ومنى كلها منحر وما نحر بعرفة فقال وقفت ههنا وعرفة كلها موقف ووقف بالمزدلفة فقال قد وقفت ههنا والمزدلفة كلها موقف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ابن خثيم عن عبد الرحمن بن ثابت عن جابر بن عبد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لكعب بن عجرة أعاذك الله من امارة السفهاء قال وما امارة السفهاء قال أمراء يكونون بعدي لا يقتدون بهديي ولا يستنون بسنتي فمن صدقهم بكذبهم وأيدهم على ظلمهم فاولئك ليسوا مني وأنا منهم ولا يردوا علي حوضي ومن لم يصدقهم بكذبهم ولم يعنهم على ظلمهم فاولئك مني وأنا منهم وسيردوا على حوضي يا كعب بن عجرة الصوم جنة والصدقة تطفئ الخطيئة والصلاة قربان أو قال برهان يا كعب بن عجرة انه لا يدخل الجنة لحم نبت من سحت النار أولى به يا كعب بن عجرة الناس غاديان فمبتاع نفسه فمعتقها وبائع نفسه فموبقها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر وعبد الرزاق قالا ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ما من صاحب ابل لا يفعل فيها حقها الا اجاءت يوم القيامة أكثر ما كانت قط وأقعد لها بقاع قرقر تستن عليه بقوائمها وأخفافها ولا صاحب بقر لا يفعل فيها حقها الا اجاءت يوم القيامة أكثر ما كانت وأقعد لها بقاع قرقر تنطحه بقرونها وتطؤه بقوائمها ولا صاحب غنم لا يفعل فيها حقها الا اجاءت يوم القيامة أكثر ما كانت وأقعد لها بقاع قرقر تنطحه بقرونها وتطؤه باظلافها ليس فيها جماء ولا منكسر قرنها ولا صاحب كنز لا يفعل فيه حقه الا اجاء كنزه يوم القيامة شجاعا أقرع يتبعه فاغرا فاه فاذا أتاه فر منه فيناديه ربه خذ كنزك الذي تحبأته فانا عنه أغنى منك فاذا رأى انه لا بد منه سلك يده في فيه فقضمها قضم الفحل قال أبو الزبير وسمعت عبيد بن عمير قال لرجل يا رسول الله قال عبد الرزاق في حديثه قال رجل يا رسول الله ما حق الابل قال حق جلبها على الماء واعارة دلوها واعارة فحلها ومنيحتها وحمل عليها في سبيل الله قال عبد الرزاق فيها كلها وقعدها وقال عبد الرزاق فيه قال أبو الزبير سمعت عبيد بن عمير يقول هذا القول ثم سألنا جابرا الانصاري عن ذلك فقال مثل قول عبيد بن عمير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الشغار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول طلقت خالتي فاردت ان تجد نخلها فزجرها رجل ان تخرج فاتت النبي صلى الله عليه وسلم فقال بلى فجدي نخلك فانك عسى أن تصدقي أو تفعلي معروفا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج ح ورَوح أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول كتب النبي صلى الله عليه وسلم على كل بطن عقوله ثم انه كتب انه لا يحل أن يتوالى مولى رجل مسلم بغير اذنه قال روح يتولى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير عن جابر انه سمعه يقول كنا نبيع سرارينا أمهات أولادنا والنبي صلى الله عليه وسلم فينا حي لا يرى بذلك باسا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول رجم رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا من أسلم ورجلا من اليهود وامرأة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ابن جريج أخبرني عبد الله بن عبيد بن عمير ان عبد الرحمن بن عبد الله بن أبي عمار أخبره أن جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله



مسعود * ما مطر قوم الا برحمة ولا قحطوا الا بسخطة أبو الشيخ في العظمة عن أبي امامة * ما سلط القحط على قوم الا بتمردهم على الله (خط) في رواة مالك عن جابر * اذا أراد الله بقوم قحطا نادى مناد من السماء يا معي اتسعي ويا أعين لا تشبعي ويا بركة ارتهلي ابن النجار في تاريخه عن أنس * اذا رأيتم عودا أحمر من قبل المشرق في شهر رمضان فاخزروا طعام سنتكم فانه سنة جوع (طب) عن عبادة بن الصامت * اذا طلعت الغربان أمن الزرع من العاهة (طس) عن أبي هريرة * ما طلع النجم صباحا

قطاو بقوم عاهة الا ورفعت عنهم أوخفت (حم) عن أبي هريرة * ان الله تعالى اذا غضب على أمة لم ينزل بها عذاب خسف ولا مسخ غلت أسعارها ويحبس عنها أمطارها ويلي عليها أشرارها ابن عساكر عن علي * (الا كمال) * اللهم صاحت حبالنا واغبرت أرضنا وهامت دوابنا معطى الخيرات من أماكنها ومنزل الرحمة من معادنها مجري البركات على أهلها بالغيث المغيث أنت المستغفر الغفار فنستغفرك للعامات من ذنوبنا ونتوب اليك من عوام خطايانا اللهم (٣٢٢) فارسل السماء علينا مدرارا واصل بالغيث واكف من تحت عرشك حيث يسعفنا ويعود علينا

غيثا مغيثا عاما طبقا مجللا غدقا خصيبا رائعا ممرع النبات ابن صصري في أماليه عن جعفر بن عمرو ابن حريث عن أبيه عن جده * اللهم اسقنا غيثا مغيثا هنيئا مريئا عاجلا غير رائث نافعا غير ضار سقيا رحمة لا سقيا عذاب ولا هدم ولا غرق اللهم اسقنا الغيث وانصرنا على الاعداء ابن شاهين عن يزيد بن رومان * اللهم اسقنا غيثا مغيثا مريعا طبقا عاجلا غير رائث نافعا غير ضار (طب) عن ابن عباس * اللهم اسق بلادك وبهائمك وانشر رحمتك واحي بلدك الميت اللهم اسقنا غيثا مغيثا مريئا مريعا طبقا واسعا عاجلا غير آجل نافعا غير ضار اللهم اسقنا سقيا رحمة لا سقيا عذاب ولا هدم ولا غرق ولا محق اللهم اسقنا الغيث وانصرنا على الاعداء ابن سعد عن أبي وجزة السعدي * اللهم جللنا سحابا كثيفا قصيفا دلوفا حلوا فاضحوكا زبرجا تمطرنا منه رذاذا قطقاطا سجلا بعاقا باذا الجلال والاكرام ابن صصري والديلمي عن أبي سعيد * اللهم بارك لهم في محضها ومخضها ومذقها واحبس الزمن بيانع الثمر واجبر لهم الثمد وبارك لهم في الولد ابن الجوزي تخافون في الواهيات عن علي * اذا أنشأ ان بحريه ثم استحالت شامية فهي أمطارها الشافعي (هق) في المعرفة عن اسحق بن عبد الله مرسلا اذا أنشأت السماء بحريه ثم تشاءمت فتلك عين أوعام غديقة أبو الشيخ في العظمة عن عائشة * ان ربكم تعالى يقول لو أن عبادي أطاعوني لاسقيتهم المطر بالليل وأطلعت عليهم الشمس بالنهار ولم أسمعهم صوت الرعد (ك) عن أبي هريرة * ان الله تعالى اذا غضب على أمة لم ينزل بهم العذاب

عليه وسلم ان يقتل شيء من الدواب صبرا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ابن جريج أخبرني عبد الله بن عبيد ان بن عمير ان عبد الرحمن بن عبد الله بن أبي عمار أخبره قال سألت جابر بن عبد الله الانصاري عن الضبع قلت آكلها قال نعم قلت أصيدها قال نعم قلت سمعت ذلك من نبي الله صلى الله عليه وسلم قال نعم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول أكنا نزهد من خيبر الخيل وحمر الوحش ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الحمار الاهلي * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير عن جابر بن عبد الله قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول تسألوني عن الساعة وانما علمها عند الله وأقسم بالله ما على الارض من نفس منفوسة اليوم يأتي عليها مائة سنة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج قال وأخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تمش في نعل واحدة ولا تحتبي في ازار واحد ولا تأكل بشمالك ولا تشتمل الصماء ولا تضع احدى رجليك على الاخرى اذا استلقيت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج ومحمد بن بكر أخبرني ابن جريج أخبرني محمد بن المنكدر قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قرب لرسول الله صلى الله عليه وسلم خبز ولحم ثم دعا بوضوء فتوضأ ثم صلى الظهر ثم دعا بفضل طعامه فاكل ثم قام الى الصلاة ولم يتوضأ ثم دخلت مع عمر فوضعت له ههنا جفنة وقال ابن بكر اما منا جفنة فيها خبز ولحم وههنا جفنة فيها خبز ولحم فاكل عمر ثم قام الى الصلاة ولم يتوضأ * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من تمام الصلاة اقامة الصف * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن ليث عن أبي الزبير عن جابر قال أتي بابي قحافة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الفتح كان رأسه ثغامة بيضاء كقتال غير وه وجنبوه السواد * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ابن خثيم عن أبي الزبير عن جابر قال مكث رسول الله صلى الله عليه وسلم بمكة عشر سنين يتبع الناس في منازلهم بعكاظ ومجنة وفي المواسم بمنى يقول من يؤويني من ينصرني حتى أبلغ رسالة ربي وله الجنة حتى ان الرجل ليخرج من اليمن أو من مضر كذا قال فيأتيه قومه فيقولون احذر غلام قريش لا يفتننك وعشي بين رجالهم وهم يشيرون اليه بالاصابع حتى بعثنا الله اليه من يثرب فآويناه وصدقناه فيخرج الرجل منا فيؤمن به ويقرئه القرآن فينقلب الى أهله فيسلمون بإسلامه حتى لم يبق دار من دور الانصار الا وفيها رهط من المسلمين يظهرون الاسلام ثم اتمروا جميعا فقلنا حتى متى نترك رسول الله صلى الله عليه وسلم يطرد في جبال مكة ويخاف فرحل اليه منا سبعون رجلا حتى قدموا عليه في الموسم فواعدناه شعب العقبة فاجتمعنا عليه من رجل ورجلين حتى توافينا فقلنا يا رسول الله نبايعك قال تبايعوني على السمع والطاعة في النشاط والكسل والنفقة في العسر واليسر وعلى الامر بالمعروف والنهي عن المنكر وأن تقولوا في الله لا تخافون في الله لومة لائم وعلى أن تنصروني فتمنعوني اذا قدمت عليكم مما تمنعون منه أنفسكم وأزواجكم وأبناءكم ولكم الجنة قال فقمنا اليه فبايعناه وأخذ بيده أسعد بن زرارة وهو من أصغرهم فقال رويدا يا أهل يثرب فانا لم نضرب أكباد الابل الا ونحن نعلم أنه رسول الله صلى الله عليه وسلم وأن اخراجه اليوم مفارقة العرب كافة وقتل خياركم وأن تعضكم السيوف فاما أنتم قوم تصبرون على ذلك وأجركم على الله واما أنتم قوم

غلت أسعارها وقصرت أعمارها ولم تربح تجارتهم اوحبس عنها أمطارها ولم تغزر أنهارها وعلط عليها اشرارها الديلمي وابن النجار عن علي * ما حركت الجنوب بعرة من بطن واد الا لأسألنه (طب) وأبو الشيخ في العظمة عن ابن عباس * (الافعال) * عن الشعبي قال خرج عمر يستسقي فلم يزد على الاستغفار حتى رجع فقيل له ما رأيناك استسقيت قال لقد طلبت المطر بمجاديح السماء التي يستنزل بها المطر ثم قرأ ويا قوم استغفروا ربكم ثم توبوا اليه يرسل السماء عليكم مدرارا واستغفروا ربكم انه (٣٢٣) كان غفارا يرسل السماء عليكم مدرارا

(عب ص ش) وابن سعد وأبو عبيد في الغريب وابن المنذر وابن أبي حاتم وأبو الشيخ وجعفر الفريابي في الذكر (هق) * عن مالك الداري قال أصاب الناس قحط في زمان عمر ابن الخطاب فجاء رجل الى قبر النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله استسق الله لامتك فانهم قد هلكوا فأتاه رسول الله صلى الله عليه وسلم في المنام فقال ائت عمر فاقرأه السلام وأخبره انهم يسقون وقل له عليك الكيس الكيس فأتى الرجل فاخبره فبكى ثم قال يا رب لا آلو الا ما عجزت عنه (هق) في الدلائل * عن أبي مروان الاسلمي انه خرج مع عمر بن الخطاب يستسقي فلم يزل عمر يقول من حين خرج من منزله اللهم اغفر لنا انك كنت غفارا يجهر بذلك و يرفع صوته حتى انتهى الى المصلى جعفر الفريابي في الذكر * عن خوات بن جبير قال أصاب الناس قحط شديد على عهد عمر فخرج عمر بالناس فصلى

تخافون من أنفسكم جبينة فيبنوا ذلك فهو عذر لكم عند الله قالوا اعط عنا أسعد فوالله لندع هذه البيعة أبدا ولا ننساها أبدا قال فقمنا اليه فبايعناه فاخذ علينا وشرط و يعظمنا على ذلك الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا داود بن مهران ثنا داود يعني العطار عن ابن خثيم عن أبي الزبير عن مسلم أنه حدثه عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لبث عشر سنين فذكر الحديث وقال حتى ان الرجل ليرحل ضاحيته من مضر ومن اليمن وقال مفارقة العرب وقال تخافون من أنفسكم خيفة وقال في البيعة لا نستقيلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا يحيى بن سليم عن ابن خثيم عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لبث عشر سنين فذكر الحديث الا أنه قال حتى ان الرجل ليرحل من مضر ومن اليمن وقال مفارقة العرب وقال في كلام أسعد تخافون من أنفسكم خيفة وقال في البيعة لا نستقيلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا الثوري عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال مر النبي صلى الله عليه وسلم بحمار قد وسم في وجهه يدخن منخراه فقال لرسول الله صلى الله عليه وسلم من فعل هذا لا يسمن أحد الوجه لا يضرب أحد الوجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير سمع جابر بن عبد الله يقول أتى النبي صلى الله عليه وسلم بضب فابى أن يأكله وقال انى لا أدري لعله من القرون التي مسخت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا داود بن قيس عن عبد الله بن مقسم أنه سمع جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اياكم والظلم فان الظلم ظلمات يوم القيامة واتقوا الشح فان الشح أهلك من كان قبلكم حملهم على أن سفكوا دماءهم واستحلوا محارمهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن أبي سلمة عن جابر ان رجلا من أسلم جاء الى النبي صلى الله عليه وسلم فاعترف بالزنا فاعرض عنه ثم اعترف فاعرض عنه حتى شهد على نفسه أربع مرات فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أبك جنون قال لا قال احصنت قال نعم فامر به النبي صلى الله عليه وسلم فرجم بالمصلى فلما أذلقته الحجارة مر فادرك فرجم حتى مات فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم خيرا ولم يصل عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا عكرمة يعني ابن عمار عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال لما كان يوم خيبر أصاب الناس مجاعة فاخذوا الحمر الانسية فذبحوها وثمنوا منها القدور فبلغ ذلك نبي الله صلى الله عليه وسلم فقال يا جابر فامر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم فكفانا المقدور فقال ان الله عز وجل سيأتيكم برزق هو أحل لكم من ذا وأطيب من ذا قال فكفانا يومئذ القدور وهي تغلي لحم رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ الحمر الانسية ولحوم البغال وكل ذي ناب من السباع وكل ذي مخلب من الطير وحرم المجثمة والخلسة والنهبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وأبو النضر ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر ابن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لم يجد نعلين فليلبس خفين ومن لم يجد ازارا فليلبس سراويل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال نهى أو نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الثمرة حتى تطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وأبو النضر قالا ثنا زهير أنا أبو الزبير ثنا جابر قال اقتتل غلامان غلام من المهاجرين وغلام من الانصار فقال

ثم ركعتين وخالف بين طرفي ردائه فجعل اليمين على اليسار واليسار على اليمين ثم بسط يديه فقال اللهم انا نستغفرك ونستسقيك فما برح مكانه حتى مطر وافينا هما كذلك اذ الاعراب قد قدموا فقالوا يا أمير المؤمنين بينا نحن في بوادينا في يوم كذا في ساعة كذا اذ أظلتنا غمام فسمعنا فيها صوتا أتاك الغوث أبا حفص أتاك الغوث أبا حفص ابن أبي الدنيا (كر) * عن كعب بن مرة البهزي كنا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم وجاء رجل فقال يا رسول الله استسق الله لمضر فرفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه فقال اللهم اسقنا غيثا مريعا عاجلا

غير رائث نافعا غير ضار فتجمعوا حتى أحيوا فأتوه فشكوا اليه المطر فقالوا يا رسول الله تهدمت البيوت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم حوالينا ولا علينا فجعل السحاب يتقطع عينا وشمالا (ش) * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأى سحابا ثقيلا من أفق من الآفاق ترك ما هو فيه وان كان في صلاة حتى يستقبله فيقول اللهم انا نعوذ بك من شر ما أرسل به فان أمطر قال اللهم صيبا نافعا مرتين أو ثلاثا فان كشفه الله ولم يمطر حمد الله على ذلك (٣٢٤) (ش) * عن أبي اللحم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم عند أحجار الزيت يستسقي

مقنعا بكفيه يدعو (حم ت ن ك) والبغوي وأبو نعيم قال (ت) ولا يعرف له الا هذا الحديث ورواه سمويه في فوائده بلفظ يدعو الله ورواه الباوردي بلفظا رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في اليسوق عند أحجار الزيت الحديث * عن كنانة قال أرسلني أمير من الامراء الى ابن عباس أسأله عن الاستسقاء فقال ابن عباس خرج النبي صلى الله عليه وسلم متواضعا متبذلا متخشعا متضرعا مترسلا فصلى ركعتين كما يصلي في العيد ولم يخطب خطبتكم هذه (ش) * عن أنس قال جاء اعرابي الى النبي صلى الله عليه وسلم وشكى اليه قلة المطر وجدوبة السنة فقال يا رسول الله لقد أتيناك وما لنا بعير ينيط ولا صبي يصطبح وأنشد

أتيناك والعذراء يدمى لبانها ... وقد شغلت أم الصبي عن الطفل

وألقت بكفيها الفتى لاستكانة ... من الجوع ضعفا ما يمر وما يحلي

ولا شيء مما يأكل الناس عندنا ... سوى الحنظل العامي والعاهر الغسل

وليس لنا الا اليك فرارنا * وأين فرار الناس الا الى الرسل فقد رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه يدعو فما رديه الى نحره حتى استوت السماء بارواقها وجاء أهل البطاح يضجون يا رسول الله الغرق فقال حوالينا ولا علينا فانجلى السحاب حتى أحدق بالمدينة كالاكليل فضحك رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى بدت نواجذه وقال لله در أبي طالب لو كان حيا لقرت عيناه من ينشدنا قوله فقام علي بن أبي طالب فقال يا رسول الله لعلك أردت قوله

وأبيض يستسقى الغمام بوجهه * ثمال اليتامى عصمة للارامل

المهاجرتي يا للمهاجرين وقال الانصاري يا للانصار فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أدعوى الجاهلية فقالوا لا والله الا أن غلامين كسع أحدهما الآخر فقال لا بأس لينصر الرجل أخاه ظالما أو مظلوما فان كان ظالما فلينهه فانه له نصرة وان كان مظلوما فلينصره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا خطب يستند الى جذع نخلة من سواري المسجد فلما صنع له المنبر فاستوى عليه اضطربت السارية كحنين الناقة حتى سمعها أهل المسجد فنزل اليها رسول الله صلى الله عليه وسلم فالتزمها فسكنت وقال عبد الرزاق وروح اضطربت تلك السارية وقال روح فاعتنقها فسكنت وقال عبد الرزاق فسكتت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج قال قال أبو الزبير قال جابر بن عبد الله قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من صلى في ثوب واحد فليتعطف به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا صلى أحدكم فلا يصق بين يديه ولا عن يمينه وليبصق عن يساره أو تحت قدمه اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر بالمدينة فتقدم رجلان فنحروا وظنوا ان النبي صلى الله عليه وسلم قد نحر فأمر النبي صلى الله عليه وسلم من كان نحر قبله ان يعيد بنحر آخر ولا تنحروا حتى ينحر النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني يزيد بن أبي حبيب انه قال قال عطاء بن أبي رباح سمعت جابر بن عبد الله وهو بمكة وهو يقول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عام الفتح أن الله عز وجل ورسوله حرم بيع الخمر والميتة والخنزير والاصنام فقيل له عند ذلك يا رسول الله أرأيت شحوم الميتة فانه يدهن بها السفن ويترهن بها الجلود ويستصبح بها الناس قال لا هو حرام ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عند ذلك قاتل الله اليهود ان الله عز وجل لما حرم عليها الشحوم جملوها ثم باعوها فأكلوا أثمانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج ح وحجاج عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يسأل عن ركوب الهدي فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اركبها بالمعروف اذا ألجئت اليها حتى تجد ظهرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا ابن أبي ذئب عن عبد الرحمن بن عطاء عن عبد الملك بن جابر بن عتيك عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من حدث في مجلس بحديث فالتفت فهي أمانة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن يزيد أنا حيوة أخبرني أبو هانئ انه سمع أبا عبد الرحمن الجيلي يقول ان جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فراش للرجل وفراش لامرأته وفراش للضيف والرابع للشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن يزيد من حفظه ثنا سعيد بن أبي أيوب حدثني عمرو بن جابر أبو زرعة الحضرمي قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يدخل فقراء المسلمين الجنة قبل الاغنياء بأربعين خريفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا سعيد حدثني عمرو بن جابر الحضرمي قال سمعت جابر بن عبد الله الانصاري يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من صام رمضان وستا من شوال فكأنما صام السنة كلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبد الرحمن ثنا سعيد حدثني عمرو بن جابر قال سمعت جابر ابن عبد الله الانصاري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الفارمن الطاعون كالفارمن الزحف والصابر فيه

يلوذ به الهلاك من آل هاشم * فهم عنده في نعمة وفواضل * كذبتم وبيت الله يبزى محمد * ولما نقاتل دونه ونناضل ونسلمه حتى نصرع حوله * ونذهل عن أبنائنا والحلائل. فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أجل ذلك أردت الديلمي وفيه علي بن عاصم متروك * عن يعلى بن الاشدق عن عبد الله بن جراد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم لا تبلغ تاجرا ولا مسافرا فان مسافر نايدعو الله كي لا يطر وان تاجرنا يبغي شدة الزمان وغلاء السعر الديلمي * عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا (٣٢٥) رأى المطر قال اللهم صيباهنيأ ابن النجار * عن عائشة رضي الله عنها ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا رأى المطر قال اللهم اجعله صيباهنيأ (كر) * عن ابن عباس قال قحط الناس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرج من المدينة الى بقيع الغرقد معتما بعمامة سوداء قد أرخى طرفها بين يديه والاخرى بين منكبيه متكئا قوسا عربية فاستقبل القبلة فكبر وصلى باصحابه ركعتين جهر فيهما بالقراءة قرأ في الاولى اذا الشمس كورت والثانية والضحى ثم قلب رداءه لتنقلب السنة ثم حمد الله عز وجل وأثنى عليه ثم رفع يديه فقال اللهم ضاحت بلادنا واغبرت أرضنا وهامت دوابنا اللهم منزل البركات من أماكنها وناشر الرحمة من معادنها بالغيث المغيث أنت المستغفر للانام فنستغفرك اللهم من ذنوبنا ونتوب اليك من عظيم خطايانا اللهم أرسل السماء علينا مدرارا واكفنا مغزورا من تحت عرشك من حيث ينفعنا غيثا مغيثا وارعا ونعاسرعا طبقا غدقا فاخصبنا تسرع لنابه النبات وتكثر لنابه البركات وتقبل به الخيرات اللهم انك قلت في كتابك وجعلنا من الماء كل شئ حي اللهم فلا حياة لشئ خلق من الماء الا بالماء اللهم وقد قنط الناس أو من قنط الناس منهم وساء ظنهم بربهم وعجت بهائمهم وعجت عجيج الثكلى على أولادها اذ حبست عنا قطر السماء فدقت لذلك عظمها وذهب لحمها وذاب شحمها اللهم ارحم انين الانة وحنين الحانة ومن لا يحمل رزقه غيرك اللهم ارحم البهائم الحائمة والاتعام السائمة والاطفال الصائمة اللهم ارحم المشايخ الركع والاطفال الرضع والبهائم الرتع اللهم زدنا قوة الى قوتنا ولا ترد دنا محرومين انك سميع الدعاء برحمتك يا أرحم الراحمين فما

---

فيه كالصابر في الزحف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن بهانهم عن أبي نضرة عن جابر قال متعتان كانتا على عهد النبي صلى الله عليه وسلم فنهانا عنهما عمر رضي الله تعالى عنه فانتهينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد عن علي بن زيد عن أبي المتوكل عن جابر انه ابتاع بعيرا بثلاثة عشر دينارا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم بكم أخذته قال بثلاثة عشر دينارا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم بعنيه بما أخذته ولك ظهره الى المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا مهدي ثنا واصل عن أبي الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل موته بثلاثة أيام يقول لا يموتن أحدكم الا وهو يحسن الظن بربه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا محمد بن ثابت ثنا محمد بن المنكدر عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الحج المبرور ليس له جزاء الا الجنة قالوا يا نبي الله ما الحج المبرور قال اطعام الطعام وافشاء السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث ثنا عقيل عن ابن شهاب قال سمعت أبا سلمة بن عبد الرحمن يقول أخبرني جابر بن عبد الله انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ثم فتر الوحي عني فترة فبينا أنا أمشي سمعت صوتا من السماء فرفعت بصري قبل السماء فاذا الملك الذي جاءني بحراء الآن قاعد على كرسي بين السماء والارض فجئثت منه فرقا حتى هويت الى الارض فجئت أهلي فقلت زملوني زملوني فزملوني فانزل الله عز وجل يا أيها المدثر قم فانذر وربك فكبر وثيابك فطهر والرجز فاهجر قال أبو سلمة الرجز الاوثان ثم حمي الوحي بعد وتتابع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر ايقول جاء عبد الخاطب بن أبي بلتعة أحد بني أسد يشتكي سيده فقال يا رسول الله ليدخلن حاطب النار فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم كذبت لا يدخلها انه قد شهد بدرا والحديبية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر ايسئل هل بايع النبي صلى الله عليه وسلم بذي الحليفة قال لا ولكن صلى بها ولم يبايع عند الشجرة الا الشجرة التي للحديبية وأخبرنا انه سمع جابر ايقول عام الحديبية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا اسرائيل عن جابر بن عبد الله قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم فتى شاب من بني سلمة فقال اني رأيت أربا فخذفتها ولم تكن معي حديدة أذكيها بها أو اني ذكيتها بحجرة فقال له النبي صلى الله عليه وسلم كل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر ايسئل عن ركوب الهدى قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اركبها بالمعروف اذا ألجئت اليها حتى تجد ظهرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبيدة الحداد ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لقي الله لا يشرك به شيأ دخل الجنة ومن مات يشرك به دخل النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نوح قراد ثنا ما لك عن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى ان يمشي الرجل في نعل واحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر أنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال أرأيت ان جاهدت بنفسي ومالي فقتلت صابرا محتسبا مقبلا غير مدبر أأدخل الجنة قال نعم فاعاد ذلك مرتين أو ثلاثا قال ان لم تمت وعليك دين ليس عندك وفاؤه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا ابن زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ميز أهل الجنة وأهل النار فدخل أهل الجنة الجنة وأهل النار النار قامت الرسل فشفعوا فيقول انطلقوا فاذهبوا فمن عرفتم فاخرجوه

فرغ رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى جادت السماء حتى أهم كل رجل منهم كيف ينصرف الى منزله فعاشت البهائم واخصبت الارض وعاش الناس كل ذلك ببركة رسول الله صلى الله عليه وسلم (كر) ورجاله ثقات * (أمطار الدم والزلازل الإفعال) * عن ربيعة بن قسيط انه كان مع عمرو بن العاص عام المجاعة وهم راجعون فطر وادما عبيطا قال ربيعة فلقد رأيتني انصب الاناء فيمتلئ دما عبيطا فظن الناس انها هي وماج الناس بعضهم في بعض فقام عمرو بن (٣٢٦) العاص فاثنى على الله بما هو أهله ثم قال يا أيها الناس اعملوا ما بينكم وبين الله ولا يضركم

لو اصطدم هذان الجبلان (كر) وسنده صحيح * عن علي انه صلى في زلزلة ست ركعات في أربع سجدات خمس ركعات وسجدتين في ركعة وركعة وسجدتين في ركعة الشافعي وقال لو ثبت هذا الحديث عن علي قلنا به (هق) وقال هو ثابت عن ابن عباس * عن عبد الله بن الحرث ان عبد الله بن عباس بينما هو بالبصرة وهو أمير عليها استعمله علي بن أبي طالب اذ زلزلت الارض فانطلق الى المسجد والناس معه فكبر أربع تكبيرات يطيل فيهن القراءة ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم كبر أربعا يطيل فيهن القيام ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم كبر أربعا يطيل فيهن القيام ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم سجد سجدتين ثم قام فكبر أربعا يطيل فيهن القيام ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم قام فكبر أربعا يطيل فيهن القيام ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم قام فكبر أربعا يطيل فيهن القيام ثم ركع ثم قال سمع الله لمن حمده ثم سجد سجدتين فكانت أربعا وعشرين تكبيرة وأربع

فيخرجون منهم زمرا متحشوا فيلقونهم في نهر أو على نهر يقال له الحيوة قال فتسقط محاشهم على حافة النهر ويخرجون بيضا مثل الشعاير ثم يشفعون فيقول اذهبوا أو انطلقوا فمن وجدتم في قلبه مثقال قيراط من ايمان فاخرجوه قال فيخرجون بشرا ثم يشفعون فيقول اذهبوا أو انطلقوا فمن وجدتم في قلبه مثقال حبة من خردل من ايمان فاخرجوه ثم يقول الله عز وجل أنا الآن أتولى اخراج بعلمي ورحمتي قال فيخرج اضعاف ما أخرجوا واضعافه فيكتب في رقابهم عتقاء الله عز وجل ثم يدخلون الجنة فيسمون فيها الجهنميين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر وحسن بن موسى قالا ثنا زهير ثنا أبو الزبير قال حسن في حديثه عن أبي الزبير عن جابر قال قالت امرأة بشير النحل ابني غلاما فاشهد لي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فاتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان ابنة فلان سألتني ان انحل ابنها غلامها فقالت واشهد لي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أله اخوة قال نعم فقال فكلهم أعطيت مثل ما أعطيته قال لا قال فليس يصلح هذا وانى لا أشهد الا على حق حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا المبارك ثنا الحسن عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل متى الساعة قبل أن عوت بشهر فقال تسألوني عن الساعة وانما علمها عند الله عز وجل فوالذي نفسي بيده ما أعلم اليوم نفسا منفوسة يأتي عليها مائة سنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن أبان أبو اسحق ثنا يعقوب عن عيسى بن جارية عن جابر الانصاري قال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بكلاب المدينة ان تقتل فجاء ابن أم مكتوم فقال ان منزلي شاسع ولي كلب فرخص له أياما ثم أمر بقتل كلبه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عاصم الضحاك بن مخلد عن حميد الحميد بن جعفر قال أخبرني زيد بن أبي حبيب ان عطاء كتب يذكر انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول عام الفتح ان الله عز وجل ورسوله حرم بيع الخنازير وبيع الميتة وبيع الخمر وبيع الاصنام وقال رجل يا رسول الله ما ترى في شحوم الميتة فانها يدهن بها السفن والجلود ويستصبح بها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قاتل الله يهود ان الله لما حرم عليهم شحومها أخذوه فجملوه ثم باعوه فاكلوا ثمنه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو بكر الحنفي ثنا الضحاك بن عثمان حدثني شرحبيل عن جابر قال قام النبي صلى الله عليه وسلم يصلي المغرب فجئت فقمت الى جنبه عن يساره فنهاني فجعلني عن يمينه فجاء صاحب لي فصفنا خلفه فصلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في ثوب واحد خالفا بين طرفيه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر ثنا يونس عن الزهري عن أبي سلمة عن جابر انه قال كلمع رسول الله صلى الله عليه وسلم نجتني الكباث فقال عليكم بالاسود منه فانه أطيبه قال قلنا وكنت ترعى الغنم يا رسول الله قال نعم وهل من نبي الا وقد رعاها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر ثنا اسامة عن عطاء عن جابر انه قال نحر رسول الله صلى الله عليه وسلم لحلق وجلس للناس فما سئل عن شئ الا قال لا حرج لا حرج حتى جاءه رجل فقال حلقت قبل ان أنحر قال لا حرج ثم جاءه آخر فقال يا رسول الله حلقت قبل أن أرمي قال لا حرج قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عرفة كلها موقف والمزدلفة كلها موقف ومنى كلها منحر وكل فجاج مكة طريق ومنحر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو خيثمة ثنا أبو الزبير عن جابر قال كان ينبذ لرسول الله صلى الله عليه وسلم في سقاء فاذا لم يوجد سقاء نبذ له في تور من حجارة فقال بعض القوم له وأنا أسمع من برام قال أو من برام حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو عقيل قال عبد الله قال أبي أبو عقيل اسمه عبد الله بن عقيل

ثنا

مجدات وقال هذه صلاة الآيات ابن جرير * عن عبد الله بن الحرث ان الارض زلزلت بالبصرة فقام ابن عباس فصلى بهم فركع ثلاث ركعات ثم سجد سجدتين ثم قام فركع ثلاث ركعات ثم سجد سجدتين ابن جرير * عن عبد الله بن الحرث قال صلى بنا ابن عباس بالبصرة في زلزلة كانت فصلى ست ركعات في ركعتين فلما انصرف قال هكذا صلاة الآيات ابن جرير * (الكتاب الثاني من حرف الصاد كتاب الصوم وفيه بابان * الباب الاول

في صوم الفرض وفيه ثمانية فصول * الفصل الاول في فضل الصوم مطلقا) * نوم الصائم عبادة وصمته تسبيح وعمله مضاعف ودعاؤه مستجاب
وذنبه مغفور (هب) عن عبد الله بن أبي أوفى * الصيام جنة من النار كجنة أحدكم من القتال (حم ن ه) عن عثمان بن أبي العاصي
* الصيام جنة مالم يخرقها بكذب أو غيبة (طس) عن أبي هريرة * من صام يوما لم يخرقه كتب له عشر حسنات (حل) عن البراء * الصيام
جنة وهو حصن من حصون المؤمن وكل عمل لصاحبه الا الصيام يقول الله تبارك وتعالى الصيام (٣٢٧) لي وأنا أجزي به (طب) عن أبي

أمامة * لكل شئ زكاة وزكاة الجسد الصوم (ه) عن أبي هريرة (طب) عن سهل بن سعد * الصيام نصف الصبر (ه) عن أبي هريرة * الصيام لا رياء فيه قال الله تبارك وتعالى هو لي وأنا أجزي به يدع طعامه وشرابه من أجلي (هب) عن أبي هريرة * الصيام والقرآن يشفعان للعبد يوم القيامة يقول الصيام أي رب اني منعته الطعام والشهوات بالنهار فشفعني فيه ويقول القرآن أي رب منعته النوم بالليل فشفعني فيه فيشفعان (حم طب ك هب) عن ابن عمرو * ان الله تبارك وتعالى يقول ان الصوم لي وأنا أجزي به وان للصائم فرحتين اذا أفطر فرح واذا لقي الله تبارك وتعالى جزاءه فرح والذي نفس محمد بيده لخلوف فم الصائم أطيب عند الله تعالى من ريح المسك (حم م ن) عن أبي هريرة وأبي سعيد معا * الصائم اذا أكلت عنده المائدة طيرت عليه الملائكة (ت ه) عن أم عمارة * ان الله تعالى

ثنا هشام بن عروة حدثني عبيد الله بن عبد الرحمن بن رافع عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحيا أرضا ميتة فله فيها أجر وما أكلت العافية منها فهو له صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد يعني ابن راشد عن سليمان بن موسى عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال كنا نصيب مع النبي صلى الله عليه وسلم في مغانمنا من المشركين الاسقية والاوعية فنقتسمها وكلها ميتة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وحسن بن موسى قالا ثنا زهير قال ثنا أبو الزبير قال حسن عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تذبحوا الا مسنة الا ان تعسر عليكم فتذبحوا جذعة من الضأن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ويحيى بن أبي بكير قالا ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر رضي الله تعالى عنه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فطرنا فقال ليصل من شاء منكم في رحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أو سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من انقطع شسع نعله أو اذا انقطع شسع نعله أو اذا انقطع شسع نعل أحدكم فلا يمشي في نعل واحدة حتى يصلح شسعه ولا يمشي في خف واحد ولا يأكل بشماله ولا يحتبي بالثوب الواحد ولا يلتحف الصماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا محمد بن عمرو حدثني يزيد بن عبد الله بن اسامة بن زيد الليثي ويحيى ابن سعيد عن معاذ بن رفاعة الزرقي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لهذا العبد الصالح الذي تحرك له العرش وفتحت له أبواب السماء شدد عليه ففرج الله عنه وقال مرة فتحت وقال مرة ثم فرج الله عنه وقال مرة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لسعد نوم عالم وهو يدعن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا محمد بن عمرو ثنا سعيد عن جابر بن عبد الله قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الظهر وآخذ بيدي فبضبة من حصى فاجعلها في يدي الاخرى حتى تبرد ثم أبحد عليها من شدة الحر قال عبد الله وكان في كتاب ابي عن سعيد عن أبي سعيد الخدري فضرب أبي عليه لانه لحظ أو أغاظه وسعيد بن الحرث أخطأ ابن بشر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا عباد بن عباد عن محمد ابن عمرو عن سعيد بن الحارث الانصاري عن جابر بن عبد الله قال كنت أصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر فآخذ قبضة من حصى في كفي لتبرد حتى أسجد عليه من شدة الحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني حسين بن واقد عن أبي الزبير قال سمعت جابرا يقول مر النبي صلى الله عليه وسلم برجل يقلب ظهره لبطن فسأل عنه فقالوا صائم فدعاه فامره أن يفطر فقال أما يكفيك في سبيل الله ومع رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى تصوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب أنا حسين بن واقد عن أبي الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول أقمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم القديد بالمدينة من قديد الاضحى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب أنا حسين بن واقد عن أبي الزبير قال سمعت جابرا يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ابتعتم طعاما فلا تبيعوه حتى تقبضوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب ثنا عباش بن عقبة حدثني خير بن نعيم عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ان العشر عشر الاضحى والوتر يوم عرفة والشفع يوم النحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني حسين بن واقد حدثني أبو الزبير ثنا جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول انه مكتوب بين عيني الدجال كافر يقرؤه كل مؤمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد ثنا حصين عن أبي الزبير عن

عند كل فطر عتقاء من النار وذلك في كل ليلة (ه) عن جابر (حم طب هب) عن أبي امامة * ان لكل شئ بابا وباب العبادة الصيام هناد
عن ضمرة بن حبيب مرسلا * كل عمل ابن آدم يضاعف الحسنة بعشر أمثالها الى سبعمائة ضعف الى ما شاء الله قال الله تعالى الا الصوم فانه لي
وأنا أجزي به يدع شهوته وطعامه من أجلي للصائم فرحتان فرحة عند فطره وفرحة عند لقاء ربه ولخلوف فم الصائم أطيب عند الله تعالى من
ريح المسك (حم م ن ه) عن أبي هريرة * للصائمين باب في الجنة يقال له الريان لا يدخل فيه أحد غيرهم فاذا دخل آخرهم أغلق فلم يدخل فيه

شرب ومن شرب له يظمأ أبدا (ن) عن سهل بن سعد * لكل باب من أبواب البر باب من أبواب الجنة وان باب الصيام يدعى الريان (طب) عن سهل بن سعد * من صام يوما في سبيل الله تعالى جعل الله بينه وبين النار خندقا كما بين السماء والارض (ت) عن أبي امامة * من صام يوما في سبيل الله تعالى باعد الله منه جهنم مسيرة مائة عام (ن) عن عقبة بن عامر * خصاء أمتي الصيام والقيام (حم طب) عن ابن عمرو * من ختم له بصيام دخل الجنة البزار عن حذيفة * من صام يوما



في سبيل الله تعالى بعد الله وجهه عن النار سبعين خريفا (حم ق ت ن) عن أبي سعيد * من صام يوما تطوعا لم يطلع عليه أحد لم يرض الله له بثواب دون الجنة (ض) عن سهل ابن سعد * صوما فان الصيام جنة من النار ومن خوائق الدهر ابن النجار عن أبي مليكة * ثلاثة ليس عليهم حساب فيما طعموا اذا كان حلالا الصائم والمجاهد والمرابط في سبيل الله (طب) عن ابن عباس * صوموا تصحوا ابن السني وأبو نعيم في الطب عن أبي هريرة * صيام المرء في سبيل الله تعالى يبعده من جهنم مسيرة سبعين عاما (طب) عن أبي الدرداء * عليك بالصوم فانه لا مثل له (حم ن حب ك) عن أبي امامة * عليك بالصوم فانه مخص (هب) عن قدامة بن مظعون عن أخيه عثمان * عليكم بالصوم فانه محسمة للعروق ومذهبة للاشر أبو نعيم في الطب عن شداد ابن عبد الله * قال الله تبارك وتعالى كل عمل ابن آدم له الا الصيام فانه لي وأنا أجزي به والصيام جنة واذا كان يوم صوم أحدكم فلا يرفث ولا يصخب فان سابه أحد أو قاتله فليقل اني امرؤ صائم والذي نفس محمد بيده لخلوف فم الصائم أطيب عند الله تعالى من ريح المسك وللصائم فرحتان يفرحهما اذا أفطر فرح بفطره واذا لقي ربه تعالى فرح بصومه (ق ت) عن أبي هريرة * لكل عبد صائم دعوة مستجابة عند فطره أعطيها في الدنيا أو ادخر له في الآخرة الحكيم عن ابن عمر * من فطر صائما كان له مثل أجره غير انه لا ينقص من اجر الصائم شيأ (حم ت ه حب) عن زيد بن خالد * الصوم في الشتاء الغنيمة الباردة (حم ع طب هق) عن عامر بن مسعود (طس عد هب) عن أنس (عد هب) عن جابر * الصوم

---

جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اوتيت بمفاتيح الدنيا على فرس أبلق عليه قطيفة من سندس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر عن ابن أبي ذئب ح وابن أبي بكير أنا ابن أبي ذئب عن شرحبيل عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لان يمسك أحدكم يده عن الحصى خير له من مائة ناقة كلها سود الحدقة فان غلب أحدكم الشيطان فليمسح مسحة واحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو أبو عامر قال سئل زكريا يعني ابن اسحق عن أبي الزبير عن جابر قال أقبل أبو بكر يستأذن على رسول الله صلى الله عليه وسلم والناس ببابه جلوس فلم يؤذن له ثم أقبل عمر فاستأذن فلم يؤذن له ثم أذن لابي بكر وعمر فدخلا والنبي صلى الله عليه وسلم جالس وحوله نساؤه وهو ساكت فقال عمر لاكلمن النبي صلى الله عليه وسلم لعله يضحك فقال عمر يا رسول الله لو رأيت بنت زيد امرأة عمر فسألتني النفقة آنفا فوجأت عنقها فضحك النبي صلى الله عليه وسلم حتى بدت نواجذه قال هن حولي كما ترى يسألنني النفقة فقام أبو بكر رضي الله عنه الى عائشة ليضربها وقام عمر الى حفصة كلاهما يقولان تسألان رسول الله صلى الله عليه وسلم ما ليس عنده فنهاهما رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلن نساؤه والله لا نسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد هذا المجلس ما ليس عنده قال وأنزل الله عز وجل الخيار فبدأ بعائشة فقال اني اريد أن أذكر لك أمرا ما أحب أن تعجلي فيه حتى تستأمري أبويك قالت ما هو فقال فتلا عليها يا أيها النبي قل لازواجك الآية قالت عائشة أفيك أستأمر أبوي بل أختار الله ورسوله وأسألك أن لا تذكر لامرأة من نسائك ما اخترت فقال ان الله عز وجل لم يبعثني معنفا ولكن بعثني معلما ميسرا لا تسألني امرأة منهن عما اخترت الا أخبرتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير عن جابر فذكر نحوه الا أنه قال حوله نساؤه واجم وقال لم يبعثني معنتا أو مفتنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر العقدي ثنا زهير عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر أن رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان الفلان في حائطي عذقا وانه قد آذاني وشق علي مكان عذقه فأرسل اليه النبي صلى الله عليه وسلم فقال يعني عذقك الذي في حائط فلان قال لا قال فهبه لي قال لا قال فبعنيه بعذق في الجنة قال لا فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما رأيت الذي هو أبخل منك الا الذي يخل بالسلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح ثنا سعيد بن الحارث قال دخلنا على جابر بن عبد الله وهو يصلي في ثوب واحد ملتحفا به ورداؤه قريب لو تناوله بلغه فلما سلم سألناه عن ذلك فقال أنا أفعل هذا البرائي الحمقى أمثالكم فقد شهدت رخصها رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال جابر خرجت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في بعض أسفاره فجئته ليلة وهو يصلي في ثوب واحد وعلي ثوب واحد فاشتملت به ثم قمت الى جنبه قال جابر ما هذا الاشتمال الا صليت وعليك ثوب واحد فان كان واسعا التحف به وان كان ضيقا فاتزر به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا فليح عن سعيد بن الحارث عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل على رجل من الانصار ومعه صاحب له فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ان كان عندك ماء بات في هذه الليلة في شنة والا كرعنا قال والرجل يحول الماء في حائط فقال الرجل عندي ماء بات فانطلق بهما الى العريش فسكب ماء في قدح ثم حلب عليه من داجن فشرب رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم شرب الرجل الذي جاء معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا غالب بن سليمان أبو صالح عن كثير بن زياد البرساني عن أبي سمية قال اختلفنا ههنا في الورود فقال بعضنا لا يدخلها مؤمن وقال بعضنا

يدق المصير ويذبل اللحم ويبعد من خراب السعير ان الله تعالى مائدة عليها ما لا عين رأت ولا أذن سمعت ولا خطر على قلب بشر لا يقعد عليها الا الصائمون (طس) وأبو القاسم بن بشران في أماليه عن أنس * (الاعمال) * الاعمال عند الله سبعة عملان موجبان وعملان بأمثالهما وعمل بعشر أمثاله وعمل بسبعمائة وعمل لا يعلم ثوابه الا الله تعالى فاما الموجبان فمن لقي الله بعبده مخلصا لا يشرك به شيأ وجبت له الجنة ومن لقي الله قد أشرك به وجبت له النار ومن عمل سيئة جزي بمثلها ومن هم بحسنة جزي بمثلها ومن عمل  حسنة جزي عشرا ومن أنفق ماله في سبيل الله ضعف له نفقة الدرهم بسبعمائة والدينار بسبعمائة دينار والصيام لله تعالى لا يعلم ثواب عامله الا الله الحكيم (هب) عن ابن عمر * قال الله عز وجل الحسنة عشر وأزيد والسيئة واحدة وأمحوها والصوم لي وأنا أجزي به الصوم جنة من عذاب الله تعالى كجنة السلاح من السيف البغوي عن رجل * من أم عبد أصبح صائما فاستفتحت له أبواب السماء وسبحت أعضاؤه واستغفرله أهل السماء الدنيا الى أن توارى بالحجاب فان صلى ركعة أو ركعتين أضاءت له السموات نورا وقلن أزواجه من الحور العين اللهم اقبضه الينا فقد اشتقنا الى رؤيته يوان هلل أو سبح أو كبر تلقاه سبعون ألف ملك يكتبون ثوابها الى أن توارى بالحجاب (عد قط) في الافراد (هب) عن عائشة * من منعه الصيام من الطعام والشراب يشتهيه أطعمه الله من ثمار الجنة وسقاه من شرابها (هب) عن علي * ان الله عز وجل يوحي الى الحفظة أن لا تكتبوا

بعضنا يدخلونها جميعا ثم ينجي الله الذين اتقوا فالتقيت جابر بن عبد الله فقلت له أنا اختلفنا في ذلك الورود فقال بعضنا لا يدخلها مؤمن وقال بعضنا يدخلونها جميعا فاهوى باصبعيه الى أذنيه وقال صمتا ان لم أكن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الورود الدخول لا يبقى بر ولا فاجر الا دخلها فتكون على المؤمن بردا وسلاما كما كانت على ابراهيم حتى ان للنار أو قال لجهنم ضجيجا من بردهم ثم ينجي الله الذين اتقوا ويذر الظالمين فيها جثيا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث وأبو سعيد قالا ثنا زائدة ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال كفن رسول الله صلى الله عليه وسلم حمزة في ثوب واحد قال جابر ذلك الثوب نمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا عبد العزيز بن مسلم ثنا الحصين عن سالم بن أبي الجعد عن جابر قال عطش الناس يوم الحديبية ورسول الله صلى الله عليه وسلم بين يديه ركوة يتوضأ منها اذ جهش الناس نحوه فقال ما شأنكم قالوا يا رسول الله انه ليس لنا ماء نشرب منه ولا ماء نتوضأ به الا ما بين يديك فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم يده في الركوة فجعل الماء يفور من بين أصابعه كأمثال العيون فشربنا وتوضأنا فقلت كم كنتم قال لو كنا مائة ألف كفانا كنا خمس عشرة مائة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول غزوت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم تسع عشرة غزوة قال جابر لم أشهد بدرا ولا أحدا منعني أبي قال فلما قتل عبد الله يوم أحد لم أتخلف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة قط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا يعني ابن سحق قال سمعت أبا الزبير قال سمعت جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا كفن أحدكم أخاه فليحسن كفنه ان استطاع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول قام النبي صلى الله عليه وسلم لجنازة يهودي حتى جاوزته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأيتم الهلال فصوموا واذا رأيتموه فافطروا فان غم عليكم فعدوا ثلاثين يوما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير انه سمع جابرا يقول هجر رسول الله صلى الله عليه وسلم نساءه شهرا فكان يكون في العلو ويكن في السفل فنزل النبي صلى الله عليه وسلم اليهن في تسع وعشرين ليلة فقال رجل يا رسول الله انك مكثت تسعا وعشرين ليلة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الشهر هكذا وهكذا باصابع يده مرتين وقبض في الثالثة ابهامه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول اعتزل النبي صلى الله عليه وسلم نساءه شهرا فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول كنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في غزوة غزاها وذلك في رمضان فصام رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم فضعف ضعفا شديدا وكاد العطش أن يقتله وجعلت نافته تدخل تحت العضاه فأخبر به النبي صلى الله عليه وسلم فقال اثتوني به فأتى به فقال ألست في سبيل الله ومع رسول الله صلى الله عليه وسلم أفطر فافطر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر قال صام رجل منا ونحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في بعض مغازيه فذكر معناه قال ثم دعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بقدح فرفعه على يديه فشرب ليرى الناس أنه ليس بصائم **حدثنا** عبد



على صوامع عبيدي بعد العصر سبحة تزلف (خط) في تاريخه (خط) عن أنس * من مات صائما أو جهد الله الصائم الى يوم القيامة الديلمي عن عائشة * اذا كان يوم القيامة يخرج الصوام من قبورهم يعرفون بريح صيامهم أفواههم أطيب من ريح المسك فيلقون بالموائد والاباريق مختمة بالمسك فيقال لهم كلوا فقد جعتم واشربوا فقد عطشتم ذروا الناس وأستريحوا فقد عييتم اذا استراح الناس فيأكلون ويشربون ويستريحون والناس معلقون في الحساب في عناء وظمأ أبو الشيخ في الثواب والديلمي عن

أنس *بخير من رجل لم يصح صائما ولم يعد سقيما عبد بن حميد (ع ص) عن جابر قال قلت كيف أصبحت يا رسول الله قال فذكره *من فطر صائما في رمضان من كسب حلال صلت عليه الملائكة ليالي رمضان كلها وصافحه جبريل ليلة القدر ومن صافحه جبريل يكثر دموعه ويرق قلبه فقال رجل يا رسول الله أرأيت من لم يكن ذلك عنده قال فلقمة خبز قال أفرأيت من لم يكن ذلك عنده قال فقبضة من طعام قال أفرأيت من لم يكن ذلك عنده قال فذقة . (٣٣٠) من لبن قال أفرأيت من لم يكن ذا لبن عنده قال فشربة من ماء (حب) في الضعفاء

(عد هب) عن سلمان *(الفصل الثاني في فضل صوم شهر رمضان)* ان الله افترض صوم رمضان عليكم فريضة وسننت لكم قيامه فمن صامه وقامه ابتغاء تسليما ويقينا كان كفارة لما مضى (ن حب) عن عبد الرحمن بن عوف * أتاكم شهر رمضان شهر مبارك فرض الله عليكم صيامه يفتح فيه أبواب الجنة ويغلق فيه أبواب الجحيم ويغل فيه مردة الشياطين وفيه ليلة هي خير من ألف شهر من حرم خيرها فقد حرم (حم ن هب) عن أبي هريرة *اذا كان أول ليلة من شهر رمضان صفدت الشياطين ومردة الجن وغلقت أبواب النار فلم يفتح منها باب وفتحت أبواب الجنة فلم يغلق منها باب وينادي مناد كل ليلة يا باغي الخير أقبل ويا باغي الشر أقصر ولله عتقاء من النار وذلك كل ليلة (ه ت حب ك هق) عن أبي هريرة * أظلكم شهركم هذا بمعلوف رسول الله ماعر على المسلمين شهر هو فيهم خير لهم منه ولا يأتي على المنافقين شهر هو شر لهم منه ان الله تعالى يكتب أجره وثوابه من قبل أن يدخل ويكتب وزره وشقاءه قبل أن يدخل وذلك ان المؤمن يعد فيه للقوة في العبادة وبعد فيه المنافق اغتياب المؤمنين واتباع عوراتهم فهو غنم للمؤمن ونقمة للفاجر (حم هق) عن أبي هريرة *ان لله ملائكة علينا حقا صم رمضان والذي يليه وكل أربعاء وخميس فاذن أنت قد صمت الدهر وأفطرت (د ت) عن مسلم القرشي *أول شهر رمضان رحمة ووسطه مغفرة وآخره عتق من النار ابن أبي الدنيا في فضل رمضان (خط) وابن عساكر عن أبي هريرة * سيد الشهور شهر رمضان وأعظمها

---

الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أفضل الصدقة عن ظهر غنى وابدأ بمن تعول واليد العليا خير من اليد السفلى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول قبل موته بثلاث يقول لا يموتن أحدكم الا وهو يحسن بالله الظن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا هشام الدستوائي عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته نحو المشرق فاذا أراد أن يصلي المكتوبة نزل فاستقبل القبلة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا القاسم يعني ابن الفضل وهو الحداني ثنا سعيد ابن المهاب عن طلق بن حبيب قال كنت من أشد الناس تكذيبا بالشفاعة حتى لقيت جابر بن عبد الله فقرأت عليه كل آية ذكرها الله عز وجل فيها خلود أهل النار ؟ فقال يا طلق أتراك أقرأ لكتاب الله مني واعلم بسنة رسول الله صلى الله عليه وسلم منك وضعت له فقلت لا والله بل أنت أقرأ لكتاب الله مني واعلم بسنته مني قال فان الذي قرأت أهلها هم المشركون ولكن قوم أصابوا ذنوبا فعذبوا بها ثم أخرجوا صمتا وأهوى بيديه الى فيه ثنيته ان لم أكن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يخرجون من النار ونحن تقرأ ما تقرأ حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ومعاوية بن عمر وقالا ثنا زائدة ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لابي بكر أي حين توتر قال أول الليل بعد العتمة قال فأنت يا عمر قال آخر الليل فقال صلى الله عليه وسلم أما أنت يا أبا بكر فأخذت بالوثيقة وأما أنت يا عمر فأخذت بالقوة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد وأبو سعيد المعنى قالا ثنا زائدة عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال توفي رجل فغسلناه وحنطناه وكفناه ثم أتينا به رسول الله صلى الله عليه وسلم نصلي عليه فقلنا تصلي عليه خطا خطى ثم قال أعليه دين قلنا ديناران فانصرف فتحملهما أبو قتادة فأتيناه فقال أبو قتادة الديناران علي فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أحق الغريم وبرئ منهما الميت قال نعم فصلى عليه ثم قال بعد ذلك بيوم ما فعل الديناران فقال انما مات أمس قال فعاد اليه من الغد فقال قد قضيتهما فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الآن بردت عليه جلده فقال معاوية بن عمر وفي هذا الحديث فغسلناه وقال فقلنا نصلي عليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني حرب يعني ابن أبي العالية عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى امرأة فأتى امرأته فاتى زينب وهي تمعس منية فقضى منها حاجته وقال ان المرأة تقبل في صورة شيطان وتدبر في صورة شيطان فاذا رأى أحدكم امرأة فأعجبته فليأت أهله فان ذلك يرد ما في نفسه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا ابن المبارك عن حسين بن علي قال حدثني وهب بن كيسان عن جابر بن عبد الله وهو الانصاري ان النبي صلى الله عليه وسلم جاءه جبريل فقال قم فصله فصلى الظهر حين زالت الشمس ثم جاءه العصر فقال قم فصله فصلى العصر حين صار ظل كل شئ مثله أو قال صار ظله مثله ثم جاءه المغرب فقال قم فصله فصلى حين وجبت الشمس ثم جاءه العشاء فقال قم فصله فصلى حين غاب الشفق ثم جاءه الفجر فقال قم فصله فصلى حين برق الفجر أو قال حين سطع الفجر ثم جاءه من الغد للظهر فقال قم فصله فصلى الظهر حين صار ظل كل شئ مثله ثم جاءه للعصر فقال قم فصله فصلى العصر حين صار ظل كل شئ مثليه ثم جاءه للمغرب المغرب وقتا واحدا لم يزل عنه ثم جاء للعشاء العشاء حين ذهب نصف الليل أو قال ثلث الليل

حرمتم فذوا الحجة البزار (هب) عن أبي سعيد * ليس ليوم فضل على يوم في الصيام إلا شهر رمضان ويوم عاشوراء (طب هب) عن ابن عباس * انبسطوا في النفقة في شهر رمضان فان النفقة فيه كالنفقة في سبيل الله ابن أبي الدنيا في فضل رمضان عن ضمرة وراشد بن سعد مرسلا * ذاكر الله في رمضان مغفور له وسائل الله تعالى فيه لا يخيب (طس هب) عن عمر * صوم شهر الصبر وثلاثة أيام من كل شهر صوم الدهر (حم هق) عن أبي هريرة * صوم شهر الصبر وثلاثة أيام من كل شهر يذهبن وجر الصدر البزار عن (٣٣١) علي وعن ابن عباس البغوي والباوردي

الليل فصلى العشاء ثم جاءه للفجر حين لسفر جدا فقال قم فصله فصلى الفجر ثم قال ما بين هذين وقت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا حسن بن عياش أخو أبي بكر بن عياش عن جعفر بن محمد عن أبيه عن جابر قال كنا نصلي الجمعة مع النبي صلى الله عليه وسلم ثم نرجع فنريح نواضحنا قال حسن قلت لجعفر ومتى ذاك قال زوال الشمس * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا فطبة عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال النبي صلى الله عليه وسلم لولا أجر تم الميت فأجروه ثلاثا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم وأبو أحمد قالا ثنا عبد الحميد بن بزيد الانصاري قال أبو أحمد حدثني عقبة بن عبد الرحمن بن جابر عن جابر قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الجمعة ثم نرجع فنقيل قال أبو أحمد ثم نرجع الى بني سلمة فنقيل وهو على سيلين * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا عبد الحميد عن عقبة بن عبد الرحمن عن جابر قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب ثم نرجع الى بني سلمة فنرى مواقع النبل * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا هفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يبعث كل عبد على ما مات عليه * قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان في الليل لساعة لا يوافقها عبد مسلم يسأل الله فيها شيأ الا أعطاه اياه وهي في كل ليلة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس تبع لقريش في الخير والشر * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه نهى ان يشتمل الرجل الصماء وان يحتبي في الثوب الواحد ليس على فرجه منه شيء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا شاذان ثنا أبو بكر بن عياش عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأى مفصح له في قبره يقول دعوني أبشر أهلي فيقال له اسكن * حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا محمد بن ميمون أبو النضر الزعفراني ثنا جعفر بن محمد عن أبيه قال سألت جابرا متى كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الجمعة فقال كنا نصليها مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم نرجع فنريح نواضحنا قال جعفر وزاحة النواضح حين تزول الشمس * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ميمون حدثني جعفر عن أبيه عن جابر ان البدن التي نحر رسول الله صلى الله عليه وسلم كانت مائة بدنة نحر بيده ثلاثا وستين ونحر علي ما غبر وأمر النبي صلى الله عليه وسلم من كل بدنة ببضعة فجعلت في قدر فطبخت فأكلا من لحمها وشربا من مرقها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم عند امرأة من الانصار صنعت له طعاما فقال النبي صلى الله عليه وسلم يدخل عليكم رجل من أهل الجنة فدخل أبو بكر رضي الله عنه فهنيناه ثم قال يدخل عليكم رجل من أهل الجنة فدخل عمر رضي الله عنه فهنيناه ثم قال يدخل عليكم رجل من أهل الجنة فدخل علي رضي الله عنه فهنيناه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد وعبد الله بن الوليد قالا ثنا سفيان عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال خير صفوف الرجال المقدم وشرها المؤخر وخير صفوف النساء المؤخر وشرها المقدم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سقطت اللقمة من يد أحدكم فليمط ما كان عليها من الاذى وليأكلها ولا يدعها للشيطان ولا يمسح يده بالمنديل وليلعق أصابعه فانه لا يدري في أي

(طب) عن النمر بن تولب * صيام شهر رمضان بعشرة أشهر وصيام ستة أيام بعده بشهرين فذلك صيام السنة (حم ن هب) عن ثوبان * اذا دخل شهر رمضان فتحت أبواب الجنة وغلقت أبواب جهنم وسلسلت الشياطين (حم ت) عن أبي هريرة * من صام رمضان ايمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه (حم ق ٤) عن أبي هريرة * من صام رمضان وأتبعه ستا من شوال كان كصوم الدهر (حم م ٤) عن أبي أيوب * شهران لا ينقصان شهرا عيد رمضان وذو الحجة (حم ق ٤) عن أبي بكرة * شهر رمضان شهر الله وشهر شعبان شهري شعبان المطهر ورمضان المكفر ابن عساكر عن عائشة * شهر رمضان يكفر ما بين يديه الى شهر رمضان المقبل ابن أبي الدنيا في فضل رمضان عن أبي هريرة * انما سمي رمضان لانه يرمض الذنوب محمد بن منصور السمعاني وأبو زكريا يحيى بن منده في أماليهما عن أنس

* (الاكمال) * ان جبريل صعد قبل العتبة الاولى فقال يا محمد فقلت لبيك وسعديك فقال من أدرك أبويه أو أحدهما فلم يغفر له فابعده الله قل آمين فقلت آمين فلما صعد العتبة الثانية قال يا محمد فقلت لبيك وسعديك قال من أدرك شهر رمضان فصام نهاره وقام ليله ثم مات ولم يغفر له فدخل النار فابعده الله قل آمين فقلت آمين فلما صعد العتبة الثالثة قال يا محمد قلت لبيك وسعديك قال من ذكرت عنده فلم يصل عليك فمات ولم يغفر له فدخل النار فابعده الله قل آمين فقلت آمين (هب) عن جابر * جاءكم شهر رمضان المبارك فتقدموا فيه النية وسعوا فيه النفقة

الديلمي عن ابن مسعود * أتاكم شهر رمضان شهر خير وبركة ابن النجار عن ابن عمر * أتاكم شهر رمضان شهر بركة فيه مغفرة يغشاكم الله فينزل الرحمة ويحط فيه الخطايا ويستجيب فيه الدعاء ينظر الله الى تنافسكم ويباهي بكم ملائكته فاروا الله من أنفسكم خيرا فان الشقي من حرم فيه رحمة الله عز وجل (طب) وابن النجار عن عبادة بن الصامت * نعم الشهر شهر رمضان تفتح فيه أبواب الجنة وتغلق فيه أبواب النيران وتصفد فيه مردة الشياطين ويغفر فيه الآن يأتي (٣٣٢) الخطيب وابن النجار عن أبي هريرة * اذا كان أول ليلة من شهر رمضان فتحت أبواب

---

طعامه البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن أبي الزبير قال دفع رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه السكينة والوضع في وادي محسر فاراهم مثل حصى الخذف وأمرهم بالسكينة وقال لتأخذ امتي مناسكها فاني لا أدري لعلي لا ألقاهم بعد عامهم هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عرش ابليس على البحر يبعث سراياه فاعظمهم عنده منزلة أعظمهم فتنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال بعثني النبي صلى الله عليه وسلم في حاجة فجئت وهو يصلي على راحلته نحو المشرق ويومئ ايماء السجود أخفض من الركوع فسلمت عليه فلما انصرف قال ما فعلت في حاجة كذا وكذا اني كنت أصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خرج من بيته مشى قدامه وتر بكاظهره للملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن حماد ثنا أبو عوانة عن أبي بشر عن سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم المدينة يتركها أهلها وهي مرطبة قالوا فمن يأكلها يا رسول الله قال السباع والعائف قال أبو عوانة فذكر أن أبا بشر قال كان في كتاب سليمان بن قيس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا أبو عوانة عن أبي بشر عن سليمان عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال الايمان في أهل الحجاز وغلظ القلوب والجفاء في الفدادين في أهل المشرق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا زهير عن أسيد عن عبد الله بن أبي قتادة عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من ترك الجمعة ثلاث مرار من غير عذر طبع الله على قلبه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا زهير ح وأبو النضر ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال أمرت أن أقاتل الناس حتى يقولوا لا اله الا الله فاذا قالوها عصموا مني دماءهم وأموالهم وأنفسهم الا بحقها وحسابهم على الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر العقدي ثنا قرة عن عمرو بن دينار عن جابر قال بينما رسول الله صلى الله عليه وسلم يقسم مغانم حنين اذ قام اليه رجل فقال اعدل فقال لقد شقيت ان لم أعدل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا يعقوب بن محمد بن طحلاء ثنا خالد بن أبي حيان عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من تولى غير مواليه فقد خلع ربقة الايمان من عنقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا كثير يعني ابن زيد حدثني عبد الله بن عبد الرحمن بن كعب بن مالك حدثني جابر يعني ابن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم دعا في مسجد الفتح ثلاثا يوم الاثنين ويوم الثلاثاء ويوم الاربعاء فاستجيب له يوم الاربعاء بين الصلاتين فعرف البشر في وجهه قال جابر فلم ينزل بي أمر مهم غليظ الا توخيت تلك الساعة فادعو فيها فاعرف الاجابة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر وأبو أحمد قالا ثنا كثير بن زيد حدثني الحرث بن يزيد قال أبو أحمد عن الحرث بن أبي ثور يد قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تعنوا الموت فان هول المطلع شديد وان من السعادة أن يطول عمر العبد ويرزقه الله الانابة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابن علية وغيره ثنا ابن ثور يد عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله عن تجصيص القبور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي ثنا الجريري عن أبي نضرة عن جابر قال خلت البقاع حول المسجد فاراد بنو سلمة ان ينتقلوا قرب المسجد فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لهم انه بلغني

---

الجنان كلها فلم يغلق منها باب واحد الشهر كله وغلقت أبواب النار فلم يفتح منها باب واحد الشهر كله وغلت عتاة الجن وتنادي مناد من السماء الى آخر الليل ليلة الهلال انفجار الصبح يا باغي الخير تمم وابشر ويا باغي الشر أقصر وابصر هل من مستغفر يغفر له هل من تائب يتوب عليه هل من داع يستجيب له هل من سائل يعطى سؤله ولله تعالى عند كل فطر من شهر رمضان كل ليلة عتقاء من النار ستون ألفا فاذا كان يوم الفطر أعتق مثل ما أعتق في جميع الشهر ثلاثين مرة ستين ألفا ستين ألفا (هب) عن ابن مسعود * اذا كان أول ليلة من رمضان فتحت أبواب السماء فلا يغلق منها باب حتى يكون آخر ليلة من رمضان وليس من عبد مؤمن يصلي في ليلة منها الا كتب الله له ألفا وخمسمائة حسنة بكل سجدة وبنى له بيتا في الجنة من ياقوتة حمراء لها ستون ألف باب لكل باب منها قصر من ذهب مرصع بياقوتة حمراء فاذا صام أول يوم من رمضان غفر له ما تقدم من ذنبه الى مثل ذلك اليوم من شهر رمضان واستغفر له كل يوم سبعون ألف ملك من صلاة ١ انكم الغد اذا الى أن توارى بالحجاب وكان له بكل سجدة يسجدها في شهر رمضان بليل أو نهار شجرة يسير الراكب في ظلها خمسمائة عام (هب) عن أبي سعيد * أعطيت أمتي في شهر رمضان خمسا لم يعطهن نبي قبلي اما واحدة فانه اذا كان أول ليلة من شهر رمضان نظر الله اليهم ومن نظر الله اليه لم يعذبه أبدا وأما الثانية فانه خلوف أفواههم حين يمسون أطيب عند الله من ريح المسك وأما الثالثة فان الملائكة تستغفر لهم في كل يوم

وأما الرابعة فان الله تعالى يأمر جنته فيقول لها استعدى وتزيني لعبادى أوشك أن يستريحوا من تعب الدنيا الى دارى وكرامتى وأما الخامسة فانه اذا كان آخر ليلة غفر لهم جميعا فقال رجل هى ليلة القدر قال لا ألم ترالى العمال يعملون فاذا فرغوا من أعمالهم وفوا أجورهم (هب) عن جابر * ان الجنة لتزخرف لشهر رمضان من رأس الحول الى الحول فاذا كان أول ليلة من شهر رمضان هبت ريح من تحت العرش فتخفقت ورق الجنة وتجىء الحور العين يقلن يارب اجعل لنا من عبادك أزواجا تقر بهم أعيننا وتقر (٣٣٣) أعينهم بنا (طب حل قط) فى الافراد (هب) وتمام (كر) عن ابن عمر وفيه الوليد بن الوليد الدمشقى قال أبو حاتم صدوق وقال (قط) وغيره متروك * ان الجنة تزين من الحول الى الحول لشهر رمضان من صان نفسه ودينه فى شهر رمضان زوجه الله من الحور العين وأعطاه قصرا من قصور الجنة ومن عمل سيئة أو رمى مؤمنا بهتان أو شرب مسكرا فى شهر رمضان أحبط الله عمله سنة فاتقوا شهر رمضان لانه شهر الله جعل الله لكم أحد عشر شهرا تاكلون فيها وتروون وشهر رمضان شهر الله فاحفظوا فيه أنفسكم ابن صصرى فى أماليه عن أبى امامة وواثلة وعبد الله بن بشر معا * يا أيها الناس قد أظلكم شهر عظيم شهر مبارك شهر فيه ليلة خير من ألف شهر جعل الله تعالى صيامه فريضة وقيام ليله تطوعا من تقرب فيه بخصلة من الخير كان كمن أدى فريضة فيما سواه ومن أدى فريضة فيه كان كمن أدى سبعين فريضة فيما سواه وهو شهر

---

ان كم تريدون ان تنتقلوا قرب المسجد قالوا نعم يارسول الله قد أردنا ذلك فقال يابنى سلمة دياركم تكتب آثاركم دياركم تكتب آثاركم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد ثنا أبى ثنا داود عن أبى نضرة عن أبى سعيد وجابر بن عبد الله قالا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون فى آخر الزمان خليفة يقسم المال ولا يعده **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا أشعث عن الحسن عن جابر بن عبد الله قال كنا نسافر مع النبى صلى الله عليه وسلم فاذا صعدنا كبرنا واذا هبطنا سبحنا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول قال النبى صلى الله عليه وسلم الدجال أعور وهو أشد الكذابين **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابرا يقول سمعت النبى صلى الله عليه وسلم يقول انما أنا بشر وانى أشترط على ربى أى عبد من المسلمين شتمته أو سببته لعل يكون ذلك له زكاة وأجرا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح أنا ابن جريج حدثنى جعفر بن محمد انه سمع أباه يحدث انه سمع جابر بن عبد الله يحدث عن حجة النبى صلى الله عليه وسلم قال ثم نزل عن الصفا حتى انتصبت قدماه فى بطن الوادى سعى حتى اذا صعدنا المشى الآخر مشى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يسأل عن المهل فقال سمعت ثم انتهى اراه يريد النبى صلى الله عليه وسلم يقول مهل أهل المدينة من ذى الحليفة والطريق الاخرى الجحفة ومهل أهل العراق ذات عرق ومهل أهل نجد من قرن ومهل أهل اليمن من يلملم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير أنه سمع جابرا يقول ان النبى صلى الله عليه وسلم قال لأسماء بنت عميس ما شأن أجسام بنى أخى ضارعة أتصيبهم حاجة قالت لا ولكن تسرع اليهم العين أفنرقيهم قال وبماذا فعرضت عليه فقال ارقيهم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج وعبد الله بن الحرث عن ابن جريج قال حدثنى أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان كان شئ ففى الربع والفرس والمرأة **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول أمرنا النبى صلى الله عليه وسلم بقتل الكلاب حتى ان المرأة تقدم من البادية بكلبها فنقتله ثم نهى النبى صلى الله عليه وسلم عن قتلها وقال عليكم بالاسود البهيم ذى النقطتين فانه شيطان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرنى زياد بن اسمعيل عن سليمان بن عتيق عن جابر بن عبد الله قال لما دخلت صفية بنت حيى على رسول الله صلى الله عليه وسلم فسطاطه حضر ناس وحضرت معهم ليكون نهارها عند فسمع فرح النبى صلى الله عليه وسلم فقال قوموا عن امكم فلما كان من العشى حضرنا فرح النبى صلى الله عليه وسلم اليها فى طرف ردائه نحو من مد وصف من تمر عجوة فقال كلوا من وليمة امكم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج أنا أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول انه سمع النبى صلى الله عليه وسلم يقول ان المؤمن يأكل فى معى واحد والكافر يأكل فى سبعة أمعاء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا عمرو بن دينار قال سمعت جابر بن عبد الله يقول ان النبى صلى الله عليه وسلم كان ينقل معهم الحجارة للكعبة وعليه ازار فقال له العباس عمه يا ابن أخى لو حللت ازارك فجعلته على منكبيك دون الحجارة قال فحله فجعله على منكبيه فسقط مغشيا عليه فما رؤى بعد ذلك اليوم عريانا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح أنا ابن جريج أخبرنى أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله

---

الصبر والصبر ثوابه الجنة وشهر المواساة وشهر يزاد فى رزق المؤمن من فطر فيه صائما كان له مغفرة لذنوبه وعتق رقبته من النار وكان له مثل أجره من غير أن ينتقص من أجره شئ يعطى الله تعالى هذا الثواب من فطر صائما على مذقة لبن أو تمرة أو شربة من ماء ومن أشبع صائما سقاه الله من حوضى شربة لا يظمأ حتى يدخل الجنة وهو شهر أوله رحمة وأوسطه مغفرة وآخره عتق من النار فاستكثروا فيه من أربع خصال خصلتان ترضون بهما ربكم وخصلتان لا غنى لكم عنهما فاما الخصلتان اللتان ترضون بهما ربكم فشهادة أن لا اله الا الله وتستغفرونه وأما اللتان

لاعطى بكم عنهما فتسألون الله الجنة وتعوذون به من النار ابن خزيمة وقال ان صح الخبر (هب) والاصبهاني في الترغيب عن سلمان قال الحافظ ابن حجر في أطرافه مداره على علي بن زيد بن جدعان وهو ضعيف ويوسف بن زياد الراوي عنه ضعيف جدا وتابعه ابان بن عبد الغفار عن علي بن زيد عنه (هب) قال ابن حجر وابان ما عرفته انتهى * لو يعلم العباد ما في رمضان لتمنت أمتي أن يكون رمضان السنة كلها ان الجنة لتزين لرمضان من رأس الحول الى الحول (٣٣٤) فاذا كان أول يوم من رمضان هبت ريح من تحت العرش فصفقت ورق الجنة فتنظر الحور العين الى ذلك فيقلن يارب اجعل لنا من عبادك في هذا الشهر أزواجا تقر أعيننا بهم وتقر أعينهم بنا فما من عبد يصوم يوما من رمضان الا تزوج زوجة من الحور العين في خيمة من درة مجوفة طولها ستون ميلا على كل ميل سبعون ألف مدينة لكل مدينة سبعون ألف حصن في كل حصن سبعون ألف دار في كل دار سبعون ألف بيت في كل بيت سبعون سريرا على كل سرير سبعون فراشا على كل فراش سبعون زوجة على كل زوجة سبعون حلة ليس منها حلة على لون أخرى ويعطى سبعين لونا من الطيب ليس منها لون على ريح الآخر لكل امرأة منهن سبعون ألف وصيفة لحاجتها وسبعون ألف وصيف مع كل وصيفة صحفة من ذهب فيها لون طعام يجد لآخر لقمة منها الذ مما يجده لاوله لكل امرأة منهن سبعون سريرا من ياقوتة حمراء على كل سرير سبعون فراشا بطانة منها من استبرق فوق كل فراش سبعون أريكة يعطى زوجها مثل ذلك على سرير من ياقوت أحمر موشحا بالدر عليه سوار ان من ذهب هذا بكل يوم صامه من رمضان سوى ما عمل من الحسنات ابن خزيمة وأشار الى ضعفه (ع طب هب) وضعفه عن أبي مسعود الغفاري وأورده ابن الجوزي في الموضوعات فلم يصب * اذا دخل شهر رمضان أمر الله ا ونس حملة العرش أن يكفوا عن التسبيح ويستغفروا لامة محمد صلى الله عليه وسلم والمؤمنين الديلمي عن علي * ان الله تعالى يغفر في أول ليلة من شهر رمضان لكل أهل القبلة (ع) وابن خزيمة (ض) عن أنس * من صام رمضان وصلى الصلوات الخمس وحج البيت كان حقا على الله أن يغفر له (ز) عن معاذ * من صام يوما من رمضان ويسلم من ثلاثة ضمنت له الجنة على ما فيه سوى الثلاثة لم أنه وبطنه وفرجه ابن عساكر

يقول طاف النبي صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع على راحلته بالبيت وبين الصفا والمروة ليراه الناس وليشرف ويسألوه ان الناس غشوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يموتن أحدكم الا وهو يحسن الظن بالله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبو هلال ثنا اسحق بن عبد الله بن أبي طلحة عن جابر بن عبد الله قال صنعنا لرسول الله صلى الله عليه وسلم فارة فأتيتهما فوضعتهما بين يديه فاطلع فيها فقال حسبته لحما فذكرت ذلك لاهلنا فذبحوا له شاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا محمد بن ثابت ثنا محمد بن المنكدر عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم حج مبرور ليس له جزاء الا الجنة قالوا يا نبي الله ما الحج المبرور قال اطعام الطعام وافشاء السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين بن المثنى أبو عمرو ثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يغزو في الشهر الحرام الا أن يغزى أو يغزوا فاذا حضر ذلك أقام حتى ينسلخ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين ويونس قالا ثنا ليث بن سعد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن رجلا من الانصار قال أفي العقرب رقية فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من استطاع منكم أن ينفع أخاه فليفعل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين ويونس قالا ثنا ليث بن سعد عن أبي الزبير عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اعتزل نساءه شهرا فخرج الينا في تسع وعشرين فقلنا انما اليوم تسع وعشرون فقال انما الشهر وصفق بيديه ثلاث مرات وحبس أصبعا واحدا في الآخرة وقال يونس أصبعا واحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا عبد الواحد بن زياد ثنا محمد بن اسحق عن داود بن الحصين عن واقد بن عبد الرحمن بن سعد بن معاذ عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا خطب أحدكم المرأة فان استطاع أن ينظر منها الى ما يدعوه الى نكاحها فليفعل قال فخطبت جارية من بني سلمة فكنت أتخبأ لها تحت الكرب حتى رأيت منها بعض ما دعاني الى نكاحها فتزوجتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد وحجين قالا ثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تأكلوا بالشمال فان الشيطان يأكل بالشمال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد وحجين قالا ثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعشي لحاجة ثم أدركته فسلمت عليه فاشار الي فلما فرغ دعاني فقال انك سلمت علي آنفا وأنا أصلي وهو موجه حينئذ قبل المشرق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحجين قالا ثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال عرض علي الانبياء فاذا موسى عليه السلام رجل ضرب من الرجال كأنه من رجال شنوءة فرأيت عيسى بن مريم عليه السلام فاذا أقرب من رأيت به شبها عروة بن مسعود ورأيت ابراهيم عليه السلام فاذا أقرب من رأيت به شبها صاحبكم يعني نفسه صلى الله عليه وسلم ورأيت جبريل عليه السلام فاذا أقرب من رأيت به شبها دحية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وحجين ثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال اشتكى رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلينا وراءه وهو قاعد وأبو بكر رضي الله عنه يكبر يسمع الناس تكبيره فالتفت الينا فرآنا قياما فاشار الينا فقعدنا فصلينا بصلاته قعودا فلما صلى قال ان كدتم آنفا تفعلون فعل فارس والروم يقومون على ملوكهم وهم قعود فلا تفعلوا ائتموا بائمتكم ان صلى قائما فصلوا قياما وان صلى قاعدا فصلوا قعودا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا

عن أبي هريرة * من صام يوما من رمضان بانصات وسكوت وتكبير وتهليل وتحميد يحل حلاله ويحرم حرامه غفر الله ذنوبه كلها (الديلمي عن ابن عمر * من صام رمضان وغدا يغسل الى المصلى وخمسة وصدقة رجع مغفورا له (طس) عن أبي هريرة * فضل الجمعة في شهر رمضان على سائر الجمع كفضل رمضان على سائر الشهور (الديلمي عن جابر * اذا كان يوم الفطر وقفت الملائكة في أفواه الطرق فنادوا يا معشر المسلمين اغدوا الى رب كريم يمن بالخير ويثيب عليه الجزيل لقد أمرتم بقيام الليل فقمتم وأمرتم (٣٣٥) بصيام النهار فصمتم وأطعتم ربكم فاقبضوا جوائزكم فاذا صلوا العيد نادى منادٍ من السماء ان ارجعوا الى منازلكم راشدين فقد غفر لكم ذنوبكم كلها ويسمى ذلك اليوم في السماء يوم الجوائز * الحسن بن سفيان في مسنده والمعافى في الجليس والباوردي (طب حل) عن سعيد بن أوس الانصاري عن أبيه وضعفه * كان على الانصاري صوم شهر رمضان وكان عليهم ملك فرض فقال ابن شهاب لبنيه لأزيدن عشرا ثم كان عليهم ملك بعده يا كل اللحم فوجع فقال لئن شفاه الله ليزيدن ثمانية أيام ثم كان ملك بعده فقال مايدع من هذه الايام أن يتمها ويجعل صومنا في الربيع فجعل فصارت خمسين يوما (خ) في تاريخه والنحاس في ناسخه (طب) عن دغفل بن حنظلة * لا يقولن أحدكم صمت رمضان وقمت رمضان ولا صمت في رمضان كذا فان رمضان اسم من أسماء الله تعالى ولكن قولوا شهر رمضان كما قال ربكم في كتابه تمام وابن عساكر عن ابن عمر * لا تقولوا رمضان فان رمضان اسم من أسماء الله تعالى ولكن قولوا شهر رمضان (عد) وأبو الشيخ (هق) وضعفه والديلمي عن أبي هريرة * (الافعال) * عن أبي بكر الصديق قال ان الله بنى جنانا كلها من ياقوت أحمر أساسها وأعالها شبكت بالذهب عليها ستور السندس والاستبرق فكل جنة طولها وعرضها مائة عام في كل جنة مائة ألف قصر في كل قصر قبة بيضاء سماؤها زبرجد أخضر الانهار تطرد في حيطانها والاشجار دانية عليها يقول هذه الجنة صاحبها ينعم لا يبأس ويخلد لا يموت لا تبلى ثيابه ولا يفنى شبابه قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تلك جنات بنيت لمن صام رمضان

يونس ثنا أبان يعني العطار عن يحيى بن أبي كثير عن عبد الله بن معشم عن جابر بن عبد الله قال بينما نحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ مرت جنازة فذهبنا لنحمل فاذا جنازة يهودي أو يهودية فقلنا يا رسول الله انما كانت جنازة يهودي أو يهودية فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الموت فزع فاذا رأيتم جنازة فقوموا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن محمد وهو أبو ابراهيم المعقب ثنا عباد بن عباد عن مجالد عن الشعبي عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم النائمة قال عبد الله قال أبي وقال خلف بن الوليد السائمة جبار والجب جبار والمعدن جبار وفي الركاز الخمس قال قال الشعبي الركاز الكنز العادي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا عبد الواحد ثنا مجالد بن سعيد حدثني الشعبي حدثني جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سن الجزور والبقرة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا عبد الرحمن يعني ابن الغسيل حدثني شهر حبيل أبو سعد انه دخل على جابر بن عبد الله وهو يصلي في ثوب واحد وحوله ثياب فلما فرغ من صلاته قال قلت غفر الله لك يا أبا عبد الله تصلي في ثوب واحد وهذه ثيابك الى جنبك قال أردت أن يدخل علي الأحمق مثلك فيراني أصلي في ثوب واحد أو كان لكل أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم ثوبان قال ثم أنشأ جابر يحدثنا فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ما اتسع الثوب فتعاطف به على منكبيك ثم صل واذا ضاق عن ذلك فشده حقويك ثم صل من غير رداء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الحرث المخزومي عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول غلظ القلوب والجفاء في المشرق والايمان في أهل الحجاز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الحرث عن ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يزعم أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الصور في البيت ونهى الرجل أن يصنع ذلك وأن النبي صلى الله عليه وسلم أمر عمر بن الخطاب رضي الله عنه زمن الفتح وهو بالبطحاء ان يأتي الكعبة فيمحو كل صورة فيها ولم يدخل البيت حتى محيت كل صورة فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب وثنا عمرو بن الحرث عن عبد ربه بن سعيد عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال لكل داء دواء فاذا أصيبت دواء الداء برأ باذن الله تعالى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب أخبرني عمرو أن بكيرا حدثه ان عاصم بن عمر بن قتادة حدثه ان جابر بن عبد الله عاد المقنع فقال لا أبرح حتى تحتجم فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان فيه الشفاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا عبد الله بن لهيعة ثنا أبو الزبير محمد بن مسلم مولى حكيم بن حزام عن جابر بن عبد الله الانصاري صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن النهبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب أخبرني عمر وعن أبي الزبير عن جابر انه قال يا رسول الله اعمل لامر قد فرغ منه أم لامر نأتنفه قال لامر قد فرغ منه فقال سراقة ففيم العمل اذا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل عامل ميسر لعمله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من وجد سعة فلم يكفن في ثوب حبرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول عذبت امرأة في هرة أرهرتها بطنه حتى ماتت ولم تربطه فيأكل من خشاش الارض فوجبت لها النار

بذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا أقال رسول الله صلى الله عليه وسلم في الركاز الخمس فقال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول العبد مع من أحب وكتب رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل ان يموت الى كسرى وقيصر والى كل جبار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سددوا وأبشروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان عشت ان شاء الله زجرت ان يسمى ببركة ويسار ونافع فلما جاز لا أدري ذكر رافعا أم لا انه يقال له ههنا بركة فيقال لا بل يقال ههنا يسار فيقال لا فلم يقبض رسول الله صلى الله عليه وسلم ولم يزجر عن ذلك فأراد عمر رضي الله عنه أن يزجر عنه ثم تركه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير أخبرني جابر أن أمير البعث كان غالبا الليثي وقطبة بن عامر الذي دخل على رسول الله صلى الله عليه وسلم النخل وهو محرم ثم خرج من الباب وقد تسور من قبل الجدار وعبد الله بن أنيس الذي سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ليلة القدر وقد دخلت اثنان وعشرون ليلة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم التمسها في هذه السبع الاواخر التي بقين من الشهر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أنه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا تغوط أحدكم فليمسح ثلاث مرات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا رضي الله عنه عن السجود قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمر أن يعتدل في السجود ولا يسجد الرجل وهو باسط ذراعيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال إن الشيطان اذا سمع نداء الصلاة فر وبعد ما بين الروحاء والمدينة له ضراط **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا أسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في كثرة خطا الرجل الى المسجد شيأ فقال هممنا أن ننتقل من دورنا الى المدينة لقرب المسجد فزجرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ذلك وقال لا تعروا المدينة فان لكم فضيلة على من عند المسجد بكل خطوة درجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول خير ما ركبت اليه الرواحل مسجد ابراهيم عليه السلام ومسجدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى أن يستنجى ببعرة أو بعظم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير حدثني جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر عمر بن الخطاب رضي الله عنه عام الفتح أن يأتي البيت وهو بالبطحاء فيهدم كل صورة فيه ولم يدخله حتى يحيت كل صورة فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن المهل قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول مهل أهل المدينة من ذي الحليفة ومهل أهل الطريق الاخرى من الجحفة ومهل أهل العراق من ذات عرق ومهل أهل نجد من قرن ومهل أهل اليمن من يلملم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم حرم ما بين حرتي المدينة لا يقطع منها شجرة الا أن يعلف الرجل بعيره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة

يهما الله لأهله يوم الفطر ابن أبي الدنيا في فضائل رمضان وزاهر في تحفة عيد الفطر (كر) في أماليه وفيه النضر بن طاهر البصري قال البزار لا يتابع على بعض حديثه وقال ابن عدي ضعيف جدا * عن ثوبان بن يزيدان عمر قال اذا حضر شهر رمضان فالنفقة فيه عليك وعلى من تعول كالنفقة في سبيل الله يعني الدرهم بسبعمائة سليم الرازي في عواليه * عن عوف بن مالك قال سمعت عمر بن الخطاب يقول صيام يوم في غير شهر رمضان واطعام مسكين كصيام يوم من

يقول هذا الشهر المبارك الذي فرض الله صيامه ولم يفرض قيامه فيجذر رجل أن يقول أو يوم اذا صام فلان وافطر اذا أفطر فلان الا ان الصيام ليس من الطعام والشراب ولكن من الكذب والباطل والكفر ألا لا تقدموا الشهر اذا رأيتم الهلال فصوموا واذا رأيتموه فافطروا فان غم عليكم فاتموا العدة قال كان يقول ذلك بعد صلاة الفجر وصلاة العصر الحسين بن يحيى القطان في حديثه (هق) * عن عبادة ابن الصامت قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعلمنا هؤلاء الكلمات اذا جاء رمضان اللهم سلمني لرمضان وسلم رمضان لي وسلمه لي متقبلا (طب) في الدعاء الديلمي وسنده حسن * عن ابن عباس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الجنة لتتجدد وتزين من الحول الى الحول لدخول شهر رمضان فاذا كان أول ليلة من شهر رمضان هبت ريح من تحت العرش يقال لها المثيرة تصفق ورق أشجار الجنة وحلق المصاريع فيسمع لذلك طنين لم يسمع السامعون أحسن منه فتبرز الحور العين ويقفن بين شرف الجنة فينادين هل من خاطب الى الله فيزوجه ثم يقال يا رضوان ما هذه الليلة فيجيبهم بالتلبية فيقول باخيرات حسان هذه أول ليلة من شهر رمضان فتحت أبواب الجنان للصائمين من أمة أحمد ويقول الله يا رضوان افتح أبواب الجنان يا مالك اغلق أبواب الجحيم عن الصائمين من أمة أحمد يا جبريل اهبط الى الارض فصفد مردة الشياطين وغلهم بالاغلال ثم اقذف بهم في لجج البحار حتى لا يفسدوا على أمة حبيبي صيامهم ويقول الله في كل ليلة من شهر رمضان ثلاث مرات هل من سائل

فاعطيه سؤله هل من تائب فاتوب عليه هل من مستغفر فاغفر له من يقرض الملئ غير المعدم الوفى غير الظلوم ولله فى كل ليلة من شهر رمضان عند الافطار ألف ألف عتيق من النار فاذا كان ليلة الجمعة أعتق فى كل ساعة منها ألف ألف عتيق من النار كلهم قد استوجبوا العذاب فاذا كان آخر يوم من شهر رمضان أعتق الله فى ذلك اليوم بعدد ما أعتق من أول الشهر الى آخره فاذا كان ليلة القدر يامر الله جبريل فيهبط فى كبكبة من الملائكة الى الارض ومعه لواء أخضر فيركزه على ظهر الكعبة وله ستمائة جناح (٣٢٧) منها جناحان لا ينشرهما الا فى ليلة القدر فينشرهما تلك الليلة فيجاوز المشرق والمغرب ويبث جبريل الملائكة فى هذه الامة فيسلمون على كل قائم وقاعد ويصل وذاكر ويصافحونهم ويؤمنون على دعائهم حتى يطلع الفجر فاذا طلع الفجر نادى جبريل يامعشر الملائكة الرحيل الرحيل فيقولون ياجبريل ماصنع الله فى حوائج المؤمنين من أمة أحمد فيقول ان الله نظر اليهم فعفا عنهم وغفر لهم الا أربعة مدمن الخمر وعاق والديه وقاطع رحم ومشاحن وهو المصارم فاذا كان ليلة الفطر سميت تلك الليلة ليلة الجائزة فاذا كان غداة الفطر بعث الله الملائكة فى كل البلاد فيهبطون الى الارض ويقومون على أفواه السكك فينادون بصوت يسمعه جميع من خلق الله الا الانس والجن فيقولون يا أمة أحمد اخرجوا الى رب كريم يعطى الجزيل ويغفر العظيم فاذا برزوا الى مصلاهم يقول الله تعالى لملائكته ياملائكتى ماجزاء الاجير اذا عمل عمله فيقولون جزاؤه أن توفيه أجره فيقول فانى أشهدكم انى جعلت ثوابهم من صيامهم شهر رمضان وقيامهم رضائى ومغفرتى ويقول ياعبادى سلونى فوعزتى وجلالى لا تسألونى اليوم شيأ فى جمعكم لآخرتكم الا أعطيتكم ولا لدنياكم الا نظرت لكم وعزتى لاسترن عليكم عثراتكم مارا قبتمونى وعزتى لا أخزيكم ولا أفضحكم بين يدى أصحاب الحدود انصرفوا مغفورا لكم قد أرضيتمونى ورضيت عنكم فتفرح الملائكة وتستبشر بما يعطى الله هذه الامة اذا أفطر وا من شهر رمضان (هب كر) وهو ضعيف * عن

حدثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كبروا على موتاكم بالليل والنهار أربع تكبيرات

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن بن موسى الاشيب ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أنه قال رمى رسول الله صلى الله عليه وسلم الجمرة على بعيره بمحصى الخذف وهو يقول لتأخذوا مناسككم فانى لا أدرى لعلى لا أحج بعد حجتى هذه

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من قال حين ينادى المنادى اللهم رب هذه الدعوة التامة والصلاة النافعة صل على محمد وارض عنه رضا لا تسخط بعده استجاب الله له دعوته

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن راهبا أهدى لرسول الله صلى الله عليه وسلم جبة سندس فلبسها رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم أتى البيت فوضعها وأحس بوفد أتوه فامره عمر ان يلبس الجبة للوفد فقال يا رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يصلح لباسها النافى الدنيا ويصلح لنا فى الآخرة ولكن خذها يا عمر فقال تكرهها وآخذها فقال انى لا آمرك أن تلبسها ولكن أرسل بها الى أرض فارس فتصيب بها مالا فارسل بها رسول الله صلى الله عليه وسلم الى النجاشى وكان قد أحسن الى من فر اليه من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يستطعمه فاطعمه رسول الله صلى الله عليه وسلم وسق بعير فما زال الرجل يا كل منه هو واصحابه ووصيف لهم حتى كالوا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو لم تكيلوه لاكلتم منه ولقام لكم

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا أبصرت رسول الله صلى الله عليه وسلم ركبانا فقال نعم ثم أتانا رجل فقد اشترى ناقة ليهدى فقال يهدى الله عز وجل عليها فكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم فسكت رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى سلم ثم دعاه

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان أشد الناس تخفيفا فى الصلاة

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من خاف منكم أن لا يقوم بالليل فليوتر ثم ينام ومن طمع منكم بقيام فليوتر من آخر الليل فان قراءة آخر الليل محضورة وذلك أفضل

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا ضيق أحدكم فلا يضيق عن يمينه ولا بين يديه وليضيق عن يساره أو تحت قدميه

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اكثروا من هذه النعال فانه لا يزال أحدكم راكبا اذا انتعل قال عبد الله قال أبى وفى موضع آخر سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول فى غزو فى غزاها استكثر وا من النعال فان الرجل لا يزال راكبا ما انتعل

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سريج يعنى ابن النعمان ثنا محمد بن طلحة عن الاعمش عن أبى سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قاربوا وسددوا فانه ليس أحد منكم ينجيه عمله قالوا ولا اياك يا رسول الله قال ولا اياى الا ان يتغمدنى الله برحمته

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الله بن الوليد الذى يقال له العدنى ثنا سفيان عن أبى الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سقطت لقمة أحدكم فليمط ما عليها من أذى ثم ليأكلها ولا يدعها للشيطان ولا يمسح أحدكم يده بالمنديل حتى يلعق أصابعه أو يلعقها فانه لا يدرى فى أى طعامه البركة

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا

عائشة انها قالت وحضر رمضان يا رسول الله وقد حضر رمضان فما أقول قال قولي اللهم انك عفو تحب العفو فاعف عني ابن النجار * عن ابن عمر قال انما سمي رمضان لان الذنوب ترمض فيه وانما سمي شوال لانه يشول الذنوب كما تشول الناقة ذنبها (كر) * عن أبي جعفر بن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أستهل هلال شهر رمضان استقبله بوجهه ثم يقول اللهم أهله علينا بالامن والايمان والسلامة والاسلام والعافية المجللة ودفاع الاسقام والعون



رمضان وقد غفرت لنا ورحمتنا وعفوت عنا ثم يقبل على الناس بوجهه فيقول أيها الناس انه اذا أهل هلال شهر رمضان غلت فيه مردة الشياطين وغلقت أبواب جهنم وفتحت أبواب الرحمة ونادى مناد من السماء كل ليلة هل من سائل هل من تائب هل من مستغفر اللهم اعط كل منفق خلفا واعط كل ممسك تلفا حتى اذا كان يوم الفطر نادى مناد من السماء هذا يوم الجائزة فاغدوا لجوائزكم قال محمد بن علي لا تشبه جوائز الامراء (كر) * عن أنس سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أفضل الصيام قال صيام شعبان تعظيما لرمضان فقيل فاي الصدقة أفضل قال صدقة في رمضان ابن شاهين في الترغيب * عن أنس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تدرون لم سمي شعبان شعبان لانه يتشعب فيه لرمضان خير كثير تدرون لم سمي رمضان رمضان لانه يرمض الذنوب وان في رمضان ثلاث ليال من فاتته فاته خير كثير ليلة سبع عشرة وليلة احدى وعشرين وآخرها الليلة فقال عمر يا رسول الله هي سوى ليلة القدر قال نعم ومن لم يغفر له في شهر رمضان اسمعه فاي شهر يغفر له أبو الشيخ في الثواب والديلمي وفيه زياد بن ميمون صاحب الفاكهة كذاب * عن أنس قال ارتقى رسول الله صلى الله عليه وسلم المنبر فقال آمين ثم ارتقى ثانية فقال آمين ثم ارتقى ثالثة فقال آمين ثم استوى فقال أصحابه على ما أمنت يا رسول الله فقال أتاني جبريل فقال يا محمد رغم انف امرئ ذكرت عنده فلم يصل عليك فقلت آمين ثم قال رغم انف امرئ أدرك والديه أو أحدهما فلم يدخلا الجنة

---

ابن الوليد ثنا سفيان ثنا جعفر عن أبيه عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ذكر الساعة احمرت وجنتاه واشتد غضبه كأنه منذر جيش صبحتم مسيتم قال وكان يقول أنا أولى بالمؤمنين من أنفسهم ومن ترك مالا فلاهله ومن ترك دينا أو ضياعا فالي وعلي وأنا أولى بالمؤمنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وغيره قال ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا مجالد عن عامر الشعبي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تسألوا أهل الكتاب عن شيء فانهم لن يهدوكم وقد ضلوا فانكم اما أن تصدقوا بباطل أو تكذبوا بحق فانه لو كان موسى حيا بين أظهركم ما حل له الا ان يتبعني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن عمرو بن دينار عن جابر بن عبد الله قال كنت رجل من المهاجرين رجلا من الانصار فاجتمع قوم ذا وقوم ذا وقال هؤلاء يا للمهاجرين وقال هؤلاء يا للانصار فخرج ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال دعوها فانها منتنة قال ثم قال ألا مالي أدعوى أهل الجاهلية ألا مالي أدعوى أهل الجاهلية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن عاصم عن الشعبي عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تنكح المرأة على عمتها ولا على خالتها ولا المرأة على ابنة أخيها ولا على ابنة أختها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا عبد العزيز بن عبد الله بن أبي سلمة عن محمد بن المنكدر عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لكل نبي حواري وحواري الزبير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال سمعت سفيان بن عيينة يقول الحواري الناصر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد قال سمعت عمرو بن دينار يقول عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن كراء الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد ثنا هشام بن عروة عن وهب بن كيسان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحيا أرضا ميتة فهي له وما أكلت العافية فهو له صدقة فقال رجل يا أبا المنذر قال أبو عبد الرحمن أبو المنذر هشام بن عروة ما العافية قال ما اعتاذها من شيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد يعني ابن سلمة عن عمار بن أبي عمار عن جابر قال أتانا النبي صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر فاطعمتهم رطبا وأسقيتهم ماء فقال النبي صلى الله عليه وسلم هذا من النعيم الذي تسألون عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا شاذان اسود ابن عامر ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال لما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يخلف عليا رضي الله عنه قال قال له علي ما يقول الناس في اذا خلفتني قال فقال له أترضى ان تكون مني بمنزلة هرون من موسى الا انه ليس بعدي نبي أو لا يكون بعدي نبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد بن سلمة عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع فضل الماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن وموسى بن داود قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الارض البيضاء سنتين أو ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن وأحمد بن عبد الملك قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال أحدثني حديثه ثنا أبو الزبير عن جابر قال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بأبي قحافة أو جاء عام الفتح ورأسه ولحيته مثل الثغامة قال حسن فأمر به الى نسائه قال غيروا هذا الشيب قال حسن قال زهير قلت لابي الزبير أقال جنبوه السواد قال لا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو منطلق الى بني المصطلق فأتيته وهو يصلي على بعيره فكلمته فقال بيده هكذا وأشار زهير بكفه ثم كلمته فقال بيده هكذا وأنا

فقلت آمين وقال رغم أنف امرئ أدرك شهر رمضان فلم يغفر له فقلت آمين ابن النجار * (الفصل الثالث في أحكام تتعلق بالصوم * الوقت) * اذا جاء رمضان فصم ثلاثين الا أن ترى الهلال قبل ذلك (طب) عن عدي بن حاتم * الشهر تسع وعشرون فلا تصوموا حتى تروه ولا تفطروا حتى تروه فان غم عليكم فاكملوا العدة ثلاثين (حم ق د) عن ابن عمر * لا تقدموا شهر رمضان بصوم قبله بيوم ولا يومين الا أن يكون رجل كان يصوم صوما فليصمه (حم م ٤) عن أبي هريرة * الصوم يوم تصومون والفطر يوم تفطرون (٣٣٩) والاضحى يوم تضحون (ت) عن أبي هريرة * احصوا هلال شعبان لرمضان (ت ك) عن أبي هريرة * صوموا لرؤيته وافطروا لرؤيته وانسكوا لها فان غم عليكم فاتموا ثلاثين فان شهد شاهدان مسلمان فصوموا وافطروا (حم ن) عن رجال من الصحابة * صوموا من وضح الى وضح (طب) عن والد أبي المليح * (الاهلال) * لا يتم شهران ستين يوما (طب) عن سمرة * انا أمة أمية لا نكتب ولا نحسب الشهر هكذا وهكذا وهكذا وعقد الابهام في الثالثة والشهر هكذا وهكذا وهكذا يعني مرة تسعة وعشرين ومرة ثلاثين (خ م د ن) عن ابن عمر * اذا غاب القمر في الحرة فهو للبلة واذا غاب في البياض فهو لليلتين (خط) في المتفق والمفترق عن ابن عمر وفيه حماد بن لوليد ساقط متهم * (الافعال) * عن ابراهيم قال كتب عمر الى عتبة بن فرقد اذا رأيتم الهلال من أول النهار فافطروا فانه من الليلة الماضية واذا رأيتم من آخر النهار فاتموا صومكم فانه لليلة المقبلة (ش)

أسمعه يقرأ ويومئ برأسه فلما فرغ قال ما فعلت في الذي أرسلتك له فانه لم يمنعني ان أكلمك الا اني كنت أصلي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسود بن عامر أنا حسن بن صالح عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من كان له امام فقراءته له قراءة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا حماد ابن سلمة عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع فضل الماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسود ثنا اسرائيل عن محمد بن علي عن جابر بن عبد الله قال غزونا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فاصبنا جرادا فاكلناه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يقتل شيء من الدواب صبرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يقعد الرجل على القبر أو يقصص أو يبنى عليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الشعار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن أشعث بن سوار عن الحسن عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يدخل مسجدنا هذا مشرك بعد عامنا هذا غير أهل الكتاب وحدهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر رفع الحديث قال أمرت أن أقاتل الناس حتى يقولوا لا اله الا الله فاذا قالوها حرمت علي دماؤهم وأموالهم وعلى الله حسابهم أو حسابهم على الله عز وجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يدخل الحمام الا بمئزر ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يدخل حليلته الحمام ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يقعد على مائدة يشرب عليها الخمر ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يخالون بامرأة ليس معها ذو محرم منها فان ثالثهما الشيطان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر وعن خير بن نعيم عن عطاء عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن ثمن الكلب ونهى عن ثمن السنور حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا يحيى بن سليم عن عبد الله بن عثمان بن خثيم عن أبي الزبير أنه حدثه جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لبث عشر سنين يتبع الحاج في منازلهم في الموسم ويجتمع بعكاظ ومجنة ومنازلهم بمنى من يؤويني من ينصرني حتى أبلغ رسالات ربي عز وجل وله الجنة فلا يجد أحدا ينصره ويؤويه حتى ان الرجل ليرحل من مضر او من اليمن أو زوره حتى فيأتيه قومه فيقولون احذر غلام قريش لا يفتننك ويمشي بين رحالهم يدعوهم الى الله عز وجل يشيرون اليه بالاصابع حتى بعثنا الله عز وجل له من يثرب فيأتيه الرجل فيؤمن به فيقرئه القرآن فينقلب الى أهله فيسلمون بسلامه حتى لا يبقى دار من دور يثرب الا فيها رهط من المسلمين يظهرون الاسلام ثم بعثنا الله عز وجل فاثمرنا واجتمعنا سبعون رجلا منا فقلنا حتى متى ندر رسول الله صلى الله عليه وسلم يطرد في جبال مكة ويخاف فرحلنا حتى قدمنا عليه في الموسم فواعدناه شعب العقبة فقال عمه العباس يا بن أخي اني لا أدري ما هؤلاء القوم الذين جاؤك اني ذو معرفة بأهل يثرب فاجتمعنا عنده من رجل ورجلين فلما نظر العباس رضي الله عنه في وجوهنا قال هؤلاء قوم لا أعرفهم هؤلاء أحداث فقلنا يا رسول الله علام نبايعك قال تبايعوني على السمع

وأبو بكر الشافعي * عن عبد الرحمن بن أبي ليلى ان عمر أجاز شهادة رجل واحد في رؤية الهلال في فطر وأضحى (قط هق) وضعفاه * عن أبي عمير بن أنس قال حدثني عمومتي من الانصار من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قالوا أغمي علينا هلال شوال فاصبحنا صياما فجاء ركب من آخر النهار فشهدوا عند النبي صلى الله عليه وسلم انهم رأوا الهلال بالامس فامر النبي صلى الله عليه وسلم أن يفطروا وأن يخرجوا الى عيدهم من الغد (ش) * عن الحرث عن علي انه كان اذا نظر الى الهلال قال اللهم اني أسألك خير هذا الشهر وفتحه ونصره وبركته ورزقه ونوره

وطهوره وهداه وأعوذ بك من شره وشر ما بعده ابن النجار *(وقت النية)* من لم يجمع الصيام قبل الفجر فلا صيام له (حم ٣) عن حفصة من لم يبيت الصيام من الليل فلا صيام له (ن) عن حفصة *(الاكمال)* من أجمع الصوم من الليل فليهنهم ومن أصبح ولم يجمعه فلا يصم (قط) وابن النجار عن ميمونة *(القضاء والكفارة)* من أدرك رمضان وعليه من رمضان شئ لم يقض فإنه لم يقبل منه حتى يصومه (حم) عن أبي هريرة *من أفطر يوما من (٣٤٠) رمضان في الحضر فليهد بدنة (قط) عن جابر *من أفطر يوما من رمضان في غير رخصة

رخصها الله تعالى لم يقض عنه صيام الدهر كله وان صامه (حم ٤) عن أبي هريرة * من مات وعليه صيام شهر فليطعم عنه وليه مكان كل يوم مسكينا (ت ه) عن ابن عمر *من مات وعليه صيام صام عنه وليه (حم ق د) عن عائشة *(الاكمال)* ان كان قضاء عن رمضان فاقضي يوما مكانه وان كان تطوعا فان شئت فاقضي وان شئت فلا تقضي (حم هق) عن أم هانئ *من كان عليه صوم رمضان فليسرده ولا يقطعه (قط هق) وضعفاه عن أبي هريرة *أرأيت لو كان على أمك دين أكنت قاضيه قال نعم قال فدين الله أحق أن يقضى (طم ت ه) عن ابن عباس ان رجلا قال يا رسول الله ان أمي ماتت وعليها صوم شهر قال فذكره *اقضيا يوما آخر مكانه (ت) عن عائشة قالت كنت أنا وحفصة صائمتين فعرض لنا طعام اشتهيناه فأكلنا منه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكره *يطعم لكل يوم نصف صاع من بر (هق) عن ابن عمر *من مات وعليه صيام فليصم عنه وليه ان شاء البزار عن عائشة *من أفطر يوما من شهر رمضان من غير رخصة ولا عذر كان عليه أن يصوم ثلاثين يوما ومن

أفطر يوما من عليه ستين يوما ومن أفطر ثلاثة أيام كان عليه تسعين يوما (قط) وضعفه وابن صصرى في أماليه والديلمي وابن عساكر عن أنس *(الافعال)* عن عمر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا فاته شئ من شهر رمضان قضاه في عشر ذي الحجة وفي لفظ في شهر ذي الحجة القطيعي في القطعيات (طص) وهو ضعيف *عن علي قال لا تقض رمضان في ذي الحجة ولا تصم يوم الجمعة منفردا ولا تحتجم وأنت صائم (هق)

والطاعة في النشاط والكسل وعلى النفقة في العسر واليسر وعلى الامر بالمعروف والنهي عن المنكر وعلى أن تقولوا في الله لا تأخذكم في لومة لائم وعلى أن تنصروني اذا قدمت يثرب فتمنعوني مما تمنعون منه أنفسكم وأزواجكم وأبناءكم ولكم الجنة فقمنا نبايعه فأخذ بيده أسعد بن زرارة وهو أصغر السبعين فقال رويدا يا أهل يثرب انا لم نضرب اليه أكباد المطي الا ونحن نعلم أنه رسول الله ان اخراجه اليوم مفارقة العرب كافة وقتل خياركم وأن تعضكم السيوف فاما أنتم قوم تصبرون على السيوف اذا مستكم وعلى قتل خياركم وعلى مفارقة العرب كافة فخذوه وأجركم على الله عز وجل واما أنتم قوم تخافون من أنفسكم خيفة فذروه فهو أعذر عند الله قالوا يا أسعد بن زرارة أمط عنا يدك فوالله لا ندر هذه البيعة ولا نستقيلها فقمنا اليه رجلا رجلا يأخذ علينا بشرطة العباس ويعطينا على ذلك الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول اذا أنساني الشيطان شيأ من صلاتي فليسبح الرجال وليصفق النساء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال كان النبي صلى الله عليه وسلم أخف الناس صلاة في تمام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن جعفر بن ربيعة عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال لما كان يوم فتح مكة اهراق رسول الله صلى الله عليه وسلم الخمر وكسر مزاره ونهى عن بيعه وبيع الاصنام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو أن لابن آدم واديا من مال لتمنى واديين ولو أن له واديين لتمنى ثالثا ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب بن عطاء أنا اسرائيل بن يونس عن زيد بن عطاء عن الهيثم عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم غفر الله لرجل كان من قبلكم سهلا اذا باع سهلا اذا اشترى سهلا اذا قضى سهلا اذا اقتضى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الأسود بن عامر ثنا حسن بن صالح عن ليث عن أبي الزبير عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا ينام حتى يقرأ الم تنزيل السجدة وتبارك الذي بيده الملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي أنا سليمان يعني ابن بلال أخبره أو حدثه جعفر بن محمد عن أبيه عن جابر بن عبد الله سمعه منه قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم مكة قال فطاف سبعا ورمل ثلاثا ومشى أربعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي ثنا مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بدأ بالحجر فرمل حتى عاد اليه ثلاثا ومشى أربعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن محمد ثنا سليمان بن قرم عن أبي يحيى القتات عن مجاهد عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مفتاح الجنة الصلاة ومفتاح الصلاة الطهور هكذا وقع في الاصل حسن والصواب حسين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة أنا أبو الزبير عن جابر انه قال أمر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم بيوم عاشوراء ان نصومه وقال هو يوم كانت اليهود تصومه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر ان أم مالك البهزية كانت تهدي في عكة لها سمنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فيبيتون هايسألونها الادام وليس عندها شئ فعمدت الى عكتها التي كانت تهدي فيها الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فوجدت فيها سمنا فما زال يدوم لها ادمهم بيتها حتى عصرته وأتت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أعصرتيه قالت نعم قال لو تركتيه ما زال

*عن عمر قال من مرض في رمضان فادركه رمضان آخر مريضا فلم يصم هذا الا آخر لم يصم الاول و يطعم عن كل يوم من رمضان الاول مدا (عب)
* عن عمر قال ما من أيام أحب الى أن أقضي فيها شهر رمضان من أيام العشر (هق) *عن أم سلمة انها كانت تقول لاهلها من كان عليه شئ من رمضان فليصمه من الغد من يوم الفطر فمن صام الغد من يوم الفطر فكأنما صام في رمضان ابن زنجويه *عن علي في قضاء رمضان قال تتابعا (عب هق) *عن أبي هريرة قال بينا جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال هلكت (٣٤١) قال وما أهلكك قال وقعت على امرأتي في رمضان قال أعتق رقبة قال لا أجد قال صم شهرين قال لا أستطيع قال أطعم ستين مسكينا قال لا أجد قال اجلس فجلس فبينما هو كذلك اذ أتي بعرق فيه تمر فقال له النبي صلى الله عليه وسلم اذهب فتصدق به قال والذي بعثك بالحق ما بين لابتي المدينة أهل بيت أفقر اليه منا فضحك حتى بدت أنيابه ثم قال انطلق فاطعمه عيالك (ش) *عن أبي هريرة قال انما الصوم في الكفارة لمن لم يجد (عب) * عن أبي أيوب بن أبي تميمة قال ضعف أنس عن الصوم فصنع جفنة من ثريد ودعا بثلاثين مسكينا فاطعمهم (ع كر)

*(المبيح والمفسد)*

كل شئ للرجل حل من المرأة في صيامه ما خلا ما بين رجليها (طس) عن عائشة *ان الشيخ يملك نفسه (حم طب) عن ابن عمرو *من ذرعه القيء وهو صائم فليس عليه قضاء ومن استقاء فليقض (٤ ك) عن أبي هريرة * لا يفطر من نام ولا من احتلم ولا من احتجم (د) عن رجل * أفطر الحاجم والمحجوم (حم دن ه حب ك) عن ثوبان وهو متواتر *خمس خصال يفطرن الصائم وينقضن الوضوء الكذب والغيبة والنميمة والنظر بالشهوة واليمين الكاذبة الازدي في الضعفاء (فر) عن أنس *من نسي وهو صائم فاكل أو شرب فليتم صومه فانما أطعمه الله وسقاه (حم ق ه) عن أبي هريرة *ثلاث لا يفطرن الصائم الحجامة والقيء والاحتلام (ت) عن أبي سعيد *(الا كمال)* أفطر الحاجم والمحجوم والمستحجم ابن جرير عن أبي هريرة *ثلاث لا يعرض أحدكم نفسه لها وهو صائم الحجامة والحمام والنظر الى المرأة الشابة الديلمي عن أبي امامة *للصائم

زال ذلك لك مقيما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير انه سأل جابرا أقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كان لابن آدم واد تمنى آخر فقال جابر سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لو كان لابن آدم واد من ذهب تمنى مثله ثم تمنى مثله حتى يتمنى أودية ولا يملأ جوف ابن آدم الا التراب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فيما سقت السماء والعيون العشر وفيما سقت السانية نصف العشر حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا هرون ثنا ابن وهب حدثني عمرو بن الحرث حدثني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يذكر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فيما سقت الانهار والغيم العشور وفيما سقت السانية نصف العشر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال زجر رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يبال في الماء الراكد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ربنا عز وجل الصيام جنة يستجير بها العبد من النار وهو لي وأنا أجزي به حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا هل سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تصوموا حتى تروا الهلال فان غبي عليكم فاتموا ثلاثين وقال جابر هجرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم شهرا فنزل لتسع وعشرين وقال انما الشهر تسع وعشرون حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا متى كان يحب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اما المؤمل يوم فضحى واما بعد ذلك فغدوا وال الشمس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا أعجبت أحدكم المرأة فليعمد الى امرأته فليواقعها فان ذلك يرد ما في نفسه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عما أبو الزبير قال سألت جابرا عن شأن ثقيف اذ بايعت فقال اشترطت على رسول الله صلى الله عليه وسلم أن لا صدقة عليها ولا جهاد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال وأخبرني جابر يحدث رسول الله صلى الله عليه وسلم قال سيصدقون ويجاهدون اذا أسلموا يعني ثقيفا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في غزوة تبوك بعد ان رجعنا ان بالمدينة لاقواما ما سرتم مسيرا ولا هبطتم واديا الا وهم معكم حبسهم المرض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أنهم غزوا غزوة فيما بين مكة والمدينة فهاجت عليهم ريح شديدة حتى دفعت الرجال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا لموت المنافق فرجعنا الى المدينة فوجدنا منافقا عظيم النفاق قد مات حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا ابو الزبير قال سألت جابرا عن العقبة فقال شهدها سبعون فوافقهم رسول الله صلى الله عليه وسلم وعباس بن عبد المطلب آخذ بيده فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أخذت وأعطيت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليسيرن راكب في جنب وادي المدينة ليلة وان لقد كان في هذه مرة حاضرة من المؤمنين كثير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال وأخبرني جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ليتركنها أهلها امر طيبة قالوا فمن يأكلها يا رسول الله قال عافية الطير والسباع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن

فى آخر النهار فى رمضان أن يحتجم أبو نعيم عن أنس * لا بأس بريحان يشمها الحاكم فى الكنى عن أنس سئل النبى صلى الله عليه وسلم عن رجل يقبل امرأته فى رمضان قال فذكره * اذا أكل الصائم ناسيا أو شرب ناسيا فانما هو رزق ساقه الله اليه ولا قضاء عليه (قط) وصححه عن أبى هريرة * يستاك الصائم برطب السواك ويابسه أول النهار وآخره (قط) وضعفه (عق) وقال غير محفوظ عن أنس * (الافعال) * عن حنظلة قال كنت عند عمر فى رمضان فافطر (٣٤٢) وأفطر الناس فصعد المؤذن ليؤذن فقال أيها الناس هذه الشمس لم تغرب فقال عمر من كان أفطر فليصم يوما مكانه (هق) * عن زيد بن وهب قال بينما نحن جلوس فى مسجد المدينة فى رمضان فى يوم اسماء متغيمة رأينا ان الشمس قد غابت وانا قد أمسينا فشرب عمر وشربنا فلم نلبث ان ذهب السحاب وبدت الشمس فجعل بعضنا يقول لبعض نقضى يومنا هذا فقال عمر والله ما نقضيه ولا نجانفه لاثم أبو عبيد فى الغريب (هق) * عن سعيد بن المسيب قال خرج عمر بن الخطاب على أصحابه فقال أفتونى فى شئ صنعته اليوم فقالوا ما هو يا أمير المؤمنين قال مرت بى جارية فاعجبتنى فوقعت عليها وأنا صائم فعظم ذلك على القوم وعلى ساكت فقال ما تقول يا ابن أبى طالب فقال جئت حلالا ويوم مكان يوم فقال أنت خيرهم فتوى ابن سعد * عن عبيد الله عن جابر قال انما قال النبى صلى الله عليه وسلم أفطر الحاجم والمحجوم لانه مر بهما وهما يغتابان رجلا فى رمضان ابن جرير * عن أبى رافع قال دخلت على أبى موسى ايلا وهو يحتجم فقلت أكان هذا نهارا فقال آتامرنى أن أهريق دمى وأنا صائم وقد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أفطر الحاجم والمحجوم ابن جرير * عن فضالة بن عبيد ان النبى صلى الله عليه وسلم دعا ذات يوم بشربة فقيل يا رسول الله ان هذا يوم كنت تصومه قال أجل قئت فافطرت (ع كر) * عن أنس قال مطرت السماء بردا فقال أبو طلحة ناولنى من هذا البرد فناوله فجعل يأكل وهو صائم فقلت له يأكل صائم فقال لى يا ابن أخى انه ليس بطعام ولا شراب وانما هو بركة من السماء نطهر به بطوننا

---

لهيعة ثنا أبو الزبير أخبرنى جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليأتين على المدينة زمان ينطلق الناس فيها الى الآفاق يلتمسون الرخاء فيجدون رخاء ثم يأتون فيحملون باهليهم الى الرخاء والمدينة خير لهم لو كانوا يعلمون * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير أخبرنى جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول رؤيا الرجل المؤمن جزء من ستة وأربعين جزءا من النبوة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن عسيرة الارحوان فقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا أركبها ولا ألبس قميصا مكفوفا بحرير ولا ألبس القسى حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن الفارة تموت فى السمن أو الشراب أو الطعام قال لا زجر رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ذلك كانضع السمن فى الجرار فقال اذا ماتت الفأرة فيه فلا تقربوه حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن الضبة فقال أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم به فقال لا أطعمه وقذره فقال عمر بن الخطاب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يحرمه وان الله عز وجل لينفع به غير واحد وهو طعام عامة الرباع ولو كان عندى لطعمته حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يقيم أحدكم أخاه يوم الجمعة ثم يخالفه الى مقعده فيقعد فيه ولكن ليقولن تفسحوا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يتولى مولى الرجل بغير اذنه فقال كتب رسول الله صلى الله عليه وسلم على كل بطن عقولهم ثم كتب انه لا يحل أن يتولى مولى رجل مسلم بغير اذنه حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لعن فى صحيفته من فعل ذلك حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من ترك دينارا فهو كية حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا ثوب بالصلاة فتحت أبواب السماء واستجيب الدعاء حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما ونظر الى الشام فقال اللهم اقبل بقلوبهم ونظر الى العراق فقال نحو ذلك ونظر قبل كل آفق ففعل ذلك وقال اللهم ارزقنا من ثمرات الارض وبارك لنا فى مدنا وصاعنا حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول طير كل عبد فى عنقه حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير سمع جابر بن عبد الله انه قال ان أزواج رسول الله صلى الله عليه وسلم سألنه النفقة فلم يوافق عنده شئ حتى أحرجنه فأتاه أبو بكر فاستأذن عليه فلم يؤذن له ثم أتاه عمر فاستأذن عليه فلم يؤذن له ثم استأذن بعد ذلك فأذن لهما ووجداه يهن فقال له عمر يا رسول الله ان ابنة زيد سألتنى النفقة فوجأتها أو نحو ذلك وأراد بذلك أن يضحكه فضحك حتى بدت نواجذه وقال والذى نفسى بيده ما حبسنى غير ذلك فقاما الى ابنتيهما فاخذا بأيديهما فقالا ألا تسألان رسول الله صلى الله عليه وسلم ما ليس عنده فنهاهما وقالا يا رسول الله صلى الله عليه وسلم عنهما فقالتا لا والله فعند ذلك نزل التخيير حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا سريج بن النعمان ثنا عبد الله بن نافع عن ابن أبى ذئب عن ابن أخى جابر بن عبد الله عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم المجالس بالامانة الا ثلاثة مجالس مجلس يسفك

فأتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكرت له ذلك فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم خذ من أدب عملك الديلمي * عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم سئل عن الصائم يقبل فقال ربما يحتمي يشمها ولا باس بذلك الديلمي * عن أبي سعيد انه كان لا يرى بالحجامة للصائم باسا وقال انما كرهت الحجامة للصائم مخافة الضعف ابن جرير * عن ابن عباس قال احتجم رسول الله صلى الله عليه وسلم بالقاحة بين مكة والمدينة وهو صائم محرم ابن جرير * عن عطاء ان النبي صلى الله عليه وسلم احتجم بالقاحة وهو محرم صائم (٣٤٣) فغشي عليه فبنى أن يحتجم الرجل وهو صائم ابن جرير * عن عامر ابن ربيعة قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يستاك وهو صائم ابن النجار * عن عمر قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح وانه لينفض رأسه يتطاير منه الماء من غسل جنابة في رمضان سمويه * عن زياد بن جبر قال رأيت عمر أكثر الناس صياما وأكثرهم سواكا ابن سعد * عن يحيى بن سعيد بن أبي بكر ابن محمد بن عمرو بن حزم عن عبيد الله بن عبد الله بن عمر ان عائشة امرأة عمر قبله وهو صائم ولم ينهها ابن سعد * عن عائشة قالت أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم رجل فقال أأقبل في رمضان قال نعم ثم أتاه آخر فقال أقبل في رمضان قال لا فقلت يا رسول الله أذنت لذلك ومنعت هذا فقال ان الذي أذنت له شيخ كبير علمت اربه والذي منعته رجل شاب لا علمت اربه فلذلك منعته ابن النجار * (الرخصة) * ان الله تعالى تصدق بافطار الصائم على مرضى أمتي ومسافريهم أفيحب أحدكم أن يتصدق على أحد بصدقة

---

به فلك فيه دم حرام ومجلس يستحل فيه فرج حرام ومجلس يستحل فيه مال من غير حق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن يعني ابن محمد وعبد الجبار بن محمد الخطابي قالا ثنا عبيد الله يعني ابن عمرو الرقي عن عبد الكريم عن عطاء عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة في مسجدي هذا أفضل من ألف صلاة فيما سواه الا المسجد الحرام وصلاة في المسجد الحرام أفضل من مائة ألف صلاة قال حسين فيما سواه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل قال قال لجابر بن عبد الله صل بنا كما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي فصلى بنا في ثوب واحد وشده تحت الثندوتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا أبو اسحق عن الاوزاعي حدثني أبو عمار حدثني جابر لجابر بن عبد الله قال قدمت من سفر فجاءني جابر بن عبد الله وسلم علي فجعلت احدثه عن افتراق الناس وما احدثوا فجعل جابر يبكي ثم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الناس دخلوا في دين الله أفواجا وسيخرجون منه أفواجا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سيار بن حاتم ثنا جعفر يعني ابن سليمان ثنا الجعد أبو عثمان ثنا أنس ابن مالك عن جابر بن عبد الله الانصاري قال شكا أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم اليه العطش قال فدعا بعس فصب فيه شيء من ماء فوضع رسول الله صلى الله عليه وسلم فيه يده وقال اسقوا فاستقى الناس قال فكنت أرى العيون تنبع من بين أصابع رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا محمد بن راشد عن سليمان بن موسى عن عطاء عن جابر قال كنا نصيب مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في مغازينا من المشركين الاسقية والاوعية فنقسمها وكلها ميتة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نتمسح بعظم أو بعر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا فليح عن سعيد بن الحرث عن جابر بن عبد الله الانصاري أن النبي صلى الله عليه وسلم دخل مر رجل من أصحابه على رجل من الانصار في حائط وهو يحول الماء فقال عندك ماء بات الليلة في شن والا كرعنا فقال عندي ماء بائت فانطلق الى عريش فخلى لحساة ثم صب على ماء بائت ثم سقاه وصنع بصاحبه مثل ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير وهو أبو أحمد الزبيري قال أنا عبد الرحمن يعني ابن الغسيل عن عاصم بن عمر بن قتادة عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان كان أوان يكون في شيء من أدويتكم خير ففي شرطة محجم أو شربة عسل أو لذعة بنار توافق داء وما أحب أن أكتوي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن الصباح ثنا اسمعيل بن زكريا عن عبد الله بن عثمان بن خثيم عن عبد الرحمن بن سابط وأبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اهد ثقيفا قال عبد الله وسمعته أنا من محمد بن الصباح فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الهاشمي ثنا اسمعيل يعني ابن جعفر أخبرني داود بن بكر بن أبي الفرات عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما اسكر كثيره فقليله حرام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق ثنا ابن المبارك عن محمد بن اسحق قراءة حدثني صدقة بن يسار عن عقيل بن جابر عن جابر بن عبد الله قال نزوجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة ذات الرقاع فاصابت امرأة من المشركين فلما انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم قافلا وجاء زوجها وكان غائبا فحلف أن لا ينتهي حتى يهريق دما في أصحاب محمد صلى الله عليه وسلم فخرج يتبع أثر النبي صلى الله

---

ثم يظل يردها عليه (ذر) عن ابن عمر * ان الله تعالى وضع عن المسافر الصوم وشطر الصلاة (حم) عن أنس بن مالك القشيري وماله غيره * انكم مصبحو عدوكم والفطر أقوى لكم فافطروا (حم م) عن أبي سعيد * صائم رمضان في السفر كالمفطر في الحضر (ه) عن عبد الرحمن ابن عوف (ن) عنه موقوفا * ليس من البر الصيام في السفر (حم ق د ن) عن جابر (ه) عن ابن عمر * ليس من البر الصيام في السفر فعليكم برخصة الله التي رخص لكم فاقبلوها (ن حب) عن جابر * من كان له حولة يأوي الى شبع وري فليصم رمضان حيث أدركه (حم د) عن سلمة

ابن المحبق * من أفطر يوما من رمضان فمات قبل أن يقضيه فعليه بكل يوم مد لمسكين (حل) عن ابن عمر * (الاكمال) * سنة يطوفون في شهر رمضان المسافر والمريض والحبلى اذا خافت أن تضع ما في بطنها والمرضع اذا خافت الفساد على ولدها والشيخ الفاني الذي لا يطيق الصيام والذي يدركه الجوع والعطش ان هو تركهما مات الديلمي عن أنس * من أصابه جهد في رمضان فلم يفطر فمات دخل النار الديلمي والخطيب عن ابن عمر * ان شئت فصم وان شئت (٢٤٤) فافطر (ط حم م د ن) وابن خزيمة (حب قط) من طرق عن حمزة بن عمرو الاسلمي عن أبيه

عن جده مالك (حم خ ت ن ه) عن عائشة * من أفطار فرخصة ومن صام فالصوم أفضل يعني في السفر (ص) عن أنس * ليس من امبر امصيام في امسفر (ع حم طب هق) عن كعب بن عاصم الاشعري * (الافعال) * عن ابن عباس قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم عام الفتح في شهر رمضان فصام حتى بلغ الكديد ثم أفطر (ع ش) * أيضا خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم في شهر رمضان فصام حتى مر بقديد في الطريق وذلك في نحر الظهيرة فعطش الناس وجعلوا يعدون أعناقهم وتتوق أنفسهم فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بقدح فيه ماء فامسكه على يده حتى رآه الناس ثم شرب فشرب الناس (ع ب) * عن ابن عمر ان رجلا سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن الصوم في شهر رمضان في السفر فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم افطار فقال اني أقوى على الصوم يا رسول الله فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أنت أقوى أم الله ان الله تصدق بافطار الصائم على مرضى أمتي ومسافريهم أيحب أحدكم أن يتصدق على أحد بصدقة ثم يظل يردها عليه ، المبارك (عب) وفي سنده اسمعيل بن رافع متروك * عن طاوس ان النبي صلى الله عليه وسلم صام في السفر وأفطر فلا يعاب على من صام ولا على من أفطر ومن صام خير من أفطار (عب) * عن عمر انه أمر رجلا صام في رمضان في السفر أن يقضيه (عب) وابن شاهين في السنة وجعفر الفريابي في سننه * عن عمر قال من كان في سفر في رمضان فعلم انه داخل المدينة في أول يومه دخل وهو صائم مالك * عن عمر انه سافر في آخر رمضان

عليه وسلم فنزل النبي صلى الله عليه وسلم منزلا فقال من رجل يكلؤنا ليلتنا هذه فانتدب رجل من المهاجرين ورجل من الانصار فقالا نحن يا رسول الله قال فكونوا بفم الشعب قال وكانوا نزلوا الى شعب من الوادي فلما خرج الرجلان الى فم الشعب قال الانصاري للمهاجري أي الليل أحب اليك أن أكفيكه أوله أو آخره قال اكفني أوله فاضطجع المهاجري فنام وقام الانصاري يصلي وأتى الرجل فلما رأى شخص الرجل عرف أنه ربيئة القوم فرماه بسهم فوضعه فيه فنزعه فوضعه وثبت قائما ثم رماه بسهم آخر فوضعه فيه فنزعه فوضعه وثبت قائما ثم عاد له بثالث فوضعه فيه فنزعه فوضعه ثم ركع وسجد ثم أهب صاحبه فقال اجلس فقد أوتيت فوثب فلما رآهما الرجل عرف ان قد نذر به فهرب فلما رأى المهاجري ما بالانصاري من الدماء قال سبحان الله ألا أهبيتني قال كنت في سورة أقرؤها فلم أحب أن أقطعها حتى أنفذها فلما تابع الرمي ركعت فآذنتك وأيم الله لولا أن أضيع ثغرا أمرني رسول الله صلى الله عليه وسلم بحفظه لقطع نفسي قبل أن أقطعها أو أنفذها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى أخبرني مالك بن أنس عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى أن يأكل الرجل بشماله أو يمشي في نعل واحدة وأن يشتمل الصماء وأن يحتبي في ثوب واحد كاشفا عن فرجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق حدثني مالك عن هاشم بن عتبة بن أبي وقاص قال سمعت عبد الله بن نسطاس يحدث عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يحلف أحد على منبري كاذبا الا تبوأ مقعده من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى وأبو سعيد يعني مولى بني هاشم المعنى وهذا لفظ اسحق قالا ثنا عبد الرحمن بن أبي الموال المدني ثنا محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يعلمنا الاستخارة كما يعلمنا السورة من القرآن يقول اذا هم أحدكم بالامر فليركع ركعتين من غير الفريضة ثم ليقل اللهم اني أستخيرك بعلمك وأستقدرك بقدرتك وأسألك من فضلك العظيم فانك تقدر ولا أقدر وتعلم ولا أعلم وأنت علام الغيوب اللهم فان كنت تعلم هذا الامر يسميه باسمه خير الى في ديني ومعاشي قال أبو سعيد ومعيشتي وعاقبة أمري فاقدره لي ويسره لي ثم بارك لي فيه اللهم وان كنت تعلمه شرا الى في ديني ومعاشي وعاقبة أمري فاصرفني عنه واصرفه عني واقدر لي الخير حيث كان ثم رضني به قال أبو عبد الرحمن ثناه منصور بن أبي مزاحم ثنا عبد الرحمن ابن أبي الموال عن محمد بن المنكدر عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق حدثني فليح بن سليمان المدني عن سعيد بن الحوث عن جابر بن عبد الله الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى قوما من الانصار يعود مريضا فاستقاهم وجدول قريب منه فقال ان كان عندهم ماء قدبات في شن والا كرعنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا المنكدر بن محمد بن المنكدر عن أبيه عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل معروف صدقة ومن المعروف ان تلقى أخاك بوجه طلق وان تفرغ من دلوك في اناء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن يزيد ثنا سعيد بن أبي أيوب عن عمر بن جابر الحضرمي عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من صام رمضان وستة أيام من شوال فكأنما صام السنة كلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا

وقال ان الشهر قد تسعة وعشرين فلا تصوموا حتى تروا الهلال أو يشهد شاهدان مسلمان بقيته أبو عبيد في الغريب * عن علي قال من أدركه رمضان وهو مقيم ثم سافر فقد لزمه الصوم لان الله يقول فمن شهد منكم الشهر فليصمه وكيع وعبد بن حميد وابن جرير وابن أبي حاتم * (الفصل الرابع في آداب الصوم والافطار * آداب الصوم) * اذا جهل على احدكم وهو صائم فليقل اني صائم اعوذ بالله منك اني صائم ابن السني عن أبي هريرة * اذا كان يوم صوم أحدكم فلا يرفث ولا يجهل فان امرؤ شاتمه أو قاتله فليقل اني صائم مالك (ق د ه) عن أبي هريرة * الصائم في عبادة ما لم يغتب (٣٤٥) مسلما أو يؤذه (فر) عن أبي هريرة * الصائم في عبادة من حين يصبح الى أن يمسي ما لم يغتب فاذا اغتاب خرق صومه (فر) عن ابن عباس * ليس الصيام من الاكل والشرب انما الصيام من اللغو والرفث فان سابك أحد أو جهل عليك فقل اني صائم اني صائم (ك هق) عن أبي هريرة * اذا صمتم فاستاكوا بالغداة ولا تستاكوا بالعشي فانه ليس من صائم ييبس شفتاه بالعشي الا كان نورا بين عينيه يوم القيامة (طب قط) عن خباب * خير خصال الصائم السواك (هق) عن عائشة * (الا كمال) * ان الصائم اذا لم يدع قول الزور والعمل به والجهل فليس لله حاجة في أن يدع طعامه وشرابه (ن) عن أبي هريرة * يقول الله عز وجل من لم يصم جوارحه عن محارمي فلا حاجة لي في أن يدع طعامه وشرابه أبو نعيم عن ابن مسعود * لا تكتحل بالنهار وأنت صائم اكتحل ليلا بالاثمد فانه يجلو البصر وينبت الشعر البغوي (هق)

---

المبارك ثنا بكر بن عبد الله المزني عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الموجبتان من لقي الله عز وجل ولا يشرك به شيأ دخل الجنة ومن لقي الله عز وجل وهو مشرك دخل النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا عبد العزيز يعني ابن عبد الله عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لكل نبي حواريا وان حواري الزبير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا ليث بن سعيد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال لم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يغزو في الشهر الحرام الا ان يغزى أو يغزو فاذا حضره أقام حتى ينسلخ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود وحسن بن موسى قالا حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال حسن في حديثه قال حدثنا أبو الزبير عن جابر رضي الله عنه انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول غفار غفر الله لها وأسلم سالمها الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول غلظ القلوب والجفاء قبل المشرق والايمان والسكينة في أهل الحجاز **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر أن عمر بن الخطاب أخبره انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول لا تخرجن اليهود والنصارى من جزيرة العرب حتى لا أذر فيها الا مسلما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال قبل ان يموت بشهر تسألوني عن الساعة وانما علمها عند الله أقسم بالله ما على الارض نفس منفوسة اليوم يأتي عليها مائة سنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول بين يدي الساعة كذابون فمنهم صاحب اليمامة ومنهم صاحب صنعاء العنسي ومنهم صاحب حمير ومنهم الدجال وهو أعظمهم فتنة قال جابر وبعض أصحابي يقول قريب من ثلاثين كذابا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول انا فرطكم بين أيديكم فاذا لم تروني فانا على الحوض قدر ما بين ايلة الى مكة وسيأتي رجال ونساء بقرب وآنية فلا يطعمون منه شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول لا تزال طائفة من أمتي يقاتلون على الحق ظاهرين الى يوم القيامة قال فينزل عيسى بن مريم عليه السلام فيقول أميرهم تعال صل بنا فيقول لا ان بعضكم على بعض أمير لتكرمة الله هذه الامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا عن الورود فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول نحن يوم القيامة على كوم فوق الناس فيدعى بالامم بأوثانها وما كانت تعبد الاول فالاول ثم يأتينا ربنا عز وجل بعد ذلك فيقول ما تنتظرون فيقولون ننتظر ربنا عز وجل فيقول أنا ربكم فيقولون حتى ننظر اليه قال فيتجلى لهم عز وجل وهو يضحك ويعطي كل انسان منهم منافق ومؤمن نورا وتغشاه ظلمة ثم يتبعونه معهم المنافقون على جسر جهنم فيه كلاليب وحسك يأخذون من شاء ثم يطفأ نور المنافقين وينجو المؤمنون فتنجو أول زمرة وجوههم كالقمر ليلة البدر سبعون ألفا لا يحاسبون ثم الذين يلونهم كأضوأ نجم في السماء ثم ذلك حتى تحل الشفاعة فيشفعون حتى يخرج من قال لا اله الا الله ممن في قلبه ميزان شعيرة فيجعل بفناء الجنة ويجعل أهل الجنة يهريقون عليهم من الماء حتى ينبتون نبات الشئ في السيل ويذهب حريقهم ثم يسأل الله



والديلمي عن عبد الرحمن بن النعمان بن معبد بن هوذة الانصاري عن أبيه عن جده * (الافطار) * لا يزال الدين ظاهرا ما عجل الناس الفطر كان اليهود والنصارى يؤخرون (د ك) عن أبي هريرة * اذا قرب الى أحدكم طعام وهو صائم فليقل بسم الله والحمد لله اللهم لك صمت وعلى رزقك أفطرت وعليك توكلت سبحانك وبحمدك تقبل مني انك أنت السميع العليم (قط) في الافراد عن أنس * اذا كان أحدكم صائما فليفطر على التمر فان لم يجد التمر فعلى الماء فان الماء طهور (د ك هق) عن سلمان بن عامر

*اذا أقبل الليل من ههنا وههنا وغربت الشمس فقد أفطر الصائم (د ت) عن عمر * انا معشر الانبياء أمرنا أن نعجل افطارنا ونؤخر سحورنا ونضع أيماننا على شمائلنا في الصلاة الطيالسي عن ابن عباس * عجلوا الافطار وأخروا السحور (طب) عن أم حكيم * قال الله تعالى أحب عبادي الي أعجلهم فطرا (حم ت حب) عن أبي هريرة * لن تزال أمتي على سنتي مالم ينتظروا بفطارهم طلوع النجم (طب) عن أبي الدرداء * لاتزال أمتي بخير ما عجلوا الافطار (٣٤٦) واخروا السحور (حم) عن أبي ذر * من أكل قبل أن يشرب وتسحر ومس شيأ من الطيب

قوى على الصيام (هب) عن أنس * ثلاثة من فعلهن أطاق الصوم من أكل قبل أن يشرب وتسحر وقال البزار عن أنس (الا كمال) اذا أفطر أحدكم فليفطر على تمر فان لم يجد فليحس حسوة من ماء (حب) عن سلمان * من فقه الرجل في دينه تعجيل فطره وتأخير سحوره وتسحروا فانه الغذاء المبارك (ك) وابن عساكر عن ابن عمر وأنس معا * (الاصل) * عن عطاء انه ذكر لعمر المضمضة للصائم قال لا يمجه ولكن ليشربه فان أوله خيره أبو عبيد * عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يفطر قبل الصلاة (كر) * عن عمر بن جميع عن أبان عن أنس عن النبي صلى الله عليه وسلم قال ما من مسلم يصوم ويقول عند افطاره يا عظيم يا عظيم أنت الهي لا اله غيرك اغفر لي الذنب العظيم فانه لا يغفر الذنب العظيم الا العظيم الاخرج من ذنوبه كيوم ولدته أمه وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم علموا صغيركم فانها كلمة يحبها الله ورسوله ويصلح بها أمر الدنيا والآخرة (كر) وقال شاذ غير ثقة وفي اسناده مجاهيل * عن حميد بن عبد الرحمن بن عوف ان عمر وعثمان كانا يصليان المغرب في رمضان حتى ينفطران الى الليل الاسود قبل أن يفطر الناس بعد الصلاة مالك (عب ش هق) * عن ابن المسيب عن أبيه قال كنت جالسا عند عمر اذ جاءه راكب من الشام فطفق عمر يستخبره عن حالهم فقال هل يعجل أهل الشام الفطر قال نعم قال لن يزالوا بخير ما فعلوا ذلك ولم ينتظروا النجوم انتظار أهل العراق (عب ش هق) وجعفر الفريابي في سننهم والجوهري في اماليه * (الفصل الخامس في محظورات الصوم * النهي عن

عز وجل حتى يجعل له الدنيا وعشرة أمثالها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابر بن عبد الله عن فتاني القبر فقال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول ان هذه الامة تبتلى في قبورها فاذا أدخل المؤمن قبره وتولى عنه أصحابه جاءه ملك شديد الانتهار فيقول له ما كنت تقول في هذا الرجل فيقول المؤمن أقول انه رسول الله وعبده فيقول له الملك انظر الى مقعدك الذي كان في النار قد أبدلك الله منه وأبدلك بمقعدك الذي ترى من النار مقعدك الذي ترى من الجنة فيراهما كلاهما فيقول المؤمن دعوني أبشر أهلي فيقال له اسكن وأما المنافق فيقعد اذا تولى عنه أهله فيقال له ما كنت تقول في هذا الرجل فيقول لا أدري أقول ما يقوله الناس فيقال له لا دريت هذا مقعدك الذي كان لك من الجنة قد أبدلت مكانه مقعدك من النار قال جابر فسمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول يبعث كل عبد في القبر على مات المؤمن على ايمانه والمنافق على نفاقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا عن الجنازة قال قام رسول الله صلى الله عليه وسلم لجنازة مرت ومن معه حتى توارت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول أرجو أن يكون من يتبعني من أمتي يوم القيامة ربع أهل الجنة قال فكبرنا ثم قال ارجو ان يكونوا ثلث الناس قال فكبرنا ثم قال ارجو أن يكونوا الشطر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول لا يمرض مؤمن ولا مؤمنة ولا مسلم ولا مسلمة الا حط الله عز وجل بها عنه خطيئته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير من جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم دعا عند موته بصحيفة ليكتب فيها كلاما لا يضلون بعده قال فخالف عليها عمر بن الخطاب حتى رفعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه قال سألت جابرا فقال النبي صلى الله عليه وسلم أفضل الجهاد من عقر جواده وأريق دمه فقال جابر نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول أفضل الصدقة صدقة عن ظهر غنى وابدأ بمن تعول واليد العليا خير من اليد السفلى **حدثنا** عبد الله حدثني حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا أسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا دخل الرجل بيته يسلم المؤمن يأكل في معي واحد قال نعم قال وسألت جابرا أسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا دخل الرجل بيته فذكر اسم الله حين يدخل وحين يطعم قال الشيطان لا مبيت لكم ولا عشاء ههنا وان دخل فلم يذكر اسم الله عند دخوله قال أدركتم المبيت وان لم يذكر اسم الله عند مطعمه قال أدركتم المبيت والعشاء قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا عن خادم الرجل اذا كفاه المشقة والحر فقال أمرنا النبي صلى الله عليه وسلم ان ندعوه فان كره أحدنا ان يطعم معه فليطعمه أكلة في يده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا أسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يزني الزاني حين يزني وهو مؤمن ولا يسرق حين يسرق وهو مؤمن قال جابر لم أسمعه قال جابر وأخبرني ابن عمر انه قد سمعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير ان جابرا أخبره انهم غزوا غزوة بين مكة والمدينة فهاجت علينا ريح شديدة فقال النبي صلى الله عليه وسلم انها لموت منافق فرجعنا الى المدينة

الوصال *لا وصال في الصوم الطيالسي عن جابر *(الاكمال) *انما يفعل ذلك النصارى يعني الوصال ولكن صوموا كما أمركم الله عز وجل ثم أتموا الصيام الى الليل فاذا كان الليل فافطروا (طب ص) عن ليلى امرأة بشير الخصاصية *لا تواصلوا قالوا انك تواصل قال اني لست كاحدكم اني أطعم وأسقى (خ ت ٤) عن أنس *(صيام الدهر) *لا صام من صام الابد (ق ن ه) عن ابن عمر *لا صام من صام الدهر صوم ثلاثة أيام صوم الدهر كله (خ) عن ابن عمر *من صام الابد فلا صام ولا أفطر (حم ت ه ن) عن عبد الله بن

المدينة فوجدنا منافقا عظيم النفاق قد مات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لما فتحت حنين بعث سرايا فاتوا بالابل والشاء فقسموها في قريش قال فوجدنا أنفسنا بشيء الخصاصة *لا تواصلوا قالوا انك تواصل قال ألا ترضون انكم أعطيتم رسول الله صلى الله عليه وسلم فوالله لو سلكت الناس واديا وشلكتم شعبا لاتبعت شعبكم قالوا رضينا يا رسول الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن العقبة قال شهدها سبعون فوافقهم النبي صلى الله عليه وسلم وعباس بن عبد المطلب آخذ ببيده فقال النبي صلى الله عليه وسلم قد أخذت وأعطيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه أخبره ان عمر بن الخطاب أخبره انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول سيخرج أهل مكة منها ثم لا يعمرونها أولا تعمر الاقليلا ثم تعمر وتمتلئ وتبنى ثم يخرجون منها فلا يعودون اليها أبدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى وقتيبة قالا حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ليسير ن راكب في جهة المدينة قال قتيبة في جانب المدينة فيقول لقد كان في هذه مرة عاصر من المؤمنين كثير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير أن جابرا أخبره انه قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول لا يحل لاحد يحمل فيها السلاح لقتال فقال قتيبة يعني المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أهدى اليه رجل من الشام جبة من سندس فلبسها النبي صلى الله عليه وسلم ثم أتى البيت فوضعها وأخبر بوفد ياتيه فامره عمر بن الخطاب أن يلبس الجبة لقدوم الوفد فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا يصلح لنا لباسها في الدنيا ولا يصلح لنا لباسها في الآخرة ولكن خذها يا عمر فقال أتكرهها وأخذها فقال النبي صلى الله عليه وسلم اني لا أمرك أن تلبسها ولكن ترسل بها الى أرض فارس فتصيب بها مالا فأتى عمر فارسل بها النبي صلى الله عليه وسلم الى النجاشي وكان قد أحسن الى من فر اليه من أصحاب محمد صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى وحسن قالا حدثنا ابن لهيعة قال حسن في حديثه حدثنا أبو الزبير وقال ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا عن ميثرة فقال الارجوان فقال جابر قال النبي صلى الله عليه وسلم لا أركبها ولا ألبس قميصا مكفوفا بحرير ولا ألبس القسي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر عن العجزية أم مالك كانت تهدي في عكة لها سمنا للنبي صلى الله عليه وسلم فيجيء بنوها يسألونها عن ادام وليس عندها شيء فعمدت الى عكتها التي كانت تهدي فيه السمن الى النبي صلى الله عليه وسلم فوجدت فيه سمنا فما زال يقيم لها ادمها حتى عصرته فاتت النبي صلى الله عليه وسلم فقال أعصرتيه فقالت نعم قال لو تركتيه ما زال ذلك مقيما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه أتاه رجل يستطعمه فاطعمه شطر وسق شعير فما زال الرجل يأكل منه هو وامرأته وضيفانهم حتى كالوه فقال النبي صلى الله عليه وسلم لو لم تكيلوه لاكلتم منه ولقام لكم

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن جابر ان بنة الجهني أخبره أن النبي صلى الله عليه وسلم مر على قوم في المسجد أو في المجلس يسلون سيوفهم يتعاطونه بينهم غير مغمود فقال لعن الله من يفعل ذلك أولم أزجركم عن هذا فاذا سللتم السيف فليغمده الرجل ثم ليعطه كذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا

عن أبي هريرة *لا تصوموا هذه الايام أيام التشريق فانها أيام أكل وشرب (حم ن) عن حمزة بن عمرو الاسلمي (حم ٤) عن بديل بن ورقاء *صام نوح الدهر الا يوم الفطر ويوم الاضحى (ه) عن ابن عمر *لا يصلح الصيام في يومين يوم الاضحى ويوم الفطر من رمضان (م) عن أبي سعيد *نهى عن صوم ستة أيام من السنة ثلاثة أيام التشريق ويوم الفطر ويوم الاضحى ويوم الجمعة تختص من الايام الطيالسي عن أنس *نهى عن صيام يوم قبل رمضان والاضحى والفطر وأيام التشريق (هق) عن أبي هريرة *نهى عن صيام رجب كله (ه حب) عن ابن عباس

الاكمال) *لا أصوم أبدا قال فمن يطيق ذلك يا رسول الله قال فصم صوم داود كان يصوم يوما ويفطر يوما ولا يفر اذا لاقى وهو أفضل الصيام قال اني أطيق أفضل من ذلك قال لا أفضل من ذلك (خ) عن ابن عمرو *(الافعال) *عن أم كلثوم قالت قيل لعائشة تصومين الدهر وقد نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صيام الدهر قالت نعم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن صيام الدهر ولكن من أفطر يوم الفطر ويوم النحر فلم يصم الدهر ابن جرير *(المحظورات باعتبار الايام) *اذا انتصف شعبان فلا تصوموا حتى يكون رمضان (حم ٤) عن أبي هريرة *لا يصومن أحدكم يوم الجمعة الا أن يصوم قبله أو بعده (ق) عن أبي هريرة *لا تصوموا يوم الجمعة مفردا (حم ن ك) عن جنادة الازدي *لا تختصوا ليلة الجمعة بقيام من بين الليالي ولا تختصوا يوم الجمعة بصيام من بين الايام الا أن يكون في صوم يصوم أحدكم (م)

* نهى عن صوم يوم عرفة بعرفة (حم د ه ك) عن أبي هريرة * لا تصوموا يوم السبت الا في فريضة وان لم يجد أحدكم الا عود كرم أو لحاء شجرة فليفطر عليه (حم د ت ه ك) عن الصماء بنت بسر * ان الله تعالى لم يكتب على الليل صيامه فمن صام تعنى ولا أحرله ابن قانع والشيرازي في الالقاب عن أبي سعد الخير * (الاكمال) * يوم الجمعة عيد فلا تجعلوا يوم عيدكم يوم صيامكم الا ان تصوموا قبله أو بعده (ك) عن أبي هريرة * كلي فان صيام السبت



لا لك ولا عليك (حم) عن الصماء بنت بسر * من كان صائما فليفطر فانهن أيام أكل وشرب

موسى وحسن واللفظ لفظ حسن قالا حدثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا هل سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول الرجل في صلاتنا انتظر الصلاة قال انتظرنا النبي صلى الله عليه وسلم ليلة لصلاة العتمة فاحتبس علينا حتى كان قريبا من شطر الليل أو بلغ ذلك ثم جاء النبي صلى الله عليه وسلم فصلينا ثم قال اجلسوا فجلسنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان الناس قد صلوا ورقدوا وأنتم لم تزالوا في صلاة ما انتظرتم الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال أخبرني جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول اذا أحدكم أعجبته المرأة فوقعت في نفسه فليعمد الى امرأته فليواقعها فان ذلك يرد ما في نفسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يوتر عشاء ثم يرقد قال جابر سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول من خاف منكم أن لا يقوم من الليل فليوتر ثم ليرقد ومن طمع منكم القيام فليوتر من آخر الليل فان قراءة آخر الليل محضورة وذلك أفضل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان من الليل ساعة لا يوافقها عبد يسأل الله خيرا الا أعطاه وهي كل ليلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر أن نعمان بن قوقل جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أرأيت اذا صليت المكتوبات وصمت رمضان وحرمت الحرام واحللت الحلال ولم أزد على ذلك شيأ أأدخل الجنة قال نعم فقال والله لا أزيد على ذلك شيأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه أخبره أن النبي صلى الله عليه وسلم كان أشد الناس تخفيفا في الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه قال سألت جابرا أهلي جميع رسول الله صلى الله عليه وسلم بين المغرب والعشاء قال نعم زمان غزونا بني المصطلق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير انه سأل جابرا عن التصفيق والتسبيح قال جابر سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول التصفيق للنساء في الصلاة والتسبيح للرجال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال غزا رسول الله صلى الله عليه وسلم ست مرار قبل صلاة الخوف وكانت صلاة الخوف في السنة السابعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الغسل قال جابر أتت ثقيف النبي صلى الله عليه وسلم فقالت ان أرضنا أرض باردة فكيف تأمرنا بالغسل فقال النبي صلى الله عليه وسلم أما أنا فاصب على رأسي ثلاث مرات ولم يقل غير ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يباشر الرجل فقال جابر زجر النبي صلى الله عليه وسلم عن ذلك وباسناده قال سألت جابرا عن المرأة تباشر المرأة قال زجر النبي صلى الله عليه وسلم عن ذلك وباسناده قال سألت جابرا عن الرجل يريد الصيام والاناء على يده ليشرب منه فيسمع النداء قال جابر كنا نحدث ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ليشرب وباسناده عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول تطلع الشمس في قرن شيطان وباسناده قال سألت جابرا عن ركوب الهدى قال جابر سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اركبها بالمعروف حتى تجد ظهرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه قال أمر النبي صلى الله عليه وسلم يوم عاشوراء ان نصومه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي

(ك) عن بديل ابن ورقاء * (الفصل السادس في السحور ووقته) * استعينوا بطعام السحر على صيام النهار والقيلولة على قيام الليل (ه ك طب هب) عن ابن عباس * السحور أكلة بركة فلا تدعوه ولو لان يجرع أحدكم جرعة من ماء فان الله تعالى وملائكته يصلون على المتسحرين (حم) عن أبي سعيد * ان الله تعالى جعل البركة في السحور والكيل الشيرازي في الالقاب عن أبي هريرة * خير سحوركم التمر (عد) عن جابر * عليكم بهذا السحور فانه هو الغداء المبارك (حم ن) عن المقدام * فصل ما بين صيامنا وصيام أهل الكتاب أكلة السحر (حم م ٣) عن عمرو بن العاصي * من أراد أن يصوم فليتسحر بشيء (حم) عن جابر * تسحر وافان في السحور بركة (حم ق ت ن ه) عن أنس (ن) عن أبي هريرة وعن ابن مسعود (حم) عن أبي سعيد * ان بلالا يؤذن بليل فكلوا واشربوا حتى يؤذن ابن أم مكتوم (حم ق د ن) * عن ابن عمر (خ ن) عن عائشة * لا يمنعن أحدكم أذان بلال من سحوره فانه يؤذن بليل ليرجع قائمكم ولينبه نائمكم وليس الفجر أن يقول هكذا حتى يقول هكذا يعترض في أفق السماء (حم ق د ه) عن ابن مسعود * اذا سمع أحدكم النداء والاناء على يده فلا يضعه حتى يقضي حاجته (د حم ك) عن أبي هريرة * اذا أذن ابن أم مكتوم فكلوا واشربوا واذا أذن بلال فلا تأكلوا ولا تشربوا (حم ن) وابن خزيمة (حب) عن أنيسة بنت خبيب * (الاكمال) * اللهم صل على المتسحرين (طب) عن أبي سويد

*ان ابن أم مكتوم ينادي بليل فكلوا واشربوا حتى ينادي بلال ابن سعد عن زيد بن ثابت (حم) عن عمة حبيب بن عبد الرحمن *الفجر فجران فاما الفجر الاول فانه لا يحرم الطعام ولا يحل الصلاة وأما الثاني فانه يحرم الطعام ويحل الصلاة (ك) عن ابن عباس *(الافعال)* عن عون بن عبد الله قال دخل رجلان على أبي بكر وهو يتسحر فقال أحدهما قد طلع الفجر وقال الآخر لم يطلع بعد فقال أبو بكر كل قد اختلفنا (ش) *عن علي قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يواصل من السحر الى السحر (٣٤٩) (ش حم ص) عن أبي هريرة قال قال

ثنا موسى وحسن بن موسى قالا ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن النحر فقال جابر صلى بنا النبي صلى الله عليه وسلم يوم النحر بالمدينة فتقدم رجال فنحروا وظنوا أن النبي صلى الله عليه وسلم قد نحر فأمر النبي صلى الله عليه وسلم من كان نحر أن يعيد نحرا آخر ولا ينحروا حتى ينحر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن الرجل يوالي موالي الرجل بغير اذنه فقال كتب النبي صلى الله عليه وسلم على كل بطن عقولهم ثم كتب انه لا يحل أن يوالي موالي رجل بغير اذنه **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا موسى وحسن قالا ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال مثل المؤمن كمثل السنبلة تخر مرة وتستقيم مرة ومثل الكافر مثل الارزة لا تزال مستقيما حتى يخر ولا يشعر قال حسن الارزة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن خسوف الشمس والقمر فقال جابر سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول ان الشمس والقمر اذا خسفا أو أحدهما فاذا رأيتم ذلك فصلوا حتى ينجلي خسوف أيهما خسف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا عن القتيل الذي قتل فاذن فيه سحيم فقال جابر أمر النبي صلى الله عليه وسلم سحيما أن يؤذن في الناس ألا يدخل الجنة الا مؤمن قال جابر ولا أعلمه قتل أحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن القتيل الذي قتل فاذن فيه سحيم قال كان سحيم غلاما للنبي صلى الله عليه وسلم سحيما ان يؤذن في الناس ان لا يدخل الجنة الا مؤمن قال ولا أعلمه قتل أحدا قال موسى بن داود قتل أحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير قال سألت جابرا أقال النبي صلى الله عليه وسلم في الظاهرية والعدوى شيأ قال جابر سمعته يقول كل عبد طائره في عنقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم اذا كفن أحدكم أخاه فليحسن كفنه وصلوا على الميت أربع تكبيرات في الليل والنهار سواء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن ثمن الكلب وهو الفحل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى حدثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول وجنازة سعد بن معاذ بين أيديهم اهتزلها عرش الرحمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى أنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول يأكل أهل الجنة فيها ويشربون ولا يمتخطون ولا يتغوطون ولا يبولون انما طعامهم جشاء رشح كرشح المسك يلهمون التسبيح والتحميد كما يلهمون النفس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى ويونس قالا حدثنا الليث قال ويونس عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نهى عن اشتمال الصماء والاحتباء في ثوب واحد وان يرفع الرجل احدى رجليه على الاخرى وهو مستلق على ظهره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى ويونس قالا حدثنا الليث عن سعد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان عبدا لحاطب جاء رسول الله صلى الله عليه وسلم يشتكي حاطبا فقال يا رسول الله ليدخلن حاطب النار فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كذبت لا يدخلها فانه شهد بدرا والحديبية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى حدثنا الليث عن أبي الزبير واسحق بن عيسى حدثنا الليث حدثني أبو الزبير عن جابر بن عبد الله قال جاء عبد فبايع رسول الله صلى الله عليه وسلم على الهجرة ولم

رسول الله صلى الله عليه وسلم ان جزأ من سبعين جزأ من النبوة تأخير السحور وتعجيل الافطار واشارة الرجل باصبعه في الصلاة (عب) وفيه عمرو ابن راشد ضعفوه *عن ابن عمر قال بينما النبي صلى الله عليه وسلم تسحر فلما فرغ من سحوره جاء علقمة بن علاثة فدخل على النبي صلى الله عليه وسلم رأس فبينما هو يأكل اذ جاء بلال يؤذن النبي صلى الله عليه وسلم بالصلاة فقال النبي صلى الله عليه وسلم رويدك يا بلال حتى يفرغ علقمة من سحوره (كر) الديلمي *عن علي قال دخل علقمة ابن علاثة على النبي صلى الله عليه وسلم فدعاله برأس وجعل يأكل معه فجاء بلال فدعا الى الصلاة فلم يجب فرجع فمكث في المسجد ماشاء الله ثم رجع وقال الصلاة يا رسول الله قد والله أصبحت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم رحم الله بلالا لولا بلال لرجونا أن يؤخر لنا ما بيننا وبين طلوع الشمس فقال علي ولا ان بلالا حلف لأكل رسول

الله صلى الله عليه وسلم حتى يقول له جبريل ارفع يدك **البزار وضعف** * عن أنس قال خرجنا ليلة مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في شهر رمضان فرأينا ان فقال يا أنس ما هذه النيران فقيل يا رسول الله الانصار يتسحرون فقال لهم بارك لهم فيما سحروا بها ابن النجار *(الفصل السابع في الاعتكاف وليلة القدر)* الاعتكاف من اعتكف عشرا في رمضان كان كحجتين وعمرتين (هب) عن الحسين بن علي * كل مسجد فيه امام ومؤذن فالاعتكاف فيه يصلح (قط) عن حذيفة *ليس على المعتكف صيام الا أن يجعله على نفسه (ك هق) عن ابن

عباس * المعتكف يتبع الجنازة ويعود المريض (ه) عن أنس * المعتكف يعكف الذنوب ويجرى له من الاجر كعامل الحسنات كلها (هب) عن ابن عباس * لا اعتكاف الا بصيام (لـ هق) عن عائشة * (الاكمال) * اعتكف (صم (لـ) عن ابن عمر * من اعتكف اعمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه ومن اعتكف فلا يحرم من الكلام الا الخير (الديلمى عن عائشة * لا اعتكاف الا فى المسجد الحرام أو قال فى المساجد الثلاثة (هق) عن حذيفة * من مشى (٣٥٠) فى حاجة أخيه وما بلغ فيها كان خيرا من اعتكاف عشر سنين ومن اعتكف يوما ابتغاء وجه الله عز وجل جعل الله بينه وبين النار ثلاثة خنادق أبعد مما بين الخافقين (طب لـ هب) وضعفه ز الخطيب وقال غريب عن ابن عباس * (الافعال) * عن على قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل العشر الاواخر من رمضان أيقظ أهله ورفع المئزر ابن أبى عاصم فى الاحكام (خ) والفريابى فى السنن وابن جرير وصححه * عن على قال يعتكف يعود المريض ويشهد الجنازة ويأتى الجمعة ويأتى أهله ولا يجامع السهم (ش ق ط) * عن عبيد الله بن عبد الله ابن عتبة أن أمه ماتت وعليها اعتكاف قال فسألت ابن عباس فقال اعتكف عنها وصم (عب) * عن عائشة أن النبى صلى الله عليه وسلم كان اذا أراد أن يعتكف صلى الفجر ثم دخل المكان الذى يعتكف فيه (ز) * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجتهد فى العشر الاواخر مالا يجتهد فى غيرها ابن جرير * عن أبى أن النبى صلى الله عليه وسلم كان يعتكف العشر الاواخر من رمضان فسافر عاما فلم يعتكف فلما كان من قابل اعتكف عشرين يوما (ط د ن ه) وابن خزيمة وأبو عوانة (حب لـ ص) * (ليلة القدر) * أرى رؤياكم قد تواطأت فى السبع الاواخر فمن كان متحريها فليتحرها فى السبع الاواخر مالك (حم ق) عن ابن عمر * أريت ليلة القدر ثم أيقظنى بعض أهلى فنسيتها فالتمسوها فى العشر الغوابر (حم م) عن أبى هريرة * انى رأيت ليلة القدر ثم أنسيتها فالتمسوها فى العشر الاواخر فى الوتر وانى رأيت انى أسجد فى ماء وطين من صبيحتها مالك (حم ق ن ه)

---

يشعر رسول الله صلى الله عليه وسلم انه عبد فجاء سيده يريده فقال النبى صلى الله عليه وسلم بعنيه فاشتراه بعبدين أسودين ثم لم يبايع أحدا بعد حتى يسأله أعبد هو حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا ثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر انه قال رمى يوم الاحزاب سعد بن معاذ فقطعوا أكحله فحسمه رسول الله صلى الله عليه وسلم بالنار فانتفخت يده فحسمه أخرى فانتفخت يده فنزفه فلما رأى ذلك قال اللهم لا تخرج نفسى حتى تقر عينى من بنى قريظة فاستمسك عرقه فما قطر قطرة حتى نزلوا على حكم سعد فارسل اليهم فكان تقتل رجالهم وتسبى نساؤهم وذراريهم ليستعين بهم المسلمون فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أصبت حكم الله فيهم وكانوا أربعمائة فلما فرغ من قتلهم انفتق عرقه فمات حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا ثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله ان حاطب بن أبى بلتعة كتب الى أهل مكة يذكر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أراد غزوهم فنزل رسول الله صلى الله عليه وسلم على المرأة التى معها الكتاب فارسل اليها فاخذ الكتاب منها فدعا حاطبا فقال ما حملك على هذا يا حاطب أفعلت قال نعم اما انى لم أفعله غشا لرسول الله ولا نفاقا وقد علمت ان الله منجز رسوله ومتم له أمره ولكنى كنت غريبا بين ظهرانيهم وكانت والدتى منهم فاردت ان أتخذ هذا عندهم فقال له عمر الا أضرب رأس هذا قال أتقتل رجلا من أهل بدر وما يدريك لعل الله عز وجل قد اطلع على أهل بدر فقال اعملوا ما شئتم حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله ثم سلمة استأذنت على رسول الله صلى الله عليه وسلم فى الحجامة فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم أبا طيبة أن يحجمها قال حسبت انه كان أخاها من الرضاعة أو غلاما لم يحتلم حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث ابن سعد عن أبى الزبير عن جابر انهم كانوا اذا حضروا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بالمدينة فبعث بالهدى فمن شاء منا أحرم ومن شاء ترك حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نهى ان يبال فى الماء الراكد حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لا يدخل النار أحد ممن بايع تحت الشجرة حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من رآنى فى النوم فقد رآنى انه لا ينبغى للشيطان أن يتخيل فى صورتى وقال اذا حلم أحدكم فلا يخبرن الناس بتلعب الشيطان به فى المنام حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه قال اذا رأى أحدكم الرؤيا يكرهها فليبزق عن يساره ثلاثا وقال يونس فليبسق وليستعذ بالله من الشيطان ثلاثا وليتحول عن جنبه الذى كان عليه حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه أمر رجلا كان يتصدق بالنبل فى المسجد أن لا يجىء بها الا وهو آخذ بنصولها حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا حجين ويونس قالا حدثنا الليث بن سعد عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه قال ان خير ما ركبت اليه الرواحل مسجدى هذا والبيت العتيق حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا عبد الصمد حدثنى أبى حدثنا كثير بن شنظير حدثنا عطاء بن أبى رباح عن جابر بن عبد الله قال

ارسلنى

عن أبي سعيد * ان هذا الشهر قد حضركم وفيه ليلة القدر خير من ألف شهر من حرمها فقد حرم الخير كله ولا يحرم خيرها الا المحروم (ه) عن أنس * اني خرجت أخبركم بليلة القدر وانه تلاحى فلان وفلان فرفعت وعسى أن يكون خيرا لكم فالتمسوها في السبع والتسع والخمس (حم خ) عن عبادة بن الصامت * هي في كل رمضان يعني ليلة القدر (د) عن ابن عمر * التمسوا ليلة القدر ليلة سبع وعشرين (طب) عن معاوية * التمسوا ليلة القدر آخر ليلة من رمضان ابن نصر عن معاوية * التمسوها في العشر الاواخر من (٣٥١) رمضان في تاسعة تبقى وفي سابعة تبقى وفي خامسة تبقى (حم خ د) عن ابن عباس * التمسوها في العشر الاواخر فانها في وتر في احدى وعشرين أو ثلاث وعشرين أو خمس وعشرين أو سبع وعشرين أو تسع وعشرين أو آخر ليلة فمن قامها ايمانا واحتسابا غفر له ما تقدم من ذنبه وما تأخر (طب) عن عبادة بن الصامت * ان الله تعالى وهب لامتي ليلة القدر ولم يعطها من كان قبلكم (فر) عن أنس * تحرى ليلة القدر ليلة ثلاث وعشرين (طب) عن عبد الله بن أنيس * ليلة القدر ليلة أربع وعشرين (حم) عن بلال الطيالسي عن أبي سعيد * ليلة القدر ليلة سابعة أو تاسعة وعشرين ان الملائكة تلك الليلة في الارض أكثر من عدد الحصى (حم) عن أبي هريرة * ليلة القدر ليلة بلجة لا حارة ولا باردة ولا سحاب فيها ولا مطر ولا ريح ولا يرمى فيها بنجم ومن علامة يومها تطلع الشمس لا شعاع لها (طب) عن واثلة * ليلة القدر ليلة سمحة طلقة لا حارة ولا باردة تصبح الشمس صبيحتها ضعيفة حمراء الطيالسي (هب) عن ابن عباس * صبيحة ليلة القدر تطلع الشمس لا شعاع لها كأنها طست حتى ترتفع (حم م ٣) عن أبي * (الاكمال) * أريت ليلة القدر فأنسيتها فالتمسوها في العشر الاواخر وهي ليلة ريح ومطر ورعد (طب) عن جابر بن سمرة * التمسوها ليلة سبع عشرة من رمضان وليلة احدى وعشرين وليلة ثلاث وعشرين (د هق) عن ابن مسعود * ان ليلة القدر في النصف من السبع الاواخر من رمضان أن تطلع الشمس غداة اذ صافية ليس لها شعاع (حم) عن ابن مسعود * عليك بالسابعة (حم) عن ابن عباس

---

أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجة فانطلقت ثم رجعت وقد قضيتها فأتيت النبي صلى الله عليه وسلم فسلمت عليه فلم يرد علي قال فوقع في نفسي ما الله به أعلم قال قلت لعل رسول الله صلى الله عليه وسلم وجد علي ان أبطأت فسلمت عليه فلم يرد علي فوقع في نفسي ما الله أعلم أشد من الاولى ثم سلمت فرد علي وقال أما انه لم يمنعني أن أرد عليك الا أني كنت أصلي فمكان علي راحلته متوجها الغير القبلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد حدثني أبي حدثنا واصل مولى أبي عيينة حدثني خالد بن عرفطة عن طلحة بن نافع عن جابر بن عبد الله قال كنا مع النبي صلى الله عليه وسلم فارتفعت ريح جيفة منتنة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أتدرون ما هذه الريح هذه ريح الذين يغتابون المؤمنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد حدثنا حماد عن حميد عن أبي المتوكل عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه مروا بامرأة فذبحت لهم شاة واتخذت لهم طعاما فلما رجع قالت يا رسول الله انا اتخذنا لكم طعاما فادخلوا فكلوا فدخل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه وكانوا لا يبدؤن حتى يبدأ النبي صلى الله عليه وسلم فأخذ النبي صلى الله عليه وسلم لقمة فلم يستطع أن يسيغها فقال النبي صلى الله عليه وسلم هذه شاة ذبحت بغير اذن أهلها فقالت المرأة يا نبي الله انا لنحتشم من آل سعد بن معاذ ولا يحتشمون منا نأخذ منهم ويأخذون منا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد حدثنا حماد حدثنا عمار سمعت جابر بن عبد الله يقول أكل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر وكلما وشربوا ماء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا من النعيم الذي تسألون عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد وعفان قالا حدثنا حماد قال عفان في حديثه أنا أبو الزبير وقال عبد الصمد في حديثه حدثنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيت كأني في درع حصينة ورأيت بقرا منحرة فأولت ان الدرع الحصينة المدينة وان البقر هو والله خير قال فقال لاصحابه لو أنا أقمنا بالمدينة فان دخلوا علينا فيها قاتلناهم فقالوا يا رسول الله والله ما دخل علينا فيها في الجاهلية فكيف يدخل علينا فيها في الاسلام قال عفان في حديثه فقال شأنكم اذا قال قايس لامته قال فقالت الانصار ردنا على رسول الله صلى الله عليه وسلم رأيه فجاؤا فقالوا يا نبي الله شأنك اذا فقال انه ليس لنبي اذا لبس لامته أن يضعها حتى يقاتل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الصمد وكثير بن هشام قالا ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم في حاجة فرجعت اليه وهو على راحلته فسلمت عليه فلم يرد علي ورأيته يركع ويسجد فتنحيت عنه ثم قال لي ما صنعت في حاجتك فلما صنعت كذا وكذا قال ما انه لم يمنعني أن أرد عليك الا أني كنت أصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو جعفر المدائني محمد بن جعفر أنبأنا ورقاء عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فانتهينا الى مشرعة فقال ألا تشرع يا جابر قال فقلت بلى قال فنزل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأشرعت قال ثم ذهب لحاجته ووضعت له وضوأ فجاء فتوضأ ثم قام فصلى في ثوب واحد خالف بين طرفيه فقمت خلفه فأخذ بأذني فجعلني عن يمينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الله بن الحرث حدثني نور ابن يزيد عن سليمان بن موسى عن عطاء بن أبي رباح عن جابر بن عبد الله قال سأل رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن وقت الصلاة فقال صل معي فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح حين طلع الفجر ثم صلى الظهر حين زاغت الشمس ثم صلى العصر حين كان ظل كل انسان مثله ثم صلى المغرب حين وجبت الشمس ثم صلى

ان رجلا قال يانبي الله اني شيخ كبير عليل يشق علي القيام فمرني بليلة لعل الله تعالى يوفقني فيها لليلة القدر قال فذكره * لولا أن يترك الناس الصلاة الا ذلك الليلة لاخبرتك ولكن ابتغها في ثلاث وعشرين من الشهر (ت ب) عن عبد الله بن أنيس أنه قال يارسول الله أخبرني أية ليلة ليلة القدر قال فذكره * من صلى ليلة القدر العشاء والفجر في جماعة فقد أخذ من ليلة القدر النصيب الوافر الخطيب عن أنس * من صلى من أول شهر رمضان الى آخره بجماعة (٣٥٢) فقد أخذ بحظه من ليلة القدر الخطيب عن أنس * من صلى المغرب والعشاء في جماعة حتى

ينقضي شهر رمضان فقد أصاب من ليلة القدر بحظ وافر (هب) عن أنس * من صلى العشاء الآخرة في جماعة في رمضان فقد أدرك ليلة القدر (هب) عن أبي هريرة * من قال لا اله الا الله الحليم الكريم سبحان الله رب السموات السبع ورب العرش العظيم ثلاث مرات كان مثل من أدرك ليلة القدر الدولابي وابن عساكر عن الزهري مرسلا * (الافعال) * عن زرارة قال سئل عن ليلة القدر فقال كان عمر وحذيفة وناس من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يشكون انها ليلة سبع وعشرين (ش) * عن مولى معاوية قال قلت لابي هريرة زعموا ان ليلة القدر قد رفعت قال كذب من قال ذلك (ز) * عن ابراهيم قال كانت عائشة ترى ليلة القدر ليلة ثلاث وعشرين ابن جرير * (الفصل الثامن في صلاة عيد الفطر وصدقة الفطر) * * (صلاة عيد الفطر) * التكبير في الفطر سبع في الاولى خمس في الآخرة والقراءة بعدهما كليهما (د) عن ابن عمر * زينوا العيدين بالتهليل والتكبير والتحميد والتقديس وأظهروا في تحفة عيد الفطر (حل) عن أنس * العيدان واجبان على كل حالم من ذكر أو أنثى (قر) عن ابن عباس * قد قضينا الصلاة فمن أحب أن يجلس للخطبة فليجلس ومن أحب أن يذهب فليذهب (ه ك) عن عبد الله بن السائب * كان لكم يومان تلعبون فيهما وقد أبدلكم الله تعالى بهما خيرا منهما يوم الفطر ويوم الاضحى (ن) عن أنس * لتخرج العواتق وذوات الخدور والحيض وليشهدن الخير ودعوة المؤمنين وتعتزل الحيض المصلى (خ ن ه) عن أم عطية

العشاء حين غيبوبة الشفق ثم صلى الصبح فاسفر ثم صلى الظهر حين كان في ء الانسان مثليه ثم صلى العصر حين كان في ء الانسان مثليه ثم صلى المغرب قبل غيبوبة الشفق ثم صلى العشاء فقال بعضهم ثلث الليل وقال بعضهم شطره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا ابراهيم بن اسحق وعلي بن اسحق قالا حدثنا ابن المبارك عن عتبة وقال علي أنبأنا عتبة بن أبي حكيم حدثني حصين بن حرملة عن أبي مصبح عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الخيل معقود في نواصيها الخير والنيل الى يوم القيامة وأهلها معانون عليها فامسحوا بنواصيها وادعوا لها بالبركة وقلدوها ولا تقلدوها بالاوتار وقال علي ولا تقلدوها الاوتار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو سلمة الخزاعي حدثنا سليمان بن بلال عن عبد الرحمن بن عطاء ان عبد الملك بن جابر بن عتيك أخبره ان جابر بن عبد الله أخبره انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول اذا حدث الانسان حديثا والمحدث يلتفت حوله فهو أمانة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو سلمة أنبأنا بكير بن مضر عن عمرو بن جابر الحضرمي انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في الطاعون الفار منه كالفار يوم الزحف ومن صبر فيه كان له أجر شهيد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو سلمة أنبأنا بكير بن مضر حدثنا عمارة بن غزية عن محمد بن عبد الرحمن بن أسعد بن زرارة عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم في بعض أسفاره رأى ناسا مجتمعين على رجل فسأل رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا رجل جهده الصيام فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس البر الصيام في السفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا زكريا بن عدي أنبأنا عبيد الله يعني ابن عمرو الرقي عن عبد الكريم عن عطاء عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم العمرة في رمضان تعدل حجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زكريا بن عدي حدثنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أرأيت ان جاهدت في سبيل الله بنفسي ومالي حتى أقتل صابرا محتسبا مقبلا غير مدبر أأدخل الجنة قال نعم فلما ولى دعاه فقال الا ان يكون عليك دين ليس له عندك وفاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى حدثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا زكريا بن عدي أنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال جاءت امرأة سعد بن الربيع الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بابنتها من سعد فقالت يارسول الله هاتان ابنتا سعد بن الربيع قتل أبوهما معك في أحد شهيدا وان عمهما أخذ مالهما فلم يدع لهما مالا ولا ينكحان الا ولهما مال قال يقضي الله في ذلك قال فنزلت آية الميراث فأرسل رسول الله صلى الله عليه وسلم الى عمهما فقال اعط ابنتي سعد الثلثين وأمهما الثمن وما بقي فهو لك **حدثنا** عبد الله حدثني ابي حدثنا زكريا أنبأنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال صلى بأصحابه في بيته فقلنا له صل بنا كما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي قال فصلى بنا في ملحفة فشد ها تحت الثندوتين وقال هكذا رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا زكريا أنبأنا عبيد الله وحسين بن محمد قالا حدثنا عبيد الله عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال بينما نحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في صفوفنا في الصلاة صلاة الظهر أو العصر فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم يتناول شيأ ثم تأخر فتأخر الناس فلما قضى الصلاة قال له أبي بن كعب شيأ صنعته في الصلاة لم تكن تصنعه

* فد اجتمع في يومكم هذا عيدان فمن شاء أجزاه من الجمعة وانا مجمعون ان شاء الله تعالى (د ه ك) عن أبي هريرة عن ابن عباس وعن ابن عمر * وجب الخروج على كل ذات نطاق في العيدين (حم) عن عمرة بنت رواحة * ان الله تعالى يطلع في العيدين الى الارض فاذا رأى المنازل تلمعكم الرحمة ابن عساكر عن أنس * من قام ليالي العيدين محتسبا لله تعالى لم يمت قلبه يوم تموت القلوب (ه) عن أبي امامة *(الاكمال)* ان الله تعالى قد أبدلكم بيومين هذين خيرا منهما الفطر والنحر أما يوم (٣٥٣) الفطر فصلاة وصدقة وأما يوم الاضحى

فصلاة ونسك (هب) عن أنس * من أحيا ليالي العيدين وليلة النصف من شعبان لم يمت قلبه يوم تموت القلوب الحسن بن سفيان عن ابن كردوس عن أبيه *من كان خارجا الى المدينة فيبدأ له فليركب فاذا جاء المدينة فليمش الى المصلى فانه أعظم أجرا وقدموا قبل خروجكم زكاة الفطر فان على كل نفس مدين من قمح أو دقيق ابن عساكر عن أبي هريرة قال حدث رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يوم الفطر فذكره *لاصلاة في للعيدين قبل صلاة الامام ولا ذبح يوم النحر حتى يصلي الامام الديلمي عن مقاتل ابن سليمان عن حرير بن عبد الله بن جرير البجلي عن أبيه عن جده *ليس في العيدين أذان ولا اقامة الخطيب في المتفق والمفترق عن ابن عباس ورجاله ثقات *(الافعال)* عن وهب ابن كيسان عن رجل ان أبا بكر وعمر كانا يصليان العيد قبل الخطبة مسددورواه مالك بلاغا (ش) *عن عبد الملك بن عمير قال حدثت عن عمر انه كان يقرأ في

تصنعه قال عرضت على الجنة بما فيها من الزهرة والنضرة فتناولت منها قطفا من عنب لآتيكم به فحيل بيني وبينه ولو أتيتكم به لاكل منه من بين السماء والارض لا ينقصونه شيأ ثم عرضت علي النار فلما رأيت جعلت سفعها تأخرت عنها وأكثر من رأيت فيها النساء اللاتي ان ائتمن أفشين وان بسئن بخلن وان بسأن الحفن قال حسين وان أعطين لم يشكرن ورأيت فيها الحي بن عمرو يجر قصبه في النار وأشبه من رأيت به معبد بن أكثم الكعبي قال معبد يا رسول الله أخشى علي من شبهه وهو والد فقال لا أنت مؤمن وهو كافر قال حسين وكان أول من حمل العرب على عبادة الاوثان قال حسين تأخرت عنها ولولا ذلك لغشيتكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو الجواب حدثنا عمار بن رزيق عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال كان رجل من الانصار يقال له أبو شعيب وكان له غلام لحام فقال له اجعل لنا طعاما لعلي ادعو رسول الله صلى الله عليه وسلم سادس ستة فدعاهم فاتبعهم رجل فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم ان هذا قد اتبعنا أفتأذن له قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسين بن محمد حدثنا أبو أويس حدثنا شرحبيل عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه نهى عن ثمن الكلب وحلوان طعم الجاهلية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا سريج بن النعمان حدثنا عبد الله بن وهب عن عمرو بن الحرث أن أبا الزبير حدثه أنه سمع جابر بن عبد الله يذكر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول فيما سقت الانهار والسيل العشور وفيما سقي بالسانية نصف العشور **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين بن موسى أنا أبو شهاب عن يحيى بن سعيد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال جئت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم عام الجعرانة وهو يقسم فضة في ثوب بلال للناس فقال رجل يا رسول الله اعدل فقال ويلك ومن يعدل اذا لم أعدل لقد خبت ان لم أكن أعدل فقال عمر يا رسول الله دعني أقتل هذا المنافق فقال معاذ الله أن يتحدث الناس أني أقتل أصحابي ان هذا وأصحابه يقرؤن القرآن لا يجاوز حناجرهم أو تراقيهم يمرقون من الدين مروق السهم من الرمية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم حدثنا أبو جعفر عن الربيع بن أنس عن الحسن عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل مولود يولد على الفطرة حتى يعرب عنه لسانه فاذا أعرب عنه لسانه اما شاكرا واما كفورا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هاشم حدثنا شعبة أخبرني عمرو بن مرة وحصين بن عبد الرحمن عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال أصابنا عطش بالحديبية فجهشنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وبين يديه تور فيه ماء فتقاد بأصابعه هكذا فيها وقال خذوا باسم الله قال فجعل الماء يتفجل من بين أصابعه كأنها عيون فوسعنا وكفانا وقال حصين في حديثه فشربنا وتوضأنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن يزيد عن حجاج بن أبي ذئب عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم نعم الادام الخل ما أقفر بيت فيه خل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا أبو عوانة حدثنا أبو بشر عن سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله قال نحرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الحديبية سبعين بدنة البدنة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا أبو عوانة حدثنا أبو بشر جعفر بن أبي وحشية عن سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله قال دعا النبي صلى الله عليه وسلم أبا طيبة فحجمه قال فسأله كم ضريبتك قال ثلاثة آصع قال فوضع عنه صاعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا خلف بن الوليد حدثنا عباد بن عباد عن مجالد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم



العيد سبح اسم ربك الاعلى وهل أتاك حديث الغاشية (ش) *عن وهب بن كيسان قال اجتمع عيدان على عهد ابن الزبير فاخر الخروج حتى تعالى النهار ثم خرج فخطب فاطال ثم نزل فصلى ركعتين ولم يصل للناس الجمعة فعاب ذلك عليه ناس فذكر ذلك لابن عباس فقال أصاب السنة فذكروا ذلك لابن الزبير فقال رأيت عمر بن الخطاب اذا اجتمع على عهده عيدان صنع هكذا مسدد والمروزي في العيدين وصحح *عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة قال خرج عمر يوم عيد فسأل أبا واقد الليثي أي شئ قرأ رسول الله

صلى الله عليه وسلم في هذا اليوم قال بقاف واقترب (ش) * عن العلاء بن بدر قال خرج علي في يوم عيد فرأى ناسا يصلون فقال يا أيها الناس قد شهدنا نبي الله صلى الله عليه وسلم في مثل هذا اليوم فلم يكن أحد يصلي قبل العيد أو قبل النبي صلى الله عليه وسلم فقال رجل يا أمير المؤمنين الا أنهى الناس أن يصلوا قبل خروج الامام فقال لا أريد أن أنهى عبدا اذا صلى ولكن نحدثهم بما شهدنا من النبي صلى الله عليه وسلم ابن راهويه والبزار وزاهر في تحفة عيد (٣٠٤) الفطر * عن حنش بن المعتمر قال قيل لعلي ان ناسا لا يستطيعون الخروج الى الجبانة منهم من به علة ومنهم من يبعد عليه المسجد فقال صلوا ههنا وفي المسجد وصلوا أربعا ركعتين للسنة وركعتين للخروج (ش) وابن منيع والمروزي في العيدين * عن أبي إسحق ان عليا أمر رجلا فصلى بضعفة الناس يوم العيد في المسجد ركعتين الشافعي وابن جرير (هق) * عن علي قال من السنة أن تأتي العيد ماشيا ثم تركب اذا رجعت (هق) * عن علي قال من السنة أن يطعم الرجل يوم الفطر قبل أن يخرج الى المصلى (هق) * عن البراء بن عازب ان النبي صلى الله عليه وسلم خطبهم يوم عيد وفي يده قوس أو عصا (ش) * عن الشعبي عن زياد بن عياض الاشعري قال كل شئ رأيت النبي صلى الله عليه وسلم فعله قد رأيتكم تفعلونه غير أنكم لا تغسلون في العيدين ابن منده (كر) وقال الصحيح في هذا الحديث عن عياض وقوله زياد غير محفوظ * عن ابن عباس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج يوم الفطر فصلى ركعتين لم يصل قبلهما ولا بعدهما ثم أتى النساء ومعه بلال فأمرهم بالصدقة فجعلت المرأة تلقي خرصها وسخابها (كر) * عن ابن عمر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يكبر يوم الفطر من حين يخرج من بيته حتى يأتي المصلى (هق كر) * عن يحيى بن عبد الرحمن بن حاطب عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتي العيد ويذهب في طريق آخر ابن منده (كر) عن يزيد بن أبي ليلى قال صلى بنا ولي العيد ثم خطب على راحلته (ش) * عن الحرث عن علي انه كان يكبر في الفطر احدى عشرة ستا في الاولى وخمسا في الآخرة يبدأ بالقراءة في الركعتين (ش) عن أنس كان

---

السائبة جبار والجب جبار والمعدن جبار وفي الركاز الخمس قال وقال الشعبي الركاز الكنز العادي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا خلف بن الوليد حدثنا عباد بن عباد عن مجالد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انكم اليوم على دين وانى مكاثر بكم الامم فلا تسودوا وجهي القهقرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو المغيرة حدثنا الاوزاعي حدثني يحيى بن أبي كثير حدثني عبيد الله بن مقسم حدثني جابر بن عبد الله قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فمرت بنا جنازة فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم وقمنا معه فذهبنا نحملها اذا هي جنازة يهودية فقلنا يا رسول الله انها جنازة يهودية قال ان للموت فزعا فاذا رأيتم الجنازة فقوموا لها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو المغيرة ومحمد بن مصعب قالا حدثنا الاوزاعي حدثني عطاء وقال أبو مصعب عن عطاء بن أبي رباح عن جابر قال كانت لرجال فضول أرضين فكانوا يؤاجرونها على الثلث والربع والنصف فقال النبي صلى الله عليه وسلم من كانت له أرض فليزرعها أو ليمنحها أخاه فان أبى فليمسك أرضه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة حدثنا صفوان ثنا ماعز التميمي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عرش ابليس في البحر يبعث سراياه في كل يوم يفتنون الناس فاعظمهم عنده منزلة أعظمهم فتنة الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا الحكم ابن نافع حدثنا صفوان بن عمرو عن ماعز التميمي عن جابر بن عبد الله قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم أيأكل أهل الجنة قال نعم ويشربون ولا يبولون فيها ولا يتغوطون ولا يتخومون انما يكون ذلك جشاء ورشحا كرشح المسك ويلهمون التسبيح والتحميد كلما تنفسون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو اليمان حدثنا صفوان عن ماعز التميمي عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال ان الشيطان قد يئس أن يعبده المصلون ولكن في التحريش بينهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن عياش ثنا شعيب بن أبي حمزة عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من قال حين يسمع النداء اللهم رب هذه الدعوة التامة والصلاة القائمة آت محمدا الوسيلة والفضيلة وابعثه مقاما محمودا الذي وعدته لا حلت له الشفاعة يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن عياش حدثنا محمد بن مطرف عن زيد بن أسلم عن جابر بن عبد الله أن أميرا من أمراء الفتنة قدم المدينة وكان قد ذهب بصر جابر فقيل لجابر لو تنحيت عنه فخرج يمشي بين ابنيه فنكب فقال نعس من أخاف رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ابناه أو أحدهما يا أبت ركب أخاف رسول الله صلى الله عليه وسلم وقدمات قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من أخاف أهل المدينة فقد أخاف ما بين جنبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن عياش حدثنا اسمعيل بن عياش حدثني يحيى بن سعيد أخبرني أبو الزبير قال سمعت جابرا يقول بصر عيني وسمع أذني رسول الله صلى الله عليه وسلم بالجعرانة وفي ثوب بلال فضة ورسول الله صلى الله عليه وسلم يقبضها للناس يعطيهم فقال رجل اعدل قال ويلك ومن يعدل اذا لم أكن أعدل قال عمر بن الخطاب يا رسول الله دعني أقتل هذا المنافق الخبيث فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم معاذ الله ان يتحدث الناس اني أقتل أصحابي ان هذا وأصحابه يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حدثنا أبو المغيرة ثنا معاذ بن رفاعة حدثنا أبو الزبير عن جابر ابن عبد الله قال لما قسم رسول الله صلى الله عليه وسلم غنائم هوازن بين الناس بالجعرانة قام رجل من بني

رسول الله صلى الله عليه وسلم يفطر يوم الفطر على تمرات ثم يغدو (ش) * عن علي قال الخروج الى الجبان في العيدين من السنة (طس هق) * عن علي قال الجهر في صلاة العيدين من السنة (طس هق) * عن أنس قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فمنا المكبر والمهلل فلم يعب مكبرنا على مهللنا ولا مهللنا على مكبرنا ابن جرير * (صدقة الفطر) * صدقة الفطر صاع تمر أو صاع شعير عن كل رأس أو صاع بر أو قمح بين اثنين صغير أو كبير أحر أو عبد ذكر أو أنثى غني أو فقير أما غنيكم فيزكيه الله وأما (٣٠٠) فقيركم فيرد الله عليه أكثر مما أعطاه (حم د) عن عبد الله بن ثعلبة * صدقة الفطر على كل انسان مد ان من دقيق أو قمح ومن الشعير صاع ومن الحلواء زبيب أو تمر صاع صاع (طس) عن جابر * صدقة الفطر عن كل صغير وكبير ذكر وأنثى بمدي أو نصف صاع من بر أو صاعا من تمر أو صاعا من شعير (ق ط) عن ابن عباس * الفطرة على كل مسلم (خط) عن ابن مسعود * شهر رمضان معلق بين السماء والارض ولا يرفع الى الله الا زكاة الفطر ابن شاهين في ترغيبه والضياء عن جرير * زكاة الفطر طهرة للصائم من اللغو والرفث وطعمة للمساكين من أداها قبل الصلاة فهي زكاة مقبولة ومن أداها بعد الصلاة فهي صدقة من الصدقات (قط هق) عن ابن عباس * زكاة الفطر على الحاضر والبادي (هق) عن ابن عمرو * زكاة الفطر فرض على كل مسلم حر وعبد ذكر وأنثى من المسلمين صاع من تمر أو صاع من شعير (قط لك هق) عن ابن عمر

نبي تميم فقال اعدل يا محمد فقال ويلك ومن يعدل اذا لم أعدل لقد خبت وخسرت ان لم أعدل قال فقال عمر يا رسول الله ألا أقوم فاقتل هذا المنافق قال معاذ الله أن تتسامع الامم ان محمدا يقتل أصحابه ثم قال النبي صلى الله عليه وسلم ان هذا وأصحابا له يقرؤن القرآن لا يجاوز تراقيهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية قال معاذ فقال لي أبو الزبير فعرضت هذا الحديث على الزهري فما خالف فيه الا أنه قال القضي قلت القدح فقال أ لست برجل عربي * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يزيد بن عبد ربه حدثنا محمد بن حرب حدثني الزبيدي عن ابن شهاب عن عمرو بن أبان بن عثمان عن جابر بن عبد الله انه كان يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أرى الليلة رجل صالح ان أبا بكر نيط برسول الله صلى الله عليه وسلم ونيط عمر بأبي بكر ونيط عثمان بعمر قال جابر فلما قمنا من عند رسول الله صلى الله عليه وسلم قلنا أما الرجل الصالح فرسول الله صلى الله عليه وسلم وأما ذكر رسول الله صلى الله عليه وسلم من نوط بعضهم لبعض فهم ولاة هذا الامر الذي بعث الله به نبيه صلى الله عليه وسلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا هاشم حدثنا شعبة حدثنا سيار أبو الحكم قال سمعت الشعبي يحدث عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل أحدكم ليلا فليأت أهله طروقا كي تستحد المغيبة وتمتشط الشعثة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد وحجين قالا حدثنا ليث عن أبي الزبير عن جابر قال كنا يوم الحديبية ألفا وأربعمائة فبايعناه وعمر آخذ بيده تحت الشجرة وهي سمرة وقال بايعناه على ان لا نفر ولم نبايعه على الموت * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس حدثنا صالح بن مسلم بن رزين أخبرني أبو الزبير محمد بن مسلم عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لوان رجلا أعطى امرأة صداقا قل عبديه طعاما كانت له حلالا * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس حدثنا فليح عن سعيد بن الحرث أو ابن أبي الحرث عن جابر بن عبد الله قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم ورجل من أصحابه على رجل من الانصار في حائط وهو يحول الماء فقال هل عندك ماء بات هذه الليلة في شن والا كرعنا قال نعم يا رسول الله فانطلق به الى العريش فحلب له شاة ثم صب عليه من ماء بات في شن فشرب رسول الله صلى الله عليه وسلم وسقى صاحبه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس حدثنا حماد يعني ابن زيد عن أيوب حدثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم حين أفاض من عرفة جعل يقول بيده السكينة السكينة عباد الله السكينة * حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ثنا حماد بن زيد عن أيوب عن أبي الزبير عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى على النجاشي وصففنا خلفه صفين * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد الزبيري حدثنا قيس بن سليم العنبري حدثني يزيد الفقير حدثنا جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان قوما يخرجون من النار يحترقون فيها الا دارات وجوههم حتى يدخلوا الجنة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن يحيى بن سعيد عن جعفر من عبد الله بن الحكم عن القعقاع بن حكيم عن جابر بن عبد الله الانصاري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول غطوا الاناء وأوكئوا السقاء فان في السنة ليلة ينزل فيها وباء لا يمر بانا ء لم يغط ولا سقاء لم يوك الا وقع فيه من ذلك الوباء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن عمر بن علي بن الحسين انه قال بلغني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اقلوا الخروج هذه فان لله عز وجل خلقا يبثهم فاذا سمعتم نباح الكلاب أو نهاق الحمير فاستعيذوا بالله من الشيطان

(الاكمال) * امثالا قادوها عن الصغير والكبير والذكر والانثى والحر والعبد صاعا من تمر أو صاعا من زبيب أو صاعا من شعير أو صاعا من اقط (هق) عن أبي سعيد * (الافعال) * عن اسمعيل بن أمية بن سعيد بن العاص قال كان أبو بكر الصديق يأخذ من الاعراب صدقة الفطر الاقط (ش) * (الباب الثاني في صيام النفل) * الصائم المتطوع أمير نفسه ان شاء صام وان شاء أفطر (حم ت ك) عن أم هانئ * الصائم المتطوع بالخيار ما بينه وبين نصف النهار (هق) عن أنس وعن أبي امامة * الصائم بعد رمضان كالكار بعد الكار (هب) عن ابن عباس * انما مثل صوم

التطوع مثل الرجل يخرج من ماله الصدقة فان شاء أمضاها وان شاء حبسها (ن ه) عن عائشة (الاكمال) * من صام يوما تطوعا غرست له شجرة في الجنة ثمرها أصغر من الرمان وأضخم من التفاح وعذوبته كعذوبة الشهد وحلاوته كحلاوة العسل يطعم الله منه الصائم يوم القيامة (طب) عن قيس بن يزيد الجهني * من صام يوما ابتغاء وجه الله بعده الله من جهنم كبعد غراب طار وهو فرخ حتى مات هرما الحسن بن سفيان والبغوي وابن قانع وابن زنجويه (طب) وابن (٣٥٦) النجار (هب) عن سلامة بن قيصر * من صام يوما تطوعا فلو أعطى ملء الارض ذهبا ما وفى أجره دون الحساب ابن عساكر وابن النجار عن حرام عن أنس * من صام أربعين صباحا ما رمد بديه الا وجه الله لم يسأل الله تعالى شيئا الا أعطاه الديلمي عن وائلة

* (صيام داود عليه الصلاة والسلام) * أحب الصيام الى الله تعالى صيام داود كان يصوم يوما ويفطر يوما * أحب الصلاة الى الله تعالى صلاة داود كان ينام نصف الليل ويقوم ثلثه وينام سدسه (حم ق د ن ه) عن ابن عمر * لا صوم فوق صوم داود شطر الدهر صم يوما وافطر يوما (خ ن) عن ابن عمر * (الافعال) * عن علي قال كان داود عليه الصلاة والسلام يصوم يوما ويفطر يومين يوما لقضائه ويوما لشكائه (كر) * (صوم الدهر * الاكمال) * أفضل الصيام صيام داود ومن صام الدهر فقد وهب نفسه لله أبو بكر الشافعي في جزء من حديثه عن عمر وفيه ابراهيم بن أبي يحيى * من صام الدهر فقد وهب نفسه لله عز وجل أبو الشيخ عن أبي هريرة * من صام الدهر ضيق الله عليه جهنم هكذا وعقد تسعين (حم طب هق) عن أبي موسى

* (صيام أيام البيض) * اذا صمت من الشهر ثلاثا فصم ثلاث عشرة وأربع عشرة وخمس عشرة (حم ت ن حب) عن أبي ذر * ثلاث من كل شهر ورمضان الى رمضان فهذا صيام الدهر كله (م د ن) عن أبي قتادة * ألا أخبركم بما يذهب وحر الصدر صوم ثلاثة أيام من كل شهر (ن) عن رجل من الصحابة * صيام حسن صيام ثلاثة أيام من الشهر (حم ن حب) عن عثمان بن أبي العاصي * (الاكمال) * ان آدم

وقال ثنا الليث قال قال يزيد وحدثني هذا الحديث شرحبيل عن جابر بن عبد الله قال انه سمعه من رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حيان أبو خالد يعني الاحمر أنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال لقد رمى رسول الله صلى الله عليه وسلم بمثل حصى الخذف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حيان عن ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال لا أدري يبلغ به النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد يعني ابن زيد عن أيوب قال سمعت مجاهدا يقول عن جابر بن عبد الله قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن نقول لبيك اللهم بالحج فامرنا فجعلناها عمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ثنا حماد يعني ابن سلمة عن علي بن زيد وعاصم الاحول عن أبي نضرة عن جابر ابن عبد الله قال تمتعنا متعتين على عهد النبي صلى الله عليه وسلم الحج والنساء فنهانا عمر عنهما فانتهينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا أبو المليح ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال ان أول خبر قدم علينا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ان امرأة كان لها تابع قال فاتاها في صورة طير فوقع على جذع لهم قال فقالت ألا انزل فقع برك وتخبرنا قال انه قد خرج رجل بمكة حرم علينا الزنا ومنع من الفرار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن موسى ابن عقبة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يباشر الرجل الرجل في الثوب لواء ولا يباشر المرأة المرأة في الثوب الواحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم ابن أبي العباس ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن عمارة بن أبي عمرو أخبرني مولاي المطلب بن عبد الله بن حنطب ان جابر بن عبد الله قال صليت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم عيد الاضحى فلما انصرف أتي بكبش فذبحه فقال بسم الله والله أكبر اللهم ان هذا عني وعمن لم يضح من أمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا أبو المليح ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل بن أبي طالب عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يطلع عليكم من تحت هذا السور رجل من أهل الجنة قال فطلع عليهم أبو بكر رضوان الله عليه فهنأناه بما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم لبث هنيهة ثم قال يطلع عليكم من تحت هذا السور رجل من أهل الجنة قال فطلع عمر قال فهنأناه بما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ثم قال يطلع عليكم من تحت هذا السور رجل من أهل الجنة اللهم ان شئت جعلته عليه ثلاث مرات فطلع علي رضي الله عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يونس ويحيى بن أبي بكير قالا حدثنا حماد بن سلمة عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من أحيا أرضا ميتة فهي له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وسريج وعفان قالوا ثنا حماد قال عفان في حديثه أنا أبو الزبير عن جابر قال ذبحنا يوم خيبر الخيل والبغال والحمير فنهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن البغال والحمير ولم ينهنا عن الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم انه نهى عن المزابنة والمحاقلة والمخابرة والثنيا والمعاومة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وعفان قالا ثنا حماد قال عفان في حديثه أنا أبو الزبير عن جابر فيما أحسب ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن بيع الماء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن الدباء والمزفت والنقير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وعفان قالا ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر

الساعة وأكل من الشجرة فأوحى الله اليه يا آدم اهبط من جواري وعزتي لا يجاورني من عصاني فهبط الى الارض مسودا فبكت الملائكة وضجت وقالوا يارب خلقته بيدك وأسكنته جنتك وأسجدت له ملائكتك في ذنب واحد حولت بياضه فأوحى الله اليه يا آدم صم لي هذا اليوم ثلاثة عشر فصامه فاصبح ثلثاه أبيض ثم أوحى الله اليه يا آدم صم لي هذا اليوم أربعة عشر فصامه فاصبح ثلثاه أبيض ثم أوحى الله اليه يا آدم صم لي هذا اليوم يوم خمسة عشر فصامه فاصبح كله أبيض فسميت الايام البيض  الخطيب في أماليه وابن عساكر عن ابن مسعود مرفوعا وموقوفا وأورده ابن الجوزي في الموضوعات وقال في اسناده مجهولون * صوم شهر الصبر وثلاثة أيام من كل شهر صوم الدهر ويذهب مغلة الصدر قيل وما مغلة الصدر قال وسوس الشيطان (طب هب) عن أبي ذر * صم شهر الصبر رمضان قال زدني قال صم شهر الصبر ويوما بعده قال زدني قال صم شهر الصبر ويومين من كل شهر قال زدني قال صم شهر الصبر وثلاثة أيام من كل شهر قال زدني قال صم من الحرم واترك صم من الحرم واترك صم من الحرم واترك (حم ده) والبغوي وابن سعد (هب هق) عن مجيبة الباهلية عن أبيها أو عمها * (الافعال) * عن أبي الحوتكية عن عمر بن الخطاب أن أعرابيا جاء الى النبي صلى الله عليه وسلم بارنب يهديها اليه فقال ما هذه قال هدية وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يأكل الهدية حتى يأمر صاحبها فيأكل منها من أجل الشاة المسمومة التي أهديت اليه بخيبر فقال له النبي صلى الله عليه وسلم كل منها قال اني صائم قال صوم ماذا قال ثلاث من كل شهر قال أحسنت فاجعلها البيض الغر الزهر ثلاث عشرة وأربع عشرة وخمس عشرة ابن أبي الدنيا وابن جرير وصححه (هب) عن جابر * قال جاء رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسأله عن الصيام فشغل عنه فقال له ابن مسعود صم رمضان وثلاثة أيام من كل شهر فقال الرجل يارسول الله أخبرني عن الصيام فقال عبد الله صم رمضان وثلاثة أيام من كل شهر فقال الرجل اني أعوذ بالله منك يا عبد الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم وما تبغي صم رمضان وثلاثة أيام من كل شهر ابن

جابر قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد متوشحا به قال عفان قرنا خالف بين طرفيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس وعفان قالا ثنا همام بن سليمان الرقي ثنا حجاج عن محمد بن المنكدر عن جابر قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يارسول الله العمرة أواجبة هي قال لا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد القدوس بن بكر بن خنيس أنا حجاج عن أبي الزبير قال سئل جابر عما يدعى له الميت فقال ما أباح لنا فيه رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا أبو بكر ولا عمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر أبو سفيان يعني المعمري عن سفيان وأبو أحمد حدثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الكافر يأكل في سبعة امعاء والمؤمن يأكل في معى واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال أخبرني من رأى النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد قد خالف بين طرفيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن ثابت حدثني عبد الله بن المؤمل عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما عز مزم لما شرب له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مسكين بن بكير ثنا الاوزاعي عن حسان بن عطية عن محمد بن المنكدر عن جابر قال أتانا رسول الله صلى الله عليه وسلم زائرا فرأى في منزلنا فرخي رجلا شعثا فقال اما كان يجد هذا ما يسكن به رأسه ورأى رجلا عليه ثياب وسخة فقال اما كان يجد هذا ما يغسل به ثيابه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدبلة والمزفتة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن عبيد ثنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله وشامة عاوية بن عمرو أنبأنا زائدة حدثنا عبد الله بن محمد بن عقيل بن أبي طالب عن جابر بن عبد الله قال كفن النبي صلى الله عليه وسلم حمزة رضي الله عنه في ثوب واحد قال جابر فذاك أنا أو بعض عمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عمار بن محمد عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان مثل هذه الصلوات الخمس كمثل نهر جار على باب أحدكم يغتسل فيه كل يوم خمس مرات فما يبقى ذلك من الدنس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الوهاب بن عطاء عن سعيد عن قتادة عن سليمان اليشكري عن جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من كان له شريك في حائط فلا يبعه حتى يعرضه عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الوهاب يعني ابن عطاء أنبأنا حامة بن زيد الليثي عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم المسجد فاذا فيه قوم يقرؤن القرآن قال اقرؤا القرآن وابتغوا به الله عز وجل من قبل ان يأتي قوم يقيمونه اقامة القدح يتعجلونه ولا يتأجلونه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب اناهشام بن أبي عبد الله عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان نبي الله صلى الله عليه وسلم قال لا ترتدوا الصماء في ثوب واحد ولا يأكل أحدكم بشماله ولا يمش في نعل واحدة ولا يحتب في ثوب واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال احتجم رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو محرم من ألم كان بظهره أو بوركه شك هشام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب اناهشام عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع النخل حتى يطعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد حدثني محمد بن عبد الرحمن بن أبي ليلى عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم التسبيح في الصلاة للرجال والتصفيق للنساء **حدثنا** عبد الله

رنجويه وسنده حسن * عن كهمس الهلالي قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فاخبرته باسلامي ثم غبت عنه حولا ثم أتيته وقد ضمر بطني ونحل جسمي فخفض في الطرف ثم رفعه فقلت يارسول الله كأنك تنكرني قال أجل قلت أنا كهمس الهلالي الذي أتيتك عام أول قال ما بلغ بك ما أرى فقلت يارسول الله ما أفطرت منذ فارقتك نهارا ولا نمت ليلا فقال ومن أمرك بهذا ان تعذب نفسك صم شهر الصبر ومن كل شهر يوما قلت زدني قال صم شهر الصبر ومن كل (٣٥٨) شهر يومين قلت زدني فاني أجد قوة قال صم شهر الصبر ومن كل شهر ثلاثة أيام (ط) وابن جرير

حدثني أبي ثنا عبيدة حدثني الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال سافرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فحضرت الصلاة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان في القوم من طهور قال فجاء رجل بفضلة في اداوة قال فصبه في قدح قال فتوضأ رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم ان القوم أتوا بقية الطهور فقالوا تمسحوا تمسحوا قال فسمعهم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال علي رسلكم قال فضرب رسول الله صلى الله عليه وسلم يده في القدح في جوف الماء فقال اسبغوا الوضوء الطهور قال فقال جابر بن عبد الله والذي أذهب ببصري قال وكان قد ذهب بصره لقد رأيت الماء يخرج من بين أصابع رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم يزل يده حتى توضؤا أجمعون قال الاسود حسبته قال كنا مائتين أو زيادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة حدثني الاسود عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم يا جابر آلك امرأة قال قلت نعم قال أثيبا نكحت أم بكرا قال قلت له تزوجتها وهي ثيب قال فقال لي فهلا تزوجتها جويرية قال قلت له قتل أبي يوم عقل يوم كذا وكذا وترك جواري فكرهت أن أضم اليهن جارية كالحداهن فتزوجت ثيبا تقصع تلك الحداهن وتخيط درع احداهن اذا تخرق قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فالك نعم ما رأيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة ثنا الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى اهلنا اذا جاءهم سفر أن يطرق أهله قال فما رقبناهن بعد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة ثنا الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر ابن عبد الله الانصاري حدثه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه أراد الغزو فقال يا معشر المهاجرين والانصار ان من اخوانكم قوما ليس لهم مال ولا عشيرة فليضم أحدكم اليه الرجلين أو الثلاثة فما لاحدنا من ظهر حمله الا عقبة كعقبة أحدهم قال فضممت اثنين أو ثلاثة الى ومالي الا عقبة كعقبة أحدهم من جملي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة ثنا الاسود بن قيس عن نبيح عن جابر بن عبد الله قال فقدت جملي ليلة فرزت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يشد لعائشة قال فقال لي مالك يا جابر قال قلت فقدت جملي أو ذهب جملي في ليلة ظلماء قال فقال لي هذا جملك اذهب فخذه قال فذهبت نحوه اما قال لي فلم أجده قال فرجعت اليه فقلت يا نبي الله ما وجدته قال فقال لي هذا جملك اذهب فخذه قال فذهبت نحوه اما قال لي فلم أجده قال فرجعت اليه فقلت يا نبي الله لا والله ما وجدته قال فقال لي على رسلك حتى اذا فرغ أخذ بيدي فانطلق بي حتى أتينا الجمل فدفعه الي قال هذا جملك قال وقد سار الناس قال فبينما أنا أسير على جملي في عقبتي قال وكان جملا فيه قطاف قال قلت يا لهف أمي أن يكون لي الا جمل قطوف قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعدي يسير قال فسمع ما قلت قال فلحق بي فقال ما قلت يا جابر قبل قال فنسيت ما قلت قال قلت ما قلت شيء يا نبي الله قال فذكرت ما قلت قال قلت يا نبي الله يا لهفاه أن يكون لي الا جمل قطوف قال فضرب النبي صلى الله عليه وسلم عجز الجمل بسوط أو بسوطي قال فانطلق أوضع أو أسرع جمل ركبته قط وهو ينازعني خطامه قال فقال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم أتبيعني جملك هذا قال قلت نعم قال بكم قال قلت بوقية قال قال لي بيع كم في أوقية من ناضح وناضح قال قلت يا نبي الله ما بالمدينة ناضح أحب الي لنا منه قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم قد أخذته بوقية قال فنزلت عن الرحل الى الارض قال ما شأنك قال قلت جملك قال قال لي اركب جملك قال قلت ما هو بجهدي ولكنه جمل كذا قال كذا تراجعه مرتين في الامر اذا أمرنا به فاذا أمرنا الثالثة

* عن أبي ذر قال من كان صائما من الشهر ثلاثة أيام فليصم الثلاثة البيض ابن جرير * عن أبي عثمان قال كنا مع أبي هريرة في سفر فحضر الطعام وأبو هريرة يصلي فارسلوا اليه فقال اني صائم فاقبل القوم وفرغ أبو هريرة من صلاته وجاء وجلس على المائدة فجعل يأكل فنظروا الى الرسول فقال ما تنظرون الي هو أخبرني انه صائم فقال أبو هريرة صدق سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول صيام شهر الصبر وثلاثة أيام من كل شهر صوم الدهر فانا صائم في تضعيف الله ومفطر في رخصة الله عز وجل ابن النجار * عن ابن عباس انه سأله رجل عن الصيام فقال لاحدثنك حديثا ظهر عندي في التخت المخزون ان أردت صيام خليفة الرحمن داود كان من أعبد الناس وأشجع الناس وكان لا يفر اذا لاقى وكان يقرأ الزبور رباعين وسبعين صوتا يأتون فهن فيقرأ قراءة يطرب منها المحموم وكان اذا أراد أن يبكي نفسه اجتمعت دواب البر والبحر حوله فجاءته فينصت لقراءته ويبكين لبكائه وكان يسجد لله في آخر الليل سجدة لم يتضرع فيها الى الله تعالى سبحانه ويسأل حاجته وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أفضل الصيام صيام نبي الله داود كان يصوم يوما ويفطر يوما وان أردت صيام ابنه سليمان فكان يصوم من أول الشهر ثلاثة أيام ومن وسطه ثلاثة أيام ومن آخره ثلاثة أيام فكان يستفتح الشهر بالصيام ووسطه بالصيام وآخره بالصيام وان أردت صيام عيسى بن مريم فكان يصوم الدهر ولا يفطر وكان يقوم الليل فلا يرقد وكان يلبس الشعر

و يا كل الشعير و يبيت حيث أمسى ولا يحبس شيأ لغد وكان راعيا اذا أراد الصيد لم يخطه وكان عمر يجالس بني اسرائيل فمن كانت له اليه حاجة قضاها وكان ينظر الى الشمس فاذا رآها غربت قام فصف بين قدميه فلا يزال قائما لله عز وجل حتى يراها قد طلعت فكان هذا شأنه حتى رفعه الله اليه وان أردت صيام أمه مريم فانها كانت تصوم يومين وتفطر يوما وان أردت صيام خير البشر النبي العربي أبو القاسم صلى الله عليه وسلم فكان يصوم من كل شهر ثلاثة أيام ويقول هي صيام الدهر وهي أفضل الصيام ابن (٣٥٩) زنجويه (كر) وفيه أبو فضالة الفرج بن فضالة ضعيف * عن عبد الرحمن بن سمرة قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صومه فقال ثلاثة عشر وأربعة عشر وخمسة عشر وسألته عن الصلاة بالليل فقال ثمان ركعات وأوتر بثلاث فقلت ما يقرأ فيهن فقال سبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد (ابن كرز) * (صيام يوم الاثنين) * ان الاعمال ترفع يوم الاثنين والخميس فاحب أن يرفع عملي وأنا صائم الشيرازي في الالقاب عن أبي هريرة (هب) عن أسامة بن زيد * تعرض الاعمال يوم الاثنين والخميس فاحب أن يعرض عملي وأنا صائم (ت) عن أبي هريرة * (الا كمال) * الا لا تغادر صيام الاثنين فاني ولدت يوم الاثنين وأوحي الي يوم الاثنين وهاجرت يوم الاثنين وأموت يوم الاثنين ابن عساكر عن مكحول مرسلا * ذاك يوم ولدت فيه ويوم بعثت فيه وأنزل علي فيه (ط حم م) وابن زنجويه عن أبي قتادة أن أعرابيا سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن صوم يوم الاثنين قال فذكره * (ستة شوال) * من صام ستة أيام بعد الفطر كان تمام السنة من جاء بالحسنة فله عشر أمثالها (ه) عن ثوبان * جعل الله الحسنة بعشر أمثالها الشهر بعشرة أشهر وصيام ستة بعد الشهر تمام السنة أبو الشيخ في الثواب عن ثوبان * صم شوالا (ه) عن أسامة * صم رمضان والذي يليه وكل أربعاء وخميس فاذا أنت قد صمت الدهر (هب) عن مسلم القرشي * (الافعال) * عن محمد بن ابراهيم أن أسامة بن زيد كان يصوم أشهر الحرم فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم صم شوالا فترك الاشهر

لم نراجعه قال فركبت الجمل حتى أتيت عمتي بالمدينة قال وقالت لها ألم تزعمي اني بعت ناضحنا رسول الله صلى الله عليه وسلم باوقية قال فما رأيتها أعجبها ذلك قال وكان ناضحا فارها قال ثم أخذت شيأ من خيط أو خرزة اياه ثم أخذت بخطامه فقدته الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فوجدت رسول الله صلى الله عليه وسلم مقاما ومرارا جلا يكلمه قال فلت دونك يا نبي الله جملك قال فأخذ بخطامه ثم نادى بلالا فقال زن لجابر أوقية وأوفه فانطلقت مع بلال فوزن لي أوقية وأوفى من الوزن قال فرجعت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو قائم يحدث ذلك الرجل قال قلت له قد وزن لي أوقية وأوفاني قال فبينما هو كذلك اذ ذهبت الى بيتي ولا أشعر قال فنادى ابن جابر قالوا ذهب الى أهله قال أدركه الذي به قال فاتاني رسوله يسعى قال ما يا جابر يدعوك رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فاتيته فقال خذ جملك قلت ما هو جملي وانما هو جملك يا رسول الله قال خذ جملك قلت ما هو جملي انما هو جملك يا رسول قال خذ جملك قال فاخذته قال فقال لعمري ما نفعناك لنتزلك عنه قال فمكثت الى عمتي بالناضح معي و باوقية قال فقلت لها ما أثمر بن رسول الله صلى الله عليه وسلم أعطاني أوقية ورد علي جملي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن محمد بن اسحق حدثني صدقة بن يسار عن عقيل بن جابر عن جابر بن عبد الله الانصاري فيما يذكر من اجتهاد أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم في العبادة قال لم نر جنامع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عبد الله قال أبي وفي موضع آخر جنامع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة من نجد فاصاب امرأة رجل من المشركين الى نجد فغشيناد ارا من دور المشركين قال فاصبنا امرأة رجل منهم قال ثم انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم راجعا ورجعنا معه فاصابنا القائلة فنزل في شعب من الشعاب وقال من رجل يكلأ لنا ليلتنا هذه من عدونا قال فقال رجل من المهاجرين ورجل من الانصار نحن نكلأ لك يا رسول الله قال فكونا بفم الشعب دون العسكر ثم قال الانصاري للمهاجري أتكفيني أول الليل وأكفيك آخره أم تكفيني آخره وأكفيك أوله قال فقال المهاجري بل اكفني أوله وأكفيك آخره فنام المهاجري وقام الانصاري يصلي قال فافتتح سورة من القرآن فبينما هو فيها يقرأ اذ جاء زوج المرأة قال فلما رأى الرجل قائما عرف انه ربيئة القوم فيما نزع له بسهم فوضعه فيه قال فنزعه فوضعه وهو قائم يقرأ في السورة التي هو فيها ولم يتحرك كراهية ان يقطعها قال ثم عاد له بسهم آخر فوضعه فيه فانتزعه فوضعه وهو قائم يصلي ولم يتحرك كراهية ان يقطعها قال ثم عاد له زوج المرأة الثالثة بسهم فوضعه فيه فانتزعه فوضعه ثم ركع فسجد ثم قال لصاحبه اقعد فقد أوتيت قال فجلس المهاجري فلما رآه عرف انه صاحب المرأة مقترب وعرف انه قد نذر به قال واذا الانصاري يموج دما من رميات صاحب المرأة قال فقال له أخوه المهاجري يغفر الله لك الا كنت آذنتني أول ما رماك قال فقال كنت في سورة من القرآن قد افتتحتها أصلي بها فكرهت ان أقطعها وايم الله ولولا ان أضيع ثغرا أمرني به رسول الله صلى الله عليه وسلم بحفظه لقطع نفسي قبل ان أقطعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني محمد بن يحيى بن حبان عن عمه واسع بن حبان عن جابر بن عبد الله الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بذلك من كل جاد عشرة أو سق من التمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا محمد بن سلمة عن محمد بن اسحق عن محمد بن يحيى بن حبان عن عمه واسع بن حبان عن جابر

الحرم ولم يزل يصوم شوالا حتى مات العدني (ض) *(صيام محرم وعاشوراء)* ان كنت صائما بعد شهر رمضان فصم المحرم فانه شهر الله فيه يوم تاب فيه على قوم ويتوب فيه على آخرين (ن) عن علي *صوموا يوم عاشوراء وخالفوا فيه اليهود وصوموا قبله يوما وبعده يوما (حم هق) عن ابن عباس *هذا يوم عاشوراء ولم يكتب الله تعالى عليكم صيامه وأنا صائم فمن شاء فليصم ومن شاء فليفطر (ق) عن معاوية *آذن في الناس ان من كان أكل فليصم بقية يومه ومن (٣٦٠) لم يكن أكل فليصم فان اليوم يوم عاشوراء (حم ق ن) عن سلمة بن الاكوع (م) عن الربيع بنت معوذ * لئن بقيت أمرت بصيام يوم قبله أو يوم بعده يعني يوم عاشوراء (هب) عن ابن عباس *صوموا يوم عاشوراء يوم كانت الأنبياء تصومه فصوموه (ش) عن أبي هريرة * عاشوراء عيدنا كان قبلكم فصوموه أنتم البزار عن أبي هريرة *عاشوراء يوم العاشر (قط قر) عن أبي هريرة *عاشوراء يوم التاسع (حل) عن ابن عباس *فلق البحر لبني اسرائيل يوم عاشوراء (ع) وابن مردويه عن أنس *من صام يوما من المحرم فله بكل يوم ثلاثون حسنة (طب) عن ابن عباس *من صام ثلاثة أيام من شهر حرام الخميس والجمعة والسبت كتب له عبادة سنتين (طس) عن أنس *لئن بقيت الى قابل لاصومن التاسع (ه م) عن ابن عباس *(الاكمال)* من كان أصبح منكم صائما فليتم صومه ومن لم يصبح صائما فلا يأكل شيأ فان هذا يوم نصر فيه موسى على فرعون فصامته اليهود شكرا ونحن أحق بالشكر (طب) عن ابن عباس *نحن أحق بصوم (خ) عن أبي موسى قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم المدينة واذا عمارة أناس من اليهود يعظمون عاشوراء ويصومونه قال فذكره *قد كان عاشوراء يوما تصومه اليهود ويتخذونه عيدا فصوموه أنتم (طب) عن أبي موسى * من صام يوم الزينة أدرك ما فاته من صيام السنة يعني يوم عاشوراء الديلمي عن ابن عمر *ان نوحا هبط من السفينة على الجودي يوم عاشوراء فصام نوح وأمر من معه بصيامه شكرا لله وفي يوم عاشوراء تاب الله على آدم وعلى أهل مدينة يونس وفيه فلق البحر لبني اسرائيل

---

ابن عبد الله قال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم من كل جاد بعشرة أوسق من تمر بقنو يعلق في المسجد للمساكين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني محمد بن يحيى بن حبان عن عمه واسع بن حبان عن جابر بن عبد الله الانصاري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم حين أذن لاصحاب العرايا ان يبيعوها بخرصها يقول الوسق والوسقين والثلاثة والاربعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني داود بن الحصين مولى عمرو بن عثمان عن واقد بن عمرو ابن سعد بن معاذ عن جابر بن عبد الله الانصاري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا خطب أحدكم المرأة فقدر ان يرى منها بعض ما يدعوه اليها فليفعل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب حدثنا أبي عن بعض أهله عن أبيه عن طلق بن حبيب عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اتقوا فورة العشاء فانه لما يخاف من الاحتضار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا ابن أخي ابن شهاب عن عمه وقد حدثني أبو سلمة بن عبد الرحمن ان جابر بن عبد الله أخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قضى انه من أعمر رجلا عمرى له ولعقبه فانها للذي يعطاها لا يرجع فيها فانه ترك فيها حقه لمواريث الله وحقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني أبان بن صالح عن مجاهد بن جبر عن جابر بن عبد الله الانصاري قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد نهانا عن أن نستدبر القبلة أو نستقبلها بفروجنا اذا أهرقنا الماء قال ثم رأيته قبل موته بعام يبول مستقبل القبلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب بن ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني معاذ بن رفاعة الانصاري ثم الزرقي عن محمود بن عبد الرحمن بن عمرو بن الجموح عن جابر بن عبد الله الانصاري قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما الى سعد بن معاذ حين توفي قال فلما صلى عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم ووضع في قبره وسوي عليه سجى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسبحنا طويلا ثم كبر فكبرنا فقيل يا رسول الله لم سبحت ثم كبرت قال لقد تضايق على هذا العبد الصالح قبره حتى فرجه الله عز وجل عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال استكثروا من النعال فان الرجل لا يزال راكبا ما انتعل **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا قتيبة ثنا بكر بن مضر عن عمرو بن جابر الحضرمي عن جابر بن عبد الله الانصاري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الفار من الطاعون كالفار من الزحف والصابر فيه له أجر شهيد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا الفضل بن فضالة عن ابن جريج عن عطاء وأبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن المخابرة والمزابنة والمحاقلة وبيع الثمر حتى يطعم الا العرايا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا المنكدر بن محمد بن المنكدر عن أبيه عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل معروف صدقة وان من المعروف أن تلقى أخاك بوجه طلق وان تفرغ من دلوك في اناء أخيك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول طائر كل انسان في عنقه قال ابن لهيعة يعني الطيرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا الليث لهيعة عن أبي الزبير عن جابر يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ما أحد يدعو بدعاء الا آتاه الله ما سأل أو كف عنه من السوء مثله ما لم يدع بإثم أو بقطيعة رحم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا عبد العزيز بن محمد عن

وفيه ولد ابراهيم وابن مريم * أبو الشيخ في الثواب عن عبد الغفور بن عبد العزيز بن سعيد بن زيد بن عمرو بن نفيل عن أبيه عن جده * من صام في كل شهر حرام الخميس والجمعة والسبت كتب الله له عبادة سبعمائة سنة ابن شاهين في الترغيب وابن عساكر عن أنس وسنده ضعيف * من صام من كل شهر حرام ثلاثة أيام توالى بينهن غفر الله له ما تقدم من ذنبه الديلمي عن أنس * (الافعال) * عن علي قال سال رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا قاعد فقال يا رسول الله أي شهر تامرني أن أصوم بعد شهر رمضان (٣٦١) قال ان كنت صائما بعد شهر رمضان فصم المحرم فانه شهر الله وفيه يوم تاب الله فيه على قوم ويتوب فيه على آخرين الدارمي (ت) وقال حسن غريب (عم ع هب) * عن عمر أنه أرسل الى الحرث بن هشام ان غدا يوم عاشوراء فصم وأمر أهلك أن يصوموا مالك وابن جرير * عن كريب ابن سعد قال سمعت عمر بن الخطاب يقول ان الله تعالى لا يسألكم يوم القيامة الا عن صيام رمضان وصيام يوم الزينة يعني يوم عاشوراء ابن مردويه * عن قيس ابن سعد قال كنا نصوم عاشوراء ونعطي زكاة الفطر قبل أن ينزل علينا صوم رمضان والزكاة فلما نزل لم نؤمر به ولم ننه عنه ونحن نفعله ابن جرير

* (صيام رجب) *

ان في الجنة نهرا يقال له رجب أشد بياضا من اللبن وأحلى من العسل من صام يوما من رجب سقاه الله تعالى من ذلك النهر الشيرازي في الالقاب (هب) عن أنس * صوم أول يوم من رجب كفارة ثلاث سنين والثاني كفارة سنتين والثالث كفارة سنة ثم كل يوم شهرا أبو محمد الخلال في فضائل رجب عن ابن عباس * (الاكمال) * رجب من شهور الحرم وأيامه مكتوبة على أبواب السماء السادسة فاذا هل الرجل منه يوما وجد صومه يتقوى الله نطق الباب ونطق اليوم فقالا يارب اغفر له وان لم يتم صومه يتقوى الله لم يستغفر له وقيل خذ عتك نفسك . أبو محمد الحسن بن محمد الخلال في فضائل رجب عن أبي سعيد * ان رجبا شهر عظيم تضاعف فيه الحسنات من صام يوما منه كان كصيام سنة الرافعي عن سعيد * في رجب يوم وليلة من

عمارة بن غزية عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن رجلا قدم من جيشان وجيشان من اليمن فسأل النبي صلى الله عليه وسلم عن شراب يشربونه يصنع بأرضهم من الذرة يقال له المزر فقال النبي صلى الله عليه وسلم أمسكر هو قال نعم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كل مسكر حرام وان على الله عز وجل عهدا لمن يشرب المسكر ان يسقيه من طينة الخبال قالوا يا رسول الله وما طينة الخبال قال عرق أهل النار أو عصارة أهل النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله المديني ثنا سفيان ثنا محمد بن علي بن ربيعة السلمي عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم يا جابر أما علمت ان الله عز وجل أحيا أبالك فقال له تمن علي فقال أرد الى الدنيا فاقتل مرة أخرى فقال اني قضيت الحكم انهم اليها لا يرجعون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الجبار بن محمد الخطابي ثنا عبيد الله يعني ابن عمر والرقي عن عبد الكريم عن عطاء عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عمرة في رمضان تعدل حجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن مجالد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لليهود اني سائلهم عن تربة الجنة وهي درمكة بيضاء فسألهم فقالوا هي خبزة يا أبا القاسم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الخبزة من الدرمك **حدثنا** عبد الله حدثني بهز ثنا سليم بن حيان ثنا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الثمر حتى تشقح قال قلت لسعيد ما تشقح قال تحمار وتصفار ويؤكل منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم وجيد عن الحسن ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى ان يتعاطى السيف مسلولا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان وبهز قالا ثنا همام ثنا قتادة عن عطاء بن أبي مروان عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال العمرى جائزة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن حيان انا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال مثلي ومثل الانبياء كمثل رجل أوقد نارا فجعل الفراش والجنادب يقعن فيها قال وهو ينبذهن عنها قال وأنا آخذ بحجزكم عن النار وأنتم تفلتون من يدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن حيان ثنا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال مثلي ومثل الانبياء كمثل رجل ابتنى دارا فاكملها وأحسنها الا موضع لبنة فجعل الناس يدخلونها ويعجبون ويقولون لو لا موضع اللبنة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فانا موضع اللبنة جئت فختمت الانبياء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن حيان ثنا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى على أصحمة النجاشي فكبر عليه أربعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد ثنا عمرو بن دينار عن محمد بن علي عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى يوم خيبر عن لحوم الحمر وأذن في لحوم الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الهاشمي انا عبثر بن القاسم أبو زبيد عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال أهدى رسول الله صلى الله عليه وسلم الى البيت غنما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن غيلان ثنا المفضل حدثني يحيى بن أيوب عن عبد الرحمن بن حرملة عن محمد بن عبد الله بن الحصين عن عمر بن عبد الرحمن بن جوهر قال سمعت رجلا يقول لجابر بن عبد الله من بقي معك من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بقي أنس بن مالك وسلمة بن الاكوع فقال رجل اما سلمة فقد ارتد عن هجرته فقال جابر لا تقل ذلك فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لاسلم ابدا يا أسلم قالوا يا رسول الله وانا

صام ذلك اليوم وقام تلك الليلة كان كمن صام من الدهر مائة سنة وقام مائة سنة وهو لثلاث بقين من رجب وفيه بعث الله تعالى محمدا صلى الله عليه وسلم (هب) وقال منكر عن سلمان الفارسي * من صام أول يوم من رجب عدل ذلك بصيام سنة ومن صام سبعة أيام غلق عنه سبعة أبواب النار ومن صام من رجب عشرة أيام نادى مناد من السماء أن سل تعطه أبو نعيم وابن عساكر عن ابن عمر * من صام يوما من رجب كان كصيام سنة ومن صام سبعة أيام غلقت  عنه سبعة أبواب جهنم ومن صام ثمانية أيام فتحت له ثمانية أبواب الجنة ومن صام عشرة أيام لم يسأل الله شيا الا أعطاه ومن صام خمسة عشر يوما نادى مناد من السماء قد غفرت لك ما سلف فاستأنف العمل قد بدلت سياآتك حسنات ومن زاد زاده الله وفي رجب حمل نوح في السفينة فصام نوح فامر من معه أن يصوموا وجرت بهم السفينة ستة أشهر الى آخر العشر فخلون من المحرم (هب) عن أنس *(الافعال)* عن أبي ثعلبة قال في الجنة قصر لصوام رجب (كر) * عن خرشة بن الحر قال رأيت عمر بن الخطاب يضرب أكف الرجال في صوم رجب حتى يضعوها في الطعام ويقول رجب وما رجب انما رجب شهر كانت تعظمه الجاهلية فلما جاء الاسلام ترك (ش طس) حم (صيام شعبان) * *(الافعال)* عن عائشة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يكن يصوم من شهر من السنة أكثر من صيامه من شعبان فانه كان يصوم شعبان كله وكان يقول خذوا من العمل ما تطيقون فان الله لا يمل حتى تملوا وانه كان أحب الصلاة اليه ما داوم عليها وان قلت وكان اذا صلى صلاة داوم عليها ابن زنجويه * عن عائشة ان امرأة ذكرت لها انها تصوم رجب فقالت ان كنت صائمة شهر الامحالة فعليك بشعبان فان فيه الفضل ابن زنجويه * عن أسامة بن زيد قلت يا رسول الله لم أرك تصوم من شهر من الشهور ما تصوم من شعبان قال ذاك شهر يغفل الناس عنه بين رجب ورمضان وهو شهر يرفع فيه الاعمال الى رب العالمين فاحب أن يرفع عملي وأنا صائم (ش) وابن زنجويه (ع) وابن أبي عاصم والبارودي * (صيام عشر ذي الحجة) * (الاكمال) من صام

---

نخاف ان نرتد بعد هجرتنا قال انكم أنتم تهاجرون حيث كنتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور ثنا يعقوب بن عبد الرحمن عن عمرو بن أبي عمرو عن المطلب بن عبد الله عن جابر بن عبد الله قال شهدت الاضحى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم بالمصلى فلما قضى خطبته أتي بكبش فذبحه بيده وقال بسم الله والله اللهم إن هذا عني وعمن لم يضح من أمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور وقتيبة بن سعيد قالا ثنا يعقوب بن عبد الرحمن عن عمرو بن أبي عمرو عن المطلب عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال قتيبة في حديثه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول صيد البر لكم حلال قال سعيد وأنتم حرم مالم تصيدوه أو يصد لكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة ثنا يعقوب عن عمرو عن المطلب عن جابر بن عبد الله قال شهدت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الاضحى بالمصلى فلما قضى خطبته نزل من منبره وأتي بكبش فذبحه رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده وقال بسم الله والله أكبر هذا عني وعمن لم يضح من أمتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر أنا أبو بكر عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله قال كنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في غزاة قال فاستأذنت أنجل قلت ابي تزوجت قال ثيبا أم بكرا قال قلت ثيبا قال فألا كانت بكرا تلاعبها وتلاعبك قال انطلق واعمل عملا كيسا قال أبو بكر يعني لا تطرقهن ليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يمشي أحدنا في النعل الواحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا حبيب المعلم عن عطاء عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال احبسوا صبيانكم حتى تذهب زعة العشاء فانها لحتاجة تحترق فيها الشياطين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا أبو الزبير عن جابر قال أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نغلق الابواب وان نوكئ الاسقية وان نطفئ المصابيح وان نكف فواشينا حتى تذهب فحمة العشاء ونهانا ان يأكل الرجل بشماله وان يمشي في النعل الواحدة وعن الصماء والاحتباء في ثوب واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا قيس بن سعد عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم لاربع خلون من ذي الحجة فلما طفنا بالبيت وبين الصفا والمروة قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجعلوها عمرة الا من كان معه الهدى فلما كان يوم التروية أهلوا بالحج فلما كان يوم النحر طافوا ولم يطوفوا بين الصفا والمروة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد العزيز بن مسلم ثنا سليمان الاعمش عن أبي صالح عن أبي هريرة وعن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سددوا وقاربوا ولن ينجي أحدا منكم عمله قالوا ولا أنت يا رسول الله قال ولا أنا الا أن يتغمدني الله منه برحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة ثنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله قال ذبحنا يوم خيبر الخيل والبغال والحمير فنهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن البغل والحمير ولم ينه عن الخيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا علي بن زيد عن أبي المتوكل عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بجابر في غزوة تبوك قال وقد أعيا بعيره فجعل يتخلف فقال ما شأنك يا جابر فقلت يا رسول الله بعيري قد زحمه قال فاتاه من قبل عجزه وقال عفان وعجزه سواه فدعا وزجره قال فلم يزل يقدم الابل قال فاتى عليه فقال ما فعل البعير قلت ما زال يقدمها قال بكم أخذته فقلت بثلاثة عشر دينارا قال فبعتني بالثمن ولك ظهره الى المدينة قلت نعم قال فلما قدمت المدينة

---

خطمته

أيام العشر كتب له بكل يوم صوم سنة غير يوم عرفة فانه من صام يوم عرفة كتب له صوم سنتين ابن النجار عن جابر * (الافعال) * عن عائشة قالت ما رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم صام العشر قط ولا خرج من الخلاء الا توضأ (ص) * (صوم يوم الجمعة والاربعاء والخميس) * * (الاكمال) * من صام يوم الجمعة كتب الله له عشرة أيام عدد هن من ايام الآخرة غرا زهرا لا يشبهن أيام الدنيا أبو الشيخ (هب) عن أبي هريرة * من صام رمضان وشوال والاربعاء والخميس دخل الجنة البغوي (هب) (٣٦٣) عن عكرمة بن خالد عن عريف من عرفاء قريش عن أبيه * من صام يوم الاربعاء والخميس والجمعة وتصدق بما قل أو كثر غفر الله ذنوبه يخرج من ذنوبه كيوم ولدته أمه (هب هق) عن ابن عمر

* (الكتاب الثالث من حرف الصاد كتاب الصلح) * اذا اختلفتم في الطريق فاجعلوه سبعة أذرع (حم م د ت م) عن أبي هريرة (حم م هـ ق) عن ابن عباس * حد الطريق سبعة أذرع (ط ي) عن جابر * (الاكمال) * قضى اذا تشاجروا في الطريق بسبعة أذرع (خ) عن أبي هريرة * اذا اختلفتم في الطريق فاجعلوا عرضه سبعة أذرع (حم خ م د ت) حسن صحيح عن أبي هريرة (م هق) عن ابن عباس * اذا اختلفتم في الطريق فاجعلوا عرضه سبعة أذرع ومن جنباته نلزم عمه حائط جداره (خم هق) عن ابن عباس * اذا اختلفتم في الطريق فاذرعوا سبعة أذرع ولا تجعلوا أقل من ذلك (طب) عن ابن عباس * اذا اختلفتم في الطريق فاذرعوا سبعة أذرع ثم ابنوا (عب) عن

خطمته ثم أتيت به النبي صلى الله عليه وسلم فاعطاني الثمن وأعطاني البعير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا أبو الزبير عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم دخل يوم فتح مكة وعليه عمامة سوداء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر عن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كوى سعد بن معاذ من رميته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن ابراهيم ثنا أبو الزبير عن جابر قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم وهو يخطب فقال أصليت الركعتين فقال لا قال فصلهما قال وكان جابر يقول ان صلى في بيته يخفيهما اذا دخل أن يصلهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن ابراهيم ثنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري أن النبي صلى الله عليه وسلم بعثه لبعض حاجته قال فجاء والنبي صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته قال فسلم عليه فسكت فسلم عليه فسكت فسلم عليه فسكت ثلاث مرات قال فقال له لما فرغ انه لم يمنعني ان أرد عليك الا اني كنت أصلي قال فصلى حيث توجهت به راحلته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يزيد بن ابراهيم ثنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم احتجم وهو محرم من وثي كان به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة أخبرني محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فدققت الباب فقال من هذا قلت أنا قال انا انا كأنه كرهه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن حيان ثنا سعيد بن ميناء عن جابر ابن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى على أصحمة النجاشي فكبر عليه أربعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا مطر عن رجل أحسبه الحسن عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يمشي من قتل بعد أخذه الدية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سعيد بن يزيد أنا ليث عن أبي بكر وقال عفان مرة عن أبي بكر بن محمد عن جابر بن عبد الله الأنصاري عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من أحيا أرضا ميتة فهو له وليس لعرق ظالم حق **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا حجاج عن عطاء عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخرج في العيدين ويخرج أهله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا قيس بن سعد عن عطاء عن جابر بن عبد الله الانصاري أن النبي صلى الله عليه وسلم نحر البدنة عن سبعة والبقرة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال محارب بن دثار أخبرني قال سمعت جابرا يقول انه كان مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فلما أتى المدينة أمره أن يأتي المسجد فيصلي ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد أنا علي بن يزيد وعاصم الاحول عن أبي نضرة عن جابر بن عبد الله قال تمتعنا على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم متعتين الحج والنساء وقد قال حماد أيضا متعة الحج ومتعة النساء فلما كان عمر نهانا عنهما فانتهينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام قال سأل سليمان بن موسى عطاء وأنا شاهد قال حدثك جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى أن ينبذ البسر والتمر جميعا والزبيب والتمر جميعا قال عطاء نعم وقال له سليمان بن موسى وأنا شاهد حدثك جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من كانت له أرض فليزرعها أو ليزرعها أخاه ولا يكريها قال عطاء نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا حبيب المعلم عن عطاء عن جابر ان رجلا قال يوم الفتح يا رسول الله اني نذرت ان فتح الله عليك مكة أن أصلي في بيت المقدس فقال صل ههنا فسأله فقال صل ههنا فسأله فقال شأنك اذا **حدثنا**

عكرمة مرسلا * (الافعال) * عن أبي قلابة رضي الله عنه قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الطريق المقتاة فقال اجعلوه سبعة أذرع (عب) * (الكتاب الرابع من حرف الصاد كتاب الصحبة وفيه أربعة أبواب الباب الاول في الترغيب فيها) * أفضل الاعمال الحب في الله والبغض في الله (د) عن أبي ذر * ان المتحابين في الله تعالى في ظل العرش (طب) عن معاذ * المتحابون في الله تعالى على كراسي من ياقوت حول العرش (طب) عن أبي أيوب * أحب الاعمال الى الله تعالى الحب في الله والبغض في الله (حم) عن أبي ذر * استكثروا من الاخوان فان لكل مؤمن

شفاعة يوم القيامة ابن النجار في تاريخه عن أنس * أكثروا من المعارف من المؤمنين فان لكل مؤمن شفاعة عند الله يوم القيامة (حل) في تاريخه عن أنس * ما أحدث رجل أناني الله تعالى الا أحدث الله له راحة في الجنة ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن أنس * أنا شفيع لكل أخوين تحابا في الله تعالى من مبعثي الى يوم القيامة (حل) عن سلمان * أفضل الاعمال بعد الايمان التودد الى الناس (طب) في مكارم الاخلاق عن أبي هريرة * ان الله تعالى (٣٦٤) ليدفع بالمسلم الصالح عن مائة أهل بيت من جيرانه البلاء (طب) عن ابن عمر * ان الله

عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان وبهز قالا حدثنا همام قال بهز ثنا قتادة قال قال لي سليمان بن هشام ان هذا ابن الزهري لا يدعنا أن كل شيء الا أمرنا أن نتوضأ منه يعني ما مسته النار قال فقلت له سألت عنه سعيد بن المسيب فقال اذا أكلته فهو طيب ليس عليك فيه وضوء فاذا خرج فهو خبيث عليك فيه الوضوء قال فهل بالبلد أحد قال قلت نعم أقوام رجل في جزيرة العرب علما قال من قلت عطاء بن أبي رباح قال بهز فأرسل اليه فجيء به قال فبعث اليه فقال حدثني جابر انهم أكلوا مع أبي بكر الصديق خبزا ولحما فصلى ولم يتوضأ قال قال لعياله ما تقول يعني في العمرى قال حدثني جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال العمرى جائزة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد أنا أيوب عن أبي الزبير وسعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن المحاقلة والمزابنة والمخابرة فقال أحدهما ولم يسم السنين وعن بيع الثنيا ورخص في العرايا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا سليمان بن مهران الاعمش قال سمعت أبا سفيان قال سمعت جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أهل الجنة يأكلون فيها ويشربون ولا يبولون ولا يتغوطون ولا يتفلون ولا يمتخطون طعامهم جشاء ورشح كرشح المسك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا سليمان الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال خرجنا مع النبي صلى الله عليه وسلم مهلين بالحج فطفنا بالبيت وسعينا بين الصفا والمروة فأمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نحل قال فخرجنا الى البطحاء قال فجعل الرجل يقول عهدي باهلي اليوم فقال الناس في ذلك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو استقبلت من أمري ما استدبرت منه لاحللت ولم يحل رسول الله صلى الله عليه وسلم لانه قد ساق الهدى فأحرمنا حين توجهنا الى منى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا أبو بشر أنا سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله قال نحرنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الحديبية سبعين بدنة البدنة عن سبعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا أبو بشر عن أبي سفيان عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم طلب وسأل أهله الادم فقالوا ما عندنا الا خل قال فدعا به فجعل يأكل به ويقول نعم الادم الخل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة عن حميد عن أبي المتوكل عن جابر بن عبد الله انهم كانوا لا يضعون أيديهم في الطعام حتى يكون رسول الله صلى الله عليه وسلم هو يبدأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا أبو الزبير عن جابر بن عبد الله ان رجلا ذبح قبل ان يصلي النبي صلى الله عليه وسلم عتودا جذعا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تجزئ عن أحد بعدك ونهى ان يذبحوا حتى يصلوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ثنا يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال أقبل مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى اذا كنا بذات الرقاع قال كنا اذا أتينا على شجرة ظليلة تركناها لرسول الله صلى الله عليه وسلم فجاء رجل من المشركين وسيف رسول الله صلى الله عليه وسلم معلق بشجرة فاخترط سيف نبي الله صلى الله عليه وسلم فاخترطه ثم قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم أتخافني قال لا قال فمن يمنعك مني قال الله عز وجل يمنعني منك قال فتهدده أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فأعمد السيف وعلقه فنودي بالصلاة فصلى بطائفة ركعتين وتأخروا وصلى بالطائفة الاخرى ركعتين فكانت لرسول الله صلى الله عليه وسلم أربع ركعات وللقوم ركعتان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا أبو بشر عن سليمان بن قيس

تعالى يقول يوم القيامة أين المتحابون لجلالي اليوم أظلهم في ظلي يوم لا ظل الا ظلي (حم م) عن أبي هريرة * أوثق عرى الايمان الموالاة في الله والمعاداة في الله والحب في الله والبغض في الله عز وجل (طب) عن ابن عباس * أوحى الله تبارك وتعالى الى نبي من الانبياء ان قل لفلان العابد اما زهدك في الدنيا فتعجلت راحة نفسك وأما انقطاعك الي فتعززت بي فماذا عملت فيما لي عليك قال يا رب وما ذاك قال هل عاديت في عدوا أو واليت في وليا (حل قط) عن ابن مسعود * أي عبد زار أخاه في الله تعالى نودي ان طبت وطابت لك الجنة ويقول الله عز وجل عبدي زارني على قراك وان أرضى لعبدي بقري دون الجنة ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن أنس * الارواح جنود مجندة فما تعارف منها ائتلف وما تناكر منها اختلف (خ) عن عائشة (حم م ن) عن أبي هريرة (طب) عن ابن مسعود * جالسوا الكبراء وسائلوا العلماء وخالطوا الحكماء (طب) عن أبي جحيفة * رأس العقل بعد الايمان بالله التودد الى الناس وما استغنى رجل عن

عن مشورة وان أهل المعروف في الدنيا هم أهل المعروف في الآخرة وان أهل المنكر في الدنيا هم أهل المنكر في الآخرة (هب) عن سعيد ابن المسيب مرسلا * زار رجل أخاله في قرية فأرصد الله تعالى له ملكا على مدرجته فقال أين تريد قال أخا لي في هذه القرية قال هل له عليك من نعمة ترجها قال لا الا اني أحبه في الله تعالى قال فاني رسول الله اليك ان الله أحبك كما أحببته (حم خد م) عن أبي هريرة * زر في الله تعالى فان

من زار في الله تعالى شيعه سبعون ألف ملك (حل) عن ابن عباس * الزائر أعطاه المسلم أعظم أجرا من المزور (فر) عن أنس * الزائر أطاف في بيته الآكل من طعامه أرفع درجة من المطعم له (خط) عن أنس * ما أبغض عند طنه بالله وهو مع من أحب أبو الشيخ عن أبي هريرة * قال الله تعالى المتحابون في جلالي لهم منابر من نور يغبطهم النبيون والشهداء (ت) عن معاذ * قال الله تعالى وجبت محبتي للمتحابين في وللمتجالسين في والمتباذلين في والمتزاورين في (حم طب لك هب) عن معاذ * قال الله تعالى



حقت محبتي للمتحابين في وحقت محبتي للمتواصلين في وحقت محبتي للمتناصحين في وحقت محبتي للمتزاورين في وحقت محبتي للمتباذلين في المتحابون في على منابر من نور يغبطهم بمكانهم النبيون والصديقون والشهداء (حم طب لك) عن عبادة بن الصامت * لان أطعم أحافي الله مسلما لقمة أحب الي من أن أتصدق بدرهم ولان أعطي أحافي الله تعالى مسلما درهما أحب الي من أن أتصدق بعشرة ولان أعطيه عشرة أحب الي من أن أعتق رقبة هناد (هب) عن بديل مرسلا * لوأن عبدين تحابا في الله تعالى واحد في المشرق وآخر في المغرب يجمع الله تعالى بينهما يوم القيامة يقول هذا الذي كنت تحبه في (هب) عن أبي هريرة * ما أحب عبد عبدا لله تعالى الا أكرم ربه (حم) عن أبي أمامة * ما تحاب اثنان في الله الا كان أفضلهما أشدهما حبا لصاحبه (خد حب لك) عن أنس * يا تحاب رجلان في الله تعالى الا وضع الله لهما كرسيا فاجلسا عليه حتى يفرغ الله من الحساب (طب) عن أبي عبيدة ومعاذ * ما ضاق مجلس بمتحابين (خط) عن أنس * مثل الجليس الصالح والجليس السوء كمثل صاحب المسك وكير الحداد لا يعدمك من صاحب المسك اما تشتريه أو تجد ريحه وكير الحداد يحرق بيتك أو ثوبك أو تجد منه ريحا خبيثة (خ) عن أبي موسى * مثل الجليس الصالح مثل العطار ان لم يعطك من عطره أصابك من ريحه (د لك) عن أنس * من أحب لله وأبغض لله وأعطى لله ومنع لله فقد استكمل الايمان

من جابر بن عبد الله قال قاتل رسول الله صلى الله عليه وسلم محارب خصفة بنخل فرأوا من المسلمين غرة فجاء رجل منهم يقال له غورث بن الحرث حتى قام على رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم بالسيف فقال من يمنعك مني قال الله عز وجل فسقط السيف من يده فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال من يمنعك مني قال كن كخير آخذ قال أتشهد أن لا اله الا الله قال لا ولكني أعاهدك ان لا اقاتلك ولا أكون مع قوم يقاتلونك فخلى سبيله قال فذهب الى أصحابه قال قد جئتكم من عند خير الناس فلما كان الظهر أو العصر صلى بهم صلاة الخوف فكان الناس طائفتين طائفة بازاء عدوهم وطائفة صلوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بالطائفة الذين كانوا معه ركعتين ثم انصرفوا فكانوا مكان أولئك الذين كانوا بازاء عدوهم وجاء أولئك فصلى بهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعتين فكان لله عز وجل ركعتان ركعتان ولرسول الله صلى الله عليه وسلم أربع ركعات **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي محمد ثنا عفان ثنا وهيب ثنا جعفر عن أبيه عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى العالية فمر بالسوق فمر بجدي أسك ميت فتناوله فرفعه ثم قال بكم تحبون ان هذا لكم قالوا ما نحب انه لنا بشيء وما نصنع به قال بكم تحبون انه لكم قالوا والله لو كان حيا لكان عيبا فيه انه أسك فكيف وهو ميت قال فوالله للدنيا أهون على الله من هذا عليكم **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن زيد ثنا أيوب ثنا مجاهد عن جابر قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن نقول لبيك بالحج فأمرنا فجعلناها عمرة **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد ثنا الحجاج ثنا أبو الزبير قال سئل جابر بن عبد الله كيف كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصنع ما الجس قال كان يتململ الرجل منه في سبيل الله ثم الرجل ثم الرجل **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يحيى أخبرني حصين وعمرو بن مرة سمعاها ما قال سمعت جابرا قال أصابنا عطش فجهشنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فوضع يده في نمرة من سلة بين يديه فجعل يثور من خلال أصابعه كأمثال العيون وقال عمرو وحصين بكلاهما قال خذوا بسم الله حتى يسعناه وكفانا وقال لجابر كم كنتم قال كنا ألفا وخمسمائة ولو كنا مائة ألف لكفانا **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا الفضل بن دكين ثنا شريك عن سالمة يعني ابن كهيل عن عطاء وأبي الزبير عن جابر أن رجلا مات وترك دينا فأمرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يبيعوه في دينه فباعوه بثمانمائة **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو نعيم حدثنا زكريا ثنا عامر حدثني جابر بن عبد الله ان أباه توفي وعليه دين فأتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وقلت له ان أبي توفي وعليه دين وليس عندي الا ما يخرج نخله فلا يبلغ ما يخرج سدس ما عليه قال فانطلق معي لكيلا تفحش على الغرماء فمشى حول بيدر من بيادر التمر ثم دعا وجلس عليه وقال أين غرماؤه فأوفاهم الذي لهم وبقي مثل الذي أعطاهم **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من يأتيني بخبر القوم يوم الاحزاب فقال الزبير أنا ثم قال من يأتيني بخبر القوم قال الزبير أنا قال من يأتيني بخبر القوم فقال الزبير أنا قال لكل نبي حواري وان حواري الزبير **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن محمد بن المنكدر قال سمعت جابرا قال جاء اعرابي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال بايعني يعني على الاسلام فبايعه على الاسلام ثم جاء من الغد محموما فقال يا رسول الله أقلني فأبى ثم جاءه من الغد محموما فقال أقلني فأبى فلما ولى قال المدينة كالكير تنفي خبثها وتنصع طيبها **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن أبي الزبير

(د) والضياء عن أبي امامة * من أحب فوما حشره الله تعالى في زمرتهم (طب) والضياء عن أبي قرصافة * من سره أن يجد حلاوة الايمان فليحب المرء لا يحبه الا لله تعالى (حم ك) عن أبي هريرة * من تشبه بقوم فهو منهم (د) عن ابن عمر (طس) عن جذيفة * من سود مع قوم فهو منهم فمن رضي مسلما لضا ان يجيء به يوم القيامة معه (خط) عن أنس * نظر الرجل الى أخيه عن شوق خير من اعتكاف سنة في مسجدي هذا الحكيم عن ابن عمر و (٣٦٦) * من نظر الى أخيه نظرة ودغفر الله له الحكيم عن ابن عمر و * ان المرء كثير باخيه وابن عمه

عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سقطت من أحدكم لقمة فليمط ما أصابها من الاذى ولا يدعها للشيطان ولا يمسح يده بالمنديل حتى يلعقها أو يلعقها فانه لا يدري في أي طعامه البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان عرش ابليس على البحر فيبعث بسراياه فأعظمهم عنده أعظمهم فتنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ابليس قد أيس ان يعبده المصلون ولكن في التحريش بينهم قال عبد الله قال أبي حدثناه وكيع عن سفيان معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم حدثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم يبعث كل عبد على ما مات عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد محمد بن عبد الله يعني الزبيري ثنا معقل يعني ابن عبيد الله الجزري عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حجاجا لا نرى الا الحج ولا ننوي غيره حتى اذا كنا بالعرج سرف حاضت عائشة فدخل عليها رسول الله صلى الله عليه وسلم وهي تبكي فقال ما لك تبكين قالت يا رسول الله أيهيبني الاذى قال انما أنت من بنات آدم يصيبك ما يصيبهن قال وقدمنا مكة في أربع مضين من ذي الحجة أياما أو ليالي فطفنا بالبيت وبين الصفا والمروة ثم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرنا فاحللنا الاحلال كله قال فقد اكرنا بيننا فقلنا خرجنا حجاجا لا نريد الا الحج ولا ننوي غيره حتى اذا لم يكن بيننا وبين عرفات الا أربعة أيام أو ليال خرجنا الى عرفات ومذاكيرنا تقطر المني من النساء قال فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقام خطيبا فقال الا ان العمرة قد دخلت في الحج ولو استقبلت من أمري ما استدبرت ما سقت الهدي ولولا الهدي لاحللت فمن لم يكن معه هدي فليحل فقام سراقة بن مالك ابن جعشم فقال يا رسول الله ألخيرنا لخيرة ابد كما نحن أو لعامنا هذا أم للابد قال لا بل للابد قال فاتينا عرفات وانصرفنا منها ثم ان بمائشة قالت يا رسول الله اني أجد في نفسي قد اعتمرت قال ان لك من مالهم قالت يا رسول الله اني أجد في نفسي فوقف باعلى ولدي مكة وأمر أخاها عبد الرحمن بن أبي بكر فاردفها حتى بلغت التنعيم ثم أقبلت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد وخلف بن الوليد قالا ثنا الربيع يعني ابن صبيح عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال قدمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم صبح أربع مضين من ذي الحجة مهلين بالحج كما نأمر نا النبي صلى الله عليه وسلم فطفنا بالبيت وصلينا الركعتين وسعينا بين الصفا والمروة ثم أمرنا فقصرنا ثم قال احلوا فلنا يا رسول الله حل ماذا قال حل للحلال من النساء والطيب قال فغشيت النساء وتطيبت الجمار قال خلف ولم يذكر الجمار بعضهم يقول ينطلق أحدنا الى منى وذكره يقطر منيا قال فخطبهم فحمد الله وأثنى عليه ثم قال اني لو استقبلت من أمري ما استدبرت ما سقت الهدي ولولم أسق الهدي لاحللت ألا فحلوا منا يكم قال فقام القوم فحلهم حتى اذا كان يوم التروية وتوجهوا التوجه الى منى أهلوا بالحج قال فكان الهدي على من وجد والصيام على من لم يجد وأشرك بينهم في هديهم الجزور بين سبعة والبقرة بين سبعة وكان طوافهم بالبيت وسعيهم بين الصفا والمروة لحجهم وعمرتهم طوافا واحدا وسعيا واحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد الزبيري ثنا قطن عن أبي الزبير عن جابر قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لا نحسب الا انا حجاج فلما قدمنا مكة تودي فينا من كان منكم ليس معه هدي فليحل ومن كان معه هدي فليقم على احرامه قال فاجل الناس بعمرة الا من كان ساق الهدي قال وبقي النبي صلى الله عليه وسلم

ابن سعد عن عبد الله بن جعفر * المرء كثير باخيه ابن أبي الدنيا في الاخوان عن سهل بن سعد * المرء مع من أحب (حم ق ٣) عن أنس (ق) عن ابن مسعود * لا تباغضوا ولا تدابروا ولا تنافسوا وكونوا عباد الله اخوانا (م) عن أبي هريرة * ان في الجنة لغرفا من يأتوت عليها غرف من زبرجد بها أبواب مفتحة تضيء كما يضيء الكوكب الدري يسكنها المتحابون في الله والمتجالسون في الله والمتلاقون في الله ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان (هب) عن أبي هريرة * ما تواد اثنان في الله فيفرق بينهما الا بذنب يحدثه أحدهما (حد) عن أنس * (الاكمال) * الحب في الله فريضة والبغض في الله فريضة الديلمي عن أنس * تواخوا في الله أخوين أخوين الحسن بن سفيان وأبو نعيم في المعرفة عن عبد الرحمن بن عويمر بن ساعدة * ان لله عبادا ليسوا بأنبياء ولا شهداء يغبطهم النبيون والشهداء يوم القيامة بقربهم ومجلسهم منه قوم من افناء الناس من نزاع القبائل تصافوا في الله وتحابوا يضع الله لهم يوم القيامة منابر من نور فيجلسهم يخاف ومعه الناس ولا يخافون هم أولياء الله لا خوف عليهم ولا هم يحزنون (ك) عن ابن عمر * ان من عباد الله عز وجل لاناسا ما هم بانبياء ولا شهداء يغبطهم الأنبياء والشهداء يوم القيامة بمكانهم من الله قوم يتحابون بروح الله من غير ارحام بينهم ولا أموال يتعاطونها بينهم والله ان وجوههم لنور وانهم لعلى منابر من نور لا يخافون اذا خاف الناس ولا يحزنون اذا حزن الناس ثم قرأ ألا ان أولياء الله لا خوف عليهم ولا هم يحزنون هناد

وابن جرير (حل هب) عن ابن عمر * أيها الناس اسمعوا واعقلوا واعلموا ان لله عبادا ليسوا بانبياء ولا شهداء يغبطهم النبيون والشهداء على مجالسهم وقربهم من الله عز وجل هم ناس من افناء الناس ونوازع القبائل ما يتصل بهم أرحام متقاربة تحابوا بجلال الله وتصافوا فيه وتزاوروا فيه وتباذلوا فيه يضع الله لهم يوم القيامة منابر من نور فيجلسون عليها وان ثيابهم لنور وروجوههم نور لا يخافون اذا خاف الناس ولا يفزعون اذا فزع الناس أولئك أولياء الله الذين لا خوف عليهم ولا هم (٣٦٧) يحزنون (حم) وابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان والحكيم وابن عساكر عن أبي مالك الاشعري * ان لله تعالى عبادا يحجبهم الله يوم القيامة على منابر من نور وتضيء وجوههم النور حتى يفرغ من حساب الخلائق (طب) عن أبي امامة * ان المتحابين لترى غرفهم في الجنة كالكوكب الطالع الشرقي أو الغربي فيقال من هؤلاء فيقال المتحابون في الله (حم) * عن أبي سعيد * ان المتحابين في الله ليرى عمود من ياقوتة حمراء في رأس العمود سبعون الف غرفة اذا أشرفوا على أهل الجنة أضاء حسنهم الجنة كما تضيء الشمس لاهل الدنيا فيقول أهل الجنة انطلقوا فلننظر الى المتحابين في الله عليهم ثياب سندس خضر مكتوب على جباههم هؤلاء المتحابون في الله تعالى الحكيم وابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان وابن عساكر عن ابن مسعود * أول من ترد الحوض يوم القيامة المتحابون في الله الديلمي عن أبي الدرداء * من أحب أخا في الله قال اذ أحبك الله فقد أحبه الله فدخلا جميعا الجنة كان الذي أحب في الله أرفع درجة بحبه على الذي أحبه له (ع) في الادب عن ابن عمر رد * ما من رجلين تحابا في الله بظهر الغيب الا كان أحبهما الى الله أشدهما حبا لصاحبه (طب) عن أبي الدرداء * ما أبارز رجلين من المسلمين اذا زار اخاه المسلم شيعه سبعون ألف ملك يصلون عليه يقولون اللهم كما وصله فيك فصله (طس) عن أبي بكر بن العقيلي * أتمنى ما من امرئ ما كسب وعليه ما اكتسب والمرء مع من أحب ومن مات على ذنب مات على طريق فهو من أهله الحكيم عن أبي أمامة * من أحب قوما على أعمالهم حشر يوم القيامة

---

ومعه مائة بدنة وقدم على مر الى اليمن فقال له بأي شئ أهللت قال اللهم اني أهل بما أهل به نبيك صلى الله عليه وسلم قال فاعطاه نيفا على الثلاثين من البدن قال ثم بقيا على احرامهما حتى بلغ الهدي محله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الناس معادن فخيارهم في الجاهلية خيارهم في الاسلام اذا فقهوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال دفع رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه السكينة وأوضع في وادي محسر وأراهم مثل حصا الخذف وأمرهم بالسكينة وقال لتأخذ أمتي مناسكها فاني لا أدري لعلي لا ألقاهم بعد عامي هذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا ابن مبارك عن عتبة بن أبي حكيم عن حميد عن أبي المصبح عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من اغبرت قدماه في سبيل الله فهما حرام على النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن أبان الوراق أبو اسحق ثنا يعقوب أبو عيسى بن جارية عن جابر بن عبد الله قال أتى ابن أم مكتوم النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله منزلي شاسع وأنا كفوف البصر وأنا أسمع الاذان قال فان سمعت الاذان فاجب ولو حبوا أو زحفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو الجواب ثنا عمار بن رزيق عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال جهز رسول الله صلى الله عليه وسلم جيشا ليلة حتى ذهب نصف الليل أو بلغ ذلك ثم خرج فقال قد صلى الناس ورقدوا وأنتم تنتظرون هذه الصلاة أما انكم لن تزالوا في صلاة ما انتظرتموها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد الزبيري ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من أراد أن يصوم فليتسحر بشئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله الانصاري انه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يمشي أحد في النعل الواحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر قال رمى رجل بسهم في صدره أو قال في جوفه فمات فادرج في ثيابه كما هو ونحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله انه قال أفاء الله عز وجل خيبر على رسوله صلى الله عليه وسلم فاقرهم رسول الله صلى الله عليه وسلم كما كانوا وجعلها بينه وبينهم فبعث عبد الله بن رواحة فخرصها عليهم ثم قال لهم يا معشر اليهود أنتم أبغض الخلق الى فقتلتم أنبياء الله عز وجل وكذبتم على الله وليس يحملني بغضي اياكم على ان أحيف عليكم قد خرصت عشرين ألف وسق من تمر فان شئتم فلكم وان أبيتم فلي فقالوا بهذا قامت السموات والارض قد أخذنا فاخرجوا عنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله انه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يخرج الدجال في خفقة من الدين وادبار من العلم فله أربعون ليلة يسيحها في الارض اليوم منها كالسنة واليوم منها كالشهر واليوم منها كالجمعة ثم سائر أيامه كايامكم هذه وله حمار يركبه عرض ما بين أذنيه أربعون ذراعا فيقول للناس أنا ربكم وهو أعور وان ربكم ليس بأعور مكتوب بين عينيه كافر كفر مهجاة يقرؤه كل مؤمن كاتب وغير كاتب يرد كل ماء ومنهل الا المدينة ومكة حرمهما الله عليه وقامت الملائكة بابوابها ومعه جبال من خبز والناس في جهد الا من تبعه ومعه نهران أنا أعلم بهما منه نهر يقول الجنة ونهر يقول النار فمن أدخل الذي يسميه الجنة فهو النار ومن أدخل الذي يسميه

من زمرتهم فحوسب بحسابهم وان لم يعمل أعمالهم الخطيب عن جابر * ان الله عز وجل يستحي أن يغفر لقوم وفيهم رجل ليس منهم الا غفر له معهم أبو الشيخ في الثواب عن أبي سعيد * اذا رضي الرجل عمل الرجل وهديه وسمته فانه مثله ابن النجار والرافعي عن أبي هريرة * المسلم الذي يخالط الناس ويصبر على أذاهم خير من الذي لا يخالط الناس ولا يصبر على أذاهم (ط حم ت ه) عن ابن عمر * الارواح جنود مجندة تلتقي فتشام فما تعارف منها ائتلف (٣٦٨) وما تناكر منها اختلف الديلمي عن علي * (الافعال) * عن شقيق عن سلمة قال جاء

النار فهو الجنة قال ويبعث الله معه شياطين تكلم الناس وتبعه فتنة عظيمة يأمر السماء فتمطر فيما يرى الناس ويقتل نفسا ثم يحييها فيما يرى الناس لا يسلط على غيرها من الناس ويقول أيها الناس هل يفعل مثل هذا الا الرب عز وجل ثم قال فيفر المسلمون الى جبل الدخان بالشام فيأتيهم فيحاصرهم فيشتد حصارهم ويجهدهم جهدا شديدا ثم ينزل عيسى بن مريم فينادي من السحر فيقول يا أيها الناس ما يمنعكم ان تخرجوا الى الكذاب الخبيث فيقولون هذا رجل جني فينطلقون فاذا هم بعيسى بن مريم صلى الله عليه وسلم فتقام الصلاة فيقال له تقدم يا روح الله فيقول ليتقدم امامكم فليصل بكم فاذا صلى صلاة الصبح خرجوا اليه قال فحين يرى الكذاب ينماث كما ينماث الملح في الماء فيمشي اليه فيقتله حتى ان الشجرة والحجر ينادي يا روح الله هذا يهودي فلا يترك ممن كان يتبعه أحدا الا قتله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله انه قال ان امرأة من اليهود بالمدينة ولدت غلاما ممسوحة عينه طالعة ناتئة فأشفق رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يكون الدجال فوجده تحت قطيفة تحركها فآذنته أمه فقالت يا عبد الله هذا أبو القاسم فجاء فاخرج اليه فخرج من القطيفة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم مالها قاتلها الله لو تركته لبين ثم قال يا ابن صائد ما ترى قال أرى حقا وأرى باطلا وأرى عرشا على الماء قال فليس عليه فقال أتشهد اني رسول الله فقال هو أتشهد اني رسول الله فقال رسول الله آمنت بالله ورسله ثم خرج وتركه ثم أتاه مرة أخرى فوجده في نخل له بهيم فآذنته أمه فقالت يا عبد الله هذا أبو القاسم فجاء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم مالها قاتلها الله لو تركته لبين قال فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم يطمع ان يسمع من كلامه شيأ فيعلم هو هو أم لا قال يا ابن صائد ما ترى قال أرى حقا وأرى باطلا وأرى عرشا على الماء قال أتشهد اني رسول الله قال هو أتشهد اني رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم آمنت بالله ورسله فليس عليه ثم خرج فتركه ثم جاء في الثالثة أو الرابعة ومعه أبو بكر وعمر بن الخطاب في نفر من المهاجرين والانصار وأنا معه قال فبادر رسول الله صلى الله عليه وسلم بين أيدينا رجاء أن يسمع من كلامه شيأ فسبقته أمه اليه فقالت يا عبد الله هذا أبو القاسم قد جاء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم مالها قاتلها الله لو تركته لبين فقال يا ابن صائد ما ترى قال أرى حقا وأرى باطلا وأرى عرشا على الماء قال أتشهد اني رسول الله قال أتشهد أنت اني رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم آمنت بالله ورسله فليس عليه فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم يا ابن صائد انا قد خبأنا لك خبيئا فما هو قال الدخ الدخ فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم اخسأ اخسأ فقال عمر بن الخطاب رضي الله عنه ائذن لي فاقتله يا رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يكن هو فلست بصاحبه انما صاحبه عيسى بن مريم عليه الصلاة والسلام وان لا يكن هو فليس لك ان تقتل رجلا من أهل العهد قال فلم يزل رسول الله صلى الله عليه وسلم مشفقا انه الدجال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار عن عطاء بن أبي رباح يحدث عن جابر بن عبد الله قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم نتزود لحوم الاضاحي الى المدينة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار عن جابر بن عبد الله قال كانا نفعله على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم يعني العزل قال قلت لعمرو أنت سمعته من جابر قال لا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار قال سمعت جابرا يحدث أن رجلا أعتق مملوكا له عن دبر منه

رجل الى علي وكلمه فقال في عرض الحديث اني لاحبك فقال له علي كذبت قال لم يا أمير المؤمنين قال لاني لا أرى قلبي يحبك قال النبي صلى الله عليه وسلم ان الارواح كانت تلاقى في الهواء فتشام فما تعارف منها ائتلف وما تناكر منها اختلف فلما كان من أمر علي ما كان كان من خرج عليه السافي في انتخاب حديث الفراء ورجاله ثقات * لبن عساكر أخبرنا أبو القاسم اسمعيل ابن أحمد أخبرنا أحمد بن محمد بن النقور أنبأنا عيسى بن علي أخبرنا عبد الله بن محمد حدثنا الحسين بن محمد الدارع النقوي حدثنا نصر بن علي الجهضمي حدثنا عبد المؤمن بن عباد العبدي حدثنا يزيد بن معن عن عبد الله بن ثمراحيل عن رجل من قريش عن زيد ابن أبي أوفى قال دخلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم مسجدة فقال أين فلان فجعل ينظر في وجوه أصحابه ويتفقدهم

ويبعث اليهم حتى توافوا عنده فحمد الله وأثنى عليه ثم قال اني محدثكم حديثا فاحفظوه وعوه فدعا وحدثوا به من بعدكم ان الله عز وجل اصطفى من خلقه خلقا ثم تلا الله يصطفي من الملائكة رسلا ومن الناس خلقا يدخلهم الجنة واني أصطفي منكم من أحب أن أصطفيه ومواخ بينكم كما آخى الله عز وجل بين ملائكته قم يا أبا بكر فاجث بين يدي فان لك عندي يدا الله يجزيك بها ولو كنت متخذا خليلا لاتخذتك خليلا فانت مني بمنزلة قميصي من جسدي ثم تنحى أبو بكر ثم قال أدن يا عمر فدنا منه فقال لقد كنت شديد

الشعب علينا أبا حفص فدعوت الله أن يعز الاسلام بك أو بأبي جهل بن هشام ففعل الله ذلك بك وكنت أحبهم الى الله فانت مني في الجنة ثالث ثلاثة من هذه الامة ثم تنحى عمر ثم آخى بينه وبين أبي بكر ثم دعا عثمان فقال ادن أبا عمر وادن أبا عمرو فزل يدنو منه حتى ألصق ركبتيه فنظر رسول الله صلى الله عليه وسلم الى السماء فقال سبحان الله العظيم ثلاث مرات ثم نظر الى عثمان وكانت أرواحهما محمولة فزوجها رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده ثم قال اجمع جماني ردائك على نحرك ثم قال ان لك شأنا في أهل السماء أنت (٣٦٩) ممن يرد علي حوضي وأوداجك تشخب دما فاقول من فعل بك هذا فتقول فلان وفلان وذلك كلام جبريل اذا هاتف يهتف من السماء فقال الا ان عثمان أمير على كل خليفة ذول ثم تنحى عثمان ثم دعا عبد الرحمن بن عوف فقال ادن يا أمين الله أنت أمين الله وتسمى في السماء الامين يسلطك الله على مالك بالحق أمان لك عندي دعوة قد وعدتكها وقد أخرتها قال خرلي يا رسول الله قال جعلتني يا عبد الرحمن لخلتهم قال ان لك لبشلا يا عبد الرحمن أما انه أكثر الله مالك وجعل يقول بيده هكذا وهكذا ووصف لنا حسين ابن محمد جعل يحثو بيده ثم تنحى عبد الرحمن ثم آخى بينه وبين عثمان ثم دعا طلحة والزبير ثم قال لهما ادنوا مني فدنوا منه فقال لهما أنتما حواري كحواري عيسى بن مريم ثم آخى بينهما ثم دعا عمار بن ياسر وسعدا وقال يا عمار تقتلك الفئة الباغية ثم آخى بينه وبين سعد ثم دعا عمر بن زيد أبا الدرداء وسلمان الفارسي فقال يا سلمان

فدعا به النبي صلى الله عليه وسلم فباعه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار قال سمعت جابرا يحدث أن النبي صلى الله عليه وسلم خطب فقال إذا جاء أحدكم وقد خرج الامام فليصل ركعتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار قال سمعت جابرا يقول كان معاذ يصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم يرجع فيؤم قومه قال فصلى بهم مرة العشاء فقرأ سورة البقرة فعدل رجل فانصرف فكان معاذ ينال منه فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال فتان فتان فتان أو قال فاتن فاتن فاتن وأمره بسورتين من أوسط المفصل قال محمود ولا أحفظهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن جعفر ثنا شعبة عن عمرو بن دينار قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم الا جارية تلاعبها وتلاعبك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن عطاء ابن أبي رباح عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لما نعى موت النجاشي قال صلوا على أخ لكم مات بغير بلاد كم قال فصلى علي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه قال جابر فكنت في الصف الثاني أو الثالث قال وكان اسمه أصحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن حصين عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال ولد لرجل من الانصار غلام فأراد أن يسميه محمدا فانطلق به الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فأتاه فقال سموا باسمي ولا تكتنوا بكنيتي فاني بعثت قاسما أقسم بينكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله ان رجلا من الانصار ولد له غلام فأراد أن يسميه محمدا فحملوه الى عائشة فأتى به رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم تسموا باسمي ولا تكتنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي اسحق انه سمع سعيد بن أبي كريب أو شعيب بن أبي كريب قال سمعت جابر بن عبد الله وهو على جمل يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ويل للعراقيب من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار انه سمع جابر بن عبد الله يقول جاء رجل والنبي صلى الله عليه وسلم على المنبر يوم الجمعة يخطب فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أركعت ركعتين فقال لا فقال اركع **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة ثنا مطرف من عطاء عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من كان له أرض فليزرعها فان عجز عنها فليزرعها أخاه ولا يكاريها قال ونهى نبي الله صلى الله عليه وسلم عن خليط البسر والتمر والزبيب والتمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سعيد بن ابراهيم عن محمد بن عمرو بن الحسن بن علي قال قدم الحجاج المدينة فسألنا جابر بن عبد الله فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي الظهر بالهاجرة والعصر والشمس نقية والمغرب اذا وجبت والعشاء أحيانا يؤخرها وأحيانا يعجل وكان اذا رآهم قد اجتمعوا عجل واذا رآهم قد أبطأوا أخر والصبح قال كانوا أو قال كان يصليها بغلس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال اعتق أبو مذكور غلاما له يقال له يعقوب القبطي عن دبر فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال أله مال غيره قالوا لا قال من يشتريه مني فاشتراه نعيم بن النحام بخمسمائة درهم فجاء بها فدفعها الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ابدأ بنفسك فتصدق عليها فان فضل شيء فلأهلك فان فضل عن أهلك شيء فلذي قرابتك فان فضل عن ذي قرابتك شيء فهكذا وهكذا وهكذا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن



أنت منا أهل البيت وقد آتاك الله علم الاول والآخر والكتاب الاول والكتاب الآخر ثم قال الا أرشدك يا أبا الدرداء قال بلى بأبي أنت وأمي يا رسول الله قال ان تنقد هم بنقد ولك وان تركتهم لا يتركوك وان تهرب منهم يدركوك فانتر ضهم عرضك ليوم فقرك واعلم أن الجزاء أمامك ثم آخى بينه وبين سلمان ثم نظر في وجوه أصحابه وقال أبشروا وقروا عينا أنتم أول من يرد علي حوضي وأنتم في أعلى الغرف ثم نظر الى عبد الله بن عمر فقال الحمد لله الذي يهدي من الضلالة ويكنيهم

الضلالة علي من يحب فقال علي اقد ذهب روحي وانقطع ظهري حين رأيتك فعلت هذا باصحابك ما فعلت غيري فان كان هذا من سخط علي فلك العتبى والكرامة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي بعثني بالحق ما أخرتك الا لنفسي وأنت مني بمنزلة هرون من موسى غير انه لا نبي بعدي وأنت أخي ووارثي قال وما أرث منك يا رسول الله قال ما ورثت الانبياء من قبلي قال وما ورثت الانبياء من قبلك قال كتاب ربهم وسنة نبيهم وأنت معي في قصري في الجنة مع فاطمة ابنتي (٣٧٠) وأنت أخي ورفيقي ثم تلا رسول الله صلى الله عليه وسلم اخوانا على سرر متقابلين المتحابين في الله ينظر بعضهم الى بعض

(قلت) قال الشيخ جلال الدين السيوطي هذا الحديث أخرجه جماعة من الائمة كالبغوي والطبراني في معجمهما والباوردي في المعرفة وابن عدي وكان في نفسي منه شئ ثم رأيت أبا أحمد الحاكم في الكنى نقل عن البخاري انه قال حدثنا ابراهيم بن حسان حدثنا ابراهيم بن بشر أبو عمرو عن يحيى بن معين المبيني حدثني ابراهيم القرشي عن سعد بن شرحبيل بن زيد بن أبي أوفى به وقال هذا اسناد مجهول لا يتابع عليه ولا يعرف سماع بعضهم من بعض انتهى * لما آخى النبي صلى الله عليه وسلم بين أصحابه قال علي لقد ذهب روحي وانقطع ظهري حين رأيتك فعلت باصحابك ما فعلت غيري فان كان هذا من سخط علي فلك العتبى والكرامة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي بعثني بالحق ما أخرتك الا لنفسي وأنت مني بمنزلة هرون من موسى غير انه لا نبي بعدي وأنت أخي ووارثي قال وما أرث منك يا رسول الله قال ما ورثت الانبياء من قبلي قال كتاب ربهم وسنة نبيهم وأنت معي في قصري في الجنة مع فاطمة ابنتي وأنت أخي ورفيقي (حم) في كتاب مناقب علي * عن علي ان رجلا قال للنبي صلى الله عليه وسلم الرجل يحب القوم ولما يستطيع أن يعمل بعملهم قال المرء مع أحب (ط) * عن أبي سعيد سأل رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الساعة فقال ما أعددت لها قال ما أعددت لها كبيرا الا أني أحب الله ورسوله قال فانت مع من أحببت (طب) * عن محمد بن الحنفية قال

---

جابر بن عبد الله قال كنا نصلي مع النبي صلى الله عليه وسلم المغرب ثم نرجع إلى منازلنا وهي نميل وأنا أبصر مواقع النبل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا اسمعيل عن سلمة بن كهيل عن عطاء بن أبي رباح عن جابر قال باع رسول الله صلى الله عليه وسلم ان رجلا من أصحابه أعتق عبدا له عن دبر ولم يكن له مال غيره فباع رسول الله صلى الله عليه وسلم العبد بثمانمائة ودفعها الى مولاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال ولد لرجل من الانصار غلام فسماه القاسم فقالت الانصار والله لا نكنيك به ابدا فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتى على الانصار خيرا ثم قال تسموا باسمي ولا تكنوا بكنيتي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الأعمش عن أبي سفيان عن جابر قال جاء أبو حميد الانصاري الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بقدح فيه لبن يحمله مكشوفا فقال له النبي صلى الله عليه وسلم الا كنت خمرته ولو بعود تعرضه عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن عامر قال شعبة أنا عن مخول عن أبي جعفر محمد بن علي بن حسين عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا اغتسل أفرغ على رأسه ثلاثا قال فقال رجل من بني هاشم ان شعري كثير فقال جابر ان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم كان أكثر من شعرك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عاصم عن يزيد يعني ابن أبي زياد عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يجزئ من الوضوء المد من الماء ومن الجنابة الصاع فقال رجل ما يكفيني فقال جابر قد كفى من هو خير منك وأكثر شعرا رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا محمد بن سابق ثنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لعن الله اليهود حرمت عليهم شحومها فاكلوا أثمانها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا زائدة عن حصين عن سالم ابن أبي الجعد ثنا جابر بن عبد الله قال بينما نحن نصلي الجمعة مع رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ أقبلت عير تحمل طعاما قال فالتفتوا اليها حتى ما بقي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الا اثنا عشر رجلا فنزلت هذه الآية واذا رأوا تجارة أو لهوا انفضوا اليها وتركوك قائما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية ابن عمرو ثنا أبو اسحق عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول بين العبد وبين الكفر أو الشرك ترك الصلاة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا أبو اسحق عن ابن جريج عن سليمان بن موسى عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بقوم في مجلس يسلون سيفا يتعاطونه بينهم غير مغمود فقال ألم أزجركم عن هذا فاذا سل أحدكم السيف فليغمده ثم ليعطه أخاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو ثنا ابن اسحق قال قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابرا يحدث ذلك عن النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن حرب ثنا حماد بن زيد عن الحجاج الصواف عن أبي الزبير عن جابر أن الطفيل بن عمرو الدوسي أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله هل لك في حصن حصينة ومنعة قال فقال حصن كان لدوس في الجاهلية فأبى ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم للذي ذخر الله عز وجل للانصار فلما هاجر النبي صلى الله عليه وسلم الى المدينة هاجر اليه الطفيل بن عمرو وهاجر معه رجل من قومه فاجتووا المدينة فمرض فجزع فاخذ مشاقص له فقطع بها براجمه فشخبت يداه حتى مات فرآه الطفيل بن عمرو في منامه فرآه في هيئة حسنة ورآه مغطيا يديه فقال له ما صنع

من أحب رجلا على عدل ظهر منه وهو في علم الله من أهل النار آخره الله كافرا كان من أهل الجنة ومن أبغض رجلا على جور ظهر منه وهو في علم الله من أهل الجنة آخره الله كافرا كان من أهل النار (عب) * عن محمد بن [illegible] قال من أحب رجلا أنابه الله ثواب من أحب رجلا من أهل الجنة وان كان الذي أحبه من أهل النار لانه أحبه على خصلة حسنة رآها منه ومن أبغض رجلا أنابه الله ثواب من أبغض رجلا من أهل النار وان كان الذي أبغضه من أهل الجنة لانه أبغضه على خصلة سيئة رآها منه (بكر) * عن أنس (٣٧١) قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أنس

ان ربك قال تغفر لي بهجرتي الى نبيه صلى الله عليه وسلم قال نعم قال فما لي أرالك مغطيا يدك قال قال لي ان نصلح منك ما أفسدت قال فقصها العاقيلي على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم ولديه فاغفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود ثنا رباح المكي عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم أمرهم أن يرموا الجمار مثل حصى الخذف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن جعفر عن أبيه عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقوم فيحمد الله ويثني عليه بما هو أهله ويقول من يهده الله فلا مضل له ومن يضلل فلا هادي له ان خير الحديث كتاب الله وخير الهدي هدي محمد صلى الله عليه وسلم وشر الامور محدثاتها وكل محدثة بدعة وكان اذا ذكر الساعة احمرت وجنتاه وعلا صوته واشتد غضبه كأنه منذر جيش صبحكم مساكم من ترك مالا فلورثته ومن ترك دينا أو ضياعا أو دينا فعلي والي وأنا ولي المؤمنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسباط بن محمد ثنا عبيد الله بن الوليد الوصافي عن عبد الله بن عبيد بن عمير قال دخل علي جابر نفر من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم فقدم اليهم خبزا وخلا فقال كلوا فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول نعم الادام الخل انه هلاك الرجل أن يدخل عليه النفر من اخوانه فيحتقر ما في بيته أن يقدمه اليهم وهلاك بالقوم أن يحتقروا ما قدم اليهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر قال لما مات عبد الله بن أبي أتى ابنه النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله انك ان لم تأته لم نزل نعير بهذا فأتاه النبي صلى الله عليه وسلم فوجده قد أدخل في حفرته فقال أفلا قبل أن تدخلوه فأخرج من حفرته فتفل عليه من قرنه الى قدمه وألبسه قميصه **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا محمد بن عبيد ثنا محمد بن اسحق عن عبد الله بن أبي نجيح عن مجاهد عن جابر بن عبد الله الانصاري قال كان رجل من بني عذرة يقال له أبو مذكور وكان له عبد فبطل فاعتقه عن دبر منه وكان ذا حاجة قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان أحدكم ذا حاجة فليبدأ بنفسه قال فأمره أن يستمتع به فباعه من نعيم بن عبد الله النحام العدوي بثمانمائة درهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا عبيد الله بن الوليد عن محارب بن دثار قال دخل الى جابر بن عبد الله أناس من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم فقرب اليهم خبزا وخلا فقال كلوا فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول نعم الادام الخل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال مرض أبي بن كعب مرضا فأرسل اليه النبي صلى الله عليه وسلم طبيبا فكواه على أكحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي صالح عن جابر قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر فقال أي يوم أعظم حرمة قالوا يومنا هذا قال فأي شهر أعظم حرمة قالوا شهرنا هذا قال أي بلد أعظم حرمة قالوا بلدنا هذا قال فان دماءكم وأموالكم عليكم حرام كحرمة يومكم هذا في بلدكم هذا في شهركم هذا هل بلغت قالوا نعم قال اللهم اشهد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر ثنا عيسى بن يونس عن الاعمش عن أبي صالح عن أبي سعيد الخدري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث ثنا شعبة ثنا الجريري عن أبي نضرة عن جابر أنه قال أراد بنو سلمة أن يبيعوا دارهم وينتقلوا قرب المسجد فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ديارهم انما تكتب آثاركم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا جرير يعني

أكثر من الاصدقاء فانكم شفعاء بعضكم في بعض * الديلمي *

* (الباب الثاني في آداب الصحبة ولصاحب) *

احبب حبيبك هونا ما عسى أن يكون بغيضك يوما ما وابغض بغيضك هونا ما عسى أن يكون حبيبك يوما ما (ت هب) عن أبي هريرة (طب) عن ابن عمرو وعن ابن عمر (قط) في الافراد (عد هب) عن علي (ابن عد هب) عن علي موقوفا * اذا سمى لك الرجل الرجل فليسأله عن اسمه واسم أبيه وعن هو فانه أوصل للمودة ابن سعد (ت ن) عن يزيد بن نعامة الضبي * اذا أحببت رجلا فاسأله عن اسمه واسم أبيه فان كان غائبا حفظته وان كان مريضا عدته وان مات شهدته (طب ص) ابن عمر * اذا أحب أحدكم صاحبه فليأته في منزله فليخبره انه يحبه لله تعالى (حم) والضياء عن أبي ذر * اذا أحب أحدكم أخاه في الله تعالى فليعلمه فانه أبقى في الالفة وأثبت في المودة ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن مجاهد مرسلا * من كان في قلبه مودة لاخيه ثم لم يطلعه عليها فقد خانه ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن مكحول مرسلا * اذا أحب أحدكم عبدا فليخبره فانه يحدله مثل الذي يحدله (هب) عن ابن عمر * اذا تناول أحدكم عن أخيه شيأ فليرد اياه (د) في مراسيله عن ابن شهاب (قط) في الافراد عنه عن أنس بلفظ اذا نزع * ان أحدكم مرآة أخيه فاذا رأى به أذى فليمطه عنه (ن) عن أبي هريرة * اذا جاء أحدكم فاوسع له أخوه فانما هي كرامة أكرمه الله تعالى بها (تخ هب) عن مصعب بن شيبة * اذا جاء كم الزائر

فاكرموه الخرائطي في مكارم الاخلاق (فر) عن أنس * اذا رأيت من أخيك ثلاث خصال فارجه الحياء والامانة والصدق واذا لم ترها فلا ترجه (عد فر) عن ابن عباس * اذا زار أحدكم أخاه فجلس عنده فلا يقوم حتى يستأذنه (فر) عن ابن عمر * اذا زار أحدكم أخاه فالقى اليه شبأ يقيه من التراب وقاه الله عذاب النار (طب) عن سلمان * امش ميلا عد مريضا امش ميلين اصلح بين اثنين امش ثلاثة أميال زر أخا في الله تعالى ابن أبي الدنيا في كتاب

ان حازم عن أنوب عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ولى أخاه فليحسن كفنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الحرث حدثني شبل قال سمعت عمرو بن دينار يقول عن جابر ابن عبد الله وابن عمر وابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن بيع الثمر حتى يبدو صلاحه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد يعني العدني ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رجل للنبي صلى الله عليه وسلم أي الاسلام أفضل قال أن يسلم المسلمون من لسانك ويدك قال أبي وحدثناه وكيع عن الاعمش **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا عبد الله بن المؤمل عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما عزم لما شرب منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم الراسبي بمكة وكثير بن هشام قالا ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع النخل حتى يطعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ازهر بن القاسم وكثير بن هشام قالا ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال اشتكيت وعندي سبع أخوات لي فدخل علي رسول الله صلى الله عليه وسلم فنضح في وجهي فأفقت فقلت يا رسول الله اوصي لاخواتي بالثلثين قال أحسن قلت بالشطر قال أحسن قال ثم خرج وتركني ثم رجع فقال يا جابر اني لا أراك الا ميتا من وجعك هذا فان الله عز وجل قد أنزل فبين الذي لاخواتك فجعل لهن الثلثين فكان جابر يقول نزلت هذه الآية في يستفتونك قل الله يفتيكم في الكلالة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم حدثنا صالح بن أبي الاخضر عن الزهري عن أبي سلمة عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قضى بالشفعة مالم تقسم أو توقف حدودها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا ليث ثنا أبو الزبير عن جابر قال جاء عبد الى النبي صلى الله عليه وسلم فبايعه فجاءه مولاه فعرفه فاشتراه رسول الله صلى الله عليه وسلم منه فاعتقه ثم لم يكن يبايع أحدا الا بذلك حتى يسأله حر أو عبد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا ليث ثنا أبو الزبير عن جابر قال اشترى رسول الله صلى الله عليه وسلم عبدا بعبدين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا عبد العزيز يعني ابن أبي سلمة عن محمد بن المنكدر عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم رأيتني دخلت الجنة فاذا أنا بالرميصاء امرأة أبي طلحة قال وسمعت خشفا امامي فقلت من هذا يا جبريل قال هذا بلال قال ورأيت قصرا أبيض بفنائه جارية قال قلت لمن هذا القصر قال لعمر بن الخطاب فاردت ان أدخل فانظر اليه قال فذكرت غيرتك فقال عمر بابي أنت وأمي يا رسول الله أوعليك أغار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا عبد العزيز بن عبد الله بن أبي سلمة ثنا محمد بن المنكدر ثنا جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر معناه قال فسمعت خشفا امامي يعني صوتا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا أبو عقيل يعني بشير بن عقبة الدورقي ثنا أبو المتوكل الناجي عن جابر بن عبد الله قال سافرت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في بعض أسفاره وأحسبه قال غاز يا فلما أقبلنا قافلين قال من أحب ان يتعجل فليتعجل وأنا على جمل أرمل ليس في الجمل مثله فاندعت علي فاذا الناس خلفي فبينا أنا كذلك اذ قام جملي فجعل لا يتحرك فاذا صوت النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما شأن جملك يا جابر قلت يا رسول الله لا أدري ما عرض له قال استمسك واعطني السوط فاعطيته السوط فضربه ضربة فذهب في البعير كل مذهب فقال لي النبي صلى الله عليه وسلم عند ذلك يا جابر اتبيعني جملك قلت نعم يا رسول الله قال أقدم المدينة فقدم المدينة فدخل في طوائف من أصحابه المسجد فعقلت

فداوموا عليه (فر) عن جابر * خير الاصحاب عند الله تعالى خيرهم لصاحبه وخير الجيران عند الله تعالى خيرهم لجاره (ع ق ك) عن ابن عمر * خير الاصحاب صاحب اذا ذكرت الله تعالى أعانك واذا نسيت ذكرك ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن الحسن مرسلا * خير جلسائكم من ذكركم الله رؤيته وزاد في علمكم منطقه وفي عملكم عمله الا خيركم له عبد بن حميد والحكيم عن ابن عباس * حق المسلم على المسلم ست اذا لقيته فسلم عليه واذا دعاك فاجبه واذا استنصحك فانصح له فاذا عطس فحمد الله فشمته واذا مرض فعده واذا مات فاتبعه (خد م) عن أبي هريرة * للمسلم على المسلم ست بالمعروف يسلم عليه اذا لقيه ويجيبه اذا دعاه ويشمته اذا عطس ويعوده اذا مرض ويتبع جنازته اذا مات ويحب له ما يحب لنفسه (حم ت ه) عن علي * للمؤمن على المؤمن بت خصال يعوده اذا مرض ويشهده اذا مات ويجيبه اذا دعاه ويسلم عليه اذا لقيه ويشمته اذا عطس وينصح له اذا غاب أو شهد (ت ن) عن بعيري أبي هريرة * الرجل على دين خليله فلينظر أحدكم من يخالل (د ت) عن أبي هريرة * زر غبا تزدد حبا (طس هب) والبزار عن أبي هريرة (البزار (طس) عن أبي ذر (طب ك) عن حبيب بن مسلمة الفهري (طب) عن ابن عمرو (طس) عن ابن عمر (خط) عن عائشة * تنقه وتوقه (ه ب حل) عن ابن عمر * اخبر تقله (ع طب عد حل) عن أبي الدرداء * اذا هبطت بلاد قومه فاحذر فانه قد قال الاول أخوك البكري

ولا تأمنه (حم د) عن عمرو بن الفغواء * أخوك البكري ولا تأمنه (طس) عن عمر بن الخطاب (د) عن عمرو بن الفغواء * ثلاث تصفين لك ود أخيك تسلم عليه اذا لقيته وتوسع له في المجلس وتدعوه بأحب أسمائه اليه (طس لـ هب) عن عثمان بن طلحة الحجبي (هب) عن عمر موقوفا * أبدا المودة لمن وادك فانها أثبت الحرث (طب) عن أبي حميد الساعدي * اذا عمل الرجل عن أخيه فهو بالخيار ان شاء سكت وان شاء قال فصدق (د) في مراسيله (هق) عن الحسن * أراني في المنام أتسوك بسواك فجاءني (٣٧٣) رجلان أحدهما أكبر من الآخر فناولت السواك الاصغر منهما فقيل لي كبر فدفعته الى الاكبر منهما (ن) عن ابن عمر * ليس بحكيم من لم يعاشر بالمعروف من لا يجد له بد من معاشرته حتى يجعل الله له من ذلك مخرجا (طب) عن أبي فاطمة الايادي * (الاكمال) * لا يغبطن أحدكم انسانا صاحبه الا اذا احتمله (طب) عن سمرة * أخبرتقله وثق بالناس رويدا (ع طب عد حل) عن أبي الدرداء * حدثه بذلك فانه أثبت الحرث وأحسن للاخاء حماد عن عمرو بن مرة ان رجلا قال يا رسول الله اني أحب هذا في الله قال فذكره * ثلاثة من الجفاء أن يؤاخي الرجل الرجل فلا يعرف له اسمه ولا كنيته وأن يهيئ الرجل لاخيه طعاما فلا يجيبه وأن يكون بين الرجل وأهله وقاع من غير أن يرسل رسولا المزاح والقبل لا يقع أحدكم على أهله مثل البهيمة الديلمي عن أنس قال العراقي هذا منكر * من الجفاء أن يدخل الرجل منزل أخيه فيقدم اليه الشيء فلا يأكله والرجل يحب الرجل

يعيرني فقلت هذا جملك يا رسول الله فجوح فجعل يطيف به ويقول نعم الجمل جملي فقال يا فلان انطلق فأتني باواق من ذهب فقال اعطها جابرا فقبضتها فقال الفني صلى الله عليه وسلم استوفيت الثمن فقلت نعم يا رسول الله قال فلك الثمن ولك الجمل أولك الجمل ولك الثمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا أبو عقيل ثنا أبو المتوكل قال أتيت جابر بن عبد الله فقلت حدثني بحديث شهدته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال توفي والدي وترك عليه عشرين وسقا تمرا دينا ولنا تمرات يثني والعجوة لا يفي بما علينا من الدين فاتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكرت ذلك له فبعث الى غرمي فابى عليه الا أن يأخذ العجوة كلها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انطلق فاعطه فانطلقت الى بيدر من تمر فصليت عنده فضربت بمرفقي على التمر فقلت لهم أنا وصاحبتي فاكتالوا فاكتالوا عنا فقضاه منه الحشف فقلت سمعت اذ أقبل رجلان الينا اذا رسول الله صلى الله عليه وسلم وعمر فقلت مرحبا يا رسول الله مرحبا يا عمر فقال الجابر عمر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا جابر انطلق بنا حتى نطوف في نخلك هذا فقلت نعم فطفنا بها وأمرت بالعذق فجيء بحت ثم جئنا بوسادة فوسد النبي صلى الله عليه وسلم بوسادة من شعر حشوها ليف فاما عمر فما وجدت له من وسادة ثم جئنا بماء فاغتسلا به طرب وتمر وحكم فقد منا ذلك الى النبي صلى الله عليه وسلم وعمر فاكلا وكنت أنا رجلا من نشوى الحياء فلم أذهب النبي صلى الله عليه وسلم ينهض قالت فداحتبى يا رسول الله دعوات منك قال نعم فبارك الله لكم قال نعم فبارك الله لكم ثم بعث بعد ذلك الى غرمائي فجاؤا باجرة وجوالق وقد وطئت نفسي ان أشتري لهم من العجوة أو وهبهم العجوة الذي على أبي فاوفيتهم والذي نفسي بيده عشرين وسقا من العجوة وفضل فضل حسن فانطلقت الى النبي صلى الله عليه وسلم أبشره بما سقى الله عز وجل الى فلما أخبرته قال اللهم لك الحمد اللهم لك الحمد فقال لعمر ان جابرا قد أوفى غرمه فعل عمر يحمد الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كانت له أرض فليزرعها أو ليمنحها أخاه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج بن خالد عن مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم رمل من الحجر الى الحجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد الخياط ثنا عاصم بن عمر عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أصبح منكم يوما محرما فليبتاحتى غربت الشمس غربت بذنوبه كما ولدته أمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سهل بن يوسف عن حجاج عن عطاء عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه حين قدموا لم يزيدوا على طواف واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا زهير عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر أن رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال أرأيت ان جاهدت في سبيل الله بنفسي ومالي حتى أقتل صابرا محتسبا مقبلا غير مدبر أ أدخل الجنة قال نعم الا أن تدع دينا ليس عندك وفاء له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن سفيان عن محمد بن المنكدر عن جابر قال جاء النبي صلى الله عليه وسلم يعودني ليس براكب بغلا ولا برذونا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو القاسم بن أبي الزناد أخبرني اسحق بن حازم عن أبي مقسم قال أبي يعني عبيد الله بن مقسم عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال في البحر هو الطهور ماؤه الحل ميتته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن سليمان يعني التيمي عن أبي نضرة عن جابر قال كنت أسير على ناضح لي في أخريات الركاب فضربه رسول الله صلى الله عليه وسلم ضربة أو قال فنخسه نخسة قال فكان بعد ذلك يكون في أول

في الطريق فلا يسأل عن اسمه واسم أبيه والرجل يجامع أهله فلا يلاعبها قبل الجماع الديلمي عن علي * اذا أتى أحدكم الاذى عن لحية أخيه أو عن رأسه فليره اياه ثم يرم به فان له باخذه اياه حسنة وهي عشر واذا رمى به فله حسنة وهي عشر * اذا دخل أحدكم على أخيه المسلم فلا يخلع نعليه الا باذنه الديلمي عن علي * اذا دخل قوم منزل رجل كان رب المنزل أميرهم حتى يخرج من منزله وطاعته عليهم واجبة الديلمي عن أبي هريرة * اذا رأيتم أهل الجوع والتفكر فافتقروا منهم فانه تجلى الحكمة معهم (ك) في تاريخه والديلمي عن

ابن عمر * جالس العلماء تعرف فى السماء وتركبير المسلمين تجاور فى الجنة الديلمى عن أنس * الناس سواء كأسنان المشط وانما يتفاضلون بالعافية والمرء يكثر بأخيه والمسلمين ولا خير فى صحبة من لا يرى لك مثل الذى ترى له عليك باخوان الصدق تعش فى أكنافهم فانهم زينة فى الرخاء وعدة فى البلاء الحسين بن سفيان وأبو بشر الدولابى والعسكرى فى الامثال (كر) عن سهل بن سعد (عد) عن أنس * اذا قال الرجل لاخيه المسلم مرحبا بك قالت (٣٧٤) الملائكة مرحبا واذا قال لاخيه لا مرحبا بك قالت الملائكة لا مرحبا بك ان العبد ليقطب فى وجه أخيه فتلعنه الملائكة

الركاب الا ما كلفته قال فاتانى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أبا يعينه بكذا وكذا والله يغفر لك قال قلت هو لك يا رسول الله قال فزادنى قال أتبيعنيه بكذا وكذا والله يغفر لك قال قلت هو لك يا رسول الله قال سليمان فلا أدرى كم مرة قال أتبيعنيه بكذا وكذا ثم قال هو لك تزوجت بعد أبيك قال قلت نعم قال أبكرا أم ثيبا قال قلت ثيبا قال ألا تزوجت بكرا تلاعبك وتلاعبها وتضاحكك وتضاحكها حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير بن هشام عن أبى الزبير عن جابر رضى الله عنه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أكل البصل والكراث فغلبتنا الحاجة فاكلنا منه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أكل من هذه الشجرة المنتنة فلا يقربن مسجدنا فان الملائكة تتأذى مما يتأذى منه الانس حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير بن هشام ثنا هشام عن أبى الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أغلقوا الابواب بالليل واطفؤا السرج وأوكؤا الاسقية وخمروا الطعام والشراب ولو أن تعرضوا عليه بعود حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير بن هشام ثنا هشام عن أبى الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من لقى الله عز وجل لا يشرك به شيأ دخل الجنة ومن لقى الله يشرك به دخل النار حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير ثنا هشام عن أبى الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أمسكوا عليكم ألسنتكم ولا تعمروها فان من أعمر شيأ حياته فهو له حياته وبعد موته حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير بن هشام ثنا هشام عن أبى عبد الله صاحب الدستوائى عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله الانصارى قال خسفت الشمس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فى يوم شديد الحر فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم باصحابه فاطال القيام حتى جعلوا يخرون ثم ركع فاطال الركوع ثم رفع رأسه فاطال ثم ركع فاطال ثم رفع رأسه فاطال ثم سجد سجدتين ثم قام فصنع مثل ذلك ثم جعل يتقدم ثم جعل يتأخر فكانت أربع ركعات وأربع سجدات ثم قال انه عرض على كل شئ توعدونه فرضت على الجنة حتى لو تناولت منها قطفا أخذته أو قال تناولت منها قطفا فقصرت يدى عنه وعرضت على النار فجعلت أتأخر رهبة أن تغشاكم فرأيت فيها امرأة حميرية سوداء طويلة تعذب فى هرة لها ربطتها فلم تطعمها ولم تسقها ولم تدعها تأكل من خشاش الارض ورأيت أبا ثمامة عمرو بن مالك يجر قصبه فى النار وانهما آيتان من آيات الله عز وجل فاريكموها فان خسفت فصلوا حتى تجلى حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا كثير بن هشام ثنا هشام عن أبى الزبير عن جابر بن عبد الله قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فى نخل فصلى باصحابه صلاة الظهر قال فهم بهم المشركون قال فقال دعوهم فان لهم صلاة بعد هذه هى أحب اليهم من أبنائهم قال فنزل جبريل على رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخبره فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم باصحابه فصفهم صفين ورسول الله صلى الله عليه وسلم بين ظهرانيهم فكبروا جميعا ثم سجد الذين يلون رسول الله صلى الله عليه وسلم والآخرون قيام فلما رفع الذين سجدوا ظهورهم سجد الآخرون فلما قاموا فى الركعة الثانية تاخر الذين يلون الصف الاول فقام أهل الصف الثانى وتقدم الآخرون الى الصف الاول فركعوا جميعا فلما رفعوا رؤسهم من الركوع سجد الذين يلون النبى صلى الله عليه وسلم والآخرون قيام فلما رفعوا رؤسهم سجد الآخرون حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب ثنا أبى عن ابن اسحق حدثنى عبد الله بن محمد بن عقيل بن أبى طالب قال دخلت على جابر بن عبد الله الانصارى أتحنى بنى سلمة ومعى ابنه بن عمرو بن حسن بن على وأبو الاسباط مولى لعبد الله بن جعفر كان يتبع

(خط) فى المتفق والمفترق عن أنس وفيه محاشع بن عمرو أبو يوسف * ان من مكارم الاخلاق التزاور فى الله وحق على المزور أن يقرب الى أخيه ما تيسر عنده وان لم يجد عنده الا جرعة من ماء فان احتشم أن يقرب اليه ما تيسر لم يزل فى مقت الله يومه وليلته الديلمى عن ابن عمر * ان من مكارم أخلاق النبيين والصديقين والشهداء والصالحين المشاشة اذا تزاوروا والمصافحة اذا التقوا ابن لال فى مكارم الاخلاق عن جابر * كفى بها نعمة أن يتجاور المتجاوران أو يخالطا أو يصطحبا فيفترقا وكل واحد منهما يقول لصاحبه جزاك الله خيرا الحرائطى فى مكارم الاخلاق وأبو نعيم عن عائشة * أصبحت بخير أحمد الله (ه) عن مالك بن حمزة بن أسيد الساعدى عن أبيه عن جده قالوا يا رسول الله كيف أصبحت قال فذكره * زوروا اخوانكم وسلموا عليهم وصلوا فان لكم فيهم عبرة الديلمى عن عائشة * زيارة تغنى كالقائم الصائم وزيارة الفقير كالجهاد فى سبيل الله وبعد خطاه فى سبيل الله العلم عز وجل الديلمى عن أبى هريرة * جاء فى جبريل يوما فقال أنت فى الظل وأصحابك فى الشمس ابن منده عن بريدة وقال منكر تفرد به محمد بن حمص * كلا يا فلان ان كل صاحب يصحبه احد مسؤل عن صحابته وان ساعة من نهار ابن جرير عن رجل * من لا يهتم بامر المسلمين فليس منهم ومن لم يصبح ويمسى ناصحا لله ولرسوله ولكتابه ولامامه ولعامة المسلمين فليس منهم (طب) عن حذيفة * انما يفدى الحبيب بالحبيب ابن

السنى فى عمل يوم وليلة عن رباح بن محمد عن أبيه بلاغا * انظروا دورا تعمرون وأرضا من تسكنون وفى طريق من تمشون الديلمى عن أبى بكر * (الافعال) * عن على لكل اخاء منقطع الا اخاء كان على غير الطمع ابن السمعانى * عن عمر قال السفيه عن الاخوان مكرمة ومكافأتهم على الذنوب ساءة العسكرى فى الامثال * عن عمر قال اذا رزقك الله ولدا ذكرا فسمه باسم من مكارم الاخلاق * عن عمر قال لو يعلم أحدكم ماله فى قوله لاخيه جزاك الله خيرا لاكثر منها بعضكم لبعض (ش) * عن عبد الله (٣٧٥) العمرى قال قال رجل لعمر بن الخطاب ان فلانا رجل صدق فقال له عمر هل سافرت معه قال لا قال فهل كانت بينك وبينه معاملة قال لا قال فهل ائتمنته على شئ قال لا قال فانت الذى لا علم للنعبه أراك رأيته يرفع رأسه ويخفض فى المسجد الدينورى ورواه العسكرى فى المواعظ عن أسلم * عن عمر قال لا تعرض لما لا يعنيك واعتزل عدوك واحتفظ من خليلك الا الامين فان الامين من التقوم لا يعدله شئ ولا أمين الامن خشى الله ولا تصحب الفاجر لا يعلمك من فجوره ولا تطلعه على سرك ولا تشاور فى أمرك الا الذين يخافون الله عز وجل سفيان بن عيينة فى جامعه وابن المبارك فى الزهد وابن أبى الدنيا فى الصمت والخرائطى فى مكارم الاخلاق (هب كر) * عن عمر قال اذا رأيتم أخاكم زل زلة فقوموه وسددوه وادعوا الله أن يتوب عليه وراجعوه به الى التوبة ولا تكونوا أعوانا للشيطان عليه ابن أبى الدنيا (هب) * عن الحسن قال كان عمر يذكر الرجل من اخوانه فى الليل فيقول يا طولها

العلم قال فسألناه عن الوضوء مما مست النار من الطعام فقال خرجت أريد رسول الله صلى الله عليه وسلم فى مسجده فلم أجده فسألت عنه فقيل لى هو بالاسواق عند بنات سعد بن الربيع أحى بالحرث بن الخزرج يقسم بينهن ميراثهن من أبيهن قال وكن أول نسوة ورثن من أبيهن فى الاسلام قال فخرجت حتى جئت الاسواق وهو مال سعد بن الربيع فوجدت رسول الله صلى الله عليه وسلم فى صورة من نخل قد رش له فهو فيه قال فاتى بغداء من خبز ولحم قد صنع له فاكل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأكل القوم معه قال ثم بال ثم توضأ رسول الله صلى الله عليه وسلم للظهر وتوضأ القوم معه قال ثم صلى بهم الظهر قال ثم قعد رسول الله صلى الله عليه وسلم فى بعض ما بقى من قسمته لهن حتى حضرت الصلاة وفرغ من أمرهن قال فرد واعلى رسول الله صلى الله عليه وسلم فضل غدائه من الخبز واللحم فاكل وأكل القوم معه ثم نهض فصلى بنا العصر ولم يمس ماء ولا أجد من القوم * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب ثنا أبى عن ابن اسحق حدثنى بثعر بن أبى بشير مولى آل الزبير قال سمعت الحسن بن محمد بن على بن أبى طالب يسأل جابر بن عبد الله الانصارى أخا بنى سلمة عن الغسل من الجنابة فقال جابر كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغرف على رأسه ثلاث غرفات بيديه ثم يفيض الماء على جلده قال فقال له الحسن ان شعر رأسى كثير وأخشى أن لا تغمله ثلاث غرفات بيدى فقال له جابر رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم كان أكثر وأطيب من رأسك * حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا يعقوب حدثنا أبى عن ابن اسحق حدثنى يزيد بن أبى حبيب المصرى عن خالد بن أبى عمران عن أبى عياش عن جابر بن عبد الله الانصارى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم ذبح يوم العيد كبشين ثم قال حين وجههما انى وجهت وجهى للذى فطر السموات والارض حنيفا مسلما وما أنا من المشركين ان صلاتى ونسكى ومحياى ومماتى لله رب العالمين لا شريك له وبذلك أمرت وأنا أول المسلمين وسمى الله الله أكبر اللهم منك ولك عن محمد وأمته * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب قال وسمعته يذكر يعنى أباه عن محمد بن عكرمة عن ابراهيم بن عبد الرحمن عن عبد الله بن أبى ربيعة وعن حسن بن محمد بن على بن أبى طالب أنهما دخلا على جابر بن عبد الله السلمى وهو يصلى ملتحفا وداؤه على جدر مسجده فصلى وانصرف الينا فقال انما صليت لتريانى انى رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلى هكذا * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب قال سمعت أبى يحدث عن محمد بن عكرمة عن عليه حدثنى رجل من جهينة ونحن مع أبى سلمة بن عبد الرحمن بن جابر عن أبيه جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أيما امرئ من الناس حلف عند منبرى هذا على يمين كاذبة يستحق بها حق مسلم أدخله الله عز وجل النار وان على سواك أخضر * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب ثنا أبى عن ابن اسحق حدثنى عاصم بن عمر بن قتادة عن عبد الرحمن بن جابر بن عبد الله عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا ذكر أصحاب أحد أمامنا والله لوددت أنى قد ورد معهم أصحاب نحض الجبل يعنى سفح الجبل * حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب ثنا أبى عن محمد بن اسحق حدثنى وهب بن كيسان عن جابر بن عبد الله قال خرجت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فى غزوة ذات الرقاع مرتحلا على جمل لى ضعيف فلما قفل رسول الله صلى الله عليه وسلم جعلت الرفاق تمضى وجعلت أتخلف حتى أدركنى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال مالك يا جابر قال قلت يا رسول الله أبطأ بى جملى هذا قال فانخ وأناخ رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال اعطنى هذه العصا

فاذا صلى المكتوبة شد فاذا لقيه اعتنقه أو التزمه المحاملى * عن عمر قال أحب الناس الى من رفع الى عيوبى ابن سعد * عن على قال اعرف الحق ان عرفه لك شريفا أو وضيعا واطرح عنك واردات الهموم بعزائم الصبر ابن أبى الدنيا فى الصبر والدينورى * عن أنس ان رجلا قال يا رسول الله انى أحب فلانا فى الله عز وجل قال فلم تخبره قال لا قال فاخبره فلحقه فقال له انى أحبك فى الله يا فلان فقال أحبك الله الذى أحببتنى له ابن النجار * عن عبد الله بن علقمة بن أبى الفغواء الخزاعى عن أبيه قال بعثنى النبى صلى الله عليه وسلم بمال الى أبى سفيان بن

حرب بفرقه فى فقراء قريش وهم مشركون بتألفهم فقال لى الشمس واجبا فلقيت عمرو بن أمية الضمرى قال فانا أخرج معك الشمس صحبتك فقلت النبى صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله انى قد وجدت صاحبا قال من قلت عمرو بن أمية الضمرى زعم أنه سيحسن صحبتى قال فهو اذن فلما أجمت السير خلانى دونه فقال يا علقمة اذا بلغت بلاد بنى ضمرة فكن من أحبك على حذر فانك تدسمعت قول القائل أحولك البكرى ولا تأمنه فمر جنا حتى اذا جئنا الابواء وهى (٣٧٦) بلاد بنى ضمرة قال عمرو بن أمية انى أريد أن آتى بعض قومى ههنا الحاجة فقلت لا عليك

من يدك أو قال اقطع لى عصا من شجرة قال ففعلت قال فاخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم فخشبهما خشبات ثم قال اركب فركبت فخرج والذى بعثه بالحق يواهق ناقته مواهقة قال وتحدث معى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أتبيعنى جملك هذا يا جابر قال قلت يا رسول الله بل أهبه لك قال لا والكن بعنيه قال قلت فسمنى به قال قد قلت أخذته بدرهم قال قلت لا اذا يغبننى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فبدرهمين قال قلت لا قال فلم يزل يرفع لى رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى بلغ الاوقية قال قلت قد رضيت قال قد رضيت قلت نعم قال فهو لك قال قد أخذته قال ثم قال لى يا جابر هل تزوجت بعد قال قلت نعم يا رسول الله قال أثيبا أم بكرا قال قلت بل ثيبا قال أفلا جارية تلاعبها وتلاعبك قال قلت يا رسول الله ان أبى أصيب يوم أحد وترك بنات له سبعا فنكحت امرأة جامعة تجمع رؤسهن وتقوم عليهن قال أصبت ان شاء الله قال أما انا لو قد جئنا صرارا أمرنا بجزور فنحرت وأقمنا عليها ونمنا ذلك اليوم فلما أمسى رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل ودخلنا قال فاخبرت المرأة الحديث وما قال لى رسول الله صلى الله عليه وسلم قالت فدرنك فسمعا وطاعة قال فلما أصبحت أخذت برأس الجمل فاقبلت به حتى أنخته على باب رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم جلست فى المسجد قريبا منه قال وخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم فرأى الجمل فقال ما هذا قالوا يا رسول الله هذا جمل جاء به جابر قال فاين جابر قد دعيت له قال تعال أى يا ابن أخى خذ برأس جملك فهو لك قال فدعا بلالا فقال اذهب بجابر فاعطه أوقية فذهبت معه فاعطانى أوقية وزادنى شيئا يسيرا قال فوالله مازال ينمى عندنا ونرى مكانه من بيتنا حتى أصيب أمس فيما أصيب الناس يعنى يوم الحرة حدثنا عبد الله حدثنى أبى حدثنا يعقوب بنا أبى عن ابن اسحق عن عاصم بن عمر بن قتادة عن عبد الرحمن بن جابر عن جابر بن عبد الله قال لما استقبلنا واديا حنين قال انحدرنا فى واد من أودية تهامة أجوف حطوط انما نحدر فيه انحدارا قال وفى عماية الصبح وقد كان القوم كمنوا لنا فى شعابه وفى أجنابه ومضايقه قد أجمعوا وتهيؤا وأعدوا قال فوالله ما راعنا ونحن منحطون الا الكتائب قد شدت علينا شدة رجل واحد وانهزم الناس راجعين فاستمر الا يلوى أحد منهم على أحد وانحاز رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات اليمين ثم قال الى أيها الناس هلم الى أنا رسول الله أنا محمد بن عبد الله قال فلا شئ احتمل الابل بعضها بعضا فانطلق الناس الا ان مع رسول الله صلى الله عليه وسلم رهطا من المهاجرين والانصار وأهل بيته غير كثير وفيمن ثبت معه صلى الله عليه وسلم أبو بكر وعمر ومن أهل بيته على بن أبى طالب والعباس بن عبد المطلب وابنه الفضل بن عباس وأبو سفيان بن الحرث وربيعة بن الحرث وأيمن بن عبيد وهو ابن أم أيمن وأسامة بن زيد قال ورجل من هوازن على جمل له أحمر فى يده راية له سوداء فى رأس رمح طويل له أمام الناس وهوازن خلفه فاذا أدرك طعن برمحه واذا فاته الناس رفعه لمن وراءه فاتبعوه قال ابن اسحق وحدثنى عاصم بن عمر بن قتادة عن عبد الرحمن بن جابر عن أبيه جابر بن عبد الله قال بينا ذلك الرجل من هوازن صاحب الراية على جمله ذلك يصنع بما يصنع اذ هوى له على بن أبى طالب ورجل من الانصار يريدانه قال فيأتيه على من خلفه فضرب عرقوبى الجمل فوقع على عجزه ووثب الانصارى على الرجل فضربه ضربة أطن قدمه بنصف ساقه فانجعف عن رحله واجتلد الناس فوالله ما رجعت راجعة الناس من هزيمتهم حتى وجدوا

فلما ولى ضربت بعيرى وذكرت ما وصانى به النبى صلى الله عليه وسلم فاذا هو والله قد طلع بنفر منهم معه معهم القسى والنبل فلما رأيتهم ضربت بعيرى فلما رآنى قد فتّ القوم أدركنى فقال جئت قومى وكانت لهم حاجة فقلت أجل فلما قدمت مكة دفعت المال الى أبى سفيان فجعل أبو سفيان يقول من رأى أبر من هذا ولا أوصل يعنى النبى صلى الله عليه وسلم انا نجيئهم ره ونأتيهم وهو يبعث الينا بالصلات يبرنا (ذكر) * عن ابن عباس قال قلنا يا رسول الله من نجالس قال من يزيد فى علمكم منطقه ويرغبكم فى الآخرة عمله ويزهدكم فى الدنيا فعله ابن النجار وفيه مبارك بن حسان قال الازدى رمى بالكذب * عن ابن عباس قال قيل يا رسول الله من نجالس أو قال أى جلسائنا خير قال من ذكركم الله رؤيته وزاد فى علمكم منطقه وذكركم الآخرة عمله العسكرى فى الامثال * عن يحيى بن عبد الله الوصابى حدثنى أبو عبد الله البوشقى قال شهدت أكثم بن الجون الخزاعى الكعبى يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أكثم انا الجون أغزم مع قومك الاسرى

بحسن خلقك وتكرم على فقائك الحسن بن سفيان وأبو نعيم * (الباب الثالث فى محظورات الصحبة والترهيب عن صحبة السوء) * اذا أحببت رجلا فى الله فلا تمازه ولا تشاره ولا تسأل عنه أحدا فعسى أن توافى له عدوا فيخبرك بما ليس فيه فيفرق ما بينك وبينه (حل) عن معاذ * اذا كان اثنان يتناجيان فلا تدخل بينهما ابن عساكر عن ابن عمر * اذا كنتم ثلاثة فلا يتناج رجلان دون الآخر حتى تختلطوا بالناس فان

ذلك يحزنه (حم ق ت ه) عن ابن مسعود * لا تصب الا مؤمنا ولا يأكل طعامك الا تقي (حم د ت خب ك) عن أبي سعيد * لا تصحبن أحدا لا ترى لك من الفضل مثل ما ترى له (حل) عن سهل بن سعد * من هجر أخاه فهو كسفك دمه (حم خد ك) عن حميد * لا يحل لمؤمن أن يهجر مؤمنا فوق ثلاث فان مرت به ثلاث فليأته فليسلم عليه فان رد السلام فقد اشتركا في الاجر وان لم يرد فقد باء بالاثم (د) عن أبي هريرة * لا يحل للمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث ليال يلتقيان فيصد هذا ويصد هذا وخيرهما الذي (٣٧٧) يبدأ بالسلام (حم ق د ت) عن أبي أيوب * لا يحل لمسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاث فمن هجر فوق ثلاث فمات دخل النار (د) عن أبي هريرة * لا يكون لمسلم أن يهجر مسلما فوق ثلاثة فاذا لقيه سلم عليه ثلاث مرات كل ذلك لا يرد عليه فقد باء بإثمه (د) عن عائشة * ان يوم الاثنين والخميس يغفر الله فيهما لكل مسلم الا المتهاجرين يقول دعهما حتى يصطلحا (ه) عن أبي هريرة * اياك وفرس الصوء فانك به تعرف ابن عساكر عن أنس * لصوم الاحمق (هب) عن يسير الانصاري * الوحدة خير من جليس السوء والجليس الصالح خير من الوحدة واملاء الخير خير من السكوت والسكوت خير من املاء الشر (هب) عن أبي ذر * هرب عابد جاهل وروب عالم فاحرفاحذر وا الجهال من العباد والفجار من العلماء (عد فر) عن أبي امامة * انما مثل الجليس الصالح وجليس السوء كحامل المسك ونافخ الكير فحامل المسك اما أن يحذيك واما أن تبتاع منه واما أن تجد منه ريحا طيبة ونافخ الكير اما أن يحرق ثيابك واما أن تجد منه ريحا خبيثة (ق) عن أبي موسى * تعوذوا بالله من جار السوء في دار المقام فان جار البادي يتحول عنك (ن) عن أبي هريرة * تعوذوا بالله من ثلاث فواقر جار السوء ان رأى خيرا كتمه وان رأى شرا أذاعه وزوجة سوء ان دخلت عليها لسنتك وان غبت عنها خانتك وامام سوء ان أحسنت لم يقبل وان أسأت لم يغفر (هب) عن أبي هريرة * كل نفس تحشر على هواها فمن هوى الكفرة فهو مع الكفرة ولا ينفعه عمله شيأ (طب) عن جابر * (الاكمال) * ان قوما أحبوا

إلا سرى مكتفين عند رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب حدثنا أبي عن ابن اسحق حدثني سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله قال علمنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في الخندق قال فكانت عندي شويهة عتز جذع سمينة قال فقلت والله لو صنعناها لرسول الله صلى الله عليه وسلم قال فأمرت امرأتي فطحنت اتاشيا من شعير وصنعت لنا منه خبزا وذبحت تلك الشاة فشويناها لرسول الله صلى الله عليه وسلم قال فلما أمسينا وأراد رسول الله صلى الله عليه وسلم الانصراف عن الخندق قال وكان عمل فيه نهارا فاذا أمسينا رجعنا الى أهلنا قال قلت يا رسول الله اني قد صنعت لك شويهة كانت عندنا وصنعنا معها شيأ من خبز هذا الشعير فأحب أن تنصرف معي الى منزلي وانما اريد أن ينصرف معي رسول الله صلى الله عليه وسلم وحده قال فلما قلت له ذلك قال نعم ثم أمر صارخا فصرخ أن انصرفوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى بيت جابر قال فلما انا لله وانا اليه راجعون فأقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم وأقبل الناس معه قال فخلس وأخرجناها اليه قال فبرك وسمى ثم أكل وتوارد ها الناس كلما فرغ قوم قاموا وجاء ناس حتى صدر أهل الخندق عنها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق حدثني معاذ بن رفاعة عن محمود بن عبد الرحمن ابن عمرو بن الجموح عن جابر بن عبد الله قال لما دفن سعد ونحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم انصرفنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى اذا كنا بالبقيع لقينا راكب مقبل من المدينة على بغلة فلما استقبلنا عرفنا فاذا هو عباد بن بشر فسلم على رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم ناوله كتابا من أبيه سعد بن معاذ فقرأه رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال لعباد بن بشر كيف صنع أبوك في سفره هذا فقال صالحا يا رسول الله قد قضى ما عليه وأكرمه الله بالذي أحب من الشهادة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لقد تضايق على هذا الرجلي الصالح قبره حتى فرجه الله عنه وجعل عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن سعيد الاموي حدثنا الاعمش قال بلغني عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا طبختم اللحم فأكثروا المرق أو الماء فانه أوسع أو أبلغ للجيران **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد الاموي عن ابن جريج أخبرني عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أيما عبد تزوج بغير اذن سيده فهو عاهر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد الاموي أنا ابن جريج عن عطاء أنه سمع جابرا وسئل عن العزل قال فقال قد كانت نصنعه على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا محمد بن أبي حفصة ثنا ابن شهاب عن أبي سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال حبس الوحي عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في أول أمره وحبب اليه الخلاء فجعل يخلو في حراء فبينما هو مقبل من حراء اذا أنا بجبريل من فوقي فرفعت رأسي فاذا الذي أتاني بحراء فوق رأسي على كرسي قال فملأ رأيته جثثت على الارض فلما أفقت أتيت أهلي مسرعا فقلت دثروني دثروني فانا في جبريل صلى الله عليه وسلم فقال يا أيها المدثر قم فانذر وربك فكبر وثيابك فطهر والرجز فاهجر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن صالح عن ابن شهاب قال أبو سلمة سمعت جابر بن عبد الله يحدث أنه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لما كذبتني قريش حين أسري بي الى بيت المقدس قمت في الحجر فجلا الله لي بيت المقدس فطفقت أخبرهم عن آياته وأنا أنظر اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق عن معمر قال الزهري أخبرني أبو سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يحدث عن فترة الوحي فقال في حديثه فبينا أنا أمشي سمعت صوتا من السماء فرفعت بصري قبل السماء فاذا الملك الذي جاءني بحراء جالس على كرسي بين السماء والارض فجئثت منه رعبا فرجعت فقلت زملوني زملوني فدثروني فأنزل الله عز وجل يا أيها المدثر قم فانذر وربك فكبر الى قوله والرجز فاهجر قبل ان تفرض الصلاة وهي الاوثان قال الزهري



الكبر اما أن يحرق ثيابك واما أن تجد منه ريحا خبيثة (ق) عن أبي موسى * تعوذوا بالله من جار السوء في دار المقام فان جار البادي يتحول عنك (ن) عن أبي هريرة * تعوذوا بالله من ثلاث فواقر جار السوء ان رأى خيرا كتمه وان رأى شرا أذاعه وزوجة سوء ان دخلت عليها لسنتك وان غبت عنها خانتك وامام سوء ان أحسنت لم يقبل وان أسأت لم يغفر (هب) عن أبي هريرة * كل نفس تحشر على هواها فمن هوى الكفرة فهو مع الكفرة ولا ينفعه عمله شيأ (طب) عن جابر * (الاكمال) * ان قوما أحبوا

قوما حتى هلكوا في جهنم فلا تكونوا مثلهم وان قوما بغضوا قوما حتى هلكوا في بغضهم فلا تكونوا مثلهم الديلمي عن عبد الله بن جعفر
* لا يتناجى اثنان دون الثالث فان ذلك يؤذي المؤمن والله يكره أذى المؤمن ابن المبارك عن عكرمة * اذا كنتم ثلاثة فلا يتناجى اثنان دون صاحبهما قيل فان كانوا أربعة قال لا بأس به الخطيب عن ابن عمر * لا يحل لرجل مسلم أن يطلع على دلسة على مسلم الا أخبره بها وأطلعه عليها تمام وابن عساكر عن وائلة * لا يحل (٣٧٨) لمسلم أن يهجر مسلما فوق ثلاث ليال فانهما ان كان من الحق مادام اما على صرامهما وان

وأخبرني أبو سلمة بن عبد الرحمن عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فقمت في الحجر حين كذبني قومي فرفع لي بيت المقدس حتى جعلت أنعت لهم آياته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا ابراهيم يعني ابن خالد حدثنا رباح عن معمر عن يحيى بن أبي كثير قال حدثني رجل عن جابر بن عبد الله قال جاء شاب الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أتأذن لي في الخصاء فقال صم وسل الله من فضله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا ابراهيم ثنا رباح عن معمر عن زيد بن أسلم عن عبد الله بن يعقوبهم قال كنت مع حسن بن محمد بن علي فسأل جابر بن عبد الله عن غسل الجنابة فقال ثبل الشعر وثقه سل الإبشر قال رأسي كثير الشعر قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يحثو على رأسه ثلاث حثيات من الماء قال الحسن بن محمد رأسي كثير الشعر قال كان رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق عن معمر عن يحيى بن أبي كثير عن محمد بن عبد الرحمن بن ثوبان عن جابر بن عبد الله قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته تطوعا حيث توجهت به في السفر فاذا أراد أن يصلي المكتوبة نزل عن راحلته واستقبل القبلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر ابن عبد الله وهو يخبر عن حجة النبي صلى الله عليه وسلم قال فأمرنا بعدما طفنا ان نحل قال النبي صلى الله عليه وسلم فاذا أردتم ان تنطلقوا الى منى فاهلوا فاهللنا من البطحاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج عن محمد بن المنكدر عن أنس بن مالك قال صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم الظهر بالمدينة أربعا وصلى العصر بذي الحليفة ركعتين ثم بات بذي الحليفة حتى أصبح فلما ركب راحلته واستوت به أهل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يرمي على راحلته يوم النحر ويقول لتأخذوا مناسككم فاني لا أدري لعلي لا أحج بعد حجتي هذه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج وحجاج عن ابن جريج أخبرني عطاء انه سمع جابر بن عبد الله يقول كلا انا كل من البدن الاثلاث مني فارخص لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كلوا وتزودوا وقال حجاج فأكلنا وتزودنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج وروح ثنا ابن جريج حدثني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول اشتركنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في الحج والعمرة كل سبعة في بدنة فحضرنا سبعين بدنة يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر وروح قالا أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابرا يقول نحر النبي صلى الله عليه وسلم نحر عن عائشة بقرة في حجته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر وروح قالا ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يحدث عن حجة النبي صلى الله عليه وسلم قال فامرنا النبي صلى الله عليه وسلم اذا أحللنا أن نهدي ونجتمع النفر منا في البدنة وذلك حين أمرهم أن يحلوا من حجتهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول ثم سمى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الوسم في الوجه والضرب في الوجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله قال زودنا رسول الله صلى الله عليه وسلم جرابا من تمر فكان يقبض لنا قبضة قبضة فكنا نمصها ونشرب عليها الماء حتى الليل فالقى البحر حوتا ثانية فقال أبو عبيدة تغزاوه وجياع فكلوا فأكلنا فاذ كرناه لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال رزقا أخرجه الله لكم فان كان معكم شئ فاطعمونا فكان بعضنا منه شئ

أولهما فيأبى كون سبقه بالفيء كفارته وان سلم عليه فلم يقبل ولم يرد عليه سلامه ردت عليه الملائكة ورد على الآخر الشيطان وان ماتا على صرامهما لم يدخلا الجنة جميعا أبدا (حم طب هب) عن هشام بن عامر * لا يحل لرجل مسلم أن يهجر أخاه فوق ثلاثة أيام والسابق يسبق الى الجنة ابن النجار عن أبي هريرة * لو أن رجلين دخلا في الاسلام فهجر أحدهما صاحبه كان أحدهما خارجا من الاسلام حتى يرجع القائم (ك) عن ابن مسعود * ان الله تعالى ليبغض الذين يكنزون البغضاء لاخوانهم في صدورهم فاذا لقوهم تخلقوا لهم الديلمي عن وائلة * اياك وصاحب السوء فانه قطعة من النار لا ينفعك وده ولا يقيك بعيده الديلمي عن أنس * يكون في آخر الزمان قوم اخوان العلانية أعداء السريرة ذلك لرغبة بعضهم الى بعض ورهبة بعضهم من بعض (حم حل) عن معاذ * لا خير في صحبة من لا يرى لك من الحق مثل الذي ترى له (حب) في روضة العقلاء عن سهل بن سعد * (الافعال) * عن أنس قال قال عمر بن الخطاب فارسل

يا أنس لا يكن حبك كلفا ولا بغضك تلفا قيل كيف قال اذا أحببت فلا تكلف كما يكلف الصبي بالشيء يحبه واذا أبغضته فلا تبغض بغضا تحب ان يتلف صاحبك ويهلك (عب) والخرائطي في اعتلال القلوب وابن جرير (هب) * عن المدائني قال قال علي بن أبي طالب لا تواخ الفاجر فانه يزين لك فعله ويحب لو انك مثله ويزين لك أسوأ أحواله ومدخله عليك ومخرجه من عندك شين وعار ولا الاحمق فانه يجهد نفسه

لك ولا ينفعك وربما أراد أن ينفعك فيضرك فسكوته خير من نطقه وبعده خير من قربه وموته خير من حياته ولا الكذاب فانه لا ينفعك معه عيش ينقل حديثك ويتنقل الحديث لديك وان تحدث بالصدق لم يصدق الدينوري * عن الشعبي قال قال علي بن أبي طالب لرجل ذكر له صحبة رجل به رهق لا تصحب أخا الجهل * واياك واياه فكم من جاهل أردى * حليما حين آخاه يقاس المرء بالمرء * اذا ما هو شاه وللشيء من الشيء * مقاييس وأشباه وللقلب على القلب * دليل حين (٣٧٩) يلقاه (ذكر) * عن نهار النحوي قال قال علي بن أبي طالب ايالك وصحبة الفاجر والكذاب والاحمق والبخيل والجبان فاما الفاجر فيزري فعله بدانك مثله فحدوله عليك بشين وخروجه من عندك شين وأما الكذاب فينقل حديثك الى الناس وحديث الناس اليك فيشب العداوة وينبت السخائم في صدور الناس وأما الاحمق فلا يريدك لرشد ولا يصرف السوء عن نفسه فبعده خير للك من قربه وسكوته خير للك من نطقه وموته خير للك من حياته وأما البخيل فانك أقرب ما تكون أبعد ما يكون اذا احتجت وأما الجبان فحين ينزل بك أمر تحتاج الى عونه فيفر ويدعك وكيع * عن علي قال اتقوا أبواب السلطان

(هب) * (الباب الرابع في حقوق تترتب على الصحبة * حق الجار) * مازال جبريل يوصيني بالجار حتى ظننت انه سيورثه (حم ق د ت) عن ابن عمر (حم ق ٤) عن عائشة * مازال جبريل يوصيني بالجار حتى ظننت انه يورثه ومازال يوصيني بالمملوك حتى ظننت انه يضرب له أجلا أو وقتا

---

قارسل به اليه بعض القوم فاكل منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن الحباب ثنا الحسين بن واقد الليثي حدثني أبو الزبير حدثني جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أقواما يخرجون من النار بعد ما امتحشوا فيها فينطلق بهم الى نهر في الجنة يقال له نهر الحياة فينبتون فيه فيخرجون منه كما تنبت الثمار بر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الفضل بن دكين وأبو أحمد قالا ثنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم قال الناس تبع لقريش في الخير والشر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن الاعمش عن أبي سفيان ان النبي صلى الله عليه وسلم قال الناس تبع لقريش في الخير والشر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد وموسى بن داود قالا ثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من أراد ان يصوم فليتسحر بشيء وقال موسى ولو بشيء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الوهاب الثقفي عن جعفر عن أبيه عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا اغتسل من جنابة يصب على رأسه ثلاث حفنات فقال له الحسن بن محمد ان شعري كثير قال يا ابن أخي كان شعر رسول الله صلى الله عليه وسلم أكثر من شعرك وأطيب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الاعلى عن عبد الاعلى عن بردعن عطاء عن جابر قال كنا نغزو مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فنصيب من آنية المشركين وأسقيتهم فنستمتع بهم فلا يعاب علينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا حجاج عن أبي الزبير عن جابر أن أما سعيد الجذري دخل على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي في ثوب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد عن حجاج عن عطاء عن جابر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي يوم العيد ثم يخطب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن يزيد ثنا سليمان يعني التيمي عن أبي نضرة عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لا يجيء أحدكم ثم نفسه متقلدا سيفا فيأتي عليها مائة سنة وهي حية يومئذ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا سليمان عن عبد الرحمن صاحب السقاية عن جابر بمثله ففسر جابر نقصان من العمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد انا حجاج يعني ابن أبي زينب قال سمعت طلحة بن نافع أبا سفيان يقول سمعت جابر بن عبد الله يقول كنت في ظل داري فرجي رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما رأيت هيئته اليه فعلت أمشي خلفه فقال ادن فدنوت منه فاخذ بيدي فانطلقنا حتى أتى بعض حجر نسائه أم سلمة أو زينب بنت جحش فدخل ثم أذن لي فدخلت وعلمها الحجاب فقال أعندكم غداء فقالوا نعم فاتي بثلاث أقراصة فوضعت على نبي فقال هل عندكم من ادم فقالوا لا الا شيء من خل قال هاتوه فأتوه به فأخذ قرصا فوضعه بين يديه وقرصا بين يدي وكسر الثالث باثنين فوضع نصفا بين يديه ونصفا بين يدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد ثنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال ما كان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينبذ له في سقاء فان لم يكن سقاء نبذ له في تور من برام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا عبد الملك عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الدباء والنقير والمزفت والحنتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا سفيان يعني الثوري عن أبي الزبير عن جابر قال بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم لحاجة فجئت وهو يسير على راحلته ووجهه من قبل المشرق وهو يومئ ايماء فكلمته فلم يرد علي فلما انصرف قال اني كنت أصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا ابن أبي ذئب وأبو عامر عن ابن أبي ذئب عن عبد الرحمن بن عطاء عن عبد الملك بن مهران عن عتيك عن جابر بن عبد

---

اذا بلغه عتق (هق) عن عائشة * أوصيكم بالجار الخرائطي في مكارم الاخلاق عن أبي امامة * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يؤذ جاره واستوصوا بالنساء خيرا (خ) عن أبي هريرة * انه لا قايل عن أذى الجار الخرائطي في مكارم الاخلاق عن أم سلمة * والله لا يؤمن والله لا يؤمن والله لا يؤمن الذي لا يأمن جاره بوائقه (حم م) عن أبي شريح * والذي نفسي بيده لا يؤمن عبد حتى يحب لجاره ما يحب لنفسه (م) عن أنس * لا يمنع جار جاره أن يغرز خشبة في جداره (حم ق) عن أبي هريرة (ه) عن ابن عباس (حم ه) عن مجمع بن يزيد رجال كثير من

الانصار * يا أباذر اذا طبخت فاكثر المرق وتعاهد جيرانك (حم حل م ت ن) عن أبي ذر * يا نساء المسلمات لا تحقرن جارة لجارتها ولو فرسن شاة (حم ق) عن أبي هريرة * يرعون دار جار (د) في مراسيله عن الزهري مرسلا * ان الله تعالى يحب الرجل له الجار السوء يؤذيه فيصبر على أذاه ويحتسبه حتى يكفيه الله بحياة أو موت (خط) وابن عساكر عن أبي ذر * أول خصمين يوم القيامة جاران (طب) عن عقبة بن عامر * حرمة الجار على الجار كحرمة دمه أبو الشيخ (٣٨٠) في الثواب عن أبي هريرة * حق الجار ان مرض عدته وان مات شيعته وان استقرضك

أقرضته وان افتقر سترته وان أصابه خير هنأته وان أصابته مصيبة عزيته ولا ترفع بناءك فوق بنائه فتسد عليه الريح ولا تؤذه بريح قدورك الا ان تغرف له منها (طب) عن معاوية بن حيدة * كم من جار متعلق بجاره يوم القيامة يقول يا رب هذا أغلق بابه دوني فمنع معروفه (خد) عن ابن عمر * لان يزني الرجل بعشر نسوة خير له من أن يزني بامرأة جاره ولان يسرق الرجل من عشرة أبيات أيسر له من أن يسرق من بيت جاره (خد حم حل) عن المقداد ابن الاسود * الجار حتى البزار والخرائطي في مكارم الاخلاق عن سعيد بن زيد * ما آمن بي من بات شبعان وجاره جائع الى جنبه وهو يعلم به البزار (طب) عن أنس * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليحسن الى جاره ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليكرم ضيفه ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليقل خيرا أو ليسكت (حم ق ت ه) عن أبي شريح وعن أبي هريرة * لا يدخل الجنة من لا يأمن جاره بوائقه (م) عن أبي هريرة * أعظم الغلول عند الله يوم القيامة ذراع من

---

الله تعالى قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا حدث الرجل حديثا ثم التفت فهي أمانة قال أبو عامر في مجلسه بحديث * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا الحجاج عن أبي الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال في الحيوان اثنان لواحد لا بأس به يد أبيد ولا يصلح نساء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ان ثنا اسمعيل بن سعد أخبرني عن جابر بن عبد الله قال أقبلنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من الحديبية حتى نزلنا السقيا فقال معاذ بن جبل من يسقينا في أسقيتنا قال جابر فخرجت في فئة من الأنصار حتى أتينا الماء الذي بالاثاية وبيننا وبينها قريب من ثلاثة وعشرين ميلا فسقينا في أسقيتنا حتى اذا كان بعد عتمة اذا رجل ينازعه بعيره الى الحوض فقال أورد فاذا هو النبي صلى الله عليه وسلم فأورد ثم أخذت برمام ناقته فأنختها فقام فصلى العتمة وجابر فيما ذكر الى جنبه ثم صلى بعدها ثلاث عشرة سجدة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا شريك عن عبد الله بن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يطلع عليكم رجل أو قال يدخل عليكم رجل يريد رجل من أهل الجنة فجاء أبو بكر رضي الله عنه ثم قال يطلع عليكم أو يدخل عليكم شاب يريد رجل من أهل الجنة قال فجاء عمر رضي الله عنه ثم قال يطلع عليكم رجل من أهل الجنة اللهم اجعله عليا اللهم اجعله عليا قال فجاء علي رضي الله عنه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول أتى بضب الى النبي صلى الله عليه وسلم فأبى ان يأكله وقال لا أدري لعله من القرون الاولى التي مسخت * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنبأنا ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار انه سمع جابر بن عبد الله يقول جاء رجل والنبي صلى الله عليه وسلم على المنبر يوم الجمعة يخطب فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أركعت ركعتين قال لا قال فاركع * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار قال سمعت جابر بن عبد الله يقول لما بنوا الكعبة كان العباس وابن النبي صلى الله عليه وسلم ينقلان حجارة فقال العباس للنبي صلى الله عليه وسلم اجعل ازارك قال عبد الرزاق على رقبتك من الحجارة فخر الى الارض وطمحت عيناه الى السماء فقام فقال ازاري ازاري فقام فشده عليه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال زعم لي عطاء قال سمعت جابر بن عبد الله يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم من أكل هذه الشجرة قال يريد الثوم فلا يغشانا في مسجدنا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج قال قال أبو الزبير قال جابر بن عبد الله قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس على المنتهب قطع ومن انتهب نهبة مشهورة فليس منا وقال ليس على الخائن قطع * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله وذكروا الانصاري يقول ما رأيت النبي صلى الله عليه وسلم رؤيا على راحلته يصلي النوافل في كل وجه ولكنه يخفض السجدتين من الركعة ويومئ ايماء * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج أخبرني عطاء انه سمع جابر بن عبد الله وذكروا العزل فقال كانت صنعه على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال عطاء حين قدم جابر بن عبد الله معتمرا فجئناه في منزله فسأله القوم عن أشياء ثم ذكر والله المتعة فقال نعم استمتعنا على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر حتى اذا كان في آخر خلافة عمر رضي الله عنه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال سمعت الحجاج بن ارطاة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله

---

عليه الارض تجدون الرجلين جارين في الارض فترى الدار فيقطع أحدهما من حظ صاحبه ذراعا فاذا اقتطعه طوقه من سبع أرضين يوم القيامة (حم طب) عن أبي مالك الاشجعي * اللهم ان أعوذ بك من جار السوء في دار المقامة فان جار البادية يتحول (ك) عن أبي هريرة * (الاكمال) * كف عنه أذاك واصبر لاذاه يكفي بالموت مقرفا ابن النجار عن عبد الرحمن الجبلي قال شكا رجل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم جاره قال فذكر

*أوصاني جبريل بالجار أربعين دارا عشرة من ههنا وعشرة من ههنا وعشرة من ههنا وعشرة من ههنا (هق) وضعفه عن عائشة *الجار ستون دارا عن يمينه وستون عن يساره وستون خلفه وستون قدامه الديلمي عن أبي هريرة *والله لا يؤمن والله لا يؤمن والله لا يؤمن قالوا من قال جار لا يأمن جاره بوائقه قالوا وما بوائقه قال شره (حم لـ) عن أبي هريرة (طب) عن أبي شريح الكعبي *من آذى جاره فقد آذاني ومن آذاني فقد آذى الله ومن حارب جاره فقد حاربني ومن حاربني فقد حارب الله أبو الشيخ وأبو نعيم عن (٣٨٠١) أنس *ما بال أقوام لا يفقهون جيرانهم ولا يعلمونهم ولا يعظونهم ولا يأمرونهم ولا ينهونهم وما بال أقوام لا يتعلمون من جيرانهم ولا يتفقهون ولا يتعظون والله ليعلم قوم جيرانهم ويفقهونهم ويعظونهم ويأمرونهم وينهونهم وليتعلم قوم من جيرانهم ويتفقهون ويتعظون أو لأعاجلنهم بالعقوبة في الدنيا ابن راهويه (خ) في الوحدان وابن السكن والباوردي وابن منده عن علقمة بن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن جده قال ابن السكن ماله غيره واسناده صالح لكن رواه محمد بن اسحق بن راهويه عن أبيه فقال في اسناده عن علقمة ابن سعيد بن عبد الرحمن ابن ابزى عن أبيه عن جده ورواه (طب) في ترجمة عبد الرحمن ورجح أبو نعيم هذه الرواية وقال لا يصح لابزى رواية ولا رؤية وكذا قال ابن منده وقال ابن حجر في الاصابة كلام ابن السكن يرد عليهما والعمدة في ذلك على البخاري فانه المنتهى في

عليه وسلم غابت له الشمس بسرف فلم يشل المغرب حتى أتى مكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن عمرو بن دينار سمعه من جابر بن عبد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم عبد الله بن أبي بعد ما دخل في حفرته فوضعه على ركبته وألبسه قميصه ونفث عليه من ريقه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمع عمرو جابرا يقول سمعت أذناي من رسول الله صلى الله عليه وسلم قوم يخرجون من النار فيدخلون الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عمرو عن سليمان بن يسار أن أميرا كان بالمدينة يقال له طارق قضى بالعمرتين للوارث على قول جابر بن عبد الله عن رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن أبي الزبير سمع جابرا يقول لم نبايع النبي صلى الله عليه وسلم على الموت انما بايعناه على أن لا نفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن أبي الزبير سمع جابرا يقول ان النبي صلى الله عليه وسلم سئل عن كسب الحجام فقال اعلفه ناضحك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ثنا ابن عقيل عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم أكل خبزا ولحما فصلى ولم يتوضأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حماد بن اسامة حدثني هشام بن عروة حدثني عبيد الله بن عبد الرحمن بن رافع عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحيا أرضا ميتة فهي له وما أكلت العافية منه له به صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن زكريا أنا ابن جريج عن عطاء وعن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى ان يباع ما في رؤوس النخل بتمر كيلا وبه ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى ان تباع الثمار حتى يبدو صلاحها وان تباع حنطتين أو ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن زكريا بن أبي زائدة ثنا ابن جريج عن عطاء وعن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى ان يباع ما في رؤوس النخل بتمر مكيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد بن سليمان ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر قال شهدت النبي صلى الله عليه وسلم في يوم عيد بدأ بالصلاة قبل الخطبة بغير أذان ولا اقامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن المثنى عن عطاء عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم طاف طوافا واحدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني حسين بن واقد حدثني أبو الزبير عن جابر ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان أخي مات فكيف أكفنه قال أحسنوا كفنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشر ثنا سعيد بن أبي عروبة ثنا قتادة عن سليمان بن قيس اليشكري عن جابر بن عبد الله الانصاري ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من حاط حائطا على أرض فهي له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون ثنا محمد بن اسحق عن عاصم بن عمر بن قتادة قال الحسن بن محمد بن علي قلت لجابر بن عبد الله فقال جابر بن عبد الله يا ابن أخي أنا أعلم الناس بهذا الحديث كنت فيمن رجم الرجل يعني ماعزا انا لما رجمناه وجدمس الحجارة فقال أي قوم ردوني الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فان قومي هم قتلوني وغروني من نفسي وقالوا لم نر صاحبنا صلى الله عليه وسلم غير قاتل قالوا فلم ننزع عن الرجل حتى فرغنا منه قال فلما رجعنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكرنا له قوله فقال الا تركتم الرجل وجئتموني به انما أراد رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يتثبت في أمره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن الحسن الواسطي يعني المزني ثنا أبو يوسف الحاج يعني ابن أبي زينب الصيقل عن أبي سفيان عن جابر قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم برجل وهو يصلي وقد وضع يده اليسرى على اليمنى فانتزعها ووضع اليمنى على اليسرى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون ثنا هشام

ذلك ورواية محمد بن اسحق شاذة لان علقمة أخو سعيد لا ابنه انتهى وروى صدره الحسن بن سفيان عن أبي هريرة الى قوله ولا يتعظون * أندرون ما حق الجار ان استعان بك أعنته وان استقرضك أقرضته وان افتقر عدت عليه وان مرض عدته وان مات اتبعت جنازته وان أصابه خير هنأته وان أصابته مصيبة عزيته ولا تستطيل عليه بالبناء فتحجب عنه الريح الا باذنه واذا اشتريت فاكهة فاهد له فان لم تفعل فادخلها سرا ولا يخرج بها ولدك ليغيظ بها ولده ولا تؤذه بقتار قدرك الا أن تغرف له منها أندرون ما حق الجار والذي نفسي بيده لا يبلغ حق الجار الا من

رحمه الله الجيران ثلاثة فمنهم من له ثلاثة حقوق ومنهم من له حقان ومنهم من له حق واحد فأما الذي له ثلاثة حقوق فالجار المسلم القريب له حق الاسلام وحق الجوار وحق القرابة وأما الذي له حقان فالجار المسلم له حق الاسلام وحق الجوار وأما الذي له حق واحد فالجار الكافر له حق الجوار قالوا يارسول الله أتطعمهم من لحوم النسك قال لا يطعم المشركون من نسك المسلمين (عد) والحرائطي في مكارم الاخلاق عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده * يا عائشة اذا (٣٨٢) دخل عليك صبي جارك فضعي في يده شيأ فان ذلك يجر مودة الديلمي عن عائشة * من بنى حائطا

ابن حسان عن الحسن عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كنتم في الخصب فامكنوا الركب لا استنقا ولا تعدوا المنازل واذا كنتم في الجدب فاسرعوا عليكم بالدلجة فان الارض تطوى بالليل فاذا تغولت بكم الغيلان فبادروا بالاذان ولا تصلوا على سواد الطرق ولا تنزلوا عليها فانها مأوى الحيات والسباع ولا تقضوا لعلها الحوائج فانهم اللاعن * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا همام بن يحيى عن القاسم بن عبد الواحد بن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أيما عبد تزوج بغير اذن أو قال نكح بغير اذن أهله فهو عاهر قال وسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أخوف ما أخاف على أمتي عمل قوم لوط * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا الحجاج عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال في الحيوان اثنان واحد لا بأس به يدا بيد ولا خير فيه نسيئة * حدثنا عبد الله حدثني أبي أنا الحجاج عن أرطاة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان بينه وبين أخيه شركة زرعة قارادان يبيعها فليعرضها على صاحبه فهو أحق بها بالثمن * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا ابن أبي ذئب عن المقبري عن القعقاع بن حكيم عن جابر بن عبد الله قال كنا نصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم المغرب ثم نأتي بني سلمة ونحن نبصر مواقع النبل * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن وكثير بن هشام قالا ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم احتجم وهو محرم من وجع كان بوركه أو ظهره * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو قطن ثنا هشام عن أبي الزبير عن جابر قال خسفت الشمس على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم في يوم شديد الحر فصلى بأصحابه فاطال القيام حتى جعلوا يخرون ثم ركع فاطال ثم رفع فاطال ثم ركع فاطال ثم رفع فاطال ثم سجد سجدتين ثم قام فصنع نحوا من ذلك فكانت أربع ركعات وأربع سجدات * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبدة ابن سليمان ثنا عاصم يعني الاحول عن عامر عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تزوج المرأة على عمتها أو على خالتها * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول أرخص النبي صلى الله عليه وسلم في رقية الحية لبني عمرو * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبدة بن سليمان ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم في يوم عيد بدأ بالصلاة قبل الخطبة بغير اذان ولا اقامة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول لدغت رجلا منا عقرب ونحن جلوس مع النبي صلى الله عليه وسلم فقال رجل يارسول الله أرقيه فقال من استطاع منكم ان ينفع أخاه فليفعله * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا عدوى ولا صفر ولا غول وسمعت أبا الزبير يعيد كرمان جابر افسرلهم قوله لا صفر فقال أبو الزبير الصفر البطن قيل لجابر كيف هذا القول فقال داب البطن قال ولم يفسر الغول قال أبو الزبير من قبله هذا الغول الشيطانة التي يقولون * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول طعام الواحد يكفي الاثنين وطعام الاثنين يكفي الاربعة وطعام الاربعة يكفي الثمانية * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا حسين المعلم عن يحيى بن أبي كثير عن رجل عن جابر بن عبد الله ان رجلا شابا أتى النبي صلى الله عليه وسلم يستأذنه في

فليدعم على جداره أخيه (طب) عن ابن عباس * لا يمنع أحدكم أخاه مرفقا يضعه على جداره (حم) عن ابن عباس * (الافعال) * عن عبد الرحمن بن القاسم عن أبيه أن أبا بكر مر بعبد الرحمن ابن أبي بكر وهو يماط جلوا فقال لا يتماط جارك فان هذا يبقى ويذهب الناس ابن المبارك وأبو عبيد في الغريب والحرائطي في مكارم الاخلاق (حب) * عن ضمرة قال جاء رجل الى علي بن أبي طالب يشكو جاره فقال الجار يحبني من الليل ويحبها فقال أعدها من حيث تحبك ثم قال ان الشر لا يصلحه الا الشر ابن السمعاني * عن أبي جحيفة قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم يشكو جاره فقال له النبي صلى الله عليه وسلم اطرح متاعك على الطريق أوفى الطريق فطرحه فجعل الناس يمرون عليه يلعنونه فجاء الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يارسول الله مالقيت من الناس قال ومما لقيت منهم قال يلعنونني قال قد لعنك الله قبل الناس قال فاني لا أعود يارسول الله فجاء الذي شكا الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال له النبي صلى الله عليه وسلم ارفع متاعك فقد أمنت أو كفيت (هب) * عن أبي قتادة قال قال رجل يارسول الله ان لي جارا ينصب قدره فلا يطعمني فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما آمن بي هذا ساعة قط يا أبو نعيم * عن عائشة قالت قلت يارسول الله ان لي جارين فالى أيهما أهدي قال الى أقربهما منك بابا (ع حم خ د) * عن أبي هريرة قال قيل للنبي صلى الله عليه وسلم ان فلانة تقوم الليل وتصوم النهار وتفعل وتصدق وتؤذي جيرانها بلسانها

فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا خير فيها هي من أهل النار قيل وفلانة تصلي المكتوبة وتصدق بالأثوار من الأقط ولا تؤذي أحدا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم هي من أهل الجنة (هب) * (حق المركوب والركوب) * أخروا الاحمال فان الايدي معلقة والارجل موثقة (د) في مراسيله عن الزهري وصله البزار (ع طس) عنه عن سعيد بن المسيب عن أبي هريرة نحوه * اتقوا الله في هذه البهائم المعجمة فاركبوها صالحة وكلوها صالحة (حم د) وابن خزيمة (حب) عن سهل بن الحنظلية * اذا ركب أحدكم الدابة (٣٨٣) فليحملها على ملاذها فان الله تعالى يحمل على القوي والضعيف (قط) في الافراد عن عمرو بن العاصي * اذا ركبتم هذه البهائم العجم فانجوا عليها فاذا كانت سنة فانجوا وعليكم بالدلجة فان طوي لها الله (طب) عن عبد الله بن مغفل * اذا ركبتم هذه الدواب فاعطوها حظها من المنازل ولا تكونوا عليها شياطين (قط) في الافراد عن أبي هريرة * اذا اشترى أحدكم بعيرا فليأخذ بذروة سنامه وليتعوذ بالله من الشيطان (د) عن ابن عمر * اذا سرتم في أرض خصبة فاعطوا الدواب حظها واذا سرتم في أرض مجدبة فانجوا عليها فاذا عرستم فلا تعرسوا على قارعة الطريق فانها مأوى كل دابة البزار عن أنس * اركبوا هذه الدواب سالمة واتدعوها سالمة ولا تتخذوها كراسي لاحاديثكم في الطرق والاسواق فرب مركوبة خير من راكبها وأكثر ذكرا لله منه (حم ع طب) عن معاذ بن أنس * أنت أحق بصدر دابتك مني الا أن تجعله لي (حم د ت) عن بريدة * اياكم أن تتخذوا ظهور دوابكم منابر فان الله تعالى انما سخرها لكم لتبلغكم الى بلد لم تكونوا بالغيه الا بشق الانفس وجعل لكم الارض فعليها فاقضوا حاجاتكم (د) عن أبي هريرة * الرجل أحق بصدر دابته وصدر فراشه والصلاة في منزله الا لما يجمع الناس كما به (طب) عن فاطمة الزهراء * شر الحمير القصير الاسود (ق ك) عن ابن عمر * ان الابل خلقت من الشياطين وان وراء كل بعير شيطانا (ص) عن خالد بن معدان * على ظهر كل بعير شيطان فاذا ركبتموها فسموا الله ثم لا تقصروا عن حاجاتكم (حم ن حب ك) عن حمزة بن عمرو الاسلمي * مامن بعير الا وفي

---

إنك صاه فقال لعصم وسل الله عز وجل من فضله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سلم ناس من اليهود على النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا السام عليك يا أبا القاسم فقال وعليكم فقالت عائشة رضي الله عنها وغضبت ألم تسمع ما قالوا قال بلى قد سمعت فرددتها عليهم انا نجاب عليهم ولا يجابون علينا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول لبس النبي صلى الله عليه وسلم قباء من ديباج أهدي له ثم أوشك ان ينزعه وأرسل به الى عمر بن الخطاب فقيل قد أوشكت ما نزعته يا رسول الله فقال نهاني عنه جبريل صلى الله عليه وسلم فجاء عمر يبكي فقال يا رسول الله كرهت أمرا وأعطيتنيه فما لي فقال لم أعطكه لتلبسه انما أعطيتكه لتبيعه فباعه بمائتي درهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول اذا دخل الرجل بيته فذكر الله عند دخوله وعند طعامه قال الشيطان لا مأمن ههنا ولا عشاء ههنا واذا دخل ولم يذكر الله عند دخوله قال الشيطان أدركتم المبيت والعشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول ان النبي صلى الله عليه وسلم أمر عمر بن الخطاب يوم النحر وهو بالبطحاء ان يأتي الكعبة فيحول كل صورة فيها ولم يدخل البيت حتى محيت كل صورة فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول ان رجلا جاء الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني رأيت في المنام ان رأسي قطع فهو يتحمد لي وأتبعه فمر الرسول الله صلى الله عليه وسلم ذلك من الشيطان فاذا رأى أحدكم رؤيا يكرهها فلا يقصها على أحد ولا يتعوذ بالله من الشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم الناس تبع لقريش في الخير والشر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول خيار الناس في الجاهلية خيارهم في الاسلام اذا فقهوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول غفار غفر الله لها وأسلم سالمها الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أرجو أن يكون من يتبعني من أمتي يوم القيامة ربع أهل الجنة قال فكبرنا قال أرجو أن يكونوا ثلث أهل الجنة قال فكبرنا قال أرجو أن تكونوا شطر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يسأل عن الورود قال نعم يوم القيامة على كذا وكذا انظر أي ذلك فوق الناس قال فتدعى الامم بأوثانها وما كانت تعبد الاول فالاول ثم يأتينا ربنا بعد ذلك فيقول من تنتظرون فيقولون ننتظر ربنا عز وجل فيقول أنا ربكم فيقولون حتى ننظر اليك فيتجلى لهم يضحك قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم قال فيتجلى لهم ويتبعونه ويعطى كل انسان منافق أو مؤمن نورا ثم يتبعونه على جسر جهنم كلا لبيه ودسلك تأخذ من شاء الله ثم يطفأ نور المنافق ثم ينجو المؤمنون فتنجو أول زمرة وجوههم كالقمر ليلة البدر سبعون ألفا لا يحاسبون ثم الذين يلونهم كأضوإ نجم في السماء ثم كذلك ثم تحل الشفاعة حتى يخرج من النار من قال لا اله الا الله وكان في قلبه

ذروه شيطان فاذا ركبتموها فاذكروا نعمة الله عليكم كما أمركم الله ثم امتهنوها لانفسكم فانما يحمل الله (حم ك) عن أبي لاس * لعن الله من مثل بالحيوان (حم ق ن) عن ابن عمر * الثالث ملعون يعني على لسان (طب) عن المهاجرين قنفذ * لو غفر لكم ما تأتون الى البهائم لغفر لكم كثير (حم طب) عن أبي الدرداء * نهى عن التحريش بين البهائم (د ت) عن ابن عباس * نهى عن الركوب على جلود النمار (د ن) عن معاوية * لا تركبوا الخز ولا النمار (د) عن معاوية * نهى عن خصا الخيل والبهائم (حم) عن ابن عمر * نهى عن الوسم في الوجه والضرب في الوجه (حم م ت) عن جابر * (الاكمال) * اتقوا الله في هذه البهائم كلوها سمانا واركبوها صحاحا (طب) عن سهل بن الحنظلية * انحروها واحملوا على نجيبتها واحلب يوم الماء تدخل الجنة ويسلم البغوي (طب) عن الشريد ابن سويد * ألا تتقي الله في هذه البهيمة التي ملكك الله اياها فانه شكا الي أنك تجيعه وتدئبه (طب) عن عبد الله بن جعفر * لمن صاحب هذه الراحلة ألا تتقي الله فيها اما ان تعلفها واما أن ترسلها حتى تبتغي لنفسها (طب) عن ابن عمر * اما لا فاحسنوا اليه حتى يأتي أجله عبد بن حميد عن جبر في الجمل الذي أراد أهله نحره فشكى الى النبي صلى الله عليه وسلم * أولم أرك تسم الوجه لا تحرق وجوه النعم قيل فاين نسم قال في موضع الجربر من السالف (طب) عن نقادة * لا تحدوا أذناب الخيل فانها مذابها لا تقصوا أعرافها فانها دفاؤها (ش) عن الوضين بن عطاء مرسلا (ش) عن عمر موقوفا * لقلوبت الليلة وان الملائكة لتعاتبني في حس الخيل * ومسحها ابن عساكر عن عائشة * من مشى عن راحلته عقبة فكأنما أعتق رقبة (ك) عن ابن عمر * من ركب دابة فقال حدثني

من الحيوان ما زن شعيرة فيجعلون بفناء أهل الجنة ويجعل أهل الجنة يرشون عليهم الماء حتى ينبتون نبات النهي في السيل ثم يسأل حتى يجعل له الدنيا وعشرة أمثالها معها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول لكل نبي دعوة قد دعا بها في أمته وخبأت دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة يعني النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول يأكل أهل الجنة فيها ويشربون ولا يتغوطون ولا يتمخطون ولا يبولون ويكون طعامهم ذلك جشاء ورشحا كرشح المسك يلهمون التسبيح والحمد كما يلهمون النفس حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول قد يئس الشيطان ان يعبده المسلمون ولكن في التحريش بينهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول عرش ابليس على البحر ثم يبعث سراياه فيفتنون الناس فاعظمهم عنده أعظمهم فتنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله ولم يرفعه أنا فرطكم بين أيديكم فان لم تجدوني فانا على الحوض والحوض قدر ما بين ايلة الى مكة وسيأتي رجال ونساء فلا يذودون منه شيأ موقوف ولم يرفعه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا أبو الزبير انه سمع جابر ابن عبد الله يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا على الحوض أنظر من يرد علي قال فيؤخذ ناس دوني فاقول يا رب مني ومن أمتي قال فيقال وهل تدري ما عملوا بعدك ما برحوا يرجعون على أعقابهم فكان جابر يقول لنا سحقا سحقا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن تبديل الجر والمزفت والدباء والنقير وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا لم يجد له شيأ ينبذ له فيه ينبذ له في تور من حجارة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق ثنا أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نشرب بعلم أو بعر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم عن ابن أبي ذئب عن ثمير حليل بن سعد عن جابر بن عتيك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمسك أحدكم يده عن الحصباء لحيره من أن يكون له مائة ناقة كلها سود الحدقة فان غلب أحدكم الشيطان فليمسح مسحة واحدة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يزعم ان النبي صلى الله عليه وسلم نهى عن الصور في البيت ونهى الرجل ان يصنع ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول انما أنا بشر وأني اشترطت على ربي عز وجل أي عبد من المسلمين سببته أو شتمته ان يكون له ذلك زكاة وأجرا حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثني حجاج قال ابن جريج أخبرني أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تزال طائفة من أمتي يقاتلون على الحق ظاهرين الى يوم القيامة قال فينزل عيسى بن مريم صلى الله عليه وسلم فيقول أميرهم تعال صل بنا فيقول لا ان بعضكم على بعض امراء تكرمة الله عز وجل هذه الامة حدثنا عبد الله

سبحان الذي سخر لنا هذا وما كنا له مقرنين ثم مات قبل أن ينزل مات شهيدا أبو الشيخ وأبو نعيم عن أبي هريرة * اذا ركب العبد الدابة فلم يذكر الله ردفه الشيطان وقال تغن فان كان لا يحسن الغناء قال له تمن فلا يزال في أمنيته حتى ينزل الديلمي عن ابن عباس * اللهم احمل عليها في سبيلك فانك تحمل القوي والضعيف والرطب واليابس في البر والبحر (طب) عن فضالة بن عبيد * (الأفعال) * عن عبيد بن أبي زياد عن أبيه قال

قدم عمر مكة فاخبر ان الولى لعمرو بن العاص ابلا جلالة فارسل اليها فاخذ منها من مكة فقال ابلا تحتطب عليها ولا تحمل عليها الماء فقال عمر لا يحج عليها ولا يعتمر (عب) ومسدد وهو صحيح * عن ابن عمر كان عمر ينهى عن اخصاء البهائم ويقول هل النماء الا فى الذكر (عب ش) وابن المنذر * عن هشام بن حبيش قال أرسل الى عمر بن الخطاب فرأيته فى جماعة من أصحابه نزل عن راحلته ثم حط رحله ثم قبد راحلته كرجل من أصحابه ثم جلس ركاب القوم فوجد فيها راحلة مقارا بالها من قيدها فارخى لها عمر بن الخطاب (٣٨٥) ثم أقبل يتغيظ أرى الغيظ فى وجهه فقال أيكم صاحب الراحلة فقال رجل أنا فقال بئسما صنعت ثبيت على فؤاده وتضرب صدره حتى اذا حان رزقه جوعت بين عظمين من عظامه الرويانى * عن عمر قال لا تلاطموا وجوه الدواب فان كل شئ يسبح الله بحمده (كر) * عن الحكم أن عمر كتب الى أهل الشام ينهاهم أن يركبوا جلود السباع (هق) * عن عمر قال اياى والمركب الحديد (هق) * عن المسيب بن دارم قال رأيت عمر بن الخطاب ضرب جمالا فقال لم تحمل بعيرك مالا يطيق ابن سعد * عن سالم ابن عبد الله أن عمر بن الخطاب كان يدخل يده فى دبر البعير ويقول انى لخائف أن أسأل عما بك ابن سعد (كر) * عن على كرم الله وجهه قال أهديت لرسول الله صلى الله عليه وسلم بغلة فأعجبته فركبها فقلنا يا رسول الله لو أنزينا الحمر على خيلنا فجاءت بمثل هذه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انما يفعل ذلك الذين لا يعلمون

حدثنى أبى ثنا حجاج قال ابن جريج أخبرنى أبو الزبير انه سمع جابر بن عبد الله يقول سمعت النبى صلى الله عليه وسلم يقول قبل ان يموت بشهر تسألونى عن الساعة وانما علمها عند الله وأقسم بالله ما على ظهر الارض من نفس منفوسة اليوم يأتى عليها مائة سنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سريج بن النعمان ثنا سعيد يعنى ابن زيد عن عمرو بن دينار حدثنى جابر بن عبد الله قال كسع رجل من المهاجرين رجلا من الانصار فقال الانصارى يا للانصار وقال المهاجرى يا للمهاجرين فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الا ما بال دعوى الجاهلية دعوا الكسعة فانها منتنة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى محمد ثنا زياد بن عبد الله بن الطفيل قال عبد الله وسمعت أبى مرة يقول حدثنا زياد بن عبد الله بن الطفيل البكائى العامرى ثنا منصور عن سالم عن جابر بن عبد الله قال ولد لرجل منا غلام فسماه محمدا فقلنا لا ندعك تسميه محمدا باسم النبى صلى الله عليه وسلم فاتى الرجل بابنه الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله انه ولد لى غلام وانى سميته باسم محمد فابى قومى ان يدعونى قال بلى تسموا باسمى ولا تكنوا بكنيتى فانى قاسم أقسم بينكم **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد أنا محمد بن مطرف عن عاصم بن عبيد الله بن عاصم بن عمر بن الخطاب قال دخلت على جابر بن عبد الله فحضرت الصلاة وثياب له فى الشمس فقام متوشحا بثوبه ثم صلى ثم قال لهم حين انصرف رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم صلى هكذا **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد ثنا الفضل يعنى ابن سليمان ثنا محمد بن أبى يحيى عن الحرث بن أبى يزيد عن جابر بن عبد الله الانصارى أن قوما قدموا المدينة مع النبى صلى الله عليه وسلم وبهم امرض فنهاهم النبى صلى الله عليه وسلم أن يخرجوا حتى يأذن لهم فخرجوا بغير اذنه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انما المدينة كالكير تنفى الخبث كما ينفى الكير خبث الحديد **حدثنا** عبد الله حدثنى ابى ثنا حسن بن موسى وعفان قالا ثنا حماد بن سلمة عن قيس بن سعد عن عطاء بن أبى رباح عن جابر بن عبد الله أن رجلا قال يا رسول الله ذبحت قبل أن أرمى قال لا حرج قال رجل يا رسول الله حلقت قبل أن اذبح قال اذبح ولا حرج **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يعقوب ثنا أبى عن ابن اسحق قال فحدثنى عبد الله بن سهل بن عبد الرحمن بن سهل أخو بنى حارثة عن جابر بن عبد الله الانصارى قال قال خرج مرحب اليهودى من حصنهم قد جمع سلاحه يرتجز ويقول

قد علمت خيبر انى مرحب * شاكى السلاح بطل مجرب

أطعن أحيانا وحينا أضرب * اذ الليوث أقبلت تلهب

كان حمای لحمی لا يقرب

وهو يقول من مبارز فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لهذا فقال محمد بن مسلمة أنا يا رسول الله وأنا والله المأثور الثائر قتلوا أخى بالامس قال فنعم اليد الله لهم أعنه عليه فلما دنا أحدهما من صاحبه دخلت بينهما شجرة عمرية من شجر العشر فجعل أحدهما يلوذ بها من صاحبه كلما لاذ بها منه اقتطع بسيفه مما دونه حتى برز كل واحد منهما لصاحبه وصارت بينهما كالرجل القائم فانبرى له محمد بن مسلمة فضربه فاتقى بالدرقة فوقع سيفه فيها فعضت به فامسكته وضربه محمد بن مسلمة حتى قتله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن بن موسى وسريج قالا ثنا حماد بن زيد عن عمرو بن دينار عن محمد بن على عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن لحوم الحمر قال سريج الاهلية يوم خيبر وأذن فى لحوم الخيل **حدثنا**

الله صلى الله عليه وسلم ومعه أبو بكر يتحدثان بين الجحفة وهرشى وهما على رحل واحد وهما متوجهان الى المدينة فحملهما على قل ابله وبعث معهما غلاما له يقال له مسعود فقال له اسلك بهما حيث تعلم من مخارم الطريق ولا تنازفهما حتى يقضيا حاجتهما منك ومن جملك فسلك بهما ثنية الاجداء ثم سلك بهما ثنية البكوذية ثم أقبل بهما أحياء ثم سلك بهما ثنية المرة ثم أتى بهما من شعبة من ذات كشط ثم سلك بهما المدلجة ثم سلك بهما الغميثة ثم سلك بهما ثنية (٣٨٦) المرة ثم أدخلهما المدينة وقد قضيا حاجتهما منه ومن جمله ثم رجع رسول الله صلى الله عليه وسلم

عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير بن معاوية أبو خيثمة ثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم امسكوا عليكم أموالكم ولا تقسموها فانه من أعمر عمرى فهي للذي أعمرها حيا وميتا ولعقبه تقسموها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا ترسلوا فواشيكم وصبيانكم اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء فان الشياطين تعيث اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يصلي في ثوب واحد متوشحا به فقال بعض القوم لابي الزبير وأنا أسمع المكتوبة قال المكتوبة وغير المكتوبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى وموسى بن داود قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الاضاحي ونرود نا حتى بلغنا بها المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر ان رجلا أتى النبي صلى الله عليه وسلم قال ان لي جارية وهي خادمنا وسانيتنا أطوف عليها وأنا أكره ان تحمل فقال اعزل عنها ان شئت فانه سيأتيها ما قدر لها فاتاه بعد ذلك فقال ان الجارية قد حملت قال قد أخبرتك انه سيأتيها ما قدر لها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبيع حاضر لباد دعوا الناس يرزق الله بعضهم من بعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا زهير مثله واسناده **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر وابن عمر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن النقير والمزفت والدباء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال رمى معبد بن سعد في أكحله فحسمه رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده بمشقص قال ثم رمث قال فحسمه الثانية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أغلقوا الابواب وأوكؤا الاسقية وخمروا الاناء واطفؤا السرج فان الشيطان لا يفتح غلقا ولا يحل وكاء ولا يكشف اناء فان الفويسقة تضرم على أهل البيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا معاوية يعني ابن عمرو ثنا أبو اسحق يعني الفزاري عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من مسلم ولا مسلمة ولا مؤمن ولا مؤمنة يمرض مرضا الا حط الله عنه من خطاياه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا بكر بن سوادة ان مولى لجابر بن عبد الله أخبره عن عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بهم وهم يجنون أرزا كا فاعطاه رجل جنى أرزك فقال لو كنت متوضئا أكلته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن ثمن الكلب والسنور فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم زجر عن ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير أخبرني جابر أن امرأة من بني مخزوم سرقت فعاذت بام سلمة زوج رسول الله صلى الله عليه وسلم فاتى بها رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لو كانت فاطمة لقطعت يدها فقطعها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن المرأة يطلق امرأته وهي حائض فقال طلق عبد الله بن عمر امرأته وهي حائض فاتى عمر رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخبره ذلك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليراجعها فانها امرأته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسين حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير قال سألت

مسعودا الى سبده أوس بن عبد الله وكان مغفلا لا يسم الابل فامره رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يامر أوسا أن يسمها في أعناقها قيد الفرس البغوي وابن السكن وابن منده (طب) وأبو نعيم قال ابن عبد البر حديث حسن * عن علي بن ربيعة قال رأيت عليا أتى بدابة فلما وضع رجله في الركاب قال بسم الله فلما استوى عليها قال الحمد لله الذي سخر لنا هذا وما كنا له مقرنين وانا الى ربنا لمنقلبون ثم حمد الله ثلاثا وكبر ثلاثا وقال سبحان الله ثلاثا ثم قال سبحانك لا اله الا أنت اني ظلمت نفسي فاغفر لي ذنوبي انه لا يغفر الذنوب الا أنت ثم ضحك فقلت مم ضحكت يا أمير المؤمنين قال كنت ردف النبي صلى الله عليه وسلم ففعل مثل ما فعلت ثم ضحك فقلت مم ضحكت يا رسول الله قال عجب الرب من عبده اذا قال رب اغفر لي ويقول علم عبدي انه لا يغفر الذنوب غيري وفي لفظ ان الله ليضحك الى العبد اذا قال لا اله الا أنت سبحانك اني ظلمت نفسي فاغفر لي ذنوبي انه لا يغفر الذنوب الا أنت قال عبدي عرف ان له ربا يغفر ويعاقب (ط حم) جابرا

وعبد بن حميد (د ت) وقال حسن صحيح (ه ع) وابن خزيمة وابن شاهين في السنة وابن مردويه (ك هق ض) * عن علي نهى عن ميار الارجوان (د) أيضا * نهاني رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ابس القسي المترحم وان افترش حاس دابتي الذي يلي ظهرها وان أضع حلس دابتي على ظهرها حتى اذكر اسم الله فان على كل ذروة شيطانا فاذا ذكرا اسم الله خنس الدورقي * عن هلال بن خباب أن عليا أتى

بداية فلما وضع رجله في الركاب قال بسم الله فلما استوى على ظهرها قال الحمد لله الذي هدانا للاسلام وعلمنا القرآن ومن علينا بمحمد صلى الله عليه وسلم وجعلنا من خير أمة أخرجت للناس اللهم لا طير الا طيرك ولا خير الا خيرك ولا اله الا أنت ربنا * عن رجل شهد القادسية قال رجعنا من القادسية فكان أحدنا يفتح فرسه من الليل فلما أصبح نحره ومهرها فبلغ ذلك عمر فكتب الينا ان اضمروا الى مارزقكم الله فان في الامر نفس ٧ هناد * عن عقبة بن محمد السلمي نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن جز أذناب (٣٨٧٠) الخيل وأعرافها ونواصيها وقال أما أعرافها فانها أدفاؤها وأما أذنابها فانها مذابها وأما نواصيها فان الخير معقود في نواصيها الرامهرمزي في الامثال * (الصحبة مع المملوك وحقهم) * اتخذوا السودان فان ثلاثة منهم من سادات أهل الجنة لقمان الحكيم ولمخباشي وبلال المؤذن (حب) في الضعفاء (طب) عن ابن عباس * اتقوا الله في الضعيفين المملوك والمرأة ابن عساكر عن ابن عمر * اذا ضرب أحدكم أخاه فليتق الوجه (د ت) عن أبي هريرة * اذا سرق المملوك فبعه ولو بنش (حم خد د) عن أبي هريرة * أعما عبد أو امرأة قال أو قالت لوليدتها يازانية ولم تطلع منها على زنا جلدتها وليدتها يوم القيامة لانه لا حد لهن في الدنيا (ك) عن ابن عمر ومن العاص * ضعوا السوط حيث يراه الحديم البزار عن ابن عباس * عاقبوا أرقاءكم على قدر عقولهم (قط) في الافراد عن ابن عباس * لعن الله من يسهم في الوجه (طب) عن ابن عباس

جابر اهل رجم رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال نعم رجم رجلا من أسلم ورجلا من اليهود وامرأة وقال لليهودي نحن نحكم عليكم اليوم حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر انه قال زجر رسول الله صلى الله عليه وسلم ان تصل المرأة برأسها شيأ حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى أن يأكل الرجل بشماله فان الشيطان يأكل بشماله حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال مثل المؤمن مثل السنبلة تستقيم مرة وتخر مرة ومثل الكافر مثل الارزة لا تزال مستقيمة حتى تخر ولا تشعر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير قال سألت جابرا كم طاف رسول الله صلى الله عليه وسلم بين الصفا والمروة فقال مرة واحدة حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا سريج بن النعمان قال حدثنا هشيم أنا مجالد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله أن عمر بن الخطاب أتى النبي صلى الله عليه وسلم بكتاب أصابه من بعض أهل الكتب فقرأه النبي صلى الله عليه وسلم فغضب فقال أمتهوكون فيها يا ابن الخطاب والذي نفسي بيده لقد جئتكم بها بيضاء نقية لا تسألوهم عن شئ فيخبروكم بحق فتكذبوا به أو بباطل فتصدقوا به والذي نفسي بيده لو أن موسى صلى الله عليه وسلم كان حيا ما وسعه الا أن يتبعني حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو سلمة الخزاعي حدثنا سليمان يعني عن عمار الدهني عن أبي الزبير عن جابر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل يوم الفتح مكة وعليه عمامة سوداء حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا الخزاعي ثنا عبد العزيز عن عمرو بن أبي عمرو عن رجل من الانصار عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كلوا لحم الصيد وأنتم حرم مالم تصيدوه أو يصد لكم حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا الخزاعي أنا حماد بن سلمة أنا أبو الزبير عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى زمن خيبر عن البصل والكراث فاكلهما قوم ثم جاؤا الى المسجد فقال النبي صلى الله عليه وسلم ألم أنه عن هاتين الشجرتين المنتنتين قالوا بلى يا رسول الله ولكن أجهدنا الجوع فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أكلهما فلا يحضر مسجدنا فان الملائكة تتأذى مما يتأذى منه بنو آدم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا عبد الرحمن ابن أبي الموال ثنا محمد بن المنكدر قال دخلت على جابر بن عبد الله وهو يصلي ملتحفا في ثوب واحد ورداؤه موضوع فقلت له تصلي في ثوب واحد ورداؤك موضوع قال أيحب أحد منكم أن يخرج الى الناس وبطنه هكذا وهكذا وعليه ثوب واحد فيراني أصلي في ثوب واحد اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي هكذا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد ثنا زائدة ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير صفوف الرجال المقدم وشرها المؤخر وخير صفوف النساء المؤخر وشرها المقدم يا معشر النساء اذا سجد الرجال فاغضضن أبصاركن لا ترين عورات الرجال من ضيق الازر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا زائدة عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال مشيت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الى امرأة من الانصار فذبحت لنا شاة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليدخلن رجل من أهل الجنة فدخل أبو بكر فقال ليدخلن رجل من أهل الجنة فدخل عمر فقال ليدخلن رجل من أهل الجنة فقال اللهم ان شئت فاجعله عليا فدخل علي ثم اتينا بطعام فاكلنا فقمنا الى صلاة الظهر ولم يتوضأ أحدنا ثم اتينا ببقية الطعام ثم قمنا الى العصر وما مس أحدنا ماء

* من اعتز بالعبيد أذله الله الحكيم عن عمر * للمملوك طعامه وكسوته ولا يكلف الا ما يطيق فان كلفتموهم فاعينوهم ولا تعذبوا عباد الله خلقا أمثالكم (حب) عن أبي هريرة * اذا اشترى أحدكم الجارية فليقل اللهم اني أسألك خيرها وخير ما جبلتها عليه وأعوذ بك من شرها وشر ما جبلتها عليه وليدع بالبركة واذا اشترى أحدكم بعيرا فليأخذ بذروة سنامه وليدع بالبركة وليقل مثل ذلك (ه) عن ابن عمر * انما الاسود لبطنه وفرجه (طب) عن أم أيمن * الزنجي اذا شبع زنى واذا جاع سرق وان فيهم لسماحة ونجدة (عد) عن عائشة * شر المال في

آخر الزمان المماليك (حل) عن ابن عمر * العبد من الله وهو منه مالم يخدم فاذا أخدم وقع عليه الحساب (ص هب) عن أبي الدرداء * اتقوا الله فيما ملكت أيمانكم (خد) عن علي * اغفر فان عاقبت فعاقب بقدر الذنب واتق الوجه (طب) وأبو نعيم في المعرفة عن حزء * اخوانكم خولكم جعلهم الله تحت أيديكم فمن كان أخوه تحت يده فليطعمه من طعامه وليلبسه من لباسه ولا يكلفه ما يغلبه فان كلفه ما يغلبه فليعنه (حم ق ت د ه) عن أبي ذر * اذا أتى (٣٨٨) أحدكم خادمه بطعامه فان لم يجلسه معه فان لم يجلسه معه فليناوله أكلة أو أكلتين (ق د ت ه) عن أبي هريرة * اذا ضرب أحدكم خادمه فذكر الله فارفعوا أيديكم (ت) عن أبي سعيد * أرقاؤكم أرقاؤكم فاطعموهم مما تأكلون والبسوهم مما تلبسون واذا جاؤا بذنب لا تريدون أن تغفروه فبيعوا عباد الله ولا تعذبوهم (حم) وابن سعد عن زيد بن الخطاب * أرقاؤكم اخوانكم فاحسنوا اليهم يستعفوهم على ما غلبكم وأعينوهم على ما غلبهم (حم خد) عن رجل * مملوك يكفيك فاذا صلى فهو أخوك فاكرموهم كرامة أولادكم وأطعموهم مما تأكلون (ه) عن أبي بكر * من اتخذ من الخدم غير ما ينكح ثم بغى فعليه مثل آثامهن من غير أن ينقص من آثامهن البزار عن سلمان * من ضرب مملوكه أو ضربه فكفارته أن يعتقه (حم م د) عن ابن عمر * من ضرب مملوكه ظالما أقيد منه يوم القيامة (طب) عن عمار * لا يدخل الجنة سيئ الملكة (ت ه) عن أبي بكر * من فرق بين والدة وولدها فرق الله تعالى بينه وبين أحبته يوم القيامة (حم ت ك) عن أبي أيوب * لعن الله من فرق بين رسول والدة وولدها وبين الاخ وأخيه (ه) عن أبي موسى * من قذف مملوكه وهو بريء مما قال جلد يوم القيامة حدا الا أن يكون كما قال (حم د ن) عن أبي هريرة * ما خففت عن خادمك من عمله فهو أجر لك في موازينك يوم القيامة (ع حب هب) عن عمرو بن حريث * ويل للمملوك وويل للمملوك من المماليك البزار عن حذيفة * لا تضربوا الرقيق فانكم لا تدرون ما توافقون (طب) عن ابن عمر * لا تضربوا

---

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال خرجنا مع النبي صلى الله عليه وسلم مهلين بالحج فقدمنا مكة فطفنا بالبيت وبالصفا والمروة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أحلوا واجعلوها عمرة الا من ساق الهدى قال فسطعت المجامر ووقعت النساء فلما كان يوم التروية أهللنا بالحج قال سراقة بن مالك بن جعشم يا رسول الله ترتنا هذه ألعامنا أم للابد قال لا بل للابد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان عشت ان شاء الله نهيت أن يسمى بركة ويسار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل ثنا حماد ثنا علي يعني ابن زيد عن أبي نضرة عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لان صائد ما ترى قال أرى عرشا على الماء أو قال على البحر حوله حيات قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ذاك عرش ابليس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال حدثنا حماد يعني ابن زيد عن كثير بن شنظير عن عطاء بن أبي رباح عن جابر بن عبد الله قال بعثني النبي صلى الله عليه وسلم في حاجة فلما رجعت سلمت عليه فلم يرد علي فلما فرغ قلت يا رسول الله سلمت عليك فلم ترد علي قال انك كنت أصلي وهو على راحلته متوجها الغير القبلة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى ثنا حماد عن كثير بن شنظير عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خمروا الآنية وأوكؤا الاسقية وأجيفوا الباب واطفؤا المصابيح عند الرقاد فان الفويسقة ربما اجترت الفتيلة فاحرقت البيت واكفتوا صبيانكم عند المساء فان للجن انتشارا وخطفة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى أنا مالك عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن أكل لحوم الاضاحي بعد ثلاث ثم قال بعد ذلك كلوا وتزودوا وادخروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق أخبرني مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله قال لم أر رسول الله صلى الله عليه وسلم استلم من الحجر الاسود حتى انتهى اليه ثلاثة أطواف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك ح وثنا اسحق أنا مالك عن جعفر بن محمد عن أبيه ان جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم حين خرج من المسجد وهو يريد الصفا وهو يقول نبدأ بما بدأ الله عز وجل به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك ح وثنا اسحق أنا مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا وقف على الصفا يكبر ثلاثا ويقول لا اله الا الله وحده لا شريك له الملك وله الحمد وهو على كل شئ قدير وفي حديث عبد الرحمن يصنع ذلك ثلاث مرات ويدعو ويصنع على المروة مثل ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرأت على عبد الرحمن مالك ح وثنا اسحق أنا مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم لما أن نزل من الصفا مشى حتى اذا انصبت قدماه في بطن الوادي سعى حتى يخرج منه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق أنا مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نحر بعض هديه بيده وبعضه نحره غيره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش ومنصور عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان لي جارية وأنا أعزل عنها فقال له ما يقدر يكن فلم يلبث ان جاءت فقال الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا نبي الله ألم تر أني حملت فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما قضى الله لنفس أن تخرج الا هي كائنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال يعني

اماءكم على انا تهكم فان لها أجلا كآجال الناس (حل) عن كعب بن عجرة * اتقوا الله فيما ملكت أيمانكم البسوا ظهورهم واشبعوا بطونهم وألينوا لهم القول ابن سعد (طب) عن كعب بن مالك * خيركم خيركم للمماليك (فر) عن عبد الرحمن بن عوف * للمملوك على سيده ثلاث خصال لا يجعله عن صلاته ولا يقيمه عن طعامه ويشبعه كل الاشباع (طب) عن ابن عباس * من لاءمكم من خدمكم فاطعموهم مما تاكلون والبسوهم مما تلبسون ومن لا يلائمكم منهم فبيعوهم ولا تعذبوا خلق الله (٣٨٩) (حم د) عن أبي ذر * لا يسأل رجل مولاه من فضل هو عنده فيمنعه اياه الا دعي له يوم القيامة فضله الذي منعه شجاعا أقرع (د) عن معاوية بن حيدة * لا يأتي رجل مولاه فيسأله من فضل هو عنده فيمنعه اياه الا دعي له يوم القيامة فضله الذي منع منه شجاع أقرع يتلظى فضله (ت) عن معاوية بن حيدة * اذا ابتاع أحدكم الخادم فليكن أول شيء يطعمه الحلواء فانه أطيب لنفسه الخرائطي في مكارم الاخلاق عن معاذ * (الاكمال) * لله أقدر عليك منك عليه (عب حم ت) حسن صحيح عن ابن مسعود قال ضربت مملوكا لي فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * اشتر الرقيق وشاركوهم في أرزاقهم يعني كعبهم وايا كم والزنج فانهم قصيرة أعمارهم قليلة أرزاقهم (طب) عن ابن عباس * صدق هو أخوك ابتع أبيله وأمك آدم وحواء لك أحرك بيمينك هذه عظيمة ابن قانع عن بشر بن حنظلة الجعفي * لا يدخل الجنة سيء الملكة قال رجل يا رسول الله أليس أخبرتنا ان هذه الامة أكثرهم مملوكين ويتامى آبائهم قال بلى فاكرموهم كرامة أولادكم وأطعموهم مما تاكلون الخرائطي في مكارم الاخلاق عن أبي بكر * اذا صلى أحدكم طعاما فولى حره وعمله فقربه اليه فليدعه فليأكل معه وان أبى فليدع في يده مما يصنع (طب) عن عبادة بن الصامت * الاكل مع الخادم من التواضع من أكل معه اشتاقت اليه الجنة أبو الفضل جعفر بن محمد بن جعفر في كتاب العروس والديلمي عن أم سلمة * لا تسخدموا أرقاءكم بالليل فان الليل لهم والنهار لكم الديلمي عن عائشة وفيه بحر بن كثير مجمع على تركه * يحسب ما خانوك وعصوك وكذبوك وعقابك اياهم فان كان عقابك اياهم

رسول الله صلى الله عليه وسلم لحاجة فجئت وهو يصلي نحو المشرق ولوى ايماءه على راحلته فسجد وأخفض من الركوع فسلمت عليه فلم يرد علي قال فلما قضى صلاته قال ما منعك أن رددت علي قلت كذا وكذا انى كنت أصلي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان وأبو نعيم ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمسكوا عليكم أموالكم ولا تعطوها أحدا فان أحمر شيأ فهوله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان يعني ابن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن التمر والزبيب والرطب والبسر يعني أن ينبذا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سجد أحدكم فليعتدل ولا يفترش ذراعيه افتراش الكلب قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من خاف منكم أن لا يستيقظ من آخر الليل فليوتر من أول الليل ثم ليرقد ومن طمع منكم أن يستيقظ من آخر الليل فليوتر من آخر الليل فان قراءة آخر الليل محضورة وذلك أفضل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر عن السلمي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا جاء أحدكم الى الجمعة والامام يخطب فليصل ركعتين خفيفتين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا حماد يعني ابن زيد عن الحجاج بن أرطاة عن عطاء عن جابر ابن عبد الله قال تمتع رسول الله صلى الله عليه وسلم فطفنا بالبيت وبين الصفا والمروة فلما كان يوم النحر لم نقرب الصفا والمروة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا حماد يعني ابن زيد عن عمرو عن جابر بن عبد الله قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر ذلك لابن عمر فقال رجل أنا رأيت ابن جابر يطالب أرضا مخابرة فقال ابن عمر انظروا الى هذا ابن أباه يحدث عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه نهى عن كراء الارض وهو يطالب أرضا يخابر بها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا ابن أبي الزناد عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول بين الرجل وبين الشرك أو الكفر ترك الصلاة وسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تباشر المرأة المرأة في الثوب الواحد ولا يباشر الرجل الرجل في الثوب الواحد قال فقلنا لجابر أكنتم تعدون الذنوب شركا قال معاذ الله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا ابن أبي الزناد عن عمرو بن أبي عمرو أخبرني رجل ثقة من بني سلمة عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لحم الصيد حلال للمحرم مالم يصده أو يصد له حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا هشيم عن أبي بشير عن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله قال دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم على بعض أهله فقال هل عندكم من ادام فقالوا لا الا شيء من خل فقال هلموا فلنعم الادام الخل يصطبغ به ويقول نعم الادام الخل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا هشيم أنا علي بن زيد عن محمد ابن المنكدر وعن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ما بين منبري الى حجرتي روضة من رياض الجنة وان منبري على ترعة من ترع الجنة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا محمد يعني ابن راشد عن سليمان بن موسى عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال كانا نصيب مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في مغانمنا من المشركين الاستقية والاوعية فيقسمها وكلها ميتة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا عبد العزيز يعني ابن أبي سلمة عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أرى بقي دخلت الجنة فاذا أنا بالرميصاء امرأة أبي طلحة وسمعت خشفة أمامي فقلت من هذا يا جبريل قال هذا

بقدر ذنوبهم كان كفافا لا لك ولا عليك وان كان عقابك اياهم دون ذنوبهم كان فضلا لك وان كان عقابك اياهم فوق ذنوبهم اقتص لهم منك الفضل اما تقرأ كتاب الله ونضع الموازين القسط ليوم القيامة فلا تظلم نفس شيأ الآية (حم ت) غريب (هب) عن عائشة أن رجلا قال يارسول الله ان لي مملوكين يكذبونني ويخونونني ويعصونني وأشتمهم وأضربهم فكيف أنا منهم قال فذكره * ان كان ذلك في كنهه والا أقيد منكم يوم القيامة الحكيم عن زيد بن (٣٩٠) أسلم قال قال رجل يارسول الله ما تقول في ضرب المماليك قال فذكره قيل فما تقول في سبهم قال مثل ذلك قال فانا نعاتب أولادنا ونسبهم قال انهم ليسوا مثل أولادكم انكم لا تتهمون على أولادكم * من ضرب عبده في غير حد حتى يسيل دمه فكفارته عتقه الخطيب وابن النجار عن ابن عباس * اعفوا عنه في كل يوم سبعين مرة يعني الخادم (د ت) حسن غريب عن ابن عمر * أمسن اليه فاني رأيته يصلي (ع) عن أنس * اذا أبق العبد ثم أبق فبيعوه ولا تعذبوا خلق الله (عد) عن أبي هريرة * من كانت له أمة يصيبها فلم يطأها في أربعين ليلة مرة فهو لله عز وجل عاصم الديلمي عن ابن عمر و * لا بأس أن يقلب الرجل الجارية اذا أراد أن يشتريها وينظر اليها ما خلا عورتها وعورتها ما بين ركبتيها الى معقد ازارها (طب عد هق) وضعفه عن ابن عباس * (الافعال) * عن أبي رافع قال مر بي عمر بن الخطاب وأنا أصوغ وأقرأ القرآن فقال يا أبا رافع لانت خير من عمر تؤدي حق الله وحق مواليك (هب) * عن ابن سراقة ان أبا موسى الاشعري كتب الى عمر بن الخطاب يشاوره في جارية أراد أن يشتريها فكتب اليه عمر لا تغتذ منهن فانهن قوم لا يتعايرون الزنا وان الله نزع الحياء من وجوههن كما نزع من وجوه الكلاب وعليك بجارية من سبايا العرب تحفظك في نفسها وتخلفك في ولدها (كر) * عن الحرث ان رجلا وسم غلاما له في وجهه فاعتقه علي الخرائطي في اعتلال القلوب * عن ابراهيم التيمي قال مر أبو ذر على رجل يضرب غلاما له فقال له أبو ذر اتق الله اعلم ما أنت قائل لربك وما هو قائل لك تقول اللهم اغفر لي فيقول لك أكنت تغفر فتقول

---

بلال قال ورأيت قصرا أبيض بفنائه جارية فقلت لمن هذا القصر قالت هذا لعمر بن الخطاب فاردت ان أدخله فاذا نظر اليه فذكرت غيرتك فقال عجبا بابي أنت وأمي يارسول الله أوعليك أغار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج ثنا أبو عوانة عن أبي بشر عن سليمان بن قيس عن جابر بن عبد الله قال قاتل رسول الله صلى الله عليه وسلم محارب بن خصفة فاءه رجل منهم يقال له غورث بن الحرث حتى قام على رسول الله صلى الله عليه وسلم بالسيف فقال من يمنعك مني قال الله عز وجل فسيقط السيف من يده فأخذه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال من يمنعك مني قال كن خير آخذ قال أتشهد أن لا اله الا الله وأني رسول الله قال لا ولكن أعاهدك على ان لا أقاتلك ولا أكون مع قوم يقاتلونك فخلى سبيله فاتى قومه فقال جئتكم من عند خير الناس فلما حضرت الصلاة صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة الخوف فكان الناس طائفتين طائفة بازاء العدو وطائفة صلوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى بالطائفة الذين معه ركعتين وانصرفوا فكانوا بمكان أولئك الذين بازاء عدوهم وانصرف الذين بازاء عدوهم فصلوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ركعتين فكان لرسول الله صلى الله عليه وسلم أربع ركعات ولكل طائفة ركعتين ركعتين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج يعني ابن النعمان ثنا أبو عوانة عن أبي بشر عن أبي سفيان عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سأل أهله الادام فقالوا ما عندنا الا الخل قال فدعا به فجعل يأكل به ويقول نعم الادام الخل نعم الادام الخل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا اسرائيل عن عثمان يعني ابن المغيرة عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال كان للنبي صلى الله عليه وسلم يعرض نفسه على الناس بالموقف فيقول هل من رجل يحملني الى قومه فان قريشا قد منعوني ان أبلغ كلام ربي عز وجل فانطلق رجل من همدان فقال ممن أنت فقال الرجل من همدان قال فهل عند قومك منعة قال نعم ثم ان الرجل خشي ان يحقره قومه فاتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال آتيهم فالمخبرهم ثم أتيك فمن قام قابل قال نعم فانطلق وجاء وفد الانصار في رجب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا شعبة عن محارب بن دثار قال سمعت جابر بن عبد الله الانصاري قال تزوجت فقال لي النبي صلى الله عليه وسلم ما تزوجت قال قلت تزوجت ثيبا فقال مالك وللعذاري ولعابها قال شعبة فذكرت ذلك لعمرو بن دينار فقال سمعت جابرا يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم أفهلا جارية تلاعبها وتلاعبك قال عبد الله قال أبي حدثنا هاشم ثنا سليمان بن عامر يعني شاذان المعنى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن أبي الجريري عن أبي نضرة قال قال جابر بن عبد الله أردنا ان نبيع دورنا ونتحول فريبا من رسول الله صلى الله عليه وسلم من أجل الصلاة قال فذكرت ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فقال لا فلان لرجل من الانصار دياركم فانها تكتب آثاركم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسود بن عامر ثنا اسرائيل عن أبي اسحق عن * سعيد بن أبي كريب عن جابر بن عبد الله قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم في رجل رجل منا مثل الدرهم لم يغسله فقال ويل للعقب من النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسود ثنا شريك عن سلمة بن كهيل عن علماء عن جابر ان رجلا دبر عبده وعليه دين فباعه النبي صلى الله عليه وسلم في دين مولاه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا النضر بن اسمعيل القاص وهو أبو المغيرة ثنا ابن أبي ليلى عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يموتن أحدكم الا وهو يحسن بالله الظن فان قوما قد أرداهم سوء ظنهم بالله عز وجل وذلكم ظنكم الذي ظننتم بربكم ارداكم

اللهم ارحمني فيقول أكنت ترحمه ٤ * عن أبي هريرة قال أشد الناس على الرجل يوم القيامة مملوكه (عب) * عن أبي هريرة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال أطعموهم مما تأكلون وألبسوهم مما تلبسون وما فسد عليكم فبيعوه ولا تعذبوا خلق الله يعني المملوكين ابن النجار * عن الزهري ان عمر بن الخطاب كان يضرب النساء والخدم (عب) * عن عمر بن الخطاب قال من ابتاع شيأ من الخدم فلم يوافق شيمته شيمته فليبع وليشتر حتى يوافق شيمتهم شيمته فان الناس شيم ولا تعذبوا لعباد الله ابن راهويه (٣٩٢) * عن عمر انه كان يذهب الى العوالي

اردا كم فاصبحتم من الخاسرين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يعذب ناس من أهل التوحيد في النار حتى يكونوا حمما فتهتهم ثم تدركهم الرحمة فيخرجون فيلقون على باب الجنة فيرش عليهم أهل الجنة الماء فينبتون كما ينبت الغثاء في حمالة السيل ثم يدخلون الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم أيما مؤمن سببته نواهمته أو جلدته فاجعلها له زكاة وأجرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم رجل فقال يا رسول الله ما الموجبتان قال من مات لا يشرك بالله عز وجل شيأ دخل الجنة ومن مات يشرك بالله دخل النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من غرس غرسا فما كل منه انسان أو طير أو سبع أو دابة فهو له صدقة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ما الموجبتان فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة عن الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يطرقن أحدكم أهله ليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان حدثنا سليم بن حيان حدثنا سعيد بن ميناء عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ثمن المزابنة والمجاقلة والمخابرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان ثنا سليم بن حيان ثنا حماد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد قد خالف بين طرفيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد عن هبار بن أبي عمار عن جابر بن عبد الله قال قتل أبي يوم أحد وترك جديقتين ولليهودي عليه تمر وترك اليهودي يسقي ما في الحديقتين فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم هل لك أن تأخذ العام بعضا وتؤخر بعضها الى قابل فأبى فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا حضر الجداد فآذني قال فآذنته فجاء النبي صلى الله عليه وسلم وأبو بكر وعمر فجعلنا نجد ويكال له من أسفل النخل ورسول الله صلى الله عليه وسلم يدعو بالبركة حتى أوفيناه جميع حقه من أصغر الحديقتين فيما يحسب عمار ثم أتيناهم برطب وماء فأكلوا وشربوا ثم قال هذا من النعيم الذي تسألون عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا الثوري عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال فاض رسول الله صلى الله عليه وسلم وعليه السكينة وأمرهم بالسكينة وأمرهم أن يرموا بمثل حصى الخذف وأوضع في وادي محسر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني أبو الزبير أنه سمع جابر بن عبد الله يقول ولا أدري بكم رمى الجمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا أبو بكر عن أجلح عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لعائشة اهديتم الجارية الى بيته قالت نعم قال فهلا بعثتم معهم من يغنيهم يقول أتيناكم أتيناكم فحيونا نحييكم فان الانصار قوم فيهم غزل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا النضر بن اسمعيل أبو المغيرة ثنا ابن أبي ليلى عن أبي الزبير عن جابر قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم رجل فقال يا رسول الله أي الصلاة أفضل قال طول القنوت قال يا رسول الله وأي الجهاد أفضل قال من عقر جواده واريق دمه قال يا رسول الله أي الهجرة أفضل قال من هجر ما كره الله عز وجل قال يا رسول الله فاي المسلمين أفضل قال من سلم المسلمون من لسانه ويده قال يا رسول الله فما الموجبتان قال من مات لا يشرك بالله

في كل سبت فاذا وجد عبدا في عمل لا يطيقه وضع عنه ما لا يطيق (عب هق) * عن أبي هريرة قال كان عمر بن الخطاب اذا مر على عبد قال يا فلان لا تشتر بالا حر مرتين (عب هق) * عن ابن عباس انه كان يعرض على مملوكيه الباه ويقول من أراد منكم الباه زوجته فانه لا يزني زان الا انتزع الله منه رقة الايمان فان شاء أن يرد اليه بعد رده وان شاء أبى منعه منعه (عب) * عن الحسن قال بينا رجل يضرب غلاما له وهو يقول أعوذ بالله اذ بصر برسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أعوذ برسول الله فالقى ما كان في يده وخلى عن العبد فقال النبي صلى الله عليه وسلم أما والله لله أحق أن يعاذ من استعاذ به مني فقال الرجل يا رسول الله فهو حر لوجه الله قال والذي نفسي بيده لولم تفعل لواقع وجهك سفع النار (عب) * مالك عن عمه أبي سهيل بن مالك عن أبيه انه سمع عثمان بن عفان يقول في خطبته لا تكلفوا الصغير الكسب فانه متى ما كلفتموه

الكسب سرق ولا تكلفوا الامة غير ذات الصنعة الكسب فانكم ان كلفتموها الكسب كسبت بفرجها وعفوا تعف كم الله وعليكم من المطاعم بما طاب منها الشافعي (هق) وقال رفعه بعضهم عن عثمان من حديث الثوري ورفعه ضعيف * عن عبد الله الرومي قال كان عثمان يلي وضوء الليل بنفسه فقيل لو أمرت بعض الخدم فكفوك فقال لا ان الليل لهم يستريحون فيه ابن سعد (حم) في الزهد

٤ هكذا بياض بالاصل

(كر) *(حق صحبة المملوك مع السيد) * اذا أبق العبد لم تقبل له صلاة (م) عن جرير * اذا أبق العبد الى الشرك فقد حل دمه (د) وابن خزيمة عن جرير * اذا أدى العبد حق الله وحق مواليه كان له أجران (حم م) عن أبي هريرة * اثنان لا تجاوز صلاتهما رؤسهما عبد أبق من مواليه حتى يرجع وامرأة عصت زوجها حتى ترجع (ك) عن ابن عمر * أول سابق الى الجنة عبد اطاع الله وأطاع مواليه (طس خط) عن أبي هريرة * أيما عبد مات في اباقه (٣٩٢) دخل النار وان كان قتل في سبيل الله تعالى (طس هب) عن جابر * أيما عبد أبق عن

شيأ دخل الجنة ومن مات يشرك بالله شيأ دخل النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف ثنا عبد الملك عن عطاء عن جابر ح عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال من كانت له أرض فليزرعها فان لم يستطع أن يزرعها ويمنحها أخاه المسلم ولا يؤاجرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق ابن يوسف ثنا سعيد عن قتادة عن عطاء بن أبي رباح عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال العمرى جائزة لاهلها أو ميراث لاهلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا سليم بن حيان ثنا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مثلي ومثلكم كمثل رجل أوقد نارا فجعل الفراش والجنادب يقعن فيها وهو يذبهن عنها وأنا آخذ بحجزكم عن النار وأنتم تفلتون من يدي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان العطار ثنا يحيى بن أبي كثير قال سألت أبا سلمة بن عبد الرحمن أي القرآن نزل أول قال يا أيها المدثر قال فاني أنبئت أن أول سورة نزلت اقرأ باسم ربك الذي خلق قال جابر لا أحدثك الا كما حدثنا رسول الله صلى الله عليه وسلم قال جاورت في حراء فلما قضيت جواري نزلت فاستبطنت الوادي فنوديت فنظرت بين يدي وخلفي وعن يميني وعن شمالي فلم أر شيأ فنوديت أيضا فنظرت بين يدي وخلفي وعن يميني وعن شمالي فلم أر شيأ فنظرت فوقي فاذا أنا به فاعدت على عرش بين السماء والارض فجئت منه فاتيت منزل خديجة فقلت دثروني وصبوا علي ماء باردا قال فنزلت علي أيها المدثر قم فانذر وربك فكبر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعد الصنعاني محمد بن ميسرة ثنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المحاقلة والمزابنة والمخابرة وأن يباع الثمر حتى يطعم الا بدنانير أو دراهم الا العرايا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعد الصعاني ثنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ابتاع طعاما فلا يبيعه حتى يستوفيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن ابن المنكدر عن جابر قال جاء أعرابي الى النبي صلى الله عليه وسلم فبايعه على الاسلام فجاءه من الغد محموما فقال يا رسول الله أقلني فابى فجاءه ثلاثة أيام متوالية كل ذلك يقول يا رسول الله أقلني فيأبى النبي صلى الله عليه وسلم فلما ولى قال النبي صلى الله عليه وسلم ان المدينة كالكير تنفي خبثها وتنصع طيبها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال الكافر يأكل في سبعة أمعاء والمؤمن يأكل في معى واحد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دعي أحدكم فليجب فان شاء طعم وان شاء ترك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الاسود بن عامر ثنا الحسن يعني ابن صالح عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبيعن حاضر لباد دعوا الناس يرزق الله بعضهم من بعض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا شريك عن الاشعث يعني ابن سوار عن الحسن عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يدخل مسجدنا هذا بعد عامنا هذا مشرك الا أهل العهد وخدمهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا شريك عن المغيرة عن عامر عن جابر بن عبد الله قال اشترى النبي صلى الله عليه وسلم مني بعيرا على ان يفقرني ظهره معفره أو سفري ذلك ثم أعطاني البعير والثمن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا سفيان يعني ابن عيينة عن عمرو قال سمعت جابر بن عبد الله يقول كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة قال نرون انها غزوة بني المصطلق فكسع رجل من المهاجرين رجلا

---

سيده أبق عن موليه فقد كفر حتى يرجع اليهم (م) عن جرير * عبد أطاع الله وأطاع مواليه أدخله الله الجنة قبل مواليه بسبعين خريفا فيقول السيد رب هذا كان عبدي في الدنيا قال جازيته بعمله وجازيتك بعملك (طب) عن ابن عباس * للعبد المملوك الصالح أجران (حم ق) عن أبي هريرة *(الاكمال)* ارجع الى سيدك فان مثلك مثل عبد لا يصلي ان مات قبل أن ترجع اليها فاقر أعليهما السلام (ك) عن الحرث ابن عبد بن أبي ربيعة * أيما عبد أبق فقد برئت منه الذمة (حم م) عن جرير * المملوك الذي يحسن عبادة ربه ويؤدي الى سيده الذي عليه من الحق من النصيحة والطاعة له أجران أجرا أحسن عبادة ربه وأجرا أدى الى مليكه الذي عليه من الحق (طب) عن أبي موسى * أول من يقرع باب الجنة عبد أدى حق الله وحق مواليه (ط) عن أبي بكرة وهو ضعيف *(الافعال)* عن عبد الله بن نافع عن أبيه انه كان مملوكا لبني هاشم فسأل عمر بن الخطاب فقال ان لي مالا فأركبه قال لا قال فاصدق قال بالدرهم والرغيف أبو عبيد * عن عمير مولى أبي اللحم قال كنت أتدد لمولاي في لحمه فاء مسكين فاطعمته فحضر بني فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم فقال لم ضربته فقال يطعم من مالي من غير أن آمره فقال الاجر بينكما (ك) وأبو نعيم *(حق عيادة المريض وفضلها)* اذا دخلتم على المريض فنفسوا له في الاجل فان ذلك لا يرد شيأ وهو يطيب بنفس المريض (ت ه) عن أبي سعيد * اذا عاد الرجل أخاه المسلم مشى في خرافة الجنة حتى يجلس فاذا

جلس غمرته الرحمة فان كان غدوة صلى عليه سبعون ألف ملك حتى يمسي وان كان عشاء صلى عليه سبعون ألف ملك حتى يصبح (حم ع هق) عن علي * ان الله تعالى لو كل بعائد السقيم من الساعة التي توجع اليه فيها سبعين ألف ملك يصلون عليه في أي ساعات النهار كان حتى يمسي وأي ساعات الليل كان حتى يصبح (حب) عن علي * من توضأ فاحسن الوضوء ثم عاد أخاه المؤمن محتسبا بعده من جهنم مسيرة سبعين خريفا (د) عن أنس * من عاد مريضا لم يحضر أجله فقال عنده سبع مرات أسأل الله العظيم رب العرش العظيم أن يشفيك الا عافاه الله من ذلك المرض (د ك) عن ابن عباس * من عاد مريضا أو زار أخا في الله ناداه مناد أن طبت وطاب ممشاك وتبوأت من الجنة منزلا (ت) عن أبي هريرة * اذا جاء الرجل يعود مريضا فليقل اللهم اشف عبدك فلانا ينكأ لك عدوا أو يمشي لك الى صلاة (حم د) وابن السني (طب ك ض) عن ابن عمر * اذا عاد أحدكم مريضا فلا يأكل عنده شيأ فانه حفظ من عيادته (فر) عن أبي امامة * خير العيادة أخفها القضاعي عن عثمان قال الحافظ ابن حجر روي بالموحدة وبالمثناة التحتية * عائد المريض يمشي في مخرفة الجنة حتى يرجع (م) عن ثوبان * عودوا المريض واتبعوا الجنازة تذكركم الآخرة (حم حب هق) عن أبي سعيد * عودوا المرضى ومروهم فليدعوا لكم فان دعوة المريض مستجابة وذنبه مغفور (طس) عن أنس * عودوا المريض واتبعوا الجنازة والعيادة غبا أربعا الا أن يكون صغيرا فلا يعاد والتعزية مرة البغوي في مسند عثمان عنه * من تمام عيادة المريض أن يضع أحدكم يده على جبهته ويسأله كيف هو وتمام تحيتكم المصافحة (حم ت) عن أبي امامة * اعجلوا في العيادة وارفقوا (ع) عن جابر * أفضل العيادة أجرا سرعة القيام من عند المريض (فر) عن جابر * عيادة المريض أعظم أجرا من اتباع الجنائز (فر) عن ابن عمر * العيادة فواق ناقة (هب) عن أنس * من أطعم مريضا شهوته أطعمه الله من ثمار الجنة (طب) عن سلمان * ثلاث لا يعاد صاحبهن الرمد وصاحب

---

من الانصار فقال الانصاري للانصار وقال المهاجري يا للمهاجرين فسمع ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما بال دعوى الجاهلية فقيل رجل من المهاجرين كسع رجلا من الانصار فقال النبي صلى الله عليه وسلم دعوها فانها منتنة قال جابر وكان المهاجرون حين قدموا المدينة أقل من الانصار ثم ان المهاجرين كثروا فبلغ ذلك عبد الله بن أبي فقال فعلوها والله لئن رجعنا الى المدينة ليخرجن الاعز منها الاذل فسمع ذلك عمر فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله دعني اضرب عنق هذا المنافق فقال النبي صلى الله عليه وسلم يا عمر دعه لا يتحدث الناس ان محمدا يقتل أصحابه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا سفيان عن أبي الزبير عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم أمر بلعق الاصابع والصحفة وقال لا يدري أحدكم في أي ذلك البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا محمد بن معارف عن زيد بن أسلم عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من أخاف أهل المدينة فقد أخاف ما بين جنبي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا زيد بن عطاء عن أبي اسحق عن سعيد بن أبي كرب وعبد الله بن مرثد عن جابر بن عبد الله قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بلعق الاصابع والصحفة وقال لا يدري أحدكم في أي ذلك البركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين حدثنا أبو أويس حدثنا شرحبيل بن سعيد الانصاري مولى بني خطمة عن جابر بن عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم قال لا تكف أحدكم يده عن الحصى خير له من مائة ناقة كلها سود الحدقة فان غلب أحدكم الشيطان فليمسح مسحة واحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين أنا ابن أبي ذئب عن شرحبيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمسك أحدكم يده عن الحصى فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين أنا ابن أبي ذئب عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله ان رجلا أعتق عبدا له ليس له غيره فرده عليه النبي صلى الله عليه وسلم فابتاعه منه نعيم بن النحام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين ثنا ابن أبي ذئب عن رجل من بني سلمة عن جابر بن عبد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم أتى مسجد بني الاحزاب فوضع رداءه وقام ورفع يديه مدا يدعو عليهم ولم يصل قال ثم جاء ودعا عليهم وصلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن الاشيب ثنا شيبان عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة ان جابر بن عبد الله أخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قضى في العمرى انها لمن وهبت له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير سأل جابرا عن الطواف بالكعبة فقال كنا نطوف فنمسح الركن الفاتحة والخاتمة ولم نكن نطوف بعد صلاة الصبح حتى تطلع الشمس ولا بعد العصر حتى تغرب وقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تطلع الشمس على قرني الشيطان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة أنا أبو الزبير قال وأخبرني جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول مثل المدينة كالكير وحرم ابراهيم مكة وانا أحرم المدينة وهي كمكة حرام ما بين حرتيها وحماها كله لا يقطع منها شجرة الا ان يعلف رجل منها ولا يقر بها ان شاء الله الطاعون ولا الدجال والملائكة يحرسونها على أنقابها وأبوابها قال وانى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ولا يحل لاحد يحمل فيها سلاحا لقتال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن وموسى بن داود قالا ثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير قال سألت جابرا عن الرقية فقال أخبرني خالي أحد الانصار انه قال يا رسول الله أرقي من العقرب فقال لمن رسول الله صلى الله عليه وسلم من استطاع منكم ان ينفع أخاه بشيء فليفعل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن حدثنا ابن لهيعة ثنا أبو الزبير عن جابر ان عمرو

---

أحدكم يده على جبهته ويسأله كيف هو وتمام تحيتكم المصافحة (حم ت) عن أبي امامة * اعجلوا في العيادة وارفقوا (ع) عن جابر * أفضل العيادة أجرا سرعة القيام من عند المريض (فر) عن جابر * عيادة المريض أعظم أجرا من اتباع الجنائز (فر) عن ابن عمر * العيادة فواق ناقة (هب) عن أنس * من أطعم مريضا شهوته أطعمه الله من ثمار الجنة (طب) عن سلمان * ثلاث لا يعاد صاحبهن الرمد وصاحب

الضرس وصاحب الدمل (طس عد) عن أبي هريرة * كلمات من قالهن عند وفاته دخل الجنة لا اله الا الله الحليم الكريم ثلاثا الحمد لله رب العالمين ثلاثا تبارك الذي بيده الملك وهو يحيي ويميت وهو على كل شئ قدير ابن عساكر عن علي * لقنوا موتاكم لا اله الا الله (حم م ٤) عن أبي سعيد (م ه) عن أبي هريرة (ن) عن عائشة * (الاكمال) * ان الرجل اذا خرج يعود أخاه مؤمنا خاض في الرحمة الى حقويه فاذا جلس عند المريض فاستوى غمرته الرحمة (طب) (٣٩٤) عن أبي الدرداء * من عاد مريضا ابتغاء مرضاة الله وتحبيزه وعود الله ورغبة فيما

عنده وكل الله به سبعين ألف ملك يصلون له ان كان صباحا حتى يمسي وان كان مساء حتى يصبح ابن النجار عن علي * من عاد مريضا لم يزل في خرفة الجنة قيل يا رسول الله وما خرفة الجنة قال جناها (حم م) وابن جرير (طب) عن ثوبان * عظم الله أجرك ورزقك العافية في دينك وجسمك الى منتهى أجلك ان لك من وجعك خلالا ثلاثا اما واحدة فتذكر من ذنوبك واما الثانية فتمحص لما سلف من ذنوبك وأما الثالثة فلا جر لا شك فان دعاء المبتلى مجاب ابن أبي الدنيا وابن عساكر عن يحيى بن أبي كثير قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم سلمان قال فذكره * يا سلمان شفى الله سقمك وغفر ذنبك وعافاك في دينك وجسدك الى مدة أجلك البغوي (طب) وابن السني في عمل يوم وليلة (ك) عن سلمان * دعوه يئن فان الانين اسم من أسماء الله تعالى يستريح اليه العليل الرافع عن عائشة قالت دخل علينا

ابن جزم دعي لامرأة بالمدينة لتغتاحه حية ليرقيها فأبى فاخبر بذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فدعاه فقال عمرو يا رسول الله انك تنوح على الرقى فقال اترى أهاها عليه فقرأها عليه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا بأس انما هي مواثيق فارقيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير حدثني جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يدخل أحدكم الجنة عمله ولا ينجيه عمله من النار قيل ولا أنت يا رسول الله قال ولا أنا الا برحمة الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا أكل أحدكم فسقطت لقمته فليمط ما رأى به منها ثم ليطعمها ولا يدعها للشيطان ولا يمسح أحدكم يده بالمنديل حتى يلعق يده فان الرجل لا يدري في أي طعامه يبارك له فان الشيطان يرصد ابن آدم عند كل شئ حتى عند طعامه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اجتنبوا الكبائر وسددوا وابشروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن الخرص وقال أرأيتم ان هلك الثمر أيحب أحدكم ان يأكل مال أخيه بالباطل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن حدثنا ابن لهيعة حدثنا أبو الزبير عن جابر انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول العبد مع من أحب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا اسحق ابن عيسى حدثنا شريك عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرت ان أقاتل الناس حتى يقولوا لا اله الا الله فاذا قالوها عصموا مني دماءهم وأموالهم الا بحقها وحسابهم على الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا سليمان بن بلال عن عبد الرحمن بن عطاء عن ابن جابر عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأى أحدكم الحدث الحدث يتلف فهم أمامه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا سليمان بن بلال عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم رمل ثلاثة أطواف من الحجر الى الحجر وصلى ركعتين ثم عاد الى الحجر ثم ذهب الى زمزم فشرب منها وصب على رأسه ثم رجع فاستلم الركن ثم رجع الى الصفا فقال ابدؤا بما بدأ الله عز وجل به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجين بن المثنى ويونس قالا ثنا الليث بن سعد عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله قال أقبلنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم مهلين بالحج مفردا فاقبلت عائشة مهلة بعمرة حتى اذا كانت بسرف عركت حتى اذا قدمنا طفنا بالكعبة والصفا والمروة وأمر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يحل منا من لم يكن معه هدى قال فقلنا حل ماذا قال الحل كله فواقعنا النساء وتطيبنا بالطيب ولبسنا ثيابنا ولبثنا بعد ذلك أربعة أيام ثم أهللنا يوم التروية ثم دخل رسول الله صلى الله عليه وسلم على عائشة فوجدها تبكي قال ما شأنك قالت شأني اني حضت وقد حل الناس ولم أحل ولم أطف بالبيت والناس يذهبون الى الحج الآن قال فان هذا أمر كتبه الله عز وجل على بنات آدم فاغتسلي ثم أهلي بالحج ففعلت ووقفت المواقف كلها حتى اذا طهرت طافت بالكعبة وبالصفا والمروة ثم قال قد حللت من حجك وعمرتك جميعا فقالت يا رسول الله اني أجد في نفسي اني لم أطف بالبيت حتى حججت قال فاذهب بها يا عبد الرحمن بن أبي بكر فاعمرها من التنعيم وذلك ليلة الحصبة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ابن داود ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مثل المؤمن مثل السنبلة

رسول الله صلى الله عليه وسلم وعندنا عليل يئن فقال له اسكت قال فذكره * (الافعال) * عن سليمان بن عطاء الجزري مرة عن مسلمة بن عبد الله الجهني عن عمه أوي سمعه قال عدنا مع عثمان بن عفان مريضا فقال له عثمان قل لا اله الا الله فقالها فقال والذي نفسي بيده لقد رمى بها خطاياه فحطمها حطما فقال له أشئ تقوله أو شئ سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال بل سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلنا يا رسول الله هذا هي المريض فكيف هي للصحيح قال هي للصحيح أعظم وأعلام ابن أبي الدنيا في ذكر الموت (حل)

سليمان بن عطاء الجزري قال في المغني متهم بالوضع واه * لحسن علي قال اشتكيت فدخل النبي صلى الله عليه وسلم وأنا أقول اللهم ان كان أجلي قد حضر فاريحني وان كان متأخرا فاشفني وان كان بلاء فصبرني فضرب بيني رجله وقال كيف قلت فقلت له فمسحني بيده ثم قال اللهم اشفه أو قال عافه فما اشتكيت ذلك الوجع بعد (ط ش حم ت) وقال حسن صحيح (ن ع ص) وابن جرير وصححه * عن يوسف بن محمد بن ثابت بن قيس عن أبيه عن جده ان النبي صلى الله عليه وسلم عاده وهو مريض فقال اذهب الباس رب الناس (٣٩٥) عن ثابت بن قيس بن شماس ثم أخذ

مرة تستقيم ومرة تميل وتعتدل ومثل الكافر مثل الارزة مستقيمة لا يشعر بها حتى تخر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى بن غيلان ثنا المفضل عن خالد بن يزيد انه سمع عطاء ابن الزبير باع ثمرا وقبض له ثلاث سنين فسمع بذلك جابر بن عبد الله الانصاري فخرج الى المسجد فجاء الى المسجد منعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نبيع الثمرة حتى تطيب حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا سليمان بن داود الهاشمي حدثنا عبد الرحمن بن أبو الزناد عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم بامرأة قد سرقت فعاذت بربيب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم والله لو كانت فاطمة لقطعت يدها فقطعها قال ابن أبي الزناد وكان ربيب النبي صلى الله عليه وسلم سلمة بن أبي سلمة وعمر بن أبي سلمة فعاذت باحدهما حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا سليمان بن داود ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى ان يباشر الرجل الرجل في ثوب واحد والمرأة المرأة في ثوب ونحدث قال اذا أعجبت أحدكم المرأة فليقع على أهله فان ذلك يرد من نفسه وقال جابر نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الطروق اذا جئنا من السفر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو جعفر محمد بن جعفر المدائني أنا وقاء عن منصور عن سالم بن أبي الجعد عن جابر بن عبد الله قال وثبت رجل رسول الله صلى الله عليه وسلم فدخلنا عليه فخرج الينا أو وجدناه في حجرته جالسا بين يدي غرفة فصلى جالسا وقمنا خلفه فصلينا فلما فرغ من الصلاة قال اذا صليت جالسا فصلوا جلوسا واذا صليت قائما فصلوا قياما ولا تقوموا كما تقوم فارس لجبابرتها أو لملوكها حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الارض البيضاء السنتين والثلاثة حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ويحيى بن آدم قالا ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من لم يجد نعلين فليلبس خفين ومن لم يجد ازارا فليلبس سراويل حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى ثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من انتهب نهبة فليس منا قال أبي حدثناه يحيى بن آدم وأبو النضر أيضا حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن بيع الثمر حتى يطيب قال أبي حدثناه أبو النضر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا موسى بن داود حدثنا زهير عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أغلقوا الابواب وأوكوا الاسقية وخمروا الآنية وأطفؤا السراج فان الشيطان لا يفتح غلقا ولا يحل وكاء ولا يكشف اناء وان الفويسقة تضرم على أهل البيت ولا ترسلوا فواشيكم وصبيانكم اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء فان الشياطين تبعث اذا غابت الشمس حتى تذهب فحمة العشاء حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن اسحق ثنا عبد الله ابن المبارك ثنا عمر بن سلمة ثنا ابن أبي يزيد حدثني أبي قال قال لي جابر قلت يا رسول الله ان أبي ترك دينا لليهود فقال سآتيك يوم السبت ان شاء الله وذلك في زمن الثمر مع استجداد النخل فلما كان صبيحة يوم السبت جاءني رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما دخل على في ماء لي دنا الى الربيع فتوضأ ثم قام الى المسجد فصلى ركعتين ثم دنوت به الى خيمة لي فبسطت له بجاء امن شعر وطرحت خديه من قتب من شعر حشوها من ليف فاتكا عليها فلم ألبث الا قليلا حتى طلع أبو بكر وكأنه نفار الى ما عمل نبي الله صلى الله عليه وسلم فتوضأ وصلى

كفا من بطحاء فجعله في قدح من ماء ثم أمره فصب عليه ابن جرير وأبو نعيم (كر) * عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انطلق وابنا الى البصير الذي في واقف لعوده وكان رجلا أعمى (عد هب) وابن النجار * عن جابر قال لقيت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت كيف أصبحت يا رسول الله قال بخير من رجل لم يصبح صائما ولم يعد سقيما (هب) * عن أبي زيد قال دخلت أنا ونوف البكالي على أبي أيوب الانصاري قد اشتكى قال نوف اللهم عافه واشفه قال لا تقولوا هذا وقولوا اللهم ان كان أجله عاجلا فاغفر له وارحمه وان كان آجلا فعافه واشفه واجره (كر) * عن شريح بن عبيد عن أبي مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا عاد المريض قال اذهب الباس رب الناس اشف أنت الشافي لا شافي الا أنت اللهم انا نسألك شفاء لا يغادر سقما ابن جرير * عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا عاد مريضا وضع يده اليمنى على جبهته اليمنى

قال لا بأس اذهب الباس رب الناس اشف أنت الشافي لا يكشف الضر الا أنت ابن مردويه وأبو علي الحبداد في معجمه * عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا عاد مريضا وضع يده على رأسه فقال اذهب الباس رب الناس واشف أنت الشافي اللهم اني أسألك لفلان بن فلان شفاء لا يغادر سقما الدورقي * عن أنس قال عاد رسول الله صلى الله عليه وسلم زيد بن أرقم من رمد كان به (هب) * عن أنس قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا عاد رجلا على غير الاسلام لم يجلس عنده وقال كيف أنت يا يهودي كيف أنت يا نصراني بعينه الذي هو عليه

(هب)* عن أنس ان المرء المسلم اذا خرج من بيته يعود أخاه المسلم خاض من الرحمة الى حقويه فاذا جلس عند المريض غمرته الرحمة وغمرت المريض الرحمة وكان المريض في طل عرشه وكان العائد في ظل قدسه ويقول الله للملائكته انظروا اكم احتبسوا عند المريض للعود فيقولون آي رب فواقا ان كانوا احتبسوا فواقا فيقول الله للملائكته اكتبوا العبدي عبادة ألف سنة قيام ليله وصيام نهاره وأخبروه أني لم أكتب عليه خطيئة واحدة ويقول الله للملائكته  انظروا كم احتبسوا فيقولون ساعة ان كانوا احتبسوا ساعة فيقول اكتبوا له دهرا والدهر عشرة آلاف سنة ان مات قبل ذلك دخل الجنة وان عاش لم يكتب عليه خطيئة واحدة ويقول الله للملائكته اكتبوا العبدي عبادة ألف سنة قيام ليله وصيام نهاره وأخبروه أني لم أكتب عليه خطيئة واحدة ويقول الله للملائكته انظروا اكم احتبسوا فيقولون ساعة ان كانوا احتبسوا ساعة فيقول اكتبوا له دهرا والدهر عشرة آلاف سنة ان مات قبل ذلك دخل الجنة وان عاش لم يكتب عليه خطيئة واحدة وان كان صباحا صلى عليه سبعون ألف ملك حتى يمسي وكان في خراف الجنة وان كان مساء صلى عليه سبعون ألف ملك حتى يصبح وكان في خراف الجنة (ع)* عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم دخل على اعرابي يعوده فقال طهور ان شاء الله فقال الاعرابي كلا بل هي حمى تفور على شيخ كبير كيما تزيره القبور فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فنعم اذن (عب)* (الاستئناس والاستئذان وحقهما)* اذا استأذن أحدكم ثلاثا فلم يؤذن له فليرجع مالك (حم ق د) عن أبي موسى وأبي سعيد معا (طب) والضياء عن جندب البجلي * اذا استؤذن على الرجل وهو يصلي فأذنه التسبيح واذا استؤذن على المرأة وهي تصلي فأذنها التصفيق (هق) عن أبي هريرة * الاستئذان ثلاثا فان أذن لك والا فارجع (م ت) عن أبي موسى وأبي سعيد * الاستئذان ثلاثة فالاولى تسمعون والثانية تستصلحون والثالثة تأذنون أو تردون (قط) في الافراد عن أبي هريرة * اذنك على أن يرفع الحجاب وان تسمع لسوادي حتى أنهاك (حم م ه) عن ابن مسعود * لا يحل لامرئ أن ينظر في جوف بيت امرئ حتى يستأذن فان نظر فقد دخل ولا يؤم قوما فيخص نفسه بدعوة دونهم فان فعل فقد خانهم ولا يقوم الى الصلاة وهو حقن (ت) عن ثوبان * لو علم انك تنظر لطعنت بها في عينك * انما جعل الاستئذان من أجل البصر (حم ق ت ن) عن سهل

ركعتين فلم ألبث الا قليلا حتى جاء عمر فتوضأ وصلى ركعتين كأنه نظر الى صاحبيه قد دخلا فجلس أبو بكر رضي الله عنه عند رأسه وعمر رضي الله عنه بين يديه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق حدثنا عبد الوهاب وعتاب أخبرنا عبد الله أنا عمر بن سلمة بن أبي يزيد المديني حدثني أبي قال سمعت جابر بن عبد الله يقول استشهد أبي بأحد فأرسلني اخوتي اليه بناضح لهن فقلن اذهب فاحمل أباك على هذا الحمل فأدفنه في مقبرة بني سلمة قال فجئته وأعوان لي فبلغ ذلك نبي الله صلى الله عليه وسلم وهو جالس بأحد فدعاني وقال والذي نفسي بيده لا يدفن الا مع اخوته فدفن مع أصحابه بأحد حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا سليمان بن داود ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر قال كان العباس آخذا بيد رسول الله صلى الله عليه وسلم ورسول الله صلى الله عليه وسلم وهو جالس بأحد فدعاني وقال والذي نفسي بيده لا يدفن الا مع اخوته فدفن مع أصحابه بأحد حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا سليمان بن داود ثنا عبد الرحمن عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر بن عبد الله السلمي أن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم يصلي فلا يصق امامه ولا عن يمينه وليبصق عن يساره أو تحت قدمه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود حدثنا عبد الرحمن عن موسى بن عقبة عن أبي الزبير عن جابر قال كان بنو الكعبة صور فامر النبي صلى الله عليه وسلم عمر بن الخطاب ان يمحوها قبل عمر ثور باوهما بها فدخلها رسول الله صلى الله عليه وسلم وما فيها منها شيء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود ثنا أبو بكر بن عياش حدثني الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لن يدخل النار رجل شهد بدرا والحديبية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعمر أنا عبد الله أنا هشام قال سمعت الحسن يذكر عن جابر ابن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لكل نبي دعوة فدعا بها واني اختبأت دعوتي شفاعة لامتي يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب بن زياد ثنا عبد الله ثنا ابن لهيعة حدثني أبو الزبير عن جابر عن النبي صلى الله عليه وسلم قال انما الصيام جنة يستجن بها العبد من النار هو لي وأنا أجزي به حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب ثنا عبد الله ثنا عاصم بن سليمان عن الشعبي انه سمع جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أطال أحدكم الغيبة فلا يطرقن أهله ليلا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب ثنا عبد الله أخبرني عمر بن سلمة بن أبي يزيد قال قال لي جابر دخل علي رسول الله صلى الله عليه وسلم فعمدت الى عنز لاذبحها ذبحت فسمع ثغوتها فقال يا جابر لا تقطع درا ولا نسلا فقال يا نبي الله انما هي عنوة علفتها البلح والرطبة حتى سمنت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا زهير عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال كان لأبي شعيب غلام لحام فلما رأى ما برسول الله من الجهد أمر غلاما له أن يجعل له طعاما يكفي خمسة فأرسل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان اثنا خامس خمسة فقام رسول الله صلى الله عليه وسلم واتبعه رجل فلما انتهيا الى بابه قال انك أرسلت الي ان آتيك خامس خمسة وان هذا قد اتبعنا فان أذنت له دخل والا رجع قال فاني قد أذنت له يا رسول الله فدخل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد

ابن سعد * أيما رجل كشف ستر افادخل بصره من قبل أن يؤذن له فقد أتى حدا لا يحل له أن يأتيه ولو أن رجلا مر على باب لا ستر عليه فرأى عورة أهله ما الخطيئة عليه انما الخطيئة على أهل الباب (حم ت) عن أبي ذر * رسول الرجل الى الرجل اذنه (د) عن أبي هريرة * لوان امرأ اطلع عليك بغير اذن فحذفته بحصاة ففقأت عينه لم يكن عليك جناح (حم ق) عن أبي هريرة * من اطلع في بيت قوم بغير اذنهم فقد حل لهم أن يفقؤا عينه (حم م) عن أبي هريرة * من دخلت عينه قبل (٣٩٧) أن يستأنس ويسلم فلا اذن له وقد عصى ربه (طب) عن عبادة * اذا دخل البصر فلا اذن (د هق) عن أبي هريرة * من اطلع في بيت قوم بغير اذنهم ففقؤا عينه فلا دية ولا قصاص (حم ت) عن أبي هريرة * (الاكمال) * الاستئناس أن تدعو الخادم حتى يستأنس أهل البيت الذين يسلم عليهم (طب) عن أبي أيوب * الاستئناس تحكم الرجل بتسبيحة وتكبيرة وتحميدة ويتنحنح يؤذن أهل البيت (ه طب) عن أبي أيوب * أخرجي اليه فانه لا يحسن الاستئذان فقولي له فليقل السلام عليكم أأدخل (حم) عن رجل من بني عامر انه استأذن على النبي صلى الله عليه وسلم فقال أألج فقال لخادمه قذكره * لا تأتوا البيوت من أبوابها ولكن ائتوها من جوانبها فاستأذنوا فان أذن لكم فادخلوا والا فارجعوا (طب) عن عبد الله بن بسر * لا تستأذن مستقبل الباب وهل الاستئذان الا من أجل النظر (طب) عن سعد ابن عبادة * اما انك لو ثبت ففقأت عينك (ن طب)

---

لمالك ثنا زهير ثنا الاعمش عن أبي وائل عن أبي مسعود عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا الخطاب بن القاسم عن خصيف عن أبي الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا استقرت النطفة في الرحم أربعين يوما أو أربعين ليلة بعث اليها ملكا فيقول يا رب مارزقه فيقال له فيقول يا رب ما أجله فيقال له فيقول يا رب ذكر أو أنثى فيعلم فيقول يا رب شقي أو سعيد فيعلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا عبيد الله بن عمرو عن عبد الكريم عن عطاء عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم عمرة في رمضان تعدل حجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد ابن عبد الملك ثنا عبيد الله عن عبد الكريم عن عطاء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة في مسجدي هذا أفضل من ألف صلاة فيما سواه الا المسجد الحرام وصلاة في المسجد الحرام أفضل من مائة ألف صلاة فيما سواه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا ابن لهيعة عن أبي الزبير عن جابر قال مر بسار رسول الله صلى الله عليه وسلم من الغائط فدعوناه الى عجوة بين أيدينا على ترس فاكل منها ولم يكن توضأ قبل ان يأكل منها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مخلف بن الوليد ثنا خالد بن حيد الاعرج عن محمد بن المنكدر عن جابر بن عبد الله قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن نقرأ القرآن وفينا العجمي والاعرابي قال فاستمع فقال اقرؤا فكل حسن وسيأتي قوم يقيمونه كما يقام القدح يتعجلونه ولا يتأجلونه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مخلف بن الوليد ثنا الربيع يعني ابن صبيح عن أبي الزبير المكي عن جابر بن عبد الله قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهانا عن أكل الكراث والبصل قال الربيع فسألت عطاء عن ذلك فقال حدثني جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا مالك عن جعفر عن أبيه عن جابر بن عبد الله أن رسول الله صلى الله عليه وسلم رمل من الحجر حتى عاد اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد ثنا يحيى بن زكريا بن أبي زائدة عن ابن جريج عن عطاء عن جابر أن النبي صلى الله عليه وسلم قال له قد أخذت جملك بارعة الدنانير ولك ظهره الى المدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد ثنا أبو خالد الاحمر عن مجالد عن الشعبي عن جابر قال كنا جلوسا عند النبي صلى الله عليه وسلم فخط خطا هكذا أمامه فقال هذا سبيل الله عز وجل وخطين عن يمينه وخطين عن شماله قال هذه سبيل الشيطان ثم وضع يده في الخط الاوسط ثم تلا هذه الآية وان هذا صراطي مستقيما فاتبعوه ولا تتبعوا السبل فتفرق بكم عن سبيله ذلكم وصاكم به لعلكم تتقون **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد قال عبد الله وسمعته أنا من عبد الله بن محمد ثنا حفص عن مجالد عن الشعبي عن جابر قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان ندخل على المغيبات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن بكير حدثنا زهير حدثنا أبو الزبير عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان شريكا في ربعة أو نخل فليس له ان يبيع حتى يؤذن شريكه فان رضي أخذ وان كره ترك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن بكير ثنا زهير ثنا أبو الزبير عن جابر قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فطرنا فقال من شاء منكم فليصل في رحله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبو عوانة ثنا الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من المدينة الى المشركين ليقاتلهم وقال أبي عبد الله يا جابر لا عليك ان تكون في نظارى أهل المدينة حتى تعلم الى ما يصير أمرنا فاني

---

وسمويه (ص) عن أنس أن اعرابيا أتى النبي صلى الله عليه وسلم فالقم عينه خصاصة الباب فبصر به فتوجاه بعود أو حديدة فانقمع فذكره * دارك حرمك فان دخل عليك دارك فاقتله الخطيب عن عبادة بن الصامت * (الافعال) * عن عمر قال من ملأ عينيه من قاعة بيت قبل ان يؤذن له فقد فسق (هب) * عن محمد الله بن بسر قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد أن يستأذن على قوم مشى مع الجدار مشيا ولا يستقبل الباب استقبالا * (السلام وفضائله وأحكامه * الفضائل والترغيب) * ان السلام اسم من أسماء الله تعالى وضعه الله في الارض تحية

لاهل ديننا وأمانا لاهل ذمتنا (طب) عن أبي هريرة * ما رأيت الذي هو أبخل منك الا الذي يبخل بالسلام (م ك) عن جابر * ما من مسلمين يلتقيان فيسلم أحدهما على صاحبه ويأخذ بيده ولا يأخذ بيده الا الله فلا يفترقان حتى يغفر لهما (حم) عن البراء * والذي نفسي بيده لا تدخلوا الجنة حتى تؤمنوا ولا تؤمنوا حتى تحابوا أولا أدلكم على شئ اذا فعلتموه تحاببتم أفشوا السلام بينكم (حم م د ت ه) عن أبي هريرة * السلام اسم من أسماء الله تعالى وضعه في الارض



فافشوه بينكم فان الرجل المسلم اذا مر بقوم فسلم عليهم فردوا عليه كان له عليهم فضل درجة بتذكيره اياهم السلام فان لم يردوا عليه رد عليه من هو خير منهم وأطيب البزار (وهب) عن ابن مسعود * السلام اسم من أسماء الله تعالى عظيم جعله ذمة بين خلقه فاذا سلم المسلم على المسلم فقد حرم عليه أن يذكره بالخير (فر) عن ابن عباس * اذا التقى المسلمان فسلم أحدهما على صاحبه كان أحبهما الى الله أحسنهما بشرا بصاحبه فاذا تصافحا أنزل الله عليهما مائة رحمة للبادئ تسعون وللمصافح عشرة الحكيم وأبو الشيخ عن عمر * أفشوا السلام تسلموا (خد ع حب هب) عن البراء * افشوا السلام فانه لله تعالى رضا (طس عد) عن ابن عمر * افشوا السلام كي تعلوا (طب) عن أبي الدرداء * افشوا السلام وأطعموا الطعام وكونوا اخوانا كما أمركم الله تعالى (ه) عن عمر * اذا مر بكم باهل الشرة فسلموا عليهم تطفأ عنكم شرتهم وناثرتهم (هب) عن أنس * أطوعكم لله الذي يبدأ صاحبه بالسلام (طب) عن أبي الدرداء * ان الله تعالى جعل السلام تحية لامتنا وأمانا لاهل ذمتنا (طب هب) عن عبد أبي امامة * ان أبخل الناس من بخل بالسلام وأعجز الناس من عجز عن الدعاء (ع) عن أبي هريرة * ان أولى الناس بالله من بدأهم بالسلام (د) عن أبي امامة * ان من موجبات المغفرة بذل السلام وحسن الكلام (طب) عن هانئ بن يزيد * من بدأ بالسلام فهو أولى بالله ورسوله (حم) عن أبي امامة * من سلم على قوم فقد فضلهم بعشر حسنات وان ردوا عليه (عد) عن رجل * من الصدقة أن تسلم على الناس وأنت طلق

---

والله يا لاخي أتوك بنات لي بعدي لا حبيت أن تقتل بين يدي قال فبينما أنا في النظارين اذ جاءت عمتي بابيه وخالي عادتهما على ناضح فدخلت بهم المدينة لتدفنهم في مقابرنا اذ لحق رجل ينادي الا ان النبي صلى الله عليه وسلم يأمركم أن ترجعوا بالقتلى فقد فنوها في مصارعها حيث قتلت فرجعنا بهما فدفناهما حيث قتلا فبينما أنا في خلافة معاوية بن أبي سفيان اذ جاء في رجل فقال يا جابر بن عبد الله والله لقد أثارا بالامس عمل معاوية فيه فخرج طائفة منه فأتيته فوجدته على النحو الذي وصفته لهم يتعير الامم يدع القتيل أو القتيل فوارثه قال وترك أبي عليه دينا من التمر فاشتد علي بعض غرمائه في التقاضي فاتيت نبي الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا نبي الله ان أبي أصيب يوم كذا وكذا وترك علي دينا من تمر واشتد علي بعض غرمائه في التقاضي فاحب أن تعينني عليه لعله أن ينظرني طائفة من تمره الى هذا الصرام المقبل فقال نعم آتيك ان شاء الله قريبا من وسط النهار وجاء معه حولي به ثم استأذن ودخل فقلت لامي أتى ان النبي صلى الله عليه وسلم جاءني اليوم وسط النهار فلا أريتك ولا تؤذي رسول الله صلى الله عليه وسلم في بيتي بشئ ولا تكلميه فدخل فرشت له فراشا ووسادة فوضع رأسه فنام قال وقلت لمولى لي اذبح هذه العناق وهي داجن سمينة والوحا والعجل افرغ منها قبل أن يستيقظ رسول الله صلى الله عليه وسلم فوالله ما نزل فيها حتى فرغنا منها وهو نائم فقلت له ان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا استيقظ يدعو بالطهور وانى أخاف اذا فرغ أن يقوم فلا يفرغ من وضوئه حتى تضع العناق بين يديه فلما قام قال يا جابر ائتني بطهور فلم يفرغ من طهوره حتى وضعت العناق عنده فنظر الى فقال كأنك فزعت حينما للحم ادع لي أبا بكر قال ثم دعا حواريه الذين معه فدخلوا فضرب رسول الله صلى الله عليه وسلم بيده وقال بسم الله كلوا فاكلوا حتى شبعوا وفضل لحم منها كثير قال والله ان بني سلمة لينظرون اليه وهو أحب اليهم من أعينهم مما يقرب به رجل منهم مخافة أن يؤذوه فلما فرغ قام وقام أصحابه فخرجوا بين يديه وكان يقول خلوا ظهري للملائكة واتبعته هم حتى بلغوا أسكفة الباب قال وأخرجت امرأتي صدرها وكانت مستترة بسقيف في البيت قالت يا رسول الله صل علي وعلى زوجي صلى الله عليك فقال صلى الله عليك وعلى زوجك ثم قال ادع لي فلانا الغريمي الذي اشتد علي في الطلب قال فجاء فقال أيسر جابر بن عبد الله يعني الى الميسرة طائفة من دينك الذي على أبيه الى هذا الصرام المقبل قال ما نابه فعل واعتل وقال انما هو مال يتامى فقال ابن جلبر فقال أنا ذا يا رسول الله قال كل له فان الله عز وجل سوف يوفيه فنظرت الى السماء فاذا الشمس قد دانت قال الصلاة يا أبا بكر فانهض فدعوا الى المسجد فقلت قرب أوعيتك فكان له من العجوة فوفاه الله عز وجل وفضل لنا من التمر كذا وكذا فجئت أسعى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم في مسجده كأني شيرارة فوجدت رسول الله صلى الله عليه وسلم قد صلى فقلت يا رسول الله ألم تر أني كلت الغريمي تمره فوفاه الله وفضل لنا من التمر كذا وكذا فقال أين عمر بن الخطاب فجاء عمر فقال جابر بن عبد الله عن غريمه وتمره فقال ما أنا بسائله قد علمت ان الله عز وجل سوف يوفيه اذ أخبرت ان الله عز وجل سوف يوفيه فكرر عليه هذه الكلمة ثلاث مرات كل ذلك يقول ما أنا بسائله وكان لا يراجع بعد المرة الثالثة فقال يا جابر ما فعل غريمك وتمرك فقام فحرفا الله عز وجل وفضل لنا من التمر كذا وكذا فرجع الى امرأته فقال ألم أكن نهيتك أن تكلمي رسول الله صلى الله عليه وسلم قالت أ كنت تظن ان الله عز وجل يرد رسول الله صلى الله عليه وسلم بيتي ثم يخرج ولا تسأله الصلاة علي وعلى زوجي قبل ان يخرج حدثنا

الوجه (هب) عن الحسن مرسلا * ردوا السلام وغضوا البصر وأحسنوا الكلام ابن قانع عن أبي طلحة * يحل الناس بالسلام (حل) عن أنس * (الأكمال) * من قال السلام عليكم كتب له عشر حسنات ومن قال السلام عليكم ورحمة الله كتب له عشرون حسنة ومن قال السلام عليكم ورحمة الله وبركاته كتبت له ثلاثون حسنة (طب) عن مالك بن التيهان * من سلم على عشرة من المسلمين فكأنما أعتق رقبة وان مات في يومه أوجب الجنة ابن حزيم عن ابن عمر * من سلم على عشرين رجلا في المسلمين (٣٩٩) في يوم جماعة أو فرادى ثم مات من يومه ذلك وجبت له الجنة وفي ليلته مثل ذلك (طب) عن ابن عمر * (الافعال) * عن ابن عمران الاغر وهو رجل من مزينة قال كانت له أوسق من التمر على رجل من بني عمرو بن عوف فاختلف اليه مرارا قال فخرج النبي صلى الله عليه وسلم فارسل معي أبا بكر الصديق قال فسلم من لقينا سلموا علينا فقال أبو بكر ألا ترى الناس يبدؤنك بالسلام فيكون لهم الاجر بدأهم بالسلام يكن لك الاجر (خ) في الادب وابن جرير وأبو نعيم في المعرفة والطبراني في مكارم الاخلاق * (الاحكام والادب) * يسلم الصغير على الكبير والمار على القاعد والقليل على الكثير (خ د ت) عن أبي هريرة * السلام قبل الكلام ولا تدعوا أحدا إلى الطعام حتى يسلم (ع) عن جابر * السلام قبل السؤال فمن بدأكم بالسؤال قبل السلام فلا تجيبوه ابن النجار عن عمر * السلام تطوع والرد فريضة (فر) عن علي * يجزئ عن الجماعة اذا مروا أن يسلم أحدهم ويجزئ عن الجلوس ان يرد أحدهم (د) عن علي * اذا دخلتم بيتا فسلموا على أهله فاذا خرجتم فودعوا أهله بسلام (هب) عن فتادة مرسلا * اذا سلم عليكم أحد من أهل الكتاب فقولوا عليك (حم ق ت ه) عن أنس * اذا لقي أحدكم أخاه فليسلم عليه فان حالت بينهما شجرة أو حائط أو جدار ثم لقيه فليسلم عليه (د ه هب) عن أبي هريرة * البادئ بالسلام بري من الكبر (هب خط) في الجامع عن ابن مسعود * البادئ بالسلام بريء من الصرم (حل) عن ابن مسعود * حق على من قام من مجلس أن يسلم عليهم وحق على من أتى مجلسا أن يسلم (هب طب) عن معاذ بن أنس

---

عبد الله سلم ثني أبي حدثنا عفان ثنا شعبة ثنا محمد بن عبد الرحمن عن محمد بن عمرو بن حسن بن علي عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجلا قد ظلل عليه قال ليس من البر أن يصوم في السفر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا سليم بن حيان حدثنا سعيد بن ميناء عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان له فضل أرض فليزرعها أو ليزرعها أخاه ولا تبيعوها فسألت سعيدا ما لا تبيعوها الكراء قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا وهيب حدثنا عبد الله بن وهيب حدثنا عبد الله بن علمان بن خثيم عن عبد الرحمن بن سابط عن جابر بن عبد الله قال حدثنا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يا كعب بن عجرة أعيذك بالله من امارة السفهاء قال وما ذاك يا رسول الله قال امراء سيكونون من بعدي من دخل عليهم فصدقهم بكذبهم وأعانهم على ظلمهم فليسوا مني ولست منهم ولم يردوا علي الحوض ومن لم يدخل عليهم ولم يصدقهم بكذبهم ولم يعنهم على ظلمهم فأولئك مني وأنا منهم وسيردون علي الحوض يا كعب بن عجرة الصلاة قربان والصوم جنة والصدقة تطفئ الخطيئة كما يطفئ الماء النار يا كعب بن عجرة لا يدخل الجنة من نبت لحمه من سحت النار أولى به يا كعب بن عجرة الناس غاديان فغاد بائع نفسه موبقها وغاد مبتاع نفسه معتقها وفكها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة أخبرني الاسود بن قيس عن نبيح العنزي عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل أحدكم ليلا فلا يطرقن أهله طروقا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا المبارك حدثني نصر بن راشد ثنا شعبة عن خبيب عن جابر بن عبد الله الانصاري قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نجصص القبور أو يبنى عليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا المبارك حدثني نصر بن راشد عن حدثه عن جابر بن عبد الله الانصاري قال توفي رجل على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من بني عذرة فقبر ليلا فنهي رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يقبر الرجل ليلا حتى يصلى عليه الا ان يضطروا الى ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عبد الله ثنا سفيان عن مجالد عن الشعبي عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيت كاني أتيت بكنانة تمر فجعلت تهاتا في فوجدت فيها نواة آذتني فلفظتها ثم أخذت أخرى فجعلت تهاتا فوجدت فيها نواة فلفظتها ثم أخذت أخرى فجعلت تهاتا فوجدت فيها نواة فلفظتها فقال أبو بكر دعني فلاعبرها قال قال اعبرها قال هو جيشك الذي بعثته يسلم ويغنم فيلقون رجلا فينشدهم ذمتك فيدعونه ثم يلقون رجلا فينشدهم ذمتك فيدعونه ثم يلقون رجلا فينشدهم ذمتك فيدعونه قال كذلك قال الملك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا عبد الواحد بن زياد حدثنا معمر عن الزهري عن أبي سلمة عن جابر قال قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم بالشفعة في كل مالم يقسم فاذا وقعت الحدود وصرفت الطرق فلا شفعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرزاق ومحمد بن بكر قالا أنبأنا ابن جريج أخبرني ابن شهاب الزهري عن حديث أبي سلمة بن عبد الرحمن بن عوف عن جابر بن عبد الله الانصاري أخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قضى ايما رجل أعمر عمرى له ولعقبه فقال قد أعطيتكها وعقبك ما بقي منكم أحد فانها لمن أعطاها وقال عبد الرزاق لمن أعطيها وانها لا ترجع الى صاحبها من أجل انه أعطاها اعطاء وقعت فيه المواريث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا حماد يعني ابن سلمة أنا ابن جريج عن أبي الزبير عن جابر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم رمى جمرة العقبة يوم

*حموا بالسلام وحموا بالتشميت ابن عساكر عن ابن مسعود *ليسلم الراكب على الماشي والماشي على القاعد وليسلم القاعد على الاكثر فمن أجاب السلام فهو له ومن لم يجب فلا شئ له (حم د) عن عبد الرحمن بن شبل *يسلم الراكب على الماشي والماشي على القاعد والقليل على الكثير (حم ق د ت) عن أبي هريرة *يسلم الراكب على الماشي والماشي على القائم والقليل على الكثير (ت) عن فضالة بن عبيد *رد سلام المسلم على المسلم صدقة أبو الشيخ في الثواب عن أبي هريرة *اذا أراد أحدكم السلام فليقل السلام عليكم فان الله هو السلام فلا تبدؤا قبل الله بشئ ابن السني في عمل يوم وليلة عن أبي هريرة *اذا سلم عليكم اليهود فانما يقول أحدهم السام عليك فقل وعليك مالك (حم ق) عن ابن عمر *ان اليهود اذا سلم عليكم أحدهم فانما يقول السام عليكم فقولوا وعليكم (د ت) عن ابن عمر *اني راكب غدا الى اليهود فمن انطلق منكم معي فلا تبدؤهم بالسلام فان سلموا عليكم فقولوا وعليكم (حم ه) عن أبي عبد الرحمن الجهني (حم ن) والضياء عن أبي بصرة * ان اليهود يحسدونكم على السلام والتأمين (خط) والضياء عن أنس * اذا لقيتم المشركين في الطريق فلا تبدؤهم بالسلام واضطروهم الى أضيقها ابن السني عن أبي هريرة *اذا لقي الرجل أخاه المسلم فليقل السلام عليكم ورحمة الله (ت) عن رجل من الصحابة * اقرؤا على من لقيتم من أمتي السلام الاول فالاول الى يوم القيامة الشيرازي في الالقاب عن ابن مسعود *(الاكمال)* ان الله يحب الحمد أو أمته بغير هذه التحية بالتسليم بعضها على بعض قال أبو نعيم والديلمي عن عبد الجبار بن الحارث بن مالك قال وفدت على رسول الله صلى الله عليه وسلم فحييته بتحية العرب فقلت انعم صباحا قال فذكره * ليس هذا من سلام المسلمين بعضهم على بعض اذا أتيت قوما من المسلمين قل السلام عليكم ورحمة الله الدولابي وابن عساكر عن أبي راشد عبد الرحمن بن عبد الازدي قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت انعم صباحا يا محمد قال فذكره * احسدنا اليهود

النحر ضحى ورمى في سائر أيام التشريق بعد ما زالت الشمس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي محمد ثنا يزيد بن هرون أنبأنا قتادة عن عطاء بن أبي رباح عن جابر بن عبد الله قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم صلوا على أفخاذكم بغير أرضكم قالوا ومن يا رسول الله قال النجاشي صحمة قال نقلت فصففتم عليه قال نعم كنت في الصف الثالث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا هم زحدثنا المثنى بن سعيد ثنا طلحة بن نافع عن جابر ابن عبد الله عن نبي الله صلى الله عليه وسلم أخذ بيده الى منزله فلما انتهى قال ما من غداء أو عشاء مثل طلحة قال فأتي جوافا قاما من خبز قال ما من ادم قالوا لا الا شئ من خل قال أدنيه فان الخل نعم الادم هو قال جابر ما زلت أحب الخل من سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال طلحة ما زلت أحب الخل من سمعته من جابر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن بحر حدثنا عيسى بن يونس حدثنا الاعمش عن أبي صالح عن أبي هريرة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم انما أنا بشر فأيما رجل من المسلمين سببته أو جلدته أو لعنته فاجعلها له زكاة وأجرا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن بحر حدثنا عيسى عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر مثله غير انه قال زكاة ورحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر حدثنا عيسى بن يونس عن الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا استجمر أحدكم فليستجمر ثلاثا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن بحر ثنا عيسى ثنا الاعمش عن أبي سفيان عن جابر قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول ما من مسلم ولا مسلمة ولا مؤمن ولا مؤمنة يصيبه مرض الا حط الله عنه من خطاياه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي بمنديل علي بن بحر ثنا حاتم بن اسمعيل قراءة علينا من كتابه عن عبد الرحمن بن عطاء عن عبد الملك بن جابر عن جابر بن عبد الله قال كنت عند رسول الله صلى الله عليه وسلم جالسا فقد قميصه من جيبه حتى أخرجه من رجليه فتغير القوم الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال اني أمرت بردي التي لبست بها ان تقلد اليوم وتشعر اليوم على ماء كذا وكذا فلبسه قميصا ونسيت فلم أكن أخرج قميصي من رأسي وكان قد بعث ببدنه من المدينة وأقام بالمدينة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا علي بن عبد الله حدثنا أبو صفوان وسماه في غير هذا الحديث عبد الله بن سعيد بن عبد الملك بن مروان أخبرني يونس بن يزيد عن ابن شهاب حدثني عطاء ان جابر بن عبد الله زعم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من أكل ثوما أو بصلا فليعتزلنا أو قال فليعتزل مسجدنا وليقعد في بيته * آخر مسند جابر بن عبد الله الانصاري رضي الله تعالى عنه

*(مسند المكيين)*

*(مسند صفوان بن أمية الجمحي عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل بن هلال بن أسد الشيباني قال حدثني أبي أحمد بن محمد بن حنبل بن هلال بن أسد قال ثنا سفيان بن عيينة عن عبد الكريم عن عبد الله بن الحرث قال زوجني أبي في امارة عثمان فدعا نفرا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فيهم صفوان بن أمية وهو شيخ كبير فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انهوا اللحم نهسا فانه أهنأ وأمرأ وأشهى وأمرأ قال سفيان الشك مني أومنه **حدثنا** عبد الله بن أبي ثنا يحيى بن سعيد التيمي يعني سليمان بن عثمان يعني النهدي عن عامر بن مالك عن صفوان بن أمية قال الطاعون والطعن والغرق والنفساء شهادة حدثنا به أبو عثمان مرارا وقد رفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم مرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون

بشئ ماحسدنا بثلاث التسليم والتامين واللهم ربنا لك الحمد (هق) عن عائشة * تولوا وعليكم (د) عن أنس انهم قالوا يارسول الله ان أهل الكتاب يسلمون علينا فكيف نرد عليهم قال قد ذكره * أتدرون ما قال قالوا سلم علينا قال لا انما قال السام عليكم أي تسامون دينكم فاذا سلم عليكم رجل من أهل الكتاب فقولوا وعليكم (حب) عن أنس أن يهوديا سلم على النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * أولاهما بالله (ت) حسن عن أبي امامة قال قيل يارسول الله الرجلان يلتقيان أيهما يبدأ



بالسلام قال فذكره * اذا لقي أحدكم أخاه في اليوم مرارا فليسلم عليه وليسأله فان النعمة ربما حدثت في الساعة (خطب) في المتفق عن ابن عمر وفيه يحيى بن عقبة بن أبي العيزار قال أبو حاتم كان يفتعل الحديث * يسلم الصغير على الكبير و يسلم الواحد على الاثنين و يسلم القليل على الكثير و يسلم الراكب على الماشي و يسلم المار على القائم و يسلم القائم على القاعد ابن السني عن جابر * يسلم الراكب على الراجل و يسلم الراجل على القاعد و يسلم الاقل على الاكثر فمن أجاب السلام فهو له ومن لم يجب السلام فليس منا ابن السني في عمل يوم وليلة عن عبد الرحمن بن شبل * السلام عليكم يا صبيان أبو نعيم عن أنس * تسلم الرجال على النساء ولا تسلم النساء على الرجال ابن السني في عمل يوم وليلة عن وائلة * عليك وعلى أبيك السلام (د) وابن السني في عمل يوم وليلة عن رجل من بني نمير عن أبيه عن جده انه أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان أبي يقرأ عليك السلام قال فذكره * (الاعمال) * عن عمر قال كنت رديف أبي بكر فيمر على القوم فيقولون السلام عليكم فيقولون السلام عليكم ورحمة الله وبركاته فقال أبو بكر فضلنا الناس اليوم بزيادة كثيرة (خ) في الادب * عن ابن جريج عن محمد بن علي بن حسين مرسلا أن النبي صلى الله عليه وسلم سلم عليه عمار بن ياسر والنبي صلى الله عليه وسلم يصلي فرد عليه النبي صلى الله عليه وسلم السلام عبد الرزاق * عن ابن عمر قال اذا سلمت فاسمع واذا رددت فاسمع (عب) * عن زهرة بن معبد عن عروة بن الزبير أن

قال أنا شريك عن عبد العزيز بن رفيع عن أمية بن صفوان بن أمية عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم استعار منه يوم خيبر ادراعا فقال أغصبا يا محمد فقال بل عارية مضمونة قال فضاع بعضها فعرض عليه رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يضمنها له فقال أنا اليوم يارسول الله في الاسلام أرغب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا محمد بن أبي حفصة ثنا الزهري عن صفوان بن عبد الله بن صفوان عن أبيه أن صفوان بن أمية بن خلف قيل له هلك من لم يهاجر قال فقلت لا أصل الي أهلي حتى آتي رسول الله صلى الله عليه وسلم فركبت راحلتي فاتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يارسول الله زعموا انه هلك من لم يهاجر قال كلا أبا وهب فارجع الى أباطح مكة قال فبينما أنا راقد اذ جاء السارق فأخذ ثوبي من تحت رأسي فاخذته فاتيت به النبي صلى الله عليه وسلم فقلت ان هذا سرق ثوبي فأمر به صلى الله عليه وسلم ان يقطع قال قلت يارسول الله ليس هذا أردت هو عليه صدقة قال فهلا قبل أن تأتيني به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زكريا بن عدي عن سعيد بن المسيب عن صفوان بن أمية قال أعطاني رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم حنين وانه لابغض الناس الي فما زال يعطيني حتى صار وانه أحب الناس الي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ابن جعفر حدثنا سعيد يعني ابن أبي عروبة عن قتادة عن جعدة عن طارق بن مرقع عن صفوان بن أمية أن رجلا سرق برده فرفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم فامر بقطعه فقال يارسول الله قد تجاوزت عنه قال فلولا كان هذا قبل أن تأتيني به يا أبا وهب فقطعه رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عفان حدثنا وهيب حدثنا ابن طاوس عن أبيه عن صفوان بن أمية انه قيل له لا يدخل الجنة الا من هاجر قال فقلت لا أدخل منزلي حتى آتي رسول الله صلى الله عليه وسلم فاسأله فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت يارسول الله ان هذا أمسى حتى خيل الي لرجل معه ظهر ربقة فقلت يارسول الله ناقتي قد وهبتها له قال فهلا قبل أن تأتيني به قال قلت يارسول الله انهم يقولون لا يدخل الجنة الا من هاجر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا هجرة بعد فتح مكة والكن جهاد ونية فاذا استنفرتم فانفروا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا يزيد ابن هرون قال أخبرنا سليمان يعني التيمي عن أبي عثمان يعني النهدي عن عامر يعني ابن مالك عن صفوان ابن أمية عن النبي صلى الله عليه وسلم قال الطاعون شهادة والغرق شهادة والبطن شهادة والنفساء شهادة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن عدي عن سليمان عن أبي عثمان عن عامر بن مالك عن صفوان ابن أمية قال الطاعون والبطن والغرق والنفساء شهادة قال سليمان حدثنا به يعني أبا عثمان مرارا ورفعه مرة الى النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا اسمعيل بن ابراهيم حدثنا عبد الرحمن ابن اسحق عن عبد الرحمن بن معاوية عن عثمان بن أبي سليمان قال وقال صفوان بن أمية تراني رسول الله صلى الله عليه وسلم وانا آخذ اللبن من العظم بيدي فقال يا صفوان فلت لبيك قال قرب اللحم من فيك فانه أهنأ وأمرأ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا حسين بن محمد حدثنا سليمان يعني ابن قرم عن سماك عن جعيد بن اخت صفوان بن أمية عن صفوان بن أمية قال كنت نائما في المسجد على خميصة لي فسرقت فأخذنا السارق فرفعناه الى النبي صلى الله عليه وسلم فامر بقطعه فقلت يارسول الله أفي خميصة ثمن ثلاثين درهما أنا أهبها له أو أبيعها له قال فهلا كان قبل أن تأتيني به

* (مسند حكيم بن حزام عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

رجلا سلم عليه فقال السلام عليكم و رحمة الله و بركاته فقال عروة ما ترك لنا فضلا ان السلام انتهى الى و بركاته (عب) *عن ابن سيرين قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا سلم عليه وهو في القوم قالوا السلام عليكم واذا كان وحده قالوا السلام عليك يا رسول الله (كر) *عن دحية بن عمرو قال أتيت عمر بن الخطاب فقلت السلام عليك يا أمير المؤمنين و رحمة الله و بركاته فقال السلام عليك و رحمة الله و بركاته ومغفرته ابن سعد *عن أبي هريرة (٤٠٢) ان رجلا سلم على النبي صلى الله عليه وسلم فقال وعليك السلام ابن جرير في تهذيبه

*عن صهيب قال مررت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يصلي فسلمت عليه فرد علي اشارة قال الليث حسبته قال باصبعه (هب) *عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم كتب الى حمير فيما يسلم عليه (كر) *(مخلوران السلام) *انه لم يمنعني ان أرد عليك الا أني كنت على غير وضوء (حم ٥) عن المهاجر بن قنفذ *انه لم يمنعني أن أرد عليك الا أني كنت أصلي (م) عن جابر *لا تقل عليك السلام فان عليك السلام تحية الموتى ولكن قل السلام عليك (م ٤ ن) عن جابر بن سليم *ليس منا من تشبه بغيرنا لا تشبهوا باليهود ولا بالنصارى فان تسليم اليهود الاشارة بالاصابع وتسليم النصارى الاشارة بالاكف (ت) عن ابن عمر *ما أحب أن أسلم على رجل وهو يصلي ولو سلم علي لرددت عليه الطحاوي عن جابر *من أشراط الساعة أن يمر الرجل في المسجد لا يصلي فيه ركعتين وأن لا يسلم الرجل الا على من يعرف وأن يرد الصبي الشيخ (طب) عن ابن مسعود *من بدأ بالكلام قبل السلام فلا تجيبوه (طس حل) عن ابن عمر شهد

*لا تأذنوا لمن لم يبدأ بالسلام (هب) والضياء عن جابر *لا تبدؤا اليهود ولا النصارى بالسلام واذا لقيتم أحدهم في طريق فاضطروه الى أضيقه (حم م د ت) عن أبي هريرة *لا تسلموا تسليم اليهود والنصارى فان تسليمهم اشارة بالركوع والحواجب (هب) عن جابر *(الاكمال) *لا تسلموا تسليم اليهود والنصارى فان تسليمهم بالاكف والرؤس والاشارة الديلمي عن جابر *ان عليك السلام تحية الموتى اذا لقي

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا هشيم بن بشير أنا يونس عن يوسف بن ماهك عن حكيم بن حزام قال قلت يا رسول الله يأتيني الرجل يسألني البيع ليس عندي ما أبيعه ثم أبتاعه من السوق فقال لا تبع ما ليس عندك حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن جعفر حدثنا شعبة عن أبي بشر عن يوسف بن ماهك يحدث عن حكيم بن حزام قال بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم على ان لا أخرج الا قائما قال قلت يا رسول الله الرجل يسألني البيع وليس عندي أفأبيعه قال لا تبع ما ليس عندك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم أنا أيوب عن يوسف بن ماهك عن حكيم بن حزام قال نهاني رسول الله صلى الله عليه وسلم أن أبيع ما ليس عندي قال أيوب أو قال سلعة ليست عندي حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا اسمعيل ثنا سعيد يعني ابن أبي عروبة عن قتادة عن أبي الخليل عن عبد الله بن الحرث الهاشمي عن حكيم بن حزام قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم البيعان بالخيار ما لم يتفرقا فان صدقا وبينا بورك لهما في بيعهما وان كذبا وكتما محق بركة بيعهما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم عن شعبة ثنا أبو بشر عن يوسف بن ماهك عن حكيم بن حزام قال قلت يا رسول الله يطلب مني المتاع وليس عندي أفأبيعه قال لا تبع ما ليس عندك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا هشام يعني الدستوائي حدثني يحيى بن أبي كثير عن رجل أن يوسف بن ماهك أخبره ان عبد الله بن عصمة أخبره أن حكيم بن حزام أخبره قال قلت يا رسول الله اني أشتري بيوعا فما يحل لي منها وما يحرم علي قال فاذا اشتريت بيعا فلا تبعه حتى تقبضه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عقبة عن عمرو بن عثمان عن موسى بن طلحة عن حكيم بن حزام قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان خير الصدقة عن ظهر غنى واليد العليا خير من اليد السفلى وابدأ بمن تعول حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن عروة بن الزبير عن حكيم بن حزام قال قلت يا رسول الله أرأيت أمورا كنت أتحنث بها في الجاهلية من عتاقة وصلة وحج هل لي فيها أجر فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أسلمت على ما أسلفت من خير حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر أنا يونس عن الزهري عن عروة أن حكيم بن حزام أخبره قال قلت يا رسول الله أرأيت أمورا كنت أتحنث بها في الجاهلية فقال أسلمت على ما أسلفت من خير والتحنث التعبد حدثنا عبد الله قال وجدت في كتاب أبي بخط يده ثنا سعيد يعني ابن سليمان ثنا عباد يعني ابن العوام عن سفيان بن حسين عن الزهري عن أيوب بن بشير الانصاري عن حكيم بن حزام أن رجلا سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الصدقات أيها أفضل قال على ذي الرحم الكاشح حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا ابن أبي ذئب عن مسلم بن جندب عن حكيم بن حزام قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم من المال فالحفت فقال يا حكيم ما كثر مسئلتك يا حكيم ان هذا المال خضرة حلوة فمن أخذه وهو مع ذلك إياس لمبدي الناس ويد الله فوق يد المعطي ويد المعطي فوق يد المعطي السفلى الايدي يد المعطي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة انا قتادة عن أبي الخليل عن عبد الله بن الحرث بن نوفل عن حكيم بن حزام ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال البيعان بالخيار ما لم يتفرقا فان صدقا وبينا بورك لهما في بيعهما وان كذبا وكتما محقت بركة بيعهما حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب ابن زياد ثنا عبد الله يعني ابن مبارك انا الليث بن سعد حدثني عبيد الله بن المغيرة عن عراك بن مالك ان حكيم ابن حزام قال كان محمد صلى الله عليه وسلم أحب رجل في الناس الي في الجاهلية فلما تنبأ وخرج الى المدينة

أحدكم أخاه فليقل السلام عليكم ورحمة الله وبركاته ابن السني في عمل يوم وليلة عن رجل * اذا رأيتني على مثل هذه الحالة فلا تسلم علي فانك ان فعلت ذلك لم أرد عليك (ه) عن جابر ابن عمران رجلا مر على النبي صلى الله عليه وسلم وهو يبول فسلم عليه فقال له فذكره * لم يمنعني أن أرد عليك الا أني لم أكن متوضئا (ط) والباوردي بان حنظلة الانصاري ان رجلا سلم على رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يرد عليه حتى تمسح وقال فذكره * انما حملني على الرد عليك مخافة أن تذهب الى قومك وتقول اني سلمت على النبي (٤٠٣) فلم يرد علي فاذا رأيتني على هذه الحالة فلا

يشهد حكيم بن حزام الموسم وهو كافر فوجد حلة تباع فاشتراها بخمسين دينارا فأتى بها النبي صلى الله عليه وسلم فقدم بها عليه المدينة فأراده على قبضها هدية فأبى قال عبد الله حسبت أنه قال انا لا نقبل شيأ من المشركين ولكن ان شئت أخذناها بالثمن فأعطيته ثمن أبي علي الهدية * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا همام ثنا قتادة عن أبي الخليل عن عبد الله بن الحرث عن حكيم بن حزام أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال البيعان بالخيار مالم يتفرقا قال وجدت في كتاب أبي الخيار ثلاث مرات فان صدقا وبينا نعمى أن وبحا بحكاوان كذبا وكتما محقت بركة بيعهما * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن صالح أبي الخليل عن عبد الله بن الحرث عن حكيم بن حزام أن النبي صلى الله عليه وسلم قال البيعان بالخيار مالم يتفرقا فان صدقا وبينا بورك لهما في بيعهما وان كذبا وكتما محق بركة بيعهما * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال سمعت هشام بن عروة عن أبيه عن حكيم بن حزام قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اليد العليا خير من اليد السفلى وابدأ بمن تعول من استغنى يغنه الله ومن يستعفف يعفه الله * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي وابن جعفر قالا ثنا شعبة عن قتادة قال ابن جعفر في حديثه قال سمعت أبا الخليل من عبد الله بن الحرث عن حكيم بن حزام عن النبي صلى الله عليه وسلم قال البيعان بالخيار مالم يتفرقا قال فان صدقا وبينا بورك لهما في بيعهما وان كذبا وكتما محقت بركة بيعهما وقال ابن جعفر محق * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر عن مثله قال مالم يتفرقا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج أخبرني عطاء أن صفوان بن موهب أخبره عن عبد الله بن محمد بن صيفي عن حكيم بن حزام قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم ألم أنبأ أنك أو ألم يبلغني أو كما شاء الله من ذلك انك تبيع الطعام قال بلى يا رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فلا تبع طعاما حتى تشتريه وتستوفيه قال عطاء وأخبرني أيضا عبد الله بن عصمة الجشمي انه سمع حكيم بن حزام يحدثه عن النبي صلى الله عليه وسلم

* (ومن حديث هشام بن حكيم بن حزام رضي الله عنه) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا هشام بن عروة عن أبيه عن ابن حزام انه مر بأناس من أهل الذمة قد أقيموا في الشمس بالشام فقال ما هؤلاء قالوا بقي عليهم شئ من الخراج فقال اني أشهد أني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله عز وجل يعذب يوم القيامة الذين يعذبون الناس في الدنيا * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن سعد على فلسطين قال فدخل عليه فخلى سبيلهم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير حدثنا هشام عن أبيه عن هشام بن حكيم انه مر بالشام على قوم من الانباط وقد أقيموا في الشمس فذكر معناه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الاعلى عن معمر عن الزهري وهشام بن عروة انهما حدثاه عن عروة بن الزبير ان هشام بن حكيم رأى ناسا من أهل الذمة قياما في الشمس فقال ما هؤلاء فقالوا من أهل الجزية فدخل على عمير بن سعد وكان على طائفة الشام فقال هشام سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من عذب الناس في الدنيا عذبه الله تبارك وتعالى فقال عمير خلوا عنهم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة ثنا صفوان حدثني شريح بن عبيد الحضرمي وغيره قال وجد عياض بن غنم صاحب دارحين فتحت فاغلظ له هشام بن حكيم القول حتى غضب عياض ثم مكث ملبا لي فأتاه هشام بن حكيم فاعتذر اليه ثم قال هشام لعياض ألم تسمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول ان من أشد الناس عذابا يوم القيامة عذابا في الدنيا للناس

تسلمن على فانك ان سلمت علي لم أرد عليك الشافعي (هق) في المعرفة والخطيب عن ابن عمر ان رجلا مر على رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يبول فسلم عليه فرد عليه وقال فذكره * (الافعال) * عن ميمون ابن مهران قال جاء رجل الى أبي بكر فقال السلام عليك يا خليفة رسول الله قال من بين هؤلاء أجمعين (حم) في الزهد * خط في الجامع ورواه خيثمة الاطرابلسي في فضائل الصحابة بلفظ من بين هؤلاء أجمعين سلمت علي * عن علي قال ستة لا يسلم عليهم اليهود والنصارى والمجوس والذين بين أيديهم الخمور والريحان والمتفكهون بالامهات وأصحاب الشطرنج الحرباطلي في مساوي الاخلاق * عن عبادة بن الصامت قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قبول الناس في العيد بن تقبل الله منا ومنكم قال ذلك فعل أهل الكتابين وكرهه الديلمي (كر) * المصافحة والمعانقة وتقبيل اليد) * عما من مسلمين يلتقيان فيتصافحان الا غفر لهما قبل أن يتفرقا (حم د ت ه) والضياء عن البراء * اذا تصافح المسلمان لم تفرق أكفهما حتى يغفر لهما (طب) عن أبي امامة * أيما مسلمين التقيا فأخذ أحدهما بيد صاحبه فتصافحا فحمدا الله جميعا واستغفرا غفر لهما وليس بينهما خطيئة (حم د) والضياء عن البراء * اذا التقى المسلمان فتصافحا وحمدا الله واستغفراه غفر لهما (د) عنه * تصافحوا يذهب الغل عن قلوبكم (عد) عن ابن عمر * قبلة المسلم أخاه المصافحة المحاملي في أماليه (فر) عن أنس * تمام التحية الاخذ باليد والمصافحة باليمين الحاكم في الكنى عن أبي امامة * اني لأصافح

النساء (ت ن ه م) عن أميمة بنت رقيقة * نهى أن تصافح المشركون أو يكنوا أو يحببهم (حل) عن جابر * (الاكمال) * أول من عانق ابراهيم وكان قبل السجود بعد هذا وهو الهذا خفاء الاسلام بالمعانقة أبو الشيخ في الثواب عن تميم * ان المسلم اذا التقى أخاه المسلم فاخذ بيده تحاتت عنهما ذنوبهما كما تحات الورق من الشجرة اليابسة في يوم ريح عاصف والاغفر لهما ولو كانت ذنوبهما مثل زبد البحر (طب) عن سلمان * أيما مسلم يصافح أخاه ليس في (٤٠٤) صدر واحد منهما على أخيه حنة لم تفرق أيديهما حتى يغفر الله عز وجل لهما ما مضى من ذنوبهما وشن نظر الى أخيه نظرة مودة ليس في قلبه أو صدره حنة لم يرجع اليه طرفه حتى يغفر الله عز وجل لهما ما مضى من ذنوبهما ابن النجار عن ابن عمر * تصافحوا فان المصافحة تذهب بالشحناء وتهادوا فان الهدية تذهب بالغل (كر) عن ابن عمر * ما من عبدين متحابين في الله يستقبل أحدهما صاحبه فيصافحه ويصليان على النبي صلى الله عليه وسلم الا لم يتفرقا حتى يغفر لهما ذنوبهما ما تقدم منهما وما تأخر ابن السني في عمل يوم وليلة وابن النجار عن أنس * المصافحة من وراء الثوب جفاء الديلمي عن أنس * (الافعال) * عن تميم بن سلمة قال لما قدم عمر الشام استقبله أبو عبيدة بن الجراح فصافحه وقبل يده ثم خلوا يبكون فكان تميم يقول تقبيل اليد سنة (عب) والخرائطي في مكارم الاخلاق (هق كر) * قال الحافظ أبو بكر بن مسدي في مسلسلاته صافحت أبا عبد الله محمد بن عبد الله بن عبشوى النغزاوي بها قال صافحت أبا الحسن علي بن سيف الحضرمي بالاسكندرية ح وصافحت أيضا أبا القاسم عبد الرحمن بن أبي الفضل الحجي المالكي بالاسكندرية قال صافحت شبل بن أحمد بن كاشيل قدم علينا قال كل واحد منهما صافحت أبا محمد عبد الله بن مقبل بن محمد العجيسي قال صافحت محمد بن الفرج بن الحجاج السكسكي قال صافحت أبا مروان عبد الملك بن أبي ميسرة قال صافحت أحمد بن محمد النغزي بها قال صافحت أحمد الاسود قال صافحت شمشاد الدينوري قال صافحت علي بن الرزيني الحراساني قال صافحت عيسى القصار قال صافحت الحسن البصري

فقال عياض بن غنم يا هشام بن حكيم لقد سمعنا ما سمعت ورأينا ما رأيت أولم تسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من أراد ان يخمع لسلطان بامر فلا يبده علانية ولكن ليأخذ بيده فيخلو به فان قبل منه فذاك والا كان قد أدى الذي عليه وانك يا هشام لانت الجرىء اذ تجترئ على سلطان الله فهلا خشيت ان يقتلك السلطان فتكون قتيل سلطان الله تبارك وتعالى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر قال أخبرنا يونس عن الزهري عن عروة انه بلغه ان عياض بن غنم رأى نبطا يشمسون في الجزية فقال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يعذب الذين يعذبون الناس في الدنيا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان انا شعيب عن الزهري أخبرني عروة بن الزبير ان هشام بن حكيم بن حزام وجد عياض بن غنم وهو على حمص يشمس ناسا من النبط في اداء الجزية فقال له هشام ما هذا يا عياض الى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يعذب الذين يعذبون الناس في الدنيا حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يعقوب بن ابراهيم بن سعد ثنا ابن أخي ابن شهاب عن عمه قال أخبرني عروة بن الزبير ان عياض بن غنم وهشام بن حكيم بن حزام مروا بعامل حمص وهو يشمس انباطا في الشمس فقال أحدهما للعامل ما هذا فالان الى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يعذب الذين يعذبون الناس في الدنيا

* (حديث سبرة بن معبد رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا معمر عن الزهري عن ربيع بن سبرة عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن متعة النساء يوم الفتح حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي ثنا اسمعيل بن أمية عن الزهري قال ذكرنا عند عمر بن عبد العزيز المتعة متعة النساء فقال ربيع ابن سبرة سمعت أبي يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع ينهى عن نكاح المتعة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني عبد الملك بن الربيع بن سبرة الجهني عن أبيه عن جده قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا بلغ الغلام سبع سنين أمر بالصلاة فاذا بلغ عشرا ضرب عليها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا زيد أخبرني عبد الملك بن الربيع بن سبرة عن أبيه عن جده قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا صلى أحدكم فليستتر لصلاته وليدن بسهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب حدثني عبد الله بن الربيع بن سبرة الجهني قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نصلي في اعطان الابل وان نصلي في مراح الغنم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب بن ابراهيم حدثنا عبد الملك بن الربيع ابن سبرة عن أبيه عن جده قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم سترة الرجل في الصلاة السهم واذا صلى أحدكم فليستتر بسهم قال حدثنا يعقوب ثنا عبد الملك بن الربيع بن سبرة عن أبيه عن جده انه قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نصلي في اعطان الابل ورخص ان نصلي في مراح الغنم ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المتعة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن الربيع ابن سبرة عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم حرم متعة النساء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر أخبرني عبد العزيز بن عمر عن الربيع بن سبرة عن أبيه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم من المدينة في حجة الوداع فلما اذا كنا بعسفان قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان العمرة قد دخلت في

قال صافحت علي بن أبي طالب قال صافحت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال صافحت كفي هذه سراقات عرش ربي عز وجل قال ابن مسدي غريب لا نعرفه الا من هذا الوجه وهذا اسناد صوفي انتهى قلت قال الشيخ جلال الدين السيوطي رحمه الله أخبرني بهذا الحديث نشوان بنت الجمال عبد الله الكناني اجازة عن أحمد بن أبي بكر بن عبد الحميد بن قدامة المقدسي عن عثمان بن محمد النوزري عن ابن مسدي انتهى * عن أبي هذيل الربعي قال لقيت أبا داود الربعي فسلمت عليه فأخذ بيدي وقال تدري لم (٤٠٥) أخذت بيدك فقلت أرجو أن لا تكون أخذت بها الا لمودة في الله عز وجل قال أجل ان ذلك كذلك ولكن أخذت بيدك كما أخذ بيدي البراء بن عازب وقال لي كما قلت لك فقلت له كما قلت لي فقال أجل ولكن أخذ بيدي رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال يا مؤمن يلتقيان فيأخذ كل واحد منهما بيد أخيه لا يأخذ بها الا لمودة في الله تعالى فتفرق أيديهما حتى يغفر لهما (كر) * عن أبي ذر انه قيل له أريد أن أسألك عن حديث من حديث النبي صلى الله عليه وسلم قال اذن أحدثك به الآن يكون سرا قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصافحكم اذا لقيتموه قل ما لقيته قط الا صافحني (حم) والروياني * عن أنس قلنا يا رسول الله أيلتقي بعضنا بعضا قال نعم قلنا فيعانق بعضنا بعضا قال لا قلنا فيصافح بعضنا بعضا قال نعم (قط ش) * (حق المجالس والجلوس وما يتعلق بهما من الآداب والمحاورات والتعظيم والقيام) * كلمات لا يتكلم بهن أحد في مجلسه عند الحج فقال له سراقة بن مالك أو مالك بن سراقة شك عبد العزيز أي رسول الله صلى الله عليه وسلم علمنا تعليم قوم كأنما ولدوا اليوم عمرتنا هذه لعامنا هذا أم للابد قال لا بل للابد فلما قدمنا مكة طفنا بالبيت وبين الصفا والمروة ثم أمرنا بمعتعة النساء فرجعنا اليه فقلنا يا رسول الله انهن حدثن الا الى أجل مسمى قال فافعلوا قال فخرجت أنا وصاحب لي على بردوه على برد فدخلنا على امرأة فعرضنا عليها أنفسنا فجعلت تنظر الى البرد صاحبي فترا ه أجود من بردي وتنظر الى فترا ني أشب منه فقالت برد مكان برد واختارتني فتزوجتها عشرا ببردي فبت معها تلك الليلة فلما أصبحت غدوت الى المسجد فسمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو على المنبر يخطب يقول من كان منكم تزوج امرأة الى أجل فليعطها ما سمى لها ولا يسترجع مما أعطاها شيأ وليفارقها فان الله تعالى قد حرمها عليكم الى يوم القيامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب قال ثنا عمارة بن غزية الانصاري قال ثنا الربيع بن سبرة الجهني عن أبيه قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الفتح فاقمنا خمس عشرة من بين ليلة ويوم قال قال فاذن لنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في المتعة قال وخرجت أنا وابن عم لي في أسفل مكة أو قال في أعلى مكة فلقيني فتاة من بني عامر بن صعصعة كأنها البكرة العنطنطة قال وأنا قريب من الدمامة وعلي برد جديد غض وعلى ابن عمي برد خلق قال فقلنا لها هل لك أن يستمتع منك أحدنا قالت وهل يصلح ذلك قال فلنا نعم قال فجعلت تنظر الى ابن عمي فقلت لها ان ابن عمي هذا برد جديد غض وبردان عمي هذا خلق فجعلت تنظر الى ابن عمي فقلت لها ان برد ي هذا

على نور لكم يوم القيامة (فر) عن ابن عمر * من جلس في مجلس فكثر فيه لغطه فقال قبل أن يقوم من مجلسه ذلك سبحانك اللهم وبحمدك أشهد أن لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك الا غفر له ما كان في مجلسه ذلك (ت حب ك) عن أبي هريرة * من قال سبحان الله وبحمده سبحانك اللهم وبحمدك أشهد أن لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك فان قالها في مجلس ذكر كانت كالطابع يطبع عليه ومن قالها في مجلس لغو كانت كفارة له (ن لك) (٤٠٦) عن جبير بن مطعم * كفارة المجلس أن يقول العبد سبحانك اللهم وبحمدك أشهد أن لا اله الا أنت وحدك لا شريك لك أستغفرك وأتوب اليك (طب) عن ابن عمر وعن ابن مسعود * من قعد مجلسا لم يذكر الله فيه كانت عليه من الله ترة ومن اضطجع مضطجعا لا يذكر الله فيه كانت عليه من الله ترة (د) عن أبي هريرة * لا يجلس قوم مجلسا لا يصلون فيه على رسول الله الا كان عليهم حسرة وان دخلوا الجنة لما يرون من الثواب (ن) عن أبي سعيد * اعلموا أنكم ستفتحون بعدي مدائن عظاما وتجدون في أسواقها مجالس فاذا كان ذلك فردوا السلام وغضوا من أبصاركم واهدوا الاعمى وأعينوا المظلوم (طب) عن وحشي * أدوا حق المجالس اذكروا الله كثيرا وارشدوا السبيل وغضوا الابصار (طب) عن سهل بن حنيف * اياكم والجلوس على الطرقات فان أبيتم الا المجالس فاعطوا الطريق حقها غض البصر وكف الاذى ورد السلام والامر بالمعروف والنهي عن المنكر (حم ق) عن أبي سعيد * ان أبيتم الا أن تجلسوا فاهدوا السبيل وردوا السلام وأعينوا المظلوم (حم ت) عن البراء * مالكم ولمجالس الصعدات اجتنبوا مجالس الصعدات اما لا فأدوا حق غض البصر ورد السلام واهداء السبيل وحسن الكلام (حم م ن) عن طلحة * ما من رجل يأتي قوما ويوسعون له حتى يرضى الا كان حقا على الله أن يرضاهم (طب) عن أبي موسى * ان للمسلم حقا اذا رآه أخوه أن يتزحزح له (هب) عن واثلة بن الخطاب * خير المجالس أوسعها (حم د ك هب) عن أبي سعيد البزار (ك هب) عن أنس * اذا جاء أحدكم الى مجلس فاوسع له فليجلس فانها كرامة أكرمه الله تعالى

أجود من بردتي وأنا أشب منه فأتيتها امرأة فعرضت ذلك عليها فأعجبها شبابي وأعجبها البرد ابن عمي فقالت برد كبرد قال فتزوجتها فكان الاجل بيني وبينها عشرا قال فبت عندها تلك الليلة ثم أصبحت غاديا الى المسجد فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم بين الباب والحجر يخطب الناس يقول ألا أيها الناس قد كنت أذنت لكم في الاستمتاع من هذه النساء الا وان الله تبارك وتعالى قد حرم ذلك الى يوم القيامة فمن كان عنده منهن شئ فليخل سبيلها ولا تأخذوا مما آتيتموهن شيأ

*(حديث عبد الرحمن بن أبزى الخزاعي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح بن عبادة ثنا شعبة ثنا الحسن بن عمران رجلا كان يواسط قال سمعت عبد الله بن عبد الرحمن بن ابزى يحدث عن أبيه انه صلى مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فكان لا يتم التكبير يعني اذا خفض واذا رفع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة يحدث عن زرارة قال حجاج في حديثه قال سمعت زرارة عن عبد الرحمن بن ابزى عن النبي صلى الله عليه وسلم انه كان يقرأ في الوتر بسبح اسم ربك الاعلى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سلمة بن كهيل وزبيد اليامي عن ذر عن ابن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم انه كان يقرأ في الوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد فاذا سلم قال سبحان الملك القدوس سبحان الملك القدوس سبحان الملك القدوس ورفع بها صوته حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا يحيى ثنا همام يعني ابن يحيى ثنا قتادة عن عزرة عن سعيد بن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم كان يقرأ في الوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد وكان اذا سلم قال سبحان الملك القدوس يقولها ثلاثا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود ثنا شعبة أنا قتادة قال سمعت زرارة يحدث عن عبد الرحمن بن ابزى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد فاذا سلم قال سبحان الملك القدوس يقولها ثلاثا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود الطيالسي ثنا شعبة عن قتادة عن عزرة عن سعيد بن عبد الرحمن عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم بمثل هذا قال أخبرني زبيد وسلمة بن كهيل سمعا ذرا يحدث عن ابن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم بمثل هذا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال زبيد وسلمة أخبراني أنهما سمعا ذرا عن ابن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم كان يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد وكان اذا سلم يقول سبحان الملك القدوس ثلاثا يرفع صوته بالآخرة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن قتادة عن عزرة عن سعيد بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد يقول اذا سلم سبحان الملك القدوس ثلاث مرار حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سلمة بن كهيل عن ذر عن ابن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال أصبحت على فطرة الاسلام وعلى كلمة الاخلاص وعلى دين نبينا محمد صلى الله عليه وسلم وعلى ملة أبينا ابراهيم حنيفا مسلما وما كان من المشركين حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا سفيان عن زبيد عن ذر عن عبد الله الهمذاني عن سعيد بن عبد الرحمن بن ابزى عن أبيه قال

بها وأخوه المسلم فان لم يوسع له فليفارقه أوسع موضع فليجلس فيه (خط) عن ابن عمر * المجالس بالامانة الا ثلاثة مجالس سفك دم حرام أو فرج حرام أو اقتطاع مال بغير حق (د) عن جابر اذا انتهى أحدكم الى المجلس فليسلم فان بدا له أن يجلس فليجلس ثم اذا قام فليسلم فليست الاولى باحق من الآخرة (حم د ت حب ك) عن أبي هريرة * اذا جلستم فاخلعوا نعالكم تستريح أقدامكم البزار عن أنس * أفضل الحسنات تكرمة الجلساء القضاعي عن ابن مسعود * ان لكل شئ شرفا وان أشرف المجالس



عباس * انما يتجالس المتجالسان بامانة الله تعالى فلا يحل لاحدهما أن يفشي على صاحبه ما يخاف أبو الشيخ عن ابن مسعود * ان المجالس ثلاثة سالم وغانم وشاحب (حم ع حب) عن أبي سعيد * ذو السلطان وذو العلم أحق بشرف المجلس (فر) عن أبي هريرة * الرجل أحق بمجلسه وان خرج لحاجته ثم عاد فهو أحق بمجلسه (ت) عن وهب بن حذيفة * لا يقيم الرجل الرجل من مقعده ثم يجلس فيه ولكن تفسحوا توسعوا (حم م) عن ابن عمر * اذا حدث الرجل الحديث ثم التفت فهي أمانة (حم د ت) والضياء عن جابر (ع) عن أنس * لعن الله من قعد وسط الحلقة (حم ت ك) عن حذيفة * من تخطى حلقة قوم بغير اذنهم فهو عاص (طب) عن أبي أمامة * اجتنبوا مجالس العشيرة (ص) عن أبان ابن عثمان مرسلا * لا يجلس الرجل بين الرجل واهله في المجلس

---

كان النبي صلى الله عليه وسلم يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد واذا أراد أن ينصرف من الوتر قال سبحان الملك القدوس ثلاث مرات ثم رفع صوته في الثالثة ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن زبيد عن ذر الهمداني عن سعيد بن عبد الرحمن بن أبزى الخزاعي عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يوتر بسبح اسم ربك الاعلى وقل يا أيها الكافرون وقل هو الله أحد ويقول اذا جلس في آخر صلاته سبحان الملك القدوس ثلاثا يمد بالآخرة صوته ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن سلمة عن عبد الله بن محمد بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يقول اذا أصبح واذا أمسى أصبحنا على فطرة الاسلام وعلى كلمة الاخلاص وعلى دين نبينا محمد صلى الله عليه وسلم وعلى ملة أبينا ابراهيم حنيفا وما كان من المشركين ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن شعبة عن سلمة بن كهيل عن ذر عن سعيد بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول أصبحنا على فطرة الاسلام وكلمة الاخلاص ودين نبينا محمد صلى الله عليه وسلم وملة أبينا ابراهيم حنيفا وما كان من المشركين ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة ثنا قتادة عن زرارة عن عبد الرحمن بن أبزى ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يوتر بسبح اسم ربك الاعلى . ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن سفيان قال ثنا سلمة بن كهيل عن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أصبح يقول أصبحنا على فطرة الاسلام وكلمة الاخلاص ودين نبينا محمد صلى الله عليه وسلم وملة أبينا ابراهيم حنيفا وما كان من المشركين ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن منصور عن أبي سعيد الخزاعي عن ابن أبزى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يشير بأصبعه السبابة في الصلاة ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن حماد قال أخبرنا شعبة عن الحسن عن ابن عمر ان عن عبد الله بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه انه صلى خلف النبي صلى الله عليه وسلم فكان لا يتم التكبير ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا جرير عن منصور عن راشد أبي سعد عن سعيد بن عبد الرحمن بن أبزى عن أبيه قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا جلس في الصلاة فدعا وضع يده اليمنى على فخذه ثم كان يشير بأصبعه ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ضمرة عن ابن شوذب عن عبد الله عن القاسم قال جلسنا الى عبد الرحمن بن أبزى فقال ألا أريكم صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقلنا بلى فقام فكبر ثم قرأ ثم ركع فوضع يديه على ركبتيه حتى أخذ كل عضو مأخذه ثم رفع حتى أخذ كل عضو مأخذه ثم سجد حتى أخذ كل عضو مأخذه ثم رفع حتى أخذ كل عظم مأخذه ثم سجد حتى أخذ كل عظم مأخذه ثم رفع فصنع في الركعة الثانية كما صنع في الركعة الاولى ثم قال هكذا صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم

* (حديث نافع بن عبد الحرث رضي الله تعالى عنه) *

ح ثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن حبيب بن أبي ثابت حدثني فضيل أنا ومجاهد عن نافع ابن عبد الحرث قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من سعادة المرء الجار الصالح والمركب الهني والمسكن

---

(طب) عن سهل بن سعد * لا يحل للرجل أن يفرق بين الاثنين الا باذنهما (حم ت) عن ابن عمرو * ثلاث لا ترد الوسائد والدهن واللبن (ت) عن ابن عمر * مالي أراكم عزين (حم م د ن) عن جابر بن سمرة * من أحب أن يتمثل له الرجال قياما فليتبوأ مقعده من النار (حم د ت) عن معاوية * الايمن فالايمن مالك (حم ق ٤) عن أنس * الا يمنون الا يمنون (ق) عن أنس * نهى أن يقام الرجل من مقعده ويجلس فيه آخر (خ) عن ابن عمر * نهى أن يجلس الرجل بين الضح والظل وقال مجلس الشيطان (حم) عن رجل * اذا كان

أحدكم في المجلس فقاص عنه الظل وصار بعضه في الظل وبعضه في الشمس فليقم (د) عن أبي هريرة * اياكم والجلوس في الشمس فانها تبلي الثوب وتنتن الريح وتظهر الداء الدفين (ك) عن ابن عباس * تحول الى الظل فانه مبارك (ك) عن حازم * شر المجالس الاسواق والطرق وخير المجالس المساجد فان لم تجلس في المسجد فالزم بيتك (ض ب) عن وائلة * اذا قام الرجل من مجلسه فلا تجلس فيه ولا تمسح يدك بثوب من لا تملك الطيالسي (هق) عن أبي بكرة (٤٠٨) * ما تجالس قوم مجلسا فلم ينصت بعضهم لبعض الا نزع من ذلك المجلس البركة

الواسع. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا سفيان عن حبيب عن خميل عن نافع بن عبد الحرث قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون أنا محمد بن عمرو عن أبي سلمة قال قال نافع بن عبد الحرث خرجت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى دخل حائطا فقال لي امسك علي الباب فجاء حتى جلس على القف ودلى رجليه في البئر فضرب الباب فقلت من هذا قال أبو بكر قلت يا رسول الله هذا أبو بكر قال ائذن له و بشره بالجنة قال فأذنت له و بشرته بالجنة قال فدخل فجلس مع رسول الله صلى الله عليه وسلم على القف ودلى رجليه في البئر ثم ضرب الباب فقلت من هذا فقال عمر فقلت يا رسول الله هذا عمر قال ائذن له و بشره بالجنة قال فأذنت له و بشرته بالجنة قال فدخل فجلس مع رسول الله صلى الله عليه وسلم على القف ودلى رجليه في البئر قال ثم ضرب الباب فقلت من هذا قال عثمان فقلت يا رسول الله هذا عثمان قال ائذن له و بشره بالجنة معها بلاء فأذنت له و بشرته بالجنة فجلس مع رسول الله صلى الله عليه وسلم على القف ودلى رجليه في البئر. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب حدثني موسى بن عقبة قال سمعت أبا سلمة يحدث ولا أعلمه الا عن نافع بن عبد الحرث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل حائطا من حوائط المدينة فجلس على قف البئر فإذا أبو بكر يريد أن يستأذن فقال ائذن له و بشره بالجنة فجاء عمر يستأذن فقال ائذن له و بشره بالجنة ثم جاء عثمان يستأذن فقال ائذن له و بشره بالجنة وسيلقى بلاء

* (أحاديث أبي محذورة المؤذن رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أخبرنا ابن جريج حدثني عثمان بن السائب مولاهم عن أبيه السائب مولى أبي محذورة وعن أم عبد الملك بنت أبي محذورة انهما سمعتا من أبي محذورة قال أبو محذورة خرجت في عشرة فتيان مع النبي صلى الله عليه وسلم وهو يعض الناس الى أن قال فأذنوا فقمنا نؤذن نستهزئ بهم فقال النبي صلى الله عليه وسلم ائتوني بهؤلاء الفتيان فقالوا أذنوا فإذا نحن فكنت أحدهم فقال النبي صلى الله عليه وسلم نعم هذا الذي سمعت صوته اذهب فاذن لاهل مكة فمسح على ناصيته وقال قل الله أكبر الله أكبر الله أكبر الله أكبر أشهد ان لا اله الا الله مرتين وأشهد ان محمدا رسول الله مرتين ثم ارجع فاشهد ان لا اله الا الله مرتين وأشهد ان محمدا رسول الله مرتين حي على الصلاة مرتين حي على الفلاح مرتين الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله واذا أذنت بالاول من الصبح فقل الصلاة خير من النوم الصلاة خير من النوم واذا أقمت فقلها مرتين قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة أسمعت قال وكان أبو محذورة لا يجز ناصيته ولا يفرقها الا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم مسح عليها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ذكريا أنا ابن جريج قال أخبرني عثمان بن السائب عن أم عبد الملك بن أبي محذورة عن أبي محذورة قال لما رجع النبي صلى الله عليه وسلم الى حنين خرجت عاشر عشرة فذكر الحديث الا انه قال الله أكبر الله أكبر مرتين فقط وقال روح أيضا مرتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن أبي جعفر قال عبد الرحمن ليس هو الفراء عن أبي سليمان عن أبي محذورة قال كنت أؤذن في زمن النبي صلى الله عليه وسلم في صلاة الصبح فاذا قلت حي على الفلاح قلت الصلاة خير من النوم الصلاة خير من النوم الاذان الاول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن النعمان ثنا الهيثم بن عبيد عن محمد بن عبد الملك بن أبي محذورة عن أبيه عن جده قال قلت يا رسول الله علمني سنة الاذان فمسح مقدم رأسي وقال قل الله أكبر الله أكبر ترفع بها

ابن عساكر عن محمد بن كعب القرظي مرسلا * لا تقوموا كما يقوم الاعاجم يعظم بعضها بعضا (حم د) عن أبي امامة * لا تفعلوا كما تفعل أهل فارس يعظم بعضها بعضا (ه) عن أبي امامة * عرف الحق لاهله (حم ك) عن الاسود بن سريع * قوموا الى سيدكم (د) عن أبي سعيد * انما يعرف الفضل لاهل الفضل أهل الفضل (خط) عن أنس ابن عساكر عن عائشة * (الاكمال) * من قعد مقعدا لم يذكر الله فيه كانت عليه من الله ترة ومن قام مقاما لم يذكر الله فيه كانت عليه من الله ترة (هب) عن أبي هريرة * ما اجتمع قوم ثم تفرقوا عن غير ذكر الله وصلاة على النبي صلى الله عليه وسلم الا قاموا عن أنتن من جيفة (طب هب ص) عن جابر * ما جلس رجل مجلسا ولا اضطجع مضجعا أو لا مشى مشى لم يذكر الله فيه الا كان تبعله ترة وما أوى أحد الى فراشه ولم يذكر الله فيه الا كان عليه ترة (حب) عن أبي هريرة * كفارة المجلس أن لا يقوم أحدكم حتى يقول سبحانك اللهم وبحمدك لا اله الا أنت تب علي واغفر لي يقولها ثلاث مرات فان كان مجلس لغو كانت كفارته وان كان مجلس ذكر كان كالطابع عليه (ابن النجار عن عبيد) * اذا قام أحدكم من المجلس فليسلم فانه يكتب له ألف حسنة وتقضى له ألف حاجة ويخرج من ذنوبه كيوم ولدته أمه أبو الشيخ في الثواب عن أبي هريرة * اذا مررت بالمجلس فسلم على أهله فان يكونوا في خير كنت شريكهم وان يكونوا في غير ذلك كان لك أجر (طب) عن معاوية بن قرة عن أبيه * لا تجلسوا في المجالس فان كنتم لا بد فاعلين فردوا السلام وغضوا الابصار واهدوا

السبيل واعينوا ذا الحمولة الحرائطى فى مكارم الاخلاق عن ابن عباس * اياكم والجلوس على الطرقات فان أبيتم الا المجالس فاعطوا الطريق حقها قالوا وما حق الطريق قال غض البصر وكف الاذى ورد السلام والامر بالمعروف والنهى عن المنكر (حم) وعبد بن حميد (خ م د حب) عن أبى سعيد * اياكم والجلوس على الصعدات فمن جلس منكم على الصعيد فليعط الصعيد حقه غض البصر ورد التحية وأمر بمعروف ونهى عن منكر (حم حب) عن أبى شريح الخزاعى * لا تجلسوا عند كل عالم . (٤٠٩) يدعوكم من الخمس الى الخمس من الشك الى اليقين ومن الكبر الى التواضع ومن العداوة الى النصيحة ومن الرياء الى الاخلاص ومن الرغبة الى الزهد ابن عساكر عن جابر وفيه عباد بن كثير الثقفى متروك * المجالس ثلاثة غانم وسالم وشاجب فاما الغانم فالذى يذكر الله وأما السالم فالذى يسكت والشاجب الذى يخوض فى الباطل العسكرى عن أبى هريرة * المجالس ثلاثة غانم وشالم وشاجب فاما الغانم فالذاكر وأما السالم فالساكت وأما الشاجب فالذى يشغب بين الناس العسكرى فى الامثال عن أنس * ابدؤا بالاكابر فان البركة مع أكابركم (ه) والحكيم عن ابن عباس * ان جبريل أمرنى أن أكبر ابن النجار عن ابن عمر * اذا حدث الانسان حديثا فرأى المحدث يلتفت حوله فهى أمانة (هب) عن جابر * من حدث لا يحب أن يفشى عليه فهو أمانة وان لم يستكتماه صاحبه (طب) عن عبد الله بن سلام * المجالس أمانة ولا يحل لمؤمن أن يرفع

صوتك ثم تقول أشهد ان لا اله الا الله أشهد ان لا اله الا الله أشهد ان محمدا رسول الله مرتين تخفض بهما صوتك ثم ترفع صوتك أشهد أن لا اله الا الله مرتين أشهد أن محمدا رسول الله مرتين حى على الصلاة حى على الصلاة حى على الفلاح حى على الفلاح مرتين فان كان صلاة الصبح قلت الصلاة خير من النوم الصلاة خير من النوم الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا روح بن عبادة ثنا ابن جريج ومحمد بن بكر أنا ابن جريج قال أخبرنى عبد العزيز بن عبد الملك بن أبى محذورة ان عبد الله بن محيريز أخبره وكان يتيما فى حجر ابى محذورة قال روح عن معين يعنى له ابن بكر حين جهزه الى الشام قال فقلت لابى محذورة يا عم انى خارج الى الشام وأخشى أن أسئل عن تأذينك فاخبرنى ان أبا محذورة قال له نعم خرجت فى نفر فكنا ببعض طريق حنين فقفل رسول الله صلى الله عليه وسلم من حنين فلقينا رسول الله صلى الله عليه وسلم ببعض الطريق فاذن مؤذن رسول الله صلى الله عليه وسلم بالصلاة عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فسمعنا صوت المؤذن ونحن متنكبون فصرخنا نحكيه ونهزئ به فسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم الصوت فأرسل الينا الى ان وقفنا بين يديه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أيكم الذى سمعت صوته قد ارتفع فاشار القوم كلهم الى وصدقوا فارسل كلهم وحبسنى فقلت قم فاذن بالصلاة فقمت ولا شئ أكره الى من رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا مما يأمرنى به فقمت بين يدى رسول الله صلى الله عليه وسلم فالقى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم التأذين هو نفسه فقال قل الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد ان محمدا رسول الله أشهد ان محمدا رسول الله ثم قال لى ارجع فامدد من صوتك ثم قال أشهد ان لا اله الا الله أشهد ان لا اله الا الله أشهد ان محمدا رسول الله أشهد ان محمدا رسول الله حى على الصلاة حى على الصلاة حى على الفلاح حى على الفلاح الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله ثم دعانى حين قضيت التأذين فاعطانى صرة فيها شئ من فضة ثم وضع يده على ناصيتى ثم مسح يده على وجهه مرتين ثم على ثديه مرتين ثم على كبده ثم بعث يد رسول الله صلى الله عليه وسلم سرة ابى محذورة ثم قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم بارك الله فيك فقلت يا رسول الله مرنى بالتأذين بمكة فقال قد أمرتك به وذهب كل شئ كان لرسول الله صلى الله عليه وسلم من كراهية وعاد ذلك محبة لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقدمت على عتاب بن أسيد عامل رسول الله صلى الله عليه وسلم بمكة فاذنت معه بالصلاة عن أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم وأخبرنى ذلك من أدركت من أهلى ممن أدرك أبا محذورة على نحو ما أخبرنى عبد الله بن محيريز حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام ثنا عامر الاحول حدثنى مكحول ان عبد الله بن محيريز حدثه ان أبا محذورة حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم علمه الاذان تسع عشرة كلمة والاقامة سبع عشرة كلمة الاذان الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن لا اله الا الله أشهد أن محمدا رسول الله أشهد أن محمدا رسول الله حى على الصلاة حى على الصلاة حى على الفلاح حى على الفلاح الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله والاقامة مثنى مثنى الله أكبر الله أكبر أشهد أن لا اله الا الله أشهد ان محمدا رسول الله حى على الصلاة حى على الصلاة حى على الفلاح حى على الفلاح قد قامت الصلاة قد قامت الصلاة الله أكبر الله أكبر لا اله الا الله

* (أحاديث شيبة بن عثمان الحجبى رضى الله تعالى عنه) *



على مؤمن قبيحا ابن لال عن أسامة بن زيد * من فرق بين اثنين فى مجلس تكبرا عليهما فليتبوأ مقعده من النار (جل) عن أبان مرسلا * الاصم شريك فان سمع والا فاسمعوه الديلمى عن زيد بن ثابت * ما جلس قوم وما حولها من القرى حتى ٧ اشتكوا المساوئ ومضغوا العلك فى المجالس (طب) عن ابن عباس * مقيل الشيطان بين الشمس والظل أبو نعيم عن أبى هريرة * من أكرم أخاه فانما يكرم الله ابن النجار عن ابن عمر * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليكرم جليسه السلمى عن أبى

هريرة *من أكرم أخوه المسلم فليقبل كرامته الخرائطي في مكارم الاخلاق وابن لال وأبو نعيم وابن عساكر عن أنس وفيه سعد بن عبد الله ابن دينار أبو روح التمار البصري قال أبو حاتم مجهول *لابابي الكرامة الأحبار الديلمي عن ابن عمر *يا سلمان ما من مسلم يدخل على أخيه المسلم فيلقى له وسادة اكراما له الا غفر الله له (طب ك) عن أنس عن سلمان *ان للمؤمن حقا (هب) وابن عساكر عن واثلة بن الخطاب القرشي قال دخل رجل المسجد والنبي (ج ١٠ ع) صلى الله عليه وسلم وحده فتحرك له فقيل يا رسول الله المكان واسع قال فذكره (طب) عن واثلة بن الاسقع *حق المسلم على المسلم اذا رآه أن يتزحزح له أبو الشيخ عن واثلة بن الخطاب *يا بلال ادخل دهشة فتلقوه بشر رحيا الديلمي عن الحسن بن علي *لاتوسع المجالس الا لثلاثة لذي سن لسنه ولذي علم لعلمه ولذي سلطان لسلطانه الحسن بن سفيان وأبو عثمان الصابوني في المائتين والخرائطي في مكارم الاخلاق وابن لال والديلمي عن أبي هريرة لن تزالوا بخير ما أحبتم خياركم وعرفتم لهم الحق فان العارف بالحق كالعامل به أبو نعيم عن أبي الدرداء يجب لوا المشايخ فان تبجيل المشايخ من اجلال الله فمن لم يجلهم فليس منا (حب) في التاريخ (عد) والديلمي عن أنس وأورده ابن الجوزي في الموضوعات *من أكرم ذا سن في الاسلام كأنما قد أكرم نوحا ومن أكرم نوحا في قومه فقد أكرم الله أبو نعيم والديلمي والخطيب وابن عساكر عن أنس وفيه يعقوب بن محمد الواسطي لاشئ وبكر بن أحمد بن محمد الواسطي مجهول وأورده ابن الجوزي في الموضوعات *ان من اكرام جلال الله اكرام ذي الشيبة المسلم . صلى والامام العادل وحامل القرآن لا يغلو فيه ولا يجفو عنه (عد هب) والخرائطي في مكارم الاخلاق عن جابر *ان من تعظيم جلال الله عز وجل اكرام ذي الشيبة في الاسلام وان من تعظيم جلال الله اكرام الامام المقسط ابن الضريس عن أبي هريرة *ثلاث من توقير جلال الله اكرام ذي الشيبة في الاسلام وحامل كتاب الله وحامل العلم من كان صغيرا أو كبيرا الشاشي في المجالس المكية عن أبي أسامة *قيام المرء مع

---

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن واصل الاحدب عن أبي وائل قال جلست الى شيبة بن عثمان فقال جلس عمر بن الخطاب في مجلسك هذا فقال لقد هممت ان لا ادع في الكعبة صفراء ولا بيضاء الا قسمتها بين الناس قال قلت ليس ذلك لك قد سبق منك صاحباك لم يفعلا ذلك فقال هما المرآن يقتدى بهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن واصل عن أبي وائل قال جلست الى شيبة بن عثمان في هذا المسجد فقال جلس الى عمر بن الخطاب في مجلسك هذا فقال لقد هممت ان لا أدع فيها صفراء ولا بيضاء الا قسمتها بين المسلمين قال قلت ما أنت بفاعل قال لم قلت لم يفعله صاحباك قال هما المرآن يقتدى بهما *(أحاديث أبي الحكم أو الحكم بن سفيان رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا جرير عن منصور عن مجاهد عن أبي الحكم أو الحكم بن سفيان الثقفي قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم بال ثم توضأ ونضح فرجه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر قال قال بشر يك سألت أهل الحكم بن سفيان فذكروا أنه لم يره يبول النبي صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله قال وجدت في كتاب أبي بخط يده ثنا يعلى بن عبيد ثنا سفيان عن منصور عن مجاهد عن الحكم بن سفيان أو سفيان بن الحكم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم بال ثم يعني نضح فرجه

*(أحاديث عثمان بن طلحة رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي وحجاج بن موسى قالا ثنا حماد بن سلمة عن هشام ابن عروة عن أبيه عن عثمان بن طلحة أن النبي صلى الله عليه وسلم دخل البيت فصلى ركعتين وجاهلية حين تدخل بين الساريتين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم أنا خالد عن القاسم بن ربيعة بن جوشن عن عقبة بن أوس عن رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم ان النبي صلى الله عليه وسلم خطب يوم فتح مكة فقال لا اله الا الله وحده نصر عبده وهزم الاحزاب وحده قال هاشم مرة أخرى الحمد لله الذي صدق وعده ونصر عبده الا ان كل مأثرة كانت في الجاهلية تعرو تدعى وكل دم أو دعوى موضوعة تحت قدمي هاتين الا سدانة البيت وسقاية الحاج الا وان قتيل الخطأ العمد قال هاشم مرة بالسوط والعصا والحجر دية مغلظة مائة من الابل منها أربعون في بطونها أولادها وقال مرة أربعون من ثنية الى بازل عامها كلهن خلفة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم أنا حيد عن القاسم بن ربيعة انه قال في هذا الحديث وان قتيل خطأ العمد بالسوط والعصا والحجر مائة من الابل منها أربعون في بطونها أولادها فمن ازداد بعيرا فهو من أهل الجاهلية **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم أنا يونس عن القاسم بن ربيعة عن النبي صلى الله عليه وسلم بقريب من ذلك الا انه قال مائة من الابل ثلاثون حقة وثلاثون جذعة وثلاثون بنات لبون وأربعون ثنية خلفة الى بازل عامه

*(أحاديث عبد الله بن السائب رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن السائب بن عمر قال حدثني محمد بن عبد الله بن السائب ان عبد الله بن السائب كان يعود عبد الله بن عباس و يقيم عنده الثيبة الثالثة مما يلي الباب مما يلي الحجر فقلت يعني القائل ابن عباس لعبد الله بن السائب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقوم ههنا أو يصلي ههنا فيقول نعم فيقوم ابن عباس فيصلي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج قال حدثني محمد بن عباد بن جعفر عن عبد الله بن سفيان عن عبد الله بن السائب أن رسول الله صلى الله عليه وسلم

أخيه المسلم أفضل من اعتكاف سنة في المسجد الديلمي عن أنس * لا يقوم الرجل للرجل من مكانه ولكن ليوسع الرجل لأخيه (طب) عن أبي بكرة * لا يقام لي انما يقام لله عز وجل (حم) عن عبادة بن الصامت * لا تفعلوا كما يفعل الاعاجم يقوم بعضهم لبعض (طب) عن أبي امامة * لعن الله عز وجل من قامت له العبيد صفوفا (قط) عن الخريف بن الشرمي * من سره أن يستحم لبنو آدم قياما دخل النار ابن جرير عن معاوية وقال للاستحمام الوثوب * (الافعال) * عن سعيد بن عبد الرحمن بن ربوع (٤١١) انه رأى عثمان بن عفان يجلس واحدى

رجليه على الاخرى الطبراني * عن الحسن قال كتب عمر بن الخطاب الى أبي موسى الاشعري انه بلغني انك تأذن للناس جماعة فبرافاذا جاءك كتابي هذا فابد أباهل الفضل والشرف والوجوه فاذا أخذوا مجالسهم فاذن للناس الدينوري * عن علي أنه رأى رجلا في الشمس فأيقظه فانتحى عن القعود وقال قم عنها فانها مبخرة مجمرة تنفل الريح وتبلى الثوب وتظهر الداء الدفين الدينوري * عن أبي امامة قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم متوكئا على عصاه فقمنا له فقال لا تقوموا كما تقوم الاعاجم يعظم بعضها بعضا ابن جرير * عن ابن عمر عن النبي صلى الله عليه وسلم في السواك قال ناولوه أكبر القوم ثم قال ان جبريل أمرني أن أكبر ابن النجار * عن عدي بن حاتم انه لما دخل على النبي صلى الله عليه وسلم ألقى اليه وسادة فجلس على الارض وقال أشهد انك لا تبغي علوا في الارض ولا فسادا وأسلم

صلى يوم الفتح فوضع كعليه فمن يساره قال عبد الله سمعت هذا الحديث من أبي ثلاث مرار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن جريج عن محمد بن عباد المخزومي عن عبد الله بن السائب أن النبي صلى الله عليه وسلم افتتح الصلاة يوم الفتح في الفجر فقرأ بسورة المؤمنين فلما بلغ ذكر موسى وهرون أصابته سعلة فركع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال قال ابن جريج سمعت يحيى بن عباد بن جعفر قال أخبرني أبو سلمة ابن سفيان وعبد الله بن عمرو بن العاص وعبد الله بن المسيب العابدي عن عبد الله بن السائب أن النبي صلى الله عليه وسلم صلى الصبح بمكة قال فافتتح سورة قلما انتهى الى ذكر موسى وهرون أو ذكر عيسى محمد بن عباد شك فاختلفوا عليه أخذت النبي صلى الله عليه وسلم سعلة فركع قال وابن السائب حاضر ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وروح قالا أنا ابن جريج قال سمعت محمد بن عباد بن جعفر قال أخبرني أبو سلمة بن سفيان وعبد الله بن عمرو قال روح بن العاص وعبد الله بن المسيب العابدي عن عبد الله بن السائب قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح بمكة فاستفتح سورة المؤمنين حتى اذا جاء ذكر موسى وهرون أو ذكر عيسى قال روح محمد بن عباد شك فاختلفوا عليه أخذ النبي صلى الله عليه وسلم سعلة فحذف فركع قال وعبد الله بن السائب حاضر ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود الطيالسي قال ثنا مسلم ابن أبي الوضاح عن عبد الكريم عن مجاهد عن عبد الله بن السائب قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي قبل الظهر بعد الزوال اذا زالت يقول لعل أبواب السماء تفتح فاحب أن أقدم فيها عملا صالحا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هوذة بن خليفة أنا ابن جريج قال محمد بن عباد حدثني حديثا رفعه الى أبي سلمة بن سفيان وعبد الله بن عمرو عن عبد الله بن السائب قال حضر رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الفتح وصلى في قبل الكعبة فقام عليه فوضعهما على يساره ثم استفتح سورة المؤمنين فلما جاء ذكر عيسى أو موسى أخذته سعلة فركع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وروح قالا ثنا ابن جريج وأبو بكر قال أنا ابن جريج حدثني يحيى بن عبيد مولى السائب أن أباه أخبره ان عبد الله بن السائب أخبره انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول فيما بين ركني بني جمح والركن الاسود ربنا آتنا في الدنيا حسنة وقنا عذاب النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج قال سمعت محمد بن عباد بن جعفر قال أخبرني أبو سلمة بن سفيان وعبد الله بن عمرو بن العاص وعبد الله بن المسيب العابدي عن عبد الله بن السائب قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم الصبح فاستفتح سورة المؤمنين حتى اذا جاء ذكر موسى وهرون أو ذكر عيسى محمد بن عباد شك اختلفوا عليه أخذت النبي صلى الله عليه وسلم سعلة فحذف فركع قال وابن السائب حاضر ذلك

* (حديث عبد الله بن حبشي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال قال ابن جريج حدثني عثمان بن أبي سليمان عن علي الازدي عن عبيد بن عمير عن عبد الله بن حبشي الخثعمي ان النبي صلى الله عليه وسلم سئل أي الاعمال أفضل قال

فقالوا يا نبي الله لقد رأينا منك منظرا لم نره لاحد فقال نعم هذا كريم قوم فاذا أتاكم كريم قوم فاكرموه العسكري في الامثال (كر) * عن أبي كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يجثي على ركبتيه ولا يتكئ (ع حب كر ض) * عن أنس قال قدم النبي صلى الله عليه وسلم المدينة وأنا ابن عشر سنين ومات وأنا ابن عشر سنين ستة وكن أمهاتي يحثثنني على خدمته فدخل علينا النبي صلى الله عليه وسلم فحملني له من شاة لنا داجن فشب له من ما عبر في الدار وأبو بكر عن شماله واعرابي عن يمينه فشرب النبي صلى الله عليه وسلم وعمر ناحيه فقال عمر اعطه أبا بكر فناول

الاعرابي وقال الايمن فالايمن (كر) * (العطاس والتشميت والجشاء والتثاؤب) * أتاني جبريل فقال اذا أنت عطست فقل الحمد لله كثيرا على كل حال والحمد لله كعز جلاله فان الله عز وجل يقول صدق عبدي مغفورله ابن السني في عمل يوم وليلة عن أبي رافع * ان الله يحب العطاس ويكره التثاؤب فاذا عطس أحدكم فحمد الله كان حقا على كل مسلم سمعه أن يقول له يرحمك الله وأما التثاؤب فانما هو من الشيطان فاذا تثاءب أحدكم فليرده ما استطاع فان أحدكم (٤١٢) اذا قال هاه ضحك منه الشيطان (حم خ د ت) عن أبي هريرة * ان الله تعالى يكره رفع الصوت بالعطاس والتثاؤب ابن السني عن ابن الزبير * العطسة الشديدة والتثاؤب الرفيعة من الشيطان ابن السني عن أم سلمة * يشمت العاطس ثلاثا فان زاد فان شئت فشمته وان شئت فكف (د ن) عن عبيد بن رفاعة الزرقي مرسلا * اذا عطس أحدكم فليقل الحمد لله على كل حال وليقل من حوله يرحمك الله وليقل هو ان من حوله يهديكم الله ويصلح بالكم (حم ت ن ك) عن أبي أيوب (ه ك هب) عن علي * اذا عطس الرجل والامام يخطب يوم الجمعة فشمته (هق) عن الحسن مرسلا * اذا عطس أحدكم فليضع كفه على وجهه وليخفض صوته (ك هب) عن أبي هريرة * اذا عطس أحدكم فحمد الله فشمتوه واذا لم يحمد الله فلا تشمتوه (حم خد م) عن أبي موسى * اذا عطس أحدكم فليقل الحمد لله رب العالمين وليقل له يرحمك الله وليقل هو يغفر الله لنا ولكم (طب ك هب) عن ابن مسعود (حم ٣ ك هب) عن سالم بن عبد الاشجعي * اذا عطس أحدكم فقال الحمد لله قالت الملائكة رب العالمين فاذا قال رب العالمين قالت الملائكة رحمك الله (طب) عن ابن عباس * اذا عطس أحدكم فليشمته جليسه فان زاد على ثلاث فهو مزكوم فلا يشمت بعد ثلاث (د) عن أبي هريرة * أصدق الحديث ما عطس عنده (طس) عن أنس * من حدث بحديث فعطس عنده فهو حق الحكيم عن أبي هريرة * العطاس عند الدعاء شاهد صدق أبو نعيم عن أبي هريرة * شمت أخاك ثلاثا فما زاد فانما هي نزلة أو زكام ابن السني وأبو نعيم في الطب

---

ايمان لا شك فيه وجهاد لا غلول فيه وحجة مبرورة قيل فأي الصلاة أفضل قال طول القنوت قيل فأي الصدقة أفضل قال جهد المقل قيل فأي الهجرة أفضل قال من هجر ما حرم الله عليه قيل فأي الجهاد أفضل قال من جاهد المشركين بماله ونفسه قيل فأي القتلى أشرف قال من اهريق دمه وعقر جواده

* (حديث جد اسمعيل بن أمية رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر بن حوشب حدثني اسمعيل بن أمية عن أبيه عن جده قال كان لهم غلام يقال له طهمان أو ذكوان فاعتق جده نصفه فجاء العبد الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم تعتق في عتقك وترق في رقك قال وكان يخدم سيده حتى مات قال عبد الرزاق وكان معمر يعني ابن حوشب رجلا صالحا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال انا عامر بن صالح بن رستم المزني ثنا أيوب بن موسى بن عمرو بن سعيد بن العاصي قال أنا بن سعيد بن العاص عن أبيه عن جده قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما نحل والد ولده أفضل من أدب حسن قال أبو عبد الرحمن حدثنا بابة خلف بن هشام البزار والقواريري قالا ثنا عامر بن أبي عامر باسناده فذكر مثله

* (حديث الحرث بن بزناه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن زكريا عن الشعبي عن الحرث بن مالك بن برصاء قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة يقول لا يغزى هذا بعد اليوم الى يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا محمد بن عبيد قال حدثني زكريا عن عامر قال قال الحرث بن مالك بن برصاء سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يوم فتح مكة وهو يقول لا يغزى بعدها الى يوم القيامة

* (حديث مطيع بن الاسود رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم معاوية بن هشام أبو الحسن قال ثنا شيبان عن فراس عن الشعبي قال قال مطيع بن الاسود قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الفتح لا ينبغي ان يقتل قرشي بعد يومه هذا صبرا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا زكريا عن عامر عن عبد الله بن مطيع عن أبيه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يوم فتح مكة لا يقتل قرشي صبرا بعد اليوم الى يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن أبي اسحق حدثني شعبة بن الحجاج عن عبد الله بن أبي السفر عن عامر الشعبي عن عبد الله بن مطيع بن الاسود أخي بني عدي بن كعب عن أبيه مطيع وكان اسم العاص فسماه رسول الله صلى الله عليه وسلم مطيعا قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم حين أمر بقتل هؤلاء الرهط بمكة يقول لا تغزى مكة بعد هذا العام أبدا ولا يقتل رجل من قريش بعد العام صبرا أبدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن زكريا ثنا عامر عن عبد الله بن مطيع عن أبيه انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة يقول لا يقتل قرشي صبرا بعد اليوم ولم يدرك الاسلام أحد من عصاة قريش غير مطيع وكان اسمه عاصيا فسماه مطيعا يعني النبي صلى الله عليه وسلم

* (حديث قدامة بن عبد الله بن عمار رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن طارق أبو قرة الزبيدي من أهل الحصيب والى جانبها رمع وهي قرية أبي موسى الاشعري قال أبي وكان أبو قرة قاضيا لهم باليمن قال ثنا أعين بن نابل أبو عمران قال سمعت رجلا

عن أبي هريرة * العطاس من الله والتثاؤب من الشيطان فاذا تثاءب أحدكم فليضع يده على فيه واذا قال آه آه فان الشيطان يضحك من جوفه وان الله عز وجل يحب العطاس ويكره التثاؤب (ت) وابن السني في عمل يوم وليلة عن أبي هريرة * ان الله نفخ في آدم الروح عطست وطارت فصارت في رأسه فعطس وقال الحمد لله رب العالمين فقال الله تعالى يرحمك الله (حب ك) عن أنس * التثاؤب من الشيطان فاذا تثاءب فليرده ما استطاع فان أحدكم اذا قال هاه ضحك منه الشيطان (ق) عن أبي هريرة * اذا تثاءب أحدكم (٤١٠٣) فليضع يده على فيه فان الشيطان يدخل مع التثاؤب (حم ق د) عن أبي سعيد * اذا تثاءب أحدكم فليضع يده على فيه ولا يعوي فان الشيطان يضحك منه (ه) عن أبي هريرة * اذا تجشأ أحدكم أو عطس فلا يرفع بهما الصوت فان الشيطان يحب أن يرفع بهما الصوت (هب) عن عبادة بن الصامت وشداد ابن أوس وواثلة (د) في مراسيله عن يزيد بن مرثد * (الاكمال) * من سعادة المرء العطاس عند الدعاء أبو نعيم عن أبي رهم * من عطس أو تجشأ فقال الحمد لله على كل حال من الاحوال دفع عنه بهما سبعون داء أهونها الجذام الخطيب وابن النجار عن ابن عمرو وأورده ابن الجوزي في الموضوعات * والذي نفسي بيده لقد استدرها بضعة وثلاثون ملكا أيهم يصعد بها (ن) وابن قانع (ك) عن رفاعة بن رافع قال عطست خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم فعطست فقلت الحمد لله حمدا كثيرا طيبا مباركا فيه مباركا عليه كما يحب ربنا ويرضى قال فذكره * اذا عطس العاطس فليذره بالحمد لله فان ذلك دواء من كل داء ومن وجع الخاصرة (ك) في تاريخه الديلمي عن ابن عمر * من سبق العاطس بالحمد وقاه الله وجع الخاصرة ولم يرفيه مكروها حتى يخرج من الدنيا تمام وابن عساكر عن ابن عباس وفيه بقية وقد عنعن * انك لتسمت فيسمتك وان هذا ذكر الله فذكرته (ك) عن أبي هريرة في الذين عطسا فحمد هما حمد الله والثاني ما حمده قال فذكره * يا عثمان ألا أبشرك هذا جبريل يخبرني عن الله ما من مؤمن يعطس ثلاث عطسات متواليات الا كان الايمان في قلبه ثابتا الحكيم عن أنس * (الافعال) * عن قتادة قال قال

---

رجلا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم يقال له قدامة يعني ابن عبد الله يقول رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم رمى جمرة العقبة يوم النحر قال أبو نعيم وزادني سفيان الثوري في حديثه أعني هذا على ناقة صهباء بلا زجر ولا طرد ولا اليك اليك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا أيمن بن نابل قال سمعت شيخا من بني كلاب يقال له قدامة بن عبد الله بن عمار قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر يرمي الجمرة على ناقة له صهباء لا ضرب ولا طرد ولا اليك اليك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو أحمد محمد بن عبد الله الزبيري ثنا أيمن بن نابل ثنا قدامة بن عبد الله الكلابي انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يرمي الجمرة جمرة العقبة من بطن الوادي يوم النحر على ناقة له صهباء لا ضرب ولا طرد ولا اليك اليك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قراد في الحديث قال يرمي الجمار على ناقته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سريج بن يونس وشريح ابن عون بن أبي عون أبو الفضل قالا ثنا قران بن تمام الاسدي ثنا أيمن عن قدامة بن عبد الله قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم على ناقة يستلم الحجر بمحجنه قال أبو عبد الرحمن هذا شيخ بحر بن عون وعباد بن موسى قالا ثنا قران بن تمام عن أيمن بن نابل عن قدامة بن عبد الله بهذا ورأى النبي صلى الله عليه وسلم يرمي الجمار على ناقة له لا ضرب ولا طرد ولا اليك اليك وزاد عباد في حديثه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم على ناقة صهباء يرمي الجمرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر عن أيمن بن نابل عن قدامة بن عبد الله قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر يرمي الجمرة على ناقة له صهباء لا ضرب ولا طرد ولا اليك اليك

* (حديث سفيان بن عبد الله الثقفي رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وأبو معاوية قالا حدثنا هشام بن عروة عن أبيه عن سفيان بن عبد الله الثقفي قال قلت يا رسول الله قل لي في الاسلام قولا لا أسأل عنه أحدا غيرك قال أبو معاوية بعدك قال قل آمنت بالله ثم استقم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يعلى بن عطاء عن عبد الله بن سفيان عن أبيه قال يا رسول الله أخبرني أمر افي الاسلام لا أسأل عنه أحدا بعدك قال قل آمنت بالله ثم استقم قال يا رسول الله فاي شيء أتقي قال فأشار بيده الى لسانه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو كامل ثنا ابراهيم يعني ابن سعد ثنا ابن شهاب وزيد بن هرون قال انا ابراهيم قال حدثني ابن شهاب عن محمد بن عبد الرحمن بن ماعز العامري عن سفيان بن عبد الله الثقفي قال قلت يا رسول الله حدثني بامر اعتصم به قال قل ربي الله ثم استقم قال قلت يا رسول الله ما أكثر ما تخاف علي قال فأخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم بلسان نفسه ثم قال هذا قال يزيد في حديثه بطرف لسان نفسه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله يعني ابن المبارك قال أنا معمر عن الزهري عن محمد الرحمن بن ماعز عن سفيان بن عبد الله الثقفي قال قلت يا رسول الله حدثني بامر اعتصم به قال قل ربي الله ثم استقم قال قلت يا رسول الله ما أخوف ما تخاف علي قال فأخذ بلسان نفسه ثم قال هذا

* (حديث رجل عن أبيه رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا اسمعيل ثنا أيوب قال سمعت رجلا منا يحدث عن أبيه قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم سرية كنت فيها فنهانا أن نقتل العسفاء هو وصفه

* (حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هجز وعفان قالا ثنا همام قال عفان في حديثه ثنا قتادة عن كثير عن أبي

عمر بن الخطاب لعظمة واحدة عندي حديث أحب الي من شاهد عدل الحكيم * عن أبي موسى قال كانت اليهود يتعاطسون عند النبي صلى الله عليه وسلم رجاء أن يقول يرحمكم الله وكان يقول يهديكم الله ويصلح بالكم (هب) * عن أبي هريرة عن النبي صلى الله عليه وسلم لما خلق الله آدم فعطس فالهمه ربه ان قال الحمد لله فقال له ربه رحمك ربك فذلك قد سبقت رحمته غضبه ثم ان الله تعالى قال ائت الملائكة فسلم عليهم فاتاهم فقال السلام عليكم فقالوا السلام عليك (٤١٤) ورحمة الله فزادوه ورحمة الله (هب) * عن أبي هريرة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم

عياض عن رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أن النبي صلى الله عليه وسلم نهى أن يجلس بين الضح والظل وقال مجلس الشيطان * (حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر بن سليمان التيمي قال أنا حميد عن عبد الله بن عبيد عن رجل من أصحاب النبي رضي الله عنه صلى الله عليه وسلم قال رأيت نبي الله صلى الله عليه وسلم نام حتى نفخ ثم قام فصلى ولم يتوضأ

* (حديث رجل أدرك النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وروح قالا ثنا ابن جريج قال أخبرني حسن بن مسلم عن طاوس عن رجل قد أدرك النبي صلى الله عليه وسلم أن النبي صلى الله عليه وسلم قال انما العواف صلاة فاذا طعمتم فاقلوا الكلام قال عبد الله قال أبي ولم يرفعه محمد بن بكر

* (حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن حميد عن رجل من أهل مكة يقال له يوسف قال كنت أنا ورجل من قريش لي مال ايتام قال ويكون رجلي قد ذهب مني بالف درهم قال فوقعت له في يدي ألف درهم قال فقلت للقرشي انه قد ذهب لي بالف درهم وقد أصبت له ألف درهم قال فقال القرشي حدثني أبي انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أد الامانة الى من ائتمنك ولا تخن من خانك

* (حديث كلدة بن الحنبل رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج والضحاك بن مخلد قال أخبرني ابن جريج وعبد الله بن الحارث قال عرض علي ابن جريج قال أخبرني عمرو بن أبي سفيان أن عمرو بن أبي صفوان أخبره قال الضحاك وعبد الله بن الحرث ان عمرو بن عبد الله بن صفوان أخبره أن كلدة بن الحنبل أخبره أن صفوان ابن أمية بعثه في الفتح بلبأ وجدايا وضغابيس والنبي صلى الله عليه وسلم بأعلى الوادي قال فدخلت عليه ولم أسلم ولم أستأذن فقال النبي صلى الله عليه وسلم ارجع فقل السلام عليكم أ ادخل بعد ما أسلم صفوان قال عمر وأخبرني هذا الخبر أمية بن صفوان ولم يقل سمعته من كلدة قال الضحاك وابن الحرث وذلك بعد ما أسلم وقال الضحاك وعبد الله بن الحرث بلبن وجداية (حديث مصدق النبي صلى الله عليه وسلم)

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا زكريا بن أبي اسحق عن عمرو بن أبي سفيان سمعه منه عن مسلم ابن ثفنة قال استعمل ابن علقمة أبي على عرافة قومه فجاء مصدقا حتى أتى بعض بطون بني أبي فبعثني أبي في طائفة لآتيه بصدقتهم قال فخرجت حتى أتيت شيخا كبيرا يقال له سعر فقلت ان أبي بعثني اليك لتؤدي صدقة غنمك قال يا ابن أخي وأي غنم تأخذون فلم أختار حتى أتاني الشيطان بخمر وضرع الغنم قال ابن أخي فاني أحدثك اني كنت في شعب من هذه الشعاب في غنم لي على عهد النبي صلى الله عليه وسلم فجاءني رجلان على بعير فقالا نحن رسولا النبي صلى الله عليه وسلم اليك لتؤدي صدقة غنمك قلت ما على فيها قالا شاة فاعمد الى شاة قد علمت مكانها ممتلئة محضا وشحما فاخرجتها اليهما فقالا هذه الشافع الحامل وقد نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نأخذ شافعا قلت فاي شيء قالا عناقا جذعة أو ثنية قال فاعمد الى عناق معتاط قال والمعتاط التي لم تلد ولدا وقد حان ولادها فاخرجتها اليهما فقالا ناولناها فدفعتها اليهما فجعلا يمهمهان عليها ويعيرهما ثم انطلقا قال عبد الله سمعت أبي يقول كذا قال وكيع مسلم بن ثفنة صحف وقال روح بن شعبة وهو الصواب وقال أبي وقال بشر بن السري

أنه كان اذا عطس يخفض صوته واستتر بثوب أو يده (هب) * عن أبي هريرة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يكره العطسة الشديدة في المسجد (عد هب) * عن أبي هريرة قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا تحدث عطس وجهه بثوبه ووضع كفيه على حاجبيه ابن النجار * عن أبي هريرة قال اذا عطس الرجل فليقل الحمد لله على كل حال ابن جرير * عن نافع ان ابن عمر كان اذا عطس فقيل له رحمك الله قال يرحمنا الله وإياكم ويغفر لنا ولكم (هب) عن نافع قال عطس رجل عند ابن عمر فحمد الله فقال له ابن عمر قد بخلت فهلا حيث حمدت الله صليت على النبي صلى الله عليه وسلم (هب) عن علي كرم الله وجهه قال من قال عند كل عطسة جميعها الحمد لله رب العالمين على كل حال ما كان لم يجد وجع الضرس ولا أذن أبدا (ض خ) في الادب وابن السني وأبو نعيم في الطب * عن عبد الله بن أبي بكر بن محمد بن عمرو بن حزم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان عطس فشمتوه ثم ان عطس فشمتوه ثم ان عطس فقل انك مضنوك فقال عبد الله بن أبي بكر لا أدري أبعد الثالثة أو الرابعة (هب) * عن ابن عمر قال اجتمع المسلمون واليهود عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فعطس فشمته الفريقان جميعا فقال للمسلمين يغفر الله لكم ويرحمنا الله وإياكم وقال لليهود يهديكم الله ويصلح بالكم (هب) * عن هلال بن يساف قال كنت مع سالم بن عبيد في سفر فعطس رجل من القوم فقال

السلام عليكم فقل سالم بن عبيد عليك وعلى أمك ثم قال بعد لعلك وجدت مما قلت قال أجل لوددت انك لم تذكر امي بخير ولا شر قال انما قلت كما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بينا نحن عند رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ عطس رجل فقال السلام عليكم فقال النبي صلى الله عليه وسلم عليك وعلى أمك ثم قال اذا عطس أحدكم فليقل الحمد لله رب العالمين وليقل من عنده يرحمك الله وليرد عليهم يغفر الله لنا ولكم (ط حم ديم ن) وابن جرير (حب) وابن السني (طب ك هب ض) (٤١٥)

*(الكتاب الخامس من حرف الصاد *كتاب الصيد)*

*اذا رميت بالعراض الصيد فخرق فكلوان أصابه بعرضه فلا تأكله فانه وقيذ (د ت م) عن عدي بن حاتم

**اذا رميت سهمك وغاب ثلاثة أيام وأدركته فكله مالم ينتن (حم) عن أبي ثعلبة

*اذا رميت الصيد فأدركته بعد ثلاث ليال وسهمك فيه فكله مالم ينتن (د) عنه

*اذا أرسلت كلبك المعلم فقتل فكل وأما اذا أكل فلا فانما أمسك على نفسه وان وجدت معه كلبا آخر فلا تأكل فانما سميت على كلبك ولم تسم على كلب آخر (ق) عن عدي بن حاتم

*اذا أرسلت كلبك وذكرت اسم الله تعالى فكل مما أمسكن عليك وان قتلن الا أن يأكل الكلب فاني أخاف أن يكون انما أمسكه على نفسه وان خالطها كلاب من غيرها فلا تأكل فانك لا تدري أيها قتل وان رميت الصيد فوجدته بعد يوم أو يومين ليس به الا أثر سهمك فكل وان وقع في الماء فلا تأكل (ق ٤) عن عدي بن حاتم *اذا أرسلت كلبك فاذكر اسم الله تعالى فان أمسك عليك فأدركته حيا فاذبحه فان أدركته قد قتل ولم يأكل منه فكله وان وجدت مع كلبك كلبا غيره قد قتل فلا تأكل فانك لا تدري أيهما قتله وان رميت بسهمك فاذكر اسم الله فان غاب عنك يوما ولم تجد فيه الا أثر سهمك فكل ان شئت وان وجدته غريقا في الماء فلا تأكل فانك لا تدري الماء قتله أو سهمك (م ن) عن عدي بن حاتم *اذا أرسلت كلبك المعلم وذكرت وسميت فكل مما أمسك عليك كلبك المكلب وان قتل وان أرسلت كلبك الذي ليس بمكلب وأدركت ذكاته فكل وكل مارد

لا اله الا الله هو ذا ولد هنا يعني مسلم بن شعبة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا زكريا بن اسحق قال حدثني عمرو بن أبي سفيان قال حدثني مسلم بن شعبة ان علقمة استعمل أبا هلي عرافة قومه قال مسلم فبعثني الى مصدقة في طائفة من قومي قال فخرجت حتى آتي شيخا يقال له سعر في شعب من الشعاب فقلت ان أبي بعثني اليك لتعطيني صدقة غنمك فقال أي ابن أخي وأي نحو تأخذون فقلت نأخذ أفضل ما نجد فقال الشيخ اني لفي شعب من هذه الشعاب وأب في غنم لي اذ جاءني رجلان مرتدفان بعيرا فقالا انا رسولا رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثنا اليك لتؤتينا صدقة غنمك قلت وما هي فقالا شاة فعمدت الى شاة قد علمت مكانها سمينة ومخاضا أو مخاضا وشحما فاخرجتها اليهما فقالا هذه شغار وقد نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم ان نأخذ شغارا والشافع التي في بطنها ولدها قال فقلت فاي شئ تأخذان قالا عناقا أو جذعة أو ثنية قال فاخرج لهما عناقا وقال اقالا ادفعها اليهما فتغلوا لها وجعلا لها معهما شاة على بعيرهما

*(حديث بشير بن سحيم رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال أنا سفيان وعبد الرحمن عن سفيان عن حبيب بن أبي ثابت قال وقال نافع بن جبير بن مطعم عن بشير بن سحيم ان النبي صلى الله عليه وسلم خطب في يوم التشريق قال عبد الرحمن في أيام الحج فقال لا يدخل الجنة الا نفس مسلمة وان هذه الايام أيام أكل وشرب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن عمرو بن دينار عن نافع بن جبير بن مطعم عن رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم عن النبي صلى الله عليه وسلم انه بعث بشير بن سحيم فنادى في الناس ان لا يدخل الجنة الا نفس مؤمنة وان أيام التشريق أيام أكل وشرب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بهز ثنا شعبة قال أخبرني حبيب بن أبي ثابت انه سمع نافع بن جبير بن مطعم يحدث عن رجل من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم يقال له بشر بن سحيم ان النبي صلى الله عليه وسلم خطب فقال انه لا يدخل الجنة الا مؤمن وان هذه لايام أيام أكل وشرب

*(حديث الاسود بن خلف رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال أخبرني عبد الله بن عثمان بن خثيم ان محمد بن الاسود بن خلف أخبره ان أباه الاسود رأى النبي صلى الله عليه وسلم يبايع الناس يوم الفتح قال جلس عند قرن مسقلة فبايع الناس على الاسلام والشهادة قال فلما وما الشهادة قال أخبرني محمد بن الاسود بن خلف انه بايعهم على الايمان بالله وشهادة ان لا اله الا الله وان محمدا عبده ورسوله صلى الله عليه وسلم

*(حديث أبي كليب رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال أخبرني غنيم بن كليب عن أبيه عن جده انه جاء النبي صلى الله عليه وسلم فقال قد أسلمت فقال ألق عنك شعر الكفر يقول أحلق قال وأخبرني آخر معه ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لآخر ألق عنك شعر الكفر واختتن

*(حديث من سمع منادي النبي صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا مسعر عن عمرو بن دينار قال سمعت عمرو بن أوس قال أخبرني من سمع منادي رسول الله صلى الله عليه وسلم حين قامت الصلاة لوحين حانت الصلاة أو نحو هذا أن صلوا

عليك سهمك وان قتل وسم الله تعالى (حم ق ٣) عن أبي ثعلبة * اما ماذكرته من آنية أهل الكتاب فان وجدتم غيرها فلا تأكلوا فيها وان لم تجدوا غيرها فاغسلوها وكلوا فيها وما صدت بقوسك وذكرت اسم الله تعالى عليه فكل وما صدت بكلبك غير المعلم فأدركت ذكاته فكل (حم ق ٥) عن أبي ثعلبة * ما علمت من كلب أو بازم أرسلته وذكرت اسم الله تعالى فكل مما أمسك عليك (د) عن عدي بن حاتم (٤١٠٦) * يا أبا ثعلبة كل ما رددت عليك قوسك وكلبك المعلم وبينه ذكاة أو غيره ذكي (د) عن أبي

ثعلبة * (الاكمال) * اذا أدركت كلبك وقد أكل نصفه فكل (حل) لرضعفه عن سلان * ما أصاب بحده فكله وما أصاب بعرضه فقتل فانه وقيذ فلا تأكل منه (خ م ت) عن عدي بن حاتم قال سألت النبي صلى الله عليه وسلم عن صيد المعراض قال فذكره * اذا علمت أن سهمك قتله ولم تر فيه أثر سبع فكل (ت) حسن صحيح عن عدي بن حاتم * كل ما رددت عليك قوسك وان توارى عنك بعد أن لا ترى فيه أثر سهمك أو تجد (طب) عن أبي ثعلبة * كل ما أمسكت عليك قوسك ويدك ذكاة أو غيره ذكي وان تغيب عنك ما لم يضل أو تجد فيه أثر غير سهمك (حم) عن ابن عمر * لعل هوام الارض قتلته في الصيد يتوارى عن صاحبه (طب) عن أبي رزين * ما أمسك عليك فكل (ت) عن عدي بن حاتم قال سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن صيد البازي قال فذكره * (الافعال) * عن زر بن حبيش قال سمعت عمر بن الخطاب يقول يا أيها الناس هجروا ولا تهجعوا وابتغوا من فضل الله واذكروه وعليكم بالقيل فان تحت القيل يقظان الشيطان وعليكم بالسحر فان السحر يرتع ويمرئ وعليكم بالعتمة فان الابل تعتم بالليل وعليكم بالغداة فان الغداة بركة ونجاح وعليكم بالرواح بعد الزوال فان الله جعل الليل سكنا ومدا ما فيه من خلقه وجعل النهار معاشا (ع) وأبو عبيد في الغريب وابن سعد (طب ك هق كر) * عن عمر قال اياي أن يحذف أحدكم الارنب بالعصا أو بالحجر وليبعثه لكم الاسل والرماح والنبل (كر) * عن صفوان بن أمية أحله يعني الصيد لان الله تعالى قد أحله نعم العمل والله أولى بالعذرة كانت قبلي لله رسل كلهم يصطاد أو يطلب الصيد فينبغي من الصلاة في جماعة اذا غبت عنها في طلب الرزق حبك الجماعة وأهلها وحبك ذكر الله وأهله

في رحالكم لطار كان * (حديث عويف من عرفاء قريش رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي وعفان قالا ثنا ثابت قال عفان بن زيد أبو زيد ثنا هلال بن خباب عن عكرمة بن خالد قال حدثني عريف من عرفاء قريش أحسبه حدثني أبي انه سمع من فاق في رسول الله صلى الله عليه وسلم من صام رمضان وشهرا الحرام والاربعاء والخميس والجمعة دخل الجنة

* (حديث جد عكرمة بن خالد المخزومي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا عكرمة بن خالد المخزومي عن أبيه أو عن عمه عن جده ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال في غزوة تبوك اذا وقع الطاعون بارض وأنتم بها فلا تخرجوا منها واذا وقع ولستم بها فلا تقدموا عليه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حماد يعني ابن سلمة عن عكرمة يعني ابن خالد عن أبيه أو عن عمه عن جده ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال في غزوة تبوك اذا وقع الطاعون بارض وأنتم بها فلا تخرجوا منها واذا كان بارض ولستم بها فلا تقربوها

* (حديث أبي طريف رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أزهر بن القاسم الراسبي ثنا زكريا بن اسحق عن الوليد بن عبد الله بن جميل عن أبي طريف قال كنت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حين حاصر الطائف وكان يصلي بنا صلاة العصر حتى لو ان رجلا رمى لرأى موقع نبله * (مرسل حديث صخر الغامدي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يعلى بن عطاء عن عمارة بن حديد البجلي عن صخر الغامدي عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال اللهم بارك لامتي في بكورها قال فكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا بعث سرية بعثها أول النهار وكان رجلا تاجرا وكان لا يبعث غلمانه الا من أول النهار فكثر ماله حتى كان لا يدري اين يضع ماله

* (حديث أبي بكر بن أبي زهير عن أبيه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الملك بن عمرو ومسرح المعنى قالا ثنا نافع بن عمر عن أمية بن صفوان عن أبي بكر بن أبي زهير قال أبي كلاهما قال عن أبي بكر بن أبي زهير الثقفي عن أبيه قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول لما نبئ أو أنبئ ثقيف قائم من الطائف وهو يقول يا أيها الناس انكم توشكون ان تعرفوا أهل الجنة من أهل النار أو قال خياركم من شراركم قال فقال رجل من الناس بم يا رسول الله قال بالثناء السيئ والثناء الحسن وأنتم شهداء الله بعضكم على بعض

* (حديث الحرث بن عبد الله بن أوس رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى وعفان قالا ثنا أبو عوانة عن يعلى بن عطاء عن الوليد بن عبد الرحمن عن الحرث بن عبد الله بن أوس الثقفي قال سألت عمر بن الخطاب عن المرأة تطوف بالبيت ثم تحيض قال ليكن آخر عهدها الطواف بالبيت فقال الحرث كذلك أفتاني رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر رضي الله تعالى عنه أديت عن يديك سألتني عن شيء سألت عنه رسول الله صلى الله عليه وسلم لكني ما أخالف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن الحجاج وعلي بن اسحق قالا أنا عبد الله قال أنا الحجاج بن ارطاة عن عبد الملك بن المغيرة عن عبد الرحمن بن البيلماني عن عمر بن أوس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من حج البيت

وابتغ على نفسك وعيالك حلالا فان ذلك جهاد فى سبيل الله واعلم ان عون الله فى صالح النجار (طب) *(حرف الضاد)*(كتاب الضيافة وفيه ثلاثة فصول) *(الفصل الاول فى الترغيب فى الضيافة)* الضيف يأتى برزقه ويرتحل بذنوب القوم يمحص عنهم ذنوبهم أبو الشيخ عن أبى الدرداء *اذا أراد الله بقوم خيرا أهدى اليهم هدية الضيف ينزل برزقه ويرتحل وقد غفر الله لاهل المنزل أبو الشيخ فى الثواب وأبو نعيم فى المعرفة والضياء عن أبى قرصافة *ليلة الضيف حق على كل مسلم فمن أصبح الضيف بفنائه فهو له عليه دين ان شاء اقتضى وان شاء ترك (حم د ه) عن أبى بكرة *بئس القوم قوم لا ينزلون الضيف (هب) عن عقبة بن عامر *من ذبح لضيفه ذبيحة كانت فداءه من النار (ك) فى تاريخه عن جابر *لا خير فيمن لا يضيف (حم هب) عن عقبة بن عامر *ان أسرع صدقة الى السماء أن يصنع الرجل طعاما طيبا ثم يدعو عليه ناسا من اخوانه ابن أبى الدنيا فى كتاب الاخوان عن حيان ابن أبى جبلة *ان من موجبات المغفرة اطعام المسلم السغبان (هب) عن جابر *أطعموا الطعام واطيبوا الكلام (طب) عن الحسن بن على *اطعموا الطعام وافشوا السلام تورثوا الجنان (طب) عن عبد الله بن الحرث *ان الله تعالى يحب أهل البيت لخصلتين ابن أبى الدنيا فى قرى الضيف عن ابن جريج معضلا *ان الملائكة لا تزال تصلى على أحدكم ما دامت مائدته موضوعة الحكيم عن عائشة *خيركم من أطعم الطعام ورد السلام (ع

إلى البيت أو اعتمر فليكن آخر عهده بالبيت فبلغ حديثه عمر رضى الله تعالى عنه فقال له خررت من يدك سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم فلم تخبرنا به **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسرائيل يعنى ابن يونس بن أبى اسحاق عن عبادة بن الحجاج عن عبد الملك بن المغيرة الطائفى عن عبد الرحمن بن البيلمانى عن عمرو بن أوس عن الحرث بن أوس قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من حج أو اعتمر فليكن آخر عهده الطواف بالبيت فقال له عمر بن الخطاب خررت من يديك سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم لم تحدثنى

*(ومن حديث صخر الغامدى رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هاشم ثنا يعلى بن عطاء عن عمارة بن حديد عن صخر الغامدى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم بارك لامتى فى بكورها قال فكان اذا بعث سرية أو جيشا بعثهم من أول النهار قال فكان صخر رجلا تاجرا وكان يبعث تجارته من أول النهار قال فاثرى وكثر ماله

*(حديث اياس بن عبد من أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح ثنا ابن جريج قال أخبرنى عمرو بن دينار ان أبا المنهال أخبره ان اياس ابن عبد من أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم قال لا تبيعوا فضل الماء فان النبى صلى الله عليه وسلم نهى عن بيع الماء قال والناس يبيعون ماء الفرات فنهاهم

*(حديث كيسان عن النبى صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس بن محمد ثنا عمرو بن كثير المكى قال سألت عبد الرحمن بن كيسان مولى خالد بن أسيد قلت ألا تحدثنى عن أبيك فقال ما سألنى عنه أحد فقال حدثنى أبى انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج من المطابخ حتى أتى البئر وهو متزر بازار ليس عليه رداء فرأى عند البئر عبيدا يصلون خلع الازار وتوضأ به وصلى ركعتين لا أدرى الظهر أو العصر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حماد بن خالد الخياط ثنا عمرو ابن كثير بن أفلح عن عبد الرحمن بن كيسان قال سألت أبى كيسان ما أدركت من النبى صلى الله عليه وسلم قال رأيته يصلى عند البئر العليا ببئر بنى مطيع ملتبيا فى ثوب الظهر أو العصر فصلاها ركعتين

*(حديث الارقم بن أبى الارقم رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عباد بن عباد المهلبى عن هشام بن زياد عن عثمان بن الارقم بن أبى الارقم المخزومى عن أبيه وكان من أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم ان النبى صلى الله عليه وسلم قال ان الذى يتخطى رقاب الناس يوم الجمعة يفرق بين الاثنين بعد خروج الامام كالجار قصبه فى النار

*(حديث ابن عباس عزرا النبى صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا هشيم بن قاسم ثنا أبو معاوية يعنى شيبان عن يحيى بن أبى كثير عن محمد بن ابراهيم أن ابن عباس الجهنى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا ابن عباس ألا أخبرك بافضل ما تعوذ منه المتعوذون قلت بلى يا رسول الله قال قل أعوذ برب الفلق وقل أعوذ برب الناس

*(حديث أبى عمرة الانصارى رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن اسحق أنا عبد الله يعنى ابن مبارك قال أنا الاوزاعى قال حدثنى المطلب بن حنطب المخزومى قال حدثنى عبد الرحمن بن أبى عمرة الانصارى حدثنى أبى قال كنا مع رسول الله



عن صهيب *الخير أسرع الى البيت الذى يؤكل فيه من الشفرة الى سنام البعير (ه) عن ابن عباس *ما أعطى أهل بيت الرفق الا نفعهم (طب) عن ابن عمر *من أطعم مسلما جائعا أطعمه الله من ثمار الجنة (حل) عن أبى سعيد *من أطعم أخاه الخبز حتى يشبعه وسقاه من الماء حتى يروى بعده الله من النار سبع خنادق كل خندق مسيرة سبعمائة عام (ن ك) عن ابن عمر *من أطعم أخاه المسلم شهوته حرمه الله تعالى على النار (هب) عن أبى هريرة *أصب بطعامك من تحب فى الله

ابن أبي الدنيا في كتاب الاخوان عن النخعي مرسلا * (الاكمال) * اكرموا الضيوف واقروا الضيوف فانه أول من يقدم برزقه جبريل مع رزق أهل البيت الديلمي عن ابن عباس وفيه هارون بن هرون * من أضاف أربعة من المسلمين فواساهم ما واسى به أهله في مطعمهم ومشربهم وملبسهم كان كعتق رقبة أبو الشيخ عن أنس * وكان أول من أضاف ابراهيم ابن أبي الدنيا في قرى الضيف (حب) عن أبي هريرة * اعلم يا براء ان المرء اذا فعل ذلك باخيه لوجه الله (٤١٨) لا يريد بذلك جزاء ولا شكورا بعث الله الى منزله عشرة من الملائكة يسبحون الله ويهللونه

صلى الله عليه وسلم في غزاة فاصاب الناس مخمصة فاستأذن الناس رسول الله صلى الله عليه وسلم في نحر بعض ظهورهم وقالوا يبلغنا الله به فما رأى عمر بن الخطاب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بذلهم أن يأذن لهم في نحر بعض ظهورهم فقال يا رسول الله كيف بنا اذا نحن لقينا القوم غدا جياعا عالا ولكن ان رأيت يا رسول الله أن تدعو لنا بقايا أزوادهم فتجمعها ثم تدعو الله فيها بالبركة فان الله تبارك وتعالى سيبلغنا بدعوتك أو قال سيبارك لنا في دعوتك فدعا النبي صلى الله عليه وسلم ببقايا أزوادهم فجعل الناس يجيؤن بالحثية من الطعام وفوق ذلك وكان أعلاهم من جاء بصاع من تمر فجمعها رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قام فدعا ما شاء الله أن يدعو ثم دعا الجيش باوعيتهم فامرهم أن يحثوا فما بقي في الجيش وعاء الا ملؤه وبقي مثله فضحك رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى بدت نواجذه فقال أشهد أن لا اله الا الله وانى رسول الله لا يلقى الله عبد مؤمن بهما الا حجبت عنه النار يوم القيامة . * (حديث عمير بن سلمة الضمري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال أنا يحيى بن سعيد عن محمد بن ابراهيم قال أخبرني عيسى بن طلحة ابن عبيد الله عن عمير بن سلمة الضمري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر بالعرج فاذا هو بحمار عقير فلم يلبث ان جاء رجل من بهز فقال يا رسول الله هذا وسمي فيشا نعكم بها فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم أبا بكر رضي الله عنه فقسمه بين الرفاق ثم سار حتى أتى عقبة الابا فاذا هو بظبي فيه سهم وهو حاقف في ظل صخرة فامر النبي صلى الله عليه وسلم رجلا من أصحابه فقال قف ههنا حتى يمر الرفاق لا يرميه أحد بشيء .

* (حديث أبي بن حاطب الجمحي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم أنا أبو بلج عن محمد بن حاطب الجمحي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فصل بين الحلال والحرام الدف والصوت في النكاح حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة عن سماك قال قال محمد بن حاطب انصبت علي يدي من قدر فذهبت بي أمي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو في مكان قال فقال كلما فيه أذهب الباس رب الناس وأنت الشافي لا شافي الا أنت شفاء لا يغادر سقما قال وكان يثقل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ويونس بن محمد قالا ثنا عبد الرحمن بن عثمان قال ابراهيم بن العباس في حديثه ابراهيم بن محمد بن حاطب قال حدثني أبي عن جده محمد بن حاطب عن أمه أم جميل بنت المجلل قالت أقبلت بابني من أرض الحبشة حتى اذا كنت من المدينة على ليلة أو ليلتين طبخت لك طبيخا ففني الحطب فخرجت أطلبه فتناولت القدر فانكفأت علي ذراعك فأتيت بك النبي صلى الله عليه وسلم فعلت بابي وأمي يا رسول الله هذا محمد بن حاطب فتفل في فيك ومسح على رأسك ودعا لك وجعل يتفل على يديك ويقول اذهب الباس رب الناس واشف أنت الشافي لا شافي الا أنت شفاء لا يغادر سقما فقالت فما قمت بك من عنده حتى برأت يدك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس قال ثنا شريك عن سماك بن حرب عن محمد بن حاطب قال دببت الى قدر وهي تغلي فادخلت يدي فيها فاحترقت أو قال فورت يدي فذهبت بي أمي الى رجل كان بالبلعاء فقال شيأ ونفث فلما كان في امرة عثمان قلت لامي من كان ذلك الرجل قالت رسول الله صلى الله عليه وسلم . * (حديث ابن أبي زيد رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا أبي ثنا عطاء بن السائب قال حدثني حكيم بن أبي زيد عن أبيه قال حدثني أبي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال دعوا الناس يصيب بعضهم من بعض فاذا استنصح

---

ويكبرونه ويستغفرون له حولا كاملا فاذا كان الحول كتب له مثل * وعبادة أولئك الملائكة وحق على الله أن يطعمه من طيبات الجنة في جنة الخلد وملك لا يبيد (حل) عن أنس ان أبي بن كعب لقي براء بن مالك فقال يا أخي ما تشتهي فقال سويقا وتمرا فاطعمه حتى شبع فعند ذكر البراء ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم قال فذكره * (الافعال) * عن علي رضي الله عنه قال لان أجمع ناسا من أصحابي على صاع من طعام أحب الي من أن أخرج الى السوق فاشتري نسمة فاعتقها (خ) في الادب وابن زنجويه في ترغيبه * عن سلمة بن الاكوع قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي باصحابه ثم ينصرف فيقول لاصحابه ليأخذ كل رجل بقدر ما عنده فيذهب الرجل بالرجل والرجلين والثلاثة ويذهب رسول الله صلى الله عليه وسلم بالباقين (هب) * عن عزة بنت أبي قرصافة عن أبي قرصافة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد الله بعبد خيرا أهدي له هدية قيل يا رسول الله وما تلك الهدية قال ضيف



ينزل به برزقه يحل وقد غفر لاهل المنزل أبو نعيم * قال الشيخ شمس الدين بن الجزري في كتاب اسنى المطالب في مناقب علي بن أبي طالب أضافني الشيخ محمد بن مسعود الكازروني في المشعر الحرام باحد الاسودين التمر والماء قال أضافني والدي باحد الاسودين التمر والماء قال أضافني شيخي أبو الفضائل اسمعيل بن الظفر بن محمد باحد الاسودين التمر والماء قال أضافني أبو المفاخر عمر بن الظفر باحد الاسودين التمر

والماء قال أضافنا أبو بكر عبد الله بن محمد بن سابور بالحد الاسودين التمر والماء قال أضافنا أبو المبارك عبد العزيز بن محمد بن منصور بالاسودين التمر والماء قال أضافنا أبو مسعود سليمان بن ابراهيم بن محمد بالاسودين التمر والماء قال أضافنا أبو مسعود عبد الله بن ابراهيم بن عيسى المالكي بالاسودين التمر والماء قال أضافنا أبو الحسن علي بن الحسن الصيقلي بالحد الاسودين التمر والماء قال أضافنا أبو شيبة أحمد بن ابراهيم المخرمي العطار على أحد الاسودين بالتمر والماء قال أضافنا جعفر بن محمد بن (٤٦٩) عاصم الدمشقي على الاسودين التمر والماء قال أضافنا نوفل بن اهاب على الاسودين التمر والماء قال أضافني عبد الله بن ميمون القداح على الاسودين التمر والماء قال أضافني جعفر بن محمد الصادق على الاسودين التمر والماء قال أضافنا محمد بن علي الباقر على الاسودين التمر والماء قال أضافني علي بن الحسين على الاسودين التمر والماء قال أضافني الحسين بن علي على الاسودين التمر والماء قال أضافني علي بن أبي طالب على الاسودين التمر والماء قال أضافني رسول الله صلى الله عليه وسلم على الاسودين التمر والماء وقال من أضاف مؤمنا فكأنما أضاف آدم ومن أضاف اثنين فكأنما أضاف آدم وحواء ومن أضاف ثلاثة فكأنما أضاف جبريل وميكائيل واسرافيل قال ابن الجزري غريب جدا لم يقع لنا الا بهذا الاسناد * قلت قال الشيخ جلال الدين السيوطي رحمه الله عبد الله بن ميمون القداح متروك

* (الفصل الثاني في آداب الضيافة) * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليكرم ضيفه جائزته يوم وليلة والضيافة ثلاثة أيام فما بعد ذلك فهو صدقة ولا يحل له أن يثوي عنده حتى يحرجه (حم ق ٤) عن أبي شريح * الضيافة ثلاثة أيام فما كان وراء ذلك فهو صدقة (خ) عن ابن شريح (حم د) عن أبي هريرة * الضيافة ثلاث ليال حق لازم فما سوى ذلك فهو صدقة الباوردي وابن قانع (طب) والضياء عن الثلب بن تعلبة * الضيافة على أهل الوبر وليست على أهل المدر القضاعي عن ابن عمر * اذا أتاكم الزائر فاكرموه (ه) عن أنس * ان من السنة أن يخرج الرجل مع

أحدكم أخاه فليتحمه

* (حديث كردم بن سفيان رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد حدثني أبو الحويرث حفص من ولد عثمان بن أبي العاصي قال حدثني عبد الله بن عبد الرحمن بن يعلى بن كعب بن ميمونة بنت كردم عن أبيها كردم بن سفيان انه سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن نذر نذرته في الجاهلية فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أوفى بنذرك أولنصب قال لا ولكن لله تبارك وتعالى قال فأوف لله تبارك وتعالى ما جعلت له انحر على بوانة وأوف بنذرك

* (حديث عبد الله المزني رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معتمر بن سليمان قال سمعت محمد بن فضاء يحدث عن أبيه عن علقمة بن عبد الله عن أبيه قال نهى نبي الله صلى الله عليه وسلم ان تكسر سكة المسلمين الجائزة بينهم الا من بأس

* (حديث أبي سليط البدري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال حدثني أبي عن ابن اسحق قال فحدثني عبد الله بن عمرو بن ضمرة الفزاري عن عبد الله بن أبي سليط عن أبيه أبي سليط قال إنما فانهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أكل لحوم الحمر الانسية والقديد وتفويزها فكفانا ها على وجوهها

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد بن أبي شيبة قال عبد الله وسمعت أنا من ابن أبي شيبة قال ثنا عبد الله بن نمير عن محمد بن اسحق عن عبد الله بن عمرو بن ضمرة الفزاري عن عبد الله بن أبي سليط عن أبيه أبي سليط وكان بدريا قال أتانا نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن لحوم الحمر ونحن بخيبر فكفانا هاوإنا لجياع

* (حديث عبد الرحمن بن خبيش رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا شيبان بن حاتم أبو سلمة الغبري قال ثنا جعفر يعني ابن سليمان قال ثنا أبو التياح قال قلت لعبد الرحمن بن خبيش النهدي وكان كبيرا أدركت رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم قال قلت كيف صنع رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة كادته الشياطين فقال ان الشياطين تحدرت تلك الليلة على رسول الله صلى الله عليه وسلم من الاودية والشعاب وفيهم شيطان بيده شعلة نار يريد ان يحرق بها وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم فهبط اليه جبريل عليه السلام فقال يا محمد قل قال ما أقول قال قل أعوذ بكلمات الله التامة من شر ما خلق وذرأ وبرأ ومن شر ما ينزل من السماء ومن شر ما يعرج فيها ومن شر فتن الليل والنهار ومن شر كل طارق الا طارقا يطرق بخير يا رحمن قال فطفئت نارهم وهزمهم الله تبارك وتعالى

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا جعفر بن سليمان ثنا أبو التياح قال سأل رجل عبد الرحمن بن خبيش كيف صنع رسول الله صلى الله عليه وسلم حين كادته الشيطان قال جاءت الشياطين الى رسول الله صلى الله عليه وسلم من الاودية وتحدرت عليه من الجبال وفيهم شيطان معه شعلة من نار مريد ان يحرق بها رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فرعب فجعفر احسبه قال جعل يتأخر قال وجاء جبريل عليه السلام فقال يا محمد قل قال ما أقول قال قل أعوذ بكلمات الله التامات التي لا يجاوزهن بر ولا فاجر من شر ما خلق وذرأ وبرأ ومن شر ما ينزل من السماء ومن شر ما يعرج فيها ومن شر ما ذرأ في الأرض ومن شر ما يخرج منها ومن شر فتن الليل والنهار ومن شر كل طارق الا طارقا يطرق بخير يا رحمن فطفئت نار الشياطين وهزمهم الله عز وجل

* (حديث ابن عباس عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

ضيفه الى باب الدار (ه) عن أبي هريرة * مخافة ان يستخدم ضيفه (فر) عن ابن عباس * من أمسك بركاب أخيه المسلم لا يريد به الا وجهه ولا يخافه غفر له (طب) عن ابن عباس * من وافق من أخيه شهوة غفر له (طب) عن أبي الدرداء * وا كلي ضيفك فان الضيف يستحي أن يأكل وحده (هب) عن ثوبان * لا يتكلفن أحد لضيفه ما لا يطيقه عليه (هب) عن سلمان * لا تدعوا أحدا الى الطعام حتى يسلم (ت) عن جابر * لا تحسبن اذا ذبحنا الشاة من أجلك (٤٢٠) لنا غنم مائة لا تريد أن تزيد عليها فاذا ولد الراعي بهمة ذبحنا مكانها شاة (دحب) عن لقيط بن صبرة * تحفة الصائم الدهن والمجمر (ت هب) عن الحسن بن علي * تحفة الصائم الزائر أن تعلف دابته وتجمر ثيابه وتذرر * وتحفة المرأة الصائمة الزائرة أن تمشط رأسها وتجمر ثيابها وتذرر (هب) عنه * نأكل أرزاقنا وفضل رزق بلال في الجنة أشعرت يا بلال ان الصائم تسبح عظامه وتستغفر له الملائكة ما أكل عنده (ه) عن بريدة * (الاكمال) * خيار أمتي من يطعم الطعام وليس فيه رياء ولا سمعة ومن أطعم طعاما فيه رياء وسمعة جعله الله تعالى نارا في بطنه يوم القيامة حتى يفرغ من الحساب الديلمي عن عائشة * أضف من تحب في الله بصفوة الطعام هناد عن الضحاك * أيكم صنع طعاما قدر ما يكفي رجلين فانه يكفي ثلاثة أو صنع لثلاثة فانه يكفي أربعة أو لاربعة فانه يكفي خمسة فكحو ذلك العدد (طب) عن سمرة * لا يقوم الرجل حتى ترفع المائدة الديلمي عن ابن عمر * يا عائشة لا تتكلفي للضيف فتملي واكن أطعميه مما تاكلين أبو عبد الله محمد بن باكويه الشيرازي والرافعي عن عياض بن أبي فروة عن (حديث أبيه * لا يصوم صاحب البيت الا باذن الضيف الديلمي عن عائشة وفيه عبد الرحمن بن واقد ضعيف عن الصلت بن حجاج ضعفه ابن عدي ووثقه ابن حبان * يوم الناس في الطعام الامام أو رب الطعام أو خيرهم ابن عساكر عن الاوزاعي عن نابت بن ثوبان العنسي عن أبيه مرسلا * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليحسن قرى ضيفه الخرائطي في مكارم الاخلاق عن أبي هريرة * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فليكرم

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا عبيد الله بن أبي زياد قال حدثني عبد الله بن كثير الداري عن مجاهد قال ثنا شيخ أدرك الجاهلية ونحن في غزو وتردد يقال له ابن عبس قال كنت أسوق لآل النابغة قال فسمعت من جوفها يا لذريح قول فضج رجل يصيح ان لا اله الا الله قال فقدمنا مكة فوجدنا النبي صلى الله عليه وسلم قد خرج * (حديث عياش بن أبي ربيعة رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن أيوب عن نافع عن عياش بن أبي ربيعة قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول تجيء عروج بين يدي الساعة تقبض فيها أرواح كل مؤمن * (حديث المطلب بن أبي وداعة رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن ابن طاوس عن عكرمة بن خالد عن المطلب بن أبي وداعة قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم سجد في النجم وسجد الناس معه قال المطلب ولم أسجد معهم وهو يومئذ مشرك فقال المطلب فلا أدع السجود فيها أبدا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن خالد ثنا رباح عن معمر عن ابن طاوس عن عكرمة بن خالد عن جعفر بن المطلب بن أبي وداعة السهمي عن أبيه قال قرأ رسول الله صلى الله عليه وسلم بمكة سورة النجم فسجد ويسجد من عنده فرفعت رأسي وأبيت ان أسجد ولم يكن أسلم يومئذ المطلب وكان لبيد لا يسمع أحدا قرأها الا سجد

* (لحديث مجمع بن جارية رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة ثنا الزهري عن عبد الله بن عبد الله بن ثعلبة عن عبد الله ابن يزيد قال سمعت مجمع بن جارية ان النبي صلى الله عليه وسلم ذكر الدجال فقال يقتله ابن مريم بباب لد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم قال ثنا ليث يعني ابن سعد قال ثنا ابن شهاب انه سمع عبد الله بن ثعلبة الانصاري يحدث عن عبد الرحمن بن يزيد للانصار من بني عمرو بن عوف يقول سمعت عمي مجمع بن جارية يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يقتل ابن مريم المسيح الدجال بباب لد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب قال ثنا الاوزاعي عن الزهري عن عبد الله بن ثعلبة عن عبد الرحمن بن يزيد عن عمه مجمع قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم يقول يقتل ابن مريم المسيح الدجال بباب لد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن الزهري عن عبد الله بن عبد الله بن ثعلبة الانصاري عن عبد الله بن يزيد عن مجمع ابن جارية قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يقتل ابن مريم الدجال بباب لد أو الى جانب لد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال ثنا مجمع بن يعقوب قال سمعت أبي يقول عن عمه عبد الرحمن بن يزيد عن عمه مجمع بن جارية الانصاري وكان أحد القراء الذين قرؤا القرآن قال شهدنا الحديبية فلما انصرفنا عنها اذا الناس يهزون الاباعر فقال الناس بعضهم لبعض ما للناس قالوا أوحي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فخرجنا مع الناس نوجف حتى وجدنا رسول الله صلى الله عليه وسلم على راحلته عند كراع الغميم والجمع الناس اليه فقرأ عليهم انا فتحنا لك فتحا مبينا فقال الرجل من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم أي رسول الله أفتح هو قال نعم والذي نفس محمد بيده انه لفتح فقسمت خيبر على أهل الحديبية لم يدخل معهم فيها أحد الا من شهد الحديبية فقسمها رسول الله صلى الله عليه وسلم على ثمانية عشر سهما وكان الجيش ألفا وخمسمائة فيهم ثلثمائة فارس فاعطى الفارس سهمين واعطى الراجل سهما

ضيفه قالوا وما كرامة الضيف قال ثلاثة أيام فما جاس بعد ذلك فهو عليه صدقة (نعم) عن أبي سعيد (الافعال) * عن أبي جعفر قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا أكل مع قوم كان آخرهم أكلا (عب) * قال ابن حميد ثنا ابن المبارك عن ابراهيم بن شيبان عن رجل قال دخل رجلان على عبد الله بن الحرث بن جزء الزبيدي فنزع وسادة كانت متكئا عليها فالقاها اليهما فالا لا نريد هذا انما جئنا لنسمع شيأ ننتفع به فقال انه من لم يكرم ضيفه فليس من محمد ولا من ابراهيم صلى الله عليهما وسلم (٤٢١) طوبى لعبد أمسى متعلقا برسن فرسه في سبيل الله أغبر على كسرة وماء يارد وويل للواشين الذين يلوثون مثل البقر ارفع يا غلام وضع يا غلام وفي ذلك لا يذكرون الله * (الفصل الثالث في آداب الضيف وفيه فروع الفرع الاول في اجابة الطعام ومسوغاتها) * اذا دعي أحدكم الى طعام فليجب فان كان مفطرا فليأكل وان كان صائما فليصل (حم م د ت) عن أبي هريرة * اذا دعي أحدكم الى طعام فليجب فان شاء طعم وان شاء لم يطعم (م د) عن جابر * اذا اجتمع الداعيان فاجب أقربهما بابا فان أقربهما بابا أقربهما جوارا وان سبق أحدهما فاجب الذي سبق (حم د) عن رجل له صحبة * اذا دعي أحدكم فليجب وان كان صائما ابن منيع عن أبي أيوب * اذا دعي أحدكم فجاء مع الرسول فان ذلك اذن (خد حب) عن أبي هريرة * اذا دعيتم الى كراع فاجيبوا (م) عن ابن عمر * اذا دعيت الى ذراع أو كراع لاجبت ولو أهدي الي ذراع أو كراع لقبلت (خ) عن أبي

* (حديث جبار بن صخر عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا أويس ثنا شرحبيل عن جبار بن صخر الانصاري أحد بني سلمة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو بطريق مكة من بسبعنا الى الابانية قال أبو أويس هو حيث نفر نار رسول الله صلى الله عليه وسلم فيمد رحوضها ويفرط فيه فيملؤه حتى نأتيه قال قال جبار فقمت فقلت أنا قال اذهب فذهبت فاتيت الابانية فمددت حوضها وفرطت فيه رصلاته ثم غلبتني عيناي فنمت فما انتبهت الا برجل تنابز ثم راحلته الى الماء ويكفها عنه فقال ما بها صاحب الحوض فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت نعم قال فاو ركبها ثم أصرف فاناخ ثم قال اتبعني ولا داوة فتبعتهم بها فتوضأ وأحسن وضوأه وتوضأت معه ثم قام يصلي فقمت عن يساره فاخذ بيدي فحولني عن يمينه فصليت فلم يلبث يسيرا أن جاء الناس

* (حديث ٧ ابن أبي خزامة رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن الزهري عن ابن أبي خزامة عن أبيه قال قلت يا رسول الله وقال سفيان مرة سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم أرأيت دواء نتداوى به ورقى نسترقي بها ادوتقي بها أترد من قدر الله تبارك وتعالى شيأ قال انها من قدر الله تبارك وتعالى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن عياش ثنا بقية بن الوليد عن الزبيدي محمد بن الوليد عن الزهري عن أبي خزامة أحد بني الحرث عن أبيه أنه أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أرأيت دواء نتداوى به ورقى نسترقي بها وتقي بها هل ترد ذلك من قدر الله شيأ قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ذلك من قدر الله تبارك وتعالى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون ثنا ابن وهب قال أخبرني عمرو عن ابن شهاب ان أبا خزامة أحد بني الحرث بن معد بن هريم حدثه ان أباه حدثه انه قال يا رسول الله أرأيت دواء نتداوى به ورقى نسترقيها وتقي بها هل ترد ذلك من قدر الله تبارك وتعالى من شيء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انه من قدر الله عز وجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد بن يحيى بن أبي بكر عن سفيان ابن عيينة عن الزهري عن أبي خزامة عن أبيه قال أبي وهو الصواب كذا قال الزبيدي

* (حديث قيس بن سعد بن عبادة عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم ثنا الاوزاعي قال سمعت يحيى بن أبي كثير يقول حدثني محمد بن عبد الرحمن بن أبي سعد بن زرارة عن قيس بن سعد قال واعدنا رسول الله صلى الله عليه وسلم في منزلنا فقال السلام عليكم ورحمة الله قال فرد سعد ردا خفيا فرجع رسول الله صلى الله عليه وسلم واتبعه سعد فقال يا رسول الله قد كنت أسمع تسليمك وأرد عليك ردا خفيا لتكثر علينا من السلام قال فانصرف معه رسول الله صلى الله عليه وسلم فامر له سعد بغسل فوضع فاغتسل ثم ناوله أو قال ناولوه لحفة مصبوغة بزعفران وورس فاشتمل بها ثم رفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه وهو يقول اللهم اجعل صلواتك ورحمتك على آل سعد بن عبادة قال ثم أصاب من الطعام فلما أراد الانصراف قرب اليه سعد حمارا قد وطأ عليه بقطيفة فركب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال سعد يا قيس اصحب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قيس فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اركب فابيت ثم قال اما ان تركبه واما ان تنصرف قال فانصرفت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن سلمة بن كهيل عن القاسم بن مخيمرة عن أبي عمار عن

هريرة * اذا دعا أحدكم أخاه فليجب عرسا كان أو نحوه (حم د) عن ابن عمر * اذا دعي أحدكم الى الوليمة فليأتها (مالك حم قد) عن ابن عمر * من دعي الى طعام وهو صائم فليجب فان شاء طعم وان شاء ترك (ه) عن جابر * من دعي فلم يجب فقد عصى الله ورسوله ومن دخل على غير دعوة دخل سارقا وخرج مغيرا (د) عن ابن عمر * المتباريان لا يجابان ولا يؤكل طعامهما (هب) عن أبي هريرة * نهى عن أن يجلس على مائدة يشرب عليها الخمر وأن يأكل الرجل وهو منبطح على بطنه (ك) عن ابن عمر * نهى عن اجابة طعام الفاسقين (طب هب) عن عمران * نهى

٧ عبارة التقريب ابن أبي خزامة عن أبيه وقيل عن أبي خزامة عن أبيه وهو الصحيح مجهول من الثالثة

عن طعام المتباريين أن يؤكل (د ك) عن ابن عباس * (الأكل) * أجب أخاك فإن شئت منه على الثقين اما خير فاحق ما شهدته واما غيره فتنهاه عنه وتأمر بالخير (طب كر) عن يعلى بن مرة الثقفي أنه دعي الى مائدة فقعد صائما فجعل الناس يأكلون ولم يطعم قبل والله لو علمنا انك صائم ما عنيناك فقال لا تقولوا ذلك فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أجب وذكره وسنده ضعيف * (الافعال) * عن حميد بن نعيم ان عمر بن الخطاب وعثمان بن عفان دعيا



الى طعام فاجاب فلما خرجا قال عمر لعثمان لقد شهدنا طعاما لو ددت اني لم أشهده قال وماذاك قال خشيت أن يكون مباهاة ابن المبارك (حم) في الزهد * عن سلمان الفارسي قال اذا كان لك صديق أو بمار عامل أو ذو قرابة عامل فاهدي لك هدية أو دعاك الى طعام فاقبله فان مهنأه لك وإثمه عليه (عب) * (الفرع الثاني في آداب متفرقة) * أئيموا أطعامكم اتقوا الله بالبركة فان الرجل اذا أكل طعامه وشرب شرابه ثم دعي له بالبركة فذاك ثوابه منهم (د هب) عن جابر * جعل الله عليكم صلاة قوم أبرار يقومون الليل ويصومون النهار ليسوا بأئمة ولا جبار عبد بن حميد والضياء عن أنس * أكل طعامكم الابرار وصلت عليكم الملائكة وأفطر عندكم الصائمون (حم م) عن أنس * اذا دخل أحدكم على أخيه المسلم فاطعمه من طعامه فليأكل منه ولا يسأل عنه واذا سقاه من شرابه فليشرب منه ولا يسأل عنه (طس لـ هب) عن أبي هريرة * اذا دخل أحدكم على أخيه المسلم فاراد أن يفطر فليفطر الا أن يكون صومه ذلك رمضان أو قضاء رمضان أو نذرا (طب) عن ابن عمر * اذا دخل أحدكم على أخيه فهو أمير عليه حتى يخرج من عنده (عد) حدثنا عن أبي امامة * اذا جاءكم أحدكم الى طعام وهو صائم فليقل اني صائم (م د ت ه) عن أبي هريرة * أعمار جل ضاف قوما فاصبح الضيف محروما فان قصر حق على كل مسلم حتى يأخذ بقرى ليلته من زرعه وماله (حم ك) عن المقدام * كفى بالمرء شرا أن يتبع ما قرب اليه ابن أبي الدنيا في قرى الضيف وأبو الحسن بن بشران في أماليه عن جابر * لا يؤم الرجل في سلطان ولا يجلس على تكرمته في بيته الا باذنه (ت) عن

قيس بن سعد قال أمرنا النبي صلى الله عليه وسلم ان نصوم عاشوراء قبل ان ينزل رمضان فلما نزل رمضان فلم ينزل ولم يأمرنا ولم ينهنا ونحن نفعله **حدثنا** أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل بن هلال بن أسد الشيباني حدثني أبي ثنا عبد الله بن يزيد أبو عبد الرحمن ثنا حيوة قال أخبرني عبد العزيز بن عبد الملك بن مليل عن عبد الرحمن بن أبي أمية ان حبيب بن مسلمة أتى قيس بن سعد بن عبادة في الفتنة الاولى وهو على فرس فاخر عن السرج وقال اركب فابى فقال له قيس بن سعد اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول صاحب الدابة أولى بصدرها فقال له حبيب اني لست أجهل ما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ولكني أحشي عليك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا اسرائيل عن جابر عن عامر بن قيس بن سعد ابن عبادة قال ما من شئ كان على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم الا وقد رأيته الا شيئا واحدا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقلس له يوم الفطر قال جابر هو اللعب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا أبي قال سمعت منصور بن زاذان يحدث عن ميمون بن أبي شبيب عن قيس بن سعد بن عبادة ان أباه دفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم يخدمه فاتى على النبي صلى الله عليه وسلم وقد صليت ركعتين قال فضربني برجله وقال الا أدلك على باب من أبواب الجنة قلت بلى قال لا حول ولا قوة الا بالله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أخبرني يحيى بن أيوب عن عبيد الله بن زحر عن بكر بن سوادة عن قيس بن سعد بن عبادة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان ربي تبارك وتعالى حرم على الخمور الكوبة والقنين وايا كم والغبيراء قال ثالث نهر العالم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن فضيل ثنا ابن لهيعة قال حدثني ابن هبيرة قال سمعت شيخا من بهز يحدث أبا تميم الجيشاني انه سمع قيس بن سعد بن عبادة الانصاري وهو على مصر يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من كذب علي متعمدا فليتبوأ مقعده من النار أو بيتا في جهنم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من شرب الخمر أتي عطشانا يوم القيامة الا فكل مسكر خمر وايا كم والغبيراء فان هذا الشيخ ثم سمعت عبد الله بن عمر بعد ذلك يقول مثله فلم يختلفا الا في بيت أو منجح * (حديث وهب بن حذيفة عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن عبيد قال ثنا خالد يعني ابن عبد الله قال ثنا عمرو بن يحيى بن عمارة عن محمد بن يحيى بن حبان قال حدثني عمي واسع بن حبان عن وهب بن حذيفة ان النبي صلى الله عليه وسلم قال الرجل أحق بمجلسه وان قام منه ثم رجع أي فهو أحق به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا خالد الواسطي قال ثنا عمرو بن يحيى عن محمد بن يحيى عن عمه واسع بن حبان عن وهب بن حذيفة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا قام الرجل من مجلسه فرجع اليه فهو أحق به وان كانت له حاجة فقام الهناك ثم رجع فهو أحق به . * (حديث عويم بن ساعدة رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا أبو أويس ثنا شرحبيل عن عويم بن ساعدة الانصاري انه حدثه ان النبي صلى الله عليه وسلم أتاهم في مسجد قباء فقال ان الله تبارك وتعالى قد أحسن عليكم الثناء في الطهور في قصة مسجدكم فما هذا الطهور الذي تطهرون به قالوا والله يا رسول الله ما نعلم شيأ الا انه كان لنا جيران من اليهود فكانوا يغسلون أدبارهم من الغائط فغسلنا كما غسلوا .

* (حديث فهيد بن مطرف الغفاري رضي الله تعالى عنه) *

ابن مسعود * من زار قوما فلا يؤمهم وليؤمهم رجل منهم (حم د ت) عن مالك بن الحويرث * من نزل على قوم فلا يصوم تطوعا الا باذنهم (ت) عن عائشة * انك دعوتنا خامس خمسة وهذا رجل قد تبعنا فان شئت أذنت له وان شئت رجع (ق) عن ابن مسعود * الضيافة ثلاثة أيام فما زاد فهو صدقة وعلى الضيف أن يحتمل بعد ثلاثة أيام ابن أبي الدنيا في قري الضيف عن أبي هريرة * اذا أتى أحدكم على ماشية فان كان فيها صاحبها فليستأذنه فان أذن له فليحتلب وليشرب وان لم يكن فيها فليصوت ثلاثا فان أجابه أحد فليستأذنه فان لم يجبه أحد فليحتلب وليشرب ولا يحمل (د ت هق) والضياء عن سمرة * لا يحلبن أحد ماشية امرئ بغير اذنه أيحب أحدكم أن تؤتى مشربته فتكسر خزانته فينقل طعامه فانما يخزن لهم ضروع مواشيهم أطعماتهم فلا يحلبن أحد ماشية أحد الا باذنه (ق د) عن ابن عمر * اذا أتيت على راعي ابل فناد يا راعي الابل ثلاثا فان أجابك والا فاحلب واشرب من غير أن تفسد وا ذا أتيت على حائط فناد يا صاحب الحائط ثلاثا فان أجابك والا فكل في غير أن تفسد (حم ه حب ك) عن أبي سعيد * من دخل حائطا فليأكل ولا يتخذ خبنة (ت) عن ابن عمر * ما علمت اذ كان جاهلا ولا أطعمته اذ كان ساغبا (حم د ن ه) عن عبادة بن شرحبيل * لا تزم النخل وكل مما وقع أشجعك أنه وقوك (حم ٤) عن رافع بن عمرو الغفاري * ان مر الم بقوم فأمروا لكم بما ينبغي للضيف فاقبلوه فان لم يفعلوا فخذوا منهم حق الضيف الذي ينبغي لهم (حم ق د ه) عن عقبة بن عامر * (الا كمل) * اذا ضاف أحدكم بقوم فلا يصومن الا باذنهم (عد) عن عائشة * أيما زائر زار أخاه وهو صائم فافطر الا كتب الله تعالى له صوم ذلك اليوم الديلمي عن سلمان * دعاكم أخوكم وتكلف لكم فأفطروا وصوموا مكانه ان شئت (هق) عن أبي سعيد * لا عليكم صوما مكانه يوما آخر (ه) عن عائشة * قالت أهدي لي وأنا صائمة طعام وكنا صائمتين فافطرنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم قضيا يوما مكانه * اعيدوا عمركم في وعائكم وسمنكم في سقائه فانى صائم (حم خ) تعليقا (حب) عن أنس * نادصاحب الابل ثلاثا فان جاوا والا فاحلب واحتلب واحمل ثم



حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر عبد الملك بن عمرو ثنا عبد العزيز بن المطلب بن عبد الله قال حدثني أخي الحكم بن المطلب عن أبيه عن قهيد بن معارف الغفاري أن رسول الله صلى الله عليه وسلم سأله سائل ان عدا على عاد فامر ه ان يغزاه ثلاث مرار قال فامره بقتاله قال فكيف بنا قال ان قتلك فانت في الجنة وان قتلته فهو في النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا عبد العزيز بن المطلب المخزومي عن أخيه الحكم بن المطلب عن أبيه عن قهيد الغفاري قال سأل سائل رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان عدا على عاد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر وا أمره بتذكيره ثلاث مرات فان أبى فقاتله فان قتلك فانك في الجنة وان قتلته فانه في النار

*(حديث عمرو بن يثربي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر ثنا عبد الملك يعني ابن حسن الحارثي ثنا عبد الرحمن بن أبي سعيد قال سمعت عمارة بن جارثة الضموي يحدث عن عمرو بن يثربي الضمري قال شهدت خطبة رسول الله صلى الله عليه وسلم بمنى فكان فيما خاطب به ان قال ولا يحل لامرئ من مال أخيه الا ما طابت به نفسا قال فلما سمعت ذلك قلت يا رسول الله أرأيت لو لقيت غنم ابن عمي أكحلت منها شاة فاحكرزتها هل علي في ذلك شئ قال ان لقيتها نجمة تحملي شفوة وفرزنا فلا تمسها

*(حديث أبي حدرد الاسلمي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق ثنا هاشم بن القاسم المدني قال حدثنا عبد الله بن محمد بن أبي يحيى عن أبيه عن ابن أبي حدرد الاسلمي انه كان لهودي عليه أربعة دراهم فاستعدى عليه فقال يا محمد أن لي على هذا أربعة دراهم وقد غلبني عليها فقال أعطه حقه فقال والذي بعثك بالحق ما أقدر عليها قال اعطه حقه قال والذي نفسي بيده ما أقدر عليها فقد أخبرته انك تبعثنا الى خيبر فارجو ان نصيب شيأ فارجع فاقضه قال اعطه حقه قال وكان النبي صلى الله عليه وسلم اذا قال ثلاثا لم يراجع فخرج به ابن أبي حدرد الى السوق وعلى رأسه عمامة وهو متزر ببرد فنزع العمامة عن رأسه فاتزر بها ونزع البردة فقال اشتر مني هذه البردة فباعها منه بار بعة الدراهم فرت عمرو فقالت مالك أصاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخبرها فقالت هادونك هذا فابرد عليها طرحته عليه

*(حديث عمرو بن أم مكتوم رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا شيبان عن عاصم عن أبي رزين عن عمرو بن أم مكتوم قال جئت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله كنت ضرير البصر شاسع الدار ولي قائد لا يلائمني فهل تجد لي رخصة ان أصلي في بيتي قال أتسمع النداء قال قلت نعم قال ما أجد لك رخصة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا عبد العزيز يعني ابن مسلم ثنا الحصين عن عبد الله بن شداد بن الهاد عن ابن أم مكتوم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتى المسجد فرأى في القوم رقة فقال اني لاهم ان أجعل للناس اماما ثم أخرج فلا أقدر على انسان يتخلف عن الصلاة في بيته الا أحرقته عليه فقال ابن أم مكتوم يا رسول الله أن بيني وبين المسجد نخلا وشجرا ولا أقدر على قائدكل ساعة أيسعني ان أصلي في بيتي قال أتسمع الاقامة قال نعم قال فاتها

*(حديث عبد الله الزرقي ويقال عبيد بن رفاعة الزرقي رضي الله تعالى عنه)*

صر وبق اللسين (ك) عن مخول البهزي * لا يحل لاحد أن يحل صرار ناقة الا باذن أهلها فانه خاتمهم عليها (حم) والطحاوي (هق) عن أبي سعيد * من دخل على قوم لطعامهم ولم يدع اليه فأكل دخل فاسقا وأكل مالا يحل له (هق) وابن النجار عن عائشة * (الافعال) * عن عبد الواحد ابن أيمن عن أبيه قال نزل بجابر رجل فجاءهم بخبز وخل فقال كلوا فاني شممت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول نعم الادام الخل هلاك بالقوم أن يحتقر ما قدم اليهم وهلاك بالرجل (٤٢٤) أن يحتقر ما بين يديه يقدمه الى أصحابه (هب) * عن أبي جحيفة قال اذا أطعمك أخوك المسلم طعاما فكل واذا سقاك شرابا فاشرب ولا تسأله فان رابك فاهجره بالماء (عب) * عن ابن عباس عن عمر بن الخطاب رضي الله عنه في المضطر بمخمصة بالتمر قال يا كل مالم يأخذ خبنة (عب) * عن عبد الرحمن بن أبي ليلى قال سافر ناس من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فأرملوا فمروا بحي من الاعراب فسألوهم القرى فابوا فسألوهم الشراء فابوا فضغطوهم فاصابوا من طعامهم فذهب الاعراب الى عمر بن الخطاب وشكوهم فاشتطت الانصار فقال عمر تمنعون ابن السبيل ما يخلف الله بالليل والنهار من ضروع الابل والغنم لابن السبيل احق بالماء من الساكن عليه مسدد * عن أبي الاحوص عن أبيه انه قال يا رسول الله مررت برجل فلم يضفني ولم يقرني ثم مر بي فاجزئه أم أقرئه قال بل اقره (كر) * (حرف الطاء وفيه أربعة كتب الطهارة الطلاق الطب والرقى الطيرة والفال)

* كتاب الطهارة وفيه خمسة أبواب * الباب الاول في فضل الطهارة مطلقا) * الطهور شطر الايمان والحمد لله تملأ الميزان وسبحان الله والحمد لله تملآن ما بين السماء والارض والصلاة نور والصدقة برهان والصبر ضياء والقرآن حجة لك أو عليك كل الناس يغدو فبائع نفسه فمعتقها أو موبقها (حم م ت) عن أبي مالك الاشعري * الطاهر النائم كالصائم القائم (فر) عن عمر بن حريث * ان الله تعالى يحب التناسل النظيف (خط) عن جابر * الاسلام نظيف فتنظفوا فانه لا يدخل الجنة الا نظيف (طس) عن عائشة * تنظفوا بكل ما استطعتم فان الله تعالى بنى الاسلام على النظافة

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مروان بن معاوية الفزاري ثنا عبد الواحد بن أيمن المكي عن عبيد الله ابن عبد الله الزرقي عن أبيه قال وقال الفزاري مرة عن ابن رفاعة الزرقي عن أبيه قال قال أبي وقال غير الفزاري عبيد بن رفاعة الزرقي قال لما كان يوم أحد وانكفأ المشركون قال رسول الله صلى الله عليه وسلم استووا حتى أثني على ربي فصار واخلفه صفوفا فقال اللهم لك الحمد كله اللهم لا قابض لما بسطت ولا باسط لما قبضت ولا هادي لما أضللت ولا مضل لمن هديت ولا معطي لما منعت ولا مانع لما أعطيت ولا مقرب لما باعدت ولا مباعد لما قربت اللهم ابسط علينا من بركاتك ورحمتك وفضلك ورزقك اللهم اني أسألك النعيم المقيم الذي لا يحول ولا يزول اللهم اني أسألك النعيم يوم العيلة والامن يوم الخوف اللهم اني عائذ بك من شر ما أعطيتنا وشر ما منعت اللهم حبب الينا الايمان وزينه في قلوبنا وكره الينا الكفر والفسوق والعصيان واجعلنا من الراشدين اللهم توفنا مسلمين وأحينا مسلمين وألحقنا بالصالحين غير خزايا ولا مفتونين اللهم قاتل الكفرة الذين يكذبون رسلك ويصدون عن سبيلك واجعل عليهم رجزك وعذابك اللهم قاتل الكفرة الذين أوتوا الكتاب اله الحق

* (حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا ابن لهيعة ثنا الحرث بن يزيد عن أبي مصعب قال قدم رجل من أهل المدينة شيخ فرأيته موثرا في جهازه فسألهم فاخبروهم انه يريد المغرب وقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول سيخرج لماس الى المغرب يأتون يوم القيامة وجوههم على ضوء الشمس

* (حديث وديعة الاشدالسلمي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس قال ثنا بقية قال حدثني عثمان بن زفر الجهني قال حدثني أبو الاشد السلمي عن أبيه عن جده قال كنت سابع سبعة مع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فامرنا نجمع لكل رجل منا درهما فاشتريا أصحية بسبع الدراهم فقلنا يا رسول الله لقد غلبنا بها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أفضل الضحايا أغلاها وأسمنها وأمر رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخذ رجل برجل ورجل برجل ورجل بيد ورجل بيد ورجل بقرن ذي رجل بقرن وذبحها السابع وكبرنا عليها جميعا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا بقية ثنا بحير بن سعد عن خالد بن معدان عن بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم رأى رجلا يصلي وفي ظهر قدمه لمعة قدر الدرهم لم يصبها الماء فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يعيد الوضوء

* (حديث عبيد بن خالد السلمي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة قال وحدثني منصور عن تميم بن سلمة عن عبيد بن خالد وكان من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال موت الفجأة أخذة أسف وحدث به مرة عن النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن منصور عن تميم بن سلمة عن عبيد بن خالد رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم انه قال في موت الفجأة أخذة أسف

* (حديث أبي الجعد الضمري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن محمد بن عمرو قال حدثني عبيدة بن سفيان الحضرمي عن أبي الجعد الضمري وكانت له صحبة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ترك ثلاث جمع تهاونا من غير عذر

ولن يدخل الجنة الا كل نظيف أبو الصعاليك الطبراني في الاوسط عن أبي هريرة * طهروا هذه الاجساد طهركم الله تعالى فانه ليس عبد يبيت طاهرا الا بات معه ملك في شعاره لا ينقلب ساعة من الليل الا قال اللهم اغفر لعبدك فانه بات طاهرا (طب) عن ابن عمر * غسل الاناء وطهارة الفناء يورثان الغنى (خط) عن أنس * ان من الفطرة المضمضة والاستنشاق والسواك وقص الشوارب وتقليم الاظفار ونتف الابط والاستحداد وغسل البراجم والانتضاح بالماء والاختتان (حم ش د م) عن عمار بن ياسر (٤٢٥) يا عائشة اغسلي هذين الثوبين أما علمت أن الثوب يسبح فاذا اتسخ انقطع تسبيحه الخطيب وقال ابن عساكر عن عائشة * أوّل ما يحاسب به العبد طهوره فاذا أحسن طهوره فصلاته كنحو طهوره وان حسنت صلاته فسائر عمله كنحو صلاته (د) عن أبي العالية مرسلا * (الباب الثاني في الوضوء وفيه أربعة فصول * الفصل الاوّل في فضل الوضوء ووجوبه وفيه فرعان * الفرع الاوّل في فضائل الوضوء) * كفارة الخطايا اسباغ الوضوء على المكاره واعمال الاقدام الى المساجد وانتظار الصلاة بعد الصلاة (ه) عن أبي هريرة * اذا توضأ العبد تحات عنه ذنوبه كما تحات ورق هذه الشجرة (هب) عن سلمان * اذا توضأ الرجل المسلم خرجت خطاياه من سمعه وبصره ويديه ورجليه فان قعد قعد مغفورا له (حم طب) عن أبي امامة * ما منكم رجل يقرب وضوءه فيمضمض ويستنشق فينتثر الا خرت خطايا وجهه وفيه وخياشيمه ثم اذا غسل وجهه كما أمره الله تعالى الا خرت خطايا يديه من أطراف أنامله مع الماء ثم يمسح رأسه كما أمره الله تعالى الا خرت خطايا رأسه من أطراف شعره مع الماء ثم يغسل قدميه الى الكعبين كما أمره الله الا خرت خطايا رجليه من أطراف أنامله مع الماء فان هو قام فصلى فحمد الله وأثنى عليه ومجده بالذي هو أهله وفرغ قلبه لله تعالى الا انصرف من خطيئته كهيئته يوم ولدته أمه (حم م) عن عمرو بن عنبسة * من توضأ هكذا غفر له ما تقدم من ذنبه وكانت صلاته

---

عذر طبع الله تبارك وتعالى على قلبه * (حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد أنا محمد بن معارف عن زيد بن أسلم عن عبد الرحمن بن البيلماني قال اجتمع أربعة من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أحدهم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يقبل توبة العبد قبل أن يموت بيوم فقال الثاني أنت سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم قال وأنا سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يقبل توبة العبد قبل أن يموت بنصف يوم فقال الثالث أنت سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم قال وأنا سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله تبارك وتعالى يقبل توبة العبد قبل أن يموت بجمعة قال الرابع أنت سمعت هذا من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال نعم وأنا سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله يقبل توبة العبد ما لم يكرغر بنفسه *

* (حديث السائب بن عبد الله رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا اسرائيل عن ابراهيم يعني ابن مهاجر عن مجاهد عن السائب بن عبد الله قال جيء بي الى النبي صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة فجاء بي عثمان بن عفان وزهير فجعلوا يثنون عليه فقال انهم رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تعلموني به فقد كان صاحبي في الجاهلية قال قال نعم يا رسول الله فنعم الصاحب كنت قال فقال يا سائب انظر أخلاقك التي كنت تصنعها في الجاهلية فاجعلها في الاسلام أقر الضيف وأكرم اليتيم وأحسن الى جارك * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا سليمان ثنا ابراهيم يعني ابن مهاجر عن مجاهد عن قائد السائب عن السائب عن النبي صلى الله عليه وسلم قال صلاة القاعد على النصف من صلاة القائم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن سفيان عن ابراهيم يعني ابن مهاجر عن مجاهد عن قائد السائب عن السائب أنه قال للنبي صلى الله عليه وسلم كنت شريكي فكنت خير شريك كنت لا تداري ولا تماري * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا سيف قال سمعت مجاهدا يقول كان السائب بن أبي السائب العابدي شريك رسول الله صلى الله عليه وسلم في الجاهلية قال فجاء النبي صلى الله عليه وسلم يوم فتح مكة فقال بأبي وأمي لا تداري ولا تماري * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا ثابت يعني أبا يزيد ثنا هلال يعني ابن خباب عن مجاهد عن مولاه أنه حدثه أنه كان فيمن يبني الكعبة في الجاهلية قال ولي حجر أتاه تحته بيدي أعبده من دون الله تبارك وتعالى فاجيء باللبن الحائر الذي أنفسه على نفسي فاصيبه عليه فيجيء الكلب فيلحسه ثم يشغر فيبول فينبعنا حتى بلغنا موضع الحجر ومايرى الحجر أحد فاذا هو وسط حجارة تنثال مثل رأس الرجل يكاد يتراءى منه وجه الرجل فقال بطن من قريش نحن نضعه وقال آخرون نحن نضعه فقالوا اجعلوا بينكم حكما قالوا أول رجل يطلع من الفج فجاء النبي صلى الله عليه وسلم فقالوا أتاكم الامين فقالوا له فوضعه في ثوب ثم دعا بطونهم فاخذوا بنواحيه معه فوضعه هو صلى الله عليه وسلم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا عبد الله يعني عثمان بن خثيم عن مجاهد عن السائب بن أبي السائب أنه كان يشاور رسول الله صلى الله عليه وسلم قبل الاسلام في التجارة فلما كان يوم الفتح جاء فقال النبي صلى الله عليه وسلم مرحبا بأخي وشريكي كان لا يداري ولا يماري يا سائب قد كنت تعمل أعمالا في الجاهلية لا تقبل منك وهي اليوم تقبل منك وكان ذا سلف وصلة *

ومشيه الى المسجد نافلة (م) عن عثمان *من توضأ كما أمر وصلى كما أمر غفر له ما تقدم من عمل (حم ن ه حب) عن أبي أيوب وعتبة بن عامر *من توضأ على طهر كتب له عشر حسنات (د ت ه) عن ابن عمر *ألا أدلكم على ما يمحو الله تعالى به الخطايا ويرفع به الدرجات اسباغ الوضوء على المكاره وكثرة الخطا الى المساجد وانتظار الصلاة بعد الصلاة فذلكم الرباط فذلكم الرباط فذلكم الرباط (حم ت م ن) عن أبي هريرة *الوضوء شعار الايمان والسواك (٤٢٦) شطر الوضوء (ش) عن حسان بن عطية مرسلا *(الا كلهم) * ان العبد اذا غسل يديه

خرجت خطاياه واذا غسل وجهه وتمضمض وتشوص واستنشق وسمع رأسه خرجت خطاياه سمعه وبصره ولسانه واذا غسل ذراعيه وقدميه كان كيوم ولدته أمه (طس) عن أبي امامة *مثل المرء مثل نهر يغتسل منه خمس مرات فما عسى أن يبقين تعليقه من درنه يقوم الى الوضوء فيغسل يديه فيتناثر كل خطيئة فعلها بيديه ويتمضمض فيتناثر كل خطيئة تكلم بها لسانه ثم يغسل وجهه فيتناثر كل خطيئة نظرت بها عيناه ثم يمسح رأسه فيتناثر كل خطيئة سمعت بها أذناه ثم يغسل قدميه فيتناثر كل خطيئة مشت بها قدماه (ع) عن أنس *ما توضأ رجل فأحسن وضوأه الا غفر له ما بينه وبين الصلاة الاخرى حتى يصليها (عبد الرزاق) عن عثمان *جئت تسألني عن الصلاة فانك اذا غسلته وجهك انتثرت الذنوب من أشفار عينيك واذا غسلت يديك انتثرت الذنوب من أطفار يديك واذا مسحت برأسك انتثرت الذنوب عن رأسك واذا غسلت رجليك انتثرت الذنوب من أطفار رجليك (حل) عن أنس *ما من عبد يتطهر الا كانت خطاياه أسرع فامر

*(حديث السائب بن خباب رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق أنا ابن لهيعة عن محمد بن عبد الله بن مالك أن محمد بن عمرو ابن عطاء حدثه قال رأيت السائب يشم ثوبه فقلت له مم ذاك فقال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا وضوء الا من ريح أو سماع

*(حديث عمرو بن الاحوص رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا أبو الاحوص عن شبيب بن غرقدة البارقي عن سليمان بن عمرو بن الاحوص عن أبيه قال شهدت رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب الناس في حجة الوداع فقال أي يوم يومكم فذكر خطبته يوم النحر

*(حديث رافع بن عمرو المزني رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا المسعودي قال حدثني عمرو بن سليم المزني قال سمعت رافع ابن عمرو المزني قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم وأتاه وصيف يقول الجمرة والشجرة من الجنة

*(حديث معيقيب عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا هشام قال حدثني يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة قال حدثني معيقيب قال قيل للنبي صلى الله عليه وسلم المسح في المسجد يعني الجمعي قال فقال ان كنت لا بد فاعلا فواحدة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا خلف بن الوليد ثنا أيوب بن عتبة عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة عن معيقيب قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ويل للاعقاب من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يحيى بن أبي بكير قال ثنا شيبان عن يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة قال حدثني معيقيب أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال في الرجل يسوي التراب حيث يسجد ان كنت فاعلا فواحدة

*(حديث محرش الكعبي الخزاعي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن اسمعيل بن أمية عن مرداس أبي مزاحم عن أبي مزاحم عن عبد العزيز بن عبد الله بن خالد بن أسيد عن رجل من خزاعة يقال له محرش أو مخرش لم يثبت سفيان اسمه أن النبي صلى الله عليه وسلم خرج من الجعرانة ليلا ثانيا عمرته ثم رجع فاصبح كباث بها فنظرت الى ظهره كأنه سبيكة فضة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن ابن جريج حدثني مزاحم بن أبي مزاحم عن عبد العزيز بن عبد الله عن محرش الكعبي أن النبي صلى الله عليه وسلم خرج من الجعرانة معتمرا فدخل مكة ليلا ثم خرج من تحت ليلته فاصبح بالجعرانة كباث فلما رأى الشمس أخذ في بطن سرف حتى جامع الطريق طريق المدينة قال فلذلك خفيت عمرته **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج قال أخبرني مزاحم بن أبي مزاحم عن عبد العزيز بن عبد الله عن محرش الكعبي أن النبي صلى الله عليه وسلم خرج فذكره

*(حديث أبي حازم عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال ثنا اسمعيل قال ثنا قيس عن أبيه قال جاء ورسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب فقام في الشمس فامر به فحول الى الظل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا هريم عن اسمعيل عن قيس بن أبي حازم عن أبيه انه كان في الشمس فامره النبي صلى الله عليه وسلم ان يتحول الى الظل أو يجعل في الظل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن اسمعيل عن قيس بن أبي حازم ان أباه جاء الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب فقعد في الشمس قال فاومأ اليه أو قال

الحذار اعنه من ظهوره الدبيلي عن عثمان * لا يسبغ عبد الوضوء الا غفر له ما تقدم من ذنبه وما تأخر (ز) وأبو بكر المروزي في تاليفه الاحاديث المنتقاة غفران ما تقدم وما تأخر وقال رجال اسناده ثقات عن عثمان *غر محجلون يلقى من آثار الطهور (ه) عن ابن مسعود قال قيل يا رسول الله كيف تعرف من لم تر من أمتك قال فذكره (طب) والحاكم في الكنى عن أبي أمامة بدون قوله يلقى *غر محجلون من الوضوء

(طس) عن أبي سعيد * ما من أمتي أحد الا وأنا أعرفه يوم القيامة قالوا كيف تعرفهم يا رسول الله في كثرة الخلائق قال أرأيت لو دخلت صبرة فيها خيل دهم بهم وفيها فرس أغر محجل أما كنت تعرفه منها قالوا بلى قال فان أمتي يومئذ غر من السجود محجلون من الوضوء (حم طب هب ض) عن عبد الله بن بسر * يا بني ان استطعت أن تكون أبدا على وضوء فافعل فان ملك الموت اذا قبض روح العبد وهو على وضوء كتب له شهادة (هب) عن أنس * (الافعال) * عن حمران ان عثمان بن عفان توضأ (٤٢٠٧) ثلاثا ثم قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ نحو وضوئي هذا ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من توضأ نحو وضوئي هذا ثم ركع ركعتين لا يحدث فيهما نفسه الا بخير غفر له ما تقدم من ذنبه (طس) * عن حمران قال كان عثمان يغتسل كل يوم مرة منذ أسلم فوضع وضوأله ذات يوم للصلاة فلما توضأ قال اني أردت أن أحدثكم حديثا بينما عته من رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم بدا لي أن لا أحدثكموه فقال الحكم بن العاص يا أمير المؤمنين ان كان خيرا فنحن به أو شرا فنتقيه فقال اني محدثكم به توضأ رسول الله صلى الله عليه وسلم هذا الوضوء ثم قال من توضأ هذا الوضوء فأحسن الوضوء ثم قام الى الصلاة فاتم ركوعها وسجودها كفرت عنه ما بينها وبين الصلاة الاخرى ما لم يعب معتمدا يعني كبيرة (حم هب) * عن حمران قال كنت عند عثمان بن عفان اذ دعا بوضوء فتوضأ فلما فرغ قال توضأ رسول الله صلى الله عليه وسلم كما توضأت ثم تبسم فقال هل تدرون فيم ضحكت قالوا الله ورسوله أعلم قال ان العبد المسلم اذا توضأ فاتم وضوءه ثم دخل في صلاته خرج من صلاته كما خرج من بطن أمه (ص) * عن أبي امامة قال بينما أنا قاعد مع النبي صلى الله عليه وسلم اذ جاءه رجل فقال يا رسول الله اني قد أصبت حدا فاقمه علي فسكت النبي صلى الله عليه وسلم ثم أعاد فاقيمت الصلاة فلم يرد عليه شيأ حتى اذا صلى النبي صلى الله عليه وسلم انصرف فقال أرأيت حين خرجت من بيتك أليس توضأت فاحسنت الوضوء قال بلى يا رسول الله قال فان الله قد غفر لك حدك أو قال ذنبك (كر) * عن ابن مسعود قال قلت يا رسول الله كيف تعرف من

---

فامره ان يحول الى الظل * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي خالد عن قيس بن أبي حازم عن أبيه قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم رجلا وهو يخطب فامره ان يحول الى الظل . . . . . *(بقية حديث محرش الكعبي رضي الله تعالى عنه)* . . . . . حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج قال أخبرني مزاحم بن أبي مزاحم عن عبد العزيز بن عبد الله عن محرش الكعبي أن النبي صلى الله عليه وسلم خرج ليلا من الجعرانة حين أمسى معتمرا فدخل مكة ليلا فقضى عمرته ثم خرج من ليلته فاصبح بالجعرانة كبائت حتى اذا ارتفع الشمس خرج من الجعرانة في بطن سرف حتى جامع الطريق طريق المدينة بسرف قال محرش فلذلك خفيت عمرته على كثير من الناس * (حديث أبي اليسر الانصاري كعب بن عمرو رضي الله تعالى عنه) * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا عبد الرحمن بن اسحق عن عبد الرحمن بن معاوية عن حنظلة بن قيس الزرقي عن أبي اليسر صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحب ان يظله الله عز وجل في ظله فلينظر معسرا أو ليضع عنه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن علي الجعفي عن زائدة ومعاوية بن عمرو قال ثنا زائدة عن عبد الملك بن عمير عن ربعي قال حدثني أبو اليسر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من أنظر معسرا أو وضع عنه أظله الله تبارك وتعالى في ظله قال معاوية يوم لا ظل الا ظله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف وسريج ومعاوية بن عمرو قالوا ثنا عبد الله بن وهب عن عمرو بن الحرث عن سعيد بن أبي هلال عن عمر بن الحكم الانصاري عن أبي اليسر صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال منكم من يصلي الصلاة كاملة ومنكم من يصلي النصف وثلث والربع حتى بلغ العشر قلل يسرح في حديثه حتى بلغ العشر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مكي بن ابراهيم قال ثنا عبد الله بن سعيد يعني ابن أبي هند عن صيفي مولى أفلح مولى أبي أيوب الانصاري عن أبي اليسر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يدعو بهؤلاء الكلمات السبع يقول اللهم اني أعوذ بك من الهرم وأعوذ بك من التردي وأعوذ بك من الغم والغرق والحرق والهرم وأعوذ بك ان يتخبطني الشيطان عند الموت وأعوذ بك من ان أموت في سبيلك مدبرا وأعوذ بك ان أموت لديغا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر قال ثنا أبو ضمرة قال حدثني عبد الله بن سعيد عن جده أبي هند عن صيفي عن أبي اليسر العلمي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يدعو فيقول اللهم اني أعوذ بك من الهدم والتردي والهرم والغرق والحريق وأعوذ بك ان يتخبطني الشيطان عند الموت وان أقتل في سبيلك مدبرا وان أموت لديغا حدثنا عبد الله حدثني أبي قال قرئ على يعقوب في مغازي أبيه عن ابن اسحق قال ابن اسحق وحدثني بريدة بن سفيان الاسلمي عن بعض رجال بني سلمة عن أبي اليسر كعب بن عمرو قال قال والله انا لمع رسول الله صلى الله عليه وسلم بخيبر عشية اذ أقبلت غنم لرجل من يهود نريد حصنهم ونحن محاصروهم اذ قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رجل يطعمنا من هذه الغنم قال أبو اليسر فقلت أنا يا رسول الله قال فافعل قال فخرجت أشتد مثل الظليم فلما انفار الي رسول الله صلى الله عليه وسلم مولية قال اللهم امتعنا به قال فادركت الغنم وقد دخلت أوائلها الحصن فاخذت شاتين من آخرها فاحتضنتهما تحت يدي ثم أقبلت بهما اشتد كانه ليس معي شئ حتى ألقيتهما عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فذبحوهما فأكلوهما فكان

لم نرمن أمتك قال هم غر محجلون باق من آثار الوضوء (ش) *(الفرع الثاني في وجوب الوضوء وفرائضه) *انما أمرت بالوضوء اذا قمت الى الصلاة (م) عن ابن عباس *لا يقبل الله صلاة بغير طهور ولا صدقة من غلول (م ه) عن ابن عمر (ه) عن أنس وعن أبي بكرة (د ن ه) عن والد أبي المليح *مفتاح الصلاة الطهور وتحريمها التكبير وتحليلها التسليم وفي كل ركعتين تسليمة ولا صلاة لمن لم يقرأ في كل ركعة بالحمد وسورة في فريضة أو غيرها (ت) عن أبي سعيد *لا يقبل الله  أحدكم اذا أحدث حتى يتوضأ (قد ت) عن أبي هريرة *(الافعال) * عن ابن عباس قال الوضوء غسلتان ومسحتان (عب) * عن ابن عباس قال افترض الله غسلتين ومسحتين الا ترى أنه ذكر التيمم فجعل مكان الغسلتين مسحتين وترك المسحتين (عب) *عن قتادة أن ابن مسعود قال رجع الى غسل القدمين في قوله وأرجلكم الى الكعبين (عب طب) * عن ابن عباس قال ان نسي المسح بالرأس أعاد الصلاة (عب) *عن الشعبي قال أما جبريل فقد نزل بالمسح على القدمين (عب ش) وعبد بن حميد وابن جرير *عن الشعبي قال نزل القرآن بالمسح وجرت السنة بالغسل عبد بن حميد *عن النزال بن سبرة انه رأى عليا بال وهو قائم ثم دعا بماء فتوضأ ثم مسح على نعليه وقدميه ثم دخل المسجد فخلع نعليه ثم صلى (ص) *عن أوس بن أبي أوس قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ ومسح على نعليه ثم قام الى الصلاة (طحم) والبغدادي (حب) وابن نعيم (ض) ثنا هشيم أنا يعلى بن عطاء عن أبيه قال أخبرني أوس بن أبي أوس الثقفي انه رأى النبي صلى الله عليه وسلم أتى كظامة قوم بالطائف فتوضأ ومسح على قدميه قال هشيم كان هذا في أول الاسلام *عن الربيع بنت معوذ كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتينا فكنا نأتيه فنتوضأ ومسح رأسه بدأ بؤخره ثم رد يديه على ناصيته (ش) أيضا أنا النبي صلى الله عليه وسلم فتوضأ ومسح رأسه بما بقي من وضوئه (ش) *عن القاسم بن معاوية الثقفي عن معاوية أنه أراهم وضوء رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما بلغ مسح رأسه وضع كفيه على مقدم رأسه ثم مرهما

---

أبو اليسر من آخر أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم هلاكا فكان اذا حدث بهذا الحديث بكى ثم يقول امتعوا بي لعمري كنت آخرهم

*(حديث أبي فاطمة عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا موسى بن داود ثنا ابن لهيعة عن يزيد بن عمرو عن أبي عبد الرحمن الحبلي عن أبي فاطمة الازدي أو الاسدي قال قال لي النبي صلى الله عليه وسلم يا أبا فاطمة ان أردت ان تلقاني فاكثر السجود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا ابن لهيعة ثنا الحرث بن يزيد عن كثير الاعرج الصدفي قال سمعت أبا فاطمة وهو معنا بذي الفواري يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أبا فاطمة اكثر من السجود فانه ليس من مسلم يسجد لله تبارك وتعالى سجدة الا رفعه الله تبارك وتعالى بها درجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أخبرني ابن لهيعة عن الحرث بن يزيد عن كثير الاعرج عن أبي فاطمة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا أبا فاطمة أكثر من السجود فانه ليس من رجل يسجد لله تبارك وتعالى سجدة الا رفعه الله تبارك وتعالى بها درجة

*(زيادة في حديث عبد الرحمن بن شبل رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم عن هشام يعني الدستوائي قال حدثني يحيى بن أبي غير عن أبي أحمد الحبراني قال قال عبد الرحمن بن شبل سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اقرؤا القرآن ولا تغلوا فيه ولا تجفوا عنه ولا تأكلوا به ولا تستكثروا به وقال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان التجار هم الفجار قال قيل يا رسول الله أو ليس قد أحل الله البيع قال بلى ولكنهم يحدثون فيكذبون ويحلفون ويأثمون قال وقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الفساق هم أهل النار قيل يا رسول الله ومن الفساق قال النساء قال رجل يا رسول الله أو ليس أمهاتنا وأخواتنا وأزواجنا قال بلى ولكنهن اذا أعطين لم يشكرن واذا ابتلين لم يصبرن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عبد الحميد قال حدثني أبي عن تميم بن محمود عن عبد الرحمن بن شبل قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهى عن ثلاث عن نقرة الغراب وعن افتراش السبع وأن يوطن الرجل المقام كما يوطن البعير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الحجاج ثنا الليث يعني ابن سعد قال حدثني يزيد بن أبي حبيب أن جعفر بن عبد الله بن الحكم حدثه عن تميم بن محمود الليثي عن عبد الرحمن بن شبل الانصاري أنه قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى في الصلاة عن ثلاث نقر الغراب وافتراش السبع وأن يوطن الرجل المقام الواحد كايطان البعير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم قال ثنا ليث عن يزيد بن أبي حبيب عن جعفر بن الحكم عن تميم بن محمود عن عبد الرحمن بن شبل صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه قال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ثلاثة فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن الدستوائي عن يحيى بن أبي كثير عن أبي راشد عن عبد الرحمن بن شبل قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اقرؤا القرآن ولا تأكلوا به ولا تستكثروا به ولا تجفوا عنه ولا تغلوا فيه

*(حديث نجاتر بن شهر رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا أبو سعيد يعني المؤذن محمد بن مسلم عن أبي الوضاح ثنا اسمعيل ابن أبي خالد والمجالد بن سعيد عن عامر الشعبي عن نجاتر بن شهر قال سمعت كلمتين من النبي صلى الله عليه وسلم

حتى بلغ القعاثم ردهما حتى بلغا المكان الذى منه بدأ (كر) *عن عثمان بن أبى سعيد أنه ذاكر لعمر بن عبد العزيز التسبيح على القدمين فقال لقد بلغنى عن ثلاثة من أصحاب محمد صلى الله عليه وسلم أدناهم إلى عمل المغيرة بن شعبة ان النبى صلى الله عليه وسلم غسل قدميه (عب) * عن عباد بن تميم بن زيد المازنى عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ ومسح بالماء على رجليه (ش حم خ) فى تاريخه والعدنى والبغوى والباوردى (طب) وأبو نعيم قال فى الاصابة رجاله ثقات *عن ابراهيم (٤٢٩) قال قالت للاسود أكان عمر يغسل قدميه قال نعم كان يغسلهما غسلا للطحاوى *عن عمر قال رأيت رجلا توضأ للصلاة فترك موضع ظفر على ظهر قدمه فأبصره النبى صلى الله عليه وسلم فقال ارجع فاحسن وضوأك فرجع فتوضأ ثم صلى (حم م د) *عن جابر قال رأى عمر بن الخطاب فى قدم رجل مثل موضع الفلس لم يصبه الماء فأمره أن يعيد الوضوء ويعيد الصلاة (ص) *عن أبى رافع قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ ثلاثا ثلاثا ورأيته يتوضأ مرة مرة (ص) *عن أبى هريرة أن النبى صلى الله عليه وسلم توضأ غرفة غرفة وقال لا يقبل الله صلاة لابه (كر)

*(الفصل الثانى فى سنن الوضوء) *غسل اليدين بعد الاستيقاظ من النوم) *اذا استيقظ أحدكم من نومه فلا يدخل يده فى الاناء حتى يغسلها ثلاثا فان أحدكم لا يدرى أين باتت يده مالك والشافعى (حم ق ٤) عن أبى هريرة * اذا استيقظ أحدكم من منامه فلا يدخل يده فى الاناء حتى يغسلها فانه لا يدرى أين باتت يده منه ويسمى قبل أن يدخلها (طس) عن أبى هريرة *(الاكمال) *اذا استيقظ أحدكم من منامه فلا يغمس يده فى الاناء حتى يغسلها ثم يتوضأ فان غمس يده فى الاناء قبل أن يغسلها فليرق ذلك الماء (عد) عن أبى هريرة قال (عد) قوله فليرق ذلك الماء منكر لا يحفظ فى السند ضعيفان وانقطاع * اذا كان أحدكم نائما ثم استيقظ فاراد الوضوء فلا يضع يده فى الاناء حتى يصب على يديه فانه لا يدرى أين باتت يده (عب) عن أبى هريرة *(التسمية والاذكار) * من ذكر الله تعالى عند الوضوء طهر جسده كله

---

كلمة ومن النجاشى أخرنى سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أنظروا قريشا فخذوا من قولهم وذروا فعلهم وكنت عند النجاشى جالسا فجاء بنفر من الكتاب فقرأ آية من الانجيل فهرفتها أو فهمتها فضحكت فقال لم تضحكك أمن كتاب الله تعالى فوالله ان مما أنزل الله تعالى على عيسى بن مريم أن العنة تكون فى الارض اذا كان أمراؤها الصبيان *(حديث معاوية الليثى رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن بحر ثنا عمران يعنى القطان عن قتادة عن نصر بن عاصم الليثى عن معاوية الليثى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يكون الناس بعدى فيما نزل الله تبارك وتعالى عليهم رزقا من وزقه فيصبحون ممرعين فقيل له وكيف ذاك يا رسول الله قال يقولون مطرنا بنوء كذا وكذا *(حديث معاوية بن جاهمة السلمى رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا روح قال أنا ابن جريج قال أخبرنى محمد بن طلحة بن عبد الله بن عبد الرحمن عن أبيه طلحة بن عبد الله عن معاوية بن جاهمة أتى جاهمة الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله أردت الغزو وجئتك استشيرك فقال هل لك من أم قال نعم قال الزمها فان الجنة عند رجلها ثم الثانية ثم الثالثة فى مقاعدى تلك هذا القول *(حديث أبى عزة رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل قال أنا أيوب عن أبى المليح بن اسامة عن أبى عزة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الله تبارك وتعالى اذا أراد قبض روح عبد بأرض جعل له فيها أو قال بها حاجة *(حديث الحرث بن زياد رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس بن محمد ثنا عبد الرحمن بن الغسيل قال أنا حمزة بن أبى أسيد وكان أبوه بدريا عن الحرث بن زياد الساعدى الانصارى أنه أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم الخندق وهو يبايع الناس على الهجرة فقال يا رسول الله بايع هذا قال ومن هذا قال ابن عمى خوط بن يزيد أو يزيد بن خوط قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا بايعن أن الناس يهاجرون اليكم ولا تهاجرون اليهم والذى نفس محمد صلى الله عليه وسلم بيده لا يحب رجل الانصار حتى يلقى الله تبارك وتعالى الا لقى الله تبارك وتعالى وهو يحبه ولا يبغض رجل الانصار حتى يلقى الله تبارك وتعالى الا لقى الله تبارك وتعالى وهو يبغضه *(حديث شكل بن حميد وأبو شتير رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع قال حدثنى سعد بن أوس عن بلال بن يحيى شيخ لهم عن شتير بن شكل عن أبيه قال قلت يا رسول الله علمنى دعاء أنتفع به قال قل اللهم انى أعوذ بك من شر سمعى وبصرى وقلبى ومنيى **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أحمر ثنا سعد بن أوس عن بلال العبسى عن شتير بن شكل عن أبيه شكل بن حميد قال أتيت النبى صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث

*(حديث طخفة بن قيس الغفارى رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن ابراهيم عن هشام الدستوائى عن يحيى بن أبى كثير عن أبى سلمة ابن عبد الرحمن عن يعيش بن طخفة بن قيس الغفارى قال كان أبى من أصحاب الصفة فأمر رسول الله صلى الله عليه وسلم بهم فجعل الرجل ينقلب بالرجل والرجل بالرجلين حتى بقيت خامسى خمسة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انطلقوا فانطلقنا معه الى بيت عائشة فقال يا عائشة اطعمينا فجاءت بحيسة فأكلنا ثم جاءت بحيسة

فان لم يذكر اسم الله تعالى لم يطهر منه الا ما أصاب الماء (عب) عن الحسن الكوفي مرسلا * لا صلاة لمن لا وضوء له ولا وضوء لمن لم يذكر اسم الله عليه ولا صلاة لمن لم يصل علي ولا صلاة لمن لم يحب الانصار (ه ك) عن سهل بن سعد * من توضأ فأحسن الوضوء ثم رفع بصره الى السماء فقال أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله فتحت له ثمانية أبواب الجنة يدخل من أيها شاء (ن ه ك) عن عمر * من توضأ فأحسن الوضوء ثم قال ثلاث مرات



أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله فتح له أبواب الجنة ثمانية أبواب من أيها شاء دخل (حم م) عن أنس * من توضأ فأحسن الوضوء ثم قال أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله اللهم اجعلني من التوابين واجعلني من المتطهرين فتحت له ثمانية أبواب الجنة يدخل من أيها شاء (ت) عن ابن عمر * من توضأ فقال بعد فراغه من وضوئه سبحانك اللهم وبحمدك أشهد أن لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك كتب في رق ثم جعل في طابع فلم يكسر الى يوم القيامة (ن كر) عن أبي سعيد * اذا فرغ أحدكم من طهوره فليقل أشهد أن لا اله الا الله وأن محمدا عبده ورسوله ثم ليصل علي فاذا قال ذلك فتحت له أبواب الرحمة أو الشيخ في الثواب عن ابن مسعود * (الاكمال) * ما من عبد يقول حين يتوضأ بسم الله ثم يقول لكل عضو أشهد أن لا اله الا الله وحده لا شريك له وأشهد أن محمدا عبده ورسوله ثم يقول حين يفرغ اللهم اجعلني من التوابين واجعلني من المتطهرين الا فتحت له ثمانية أبواب الجنة يدخل من أيها شاء فان قام من فوره ذلك فصلى ركعتين يقرأ فيهما ويعلم ما يقول انقتل من صلاته كيوم ولدته أمه ثم يقال له استأنف العمل المستغفر من الذنوب الدعوات وقال حسن غريب عن البراء * من قرأ في أثر وضوئه انا أنزلناه في ليلة القدر مرة واحدة كان من الصديقين ومن قرأها مرتين كان في ديوان الشهداء ومن قرأها ثلاثا بعثه الله محشر الانبياء الديلمي عن أنس * من توضأ ثم قال أشهد أن لا اله الا الله وأن محمدا عبده ورسوله قبل أن يتكلم غفر له ما بين

مثل القطاة فأكلنا ثم قال يا عائشة اسقينا فجاءت بعس فشربنا ثم جاءت بقدح صغير فشربنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان شئتم بتم بوان شئتم انطلقتم الى المسجد فقلت لا بل ننطلق الى المسجد قال فبينا أنا نائم انسحر مضطجع على بطني اذا رجل يحركني برجله فقال ان هذه ضجعة يبغضها الله تبارك وتعالى فنظرت فاذا هو رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا أبو معاوية يعني شيبان ثنا يحيى يعني ابن أبي كثير عن أبي سلمة قال أخبرني يعيش بن الحنفية بن قيس عن أبيه وكان أبوه من أهل الصفة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا فلان ألا تطلق بنا الى أهلك فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا زهير يعني ابن محمد عن محمد بن عمرو بن حلحلة عن نعيم بن عبد الله عن أبي طيفة الغفاري قال أخبرني أبي انه قال ضاف رسول الله صلى الله عليه وسلم مع نفر قال فبتنا عنده فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم من الليل يطلع فرآه منبطحا على وجهه فركضه برجله فأيقظه فقال هذه ضجعة أهل النار

*(زيادة في حديث أبي اباية بن عبد المنذر البدري رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن محمد يعني ابن قيس ثنا عبد الله يعني ابن عمر قال أخبرني نافع انه سمع أبا اباية يخبر ابن عمر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن قتل الحيات **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا سفين يعني ابن حازم قال سمعت أبا نافع قال كان ابن عمر يأمر بقتل الحيات كلهن لا يدع منهن شيأ حتى حدثه أبو اباية البدري ابن عبد المنذر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن قتل جنان البيوت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر عبد الملك بن عمرو قال ثنا زهير يعني ابن محمد عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن عبد الرحمن بن يزيد الأنصاري عن أبي اباية البدري ابن عبد المنذر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال سيد الايام يوم الجمعة واعظمها عند الله وأعظم عند الله من يوم الفطر ويوم الاضحى وفيه خمس خلال خلق الله فيه آدم وأهبط الله فيه آدم الى الأرض وفيه توفى الله آدم وفيه ساعة لا يسأل العبد فيها شيأ الا آتاه الله تبارك وتعالى اياه ما لم يسأل حراما وفيه تقوم الساعة ما من ملك مقرب ولا سماء ولا أرض ولا رياح ولا جبال ولا بحر الا هن يشفقن من يوم الجمعة

*(حديث عمرو بن الجموح رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الهيثم بن خارجة قال عبد الرحمن وسمعته أنا من الهيثم ثنا رشدين بن سعد عن عبد الله بن الوليد عن أبي منصور مولى الانصار عن عمرو بن الجموح انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول لا يحق العبد حق صريح الايمان حتى يحب لله تعالى ويبغض لله فاذا أحب لله تبارك وتعالى وابغض لله تبارك وتعالى فقد استحق الولاء من الله وان أوليائي من عبادي وأحبائي من خلقي الذين يذكرون بذكري واذكر بذكرهم

*(حديث عبد الرحمن بن صفوان عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيدة بن حميد قال حدثني يزيد بن أبي زياد عن مجاهد عن عبد الرحمن بن صفوان قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم بين الحجر والباب واضعا وجهه على البيت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا جرير عن يزيد بن أبي زياد عن مجاهد قال كان رجل من المهاجرين يقال له عبد الرحمن بن صفوان وكان له بلاء في الاسلام وحسن وكان صديقا للعباس فلما كان يوم فتح مكة جاء بابنه الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله بايعه على الهجرة فأبى وقال انها لا هجرة فانطلق الى العباس وهو في السقاية فقال

الوضوء ين (قط) عن ابن عمر * من قال حين يفرغ من وضوئه أشهد أن لا اله الا الله ثلاث مرات لم يقم حتى تمحى عنه ذنوبه حتى يصير كما ولدته أمه ابن السني عن عثمان * من قال بسم الله حين يتوضأ فاذا فرغ من وضوئه قال سبحانك اللهم وبحمدك أشهد أن لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك طبعت بطابع ثم جعلت تحت العرش حتى يوافى بها صاحبها يوم القيامة ابن النجار عن أبي سعيد * (الافعال) * عن أبي هريرة يا أبا هريرة اذا توضأت فقل بسم الله والحمد لله فان حفظتك لا تستريح تكتب لك الحسنات (٤٣١) حتى تحدث من ذلك الوضوء (طص)

فقال يا أبا الفضل أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم بابي بايعه على الهجرة فابى قال فقام العباس معه وما عليه رداء فقال يا رسول الله قد عرفت ما بيني وبين خلان وأتاك بابيه ليبايعك على الهجرة فابيت فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انها لا هجرة فقال العباس ما أقسمت عليك لتبايعنه قال فبعد رسول الله صلى الله عليه وسلم يده قال فقال هات أرزئك قسم عمي ولا هجرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن الحجاج ثنا جرير ابن عبد الحميد عن يزيد بن أبي زياد عن مجاهد عن عبد الرحمن بن صفوان قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم ملتزما الباب ما بين الحجر والباب ورأيت الناس ملتزمين البيت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن الحجاج أنا جرير عن يزيد بن أبي زياد عن مجاهد عن عبد الرحمن بن صفوان قال لما افتتح رسول الله صلى الله عليه وسلم مكة قلت لا لبسن ثيابي وكان داري على الطريق فلا نظرن ما يصنع رسول الله صلى الله عليه وسلم فاطلقت فوافقت رسول الله صلى الله عليه وسلم قد خرج من الكعبة وأصحابه فاستلموا البيت من الباب الى الحطيم وقد وضعوا أيديهم على البيت ورسول الله صلى الله عليه وسلم وسطهم فقلت لعمر كيف صنع رسول الله صلى الله عليه وسلم حين دخل الكعبة قال صلى ركعتين

*(حديث وفد عبد القيس عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا محمد بن عبد الله العمري ثنا أبو سهل عوف بن أبي جميلة عن زيد بن أبي القموص عن وفد عبد القيس أنهم سمعوا رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اللهم اجعلهم من عبادك المنتخبين الغر المحجلين الوفد المتقبلين قال فقالوا يا رسول الله نحن عباد الله المنتخبون قال عباد الله الصالحون قالوا فما الغر المحجلون قال الذين يبيض منهم مواضع الطهور قالوا فما الوفد المتقبلون قال وفد لا يفدون من هذه الامة مع نبيهم الى ربهم تبارك وتعالى

*(حديث نضر بن ذهر عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني محمد بن ابراهيم بن الحرث التيمي عن أبي الهيثم بن نصر بن ذهر الاسلمي عن أبيه قال أتى ماعز بن مالك بن خالد بن مالك رجل منا رسول الله صلى الله عليه وسلم فاستودى على نفسه بالزنا فامر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم برجمه فرجمنا الى حرة بني نيار فرجمناه فلما وجد مس الحجارة جزع جزعا شديدا فلما فر غنا منه ورجعنا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكرنا له جزعه فقال هلا تركتموه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال ثنا محمد بن ابراهيم بن الحرث التيمي عن أبي الهيثم بن نصر بن ذهر الاسلمي أن أباه حدثه أنه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في مسيره الى خيبر لعامر بن الاكوع وهو عم سلمة بن عمرو بن الاكوع وكان اسم الاكوع سنانا انزل يا ابن الاكوع فاحد لنا من هنيهاتك قال فنزل يرتجز لرسول الله صلى الله عليه وسلم فقال:

والله لولا الله ما اهتدينا * ولا تصدقنا ولا صلينا
انا اذا قوم بغوا علينا * وان أرادوا فتنة أبينا
فانزلن سكينة علينا * وثبت الاقدام ان لاقينا

*(تمام حديث صخر الغامدي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال أنبأنا يعلى بن عطاء عن عمارة بن حديد عن صخر الغامدي قال

* الديلمي أنا أحمد بن نصر ثنا أحمد بن نبال ثنا الحسين بن عمر ثنا محمد بن عبد الله الشافعي ثنا محمد ابن علي بن الباغندي ثنا مقاتل ثنا فضل بن عبيد عن سفيان الثوري عن عبيد الله العمري عن نافع عن ابن عمر رفعه من قرأ آية الكرسي عند الوضوء أعطاه الله عز وجل ثواب أربعين عالما ورفع له أربعين درجة وزوجه أربعين حوراء * عن الحسن بن علي عن علي قال علمني رسول الله صلى الله عليه وسلم ثواب الوضوء فقال يا علي اذا قمت وضوءك فقل بسم الله العظيم والحمد لله على الاسلام فاذا غسلت فرجك فقل اللهم حصن فرجي واجعلني من التوابين واجعلني من المتطهرين واجعلني من الذين اذا ابتليتهم صبروا واذا أعطيتهم شكروا واذا تمضمضت فقل اللهم أعني على تلاوة ذكرك واذا استنشقت فقل اللهم لا تحرمني رائحة الجنة واذا غسلت وجهك فقل اللهم بيض وجهي يوم تبيض وجوه وتسود وجوه واذا غسلت ذراعك اليمنى فقل اللهم اعطني كتابي بيميني وحاسبني حسابا يسيرا واذا غسلت ذراعك اليسرى فقل اللهم لا تعطني كتابي بشمالي ولا من وراء ظهري واذا مسحت برأسك فقل اللهم غشني برحمتك واذا مسحت أذنك فقل اللهم اجعلني ممن يستمع القول فيتبع أحسنه واذا غسلت رجلك فقل اللهم اجعله سعيا مشكورا وذنبا مغفورا وعملا مقبولا اللهم اجعلني من التوابين واجعلني من المتطهرين اللهم اني أستغفرك وأتوب اليك ثم ارفع رأسك الى السماء فقل الحمد لله الذي رفعها بغير عمد والملك قائم على رأسك يكتب ما تقول ويختم بخاتمه ثم يعرج الى السماء فيضعه

تحت العرش فلا يفك ذلك الخاتم الى يوم القيامة * أبو القاسم بن منده في كتاب الوضوء والمستغفري في الدعوات وابن النجار قال الحافظ ابن حجر في اماليه هذا حديث غريب ورواته معروفون لكن فيه خارجة بن مصعب تركه الجمهور وكذبه ابن معين * وقال (حب) كان يدلس عن الكذابين أحاديث رووها عن الثقات الذين لقيهم فوقعت الموضوعات في روايته * عن محمد بن الحنفية قال دخلت على والدي علي بن أبي طالب واذا عن يمينه اناء من ماء فسمى ثم ركب (٤٣٢) على يمينه ثم استنجى وقال اللهم حصن فرجي واستر عورتي ولا تشمت بي الاعداء ثم تمضمض واستنشق وقال اللهم لقني حجتي ولا تحرمني رائحة الجنة ثم غسل وجهه وقال اللهم بيض وجهي يوم تبيض وجوه وتسود وجوه ثم سكب على يمينه وقال اللهم اعطني كتابي بيميني والخلد بشمالي ثم سكب على شماله فقال اللهم لا تعطني كتابي بشمالي ولا تجعلها مغلولة الى عنقي ثم مسح برأسه وقال اللهم غشني برحمتك فانا نخشى عذابك اللهم لا تجمع بيني وأعدائنا ثم مسح عنقه وقال اللهم نجنا من مقطعات النيران وأغلالها ثم غسل رجليه ثم قال اللهم ثبت قدمي على الصراط يوم تزل فيه الاقدام ثم استوى قائما ثم قال اللهم كما طهرتنا بالماء فطهرنا من الذنوب ثم قال بيده هكذا ينقطر الماء من أنامله ثم قال بأبي وأمي افعل كفعلي هذا فانه ما من قطرة تقطر من أنامل الاخلاق الا الله منها ملكا يستغفر لك الى يوم القيامة يأتي من فعل كفعلي هذا تساقط عنه الذنوب كما يتساقط الورق عن الشجر يوم الريح العاصف (كر) في أماليه وفيه أصرم ابن حوشب كان يضع الحديث * (المضمضة والاستنشاق والاستنثار) * تمضمضوا واستنشقوا والاذنان من الرأس (خط) عن ابن عباس * اذا من استيقظ أحدكم من منامه فتوضأ فليستنثر ثلاثا فان الشيطان يبيت على خياشيمه (ق ن) عن أبي هريرة * استنثروا مرتين بالغتين أو ثلاثا (حم د ه ك) عن ابن عباس * اذا توضأ أحدكم فليجعل في أنفه ماء ثم لينتثر واذا استجمر فليوتر مالك (حم ق د ن) عن أبي هريرة * اذا توضأ أحدكم فليجعل في أنفه ماء ثم لينتثر واذا استنثر فليستنثر وترا أبو نعيم في المستخرج عن أبي هريرة * (الاكمال) * اذا توضأ

قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم بارك لامتي في بكورها قال وكان اذا بعث سرية أو جيشا بعثهم من أول النهار قال وكان صخر رجلا تاجرا وكان يبعث تجارته من أول النهار فأثرى وكثر ماله * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال يعلى بن عطاء أنبأني قال سمعت عمارة بن حديد رجلا من بجيلة قال سمعت صخرا الغامدي رجلا من الأزد قال النبي صلى الله عليه وسلم اللهم بارك لامتي في بكورها قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا بعث سرية بعثهم أول النهار وكان صخر رجلا تاجرا وكان له غلمان فكان يبعث غلمانه من أول النهار قال فكثر ماله حتى كان لا يدري ابن يضعه

* (بقية حديث وفد عبد القيس رضي الله تعالى عنهم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد قال حدثني يحيى بن عبد الرحمن العصري ثنا شهاب بن عباد انه سمع بعض وفد عبد القيس وهم يقولون قدمنا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فاشتد فرحهم بنا فلما انتهينا الى القوم أوسعوا لنا فقعدنا فرحب بنا النبي صلى الله عليه وسلم ودعا الناشئ نظر الينا فقال من سيدكم وزعيمكم فاشرنا باجمعنا الى المنذر بن عائذ فقال النبي صلى الله عليه وسلم أهذا الاشج وكان أول يوم وضع عليه هذا الاسم اضرب لوجهه بحافر حمار فلنا نعم يا رسول الله فتخلف بعد القوم فعقل رواحلهم وضم متاعهم ثم أخرج عيبته فالقى عنه ثياب السفر ولبس من صالح ثيابه ثم أقبل الى النبي صلى الله عليه وسلم وقد بسط النبي صلى الله عليه وسلم رجله واتكأ فلما دنا منه الاشج أوسع القوم له وقالوا ههنا يا أشج فقال النبي صلى الله عليه وسلم واتوى فاعدا وقبض رجله ههنا يا أشج فقعد عن يمين النبي صلى الله عليه وسلم فرحب به والطفه وسأله عن بلاده وسمى له قرية قرية الصفا والمشقر وغير ذلك من قرى هجر فقال بأبي وأمي يا رسول الله لا يبلغ أعلم باسمائها قرانا منا فقال اني قد وطئت بلادكم وسمح لي فيها فقال ثم أقبل على الانصار فقال يا معشر الانصار اكرموا اخوانكم فانهم أشبهكم بكم في الاسلام أشبه شيء بكم كانوا عراة فكسوهم وعالة فاغنوهم وغير مكرهين ولا موتورين اذابى قوم ان يسلموا حتى قتلوا قال فلما ان أصبحوا قال كيف رأيتم كرامة اخوانكم اكرم وضيافتهم اياكم فلوا خير اخوان ألا نوافر اشنأوا طوا لمطعمنا وباتوا وأصبحوا يعلوننا كاكابر بنا تبارك وتعالى وسنة نبينا صلى الله عليه وسلم فاعجبت النبي صلى الله عليه وسلم وفرح بهم ثم أقبل على نفر جلا نفر جلا فعرضنا عليه ما تعلمنا وعلمنا فمن علم التعوذات وأم الكتاب والسورة والسورتين والسنن ثم أقبل علينا بوجهه فقال هل معكم من أزوادكم شيء ففرح القوم بذلك وابتدروا رحالهم فاقبل كل رجل منهم معه صرة من تمر فوضعوها على نطع بين يديه فاوما بجريدة في يده كان يختصر بها فوق الذراع ودون الذراعين فقال أتسمون هذا التعضوض قلنا نعم ثم أوما الى صرة أخرى فقال أتسمون هذا الصرفان قلنا نعم ثم أوما الى صرة فقال أتسمون هذا البرني قلنا نعم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أما انه خير تمركم وأنفعه لكم قال فرجونا من وفادتنا تلك فاكثرنا الغرز منه وعظمت رغبتنا فيه حتى صار معلما من نخلنا وتمرنا البرني فقال الاشج يا رسول الله ان أرضنا أرض ثقيلة وحمة وانا لنشرب هذه الاشربة عجيبة ألوانها وعظمت بطوننا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تشربوا في الدباء والحنتم والنقير وليشرب أحدكم في سقاء يلاث على فيه فقال له الاشج بأبي وأمي يا رسول الله رخص لنا في مثل هذه وأومأ بكفيه فقال يا أشج اني ان رخصت لك في مثل هذه وقال بكفيه هكذا تشربنه في مثل هذه وفرج يديه وبسطهما يعني أعظم منها حتى اذا ثمل أحدكم

بالغ فى المضمضة والاستنشاق مالم تكن صائما أبو بشر الدولابى فيما جمع من حديث الغزوى عن عاصم * المضمضة والاستنشاق من الوضوء الذى لا تتم الصلاة الابه والاذنان من الرأس (هق) والديلمى عن عائشة * اذا توضأ أحدكم فليستنشق بمخريه من الماء ثم ليستنثر واذا استجمر فليوتر (عب) عن أبى هريرة * من نسى المضمضة والاستنشاق فليمضمض ولا ينصرف الديلمى عن جابر * (الافعال) * عن سفيان بن سلمة قال شهدت عثمان توضأ ثلاثا ثلاثا وأفرد المضمضة من الاستنشاق ثم قال هكذا (٤٣٣) توضأ النبى صلى الله عليه وسلم . البغوى فى مسند عثمان (كر) * عن على ان النبى صلى الله عليه وسلم توضأ فمضمض ثلاثا واستنشق ثلاثا من كف واحدة (عب) * عن أبى هريرة قال ليكن اذا توضأت أول ما تبدأ به ان تستنشق فانه منفرة للشيطان أو مقمعة (عب) * عن مجاهد قال الاستنشاق شطر الوضوء (عب) * (التخليل) * أتانى جبريل فقال اذا توضأت فخلل لحيتك (ش) عن أنس * تخللوا فانه نظافة والنظافة تدعو الى الايمان والايمان مع صاحبه فى الجنة (طس) عن ابن مسعود * حبذا المتخللون بالوضوء والمتخللون من الطعام اما تخليل الوضوء فالمضمضة والاستنشاق وبين الاصابع وأما تخليل الطعام فمن الطعام انه ليس شئ أشد على الملكين ان يريا بين أسنان صاحبهما طعاما وهو قائم يصلى (طب) عن أبى أيوب * من لم يخلل أصابعه بالماء خللها الله تعالى بالنار يوم القيامة (طب) عن وائلة * خللوا بين أصابعكم لا يحلل الله بينها بالنار ويل للاعقاب من النار (قط) عن عائشة * خللوا الخاتم وفصوا أظفاركم فان الشيطان يجرى ما بين اللحم والظفر (خط) فى الجامع وابن عساكر عن جابر * اذا توضأت فخلل أصابع يديك ورجليك (ت ك) عن ابن عباس * لتتنهكن الاصابع بالطهور أو لتنتهكنها النار (طس) عن ابن مسعود * رحم الله المتخللين والمتخللات (هب) عن ابن عباس * رحم الله المتخللين من أمتى فى الوضوء والطعام القضاعى عن أبى أيوب * (الاكمال) * جاءنى جبريل فقال ان ربك يأمرك أن تغسل الفتيل قال ما الفتيل قال الذفر

---

من شرابه قام الى ابن عمه فهز ساقه بالسيف وكان فى الوفد رجل من بنى عضل يقال له الحرث فقد هزيت ساقه فى شراب لهم فى بيت غنائه من الشعر فى الخمر أتنهم فقام بعض أهل ذلك البيت فهز ساقه بالسيف فقال الحرث لما سمعها من رسول الله صلى الله عليه وسلم جمعات أعدل قومى فاخطئ الضربة بساق وقد أبداها الله تبارك وتعالى . * (من مسند سهل بن سعد الساعدى رضى الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع بن الجراح وعبد الرحمن بن مهدى عن سفيان عن أبى حازم عن سهل بن سعد الساعدى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم غدوة أو روحة فى سبيل الله عز وجل خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال ثنا بشر بن المفضل قال ثنا أبو حازم عن سهل بن سعد قال رأيت الرجال تقيل وتتغدى يوم الجمعة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع عن سفيان عن أبى حازم عن سهل بن سعد قال رأيت الرجال عاقدى أزرهم فى أعناقهم أمثال الصبيان من ضيق الازر خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم فى الصلاة فقيل قائل يا معشر النساء لا ترفعن رؤسكن حتى يرفع الرجال **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو كامل الجحدرى فضيل بن الحسين املاه على من كتابه الاصل قال ثنا عمر بن على قال ثنا أبو حازم قال سمعت سهل بن سعد الساعدى يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الغدوة فى سبيل أو الروحة خير من الدنيا وما فيها وموضع سوط أحدكم فى الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال ثنا سفيان بن عيينة عن أبى حازم عن سهل بن سعد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم موضع سوط فى الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال حدثنى النضر بن خالد البلخى أبو بكر قال ثنا عمر بن على عن أبى حازم عن سهل بن سعد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لغدوة أو روحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو بشر نصر بن عمر بن على المقدمى قال ثنا أبى عن أبى حازم المدنى عن سهل بن سعد الساعدى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم غدوة أو روحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها وموضع سوط أحدكم من الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال حدثنى سويد بن سعيد وأبو ابراهيم البرجمانى قالا ثنا عبد العزيز بن أبى حازم عن أبيه عن سهل بن سعد قال سمعت النبى صلى الله عليه وسلم يقول موضع سوط فى الجنة خير من الدنيا وما فيها ولغدوة يغدوها العبد فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى حدثنى محمد بن أبى بكر المقدمى قال ثنا فضيل بن سليمان النميرى عن أبى حازم عن سهل بن سعد عن النبى صلى الله عليه وسلم قال غدوة أو روحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يونس بن محمد قال ثنا العطاف بن خالد ثنا أبو حازم قال سمعت سهل بن سعد قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يقول غدوة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها وروحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها وموضع سوط فى الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسين بن محمد قال ثنا محمد بن معارف وهو أبو غسان عن أبى حازم عن سهل ابن سعد انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول روحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال ثنا عصام بن خالد وأبو النضر قالا ثنا العطاف بن خالد عن أبى حازم عن سهل بن سعد الساعدى قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول غزوة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها وروحة فى سبيل الله خير من الدنيا وما فيها وموضع سوط فى الجنة خير من الدنيا وما فيها **حدثنا** عبد الله

عبد الرزاق عن أنس *(الافعال)* ر عن الصنابحي ان أبا بكر الصديق رأى رجلا يتوضأ فقال عليك بالمغفلة والمنشلة ابن قتيبة في غريب الحديث والدينوري في المجالسة قال ابن قتيبة المغفلة العنفقة والمنشلة موضع الخاتم من البنصر *عن أبي وائل قال رأيت عثمان يتوضأ فاخذ لحيته ثلاثا وقال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فعله. (عب ش) والبغوي في مسند عثمان *عن عامر بن شقيق قال توضأ عثمان فخلل اصابع رجليه ثم قال الا ترأيت (٤٣٤) رسول الله صلى الله عليه وسلم فعل ذلك (ع) *عن ابن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم كان اذا توضأ عرك عارضيه بعض العرك ثم يشبك لحيته في لحيته من تحتها (كر) *(الانتضاح)* آتاني جبريل في أول ما أوحي الي فعلمني الوضوء والصلاة فلما فرغ الوضوء أخذ غرفة من الماء فنضح بها فرجه (حم ق ط ك) عن أسامة بن زيد عن أبيه زيد ابن حارثة *جاءني جبريل فقال يا محمد اذا توضأت فانضح (ت ه) عن أبي هريرة *علمني جبريل الوضوء وأمرني أن أنضح تحت ثوبي مما يخرج من البول بعد الوضوء (ه) عن زيد بن حارثة *(الافعال)* عن ابن عباس انه شكى اليه رجل فقال اني أكون في الصلاة فيخيل الي أن بذكري للا فقيل قال الله الشيطان انه عمن ذكر الانسان في صلاته ليريه انه قد أحدث فاذا توضأ فلم ينضح فرجك بالماء فان وجدت فقل هو من الماء ففعل الرجل ذلك فذهب (عب) *(السواك)* السواك مطهرة للفم مرضاة للرب ومجلاة للبصر (طس) عن ابن عباس *السواك نصف الايمان والوضوء نصف الايمان رستة في كتاب الايمان عن حسان بن عطية مرسلا *السواك واجب وغسل الجمعة واجب على كل مسلم أبو نعيم في كتاب السواك عن عبد الله بن عمرو بن حملة بن رافع بن خديج مرسلا *السواك من الفطرة أبو نعيم عن عبد الله بن جراد *السواك يزيد الرجل فصاحة (عق عد خط) في الجامع عن أبي هريرة *السواك سنة فاستاكوا أي وقت شئتم (فر) عن أبي هريرة *السواك شفاء من كل داء الا السام والسام الموت (فر) عن عائشة *استاكوا وتنظفوا وأوتروا فان الله تبارك وتعالى وتر يحب الوتر والوتر بضم الجيم والراء وتشديد الموحدة جيب القميص اه مصححه

حدثني أبي قال حدثني جعفر بن أبي هريرة أملاه من كتابه قال ثنا سعيد بن عبد الرحمن الجمحي عن أبي حازم عن سهل بن سعد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال موضع سوط في الجنة خير من الدنيا وما فيها

*(حديث حكيم بن حزام عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشيم قال أنا أبو بشر عن يوسف بن ماهك عن حكيم بن حزام قال قلت يا رسول الله يأتيني الرجل يسألني البيع ليس عندي ما أبيعه منه ثم أبتاعه من السوق فقال لا تبع ما ليس عندك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري سمع عروة وسعيد بن المسيب يقولان سمعنا حكيم بن حزام يقول سألت النبي صلى الله عليه وسلم فاعطاني ثم سألته فاعطاني ثم قال ان هذا المال خضرة حلوة فمن أخذه بحقه بورك له فيه ومن أخذه باشراف نفس لم يبارك له فيه وكان كالذي يأكل ولا يشبع واليد العليا خير من اليد السفلى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال قرئ على سفيان سمعت هشاما عن أبيه عن حكيم بن حزام قال اعتقت في الجاهلية أربعين محررا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أسلمت على ما سبق لك من خير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا سعيد عن قتادة عن أبي الخليل عن عبد الله بن الحرث الهاشمي عن حكيم بن حزام قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم البيعان بالخيار ما لم يتفرقا فان صدقا وبينا بورك لهما في بيعهما وان كذبا وكتما محقت بركة بيعهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال ثنا عمر بن عثمان قال سمعت موسى بن طلحة أن حكيم بن حزام حدثه قال قال النبي صلى الله عليه وسلم خير الصدقة أو أفضل الصدقة ما أبقت غنى واليد العليا خير من اليد السفلى وابدأ بمن تعول **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا ابن نمير أنا هشام عن حكيم بن حزام قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اليد العليا خير من اليد السفلى وابدأ أحدكم بمن يعول وخير الصدقة ما كان عن ظهر غنى ومن يستعن يغنه الله ومن يستعفف يعفه الله فقلت يا رسول الله قال ومن قال حكيم قلت لا تكون يدي تحت يد رجل من العرب أبدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا محمد بن عبد الله الشعيثي عن العباس بن عبد الرحمن المدني عن حكيم بن حزام قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقام الحدود في المساجد ولا يستقاد فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا الشعيثي عن زفر بن وثيمة عن حكيم بن حزام قال المساجد لا ينشد فيها الاشعار ولا تقام فيها الحدود ولا يستقاد فيها قال أبي لم يرفعه يعني حجاجا

*(حديث معاوية بن قرة عن أبيه رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن يعني الاشيب وأبو النضر قالا ثنا زهير عن حميد بن عبد الله بن قشير عن معاوية بن قرة عن أبيه قال أبو النضر في حديثه ثنا زهير ثنا عروة بن عبد الله بن قشير أبو مهل الحنفي قال حدثني معاوية بن قرة عن أبيه قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم في رهط من مزينة فبايعناه وان قميصه لمطلق قال فبايعناه ثم أدخلت يدي في جيب قميصه فمسست الخاتم ثم قال عروة فما رأيت معاوية ولا ابنه قال حسن يعني أبا اياس في شتاء قط ولا حرا مطلقا ازرارهما الا زرا نه أبدا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا قرة بن خالد قال سمعت معاوية بن قرة يحدث عن أبيه قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فاستأذنته ان أدخل يدي ٣ في جرابه وأنه لابرد على فما منعه ان السبحان دعالي قال فوجدت على نغض

وتعالى وتريحب الوتر (ش طس) عن سليمان بن صرد * أمرت بالسوالك حتى خفت على أسناني (طب) عن ابن عباس * أمرت بالسوالك حتى خشيت انه يكتب علي (حم) عن وائلة * الاصابع تجري تجري السوالك اذا لم يكن سوالك أبو نعيم في كتاب السوالك عن عمرو بن عوف المزني * حق على كل مسلم السوالك وغسل يوم الجمعة وان يمس من طيب أهله ان كان البزار عن ثوبان * استاكوا استاكوا لا تأتوني قلحا لولا أن أشق على أمتي لفرضت عليهم السوالك عند كل صلاة (قط) عن العباس (٤٣٥) * أمرني جبريل بالسوالك حتى ظننت

أني سأدرد (طس) عن سهل بن سعد * تسوكوا فان الهوان اليه عليه للفم مرضاة للرب ماجاء في جبريل الا أوصاني بالسوالك حتى لقد خشيت أن يفرضه علي وعلى أمتي ولولا اني أخاف أن أشق على أمتي لفرضته عليهم فاني لاستاك حتى لقد خشيت أن أحفي مقادمي (ه) عن أبي امامة * اذا قام الرجل يتوضأ اليلا أو نهارا فاحسن الوضوء واستن ثم قام فصلى لطاف به الملك ودنا منه حتى يضع فاه على فيه فما يقرأ الا في فيه فاذا لم يستن أطاف به ولا يضع فاه على فيه محمد بن نصر في الصلاة عن ابن شهاب مرسلا * ركعتان بسوالك أفضل من سبعين ركعة بغير سوالك ودعوة في السر أفضل من سبعين دعوة في العلانية وصدقة في السر أفضل من سبعين صدقة في العلانية ابن النجار (فر) عن أبي هريرة * عليكم بالسوالك فنعم الشئ السوالك يذهب بالحفر وينزع البلغم ويجلو البصر ويشد اللثة ويذهب

* (كتفه مثل السلعة) * (حديث أبي اياس رضي الله تعالى عنه) *

هو معاوية بن قرة فهو من تتمة حديث قرة لا أنه صحابي آخر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وهب بن جرير ثنا شعبة عن أبي اياس عن أبيه انه أتى النبي صلى الله عليه وسلم فدعا ومسح رأسه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وهب ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال في صيام ثلاثة أيام من الشهر صوم الدهر وافطاره * (حديث الاسود بن سريع رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة أنا علي بن زيد عن عبد الرحمن بن أبي بكرة عن الاسود ابن سريع قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله اني قد حمدت ربي تبارك وتعالى بمحامد ومدح وايالك قال هات ما حمدت به ربك عز وجل قال فجعلت أنشده فجاء رجل فاستأذن فقال النبي صلى الله عليه وسلم بين بين قال فتكلم ساعة ثم خرج قال فجعلت أنشده قال ثم جاء فاستأذن قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم بين بين قال فتكلم ساعة ثم خرج قال فجعلت أنشده قال ثم جاء فاستأذن قال فقال النبي صلى الله عليه وسلم بين بين فقال ذلك مرتين أو ثلاثا قال قلت يا رسول الله من هذا الذي استنصتني له قال عمر بن الخطاب هذا رجل لا يحب الباطل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح قال ثنا عوف عن الحسن عن الاسود بن سريع قال قلت يا رسول الله ألا أنشدك بمحامد حمدت بها ربي تبارك وتعالى قال أما ان ربك عز وجل يحب الحمد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن مصعب قثنا سلام بن مسكين والمبارك عن الحسن عن الاسود بن سريع أن النبي صلى الله عليه وسلم أتى يا سير فقال اللهم اني أتوب اليك ولا أتوب الى محمد فقال النبي صلى الله عليه وسلم عرف الحق لاهله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا أبان عن قتادة عن الحسن عن الاسود بن سريع أن رسول الله صلى الله عليه وسلم لما بعث سرية نحو حنين فقاتلوا المشركين فافضى بهم القتل الى الذرية فلما جاؤا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما حاجاكم على قتل الذرية قالوا يا رسول الله انما كانوا أولاد المشركين فقال وهل خياركم الا أولاد المشركين والذي نفس محمد بيده ما من نسمة تولد الا على الفطرة حتى يعرب عنها لسانها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل قال أنا يونس عن الحسن عن الاسود بن سريع قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وغزوت معه فاصبت ظهرا فقتل الناس يومئذ حتى قتلوا الولدان وقال مرة الذرية فبلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما بال أقوام جاوزهم القتل اليوم حتى قتلوا الذرية فقال رجل يا رسول الله انما هم أولاد المشركين فقال ألا ان خياركم أبناء المشركين ثم قال ألا لا تقتلوا ذرية ألا لا تقتلوا ذرية قال كل نسمة تولد على الفطرة حتى يعرب عنها لسانها فابواها يهودانها وينصرانها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن عبد الرحمن بن أبي بكرة أن الاسود بن سريع قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله اني قد حمدت ربي تبارك وتعالى بمحامد ومدح وايالك فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أما ان ربك تبارك وتعالى يحب المدح هات ما حمدت به ربك قال فجعلت أنشده فجاء رجل فاستأذن أدلم أصلع أعسر أيسر قال فاستنصتني له رسول الله صلى الله عليه وسلم ووصف لنا أبو سلمة كيف استنصته قال كما صنع بالاول فدخل الرجل فتكلم ساعة ثم خرج ثم أخذت أنشده أيضا ثم جئ بعد فاستنصتني رسول الله صلى الله عليه وسلم ووصفه أيضا فقلت يا رسول الله من ذا الذي استنصتني له فقال هذا رجل لا يحب الباطل هذا عمر بن الخطاب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا حماد قال أنا علي بن زيد عن عبد الرحمن بن أبي بكرة عن الاسود بن سريع

بالبخر ويصلح المعدة ويزيد في درجات الجنة ويحمد الملائكة ويرضي الرب ويسخط الشيطان * عبد الجبار الخولاني في تاريخ داريا عن أنس * في السوالك عشر خصال يطيب الفم ويشد اللثة ويجلو البصر ويذهب البلغم ويذهب الحفر ويوافق السنة ويفرح الملائكة ويرضي الرب ويزيد في الحسنات ويصح المعدة أبو الشيخ في الثواب وأبو نعيم في كتاب السوالك عن ابن عباس * ماجاءني جبريل قط الا أمرني بالسوالك حتى لقد خشيت أن أحفي مقدم في (حم طب) عن أبي امامة * خير خصال الصائم السوالك (ه) عن عائشة * لولا أن أشق على أمتي

لامرتهم بالسواك عند كل صلاة مالك (حم ق ت ن ه) عن أبي هريرة (حم د ن) عن زيد بن خالد *ولولا أن أشق على أمتي لامرتهم عند كل صلاة بوضوء ومع كل وضوء بسواك (حم ن) عن أبي هريرة *ولولا أن أشق على أمتي لامرتهم بالسواك والطيب عند كل صلاة (ص) عن مكحول مرسلا *لولا أن أشق على أمتي لامرتهم أن يستاكوا بالاسحار أبو نعيم في كتاب السواك عن ابن عمر *إذا استكتم فاستنوا كوا عرضا (ص) عن عطاء مرسلا *أكثرت عليكم



في السواك (حم خ) عن أنس *(الاكمال) *الركعتان بعد السواك أحب الي من سبعين ركعة قبل السواك (حب) عن عائشة *استاكوا بعضل ابن سعد عن أبي خيرة الصباحي قال أعطاني النبي صلى الله عليه وسلم أراكا وقال فذكره *الاسوكة ثلاثة أراك فمن لم يكن أراك فعليكم أو بطم أبو نعيم في كتاب السواك عن الجرجاني الغافقي *نعم السواك الزيتون من شجرة مباركة يطيب الفم ويذهب بالحفر وهو سواكي وسواك الانبياء قبلي (طس) عن معاذ *(الافعال) * عن خزيمة بن ثابت أن النبي صلى الله عليه وسلم كان يستاك في الليلة مرارا (ش) عن بريدة بن الحصيب الاسلمي كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا استيقظ من أهله دعا جارية يقال لها بريرة بالسواك (ش) *عن عبد الله بن حنظلة الغسيل أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بالسواك عند كل صلاة ابن جرير *عن أبي هريرة ان النبي صلى الله عليه وسلم كان لا ينام ليلة ولا يبيت حتى يستن (ك) * عن شريح قال سألت عائشة قلت أخبريني بأي شيء كان يبدأ رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل عليك قالت كان يبدأ بالسواك (ش) *عن جابر انه كان يستاك اذا أخذ مضجعه واذا قام من الليل واذا خرج الى الصبح فقيل له قد شققت بهذا السواك فقال ان أسامة أخبرني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يستاك هذا السواك (ش) *(الاسباغ في الوضوء) *اسبغ الوضوء وخلل بين الاصابع وبالغ في الاستنشاق الا أن تكون صائما الشافعي (حم ٤ حب ك) عن لقيط بن صبرة * هذا اسبغ الوضوء وهو وضوئي ووضوء خليل

قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث

*(بقية حديث معاوية بن قرة رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا زياد بن مخراق عن معاوية بن قرة عن أبيه أن رجلا قال يا رسول الله اني لاذبح الشاة وأنا أرحمها أو قال اني لارحم الشاة أن أذبحها فقال والشاة ان رحمتها رحمك الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن معاوية بن قرة عن أبيه قال مسح النبي صلى الله عليه وسلم على رأسي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم صيام ثلاثة أيام من كل شهر صيام الدهر وافطاره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا شعبة عن معاوية بن قرة عن أبيه ان رجلا كان يأتي النبي صلى الله عليه وسلم ومعه ابن له فقال له النبي صلى الله عليه وسلم أتحبه فقال يا رسول الله أحبك الله كما أحبه فقده النبي صلى الله عليه وسلم فقال لي ما فعل ابن فلان فقلوا يا رسول الله مات فقال النبي صلى الله عليه وسلم لابيه اما تحب أن لا تأتي بابا من أبواب الجنة الا وجدته ينتظرك فقال الرجل يا رسول الله الله خاصة أم لكلنا قال بل لكلكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد انا شعبة عن معاوية بن قرة عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا فسد أهل الشام فلا خير فيكم ولا يزال أناس من أمتي منصورين لا يبالون من خذلهم حتى تقوم الساعة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن شعبة قال حدثني معاوية بن قرة عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا فسد أهل الشام فلا خير فيكم ولن تزال طائفة من أمتي منصورين لا يضرهم من خذلهم حتى تقوم الساعة

*(حديث مالك بن الحويرث رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا أيوب عن أبي قلابة عن مالك بن الحويرث قال أتينا رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن شببة متقاربون فاقمنا عنده عشرين ليلة قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم رحيما رفيقا فظن انا قد اشتقنا أهلنا فسألنا عمن تركنا في أهلنا فاخبرناه فقال ارجعوا الى أهليكم فاقيموا فيهم وعلموهم ومروهم اذا حضرت الصلاة فليؤذن لكم أحدكم ثم ليؤمكم أكبركم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن أبي قلابة قال جاء أبو سليمان مالك بن الحويرث الى مسجدنا فقال والله اني لاصلي وما أريد الصلاة ولكني أريد أن أريكم كيف رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي قال فقعد في الركعة الاولى حين رفع رأسه من السجدة الاخيرة ثم قام **حدثنا** عبد الله حدثني ابي ثنا محمد بن أبي عدي عن سعيد عن قتادة عن نصر بن عاصم عن مالك بن الحويرث انه رأى نبي الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه في صلاته اذا رفع رأسه من ركوعه واذا سجد واذا رفع رأسه من سجوده حتى يحاذي بهما فروع أذنيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل عن خالد الحذاء عن أبي قلابة عن مالك بن الحويرث ان النبي صلى الله عليه وسلم قال له ولصاحب له اذا حضرت الصلاة فاذنا وأقيما وقال مرة فاقيما ثم ليؤمكما أكبركما قال خالد فقلت لابي قلابة فاين القراءة قال انهما كانا متقاربين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عبيدة يغني الحداد قال ثنا أبان قال العطار عن يذيل عن أبي عطية عن مالك بن الحويرث قال زارنا في مسجدنا فاقيمت الصلاة فقالوا أمنا رحمك الله فقال لا يصلي رجل منكم قال فلما قضى الصلاة قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا زار رجل قوما فلا يؤمهم يؤمهم رجل منهم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد ثنا أبان بن يزيد العطار

الله ابراهيم ومن توضأ هكذا يعني ثلاثا ثم قال عند فراغه أشهد أن لا اله الا الله وأشهد أن محمدا عبده ورسوله فتح له ثمانية أبواب الجنة يدخل من أيها شاء (ه) عن ابن عمر * أنتم الغر المحجلون يوم القيامة من اسباغ للوضوء فمن استطاع منكم فليطل غرته وتحجيله (م) عن أبي هريرة * تبلغ الحلية من المؤمن حيث يبلغ الوضوء (م) عن أبي هريرة * (آداب متفرقة) * اذا توضأتم فابدؤا بميامنكم (ه) عن أبي هريرة * نبدأ بما بدأ الله تعالى به (حم ٣) عن جابر * خذوا للرأس ماء جديدا (طب) عن جارية بن ظفر



* يجزئ في الوضوء رطلان من ماء (ت) عن أنس * يجزئ من الوضوء مد ومن الغسل صاع (ه) عن سهيل بن أبي طالب * لا وضوء لمن لم يصل على النبي صلى الله عليه وسلم (طب) عن سهل بن سعد * اذا صليتم خلف أئمتكم فاحسنوا طهوركم فانما يتم على القارئ قراءته لهوء طهور المصلي خلفه (فر) عن حذيفة * انما يلبس علينا صلاتنا قوم يحضرون الصلاة بغير طهور ومن شهد الصلاة فليحسن الطهور (حم ش) عن أبي روح الكلاعي * ما بال قوم يصلون معنا لا يحسنون الطهور فانما يلبس علينا القرآن أولئك (ن) عن رجل * اتركوا الطسوس وخالفوا المجوس (هب خط فر) عن ابن عمر * (الاكمال) * من توضأ ومسح بثوب نظيف فلا بأس به ومن لا يفعل فهو أفضل لان الوضوء يوزن يوم القيامة مع سائر الاعمال تمام وابن عساكر عن أبي هريرة * لا توضؤا في الكنيف الذي تبولون فيه فان وضوء المؤمن يوزن مع حسناته * الديلمي وابن النجار عن أنس * من توضأ واحدة فتلك وظيفة الوضوء التي لا بد منها ومن توضأ اثنتين فله كفلان ومن توضأ ثلاثا فذلك وضوئي ووضوء الأنبياء قبلي (حم) عن ابن عمر * من توضأ ومسح يديه على عنقه امن من الغل يوم القيامة أبو نعيم عن ابن عمر * الشرب من فضل وضوء المؤمن فيه شفاء من سبعين داء أدناها الهم الديلمي عن أبي امامة وعبد الله بن بسر وفيه محمد بن اسحق العكاشي كذاب * باطن الاذنين من الوجه وظاهرهما من الرأس الديلمي عن أبي هريرة * بطن القدم بأبا الهيثم (طب) عن أبي الهيثم * بطن القدمين (عب) عن محمد بن محمود بلاغا * ارجعن

العطار عن بديل بن ميسرة العقيلي قال حدثني أبو عطية مولى مناعن مالك بن الحويرث قال كان يأتينا في مصلانا فقيل له تقدم فصل فقال ليصل بعضكم لبعض حتى أحدثكم لم أصل بكم فلما صلى القوم قال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا زار أحدكم قوما فلا يصل بهم ليصل بهم رجل منهم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا سعيد عن قتادة عن نصر بن عاصم عن مالك بن الحويرث انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يرفع يديه اذا أراد أن يركع واذا رفع رأسه من الركوع واذا رفع رأسه من السجود حتى يحاذي بهما فروع أذنيه * (حديث هبيب بن معقل الغفاري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف ثنا ابن وهب يعني عبد الله بن وهب المصري قال عبد الله وسمعته أنا من هرون ثنا عمرو بن الحرث عن يزيد بن أبي حبيب عن أسلم أبي عمران عن هبيب بن معقل الغفاري انه رأى محمد الكرشي قام بحزارة فنظر اليه هبيب فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من وطئه خيلاء وطئه في النار * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أنا ابن لهيعة عن يزيد بن أبي حبيب قال أخبرني أسلم أبو عمران عن هبيب الغفاري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من وطئ على ازاره خيلاء وطئ في نار بعينه * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد قال ثنا ابن لهيعة عن يزيد بن أبي حبيب عن أسلم انه سمع هبيب بن معقل صاحب النبي صلى الله عليه وسلم ورأى رجلا يجر رداءه خلفه يعاوده فقال سبحان الله سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من وطئه من الخيلاء وطئه في النار

* (حديث أبي بردة بن قيس أخي أبي موسى الأشعري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد بن زياد ثنا هاشم الأحول ثنا حبيب بن الحرث عن أبي موسى عن أبي بردة بن قيس أخي أبي موسى الأشعري قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اللهم اجعل فناء أمتي في سبيلك بالطعن والطاعون

* (حديث معاذ بن أنس الجهني رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم وحسن قالا ثنا ابن لهيعة عن زبان قال حسن في حديثه ثنا زبان بن فائد عن سهل بن معاذ عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم قال من تخطى المسلمين يوم الجمعة اتخذ جسرا الى جهنم * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة قال وثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين ثنا زبان بن فائد الحبراني عن سهل بن معاذ بن أنس الجهني عن أبيه معاذ بن أنس الجهني صاحب النبي صلى الله عليه وسلم عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من قرأ قل هو الله أحد حتى يختمها عشر مرات بنى الله له قصرا في الجنة فقال عمر بن الخطاب اذا أستكثر يا رسول الله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الله أكثر وأطيب * حدثنا عبد الله بن أحمد قال حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة قال ثنا يحيى بن غيلان قال حدثني رشدين بن سعد عن زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من قرأ ألف آية في سبيل الله تبارك وتعالى كتب يوم القيامة مع النبيين والصديقين والشهداء والصالحين وحسن أولئك رفيقا ان شاء الله تعالى * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان وثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين عن زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من جرس من وراء المسلمين في سبيل الله تبارك وتعالى متطوعا عادية أخذ سلطان لم ير النار بعينيه الا تحلة

فاحسن وضوءك (حم م) عن جابر قال اخبرني عمر بن الخطاب ان رجلا توضأ فترك موضع ظفر على قدمه فابصره النبي صلى الله عليه وسلم قال فذكره (ده قط حل هق) في الخلافيات عن أنس * من نسي مسح الرأس فذكره وهو يصلي فوجد في لحيته بللا فليأخذ منه ويمسح به رأسه فان ذلك يجزئه فان لم يجد بللا فليعد الوضوء والصلاة (طس) عن ابن مسعود * يعني لو جهد وشق عليه الفرجي (عب) عن ابراهيم بن محمد عن الحويرث مرسلا * يجزئني من (٤٣٨) الوضوء المدون من الجنابة الصاع (ش) وعبد بن حميد وابن خزيمة (ك هق) عن جابر * يا أبا

القسم فلله الله تبارك وتعالى يقوله وان منكم الا واردها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة قال وثنا يحيى بن عيلان قال ثنا رشدين عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان الذاكر في سبيل الله تعالى يضاعف فوق النفقة بسبعمائة ضعف قال يحيى في يده يشير بسبعمائة ألف ضعف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ان رجلا سأله فقال أي الجهاد أعظم أجرا قال أكثرهم لله تبارك وتعالى ذكرا قال فأي الصائمين أعظم أجرا قال أكثرهم لله تبارك وتعالى ذكرا ثم ذكر الصلاة والزكاة والحج والصدقة كل ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول أكثرهم لله تبارك وتعالى ذكرا فقال أبو بكر رضي الله تعالى عنه اعمر رضي الله تعالى عنه يا أبا حفص ذهب الذاكرون بكل خير فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال حق على من قام على مجلس ان يسلم عليهم وحق على من قام من مجلس ان يسلم فقام رجل ورسول الله صلى الله عليه وسلم يتكلم فلم يسلم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما أسرع ما نسي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من بنى بنيانا من غير ظلم ولا اعتداء أو غرس غرسا في غير ظلم ولا اعتداء كان له أجرا جاريا ما انتفع به من خلق الله تبارك وتعالى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من أعطى لله تعالى ومنع لله تعالى وأحب لله تعالى وأبغض لله تعالى وأنكح لله تعالى فقد استكمل ايمانه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة قال ثنا زبان عن سهل بن معاذ بن أنس عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال أفضل الفضائل ان تصل من قطعك وتعطي من منعك وتصفح عن شتمك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من كظم غيظه وهو يقدر على ان ينتصر دعاه الله تبارك وتعالى على رؤس الخلائق حتى يخيره في حور العين أيتهن شاء ومن ترك ان يلبس صالح الثياب وهو يقدر عليه تواضعا لله تبارك وتعالى دعاه الله تبارك وتعالى على رؤس الخلائق حتى يخيره الله تعالى في حلل الايمان أيتهن شاء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال اذا سمعتم المنادي ينوب بالصلاة فقولوا كما يقول حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة عن زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه كان يقول الضاحك في الصلاة والملتفت والمقمع أصابعه بمنزلة واحدة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان ثنا سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه أمر أصحابه بالغزو وان رجلا تخلف وقال لاهله أتخلف حتى أصلي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الفاتر ثم أسلم عليه وأودعه فيدعو لي بدعوة تكون شافعة يوم القيامة فلما صلى النبي صلى الله عليه وسلم أقبل الرجل مسلما عليه فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أتدري بكم سبقك أصحابك قال نعم سبقوني بغدوتهم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم والذي نفسي بيده لقد سبقوك بأبعد ما بين المشرقين والمغربين في الفضيلة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن

---

كاهل ضع الطهور مواضعه وابق فضل طهورك لا هلك لا يحملك أهلك ولا تشقن على خادمك (عم طب) عن أبي كاهل * عما صنعتم يا عمر عبده الرزاق (حم م د ت ن ه) والدارمي وابن خزيمة وابن الجارود (حب) عن بريدة قال ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى الصلوات يوم الفتح بوضوء واحد ومسح خفيه وقال له عمر يا رسول الله صنعت شيئا لم تكن تصنعه قال فذكره * يبلغه الله قوما ينفعهم به (طب) الخطيب عن أبي الدرداء أن النبي صلى الله عليه وسلم مر بنهر ومعه صهيب فتوضأ وفضلت فضلة فردها في النهر وقال فذكر لها (الافعال) عن عمر انه توضأ فمسح باذنيه ظاهرهما وباطنهما وقال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يفعله (عب) * عن عثمان قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ فمسح رأسه مرة (ش م) * عن حمران قال رأيت عثمان توضأ فافرغ على يديه ثلاثا فغسلهما ثم مضمض ثلاثا واستنشق ثلاثا ثم غسل وجهه ثلاثا ثم غسل يده اليمنى الى المرفق ثلاثا ثم غسل اليسرى مثل ذلك ثم مسح رأسه ثم غسل قدمه



اليمنى ثلاثا ثم اليسرى ثلاثا ثم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ نحو ما مر وضوئي هذا ثم قال من توضأ نحو وضوئي هذا وفي لفظ مثل وضوئي هذا ثم صلى ركعتين لا يحدث فيهما نفسه غفر له ما تقدم من ذنبه (حب قط) والعدني (حم) وابن خزيمة (خ م د ن) * عن شقيق بن سلمة قال رأيت عثمان بن عفان يغسل ذراعيه ثلاثا ثلاثا ومسح رأسه ثلاثا ثلاثا ثم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فعل هذا (د) * عن

أبي السلمانى عن أبيه أنه شهد عثمان يتوضأ على المقاعد فلم عليه رجل فسلم يرد عليه حتى اذا فرغ رد عليه وجعل يعتذر اليه ثم قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ فسلم عليه رجل فلم يرد عليه البغوى فى مسند عثمان (ص) * عن عمران بن جارية عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خذ للرأس ماء جديدا أبو نعيم * عن أبى هريرة قال أمر نا رسول الله صلى الله عليه وسلم بتغطية الوضوء وايكاء السقاء واكفاء الاناء (ض) * عن عبد الله بن زيد المازنى ان النبى صلى الله عليه وسلم توضأ فغسل وجهه (٤٣٩) ثلاثا ويديه مرتين مرتين ومسح رأسه ورجليه مرتين (ش) * عن عمر بن يحيى عن أبيه عن عبد الله ابن زيد الذى أرى الاذان ان رسول الله صلى الله عليه وسلم غسل وجهه ثلاثا ويديه مرتين مرتين (ض) * عن عبد الله بن عباس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ فغرف غرفة تمضمض منها واستنثر ثم غرف غرفة فغسل وجهه ثم غرف غرفة فغسل يده اليمنى ثم غرف غرفة فغسل يده اليسرى ثم غرف غرفة فمسح رأسه وأذنيه وأدخلهما بالسبابتين وخالف بإبهاميه الى ظاهر أذنيه فمسح ظاهرهما وباطنهما ثم غرف غرفة فغسل رجله اليمنى ثم غرف غرفة فغسل رجله اليسرى (ش) * عن ابن جريج قال قلت لنافع أكان ابن عمر يجعل الاناء الذى يتوضأ فيه قبالة جنبه (عب) * عن ابراهيم عن أبى هريرة انه كان يبدأ بميامنه فى الوضوء فبلغ ذلك عليا فدعا بماء فتوضأ فبدأ بميامنه (ص) * عن عطاء ابن يسار أن النبى صلى الله عليه وسلم كان يغسل

معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من قعد فى مصلاه حين يصلى الصبح حتى يسبح الضحى لا يقول الا خيرا غفرت له خطاياه وان كانت أكثر من زبد البحر **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان بن فائد عن سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ألا أخبركم لم سمى الله تبارك وتعالى ابراهيم خليله الذى وفى لانه كان يقول كلما أصبح وأمسى فسبحان الله حين تمسون وحين تصبحون حتى يختم الآية **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه كان يقول اذا فرغ الحمد لله الذى لم يتخذ ولدا ولم يكن له شريك فى الملك الى آخر السورة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من قرأ أول سورة الكهف وآخرها كانت له نورا من قدمه الى رأسه ومن قرأها كلها كانت له نورا ما بين السماء الى الارض **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان ثنا سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال الجفاء كل الجفاء والكفر والنفاق من سمع منادى الله ينادى بالصلاة يدعو الى الفلاح ولا يجيبه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تزال الامة على الشريعة مالم يظهر فيها ثلاث مالم يقبض العلم منهم ويكثر فيهم ولد الحيث ويظهر فيهم الصغار ون قال وما الصغار ون أو الصغلاوون يا رسول الله قال بشر يكون فى آخر الزمان تحيتهم بينهم التلاعن **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه مر على قوم وهم وقوف على دوابهم ورواحلهم فقال لهم اركبوها سالمة ودعوها سالمة ولا تتخذوها كراسى لاحاديثكم فى الطرق والاسواق رب مركوبة خير من راكبها وأكثر ذكرا لله تبارك وتعالى منه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن يزيد ثنا سعيد بن أبى أيوب قال أخبرنى أبو مرحوم عبد الرحيم بن ميمون عن سهل بن معاذ بن أنس الجهنى عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه نهى عن الحبوة يوم الجمعة والامام يخطب **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبد الرحمن ثنا سعيد قال حدثنى أبو مرحوم عبد الرحيم بن ميمون عن سهل بن معاذ بن أنس الجهنى عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من ترك اللباس وهو يقدر عليه تواضعا لله تبارك وتعالى دعاه الله تبارك وتعالى يوم القيامة على رؤس الخلائق حتى يخيره فى حلل الايمان أيها شاء **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو عبد الرحمن ثنا سعيد قال حدثنى أبو مرحوم عن سهل بن معاذ بن أنس الجهنى عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من أكل طعاما ثم قال الحمد لله الذى أطعمنى هذا ورزقنيه من غير حول منى ولا قوة غفر الله له ما تقدم من ذنبه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين عن زبان عن سهل عن أبيه عن النبى صلى الله عليه وسلم ان امرأة أتته فقالت يا رسول الله ان زوجى غاز وكنت أقتدى بصلاته اذا صلى وبفعله كله فأخبرنى بعمل يبلغنى عمله حتى يرجع فقال لها أتستطيعين ان تقومى ولا تفترى وتصومى ولا تفطرى وتذكرى الله تبارك وتعالى ولا تفترى حتى يرجع قالت ما أطيق هذا يا رسول الله فقال والذى نفسى بيده لو طوقتيه ما بلغت العشر من عمله حتى يرجع **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين عن زبان عن سهل عن أبيه عن النبى صلى الله عليه وسلم انه قال آية العز الحمد لله الذى لم يتخذ ولدا

وجهه بيمينه (ص) * عن على أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مسح على رأسه ثلاث مرات أبو بكر * عن على قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ ثلاثا ثلاثا ثم أخذ كفا من ماء فوضعه على رأسه فرأيت الماء يتحدر على وجهه المخاص وشنده حسن * عن على انه كان يتوضأ لكل صلاة (عب) * عن أنس كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا توضأ أدخل سبابتيه فى ماقيه فغسل عنهما الغمص (عب) * عن على ان رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ ثلاثا ثلاثا وأخذ فى أذنيه ماء جديدا (عم قط) عن شبيب بن أبى روح عن رجل من أصحاب النبى صلى الله

عليه وسلم قال صلى النبي صلى الله عليه وسلم صلاة الفجر فقرأ سورة الروم فالتبس فيها فلما انصرف قال ما بال أقوام يصلون معنا بغير طهور من صلى معنا فليحسن طهوره فانما يلبس علينا القرآن أولئك (عب) * عن أبي بكر قال كانت للنبي صلى الله عليه وسلم خرقة اذا توضأ مسح بها (قط) في الافراد * عن الحسن قال رأيت عثمان أميرا المؤمنين يصب عليه من الريق وهو يتوضأ (ص) وابن جرير * عن عكرمة أن ابن عباس كان يتوضأ في آنية النحاس (عب) * عن ابن عباس قال لا بأس أن يغتسل بالحميم ويتوضأ منه (عب) * عن بكر بن عبد الله المزني



قال رأيت ابن عمر بمنى يتوضأ ثم يخرج وهو جاف فيطأ ما بطأ ثم يدخل المسجد فيصلي ولا يتوضأ (عب) * عن علي قال لا يضرك أي يديك بدأت ولا أي رجليك بدأت ولا على أي جانبيك انصرفت (عب) * عن النزال بن سبرة قال أتى علي بكوز من ماء وهو بالرحبة فأخذ كفا من ماء فتمضمض واستنشق ومسح وجهه وذراعيه ورجليه ثم شرب فضل الماء وهو قائم ثم قال هذا وضوء من لم يحدث هكذا رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فعل (ط حم خ د ن) في الشمائل (ن ع) وابن جرير وابن خزيمة والطحاوي (حب هق) * عن عباية بن رافع قال وضأت ابن عمر فقمصت عن يمينه فقال ممن أخذت هذا فقلت من رفاعة فقال من هناك (عب) * عن عبد الله بن زيد المازني أتانا رسول الله صلى الله عليه وسلم فاخرجنا له ماء في تور من صفر فتوضأ به (ش) * عن عائشة انطلق النبي صلى الله عليه وسلم يتبول فاتبعه عمر بماء فقال ما هذا يا عمر فقال ماء توضأ به فقال ما أمرت كلما بلت أن أتوضأ ولو فعلت لكانت سنة (ش) * (الفصل الثاني في محظورات الوضوء) * ان للوضوء شيطانا يقال له الولهان فاتقوا وسواس المياه (ت ه ك) عن أبي * في الوضوء اسراف وفي كل شئ اسراف (ص) عن يحيى بن أبي عمرو الشيباني مرسلا * من توضأ بعد الغسل فليس منا (طب) عن ابن عباس * لا تسرف لا تسرف (ه) عن ابن عمر * من توضأ في موضع بوله فاصابه الوسواس فلا يلومن الا نفسه (عد) عن ابن عمر و * ويل للاعقاب من النار

---

الآية كلها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن غيلان ثنا رشدين عن زبان عن سهل عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال المسلم من سلم الناس من لسانه ويده حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى قال ثنا رشدين عن زبان عن سهل عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم انه قال ان الله تبارك وتعالى عباذا لا يكلمهم الله يوم القيامة ولا يزكيهم ولا ينظر اليهم قيل له من أولئك يا رسول الله قال متبرمون من والديه راغب عنهما ومتبرئ من ولده ورجل أنعم عليه قوم فكفر نعمتهم وتبرأ منهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله ابن يزيد ثنا سعيد ثنا أبو مرحوم عن سهل بن معاذ عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من كظم غيظا وهو قادر على أن ينفذه دعاه الله تبارك وتعالى على رؤوس الخلائق حتى يخيره من أي الحور شاء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن يزيد يحفظه قال حدثني سعيد بن أبي أيوب أبو يحيى قال حدثني أبو مرحوم عبد الرحيم بن ميمون عن سهل بن معاذ الجهني عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من اعطى لله تعالى ومنع لله وأحب لله وأبغض لله وأنكح لله فقد استكمل ايمانه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج أنا الليث بن سعد قال حدثني يزيد بن أبي حبيب عن ابن معاذ بن أنس عن أبيه وكان من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم انه ذكر ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اركبوا هذه الدواب سالمة وابتدعوها سالمة ولا تتخذوها كراسي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا الليث قال حدثني زبان بن فائد عن ابن معاذ بن أنس عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم مثل ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا أبو الوليد الطيالسي قال ثنا الليث عن يزيد بن أبي حبيب عن ابن معاذ بن أنس عن أبيه وكانت له صحبة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اركبوا هذه الدواب سالمة وابتدعوها سالمة ولا تتخذوها كراسي حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن قال ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من كان صائما وعاده مريض وشهد جنازة فعاد له مرض أو بأس الآن يحدث من بعد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال لان أشبع مجاهدا في سبيل الله فاكفه على راحلة غدوة أو روحة أحب الي من الدنيا وما فيها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال ان السالم من سلم الناس من يده ولسانه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من قال سبحان الله العظيم بنيت له غرس في الجنة ومن قرأ القرآن فاكله وعمل بما فيه ألبس والداه يوم القيامة تاجا هو أحسن من ضوء الشمس في بيوت من بيوت الدنيا لو كانت فيكم فما ظنكم بالذي عمل به حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا زبان عن سهل بن معاذ عن أبيه عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه مر على قوم وهم وقوف على دواب لهم ورواحل فقال لهم رسول الله صلى الله عليه وسلم اركبوها سالمة وذروها سالمة ولا تتخذوها كراسي لاحاديثكم في الطرق والاسواق فرب مركوبة خير من راكبها وأكثر ذكرا لله تعالى منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سحوتر بن عيسى ثنا ابن لهيعة عن خير بن نعيم الحضرمي عن سهل بن معاذ بن أنس الجهني عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لم يفضل الذكر على النفقة في سبيل الله تبارك وتعالى بسبعمائة ألف ضعف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الحكم بن نافع ثنا اسمعيل بن عياش عن أسيد بن

عبد

(ق د ن ه) عن ابن عمر و (حم ق ت ه) عن أبي هريرة * ويل للأعقاب و بطون الاقدام من النار (حم ك) عن عبد الله بن الحرث * ويل للعراقيب من النار (م) عن أبي هريرة (حم ه) عن عائشة (ه) عن جابر * اذا توضأ أحدكم فلا يغسل أسفل رجليه بيده اليمنى (عد) عن أبي هريرة وهو مما يبغض له * ألا ربما * أمرتوا أعينكم من الماء عند الوضوء ولا تنفضوا أيديكم فانها مراوح الشيطان (ع عد) عن أبي هريرة * انه يكون في هذه الامة قوم يعتدون في الطهور والدعاء (حم د ه حب ك) (٤٤١) عن عبد الله بن مغفل * هكذا الوضوء فمن زاد على هذا أو نقص فقد أساء أو ظلم (م د ن) عن ابن عمر * (الاكمال) * لا خير في صب الماء الكثير في الوضوء وانه من الشيطان (أبو نعيم عن أنس * لا تسرف قيل يا رسول الله وفي الوضوء اسراف قال نعم وفي كل شئ اسراف الحاكم في الكنى وابن عساكر عن الزهري مرسلا * لا تفعلي يا عائشة فان هذا يورث البياض (طس) عن عائشة قالت * سخنت ماء في الشمس فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * يا أبا بكر اني لا أحب أن يعيني على طهوري غيري ابن النجار عن أبي بكر * لا تبدأ بفيك فان الشيطان يبدأ بفيه ابن منده وابن عساكر عن عبد الرحمن ابن جبير عن أبيه ان أبا جبير قدم على النبي صلى الله عليه وسلم فدعا بوضوء فتوضأ فبدأ بفيه فقال فذكره * (الافعال) * عن جابر بن عبد الله قال اذا توضأت فلا تمتدل (عب) * عن الحكم بن محمر الغفاري قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يتوضأ بفضل وضوء المرأة أبو نعيم * عن معاوية قال نهيت أن أتوضأ في النحاس (ش) * عن ابن عباس أنه كره أن يمسح بالمنديل من الوضوء ولم يكره اذا اغتسل من الجنابة (عب) * عن ابن عمر قال ليدعين أناس يوم القيامة المتقوصين قيل يا أبا عبد الرحمن وما المتقوصون قال ينقص أحدهم صلاته في وضوئه والتفاته (عب) * عن نافع كان ابن عمر يكره أن يتوضأ في النحاس (عب ص) * عن عبد الله بن دينار أن ابن عمر كان لا يتوضأ في الصفر (عب) * عن ابراهيم كانوا يقولون كثرة الوضوء من الشيطان (ص) * عن



عبد الرحمن الخثعمي عن فروة بن مجاهد اللخمي عن سهل بن معاذ الجهني عن أبيه قال نزلنا على حصن سنان بأرض الروم مع عبيد الله بن عبد الملك فضيق الناس المنازل وقطعوا الطريق فقال معاذ أيها الناس انا غزونا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم غزوة كذا وكذا فضيق الناس الطريق فبعث النبي صلى الله عليه وسلم مناديا فنادى من ضيق منزلا أو قطع طريقا فلا جهاد له * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن الحجاج ويعمر بن بشر قال أحمد انا عبد الله وقال يعمر ثنا عبد الله قال أخبرني يحيى بن أيوب عن عبد الله بن سليمان ان اسمعيل بن يحيى المعافري أخبره عن سهل بن معاذ بن أنس الجهني عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من حمى مؤمنا من منافق بعثه الله تبارك وتعالى ملكا يحمي لحمه يوم القيامة من نار جهنم ومن رمى مؤمنا بشئ يريد شينه حبسه الله تعالى على جسر جهنم حتى يخرج مما قال * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن ثنا ابن لهيعة ثنا يزيد بن أبي حبيب عن ابن معاذ بن أنس عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تتخذوا الدواب كراسي خير من ركوبها هي أكثر ذكر الله تعالى من راكبها

* (حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو وأبو سعيد قالا ثنا زائدة قال ثنا السائب بن حبيش الكلاعي عن أبي الشماخ الازدي عن ابن عم له من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم أتى معاوية فدخل عليه فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من ولي أمرا من أمر الناس فأغلق بابه دون المسكين والمظلوم أوذى الحاجة أغلق الله تبارك وتعالى دونه أبواب رحمته عند حاجته وفقره أفقر ما يكون اليها

* (حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أنا عبد الله قال أنا يونس عن ابن شهاب قال حدثني عبيد الله بن عبد الله بن عتبة بن مسعود أن رجلا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم حدثه انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا كان أحدكم في صلاته فلا يرفع بصره الى السماء أن يلتمع بصره

* (حديث عبادة بن الوليد بن عبادة عن أبيه رضي الله تعالى عنهما) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن سيار ويحيى بن سعيد القاضي انهما سمعا عبادة ابن الوليد بن عبادة يحدث عن أبيه أما شعبة فقال عن النبي صلى الله عليه وسلم وأما يحيى فقال عن أبيه عن جده قال بايعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم على السمع والطاعة في عسرنا ويسرنا ومنشطنا ومكرهنا والا ننازع الامر أهله ونقوم بالحق حيث كان ولا نخاف في الله لومة لائم * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال وقال شعبة سيار لم يذكر هذا الحرف وحبيب ما كان ذكره يحيى قال شعبة ان كنت ذكرت فيه شيأ فهو عن سيار أو عن يحيى

* (حديث التنوخي عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال حدثني يحيى بن سليمان عن عبد الله بن عثمان بن خثيم عن سعيد بن أبي راشد قال لقيت التنوخي رسولهرقل الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بحمص وكان جارا لي شيخا كبيرا قد بلغ الفند أو قرب فقلت ألا تخبرني عن رسالة هرقل الى النبي صلى الله عليه وسلم و رسالة رسول الله صلى الله عليه وسلم الى هرقل فقال بلى قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم تبوك فبعث دحية الكلبي الى هرقل فلما ان جاءه كتاب رسول الله صلى الله عليه وسلم دعا قسيسي الروم وبطارقتهم أغلق عليه وعليهم

ابراهيم قال تشديد الوضوء من الشيطان ولو كان فضلا لاوثره أصحاب محمد صلى الله عليه وسلم (ص) * عن ابراهيم قال لم يكونوا يلطمون وجوههم بالماء وكانوا أشد استنقاء للماء منكم في الوضوء وكانوا يرون أن ربع المد يجزئ من الوضوء وكانوا أصدق ورعا وأسخى نفسا وأصدق عند الباس (ص) * عن عاصم بن ضمرة قال رأيت عليا أمير المؤمنين يأخذ ماء لطهوره فبادرته اليه فقال مه فاني رأيت أمير المؤمنين عثمان يأخذ ماء لطهوره فبادرته اليه فقال مه (٤٤٢) فاني رأيت عمر بن الخطاب يأخذ ماء لطهوره فبادرته اليه فقال مه فاني رأيت أبا بكر الصديق يأخذ ماء لطهوره فبادرته اليه فقال مه فاني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يأخذ ماء لطهوره فبادرته اليه فقال يا أبا بكر اني لا أحب أن يجيئني أحد على طهوري أبو القاسم الغافقي في جزء ما اجتمع في سنده أربعة من الصحابة وفيه أحمد بن محمد بن عمر اليمامي كذاب

* (الفصل الرابع فيما ينقض الوضوء وفيما لا ينقض) * اذا أمذى أحدكم ولم يمسها فليغسل ذكره وأنثييه ثم ليتوضأ وليصل (عب ط) عن المقداد بن الاسود * اذا فسا أحدكم في الصلاة فلينصرف فليتوضأ وليعد الصلاة ولا تأتوا النساء في أعجازهن فان الله لا يستحيي من الحق (حم ٣ حب) عن قرة بن اياس * اذا وجد أحدكم وهو في صلاته ريحا فليتوضأ فلينصرف فليتوضأ (طس) عن ابن عمر * اذا وجد أحدكم ذلك يعني المذي فليتوضأ فرجه وليتوضأ وضوءه للصلاة (حم ٥ حب) عن المقداد بن الاسود * ان الوضوء على من نام مضطجعا فانه اذا اضطجع استرخت مفاصله (د) عن ابن عباس * من أصابه قيء أو رعاف أو قلس أو مذي فلينصرف وليتوضأ ثم ليبن على صلاته ما لم يتكلم (ه) عن عائشة * وكاء السه العينان فمن نام فليتوضأ (د) عن علي * العين وكاء السه فاذا نامت العين استطلق الوكاء (هق) عن معاوية * من ضحك في الصلاة فليعد الوضوء والصلاة (خط) عن أبي هريرة * الوضوء مما خرج وليس مما دخل (هق) عن ابن عباس * أعمى رجل مس فرجه فليتوضأ وأعما امرأة مست فرجها فلتتوضأ (حم قط) عن ابن عمرو * اذا أفضى أحدكم بيده الى فرجه

يا بابا فقال قد نزل هذا الرجل حيث ترى يتم وقد أرسل الي يدعوني الى ثلاث خصال يدعوني الى أن أتبعه على دينه أو على أن نعطيه مالنا على أرضنا والارض أرضنا أو نلقى اليه الحرب والله لقد عرفتم فيما تقرؤن من الكتب لتأخذن ما تحف قدمي فهل لتقلع على دينه أو نعطيه مالنا على أرضنا فنخرج ونخرج رجل واحد حتى خرجوا من برانسهم وقالوا ندعونا الى أن ندع النصرانية أو نكون عبيد الاعراب جاء من الحجاز فلما رأين أنهم ان خرجوا من عنده أفسدوا عليه الروم رأيهم ولم يكد وقال انما قلت ذلك لكم لاعلمه بلاءكم على أمركم ثم دعا رجلا من عرب تجيب كان على نصارى العرب فقال ادع لي رجلا حافظا للحديث عربي اللسان ابعثه الى هذا الرجل بجواب كتابه فجاءه فدفع الى هرقل كتابا فقال اذهب بكتابي الى هذا الرجل فاستمعت من حديثه فاحفظ لي منه ثلاث خصال لا أظن هرقل يذكر صحيفته التي كتب الى بشيء وانظر اذا قرأ كتابي فهل يذكر الليل وانظر في ظهره هل به شيء ريبك فانطلقت بكتابه حتى جئت تبوك فاذا هو جالس بين ظهراني أصحابه محتبيا على الماء فقلت أين صاحبكم قبلها هو ذا فاقبلت أمشي حتى جلست بين يديه فناولته كتابي فوضعه في حجره ثم قال ممن أنت فقلت أنا أحد ثنوخ قال هل لك في الاسلام الحنيفية ملة أبينا ابراهيم قلت اني رسول قوم وعلى دين قوم لا أرجع عنه حتى أرجع اليهم فضحك وقال انك لا تهدي من أحببت ولكن الله يهدي من يشاء وهو أعلم بالمهتدين يا أخا ثنوخ اني كتبت بكتاب الى كسرى فمزقه والله ممزقه وممزق ملكه وكتبت الى النجاشي بصحيفة فخرقها والله مخرقه ومخرق ملكه وكتبت الى صاحبك بصحيفة فامسكها فلن يزال الناس يجدون منه أبدا ما دام في العيش خير قال هذه احدى الثلاثة التي أوصاني بها صاحبي وأخذت سهما من جعبتي فكتبتها في جلدة ثم اني تأملت الصحيفة فرجلا عن يساره قلت من صاحب كتابكم الذي يقرأ لكم قالوا معاوية فانا في كتاب صاحبي يدعوني الى جنة عرضها السموات والارض أعدت للمتقين فاين النار فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم سبحان الله أين الليل اذا جاء النهار قال فاخذت سهما من جعبتي فكتبته في جلد سيفي فلما ان فرغ من قراءة كتابي قال ان لك حقا ان الرسول لو جدت عندنا جائزة نجوز لك بها انا سفر مرملون قال فنادى رجل من طائفة الناس قال أنا أجوزه فضم رحله فاذا هو يأتي بحلة صفورية فوضعها في حجري قلت من صاحب الجائزة قيل لي عثمان ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أيكم ينزل هذا الرجل فقال فتى من الانصار أنا فقام الانصاري وقمت معه حتى اذا خرجت من طائفة المجلس نادى رسول الله صلى الله عليه وسلم وقال مه يا أخا ثنوخ فاقبلت أهوي اليه حتى كنت قائما في مجلسي الذي كنت بين يديه فحل حبوته عن ظهره وقال هذا امض لما أمرت له فحلت في ظهره فاذا أنا بخاتم في موضع غضون الكتف مثل

٧ الجمعة الخمسة * (حديث ثمير بن قيام أو تميم بن قثم عن أبيه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام قال ثنا سفيان عن أبي علي الصوفي عن ثمير بن تميم أو تميم بن قثم عن أبيه قال أتينا النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما بالكم تأتوني قملا لا تستر كون لولا أن أشق على أمتي لفرضت عليهم السواك كما فرضت عليهم الوضوء

* (حديث جبيان بن ثابت رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن هشام ثنا سفيان عن عبد الله بن عثمان قال أبي وثنا قبيصة عن سفيان عن ابن خثيم عن عبد الرحمن بن بهمان عن عبد الرحمن بن حسان عن أبيه قال لعن رسول الله

وليس بينهما حجاب ولا ستر فقد وجب عليه الوضوء الشافعي (حب قط ك هق) عن أبي هريرة * من مس ذكره فليتوضأ مالك عن بسرة بن صفوان * ليس في القطرة ولا القطرتين من الدم وضوء حتى يكون دما سائلا (قط) عن أبي هريرة * اذا كان أحدكم في الصلاة فوجد حركة في دبره أحدث أو لم يحدث فأشكل عليه فلا ينصرف حتى يجد صوتا أو يجد ريحا (ذهب) عن أبي هريرة * اذا كان أحدكم في المسجد فوجد ريحا بين يديه فلا يخرج حتى يسمع صوتا أو يجد ريحا (ق) عن أبي هريرة * اذا



وجد أحدكم في بطنه شيئا فأشكل عليه أخرج منه شيء أم لا فلا يخرجن من المسجد حتى يسمع صوتا أو يجد ريحا (م) عن أبي هريرة * ان الشيطان لياتي أحدكم وهو في صلاته فيأخذ شعرة من دبره فيمدها فيرى انه أحدث فلا ينصرف حتى يسمع صوتا أو يجد ريحا (حم) عن ثعلبة بن أبي سعيد * اذا كان أحدكم على وضوء فأكل طعاما فلا يتوضأ الا أن يكون ابن الابل اذا تيمموه فتمضمضوا بالماء (طب) والضياء عن أبي امامة * توضؤا من لحوم الابل ولا توضؤا من لحوم الغنم وتوضؤا من ألبان الابل ولا توضؤا من ألبان الغنم وصلوا في مراح الغنم ولا تصلوا في معاطن الابل (ه) عن ابن عمر * من أكل لحما فليتوضأ (حم طب) عن سهل بن الحنظلية * الوضوء مما مست النار (م) عن زيد بن ثابت * الوضوء مما مست النار ولو من ثور أقط (ش) عن أبي هريرة * (الاكمال) * ان كل لقمة تمذى فاذا كان المذي ففيه الغسل واذا كان المذي ففيه الوضوء (ش) عن المقداد بن الاسود * اذا فسا أحدكم أو ضرط فليتوضأ فان الله تعالى لا يستحي من الحق (سمع) عن قيس بن طلق * يعاد الوضوء من سبع أقطار البول والدم السائل والقيء ومن دسعة يملأ بها الفم والنوم المضطجع وقهقهة الرجل في الصلاة ومن خروج الدم (هق) وضعفه عن أبي هريرة * الحدث حدثان حدث اللسان وحدث الفرج وليسا سواء حدث اللسان أشد من حدث الفرج وقيهما الوضوء الديلمي عن ابن عباس * من نام وهو جاس فلا وضوء عليه فاذا وضع جنبه فعليه الوضوء (طس) عن ابن عمر * أحدث الحديث وضوأ

---

صلى الله عليه وسلم زوارات القبور * (حديث بشر أو بسر عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر قال ثنا عبد الحميد بن جعفر ثنا محمد بن علي أبو جعفر عن رافع بن بشر أو بسر السلمي عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لو لم أكن أخرج فارا من حبس سيل تسير سير بطيئة الابل تسير النهار وتقيم الليل تغدو وتروح يقول غدت النار أيها الناس فاغدوا فالت النار أيها الناس فاقبلوا راحت النار أيها الناس فروحوا من أدركته أكلته

* (حديث سويد الانصاري رضي الله تعالى عنه) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنا شعيب عن الزهري قال أخبرني عقبة بن سويد الانصاري أنه سمع أباه وكان من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال فقلنا مع نبي الله صلى الله عليه وسلم من غزوة خيبر فلما بدا له أحد قال النبي صلى الله عليه وسلم الله أكبر جبل يحبنا ونحبه

* (حديث عبد الرحمن بن أبي قراد رضي الله تعالى عنه) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يحيى بن سعيد عن أبي جعفر الخطمي قال حدثني عمارة بن خزيمة والحرث بن فضيل عن عبد الرحمن بن أبي قراد قال خرجت مع النبي صلى الله عليه وسلم حاجا فرأيته خرج من الخلاء فاتبعته بالاداوة أو القدح فجاء فجلس له بالطريق وكان اذا أتى حاجته أبعد **حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يحيى بن سعيد قال حدثني أبو جعفر عمير بن يزيد قال حدثني الحرث بن فضيل وعمارة بن خزيمة بن ثابت عن عبد الرحمن بن أبي قراد قال خرجت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم حاجا قال فنزل منزلا وخرج من الخلاء فاتبعته بالاداوة أو القدح وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد حاجة أبعد فجلس له بالطريق حتى انصرف رسول الله صلى الله عليه وسلم فصببت له فأتى رسول الله الوضوء فأقبل رسول الله صلى الله عليه وسلم الى قصب رسول الله صلى الله عليه وسلم على يده فغسلها ثم أدخل يده فكفها فصب على يده واحدة ثم مسح على رأسه ثم قبض الماء فبضا يده فضرب به على ظهر قدمه فمسح عليه على قدمه ثم جاء فصلى لنا الظهر

* (حديث مولى لرسول الله صلى الله عليه وسلم) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ثنا يحيى بن أبي كثير عن زيد عن أبي سلام عن مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يوضع يوم خمس مائة لفلان في الميزان لا اله الا الله والله أكبر وسبحان الله والحمد لله والولد الصالح يتوفى فيحتسبه والده وقال يوضع يوم الخمس من لقي الله مستيقنا بهن دخل الجنة يؤمن بالله واليوم الآخر وبالجنة والنار والبعث بعد الموت والحساب

* (حديث معاوية بن الحكم رضي الله تعالى عنه) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث بن عقيل عن ابن شهاب عن أبي سلمة بن عبد الرحمن بن عوف عن معاوية بن الحكم السلمي أنه قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم أرأيت أشياء كنا نفعلها في الجاهلية كنا نتطير قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ذلك شيء تجده في نفسك فلا يصدنك قال يا رسول الله كنا نأتي الكهان قال فلا تأت الكهان * (حديث أبي هاشم بن عتبة رضي الله تعالى عنه) *

**حد ثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا الاعمش عن شقيق قال دخل معاوية على خاله أبي هاشم بن عتبة يعوده قال فبكى قال فقال له معاوية ما يبكيك يا خال أوجعا ترك أم حرصا على الدنيا قال فقال فكلا ولكن

(طب فط) عن سلمى قال سال دم من أنفي فسألت النبي صلى الله عليه وسلم فقال اذكروه * الوضوء من الني وان كان قاسا فعليه فليتوضأ عبد الرزاق عن ابن جريج عن أبيه معضلا * أجل ولكني مسست ذكري فنسيت أن أتوضأ (عب) عن يحيى بن أبي كثير ان النبي صلى الله عليه وسلم صلى الصبح ثم عاد لها فقيل له انك قد كنت صليت قال فذكرت * من مس ذكره أو أنثييه أو رفغيه فليتوضأ وضوءه للصلاة (طب فط) عن بسرة * ويل للذين يمسون فروجهم (٤٤٤) ثم يصلون ولا يتوضؤن (خط) وضعفه وابن شاهين عن عائشة * وهل هو الا بضعة منك

(حب) عن طلق أن رجلا قال يارسول الله ان أحدنا يكون في الصلاة فيحتك فتصيب يده ذكره قال فذكره * لا باس انما هو جذبة منك عبد الرزاق عن أبي امامة أن رجلا قال يارسول الله مسست ذكري وأنا أصلي قال فمه فذكره * لا باس انه لبعض جسدك (حب) عن طلق * انما هو بضعة منك يعني ذكره (حم حب طب قط ص) عن طلق بن علي (طب) عن ابن مسعود موقوفا * توضؤا مما غيرت النار (ن) عن أبي أيوب (حم ن) عن أبي طلحة (ه) عن أبي هريرة (طب) عن أم حبيبة وعن زيد بن ثابت * لا يتوضأ رجل من طعام أكله حل له أكله البزار (فط) في الافراد عن أبي بكر وضعفه * ليس في نفسي شئ الا خير ولكن أتاني بماء لا توضأ وانما أكلت طعاما ولو فعلت فعل ذلك الناس بعدي (حم) عن المغيرة * من مس صمغ فليتوضأ (ن) عن عبد الله بن بريدة عن أبيه * (الافعال) * عن أبي بكر قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم أكل لحما ثم صلى ولم يتوضأ ابن أبي حاتم في العلل وقال الناس يروونه موقوفا كما في الموطأ * عن عمر بن الخطاب قال من مس ايطه فليتوضأ (عب ص قط) * عن علي بن طلق ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا فسا أحدكم في الصلاة فلينصرف فليتوضأ ثم ليعد الصلاة ابن جرير * عن أبي امامة قلت يارسول الله يتوضأ للصلاة ثم يقبل أهله و يلاعبها ينقض ذلك الوضوء قال لا (عد كر) وفيه ركين بن عبد الله الشامي متروك * عن أبي هريرة قال من استحق النوم فعليه الوضوء (عب ص) عن ابن عباس قال من اني فاد عوني

رسول الله صلى الله عليه وسلم عهد الينا فقال يا أيها الناس انها عاهة بدل أموالا يؤتاها أقوام وانما يكفيك من جمع المال خادم ومركب في سبيل الله تبارك وتعالى واني لأراني قد جعت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا سفيان عن الاعمش وعن سفيان أو منصور عن أبي وائل قال دخل معاوية على أبي هاشم بن عتبة وهو مريض يبكي فذكر معناه

* (حديث عبد الرحمن بن شبل رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن زيد بن سلام عن جده قال كتب معاوية الى عبد الرحمن بن شبل أن علم الناس ما سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم فجمعهم فقال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول تعلموا القرآن فاذا علمتموه فلا تغلوا فيه ولا تجفوا عنه ولا تأكلوا به ولا تستكثروا به ثم قال ان التجار هم الفجار قالوا يارسول الله أليس قد أحل الله البيع وحرم الربا قال بلى ولكنهم يحلفون و يأثمون ثم قال ان الفساق هم أهل النار قالوا يارسول الله ومن الفساق قال النساء قالوا يارسول الله ألسن امهاتنا وبناتنا واخواتنا قال بلى ولكنهن اذا أعطين لم يشكرن واذا ابتلين لم يصبرن ثم قال بسلم الراكب على الراجل والراجل على الجالس والاقل على الاكثر فمن أجاب السلام كان له ومن لم يجب فلا شئ له **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر ثنا عبد الحميد ومحمد بن بكر قالا أنا عبد الحميد بن جعفر حدثني أبي عن تميم بن محمود عن عبد الرحمن بن شبل أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن ثلاث عن نقرة الغراب وعن افتراش السبع وان يوطن الرجل المقام قال عثمان في المسجد كما يوطن البعير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا هشام ثنا يحيى عن زيد بن سلام عن جده عن أبي راشد الحبراني عن عبد الرحمن بن شبل أن النبي صلى الله عليه وسلم قال اقرؤا القرآن ولا تغلوا فيه ولا تجفوا عنه ولا تأكلوا به ولا تستكثروا به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان ثنا يحيى بن أبي كثير عن زيد عن أبي سلام عن أبي راشد الحبراني عن عبد الرحمن بن شبل الانصاري أن معاوية قال له اذا أتيت فسطاطي فقها خبر ما سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اقرؤا القرآن ولا تغلوا فيه ولا تجفوا عنه ولا تأكلوا به ولا تستكثروا به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا موسى بن خلف أو خلف وكان بعد من البدلاء وذكر حديثا آخر نحوه

* (حديث عمار بن ربيعة رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سكين بن نافع ثنا صالح بن أبي الاخضر عن الزهري قال أخبرني عبد الله ابن عامر بن ربيعة أن أباه أخبره انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي في السبحة بالليل في السفر على ظهر راحلته حيث توجهت به **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا عبد العزيز يعني ابن محمد الدراوردي عن محمد بن زيد التيمي عن عبد الله بن عامر عن أبيه قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم بقبر فقال ما هذا القبر فقالوا قبر فلانة قال أفلا آذنتموني قالوا كنت نائما فكرهنا ان نوقظك قال فلا تفعلوا

الغسل ومن الودى والمذى الوضوء بغسل حشفته ويتوضأ منه (عب عن) * عن ابن عباس قال وجب الوضوء على كل نائم الا من خفق برأسه خفقة أو خفقتين وهو قائم أو قاعد (ص) * عن ابن عباس قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يأكل لقما مست النار ثم يصلي ولا يتوضأ (ص ش) * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يتوضأ ثم يخرج الى الصلاة فيقبلني ثم يمضي الى الصلاة فما يحدث وضوأ (عب) * عن ابن عباس قال انما النار بركة الطعام وما نحل من شئ ولا تحرمه ولا وضوء مما مسته النار (٤٤٥) ولا وضوء مما دخل انما الوضوء مما خرج من الانسان (عب) * عن عائشة قالت يتوضأ أحدكم من الطعام الطيب ولا يتوضأ من الكلمة العوراء يقولها (عب) * عن ابن مسعود نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم أن نكشف سترا أو ننكف شعرا أو نحدث وضوأ قال يحيى بن أبي كثير أن نكشف سترا يقول لا يكشف الثوب عن يده اذا سجد أو نحدث وضوأ * قال اذا وطئ نتنا وكان متوضئا (عب) * عن عمر قال من وقى أنفه وحدث بطنه فليتوضأ (ص ش) * عن سعيد بن المسيب عن عمر انه قعد على باب مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم فاكل لحما ثم صلى ولم يتوضأ وقال قعدت مقعد رسول الله صلى الله عليه وسلم وأكلت طعام رسول الله صلى الله عليه وسلم وصليت صلاة رسول الله صلى الله عليه وسلم أبو بكر للديباجي في فوائده * عن ابن عباس انا ندهن بالدهن وقد طبخ على النار ونتوضأ بالحميم وقد أغلي على النار (ش) * عن ابن عباس عن ابن مسعود قال كنا لا نتوضأ من موطئ (ص ش) * عن

فادعوني لجمائزكم فصف عليها فصلى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون انا ابن عوف عن نافع عن ابن عمر عن عامر بن ربيعة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيت جنازة فقم حتى تجاوزك أو قال قف حتى تجاوزك قال وكان ابن عمر اذا رأى جنازة قام حتى تجاوزه وكان اذا خرج مع جنازة لم يقعد حتى توضع في اللحد في المقابر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن عبيد الله قال أخبرني نافع عن ابن عمر عن عامر بن ربيعة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رأى أحدكم الجنازة فلم يكن ماشيا معها فليقم حتى تجاوزه أو توضع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه أن رجلا من بني فزارة تزوج امرأة على نعلين فأجاز النبي صلى الله عليه وسلم نكاحه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وأبو بكر قالا ثنا ابن جريج قال سمعت نافعا يقول كان عبد الله بن عمر يأمر عامر بن ربيعة انه كان يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم اذا رأى أحدكم الجنازة فليقم حين يراها حتى تخلفه اذا كان غير متبوعها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان وعبد الرحمن عن سفيان عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم مالا أحصي يستاك وهو صائم مالا أحصي وهو صائم وقال عبد الرحمن مالا أحصي ينسوك وهو صائم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة وحجاج قال سمعت شعبة عن عاصم بن عبيد الله قال سمعت عبد الله بن عامر يحدث عن أبيه أن رجلا تزوج امرأة على نعلين قال فأتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال له ذلك فقال أرضيت من نفسك ومالك بنعلين قالت نعم قال شعبة فقلت له كأنه أجازه قال كأنه أجازه قال شعبة ثم لقيته فقال أرضيت من نفسك ومالك بنعلين فقالت رأيت ذلك فقال وأنا أرى ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة وحجاج قال حدثني شعبة عن عاصم بن عبيد الله قال سمعت عبد الله بن عامر بن ربيعة يحدث عن أبيه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يخاطب يقول لمن صلى على صلاة لم تزل الملائكة تصلي عليه ما صلى على فليقل عبد من ذلك أو ليكثر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا ابن جريج قال أخبرني عاصم بن عبيد الله أن النبي صلى الله عليه وسلم قال انها ستكون من بعدي امراء يعملون الصلاة لوقتها ويؤخرونها عن وقتها فصلوها معهم فان صلوها لوقتها وصليتم معهم لكم ولهم وان أخروها عن وقتها فصليتم وهم معهم فلكم وعليهم من فارق الجماعة مات ميتة جاهلية يوم نكث العهد ومات نبا كنا للعهد جاهليا يوم القيامة لا حجة له قلت له من أخبرك هذا الخبر قال أخبرنيه عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه عامر بن ربيعة يخبر عامر بن ربيعة عن النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن سالم عن ابن عمر عن عامر بن ربيعة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأى أحدكم الجنازة فليقم حتى تخلفه أو توضع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن أيوب عن نافع عن ابن عمر عن عامر بن ربيعة عن النبي صلى الله عليه وسلم مثله حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن الزهري عن عبد الله بن عامر ابن ربيعة عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على ظهر راحلته النوافل في كل جهة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل أنا أيوب عن نافع عن ابن عمر عن عامر بن ربيعة قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا رأيت جنازة فان لم تكن ماشيا معها فقم لها حتى تخلفك أو توضع قال فكان ابن عمر ربما تقدم الجنازة فقعد حتى اذا رآها قد أشرفت قام حتى توضع وربما اشترته حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد

على قال لا أبالي أمسست ذكري أو طرف أذني ص) * (الباب الثالث في التخلي والاستنجاء وآدابهما وفيه ثلاثة فصول الفصل الاول في آداب التخلي وفيه فرعان الفرع الاول في التحرز عن اصابة البول) * ان عامة عذاب القبر من البول فتنزهوا منه عبد بن حميد والبزار (طب ك) عن ابن عباس * اتقوا البول فانه أول ما يحاسب به العبد في القبر (طب) عن أبي امامة * أكثر عذاب القبر من البول (حم ه ك) عن أبي هريرة * انهما ليعذبان وما يعذبان في كبير أما أحدهما فكان لا يستنزه من البول وأما الآخر فكان يمشي بالنميمة (حم ق ٤) عن

ابن عباس (حم) عن أبي امامة * ألم تعلموا ما لقي صاحب بني اسرائيل كانوا اذا أصابهم البول قطعوا ما أصابه البول منهم فنهاهم عن ذلك فعذب في قبره (د ن ه حب ك هق) عن عبد الرحمن بن حسنة * اذا بال أحدكم فليرتد لبوله مكانا لينا (د) عن أبي موسى * اذا بال أحدكم فلينتر ذكره ثلاث نترات (حم د) في مراسيله عن يزداد * اذا بال أحدكم فلا يستقبل الريح بوله فترده عليه ولا يستجمر بيمينه (ع) وابن قانع عن حضرمي بن عامر وهو مما يرض له البجلي (٤٤٦) (الاكمال) ان أكثر ما يبتلى به هذه الامة في قبورها البول الخطيب في المتفق والمفترق

عن جابر وفيه ابراهيم بن الحويرث متروك * خففوا ما بال عليه من التراب فالقوه واهرسوه واهريقوا على مكانه ماء (د) عن عبد الله بن مغفل بن مقرن مرسلا * دعوه واهريقوا على بوله سجلا من ماء وانما بعثتم ميسرين ولم تبعثوا معسرين (حم خ د ن حب) عن أبي هريرة قال بال اعرابي في المسجد فتناوله الناس فقال لهم النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * دعوه ولا تزرموه (ه ن) عن أنس ان اعرابيا بال في المسجد فقام اليه بعض القوم فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * لا ينتقع بول في طست في البيت فان الملائكة لا تدخل بيتا فيه بول منتقع ولا تبولن في مغتسل (طس ك) عن عبد الله بن يزيد * (الافعال) * عن شيبة بن مساور عن أنس قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم بقبرين فنظرت بعلتة الشهباء فأخذ القوم بلجامها فقال خلوا عنها فان صاحب القبر يعذب فانه لا يستتره من البول (هق) في كتاب عذاب القبر * عن عبد الله بن محمد بن علي عن أبيه عن جده عن علي بن أبي طالب قال مر النبي صلى الله عليه وسلم بقبرين يعذبان فقال انهما يعذبان وما يعذبان في كبير أما أحدهما فكان لا يتنزه عن بوله وأما الآخر فكان يمشي بالنميمة (ك) * (الفرع الثاني في آداب متفرقة) * ستر ما بين أعين الجن وعورات بني آدم اذا دخل أحدهم الخلاء أن يقول بسم الله (حم ت ه) عن علي * هذه الحشوش محتضرة فاذا دخل أحدكم فليقل بسم الله * ابن السني عن أبي هريرة * ان هذه الحشوش محتضرة فاذا أتى أحدكم الخلوة فليقل أعوذ بالله من الخبث والخبائث (حم د ن ه حب ك) عن زيد بن أرقم * عليكم بالبقاء

الاعلى ثنا معمر عن الزهري عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على راحلته حيث توجهت به حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن ابن شهاب عن سالم عن أبيه عن عامر بن ربيعة يبلغ به النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجنازة فقوموا لها حتى تخلفكم أو توضع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى عن سفيان عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يستلم الاعدولا أحصي وهو يطوف بالبيت حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن شعبة عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما صلى علي أحد صلاة الا صلت عليه الملائكة ما دام يصلي علي فليقل عبد من ذلك أو ليكثر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا شعيب بن حرب ثنا شعبة قال أنا عاصم بن عبيد الله قال سمعت عبد الله بن عامر بن ربيعة يحدث عن أبيه وكان بدريا عن النبي صلى الله عليه وسلم قال من صلى علي صلاة فذكره حدثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن محمد بن حنبل بن هلال بن أسد الشيباني قال حدثني أبي رحمة الله عليه ثنا وكيع ثنا سفيان عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر عن أبيه أن رجلا من بني فزارة تزوج امرأة على نعلين فأجازه النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد أنا المسعودي عن أبي بكر بن حفص بن عمر بن سعد بن أبي وقاص عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه وكان بدريا قال لقد كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يبعثني في الحاجة فأنطلق فما أريد الا أن أرجع فأمر بالتمر فيقسم قبضة قبضة حتى يصير الى تمرة تمرة قال فقلت لها أبت ما معي ان ألقى بالتمرة عنكم قال لا تقل ذلك يا بني فبعدا ناها فاختللنا بها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر قال أنا ابن جريج قال أخبرني عاصم بن عبيد الله ان النبي صلى الله عليه وسلم قال سيكون أمراء يعبدون الصلاة لوقتها ويؤخرونها لوقتها فان صلوها لوقتها وصلوها معهم فلكم ولهم وان أخروها عن وقتها وصلوها معهم فلكم وعليهم من فارق الجماعة مات ميتة جاهلية ومن نكث العهد فمات فانا كنا نعهد يأتي يوم القيامة لا حجة له قلت من أخبرك هذا الخبر قال أخبرني عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه عامر بن ربيعة يخبر عن النبي صلى الله عليه وسلم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا ابن جريج قال عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر بن ربيعة عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تابعوا بين الحج والعمرة فان متابعة بينهما تنفي الفقر والذنوب كما ينفي الكير خبث الحديد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث حدثني عقيل عن ابن شهاب عن عبد الله ابن عامر بن ربيعة ان عامر بن ربيعة قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يسبح وهو على الراحلة ويومئ برأسه قبل اي وجه توجه ولم يكن رسول الله صلى الله عليه وسلم يصنع ذلك في الصلاة المكتوبة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر وحسن قالا ثنا شريك عن عاصم بن عبيد الله عن عبد الله بن عامر يعني ابن ربيعة عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من مات وليست عليه طاعة مات ميتة جاهلية فان خلعها من بعد عقدها في عنقه لقي الله تبارك وتعالى وليست له حجة ألا لا يخلون رجل بامرأة لا تحل له فان ثالثهما الشيطان الا محرم فان الشيطان مع البواحد وهو من الاثنين أبعد من ساءته سيئته وسرته حسنته فهو مؤمن قال الرحمن بعد عقدها اياها في عنقه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر ثنا شريك عن عاصم عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم قال أسود وربما ذكر شريك عن عاصم عن عبد الله بن عامر عن

الدرفافه يذهب بالباسور (ع) عن ابن عمر * عليكم بغسل الدرفافه مذهبة للباسور ابن السني وأبو نعيم عن ابن عمر * اذا استطاب أحدكم فلا يستطب بيمينه ليستنج بشماله (ه) عن أبي هريرة * أستنجوا بالماء البارد فانه مسحة للباسير (طس) عن عائشة (عب) عن المسور بن رفاعة القرظي * من استطاب بثلاثة أحجار ليس فيهن رجيع كن له طهورا (طب) عن خزيمة * اذا أتى أحدكم البراز فليكرم قبله الله فلا يستقبلها ولا يستدبرها ثم ليستطب بثلاثة أحجار أو ثلاثة أعواد أو ثلاث حثيات من تراب ثم ليقل (٤٤٢) الحمد لله الذي أخرج عني ما يؤذيني وأمسك

أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تابعوا بين الحج والعمرة فان متابعة بينهما تزيد في العمر والرزق وتنفيان الذنوب كما ينفي الكير خبث الحديد حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن عاصم عن عبد الله ابن عامر بن ربيعة يحدث عن عمر رضي الله تعالى عنه بلغ به يقال من محمد الى النبي صلى الله عليه وسلم قال تابعوا بين الحج والعمرة فان متابعة بينهما ينفيان الذنوب والفقر كما ينفي الكير الخبث قال سفيان ليس فيه أنه يزيد في العمر مائة مرة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي أخي ابن شهاب عن عمه قال أخبرني عالم بن عبد الله ان عبد الله بن عمر قال أخبرني عامر بن ربيعة أحد بني عدي بن كعب ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا رأيتم الجنازة فقوموا لها حتى تخلفكم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا أبي عن عبد الله بن عيسى عن أمية بن هند بن سهل بن حنيف عن عبد الله بن عامر قال انطلق عامر بن ربيعة وسهل بن حنيف يريدان الغسل قال فانطلقا بإنسان الخمر قال فوضع عامر رجله كانت عليه مروحة فنظرت اليه فاصابته بعيني فنزل الماء يغتسل قال فسمعته في الماء قرقعة فانيته فنادينه ثلاثا فلم يجبني فاتيت النبي صلى الله عليه وسلم فاخبرته قال فهل عندك ماء تشفيه قلت نعم فاتيته فناديته

للصفحة وجبر المصيبة (عق) عن ابن عباس بن سهل بن سعد الساعدي عن أبيه عن جده * لكم كل عظم ذكر اسم الله عليه يقع في أيديكم أوفر ما يكون لحما وكل بعرة علف لدوابكم فلا تستنجوا بهما فانهما طعام اخوانكم (م) عن ابن مسعود ان الجن سألوا رسول الله صلى الله عليه وسلم الزاد قال فذكره * من لم يستقبل القبلة ولم يستدبرها في الغائط كتب له حسنة ومحي عنه سيئة (طس) عن أبي هريرة وحسن * من جلس يبول قبالة القبلة فذكر فتخوف (٤٤٨) عنها الجلالا لها لم يقم من مجلسه حتى يغفر له الطبري في تهذيبه عن الحسن مرسلا وفيه

عليه وسلم فقال اعتقوها فقالوا ليس لنا خادم غيرها قال فليستخدموها فاذا استغنوا فليخلوا سبيلها.

*(حديث أبي حدرد الاسلمي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن سفيان عن يحيى بن سعيد عن محمد بن ابراهيم التيمي عن أبي حدرد الاسلمي انه أتى النبي صلى الله عليه وسلم يستفتيه في مهر امرأته فقال كم أمهرتها قال مائتي درهم فقال لو كنتم تغرفون من بطحان ما زدتم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى الرزاق ثنا سفيان عن يحيى بن سعيد عن محمد بن ابراهيم التيمي قال ثنا أبو حدرد الاسلمي ان رجلا له ذكره نحوه

*(حديث مهران مولى لرسول الله صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن عطاء بن السائب قال أتيت أم كلثوم ابنة علي بشيء من الصدقة فردتها وقالت حدثني مولى النبي صلى الله عليه وسلم يقال له مهران أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ان آل محمد لا تحل لنا الصدقة ومولى القوم منهم

*(حديث رجل من أسلم رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن سهيل بن أبي صالح عن أبيه عن رجل من أسلم انه لدغ فذكر ذلك للنبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم لو أقبلت حين أمسيت أعوذ بكلمات الله التامات من شر ما خلق لم يضرك قال سهيل فكان أبي اذا لدغ أحدنا يقول فلها فان قالوا نعم قال كأنه يرى انها لا تضره

*(حديث سهل بن أبي حثمة رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن يحيى بن سعيد وعبد الرحمن بن القاسم بن محمد بن أبي بكر الصديق عن القاسم عن صالح بن خوات عن سهل بن أبي حثمة أما عبد الرحمن فرفعه الى النبي صلى الله عليه وسلم وأما يحيى فذكر عن سهل قال يقوم الامام وصف خلفه ووصف بين يديه فيصلي بالذي خلفه ركعة وسجدتين ثم يقوم فاذا استوى قائما صلوا ركعة أخرى ثم يتقدمون الى مكان أصحابهم ثم يجيء أولئك فيقومون مقام هؤلاء فيصلي بهم ركعة وسجدتين ثم يقعد حتى يقضوا ركعة أخرى ثم يسلم عليهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة ومالك بن أنس عن يحيى عن أبي شعبة عن القاسم بن محمد عن صالح بن خوات عن سهل بن أبي حثمة فذكر معناه الا أنه قال يصلي بالذين خلفه ركعة وسجدتين ثم يقعد بمكانه حتى يقضوا ركعة وسجدتين ثم ينحرفوا الى مقام أصحابهم ثم يتحول أصحابهم الى مكان هؤلاء فذكر معناه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا شعبة عن عبد الرحمن بن القاسم عن أبيه عن صالح بن خوات عن سهل بن أبي حثمة عن النبي صلى الله عليه وسلم مثل هذا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال اخبرني حبيب ابن عبد الرحمن الانصاري قال سمعت عبد الرحمن بن مسعود بن نيار قال جاء سهل بن ابي حثمة الى مجلسنا فحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال اذا خرصتم فخذوا ودعوا الثلث فان لم تخرصوا فدعوا الربع

*(حديث عصام المزني رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال ذكره عبد الملك بن نوفل بن مساحق قال سفيان وجده بدري عن رجل من مزينة يقال له ابن عصام عن ابيه وكان من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال كان النبي صلى الله عليه وسلم اذا بعث السرية يقول اذا رأيتم مسجدا أو سمعتم منادا فلا تقتلوا أحدا قال ابن عصام عن ابيه بعثنا

كذاب *(الافعال) *عن ابن شهاب ان أبا بكر الصديق قال لزياد وهو يخطب استحيوا من الله فوالله ما خرجت لحاجة منذ بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم الا قنعا وأسى حياء من الله (ز حب) في روضة العقلاء وهو منقطع *عن الحسن البصري انه كان يقول اذا استنجى الحمد لله الذي أذهب عني الاذى وعافاني اللهم اجعلني من التوابين واجعلني من المتطهرين (عب) عن مجاهد قال يجتنب الملك الانسان في موطنين عند غائطه وعند جماعه (عب) *عن الاصبغ بن نباتة قال كان علي اذا دخل الخلاء قال بسم الله الحافظ المؤذي واذا خرج مسح بيديه بطنه وقال بالهانعمة لو يعلم العباد شكرها ابن أبي الدنيا في الشكر (هب) *عن الحسن قال أخبرني من رأى النبي صلى الله عليه وسلم بال قاعدا فضرج حتى ظننت ان وركه ينفلق (عب ش ص) *عن عائشة قالت مرن أزواجكن أن يغسلوا أثر الغائط والبول فان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يفعله وفي لفظ كان يأمر به (ص ش طس كر) عن عائشة انها قالت مرن أزواجكن أن يغسلوا أثر الغائط والبول فاني لولا أستحي لامرهم بذلك (عب ص) *عن ابن مسعود قال خرجت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم لحاجة فقال ائتني بشيء أستنجي به ولا تقربني حائلا ولا رجيعا (ش) عن علي ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان اذا دخل الخلاء حمل معه ماء في عنزة فاذا خرج توضأ حوله في بساره ابن الجوزي في الواهيات وقال لا يصح فيه عمرو بن خالد الواسطي كذاب بضع

الحديث *عن قبيصة بن ذؤيب قال رأيت زيد بن ثابت يبول قائما (عب) *عن عبد الله بن عمر كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد الحاجة برز حتى لا يرى أحد او كان لا يرفع ثوبه حتى يدنو من الارض (ش) *عن عبد الله بن عمر قال ارتقيت فوق سطح لنا فرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو في بيت حفصة يضرب الخلاء بين لبنتين وهو متوجه نحو بيت المقدس (عب) *وعنه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم جالسا يقضي حاجته متوجها نحو القبلة (ش) *عن ابن سيرين قال خرج علي من الخلاء يشرب  ماء قبل أن يتوضأ وقال اطهر بماء أولا

رسول الله صلى الله عليه وسلم في سرية *(حديث السائب بن يزيد رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن عبد ربه ثنا بقية بن الوليد قال حدثني الزبيدي عن الزهري عن السائب بن يزيد انه لم يكن يقص على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا ابي بكر وكان اول من قص تميم الداري استأذن عمر بن الخطاب أن يقص على الناس قائما فاذن له عمر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني محمد بن مسلم بن عبيد الله الزهري عن السائب بن يزيد بن أخت نمر قال لم يكن لرسول الله صلى الله عليه وسلم الا مؤذن واحد في الصلوات كلها في الجمعة وغيرها يؤذن اذا قعد ويقيم اذا قام قال كان بلال يؤذن اذا جلس رسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر يوم الجمعة ويقيم اذا نزل ولابي بكر وعمر رضي الله تعالى عنهما حتى كان عثمان **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال معروف قال عبد الله وسمعته أنا من هرون قال أنا ابن وهب قال حدثني عبد الله بن الاسود القرشي أن يزيد بن خصيفة حدثه عن السائب بن يزيد أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تزال أمتي على الفطرة ما صلوا المغرب قبل طلوع النجوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا حاتم بن اسمعيل عن محمد يعني ابن يوسف عن السائب بن يزيد قال حجي مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع وأنا ابن سبع سنين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مكي بن ابراهيم ثنا الجعيد عن يزيد بن أبي خصيفة عن السائب بن يزيد قال كنا أتى بالشارب في عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وفي امرة أبي بكر وصدرا من امرة عمر فنقوم اليه فنضربه بايدينا ونعالنا وأرديتنا حتى كان صدرا من امرة عمر فجلدنا فيها أربعين حتى اذا عتوا فيها وفسقوا جلدنا ثمانين **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مكي ثنا الجعيد عن يزيد بن خصيفة عن السائب بن يزيد أن امي أقبلت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا عتيشة تعرفين هذه قالت لا يا نبي الله فقال هذه قبيلة فلان هذبي ان تغنيك ان تغنيك قالت نعم قال فاعطاها طبقا فغنتها فقال النبي صلى الله عليه وسلم قد نفخ الشيطان في منخريها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن السائب بن يزيد قال خرجت مع الصبيان الى ثنية الوداع نتلقى رسول الله صلى الله عليه وسلم من غزوة تبوك وقال سفيان مرة أذكر مقدم النبي صلى الله عليه وسلم لما قدم النبي صلى الله عليه وسلم من تبوك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن خصيفة عن السائب بن يزيد ان شاء الله ان النبي صلى الله عليه وسلم ظاهر بين درعين يوم أحد وجد ثنا به مرة أخرى فلم يستثن فيه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم قال ثنا ابن ادريس وأبو شهاب عن محمد بن اسحق عن الزهري عن السائب بن يزيد ابن أخت نمر قال ما كان لرسول الله صلى الله عليه وسلم الا مؤذن واحد يؤذن اذا قعد على المنبر ويقيم اذا نزل وأبو بكر كذلك وعمر كذلك رضي الله تعالى عنهما **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم قال ثنا ابن مبارك عن يونس عن الزهري عن السائب بن يزيد ان شريحا الحضرمي قال اذكر عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال ذاك رجل لا يتوسد القرآن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا ابن مبارك عن يونس عن الزهري عن السائب بن يزيد أن شريحا الحضرمي ذكر عند النبي صلى الله عليه وسلم فقال ذاك رجل لا يتوسد القرآن **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله قال أنا يونس بن يزيد عن الزهري قال أخبرني السائب بن يزيد فذكر مثله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان ثنا شعيب عن الزهري قال حدثني السائب بن يزيد ابن أخت نمر ان النبي صلى الله

(ص) *عن مولى عمر يسار ابن نمير قال كان عمر اذا بال قال ناولني شيأ استنجي به فاناوله الحمودة والجر أو يأتي حائطا يتمسح أو يمسه الارض ولم يكن يغسله الترقيني *عن الحكم ان عمر بن الخطاب كان له حجر او عظم في حجر في حائط في مكان فكان يأتيه فيمسح ثم يمسحه بذلك الحجر أو بذلك العظم ثم يتوضأ ولم يمس ماء (ص) *عن عبد الله بن الزبير انه رأى رجلا يغسل عنه أثر الغائط فقال ما كنا نفعله (ص ش) *عن مجاهد قال غسل الدبر من الفطرة (ص) *عن ابراهيم بن سعد ابن أبي وقاص رأى رجلا يغسل ذكره فقال لا تلحقوا في دينكم ما ليس منه يرى أحدكم أن حقا عليه يغسل ذكره اذا بال وان تركه جفاء (عب ص) *عن عبد الملك ابن عمير قال قال علي ان من كان قبلكم كانوا يبعرون بعرا وانتم تثلطون ثلطا فاتبعوا الحجارة بالماء (عب ص) *عن أنس ان رسول الله صلى الله عليه وسلم استنجى بالماء (ص) *عن يحيى بن أبي كثير قال كان أنس بن مالك يستنجي بالحرير

 *(الفصل الثاني في محظورات التخلي)* انما أنا لكم بمنزلة الوالد أعلمكم فاذا أتى أحدكم الغائط فلا يستقبل القبلة ولا يستدبرها ولا يستطب بيمينه (حم د ن ه حب) عن أبي هريرة *اتقوا اللاعنين الذي يتخلى في طريق الناس أو في ظلهم (حم م) عن أبي هريرة *اتقوا الملاعن الثلاث البراز في الموارد وقارعة الطريق والظل (د ك هق) عن معاذ اتقوا الملاعن الثلاث أن يقعد أحدكم في ظل يستظل فيه أو في طريق أو في نقع ماء (حم) عن ابن عباس *اذا أتى أحدكم الغائط فلا

يستقبل القبلة ولا يولها ظهره ثم قوا أو خربوا (حم ق ٤) عن أبي أيوب * من استنجى من الريح فليس منا ابن عساكر عن جابر * نهى أن يستنجى ببعرة أو عظم (حم م د) عن جابر * نهى أن يبال في الماء الجاري (طس) عن جابر * نهى أن يبول الرجل قائما (ه) عن جابر * نهى أن يستقبل الرجل بيول أرعائها (حم د ه) عن معقل الاسدي * نهى أن يتخلى الرجل تحت شجرة مثمرة ونهى أن يتخلى على ضفة نهر جار (عد) عن ابن عمر * نهى أن



يبال في الجحر (د ك) عن عبد الله بن سرجس * نهى أن يبال في قبلة المسجد (د) في مراسيله عن أبي مجلز مرسلا * نهى أن يبال بأبواب المساجد (د) في مراسيله عن مكحول مرسلا * ابعدوا الاستار اذا ذهبتم لتغوطوا واعدوا النبل واتقوا الملاعن ولا يتغوط أحدكم تحت شجرة ينزل تحتها أحد ولا عند ماء يشرب منه فيدعون الله عليكم (حب) عن الشعبي مرسلا * ليستنجى أحدكم بثلاثة أحجار (م ن) عن سلمان * لا يبولن أحدكم في مستحمه ثم يتوضأ فيه فان عامة الوسواس منه (حم ٤ ك حب) عن عبد الله بن مغفل * لا يبولن أحدكم في الماء الدائم الذي لا يجري ثم يغتسل فيه (ق د ن) عن أبي هريرة * لا يبولن أحدكم في الماء الدائم ثم يتوضأ منه (حم ت ن حب) عن أبي هريرة لا يبولن أحدكم في الماء الدائم ولا يغتسل فيه من الجنابة (د حب) عن أبي هريرة * لا يبولن أحدكم مستقبل القبلة (ه) عن عبد الله بن الحرث بن جزء * من أذى المسلمين في طريقهم وجبت عليه لعنتهم (طب) عن حذيفة بن أسيد * (الاكمال) * لا يبولن أحدكم في الماء الدائم ثم يتوضأ منه أو يشرب الطحاوي (حب هق) عن أبي هريرة * من تغوط على ضفة نهر يتوضأ منه ويشرب فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين الخطيب عن أبي هريرة * اياكم والبول على المقابر فانه بورث البرص الديلمي عن أنس * من جلس على قبر يبول عليه أو يتغوط فكأنما جلس على جمرة نار الروياني عن أبي امامة وضعف ابن منيع عن أبي هريرة وضعف * اتقوا اللعانين الذي يتخلى في طريق الناس وأفنيتهم (ب) عن أبي هريرة * من شل سخيمة

---

عليه وسلم قال لا عدوى ولا صفر ولا هامة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي ذئب عن الزهري عن السائب بن يزيد قال كان الاذان على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر رضي الله تعالى عنهما أذانين حتى كان زمن عثمان فكثر الناس فأمر بالاذان الاول بالزوراء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس ثنا ليث عن يزيد يعني ابن الهاد عن اسمعيل بن عبد الله بن جعفر قال بلغني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ما من انسان يكون في مجلس فيقول حين يريد أن يقوم سبحانك اللهم وبحمدك لا اله الا أنت أستغفرك وأتوب اليك الا غفر له ما كان في ذلك المجلس قلت هذا الحديث يزيد بن خصيفة قال هكذا حدثني السائب بن يزيد عن رسول الله صلى الله عليه وسلم

*(حديث أبي سعيد بن المعلى عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن خبيب بن عبد الرحمن عن حفص بن عاصم عن أبي سعيد بن المعلى قال كنت أصلي فمر بي رسول الله صلى الله عليه وسلم فدعاني فلم آته حتى صليت ثم أتيته فقال ما منعك أن تأتيني فقلت اني كنت أصلي قال ألم يقل الله تبارك وتعالى يا أيها الذين آمنوا استجيبوا لله وللرسول اذا دعاكم لما يحييكم ثم قال ألا أعلمك أعظم سورة في القرآن قبل أن أخرج من المسجد قال فذهب رسول الله صلى الله عليه وسلم ليخرج فذكرته فقال الحمد لله رب العالمين هي السبع المثاني والقرآن العظيم الذي أوتيته

*(حديث الحجاج بن عمرو الانصاري رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا حجاج يعني الصواف عن يحيى بن أبي كثير عن عكرمة عن الحجاج بن عمرو الانصاري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول واسمعيل قال أخبرني الحجاج بن أبي عثمان قال ثنا يحيى بن أبي كثير ان عكرمة مولى ابن عباس حدثه قال حدثني الحجاج بن عمرو الانصاري قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من كسر أو عرج فقد حل وعليه حجة أخرى قال فذكرت ذلك لابن عباس وأبي هريرة فقالا صدق قال اسمعيل فحدثت بذلك ابن عباس وأبا هريرة فقالا صدق

*(حديث أبي سعيد الرزقي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن أبي التياح قال سمعت عبد الله بن مرة يحدث عن أبي سعيد الرزقي أن رجلا من أشجع سأل النبي صلى الله عليه وسلم عن النزل فقال ان امرأتي ترضع فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان ما يقدر في الرحم فسيكون

*(حديث حجاج الاسلمي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى ثنا هشام وابن نمير قال ثنا هشام قال أخبرني عن أبي عن حجاج بن حجاج عن أبيه وقال ابن نمير ثنا رجل من أسلم قال قلت يا رسول الله ما يذهب عني مذمة الرضاع قال غرة عبد أو أمة

*(حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله بن أحمد حدثني أبي قال ثنا عبد الرحمن عن سفيان واسحق عن سفيان قال سفيان عن عبد الكريم الجزري عن عبد الرحمن بن أبي عمرة عن عمه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا تجمعوا اسمي وكنيتي

*(حديث عبد الله بن ذافة رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي حدثنا عبد الرحمن عن سفيان عن عبد الله يعني ابن أبي بكر وسالم ابي النضر عن سليمان

على طريق المسلمين فعليه لعنة الله والملائكة والناس أجمعين (طس هـ) عن أبي هريرة *(الافعال)* عن عائشة ما طهر الله أحدا بال في مغتسله (ص) *(الفصل الثالث في ازالة النجاسة)* انما يغسل من بول الانثى ويتضح من بول الذكر (حم د ه ك) عن أم الفضل *اذا كان الغلام لم يطعم أطعم صب على بوله واذا كانت الجارية غسل (ابن ن) عن أم سلمة *اذا وطئ أحدكم بنعله الاذى فان التراب له طهور (د ك) عن أبي هريرة *اذا وطئ الاذى بخفيه فطهورهما التراب (د) عن أبي هريرة وعن عائشة *الطرق يطهر بعضها بعضا (عد هق) عن أبي هريرة *اذا وقعت الفأرة في السمن فان كان جامدا فالقوها وما حولها وان كان مائعا فلا تقربوه (د) عن أبي هريرة وعن ميمونة *عذاب القبر من أثر البول فمن أصابه بول فليغسله فان لم يجد فليمسحه بتراب طيب (طب) عن ميمونة بنت سعد *الدم مقدار الدرهم يغسل وتعاد منه الصلاة (خط) عن أبي هريرة *اذا أصاب ثوب احدا كن الدم من الحيضة فلتقرصه ثم لتنضحه بماء ثم لتصل فيه (ق د) عن أسماء بنت أبي بكر *(الاكمال)* استصبحوا به ولا تاكلوه (قط هق) عن أبي سعيد سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الفأرة تقع في السمن والزيت قال فذكره *ان كان جامدا أخذ ما حولها قدر الكف واذا وقعت في الزيت استصبح (غ) عن ابن المسيب مرسلا *التراب له طهور عبد الرزاق عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم سئل عن الرجل يطأ بنعليه الاذى قال فذكره *يطهره ما بعده (حم ت) عن أم سلمة ان امرأة قالت يا رسول الله اني أطيل ذيلي وأمشي المكان القذر قال فذكره *يا سلمان كل طعام وشراب وقعت فيه دابة ليس لها دم فماتت فيه فهو الحلال أكله وشربه ووضوءه (قط) ضعفه والخطيب في المتفق والمفترق عن سلمان *تحته ثم تقرصه بالماء ثم تنضحه ثم تصلي فيه (خ م د) عن أسماء أنها قالت يا رسول الله أصاب احدانا تحيض في الثوب كيف تصنع قال فذكره *حكيه بضلع واغسليه بماء وسدر عبد الرزاق (حم د ن ه حب) عن أم قيس بنت



سلمان بن يسار عن عبيد الله بن خداقة أن النبي صلى الله عليه وسلم أمره أن ينادي في أيام التشريق أنها أيام أكل وشرب *(حديث عبد الله بن رواحة رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن ثنا سفيان عن حميد الاعرج عن محمد بن ابراهيم عن أبي سلمة عن عبد الله بن رواحة أنه قدم من سفر ليلا فتعجل الى امرأته فاذا في بيتها مصباح واذا امرأة معها شيء فاخذ السيف فقالت امرأته اليك اليك عني فلانة تشاتمني فاتى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبره فنهى أن يطرق الرجل أهله ليلا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعمر بن بشر ثنا عبد الله قال أنا يونس عن الزهري قال سمعت سنان بن أبي سنان قال سمعت أبا هريرة يقول فانهما في قصصهما أخالكم كان لا يقول الرفث يعني ابن رواحة قال وفينا رسول الله يتلو كتابه * اذا انشق معروف من الليل ساطع

أرانا الهدى بعد العمى فقلوبنا * به موقنات ان ما قال واقع

يبيت يجافي جنبه عن فراشه * اذا استثقلت بالكافرين المضاجع

*(حديث سهيل بن البيضاء عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد قال أنا أبو بكر بن مضر عن ابن الهاد عن محمد بن ابراهيم عن سعيد بن الصلت عن سهيل بن البيضاء قال بينما نحن في سفر مع رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا رديفه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يا سهيل بن البيضاء ورفع صوته مرتين أو ثلاثا كل ذلك يجيبه سهيل سمع الناس صوت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا انه يريدهم فجاءوه فمن كان بين يديه ولحقه ممن كان خلفه حتى اذا اجتمعوا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من شهد أن لا اله الا الله حرمه الله على النار وأوجب له الجنة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هارون ثنا ابن وهب قال حيوة حدثني ابن الهاد عن محمد يعني ابن ابراهيم عن سعيد بن الصلت عن سهيل بن البيضاء من بني عبد الدار قال بينما نحن مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فذكر معناه *(حديث عقيل بن أبي طالب رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الحكم بن نافع قال ثنا اسمعيل بن عياش عن سالم بن عبد الله عن عبد الله ابن محمد بن عقيل قال تزوج عقيل بن أبي طالب فخرج علينا فقلنا بالرفاه والبنين فقال مه لا تقولوا ذلك فان النبي صلى الله عليه وسلم قد نهانا عن ذلك وقال قولوا بارك الله لنا وبارك عليك وبارك لك فيها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا يونس عن الحسن أن عقيل بن أبي طالب تزوج امرأة من بني جشم فدخل عليه القوم فقالوا بالرفاه والبنين فقال لا تقولوا هكذا ولكن قولوا كما أمرنا أن نقول قولوا بارك الله لكم وبارك عليكم انا كذلك كنا نؤمر *(حديث فروة بن مسيك رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن يحيى بن عبد الله بن بحير قال أخبرني من سمع فروة بن مسيك المرادي قال قلت يا رسول الله ان أرضنا عندنا يقال لها أرض أبين هي أرض وفقنا وميرتنا وانها وبئة أو قال ان بها وباء شديدا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم دعها عنك فان العرف المتالف

*(حديث رجل من الانصار رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن عبد الله بن عبد الله عن رجل من الانصار انه جاء بامة سوداء وقال يا رسول الله ان علي رقبة مؤمنة فان كنت ترى هذه مؤمنة اعتقتها فقال لها

بحصن انها سألت النبي صلى الله عليه وسلم عن دم الحيض يكون في الثوب قال فذكره * لا بأس ببول الحمار وكل ما أكل لحمه الخطيب عن علي * لا بأس ببول ما أكل لحمه (قط) وضعفه عن البراء * (الانفال) * عن يزيد بن وهب قال غزونا أذربيجان في امارة عمر وفينا لومنذ الزبير بن العوام فباعنا كتاب عمر انكم في أرض يخالط طعامها الميتة وألبانها الميتة فلا تأكلوا الا ما كان ذكاة ولا تلبسوا الا ما كان ذكاة * ابن سعد * عن أبي عثمان والربيع وأبي حارثة (٤٥٢) قال بلغ عمر أن خالد بن الوليد دخل الحمام فذلك بعد النورة بخبزة عصفر ومجمرين بخور فكتب

رسول الله صلى الله عليه وسلم أتشهد أن لا اله الا الله قالت نعم قال أتشهد أني رسول الله قالت نعم قال أتؤمنين بالبعث بعد الموت قالت نعم قال اعتقها

* (حديث رجل من بهز رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا يحيى بن محمد بن ابراهيم التيمي أخبره ان عيسى بن طلحة بن عبيد الله أخبره ان عمير بن سلمة الضمري أخبره عن رجل من بهز انه خرج مع رسول الله صلى الله عليه وسلم يريد مكة حتى اذا كانوا في بعض وادي الروحاء وجدوا الناس حيارى وحش عقير فذكروا للنبي صلى الله عليه وسلم فقال اقروه حتى يأتي صاحبه فاتى البهزي وكان صاحبه فقال يا رسول الله شأنكم بهذا الحمار فامر رسول الله صلى الله عليه وسلم أبا بكر فقسمه في الرفاق وهم محرمون قال ثم مررنا حتى اذا كنا بالاثاية اذا نحن بظبي حاقف في ظل فيه سهم فامر النبي صلى الله عليه وسلم رجلا ان يقعد عنده حتى يجيز الناس عنه

* (حديث النحال بن سفيان رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن سعيد بن المسيب ان عمر بن الخطاب رضي الله تعالى عنه قال ما أرى الدية الا للعصبة لانهم يعقلون عنه فهل سمع أحد منكم من رسول الله صلى الله عليه وسلم في ذلك شيأ فقال الضحاك بن سفيان الكلابي وكان استعمله رسول الله صلى الله عليه وسلم على الاعراب كتب الي رسول الله صلى الله عليه وسلم ان أورث امرأة اشيم الضبابي من ديته زوجها فاخذ بذلك عمر بن الخطاب رضي الله تعالى عنه * **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمعته من الزهري عن سعيد ان عمر قال الدية للعاقلة ولا ترث المرأة من دية زوجها حتى أخبره الضحاك بن سفيان الكلابي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كتب الى ان أورث امرأة اشيم الضبابي من دية زوجها فرجع عمر عن قوله

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أحمد بن عبد الملك ثنا حماد بن زيد عن علي بن جدعان عن الحسن عن الضحاك بن سفيان الكلابي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال له يا ضحاك ما طعامك قال يا رسول الله اللحم واللبن قال ثم يصير الى ماذا قال الى ما قد علمت قال فان الله تبارك وتعالى ضرب ما يخرج من ابن آدم مثلا للدنيا

* (حديث أبي لبابة عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن سالم عن ابن عمر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اقتلوا الحيات واقتلوا ذا الطفيتين والابتر فانهما يلتمعان البصر ويستسقطان الحبل قال ابن عمر فرآني أبو لبابة أو زيد بن الخطاب وأنا أطارد حية لاقتلها فنهاني فقلت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أمر بقتلهن فقال انه قد نهي بعد ذلك عن قتل ذوات البيوت قال الزهري وهي العوامر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا محمد بن اسحق عن نافع عن ابن عمر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر يقول اقتلوا الحيات واقتلوا ذا الطفيتين والابتر فانهما يلتمعان البصر ويستسقطان الحبل قال فكنت لا أرى حية الا قتلتها قال لي أبو لبابة بن عبد المنذر ألا تفتح عيني ويدك خوخة فقلت بلى قال فقمت أنا وهو ففتحنا ها فخرجت حية فعدوت عليها لاقتلها فقال لي مهلا فقلت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أمر بقتلهن قال انه قد نهي عن قتل ذوات البيوت **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا روح قال ثنا ابن جريج قال أخبرني ابن شهاب ان الحسين بن السائب أبا لبابة أخبره ان أبا لبابة بن عبد المنذر لما تاب الله عليه قال

---

يا

ابن صوحان العبدي عن علي بن أبي طالب قال ثم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أن ينتفع من الخز بشيء أو عروبة الحراني في مسند القاضي أبي يوسف * عن عائشة قالت والله انى كنت لافرك المني من ثوب رسول الله صلى الله عليه وسلم وما يغسله بالماء ثم يصلي فيه ونصلي (ص) عن سليمان بن يسار ان عمر بن الخطاب غدا الى أرضه بالجرف فرأى في ثوبه احتلاما فقال لقد ابتليت بالاحتلام منذ وليت أمر الناس

فاغتسل وغسل ما رأى في ثوبه من الاحتلام ثم صلى بعدان طلعت الشمس مالك *عن سليمان بن يسار قال حدثني الشريد قال كنت أنا وعمر بن الخطاب جالسين بينا نحن جلوس فرأى عمر في ثوبه جنابة فقال خط علينا هذا الاحتلام منذ أكلنا هذا الدسم ثم غسل ما رأى في ثوبه واغتسل وأعاد الصلاة (ب) *عن ابن جريج قال حدثني بعض أهل المدينة قال حديث مثبت عندنا ان عمر بن الخطاب كان يركب في كل جمعة ركبتين اعداهما يتطلع في أموال يتامى المهاجرين والاخرى يغتار في أرقاء الناس (٤٥٣) مما يبلغ منهم حتى اذا كان يوما في بعض

يا رسول الله ان من توبتي ان أهجر دار قومي وأساكنك وابي أن أخلع من مالي صدقة لله ولرسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يجزئ عنك الثلث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد ثنا شهبة قال عن عبد ربه عن نافع عن عبد الله بن عمر انه كان يأمر بقتل الحيات كلهن فاستأذنه أبو لبابة أن يدخل من خوخة لهم الى المسجد فرآهم يقتلون حية فقتل لهم أبو لبابة أما بلغكم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن قتل أولات البيوت والدور وأمر بقتل ذي الطفيتين والابتر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد قال ثنا عبيد الله عن نافع عن ابن عمر انه قتم بانا لخزوجت عنه حية فأمر بقتلها فقال له أبو لبابة لا تفعل فان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد نهى عن قتل الحيات التي تكون في البيوت

*(حديث الضحاك بن قيس رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا حماد بن سلمة قال أنا علي بن زيد عن الحسن ان الضحاك بن قيس كتب الى قيس بن الهيثم حين مات يزيد بن معاوية سلام عليك أما بعد فاني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان بين يدي الساعة فتنا كقطع الليل المظلم فتنا كقطع الدخان يموت فيها قلب الرجل كما يموت بدنه يصبح الرجل مؤمنا ويمسي كافرا ويمسي مؤمنا ويصبح كافرا يبيع أقوام دينهم بعرض من الدنيا وان يزيد بن معاوية قد مات وأنتم اخواننا وأشقاؤنا فلا تسبقونا حتى نختار لانفسنا

*(حديث أبي صرمة رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا يحيى بن سعيد ان محمد بن يحيى بن حبان أخبره ان عمه أبا صرمة كان يحدث ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يقول اللهم اني أسألك غنائي وغنى مولاي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا الليث عن يحيى بن سعيد عن محمد بن يحيى بن حبان عن أولاده عن أبي صرمة عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال من ضار ضار الله به ومن شاق شق الله عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد قال ثنا الليث عن يحيى بن سعيد عن محمد بن يحيى بن حبان عن أولاده عن أبي صرمة عن رسول الله صلى الله عليه وسلم انه قال اللهم اني أسألك غنائي وغنى مولاي

*(حديث عبد الرحمن بن عثمان رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال انا ابن أبي ذئب عن سعيد بن خالد عن سعيد بن المسيب عن عبد الرحمن بن عثمان قال ذكر طبيب عند رسول الله صلى الله عليه وسلم دواء وذكر الضفدع يجعل فيه فنهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قتل الضفدع

*(حديث معمر بن عبد الله رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال ثنا محمد بن اسحق عن محمد بن ابراهيم التيمي عن سعيد بن المسيب عن معمر بن عبد الله بن نضلة القرشي قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يحتكر الا خاطئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبدة بن سليمان قال ثنا محمد بن اسحق عن محمد بن ابراهيم عن سعيد بن المسيب عن معمر بن عبد الله العدوي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحتكر الا خاطئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن محمد بن اسحق عن محمد بن ابراهيم التيمي عن سعيد بن المسيب عن معمر رجل من قريش قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحتكر الا خاطئ **حدثنا** عبد الله

ذلك الجرف أدخل يده فوجد شيئا فقال اني لاظنني قد صليت جنبا انا اذا أصابنا الودك لانت نرقد فقام فاغتسل فصلى الصبح ولم يأمر الناس أن يصلوها *عن عائشة نزل بنا ليلة ضيف فأمرت له بملحفة صفراء فاحتلم فيها فاستحيا أن يرسل بها وفيها أثر الاحتلام فغمسها في الماء ثم أرسل بها فقالت عائشة لم أفسد علينا ثوبنا انما كان يكفيه أن يفركه باصبعه ربما فركته من ثوب رسول الله صلى الله عليه وسلم باصبعي (ش) *عن أنس رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يزق في ثوبه فرد بعضه على بعض (خط) في المتفق والمفترق (كر) *عن دحية أهديت لرسول الله صلى الله عليه وسلم جبة صوف وخفين فلبسهما حتى تخرقا ولم يسأل عنهما ذكاهما أم لا (طب) *عن أبي سعيد قال مر النبي صلى الله عليه وسلم بغلام يسلخ شاة فقال له تنح حتى أوالك فاني لا أراك تحسن تسلخ فادخل رسول

الله صلى الله عليه وسلم يده بين الجلد واللحم فدحس بها حتى توارت الى الابط فقال هكذا يا غلام فاسلخ ثم انطلق فصلى بالناس ولم يتوضأ يعني لم يمس ماء (ذكر) *(تطهير الاواني) *طهور اناء أحدكم اذا ولغ فيه الكلب أن يغسله سبع مرات أولاهن بالتراب (م د) عن أبي هريرة طهور اناء أحدكم اذا ولغ فيه الكلب أن يغسل سبعا الاولى بالتراب والاخرى مثل ذلك (لم) عن أبي هريرة *اذا ولغ الكلب في الاناء فاغسلوه سبع مرار السابعة بالتراب (د) عن أبي هريرة *اذا ولغ الكلب في اناء أحدكم فليغسله سبع مرات احداهن بالبطحاء (قط) عن علي

* اذا شرب الكلب في اناء أحدكم فليغسله سبع مرات (ق ن ه) عن أبي هريرة * يغسل الاناء اذا ولغ فيه الكلب سبع مرات أخراهن أو أولاهن بالتراب واذا ولغت فيه الهرة غسل مرة (ت) عن أبي هريرة * اذا ولغ الكلب في الاناء فاغسلوه سبع مرات وعفروه الثامنة بالتراب (حم م د ن ه) عن عبد الله بن مغفل * لا تطيخوا في قدور المشركين فان لم تجدوا غيرها فارحضوها رحضا ثم اطبخوا وكلوا (ه) عن ثعلبة الخشني * لا يتخلجن (٤٠٤) في صدرك شئ ضارعت فيه النصرانية (حم د ت ه) عن هلب * ما كان من نحار فاغلوا فيها الماء ثم اغسلوها وما كان من النحاس فاغسلوه (ك) فالماء طهور (ك) عن عبد الله بن الحرث * (الاكل) * ان رجلا تم غير آنيتهم فلا تاكلوا فيها فان لم تجدوا فاغسلوها وكلوا فيها (ت) حسن صحيح * عن أبي ثعلبة الخشني أنه قال يا رسول الله انا بارض قوم أهل الكتاب أنا كل في آنيتهم قال فذكره * (الافعال) * عن أسلم قال لما كنا بالشام أتيت عمر بن الخطاب بماء توضأ منه فقال من أين جئت بهذا الماء فقلت أتيت ماء عذبا ولا ماء سماء أطيب منه فقال جئت به من بيت هذه العجوز النصرانية فلما توضأ أتاها فقال أيتها العجوز اسلمي تسلمي بعث الله تعالى محمدا بالحق فكشفت عن رأسها فاذا مثل الثغامة فقالت عجوز كبيرة وانما أموت الآن فقال عمر اللهم اشهد (قط كر) * عن علي قال لا باس بطعام المجوس انما نهى عن ذبائحهم (هق) *

* (الباب الرابع في موجبات الغسل وآدابه وآداب دخول الحمام وفيه فصلان) * الفصل الاول في موجبات الغسل وآدابه ومحظوراته وفيه فرعان * الفرع الاول في موجباته والذي يتعلق باغتسال المرأة بعد الحيض سيجيء في فصل الحيض قريبا ان شاء الله تعالى) * انما الماء من الماء (م د) عن أبي سعيد (حم ن ه) عن أبي أيوب * اذا اغتسلتم من الملامسة لكان أشد عليكم من الحيض العسكري في التصحيف عن حسان بن عبد الرحمن الضبعي مرسلا * اذا استيقظ أحدكم من نومه فرأى بللا ولم ير انه احتلم اغتسل واذا رأى أنه قد احتلم ولم ير بللا فلا غسل عليه (عب ه) عن

حدثنا أبي ثنا يحيى بن سعيد الاموي قال ثنا يحيى بن سعيد عن سعيد بن المسيب عن معمر العدوي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يحتكر الا خاطئ وكان سعيد بن المسيب يحتكر الزيت

* (حديث عمير بن أشقر رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال انا يحيى بن سعيد عن عباد بن تميم أخبره عن عمير بن أشقر انه ذبح قبل ان يغدو رسول الله صلى الله عليه وسلم فلما صلى رسول الله صلى الله عليه وسلم ذكر ذلك له فأمره ان يعيد أضحيته

* (حديث جد خبيب رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال انا المستلم بن سعيد عن عباد بن حبيب عن عبد الرحمن عن أبيه عن جده قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يريد غزوا وأنا ورجل من قومي ولم نسلم فقلنا انا نستحيي ان يشهد قومنا مشهدا لا نشهده معهم قال أو أسلمتما قلنا لا قال فلا نستعين بالمشركين على المشركين قال فأسلمنا وشهدنا معه فقتلت رجلا وضربني ضربة وتزوجت بابنته بعد ذلك فكانت تقول لا عدمت رجلا وشحك هذا الوشاح فاقول لا عدمت رجلا عجل أبالك إلى النار

* (حديث كعب بن مالك الانصاري رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا وكيع قال ثنا هشام بن عروة عن عبد الله بن سعد عن ابن كعب بن مالك الانصاري عن أبيه وابن عمر عن هشام عن عبد الرحمن عن ابن سعد عن ابن مالك عن أبيه ان النبي صلى الله عليه وسلم أكل طعاما فلعق أصابعه ثلاثا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن اسامة بن زيد عن الزهري عن ابن كعب بن مالك ان جارية لكعب كانت ترعى غنما له فسلع فعمد اللذئب على شاة من شائها فادركتها الراعية بذكاتها بحجر وذكر ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم فامره باكلها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا معمر عن الزهري عن ابن كعب بن مالك عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم مر به وهو ملازم رجلا في أوقية من دين فقال النبي صلى الله عليه وسلم للرجل هكذا أي ضع عنه الشطر قال الرجل نعم يا رسول الله فقال النبي صلى الله عليه وسلم للرجل اذهب فاعط غريمك من حقه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن سعد بن كعب بن مالك عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يلعق أصابعه الثلاث من الطعام حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية ثنا حجاج عن نافع عن ابن كعب بن مالك عن أبيه ان جارية لهم سوداء ذكت شاة لهم بمروة فسأل النبي صلى الله عليه وسلم عن ذلك فامره باكلها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن سعد عن عبد الله أو عبد الرحمن بن كعب بن مالك قال عبد الرحمن هو شك يعني سفيان عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم مثل المؤمن مثل الخامة من الزرع تقيمها الريح تعدلها مرة وتصرعها أخرى حتى يأتيه أجله ومثل الكافر مثل الارزة المجذية على أصلها لا يقلعها شئ حتى يكون انجعافها اختلعها أو انجعافها مرة واحدة شك عبد الرحمن حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج قال أخبرني ابن شهاب عن عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب بن مالك ان كعب بن مالك لما تاب الله عليه أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ان الله لم ينجني الا بالصدق وان من توبتي الى الله ان لا أكذب أبدا وانى أنخلع من مالي صدقة الى الله وإلى رسوله فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم امسك عليك بعض مالك فانه خير لك فقال فاني أمسك سهمي من خيبر حدثنا عبد الله حدثني ابي

عائشة * اذا التقى الختانان وغابت الحشفة فقد وجب الغسل أنزل أو لم ينزل (طب) عن ابن عمرو * اذا جامع الرجل امرأته ثم اكسل فليغسل ما أصاب المرأة منه ثم ليتوضأ (حم ق) عن أبي بن كعب * اذا جلس بين شعبها الاربع ومس الختان الختان فقد وجب الغسل (م) عن عائشة * اذا جاوز الختان الختان فقد وجب الغسل (م ت) عن عائشة (طب) عن أبي امامة وعن رافع بن خديج الشيرازي في الالقاب عن معاذ * اذا رأيت الذي فاغتسل ذكرك وتوضأ وضوءك للصلاة واذا انفجرت الماء فاغتسل * (٤٠٥) (ابن حب) عن علي * اذا جلس بين شعبها الاربع ثم جهدها فقد وجب عليه الغسل وان لم ينزل (حم ق د ه) عن أبي هريرة * اذا التقى الختانان فقد وجب الغسل (ه) عن عائشة وعن ابن عمرو * اذا رأت فانزلت فعليها الغسل (ه) عن أنس * اذا وجدت المرأة في المنام ما يجد الرجل فلتغتسل (ه) عن أنس * من رأت منكن فانزلت فلتغتسل (حم م ه) عن أنس * (الاكمال) * اذا أعجل أحدكم أو أقحط فلا يغتسل (عب) عن أبي سعيد * ليس عليها غسل حتى تنزل كما انه ليس على الرجل غسل حتى ينزل (ه) عن خولة بنت حكيم انها سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن المرأة ترى في منامها ما يرى الرجل قال فذكره * اذا اغتسل أحدكم ثم ظهر من ذكره شئ فليتوضأ (طب) عن الحكم بن عمير الثمالي * اذا رأت الماء الاصفر فلتغتسل (م طب) عن أم سلمة قالت قالت أم سليم يا رسول الله المرأة تحتلم قال فذكره * اذا نزل الماء الاصفر فلتغتسل (طب) عن أم سلمة * (الافعال) * عن زيد بن خالد الجهني قال سألت عثمان بن عفان قلت أرأيت اذا جامع الرجل امرأته ولم ينزل فقال عثمان يتوضأ كما يتوضأ للصلاة ويغسل ذكره وقال عثمان سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألت عن ذلك علي بن أبي طالب والزبير بن العوام وطلحة بن عبيد الله وأبي بن كعب فأمروني بذلك (حم ش ع م) وأبو العباس السراج في كتابه وابن خزيمة والطحاوي (حب) * عن أبي بن كعب سألت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت أحدنا يأتي المرأة ثم يكسل فقال النبي صلى الله عليه وسلم الماء من

---

أبي ثنا اسمعيل قال أنا ابن عون عن عمر بن كثير بن فليح قال قال كعب بن مالك ما كنت في غزاة أيسر للظهر والنفقة مني في تلك الغزاة قال فلما خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم قلت أتجهز غدا ثم الحقهم فاخذت في جهازي فاسيت ولم أفرغ فقلت آخذ في جهازي غدا والناس قريب بعد ثم الحقهم فاسيت ولم أفرغ فلما كان اليوم الثالث أخذت في جهازي فاسيت فلم أفرغ فقلت أيهات سار الناس ثلاثا فاقمت فلما قدم رسول الله صلى الله عليه وسلم جعل الناس يعتذرون اليه فجئت حتى قمت بين يديه فقلت ما كنت في غزاة أيسر للظهر والنفقة مني في هذه الغزاة فاعرض عني رسول الله صلى الله عليه وسلم وأمر الناس ان لا يكلمونا وأمرت نساؤنا ان يعتزلن عنا قال فتسورت جدارا لابي قتادة يوم فاذا أنا بجابر بن عبد الله فقلت أي جابر نشدتك بالله هل علمتني غششت الله ورسوله يوما فما قال فسكت عني فجهل لا يكلمني قال فبينا أنا ذات يوم اذ سمعت رجلا على الثنية يقول كعبا كعبا حتى دنا مني فقال بشر وا كعبا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاج ثنا ليث قال حدثني عقيل عن ابن شهاب عن ابن كعب بن مالك أحد الثلاثة الذين تيب عليهم ان كعب بن مالك قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا قدم من سفر بدأ بالمسجد فصلى فيه ركعتين ثم جلس فجلس في مصلاه فجاء المتخلفون فجعلوا يعتذرون اليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن الزهري عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم قدم من غزوة تبوك ضحى فصلى في المسجد ركعتين وكان اذا جاء من سفر فعل ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله قال أنا معمر عن الزهري عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك عن أبيه قال قدم النبي صلى الله عليه وسلم يعني من تبوك فصلى في المسجد ركعتين وكان اذا قدم من سفر فعل ذلك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق وابن بكر قالا أنا ابن جريج قال حدثني ابن شهاب أن عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب بن مالك حدثه عن أبيه عبد الله ابن كعب وعن عمه عبيد الله بن كعب بن مالك وكان النبي صلى الله عليه وسلم لا يقدم من سفر الا نهارا في الضحى فاذا قدم بدأ بالمسجد فصلى فيه ركعتين ثم جلس فيه وقال أبو بكر في حديثه عن أبيه عبد الله ابن كعب بن مالك عن عمه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن الزهري عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك قال قالت أم مبشر لكعب بن مالك وهو ثالث اقرأ على أبي السلام مني مبشرا فقال يغفر الله لك يا أم مبشر أولم تسمعي ما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انما نسمة المسلم طير تعلق في شجر الجنة حتى يرجعه الله عز وجل الى جسده يوم القيامة قالت صدقت فاستغفر الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سعد بن ابراهيم ثنا أبي عن صالح عن ابن شهاب قال حدثني عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب انه بلغه ان كعب بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم نسمة المؤمن اذا مات طائر تعلق بشجر الجنة حتى يرجعه الله تبارك وتعالى الى جسده يوم يبعثه الله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن ادريس يعني الشافعي عن مالك عن ابن شهاب عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك انه أخبره أن أباه كعب بن مالك كان يحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انما نسمة المؤمن طائر يعلق في شجر الجنة حتى يرجعه الله تبارك وتعالى الى جسده يوم يبعثه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن الزهري عن ابن كعب بن مالك عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم خرج يوم الخميس في غزوة تبوك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر قال أنا يونس عن الزهري عن عبد الرحمن بن كعب عن أبيه أن رسول الله صلى

---

فلتغتسل (طب) عن أم سلمة * (الافعال) * عن زيد بن خالد الجهني قال سألت عثمان بن عفان قلت أرأيت اذا جامع الرجل امرأته ولم ينزل فقال عثمان يتوضأ كما يتوضأ للصلاة ويغسل ذكره وقال عثمان سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألت عن ذلك علي بن أبي طالب والزبير بن العوام وطلحة بن عبيد الله وأبي بن كعب فأمروني بذلك (حم ش ع م) وأبو العباس السراج في كتابه وابن خزيمة والطحاوي (حب) * عن أبي بن كعب سألت النبي صلى الله عليه وسلم فقلت أحدنا يأتي المرأة ثم يكسل فقال النبي صلى الله عليه وسلم الماء من

الماء (عب) *عن رفاعة بن رافع قال بينا أنا عند عمر بن الخطاب إذ أدخل عليه رجل فقال يا أمير المؤمنين هذا زيد بن ثابت يفتي الناس في المسجد برأيه في الغسل من الجنابة فقال عمر علي به فجاء زيد فأسار له عمر قال أي عدو نفسه قد بلغت أن تفتي الناس برأيك قال يا أمير المؤمنين بالله ما فعلت ولكني سمعت من أعمامي حديثا فحدثت به عن أبي أيوب وعمن قرب من كعب ومن رفاعة بن رافع فأقبل عمر على رفاعة بن رافع فقال وقد كنا نفعل ذلك على عهد رسول (٤٥٦) الله صلى الله عليه وسلم فلم يأتنا من الله فيه تحريم ولم يكن من رسول الله صلى الله عليه

الله عليه وسلم قال انما نسمة المسلم طير يعلق بشجر الجنة حتى يرجعه الله تبارك وتعالى الى جسده يوم يبعثه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان بن عمر قال ثنا يونس عن الزهري عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك ان كعب بن مالك قال أقل ما كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يخرج اذا أراد سفرا الا يوم الخميس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب بن زياد قال ثنا عبد الله قال أنا يونس عن الزهري قال أخبرني عبد الرحمن ابن عبد الله بن كعب أن عبد الله بن كعب قال سمعت كعب بن مالك يقول كان رسول الله صلى الله عليه وسلم قلما يريد غزوة يغزوها الا ورى بغيرها حتى كان غزوة تبوك فغزاها رسول الله صلى الله عليه وسلم في حر شديد استقبل سفرا بعيدا ومفازا واستقبل غزو عدو كثيرا فجلا للمسلمين أمرهم ليتأهبوا أهبة عدوهم أخبرهم بوجهه الذي يريد **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن عبد ربه قال حدثني محمد بن حرب قال حدثني الزبيدي عن الزهري عن عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب بن مالك عن كعب بن مالك أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال يبعث الناس يوم القيامة فأكون أنا وأمتي على تل ويكسوني ربي تبارك وتعالى حلة خضراء ثم يؤذن لي فأقول ما شاء الله أن أقول فذلك المقام المحمود **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر قال ثنا عيسى بن يونس عن زكريا عن محمد بن عبد الرحمن بن سعد بن زرارة ان ابن كعب بن مالك حدثه عن أبيه أن النبي صلى الله عليه وسلم قال ماذئبان جائعان أرسلا في غنم أفسد لها من حرص المرء على المال والشرف لدينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنا شعيب عن الزهري قال حدثني عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب بن مالك أن كعب بن مالك حين أنزل الله تبارك وتعالى في الشعر ما أنزل أتى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ان الله تبارك وتعالى قد أنزل في الشعر ما قد علمت وكيف ترى فيه فقال النبي صلى الله عليه وسلم ان المؤمن يجاهد بسيفه ولسانه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنا شعيب عن الزهري قال حدثني أبو بكر بن عبد الرحمن بن الحرث بن هشام ان مروان بن الحكم أخبره ان عبد الرحمن بن الاسود بن عبد يغوث أخبره أن أبي بن كعب الانصاري أخبره أن النبي صلى الله عليه وسلم قال من الشعر حكمة وكان بشير بن عبد الرحمن بن كعب يحدث أن كعب بن مالك كان يحدث أن النبي صلى الله عليه وسلم قال والذي نفسي بيده لكأنما تنضحونهم بالنبل فيما تقولون لهم من الشعر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنبأنا شعيب عن الزهري قال أنا عبد الرحمن بن كعب بن مالك أن كعب بن مالك الانصاري وهو أحد الثلاثة الذين تيب عليهم كان يحدث أن النبي صلى الله عليه وسلم قال انما نسمة المؤمن طائر يعلق في شجر الجنة حتى يرجعه الله تبارك وتعالى الى جسده يوم يبعثه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عامر بن صالح قال حدثني يونس بن يزيد عن ابن شهاب عن عبد الرحمن بن كعب بن مالك الانصاري عن أبيه انه قال لرسول الله صلى الله عليه وسلم حين تاب الله تبارك وتعالى عليه يا رسول الله انخلع من مالي صدقة الى الله ورسوله فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم امسك عليك بعض مالك فانه خير لك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب بن ابراهيم ثنا ابن أخي الزهري محمد بن عبد الله عن عمه محمد بن مسلم الزهري قال أخبرني عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب بن مالك ان عبد الله بن كعب بن مالك وكان قائد كعب من بنيه حين عمي قال سمعت كعب بن مالك يحدث حديثه حين تخلف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة تبوك فقال كعب بن مالك لم أتخلف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة غيرها قط الا في غزوة تبوك غير

---

الماء من الماء كانت رخصة رخصها رسول الله صلى الله عليه وسلم في بدء الاسلام ثم أمر بالاغتسال بعد (خم) والدارمي وابن منيع (د ت) حسن صحيح (ه) وابن خزيمة وابن الجارود والطحاوي وحسب (قط) والباوردي (طب ص) *عن مجاهد قال اختلف المهاجرون والانصار فيما يوجب الغسل فقالت الأنصار الماء من الماء وقالت المهاجرون اذا مس الختان الختان وجب الغسل فحكموا بينهم علي بن أبي طالب فاختصموا اليه فقال علي أرأيتم لو رأيتم رجلا يدخل ويخرج أيجب عليه الحد قالوا نعم قال فيوجب الحد ولا يوجب الغسل صاعا من ماء

انى

فقضى للمهاجرين فبلغ ذلك عائشة فقالت زعما فعل ذلك أبو رسول الله صلى الله عليه وسلم فقمنا واغتسلنا (عب) *عن خرشة بنت حبيب ان رجلا قال لعلي الرجل يأتي امرأته ولا ينزل قال لوهزهما حتى يمرقرقاها فليس عليه غسل (مسدد) *عن علي في الرجل يخرج منه الشيء بعد الغسل قال ان كان بال قبل الغسل توضأ وان لم يكن بال أعاد الغسل (ص) *(الفرع الثاني في آداب الغسل ومحظوراته) *

من ترك موضع شعرة من جنابة لم يغسلها فعل بها كذا وكذا من النار (حم د ه) عن علي * لا يغتسل أحدكم في الماء الدائم وهو جنب (م ن ه) عن أبي هريرة * لا يغتسل أحدكم بارض فلاة ولا فوق سطح لا يزاريه فان لم يكن ثم ترى فهو برى (ه) عن ابن مسعود * ان تحت كل شعرة جنابة فاغسلوا الشعر وانقوا البشرة (د ت ه) عن أبي هريرة * أما الرجل فلينثر رأسه فليغسله حتى يبلغ أصول الشعر وأما المرأة فلا عليها أن لا تنقضه لتغرف على رأسها ثلاث غرفات تكفيها (د) عن ثوبان * أما أنا فآخذ بكفي ثلاثا (٤٥٧) فاصب على رأسي ثم أفيض على سائر جسدي

انى كنت تخلفت فى غزوة بدر ولم يعاتب أحدا تخلف عنها انما خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم يريد عير قريش حتى جمع الله بينهم وبين عدوهم على غير ميعاد ولقد شهدت مع رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة العقبة حين توافقنا على الاسلام ما أحب ان لى بها مشهد بدر وان كانت بدر أذكر فى الناس منها وأشهر وكان من خبرى حين تخلفت عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فى غزوة تبوك لانى لم أكن قط أقوى ولا أيسر منى حين تخلفت عنه فى تلك الغزاة والله ما جمعت قبلها راحلتين قط حتى جمعتهما فى تلك الغزاة وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم قلما يريد غزاة يغزوها الا ورى بغيرها حتى كانت تلك الغزاة فغزاها رسول الله صلى الله عليه وسلم فى حر شديد واستقبل سفرا بعيدا ومفازا واستقبل عدوا كثيرا فجلا للمسلمين أمره ليتأهبوا أهبة غزوهم فاخبرهم بوجهه الذى يريد والمسلمون مع رسول الله صلى الله عليه وسلم كثير لا يجمعهم كتاب حافظ يريد الديوان فقال كعب فقل رجل يريد يتغيب الا ظن ان ذلك سيخفى له ما لم ينزل فيه وحى من الله عز وجل وغزا رسول الله صلى الله عليه وسلم تلك الغزوة حين طابت الثمار والظلال وانا الى اصعر فتجهز النهار رسول الله صلى الله عليه وسلم والمؤمنون معه وطفقت أغدو لكى أتجهز معه فارجع ولم أقض شيأ فأقول فى نفسى أنا قادر على ذلك اذا أردت فلم يزل كذلك يتمادى بى حتى شمر بالناس الجد فاصبح رسول الله صلى الله عليه وسلم غاديا والمسلمون معه ولم أقض من جهازى شيأ فقلت الجهاز بعد يوم أو يومين ثم ألحقهم فغدوت بعد ما فصلوا لاتجهز فرجعت ولم أقض شيأ من جهازى ثم غدوت فرجعت ولم أقض شيأ فلم يزل ذلك يتمادى بى حتى أسرعوا وتفارط الغزو وهممت ان أرتحل فادركهم وليت انى فعلت ثم لم يقدر ذلك لى فطفقت اذا خرجت فى الناس بعد خروج رسول الله صلى الله عليه وسلم فطفت فيهم يحزننى ان لا أرى الا رجلا مغموصا عليه فى النفاق أو رجلا ممن عذر الله ولم يذكرنى رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى بلغ تبوك فقال وهو جالس فى القوم بتبوك ما فعل كعب بن مالك قال رجل من بنى سلمة حبسه يا رسول الله برداه والنظر فى عطفيه فقال له معاذ بن جبل بئسما قلت والله يا رسول الله ما علمنا عليه الا خيرا فسكت رسول الله صلى الله عليه وسلم فبينما كعب بن مالك فلما بلغنى أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قد توجه قافلا من تبوك حضرنى بثى فطفقت أتذكر الكذب وأقول بماذا أخرج من سخطه غدا أستعين على ذلك كل ذى رأى من أهلى فلما قيل ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قد أظل قادما زاح عنى الباطل وعرفت انى لن أنجو منه بشئ أبدا فأجمعت صدقه وصبح رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان اذا قدم من سفر بدأ بالمسجد فركع فيه ركعتين ثم جلس للناس فلما فعل ذلك جاءه المخلفون فطفقوا يعتذرون اليه ويحلفون له وكانوا بضعة وثمانين رجلا فقبل منهم رسول الله صلى الله عليه وسلم علانيتهم وبايعهم واستغفر لهم ووكل سرائرهم الى الله تبارك وتعالى حتى جئت فلما سلمت عليه تبسم تبسم المغضب ثم قال لى تعال فجئت أمشى حتى جلست بين يديه فقال لى ما خلفك ألم تكن قد استمر ظهرانك قال فقلت يا رسول الله انى لو جلست عند غيرك من أهل الدنيا لرأيت انى أخرج من سخطته بعذر لقد أعطيت جدلا ولكنه والله لقد علمت لئن حدثتك اليوم حديث كذب ترضى عنى به ليوشكن الله تعالى يسخطك على ولئن حدثتك اليوم بصدق تجد على فيه انى لارجو فيه عفو الله تبارك وتعالى والله ما كان لى عذر والله ما كنت قط أقوى ولا أيسر منى حين تخلفت عنك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أما هذا فقد صدق فقم حتى يقضى الله تعالى فيك

(حم ق د ن ه) عن جبير ابن مطعم * ان الله تبارك وتعالى ينهاكم عن التعرى فاستحيوا من ملائكة الله الذين لا يفارقونكم الا عند ثلاث حالات الغائط والجنابة والغسل فاذا اغتسل أحدكم بالعراء فليستتر بثوبه أو بحائط أو ببعيره * البزار عن ابن عباس * ستر ما بين أعين الجن وبين عورات بنى آدم اذا وضع أحدهم ثوبه أن يقول بسم الله (طس) عن أنس * الغسل صاع والوضوء مد (طس) عن ابن عمر * (الاكمال) * وأى وضوء أفضل من الغسل (ك) عن ابن عمر أن النبى صلى الله عليه وسلم سئل عن الوضوء بعد الغسل فقال ذكره * ان الله حيى يحب الحياء ستير يحب الستر فاذا اغتسل أحدكم فليتوار عبد الرزاق عن عطاء مرسلا * لا تدخلوا الماء الا بمئزر فان للماء عينين الديلمى عن جابر * ان موسى بن عمران كان اذا أراد أن يدخل الماء لم يلق ثوبه حتى يوارى عورته فى الماء (حم) عن أنس * الا أراك



لا تستحى من ربك خذ اجارتك لا حاجة لنا بك * عبد الرزاق عن ابن جريج قال بلغنى ان النبى صلى الله عليه وسلم خرج فاذا هو بأجير له يغتسل فى البرقال فذكره * لا يغتسل الرجل من فضل تحت أنه ولا تغتسل بفضله ولا يبول فى مغتسله ولا يمتشط كل يوم (حم) عن رجل من الصحابة * يكفى من الجنابة ستة أمداد البزار عن أبى هريرة * ضعف * اذا اغتسل أحدكم فليغسل كل عضو منه ثلاث مرات الديلمى عن أم هانئ * تبل أصول الشعر وتنقى البشرة فان مثل الذين لا يحسنون الغسل كمثل شجرة أصابها ماء فلا

ورقها ينبت ولا أصلها يروى فاتقوا الله وأحسنوا الغسل فانها من الأمانة التي حملتم والسر الذي استودعتم (طب) عن ميمونة بنت سعد * اذا اغتسلت المرأة في حيضها نقضت شعرها نقضا وغسلته بخطمي وأشنان واذا اغتسلت من الجنابة صبت الماء على رأسها وعصرته (قط) في الافراد (طب هق ص خط) في التلخيص عن أنس * لا يضر المرأة الحائض والجنب ان لا تنقض شعرها اذا أصاب الماء شعر الرأس الخطابي (ص) عن جابر * لا انما يكفيك (٤٥٨) أن تحثي على رأسك ثلاث حثيات ثم تفيضين عليك الماء فتطهرين (م) عن أم سلمة قالت قلت يا رسول الله اني امرأة أشد ضفر رأسي أفانقضه لغسل الجنابة قال فذكر * (الافعال) * عن ابن المسيب قال كان عثمان اذا اغتسل من الجنابة تنحى عن مكانه فغسل رجليه (عب) * عن عائشة قالت ربما قلت لرسول الله صلى الله عليه وسلم اني لحائض (ص) * عن أبي جعفر محمد بن علي أن حسنا وحسينا دخلا الفرات وعلى كل واحد منهما ازار ثم قالا ان في الماء أوان للماء ساكنا (عب) * عن نافع أن ابن عمر كان يقول اذا لم تمس فرجك بعد ان تفضي غسلك فاي وضوء أسبغ من الغسل (عب ص) * عن نافع قال سئل ابن عمر عن الوضوء بعد الغسل فقال أي وضوء أفضل وفي لفظ أعم من الغسل (عب صح) * عن عمر قال اذا اغتسلت فضمض ثلاثا فانه أبلغ (ش) * عن علي قال جاء رجل الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال اني اغتسلت من الجنابة وصليت الفجر ثم أصبحت فرأيت قدر موضع الظفر لم يصبه الماء فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كنت مسحت عليه بيدك أجزأك (ه) والشاشي (ص) * عن ابن عباس قال اذا نسيت المضمضة والاستنشاق وأنت جنب فاعد صلاتك (عب) * عن الحسن ان أهل الطائف سألوا رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا ان أرضنا أرض باردة فما يجزئنا من الغسل فقال اما أنا فاحفن على رأسي ثلاث حفنات (ص) * عن عمران بن حصين قال من بال في مغتسله لم يتطهر (عب) عن ابن عباس ان رجلا أصابته جنابة وبه جراح فاحتلم فاستفتى فامروه أن يغتسل فاغتسل فمات فبلغ ذلك النبي صلى الله عليه وسلم فقال

فقمت وبادرني رجال من بني سلمة فاتبعوني فقالوا والله ما علمناك كنت أذنبت ذنبا قبل هذا ولقد عجزت ان لا تكون اعتذرت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بما اعتذر به المتخلفون لقد كان كافيك من ذنبك استغفار رسول الله صلى الله عليه وسلم لك قال فوالله ما زالوا يؤنبوني حتى أردت ان أرجع فاكذب نفسي قال ثم قلت لهم هل لقي هذا معي أحد قالوا نعم لقيه معك رجلان قالا ما قلت فقيل لهما مثل ما قيل لك قال فقلت لهم من هما قالوا لك مرارة بن الربيع العامري وهلال بن أمية الواقفي قال فذكروا لي رجلين صالحين قد شهدا بدرا لي فيهما اسوة قال فمضيت حين ذكروهما لي قال ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم المسلمين عن كلامنا أيها الثلاثة من بين من تخلف عنه فاجتنبنا الناس قال وتغيروا لنا حتى تنكرت لي من نفسي الارض فما هي بالارض التي كنت أعرف فلبثنا على ذلك خمسين ليلة فاما صاحباي فاستكانا وقعدا في بيوتهما يبكيان وأما أنا فكنت أشب القوم وأجلدهم فكنت أشهد الصلاة مع المسلمين وأطوف بالاسواق ولا يكلمني أحد وآتي رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو في مجلسه بعد الصلاة فاسلم عليه فاقول في نفسي حرك شفتيه برد السلام أم لا ثم أصلي قريبا منه وأسارقه النظر فاذا أقبلت على صلاتي نظر الي فاذا التفت نحوه أعرض حتى اذا طال علي ذلك من هجر المسلمين مشيت حتى تسورت حائط أبي قتادة وهو ابن عمي وأحب الناس الي فسلمت عليه فوالله ما رد علي السلام فقلت له يا أبا قتادة أنشدك الله هل تعلم اني أحب الله ورسوله قال فسكت قال فعدت فنشدته فسكت فعدت فنشدته فقال الله ورسوله أعلم ففاضت عيناي وتوليت حتى تسورت الجدار قال فبينما أنا أمشي بسوق المدينة اذا نبطي من انباط أهل الشام ممن قدم بطعام يبيعه بالمدينة يقول من يدلني على كعب بن مالك قال فطفق الناس يشيرون له الي حتى جاءني فدفع الي كتابا من ملك غسان وكنت كاتبا فاذا فيه أما بعد فقد بلغنا ان صاحبك قد جفاك ولم يجعلك الله بدار هوان ولا مضيعة فالحق بنا نواسك قال فقلت حين قرأتها وهذا أيضا من البلاء فتيممت بها التنور فسجرته بها حتى اذا مضت أربعون ليلة من الخمسين اذا رسول رسول الله صلى الله عليه وسلم يأتيني فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمرك ان تعتزل امرأتك قال فقلت أطلقها أم ماذا أفعل قال بل اعتزلها فلا تقربها قال وأرسل الى صاحبي بمثل ذلك قال فقلت لامرأتي الحقي باهلك فكوني عندهم حتى يقضي الله في هذا الامر قال فجاءت امرأة هلال بن أمية رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت له يا رسول الله ان هلالا شيخ ضائع ليس له خادم فهل تكره ان أخدمه قال لا ولكن لا يقربنك قالت فانه والله ما به حركة الى شيء والله ما زال يبكي من لدن ان كان من أمرك ما كان الى يومه هذا قال فقال لي بعض أهلي لو استأذنت رسول الله صلى الله عليه وسلم في امرأتك فقد أذن لامرأة هلال بن أمية ان تخدمه قال فقلت والله لا استأذن فيها رسول الله صلى الله عليه وسلم وما أدري ما يقول رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا استأذنته وأنا رجل شاب قال فلبثنا بعد ذلك عشر ليال كمل خمسين ليلة حين نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن كلامنا قال ثم صليت صلاة الفجر صباح خمسين ليلة على ظهر بيت من بيوتنا فبينما أنا جالس على الحال التي ذكر الله تبارك وتعالى منا قد ضاقت علي نفسي وضاقت علي الارض بما رحبت سمعت صارخا أوفى على جبل سلع يقول بأعلى صوته يا كعب بن مالك ابشر قال فخررت ساجدا وعرفت ان قد جاء فرج وآذن رسول الله صلى الله عليه وسلم بتوبة الله تبارك وتعالى علينا حين صلى صلاة الفجر فذهب يبشرونا وذهب قبل صاحبي يبشرون وركض الي رجل فرسا وسعى ساع من أسلم وأوفى الجبل فكان الصوت أسرع من الفرس فلما جاءني الذي سمعت صوته يبشرني

مالكم فتلمتموه قتلكم الله ألم يكن شفاء العي السؤال قال عطاء فبلغني ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اغتسل واترك موضع الجراح (عب) ورواه (حم د) وابن خزيمة (طب له) دون قول عطاء وزاد (له) لو غسل وترك حيث أصابه الجراح أجزأه *عن أبي هريرة انه نهى أن يغتسل الرجل والمرأة من اناء واحد (ص) *عن عبد الله بن معقل قال البول في المغتسل يأخذ منه الوسواس (ص) *عن عامر بن ربيعة قال أتى علينا علي ونحن نغتسل بصب بعضنا على بعض فقال أتغتسلون ولا تستترون . (٤٥٩) والله أبي لا خشين أن تكونوا أخلاف الشر

يبشرني فوعدت له نوبتي فكذبوني بها ياما بي مشارته والله ما أملك غيرهما اليوم فاستعبرت فوبين فلانة بهما فانطلقت أم رسول الله صلى الله عليه وسلم يا قاني الناس فوجاهوني بالتوبة يقولون ابشر بتوبة الله عليك حتى دخلت المسجد فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم جالس في المسجد حوله الناس فقام الي طلحة بن عبيد الله يهرول حتى صافحني وهنأني والله ما قام الي رجل من المهاجرين غيره قال فكان كعب لا ينساها لطلحة قال كعب فلما سلمت على رسول الله صلى الله عليه وسلم قال وهو يبرق وجهه من السرور ابشر بخير يوم مر عليك منذ ولدتك أمك قال قلت أمن عندك يا رسول الله أم من عند الله قال لا بل من عند الله قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا سر استنار وجهه كانه قطعة قمر حتى يعرف ذلك منه قال فلما جلست بين يديه قال قلت يا رسول الله ان من توبتي ان أنخلع من مالي صدقة الى الله تعالى والى رسوله قال رسول الله صلى الله عليه وسلم امسك بعض مالك فهو خير لك قال فقلت اني أمسك سهمي الذي بخيبر قال فقلت يا رسول الله انما الله تعالى نجاني بالصدق وان من توبتي ان لا أحدث الا صدقا ما بقيت قال فوالله ما أعلم أحدا من المسلمين أبلاه الله من الصدق في الحديث مذ ذكرت ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم احسن مما أبلاني الله تبارك وتعالى والله ما تعمدت كذبة مذ قلت ذلك لرسول الله صلى الله عليه وسلم الى يومي هذا واني لارجو أن يحفظني فيما بقي قال وأنزل الله تبارك وتعالى لقد تاب الله على النبي والمهاجرين والانصار الذين اتبعوه في ساعة العسرة من بعد ما كاد تزيغ قلوب فريق منهم ثم تاب عليهم انه بهم رؤف رحيم وعلى الثلاثة الذين خلفوا حتى اذا ضاقت عليهم الارض بما رحبت وضاقت عليهم أنفسهم وظنوا أن لا ملجأ من الله الا اليه ثم تاب عليهم ليتوبوا ان الله هو التواب الرحيم يا أيها الذين آمنوا اتقوا الله وكونوا مع الصادقين قال كعب فوالله ما أنعم الله تبارك وتعالى علي من نعمة قط بعد ان هداني للاسلام أعظم في نفسي من صدقي رسول الله صلى الله عليه وسلم يومئذ ان لا أكون كذبته فاهلك كما هلك الذين كذبوه حين كذبوه فان الله تبارك وتعالى قال للذين كذبوه حين كذبوه شر ما يقال لاحد فقال الله تعالى سيحلفون بالله لكم اذا انقلبتم اليهم لتعرضوا عنهم فاعرضوا عنهم انهم رجس ومأواهم جهنم جزاء بما كانوا يكسبون يحلفون لكم لترضوا عنهم فان ترضوا عنهم فان الله لا يرضى عن القوم الفاسقين قال وكنا خلفنا أيها الثلاثة عن أمر أولئك الذين قبل منهم رسول الله صلى الله عليه وسلم حين حلفوا له فبايعهم واستغفر لهم فارجأ رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرنا حتى قضى الله تعالى فيه ذلك قال الله تعالى وعلى الثلاثة الذين خلفوا وليس تخليفه اياانا وارجاؤه أمرنا الذي ذكر مما خلفنا بتخلفنا عن الغزو وانما هو عمن حلف له واعتذر اليه فقبل منه حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال ثنا ليث بن سعد قال حدثني عقيل بن خالد عن ابن شهاب انه قال أخبرني عبد الرحمن بن عبد الله ابن كعب بن مالك ان عبد الله بن كعب بن مالك وكان قائد كعب من بنيه حين عمي قال سمعت كعب ابن مالك يحدث حديثه حين تخلف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة تبوك قال كعب بن مالك لم أتخلف عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة غزاها قط الا في غزوة تبوك غير اني كنت تخلفت عن غزوة بدر ولم يعاتب أحدا تخلف عنها انما خرج رسول الله صلى الله عليه وسلم يريد العير التي كانت لقريش كان فيها أبو سفيان بن حرب ونفر من قريش ثم قال تعالى فجئت أمشي حتى جلست بين يديه فقال ما خلفك ألم تكن قد ابتعت ظهرك قلت بلى يا رسول الله اني والله لو جلست عند غيرك من أهل الدنيا لرأيت

(ز عب) *عن سرية علي بن أبي طالب قالت اغتسلت فاعدت فلم أستطع أن أقوم فاخبر بذلك علي بن أبي طالب فجاءه فوضع يده على رأسي فلم ينزل يده على رأسي يدعو حتى قمت فقال لا تغتسلي في الحش ولا في مكان يبال فيه ولا في قر البعير وفي (كر) * عن أنس قال البول في المغتسل يأخذ منه اللمم (عب) *عن أنس ان النبي صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في ليلة بغسل واحد (ش) *عن معمر عمن سمع أنس بن مالك والحسن يسألان عن الرجل يغتسل من الجنابة فينتضح من غسله في الماء الذي يغتسل منه قال لا باس به (عب) *عن ابن عباس انه سئل عن رجل يغتسل أو يتوضأ من الاناء وينتضح فيه قال فلم ير به باسا (عب) *عن عبد الرحمن بن خاطب انه اعتمر مع عمر بن الخطاب وان عمر عرس في بعض الطريق فربما من بعض المياه فاحتلم فاستيقظ فقال لترون ما ندرك الماء قبل

أن تطلع الشمس قالوا نعم فاسرع السير حتى أدرك الماء فاغتسل وصلى (عب) *عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يغتسل هو وأهله من اناء واحد ولا يغتسل أحدهما بفضل صاحبه (ش حم ه) والدارمي *عن أبي رافع ان رسول الله صلى الله عليه وسلم طاف على نسائه في ليلة فاغتسل عند كل امرأة منهن غسلا فقلت يا رسول الله لو اغتسلت غسلا واحدا فقال هذا أطهر وأطيب وأطلب (ش) *عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتوضأ بعد الغسل من الجنابة (ش ص) *عن أبي أمامة الباهلي عن

عمر بن الخطاب انه سال رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الغسل من الجنابة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فاني أفرغ على رأسي ثلاث مرات أعرك رأسي في كل مرة (ك) *عن ميمونة قالت وضعت للنبي صلى الله عليه وسلم غسلا فاغتسل من الجنابة فاكفا الاناء بشماله عن يمينه فغسل كفه ثم أفاض على فرجه فغسله ثم دلك يده بالارض ثم مضمض واستنشق وغسل وجهه وذراعيه ثم أفاض على رأسه ثم أفاض على سائر جسده الماء ثم تنحى فغسل رجليه فاتيته (٤٦٠) بثوب فرده وجعل يقول بالماء هكذا ينفض الماء (عب مش ص) *عن عكرمة ان رجلا سال ابن عباس كم يكفي من غسل الجنابة من الماء والوضوء قال صاع للغسل ومد للوضوء فقال الرجل ان ذلك لا يكفيني فقال لمن عباس لا أم لك قد كفى من كان خيرا منك قال من قال رسول الله صلى الله عليه وسلم (عب) *عن عائشة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يغتسل من الجنابة فيأخذ حفنة لشق رأسه الايمن ثم يأخذ حفنة لشق رأسه الايسر ابن النجار *عن أبي سلمة عن عائشة وعن نافع عن ابن عمر أن عمر بن الخطاب سال رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الغسل من الجنابة فيفرغ على يده اليمنى ثلثا أو ثلاثا ثم يدخل يده اليمنى في الاناء فيصب بها على فرجه بيده اليسرى فيغسل فلعنه مالك حتى ينقيه ثم يضع يده اليسرى على التراب ان شاء ثم يصب على يده اليسرى حتى ينقيها ثم يغسل يده ثلاثا او يستنشق ويتمضمض ويغسل وجهه وذراعيه ثلاثا ثلاثا حتى اذا بلغ رأسه لم يمسحه وأفرغ عليه الماء فهكذا كان غسل رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا ذكر (ك) *عن علي قال رأى النبي صلى الله عليه وسلم ناسا معرورون يغتسلون في الماء عراة فقام فنادى بأعلى صوته ما لكم لا ترجون لله وقارا (عب) *عن أم سلمة قالت ان كانت احدانا اذا اغتسلت من الجنابة لتبقى ضفيرتها (عب ش) *عن ابراهيم قال كانوا لا يرون بتفريق الغسل باسا (ص) *(أنواع الغسل المستحب والمسنون *الاول) * عن علي قال الطهارات بيت من الجنابة ومن الحمام ومن غسل الميت ومن الحجامة والغسل للجمعة والغسل للعيدين

---

اني سأخرج من خطته بعد نفر وقد أعطيت جدا فذكر الحديث وقال فيه اني لا أرجوه والله وقال فقلت لامرأتي الحقي باهلك فكوني عندهم حتى يقضي الله في هذا الامر وقال سمعت صوت صارخ أوفى على أعلى جبل سلع بأعلى صوته يا كعب بن مالك أبشر قال فخررت ساجدا وعرفت انه قد جاء فرج وآذن رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس بالتوبة علينا حين صلى صلاة الفجر فذكر معنى حديث ابن أخي ابن شهاب وقال فيه وأنزل في نفسي هل حرك شفتيه برد السلام **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين قال ثنا ابن لهيعة قال ثنا عبد الرحمن الاعرج عن عبد الله بن كعب عن كعب بن مالك أنه كان له مال على عبد الله بن أبي حدرد الاسلمي فلقيه فلزمه حتى ارتفعت الاصوات فمر بهما رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا كعب فاشار بيده كأنه يقول النصف فاخذ نصفا مما عليه وترك النصف **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن أبي العباس ثنا أبو اويس قال الزهري أخبرني عبد الرحمن بن عبد الله الانصاري أن كعب بن مالك كان يحدث أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انما نسمة المؤمن طير يعلق في شجر الجنة حتى يرجعه الله تعالى الى جسده يوم يبعثه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن سابق قال أنا ابراهيم بن طهمان عن أبي الزبير عن ابن كعب بن مالك عن أبيه كعب بن مالك أنه حدثه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثه وأوس بن الحدثان في أيام التشريق فنادى أن لا يدخل الجنة الا مؤمن وأيام التشريق أيام أكل وشرب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن اسحق قال أنا عبد الله قال أنا زكريا بن أبي زائدة عن محمد بن عبد الرحمن بن سعد بن زرارة عن ابن كعب بن مالك الانصاري عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما ذئبان جائعان أرسلا في غنم بافسد لها من حرص المرء على المال والشرف لدينه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب بن زياد قال أنا عبد الله قال أنا ابن لهيعة قال حدثني يونس بن يزيد عن ابن شهاب قال أخبرني مولى لبني سلمة أنه سمع عبد الله بن كعب بن مالك يحدث عن أبيه قال كان الناس في رمضان اذا نام الرجل فاصبح اذا فرغ من صلاة الصبح حرم عليه الطعام والشراب والنساء حتى يفطر من الغد فرجع عمر بن الخطاب من عند النبي صلى الله عليه وسلم ذات ليلة وقد سهر عنده فوجد امرأته قد نامت فاراد ها فقالت اني قد نمت قال ما نمت ثم وقع بها وصنع كعب بن مالك مثل ذلك فغدا عمر الى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبره فانزل الله تعالى علم الله أنكم كنتم تختانون أنفسكم فتاب عليكم وعفا عنكم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن بحر ثنا عبد العزيز بن محمد الدراوردي عن محمد بن عبد الله بن أخي ابن شهاب عن ابن شهاب عن عبد الرحمن بن عبد الله بن كعب عن كعب بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اهجوا بالشعر ان المؤمن يجاهد بنفسه وماله والذي نفس محمد صلى الله عليه وسلم بيده كأنما ينضحونهم بالنبل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس قال ثنا معمر عن عبد الرحمن بن عبد الله الانصاري قال دخل أبو بكر ابن محمد بن عمرو بن حزم على عمر بن الحكم بن ثوبان فقال يا أبا حفص حدثنا حديثا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم ليس فيه اختلاف قال حدثني كعب بن مالك قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من عاد مريضا خاض في الرحمة فاذا جلس عنده استنقع فيها وقد استنقعتم اذ شاء الله في الرحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني محمد بن كعب بن مالك بن أبي كعب بن القين أخو بني سلمة أن أخاه عبيد الله بن كعب وكان من أعلم الانصار حدثه أن أباه كعبا من مالك وكان كعب ممن شهد العقبة وبايع رسول الله صلى الله عليه وسلم بها قال خرجنا في حجاج قومنا من المشركين وقد صلينا وفقهنا ومعنا البراء بن معرور

(عب) * عن رزاذان ان رجلا سأل عليا عن الغسل فقال اغتسل كل يوم ان شئت قال لا بل الغسل المستحب قال اغتسل يوم جمعة ويوم الفطر ويوم النحر ويوم عرفة (ش) ومسدد (هق) * عن أبي هريرة ان ثمامة بن أثال أسلم وأمره النبي صلى الله عليه وسلم أن يغتسل ثم أمره أن يصلي أبو نعيم * عن أبي فاختة أن عليا كان يستحب أن يغتسل من الحجامة (عب) * عن ابراهيم ان عليا كان يغتسل اذا خرج من الحمام (عب) * (أحكام الجنب وآدابه ومباحه) * ان المؤمن لا ينجس (ق ٤) عن (٤٦١) أبي هريرة (حم د م ن ه) عن حذيفة (ن) عن ابن مسعود (طب) عن أبي موسى * ان الملائكة لا تحضر الجنب ولا المتضمخ بالخلوق حتى يغتسلا (طب) عن ابن عباس * (الا كمال) * ان الملائكة لا تحضر جنازة الكافر بخير ولا جنبا حتى يغتسل أو يتوضأ وضوءه للصلاة وتحضه صفرة عبد الرزاق (طب) عن همار * (الافعال) * عن عبيدة السلماني قال كان عمر بن الخطاب يكره أن يقرأ الرجل القرآن وهو جنب (عب) وابن جرير * عن علي قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقرأ القرآن على كل حال الا الجنابة فان كان جنبا لم يقرئنا شيئا أبو عبيد في فضائله (ش) والعدني (ع) وابن جرير وصححه * عن عمار بن ياسر رضي الله عنهما ان النبي صلى الله عليه وسلم رخص للجنب اذا أراد أن ينام أو يأكل أو يشرب أن يتوضأ وضوءه للصلاة (ش) * عن أبي هريرة انه كان يكره أن يدخل الجنب يده في الماء (عب) * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا أراد أن يأكل أو يشرب وهو جنب غسل يديه وتمضمض ثم شرب أو أكل (عب ص) * عن عائشة قالت اذا أصاب الرجل جنابة وأراد أن ينام أو يخرج أو يأكل أو يشرب يغسل فرجه ويتوضأ وضوأه للصلاة ابن جرير * عن عائشة قالت كان رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان له حاجة الى أهله قضاها ثم نام كهيئته لا يمس ماء (ص عب ش) * عن عائشة قالت كان النبي صلى الله عليه وسلم يغتسل من الجنابة ثم يستدفئ بي قبل أن أغتسل (ص ش) * عن ابن عباس قال لا بأس أن يصلي في الثوب الذي يعرق به الجنب (عب)

معرور وكبيرنا وسيدنا فلما توجهنا للسفر وخرجنا من المدينة قال البراء لنا ما هؤلاء اني قد رأيت والله رأيا واني والله ما أدري توافقوني فيه أم لا قال قلنا له وما ذاك قال قد رأيت ان لا أدع هذه البنية مني بظهر يعني الكعبة وان أصلي اليها قال فقلنا له والله ما بلغنا ان نبينا يصلي الا الى الشام ونحن نريد ان نخالفه فقال اني أصلي اليها قال فقلنا له لكنا لا نفعل فكنا اذا حضرت الصلاة صلينا الى الشام وصلى الى الكعبة حتى قدمنا مكة قال أخي وقد كنا عبنا عليه ما صنع وأبى الا الاقامة عليه فلما قدمنا مكة قال يا ابن أخي انطلق الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فاسأله عما صنعت في سفري هذا فانه والله قد وقع في نفسي منه شئ لما رأيت من خلافكم اياي فيه قال فخرجنا نسأل عن رسول الله صلى الله عليه وسلم وكنا لا نعرفه فلم نره قبل ذلك فلقينا رجلين من أهل مكة فسألنا هما عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال هل تعرفانه قال قلنا لا قال فهل تعرفان العباس بن عبد المطلب عمه قلنا نعم قال وكنا نعرف العباس كان لا يزال يقدم علينا تاجرا قال فاذا دخلتما المسجد فهو الرجل الجالس مع العباس قال فدخلنا المسجد فاذا العباس جالس ورسول الله صلى الله عليه وسلم جالس معه فسلمنا ثم جلسنا اليه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم للعباس هل تعرف هذين الرجلين يا أبا الفضل قال نعم هذا البراء بن معرور سيد قومه وهذا كعب بن مالك قال فوالله ما أنسى قول رسول الله صلى الله عليه وسلم الشاعر قال نعم قال فقال البراء بن معرور يا نبي الله اني خرجت في سفري هذا وهداني الله للاسلام فرأيت ان لا اجعل هذه البنية مني بظهر فصليت اليها وقد خالفني أصحابي في ذلك حتى وقع في نفسي من ذلك شئ فما ذا ترى يا رسول الله قال لقد كنت على قبلة لو صبرت عليها قال فرجع البراء الى قبلة رسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى معنا الى الشام قال وأهله يزعمون انه صلى الى الكعبة حتى مات وليس ذلك كما قالوا نحن اعلم به منهم قال وخرجنا الى الحج فواعدنا رسول الله صلى الله عليه وسلم العقبة من أوسط أيام التشريق فلما فرغنا من الحج وكانت الليلة التي وعدنا رسول الله صلى الله عليه وسلم وعدنا عبد الله بن عمرو بن حرام أبو جابر سيد من سادتنا وكنا نكتم من معنا من قومنا من المشركين أمرنا فكلمناه وقلنا له يا أبا جابر انك سيد من سادتنا وشريف من أشرافنا وانا نرغب بك عما أنت فيه ان تكون حطبا للنار غدا ثم دعوته الى الاسلام وأخبرته بميعاد رسول الله صلى الله عليه وسلم فاسلم وشهد معنا العقبة وكان نقيبا قال فنمنا تلك الليلة مع قومنا في رحالنا حتى اذا مضى ثلث الليل خرجنا من رحالنا لميعاد رسول الله صلى الله عليه وسلم نتسلل مستخفين تسلل القطا حتى اجتمعنا في الشعب عند العقبة ونحن سبعون رجلا ومعنا امرأتان من نسائهم نسيبة بنت كعب أم عمارة احدى نساء بني مازن بن النجار وأسماء بنت عمرو بن عدي بن نابت احدى نساء بني سلمة وهي أم منيع قال فاجتمعنا بالشعب ننتظر رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى جاءنا ومعه يومئذ عمه العباس بن عبد المطلب وهو يومئذ على دين قومه الا انه أحب أن يحضر أمر ابن أخيه ويتوثق له فلما جلسنا كان العباس بن عبد المطلب أول متكلم فقال يا معشر الخزرج قال وكانت العرب مما يعلمون هذا الحي من الانصار الخزرج أوسها وخزرجها ان محمدا منا حيث قد علمتم وقد منعناه من قومنا ممن هو على مثل رأينا فيه وهو في عز من قومه ومنعة في بلده قال فقلنا قد سمعنا ما قلت فتكلم يا رسول الله فخذ لنفسك ولربك ما أحببت قال فتكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم فتلا ودعا الى الله عز وجل ورغب في الاسلام قال أبايعكم على أن تمنعوني مما تمنعون منه نساءكم وأبناءكم قال فاخذ البراء بن معرور بيده ثم قال نعم والذي بعثك بالحق لنمنعنك مما نمنع

* عن علي قال الجنب لا يأكل شيأ حتى يتوضأ وضوأه للصلاة * (الفصل الثاني في دخول الحمام والنهي عن كشف العورة) * أول من دخل الحمامات وصنعت له النورة سليمان بن داود فلما دخله وجد حره وسمه فقال أوه من عذاب الله أوه قبل ان لا يكون أوه (عق طب عد هب) عن أبي موسى * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يدخل الحمام بغير إزار ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يدخل حليلته الحمام ومن كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يجلس على (٤٦٢) مائدة يدار عليها الخمر (ت ك) عن جابر * الحمام حرام على نساء أمتي (ك) عن عائشة

* انها ستفتح لكم أرض العجم وستجدون فيها بيوتا يقال لها الحمامات فلا يدخلها الرجال الا بالازر ولا تمنعوا النساء الا مريضة أو نفساء (د) عن ابن عمر * من دخل الحمام من غير مئزر لعنه الملكان الشيرازي عن أنس * اف للحمام حجاب لا يستر وماء لا يطهر لا ينبغي للرجل أن يدخله الا بمنديل ولا مر المسلمين لا يفتقرون نساءهم الرجال قوامون على النساء علموهن ومروهن بالتسبيح (هب) عن عائشة * بئس البيت الحمام ترفع فيه الاصوات وتكشف فيه العورات (٤) عن ابن عباس * أنشد الله رجال امتي لا يدخلوا الحمام الا بمئزر وأنشد الله نساء أمتي لا يدخلن الحمام ابن عساكر عن أبي هريرة * احفظ عورتك الا من زوجتك أو ما ملكت يمينك قيل اذا كان القوم بعضهم في بعض قال ان استطعت أن لا يراها أحد فلا يرينها قيل اذا كان أحدنا خاليا قال الله أحق أن يستحيا منه من الناس (حم ٤ ك هق) عن بهز بن حكيم عن أبيه عن جده * نهيت أن أمشي عريانا (طب) عن العباس * نهى أن يدخل الماء الا

منه أزر نافيا بعثا رسول الله صلى الله عليه وسلم فنحن أهل الحروب وأهل الحلقة ورثناها كابرا عن كابر فما عترض القول والفعل يكلم رسول الله صلى الله عليه وسلم أبو الهيثم بن التيهان حليف بني عبد الاشهل فقال يا رسول الله ان بيننا وبين الرجال حبالا وانا قاطعوها يعني العهود فهل عسيت ان نحن فعلنا ذلك ثم أظهرك الله ان ترجع إلى قومك وتدعنا قال فتبسم رسول الله صلى الله عليه وسلم ثم قال بل الدم الدم والهدم الهدم أنا منكم وأنتم مني أحارب من حاربتم وأسالم من سالمتم وقد قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اخرجوا إلي منكم اثني عشر نقيبا يكونون على قومهم فاخرجوا منهم اثني عشر نقيبا منهم من الخزرج ولا ثة من الاوس وأما معمد بن كعب فحدثني في حديثه عن أخيه عن أبيه كعب بن مالك قال كان أول من ضرب على يد رسول الله صلى الله عليه وسلم البراء بن معرور ثم تتابع القوم فلما بايعنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صرخ الشيطان من رأس العقبة بابعد صوت سمعته قط يا أهل الجباجب والجباجب المنازل هل لكم في مذمم والصباة معه قد اجمعوا على حربكم قال علي يعني ابن اسحق ما يقول عدو الله هذا أزب العقبة هذا ابن أذيب اسمع أي عدو الله أما والله لافرغن لك ثم قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ارفعوا الي رحالكم قال فقال له العباس بن عبادة بن نضلة والذي بعثك بالحق لئن شئت لنميلن على اهل منى غدا باسيافنا قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لم أومر بذلك قال فرجعنا فنمنا حتى أصبحنا فلما أصبحنا غدت علينا جلة قريش حتى جاؤنا في منازلنا فقالوا يا معشر الخزرج انه قد بلغنا انكم قد جئتم إلى صاحبنا هذا تستخرجونه من بين أظهرنا وتبايعونه على حربنا والله انه ما من العرب احد أبغض إلينا أن تنشب الحرب بيننا وبينه منكم قال فانبعث من ههنا لك من مشركي قومنا يحلفون لهم بالله ما كان من هذا شئ وما علمناه وقد صدقوا لم يعلموا ما كان منا قال فنبعث بعضنا ينظر إلى بعض قال وقام القوم وفيهم الحارث بن هشام بن المغيرة المخزومي وعليه نعلان جديدان حتى جلس قبالة كاني أريد أن أسمع كلام القوم بها فيما تحالفوا عليه فاستطاع يا أبا جابر وأنت سيد من سادتنا أن تخلع نعليك من مثل فعلي هذا الفتى من قريش فسمعها الحرث فخلعها ثم رمى بهما الي فقال والله لئن تفعلنها ما قال يقول أبو جابر أحفظت والله لافتي فاردد عليه نعليه قال فقلت والله لا ارد هما قال والله صلح والله لئن صدق الفال لاسلبنه فهذا حديث كعب بن مالك من العقبة وما حضر منها

* (حديث سويد بن النعمان رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يحيى بن سعيد قال سمعت بشير بن يسار قال سمعت سويد بن النعمان رجلا من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم من أصحاب الشجرة قال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فلم يكن عندهم طعام قال فأتوا بسويق فلاكوه منه وشربوا منه ثم أتوا بماء فمضمض ثم قام ورسول الله صلى الله عليه وسلم فصلى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير ثنا يحيى عن بشير بن يسار عن سويد بن النعمان قال خرجنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم عام خيبر حتى اذا كنا بالصهباء وصلى العصر دعا بالاطعمة فلم يأت الا بسويق فما كادوا وشربوا منه ثم قام إلى المغرب فمضمض ومضمضنا معه وما مس ماء

* (حديث رجل رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة قال سمعت أبا مالك الاشجعي يحدث عن أبي سلمة بن عبد الرحمن قال أخبرني من رأى النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في ثوب واحد قد خالف بين طرفيه

* (حديث

* أيما كم والتعري فان معكم من لا يفارقكم الا عند الغائط وحين يفضي الرجل الى أهله فاستحيوهم واكرموهم (ت) عن ابن عمر * (الاكمال) * اذا كان آخر الزمان حرم فيه دخول الحمام على ذكور أمتي عما أز رها قالوا يا رسول الله لم ذاك قال لانهم يدخلون على قوم عراة أو يدخل عليهم أقوام عراة وقد لعن الله الناظر والمنظور اليه (كر) عن الزهري مرسلا * انكم ستفتحون أرضا فيها بيوت

يقال لها الحمامات حرام على أمتي دخولها قالوا يا رسول الله انها تنهب الوسخ وتنقي الدرن قال فانهم احلال الذكور أمتي في الازر حرام على اناث أمتي (طب) عن المقدام بن معديكرب * انه سيكون بعدي حمامات ولا خير في الحمامات للنساء وان دخلت بازار ودرع وخمار ومامن امرأة تنزع خمارها في غير بيت زوجها الا هتكت الستر فيما بينها وبين ربها (طب) عن عائشة * لا تدخل المرأة الحمام بغير مئزر ولا بغير مئديل الديلمي عن أبي هريرة * نعم البيت يدخله الرجل المسلم بيت الحمام وذلك انه اذا دخله

سأل الله الجنة واستعاذ بالله من النار ونعم البيت يدخله الرجل المسلم بيت العروس وذلك انه يرغب في الدنيا وينسيه الآخرة الحكيم وابن النجار في عمل يوم وليلة وابن عساكر عن أبي هريرة

(الافعال) * عن مورق العجلي قال شهدت كتاب عمر الى أبي موسى الاشعري انه بلغني ان أهل الامصار اتخذوا الحمامات فلا يدخلن أحد الا بمئزر ولا يذكر الله تعالى فيه اسم حتى يخرج منها ولا يستقبع في حوض (عب ش هب) * عن ابن رغبان ان حبيب بن مسلمة الفهري دخل الحمام بحمص فقال هذا من نعيم ما ينعم به أهل الدنيا ولو مكثت فيه ساعة لها لكت ما أنا بخارج منه حتى أستبين هالته ألف مرة أبو نعيم * عن أبي عبيدة بن الجراح قال اللهم انا اصبنا من الحمام من غير علة ولا سقم نريد بذلك أن تبيض وجهنا فتسود وجهها يوم تبيض الوجوه (عب)

*(الباب الخامس في المياه والتيمم والمسح على الخفين والعصابة وعلى الجبائر وطهارة المذور والحيض والاستحاضة والدباغة وفيه خمسة فصول الفصل الاول في المياه) * ان الماء طهور لا ينجسه شئ (حم م ٤ قط هق) عن أبي سعيد * ان الماء لا ينجسه شئ الا ما غلب على ريحه وطعمه ولونه (ه) عن أبي امامة * ان الماء لا يجنب (د ك هب قط هق) عن ابن عباس * ليس على الماء جنابة ولا على الارض جنابة ولا على الثوب جنابة (قط) عن جابر * ماء البحر طهور (ك) عن ابن عباس * البحر الطهور ماؤه الحل ميتته (ه) عن أبي هريرة * من لم يطهره البحر فلا طهره الله (قط ق) عن أبي هريرة * اذا بلغ الماء قلتين لم يحمل الخبث (حم ٣ حب قط ك هق) عن ابن عمر

*(حديث رجل رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا عوف قال حدثني علقمة المزني قال حدثني رجل قال كنت في مجلس فيه عمر بن الخطاب بالمدينة فقال لرجل من القوم يا فلان كيف سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ينعت الاسلام قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الاسلام بدا جذعا ثم ثنيا ثم رباعيا ثم سديسيا ثم بازلا قال فقال عمر بن الخطاب فما بعد البزول الا النقصان

*(حديث رافع بن خديج رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان قال سمعت عمرا سمع ابن عمر قال كنا نخابر ولا نرى بذلك بأسا حتى زعم رافع بن خديج ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عنه فتركناه. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا يحيى عن محمد بن يحيى بن حبان عن عمه واسع بن حبان عن رافع بن خديج قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا قطع في ثمر ولا كثر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الضحاك بن مخلد عن عبد الواحد بن نافع البكاء ويعرف بأهل البصرة قال مررت بمسجد بالمدينة فاقيمت الصلاة فاذا شيخ يلام المؤذن وقال ما علمت ان أبي أخبرني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يأمر بتأخير هذه الصلاة قال قلت من هذا الشيخ قالوا هذا عبد الله بن رافع بن خديج حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن عامر قال ثنا شعبة عن سعيد بن مسروق عن عبايه بن رفاعة بن رافع بن خديج عن جده رافع بن خديج قال قلت يا رسول الله انا لاقو العدو غدا وليس معنا مدى قال ما أنهر الدم وذكر عليه اسم الله فكل ليس السن والظفر وسأحدثك أما السن فعظم وأما الظفر فمدى الحبشة قال وأصاب رسول الله صلى الله عليه وسلم نهبا فندي منها بعير فسعوا له فلم يستطيعوه فرماه رجل بسهم فحبسه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لهذه البهائم أوابد كأوابد الوحش فما غلبكم فاصنعوا به هكذا

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال ثنا أبي عن محمد بن اسحق قال حدثني يحيى بن عمرو بن عطاء ان رجلا من بني حارثة حدثه ان رافع بن خديج حدثهم انهم خرجوا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر قال فلما نزل رسول الله صلى الله عليه وسلم للغداء قال عاتق لكل رجل بخطامه ناقته ثم أرسلها تهز في الشجر قال ثم جلس نسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ورمى الناس على أباعرنا فرفع رسول الله صلى الله عليه وسلم رأسه فرأى اكسية لنا فيها خيوط من عهن أحمر قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم الا أرى هذه الحمرة قد علتكم قال فقمنا سراعا الى قول رسول الله صلى الله عليه وسلم حتى نفر بعض ابلنا فأخذنا الاكسية فنزعناها منها

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا عبد الواحد بن زياد قال ثنا سعيد جد ثنا مجاهد قال حدثني أسيد بن أخي رافع بن خديج قال قال رافع بن خديج انا نارسول الله صلى الله عليه وسلم عن أمر كان لنا نافع وطاعة الله وطاعة رسوله أنفع لنا قال من كانت له أرض فليزرعها فان عجز عنها فليزرعها أخاه قال أبو عبد الرحمن قال أبي هذا سعيد بن عبد الرحمن الزبيدي حدث عنه سفيان الثوري وحكام. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد قال ثنا عبد العزيز بن محمد عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن حنظلة الزرقي عن رافع بن خديج أن الناس كانوا يكرون المزارع في زمان رسول الله صلى الله عليه وسلم بالماذيانات وما سقى الربيع وشيأ من التبن فكره رسول الله صلى الله عليه وسلم كراءه المزارع بهذا ونهى عنها وقال رافع لا بأس بكرائها بالدراهم والدنانير. حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا أبو الاحوص قال ثنا سعيد بن مسروق عن

* اذا بلغ الماء قلتين فما فوق ذلك لم يحمله شيء (قط) عن أبي هريرة * اذا بلغ الماء أربعين قلة فانه لا يحمل الخبث (عق عد قط) عن جابر
* (الاكمال) * اذا كان الماء قلتين أو ثلاثا لم ينجسه شيء (الشافعي في المقدم (حم ك هق) في المعرفة عن ابن عمر * ثمرة طيبة وماء طهور
عبد الرزاق (حم د ت) وضعفه (ه هق) عن ابن مسعود ان النبي صلى الله عليه وسلم قال ليلة الجن ما في اداوتك قال نبيذ قال تمرة طيبة وماء طهور
وضوء من لم يجد الماء (قط) عن ابن عباس (٤٦٤) وقال وهم والمحفوظ وقفه على عكرمة * حي على الطهور والبركة من الله (ن)

عن ابن مسعود * حي على الوضوء المبارك والبركة من السماء (ت) حسن صحيح عنه * (الافعال) * عن حيان بن منقذ الانصاري قال قال عمر لا تغتسلوا بالماء المشمس فانه يورث البرص (حب) في كتاب الثقات (قط) عن عبد الله بن مليكة قال تبرز عمر بن الخطاب في أجياد ثم رجع فاستوهب وضوأ فلم يوهبوا له قالت أم مهزول وهي من البغايا التسع اللواتي كن في الجاهلية يا أمير المؤمنين هذا ماء ولكنه في غلبة والغلبة التي لا تدبغ فقال عمر لخالد بن طحيل هي قال نعم قال هل لكم فان الله جعل الماء طهورا (عب) * عن أبي مليكة قال قدم عمر بن الخطاب مكة فكان يتوضأ بأجياد فذهب يوما الى حاجته فلقي طحيل ابن رباح أخا بلال بن رباح فقال من أنت قال أنا طحيل ابن رباح فقال بل أنت خالد ابن رباح فأخذ بيده حتى مضى ثم قال اطلب لي ماء أتوضأ به فذهب ثم جاء فقال لم أجد الا ماء في بيت بني فلان من بغايا الجاهلية قال اذهب فأتني به فان الماء لا ينجسه

عباية بن رفاعة عن جده رافع بن خديج قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الحي فوق جهنم فاردوها بالماء حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا شعبة قال الحكم أخبرني عن مجاهد عن رافع بن خديج قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الحقل قال قلت وما الحقل قال الثلث والربع فلما سمع ذلك ابراهيم كره الثلث والربع ولم ير بأسا بالارض البيضاء يأخذها بالدراهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان قال ثنا يحيى بن أبي كثير عن ابراهيم بن قارظ عن السائب بن يزيد عن رافع بن خديج أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كسب الحجام خبيث ومهر البغي خبيث وثمن الكلب خبيث حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن سعيد بن مسروق عن عباية بن رفاعة بن رافع عن رافع ابن خديج جده انه قال يا رسول الله انا لاقو العدو غدا وليس معنا مدى قال ما أنهر الدم وذكر اسم الله عليه فكل ليس السن والظفر وسأحدثك أما السن فعظم وأما الظفر فمدى الحبشة وأصاب رسول الله صلى الله عليه وسلم نهبا فندبعير نهبا فسعوا فلم يستطيعوه فرماه رجل من القوم بسهم فحبسه فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان لهذه الابل أوابد النعم أوابد كالوابد الوحش فاذا غلبكم شيء منها فاصنعوا به هكذا قال وكان النبي صلى الله عليه وسلم يجعل في قسمه الغنائم عشرا من الشاء ببعير قال شعبة وأكثر علمي انه قد سمعت من سعيد هذا الحرف ويجعل عشرا من الشاء ببعير وقد حدثني سفيان عنه قال محمد وقد سمعت من سفيان هذا الحرف حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن يحيى بن سعيد عن محمد بن يحيى بن حبان قال سرق غلام لنعمان الانصاري نخلا صغارا فرفع الى مروان فاراد ان يقطعه فقال رافع بن خديج قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يقطع في الثمر ولا الكثر قال قلت ليحيى ما الكثر قال الجمار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أخبرنا سفيان عن منصور عن مجاهد عن أسيد بن ظهير بن أخي رافع ابن خديج عن رافع بن خديج قال كان أحدنا اذا استغنى عن أرضه اعطاها بالثلث والربع والنصف ويشترط ثلاث جداول والقصارة وما سقى الربيع وكان العيش اذ ذاك شديدا وكان يعمل فيها بالحديد وما شاء الله ويصيب منها منفعة فانا نارا رافع بن خديج فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم ينهاكم عن أمر كان لكم نافعا وطاعة الله وطاعة رسول الله صلى الله عليه وسلم أنفع لكم ان النبي صلى الله عليه وسلم ينهاكم عن الحقل ويقول من استغنى عن أرضه فليمنحها أخاه أو ليدعها وينهاكم عن المزابنة والمزابنة ان يكون لرجل المال العظيم من النخل فيأتيه الرجل فيقول قد أخذت نخلك بكذا وسقا من تمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن الوليد قال ثنا سفيان عن منصور عن مجاهد عن أسيد بن ظهير قال كان أحدنا اذا استغنى عن أرضه فذكر الحديث وقال يشترط ثلاث جداول والقصارة وما سقط من السيل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن منصور قال سمعت مجاهدا يحدث عن أسيد بن ظهير قال كان أحدنا اذا استغنى عن أرضه أو افتقر اليها أعطاها بالنصف والثلث والربع ويشترط ثلاث جداول والقصارة وما سقى الربيع وكنا نعمل فيها عملا شديدا ونصيب منها منفعة فانا نارافع بن خديج فقال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أمر كان لكم نافعا وطاعة الله ورسوله أنفع لكم نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم خير لكم نهانا كم عن الحقل وقال من كانت له أرض فليمنحها أخاه أو ليدعها ونهانا عن المزابنة والمزابنة الرجل يكون له المال العظيم من النخل فيجيء الرجل فيأخذها بكذا وكذا وسقا من تمر حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد وابن نمير قالا ثنا

شيء ابن السني في الاذكار * عن جابر بن عبد الله قال كنا نستحب أن نأخذ من ماء الغدر ونغتسل في ناحية عبيد
(ش) * عن جابر قال كنا نغزو مع النبي صلى الله عليه وسلم أرض المشركين فلا نمتنع أن نأكل من آنيتهم ونشرب من أسقيتهم (ش) * عن أبي سعيد ان النبي صلى الله عليه وسلم توضأ أو شرب من قدر كان يلقى فيه لحوم الكلاب والجيف فذكر له ذلك فقال ان الماء لا ينجسه شيء (عب)
عن أبي سعيد قيل يا رسول الله أنتوضأ من بئر بضاعة وهي بئر تلقى فيها الحيض ولحوم الكلاب والنتن فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم

الماء طهور لا ينجسه شئ (ش) * عن ابن عباس قال ان الماء يطهر ولا يطهر (عب) * عن ابن عباس قال بحران لا يضرك من أيهما توضأت ماء البحر وماء الفرات (ش) * عن ابن عباس قال لا بأس بفضل المرأة حائضا كانت أو غير حائض (عب) * عن كهيل قال رأيت عليا يخوض المطر ثم دخل المسجد ولم يغسل رجليه (ص) * عن علي قال اذا انقطعت الفأرة في البئر فتقطعت نزع منها سبعة أدلاء فان كانت الفأرة كهيئتها لم تقطع نزع منها دلو ودلوان فان كانت منتنة أعظم من ذلك فلينزع من البئر ما يذهب



(عب) * عن معاذ بن العلاء وهو أخو عمرو بن العلاء عن أبيه عن جده قال أقبلت مع علي بن أبي طالب الى الجمعة وهو ماش فمال بيته وبين المسجد خوض من ماء وطين فخلع نعليه وسراويله فحاذى فلما جاوز لبس سراويله ونعليه ثم صلى بالناس ولم يغسل رجليه (هق) * عن جابر بن يزيد الجعفي عن ذي قرابته يحدث زوجة زوج النبي صلى الله عليه وسلم انها قالت لا تتوضأ بفضل وضوئي (عب) * عن ابن عمر قال كان الرجال والنساء جميعا يتوضؤن على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم من الميضأة ابن النجار * عن عبد الله بن عباس قال اغتسل بعض أزواج النبي صلى الله عليه وسلم في جفنة فجاء رسول الله صلى الله عليه وسلم ليغتسل منها أو ليتوضأ فقالت يا رسول الله اني كنت جنبا فقال ان الماء لا يجنب (ش) * عن عائشة قالت كنت أغتسل أنا والنبي صلى الله عليه وسلم من اناء واحد ولكنه كان يبدأ (ش) * عن ابن عمر قال لا بأس بالوضوء من فضل شراب المرأة وفضل

عبد الله قال يحيى عن عبيد الله أخبرني نافع قال كان ابن عمر يكري المزارع فبلغه ان رافعا يأثر فيه حديثا عن رسول الله صلى الله عليه وسلم فذهب اليه ابن عمر الى البلاط فسأله فأخبره ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن كراء المزارع فترك عبد الله كراءها قال ابن نمير في حديثه فذهب اليه ابن عمر وذهبت معه وكذا قال أبي وحدثناه محمد بن عبد أيضا قال فذهب ابن عمر وذهبت معه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا محمد بن اسحق قال أنبأنا ابن عجلان عن عاصم بن عمر عن محمود بن لبيد عن رافع بن خديج عن النبي صلى الله عليه وسلم قال يزيد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اصحبوا بالصبح فانه أعظم للاجر أو لاجرها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن يحيى بن سعيد عن عباية بن رفاعة عن جده رافع بن خديج قال ان جبريل أو ملكا جاء الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال ما تعدون من شهد بدرا فيكم قال خيارنا قال كذلك هم عندنا خيارنا من الملائكة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع وأبو كامل قالا ثنا بشر يعني ابن المفضل عن أبي اسحق عن عطاء بن أبي رباح عن رافع بن خديج قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من زرع في أرض بغير اذن أهلها فليس له من نفقته قال أبو كامل في حديثه وليس له من الزرع شئ **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عمر بن فرقد عن مجاهد عن أبي رافع بن خديج عن أبيه قال جاء ناس منا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا انا نهينا يا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أمر كان يرفق بنا وطاعة الله وطاعة رسوله صلى الله عليه وسلم أرفق بنا انا ان نزرع أرضنا الا أرضا لك أحد فارقبتها أو منيحة رجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل ثنا أيوب عن يعلى بن حكيم عن سليمان بن يسار عن رافع بن خديج قال كنا نحاقل بالأرض على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم فنكريها بالثلث والربع والطعام المسمى فجاءنا ذات يوم رجل من عمومتي فقال نهانا رسول الله صلى الله عليه وسلم عن أمر كان لنا نافعا وطاعة الله ورسوله أنفع لنا نهانا ان نحاقل بالأرض فنكريها على الثلث والربع والطعام المسمى وأمر رب الارض ان يزرعها أو يزرعها وكره كراءها وما سوى ذلك. **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل قال أنا أيوب عن عمرو بن دينار قال سمعت ابن عمر يقول لما كاثرنا يهود خيبر بأسا حتى زعم ابن خديج عامل أول ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عنه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا ليث بن سعد عن عقيل عن ابن شهاب انه قال أخبرني سالم بن عبد الله ان عبد الله بن عمر قال يا ابن خديج ماذا تحدث عن رسول الله صلى الله عليه وسلم في كراء الأرض قال رافع لقد سمعت عمي وكانا قد شهدا بدرا يحدثان أهل الدار ان رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن كراء الارض **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى بن عبيد ثنا محمد يعني ابن اسحق عن عاصم بن عمر عن رافع بن خديج قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول العامل في الصدقة بالحق لوجه الله عز وجل كالغازي في سبيل الله عز وجل حتى يرجع الى أهله **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن ابراهيم بن عبد الله بن قارظ عن السائب بن يزيد عن رافع بن خديج أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال كسب الحجام خبيث ومهر البغي خبيث وثمن الكلب خبيث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق ثنا معمر عن يحيى بن أبي كثير عن ابراهيم ابن عبد الله بن قارظ عن السائب بن يزيد عن رافع بن خديج قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أفطر الحاجم والمحجوم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن الحكم عن مجاهد عن رافع



وضوئها مالم تكن جنبا أو حائضا فاذا خلت به فلا تقربه (عب) * عن أم سلمة قالت وجدت عند هاتو رائيه ماء فقالت لا تفعل انه بقية وضوئي (ص) * (فرع في حكم سؤر الحيوان) * انما البيت بنجس انها من الطوافين عليكم والطوافات يعني الهرة مالك (٤ حب طـ) عن أبي قتادة (د هق) عن كبشة * السنور سبع (حم قط ك) عن أبي هريرة * لها ما حملت في بطونها ولنا ما غبر طهور (ه) عن أبي سعيد * (الاكمال) * يا صاحب المقراة لا تخبره هرة اتكلت لها ما أخذت في بطونها يعني

السباع ولنا ما بقي شراب وطهور الديلمي عن ابن عمر * الهر ليس بنجس انما هو متاع البيت (ن) عن أبي هريرة * يا أنس الهر من متاع البيت ان تقذر شيأ وان تحشه (طس) عن أنس * (الافعال) * عن أبي هريرة في الهر يلغ في الاناء قال اغسله مرة (عب) * عن عائشة انها قالت كنت أتوضأ أنا ورسول الله صلى الله عليه وسلم من اناء قد أصاب منه الهر قبل ذلك (عب ص) * عن نافع ان ابن عمر كان يكره سؤر الحمار والكلب والهر ان يتوضأ بفضلهم (٤٦٦) (عب) * حدثنا عبد الرحمن بن زيد بن أسلم حدثني أبي ان بعض أصحاب النبي صلى الله عليه

ابن خديج قال نهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الحقل قال الحاكم والحقل الثلث والربع

* (حديث أبي بردة بن نيار رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن يحيى بن سعيد عن بشير بن يسار عن أبي بردة بن نيار انه ذبح قبل ان يذبح النبي صلى الله عليه وسلم فامره أن يعيد قال اني لا أجد الا جذعة فامره أن يذبح حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا الوليد بن عبد الله بن جميع عن الجهيم أبي الجهم عن ابن نيار قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تذهب الدنيا حتى تكون للكعبة بن الكعبة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم وحجاج قالا ثنا ليث يعني ابن سعد قال ثنا يزيد بن أبي حبيب عن بكير بن عبد الله بن الاشج عن سليمان بن يسار عن عبد الرحمن بن جابر بن عبد الله عن أبي بردة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يجلد فوق عشر جلدات الا في حد من حدود الله تعالى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج ثنا شريك عن عبد الله بن عيسى عن جميع بن عمير ولم يسم خاله أبي بردة بن نيار قال انطلقت مع النبي صلى الله عليه وسلم الى بقيع المصلى فادخل يده في طعام ثم أخرجها فاذا هو مغشوش أو مختلف فقال ليس منا من غشنا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسحق قال أنا ابن لهيعة عن بكير بن عبد الله قال قال سليمان لعبد الرحمن ابن جابر حدث فلانا عن أبي بردة بن نيار قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يجلد فوق عشر جلدات الا في حد من حدود الله عز وجل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي ثنا ليث عن بكير بن عبد الله بن الاشج عن سليمان بن يسار عن عبد الرحمن بن جابر عن أبي بردة بن نيار قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يجلد فوق عشر جلدات الا في حد من حدود الله عز وجل وكان ليث يحدثنا به بغداد عن يزيد بن أبي حبيب عن بكير عن سليمان فما كلمه رأيا بكير بن عبد الله بن الاشج حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أسود بن عامر قال ثنا شريك عن واصل عن جميع بن عمير عن خاله قال سئل النبي صلى الله عليه وسلم عن أفضل الكسب فقال بيع مبرور وعمل الرجل بيده حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم ثنا الوليد يعني ابن عبد الله بن جميع قال حدثني أبو بكر بن أبي الجهم قال أقبلت أنا وزيد بن حسن بيننا بن رمانة مولى عبد العزيز بن مروان قد نصب نائله أيديهما فهو متكئ عليها واذا خل المسجد مسجد رسول الله صلى الله عليه وسلم ونحن ثلاثة نفر من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم فاقبل الي أبي بكر ثنتين فاتاه فقال رأيت ابن رمانة ينكبا توكأ عليك وعلى زيد بن حسن سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لن تذهب الدنيا حتى تكون عند الكعبة بن الكعبة

* (حديث أبي سعيد بن أبي فضالة رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر البرساني قال أنا عبد الحميد بن جعفر قال أنا أبي عن زياد بن مينا عن أبي سعيد بن أبي فضالة الانصاري وكان من الصحابة انه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا جمع الله عز وجل الاولين والآخرين ليوم لا ريب فيه نادى مناد من كان أشرك في عمل عمله لله تبارك وتعالى أحدا فليطلب ثوابه من عند غير الله عز وجل فان الله عز وجل أغنى الشركاء عن الشرك

* (حديث سهيل بن بيضاء عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال سمعت أبي يحدث عن يعقوب قال سمعت أبي يحدث عن يزيد يعني ابن الهاد عن محمد بن ابراهيم بن الحرث عن شهيل بن بيضاء انه قال نادى رسول الله صلى الله عليه وسلم

وسلم قال يا رسول الله ان هذه الحياض التي تكون بيننا وبين مكة ترد هاالسباع والكلاب فقال ما حملت في بطونها فهو لها ومابقي فهو لنا طهور (ص) * عن جابر بن عبد الله ان رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ مما أفضلت السباع (عب د هق) حسن

* (الفصل الخلخ في التيمم) *

التيمم ضربتان ضربة للوجه وضربة لليدين الى المرفقين (طب ك) عن ابن عمر * التيمم ضربة للوجه وضربة للكفين (طب) عن أبي امامة (حم) عن عمار بن ياسر * ان الصعيد الطيب وضوء المسلم وان لم يجد الماء عشر سنين فاذا وجد الماء فليمس بشرته فان ذلك هو خير (حم ت حب ك) عن أبي ذر * اذا كان بالرجل الجراحة في سبيل الله تعالى أو القروح أو الجدري فيجنب فيخاف ان اغتسل أن يموت فليتيمم (ك هق) عن ابن عباس * قتلوه قتلهم الله ألا سألوا اذا لم يعلموا فانما شفاء العي السؤال انما كان يكفيه أن يتيمم ويعصب على جرحه خرقة ثم يمسح عليها ويغسل سائر جسده (د) عن جابر * (الاكمال) * عليك بالتراب عبد الرزاق عن أبي هريرة ان اعرابيا قال

ذات

يا رسول الله اني كنت في الرمل نحو أربعة أشهر أو خمسة فيكون فينا النفساء أو الحائض أو الجنب فما ترى قال فذكره * عليك بالصعيد فانه يكفيك (ش د م ن) عن عمران بن حصين ان رجلا قال يا رسول الله أصابتني جنابة ولا ماء قال فذكره * أصحاب الانصاري (عب) عن مجاهد قال بعث النبي صلى الله عليه وسلم عمر بن الخطاب ورجلا من الانصار بحر سان المسلمين فاجنبا حين أصابهما برد المحتلم فتمرغ عمر بالتراب وتيمم

الانصاري صعيدا طيبا ثم صليا فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * أصب أهلك فان لم تقدر على الماء عشر سنين الرافعي عن أبي ذر
*(الافعال)* عن ابن عباس قال رأيت عمر بن الخطاب بال ثم أتى أجاره فمسح به ثم مسح احدى يديه بالاخرى ثم قال هكذا التكبير والتسبيح
حتى تاتي الماء (ص) ابن جرير * عن علي قال اذا أجنب الرجل فليطلب الماء الى آخر الوقت فان لم يقدر فليتيمم فيصلي فان قدر على الماء
اغتسل ولم يعد الصلاة خلف العكبري * عن علي في الرجل يكون في السفر فتصيبه الجنابة (٤٦٧) ومعه الماء القليل يخاف أن يعطش
قال ييمم ولا يغتسل (قط)
* عن علي انه كان يكره
أن يؤم المتيمم المتوضئين
(ص) ومسدد * عن عمار
ابن ياسر قال كنت مع النبي
* صلى الله عليه وسلم ومعه
عائشة فهلك عقدها
فاحتبس الناس في ابتغائه
حتى أصبحوا وليس معهم
ماء فعنل المتيمم فقاموا
فضربوا بايديهم فمسحوا
بها وجوههم ثم عادوا
فضربوا بايديهم ثانية
فمسحوا بها أيديهم الى
الابطين أو قال الى المناكب
(عب) * عن عبد الرحمن بن
جبير عن عمرو بن العاصي
قال لما بعثني رسول الله
صلى الله عليه وسلم عام ذات
السلاسل احتلمت في ليلة باردة
شديدة البرد فاشفقت ان
اغتسلت أن أهلك فتيممت
ثم صليت باصحابي صلاة
الصبح فلما قدمنا على رسول
الله صلى الله عليه وسلم
ذكرت ذلك له فقال يا عمرو
صليت باصحابك وأنت
جنب قلت نعم يا رسول الله
اني احتلمت في ليلة باردة
شديدة البرد فاشفقت ان
اغتسلت أن أهلك وذكرت

ذات ليلة وأنا رديفه يا سهيل بن بيضاء فعلا صوته مرارا حتى سمع من خلفنا وأمامنا فاجتمعوا وعلموا انه
يريد ان يتكلم بشئ انه من قال لا اله الا الله أوجب الله عز وجل له بها الجنة وأعتقه بها من النار * حدثنا
عبد الله حدثني أبي ثنا هرون ثنا ابن وهب قال حيوة حدثني يزيد بن الهاد عن محمد بن ابراهيم عن سعيد
ابن الصلت عن سهيل بن البيضاء من بني عبد الدار قال بينا نحن في سفر مع رسول الله صلى الله عليه وسلم
فذكر معناه * (حديث سلمة بن سلامة بن وقش عن النبي صلى الله عليه وسلم) *
حدثنا عبد الله حدثني الى ثنا يعقوب قال حدثني أبي عن ابن اسحق قال حدثني صالح بن ابراهيم بن
عبد الرحمن بن عوف عن محمود بن لبيد أخي بني عبد الاشهل عن سلمة بن سلامة بن وقش وكان من أصحاب
بدر قال كان لنا جار من يهود في بني عبد الاشهل قال فخرج علينا يوما من بيته قبل مبعث النبي صلى الله عليه
وسلم بيسير فوقف على مجالس عبد الاشهل قال سلمة وأنا يومئذ أحدث من فيه سنا على بردة مضطجعا فيها بفناء
أهلي فذكر البعث والقيامة والحساب والميزان والجنة والنار وما يقال ذلك لقوم أهل شرك أصحاب أوثان
لا يرون ان بعثا كائنا بعد الموت فقالوا له ويحك يا فلان ترى هذا كائنا ان الناس يبعثون بعد موتهم الى دار
فيها جنة ونار يجزون فيها بأعمالهم قال نعم والذي يحلف به لوددت أن لي حظا من تلك النار أعظم شئ في الدنيا
يحمونه ثم يدخلونه اياه فيطبق به عليه وان ينجو من تلك النار غدا قالوا له ويحك وما آية ذلك قال نبي يبعث من
نحو هذه البلاد وأشار بيده نحو مكة من اليمن قالوا ومتى تراه قال فنظر الي وأنا من أحدثهم سنا فقال ان يستنفد
هذا الغلام عمر سيدرك قال سلمة فوالله ما ذهب الليل والنهار حتى بعث الله تعالى رسوله صلى الله عليه وسلم وهو
حي بين أظهرنا فآمنا به وكفر به بغيا وحسدا فقلنا ويلك يا فلان ألست بالذي قلت لنا فيه ما قلت قال بلى
وليس به * (حديث مليكة بن خزيمة أخو عمرو بن خزيمة ضحى الله تعالى عنه) *
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابن نمير قال ثنا اسمعيل بن ابراهيم يعني ابن مهاجر عن عبد الملك بن عمير عن
عمرو بن حريث قال حدثني أخي سعيد بن حريث قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من باع
عقارا كان قمنا أن لا يبارك له الا أن يجعله في مثله أو خير
* (حديث حوشب صاحب النبي صلى الله عليه وسلم) *
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن اسمق من كتابه قال أنا ابن لهيعة عن عبد الله بن هبيرة عن حسان
ابن كريب أن هلالا مات فجزع عليه أبواه أشد الوجد فقال حوشب صاحب النبي صلى الله عليه وسلم
ألا أخبركم بما سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول في مثل ابنك ان رجلا من أصحابه كان له ابن قد
أدب أو دب وكان يأتي مع أبيه الى النبي صلى الله عليه وسلم ثم ان ابنه توفي فوجد عليه أبوه فمر بنا من ستة أيام
لا يأتي النبي صلى الله عليه وسلم فقال النبي صلى الله عليه وسلم لا أرى فلانا قالوا يا رسول الله ان ابنه توفي فوجد
عليه فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم يا فلان أتحب أو أن ابنك عندك الآن كانشط الصبيان نشاطا
أتحب أن ابنك عندك أحرا الغلمان جراءة أتحب أن ابنك عندك كهلا كافضل الكهول أو يقال لك أدخل
الجنة ثواب ما أخذ منك
* (حديث جندب بن مكيث عن النبي صلى الله عليه وسلم) *
حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب قال قال أبي كما حدثني ابن اسحق عن يعقوب بن عتبة عن مهلهل بن عبد
الله بن جندب الجهني عن جندب بن مكيث الجهني قال بعث رسول الله صلى الله عليه وسلم غالب بن عبد الله

قول الله عز وجل ولا تقتلوا أنفسكم ان الله كان بكم رحيما فتيممت ثم صليت فضحك النبي صلى الله عليه وسلم ولم يقل شيأ (حم) * عن ابن عباس
قال من السنة أن لا يصلي الرجل بالتيمم الا صلاة واحدة ثم يتيمم للصلاة الاخرى (عب) * عن ابن عباس قال ان رخصة للمريض في التيمم
بالتراب وهو يجد الماء (عب) * عن ابن عمر قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يتيمم بموضع يقال له مربد الغنم وهو يريد بيوت المدينة
(كم) * عن الاسلع قال كنت أخدم النبي صلى الله عليه وسلم وأرحل له فقال لي ذات ليلة يا أسلع قم فارحل لي فقلت يا رسول الله أصابتني جنابة

فسكت عني ساعة ثم جاء جبريل بآية الصعيد فقال قم يا أسلع فتيمم ثم علمني التيمم ضرب النبي صلى الله عليه وسلم بكفيه الارض ثم نفضهما ثم مسح بهما وجهه حتى أمر على لحيته ثم أعادهما الى الارض ومسح بكفيه الارض فذلك احداهما بالاخرى ثم نفضهما ثم مسح ذراعيه ظاهرهما وباطنهما الى المرفقين ثم رحلت له فسار حتى مر بماء فقال لي يا أسلع أمعك هذا الجلد يعني ابن سعد وعبد بن حميد وابن جرير والقاضي اسمعيل في الاحكام والطحاوي (قط طب) وأبو نعيم (٤٦٨) * (هق) * عن الاسلع بن شريك قال كنت أرحل ناقة النبي صلى الله عليه وسلم

الكلابي كاتب ليث الى بني ملوح بالتهديد وأمره أن يغير عليهم ففعل فكنت في سريته فمضيت حتى اذا كنا بقديد لقيتنا به الحرقوس بن مالك وهو ابن البرصاء الليثي فاخذناه فقال انما جئت لاسلم فقال غالب بن عبد الله ان كنت انما جئت مسلما فلن يضرك وثاق ليلة وان كنت على غير ذلك استوثقنا منك قال فاوثقه رباطا ثم خلف عليه رجلا أسود كان معنا فقال امكث معه حتى نمر عليك فانه نازع عك فاجتز رأسه قال ثم مضينا حتى أتينا بطن الكديد فنزلنا عشية شية بعد العصر فبعثني أصحابي في ربيئة فجعلت الى تل يطلعني على الحاضر فانبطحت عليه وذلك المغرب فخرج رجل منهم فنظر فرآني فنبطح على الثل فقال لامرأته والله اني لارى على هذا التل سوادا ما رأيته أول النهار فانظري لا تمكون الكلاب اجترت بعض أعنيتك قال فنظرت فقالت لا والله ما أفقدت شيئا قال فناولينيه قوسي وسهمين من كنانتي قال فناولته فرماني بسهم فوضعه في جنبي قال فنزعته فوضعته ولم أتحرك ثم رماني بآخر فوضعه في رأس منكبي فنزعته فوضعته ولم أتحرك فقال لامرأته والله لقد خالط سهماي ولو كان دابة لتحرك فاذا أصبحت فأبتغي سهمي فدنيهما لاتضعهما على الكلاب قال وأمهلناهم حتى راحت رائحتهم حتى اذا اختلطوا وعطنوا أو سكنوا وهدأت تمتمة الليل شننا عليهم الغارة فقتلنا من قتلنا منهم واستقنا النعم فتوجهنا قافلين فخرج صريخ القوم الى قومهم مغوثا وخرجنا سراعا حتى مر بالحرقوس بن البرصاء وصاحبه فاذا القتاب معناوا أنا صريخ الغاش فجاء نائما فاقبل لينابه حتى اذا لم يكن بيننا وبينهم الا بطن الوادي أقبل سيل حال بيننا وبينهم لم يقدروا علينا ولم يقدر علينا منهم حتى جئنا مارا أو ناقبل ذلك مغارا ولا حالا فاتانا بما لا يقدر أحد أن يقوم عليه فلقد رأيناهم وقوفا ينظرون الينا ما يقدر أحد منهم ان يتقدم ونحن نحوزها سراعا حتى أتينا هذا الماء الذي ترى فنزلنا عليه ثم جدرناها فامتنعنا منهم فما أفلت القوم منا فاخذ أموالهم وأنعامهم وما في أيدينا

* (حديث سويد بن هبيرة عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن عبادة قال ثنا أبو معاوية العلوي عن مسلم بن يديل عن اياس بن زهير عن سويد بن هبيرة عن النبي صلى الله عليه وسلم قال خير مال المرء مهرة مأمورة أو سكة مأبورة وقال روح في بيته وقيل له انك قلت لنا سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم

* (حديث هشام بن حكيم بن حزام رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثنا أبو معاوية عن هشام يعني ابن عروة عن أبيه عن هشام بن حكيم بن حزام قال مر بقوم يعذبون في الجزية بالمدينة بالشمس قال فقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الله عز وجل يعذب يوم القيامة الذين يعذبون الناس في الدنيا

* (حديث مجاشع بن مسعود رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا أبو معاوية يعني شيبان عن يحيى بن أبي كثير عن يحيى ابن ابي اسحق عن عبد الله بن مجاشع بن مسعود انه أتى النبي صلى الله عليه وسلم بابن أخ له يبايعه على الهجرة فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا هجرة بعد الفتح ولكن على الاسلام فانه لا هجرة بعد الفتح ويكون من التابعين باحسان حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا بكر بن عيسى قال ثنا أبو عوانة عن عاصم الاحول عن أبي عثمان النهدي عن مجاشع بن مسعود قال انطلقت باخي معبد الى رسول الله صلى الله عليه وسلم بعد الفتح فقلت يا رسول الله بايعه على الهجرة فقال مضت الهجرة لاهلها قال فقلت فاذا قال على الاسلام والجهاد حدثنا عبد الله

فاصابتني جنابة في ليلة باردة وأراد رسول الله صلى الله عليه وسلم الرحلة فكرهت أن أرحل ناقته وأنا جنب وخشيت أن أغتسل به الماء البارد فاموت أو أمرض فامرت رجلا من الانصار فرحلها ثم رضفت أحجارا فسخنت بها ماء فاغتسلت ثم لحقت رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحابه فقال يا أسلع مالي أرى رحلتك تغيرت وفي لفظ مضطربة قلت يا رسول الله لم أرحلها رحلها رجل من الانصار قال لم قلت اني أصابتني جنابة فخشيت القر على نفسي فامرته أن يرحلها ورضفت أحجارا فسخنت بها ماء فاغتسلت به فانزل الله يا أيها الذين آمنوا لا تقربوا الصلاة الى قوله عفوا غفورا الحسن بن سفيان والبغوي والباوردي (طب) وابن مردويه وأبو نعيم (هق ض) * عن أبي ذر قال كنت بالمدينة فاجنبت فامر لي رسول الله صلى الله عليه وسلم بنهبة فرجت فيها فاصابتني جنابة فتيممت الصعيد فصليت أياما فوقع في نفسي من ذلك شئ حتى ظننت أني هالك فامرت بععر فشددت عليه ثم ركبته حتى قدمت المدينة فوجدت رسول الله صلى الله عليه وسلم

حدثني

في ظل المسجد في نفر من أصحابه فسلمت عليه فرفع رأسه وقال سبحان الله أبوذر فقلت نعم يا رسول الله أصابتني جنابة فتيممت أياما فوقع في نفسي من ذلك شئ حتى ظننت اني هالك فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم بماء فجاءت به أمة سوداء في عس يتخضخض يقول ليس بملآن فاستترت بالراحلة وأمر رحلا فستر بي فاغتسلت ثم قال يا أبا ذر ان الصعيد الطيب كاف ما لم تجد الماء ولو الى عشر سنين واذا وجدت الماء فامسسه بشرتك

(عب ص) *(الفصل الثالث فى المسح على الخفين وعلى العمامة والخمار وصلاة المعذور) (المسح على الخفين والخمار) *امسحوا على الخفين والخمار (حم) عن بلال * اذا أدخل أحدكم رجليه فى خفيه وهما طاهرتان فليمسح عليهما ثلاثا للمسافر ويوما وليلة للمقيم (ش) عن أبى هريرة * للمسافر ثلاثة أيام وليالهن والمقيم يوما وليلة فى المسح على الخفين (حم م ن ه) عن على (حم ٤ حب م) عن خزيمة بن ثابت (حم تخ) عن عوف بن مالك (طب) عن أسامة بن شريك والبراء بن عازب وجرير البجلى وصفوان بن

حدثنى أبى ثنا حسين بن موسى قال ثنا شيبان عن يحيى بن أبى كثير عن يحيى بن اسحق انه أخبره عن مجاشع ابن مسعود السهمى انه أتى رسول الله صلى الله عليه وسلم بابن أخيه ليبايعه على الهجرة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يبايع على الاسلام فانه لا هجرة بعد الفتح قال ويكون من التابعين باحسان **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان ثنا همام بن يزيد بن زريع قال ثنا خالد الحذاء عن أبى عثمان عن مجاشع بن مسعود قال قلت يا رسول الله هذا مجاشع بن مسعود يبايعك على الهجرة قال لا هجرة بعد فتح مكة ولكن أبايعه على الاسلام **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أحمد بن عبد الملك بن واقد قال ثنا زهير قال ثنا عاصم الاحول عن أبى عثمان النهدى عن مجاشع قال قدمت باخى معبد على النبى صلى الله عليه وسلم بعد الفتح فقلت يا رسول الله جئتك باخى لتبايعه على الهجرة فقال ذهب أهل الهجرة بما فيها فقلت على أى شئ تبايعه قال على الاسلام والايمان والجهاد قال فلبثت معبدا بعد وكان هو أكبرهما فسألته فقال صدق مجاشع

*(حديث بلال بن الحرث المزنى رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو معاوية ثنا محمد بن عمرو بن علقمة الليثى عن أبيه عن جده علقمة عن بلال بن الحرث المزنى قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان الرجل ليتكلم بالكلمة من رضوان الله عز وجل ما يظن أن تبلغ ما بلغت يكتب الله عز وجل له بها رضوانه الى يوم القيامة وان الرجل ليتكلم بالكلمة من سخط الله عز وجل ما يظن أن تبلغ ما بلغت يكتب الله عز وجل بها عليه سخطه الى يوم القيامة قال فكان علقمة يقول كم من كلام قد منعنيه حديث بلال بن الحرث **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا سريج بن النعمان قال ثنا عبد العزيز يعنى ابن محمد قال أخبرنى ابن ربيعة بن أبى عبد الرحمن عن الحرث ابن بلال عن أبيه قال قلت يا رسول الله نسمع الحج لناخاصة أم للناس عامة قال بل لنا خاصة **حدثنا** عبد الله قال وجدت فى كتاب أبى بخطه يعنى وجدته ويشبه أن يكون ابراهيم قال ثنا عبد العزيز بن الدراوردى قال أخبرنى ربيعة بن أبى عبد الرحمن قال سمعت الحرث بن بلال بن الحرث يحدث عن أبيه قال يا رسول الله أرأيت متعة الحج لناخاصة أم للناس عامة فقال لا بل لنا خاصة

*(حديث حبة وسواء ابنى خالد رضى الله تعالى عنهما)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو معاوية قال ثنا الاعمش عن سلام أبى شرحبيل عن حبة وسواء ابنى خالد قالا دخلنا على النبى صلى الله عليه وسلم وهو يجمع شيأ فاعناه فقال لا تأيسا من الرزق ما هز رأس ذكر وكما فان الانسان تلده أمه أحمر ليس عليه قشرة ثم يرزقه الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا وكيع قال ثنا الاعمش عن سلام أبى شرحبيل قال سمعت حبة وسواء ابنى خالد يقولان أتينا رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يعمل عملا أو يبنى بناء فاعناه عليه فلما فرغ دعا لنا وقال لا تأيسا من الخير ما تهز رأس ذكر وكما فان الانسان تلده امه أحمر ليس عليه قشرة ثم يعطيه الله ويرزقه

*(حديث عبد الله بن أبى الجدعاء رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن ابراهيم قال ثنا خالد عن عبد الله بن شقيق قال جلست الى رهط أنا ارجعهم بالياء فقال أحدهم سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ليدخلن الجنة بشفاعة رجل من أمتى أكثر من بنى تميم قلنا سوانا يا رسول الله قال سواكم قلت أنت سمعته قال نعم فلما قام قلت من هذا قالوا

---

أبى بكرة (طس) عن أنس وابن عمر (ع) عن عمر (قط) فى الافراد عن بلال البزار عن أبى هريرة أبو نعيم فى المعرفة عن مالك ابن سعد وابن أبى مريم الباوردى عن خالد بن عرفطة ابن عساكر عن يسار أبى بكر النيسابورى عن عمرو بن أمية الضمرى *(الاكمال) *امسحوا على الخفين والموق (طب) والبغوى عن بلال *امسحوا على النصيف والموق (ص) عن بلال *ليس هكذا السنة أمرنا بالمسح على الخفين هكذا وأمرّ يده على خفيه (طس) عن جابر *ثلاثة أيام وليالهن للمسافر ويوم وليلة للمقيم لا ينزعه من نوم ولا بول ولا غائط الا من جنابة (طب) عن صفوان ابن عسال *للمسافر ثلاثة أيام وليالهن وللمقيم يوم وليلة يمسح على خفيه اذا أدخلهما وقدماه طاهرتان (طب) عن خزيمة بن ثابت *(الافعال) *من عقبة بن عامر انه قدم على عمر بن الخطاب من مصر فقال من منذ كم لم تنزع خفيك قال من الجمعة الى الجمعة قال أصبت السنة (قط) والطحاوى (ع ض ص) *حدثنا خالد بن عبد الله عن مغيرة عن ابراهيم ان عمر وابن مسعود وسعد بن مالك أو ابن عمر شك خالد فى أحدهما وجرير بن عبد الله البجلى كانوا يمسحون على الخفين قال ابراهيم أعجب ذلك ان جريرا كان يمسح وكان اسلامه بعد نزول المائدة *حدثنا هشيم ثنا عبيدة عن ابراهيم قال مسح على الخفين ثمانية من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم عمر وسعد وابن مسعود وأبو مسعود الانصارى وحذيفة بن اليمان والمغيرة بن شعبة والبراء بن عازب وجرير بن عبد الله (ص) *ان على قال لو كان الدين بالرأى لكان

باطن القدمين أحق المسح من ظاهرهما ولكن رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم مسح ظاهرهما (عب ش د) *عن الشعبي قال أخبرني من سمع عليا وسئل عن المسح على الخفين فقال نعم وعلى النعلين وعلى الخمار (عب) * عن كعب بن عبد الله قال رأيت علقمة بال فمسح على جوربيه ونعليه ثم قام يصلي (عب) *عن أبي عبد الرحمن قال كنت جالسا مع عبد الرحمن بن عوف فرينا بلالا فسألناه عن المسح على الخفين فقال كان رسول الله صلى الله عليه وسلم



ابن أبي الجدعاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب قال ثنا خالد عن عبد الله بن شقيق عن عبد الله بن أبي الجدعاء انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول ليدخلن الجنة بشفاعة رجل من امتي أكثر من بني تميم فقالوا يا رسول الله سواك قال سواي قلت انت سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انا سمعته

*(حديث عباد بن قرط رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسمعيل قال أنا أيوب عن حميد بن هلال قال قال عباد بن قرط انكم لتأتون امورا هي أدق في أعينكم من الشعر كنا نعدها على عهد رسول الله صلى الله عليه وسلم الموبقات قال فذكر ذلك لمحمد بن سيرين فقال صدق وأرى جرا لازارمنها

*(حديث معن بن يزيد السلمي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا مصعب بن المقدام ومحمد بن سابق قالا ثنا اسرائيل عن أبي الجويرية أن معن بن يزيد حدثه قال بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا وأبي وجدي وخطب علي فانكحني وخاصمت اليه فكان أبي يزيد خرج دنانير يتصدق بها فوضعها عند رجل في المسجد فأخذتها فأتيته بها فقال والله ما اياك أردت بها فخاصمته الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لك ما نويت يا يزيد ولك يا معن ما أخذت

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن حماد قال ثنا أبو عوانة عن عاصم بن كليب قال حدثني سهيل بن ذراع انه سمع معن بن يزيد أو أبا معن قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجتمعوا في مساجدكم فاذا اجتمع قوم فليؤذنوني قال فاجتمعنا أول الناس فأتيته فجاء حتى جلس الينا فتكلم متكلم منا فقال الحمد لله الذي ليس للحمد دونه مقتصر ولا يرضاه منفذ ونحو من هذا فغضب رسول الله صلى الله عليه وسلم فقام فقلا ومنا ولم يعضها بعضا فقلنا اخصصنا الله به انا أتانا اول الناس وان فعل وفعل قال فأتيناه نوجد ناه في حجرة بني فلان فكلمناه فاقبل يمشي مسناحتى يلتبس في لباسه الذي كان فيه أو قريبا منه ثم قال ان الحمد لله ما شاء الله جعل بين يديه وما شاء جعل خلفه وان من البيان سحرا ثم أقبل علينا فأمرنا وكلمنا وعلمنا

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا أبو عوانة قال ثنا عاصم بن كليب قال حدثني أبو الجويرية قال أصبت جرة حمراء فيها دنانير في امارة معاوية في أرض الروم قال وعلينا رجل من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم من بني سليم يقال له معن بن يزيد قال فأتيت بها فقسمها بين المسلمين فاعطاني مثل ما أعطى رجلا منهم ثم قال لولا اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم وزاد يتبعه يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا نفل الا بعد الخمس اذا لاعطيتك قال ثم اخذ فعرض علي من نصيبه فأبيت عليه قلت ما أنا بآخذ به منك **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هشام بن عبد الملك وسريج بن النعمان قال ثنا أبو عوانة عن أبي الجويرية وحدثناه عبد الله قال حدثني أبي قال ثنا عفان قال ثنا أبو عوانة قال ثنا أبو الجويرية عن معن بن يزيد قال بايعت رسول الله صلى الله عليه وسلم أنا وأبي وجدي وخاصمت اليه فانكحني وخطب علي فانكحني

*(حديث عبد الله بن ثابت رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنبأنا سفيان عن جابر عن الشعبي عن عبد الله بن ثابت قال جاء عمر بن الخطاب الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اني مررت باخ لي من قريظة فكتب لي جوامع من التوراة الا أعرضها عليك قال فتغير وجه رسول الله صلى الله عليه وسلم قال عبد الله فقلت له الا ترى

* عن نوبان قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ فمسح على الخفين وعلى الخمار يعني العمامة (ك ر) *عن أبي عبيدة بن محمد بن عمار بن ياسر قال سئل جابر ابن عبد الله عن المسح على الخفين فقال سنة فقلت المسح على العمامة فقال أمس الماء الشعر (ض) *عن عبد الرحمن بن عسيلة الصنابحي قال رأيت أبا بكر مسح على الخمار (ش) *عن عمر قال ان شئت فامسح على العمامة وان شئت فانزعها (ش) *عن جابر ان النبي صلى الله عليه وسلم مسح على الخفين والعمامة (ك) *عن المغيرة بن شعبة قال اثنتان لا أسأل عنهما أحدا الا اني رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعله المسح على الخفين وصلاة الرجل خلف رعيته وقد رأيت النبي صلى الله عليه وسلم يصلي ركعتين خلف عبد الرحمن بن عوف (ك) *عن خزيمة بن ثابت قال جعل رسول الله صلى الله عليه وسلم المسح على الخفين ثلاثة أيام للمسافر ويوما للمقيم ولو مضى السائل في مسئلته لجعلها خمسا (عب ش طب) *عن سعيد بن عبد الله بن ضرار قال رأيت أنس بن مالك أتى الخلاء ثم خرج وعليه قلنسوة بيضاء مزورة ما

الخفين أفضل أو غسل القدمين فقال الغسل في كتاب الله والمسح في سنة رسول الله صلى الله عليه وسلم (ص) * عن قيس رجل من الموالي قال سمعت منادي علي بن أبي طالب ينادي يا أيها الناس ان الكتاب قد سبق المسح على الخفين ثلاث مرات ابن جرير * عن ابن عمر قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمر بالمسح على ظهر الخفين اذا لبسهما وهما طاهرتان (ع) * عن المغيرة رأيت النبي صلى الله عليه وسلم بال ثم جاء حتى توضأ ومسح على خفيه ووضع يده اليمنى على خفه الايمن ويده اليسرى على خفه (٤٧١) الايسر ثم مسح أعلاهما مسحة واحدة حتى كأني أنظر الى أصابع رسول الله صلى الله عليه وسلم على الخفين (ش) * أيضا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بال ثم توضأ ومسح على الجوربين والنعلين (ش) * عن أبي أيوب انه كان يأمر بالمسح على الخفين وكان هو يغسل قدميه فقيل له كيف تأمر بالمسح وأنت تغسل فقال بئس ما لي ان كان مهنؤه لكم ومأثمه علي قد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعله ولكن حبب الي الوضوء (عب ص ش ع) وابن جرير * عن مورق عن أنس بن مالك سئل عن الذي يجاوز خفيه لا يمسح عليهما قال ذاك النكاف ابن جرير * (طهارة المعذور وما يتعلق به * الاكمال) * اذا توضأت فسال من قرنك الى قدمك فلا وضوء عليك (طب كر) عن ابن عباس ان رجلا قال يا رسول الله ان بي الباسور واني أتوضأ فيسيل مني قال فذكر * اغتسل واترك موضع الجراح (عب) * عن عطاء بن أبي رباح مرسلا * (الافعال) * عن علي قال انكسر احدى زندي فسألت رسول الله صلى الله عليه وسلم فامرني أن أمسح على الجبائر (عب) وابن السني وأبو نعيم معا في الطب وسنده حسن * عن علي قال أصابني جرح في يدي فعصبت عليه الجبائر فأتيت النبي صلى الله عليه وسلم فقال امسح عليها أو انزعها قال بل امسح عليها ابن السني * عن المسور بن مخرمة انه دخل على عمر حين طعن فقال الصلاة فقال عمر نعم انه لا حظ في الاسلام لمن ترك الصلاة فصلى عمر وجرحه يثعب دما مالك (عب) وابن سعد (ش حم) في الزهد ورستة في الايمان (طس) * عن عبد الله بن دارة ان عثمان كان قد لبس بوله

ما بوجه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال عمر رضينا بالله ربا وبالاسلام دينا وبمحمد صلى الله عليه وسلم رسولا قال فسري عن النبي صلى الله عليه وسلم ثم قال والذي نفسي بيده لو أصبح فيكم موسى ثم اتبعتموه وتركتموني لضللتم انكم حظي من الأمم وأنتم أحق من النبيين

* (حديث رجل من جهينة رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم قال ثنا سفيان عن أبي اسحق عن رجل من جهينة قال سمعه النبي صلى الله عليه وسلم وهو يقول يا حرام فقال يا حلال

* (حديث نفير الخزاعي رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم قال ثنا عصام بن قدامة البجلي قال حدثني مالك بن نمير الخزاعي عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو قاعد في الصلاة فوضع ذراعه اليمنى على فخذه اليمنى رافعا باصبعه السبابة قد حناها شيأ وهو يدعو **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا عصام ابن قدامة عن مالك بن نمير الخزاعي عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم واضعا يده اليمنى على فخذه اليمنى في الصلاة يشير باصبعه

* (حديث جعيد رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة قال سمعت أبا اسرائيل قال سمعت جعدة قال سمعت النبي صلى الله عليه وسلم ورأى رجلا يمينا يجعل النبي صلى الله عليه وسلم يوحي الى بطنه بيده ويقول لو كان هذا في غير هذا المكان غير لك قال وأتى النبي صلى الله عليه وسلم برجل فقالوا هذا أراد ان يقتلك فقال له النبي صلى الله عليه وسلم لم ترع لم ترع ولو أردت ذلك لم يسلطك الله علي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبيد الصمد ثنا شعبة ثنا أبو اسرائيل في بيت فتاة قال سمعت جعدة وهو مولى لأبي اسرائيل قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم ورجل قد قص عليه رؤيا يذكر منها وعنا فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم لو كان هذا في غير هذا المكان غير لك

* (حديث محمد بن صفوان رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عاصم الاحول عن الشعبي عن محمد بن صفوان انه صاد أرنبين فلم يجد حديدة يذبحهما بها فذبحهما بمروة فأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فامره باكلهما

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد قال أنا داود يعني ابن أبي هند عن عامر عن محمد بن صفوان انه مر على رسول الله صلى الله عليه وسلم بارنبين معلقهما فذكر معناه

* (حديث أبي روح الكلاعي رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن يوسف عن شريك عن عبد الملك بن عمير عن أبي روح الكلاعي قال صلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم صلاة فقرأ فيها سورة الروم فلبس بعضها قال انما لبس علينا الشيطان القراءة من أجل أقوام يأتون الصلاة بغير وضوء فاذا أتيتم الصلاة فاحسنوا الوضوء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا شعبة عن عبد الملك بن عمير قال سمعت شبيبا أبا روح يحدث عن رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم عن النبي صلى الله عليه وسلم انه صلى الصبح فقرأ فيها الروم فاوهم فذكره **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم ثنا زائدة ثنا عبد الملك بن عمير

فقال

قال سمعت شيبا أبا روح من ذي الكلاع انه صلى مع النبي صلى الله عليه وسلم الصبح فقرأ بالروم فتردد في آية فلما انصرف قال انه يلبس علينا القرآن ان أقواما منكم يصلون معنا لا يحسنون الوضوء فمن شهد الصلاة معنا فليحسن الوضوء

*(حديث طارق بن أشيم الاشجعي بن أبي مالك رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا أبو مالك الاشجعي عن أبيه انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم وهو يقول لقوم من وحد الله تعالى وكفر بما يعبدهم من دونه حرم ماله ودمه وحسابه على الله عز وجل قال أبي ثنا به يزيد بواسط وبغداد قال سمع النبي صلى الله عليه وسلم قال أبي ثنا يزيد بن هرون ببغداد أنبأنا أبو مالك الاشجعي سعد بن طارق عن أبيه انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول بحسب أصحابي القتل قال أبي ثنا يزيد قال أنا أبو مالك الاشجعي قال حدثني أبي انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا أتاه الانسان يقول كيف يا رسول الله أقول حين أسأل ربي قال قل اللهم اغفر لي وارحمني واهدني وارزقني وقبض أصابعه الا اربع الا الابهام فان هؤلاء يجمعن لك دنياك وآخرتك قال وسمعته يقول للقوم من وحد الله وكفر بما يعبد من دونه حرم ماله ودمه وحسابه على الله عز وجل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا أبو مالك قال قلت لابي يا أبت انك قد صليت خلف رسول الله صلى الله عليه وسلم وأبي بكر وعمر وعثمان وعلى ههنا بالكوفة قريبا من خمس سنين أكانوا يقنتون قال أي بني محدث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد ثنا خلف يعني ابن خليفة عن أبي مالك الاشجعي عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من رآني في المنام فقد رآني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا عبد الواحد يعني ابن زياد ثنا أبو مالك الاشجعي قال حدثني ابي طارق بن أشيم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يعلم من أسلم يقول اللهم اغفر لي وارحمني وارزقني وهو يقول هؤلاء يجمعن لك خير الدنيا والآخرة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عيسى أبو بشر البصري الراسبي قال ثنا أبو عوانة قال ثنا أبو مالك الاشجعي قال سمعت أبي وسألته فقال كان خلف بنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم الورس والزعفران

*(حديث عبد الله البشكري عن رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن عمرو بن حسان يعني السلمي قال ثنا المغيرة بن عبد الله البشكري عن أبيه قال دخلت مسجد الكوفة أو أتاني من مسجدها وهو في أصحاب له يومئذ وجدره من سهولة فاذا رجل يحدث الناس قال بلغني حجة رسول الله صلى الله عليه وسلم حجة الوداع فاستتبعت راحلته من ابلي ثم خرجت حتى جلست له في طريق عرفة أو وقفت له في طريق عرفة قال فاذا ركب عرفت رسول الله صلى الله عليه وسلم فيهم بالصفة فقال رجل أمامه سل لي عن طريق الركاب فقال النبي صلى الله عليه وسلم ويحه فأرب ماله فدنوت منه حتى اختلفت رأس الناقتين قال قلت يا رسول الله دلني على عمل يدخلني الجنة ويجنبني من النار قال لئن كنت قصرت في الخطبة لقد بلغت في المسئلة فقه اذا تعبد الله عز وجل لا تشرك به شيأ وتقيم الصلاة وتؤدي الزكاة وتحج البيت وتصوم رمضان ثم طريق الركاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع عن يونس قال سمعت هذا الحديث من المغيرة بن عبد الله عن أبيه نحوه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن أبي اسحق عن المغيرة عن أبيه قال انتهيت الى رجل يحدث قوما فجلست

---

الافراد عن عمر * لا يقرأ الجنب ولا الحائض شيأ من القرآن (حم ت ه) عن ابن عمر * خذي فرصة ممسك فتطهري بها (ق ن) عن عائشة * ما فوق الازار حلال وتحت الازار منها حرام يعني من الحائض (طب) عن عبادة بن الصامت * ما فوق الازار والتعفف عن ذلك أفضل (د) عن معاذ * (الاكمال) * لا يكون الحيض للجارية والشيب التي قد أيست من الحيض أقل من ثلاثة أيام ولا أكثر من عشرة أيام (قط) عن أبي امامة * جامعوهن في البيوت واصنعوا كل شيء غير النكاح (د) عن أنس * ان للحائض وقعات ولدم الحيض ريح ليس لغيره فاذا ذهب قدره الحيض فلتغتسل احداكن ثم لتغسلها عنها الدم (طب ص) عن ابن عباس * ان حيضتك ليست في يدك عبد الرزاق (م ق ن) عن عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لها ناولينا الخمرة من المسجد فقالت اني حائض قال فذكره (م ن) عن أبي هريرة (طب) عن أم أيمن * (الافعال) * عن ابراهيم عن عمر بن الخطاب وابن مسعود انهما قالا في الحائض اذا انقطع دمها هي حائض مالم تغتسل ابن الضباء في مسند أبي حنيفة (قط) * عن ابي الجوزاء قال كان عمر ينهى النساء أن يمنعن عنيد العشاء أو عن العشاء مخافة الحيض (ص) * عن معاذة العدوية قالت سألت عائشة فقلت ما بال الحائض تقضي الصوم ولا تقضي الصلاة قالت كان يصيبنا ذلك مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فنؤمر بقضاء الصوم ولا نؤمر بقضاء الصلاة (عب ص) * عن ابن عباس

قال اذا طهرت الحائض بعد العصر صلت الظهر والعصر واذا طهرت بعد العشاء صلت المغرب والعشاء (ض) * عن عائشة انها كانت اذا جاءها النساء فسألنها عن الحيضة تقول لهن لا تعجلن حتى ترين القصة البيضاء (صو) * عن عائشة انها كانت تبالم مع النبي صلى الله عليه وسلم في لحاف وهي حائض (ص) * عن عائشة انها كانت تأمر النساء اذا اطهرن من الحيض أن يتبعن أثر الدم بالصفرة يعني بالخلوق أو بالزعفران (عب) * عن عائشة قالت لذارأت الحامل الصفرة توضأت وصلت واذا رأته (٤٧٣) الدم اغتسلت وصلت ولا تدع الصلاة على الصفراء (عب) * عن عائشة قالت لذارأت الحامل الصفرة توضأت وصلت واذا رأته

كل حال (عب) * عن واصل مولى ابن عيينة عن رجل سأل ابن عمر عن امرأة تطاول بها دم الحيض فلا ترى أن تشرب دواء يقطع الدم عنها فلم ير ابن عمر به بأسا وأفتت ابن عمر بماء البالة (عب) * عن أم عطية قالت كنا لا نرى الصفرة والكدرة شيأ (عب ص) * عن سعيد بن جبير قال الحائض لا تقرأ من القرآن شيأ ولكن تذكر الله متى شاءت (ص) * عن ابن مسعود قال الحائض تضع في المسجد الشيء وتأخذه منه (ص) * عن عبد الرحمن ابن عوف قال اذا طهرت المرأة قبل غروب الشمس صلت صلاة النهار كلها واذا طهرت قبل طلوع الفجر صلت صلاة الليل كلها (عب ص) * ص حدثنا هشيم أنبأنا ليث عن عطاء ومكحول أنهما قالا اذا طهرت المرأة من الدم وأدرك الرجل الشبق فليأمرها تتوضأ ثم تصيب منها ان شاء * عن عائشة قالت كنت أشرب في الاناء وأنا حائض فيأخذ النبي صلى الله عليه وسلم فيضع فاه على موضع في فينهش منه (عب ص) * عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم كان يضع رأسه في حجري وأنا حائض ثم يقرأ القرآن (عب) * عن عائشة قالت كنت أرجل رأس رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا حائض وهو عاكف (ش) * عن مسور عن أمه دخل ابن عباس على ميمونة فقالت أي بني مالي أراك شعثا رأسك قال ان أم محمار مرجانتي حائض قالت أي بني وأين الحيضة من اليد كان رسول الله صلى الله عليه وسلم يضع رأسه في

ذ فقال وصف لي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا بمنى غاديا الى عرفات فذكر الحديث فقلت يارسول الله خبرني بعمل يقربني من الجنة وباعدني من النار قال تفهم الصلاة وتؤتي الزكاة وتحج البيت وتصوم رمضان وتحب للناس ما تحب ان يؤتى اليك وتكره لهم ما تكره ان يؤتى اليك حل من وجوه الركاب

* (حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا شعبة عن عمرو بن مرة عن مرة الطيب قال حدثني رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم في غرفتي هذه حسبت قال خطبنا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوم النحر على ناقة له حمراء مخضرمة فقال هذا يوم النحر وهذا يوم الحج الاكبر

* (حديث مالك بن نضلة أبي الاحوص رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن نجي قال سمعت أبا الاحوص يحدث عن أبيه قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا رث الهيئة فقال هل لك مال قلت نعم قال من أي المال قلت من كل المال قد آتاني الله عز وجل من الشاء والابل قال فلترنم عليه وكرامته عليك فذكر نحو حديث شعبة

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن نجي قال سمعت أبا الاحوص يحدث عن أبيه قال أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا رث الهيئة فقال هل لك مال قلت نعم قال من أي المال قال قلت من كل المال قد آتاني الله من الابل والرقيق والخيل والغنم فقال اذا آتاك الله مالا فلير عليك ثم قال هل تنتج ابل قومك صحاحا آذانها فتعمد الى موسى فتقطع آذانها فتقول هذه بحر وتشق جلودها وتقول هذه صرم فتحرمها عليك وعلى أهلك قال نعم قال فان ما آتاك الله عز وجل لك حلال وساعدك الله أشد وموسى الله أحد وربما قال ساعد الله أشد منى ساعدك وموسى الله أحد من موسالك قال فقلت يارسول الله أرأيت رجلا نزلت به فلم يكرمني ولم يقرني ثم نزل بي أفقريه أم أجزيه بما صنع قال لا بل اقره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا أبي واسرائيل عن أبي اسحق عن أبي الاحوص عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هل لك من مال قال قلت نعم من كل المال قد آتاني الله عز وجل من الابل ومن الخيل والرقيق قال فاذا آتاك الله عز وجل خيرا فاير عليك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبيد بن حميد أبو عبد الرحمن التيمي قال ثنا أبو الزعراء عن أبي الاحوص عن أبيه مالك بن نضلة قال قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم الا بدي ثلاثة فبدأ الله العليا ويد المعطي التي تليها وبد السائل السفلى فاعط الفضل ولا تجزع عن نفسك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا شعبة قال أبو اسحق أنبأنا قال سمعت أبا الاحوص يحدث عن أبيه قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم وأنا رث الهيئة فقال هل لك مال قال قلت نعم قال فاما مالك فقال من كل المال من الخيل والابل والرقيق والغنم قال فاذا آتاك الله عز وجل مالا فلير عليك فقال هل تنتج ابل قومك صحاحا آذانها فتعمد الى الموسى فتقطعها وتقطعها وتقول هذه بحر وتشق جلودها وتقول هذه صرم فتحرمها عليك وعلى أهلك قال قلت نعم قال كل ما آتاك الله عز وجل لك حلال وساعد الله أشد وموسى الله أحد وربما قال لها وربما قال ساعد الله أشد من ساعدك وموسى الله أحد من موسالك قال قلت يارسول الله رجل نزلت به فلم يكرمني ثم نزل بي أفقريه أو أجزيه بما صنع قال لا بل اقره حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هريم بن أسد قال ثنا حماد بن سلمة قال أنا عبد الملك بن عمير عن أبي الاحوص لبن أباه أتى النبي صلى

بحر احدانا وهي مضطجعة حائضا قد علم ذلك فيتكئ عليها فيتلو القرآن وهو متكئ عليها ويدخل عليها فاعدة وهي حائض فيتكئ في حجرها وتقوم وهي حائض فتبسط له الخمرة في مصلاه فيصلي عليها وأبين الحيضة من البيد (عب ش ص) * (الاستحاضة) * المستحاضة تغتسل من قرء الى قرء (طس) عن ابن عمر * اذا كان دم الحيض فانه دم أسود يعرف فاذا كان ذلك فامسكي عن الصلاة واذا كان الآخر فتوضئي وصلي فانما هو عرق (دن ك) عن فاطمة بنت أبي (٤٧٤) حبيش (ب) عن عائشة * المستحاضة تدع الصلاة أيام اقرائها ثم تغتسل وتصلي والوضوء عند كل صلاة (٤) عن دينار * لتنتظر عدة الليالي والايام التي كانت تحيضهن من الشهر قبل أن يصيبها الذي أصابها فلتترك الصلاة قدر ذلك من الشهر فاذا خلفت ذلك فلتغتسل ثم لتستثفر بثوب ثم تصلي (دن) عن أم سلمة * (الاكمال) * الحائض تنظر ما بينها وبين عشر فان رأت الطهر فهي طاهر وان جاوزت العشر فهي مستحاضة تغتسل وتصلي فان غلبها الدم احتشت واستثفرت وتوضأت لكل صلاة وتنتظر النفساء ما بينها وبين الاربعين فان رأت الطهر قبل ذلك فهي طاهر وان جاوزت الاربعين فهي بمنزلة المستحاضة تغتسل وتصلي فان غلبها الدم احتشت واستثفرت وتوضأت لكل صلاة (طس) عن ابن عمرو * لا انعت ذلك عرق وليس بحيض اذا أقبلت حيضتك فدعي الصلاة واذا أدبرت فاغسلي عنك الدم وصلي ثم توضئي لكل صلاة حتى يجيء ذلك الوقت (خ م) عن عائشة ان فاطمة بنت أبي حبيش وأبو حبيش هو عبد المطلب ابن أسد قالت يا رسول الله اني امرأة أستحاض فلا أطهر قال فذكره * سبحان الله هذا من الشيطان فتحاس في مركن فاذا رأت الصفرة فوق الماء فلتغتسل للظهر والعصر غسلا واحدا وتغتسل للمغرب والعشاء غسلا واحدا وتغتسل للفجر غسلا وتوضأ فيما بين ذلك (ك) عن أسماء بنت عميس قالت قلت يا رسول الله ان فاطمة بنت جحش استحيضت منذ كذا وكذا فلم تصل قال فذكره * (الافعال) * عن حمنة بنت جحش كنت أستحاض حيضة كبيرة طويلة فجئت النبي صلى الله عليه وسلم أستفتيه وأخبره فوجدته في بيت أختي

---

الله عليه وسلم وهو أشعث سيئ الهيئة فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أما لك مال قال من كل المال قد آتاني الله عز وجل قال فان الله عز وجل اذا أنعم على عبد نعمة أحب ان ترى عليه

* (حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا ابن أبي خالد يعني اسمعيل عن أبيه قال دخلت على رجل وهو يتجمع لبنا بتمر فقال ادن فان رسول الله صلى الله عليه وسلم سماهما الاطيبين

* (حديث رجل عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى قال ثنا حماد بن سلمة عن عطاء بن السائب عن زاذان أبي عمرو قال حدثني من سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول من لقن عند الموت لا اله الا الله دخل الجنة

* (حديث رجل رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن عن سفيان عن عطاء يعني ابن السائب عن رجل من بكر بن وائل عن خاله قال قلت يا رسول الله أعشر قومي قال انما العشور على اليهود والنصارى وليس على أهل الاسلام عشور حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا أبو نعيم حدثنا سفيان عن عطاء عن حرب بن عبيد الله الثقفي عن خاله قال اتيت النبي صلى الله عليه وسلم فذكر له اشياء فيها له فقال اعشرها فقال انما العشور على اليهود والنصارى وليس على أهل الاسلام عشور حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا حجر عن عطاء بن السائب عن حرب بن هلال الثقفي عن ابي أمية رجل من بني ثعلب انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول ليس على المسلمين عشور انما العشور على اليهود والنصارى

* (حديث بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا معاوية بن عمرو قال ثنا زائدة عن الاعمش عن أبي صالح عن بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال قال النبي صلى الله عليه وسلم لرجل كيف تقول في الصلاة قال أتشهد ثم أقول اللهم اني اسألك الجنة وأعوذ بك من النار اما اني لا احسن دندنتك ولا دندنتهما فقال النبي صلى الله عليه وسلم حولها ندندن

* (حديث رجل من اصحاب بدر عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هوذة ثنا شعبة قال اخبرني عبد الله بن ميسرة قال سمعت كردوسا قال أخبرني رجل من أصحاب بدر عن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لان أقعد في مثل هذا المجلس أحب الي من أن أعتق أربع رقاب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم ثنا شعبة عن عبد الملك ابن ميسرة قال سمعت كردوس بن قيس وكان قاص العامة بالكوفة قال أخبرني رجل من أصحاب بدر انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول لان أقعد في مثل هذا المجلس أحب الي من أن أعتق أربع رقاب قال شعبة قلت أي مجالس تعني قال كان قاصا

* (حديث معقل بن سنان عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو الجواب ثنا عمار بن رزيق عن عطاء بن السائب قال حدثني نفر من أهل البصرة منهم الحسن عن معقل بن سنان الاشجعي انه قال مر بي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا احتجم في ثمان عشرة ليلة خلت من شهر رمضان فقال أفطر الحاجم والمحجوم

* (حديث عمرو بن سلمة عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

زينب فقلت يارسول الله ان لى حاجة قال وما هى أى هنتاه قلت انى أستحاض حيضة طويلة كبيرة قد منعتنى الصلاة والصوم فما ترى فيها قال انعت لك الكرسف فانه يذهب الدم قلت هو أكثر من ذلك قال فتلجمى قلت هو أكثر من ذلك قال فاتخذى ثوبا قلت هو أكثر يارسول الله انما يثج ثجا قال سآمرك بأمرين أيهما فعلت اجزأ عنك من الآخر وان قويت عليهما فأنت أعلم انما هذه ركضة من ركضات الشيطان فتحيضى ستة أيام أو سبعة أيام فى علم الله ثم اغتسلى حتى اذا رأيت انك قد طهرت (٤٧٥) واستنقأت فصلى ثلاثا وعشرين ليلة أو أربعا وعشرين ليلة وأيامها وصومى فان ذلك يجزئك وكذلك فافعلى كل شهر كما تحيض النساء وكما يطهرن لميقات حيضهن وطهرهن وان قويت على ان تؤخرى الظهر وتعجلى العصر فتغتسلين لهما جميعا وتجمعين بين الصلاتين الظهر والعصر وتؤخرين المغرب وتعجلين العشاء ثم تغتسلين لهما جميعا وتجمعين بين الصلاتين فافعلى وتغتسلين مع الفجر ثم تصلين وكذلك فافعلى وصومى ان قدرت على ذلك وهذا أعجب الامرين الى (حم عب ش د ت) حسن صحيح (ه ك) * عن ابن عباس قال المستحاضة لا باس أن يجامعها زوجها (عب) * عن عائشة قالت تغتسل المستحاضة من الظهر الى الظهر كل يوم مرة عند صلاة الظهر (عب ص) حدثنا اسمعيل بن ابراهيم ثنا هشام الدستوائى عن يحيى بن أبى كثير قال حدثنى أبو سلمة ان أم حبيبة ابنة جحش كانت تهراق الدم وانها سألت رسول الله صلى الله عليه وسلم فأمرها أن تغتسل عند كل صلاة وتصلى (ص) * حدثنا سفيان عن عبد الرحمن بن القاسم عن أبيه ان امرأة من المسلمين استحيضت فسألت رسول الله صلى الله عليه وسلم فأمرها أن تغتسل للظهر غسلا وللعصر والمغرب والعشاء غسلا وللفجر غسلا وتدع الصلاة أياما أو قدرها قال انما هو عرق * عن سعيد بن جبير ان امرأة من أهل الكوفة كتبت الى ابن عباس بكتاب فيه انى امرأة مستحاضة أصابنى بلاء وضر وانى أدع الصلاة الزمان الطويل وان على بن أبى طالب سئل عن ذلك فافتانى أن أغتسل عند كل صلاة فقال ابن عباس اللهم لا أجد لها الا ما قال على غير انها تجمع بين الظهر والعصر بغسل واحد

---

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن عاصم قال خالد الحذاء أخبرنى عن أبى قلابة عن عمرو بن سلمة قال كان تأتينا الركبان من قبل رسول الله صلى الله عليه وسلم فنستقرئهم فيحدثوننا أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال ليؤمكم أكثركم قرآنا * (حديث بعض أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا اسحق بن عيسى قال أخبرنى مالك عن سمى عن أبى بكر بن عبد الرحمن بن الحرث بن هشام عن بعض أصحاب النبى صلى الله عليه وسلم أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر الناس يالفطر عام الفتح وقال تقوون وتتعدون وصيامكم رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أبو بكر قال الذى حدثنى لقد رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصب على رأسه الماء من العطش أو من الحر ثم قيل يارسول الله ان طائفة من الناس قد صاموا حين صمت فلما كان بالكديد دعا بقدح فشرب فأفطر الناس

* (حديث رجل لم يسم) *

حدثنا عبد الله حدثنى أبى قال ثنا أبو أحمد محمد بن عبد الله عن الزبيرى ثنا سعد يعنى ابن أوس العبسى عن بلال العبسى قال سأل عمران بن حصين الضبى أنه أتى البصرة وهم اعبد الله بن عباس أميرا فاذا هو برجل قائم فى ظل القصر يقول صدق الله ورسوله صدق الله ورسوله لا يزيد على ذلك فدنوت منه شيأ فقلت له لقد أكثرت من قولك صدق الله ورسوله فقال أما والله لئن شئت لاخبرنك فقلت أجل فقال اجلس اذا فقال انى أتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو المدينة فى زمان كذا وكذا وقد كان شيخان للحى قد ما نطلق ابن لهما فلحق به فقالا ان قادم المدينة وان بالمدينة رجلا يذكر هذا الرجل كانه فالما بمينه فان أبى الا الاقتداء فاقتده فاتيت المدينة فدخلت على نبى الله صلى الله عليه وسلم فقلت يانبى الله ان بمحيين للحى أمرانى أن أطلب ابنا لهما عاد لك فقال انعرفه فقال انى لا أعرف نسبه فدعا الغلام فجاء فقال هو ذا فاتت به أبويه فقلت الفداء يانبى الله قال انه لا يصلح لنا آل محمد ان نأكل من أعمدة بنى واسمعيل ثم ضرب على كتفى ثم قال لا أخشى على قريش الا أنفسها قلت ومالهم يانبى الله قال ان طال لك العمر رأيتهم ههنا حتى ترى الناس بينهما كالغنم بين حوضين مرة الى هذا ومرة الى هذا فانا نرى يا سيما ستأذنون على ابن عباس رأيتهم العام يستأذنون على معاوية فذكرت ما قال النبى صلى الله عليه وسلم

* (حديث أبى عمرو بن حفص بن المغيرة رضى الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا على بن اسحق ثنا عبد الله يعنى ابن مبارك قال انا سعيد بن يزيد وهو أبو شجاع قال سمعت الحرث بن يزيد الحضرمى يحدث عن على بن رباح عن باشر بن سمى اليزنى قال سمعت عمر ابن الخطاب رضى الله تعالى عنه يقول فى يوم الجابية وهو يخطب الناس ان الله عز وجل جعلنى خازنا لهذا المال وقاسما له ثم قال بل الله يقسم وأنا بادئ باهل النبى صلى الله عليه وسلم ثم أشرفهم فأشرفهم فأعرض لازواج النبى صلى الله عليه وسلم عشرة آلاف الا جويرية وصفية وميمونة فقالت عائشة ان رسول الله صلى الله عليه وسلم كان يعدل بيننا فعدل بيننا جميعا ثم قال انى بادئ باصحابى المهاجرين الاولين فانا أخرجنا من ديارنا وأطلنا وعدونا ثم أشرفهم فأشرفهم لاصحاب بدر منهم خمسة آلاف وان كان شهد بدرا من الانصار أربعة آلاف وان شهد أحدا ثلاثة آلاف قال ومن أسرع فى الهجرة امرئ به العطاء ومن ابطأ فى الهجرة ابطأ به العطاء فلا يلومن رجل الا مناخ راحلته وانى أعتذر اليكم من خالد بن الوليد انى أمرته أن يحبس هذا المال على ضعفة

والمغرب والعشاء بغسل واحد وتغتسل للفجر فقيل له انه يشق عليها فقال لو شاء الله لابتلاها بما هو أشد من ذلك (عب ص) *(النفاس)* اذا مضى للنفساء سبع ثم رأت الطهر فلتغتسل ولتصل (ك) عن معاذ *(الاكمال)* تنتظر النفساء اربعين ليلة فان رأت الطهر قبل ذلك فهي طاهر وان جاوزت الاربعين فهي بمنزلة المستحاضة تغتسل وتصلي فان غلبها الدم توضأت لكل صلاة (ك) عن ابن عمر *(الافعال)* عن عثمان بن أبي العاصي قال وقت للنفساء (٤٧٦) أربعين يوما (ص) عن عثمان بن أبي العاص انه كان يقول للمرأة من نسائه اذا

المهاجر بن فاعطاه ذا اليأس وذا الشرف وذا اللسانة فنزعته وأمرت أبا عبيدة بن الجراح فقال أبو عمرو بن حفص بن المغيرة والله ما اعذرت يا عمر بن الخطاب لقد نزعت عاملا استعمله رسول الله صلى الله عليه وسلم وغمدت سيفا سله رسول الله صلى الله عليه وسلم ووضعت لواء نصبه رسول الله صلى الله عليه وسلم ولقد قطعت الرحم وحسدت ابن العم فقال عمر بن الخطاب انك قريب القرابة حديث السن معصب من ابن عمك

*(حديث أبي النعمان الانصاري رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو احمد الزبيري ثنا ابو النعمان يعني عبد الرحمن بن النعمان الانصاري عن أبيه عن جده وكان قد أدرك النبي صلى الله عليه وسلم قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اكتحلوا بالاثمد المروح فانه يجلو البصر وينبت الشعر

*(حديث سلمة بن المحبق رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا حرب بن شداد ثنا يحيى يعني ابن أبي كثير قال فحدثني نجاز ابن جدي الحنفي عن سنان بن سلمة أن اباه حدثه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بالقدور فاكفئت يوم خيبر وكان فيها لحوم حمر الناس **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا هشام وهمام عن قتادة عن الحسن عن جون بن قتادة عن سلمة بن المحبق أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر ببيت بفنائه قربة معلقة فاستسقى فقيل انها ميتة قال دباغه ذكاة الاديم دباغه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عمرو بن الهيثم أبو قطن قال ثنا هشام عن قتادة عن الحسن عن جون بن قتادة عن سلمة بن المحبق عن رسول الله صلى الله عليه وسلم دباغها طهورها أو ذكاتها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا الفضل بن دلهم عن الحسن عن قبيصة بن حريث عن سلمة بن المحبق قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خذوا عني خذوا عني قد جعل الله لهن سبيلا البكر بالبكر جلد مائة ونفي سنة والثيب بالثيب جلد مائة والرجم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر ثنا الجارود عن الحسن عن سلمة بن المحبق قال سئل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الرجل يواقع جارية امرأته قال ان أكرهها فهي حرة وعليه مثلها وان طاوعته فهي أمته وعليه مثلها **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا عبد الصمد بن حبيب بن عبد الله الازدي ثم النهري قال حدثني حبيب عن عبد الله يعني أباه قال سمعت سنان بن سلمة بن المحبق الهذلي يحدث عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كانت له حمولة تأوي الى شبع فليصم رمضان حيث أدركه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو داود الطيالسي قال ثنا حرب بن شداد عن يحيى بن أبي كثير من النجاز الحنفي ان سنان بن سلمة أخبره عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بلحوم حمر الناس يوم خيبر وهي في القدور فاكفئت

*(حديث قبيصة بن مخارق رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن أبي عدي عن سليمان يعني التيمي عن أبي عثمان يعني النهدي عن قبيصة بن مخارق قال لما نزلت على رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنذر عشيرتك الاقربين انطلق رسول الله صلى الله عليه وسلم الى رضمة من جبل فعلا أعلاها ثم نادى أو قال يا آل عبد مناف انا نذير ان مثلي ومثلكم كمثل رجل رأى العدو فانطلق يربأ أهله فينادي أو قال يهتف باصباحاه قال أبي قال ابن أبي عدي في هذا الحديث عن قبيصة بن مخارق أو وهب بن عمرو وهو خطأ انما هو زهير بن عمرو فلما أخطأ تركت

نفست لا تقرب بيني أربعين ليلة (عب) *عن أنس قال تنتظر البكر اذا ولدت وتطاول بها الدم أربعين ليلة ثم تغتسل (عب ص) *(فرع فيما يتعلق باغتسال المرأة بعد الحيض)* تأخذ احداكن ماءها وسدرها فتطهر فتحسن الطهور ثم تصب على رأسها فتدلكه دلكا شديدا حتى تبلغ شؤون رأسها ثم تصب عليها الماء ثم تأخذ فرصة ممسكة فتطهر بها (حم م د) عن عائشة *(الافعال)* * عن عائشة قالت دخلت أسماء بنت شكل على رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله كيف تغتسل احدانا اذا تطهرت من الحيض قال تأخذ سدرها وماءها فتوضأ وتغسل رأسها وتدلكه حتى يبلغ الماء أصول شعرها ثم تفيض الماء على جسدها ثم تأخذ فرصتها فتطهر بها فقالت يا رسول الله كيف أتطهر بها قال تطهري بها قالت عائشة فعرفت الذي يكني عنه فقلت لها تتبعي أثر الدم (ص ش) *عن عائشة انها قالت نعم النساء نساء الانصار لم يكن يمنعهن الحياء أن يتفقهن في الدين وان يسألن عنه ولما نزلت سورة النور رشقتن حجرنا طلقهن فأخذت امرأة منهن خرقا فجاءت فلانة فقالت يا رسول الله ان الله لا يستحي من الحق كيف اغتسل من الحيض قال لتأخذ احداكن سدرها وماءها ثم تطهر فتلمس الطهور ثم تفيض على رأسها ثم لتأخذ على جسدها وانما تأخذ فرصة ممسكة فلتطهر بها قالت كيف أتطهر بها فاستحى منها رسول الله صلى الله عليه وسلم واستتر منها وقال سبحان الله تطهري بها فاجتبذت الذي قال فأخذت بحجزتها فقلت

وهب

تتبعين بها آثار الدم (عب) *عن عائشة قالت كانت المرأة اذا اغتسلت من الحيض تأخذ فرصتها مسك فتتبع بها أثر الدم (ص ش) *عن عائشة ان النبي صلى الله عليه وسلم قال لها في الحيض انقضي شعرك واغتسلي (ش) *عن عبيد بن عمير قال بلغ عائشة قول عبد الله بن عمرو يأمر النساء اذا اغتسلن أن ينقضن رؤسهن فقالت يا عجبا لابن عمرو هذا يأمر النساء اذا اغتسلن ان ينقضن رؤسهن أفلا يأمرهن أن يحلقن رؤسهن فذكرت أنا ورسول الله صلى الله عليه وسلم نغتسل من اناء واحد فلا أزيد على أن أفرغ (٤٧٧) على رأسي ثلاث افراغات (ش م ن)

وهب بن عمرو حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد قال حدثني عوف قال حدثني حيان قال حدثني قطن بن قبيصة عن أبيه قبيصة بن مخارق انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول العيافة والطيرة والطرق من الجبت قال العيافة زجر الطير والطرق من الخط حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة عن هرون بن رئاب عن كنانة بن نعيم عن قبيصة بن المخارق الهلالي تحملت بحمالة فاتيت رسول الله صلى الله عليه وسلم أسأله فيها فقال نؤدها عنك ونخرجها من نعم الصدقة وقال مرة ونخرجها اذا بها نتنا الصدقة أو اذا جاء نعم الصدقة ثم قال يا قبيصة ان المسألة لا تصلح وقال مرة حرمت الا في ثلاث رجل تحمل بحمالة حلت له المسألة حتى يؤديها ثم يمسك ورجل أصابته جائحة اجتاحت ماله حلت له المسألة فيسأل حتى يصيب قواما من عيش أو سدادا من عيش ثم يمسك وما كان سوى ذلك من المسألة سحت

*(حديث كرز بن علقمة الخزاعي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن الزهري عن عمرو بن كرز بن علقمة الخزاعي قالها قال رجل يا رسول الله هل للاسلام من منتهى قال أيما أهل بيت وقال في موضع آخر قال نعم أيما أهل بيت من العرب أو العجم أراد الله بهم خيرا أدخل عليهم الاسلام قال ثم مه قال ثم تقع الفتن كأنها الظلل قال كلا والله ان شاء الله قال بلى والذي نفسي بيده لتعودن فيها أساودة يضرب بعضكم رقاب بعض وقرأ على سفيان قال الزهري أساودة قال سفيان الحية السوداء تنصب اي ترتفع حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا معمر عن الزهري عن عمرو بن الزبير عن علقمة الخزاعي قال قال اعرابي يا رسول الله هل للاسلام من منتهى قال نعم أيما أهل بيت من العرب أو العجم أراد الله عز وجل بهم خيرا أدخل عليهم الاسلام قال ثم ماذا يا رسول الله قال ثم تقع فتن كأنها الظلل فقال الاعرابي كلا يا رسول الله قال النبي صلى الله عليه وسلم بلى والذي نفسي بيده لتعودن فيها أساودة يضرب بعضكم رقاب بعض حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو المغيرة قال ثنا الاوزاعي قال ثنا عبد الواحد بن قيس قال ثنا عمرو بن الزبير عن كرز الخزاعي قال أتى النبي صلى الله عليه وسلم اعرابي فقال يا رسول الله هل لهذا الامر من منتهى قال نعم فمن أراد الله به خيرا من أعجم أو عرب أدخله عليهم ثم تقع فتن كأنها الظلل يعود دون فيها أساودة يضرب بعضكم رقاب بعض وأفضل الناس يومئذ مؤمن معتزل في شعب من الشعاب يتقي ربه تبارك وتعالى ويدع الناس من شره قال أبي وحدثني محمد بن مصعب القرقساني قال حديث ابن المغيرة الا أنه قال كرز بن حبيش الخزاعي

*(حديث عامر المزني عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو معاوية قال ثنا هلال بن عامر المزني عن أبيه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب الناس بمنى على بغلة وعليه برد احمر قال وزر جل من أهل بدر بين يديه يعبر عنه قال فجئت حتى أدخلت يدي بينه وبين قدمه وشراكه قال فجعلت أعجب من برده حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبيد قال حدثنا شيخ من بني فزارة عن هلال بن عامر المزني عن أمه قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب الناس على بغلة شهباء وعلي يعبر عنه

*(حديث أبي المعلى رضي الله تعالى عنه)*

*(الفصل الخامس في الدباغ) *اذا دبغ الاهاب فقد طهر (م د) عن ابن عباس *ان الدباغ يحل من الميتة كما يحل الخل من الخمر (ه د هق) عن أم سلمة مرسلا *دباغ الاديم طهوره (حم م) عن ابن عباس (د) عن سلمة بن المحبق (ن) عن عائشة (ع) عن أنس (طب) عن أبي امامة وعن المغيرة *دباغ جلود الميتة طهورها (طب) عن نوبة بن نابت *ذكاة كل مسك دباغه (ن) عن عبد الله بن الحرث *اذا دبغ جلد الميتة فقد ذهب فلينتفع به (عب) عن عطاء مرسلا *(الاكمال) *اشروا فان دباغ الميتة طهورها البغوي وابن قانع وابن منده (كر) عن جون بن قتادة التيمي قال كنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في سفر فمروا بسقاء معلق فقال صاحبه انه جلد ميتة قال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره *هلا انتفعتم بجلدها الخ احرم أكلها مالك والشافعي (حم ع م ن حب) عن ابن عباس قال وجد النبي صلى الله عليه وسلم شاة ميتة قال فذكره *انما حرم من الميتة أكل اللحم فاما الصوف والشعر والجلد فلا بأس به (عد) وابن النجار عن ابن عباس *لا تنتفعوا بشيء من الميتة شيويه عن جابر وأبو عبد الله الكيماني في فوائده عن ابن عمر *لا تنتفعوا من الميتة باهاب ولا عصب (ط حم) عن عبد الله بن حكيم *فان الدباغ (حم عق) عن أبي ليلى أن رجلا قال يا رسول الله صلى في الفراء قال فذكره *دباغه يذهب خبثه (حم ك) عن ابن عباس *(الافعال) *عن ابن سيرين عن أنس بن مالك أن عمر بن الخطاب

رأى رجلا يصلي وعليه فلنسوة بطانتها من جلود الثعالب فألقاها عن رأسه وقال وما يدريك لعله ليس بذكي (ش) *(الكتاب الثاني من حرف الطاء كتاب الطلاق وفيه فصلان الفصل الاول في الترهيب عن الطلاق) *ان الله يبغض الطلاق ويحب العتاق (فر) عن معاذ بن جبل *ما أحل الله شيأ أبغض اليه من الطلاق (ك) عن محارب بن دثار مرسلا *أبغض الحلال الى الله الطلاق (د ه ك) عن ابن عمر *تزوجوا ولا تطلقوا فان الله لا يحب الذواقين والذواقات (٤٧٨) (طب) عن أبي موسى *تزوجوا ولا تطلقوا فان الطلاق يهتز منه العرش (عد) عن

على *لا تطلقوا النساء الا من ريبة فان الله تعالى لا يحب الذواقين ولا الذواقات (طب) عن أبي موسى *ان ابليس يضع عرشه على الماء ثم يبعث سراياه فأدناهم منه منزلة أعظمهم فتنة يجيء أحدهم فيقول فعلت كذا وكذا فيقول ما صنعت شيأ ويجيء أحدهم فيقول ما تركته حتى فرقت بينه وبين أهله فيدنيه منه ويقول نعم أنت (حم م) عن جابر *(الاكمال) *ما أحل الله عز وجل حلالا أبغض اليه من النكاح ولا أحل حلالا أكره اليه من الطلاق ابن لال والديلمي عن ابن عمر *ما من شيء مما أحل الله لكم أكره عنده من الطلاق ابن النجار عن ابن عباس وفيه الربيع ابن بدر متروك *يا أبا أيوب ان طلاق أم أيوب كان حوبا (طب) عن ابن عباس *(الافعال) *عن عمر قال من طلق امرأته ثلاثا فقد عصى ربه وبانت امرأته (ش) *عن أم سعيد أم ولد علي قالت كنت أصب على علي الماء وهو يتوضأ فقال يا أم سعيد قد اشتقت أن أكون عروسا فقلت ما يمنعك يا أمير المؤمنين قال أبعد أربع قالت فقلت تعالق واحدة من

حدثني عبد الله حدثني أبي ثنا أبو الوليد هشام قال ثنا أبو عوانة عن عبد الملك عن ابن أبي المعلى عن أبيه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خطب وما فقال ان رجلا خير ربه عز وجل بين أن يعيش في الدنيا ما شاء ان يعيش فيها يأكل من الدنيا ما شاء أن يأكل وبين لقاء ربه عز وجل فاختار لقاء ربه قال فبكى أبو بكر رضي الله عنه فقال فقال أصحابه رسول الله صلى الله عليه وسلم ألا تعجبون من هذا الشيخ أن ذكر رسول الله صلى الله عليه وسلم رجلا صالحا خيره ربه تبارك وتعالى بين الدنيا وبين لقاء ربه تبارك وتعالى فاختار لقاء ربه عز وجل وكان أبو بكر رضي الله عنه أعلمهم بما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال أبو بكر رضي الله عنه بل نفديك بأموالنا وأبنائنا وأبائنا فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما من الناس أحد أمن علينا في صحبته وذات يده من ابن أبي قحافة ولو كنت متخذا خليلا لاتخذت ابن أبي قحافة ولكن ود واخاء ايمان ولكن ود واخاء ايمان مرتين وان صاحبكم خليل الله عز وجل

*(حديث سلمة بن يزيد الجعفي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا ابن أبي عدي عن داود بن أبي هند عن الشعبي عن عقمة عن سلمة بن يزيد الجعفي قال انطلقت أنا وأخي الى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقلنا يا رسول الله ان امنا هلكة كانت تصل الرحم وتقري الضيف وتفعل وتفعل هلكت في الجاهلية فهل ذلك نافعها شيأ قال لا قال فقلنا فانها كانت وأدت أختا لنا في الجاهلية فهل ذلك نافعها شيأ قال الوائدة والموؤدة في النار الا أن تدرك الوائدة الاسلام فيعفو الله عنها

*(حديث عاصم بن عمر رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي ثنا بكر بن مضر قال حدثني موسى بن جبير عن أبي أمامة بن سهل بن حنيف عن عاصم بن عمر أن رسول الله صلى الله عليه وسلم طلق حفصة بنت عمر بن الخطاب ثم ارتجعها

*(حديث رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى بن الطباع قال ثنا جرير يعني ابن حازم عن واصل الاحدب عن أبي وائل عن سبرة قال سمعت رجلا من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم يقول قال النبي صلى الله عليه وسلم قال الله تعالى يا ابن آدم قم الى أمش الليل وامش الى آخر الليل

*(حديث جرهد الاسلمي رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن مالك بن أنس عن أبي النضر عن زرعة بن عبد الرحمن بن جرهد عن أبيه عن جده أن النبي صلى الله عليه وسلم مر به وهو كاشف عن فخذه فقال أما علمت أن الفخذ عورة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان عن أبي النضر عن زرعة بن مسلم بن جرهد أن النبي صلى الله عليه وسلم رأى جرهدا في المسجد وعليه بردة قد انكشف فخذه فقال الفخذ عورة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان ثنا أبو الزناد وقال أخبرني آل جرهد عن جرهد قال الفخذ عورة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال ثنا معمر عن أبي الزناد عن ابن جرهد عن أبيه قال مر بي رسول الله صلى الله عليه وسلم وأنا كاشف فخذي فقال النبي صلى الله عليه وسلم غطها فانها من العورة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر قال ثنا زهير يعني ابن محمد عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن عبد الله بن جرهد الاسلمي أنه سمع أباه جرهدا يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لخذ امرء المسلم عورة حدثنا عبد الله

حدثني

وتزوج أخرى قال ان الطلاق قبيح أكرهه (هق) *(الفصل الثاني في أحكام الطلاق وما يتعلق به من الآداب والمحظورات وفيه فروع الفرع الاول في الاحكام والآداب والمحظورات) *كل طلاق جائز الا طلاق المعتوه والمغلوب على عقله (ت) عن أبي هريرة *ليس على رجل طلاق فيما لا يملك ولا عتاق فيما لا يملك ولا بيع فيما لا يملك (حم ن) عن ابن عمر *من لعب بطلاق أو عتاق فهو كما قال (طب) عن

أبي الدرداء * اذا ادعت المرأة طلاق زوجها فجاءت على ذلك بشاهد عدل استحلف زوجها فان حلف بطلت شهادة الشاهد وان نكل فنكوله بمنزلة شاهد آخر وجاز طلاقه (ه) عن ابن عمر * ليراجعها ثم يمسكها حتى تطهر ثم تحيض فتطهر فان بدا له أن يطلقها طاهرا قبل أن يمسها فتلك العدة التي أمر الله تعالى أن يطلق لها النساء (قط ن ه) عن ابن عمر * من طلق البدعة ألزمناه بدعته (هق) عن معاذ * ما بال أقوام يلعبون بحدود الله يقول قد طلقتك قد راجعتك (هق) عن أبي وبي

حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال أخبرني مالك عن أبي النضر عن زرعة بن جهد الاسلمي عن أبيه وكان من أصحاب الصفة قال جاس رسول الله صلى الله عليه وسلم فرأى فخذي منكشفة فقال خمر عليك أما علمت أن الفخذ عورة

حدثنا عبيد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد قال ثنا ابن أبي الزناد عن أبيه عن زرعة بن عبد الرحمن بن جرهد عن جرهد جده ونفر من أسلم سواه ذوي رضا أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر على جرهد وفخذ جرهد مكشوفة في المسجد فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم يا جرهد غط فخذك فان يا جرهد الفخذ عورة

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن سفيان قال حدثني أبو الزناد عن زرعة بن عبد الرحمن بن جرهد عن جده جرهد قال مر رسول الله صلى الله عليه وسلم وعلى بردة وقد انكشفت فخذي قال غط فان الفخذ عورة

* (حديث الخلاج رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبيد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال حدثنا محمد بن عبد الله بن علاثة قال ثنا عبد العزيز بن عمر بن عبد العزيز قال ثنا خالد بن الخلاج أن أباه حدثه قال بينما نحن في السوق اذ مرت امرأة تحمل صبيا فاختار الناس ونزت معهم فانتهيت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يقول لها امش أبوه هذا فسكتت فقال من أبوه هذا فسكتت فقال شاب بحذائه يا رسول الله أنا حدثتنا الحسن حديثة عهد بجزيه وأنها لم تخبرك وأنا أبوه يا رسول الله فالتفت الي من عنده كأنه يسألهم عنه فقالوا ما علمنا الا خيرا أو نحو ذلك فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أحصنت قال نعم فامر برجمه فذهبنا فحفرنا له حتى أمكنا وربما قال بالحجارة حتى هدأ ثم رجعنا الى مجلسنا فبينما نحن كذلك اذا أتانا شيخ يسأل عن القوم فقمنا اليه فاخذنا بثيابه فخبرناه الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلنا يا رسول الله ان هذا جاء يسأل عن الجميع فيقال مه لهو أطيب عند الله ريحا من المسك قال فذهبنا فاعناه على غسله وحنوطه وتكفينه وحفر له ولا أدري أذكر الصلاة أم لا

* (حديث أبي موسى رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم قال سمعت زيد بن أبي مريم يقال لحفني عباية بن رافع بن خديج وأنا رائح الى المسجد الى الجمعة ماشيا وهو راكب قال أبشر فاني سمعت أبا عبس يقول قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من اغبرت قدماه في سبيل الله عز وجل حرمهما الله عز وجل على النار

* (حديث اعرابي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سلمة الخزاعي قال أخبرنا أبو هلال عن حميد بن هلال العدوي سمعه من أبي قتادة عن الاعرابي الذي سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان خير دينكم أيسره ان خير دينكم أيسره

* (حديث رجل عن أبيه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا وهيب ثنا موسى بن عقبة قال حدثني أبو النضر عن رجل كان قديما من بني تميم كان في عهد عثمان رجل يخبر عن أبيه انه لقي رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله اكتب لي كتابا ان لا آخذ بخير برة غيري فقال له رسول الله صلى الله عليه وسلم أن ذلك لك ولكل مسلم

* (حديث مجمع بن يزيد رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مكي بن ابراهيم قال أنا عبد الملك بن جريج عن عمرو بن دينار ان هشام بن يحيى أخبره ان عكرمة بن سلمة بن ربيعة أخبره ان أخوين من بني المغيرة لقيا مجمع بن يزيد الانصاري فقال

جابر * طلاق العبد اثنتان فلا تحل له حتى تنكح زوجا غيره وقرء الامة حيضتان وتتبوع الحرة على الامة ولا تتزوج الامة على الحرة (قط هق) عن عائشة * طلاق الامة تطليقتان وعدتها حيضتان (ت د ك) عن عائشة (ه) عن ابن عمر * يا أيها الناس ما بال أحدكم يزوج عبده أمته ثم يريد أن يفرق بينهما انما الطلاق لمن أخذ بالساق (ه) عن ابن عباس * يا عباس ألا تعجب من حب مغيث بريرة ومن بغض بريرة مغيثا (خ د ن ه) عن ابن عباس * لا طلاق ولا عتاق في اغلاق (حم د ه ك) عن عائشة * لا طلاق لا لعدة ولا عتاق الا لوجه الله (طب) عن ابن عباس * ثلاث جدهن جد وهزلهن جد الطلاق والنكاح والرجعة (د ت ه) عن أبي هريرة * ثلاث لا يجوز اللعب فيهن الطلاق والنكاح والعتق (طب) عن فضالة ابن عبيد * (الاكمال) * ثلاث جدهن جد وهزلهن جد الطلاق والعتاق والنكاح القاضي أبو يعلى عن عبد الله بن علي الطبري في الاربعين عن أبي هريرة * من قال لامرأته أنت طالق ان شاء الله أو قال لعبده أنت حر ان شاء الله فلا شيء عليه (عد هق) عن ابن عباس * اذا قال الرجل لامرأته أنت طالق ان شاء الله لم تطلق واذا قال لعبده أنت حر ان شاء الله فانه حر الديلمي عن معاذ * اذا قال الرجل لامرأته أنت طالق ان شاء الله الى سنة فلا حنث عليه (ك) في التاريخ (كر) عن الجارود بن يزيد النيسابوري عن بهز بن حكيم عن أبيه عن جده قال (ك) الحمل فيه على الجارود وهو متروك * اذا قال الرجل لامرأته

أنت طالق بمشيئة الله وبإرادة الله المشيئة هي خاصة لله لا يقطع الطلاق والإرادة يقع الطلاق (خط) عن ابن مسعود * طلاق البتة بم يدخل بها واحدة (هق) عن الحسن مرسلا * اما الذي الله جدك اما ثلاثة فله واما تسعمائة وسبع وتسعون فعدوان وظلم ان شاء الله عذبه وان شاء غفر له (طب) عن عبادة بن الصامت قال طلق جدي امرأته ألف تطليقة فسألت النبي صلى الله عليه وسلم قال فذكره * ان أباكم لم يتق الله فيجعل له من أمره مخرجا بانت منه بثلاث (٤٨٠) على غير السنة وتسعمائة وسبع وتسعون اثم في عنقه (طب) وابن عساكر عن

ابراهيم بن عبد الله بن عبادة بن الصامت عن أبيه عن جده قال طلق رجل امرأته ألفا فانطلق بنوه الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسألوه هل من مخرج قال فذكره * ثم يقول أحدكم لامرأته قد طلقتك قد راجعتك ليس هذا طلاق المسلمين طلقوا المرأة قبل طهورها (هق) عن أبي موسى * لا يجوز لعبد ولا لمعتق طلاق ولا بيع ولا شراء (عد) والديلمي عن جابر * (الافعال) * عن مكحول أن أبا بكر وعمر وعليا وابن مسعود وأبا الدرداء وعبادة بن الصامت وعبد الله بن قيس الاشعري كانوا يقولون في الرجل يطلق امرأته تطليقة أو تطليقتين انه أحق بها ما لم تغتسل من حيضتها الثالثة برئها وترثه ما دامت في العدة (ش) * عن عمر قال أيما رجل طلق امرأته فاضت حيضة أو حيضتين ثم قعدت فلتجلس تسعة أشهر حتى يستبين حملها فان لم يستبن حملها في التسعة أشهر فلتعتد ثلاثة أشهر بعد التسعة التي قعدت من الحيض مالك والشافعي (عب ش) وعبد بن حميد (هق) * عن سليمان بن يسار أن امرأة محمد طلقت البتة فجعلها عمر بن الخطاب واحدة الشافعي (عب ش) وابن سعد (هق) * عن عمر انه كان يقول في الخلية والبرية والبتة والبائنة هي واحدة وهو أحق بها (عب ش ص هق) * عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده ان عمر بن الخطاب وعثمان بن عفان كانا يقولان إذا خير الرجل امرأته فملكها واختارت فاما من ذلك المجلس ولم يحدث شيئا فأمرها الى زوجها (ش) * عن عمر قال اذا خيرها

---

انى أشهدك ان النبي صلى الله عليه وسلم أمر ان لا يمنع جار جاره ان يغرز خشبة في جداره فقال الحالف أي أخي قد علمت انك مقتطعني لذلك وقد حلفت فاجعل اسطوانا دون جداري ففعل الآخر فغرز في الاسطوان خشبة قال ابن جريج قال عمر وأنا نظرت الى ذلك حدثنا عبد الله حدثني ثنا حجاج قال ابن جريج أخبرني عمرو بن دينار عن هشام بن يحيى أخبره ان عكرمة بن سلمة بن ربيعة أخبره ان أخوين من بني المغيرة أعتق أحدهما ان لا يغرز خشبا في جداره فاراد جميع بن يزيد الانصاري ورجالا كثيرا فقالوا اشهدك رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لا يمنع جار جاره ان يغرز خشبا في جداره فقال الحالف أي أخي قد علمت انك مقتض لك علي وقد حلفت فاجعل اسطوانا دون جداري ففعل الآخر فغرز في الاسطوان خشبة فقال لي عمر وأنا نظرت الى ذلك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون قال ثنا ابن وهب قال أخبرني يزيد بن عياض عن يزيد بن عبد الرحمن بن رقيش عن عبد الرحمن بن يزيد بن جارية عن جميع بن يزيد بن جارية انه رأى النبي صلى الله عليه وسلم يصلي في نعلين * (حديث رجل رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال ثنا زائدة قال ثنا السائب بن حبيش عن أبي الشماخ الازدي عن ابن عم له من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم انه أتى معاوية فدخل عليه وقال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من ولي من أمر الناس ثم أغلق بابه دون المسكين أو المظلوم أو ذي الحاجة أغلق الله عز وجل دونه أبواب رحمته عند حاجته وفقره أفقر ما يكون اليها *

* (حديث رجل رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو نعيم قال ثنا شريك عن يزيد بن أبي زياد عن عبد الرحمن بن أبي ليلى قال نادى رجل من أهل الشام يوم صفين أفيكم أو فيكم القرني قالوا نعم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من خير التابعين أويسا القرني

* (حديث معقل بن سنان الاشجعي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنا سفيان عن منصور عن ابراهيم عن علقمة قال أتى عبد الله في امرأة تزوج ولم يفرض لها صداقا ولم يكن دخل بها قال فاختلفوا اليه فقال أرى لها مثل صداق نسائها ولها الميراث وعليها العدة فشهد معقل بن سنان الاشجعي ان النبي صلى الله عليه وسلم قضى في بروع ابنة واشق بمثل ما قضى حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن محمد بن أبي شيبة قال عبد الله وسمعته أنا من عبد الله بن محمد بن أبي شيبة قال ثنا ابن فضيل عن محمد بن السائب قال شهد عندي نفر من أهل البصرة منهم الحسن بن أبي الحسن عن معقل بن سنان أن رسول الله صلى الله عليه وسلم مر به وهو يحتجم لثمان عشرة قال أفطر الحاجم والمحجوم

* (حديث بسرة عن أبيها رضي الله تعالى عنهما) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا كهمس بن الحسن عن منصور بن سيار من منظور الفزاري عن أبيه عن بسرة عن أبيها قال ستاذنت النبي صلى الله عليه وسلم فدخلت بينه وبين قبصه قال فقلت يا رسول الله ما الشيء الذي لا يحل منعه قال الماء قلت يا رسول الله ما الشيء الذي لا يحل منعه قال الماء قلت يا رسول الله ما الشيء الذي لا يحل منعه قال ان تفعل الخير خير لك حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا

فان اختارت زوجها فليس بشئ وان اختارت نفسها فهى واحدة وهو أحق بها (عب) *عن عمر قال اذا طلقها مريضا ورثته ما كانت فى العدة ولا يرثها (عب ش هق) وضعفه *عن عثمان قال طلاق السكران لا يجوز سدد *عن أبى لبيد ان عمر اجاز طلاق السكران (ش) *عن ابن الحلال العنكى انه سأل عثمان عن أشياء منها رجل جعل طلاق امرأته بيدها فقال هو بيدها (عب م) *عن ابراهيم عن عمر وعبد الله انهما قالا أمرك بيدك واختارى سواء (ش) *عن مسروق قال جاء رجل الى عمر فقال انى (٤٨١) جعلت امر امرأتى بيدها فطلقت نفسها ثلاثا فقال عمر لعبد الله بن مسعود ما تقول فقال عبد الله أرى لها واحدة وهو أملك فقال عمر وأنا أيضا أرى ذلك الشافعى (عب ش هق) *عن ابن مسعود أنه جاءه رجل فقال كان بينى وبين امرأتى بعض ما يكون بين الناس فقالت لو ان الذى بيدك من أمرى بيدى لعلمت كيف أصنع فقلت ان الذى بيدى من أمرك بيدك فقالت أنت طالق ثلاثا فقال أراها واحدة وأنت أحق بالرجعة وسألتى أمير المؤمنين عمر فلقيته فقص عليه القصة فقال فعل الله بالرجال وفعل الله بالرجال يعمدون الى ما جعل الله فى أيديهم فيجعلونه فى أيدى النساء يفهمها التراب ماذا قلت قال قلت أراها واحدة وهو أحق بها قال وأنا أرى ذلك ولو رأيت غير ذلك لرأيت انك لم تصب (عب هب) *عن عبد الكريم أبى أمية ان رجلا من المسلمين جعل امر امرأته بيدها فى زمان عمر بن الخطاب فطلقت نفسها ثلاثا فقال الرجل والله ما جعلت أمرك بيدك الا فى واحدة فترافعا الى عمر فاستحلفه عمر بالله الذى لا اله الا هو ما جعلت أمرها بيدها الا واحدة فحلف فردها عليه (عب) *عن على قال اذا جعل أمرها بيدها فالقضاء ما قضت هى وغيرها سواء وهو بيدها حتى تتكلم (عب) *عن الشعبى قال التمليك والخيار فى قول عمر وعلى وزيد بن ثابت سواء (عب) *عن زاذان قال كنت عند على فذكر الخيار فقال ان أمير المؤمنين قد سألنى عن الخيار فقلت ان اختارت نفسها فواحدة بائنة وان اختارت زوجها فواحدة وهو أحق بها فقال عمر ليس

---

محمد بن جعفر قال ثنا كهمس قال سمعت سيار بن منظور الفزارى قال حدثنى أبى عن بهيسة قالت استأذنت أبى على النبى صلى الله عليه وسلم فدخل بينه وبين قميصه فذكر معناه **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا يزيد حدثنا كهمس قال حدثنى سيار بن منظور الفزارى عن أبيه عن بهيسة قالت استأذن أبى النبى صلى الله عليه وسلم فجعل يدنو منه ويلتزمه ثم قال يا نبى الله ما الشئ الذى لا يحل منعه قال الماء ثم قال يا نبى الله ما الشئ الذى لا يحل منعه قال الملح ثم قال يا نبى الله ما الشئ الذى لا يحل منعه قال النبى صلى الله عليه وسلم ان تفعل الخير خير لك فانتهى قوله الى الماء والملح قال وكان ذلك الرجل لا يمنع شيأ وان قل

*(حديث ابن الرسيم عن أبيه رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى قال ثنا عبد الله وسمعته أنا من عبد الله بن محمد بن شيبة قال ثنا عبد الرحيم بن سليمان عن يحيى بن الحرث التيمى عن يحيى بن غسان التيمى عن ابن الرسيم عن أبيه انه قال وفدنا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فهنأنا عن المغار وف قال ثم قدمنا عليه فقلنا ان أرضنا أرض وخمة قال فقال اشربوا فيما شئتم من شاه أو كاسقاء على اسم الله **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا حسن بن موسى قال ثنا عبد العزيز بن مسلم أبو زيد عن يحيى بن عبد الله التيمى عن يحيى بن غسان التيمى عن أبيه قال كان أبى فى الوفد الذين وفدوا الى رسول الله صلى الله عليه وسلم من عبد قيس فنهاهم عن هذه الاوعية قال فاتخمنا ثم أتيناه العام المقبل قال فقلنا يا رسول الله انك نهيتنا عن هذه الاوعية فاتخمنا قال رسول الله صلى الله عليه وسلم انتبذوا فيما بدا لكم ولا تشربوا مسكرا فمن شاء فليشرب من شاه أو كاسقاء على اسم الله

*(حديث عبيدة بن عمرو رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عثمان بن محمد وسمعته أنا من عثمان بن محمد بن أبى شيبة قال ثنا سعيد بن سليم الهلالى قال سمعت جدتى رعية ابنة عياض قالت سمعت جدى عبيدة بن عمرو الكلابى يقول رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم توضأ فاسبغ الوضوء قال وكانت رعية اذا توضأت أسبغت الوضوء

*(حديث جد طلحة الايامى رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث قال حدثنى أبى قال ثنا ليث عن طلحة عن أبيه عن جده انه رأى رسول الله صلى الله عليه وسلم يمسح رأسه مسحا بماء الذى فى يديه وما يليه من مقدم العنق مرة قال القدال اليسافة العنق

*(حديث الحرث بن حسان البكرى رضى الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا أبو بكر بن عياش قال ثنا عاصم بن أبى النجود عن الحرث بن حسان البكرى قال قدمنا المدينة فاذا رسول الله صلى الله عليه وسلم على المنبر وبلال قائم بين يديه متقلد السيف بين يدى رسول الله صلى الله عليه وسلم واذا رايات سود وسألت ما هذه الرايات فقالوا عمرو بن العاص قدم من غزاة **حدثنا** عبد الله حدثنى أبى ثنا عفان قال ثنا سلام أبو المنذر عن عاصم بن بهدلة عن أبى وائل عن الحرث ابن حسان قال مررت بجواز بالربذة منقطع بهم من بنى تميم قال فقالت أين تريدون قال فقلت نريد رسول الله صلى الله عليه وسلم قالت فاحملونى معكم فانى لى بك حاجة قال فدخلت المسجد فاذا هو غاص بالناس واذا راية سوداء تخفق فقلت ما شأن الناس اليوم قالوا هذا رسول الله صلى الله عليه وسلم يريد ان يبعث عمرو بن العاص وجها قال فقلت يا رسول الله ان رأيت ان تجعل الذهناء حجازا بيننا وبين بنى تميم فافعل فانهم كانت

كذلك ولكنهم ان اختارت زوجها فليس بشئ فان اختارت نفسها فواحدة وهو أحق بها فلم أستطع الامتناع بعة أمير المؤمنين فلما خاص الامر الى عملت انى مسؤل عن الفروج أخذت بالذى كنت أرى فقالوا والله ابن جامعت أمير المؤمنين عمر وتركت رأيك الذى رأيت انه لاحب اليه من أمر مفوت به فتحمل ثم قال أما انه قد أرسل الى زيد بن ثابت فسألوه فسألنى وأباه فقال زيد ان اختارت نفسها ثلاثا وان اختارت زوجها فواحدة وهو أحق بها (هق) (٤٨٢) *عن على فى رجل وهب امرأته لاهلها فقال ان قبلوها فهى تطليقة بائنة وان ردوها فهى واحدة وهو أملك برجعتها (هق) *عن على قال اذا ملك الرجل امرأته مرة واحدة فان فعلت فليس له من أمرها شئ وان لم تفعل فهى واحدة وأمرها اليه (هق) *عن عمر قال اذا عبث الموسوس بامر أته طلق عنه وليه (عب) *عن قتادة قال سئل عمر بن الخطاب عن رجل طلق امرأته فى الجاهلية تطليقتين وفى الاسلام تطليقة فقال لا آمرك ولا أنهاك فقال عبد الرحمن لكنى آمرك ليس طلاقك فى الشرك بشئ (عب) *عن زيد بن وهب قال طلق رجل من أهل المدينة امرأته ألفا فلقيه عمر فقال أطلقتها ألفا قال انما كنت ألعب فعلاه بالدرة فقال انما يكفيك من ذلك ثلاث (عب) وابن شاهين فى السنة (هق) *عن حبيب بن أبى ثابت عن بعض أصحابه قال جاء رجل الى على فقال طلقت امرأتى ألفا قال ثلاث تحرم عليك وباقيهن سائرها بين نسائك (هق) *عن قدامة بن ابراهيم بن محمد بن حاطب الجمحى ان رجلا دلى ليستنزل عسلا فى زمن عمر بن الخطاب فجاءت امرأته فوقفت على الحبل فحلفت لتطلقنه أو لتطلقنى ثلاثا فذكر الله والاسلام فابت الا ذلك فطلقها ثلاثا فلما ظهر أتى عمر بن الخطاب فذكر له ما كان منها اليه ومنه اليها فقال ارجع الى أهلك فهذا ليس بطلاق أبو عبيدة فى الغريب (ص هق) *عن عبد الله بن شهاب الخولانى ان عمر رفع اليه رجل قال له امرأته شهنى قال كالحلية كأنك حمامة فقال ما أرضى حتى تقول خلية طالق فقال ذلك فقال عمر خذ بيدها فهى امرأتك (ض) وأبو عبيد فى الغريب

لزوجها قال فاستوفزت العجوز وأخذتها الحمية فقالت يا رسول الله أبن تضطر مضم لى قالت يا رسول الله حملت هذه ولا أشعر انها كائنة لى خصما قال فانت أعوذ بالله ان تكون كما قال الا ترك قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وما قال الاول قال على انه لما بشر بقعات يقول سلام هذا الحق يقول الرسول الله صلى الله عليه وسلم على الخبير سقطت قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم هيه يستطعمه الحديث قال اذا عاد أرسلوا فاذهم قبلا فنزل على معاوية بن بكر شهرا يسقيه الخمر وتغنيه الجرادتان فانطلق حتى أتى جبال مهرة فقال اللهم انى لم آت لاسير فاداويه ولا مريض فاداويه فاسق عبدك ما كنت ساقيه واسق معاوية بن بكر شهرا يشكر له الخمر التى شربها عنده قال فدرت سحابات سود فنودى ان خذها رماد ارمدد الا تذوق منها رمادا حدا قال أبو وائل فبلغنى ان ما أرسل عليهم من الريح كقدر ما يجرى فى الخاتم حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا زيد بن الحباب قال حدثنى أبو المنذر سلام بن سليم ثنا عاصم بن النحوى عن أبى وائل عن الحرث بن يزيد البكرى قال خرجت أشكو العلاء بن الحضرمى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فمررت بالربذة فاذا العجوز من بنى تميم منقطع بها فقالت لى يا عبد الله ان لى الى رسول الله صلى الله عليه وسلم حاجة فهل أنت مبلغى اليه قال فحملتها فاتيت المدينة فاذا المسجد غاص باهله واذا براية سوداء تخفق وبلال متقلد السيف بين يدى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت ما شأن الناس قالوا يريدان يبعث عمرو بن العاص وجها قال فاسلمت قال فدخل منزله أو قال رحله فاستأذنت عليه فاذن لى فدخلت فسلمت فقال هل كان بينكم وبين بنى تميم شئ قال فقلت نعم قال وكانت لنا الدبرة عليهم ومررت بعجوز من بنى تميم منقطع بها فسألتنى أن أحملها اليك فحملتها حتى اذا كنت بالباب فاذن لها فدخلت فقالت يا رسول الله ان رأيت أن تجعل بيننا وبين بنى تميم حاجزا فاجعل الدهناء فمسيت العجوز واستوفزت قالت يا رسول الله فالى أين تضطر مضر لك قال فانى انما مثلى ومثل الاول معزاة حملت حتفها حملت هذه ولا أشعر انها كانت لى خصما أعوذ بنبى الله ورسوله ان أكون كوافد عاد قال هيه وما وافد عاد وهو أعلم بالحديث منه ولكن يسرك علمه قلت انه بلغنا انهم لما قيل لهم يقال له قيل فر بمعاوية بن بكر فاقام عنده شهرا يسقيه الخمر وتغنيه جاريتان يقال لهما الحرة ان قبلها وقبلها مضى الشهر خرج جبال تهامة فنادى اللهم انك تعلم انى لم آجئ الى مريض فاداويه ولا الى أسير فافاديه اللهم اسق عادا ما كنت تسقيه فمرت به سحابات سود فنودى منها اختر فاومأ الى سحابة منها سوداء فنودى منها خذ رمادا رمدد الا تبقى من عاد أحدا قال فبلغنى انه بعث عليهم من الريح الا قدر ما يجرى فى خاتمى هذا حتى هلكوا قال ابن وائل وصدق قال فكانت المرأة والرجل اذا بعثوا وافدا لهم قالوا لا تكن كوافد عاد

*(حديث أبى تميمة الهجيمى عن النبى صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثنى أبى ثنا اسمعيل بن ابراهيم قال ثنا سعيد الجريرى عن أبى السليل عن أبى تميمة الهجيمى قال اسمعيل مرة عن أبى تميمة الهجيمى عن رجل من قومه قال لقيت رسول الله صلى الله عليه وسلم فى بعض طرق المدينة وعليه ازار من قطن ممتشرا الحاشية فقلت عليك السلام يا رسول الله فقال ان عليك السلام تحية الموتى ان عليك السلام تحية الموتى ان عليك السلام تحية الموتى سلام عليكم سلام عليكم مرتين أو ثلاثا هكذا قال سألت عن الازار فقلت انى أتزر فاقنع ظهره فاعظم ساقه فقال ههنا اتزر فان أبيت فههنا أسفل من ذلك فان أبيت فههنا فوق الكعبين فان أبيت فان الله عز وجل لا يحب كل مختال فخور قال وسألته

(هق) عن ابن الشعبي عن أبيه أن عليا وزيد افرقا بين زوج وامرأته قال فهي على حرام (عب) * عن أبي حسان الاعرج أن خلاس بن عمرو كان يقول في الرجل يطلق امرأته قبل أن يدخل بها أنها تحرم عليه حتى تنكح زوجا غيره وكان علي بن أبي طالب يجعل أمرها بيدها قبل أن يدخل بها * عن علي بن قيس أحد بني كلاب جعل امرأته عليه حراما فقال له علي بن أبي طالب والذي نفسي بيده لئن مسستها قبل أن تزوج غيرك لارجمنك (عب) * عن علي أنه كان لا يرى طلاق المكره شيئا (عب) * عن الحسن قال سئل رجل عليا قال قلت ان تزوجت فلانة فهي طالق فقال علي ليس بشئ (عب) * عن علي قال لا يجوز على الغلام طلاق حتى يحتلم (عب) * عن ابن عباس قال الطلاق للرجال ما كانوا والعدة للنساء ما كن (عب) * عن علي في الرجل يطلق امرأته تطليقة أو تطليقتين ثم تزوج فيطلقها ثم يتزوجها قال ان رجعت اليه بعدما تزوجت اثنتين فلا الطلاق فان تزوجها في عدتها كانت عنده على ما بقي (هق) وضعفه * أيضا عن بريدة ابن جابر عن أبيه أنه سمع عليا يقول من تزوج في عدة فهي على ما بقي (هق) وقال هذا أصح من الاول * عن علي قال في الرجل يطلق امرأته ثم يشهد على رجعتها ولم تعلم بذلك قال هي امرأته الاول دخل بها أو لم يدخل الشافعي (هق) * عن الشعبي قال قال علي الخلية والبرية والبتة والبائن والحرام اذا نوى فهو بمنزلة الثلاث (هق) * عن الشعبي في الرجل يجعل امرأته عليه حراما قال يقولون ان عليا جعلها ثلاثا قال الشعبي ما قال علي هذا انما قال لا أحلها ولا أحرمها (هق) * عن علي في رجل طلق امرأته وهي حائض قال لا تعتد بتلك الحيضة اسمعيل



عن المعروف فقال لا تحرم من المعروف شيأ ولو ان تعطي صلة الحبل ولو ان تعطي شسع النعل ولو ان تنفق من دلو في اناء المستسقي ولو ان تعفي الشئ من طريق الناس يؤذيهم ولو ان تلقى أخاك وجهك اليه منطلق ولو ان تلقى أخاك فتسلم عليه ولو ان تؤنس الوحشان في الارض وان سبك رجل بشئ يعلم فيك وانت تعلم فيه نحوه فلا تسبه فيكون أجره لك ووزره عليه وما ساءك فدعه وما ساءك اذنك ان تسمعه فلا تسمعه فاجتنبه

* (تحفة بن صحار العبدي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا اسمعيل بن ابراهيم عن الجريري عن أبي العلاء بن الشخير عن عبد الرحمن بن صحار العبدي عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم لا تقوم الساعة حتى يخف بقبائل فيقال من بقي من بني فلان قال فعد حتى قيل قبائل انها العرب لان العجم تنسب الى قراها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سليمان بن داود الطيالسي قال وحدثنا الخالد بن يسار قال ثنا يزيد بن عبد الله بن الشخير قال حدثنا عبد الرحمن بن صحار العبدي عن أبيه قال استأذنت النبي صلى الله عليه وسلم أن يأذن لي في حرة التبذ فيها فرخص لي فيها أربعين لي فيها * (حديث سعيد بن أبي فاكه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم قال ثنا أبو خيثمة يعني السعدي عبد الله بن عقيل ثنا موسى بن المثنى أخبرني سالم بن أبي الجعد عن سعيد بن أبي فاكه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان الشيطان قعد لابن آدم بأطرقه فقعد له بطريق الاسلام فقال له أتسلم وتذر دينك ودين آبائك وآباء أبيك قال فعصاه فأسلم ثم قعد له بطريق الهجرة فقال أتهاجر وتذر أرضك وسماءك وانما مثل المهاجر كمثل الفرس في الطول قال فعصاه فهاجر قال ثم قعد له بطريق الجهاد فقال له هو جهد النفس والمال فتقاتل فتقتل فتنكح المرأة ويقسم المال قال فعصاه فجاهد فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم فمن فعل ذلك منهم فمات كان حقا على الله أن يدخله الجنة أو قتل كان حقا على الله عز وجل أن يدخله الجنة وان غرق كان حقا على الله أن يدخله الجنة أو وقصته دابته كان حقا على الله أن يدخله الجنة

* (حديث عبد الله بن أرقم عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن هشام بن عمرة قال أخبرني أبي عن عبد الله بن أرقم انه حج فكان يصلي بأصحابه مؤذن ويقيم فاقام يوما الصلاة وقال ليصل أحدكم فلقد سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا أراد أحدكم أن يذهب الى الخلاء وأقيمت الصلاة فليذهب الى الخلاء

* (حديث عمرو بن شاس الاسلمي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب بن ابراهيم ثنا أبي ثنا محمد بن اسحق عن أبان بن صالح عن الفضل ابن معقل بن يسار عن عبد الله بن نيار الاسلمي عن عمرو بن شاس الاسلمي قال وكان من أصحاب الحديبية قال خرجت مع علي الى اليمن فجفاني في سفري ذلك حتى وجدت في نفسي عليه فلما قدمت اظهرت شكايته في المسجد حتى بلغ ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فدخلت المسجد ذات غدوة ورسول الله صلى الله عليه وسلم في ناس من أصحابه فلما رآني أبدني عينيه يقول حدد الي النظر حتى اذا جلست قال يا عمرو والله لقد آذيتني قلت أعوذ بالله أن أوذي يا رسول الله قال بلى من آذى عليا فقد آذاني

* (حديث سوادة بن الربيع رضي الله تعالى عنه) *

الطحاوي في الثاني من حديثه * عن ابن عمر أنه طلق امرأته وهي حائض فاستفتى عمر رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال مر عبد الله فليراجعها ثم ليمسكها حتى تطهر ثم تحيض فتطهر فان بدا له أن يطلقها فليطلقها طاهرا قبل أن يمسها فتلك العدة التي أمر الله أن يطلق لها النساء مالك والشافعي (عب حم) وعبد بن حميد (خ م د ن ه) وابن جرير وابن المنذر (ع) وابن مردويه (هق) * عن الحسن ان عمر بن الخطاب كتب الى أبي موسى الاشعري لقد هممت أن اجعل اذا طلق الرجل امرأته ثلاثا في مجلس أن أجعلها واحدة ولكن أنفوا فجعلوها على

أنفسهم فالزم كل رجل منهم نفسه من قال لامرأته أنت علي حرام فهي حرام ومن قال لامرأته أنت بائنة فهي بائنة ومن قال انت طالق ثلاثا فهي ثلاث (حل) * عن أنس قال كان عمر اذا أتي برجل طلق امرأته ثلاثا أوجع ظهره (حل) * عن علي قال ما طلق الرجل طلاق السنة فندم أبدا ابن منيع (هق) وصحح * عن أبي سلمة بن عبد الرحمن ان عمر بن الخطاب فيقال كل امرأة أتزوجها فهي طالق ثلاثا فقال له عمر فهو كما قلت (عب) * عن (٤٨٤) مالك انه بلغه ان عمر بن الخطاب وعبد الله بن عمر وعبد الله بن مسعود وعبد الله بن عباس والقاسم بن محمد وسليمان ابن يسار وابن شهاب كانوا يقولون اذا حالف الرجل بطلاق امرأة قبل أن ينكحها ثم نكحها لم يلزمه ذلك لا يلزمه مالك * عن أبي سلمة قال حدثني نفيع أنه كان مملوكا وعنده حرة فطلقها ثنتين ثم ابتاعته فسأل عثمان وزيد بن ثابت فقالا ما نراك طلقت طلاق عبد وعدتها عدة حر (هق) * عن سعيد بن المسيب قال طلاق مكاتب امرأته على عهد عثمان فأنزله منزلة العبد (هق) * عن ابن عباس قال طلاق العبد بيد سيده ان طلق جاز وان فرق فهي واحدة اذا كانا له جميعا وان كان العبد له والامة لغيره طلق ان شاء (عب) * عن ابن عمر قال اذا أذن السيد لعبده أن يتزوج فانه لا يجوز للامر أنه طلاق الا أن يطلقها العبد فاما ما خذ أمة غلامه أو أمة ولده فلا جناح عليه مالك (عب) * عن ابن مسعود انه قال في الامة تباع وهي زوج فقال بيعها طلاقها وعن جابر بن عبد الله وأبي ابن كعب مثله (عب) * عن عبيدة السلماني قال شهدت علي بن أبي طالب وجاءته امرأة وزوجها مع كل واحد منهما فئام من الناس فاخرج فئة حكما وهو لا محكما لرسول فقال علي للحكمين أتدريان ما عليكما ان رأيتما ان تفرقا فرقتما وان رأيتما أن تجمعا جمعتما فقال الزوج اما الفرقة فلا فقال علي كذبت والله لا تبرح حتى ترضى بكتاب الله لك وعليك (عب) * (فرع في نفقة المطلقة وسكناها) * المطلقة ثلاثا ليس لها سكنى ولا نفقة (ن) عن فاطمة بنت قيس * متعها ولو بصاع (خط) عن جابر * لا نفقة الا أن تكون حاملا (د) عن فاطمة بنت قيس * انما النفقة والسكنى للمرأة اذا كان لزوجها

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا المرجي بن رجاء ليث بكر مي قال حدثني سلم بن عبد الرحمن قال سمعت سوادة بن الربيع قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم فسألته فأمرني بذود ثم قال لي اذا رجعت الى بيتك فرهم فليحفظوا أعذاءهم وسمانهم فليطعموا أطفارهم ولا يعيطوا لهم اضرع موا شيهم اذا حلبوا

*(حديث هند بن أسماء الاسلمي رضي الله تعالى عنه)*

وكان هند من أصحاب الحديبية حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب بن ابراهيم قال ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني عبد الله بن أبي بكر بن محمد عن حبيب بن هند بن أسماء الاسلمي عن هند بن أسماء قال بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم الى قومي من أسلم فقال مر قومك فليصوموا هذا اليوم يوم عاشوراء فمن وجدته منهم قد أكل في أول يومه فليصم آخره حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا عفان قال ثنا وهيب ثنا عبد الرحمن بن حرملة عن يحيى بن هند عن خارثة وكان هند من أصحاب الحديبية وأخوه الذي بعثه رسول الله صلى الله عليه وسلم يأمر قومه بصيام عاشوراء وهو أسماء بن حارثة فحدثني يحيى بن هند عن أسماء بن حارثة أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثه فقال مر قومك بصيام هذا اليوم قال أرأيت ان وجدتهم قد طعموا قال فليتموا آخر يومهم

*(حديث جارية بن قدامة رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي قال حدثنا يحيى بن سعيد عن هشيم يعني ابن عروة قال أخبرني أبي عن الاحنف ابن قيس عن عم له يقال له جارية بن قدامة أن رجلا قال له يا رسول الله قل لي قولا واقلل علي لعلي أعقله قال لا تغضب فاعاد عليه مرارا كل ذلك يقول لا تغضب قال يحيى قال هشام قلت يا رسول الله وهم يقولون لم يدرك النبي صلى الله عليه وسلم

*(حديث ذي الجوشن عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا يعقوب بن خالد ثنا عيسى بن يونس بن أبي اسحق الهمداني عن أبيه عن جده عن ذي الجوشن قال أتيت النبي صلى الله عليه وسلم يوم أن أتى فرع من أهل بدر بابن فرس لي فقلت يا محمد اني قد جئتك بابن الفرس جاء لتأخذه قال لا حاجة لي فيه ولكن ان شئت أن أقيضك به المختار من دروع بدر فقلت ما كنت لأقيضك اليوم بعدة قال فلا حاجة لي فيه ثم قال يا ذا الجوشن ألا تسلم فتكون من أول هذا الامر قلت لا قال لم قلت اني رأيت قومك قد لعوا لك وقال فكيف لي لعلك عن حصارهم بدا قال قلت بلغني قال قلت ان تغلب على مكة وتقطعها قال لعلك ان عشت أن ترى ذلك قال ثم قال يا بلال خذ حقيبة الرجل فزوده من العجوة فلما أن أدبرت قال أما انه من خير بني عامر قال فوالله اني لبالمعلى بالعو واذا أقبل في راكب فقلت من أين قال من مكة فقلت ما فعل الناس قال قد غلب عليها محمد صلى الله عليه وسلم قال قلت هبلتني أمي فوالله لو أسلم يومئذ ثم سألته الخيرة لاقطعنها

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو بكر بن أبي شيبة والحكم بن موسى قالا ثنا عيسى بن يونس عن أبيه عن جده عن ذي الجوشن عن النبي صلى الله عليه وسلم نحوه قال ثنا محمد بن عباد قال ثنا سفيان عن أبي اسحق عن ذي الجوشن أبي شهر الضبابي نحو هذا الحديث قال سفيان وكان ابن ذي الجوشن جار الابي لم يحق لا أراه الا شيعه منه

*(حديث أبي عبيد رضي الله تعالى عنه عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا أبان العطار ثنا قتادة عن شهر بن حوشب عن أبي عبيد أنه طبخ

عليها الرجعة (ن) عن فاطمة بنت قيس *(الايكال)* لا نفقة لها ولا سكنى (م) عن فاطمة بنت قيس ان زوجها طلقها البتة فقال النبي صلى الله عليه وسلم فذكره *المطلقة ثلاثا لها السكنى والنفقة (ك) عن جابر. *(الافعال)* عن ابن جريج قال أخبرني عطاء قال أخبرني عبد الرحمن بن عاصم بن ثابت ان فاطمة بنت قيس أخت الضحاك بن قيس أخبرته وكانت عند رجل من بني مخزوم فأخبرته انه طلقها ثلاثا ثم خرج الى بعض المغازي وأمر وكيلا له أن يعطيها بعض النفقة فاستقلتها فأبى أن يعطيها فانطلقت  الى احدى نساء النبي صلى الله عليه وسلم فدخل النبي صلى الله عليه وسلم وهي عندها فقالت يا رسول الله هذه فاطمة بنت قيس طلقها فلان فأرسل اليها بقية النفقة فردتها وزعم انه شيء يتطول به فقال النبي صلى الله عليه وسلم صدق ثم قال لها انتقلي الى أم مكتوم فاعتدي عندها ثم قال الا ان أم مكتوم أعمى تضعين ثيابك فاذا حللت فآذنيني فلما حللت ذكرت لرسول الله صلى الله عليه وسلم أن معاوية بن أبي سفيان وأبا جهم خطباها فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم أما أبو جهم فلا يضع عصاه عن عاتقه وأما معاوية فرجل أخاف من المال فتزوجت أسامة بن زيد بعد ذلك (عب) *عن ابن جريج قال حدثني ابن شهاب عن أبي سلمة بن عبد الرحمن قال حدثني فاطمة بنت قيس انها كانت عند أبي عمرو بن حفص بن المغيرة آخر ثلاث تطليقات فزعمت انها جاءت رسول الله صلى الله عليه وسلم فاستفتته لرسول الله صلى الله عليه وسلم قدر اذنيه لحم فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ناولني ذراعها فناولته فقال ناولني ذراعها فناولته فقال يا نبي الله كم للشاة من ذراع قال والذي نفسي بيده لو سكت لاعطتك ذراعا بعد ذراع ما دعوت به. *(حديث الهرماس بن زياد رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن عكرمة بن عمار قال حدثني الهرماس بن زياد الباهلي قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب على راحلته يوم النحر بمنى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم بن القاسم ثنا عكرمة بن عمار وهو العجلي ثنا الهرماس بن زياد الباهلي قال كنت ردف أبي يوم الاضحى ورسول الله صلى الله عليه وسلم يخطب على ناقته بمنى **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن واقد قال أخبرني عكرمة بن عمار عن الهرماس قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصلي على بعير نحو الشام

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الله بن عمر بن علي أبو خيثمة من أهل الري وكان أصله أصبهانيا قال حدثنا يحيى بن الضريس قال ثنا عكرمة بن عمار عن هرماس قال كنت ردف أبي فرأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم على بعير وهو يقول لبيك بحجة وعمرة معا

*(حديث الحرث بن عمرو رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا يحيى بن زرارة السهمي قال حدثني أبي عن جدي الحرث بن عمرو أنه لقي رسول الله صلى الله عليه وسلم في حجة الوداع فقلت بأبي أنت يا رسول الله استغفر لي قال تحفر الله لكم قال وهو على ناقته الغضباء قال فاستدبرت به من الشق الآخر أرجو أن يخصني دون القوم فقلت استغفر لي قال غفر الله لكم قال رجل يا رسول الله الفرائع والعقائر قال من شاء فرع ومن شاء لم يفرع ومن شاء عتر ومن شاء لم يعتر في الغنم أضحية ثم قال ألا أن دماءكم وأموالكم عليكم حرام كحرمة يومكم هذا في بلدكم هذا وقال عفان مرة حدثني يحيى بن زرارة السهمي قال حدثني أبي عن جده الحرث

*(حديث سهل بن حنيف رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال حدثنا اسمعيل بن ابراهيم قال أنا محمد بن اسحق قال حدثني سعيد بن عبيد بن السباق عن أبيه عن سهل بن حنيف قال كنت ألقى من المذي شدة فكنت أكثر الاغتسال منه فسألت رسول الله صلى الله عليه وسلم عن ذلك فقال انما يجزئك منه الوضوء فقلت كيف بما يصيب ثوبي فقال يكفيك أن تأخذ كفا من ماء فتصيح بها من ثوبك حيث ترى أنه أصاب **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا سفيان بن عيينة قال حدثنا الأعمش عن أبي وائل قال قال سهل بن حنيف اتهموا رأيكم فلقد رأيتني يوم أبي جندل ولو نستطيع أن نرد أمر رددناه والله لو نعلم أمرا نعتمده غير هذا الأمر يفظعنا الا أسهل بنا الى أمر نعرفه الا هذا الأمر ما سددنا خصما الا انفتح لنا غيره آخر **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يعلى بن عبيد عن عبد العزيز بن سياه عن حبيب بن أبي ثابت قال أتيت أبا وائل في مسجد أهله أسأله عن هؤلاء القوم الذين قتلهم علي بالنهر وان فيما استحيوا له وفيما فارقوه وفيما استحل قتالهم قال كنا بصفين فلما استجر القتال باهل الشام اعتصموا ببتل فقال عمرو بن العاص لمعاوية ابرز الى علي بمصحف وادعه الى كتاب الله فانه لن يأبى عليك فأتاه به رجل فقال بيننا وبينكم كتاب الله أم قرا لي الذين أوتوا نصيبا من الكتاب يدعون الى كتاب الله ليحكم بينهم ثم يتولى فريق منهم وهم معرضون فقال علي نعم أنا أولى بذلك بيننا وبينكم كتاب

في خروجها من بيتها فأمرها زعمت أن تنتقل الى ابن أم مكتوم الاعمى قال ابن جريج وأخبرني ابن شهاب عن عمر وان عائشة أنكرت ذلك على فاطمة (عب) *عن معمر وعن الزهري قال أخبرني عبيد الله بن عبد الله بن عتبة ان عبد الله بن عمر بن عثمان طلق امرأته البتة فارسلت اليها خالتها فاطمة بنت قيس فأمرتها بالانتقال من بيت زوجها فسمع بذلك مروان فأرسل اليها فأمرها أن ترجع الى مسكنها وسألها ما حملها على الانتقال قبل أن تنقضي عدتها فارسلت تخبره ان خالتها فاطمة بنت قيس أفتتها بذلك وأخبرتها ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أفتاها

بالحرج أو قالت بالانتقال حين طلقها أبو عمرو بن حفص المخزومي فأرسل مروان قبيصة بن ذؤيب الى فاطمة بنت قيس يسألها عن ذلك فأخبرته انها كانت تحت أبي عمرو بن حفص المخزومي قالت وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر عليا على بعض اليمن فخرج معه زوجها وبعث اليها بتطليقة كانت بقيت لها وأمر عياش بن أبي ربيعة والحرث بن هشام أن ينفقا عليها فقالا والله ما لها نفقة الا أن تكون حاملا فقالت فأتيت النبي صلى الله عليه وسلم فذكرت (٤٨٦) ذلك له فقال لا نفقة لك الا أن تكوني حاملا واستأذنته في الانتقال فأذن لها فقالت أين

انتقل يا رسول الله قال عند ابن أم مكتوم وكان أعمى تضع ثيابها عنده ولم يبصرها فلم تزل هنالك حتى انقضت عدتها فأنكحها النبي صلى الله عليه وسلم أسامة بن زيد فرجع قبيصة بن ذؤيب الى مروان فأخبره بذلك فقال مروان لم نسمع بهذا الحديث الا من امرأة فناخذ بالعصمة التي وجدنا الناس عليها فقالت فاطمة حين بلغها ذلك بيني وبينكم كتاب الله قال الله تعالى فطلقوهن لعدتهن حتى لا ندري لعل الله يحدث بعد ذلك أمرا قالت فاي أمر يحدث بعد الثلاث وانما هي مراجعة الرجل امرأته فكيف تقولون لا نفقة لها الا اذا كانت حاملا فكيف تحبس امرأة بغير نفقة

(عب) * عن فاطمة بنت قيس قالت قلت يا رسول الله زوجي طلقني ثلاثا وأخاف أن يقتحم علي فآمرها فتحولت ابن النجار * عن جعفر بن محمد عن أبيه أن عليا قال في المبتوتة لا نفقة لها ولا سكنى

(عب) * (فرع) يماثل المتعة بالعدة والاحداد * اعلم أن لها أربعة أشهر وعشرا اذ كانت حرة بالغة على رأس الحول مالك (ق ت ن ه) عن أم سلمة وأطراف

* قد حللت حين وضعت حملك (عب) عن سبيعة * بلغ الكتاب أجله اخطبها الى نفسها (ه) عن الزبير * المتوفى عنها زوجها لا تلبس المعصفر من الثياب ولا المشبعة ولا الحلي ولا تختضب ولا تكتحل (حم ن) عن أم سلمة * لا يحل لامرأة تؤمن بالله واليوم الآخر تحد على ميت فوق ثلاث الا على زوج أربعة أشهر وعشرا فانها لا تكتحل ولا تلبس ثوبا مصبوغا الا ثوب عصب ولا تمس طيبا الا اذا طهرت من محيضها نبذة من

الله قال جماعة الخوارج ونحن ندعوهم يومئذ القراء وسيوفهم على عواتقهم فتالوا يا أمير المؤمنين ما ننظر بهؤلاء القوم الذين على التل ألا نمشي اليهم بسيوفنا حتى يحكم الله بيننا وبينهم فتكلم سهل بن حنيف فقال يا أيها الناس اتهموا أنفسكم فلقد رأيتنا يوم الحديبية يعني الصلح الذي كان بين رسول الله صلى الله عليه وسلم وبين المشركين ولو نرى قتالا لقاتلنا فجاء عمر الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ألسنا على الحق وهم على باطل أليس قتلانا في الجنة وقتلاهم في النار قال بلى قال ففيم نعطي الدنية في ديننا ونرجع ولما يحكم الله بيننا وبينهم فقال يا ابن الخطاب ان رسول الله وان يضيعني أبدا قال فرجع وهو متغيظ فلم يصبر حتى أتى أبا بكر فقال يا أبا بكر ألسنا على حق وهم على باطل أليس قتلانا في الجنة وقتلاهم في النار قال بلى قال ففيم نعطي الدنية في ديننا ونرجع ولما يحكم الله بيننا وبينهم فقال يا ابن الخطاب انه رسول الله صلى الله عليه وسلم وان يضيعه أبدا قال فنزلت سورة الفتح فقال أرسلني رسول الله صلى الله عليه وسلم الى عمر فأقرأها اياه قال يا رسول الله وفتح هو قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال أنبأنا العوام قال حدثني أبو سحق الشيباني عن بسير بن عمرو عن سهيل بن حنيف قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم بليلة قوم قبل المشرق محاقتر رؤوسهم وسئل عن المدينة فقال حرام امنا حرام امنا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال حدثنا حرام بن اسمعيل العامري عن أبي اسحق الشيباني عن بسير ابن عمرو قال دخلت على سهل بن حنيف فقلت حدثني ما سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال في الحرورية قال أحدثك ما سمعت لا أزيدك عليه سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يذكر قوما يخرجون من ضيضاء هذا أشار بيده نحو العراق يقرؤن القرآن لا يجاوز حناجرهم يمرقون من الدين كما يمرق السهم من الرمية قلت هل ذكر لهم علامة قال حدثنا ما سمعت لا أزيدك عليه **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يونس بن محمد وعفان قالا ثنا عبد الواحد يعني ابن زياد قال ثنا عثمان بن حكيم قال حدثني جدتي الربيع وقال يونس في حديثه قالت سمعت سهل بن حنيف يقول مرونا بسيل فدخلت فاغتسلت منه فخرجت محموما فنمي ذلك الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال مروا أبا ثابت يتعوذ قلت يا سيدي والرقى صالحة قال لا رقية الا في نفس أو حمة أو دلغة قال عفان الحمة السم والدلغة الحمة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى قال ثنا مالك عن أبي النضر عن عبيد الله بن عبد الله انه دخل على أبي طلحة الانصاري يعوده قال فوجد عنده سهل بن حنيف قال فدعا أبو طلحة انسانا فقرع عنه الحتمة فقال له سهل بن حنيف لم تنزعه قال لان عينه تصاب ورقد قال فمر رسول الله صلى الله عليه وسلم ما عندك قال سهل أو لم يقل الا ما كان رقيا في ثوب قال بلى ولكنه أطيب لنفسي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسين بن محمد قالا ثنا أبو أويس ثنا الزهري عن أبي امامة بن سهل بن حنيف أن أباه حدثه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم خرج وسار وامعه نحو مكة حتى اذا كانوا بشعب الخرار من الجحفة اغتسل سهل بن حنيف وكان رجلا أبيض حسن الجسم والجلد فنظر اليه عامر بن ربيعة أخو بني عدي بن كعب وهو يغتسل فقال ما رأيت كاليوم ولا جلد مخبأة فلبط سهل فأتى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقيل له يا رسول الله هل لك في سهل والله ما يرفع رأسه وما يفيق قال هل تتهمون فيه من أحد قالوا نظر اليه عامر بن ربيعة فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم عامرا فتغيظ عليه وقال علام يقتل أحدكم أخاه هلا اذا رأيت ما يعجبك بركت ثم قال له اغتسل له فغسل وجهه ويديه ومرفقيه وركبتيه

شط أو أطفار (حم دن ه) عن أم علية * اخرجي فجذي نخلك لعلك أن تصدقي فيه أو تفعلي خيرا (د ن ه ك) عن جابر * امرأة المفقود امرأته حتى يأتي البيان (قط هق) عن المغيرة * (الاكمال) * نسخت سورة النساء القصرى كل عدة وأولات الاحمال أجلهن أن يضعن حملهن (ك) في تفسير عن ابن مسعود * ان تفعل فقد حل أجلها (ت ه طب) عن الاسود عن أبي السنابل بن بعكك قال وضعت سبيعة بعد وفاة زوجها بثلاثة وعشرين يوما فلما تعلت تشوفت للنكاح فقال النبي صلى الله عليه

واطراف رجليه ودخلة ازاره في قدح ثم صب ذلك الماء عليه يصبه رجل على رأسه وظهره من خلفه ثم يكفئ القدح وراءه ففعل به ذلك فراح سهل مع الناس ليس به بأس * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا اسحق بن عيسى حدثني مجمع بن يعقوب الانصاري بقباء قال حدثني محمد بن الكرماني قال سمعت أبا امامة بن سهل بن حنيف يقول قال أبي قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من خرج حتى يأتي هذا المسجد يعني مسجد قباء فيصلي فيه كان كعدل عمرة * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد قال أنا مجمع بن يعقوب الانصاري عن محمد بن سليمان الكرماني قال سمعت أبا امامة بن سهل بن حنيف فذكر مثله * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا علي بن بحر قال ثنا حاتم يعني ابن اسمعيل ثنا محمد بن سليمان الكرماني فذكر معناه * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا روح وعبد الرزاق قال أنا ابن جريج قال حدثني عبد الكريم بن أبي المخارق ان الوليد بن مالك بن عبد القيس أخبره وقال عبد الرزاق من عبد القيس ان محمد بن قيس مولى سهل بن حنيف من بني ساعدة أخبره ان سهلا أخبره ان النبي صلى الله عليه وسلم بعثه قال أنت رسولي الى أهل مكة قل ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أرسلني يقرأ عليكم السلام ويأمركم بثلاث لا تخلفوا بغير الله وإذا تخليتم فلا تستقبلوا القبلة ولا تستدبروها ولا تستنجوا بعظم ولا ببعرة * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال حدثنا حسن بن موسى قال ثنا ابن لهيعة قال ثنا موسى بن جبير عن أبي امامة بن سهل بن حنيف عن أبيه عن النبي صلى الله عليه وسلم أنه قال من أذل عنده مؤمن فلم ينصره وهو قادر على ان ينصره أذله الله عز وجل على رؤس الخلائق يوم القيامة * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا زكريا بن عدي قال أنا عبيد الله بن عمرو عن عبد الله بن محمد بن عقيل عن عبد الله بن سهل بن حنيف عن أبيه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أعان مجاهدا في سبيل الله أو غازيا في عسرته أو مكاتبا في رقبته أظله الله في ظله يوم لا ظل الا ظله * حدثنا عبد الله حدثني أبي قال حدثنا يحيى بن بكير قال ثنا زهير بن محمد قال ثنا عبد الله بن محمد بن عقيل عن عبد الله بن سهل بن حنيف ان سهلا حدثه أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال من أعان مجاهدا في سبيل الله أو غازيا في عسرته أو مكاتبا في رقبته أظله الله في ظله يوم لا ظل الا ظله

* (حديث رجل يسمى طلحة وليس هو بطلحة بن عبيد الله رضي الله تعالى عنه) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا عبد الصمد بن عبد الوارث قال حدثني أبي ثنا أبو داود يعني ابن أبي هند عن أبي حرب ان طلحة حدثه وكان من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتيت المدينة وليس لي بها معرفة فمرت في الصفة مع رجل فبكى بيني وبينه كل يوم مد من تمر فصلى رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم فلما انصرف قال يا رجل من أصحاب الصفة فارسول الله أحرق بطوننا التمر وتخرقت عنا الخف فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم فخطب ثم قال والله لو وجدت خبزا أو لحما لاطعمتكموه أما انكم ترشكون ان تدركوا ومن أدرك ذلك منكم ان راح عليكم بالجفنين وتلبسون مثل استار الكعبة قال فمكثت أنا وصاحبي ثمانية عشر يوما وليلة ما لنا طعام الا البرير حتى بعثنا الى اخوالنا من الانصار فواسونا وكان خير ما أصبنا هذا التمر

* (حديث نعيم بن مسعود رضي الله تعالى عنه) *

* حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا اسحق بن ابراهيم الرازي قال ثنا سلمة بن الفضل الانصاري قال ثنا محمد ابن اسحق قال حدثني سعد بن طارق الاشجعي وهو أبو مالك عن سلمة بن نعيم بن مسعود الاشجعي عن أبيه

الاسلمية توفي عنها زوجها وهي حبلى فلم تمكث الا ليالي حتى وضعت فلما تنقت تجملت فاستاذنت رسول الله صلى الله عليه وسلم في النكاح حين وضعت فاذن لها فنكحت (عب ش) وعبد بن حميد * عن ابن شهاب قال عند ذكر بريعة ثلاث حيضات (عب) * عن علي قال عدة أم الولد أربعة أشهر وعشر قال وكيع يعني اذا مات عنها زوجها (هق) وضعفه * عن الشعبي أن عليا أتي في امرأة طلقها زوجها وزعمت أنها حاضت في شهر ثلاثا فقال علي للشريح قل فيها قال أقول وأنت شاهد قال عزمت عليك قال ان جاءت بشهود من بطانة أهلها ممن ترضى

ولا نعرف للاسود سماعا من أبي السنابل وسمعت محمدا يقول لا أعرف ان أبا السنابل عاش بعد النبي صلى الله عليه وسلم * تمكثي في بيتك حتى يبلغ الكتاب أجله (ت) حسن صحيح (ن ه ك) عن الفريعة بنت مالك أخت أبي سعيد * تسابي ثلاثة أيام ثم اصنعي ما شئت (حم) ما لم تنبع (هق) عن أسماء بنت عميس * (الافعال) * عن ابن عباس في قصة بروع بنت واشق أما بكر حدثنا ان رسول الله صلى الله عليه وسلم جعل عليها عدة الحر (هق) * عن نافع قال سئل ابن عمر عن عدة أم الولد فقال حيضة فقال رجل ان عثمان يقول ثلاثة قروء فقال عثمان خيرنا وأعلمنا (هق كر) * عن جابر قال طلقت خالتي فاردت أن تجد نخلها فزجرها رجل أن تخرج فاتت النبي صلى الله عليه وسلم فقال بل جدي نخلك فانك عسى أن تصدقي أو تفعلي معروفا (ع) * عن المسور بن مخرمة أن سبيعة

أمانهن ودينهن فشهدن انها حاضت ثلاث حيض تطهرت وصلى فقد حلت فقال علي قالون قالوا بالرومية جيد (ص) والدارمي (هق كر)
*عن أبي سلمة بن عبد الرحمن قال بينا أنا وأبو هريرة عند ابن عباس اذ جاءته امرأة فقالت توفي زوجي وهي حامل فذكرت انها وضعت لادنى من أربعة أشهر من يوم مات عنها فقال ابن عباس أنت لآخر الاجلين قال أبو سلمة ان عندي علما فقال ابن عباس علي المرأة فقال أبو سلمة أخبرني رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم (٤٨٨) ان سبيعة الاسلمية جاءت النبي صلى الله عليه وسلم فقالت توفي عنها زوجها فوضعت

نعيم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول حين قرأ كتاب مسيلمة الكذاب قال للرسولين فما تقولان أنتما قالا نقول كما قال فقال لولا رسول الله صلى الله عليه وسلم والله لولا أن الرسل لا تقتل لضربت أعناقكما

*(حديث سويد بن النعمان رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد عن يحيى بن سعيد الانصاري قال حدثني بشير بن يسار عن سويد بن النعمان أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نزل بالصهباء عام خيبر فلما صلى العصر دعا بالاطعمة فلم يؤت الا بسويق قال فلاكه يعني أكله منه فلما كانت المغرب تمضمض ومضمضنا معه.

*(حديث الاقرع بن حابس رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا عثمان ثنا وهيب قال حدثني موسى بن عقبة قال حدثني أبو سلمة بن عبد الرحمن عن الاقرع بن حابس أنه نادى رسول الله صلى الله عليه وسلم من وراء الحجرات فقال يا رسول الله فلم يجبه رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ألا ان حمدي زين وان ذمي شين فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم كاذبك أبو سلمة ذاك الله عز وجل

*(حديث رباح بن الربيع رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا أبو عامر عبد الملك بن عمرو قال ثنا المغيرة يعني ابن عبد الرحمن عن أبي الزناد قال حدثني المرقع بن صيفي عن جده رباح بن الربيع أخي حنظلة الكاتب انه أخبره ان خرج مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة غزاها وعلى مقدمته خالد بن الوليد فمر رباح وأصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم على امرأة مقتولة فيما أصابت المقدمة منه فوقفوا ينظرون اليها ويتعجبون من خلقها حتى لحقهم رسول الله صلى الله عليه وسلم حين راحلته فمر رأيتها فوقف عليها رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال ما كانت هذه لتقاتل فقال لاحدهم الحق خالدا فقل له لا تقتلوا ذرية ولا عسيفا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا ابراهيم بن أبي العباس قال ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن أبي الزناد قال أخبرني المرقع بن صيفي بن رباح أن رباحا جده ابن الربيع أخبره انه كان مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا حسين بن محمد قال ثنا ابن أبي الزناد عن أبيه عن المرقع بن صيفي بن رباح أخي حنظلة الكاتب قال أخبرني جدي انه خرج مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر الحديث قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال انا ابن جريج قال أخبرت عن أبي الزناد قال أخبرني مرقع بن صيفي التميمي شهد على جده رباح بن ربيع الحنظلي الكاتب انه أخبره انه خرج مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في غزوة فذكر مثل حديث ابن أبي الزناد

*(حديث أبي مويهبة مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا أبو النضر حدثنا الحكم بن فضيل ثنا يعلى بن عطاء عن عبيد بن جبير عن أبي مويهبة مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم أن يصلي على أهل البقيع فصلى عليهم رسول الله صلى الله عليه وسلم ليلة ثلاث مرات فلما كانت ليلة الثانية قال يا أبا مويهبة أسرج لي دابتي قال فركب ومشيت حتى انتهى اليهم فنزل عن دابته وأمسكت الدابة ووقف عليهم أو قال قام عليهم فقال ليهنكم ما أنتم فيه مما فيه الناس أتت الفتن كقطع الليل يركب بعضها بعضا الآخرة أشد من الاولى فليهنكم ما أنتم فيه ثم رجع فقال يا أبا مويهبة اني أعطيت أو قال خيرت مفاتيح ما يفتح على أمتي من

---

فاخبرته بادنى من أربعة أشهر من يوم مات فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما سبيعة اربعي بنفسك قال أبو هريرة وأنا أشهد على ذلك فقال ابن عباس للمرأة أسمعي ما تسمعين (عب) *عن ابن جريج قال حدثني من أصدق أن سبيعة سألت النبي صلى الله عليه وسلم بعد ما وضعت بخمس عشرة (عب) *عن ابن عباس قال ان طلقها وفي بطنها توأمان فوضعت احداهما والجهاز وبعلها ما لم تضع الآخر (عب) *عن ابن عباس وجابر قالا لا نفقة للمتوفى عنها الحامل وحسبها الميراث (عب) *عن عطاء قال كان ابن عباس يأمر المتوفى عنها باعتزال الطيب (عب) *عن ابن عمر قال لا تنتقل المبتوتة والمتوفى عنها من بيت زوجها حتى يحل أجلها (عب) *عن ابن عمر قال لا يصلح أن تبيت ليلة اذا كان عدة وفاة وطلاق الا في بيتها (عب) *عن ابن عمر قال لا تبيت المتوفى عنها عن بيتها ولا تطيب ولا تختضب ولا تكتحل ولا تلبس طيبا ولا ثوبا مصبوغا الا ثوب عصب تجلبب (عب) *عن أبي حنيفة عن حماد عن ابراهيم قال اذا توفي الرجل وأمر أنه حامل فاجلها أن تضع حملها وذكر أن سبيعة ولدت بعد وفاة زوجها بعشرين أو قال بسبع عشرة ليلة فأمرها النبي صلى الله عليه وسلم أن تنكح (عب) *عن عكرمة مولى ابن عباس ان سبيعة الاسلمية وضعت بعد وفاة زوجها بخمس وأربعين فاتت النبي صلى الله عليه وسلم فامرها أن تنكح (عب) *عن علي في الحامل اذا وضعت بعد وفاة زوجها قال تعتد أربعة أشهر وعشرا (ش) وعبيد بن حميد * عن

مغيرة قال قلت للشعبي ما أصدق ان علي بن أبي طالب كان يقول عدة المتوفى عنها زوجها آخر الأجلين قال بلى فصدق به كائنا ما صدقت بشيء كان علي يقول أنما قوله وأولات الاحمال أجلهن أن يضعن حملهن في المطلقة ابن المنذر * عن يوسف بن ماهك عن أمه مسيلة ان امرأة منا توفي عنها زوجها ارت أهلها في عدتها والطلق فاتوا عثمان فيما لوه فقال احلوها الى بيتها وهي تمالق (عب) * عن محمد بن عبد الرحمن ابن عمر وزيد بن ثابت استفتيا في امرأة توفي عنها زوجها وبها حاجة شديدة فرخصا (٤٨٦) لها أن تأتي أهلها فتصيب من طعامهم ثم ترجع إلى بيتها في بقية من ضوء النهار ابن حوصا في مسنده الاوزاعي * عن ابن جريج قال أخبرني عبد الكريم بن أبي المخارق ان امرأة أتت بها الى عمر بن الخطاب فقالت اني وضعت بعد وفاة زوجي قبل انقضاء العدة فقال عمر أنت لآخر الاجلين فرت بابي بن كعب فقال لها من أين جئت فذكرت له وأخبرته بما قال عمر فقال اذهبي الى عمر وقولي له ان أبي بن كعب يقول قد حللت فان التمسي فانا ههنا فذهبت الى عمر فاخبرته فقال ادعيه فجاءه فانصرف معها اليه فقال له عمر ما تقول هذه فقال أبي أنا قلت لرسول الله صلى الله عليه وسلم انما أسمع الله يذكر وأولات الاحمال أجلهن أن يضعن حملهن فالحامل المتوفى عنها زوجها أن تضع حملها فقال لي النبي صلى الله عليه وسلم نعم فقال عمر للمرأة اسمع ما تقول (عب) * عن أيوب ان عمر ابن الخطاب لم يأذن للمتوفى عنها أن تبيت عند أبيها الا ليلة واحدة وهو في الموت (عب) * عن يحيى بن سعيد

بعدي والجنة أو لقاءه بي فقلت بابي وأمي يا رسول الله فاخبرني قال لا بل ترد علي عقبها ما شاء الله فاختارت لقاء ربي عز وجل فمكثت بعد ذلك الا سبعا أو ثمانيا حتى قبض صلى الله عليه وسلم وقال أبو البصر مرة ترد علي عقبها قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال حدثنا يعقوب قال ثنا أبي قال سمعت محمد بن اسحق قال حدثني عبيد الله بن عمر العبلي قال حدثني عبيد بن جبير مولى الحكم بن أبي العاص عن عبد الله بن عمرو عن أبي موهبة مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال بعثني رسول الله صلى الله عليه وسلم من جوف الليل فقال يا أبا موهبة اني قد أمرت ان استغفر لاهل البقيع فانطلق معي فانطلقت معه فلما وقف بين أظهرهم قال السلام عليكم يا أهل المقابر ليهن لكم ما أصبحتم فيه مما أصبح فيه الناس لو تعلمون ما نجاكم الله منه أقبلت الفتن كقطع الليل المظلم يتبع أولها آخرها الآخرة شر من الاولى قال ثم أقبل علي فقال يا أبا موهبة اني قد أوتيت مفاتيح خزائن الدنيا والخلد فيها ثم الجنة وخيرت بين ذلك وبين لقاء ربي عز وجل والجنة قال قلت بابي وأمي خذ مفاتيح الدنيا والخلد فيها ثم الجنة قال لا والله يا أبا موهبة لقد اخترت لقاء ربي والجنة ثم استغفر لاهل البقيع ثم انصرف فبدئ رسول الله صلى الله عليه وسلم في وجعه الذي قبضه الله عز وجل فيه حين أصبح

* (حديث راشد بن حبيش رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال حدثنا محمد بن بكر قال ثنا سعيد يعني أبا عروبة عن قتادة عن مسلم بن يسار عن أبي الاشعث الصنعاني عن راشد بن حبيش ان رسول الله صلى الله عليه وسلم دخل على عباده بن الصامت يعوده في مرضه فقال لرسول الله صلى الله عليه وسلم أتعلمون من الشهداء من أمتي فارم القوم فقال عبادة سادوني فاسندوه فقال يا رسول الله الصابر المحتسب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان شهداء أمتي اذا لقليل القتل في سبيل الله عز وجل شهادة والطاعون شهادة والغرق شهادة والبطن شهادة والنفساء يجرها ولدها بسرره الى الجنة قال وزاد فيها أبو العوام سادن بيت المقدس والحرق والسيل **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الصمد ثنا همام ثنا قتادة عن صاحب له عن راشد بن حبيش عن عبادة بن الصامت ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أتاه يعوده في مرضه فذكر الحديث

* (حديث أبي جحبة البدري عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال ثنا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن عمار بن أبي عمار عن أبي جحبة البدري قال لما نزلت لم يكن قال جبريل عليه السلام يا محمد ان ربك يأمرك ان تقرئ هذه السورة أبي بن كعب فقال النبي صلى الله عليه وسلم يا أبي ان ربي عز وجل أمرني ان أقرئك هذه السورة فبكى وقال ذكرت ثمة قال نعم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عثمان ثنا حماد بن سلمة أنا علي بن زيد عن عمار بن أبي عمار قال سمعت أبا جحبة البدري قال لما نزلت لم يكن الذين كفروا من أهل الكتاب الى آخرها قال جبريل عليه السلام يا رسول الله ان ربك يأمرك ان تقرئها أبيا فقال النبي صلى الله عليه وسلم لابي انه جبريل أمرني ان أقرئك هذه السورة قال أبي وقد ذكرت ثم يا رسول الله قال نعم قال فبكى أبي

* (حديث أبي عمير رضي الله تعالى عنه) *

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن آدم ثنا معروف يعني ابن واصل قال حدثتني حفصة ابنة طلق امرأة من الحي سلمة تسعين عن أبي عمير قال كنا جلوسا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما فجاء رجل يطبق عليه



* عن عمر قال لو وضعت المتوفى عنها زوجها ذا بطنها وهو على السرير لم يدفن حلت مالك والشافعي (ش هق) * عن سعيد بن المسيب ان عمر بن الخطاب كان يرد المتوفى عنهن أزواجهن من البيداء يمنعهن الحج مالك (عب هق) * عن علي قال أمر المتوفى عنها زوجها أن تعتد في غير بيتها ان شاءت (كنا) وابن الجوزي في الواهيات وفيه ضعفاء * عن جابر قال تعتد المتوفى عنها حيث شاءت (عب) * عن ابن عباس قال

المتوفى عنها لا تلبس ثوبا مصبوغا ولا تكتحل ولا تلبس الحلي ولا تختضب ولا تلبس المعصفر (عب) * عن أم سلمة قالت المتوفى عنها زوجها لا تلبس من الثياب المصبغة شيأ ولا تكتحل ولا تلبس جليا ولا تختضب ولا تطيب (عب) * عن أم سلمة قالت جاءت امرأة رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله ان ابنتي توفي زوجها وقد اشتكت عينها أفنكحلها قال لا مرتين أو ثلاثا كل ذلك يقول لا ثم قال انما هي أربعة أشهر وعشر وقد كانت احداكن (٤٩٠) ترمي بالبعرة على رأس الحول (عب) * عن ابن سيرين ان أم سلمة سئلت عن الاثمد للمتوفى عنها فقالوا انها تعود انها تشتكي عينها فقالت لا وان فقئت عيناها (عب) * عن أم عطية قالت أمرنا أن لا نلبس في الاحداد الثياب المصبغة الا العصب وأمرنا أن لا نحد على ميت فوق ثلاثة الا الزوج وأمرنا أن لا نمس طيبا الا أدناه الطهرة الكست والاظفار (عب) * عن أم عطية قالت نهيت المتوفى عنها زوجها عن الطيب والزينة (عب) * عن ابن جريج عن عبد الله بن كثير قال مجاهد استشهد رجال يوم أحد فآم نساؤهم وكن متحاورات بفناء النبي صلى الله عليه وسلم فقلن انا نستوحش يا رسول الله بالليل فنبيت عند احدانا حتى اذا أصبحنا تبددنا في بيوتنا فقال النبي صلى الله عليه وسلم تحدثن عند احداكن ما بدا لكن حتى اذا أردتن النوم فلتؤب كل امرأة الى بيتها (عب) * عن الشعبي ان عليا كان يرحل المتوفى عنها لينتظر بها الشافعي (هق) * عن الشعبي قال نقل على أم كلثوم بعد قتل عمر لسبع ليال لانها كانت في دار الامارة

تمر فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ما هذا أصدقة أم هدية قال صدقة قال فقدمه الى القوم وتحسن صلوات الله عليه ورسلامه يتعفر بين يديه فاخذ الصبي تمرة فجعلها في فيه فادخل النبي صلى الله عليه وسلم أصبعه في فم الصبي فنزع التمرة فقذف بها ثم قال انا آل محمد لا تحل لنا الصدقة فقلت لمعروف أبو عبيد حدثك جدك أبي قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حسن بن موسى قال ثنا معروف عن محفوظة بنت طلق عن أبي عميرة أسيد بن مالك جد معروف قال كنا جلوسا عند رسول الله صلى الله عليه وسلم فذكر مثله

* (حديث واثلة بن الاسقع من المشاهير رضي الله تعالى عنه) *

**حدثني** عبد الله حدثني أبي قال ثنا ابراهيم بن أبي العباس قال حدثني محمد بن حوب الحولاني قال حدثني عمر بن روبة التغلبي عن عبد الواحد بن عبد الله النصري عن واثلة بن الاسقع الليثي قال قلنا رسول الله صلى الله عليه وسلم المرأة تحوز ثلاث مواريث عتيقها ولقيطها وولدها الذي لاعنت عليه قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا هيثم بن خارجة قال أنا أبو عبد الملك الحسن بن يحيى الخشني عن شعيب بن خيان قال جاء واثلة ابن الاسقع ونحن نبني مسجدنا قال فوقف علينا فسلم ثم قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من بنى مسجدا يصلي فيه بنى الله عز وجل له في الجنة أفضل منه قال أبو عبد الرحمن وقد سمعته من هيثم بن خارجة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا عتاب قال ثنا عبد الله بن المبارك قال أنا ابن لهيعة قال حدثني يزيد يعني ابن حبيب أن ربيعة بن يزيد الدمشقي أخبره عن واثلة يعني ابن الاسقع قال كنت من أهل الصفة فدعا رسول الله صلى الله عليه وسلم يوما بقرص فكسره في القصعة وصنع فيها ماء ثم صنع فيها ماء وكان سفيفها ثم لبقها ثم قال اذهب فادع لي عشرة أنت عاشرهم فجئت بهم فقال كلوا وكلوا من أسفلها ولا تأكلوا من أعلاها فان البركة تنزل من فوقها فاكلوا منها حتى شبعوا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا اسمعيل قال ثنا ليث عن أبي بردة عن أبي بحرية عن أسامة عن واثلة بن الاسقع قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أمرت بالسواك حتى خشيت أن يكتب علي **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي قال ثنا معاوية بن صالح عن ربيعة بن يزيد قال سمعت واثلة بن الاسقع يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أعظم الفرى ثلاثة ان يفتري الرجل على عينه ما قد رأت ولم تر وان يفتري على والديه فيدعي الى غير أبيه أو يقول سمعني ولم يسمع مني **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا هشيم قال حدثنا أبو فضالة الفرج قال ثنا أبو سعد قال رأيت واثلة بن الاسقع يصلي في مسجد دمشق فبزق تحت رجله اليسرى ثم عركها برجله فلما انصرف قلت أنت من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم تبزق في المسجد قال هكذا رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يفعل قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر هاشم قال أنا ابن علاثة قال ثنا ابراهيم بن أبي عبلة عن واثلة بن الاسقع قال جاء نفر من بني سليم الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالوا يا رسول الله ان صاحبا لنا قد أوجب فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم ليعتق رقبة مثله يفك الله عز وجل بكل عضو منها عضوا منه من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا بقية بن الوليد الحمصي عن أبي سلمة الحمصي قال ثنا عمر بن روبة التغلبي قال ثنا عبد الواحد بن عبد الله النصري عن واثلة بن الاسقع قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم المرأة تحوز ثلاث مواريث عتيقها ولقيطها وولدها الذي لاعن عليه قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق قال ثنا ضمرة بن ربيعة عن

---

ابراهيم

من جميع المال للعامل المتوفى عنها (عب) * عن ابن المسيب ان عمر وعثمان قضيا في المفقود ان امرأته تتربص أربع سنين وأربعة أشهر وعشرا بعد ذلك ثم تزوج فان جاء زوجها الاول خير بين الصداق وبين امرأته مالك الشافعي (عب ش) وأبو عبيد (هق) * عن الزهري عن سعيد بن المسيب عن عمر في امرأة المفقود قال ان جاء زوجها وقد تزوجت بين امرأته وبين صداقها فان اختار الصداق كانت له على زوجها

الآخر وان اختار امرأته اعتدت حتى تحل ثم ترجع الى زوجها الاول وكان لها على زوجها الآخر مهرها بما استحل من فرجها قال الزهري قضى بذلك عثمان بعد عمر (هق) *عن مسروق قال لولا ان عمر خير المفقود بين امرأته والصداق لرأيت انه أحق بها اذا جاء الشافعي (هق) * عن ابن شهاب ان عمر وعثمان قضيا في ميراث المفقود ان ميراثه يقسم بين ورثته يوم تمضي الاربع سنين على امرأته وتستقبل عدتها أربعة أشهر وعشرا (عب) *عن معمر عن رجل من دينار وان عمر أمر ولي المغيب عنها أن يطلقها (عب) *عن (ما ٤٧٦) عبد الكريم قال عمر اذا تزوجت امرأة المفقود وجاء زوجها فوجدها قد ماتت فميراثها قال يقول ما قال عمر يستحلف بالله ان ذلك كان مختارا لو وجدها حبسة اياها أو صداقها (عب) *عن عبد الرحمن بن أبي ليلى قال فقدت امرأة زوجها فمكثت أربع سنين ثم ذكرت أمرها لعمر بن الخطاب فأمرها أن تتربص أربع سنين من حين رفعت أمرها اليه فان جاء زوجها والا تزوجت فتزوجت بعد ان مضت السنوات الاربع ولم يسمع له بذكر ثم جاء زوجها بعد ذلك فبينما هو على بابه يستفتح قال بل ان امرأتك تزوجت بعدك فسأل عن ذلك فأخبر خبر امرأته فأتى عمر بن الخطاب فقال اعدتني على من غصبني على أهلي اذا لحال بيني وبينهم فجمع عمر لذلك وقال من هذا قال أنت يا أمير المؤمنين قال وكيف قال ذهب بي الجن فمكثت في الارض فجئت وقد تزوجت امرأتي فزعموا انك أمرتها بذلك فقال عمر ان شئت رددنا اليك امرأتك وان شئت زوجناك غيرها قال بل زوجني غيرها فجعل عمر يسأله عن الجن وهو يخبره (عب) *عن مجاهد عن الفقيد الذي فقد قال دخلت الشعب فاستهوتني الجن فمكثت امرأتي أربع سنين ثم أتت عمر فأمرها أن تتربص أربع سنين من حين رفعت أمرها اليه ثم دعا وليه وطلق ثم أمرها أن تعتد أربعة أشهر وعشرا قال ثم جئت بعد ما تزوجت فخيرني عمر بينها وبين الصداق الذي أصدقتها (عب) *عن عبد الرحمن بن أبي ليلى انه جلا من الانصار فخرج الى مسجد قوم يشهد العشاء فاستطير فجاءت امرأته الى عمر فذكرت ذلك له فدعا قومه فسألهم عن ذلك فصدقوها فأمرها أن

ابراهيم عن أبي عبد الله الغريف الديلمي قال أتينا واثلة بن الاسقع الليثي فقلنا حدثنا بحديث سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم قال أتينا النبي صلى الله عليه وسلم في صاحب لنا قد أوجب فقلنا اعتقوه عنه يعتقه الله عز وجل بكل عضو منه عضوا منه من النار **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا أبو جعفر يعني الرازي عن يزيد بن أبي مالك قال ثنا أبو سباع قال اشتريت فاقة من دار واثلة بن الاسقع فلما خرجت بها الدرك واثلة وهو يجر رداءه فقال يا عبد الله اشتريت قلت نعم قال هل بين لك ما فيها قلت وما فيها قال انها لسمينة ظاهرة الصحة فقال أردت بها سفرا أم أردت بها الحمالات بل أردت عليها البيع قال فان بعضها انقطع قال فقال صاحبها أصلحك الله أي هذا أفسد علي قال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا يحل لاحد يبيع شيأ الا بين ما فيه ولا يحل ان يكتم ذلك الذي بعينه قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا شيبان عن ليث عن أبي مودة بن أبي مودة عن أبي بلج بن اسامة عن واثلة بن الاسقع قال شهدت رسول الله صلى الله عليه وسلم ذات يوم وأتاه رجل فقال يا رسول الله اني أصبت حدا من حدود الله عز وجل فاقم في حد الله فاعرض ثم أتاه الثانية فاعرض عنه ثم قالها الثالثة فاعرض عنه ثم أقيمت الصلاة فلما قضى الصلاة أتاه الرابعة فقال اني أصبت حدا من حدود الله عز وجل فاقم في حد الله عز وجل قال فدعاه فقال ألم تحسن الطهور أو الوضوء ثم شهدت الصلاة معنا آنفا قال بلى قال اذهب فهي كفارتك قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا زيد بن الحباب قال ثنا معاوية بن صالح قال حدثني ربيعة بن يزيد الدمشقي قال سمعت واثلة بن الاسقع يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول ان أعظم الفرية يوم القيامة ثلاث ان ينتمي الرجل الى غير أبيه وقد رآه يقول رأيت ولم يرو ان يفتري على والديه يدعي الى غير أبيهما وان يقول في منامه ما لم يسمع ولم يسمع قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم قال حدثني الوليد بن سليمان يعني ابن أبي السائب قال حدثني حبان أبو النضر قال دخلت مع واثلة بن الاسقع على أبي الاسود الجرشي في مرضه الذي مات فيه فسلم عليه وجلس قال فأخذ أبو الاسود يمين واثلة فمسح بها على عينيه ووجهه ثم بايعه بيعة فسمعها رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال له واثلة واحدة أسألك عنها قال وما هي قال كيف ظنك بربك قال فقال أبو الاسود وأشار برأسه أي حسن قال واثلة ابشر اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول قال الله عز وجل أنا عند ظن عبدي بي فليظن بي ما شاء **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الوليد بن مسلم قال حدثني سعيد بن عبد العزيز وهشام بن الغاز انهما سمعا من حبان أبي النضر يحدث به ولا يأتيان على حفظ الوليد من سليمان قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا علي ابن بحر قال ثنا الوليد بن مسلم قال ثنا مروان بن جناح عن يونس بن ميسرة بن حلبس عن واثلة بن الاسقع انه سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول الا ان فلان بن فلان في ذمتك وحبل جوارك فقه فتنة القبر وعذاب النار أنت أهل الوفاء والحق اللهم فاغفر له وارحمه فانك أنت الغفور الرحيم قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا الحكم بن نافع قال ثنا اسمعيل بن عياش عن أبي شيبة يحيى بن يزيد عن عبد الوهاب المكي عن عبد الواحد ابن عبد الله النصري عن واثلة بن الاسقع قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول المسلم على المسلم حرام دمه وعرضه وماله المسلم أخو المسلم لا يظلمه ولا يخذله والتقوى ههنا وأومأ بيده الى القلب قال وحسب امرئ من الشر ان يحقر أخاه المسلم

*(حديث ربيعة بن عباد الديلي رضي الله تعالى عنه)*

تربص أربعة عشر ثم أتته بعد انقضائها وأمرها فتزوجت ثم قدم زوجها فصاح بعمر فقال امرأتي لا طلقت ولا مت قال من ذا قال الرجل الذي أمره كذا وكذا فخيره بين امرأته وبين المهر وسأله فقال ذهبت بي حتى من الجن كفار فكنت فيهم قال فبما كان طعامك فيهم قال مالم يذكر اسم الله عليه ٧ والقول حتى غزاهم حتى هزموهم فهزموهم فاصابوني في السبي فقلت لهم ما دينكم قالوا ديننا أنت على ديننا ان شئت مكثت عندنا وان شئت رددناك الى قومك قلت (٤٩٢) ردوني الى قومي فيعتقوا معي نفرا منهم أما الليل فيحدثوني وأحدثهم وأما النهار فاثار الريح أتبعها حتى وردت عليكم قال ابن جريج وأما أبو فروعة فسمعته يقول ان عمر سأله أين كنت فقال ذهب بي جن كفار فلم يزالوا يدورون بي في الارض حتى وقعت على أهل بيت فيهم مسلمون فاخذوني فردوني قال ماذا يشاركونا فيه من طعامنا قال فيما يذكر اسم الله عليه مقرا وفيما لا فقط قال عمر اذا استطعت أن لا تسقط مني شيئا (عب هق) * عن عمر قال تتربص امرأة المفقود أربع سنين (عب هق) عن الحكم بن عتبة ان عليا قال في امرأة المفقود وهي امرأة ابتليت فلتصبر حتى يأتيها موت أو طلاق قال ابن جريج بلغني ان ابن مسعود وافق عليا على انها تنتظره أبدا (عب) * عن عمر قال عدة الامة ان لم تحض شهر ان كعدتها ان حاضت حيضتين (هق) * عن عمرو بن أوس الثقفي انه سمع عمر بن الخطاب يقول لو استطعت أن أجعل عدة الامة حيضة ونصفا لفعلت فقال له رجل فاجعلها شهرا ونصفا فسكت عمر الشافعي (عب ص هق) * عن علي قال عدة السرية ثلاث حيض (عب ص) (فرع في الاستبراء وما يتعلق به) * استبرؤهن بحيضة يعني عمه السبايا ابن عساكر عن أبي سعيد * لا توطأ حامل حتى تضع ولا غير ذات حمل حتى تحيض (حم د ك) عن أبي سعيد * من كان يؤمن بالله واليوم الآخر فلا يسقي ماءه ولده غيره (ت) عن رويفع * ليس منا من وطئ حبلى (طب) عن ابن عباس * (الاكمال) * لقد هممت أن ألعنه لعنا يدخل معه قبره كيف يورثه وهو لا يحل له كيف يستخدمه وهو لا يحل له وهو يغذوه في سمعه وبصره (حم م د طب) عن أبي الدرداء ان

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مصعب بن عبد الله الزبيري قال حدثني عبد العزيز بن محمد بن أبي عبيد عن ابن أبي ذئب عن سعيد بن خالد القرظي عن ربيعة بن عباد الديلي انه قال رأيت أبا لهب بعكاظ وهو يتبع رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يقول يا أيها الناس ان هذا قد غوى فلا يغوينكم عن آلهة آبائكم ورسول الله صلى الله عليه وسلم يقرمنه وهو على اثره ونحن نتبعه ونحن غلمان كافي أنظر اليه أحول ذا غديرتين أبيض الناس وأجلهم حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بشار بندار قال ثنا عبد الوهاب قال ثنا محمد بن عمرو عن محمد بن المنكدر عن ربيعة بن عباد قال رأيت النبي صلى الله عليه وسلم بذي المجاز يدعو الناس وخلفه رجل أحول يقول لا يصدنكم هذا عن دين آلهتكم قلت من هذا قالوا هذا عمه أبو لهب حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثني سريج بن يونس قال ثنا عباد بن عبد الله عن محمد بن عمر عن ربيعة بن عباد قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يدعو الناس الى الاسلام بذي المجاز وخلفه رجل أحول يقول لا يغلبنكم هذا عن دينكم ودين آبائكم قلت لابي وأنا غلام من هذا الاحول الذي يمشي خلفه قال هذا عمه أبو لهب قال عباد وأظن بين محمد بن عمرو وبين ربيعة محمد بن المنكدر حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثني أبو سليمان الضبي داود بن عمرو بن زهير المسيبي قال ثنا عبد الرحمن بن أبي الزناد عن أبيه عن ربيعة بن عباد الديلي وكان جاهليا أسلم فقال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يصرخ يقول بسوق ذي المجاز يقول يا أيها الناس قولوا لا اله الا الله تفلحوا ويدخل في فجاجها والناس متقصفون عليه فما رأيت أحدا يقول شيأ وهو لا يسكت يقول أيها الناس قولوا لا اله الا الله تفلحوا الا ابن وراءه رجلا أحول وضيء وجهه ذا غديرتين يقول انه ساحر كاذب فقلت من هذا قالوا أحمد بن عبد الله ويزعم أنه نبي قلت من هذا الذي يكذبه قالوا عمه أبو لهب قلت أيك كنت يومئذ صغيرا قال لا والله اني يومئذ لا عقل حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن أبي الربيع السمان قال حدثني سعيد بن سلمة يعني ابن أبي الحسام قال ثنا محمد بن المنكدر انه سمع ربيعة بن عباد الديلي يقول رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يطوف على الناس بمنى في منازلهم قبل أن يهاجر الى المدينة يقول يا أيها الناس ان الله عز وجل يأمركم ان تعبدوه ولا تشركوا به شيأ فان وراءه رجل يقول هذا يأمركم ان تدعوا دين آبائكم فسألت من هذا الرجل فقيل هذا أبو لهب حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مسروق بن المرزبان الكوفي ثنا ابن أبي زائدة قال قال ابن اسحق فحدثني حسين بن عبد الله بن عبيد الله بن العباس قال سمعت ربيعة بن عباد الديلي قال اني لمع أبي وجل شاب انظر الى رسول الله صلى الله عليه وسلم يتبع القبائل وورائه رجل أحول وضيء ذو غديرة يقف رسول الله صلى الله عليه وسلم على القبيلة ويقول يا بني فلان اني رسول الله اليكم آمركم أن تعبدوا الله ولا تشركوا به شيأ وان تصدقوني حتى أنفذ عن الله ما بعثني به فاذا فرغ رسول الله صلى الله عليه وسلم من مقالته قال الآخر من خلفه يا بني فلان انه هذا يريد منكم ان تسلخوا اللات والعزى وحلفاءكم من ٧ الحي بني مالك بن أفيش الى ما جاء به من البدعة والضلالة فلا تسمعوا له ولا تتبعوه فقلت لابي من هذا قال عمه أبو لهب حدثنا عبد الله حدثني أبي حدثني محمد بن بكار قال حدثنا عبد الرحمن بن عبد الله ابن ذكوان عن أبيه أبي الزناد قال رأيت زيد بن أسلم قال له ربيعة بن عباد الديلي قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو يعرض في فجاج ذي المجاز الا انهم يتبعونه وقالوا هذا محمد بن عبد الله بن عبد المطلب قال ورجل أحول وضيء الوجه ذو غديرتين يتبعه في فجاج ذي المجاز ويقول انه صابئ كاذب فقلت من هذا فقالوا هذا

النبي صلى الله عليه وسلم مر بامرأة تجمع على باب فسطاطه فقال لعله يريد أن يلم بها قالوا نعم قال فذكره * (الافعال) * عن أبي سعيد الجهني عن الصعب بن جثامة انه كان تزوج امرأة أخيه مجلز بن جثامة بعد أخيه وله منها غلام فتوفي ابن أخيه في زمن عمر بن الخطاب فاعتزل الصعب امرأته فذكر ذلك لعمر بن الخطاب فقال له عمر ما حملك على اعتزالك امرأت مذ توفي ابنها قال كرهت أن أدخل في رحمها من لا حق له في الميراث فقال له عمر أنت الرجل تهدي الى الرشد ووفق له ثم كتب بذلك الى الاجناد  من كانت تحته امرأة ولها ولد من غيره ثم توفي ولدها فلا يقربنها حتى تستبرئ رحمها ابن السيني في كتاب الاخوة (ش) * عن عمر قال من اشترى جارية فليستبرئها بحيضة فان كانت لا تحيض فاربعون يوما (ش) * عن ابن عمر في الامة تباع أو تعتق قال تستبرأ بحيضة (ع) * عن ابن عمر قال اذا كانت الامة عذراء لم تستبرئها (ع) وبنده صحيح * عن الحسن قال كانوا يغزون مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا أصاب أحدهم الجارية من الفيء فاراد أن يصيبها أمرها فغسلت ثيابها واغتسلت ثم علمها الاسلام وأمرها بالصلاة واستبرأها بحيضة ثم أصابها (ع) * عن أنس قال استبرأ رسول الله صلى الله عليه وسلم صفية بحيضة (ع) * عن الحسن قال لم تكن تستبرأ أصاب أبو موسى سبيا فكتب اليه عمر أن لا يقع أحد على امرأة حبلى حتى تضع ولا تشاركوا المشركين في أولادهم فان الماء تمام الولد (ش) * (فرع في التحليل والرجعة) * لعن الله المحلل والمحلل له

عمه أبو بكر * حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن يحيى بن سعيد القرشي قال ثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني حسين بن عبد الله عن ربيعة بن عباد الديلي عمن حدثه عن زيد بن أسلم عن ربيعة بن عباد قال والله اني لاذكره يطوف على المنازل بمنى وأنا مع أبي غلام شاب ووراءه رجل حسن الوجه أحول ذو غديرتين فلما وقف رسول الله صلى الله عليه وسلم على قوم قال أنا رسول الله يأمركم ان تعبدوه ولا تشركوا به شيأ ويقول الذي خلفه لا يهدينكم هذا عن آبائكم وان تسلخوا اللات والعزى وحلفاءكم من بني مالك بن أقيش الى ما جاء به من الضلالة والضلال قال فقلت لابي من هذا قال هذا عمه أبو لهب عبد العزى بن عبد المطلب

* (باقي حديث محمد بن مسلمة رضي الله تعالى عنه وباقي حديثه في مسند الشاميين) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال انا الحجاج عن ارطاة عن محمد بن سليمان بن أبي حثمة عن سهل بن أبي حثمة قال رأيت محمد بن مسلمة ثلاثة أيام أو أربعة يصبره فقلت انظر الها وأنت من أصحاب محمد صلى الله عليه وسلم فقال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا ألقى الله عز وجل في قلب امرئ خطبة لامرأة فلا بأس ان ينظر اليها حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال انا حماد بن سلمة عن علي بن زيد عن أبي بردة قال مررت بالربذة فاذا فسطاط فقلت لمن هذا فقيل لمحمد بن مسلمة فاستأذنت عليه فدخلت عليه فقلت يرحمك الله انك من هذا الامر بمكان فما خرجت الى الناس فامرت ونهيت فقال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال انها ستكون فتنة وفرقة واختلاف فاذا كان ذلك فات بسيفك أحدا فاضرب به عرضه ما كسر بيدك واقطع وتينك واجلس في بيتك فقد كان ذلك وقال لي غيره فاضرب به حتى تقطعه ثم اجلس في بيتك حتى يأتيك يد خاطئة أو تعلقك منيتك فقد كان ما قال رسول الله صلى الله عليه وسلم وفعلت ما أمرني به ثم استنزل سيفا كان معلقا بعمود الفسطاط فاخترطه فاذا سيف من خشب فقال قد فعلت ما أمرني به رسول الله صلى الله عليه وسلم والخذت هذا أفترهب به الناس قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا مؤمل قال ثنا حماد عن علي بن زيد عن أبي بردة قال مررنا بالربذة فاذا فسطاط مضروب فذكره قال انها ستكون فتنة وفرقة فاضرب بسيفك عرض أحد قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان قال ثنا حماد بن سلمة انا علي بن زيد عن أبي بردة بن أبي موسى قال مررنا بالربذة فاذا فسطاط فقلت لمن هذا فذكر الحديث

* (حديث كعب بن زيد أو زيد بن كعب رضي الله تعالى عنه) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا القاسم بن مالك المزني أبو جعفر قال أخبرني جميل بن زيد قال صحبت شيخا من الانصار ذكر انه كانت له صحبة يقال له كعب بن زيد أو زيد بن كعب فحدثني ان رسول الله صلى الله عليه وسلم تزوج امرأة من بني غفار فلما دخل عليها وضع ثوبه وقعد على الفراش أبصر بكشحها بياضا فانحاز عن الفراش ثم قال خذي عليك ثيابك ولم يأخذ مما أتاها شيأ

* (حديث شداد بن الهاد رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا يزيد قال أنا جرير بن حازم عن محمد بن أبي يعقوب عن عبد الله بن شداد عن أبيه قال خرج علينا رسول الله صلى الله عليه وسلم في احدى صلاتي العشي الظهر أو العصر وهو

(حم ٤) عن علي (ت ن) عن ابن مسعود (ت) عن جابر * ألا أخبركم بالتيس المستعار هو المحلل فلعن الله المحلل والمحلل له (ه ك) عن عقبة بن عامر * اعلك تريد أن ترجع الى رفاعة لا حتى تذوقي عسيلته ويذوق عسيلتك (ق ن م) عن عائشة * العسيلة الجماع (حل) عن عائشة * لا تحل للاول حتى يجامعها الآخر (ن) عن ابن عمر * (الاكمال) * أيما رجل طلق امرأته ثلاثا عند الاقراء أو ثلاثا مبهمة لم تحل له حتى تنكح زوجا غيره (قط) عن الحسن وابن عساكر عنه عن أبيه * أيما رجل طلق امرأته ثلاثا عند كل طهر تطليقة أو عند رأس كل طهر تطليقة

أو طلق ثلاثا لم تحل له حتى تنكح زوجا غيره (قط) في الافراد والديلمي عن الحسين بن علي * لانكاح الا نكاح رغبة لا نكاح دلسة ولا مستهزئ بكتاب الله لم يذق العسيلة (طب) عن ابن عباس * من طلق البتة تخذ دين الله هزوا والعباد آلهة ثلاثا لم تحل له حتى تنكح زوجا غيره أو نعيم وابن النجار عن علي * الخلية والبرية والحرام لا تحل حتى تنكح زوجا غيره الديلمي عن علي * اذا كانت الامة تحت الرجل فطلقها تطليقتين ثم اشتراها لم تحل له حتى تنكح زوجا غيره



(قط) في الافراد عن ابن عباس * (الافعال) * عن ابن المسيب قال قضى عثمان في مكاتب طلق امرأته تطليقتين وهي حرة فقضى أن لا تحل حتى تنكح زوجا غيره مالك والشافعي (عب هق) * عن عثمان ابن زهلا قال له ان جارا لي طلق امرأته في غضبة ولقي شدة فاردت أن أحتسب بنفسي ومالي فأتزوج بها ثم ابتني بها ثم أطلقها فترجع الى زوجها الاول فقال له عثمان لا تفعل ان النكاح رغبة (هق) * عن سليمان ابن يسار ان عثمان بن عفان رفع اليه أمر رجل تزوج امرأة ليحلها لزوجها ففرق بينهما فقال لا ترجع اليه الا بنكاح رغبة غير دلسة (هق) * عن ابن سيرين ان امرأة طلقها زوجها ثلاثا وكان مسكينا اعرابيا يقعد بباب المسجد فجاءته امرأة فقالت هل لك في امرأة تنكحها فتبيت معها الليلة وتصبح فتفارقها فقال نعم فكان ذلك فقالت له امرأته انك اذا أصبحت فانهم سيقولون لك فارقها فلا تفعل ذلك فاني مقيمة لك مأربي والدهب الى عمر فلما أصبحت أتوه وأتوه فقالوا له ما قالوا لك فأنتم جئتم به فكلموه فاذهب فانطلق الى عمر فقال الزم امرأتك فان رابوك ريبة فأتني وأرسل الى المرأة التي مشت لذلك وفتكلم بها ثم كان يغدو على عمر ويروح في حلة فيقول الحمد لله الذي كساك ياذا الرقعتين حلة تغدو فيها وتروح الشافعي (هق) * عن ابن سيرين ان رجلا طلق امرأته وأمر رجلا يقال له ذو الخرقتين أن يتزوجها ليحلها له فمكث ثلاثا لا يخرج ثم خرج وعليه ثوب فقال له الرجل أين ما قالوا لك عليه فأبى أن يطلقها فأتى في ذلك عمر بن الخطاب فقال الله رزق ذا الخرقتين وأمضى نكاحه ابن جرير * عن أنس قال قال عمر في الرجل يطلق امرأته ثلاثا

حامل الحسن أو الحسين فتقدم النبي صلى الله عليه وسلم فوضعه ثم كبر للصلاة فصلى فسجد بين ظهراني صلاته سجدة أطالها قالت فرفعت رأسي فاذا الصبي على ظهر رسول الله صلى الله عليه وسلم وهو ساجد فرجعت في سجودي فلما قضى رسول الله صلى الله عليه وسلم الصلاة قال الناس يا رسول الله انك سجدت بين ظهراني صلاتك هذه سجدة قد أطلتها فظننا انه قد حدث أمر أو انه قد يوحى اليك قال فكل ذلك لم يكن ولكن ابني ارتحلني فكرهت ان أعجله حتى يقضي حاجته

* (حديث حمزة بن عمرو الاسلمي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور ثنا المغيرة بن عبد الرحمن عن أبي الزناد قال حدثني محمد ابن حمزة الاسلمي عن أبيه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم أمره على سرية فرجت فيها فقال ان أخذتم فلانا فاحرقوه بالنار فما وليت ناداني فقال ان أخذتموه فاقتلوه فانه لا يعذب بالنار الا رب النار حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن بكر أنا ابن جريج قال أخبرني زياد يعني ابن سعد ان أبا الزناد قال أخبرني حنظلة بن علي بن حمزة بن عمرو الاسلمي صاحب النبي صلى الله عليه وسلم حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثه ورهطا معه الى رجل من عذرة فقال ان قدرتم على فلان فاحرقوه بالنار فانه كان يقول حتى اذا توارى عنه ناداهم أو أرسل في أثرهم فردوهم ثم قال ان أنتم قدرتم عليه فاقتلوه ولا تحرقوه بالنار فما يعذب بالنار رب النار قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا ابن جريج قال أنا زياد ابن أبا الزناد قال أخبرني حنظلة بن علي الاسلمي ان حمزة بن عمرو الاسلمي صاحب النبي صلى الله عليه وسلم حدثه ان رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثه ورهطا معه الى رجل من عذرة بمعناه قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد جعفر قال ثنا شعبة عن قتادة عن سليمان بن يسار عن حمزة بن عمرو الاسلمي انه سأل رسول الله صلى الله عليه وسلم عن الصوم في السفر فقال ان شئت فصم وان شئت فأفطر قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا سعيد عن قتادة عن سليمان بن يسار عن حمزة بن عمرو الاسلمي انه رأى رجلا على جمل يقع رحال الناس بمنى ونبي الله صلى الله عليه وسلم شاهد والرجل يقول لا تصوموا هذه الايام فانها أيام أكل وشرب قال قتادة فذكر لنا ان ذلك المنادي كان بلالا قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عتاب قال ثنا عبد الله وعلي بن اسحق قال أنا عبد الله يعني ابن المبارك قال أخبرنا أسامة بن زيد قال أخبرني محمد بن حمزة أنه سمع أباه يقول سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول على ظهر كل بعير شيطان فاذا ركبتموها فسموا الله عز وجل ثم لا تقصروا عن حاجاتكم

* (حديث سلمة بن عمرو بن الاكوع رضي الله تعالى عنه) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال ثنا شريك بن عبد الله عن عثمان بن عمير عن أبي زياد أبي عمر عن سلمة قال كنا جلوسا على سطح معنا رجل من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال يزيد لا أعلمه الا عيسا الغفاري وأناس يخوضون في الطاعون فقال عيس يا سلمة ما تعون حدثني ثلاثا يقولها فقال له سلمة لم تقول هذا ألم يقل رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يتمنى أحدكم الموت فانه عند انقطاع عمله ولا يرد فيستعتب فقال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول بادروا بالموت ستا امرة السفهاء وكثرة الشرط وبيع الحكم واستخفافا بالدم وقطيعة الرحم ونشوا يتخذون القرآن مزامير يقدمونه يغنيهم وان كان أقل

قبل أن يدخل بها قال هي ثلاث لا تحل له حتى تنكح زوجا غيره (ص هق) * عن عمر قال لا أوتى بمحلل ولا محلل له الا رجمتهما (ش) * عن الحسن بن علي قال سمعت جدي أو حدثني أبي انه سمع جدي يقول أتى رجل طلق امرأته ثلاثا عند الاقراء أو ثلاثا في مجلس واحد فقد بانت منه فلا تحل له حتى تنكح زوجا غيره (طب هق) * عن علي في فيمن طلق امرأته ثلاثا قبل أن يدخل بها لا تحل له حتى تنكح زوجا غيره (هق) * عن علي قال اذا طلق الرجل امرأته ثلاثا في مجلس واحد فقد بانت منه فلا تحل له حتى تنكح (٤٩٥/١) زوجا غيره (عد هق) * عن زيد بن ثابت في الامة يطلقها زوجها البتة ثم يشتريها انها لا تحل له حتى تنكح زوجا غيره مالك (عب) * عن ابن عباس ان النبي صلى الله عليه وسلم لعن المحلل والمحلل له ، ابن جرير * عن سالم بن عبد الله قال كانت عاتكة بنت زيد تحت عبد الله بن أبي بكر وكانت قد غلبته على رأيه وسغلته عن سوقه فأمره أبو بكر بطلاقها واحدة ففعل فوجد عليها فقعد لابنه على طريقه وهو يريد الصلاة فلما أبصر به شكا وأنشد يقول

فلم أر مثلي طلق اليوم مثلها *

ولا مثلها في غير جرم تطلق

فرق له وأمره بمراجعتها الحر أطلى في اعتلال القلوب ورواه وكيع في الغرر عن أبي سلمة بن عبد الرحمن بن عوف وفيه فقال أي بني أتحبها قال نعم قال راجعها (د ن ه حب ك هق) * عن ابن عباس عن عمر ان النبي صلى الله عليه وسلم كان طلق حفصة ثم راجعها ابن سعد والدارمي (ص)

* (حديث شقران مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم) *

حدثنا أبو عبد الرحمن عبد الله بن أحمد بن حنبل قال حدثني أبي ثنا اسود بن عامر قال ثنا سلم بن سالم عن عمرو بن يحيى المازني عن أبيه عن شقران مولى رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيته يعني النبي صلى الله عليه وسلم متوجها الى خيبر على حمار يصلي عليه يومئ ايماء

* (حديث عبد الله بن أنيس رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال انا همام بن يحيى عن القاسم بن عبد الواحد المكي عن عبد الله بن محمد بن عقيل انه سمع جابر بن عبد الله يقول بلغني حديث عن رجل سمعه من رسول الله صلى الله عليه وسلم فاشتريت بعيرا ثم شددت عليه رحلي فسرت اليه شهرا حتى قدمت عليه الشام فاذا عبد الله بن أنيس فقلت للبواب قل له جابر على الباب فقال ابن عبد الله قلت نعم فخرج يطأ ثوبه فاعتنقني واعتنقته فقلت حديث بلغني عنك انك سمعته من رسول الله صلى الله عليه وسلم في القصاص فخشيت ان تموت أو أموت قبل ان أسمعه قال سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول يحشر الناس يوم القيامة أو قال العباد عراة غرلا بهما قال ليس معهم شئ ثم يناديهم بصوت يسمعه من قرب كما انا الملك انا الديان ولا ينبغي لاحد من أهل النار يدخل النار وله عند أحد من أهل الجنة حق حتى أقصه منه ولا ينبغي لاحد من أهل الجنة ان يدخل الجنة ولاحد من أهل النار عنده حق حتى أقصه منه حتى اللطمة قال قلنا كيف وانا انما نأتي الله عز وجل عراة غرلا بهما قال بالحسنات والسيئات حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا عبد الله بن يونس قال ثنا ليث عن هشام بن سعد عن محمد بن زيد بن المهاجر بن قنفذ التيمي عن أبي سلمة الانصاري يعني عبد الله بن أنيس الجهني قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم ان من أكبر الكبائر الشرك بالله وعقوق الوالدين واليمين الغموس وما حلف حالف بالله يمينا صبرا فادخل فيها مثل جناح بعوضة الا جعلت نكتة في قلبه الى يوم القيامة حدثنا عبد الله حدثني ابي ثنا أبو سلمة الخزاعي قال ثنا عبد الله بن جعفر يعني المخرمي عن يزيد بن الهاد عن أبي بكر بن حزم عن عبد الله بن أنيس أن النبي صلى الله عليه وسلم قال لهم وسألوه عن ليلة يتراؤنه في رمضان قال ليلة ثلاث وعشرين حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا أنس بن عياض أبو ضمرة قال حدثني الضحاك بن عثمان عن أبي النضر مولى عمر بن عبيد الله عن يسر بن سعيد عن عبد الله ابن أنيس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم قال رأيت ليلة القدر ثم أنسيتها وأراني صبيحتها أسجد في ماء وطين قال فمطرنا ليلة ثلاث وعشرين فصلى بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم فانصرف وان أثر الماء والطين على جبهته وأنفه حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا يعقوب قال حدثني أبي عن ابن اسحق قال حدثني معاذ ابن عبد الله بن خبيب الجهني عن أخيه عبد الله بن عبد الله بن خبيب قال كان رجل في زمان عمر بن الخطاب فدسأله فاعطاه قال جلس معناعبد الله بن أنيس صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم في مجلس جهينة قال في رمضان قال فقلنا له يا أبا يحيى سمعت من رسول الله صلى الله عليه وسلم في هذه الليلة المباركة من شئ فقال نعم جلسنا مع رسول الله صلى الله عليه وسلم في آخر هذا الشهر فقلنا له يا رسول الله متى نلتمس هذه الليلة المباركة قال التمسوها هذه الليلة وقال وذلك مساء ليلة ثلاث وعشرين فقال له رجل من القوم وهي اذا يا رسول الله أول ثمان قال فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم انها ليست بأول ثمان ولكنها أول

* عن علي في الرجل يطلق امرأته وفي بطنها ولدان فتضع واحدا ويبقى الآخر قال هو أحق برجعتها ما لم تضع الآخر (هق) *

(الكتاب الثالث من حرف الطاء كتاب الطب والرقى والطاعون وفيه بابان الباب الاول في الطب وفيه فصلان الفصل الاول في الترغيب في الطب وأصوله وأحكامه وفيه فرعان الفرع الاول في الترغيب في الطب) * الطبيب الله ولعله توفق باشيء يخرق بها غيرك الشيرازي عن مجاهد رفعه سلوا بالله تداووا فان الله تعالى لم يضع داء الا وضع له دواء غير داء واحد الهرم (حم ٤ حب ك) عن أسامة بن شريك

*ان الله تعالى لم ينزل داء الا أنزل له دواء علمه من علمه وجهله من جهله الا السام وهو الموت (ك) عن أبي سعيد *الدواء من القدر وقد ينفع باذن الله (طب) وأبو نعيم عن ابن عباس *الدواء من القدر وهو ينفع من يشاء شاء ابن السني عن ابن عباس *ان الله خلق الداء والدواء فتداووا ولا تتداووا بالحرام (طب) عن أم الدرداء *ان الذي جعل الداء أنزل الدواء فجعل شفاءه ما شاء فيما شاء أبو نعيم في الطب عن أبي هريرة *لكل داء دواء فاذا أصيب دواء الداء برأ باذن (٤٩٦) الله (حم م) عن جابر *ان الله تعالى حيث خلق الداء خلق الدواء فتداووا (حم) عن أنس *ان الذي أنزل الداء أنزل الشفاء (ك) عن أبي هريرة *ما أنزل الله داء الا أنزل له شفاء (ه) عن أبي هريرة *(الاكمال) *الله الطبيب بل أنت رجل رفيق طبيبها الذي خلقها (د) عن أبي رمثة *(الافعال) *عن أم جميلة انها دخلت على عائشة فقالت لها اني امرأة أداوي من الكلف من الوجه وقد تأثم مني فاردت تركه فما تأمرني فقالت لها عائشة لقد كنا في زمان النبي صلى الله عليه وسلم لو أن احدانا كانت احدى عينيها أحسن من الاخرى فقيل لها انزعيها وحولها مكان الاخرى وانزعي الاخرى فحولها مكانها ثم ظننا ان ذلك يسوغ لها ما رأينا به باسا فاذا زالت فحوليها وهي لا تصلي ابن جرير *(الفرع الثاني في أصول الطب وأحكامه) *أصل كل داء البردة (قط في العلل) عن أنس ابن السني وأبو نعيم في الطب عن علي وعن أبي سعيد وعن الزهري مرسلا *من تطبب ولم يعلم منه طب فهو ضامن (د ن ه ك) عن ابن عمر *(الاكمال) *المعدة حوض البدن والعروق اليها واردة فاذا صحت المعدة صدرت العروق بالصحة واذا سقمت المعدة صدرت العروق بالسقم (ابن السني ق) وابن السني وأبو نعيم في الطب (هب) وضعفه عن أبي هريرة وقال (عق) باطل لا أصل له وقال الذهبي منكر وأورده ابن الجوزي في الموضوعات *اليرقان جناحان والرجلان بريدان والطحال فيه النفس أبو نعيم في الطب عن أبي هريرة *من تطبب ولم يكن بالطب معروفا فاصاب نفسا فما دونها فهو ضامن (عد) وابن النجار وأبو نعيم في الطب عن عمرو بن شعيب عن أبيه عن جده

---

السبع ان الشهر لا يتم **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يعقوب ثنا أبي قال عن ابن سحق قال حدثني محمد بن جعفر بن الزبير عن ابن عبد الله بن أنيس عن أبيه قال دعاني رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال انه قد بلغني ان خالد بن سفيان ابن نبيح يجمع لي الناس ليغزوني وهو بعرنة فائته فاقتله قال قلت يا رسول الله انعته لي حتى أعرفه قال اذا رأيته وجدت له اقشعر يرة قال فخرجت متوشحا سيفي حتى وقعت عليه وهو بعرنة مع طعن يرتاد ابن منزلا وحين كان وقت العصر فلما رأيته وجدت ما وصف لي رسول الله صلى الله عليه وسلم من الاقشعر يرة فاقبلت نحوه وخشيت أن يكون بيني وبينه محاولة تشغلني عن الصلاة فصليت وأنا أمشي نحوه أومئ برأسي الركوع والسجود فلما انتهيت اليه قال من الرجل قلت رجل من العرب سمع بك وبجمعك لهذا الرجل فجاءك لهذا قال أجل أنا في ذلك قال فمشيت معه شيأ حتى اذا أمكنني حلت عليه السيف حتى قتلته ثم خرجت وتركت طعانه مكبا على رسول الله صلى الله عليه وسلم فرآني فقال أفلح الوجه قال قلت قتلته يا رسول الله قال صدقت قال ثم قام معي رسول الله صلى الله عليه وسلم فدخل في بيته فاعطاني عصا فقال امسك هذه عندك يا عبد الله بن أنيس قال فخرجت بها على الناس فقالوا ما هذه العصا قال قلت اعطانيها رسول الله صلى الله عليه وسلم وأمرني أن أمسكها قالوا أولا ترجع الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فتسأله عن ذلك قال فرجعت الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقلت يا رسول الله لم اعطيتني هذه العصا قال آية بيني وبينك يوم القيامة ان أقل الناس المتخصرون يومئذ يوم القيامة فقرنها عبد الله بسيفه فلم تزل معه حتى اذا مات أمر بها فصنعت معه في كفنه ثم دفنا جميعا **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال ثنا يحيى بن آدم قال ثنا ابن ادريس عن محمد بن اسحق عن محمد بن جعفر بن الزبير عن بعض ولد عبد الله بن أنيس عن أبي عبد الله بن أنس أن رسول الله صلى الله عليه وسلم بعثه الى خالد بن سفيان بن نبيح الهذلي ليقتله وكان يجمع لقتال رسول الله صلى الله عليه وسلم فاذا أتيته بعرنة وهو في ظهره وقد دخل وقت العصر فخفت أن يكون بيني وبينه محاولة تشغلني عن الصلاة قال فصليت وأنا أمشي أومئ ايماء فلما انتهيت اليه قال كذا وكذا حتى ذكر الحديث ثم أتى النبي صلى الله عليه وسلم فاخبره بقتله اياه وذكر الحديث

*(حديث أبي أسيد الساعدي رضي الله تعالى عنه)*

**حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا حجاج قال حدثني شعبة قال سمعت قتادة عن أنس بن مالك عن أبي أسيد الساعدي قال بئ وقال ابن جعفر عن أبي أسيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير دور الانصار بنو النجار ثم بنو عبد الاشهل ثم بنو الحرث بن الخزرج ثم بنو ساعدة وفي كل دور الانصار خير فقال سعد بن عبادة ما أرى رسول الله صلى الله عليه وسلم الا قد فضل علينا فقيل قد فضلكم على كثير قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي عن سفيان عن أبي الزناد عن أبي سلمة عن أبي أسيد الساعدي قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير الانصار بنو النجار ثم بنو عبد الاشهل ثم بنو الحرث بن الخزرج ثم بنو ساعدة ثم قال وفي كل دور الانصار خير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي قال أنا عبد الرزاق قال ثنا سفيان عن عبد الله بن ذكوان عن أبي سلمة عن أبي أسيد الساعدي عن النبي صلى الله عليه وسلم بهذا خير دور الانصار بنو النجار ثم بنو عبد الاشهل ثم بنو الحرث بن الخزرج ثم بنو ساعدة ثم قال وفي كل دور الانصار خير فقال سعد بن عبادة جعلنا رابع أربعة سر حوالي حمار فقال ابن أخيه أترى أن تردد على رسول الله صلى الله عليه وسلم

*(الافعال)* عن أبي نجيح قال سأل عمر بن الخطاب الحرث بن كلدة وهو طبيب العرب ما الدواء قال الأزم يعني الحمية أبو عبيد في الغريب وابن السني وأبو نعيم (هب) *عن الضحاك بن مزاحم قال خطب علي الناس فقال يا معشر الاطباء والبياطرة والمطببين من عالج منكم انسانا أو دابة فليأخذ لنفسه البراءة فانه ان عالج شيأ ولم يأخذ لنفسه البراءة فعطب فهو ضامن (عب) *عن مجاهد قال علي في الطبيب ان لم يشهد على ما يعالج فلا يلومن الا نفسه يقول يضمن (عب) *(الفصل الثاني في الامراض والادوية النباتية والحيوانية وفيه فرعان الفرع الاول في الامراض الخ)* اذا حم أحدكم فليسن عليه الماء البارد ثلاث ليال من السحر (ن ع ك) والضياء عن أنس *أم ملدم تأكل اللحم وتشرب الدم بردها حرها من جهنم (طب) عن شبيب بن سعد * اذا أصاب أحدكم الحمى فان الحمى قطعة من النار فليطفئها عنه بالماء فليستنقع في نهر جار وليستقبل جريته فيقول بسم الله اللهم اشف عبدك وصدق



وليغمس فيه ثلاث غمسات ثلاثة أيام فان لم يبرأ في ثلاث خمس وان لم يبرأ فسبع وان لم يبرأ فتسع فانها لا تكاد تجاوز تسعا باذن الله (حم ت) والضياء عن ثوبان *احروا قوا على من سبع قرب لم تحلل أوكيتهن على أهل الناس (خ) عن عائشة *الحمى من فيح جهنم فاردوها بالماء (حم خ) عن ابن عباس (حم ق ن ه) عن ابن عمر (ق ت ه) عن عائشة (حم ق ت ن ه) عن رافع بن خديج (ق ت ه) عن أسماء بنت أبي بكر *(الاكمال)* *الحمى تأكل وتشرب فاما أكلها فلحوم الناس وأما شربها فدماؤهم الديلمي عن أبي هريرة *الحمى قطعة من النار فاردوها عنكم بالماء البارد (طب عق ك) عن سمرة * يا أنس ان الحمى رائد الموت وسجن الله في الارض وهي قطعة من

وسلم حسبك أن تكون رابع أربعة قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع قال ثنا سفيان عن أبي الزناد عن أبي سلمة عن أبي أسيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم خير الانصار بنو النجار ثم بنو عبد الاشهل ثم بنو الحرث بن الخزرج ثم بنو ساعدة وفي كل الانصار خير **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال ثنا حرب يعني ابن شداد قال ثنا يحيى بن أبي كثير عن أبي سلمة انه سمع أبا أسيد انه سمع النبي صلى الله عليه وسلم يقول خير دور الانصار فذكر الحديث قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرحمن بن مهدي ثنا سفيان عن عبد الله بن عيسى قال حدثني عطاء رجل كان يكون بالساحل عن أبي أسيد أو أسيد بن ثابت مالك سفيان ان النبي صلى الله عليه وسلم قال كلوا الزيت وادهنوا بالزيت فانه من شجرة مباركة **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا وكيع ثنا سفيان عن عبد الله بن عيسى عن عطاء الشامي عن أبي أسيد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم كلوا الزيت وادهنوا به فانه من شجرة مباركة قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن هرون قال انا محمد بن اسحق قال حدثني عبد الله بن أبي بكر ان أبا أسيد كان يقول أصبت يوم بدر سيف ابن عابد المرزبان فلما أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم ان يؤدوا ما في أيديهم أتيت به حتى ألقيته في النفل قال وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنع شيأ يسأله قال فعرفه الارقم بن أبي الارقم المخزومي فسأله رسول الله صلى الله عليه وسلم اياه فاعطاه اياه قال قرئ على يعقوب في مغازي أبيه أو سمع قال ابن اسحق قال حدثني عبد الله بن أبي بكر قال حدثني بعض بني ساعدة عن أبي أسيد مالك بن ربيعة قال أصبت سيف بني عابد المخزومي ابن المرزبان يوم بدر فلما أمر رسول الله صلى الله عليه وسلم الناس ان يؤدوا ما في أيديهم من النفل أتيت به حتى ألقيته في النفل وكان رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يمنع شيأ يسأله فعرفه الارقم بن أبي الارقم فسأله رسول الله صلى الله عليه وسلم اياه فاعطاه اياه قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر قال ثنا سليمان بن بلال عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن عبد الملك بن سعيد بن سويد الانصاري قال سمعت أبا حميد وأبا أسيد يقولان قال رسول الله صلى الله عليه وسلم اذا دخل أحدكم المسجد فليقل اللهم افتح لنا أبواب رحمتك واذا خرج فليقل اللهم اني أسألك من فضلك قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا أبو عامر قال ثنا سليمان بن بلال عن ربيعة بن أبي عبد الرحمن عن عبد الملك بن سعيد بن سويد عن أبي حميد وعن أبي أسيد ان النبي صلى الله عليه وسلم قال اذا سمعتم الحديث عني تعرفه قلوبكم وتلين له أشعاركم وأبشاركم وترون انه منكم قريب فانا أولاكم به واذا سمعتم الحديث عني تنكره قلوبكم وتنفر أشعاركم وأبشاركم وترون انه منكم بعيد فانا أبعدكم منه قال **حدثنا** عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد قال ثنا عبد الرحمن بن الغسيل قال حدثني أسيد بن عني عن أبيه علي بن عبيد عن أبي أسيد



النار فاذا أخذتكم فبردوها بالماء في الشنان وصبوا عليكم ما بين الصلاتين يعني المغرب والعشاء (طب) عن عبد الله وقيل عبد الرحمن بن رافع * ما من رجل يحم فيغتسل ثلاثة أيام متتابعة يقول عند كل غسل بسم الله اللهم اني انما اغتسلت التماس شفائك وتصديق نبيك الا كشف عنه (ش) عن مكحول *فرسوا الماء في الشنان ثم صبوا عليكم ما بين الاذانين من صلاة الصبح قاله للمحمومين البغوي عن بعض الصحابة (الافعال)* عن أم مبارق مولاة عبد بن عبادة بالجاء النبي صلى الله عليه وسلم الى سعد فاستأذن فسكت سعد ثم أعاد فسكت سعد ثم أعاد فسكت سعد فانصرف النبي صلى الله عليه وسلم فارسلني وراءه فقال انه لم يمنعني أن آذن لك الا أنا أردنا أن تزيدنا فسمعت صوتا على الباب يستأذن ولم أر شيأ فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أنت فقالت أم ملدم فقال لا مرحبا بك ولا أهلا تريدين الى أهل قباء قالت نعم قال فاذهبي اليهم ابن منده (كر) *عن عبد الرحمن بن المرقع بن صيفي قال لما افتتح النبي

صلى الله عليه وسلم خيبر وكانت محضرة من الهوا كه فوقع الناس فيها فاخذتهم الحمى فشكوا ذلك الى النبي صلى الله عليه وسلم فقال أيها الناس ان الحمى رائد الموت وسجين الله في الارض وقطعة من النار العسكري في الامثال * عن رافع بن خديج قال نعيمان يا رسول الله بي وعك شديد من الحمى فقال النبي صلى الله عليه وسلم وأين أنت يا نعيمان من بهيمة وكانت أرضا وبيئة (طب) * عن أنس قال دخل النبي صلى الله عليه وسلم على عائشة وهي موعوكة فشكت اليه الحمى وسبتها فقال لا تسبيها فانها مأمورة ولكن ان شئت علمتك كلمات اذا قلتهن أذهب الله عنك قولي اللهم ارحم عظامي الدقيق وجلدي الرقيق وأعوذ بك من فورة الحريق بأم مادام ان كنت آمنت بالله واليوم الآخر فلا تأكلي اللحم ولا تشربي الدم ولا تطوري على الفم ولا تصدعي الرأس وانتقلي الى من زعم ان مع الله الها آخر فاني أشهد أن لا اله الا الله وأن محمدا عبده ورسوله قالت عائشة فقلتها فاذهبت عني الحمى أبو الشيخ في



الثواب وفيه عبد الملك بن عبد ربه الطيالسي قال في المغني حديثه منكر * (الجذام وما يتعلق به) * كلم المجذوم وبينك وبينه قدر رمح أو رمحين ابن السني وأبو نعيم في الطب عن عبد الله بن أبي أوفى * لا تحدوا النظر الى المجذومين الطيالسي (هق) عن ابن عباس * اتقوا المجذوم كما يتقى الاسد (ع) عن أبي هريرة * اتفوا صاحب الجذام كما يتقى السبع اذا هبط واديا فاهبطوا غيره ابن سعد عن عبد الله بن جعفر * ان كان شئ من الداء يعدي فهو هذا يعني الجذام (عد) عن ابن عمر * كل مع صاحب البلاء توكلا على الله وثقة بالله وايمانا الطحاوي عن أبي ذر * ما من أحد الا وفي رأسه عروق من الجذام تنغر فاذا هاج سلط الله عليه الزكام فلا تداو وله (ك) عن عائشة * نبات الشعر في الانف أمان من الجذام (ع طس) عن عائشة * كلوا الزيت وادهنوا به فان فيه شفاء من سبعين داء منها الجذام أبو نعيم في الطب عن أبي هريرة * (الاكمال) * ينفع من الجذام أن يأكل سبع تمرات من عجوة المدينة كل يوم

صاحب رسول الله صلى الله عليه وسلم وكان بدريا وكان مولاهم قال قال أبو أسيد بينما أنا جالس عند رسول الله صلى الله عليه وسلم اذ جاءه رجل من الانصار فقال يا رسول الله هل بقي علي من بر أبوي شئ بعد موتهما أبرهما به قال نعم خصال أربعة الصلاة عليهما والاستغفار لهما وانفاذ عهدهما واكرام صديقهما وصلة الرحم التي لا رحم لك الا من قبلهما فهو الذي بقي عليك من برهما بعد موتهما قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله بن الزبير قال انا عبد الرحمن بن الغسيل عن عباس بن سهل أو حمزة بن أبي أسيد عن أبيه قال لما التقينا نحن والقوم يوم بدر قال رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا كثبوكم يعني غشوكم فارموهم بالنبل وأراه قال واستبقوا نبلكم قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن عبد الله الزبيري قال حدثنا عبد الرحمن بن الغسيل عن أبي حمزة بن أبي أسيد عن أبيه وعباس بن سهل عن أبيه قالا مر بنا رسول الله صلى الله عليه وسلم وأصحاب له في جنعة حتى انطلقنا الى حائط يقال له الشوط حتى انتهينا الى حائطين منهما فجلسنا بينهما فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم اجلسوا ها هنا فدخل هو وقد أوتي بالجونية في بيت أميمة بنت النعمان بن شراحيل ومعها دايه لها فلما دخل عليها رسول الله صلى الله عليه وسلم قال هبي لي نفسك قال وهل تهب الملكة نفسها للسوقة قالت انى أعوذ بالله منك قال فبقيت ساعة ثم خرج علينا فقال يا أبا أسيد اكسها رازقيتين وألحقها بأهلها قال وقال غير أبي أحمد أمر أمة من بني الجون يقال لها أميمة حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا قتيبة بن سعيد ثنا يعقوب بن عبد الرحمن عن أبي حازم قال سمعت سهلا يقول أتى أبو أسيد الساعدي قد عا رسول الله صلى الله عليه وسلم في عرسه فكانت امرأته خادمهم يومئذ وهي العروس قال تدرون ما سقت رسول الله صلى الله عليه وسلم أنقعت تمرات من الليل في تور

* (بقية حديث عبد الله بن أنيس رضي الله تعالى عنه) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هرون بن معروف قال عبد الله وسمعته أنا من هرون قال ثنا ابن وهب قال ثنا عمرو بن الحرث ان موسى بن جبير حدثه ان عبد الرحمن بن الحباب الانصاري حدثه ان عبد الله بن أنيس حدثه انهم تذاكروا هو وعمر بن الخطاب يوما الصدقة فقال عمر ألم تسمع رسول الله صلى الله عليه وسلم حين ذكر غلول الصدقة انه من غل فيها بعيرا أو شاة أتى به يحمله يوم القيامة قال عبد الله بن أنيس بلى

* (حديث سليمان بن عمرو بن الاحوص عن أبيه رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا أبو سعيد مولى بني هاشم قال ثنا زائدة قال ثنا شبيب بن غرقدة عن سليمان بن عمرو بن الاحوص قال حدثني أبي انه شهد حجة الوداع مع رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال

رسول

تفعل ذلك سبعة أيام (عد) * أبو نعيم في الطب عن عائشة قال (عد) لا أعلم رواه بهذا الاسناد غير محمد بن عبد الرحمن الطفاوي وله غرائب وأفراد كلها تحتمل ولم أر للمتقدمين فيه كلاما انتهى وقال فيه ابن معين صالح وقال أبو حاتم الرازي صدوق يهم أحيانا * ارجع فقد بايعناك (ه) عن رجل من آل الشريد يقال له عمرو عن أبيه قال كان في وفد ثقيف رجل مجذوم فارسل اليه النبي صلى الله عليه وسلم فذكره * يا أنس ائت البساط لابط أعليه بقدمه الخطيب عن أنس قال كنت عند النبي صلى الله عليه وسلم على بساط فاتاه مجذوم فقال فذكره * كل بسم الله ثقة بالله وتوكلا على الله عبد بن حميد (د ت ه) وابن خزيمة وابن أبي عاصم وابن السني في عمل يوم وليلة (ع حب لـ هق ض) عن جابر قال أخذ رسول الله صلى الله عليه وسلم بيد مجذوم فوضعها معه في القصعة ثم قال فذكره * (الافعال) * عن عبد الرحمن بن القاسم عن أبيه قال قدم على أبي بكر

وفد من ثقيف فأتى بطعام فدنا القوم وتنحى رجل به هذا الداء يعني الجذام فقال له أبو بكر ادنه فدنا قال له كل فأكل وجعل أبو بكر يضع يده موضع يده فيأكل مما يأكل منه المجذوم (ش) وابن جرير * عن الزهري ان عمر بن الخطاب قال للمعيقيب اجلس مني قيد رمح وكان به ذلك الداء وكان بدويا ابن جرير * عن محمود بن لبيد قال أمرني يحيى بن الحكم على جرش فقدمتها فحدثوني ان عبد الله بن جعفر حدثهم ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال لصاحب هذا الوجع الجذام اتقوه كما يتقى السبع اذا هبط واديا فاهبطوا غيره فقلت لهم والله لئن كان ابن جعفر حدثكم هذا ما كذبكم فلما جزاني عن جرش قدمت المدينة فلقيت عبد الله بن جعفر فقلت يا أبا جعفر ما حديث حدثني به عنك أهل جرش فقال كذبوا وأتيتهم هذا ولقد رأيت عمر بن الخطاب يؤتى بالاناء فيه الماء فيعطيه معيقيب وكان رجلا قد أسرع فيه ذلك الوجع فيشرب منه ثم يثنا وله عمر من يده فيضع فمه موضع فمه حتى يشرب منه فعرفت انما يصنع عمر ذلك فرارا (٤٩٩) من أن يدنيه شيء من العدوى قال وكان

يغلب له الطب من كل من سمع له بطب حتى قدم عليه رجلان من أهل اليمن فقال هل عند كما من طب لهذا الرجل الصالح فان هذا الوجع قد أسرع فيه فقالا أما شيء يذهبه فلا نقدر عليه ولكن عندنا دواء يوقفه فلا يزيد فقال عافية عظيمة أن يقف فلا يزيد فقالا له هل تثبت أرضك الحنظل قال نعم قالا فاجمع لنا منه فأمر فجمع له منه مكتلين عظيمين فعمد الى كل حنظلة فشقها باثنتين ثم أضجعا معيقيبا ثم أخذ كل رجل منهما باحدى قدميه ثم جعلا يدلكان بطون قدميه بالحنظل حتى اذا أعقبت أخذا أخرى حتى رأينا معيقيبا يتخضخ أخضر مرارا ثم أرسلاه فقالا لعمر لا يزيد رجعه بعد هذا أبدا قال فوالله ما زال معيقيب منماسكا لا يزيد رجعه حتى مات ابن سعد وروى

رسول الله صلى الله عليه وسلم لا يجني جان الا على نفسه لا يجني والد على ولده ولا مولود على والده

*(بقية حديث خريم بن فاتك رضي الله تعالى عنه)*

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هيثم بن خارجة قال ثنا محمد بن أيوب عن منيرة بن خالد قال سمعت أبي سمع خريم بن فاتك الاسدي يقول أيها الناس سوط الله في الارض ينتقم بهم ممن يشاء كيف يشاء وحرام علينا فقهم ان يظهر وا علينا ومؤمنهم ولن يموتوا الا هما أو غيظا أو حزنا حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هيثم بن خارجة قال ثنا طياف الاسكندراني عن ابن شراحيل بن بكيل عن أبيه عن أبيه شراحيل قال قلت لابن عمران لي أرحاما بمصر يتخذون من هذه الاعناب قال وفعل ذلك أحد من المسلمين قلت نعم قال لا تكونوا بمنزلة اليهود حرمت عليهم الشحوم فباعوها وأكلوا أثمانها قال قلت ما تقول في رجل أخذ عنبا سودا فعصره فشربه قال لا باس فلما ولت قال ما حمل شربه حمل بعته قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هيثم قال حدثنا عبد الله بن ميمون الاشعري عن العلاء بن الحرث عن مكحول رفعه قال ايما شجرة أظلت على قوم فصاحبها بالخيار من مطعم ما أظل أو أوكل ثمرها

*(حديث عبد الرحمن بن عثمان ان نبي الله صلى الله عليه وسلم)*

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا ابراهيم بن اسحق قال حدثني المنكدر بن محمد يعني ابن المنكدر عن أبيه عن عبد الرحمن بن عمار النهمي قال رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم قائما في السوق يوم العيد ينظر والناس يمرون قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا هاشم عن ابن أبي ذئب وزيد قال أنا ابن أبي ذئب عن سعيد بن جبير عن سعيد بن المسيب عن عبد الرحمن بن عثمان التيمي ذكر طبيبا الا واه عند رسول الله صلى الله عليه وسلم وذكر الضفدع تكون في الدواء فنهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن قتلها قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سريج وهرون قالا ثنا ابن وهب عن عمرو بن الحرث عن بكير بن الاشج عن يحيى بن عبد الرحمن بن حاطب عن عبد الرحمن بن عثمان التيمي أن رسول الله صلى الله عليه وسلم نهى عن لقطة الحاج وقال هرون في حديثه عمرو بن الحرث قال عبد الله وسمعته أنا من هرون

*(حديث علباء رضي الله تعالى عنه)*

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن ثابت قال حدثني عبد الحميد بن جعفر الانصاري عن أبيه عن علباء السلمي قال ان رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول لا تقوم الساعة الا على حثالة الناس

*(حديث هوذة الانصاري عن جده رضي الله تعالى عنهما)*

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا علي بن ثابت قال حدثني عبد الرحمن بن النعمان بن معبد بن هوذة الانصاري

صدره ابن جرير الى قوله من أن يدنيه شيء من العدوى * عن ابن أبي مليكة أن عمر بن الخطاب مر بامرأة مجذومة وهي تطوف بالبيت فقال لها يا أمة الله لا تؤذي الناس لو جلست في بيتك فجلست فمر بها رجل بعد ذلك فقال ان الذي كان نهاك قد مات فاخرجي قالت ما كنت لاطيعه حيا وأعصيه ميتا مالك والخراتني عن اعتلال القلوب * عن عمرو بن الشريد عن أبيه قال كان في وفد ثقيف رجل مجذوم فأرسل اليها النبي صلى الله عليه وسلم وهو على الباب ارجعوا قد بايعناك فارجع ابن جرير * عن ابن عمر قال كنا مع النبي صلى الله عليه وسلم في طريق بين مكة والمدينة فمر بعسفان فرأى المجذومين وفي لفظ في وادي المجذومين فأسرع رسول الله صلى الله عليه وسلم السير وقال ان كان شيء من الداء يعدي فهو هذا ابن النجار وقال فيه الخليلي من زكريا الشيباني عامة أحاديثه مناكير لم يتابع عليها * (البرص * الافعال) * عن شيم بن زيم البكري أبي مريم قال كنت مع عمر وعلي وعبد الرحمن وهم يأكلون فجاء رجل من خلف عمر به برص فتناول منه فقال له عمر أخر وقال بيده فقال

على نفسك بين طعامك وآذيت جليسك فجعل عمر ينظر الى عبد الرحمن فقال عبد الرحمن صدق يا أمير المؤمنين ان أمرهذا كذا وكذا ينتقصه فقال عمر أتنفيه قال لا قال فعلمه على ناقتي وكساه حلة ابن جرير * (النقرس * الافعال) * عن قيس بن أبي حازم ان رجلا أتى عمر بن الخطاب يشكو اليه النقرس فقال عمر كفيتك بتلك الظهائر الدينوري قال الحربي أي عليك بالمشي حافيا في الهاجرة * (الخامرة) * ان الخامرة عرق الكلية اذا تحرك أذى صاحبها فداووها بالماء المحرق والعسل (ك) عن عائشة * (عرق النسا) * شفاء عرق النسا اليتة شاة اعرابية شاب ثم تجز أثلاثة أجزاء ثم تشرب على الريق كل يوم جزأ (حم ه ت) عن أنس * (الاكمال) * يأخذ اليتة كبش عربي ايش باعظمها ولا أصغرها فيقطعها صغارا ثم يذيبها في جديدا ثم يجعلها ثلاثة أجزاء فيشرب كل يوم جزأ على الريق النفس في عرق النسا (ك) عن أنس * من اشترى أو أهدى له كبش فليقسمه على ثلاثة أجزاء فيطعم كل يوم جزأ على الريق ان شاء أسلاه وان شاء أكله أكلا يعني اليتة الكبش يتداوى به من عرق النسا (ض) عن ابن عمر * (الفالج * الاكمال) * يوشك الفالج أن يغشى الناس حتى يمتنعوا الطاعون البغدادي في جزء ما روى الكبار عن الصغار عن أنس * (الطاعون وما يتعلق به) * اذا سمعتم بالطاعون بارض فلا تدخلوا عليه واذا وقع وأنتم بارض فلا تخرجوا منها فرارا منه (حم ق ن) عن أسامة بن زيد (حم ن) عن عبد الرحمن بن عوف (د) عن ابن عباس * الطاعون آية الرجز ابتلى الله به ناسا من عباده فاذا سمعتم به فلا تدخلوا عليه واذا وقع بارض وأنتم بها فلا تفروا منه (م) عن أسامة بن زيد * يختصم الشهداء والمتوفون على فرشهم الى ربنا في الذين يتوفون من الطاعون فيقول الشهداء اخواننا قتلوا كما قتلنا ويقول المتوفون على فرشهم انظروا الى جراحهم فان أشبهت جراحهم جراح المقتولين معهم فينظر الى جراح المطعونين فاذا جراحهم قد أشبهت جراح الشهداء فيلحقون بهم (حم ق ن) عن العرباض بن سارية * أتاني جبريل بالحمى والطاعون فامسكت الحمى بالمدينة وأرسلت الطاعون بالشام فالطاعون شهادة لامتي ورجز على الكافرين (حم) وابن سعد عن أبي عسيب * الطاعون بقية رجز وعذاب أرسل على طائفة من بني اسرائيل فاذا وقع بارض وأنتم بها فلا تخرجوا منها فرارا منه واذا وقع بارض ولستم بها فلا تهبطوا عليها (ق ت) عن أسامة * الطاعون شهادة لكل مسلم (حم ق) عن أنس * الطاعون كان عذابا يبعثه الله على من يشاء وان الله جعله رحمة للمؤمنين فليس من أحد يقع الطاعون فيمكث في بلده صابرا محتسبا يعلم انه لا يصيبه الا ما كتب الله له الا كان له مثل أجر شهيد (حم خ) عن عائشة * الطاعون شهادة

---

عن أبيه عن جده أن رسول الله صلى الله عليه وسلم أمر بلالا أن يرقد عند النوم

* (حديث بشير بن عقربة رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا سعيد بن منصور قال عبد الله وحدثناه أبي عنه وهو حي قال ثنا هجر بن الحرث الغساني من أهل الرملة عن عبد الله بن عون الكناني ركاز عامل لعمر بن عبد العزيز على الرملة انه شهد عبد الملك بن مروان قال ليشير بن عقربة الجهني يوم قتل عمرو بن سعيد بن العاص يا أبا اليمان اني قد اخترت اليوم الى كلامك فقم فتكلم قال اني سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول من قام بخطبة لا يلتمس بها الا رياء وسمعة أوقفه الله عز وجل يوم القيامة موقف رياء وسمعة

* (حديث عبيد بن خالد السلمي رضي الله تعالى عنه) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو النضر قال ثنا شعبة عن عمرو بن مرة قال سمعت عمرو بن ميمون يحدث عن عبد الله بن ربيعة السلمي عن عبيد بن خالد السلمي وكان من أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم قال آخى النبي صلى الله عليه وسلم بين رجلين فقتل أحدهما على عهد النبي صلى الله عليه وسلم ثم مات الآخر فصلوا عليه فقال النبي صلى الله عليه وسلم ما قلتم قال قلنا اللهم اغفر له اللهم ارحمه اللهم ألحقه بصاحبه فقال النبي صلى الله عليه وسلم فاين صلاته بعد صلاته أو أين صيامه بعد صيامه أو عمله بعد عمله ما بينهما أبعد ما بين السماء والارض

* (حديث رجل من النبي صلى الله عليه وسلم) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا أبو اليمان قال أنا شعيب عن الزهري قال أخبرني عبد الله بن كعب بن مالك الانصاري وهو أحد الثلاثة الذين تيب عليهم انه أخبره بعض أصحاب النبي صلى الله عليه وسلم ان النبي صلى الله عليه وسلم خرج يوما فصار أسه فقال في خطبته أما بعد يا معشر المهاجرين فانكم قد أصبحتم تزيدون وأصبحت الانصار لا تزيد على هيئتها التي هي عليها اليوم وان الانصار عيبتي التي آويت اليها فاكرموا كريمهم وتجاوزوا عن مسيئهم

* (حديث خادم النبي صلى الله عليه وسلم) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عفان ثنا خالد يعني الواسطي قال ثنا عمرو بن يحيى الانصاري عن زياد بن أبي زياد مولى بني مخزوم عن خادم للنبي صلى الله عليه وسلم رجل أو امرأة قال كان النبي صلى الله عليه وسلم يمر به يقول للخادم ألك حاجة قال حتى كان ذات يوم فقال يا رسول الله خاجتي قال وما حاجتك قال حاجتي أن تشفع لي يوم القيامة قال ومن دلك على هذا قال ربي قال أما الا فاعني بكثرة السجود

* (حديث وحشي الحبشي عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

لامتي وذخر أعدائكم من الجن غدة كغدة الابل تخرج في الآباط والمراق من مات فيها مات شهيدا ومن أقام فيها كان كالمرابط في سبيل الله ومن فر منه كان كالفار من الزحف (طس) وأبو نعيم في فوائد أبي بكر بن خلاد عن عائشة * اللهم اجعل فناء أمتي قتلا في سبيلك بالطعن والطاعون (حم طب) عن أبي بردة الاشعري * رأيت كأن امرأة سوداء ثائرة الرأس خرجت من المدينة حتى نزلت مهيعة فقلت أولتها ان وباء المدينة نقل اليها (حم ت) عن ابن عمر * ستهاجرون الى الشام فيفتح لكم ويكون فيكم داء كالدمل وكالغدة يأخذ بمراق الرجل يستشهد الله به أنفسهم ويزكي به أعمالهم (حم) عن معاذ * (الاكمال) * ان الطاعون رحمة بكم ودعوة نبيكم وموت الصالحين قبلكم وهو شهادة الشيرازي في الالقاب عن معاذ * دعها عنك فان من العرف التلف (حم د هب) عن فروة بن مسيك * (الافعال) * عن أبي بكر الصديق قال كنت مع النبي صلى الله عليه وسلم في الغار فقال اللهم طعنا وطاعونا قلت يا رسول الله اني (ك ٥٠٥) أعلم أنك سألت مناأ فتك فهذا الطعن قد عرفناه فما الطاعون قال ذرب كالدملي ان طالت بك حياة فستراه (ع) وسنده ضعيف * عن أبي السفر قال كان أبو بكر اذا بعث الى الشام بايعهم على الطعن والطاعون * مسدد * عن أنس أن عمر بن الخطاب أقبل يريد الشام فاستقبله طلحة بن عبيد الله وأبو عبيدة ابن الجراح فقالا يا أمير المؤمنين ان معك وجوه أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم وخيارهم وانا تركنا بعدنا مثل حريق النار يقال له الطاعون فارجع العام فرجع فلما كان العام المقبل جاء فدخل (كر) * عن طارق ابن شهاب قال كنا عند أبي موسى فقال لناذات يوم لا يصركم أن تخفوا عني فان هذا الداء قد أصاب في أهلي يعني الطاعون فمن شاء أن يعيره فليفعل واحذروا اثنتين لا يقولن قائل ان هو جلس فعوفي الحارج لو كنت خرجت لعوفيت كما عوفي ولا يقولن الخارج ان هو عوفي وأصيب الذي جلس لو كنت جلست أصبت كما أصيب فلان واني ساحدثكم بما ينبغي للناس من خروج هذا الطاعون ان أمير المؤمنين كتب الى أبي عبيدة بن الجراح حيث سمع بالطاعون الذي أخذ الناس بالشام اني قد بدت لي حاجة اليك فلا غنى بي عنك فيها فان أتاك كتابي ليلا فاني أعزم عليك أن تصبح حتى تركب الي وان أتاك نهارا فاني أعزم عليك أن تمسي حتى تركب الي فقال أبو عبيدة قد علمت حاجة أمير المؤمنين التي عرضت وانه يريد أن يستبقي من ليس ببقاء فكتب اليه اني في جند من المسلمين ان أرغب بنفسي عنهم واني قد علمت حاجتك التي عرضت لك وانك تستبقي من ليس ببقاء فاذا أتاك كتابي هذا فخلني من عزمتك وائذن لي في الجلوس فلما قرأ عمر فاضت عيناه وبكى فقال له من عنده يا أمير المؤمنين مات أبو عبيدة قال لا فكتب فدفكتب اليه عمر ان الاردن أرض وبيئة عمقة وان الجابية أرض نزهة فاظهر بالها حين يأتيها قال أبو عبيدة حين قرأ الكتاب أما هذا فنسمع

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن المثنى أبو عمر قال حدثنا عبد العزيز يعني ابن عبد الله بن أبي اسامة عن عبد الله بن الفضل عن سليمان بن يسار عن جعفر بن عمرو الضمري قال خرجت مع عبيد الله بن عدي بن الخيار الى الشام فلما قدمنا حمص قال لي عبيد الله هل لك في وحشي نسأله عن قتل حمزة قلت نعم وكان وحشي يسكن حمص قال فسألنا عنه فقيل لنا هو ذا في ظل قصره كأنه حيت قال فجئنا حتى وقفنا عليه فسلمنا فرد علينا السلام قال وعبيد الله معتجر بعمامته ما يرى وحشي الا عينيه ورجليه فقال عبيد الله يا وحشي أتعرفني قال فنظر اليه ثم قال لا والله الا أني أعلم ان عدي بن الخيار تزوج امرأة يقال لها أم قتال ابنة أبي العيص فولدت له غلاما بمكة فاسترضعه فمكث ذلك الغلام مع أمه فنا ولتها اياه فلكأني نظرت الى قدميك قال فكشف عبيد الله وجهه ثم قال ألا أخبرنا بقتل حمزة قال نعم ان حمزة قتل طعيمة بن عدي ببدر قال لي مولاي جبير بن مطعم ان قتلت حمزة بعمي فأنت حر فلما خرج الناس يوم عينين قال وعينين جبيل تحت أحد وبينه وبينه واد خرجت مع الناس الى القتال فلما ان اصطفوا للقتال قال خرج سباع من مبارز قال فخرج اليه حمزة بن عبد المطلب فقال سباع ابن أم انمار يا ابن مقطعة البظور اتحادا دالله ورسوله ثم شد عليه فكان كما لم يكن الذاهب وأكمنت لحمزة تحت صخرة حتى اذا مر علي فلما ان دنا مني رميته فأضعها في ثنته حتى خرجت من بين وركيه قال فكان ذلك العهد به قال فلما رجع الناس رجعت معهم فأقمت بمكة حتى فشا فيها الاسلام قال ثم خرجت الى الطائف قال فأرسل الي رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فقيل له انه لا يهيج للرسل قال فخرجت معهم حتى قدمت على رسول الله صلى الله عليه وسلم قال فلما رآني قال أأنت وحشي قال قلت نعم قال أأنت قتلت حمزة قال قلت قد كان من الامر ما بلغك قال فهل تستطيع ان تغيب عني وجهك قال فرجعت فلما توفي رسول الله صلى الله عليه وسلم وخرج مسيلمة الكذاب قال قلت لاخرجن الى مسيلمة لعلي أقتله فأكافئ به حمزة قال فخرجت مع الناس فكان من أمرهم ما كان قال فاذا رجل قائم في ثلمة جدار كأنه جمل أورق ثائر رأسه قال فأرميه بحربتي فأضعها بين ثندوته حتى خرجت من بين كتفيه قال ووثب اليه رجل من الانصار فضربه بالسيف على هامته قال عبد الله بن الفضل فأخبرني سليمان بن يسار أنه سمع عبد الله بن عمر فقالت جارية على ظهر بيت وامير المؤمنين قتله العبد الاسود حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يزيد بن عبد ربه قال ثنا الوليد بن مسلم عن وحشي بن حرب عن أبيه عن جده ان رجلا قال للنبي صلى الله عليه وسلم انا نأكل ولا نشبع قال فلعلكم تأكلون مفترقين اجتمعوا على طعامكم واذكروا اسم الله تعالى عليه يبارك لكم فيه

* (حديث رافع بن مكيث رضي الله تعالى عنه عن النبي صلى الله عليه وسلم) *

فيه أمر أمير المؤمنين ونطيعه فامرني أن أركب وأبوئ الناس منازلهم وطعنت امرأتي فمكثت أياما عبيدة فاخبرته فانطلق أبو عبيدة يبوئ الناس منازلهم فطعن فتوفي رحمه الله واستكشف الطاعون فقال أبو الموجز عموا ان أبا عبيدة كان في ستة وثلاثين ألفا من الجند فمات توا فلم يبق الا ستة آلاف رجل (كر) وروى سفيان بن عيينة في جامعه عن طارق نحوه أخصر منه * عن علي قال دعاني علي امته فقيل له أتحب أن أسلط عليهم الجوع قال لا قيل أتحب أن ألقي بأسهم بينهم قال لا فسلط عليهم الطاعون * موتاذفيا يحرق القلوب ويقل العدد ابن عساكر هو به * عن عبد الرحمن ان عمر كتب الى عماله بالشام اذا سمعتم بالوباء قد وقع فاكتبوا الي فكتبوا الي فحثث وهو نائم وذلك بعد أمر جوارعمن سرغ فمكثت لما قام من نومه قال اللهم اغفر لي في رجوعي من سرغ ابن عساكر هو به * عن زرعة بن ذويب الدمشقي ان عمر بن الخطاب كتب الى عماله بالشام اذا وقع الوباء بارض فاكتبوا الي فلما وقع الوباء بالشام (ض ه) كتب اليه فاقبل حتى قدم (كر) * عن عبد الله بن عباس ان عمر بن الخطاب خرج الى الشام حتى اذا كان بسرغ لقيه أمراء الاجناد أبو عبيدة وأصحابه فاخبروه ان الوباء قد وقع بالشام فقال عمر ادعوا الي المهاجرين الاولين فدعاهم فاستشارهم واختلفوا عليه فقال بعضهم قد خرجت لامر ولا نرى أن ترجع عنه وقال بعضهم معك بقية الناس من أصحاب رسول الله صلى الله عليه وسلم ولا نرى أن تقدمهم على هذا الوباء فقال ارتفعوا عني ثم قال ادعوا الي الانصار فدعوتهم فاستشارهم فسلكوا سبيل المهاجرين واختلفوا كاختلافهم فقال ارتفعوا عني ثم قال ادعوا الي من كان ههنا من مشيخة قريش من مهاجرة الفتح فدعاهم فلم يختلف عليه منهم رجلان فقالوا نرى أن ترجع بالناس ولا تقدمهم على هذا الوباء فنادى عمر في الناس اني مصبح على ظهر فاصبحوا عليه فقال أبو عبيدة بن الجراح افرارا من قدر الله فقال عمر أوغيرك قال فاهنا يا أبا عبيدة نعم نفر من قدر الله الى قدر الله أرأيت لو كان لك ابل فهبطت واديا له عدوتان احداهما خصبة والاخرى جدبة أليس ان رعيت الخصبة رعيتها بقدر الله وان رعيت الجدبة رعيتها بقدر الله قال فجاء عبد الرحمن بن عوف وكان متغيبا في بعض حاجته فقال ان عندي من هذا علما سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول اذا سمعتم به بارض فلا تقدموا عليه واذا وقع بارض وأنتم بها فلا تخرجوا فرارا منه قال فحمد الله عمر ثم انصرف مالك وسفيان وابن عيينة في جامعه (حم خ م هق) * عن زنكل بن علي وزر اعمر بن عبد العزيز قال قال حذيفة بن اليمان ياطاعون خذني الليلة ثلاث مرات قبل سفك دم حرام وقبل جور في الحكم وقبل امارة الصبيان وكثرة الزبانية (كر) * عن عبد الرحمن بن غنم قال وقع الطاعون بالشام فقال عمرو بن العاص ان هذا الطاعون رجز فاخرجوا منه في الاودية والشعاب فبلغ ذلك شرحبيل بن حسنة فغضب وقال كذب عمرو بن العاص

---

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال انا معمر عن عثمان بن زفر عن بعض بني رافع بن مكيث وكان من شهد الحديبية ان النبي صلى الله عليه وسلم قال حسن الخلق ثلاثة أو سبعة الخلق ثلثا العمر والصدقة تمنع ميتة السوء

* (حديث أبي لبابة عبد المنذر بن عبد المنذر رضي الله تعالى عنهما) *

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح ثنا ابن جريج حدثني ابن شهاب ان الحسين بن السائب بن أبي لبابة أخبره ان أبا لبابة عبد المنذر لما تاب الله عليه قال يا رسول الله من توبتي الى الله عز وجل ان أهجر دار قومي وأسا كنك وان انخلع من مالي صدقة لله عز وجل ولرسوله فقال رسول الله صلى الله عليه وسلم يجزئ عنك الثلث

* (حديث جميع بن يعقوب عن غلام من أهل قباء أدرك النبي صلى الله عليه وسلم) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يونس بن محمد قال ثنا العطاف قال حدثني جميع بن يعقوب عن غلام من أهل قباء انه أدركه شيخا انه قال بينما نا رسول الله صلى الله عليه وسلم بقباء في قباء الحجر في فناء الحجر واجتمع اليه ناس فاستسقى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسقي فشرب وأعطى عن يمينه وثنى أحدث القوم فنا ولني فشربت وسقيت الله صلى بنا يومئذ الصلوات وعليه نعلاه لم ينزعهما

* (حديث زينب امرأة عبد الله رضي الله تعالى عنهما) *

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا محمد بن جعفر قال ثنا شعبة عن سليمان بن أبي وائل عن عمرو بن الحرث عن زينب امرأة عبد الله انها قالت قال رسول الله صلى الله عليه وسلم للنساء تصدقن ولو من حليكن قالت فكان عبد الله خفيف ذات اليد فقالت له أيجزيني ان أضع صدقتي فيك وفي بني أخي أو بني أخ لي يتامى فقال عبد الله سلي عن ذلك النبي صلى الله عليه وسلم قالت فانطلقت الى النبي صلى الله عليه وسلم فاذا على بابه امرأة من الانصار تحاجتها كحاجتي فمر علينا بلال فقلنا انطلق الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فسله عن ذلك ولا تخبر من نحن فانطلق الى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال من هما فقال زينب فقال أي الزيانب فقال زينب امرأة عبد الله وزينب الانصارية فقال نعم لهما أجران أجر القرابة وأجر الصدقة قال

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يحيى بن سعيد ثنا الاعمش عن منصور عن عمرو بن الحرث بن المصطلق عن زينب امرأة عبد الله قالت أمرنا رسول الله صلى الله عليه وسلم بالصدقة فقال تصدقن يا معشر النساء فذكر الحديث قال

حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق قال أنا سفيان عن الاعمش عن شقيق عن عمرو بن الحرث بن المصطلق عن زينب قالت قال رسول الله صلى الله عليه وسلم تصدقن يا معشر النساء فذكره

(حديث

لقد صحبت رسول الله صلى الله عليه وسلم وتجرد أضل من بني أهله ان هذا الطاعون دعوة نبيكم ورحمة ربكم ووفاة الصالحين قبلكم فبلغ ذلك معاذا فقال اللهم اجعله نصيب آل معاذ الا وفر فماتت ابنتاه وطعن ابنه عبد الرحمن. (٥٠٣) فقال لقى من ربك فلا تكونن من

*(حديث رائلة امرأة عبد الله عن النبي صلى الله عليه وسلم)*

قال حدثنا عبد الله حدثني أبي قال ثنا حسين بن محمد ثنا ابن أبي الزناد وسليمان بن داود قالا ثنا الرحمن عن أبيه عن عروة عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن رائلة امرأة عبد الله وكانت امرأة صناعا وكانت تبيع وتصدق فقالت لعبد الله يوما لقد شغلتني أنت وولدك فما أستطيع ان أتصدق معكم فقال ما أحب ان لم يكن في ذلك أجران تفعلي فسألا عن ذلك رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم لك أجر ما أنفقت عليهم قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا يعقوب حدثنا أبي عن ابن اسحق قال حدثني هشام بن عروة عن أبيه عن عبيد الله بن عبد الله بن عتبة عن رائلة امرأة عبد الله بن مسعود وأم ولده وكانت امرأة صناع اليد قال فكانت تنفق عليه وعلى ولده من صنعتها قالت فقلت لعبد الله بن مسعود لقد شغلتني أنت وولدك عن الصدقة فما أستطيع ان أتصدق معكم بشيء فقال لها عبد الله والله ما أحب ان لم يكن في ذلك أجران تصدقي فأتت رسول الله صلى الله عليه وسلم فقالت يا رسول الله ان امرأة ذات صنعة أبيع منها وليس لي ولا لولدي ولا لزوجي نفقة غيرها وقد شغلوني عن الصدقة فما أستطيع أن أتصدق بشيء فهل لي من أجر فيما أنفقت قال فقال لها رسول الله صلى الله عليه وسلم أنفقي عليهم فان لك في ذلك أجرما أنفقت عليهم

*(حديث أم سليمان بن عمرو بن الاحوص رضي الله تعالى عنهما)*

قال حدثنا عبد الله بن أحمد قال حدثني أبي قال ثنا ابن فضيل عن يزيد عن سليمان بن عمرو بن الاحوص عن أمه قالت رأيت رسول الله صلى الله عليه وسلم يرمي جمرة العقبة من بطن الوادي يوم النحر وهو يقول يا أيها الناس لا يقتل بعضكم ولا تصيبوا بعضكم وارميتم الجمرة فارموا بمثل حصى الخذف فرمى بسبع ولم يقف وخلفه رجل بيده فلت من هذا قالوا الفضل بن العباس قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا عبد الرزاق أنا معمر عن يزيد بن أبي زياد عن سليمان بن عمرو بن الاحوص عن أمه وكانت بايعت النبي صلى الله عليه وسلم فقالت سمعت رسول الله صلى الله عليه وسلم يقول وهو يرمي الجمرة من بطن الوادي وهو يقول يا أيها الناس لا يقتل بعضكم بعضا واذا رأيتم الجمرة فارموها بمثل حصى الخذف قال حدثنا عبد الله حدثني أبي ثنا روح قال ثنا شعبة عن يزيد بن أبي زياد عن سليمان بن عمرو بن الاحوص الازدي عن أمه عن النبي صلى الله عليه وسلم انها سمعته يقول عند جمرة العقبة يا أيها الناس لا تقتلوا أنفسكم وارموا الجمرة أو الجمرات بمثل حصى الخذف* هذا آخر مسند المكيين

*(تم الجزء الثالث ويليه الجزء الرابع أوله مسند المدنيين)*

المهتمين فقال سنجدني ان شاء الله من الصابرين وطعن معاذ في ظهر كفه فجعل يقول هي أحب الي من حمر النعم ورأى رجلا يبكي عنده فقال ما يبكيك قال العلم الذي كنت أصيبه منك قال فلا تبكي فان ابراهيم كان في الارض وليس بها عالم فاذا شاء الله علما فاذا أتاها طالب العلم عند أربعة عبد الله بن مسعود وعبد الله بن سلام وسلمان وأبي الدرداء ابن خزيمة (كر) عن يونس بن ميسرة بن حلبس قال نزل المسلمون الجابية وهم أربعة وعشرون ألفا فوقع الطاعون فيهم فذهب منهم عشرون ألفا وبقي أربعة آلاف فقالوا هذا طوفان وهذا رجز فبلغ ذلك معاذا فبعث فوارس يجمعون الناس قال اشهدوا المدارس اليوم عند معاذ فلما اجتمعوا قام فيهم فقال أيها الناس والله لو أعلم اني أقوم فيكم بعد مقامي هذا ما تكلفت القيام فيكم وقد بلغني انكم تقولون هذا الذي وقع فيكم طوفان ورجز والله ما هو طوفان ولا رجز وانما الطوفان والرجز كان عذب الله به الامم ولكن في الدنيا ٧ الله لكم فاستجاب لكم دعوة نبيكم صلى الله عليه وسلم الا فمن أدرك منكم استطاع أن يموت فليمت أن يكفر الرجل بنداعمله وان يسفك الدم بغير حقه وان يعلى مال الله بان يكذب أو يفجر وان يظهر التلاعن بينكم أو يقول الرجل حين يصبح والله لئن حييت أو مت ما أدري ما أتاعليه (كر)